

दंवरकुष्टलक्षणोपायः

ओं

हिन्दी वैद्यक ग्रन्थ

श्रीरणवीरप्रकाश

प्रथम भाग

श्री महाराजा स्वर्गवासी श्रीरणवीरसिंह

की

आज्ञानुसार

संस्कृत वैद्यकग्रन्थों से सर्वसाधारण के सुभीते के लिए

हिन्दी छन्दों में अनुवाद कराकर

प्रथम वार

मुद्रण किया था ।

जिस को

आज

द्वितीय वार

लेफटेनएट जनरल हिज हाइनिस श्री महाराजा सर प्रतापसिंग साहिब बहादुर

जी० सी० एस० आई० जी० सी० आई० ई०

इन्द्र महेन्द्र सिपर सल्तनति इंग्लिशा

की

आज्ञा से

जेर इहतिमाम पं० कृपाराम साहिब सुपरइनटेनडेएल धर्मार्थ रियासति जम्बू कश्मीर ने

पं० विश्वनाथ एंड सन्स फोटाग्राफर्स

के

अधिकारस्थ

"कश्मीर प्रताप स्टीम प्रेस श्रीनगर"

नामक

मुद्रणालय में छपवाकर प्रकाशित किया ॥

विक्रम सन् १९७४

द्वितीयावृति १००० नं० १२९९

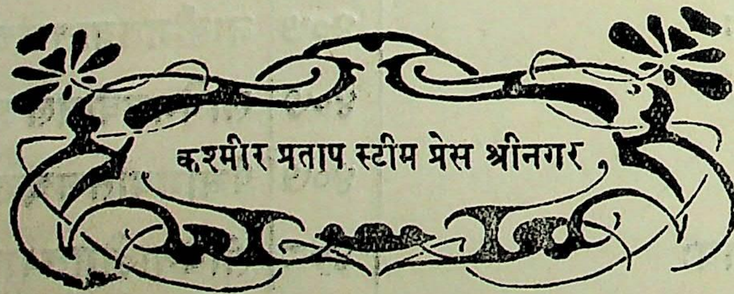
उँ श्रीगणेशायनमः ॥ श्रीरघुनाथोजयति ॥ अथात्रश्रीरणवीरप्रकाशग्रंथप्रथमभागस्यसूचीपत्रम्

श्रीरणवीरप्रकाशः

॥ प्रथमभागः ॥

इसप्रथमभागमें शरीरकसेंआदलेकरवातरोगाधिकारमयंतछपाहै
इससेंआगे रक्तपित्तरोगसेंलेकर अर्कविधिपर्यंतदूसरेभागमेंचिकित्साछपीहै
जिस किसी को श्रीरणवीरप्रकाश का प्रथम या दूसरा भाग लेने की इच्छा होवे वह जम्बू राजधानी के 'महकमा धर्मार्थ' से मूल ले लेवे

शुभंभूयात्सर्वजगताम् ॥



पं० विश्वनाथ एन्ड सन्स फोटोग्राफरस कश्मीर

॥ श्रीरघुनाथो जयति ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ स्वस्ति श्रीगणेशाय नमो विघ्नविनाशिने गजवक्त्रैकदंताय विद्याबुद्धिप्रकाशिने ॥ दोहा ॥ गौंपतीगौरीगिरपतीगुरुगणपतिगींदेव नमो चरणयुगध्यानधरवरपाऊंजहसेव प्रथमभवानीशारदा पूजोविष्णुमहेश वंदोविघ्ननिवारयोगौरीपुत्रगणेश श्रीरघुकुलसूरजप्रभारामचन्द्रबलवीर युगचरणनवंदनकरोजिहहोवतमतिधीर ॥ छपै ॥ श्रीशंकरशुभजटाधाराशिरगंगविराजे कमलफूलात्रिशूलहाथवरडमरूसाजे नीलकंठफनियरफरेअंगविभूतीगाज वामभागगिरजारहेकोटीरविद्युतिलाज चर्मअंगमृगछालभालचंदशीतलकरन रोगहरेआनंदकरहोप्राणीशंकरशरण ॥ राजवर्णनं ॥ दोहा ॥ श्रीकिशौरसिंहहिदियोरघुवरहितवरयेहा ॥ तीनोकारणकलायुतउपजेभूपतिगेह ॥ तिहकारणनागरनवल प्रगटभयेसुरराज ब्रह्मकलायुतउदितश्रीगुलाबसिंहमहाराज ॥ विष्णुकलायुतशांतिमतध्यानसिंहबलःवीर रुद्रकलायुतप्रगटयोसुचेतसिंहरणधीर तिहभूपनकेवंशमेउपजेकलानिधान ॥ राजनपतमहराजश्रीरणवीरसिंहमतिमान ॥ जौलौंसूरजचंद्रमा गगनसुमेरुसुरकाज तौलौंअटलहिमालवताचिरंजीवमहराज ।पुरवर्णनं दोहा ॥ सप्तद्वीपनवखंडमैभारतखंडअनूप तामहिपुरजंबूलसें सभदेसनकोभूप अतिश्रेष्टजंबूनगर द्विपऊजागरराज वर्ततश्रीपुरसोंअधिक इंद्रपुरीद्युतिसाज नामरहतजाजगतमे नामचलतहैसाथ तिहनामहिकेकारणे कृपाद्दष्टिरघुनाथ एकदिवसउपकारहितहुकमदियोमतिमान पंडितश्रीजगद्धरहिकोफुनिज्वाहरवैद्यसुजान ग्रंथएकअद्भुतरचो विविधाचिकित्सासार जिहकरप्राणीछुटहिंगे रोगक्लेशसंसार हुकमपायचिंतनकियो गणपतिपूरणआश ताहिरच्योशुभनामधर श्रीरणवीरप्रकाश उन्नीसौपच्चीसशुभ संवतविक्रमजात ऋतुवर्षासावनशुदी गुरुवारातिथिसात तादिनफुनिउद्यमकियो वैद्यशास्त्रहितजान सकलग्रंथमतसारले भाषारचीसुजान भाषाशाखाशास्त्रकी श्रुतिस्मृतिज्योकोय शास्त्रसंस्कृतकठिनहै भाषासुगमीहोय ॥सोरठा॥ रच्योग्रंथशुभआसग्रंथसंस्कृतसारले श्रीरणवीरप्रकाशनानाछंदप्रबंधसो ॥दोहा॥ आदिग्रंथमतसारले भाषारचीसह्यार जामेचूकपरेतऊ लीजोवैद्यविचार ॥श्रीधन्वंतरदेवजो नारायणअवतार नमोचरणयुगतासके हरतजोयोरोगअपार जोविश्वंभरविश्वगत विश्वरूपभगवान पांचतत्वसोध्याईए घटघटज्योइकभान संपूरणब्रह्मांडका सतचितआनंदरूप परमात्माइछारहित कारणकरताभूप स्वयंब्रह्मकीप्रकृती मायानामअविनाश ज्यौंरविछायाप्रकृति चैतन्यरूपप्रकाश परमात्माचैतन्यहैमायाजडपहिचान सोमनमायासंगतें भ्रमतनर्तकीजान तिहमायाजगसाजिकर नानारूपधरेय याअनित्यसंसारमाहि नटवरस्वांगकरेय मायानामसुप्रकृती तिहउपजीमतिबुद्धताहिबुद्धिकोशरणहो योगीपावेसिद्ध महतत्वतिसबुद्धिको रूपस्वयंवरमान अहंकारकीउत्पती महतत्वसेंजान अहंकारकेतीनगुण रजतमसत्वपछांन सतरजकेसंयोगतें दशइंद्रिजियजान मनकीउत्पतजानिये सतरजजुगसंजोग बाह्याभ्यंतरइंद्रियन प्रगटकरतसवजोग प्रकृतिपुरुषसाधर्महै जुगअनादिरहिअंत नितव्यापतइहजगतमहि

प्रकृतिपुरुषजुगतंत वैद्यग्रंथकोंफलउदित मूलइलाजपछान सोइलाजमानुषउचित देहधारवरजांन चौ-बीतत्वजीवात्मा इहसमूहनरमान तातेंप्राणीकोउचित जानतत्वविज्ञान ज्ञानेंद्रीइहजानिये कायामो-ऋतिसांच जिव्हानेत्रफुननासिका कानत्वचाइहपांच अतितमसतगुणमिलतहि अहंकारएकत्र तन्मा-त्राकोरूपसोंउत्पतकरैविचित्र शब्दस्पर्शरसरूपहे पंचमगंधपछान तन्मात्रायाकोकहे जोगीतत्वज्ञान त-न्मात्रनसोंउत्पत्ती महाभूतइहपांच अकाशपवनअरुतेजजल पृथ्वीहोवतसांच कर्मेंद्रियपांचोंकही शा-स्त्रकारमतजोय हाथपादअरुवाकफुनि लिंगगुदामिलसोय अकाशशब्दतेंहोतहे वायुसपर्शतेंजान अग्न-तेजसोंजानबुद्धरसतेजलहिपछान गंधतन्मात्रसेहोतहै पृथ्वीरूपहिग्राय यहतन्मात्रासृष्टिसब ग्रंथका-रमतभाय कानशब्दअरूत्वचास्पर्श नेत्ररूपकोयोग जिव्हास्वादनासासुगंध ज्ञानेंद्रियविषयभोग कर्में-द्रियकोविषययह वाणीबोलनसार हाथविषयसबग्रहणहे पैरविषयउपचार लिंगविषयमैथुनक्रिया गुदा-विषयमलत्याग विषयरूपकेभेदयह ताहिजीवअनुराग अवप्रकृतीकेनामसुण महतत्वअहंकार पंच-तन्मात्राप्रकृती यहप्रकृतीपुरुषविचार इंद्रीदशपंचभूतमन षोडसयाहिविकार ताहितेंजीवजुआवरै सु-खदुःखकोंजियधार मनइंद्रीदशमहाभूत प्रकृतिबुध्दिअहंकार तन्मात्राकोमेलकर चौबीतत्त्वतनसार चौवीतत्वकोतनरच्यो जीवात्मातिहवास मनरूपीदूतहिवरै कर्मशुभाशुभतास कायारूपीदेहको सु-खदुःखआयवरेय पापपुण्यद्वयवासकर देहीनामधरेय.

॥ त्रिगुणवर्णनं ॥

तीनोगुणकेरूपइह भिन्नभिन्नतिहचीन। सतगुणरूपप्रकाशहै ज्ञानजुसुखपरवीन॥ रजगुणहैरागादि-कर दुःखहेतूपहिचान॥ तमगुणतोआवर्णगुण मोहहेतुकरमान॥ अबत्रैगुणयुतमनुजहै ताकेगुणलखले-य॥ ईश्वधर्मदृढभावना समतावसहिततेय संतापहिनहिकरतहै सत्यवचनस्थिरबुद्ध धारणशक्तिधैर्य्य-युत च्छमाज्ञानकरसुद्ध कपटवर्जनिंद्यारहित परधनहिंसानाहि सवआगेफुनिनम्रता हितसोंधर्मकराहि इहमनधर्मप्रमानहे सतगुणकेमनमाहि अवरजगुणकेहेतुमन धर्मकहितह्योचाहि निष्कारणक्रोधहिकरै परताडनमोहेत बहुतदुःखितसुखवांछना दम्भकाममदचेत मिथ्यावोलनधीरनहिं अहंकारअभिमान आनंदचाहेबहुतमन रजगुणयाहिपछान तमसंयुक्तमनधर्मइह ईश्वरधर्मविहीन एकठौरदंभहिरहै अतिआलसकरछीण देवगुरुनमोंदुष्टमन निंद्यकर्ममोप्रीत नितचितलगेजुस्वप्नमो मनआज्ञानहिजीत क्रोधअंधइवमूढता मनमोरहेमलीन तमगुणयुक्तमनधर्मइह जानलेहुपरवीन चैतनआत्मारामको कामक्रोधफुनलोभ मोहबुद्धिहंकारयुत फांसअज्ञानकरछोभ आत्मज्ञानजुहोतनर फांसकाटमतयुक्त संसारहिबंधनछुटे अंतहोयसोमुक्त इतिशारीरेसृष्टिस्थितिप्रथमःप्रकारः

॥ षट्रसवर्णनं. ॥

॥दोहरा॥ षटरसकोअहारसुन भच्छभोज्यचर्व्यलेह चोष्यपेयकरहोतहै षटरसइसविधतेह॥दोहा॥ म-धुरअम्लअरुलवणहि कटुककशैलाजोय अवरतिक्तजगभाखहे षट्रसजानोसोय भक्ष्यभक्तकोकहितहै।

भोज्यसुलडूआद चिडवेचव्र्यसुलेह्मकःडी पेयदूधइत्याद चौप्यआम्रमानुषचरै प्राणवायुहृदचाहि आ-माशयमोपायकर नाभिऊर्धलेयाहि क्लेदननामाकफहिमिल मधुरताहिकरहोय पाचकनामाअग्निजो ना-भिस्थानगतसोय समानवायुभखवायकर आमाशयसुपकाय पुनअहारसोपाककर फेनभावहोजाय ज्योंकरदेगचआंचधर उछलफेनवरहोय त्योंकरअन्नसुउदरमहि फेनभावसंजोय जेकरप्राणजुवायातिस कुच्छीऊर्धअउटाय पाचकपित्तगर्मीतिसै पहुचैनहिकचभाय ताहुतेषट्टापडै अन्नउदरमोजान फुनसमा-नजोवायुहै नाभिस्थानपछान सोवायुअन्नचायकर ग्रहणीमोपहुचाय आमाशपक्काशयमध्यमे सोग्रह-णीहैभाय पाचकआधारपित्तसोनाभिसमानविचार छठीकलावैद्यसुकहै ग्रहणीनामसुधार ग्रहणीअन्न-अहारपक पित्तजुग्रहणीमाहि तिहकौडारसमिलनकर अतिकौडाहोयजाहि विशेषहारपाकहिकहो पं-चभूतात्मकदेह पंचअन्नपंचभूतमोंरहितजानकरलेह पांचभूतआहारमिल अग्निपांचसोंजान पाचक-अग्निप्रभावकर अग्नीकोप्रजुलान सोअहा रमोपांचभूत अग्नीकोप्रजुलात अपनेअपनेगुणनकोंअन्नपाच-करजात याप्रकारसेंगुणहिको सोअग्नीनितक्षेम आठपहिरचौसठघडी अन्नपकावतनेम भक्ष्यकमधुरा-लवणजो सोमीठाहोजाय अमलअमलहीरहितहै तीक्ष्णकटुकहिखाय तिनकोरसातिहठौरमो कौडाहोत-अवश्य इहरसविधपाचनविषें जानलेहुमातिपश्य जाविधअन्नजुपाकहै तेरसतत्वसुजान शेषरहितग्र-हणीविषै सोमलद्रवहिजुमान मलद्रवकाजोभागजल सिरामार्गचलवास्ति मूत्ररूपमलजाहुकी विष्टारूप-समस्ति अपानवायुप्रेरितकरै लिंगभगद्वारनिकार सोइवायुफुनमलहिको काडतहैगुदद्वार पुनसोरस-जोउदितहै समानवायुतिहचाय धमनीमारगउछलकै हृदमारगमोल्याय॥ देहदाररससंगमिल व्यान-वायुतिहचोय सोसवधातूपुष्टकर ज्योंचेतहिजलजोय सर्वधातुमलभागकर स्थूलभागकरमान सूक्ष्मभा-गकेरूपजोसोअवआगेजान स्थूलभागइस्थितरहैसुक्ष्मभागचलधातु मलभागशरीरारंभक धातूमलहो-जात जिहविधिअग्निप्रत्यक्षकर इक्षुरसपकताजान ताहिशरीरारंभरस अग्निपाककरमान पंचादिवसअ-रुरात्रफुन डेडगडीतकजान सप्तधातुमोठहरता पक्वरससारपछान इक्षुरसज्योंपकनकर मलतिहऊपर-आहि त्योंकररसधातुविषे कफमलरूपसुचाहि सोकफप्राणजुवायुकर प्रेरितधमनीराहि क्लेदननामे-कफहिको पुष्ठकरैसोजाहि पाछेसारअहाररस जुगभागाहितिहहोत स्थूलसूषमदोइकारणे तांकेवर्णो-जोत स्थूलसूक्ष्मद्वयसूक्ष्मजो शरीराधाररसपुष्ठ व्यातवायुतिसप्रेरकरि धमनीमारगइष्ट उदराग्निसं-तापकर हरगुणपुष्ठकरेय स्थूलभागप्राणहिमरुत धमनीमारगनेय शरीराधारजुअन्नरस निकटयक्कुत-होजाय रंजकनामापित्तकर रक्तहोयमनभाय तिहमलवातसमानले धमनीनाडीराहि शरीरारंभकपित्त-को जायपुष्ठकरवाहि साररसहितिहरक्तके दोहीभागहोजाय स्थूलसूक्ष्मकरहोतहैं इहयुगभागदिखाय सूक्ष्मभागशरीरारंभकपोषणलहूकराहि व्यानवायुधमनीगती रक्तदेहपहुचाहि स्थूलभागइहविधकरै सिरामार्गकरक्षेम शरिरारंभकमासमो जातारहेसुनेम अग्नीमांसपकायकर जोमलनिकलेसोय व्यान-वायुप्रेरिततिसै कर्णआयमलहोय पुनसारहिरसताहिको दोहिभागहोजात सूक्ष्ममांसकोपुष्ठकर स्थू-लभागयहभात वायुव्यानप्रेरितकरै उदरजुमेदस्थान जायअग्निपाकाजुमलातिहपर्साहोयजान सोअ-तिशीतलहोयकर उदितनाडठहरात जवसोयकायअग्नीतपै प्रेरितव्यानसुवात नाडीद्वाररोमकूपकर बाह-रआवतसोय जिव्हादांतकछुलिंगमल मेदजमलतेहोय सारभूतरसताहिको जुगभागहीसोमान सूक्ष्म-भागसोउदरमे पोषणमेदसुजान व्यानवायुप्रेरिततिसे श्रोतमार्गकरजाहि सूक्ष्महाडोंसारमे मेदजु-इस्थिततांहि॥ स्थूलभागप्रेरितकरै व्यानवायुधमनाडि सिरामार्गशरीरारंभकहाडितिनोमेंवाडि हाडअ-

न्निमलपाककर तिहमलव्यानसुचाहि शिरामार्गअंगुलीनमो आयजुनखप्रगटाहि रोमकूपरोमाहिवरै सारभूतरसभाग स्थूलभागव्यानहिपवन श्रोत्रमार्गकरलाग अस्थिउदितमध्यजायकर अस्थिकायवलदाय सूक्ष्मभागव्यानाहिमरुत वडेअस्थिमोजाय मिंजअन्नमलपाकजो सिरामार्गकरसोय नेत्रनमोसोआयकर नेत्रमैलसोहोय औरत्वचाकोसनेहकर सारभूतजुगभाग सूक्ष्मभागमिंजहिवरै स्थूलव्यानकरलाग धमनीसिरासुमार्गकर कायाशुक्रमोजाय शरीरारंभकशुक्रामिल शुक्रअन्नसुपकाय पुनमलताकोनहिरहै ज्योंकंचनस्फटकसम्हार निर्मलशुद्धस्वरूपवर होवतताहिविचार फुनसारभूतरसशेषजो दोइभागहोजाय सूक्ष्मभागतिहतेजहै लक्षणताकेगाय सभशरीरमोंस्थिररहै स्निग्धश्वेतसुविचार स्थिरअरुश्वेतफुनपुष्टकर चंद्रदेवतासार भाराकोमलस्वादरस सांद्रप्रसन्नमलभाज्य चिपचिपाटसूक्ष्मरहै अष्टविंदुकरसाज्य नीलपीतरंगअल्पहै ऐसोताहिनिहार कर्मकथनतांकोकहै तेजरूपानिरधार सप्तधातुसारसरहै हृदयमाहितिहवास सर्वशरीरव्यापीरहै देहास्थितकाभास याहिअधिकतादेहिजव प्रसन्नपुष्टवलहोय घटतयेहिजवकायमो नाशरूपकरसोय जीवयाहिमोरहतहै फुनउत्तमइहकार तीक्ष्णबुद्धिफुनधैर्य्यधर तेजसकोमलधार स्थूलभागइहिमासप्रति स्त्रीनरहितवरभाय पुरुषशुक्रस्त्रीरुधिरसो होतदेहचितचाय इस्त्रीजोनिशुभरुधिरहै नरशुद्धवीर्य्यमिलान दोनोसंगममिलनकर जोनिगर्भपरमान गर्भस्थानजबवासकर शुक्रशोणितकीधार एकदिवसरलमिलरहै वीरजरुधिरविकार पंचरात्रसमरूपधर बुदबुदकारतिहहोइ दसदिनमोगोलाबनै रक्तमांसमिलसोइ पक्षमात्रसोगोलहोय पैठरुधिरकोचित्र दिनपचीसवीततजवै अंकुरपंचपवित्र मासवितीतेप्रगटव्है पांचोंस्थानअनूप सिरग्रीवास्कंधसोउदरहै पृष्टभागसमरूप दोमासनमोहोततिह पंचअनूपस्थान हाथपैरपसलीतथा कटिजानूयहमान संधीजोइनअंगमो सोहोवतत्रैमास संपूर्णअंगुलक्रिया वनतचतुर्थकमास पांचमासमोपांचहींप्रगटहोतसुनताहि नाकनेत्रअरुकर्णनख पंक्तिदंतसमवाहि छटेमासमोहोततहै छिद्रकानअरुनास नाभिछिद्रजिहआसरे गुदइंद्रियशुभतास सातहिमोसिरप्रगटव्है रोमभ्रुवानखसोध आठहिसंपुष्टदेहवर वलवीरजसंवोध नवमेमासमोहोततिस बोधचैतन्यसंभार माताजोखावेपीवे नाभिनाडातिहहार नवदसभीतरहोतहै गर्भस्थाननिकार भगद्वारावाहरतऊप्रगटकरतहंकार जेकरवीरजअधिकहै ताहिपुत्रपहिचांन रुधिरअधिकतवनारहै ग्रंथकारमतमांन वीरजरुधिरसमानजव तवविहंडुलाहोय पूर्वशुभाशुभकर्मले तनधारीजगजोय इतिशारीरेउत्पत्तीबालवर्णनं द्वितीय प्रकारः

॥ अथ मानुषकेदेहमो जोवस्तूहै उन्कावर्णन. ॥

॥ दोहरा ॥ मानुषकीकायाकहौं जोवस्तूतिहमाहि वातपित्तकफधातफुनि उपधातूजोताहि उत्पत्तीलयकारणे आदिसोयनिर्लेप यथाअर्थविधताहिको प्रगटकहोंसंक्षेप याशरीरमानसवसै एतेवस्तुसुहातकलासातआशयरहै सातधातुउपधात सातोधातुनकेजुमल सातत्वचाफुनसात दोषतीनअरुमांसमेद अस्थीमज्जारूयात दोसौदसअस्थीरहै मर्मस्थानशतसात रवैसातसौधम्मनी चौवीनाडीज्ञात मांसहीपीडीपांचसौ स्त्रीकोपंजसौवीस षोडशनाडीकायमोंव्यापकविश्वेवीस मानुषकेयाकायमो दसोद्वारनौछेद इस्त्रीकेरंध्रविचारिएविशेषतीनदशभेद.

॥ अथ त्रिदोषवर्णनम् ॥

॥ दोहरा ॥ वायुपित्तकफदोषत्रै मलभीजानप्रमाण पांचप्रकारकोरूपवर भिन्नस्थानसुजाण.

॥ प्रथमपवनस्वरूपं ॥

॥ दोहरा ॥ तांमोपवनअतिहीवली कारकअन्नविभाग नसैद्वारवर्तनरहै रसइंद्रियसमभाग पित्त-कफहिपिंगुलदऊ वातशरीरवलकार रसादिककोजुविभागकर पहुचावतरससार रजगुणमारुतसूक्ष्मबहु शीतलरूक्षयहलकास आश्रयमलकेरहतसो पांचकोष्टघरवास मलनाभीहृदवासतिह कंठस्थानसुजान सर्वदेहव्यापकरहैं पवनजानवलवान अपानगुदामेवसतहै नाभीस्थानसामान प्राणहृदेपहिचानिए कंठस्थानउदान व्यानसुसर्वशरीरमहि व्यापकदेहमंझार ताहीतेंप्रगटतरहै सुखदुखइहसंसार.

॥ अथ पित्तस्वरूपम् ॥

॥ दोहरा ॥ पित्तगर्मपतलाअधिक सतगुणमयकटुवाहि दग्धरूपकरहोतहै खट्टारूपस्वभाहि पांच-स्थानमोरहतसो अग्न्याशयहितवास तिलप्रमाणतिहथानमो अन्नपचावनस्वास त्वचामध्ययहंकांति-करनेत्रनदृष्टकराय यकृतमोयहवासकर सबरसरुधिरादिखाय हृदैवासकरकरतहै बुद्धिदीरघविशाल तां-तेंपित्तउत्तमकहै बुधजनरूपदयाल नामपांचतिहपित्तके पाचकभ्राजकजान रंजकआलोचककहैं साध-कपांचप्रमान

॥ अथ कफस्वरूपम् ॥

॥ दोहरा ॥ कफचिकनापिछलअधिक तमगुणरूपसुभाय दग्धहोइखारारहे आमाशयमोजाय मस्त-ककंठहृदसंधिउर पांचस्थानहैतास तहांरहतइहगुणकरै स्थिरताकोमलपास क्लेदनस्नेहश्लेष्मनर मनअ-वलंवनातिहनाम स्नायअर्थातिहिजानिये नसैरूपजिहकाम तीनवस्तुइहकायमो जवलगसमतामाहि तव-लगप्राणीस्वछन्दहै रहैचैनमतिजाहि इतिशारीरेत्रिदोषस्वरूपवर्णनं तृतीयप्रकारः.

॥ अथ उत्पत्तिकारणनिरूपणम् ॥

आहारऔरपरिपाकसवगर्भस्त्रीउत्पत्त बालककेपोषणादिसबवर्णनकरौंहितमत्त भोजनादिजोकरतहै हृदयप्राणआधार पवनजुप्रेरितप्रथमतिह आमाशयमोडार प्राप्तहोयजबउदरमहि षटरसकोआहार मधुरपनेकेफेनवर भावप्राप्तिकरसार तवअन्नपचनप्रभावपित्त कछुकअम्लमतहोइ पाछेतिहआहारको पवनप्रेरकसोई नाभीमोछटग्रहणकी कलामोप्रापतसार तवआहारकोछठीकला ग्रहणीअग्निमंझार तवकौडाहोजातहै अग्निभेदपरकार कोष्टअग्नकीआंचकर पचिरसताहिविचार जोअच्छापाकेनही काच-भावहोयआम अग्निप्रज्वलितजोपकै मधुरस्निग्धरसनाम तबवहिरसहोयचीकेनो भलेप्रकारपकजाय

सोरसनाडीउछलकर धातूपुष्टकराय तबवहुरसअमृतकला देहीवलआरोग्य रसस्निग्धफुनचीकनो आ-नंदउरसौंभोग्य मंदअग्निकरदग्धरस सोकटुउदरमंझार वारससोषद्वापडे सोरसविषहिविचार इनवि-कारकरसोइरस रोगरूपकोभाव ताहीतेरससारहै देहीमाहिस्वभाव नाभिसमानजोपवनहै सोइहृदयमो-जाय पित्तरूपकरअन्नसो परपक्करूपहोजाय पवनप्रभावयादेहमो जोकरहैसंचार सारेरगजोदेहमो रस-पहुचावनहार जोउत्तमअर्कसुखिचै सोदायकवलवीर मध्यभागतिहअर्कको लहूमांसगंभीर अधोभाग-तिहजलहिको मूत्रपुरीषमोडार फोगरहैजोअन्नको काडतहैगुदद्वार फुनहिसारतिहरस हिको नाभिपव-नसोचाय हृदयमाहिप्रापतकरै पित्तकरपचनकराय पाचनकरसोलालहो सोरसरुधिरप्रभाव प्राणउत्तम-आधारसो रुधिरपष्टैमनभाव मधुरसोइवलवानहै पित्तदग्धजिहजाय एकधातुअधचारदिनहि प्रगटहो-तनरसाय स्त्रीकोएकहिमासमो इस्त्रीभावरजहोत तवइस्त्रीनरसंगकर उत्पत्तक्रियाउद्योत.

॥ अथ सातधातुवर्णनम् ॥

॥ दोहरा ॥ सातधातुवर्णनकरों ग्रंथसकलपरमांन रसरुधिरमेदमांसअरु अस्थिमिंजबलजान पित्त-तेजकरधातुसत मांसवीर्य्यप्रगटाय पांचोपांचोदिनहिमो धातुभिन्नादिखाय.

॥ अथ उपधातूवर्णनम् ॥

॥ दोहा ॥ अबउपधातुकहतहों शास्त्रमाहिजोसात जिव्हादांतगलमैलजो रसधातुउपधातु वातक-फअरुपित्तत्रै रुधिरउपधातुविचार कानोमैलपछानिये मांसउपधातुजियधार छातिमैलजोउछलै मेद-उपधातुपछान बीसनखोंकोंकहतहैं अस्थीकोउपधात नेत्रमैलजोश्रवतहै मिंजउपधातुतिहजान मुखउ-ज्जलतनकांतिजो उपधातुशुक्रप्रमान अन्यप्रकारसातधातुवर्णनं स्त्रीकेदोधातुआधिक स्तनदुग्धत्रीयभा-य स्त्रीकेभावक्षणभंगुरे जैसेआवहिजाय शुद्धमांससेउत्पतजुहै घृतवसासोयधात अर्कपसीनातीसरा दां-तमुखहिजिहभात केशसर्वकायारहै शीतलबलहितकार निर्मलताचीकनवरैं पुष्ठधातुवरसार

॥ अथ सातत्वचावर्णनम् ॥

॥ दोहरा ॥ ऊपरत्वचअवभासिनी स्निग्धविभूतिस्थान दूसरिलालजानामहै तिलउत्पत्तप्रमान तीजी-स्वेतजानामहै चर्मदलहिकोरोग चौथीताम्रसुवर्णहै स्वेतकुष्ठजिहजोग पंचमवेदनानामहै तामोसर्वउपा-ध छटीत्विचाजोरोहिणी गंडमालमिरजाद सप्तत्वचास्थूलाकहै विद्द्रधिरहैजिहमाहि इहसातहित्वचजा-नियेकायामेप्रगटाहि इतिशारीरकेसातप्रमाणदेहवर्णनंनामचतुर्थोप्रकारः ॥ ४ ॥

॥ अथ सातआशय ॥

॥ दोहरा ॥ आशयसातवर्णनकरों भावप्रकाशअनुसार प्रथमहृदयआशयलहो कफहिकोघरधार दूजो-

घरनीचेहृदय आमस्थानप्रमाण तीजोऊपरनाभिके वांईऔरसुजाण अग्रस्थानसुजानिये जहांपचतआ-हार अग्रहिऊपरनाभिस्थल वातस्थानविचार पवनसुनीचेपेटमें मलस्थानसोपांच ताहिपरकछुरहतहै वस्तीमूत्रहिसांच हृदयऊपरकछुजीवका रहतरुधिरकोस्थान संपूर्णस्त्रीवापुरुषकेआशयएकसमान स्त्री-केआशयत्रैअधिक गर्भस्थानस्तनदोय आशयसातवर्णनकिए ग्रंथकारमतहोय.

॥ अथकलास्वरूपवर्णनं ॥

॥ दोहरा ॥ धातुऔरआशयजहां मध्यझिलीपरमांन ताहीमोंसबवलरहे कलारूपतिहजान सातरू-पहैताहिको मनअरुहृदयजुलेय मांसरुधिरअरुमेदमघ्प चौथीझिल्लीसुतेय औरतिलीकेबीचमें झिल्ली-कलासुपांच छठीआतौकवीचमें उदरअग्निधरसांच वीर्यधारणकलाइक जिहकरपुरुषपुरुषार्थ इहसा-तहिकलादेहमो ताहीजानसमर्थ.

॥ अथकायानिरूपणं ॥

॥ दोहरा ॥ मानुषकीदेहीविषें सातोसातदिखाय जाहीतेइस्थितरहै सोईकहोंमनभाय हाडजुमर्म-स्थानफुन नसांधम्मनीनाडि मांसपीडीअरुकंडुरा रसरंध्रहिसतकांडि.

॥ अथहाडोंकास्वरूप ॥

॥ दोहरा ॥ कायामाहिजुअस्थिहैं जिनकरदेहखरेह सारताहिकोजानकर विनअस्थीनहिकेह.

॥ मर्मस्थानस्वरूप ॥

॥ दोहरा ॥ जीवअधारसुजानिये मर्मस्थानविचार ज़ोसबअंगनमेलकर हावभावमोसार.

॥ अथनसौकास्वरूप ॥

॥ दोहा ॥ नसैदोइइनमोउदित वायुपित्तकफकार सातोधातूकोंवरे नसैवहनकरधार.

॥ अथधमनीनाडीस्वरूप ॥

॥ दोहरा ॥ धमनीनाडीरसभरी वहैसर्वकेकाय पवनदेवताकोवरे कायारूपस्वभाय.

॥ अथमांसपिडीस्वरूप ॥

॥ दोहा ॥ मांसपिंडकायावरे सारजानतनधार इहनरमांससरूपहै ईश्वरनामअधार.

॥ अथकंडुरास्वरूप ॥

॥ दोहरा ॥ सवहीनसमोउदितनस कंडुरानामशुभाय षोडशकलायुतअंगको प्रसरसंकोचादिखाय.

॥ अथदसरंध्रोंकास्वरूप ॥

॥ दोहा ॥ नासनेत्रकाननविषे लिंगगुदामुखजान दसवांमस्तककेविषे रंध्रसूक्ष्मनरमान स्त्रीकेती-नोंअधिकहैं दोस्तनगर्भस्थान इहहैछेदप्रमाणबुध कायशरीरमहिजान याशरीरमोरोमदुइ सूक्ष्मअनं-ततिहछेद नाभिनिकटवायेतरफ दोफुफुसरहैनिषेद उदानवायुआधारजो ताहिफुफुसमनलेय प्लीहना-मऔराहितिली ताहिनिकटवरसेय नाभिस्थानकेदाहने यकृतरुधिरबहुनाडि ताहिमूलप्लीहजुफिया ऐ-

सेउचितसुनाडि रंजकनामापित्तहै ताकोस्थानप्रमाण तिहमोरक्तस्थानहै सोयकृतमनजाण नाभीबां-
येभागमें आमाशयमाहिपरंत जोतिलहैसोजानिए जलवाहननसवंत सोतिलतांकोढाककर अंतरज-
लाहिवहंत कुक्षमाहिदोगोलहै तिन्हकोवृक्ककहंत सोदोनोमिलजठरको मेदापुष्टकरंत वृषणजुपोतावी-
र्य्यको नसलेनेविचरंत ताहिअधारसुजानिये पुरुषारथचलमान लिंगगर्भदेवेउचित वीर्य्यमूत्रघरजान
हृदयमनचित्तबुद्धिइह अहंकारकास्थान नाभिस्थानसबइंद्रियन धमनीसारप्रमाण सबकायामेंफिररही
नाभिगंभीरनसभाय नाभिवायुधातूमिलत सबशरीरबलदाय नाभिपवनहृदयकमलमो जायस्पर्शकर-
देय सोवाहिरहोकंठते विष्णुपदामृतपय ॥ नासिकद्वारास्वधापीय फुनमारुतआकाश अमृतपाननासा-
मुखहि उदरजायपरकाश फिरसंपूर्णदेहको जीवजठरबलदेहि प्राणपवनहृदजोगकर अयुर्बललषलेहि
समापायइनदुहनको योगदूरहोजोय ताहीकोमृतयोगकहैं मरणनामहैंसोय यासंसारअसारमो अमर-
जीवनहिकोय जोजन्मैसोमृत्युवस अमरनामप्रभुहोय रोगनिवारणकारणे वैद्यचिकित्साकार मानसचि-
त्तविचारकर औषधरोगनिवार जोसोनरपथ्यनहिकरै जाप्यहोयसोरोग तिहकरसाध्यअसाध्यकर नि-
श्चैमृत्युकजोग चतुरवैद्यसोजानिये कायवचाहितलाय धर्मअर्थअरुकामकर कर्ममोक्षमतभाय जोमा-
नुषकोहिंसहै सोसबहिंसकजान रक्षाकरैजुकायकीसोसबरक्षकमान सातोधातुअवरमल वातपित्तक-
फजान सबसमरहितजुकायमो तनपुष्टकरताहितमान जबसोनरकोंघटवढै कुपितहोयतनमाहि तब-
नाशहिंगेदेहकों निश्चैजानोताहि तातेप्राणीउचितहै रामनाममुखसार प्रतिश्वासभवमोक्षहै ताहिजीव-
उद्धार ॥ इतिश्रीरणवीरप्रकाशेशारीरके शृष्टस्थितिकलादि त्रिदोषस्वरूपदेहविचार कायानिरूपणं देहा-
तिसारवर्णनंनामप्रथमअधिकारः. ॥ १ ॥

अथान्यप्रकारधातूकथनं

॥ चौपै ॥ सातोधातुदेहमंझार दोषतीनमतसुश्रुतधार स्तंभहोतघरभीतरजैसे धातुमानदेहमेंतैसे
प्रथमधातु रसनामकहावे कयलूसनाममतफारसगावे भोजनजातजठरकेमाही रसविपाककरउपजत्त-
ताही तींनहजारपंदरांजोई कलाप्रमानवीतेरसहोई गिर्देजठरनाडवहुजानो हृदेजातउनद्वारामानो र-
ससुभावइंदूवतहोई पतलास्निग्धसर्दसमसोई हृदयगतप्राणनामजोवायु रसबलदायकवृद्धिआयु चौ-
वीनाडहृदेगतजानो दसोऊर्धदसनीचेमानो दोदोदक्षणवामविचार इनद्वारारसदेहमंझार सिंचितजो
जलपल्लवधावे तैसेंरसनाडीगतजावे हृदाप्रसंनजाहुतेहोई अधिकहोएफुनित्यागतसोई ताकरतिलीक-
लेजेधावे रसकरतनवलवृद्धीपावे जाप्रकारहिंदीमतहोई यूनानिभेदऔरसुनसोई ॥ दोहा ॥ प्रथमहोत-
रसजठरमेंताहिकलेजेधाय कयमूसनामधरदेहमेनाडीद्वारपुजाय ॥ चौपै ॥ रुधिरधातुसुनदूसरजोईपू-
ननाममतफारससोई सोरसतिलीकलेजेआवे मिलेपित्तवरुधिरदिखावे तीनहजारपंदरांजोई वीतेक-
लारुधिरतवहोई सोफुनिरुधिरदेहमेधावे पसरतवलकांतिप्रघटावे जेकरअधिकवातजवहोई रुधिररंग-
लालिपरसोई अतीअधिकजववातादिखावे रुधिररंगकालाप्रघटावे अधिकपित्तजवहीलखपाय हरेआरं-
गरुधिरप्रगटाय अतीअधिकपित्तलखपावे जलेरंगवतश्यामादिखावे रुधिरगंधऐसीतवहोई मखीआद-
नसेवेकोई अधिकहोतकफऐसामानो गुलाबिरंगरुधिरकाजांनो तीनहजारपंदरांजोई वीतेकलामेदत-
वाहोई चौथीधातुमेदतनजांनो उत्पतहोतमोंसतेंमानो तीनहजारपंदरांजोई वीतेकलाअस्थितवहोई

अस्थीधापांचमीकहिए उत्पतहोतमेदतेलहिए तीनहजारपंद्रांजोई वीतेकलामिंझतवहोई छेमीधात-मिंझतनजांनो उत्पतहोतअस्थितेमांनो तीनहजारपंद्रांजोई वीतेकलावीर्यतवहोई वीरजधातसात-मीकहिए उत्पत्तीक्रमतनमेंलहिए पुरुषनारक्रमएकोहोई वीरजरुधिरआर्तवीसोई भोजनजठरवीचज-बआवे क्रमकरसातोधातदिखावे भोजनआदजठरकेमांही दिवसतीसलगवीरजतांही ज्योवीरजत्यों-आर्तवमांन पुरुषनारक्रमभेदपछान अवआगेमलनिश्चाहोई धातृदोषहोततनसोई.

॥ अथ मलवर्णनम् ॥

॥ दोहा ॥ परसाहैमलमेदकाचमककिंमिंझमलहोय कणनेत्रमलहोतहैजांनमांसमलसोय अस्थीमल-नखवालहैजाप्रकारमलमान वीरजकीमलनाकहीआगेदोषविधान.

॥ अथ दोषवर्णनम् ॥

॥ चौपै ॥ तीनदोषतनमाहिविचारो वातपित्तकफनिश्चाधारो इनमेवातप्रबलतापावे जोतनसातोधातुहि-लावे सबकाप्रेरकवातविचारो तांकरवातआदमनधारो पित्तप्रगटदुर्गंधील्यावे उबाललेतशिरगरमीधावे तौफुनिगरमीभीतरजाय चित्तशक्तिसिदूरहटाय चित्तशक्तिहूंकावलवात त्यागतत्वचामाहिविख्यात जे-करतांहिजतननाहोई तौफुनिऔरजोडमेसोई वातदोषतुमरोगपछानोसमतागतीजहांतहांमानो रुधिर-संगजववातविचारो सर्दखुष्कफुनिकृष्णनिहारो जेकरवातसंगकफहोई असलसुभावदूरकरसोई तांकर-सर्दखुष्ककफजानो गैरतवीकिफकोपपछानो जेकरवातपित्तसंगहोई गैर तवीपतैककहुसोई वलवीतसब-हूपेंजांनो चर्चावहुतग्रंथमतमानो अवसुभाववर्णनसुनसोई वातपित्तकफवर्ततजोई वातशीतअरुरूचप-छांनो हलकासकलदेहगतमांनो सूक्ष्मताकरदृष्टनआवे सरदीसंगसर्दहोजावे गरमीसंगगर्मकहुसोई त-रीसंगतरानिश्चेहोई खुश्कीसंगखुष्कतुमजांनो हर्कतसकलवातगतमानो छीकक्ष्मानीखांसीआवे रोदन-धावनवातदिखावे उछलनवोलनभारउठाय जाप्रकारसभवातदिखाय वायूदोप्रकारकीकहीए सनातन-बातवाद्यइकलहिए वातसनातनलच्छणऐसा शुश्रुतग्रंथआदिमतजैसा रूचकेशसिगेरप्रगटावे मंदमतीप-रलापदिखावे दयाहीनाजिव्हाअटकाय अतीक्रोधतनदुर्बलभाय टूटतकांशपात्रज्योंसोई वोलततैसेंच्छुधा-नहोई एकांतस्थानमनअधिकलगावे रागरंगहांसीचितचावे खट्टागर्मसलूनाहोई मीठाआदमानहितसो-ई ईस्त्रीसंगप्रीतनहिराखे व्यत्ययकार्यइंद्रिआभाखे पराधीनजिव्हावसनाही स्वप्नवीचअतिवातदिखाही-अथवापर्वतवृत्तदिखाही स्कंधमांसऊचालखपावे गोलनेत्रअरुछोटेहोई रूचधूसरे मानोसोई वातसना-तनलच्छणजांनो आगेवातआरजीमांनो ऊपरवातआरजीसोई लच्छणआदिलिखेसबहोई औरमूत्रविट-छीकपछांनो हिडकीवमनअवासीजानो रोकतअधोवातमिलसोई च्छुधावंतनिद्रानहिहोई भूमीऊपरसय-नसुखावे सहातवर्षामैथुनभावे प्रातःकालजपानसुखाय मदिरापानअधिकमनभाय वातउत्पत्तीलच्छण-जानो सोजासकलजोडपरमानो शिथिलतावातगांठिआजैसें परसारहैपीडतनतैसें भयानकआतिचिंताम-नमाही धफडसकलजोडपरतांही षटेदांतकंपतनुताको खुष्कीफर्कतदेहीजाको भारीकर्णत्वचाफटजावे कर्णवीचकछुपीडदिखावे हृदेजलनसंभ्रममनमाही स्वप्नवीचभयदेखन्ततांही अथवाकृष्णरंगलखपावे च्छुधानाशनिद्रानाहिआवे जेकरवातदेहकेमांही गरमीसरदीकिंचततांही जेकरवातरुधिरगतजांनो जहां-

वातउतपीडामांनो गरमीप्रघटलाललखपावे भोजनकरेअफाराधावे पडतछालकेखुष्कीहोई दुर्बलदेहच्छी नअतिसोई जेकरवातमांसगतजांने ग्रंथीपडेपीडकछुमांने शिथलताहोए चुवकलखपावे जैसेंसूईचुबक-दिखावे सघनमांसग्रंथीवतसोई मानोमालासूत्रपरोई जेकरवातअस्थिगतजानो लच्छणश्वेतजंघपरमा-नो उरूसंधिमेचुबकदिखावे अस्थिवीचचुबकलखपावे जेकरवातमिंझगतसोई निद्रानाशदीर्घदुखहोई चुबकहोतअस्थीकेमाहीं जहांमिंझपीडालखताहीं जेकरवातवीर्यगतहोई वीर्यपाततांहीछिनसोई अथवा भीतरवीर्यरुकावे अथवारुधिरवीर्यसंगआवे रसगतवातहोतजबजाको करेयत्तमफुनिपीडाताको जेकरवा तपेटअतिधावे वातोदरकरपेटफुलावे जंहतंहसोजहोततनमाहीं करपदखैंचतपीडातांहि गर्भाशयवीच-वातजबजानो गर्भपाततांहीछिनमांनो अथवागर्भवीचरुकजावे अथवामूढगर्भप्रगटावे जेकरवातजठ-रगतजानो खांसीकोतादमीपछानो बैठतकंठतृषाअतिहोई वमनहोतचिंतातुरसोई नाभीऊर्धरोगजो-जानो सोसभवातकोपकरमानो करपदवीचवातप्रघटावे अजीरनहोतवातबलपावे वातजठरनाडिकेमां-हीं सहायकपित्तमिलेउतथांही अथवाकफघरजावतसोई छातीस्थानभुजागतसोई जेकरवातकर्णबल-पावे बधिराकरेपीडप्रघटावे जेकरवातजीभगतहोई जिव्हास्थूलअटपटीसोई जेकरवातनासिकाधावे सुगंधीदूरपीडप्रघटावे जेकरवातनेत्रगतहोई पीडाफिरेदृष्टिहरसोई लच्छणप्रघटवातकाजानो पीडाफिरे-चुवकसंगमानो जेकरवातरुधिरकफहोई फूटतजोडपीडकरसोई फूटतउोष्टजुधाहटजावे बैठतठोडीखु-ष्कीधावे जेकरवातसंगकफमानो सोजासकलजोडपरजानो कांपतजोडपीडप्रघटाय रूत्तकाष्टवतजोड-दिखाय हर्कतसकलदूरकरसोई रहेतापखेदातुरहोई जेकरवातपित्तसंगजानो फुनसीप्रघटपीत्ततनु-मांनो जेकरवातरुधिरसंगहोई नाडीलालऊर्धगतसोई मुखअरुजोडहोततवऐसें लालीकृष्णरंगपरजैसें सबकायतनएकसमहोई रुधिरीयतनभिन्नसुनसोई वासलीककारुधिरछुडावे औरयतनकररुविरहटावे एकवातवादीकहुसोई वजउलमुफसलअर्बीहोई फारसवादहफतअंदाम वातदोषबहुविधकेनाम प्रथमवातभीतरजवजावे पित्तश्लेष्मपरपीडादिखावे वहविधनामवातकेऐसें रींगडवातगंठिआजैसें क-मरपृष्टपीडातनुमाहीं बहुविधरोगवातउपजाहीं.

॥ अथवातवर्णनं ॥

॥दोहा॥ मुख्यपांचविधवातहै इकइकषोडसजान जांप्रकारअस्सीकहे वातग्रंथपरिमान प्राणउदान-समानहै अपानव्यानपरमान पांचोनामकहेयथाभिन्नभिन्नगुणजान ॥ चौपै ॥ प्राणनामजोवायूहोई हृदयकंठगतमानोसोई बुद्धीस्मृतीदृष्टिबलदेवे छीकथूकनिगलतसुखसेवे उदाननामजोवायूकाहिए छा-तीकंठनासिकालहिए सकलउपायकार्यमेधावे चिंतकवाणीबोलसुखावे समानतीसरीवायूजांनो छाती-नाभीजठरपछानो खानपानरच्छामनलावे मलहूतेंरसजुदाकरावे अपानवातचौथीमनधारो गुदालिंगक-टिपादविचारो आर्तववीरजगर्भकहावे मलमूत्रादिकवाहिरल्यावे पंचमव्याननामकहुसोई मुख्यहृद-यसिगरेतनुहोई हिलावतनेत्रपलकसोजानो शस्त्रक्रियादिककर्मपछानो षटऋतुभेदवातगतजैसें अव-अगेवर्णनसुनतैसें ग्रीषमजेष्टआषाढकहावे प्रतिदिनवायुवृद्धीपावे श्रावणभाद्रोवरषाहोई वातकोपतन-पसरतसोई असूंकार्तिकसर्दकहावे वातकोपहानीकरधावे विनापित्तजिगरीकेनाहीं इनदिनकोपवात-काताहीं उत्पत्तीकारणसुनिएसोई वातकोपजाकारणहोई गर्मखुष्कवस्तुजगजानो वातकोपकाकारण-

मानो तरअरुगर्मवस्तुजोहोई वातकोपदूरीकरसोई वातदोषहोवेतवजानो निजनिजस्थानभेदजवमांनो मुख्यस्थानवायूहितजोई आगेभेदसुनोअवसोई नीचेजठरकमरगतमानो वृषणदोईअरुकर्णपछानो अस्थीतुचानाडकेमांही असींभेदवातइनथांही.

॥ अथ वातहरऔषधवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ सकलवातहरऔषधजोई आगेलिखाभेदसुनसोई असगंधभडिंगीहिंगूजांनो रहसनअमलतासपछांनो पाषानभेदपाडलहितहोई प्रसारनीवाइविडंगाहितसोई पतूनीवालविल्वहितजान दोकंडेआरीअरनीमान जडएरनअरुकौंचपछानो साजजहिंदीथोहरमानो काष्टनाजतौवंदःसोई तीनतूचोकजुआंइनहोई जउोखारविडलूणकहावे इटसिटनिंवूकिंवसुखांवे सुंठीजीराश्वेतपछांनो जढजमालगोटेकीमानो तिंतडीकसालूनीहोई चित्राततज्जकांएफलसोई भखडाककडसिंगीजानो काकैनीमाषैनीमांनो अनोलनामजोमहदीहोई मुंडीवाह्नीआतिहितसोई सीसासांभरलूणकहावे त्रिफलामेथीवातहटावे हीनकूतरीलाचीजानो तालीसपत्रमघसौंफपछानो नारदयनगजपिपलजोई पिपलामूलमर्चहितसोई पुरातनगुडअजमोदाजानो केशरकणकलौंगहितमानो गुगलएरणतैलसुखावे कटूतैलकस्तूरीभावे धनिआंवीजकौडहितहोई अगरथोमहितजानोसोई सकलवातहरऔषधजाने लखसुभावसेवेसुखमाने फकीअथवाचूरणसेवे बंधनमर्दनहुकनालेवे गोलीगोघृतमेलवनावे करेयतनदुखवातहटावे अवसंजोगीऔषधजानो आगेलिखीग्रंथमतमानो वह्लजुआंइनमघांमंगावे मर्चपिपलामूलरलावे काष्टनाजदौसौंफमिलाय सीसालूणचित्तरापाय वाविडंगसमऔषधल्यावे साडेत्रैत्रैमासेपावे सुंठीकंदविधारालीजें साडेत्रैत्रैतोलेदीजें हरडहूडतोलासंगजानो पुराणागुडसततोलेमानो गोलीमासेपांचवंधावे तप्तनीरसंगप्रतिदिनखावे जोडवातवाकरपदहोई रींगडवातआदहरसोई गुदापीडकफदूरहटावे सकलवातकाखेदमिटावे वाविडंगहिंगूमंगवावे धनिआंगजपिपलसंगपावे ज्यादाजीराश्वेतमंगाय मघसुंठीचोकचित्तरापाय वरेआमर्चभडिंगील्यावे सर्षपकौडभागसमपावे सबतेदूनात्रिफलापाय सबसमांनगुग्गुलमंगवाय करइकत्रघृतमेलकुटावे गोलीमासेतीनवंधावे प्रतिदिनएकमधूयुतखाय सकलभेदकावातहटाय त्वचापीडसुखपीडाजावे प्रमेहदूरवलवीर्यवधावे संग्रहणीववासीरहटजाय सेवनकरदुखदूरहटाय सीसालूणचोकमंगवावे वाविडंगअजुआंइनपावे हिंगुमेलवरावरलीजें अंवलकिंवभावनादीजें सातभावनादेवेकोई फुनिरसभखडालीजोसोई सातभावनातांकीदेवे तौफुनिरसआद्रककालेवे सातभावनातांकीदीजे फुनित्रिलचणउंकीलीजे एकभावनातांकीदेय फुनिपीसगोलीकरलेय गोलीमासेतीनवंधावे प्रतिदिनगर्मनीरसंगखावे कांजीछाछकिंवरसह्लोई अनुपानलखसेवेकोई सकलभेदकावातहटावे वातसीसछातीकाजावे अरुचीदूरकंठदुखखोई आगेतैलसुनोअवसोई असगंधभिलावातैलसुखावे सर्षपतैलतिलोंकाभावे सतावरतैलभखडाजोई प्रसारनीगजप्रसारनीसोई गर्मतैलकरमर्दनकीजें वातरोगनिश्चेहरलीजें अथवाऔरऔषधीपावे तैलपकायमलेदुखजावे गर्मतैलजलवैठेकोई अथवाहुकनाकरसुखहोई अववुटनेकीविधीवखानों मर्दनकरदुखदूरपछानो अगरतेलिआकुठमंगावे छडअसगंधकस्तूरील्यावे जरंवादहलदीमंगवाय दारुहर्दलसंगरलाय आटामसरताहिसंगपावे करइकत्रवुटनावनवावे निर्वातस्थानमर्दनकरवाय सकल-

भेदकावातहटाय निर्धूमअन्नसुखदायकसेवे रूईआदपश्मतनलेवे स्नानगर्मजलसेवनभावे करेपथ्यदुखवातहटावे मांसरसाचनओंकाभाय कणकगावघृतपथ्यसुखाय कुलथीमाषचिरौंजीभावे तितरमांसकरेलेखावे कोमलसागसतावरहोई ककोडासागसौंफहितसोई दधीछाछगोकीमनभावे किंवखटाईपिस्ताखावे कंडेआरीफलवदांमहितजानो दाखवतांऊमूलीमानो अखरोनेटउजाआद्रकहोई छिलकेविनमुंगीहितसोई पुरातनतंडुलखिचडीखावे कूपनीरहितवातहटावे जांप्रकारसवपथ्यविचारोआगेऔरकुपथ्यनिहारो दिवाशयनजागेनिशिमाही शीतलजलमदिराहितनाही वातिकनरमैथुननहिभावे चनेकणकमीठानहिखावे सावतमुंगीमटरजोहोई मसरआदघृतकच्चासोई सकलवातपरसिद्धगावे पथ्यापथ्यविचारसुखावे आगेवास्तववातपछानो ऊनवातकालच्छणमानो वातऊनतनसिथलदिखावे टूटतजोडवोलनहिभावे प्रतिदिनकफकीवृद्धीजानो बुद्धिमंदचिंतातुरमानो जहांवातकफतहांविचारो कफहरऔषधनिश्चैधारो.

॥ अथान्यमते कफवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ आदवातकफदूसरजानो आगेलच्छणकफकेमानो कफसुभावसरदीतरहोई लेसदारकोमलहैसोई हर्कतसकलएकनाभावे करेसिथलकफलच्छणगावे अवलच्छणकफजांकोहोई धीरगंभीरविचारतसोई भारमांसतनमोटाभावे अस्थीसकलदृष्टनहिआवे सीतलतनभोजनरुचिनांही कार्यखेदलखधीरजताहीं गोघृतरंगहोततनतैसें अथवाकंचनरोपनजैसें छातीमस्तकचौडाजानो कृष्णकेशतनस्निग्धपछानो निर्मलनेत्रताहुकेहोई नेत्रकोणलालीपरसोई मैथुनसमेहोतवलवान अधिकतरीरसवीरजमान अधिकपुत्रकन्याकमहोई स्वछसुभावक्रोधविनसोई सित्रवंधुलखआनंदपावे आयूअधिकनींदमनभावे मातापितागुरुसेवाजाने लज्जावानज्ञानमनआने वाणीभारीसाफदिखावे कौडीतीच्छणचीजसुखावे गर्मखुष्कभोजनमनभाय लघुभोजनअतिकवहुनखाय गुणीआपगुणसवकाजाने रोदनअधिकनाहिमनआने बागबृच्छस्वपनेमेंदेखे हरेघासकुसमावलिपेखे कफीपुरुषकरडातनुजानो भारीकंठसीसमनआनो कोतादमीकासातिसहोई खाजनेत्रमुखनासिकसोई अधिकनासिकानीरचलावे खाजजोडपरसोजदिखावे सायंकालप्रातवलहोई कफलच्छणऐसातनुसोई.

॥ कफहरऔषधवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ आगेकफहरऔषधगावे सकलग्रंथमतखेदहटावे गिलोपतीसगोरोचनहोई चिरायतानिंवखैरहितसोई वालाश्वेतधमाहपछानो हलदीदारुहर्दलमानो कांफलश्वेतपापडाजोई काष्टनाजपाडलहितसोई मुंडीवीजकसौंडीजानो वथूनीलूणवावचीमानो सेवतीपाडलरेंगनजोई मैनफलनागदौनहितसोई ककोडात्रिफलामहंदीजांन अनौलत्रिवीपुठकंडामान जढजमालगोटेकीजानो त्रायमानविडलूणपछानो मालकंगनीलाचीजोई अजुआंइनसुंठीअतिहितहोई किकरसौंफसारिवाजानो असगंधसौंफसाजिहितमानो जउखारहिंगूमनभावे धनिआंकेशरनागसुखावे त्वज्तमालपत्रहितहोई तालीसपत्रसितजीरासोई थोमचोकगजापिप्पलभावे अंवलतासवकमजोहोई वल्लजुआंइनअतिहितसोई अगरसिलारसमुंगपछानो सुपारीमुत्थरआद्रकमानो कवावचीनीजलपत्रीहोई मघांसर्चहालमहितसोई

चंदनजैफललौंगपछान कुलंजनककडसिंगीमान मस्तकीकुठभडिंगीजानो पुष्करमूलकतीरामानो ताम्र
भस्मलौंअतिसुखदाई कफहरऔषधसबीसुनाई आगेऔषधजोगविचारो कफकरदूरसत्यमनधारो आद्र-
कसुंठीमघामंगावे चिरायताहलदीमर्चमिलावे लेसमऔषधपीसवनाय दुंवेकाफुनिपित्ताल्याय ताकेवी-
चसातदिनसोई संपुटकरराखेजवकोई फुनिसुकायचूरनवनवावे अंगुलसेंतालूपरलावे मलेजीभकफवा-
हिरआय निश्चेकफकृतदोषहटाय जरदीसकलदेहकीजावे कृष्णकेशकरसुखउपजावे कांफलपुष्करमू-
लमंगाय भडिंगीककडसिंगीपाय मघमिलायसमभागपिसावे चूरनप्रातमधूयुतखावे मासेतीननित्यप्र-
तिखाय निश्चेकफकृतदोषहटाय अथवावमनकरेकफजावे गरारेकरदुखदूरहटावे निंबूरससुंठीमघलीजें
आद्रकलूणहिंगुसंगदीजें इनकेजलसोंकरेगरारे निश्चेकफकृतदोषनिवारे गर्मनीकररताहिपिलावे गर्मरे-
तकरजोडसिकावे अतिमैथुनहितजागेसोई अतीखेदचिंताहितहोई पुरातनमदिराअतिहितजानखुष्का-
भोजनकफहरमांन कंडेआरीवीजमघांमंगवावे सुंठीभलवरावरल्यावे पीसनासिकापावेसोई निश्चेकफदु-
खवाहिरहोई लूणफडकडीमघांमंगावे पलासवीजअरुछिलकाल्यावे पीसगर्मजलनासिकपाय सिथलता-
कफमूर्छाहटजाय सरीहवीजमनासिलामंगावे लूणफडकडीसंगरलावे लेसमगूत्रपायपिसवाय अंजनक-
रकफदोषहटाय तापवीचमूर्छाप्रघटावे अंजनदूरकरेसुखपावे त्रिफलात्रिकुटाचारसंगाय वीजमीचकालू-
णरलाय लेसमऔषधखर्लकरावे तुलसीनीरपायपिसवावे मूर्छासंनिपाततपमाहि अंजनकरकफनासेतां-
हि तोलात्रिकुटालूणमंगावे आद्रकरसत्रैतोलेपावे गरारेकरकफदूरहटाय कलुपीयेकछुनासिकपायपाओए-
कसिरकामंगवावे आद्रकरसत्रैतोलेपावे राईसुंठीपीससमिलाय मासेतीनतीनसमल्याय पादभारपरवैठे-
सोई गरारेकरकफवाहिरहोई मुखपसारवैठेदुखजावे छातीकंठसीससुखपावे चमकतनेत्रशुद्धहोजाय
क्षुधाप्रवलकफदोषहटाय मुंगीरसफुलकामनभावे कुलथीमांसजांगलीखावे आद्रकनिंबूथोमपछानो
मधूसौंफमेथीहितमानो तोरीसागवतांऊखावे कफहरपथ्यदेखवलभाये आगेकफकुपथ्यसुनसोई जा-
कारनकफवृद्धिहोई दधीदूधसीतलसोजानो वासीसीतलभोजनमानो दिवासयनमूलीहितनाहीं मिस-
रीलौंमीठातजतांही अतीस्निग्धाचिकनाजोहोई कफीपुरुषत्यागेसुखसोई असलीकफदेहीकेमाहीं घट-
जावेसुनलक्षणतांही कफस्थानसूकेसवजानो घूंमताशिरआलसवहुमानो सिथलजोडासिगरेतनहोई
आगेऔषधसुनिएसोई तरअरुगर्मचीजाहितजानो जैसेगावदूधघृतमानो अनूपदेसकेजीवविचार उनका-
मांसकफीमनधारे मिठेआईचिकनवस्तुनरखाय मालसघृतअतिनिद्राभाय पांचभेदकफहूकेजानो ति-
नमेलंवकनामपछानो छातिस्थानजाहुकाहोई रहेसदावलदायकसोई दूसरकफकलीदकरकहिए जठ-
रस्थानजाहुकालहिए कौडीस्थानजठरमुखजानो उवाललेतदुर्गंधीमानो खानपाननीचेकरसोई रहेस-
दावलदायकहोई वोधकनामतीसरीजानो जिव्हास्थाननिवासपछानो सकलस्वादकाकारणसोई जाप्र-
कारइकनिश्चाहोई औरवैद्यमतऐसाजानो वातस्वादकाकारनमानो चौथीकफातिर्यककहुसोई निवास-
स्थानसीसमेहोई जासोंजलनेत्रनतेंआवे जाप्रकारतिर्यकगुणगावे श्लोष्मकानामपांचमीकहिए निवा-
सस्थानजोडसवलहिए दृढकरकोमलरक्षाधारे जाप्रकारकफगेहविचारे विनारोगदेहीजवहोई पांचभेद-
कफानिश्चलसोई जवविगाडतनमाहिविचारे स्थानछोडकफपसरतसारे कफउछालदेहीजवजानो परस्प-
रदोषविरोधीमानो करेयतननिश्चामनमाहीं विनावमनऔषधहितनाहीं अथवाप्रातिदिनमधूखुलावे धी-
रजकरकफानिश्चलथावे शिशरवसंतदोइऋतुजानो कफउछालतनअधिकपछानो ग्रीखमऋतसंधीजवहो-
ई कफउछालतनानिश्चलसोई कफकरऔषधभोजनजानो आगेलिखाग्रंथमतमानो तरअरुसर्दवस्तु-

जोहोई कफकरभोजनमानोसोई कफपैदाकरनिश्चलराखे इतनाभेदसर्दतरभाखे तरअरुगर्मवस्तुजो-होई कफकरदेहपसारतसोई गर्मखुष्कवस्तुजोजानो घढावतकफनिश्चामनआनो.

॥ अथपित्तवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ जाप्रकारकफतनमेहोई आगेपित्तभेदसुनसोई पित्तदोषतीसरपहचांनो सफरानामफा-रसीमानो पित्तसुभावगर्मतरहोई पतलासूषमतीक्ष्णसोई गरमीतनअगनीवंतजानो सकलपित्तकाका-रणमानो अगनीजठरपित्तिकरसोई वाग्भटकहेरुधिरमलहोई कईवैद्यऐसामतमांने रुधिरपित्तसमभेद-नजाने पित्तगर्मतरसूषमहोई रुधिरगर्मतरभारासोई कितावकफायाभेददिखावे चर्चाअधिकतहांमन-भावे क्रोधसुगंधीप्रीतीजोई रतीआदवलपित्तजसोई आगेलक्षणकारणजानो जिनकरपित्तअधिकतन-मानो धनीतेजचंचलमतिहोई सीघ्रकार्यकरक्रोधीसोई सीघ्रश्वासमैथुननहिभावे उदारस्वेदकरकार्यदि-खावे निर्मलवस्तुसुगंधीभाय सरणागतरक्षामनलाय होएखेदचिंतामननाहीं अग्नीतेजक्षुधाप्रगटाहीं खट्टामीठाकौडाभावे सर्वतसीतलनीरसुखावे परसाअधिकहोततनमाहीं दुरगंधीचलेदेहतेताहीं कण-करंगवतजोडलखावे मुखपरछाईदाघादिखावे पीलेकेशलालकछुजानो वृद्धापनसीघ्रदेहकृशमानो अती-धूपवामदिरापान लालनेत्रतांहीछिनजान स्वप्नवीचपुष्पांकुरदेखे पलासवृक्षवाअग्नीपेखे विजलीनिक-टसिंहलखपाय मर्कटविल्लीव्याघ्रदिखाय.

॥ अथपित्तहरऔषधवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ आगेऔषधकोशविचारे प्रवलपित्ततनखेदनिवारे चिरायतानिंवकौडहितहोई वालाविल्व-पितपापडसोई हलदीयानसेवतीजानो पादःपाडलमूलीमांनो तोरीमिठीसौंफसुखावे त्रिफलात्राय-मानमनभावे इलाचीचंदनखेतसुखाय कपूरवर्चजढमैंदीभाय कंदूरीकत्थवावचीभावे गुलावपुष्प-कमिश्रांचितचावे कंगुणीजढजढकिक्करभाय खंव्वलजढगूलरसुखदाय मुलठीनागरमोथाजानो ऽना-रदानावांसामनआनो दूधछुहारामिशरीहोई मखनआदगावघृतसोई अंगूरफालसाअतिहितजानो सकलपित्तहरऔषधमानो गोलीचूरनक्वाथवनावे सेवऔषधीपित्तहटावे चाहेसीघ्रदूरकरकोई विनरेच-कहितऔरनहोई जेकरदेरसंगनिकसावे ताहिगावघृतअधिकसुखावे सीतलऔषधचंदनजोई गुलाव-कपूरसुगंधीसोई अतरसुगंधीवस्त्रवनाय पुष्पमालहितरागसुखाय प्रथमपहरसुखरातविचारे वैठचां-दनीपित्तनिवारे सवजीवागहौदमनभावे सुंदरतिरिआप्रेमदिखावे वालखेलवंधूमनधारे सकलपित्त-हरयतनविचारे जेकरअधिकपित्ततनजाने रुधिरनिकालसीघ्रसुखमाने त्रिवीदाखत्रिफलासमल्यावे गो-लीमासेपांचवंधावे प्रतिदिनसीतलजलकेसंग सेवनकरेपित्तरुजभंग दाखपुष्यकमिश्रांमंगवावे दुंधक-लेमिठीलाचील्यावे ककडसिंगीकत्थरलाय नूतनऔषधपीसवनाय मोतीभस्मकपूरमिलावे लेससचंद-ननीरपिसावे गोलीमासेतीनवंधाय सेवनकरेपित्तदुखजाय सुर्षवादआदयक्ष्मतनहोई पित्तविकार-हरेसुखसोई जऊँकणकचावलमनभावे मुंगीगोघृतमखनखावे दूधनीरसीतलहितजानो चंदनश्वेत-कपूरपछानो दुधकलमिठीअतिहितहोई कंदूरीसागचुलाईसोई इत्यादिकपथ्यपित्तहितजानो आगेपि-

त्तविरोधीमांने तीक्ष्णगर्मवस्तुजोहोई दधींतैलतिलहितनहिसोई खाराखट्टासोनहिभावे वतांऊषट्टी-छाछनखावे गर्मतैलसिरकानहिभाय आद्रकथोमधूपनहिभाय वस्त्रलालकालेनहिलावे अतीखेदव्यायामनभावे तीक्ष्णसर्दवस्तुजोहोई अतीपित्तपैदाकरसोई तीक्ष्णगर्मवस्तुजोजानो पसारतपित्तदेहमेमानो सर्दपित्तकोदूरहटावे जाप्रकारतनपित्तदिखावे पैदापित्तवर्षऋतहोई सर्दऋतूतनपसरतसोई ऋतहिमंतसिगराहटजावे जाप्रकारऋतुपित्तदिखावे असलीपित्तहोततनमाही ऊनअधिकसुनलक्षणतांही घटेपित्ततवक्षुधाहटावे सीतलजोडतेजतनजावे तिक्ष्णगर्मखुष्कहितहोई पांचभेदआगेसुनसोई आमासयपाचकपित्तपछानो भेदचारपरवलवतमानो पकावतखानपानतनसोई रेचकपित्तदूसराहोई आमासयसुखकौडाजानो रहेतहांरसवृद्धीमानो विचारकुबुद्धीउघमहोई सावकपित्तहृदयगतसोई तीसरपित्तरंगवतजानो आलोचकचौथानेत्रपछानो वराजकपित्तपांचमाकाहिए त्वचागतपित्तपांचतनलहिए.

॥ अथऊनाधिक सातधातूवर्णनं ॥

———o———

॥ चौपै ॥ सातोधातूतनगतजानो आगेलक्षणजतनपछानो ऊनअधिकधातूतनहोई स्थानत्यागदुखदायकसोई रुधिरऊनतनमाहिविचारो सुस्तजोडतनखुष्कनिहारो षट्टीसर्दवस्तुरुचिआछे करपदश्वेतस्नानकेपाछे रुधिरअधिकलक्षणसुनसोई करपदलालउलटगतहोई ऊनरुधिरपरयतनविचारे कफहरऔषधकोशसह्यारे रुधिरवृद्धिकरऔषधजोई भस्मफुलादगर्मतरकोई गंधकआमलसारसुखावे निर्मलरुधिरसीघ्रतनल्यावे जेकररुधिरअधिकतनजाने रुधिरछुडायसीघ्रसुखमाने अवरसधातदूसरोकहिए ऊनअधिकलक्षणतनलहिए ऊनहोएरसलक्षणजानो सूकतकंठजीभमुखमानो आमासयनिर्वलवलपहुंचावे करेपथ्यरसवृद्धीपावे अधिकहोएरसलक्षणजानो श्वेतहोएतनसीतलमानो सिथलजोडखांसीप्रगटावे कोतादमीनींदवहुल्यावे निंवूरसहिंगूसंगलीजें गरारेआद्रकरसयुतकीजें सुंठीलौंगकाथकरपान होवेरसवृद्धीकीहान मासेदसतुरुंजरसल्यावे छेमासेजीरालूणमिलावे चूरणगर्मनीरसंगखाय रसवृद्धीदूरपथ्यमनभाय अधिकमांसलक्षणसुनसोई वडापेटमुखगिरदाहोई गिलटीतालूजिव्हाजानो भुजापृष्टअतिमांसपछांनो सरीरअधिकमोटाहोजावे अधिकपित्तकायतनसुखावे ऊनमांसलक्षणसुनसोई सिथलइंद्रिआंतांछिनहोई ग्रीवाकर्णमसूडेजानो पिंनीआदषुष्कसबमानो नीचेउतरकनपटीआवे श्वेतरंगलक्षणप्रघटावे कफवृद्धीकायतनसुखाय मांसजीवपक्षीकाखाय. चरवीअधिकहोततनमांहीं मांसवधेकालक्षणताही तंगश्वासनिर्वलतापावे कफहरऔषधफाकाभावे मषीरनीरप्रतिदिनकरपान होवेअधिकमिंझकीहान ऊनमिंझलक्षणमनधारो अधिकमांससभखुष्कनिहारो तिलीरोगतनदुर्वलजाने माषमांसमीठाहितमाने भोजनकरजलपानसुखावे कफवृद्धीकायतकरावे. अस्थीवीचमिंझजोहोई अधिकहोएलक्षणसुनसोई नेत्रजोडसभभारेजानो सकलअंगपरसोजपछानो छालेसकलजोडपरजानवलिष्टअंगचिकनेपरिमान कफहरऔषधतांहिसुखावे मैथुनअधिककरेसुखपावे अस्थीगतमिंझऊनजवहोई घिरेसीसदष्टीकमसोई छिद्रहोतअस्थीकेमाहीं कफवृद्धीकरऔषधताहीं दूधमांसमीठाघृतजानेसेवनकरअस्थीसुखमाने वीरजअधिकहोतहैजवही रुचिहोतमैथुनपरतवहीं जेकरमैथुननाहिविचारे मूत्रासयरोगपन्थरीधारे ऊनवीरजकालक्षणजानो वीर्यपातचिरकालपछानो अथवाथोडावीरजआवे वीर्यस्थानवारुधिरचलावे वृषणउपस्थजलनप्रगटाय चुवकहोएतनसिथलादिखाय कफवृद्धीकायतनक-

रावे ताकरवीरजवृद्धीपावे ओजनामवलहूंकाजानो सप्तधातुकातत्वपछानो छातीस्थानजाहुकाहोई लालरंगकछुपीलासोई निर्मलचिकनास्निग्धविचारो वलहुंकावलओजसह्मारो जवसुभावगतफर्कदिखावे निरवलतनचिंताप्रगटावे सकलजोडनिरवलप्रगटाय खुषकीतनवलवीरजजाय जवतनओजनष्टहोजावे तवजीवनअत्तिकाठिनदिखावे खानपानतजनिद्रानाहीं अतिचिंताअतिभयमनमाहीं अतिफाकाअति-मैथुनकीजें ओजनष्टइनकारणलीजें मीठास्निग्धमांसरसखावे निर्मलहलकाभोजनपावे भयचिंतादि-कक्रोधनधारे इनकारणकरओजविचारे.

॥ अथवातपित्तकफस्थानकथनं ॥

॥ चौपै ॥ वातपित्तकफतनमेचीन्है मुख्यस्थानपाछेलिखदीने कछुकभेदआगेसुनसोई नाभीस्था-नवातकाहोई पादअंगुलीतकपहचानो आमाशयस्थानपित्तकामानो पित्तेवीचआंदरांभावे छातिकफ-कास्थानदिखावे अथवासिरग्रीवाकेमांही कफअरुपित्तराहिताथिरतांही रहेस्थानपरआपनजावे मिले-वाततबआगेधावे जहांवातइनकोलेजाय तहांपित्तकफकोपदिखाय वातवेगकाकारणजानो भोजनअ-धिकअजीरनमानो वासीअन्नयथाजलपान दुरगंधितभारीरूक्षपछान इनकरवातकोपतनहोई कफ-अरुपित्तचलावेसोई अथवाधूंमजठरकोधावे सोभीकफअरुपित्तचलावे अथवाअधिकसुआरीहोई गजअरुअश्वदुडावतकोई अतीखेदकरदेहहिलावे वातपित्तकफस्थानछुडावे सातोधातुतनमेजानो स्थिरतानिजनिजस्थानपछानो वातवेगकरपसरतसारे नातरथिरतादेहमझारे धातूपसरस्थानतजधावे तांकरतनमेरोगदिखावे विनावातपसरततननाहीं पसरकोपतनदोषदिखाहीं धातूसकलदोषथिरहोई विनावातपसरतनहिकोई रसअन्नादिकजठरदिखावे ताकरवातकोपतनधावे धातुदोषहिलावतसोई ताकररोगनेकविधहोई निश्चेदोषतीनाविधजानो वातपित्तकफतनमेमांनो मिलेदोइद्वंदजकहुसोई भि-नतीनमिलचारववाने सातभेदऐसेतनजाने चतुरवैद्यलक्षणलखपावे आदयतनपाचकाहितहोई कच्चा-दोषपकावेसोई धातूदोषमिलेवानांही पाचकदेवाहिरकरतांही रेचकपाचकअतिहितहोई पकायदोष-वाहिरकरसोई सामविरांमनामदोजानो कच्चापक्कादोषपछानो इनकापाचकगरमीहोई विनगरमीदुख-दूरनकोई.

॥ अथअठभेदगर्मीवर्णनं ॥

॥चौपै॥ आठभेदगरमीकेजानो भिनभिनसभनामपछानो अगनीकीगरमीइकहोई सूरजअगनीदू-सरसोई गर्महुआडतीसरीजानो गरमवस्त्रकरचौथीमानो गरमनीरपंचमकहुसोई षष्ठसगरमीमारगहोई लेपादिकसप्तमपहिचानो अष्टमक्काथादिकमनमानो अठभेदगर्मीतनहोई सकलदोषवाहिरकरसोई.

॥ अथपाचनौषधवर्णनं ॥

आगेपाचनऔषधजानो करेयतनदुखदूरपछानो सुंठपिप्पलामूलसंगावे चोकनामजढमर्चकहावे चित्रा-मधहरीडसंगहोई कौडवल्लअजुआइनसोई मुत्थरवाविडंगमंगवाय त्रिविसौंफमिठीसंगपाय छिलकानिं-

वइंद्रजउोआनो वहेडात्रायमानसंगठानो सातूरीचंदनश्वेतामिलावे गौंमाघरताहिसंगपावे इत्यादिक-सभपांचनजांनो इनसेजोहितसोमनआनो सुभावतुल्यगुणदायकजोई गोलीचूरनसेवेसोई अथवाका-थवनायपिलावे पाचनऔषधदोषहटावे दिवसतीनअथवादिनसात सेवनकरेदोषमिटजात जवतक-दोषपकेआजावे तवतकऔषधसेवनभावे दोप्रकारविधऐसीहोई पकायदोषविधपाछेसोई तहलील-नामकरसोइकहावे विरामदोषलगसेवनभावे गोलीचूरनकाथवनाय सेवनकरेदोषमिटजाय दूसरभेदसु-नोअवसोई ऊपरयतनकरेसुखहोई मरदनगरमहुआडलगावे अतिनिद्राअतिमारगभावे अथवाऊपर-लेपकराय विरामदोषनिश्चेपकजाय देषेछिद्रचुडाईहोई लंवाईहोतिरजककहुसोई तहलीलविधीताहीछि-नकरिए सुकायदोषनिश्चेकरहरिए जेकरदेरताहुमेजाने तौफुनियतनऔरविधमाने जेकरछिद्रयथारथ-होई ऊनाधिकहोवेनहिसोई ताहियतनऐसामनभावे उपायकरेबीतरपहुचावे औषधकेरेउदरपहुचाय आमाशयमुखपासपुजाय तौफुनिवमनाविरेचनटाने जाप्रकारदुखवाहिरआने आमाशयमुखऊपरहोई वमनसंगकरवाहिरसोई नीचेजठरहोतहैजवहीं रेंचनदेवाहिरकरतवहीं जेकरसीसकंठकेमाहीं गरारेक-रवाहिरकरतांही जेकरवीचआंदरांजाने हुकनादेकरबाहिरआने दुष्टदोषलक्षणजवहोई फोडाकुष्टर-सौलीसोई फुलवहरीआदगंजदरसावे सोजातापदुष्टप्रघटावे ताहियतनजाहीविधकीजे बीतरवाहि-रऔषधदीजें मुहल्ललऔषधनासिकपावे रेचकदाफयनामसुखावे मुनजजातपाचनकहुसोई यथाजो-गवर्तेंसुखहोई प्रथमऔषधीदोषसुकावे मुहल्ललकरतनखेदहटावे दूसरदोषपकावेसोई कचादोषनऔ-षधकोई वमनविरेचनसमाविचारे कररक्षातनरोगनिवारे पकायदोषवाहिरकरसोई कचादोषनछेडेकोई जेकरदुष्टदोषतनमाहीं रुधिरआदधातुगतताहीं ताहियतनऐसामनधारे निराहारव्रतकरदुखटारे कछु-कदोषतनऊनदिखावे पाचनदेतनमाहिसुकावे अथवारेचकयतनकराय यथाजोगलखऔषधखाय फा-केअधिकनदेवेकोई अतिफाकेकरअतिदुखहोई ताकरवमनविरेचनदेवे पाचनहुकनाहितलखसेवे दुष्ट-दोषलखदूरानिकारे जाप्रकारविधयतनविचारे अतिलंघनकरदेहघटावे रोगीमरेदोषनहिजावे श्रेष्टवा-ग्भटमतीविचारे देखवलावललंघनधारे फुनिपाचनदेदोषहठावे अथवारेचकक्काथपिलावे धातूगतहोवे-वानाहीं दुष्टतापदूरीकरताहीं.

॥ अथपांचभूतोंकावर्णन ॥

॥ चौपै ॥ भूमीजलअगनीहैसौई वातअकासपांचतनहोई पांचोभूतदेहमेलहिए अनासरअरकां-नफारसीकहिए ऐसेंमहाभूतमिलपांचहिं होतदेहजांनोयहसांचहिं तामेकठिनसोभूतलजानो योद्रा-वकसोईजलमानो जोजहउष्मतेजकहुसोई प्रघटप्राणगतवायूहोई योपुलारसोकह्योअकाशहि ऐसेंपां-चभूततनवासहिं अस्थिमांसनाडीत्वकमेदा एतेपांचमहीकेभेदा वीरजरुधिरमूतपरसेवा पांचमीलाल-जानजलभेवा क्षुधातृषाअरुकांतीक्रोधा तृघ्मापांचतेजगुणवोधा प्रसरसंकोचनवाणीधावन उछलनवा-यूआवनजावन जडतानींदमूकतामोहै विसरनश्रवणव्योमतेंहोहै फुनिअकाशतेश्रवणभयोहै वायुत-त्वतेंतुचालह्योहै तेजतत्वतेंनेत्रपछांनो वारितत्वतेंरसनाजांनो नासाभूमितत्त्वतेंल्यौंही उपजीपांचइंद्रि-यांत्यौंही व्योसशब्दजोसुनेसोकाना तुचासपशपवनप्रधाना तेजरूपसोदेखतनैना रसनाजानोरस-रसऐना पृथवींगंधपछांनतनासा ज्ञानेंद्रीजहपांचप्रकासा ऐसेंपांचभूततनजानो लक्षन्नभिनऔरमत-मानो भूतभूतगतलीनदिखावे आगेभेदयथारथगावे भूमीवीचलीनजलजांनो जलअगनीमेलींनपछानो

अगनीलीनपवनमेहोई आकासवीचलयवायूसोई आकासवीचसिगरेगतजानो ताकरचारोतत्वपछांनो अगनीगरमखुष्ककहुसोई फारसश्रातसनामाहोई नीरसरदतरसोईपछानो श्रावनाममतफारसमानो पृथिवीसर्दखुष्कप्रघटावे जमीननाममतफारसगावे बायूपृथिवीजोगपछानो सर्दखुष्कताहीकरमानो वादनाममतफारसकहिए चारोगुणऐसेंतनलहिए.

॥ गुणआठमाव्याख्यानरसकच्चेऔरपक्केका ॥

वेरबाउनरोगोंका जोरसकच्चेतेहोताहै. ॥ चोपै ॥ दोईभेदकारसपहचानो कच्चापक्कादोईपछानो जठराग्निनिर्वलजवहोई अथवाऊनहोतहैसोई खानपानतवकच्चाराखे आमनामरसतांकोभाखे आमजठरमुखकौडीजानो विगडेतहांनिवासपछानो तीनोदोषताहिढिगहोई विगडतएकदोषकरसोई तांकोआमनामरसकहिए विगडतदोषनेकविधलहिए आमासयरसनीचेहोई दुष्टहोएफुनिपक्केसोई ताकरदोषनेकविधजानो दृष्टांतएकआगेपछानो जैसेअन्नकोदराहोई सिद्धापडेभारयुतसोई भारीहोभूमिपरआवे पडेत्रेलतववृद्धीपावे निजगरमीकरदानाहोई सुंदरअन्नसुखावतसोई जेकरनिजगरमीनहिजानो तांकरत्रेलसोईविषमानो भीजतनिंमदाराहोजावे जोखावेविषरूपदिखावे ऐसेंरसविगाडतनमाहीं सीध्रयतनकरसुखउपजाही जेकरयतनकरेनाहिकोई रसविगाडमारकतवहोई जैसेंरससिरकाहितहोई फसेजठरसुखदुखकरसोई विषसमानसोईमनधारो उत्पत्तीवहुविधरोगविचारो वातपित्तकफतीनोहोई विगाडतआमनामरससोई तांकरसामनामप्रघटावे फसेवीचरगवंदकरावे धंमनीआदइंद्रिआंजांनो फसेवंदकरदुखबहुमानो निर्वलतनुभारीप्रघटावे कार्जहीनकरवातरुकावे रुंधवातनामाकहुसोई डकारअधोवायूनहिहोई पाचकअगनीनिरवलजानो तडफडाटकाःलीअतिमानो अतीनीरमुखउतरतसोई मलअरुमूत्रशुद्धनहिकोई भोजनपरअरुचीप्रघटावे दुरबलतनुवलहीनादिखावे मलअरुमूत्रनेत्रनखजानो त्वचादंदपीलेसबमानो जेकरपीलेहोवतनाहीं ताकरकालेलालदिखाहीं पृष्टसीसअरुजोडपछानो अस्थीवीचपीडतनमानो सिथलदेहअतिनिद्राआवे मुखवेस्वादतापप्रघटावे पेटनर्मसोजातनहोई बहुविधलच्छणकरहैसोई जेकरआमदोषसंगजानो सामदोषतवनामपछानो किसीधातुसंगआमविचारो धातुसंगनामउचारो जैसेंआमरक्तयुतहोई सामरक्तकरकहिएसोई जेकरआममांसगतजाने साममांसतवनामपछाने जेकरआमवातसंगलहिए सामवातनामाकरकहिए ऐसेजासंगआंमविचारे तैसेंभिंननाममनधारे आगेलच्छणभिंनविचारो सामवातआदीमनधारो उदरसब्दतनसोजदिखावे पीडाजोडचुवकलखपावे जोडजोडप्रतिऐसाजाने मानोसूईचुवकपछाने जेकरवातअधिकतनुहोई आगेलच्छणसुनिएसोई हर्कतजोडदूरतवऐसे खैंचतजोडसिकंजेजेसे प्रातरातभ्कडवादलमाहीं अतीवातअतिलच्छणतांही कच्चादोषहोतहैजवही करेयतनदुखदायकतबही जेकरदोषपकेआजावे करेयतनदुखदूरहटावे जेकरआमपित्तयुतहोई सामपित्तकरकहिएसोई सामपित्तलच्छणप्रघटावे छातीकंठजलनअतिपावे जेकरअतीपित्ततनुहोई प्रघटदुरगंधीलच्छणसोई हरेआरंगश्यामवजांने लच्छणदेखयतनमनआने कदाचितसर्दऔषधीनाही सर्दगर्ममिलदेवेतांही जैसेंधनिआंसुंठीजानो तैसेंकरदुखदूरपछांनो जेकरआमसगंकफहोई आगेलच्छणसुनिएसोई गाढाकफचिकनातवजानो तारतारवतटुकडेमानो श्वेतरंगफिक्कीथिरहोई रुकेकंठदुरगंधीसोई अरुचीअरुडकारनहिआवे लच्छणकच्चाआमदिखावे पकजावेतवउलटाहोई

पांचोइंद्रीबलवतसोई श्रोतवंदासिगरेखुलजावे ऐसालच्छणकफीदिखावे जेकरवातदूरजबहोई भिनघु-ष्कमलनिरमलसोई उदरसब्दश्ररुकवजीजावे जोडचुवकदुखदूरहटावे सकलवातहरश्रौषधकीजें सनि-गधवस्तुहिततांकोदीजे श्रामपित्तजवपाकादिखावे निरामपित्तसोनामकहावे पतलीलालपीतनहिजानो प्रबलछुधाबलदायकमानो तीच्छणस्वादवीर्यबहुल्यावे पाकपित्तलच्छणप्रगटावे जेकरकफनिरामगतहोई श्रावतमुखजलदूरीसोई मुखसुगंधदुर्गंधहटावे सामदोषउलटाप्रगटावे.

॥ गुणवर्णनश्रजीर्णभोजन तथा जलके फारसीबदहजमी ॥

॥ चौपै ॥ श्रजीरमनावतनमेप्रकटावे बदहजमीमतफारसगावे भोजनश्रधिकखायनरकोई श्रनूपान-सेवेसुखहोई जेकरश्रतिनरेलफलखावे श्रनूपानतवलूणसुखावे श्रथवाचावलमुखमेपाय चापेचूपेरससु-खदाय समुद्रझगवासेवेकोई नरेलश्रजीरननासेंसोई खावेश्रंबश्रजीरनपावे श्रनूपानगोदुग्धसुखावे सुंठीसौंचरलूणसुखाय श्रथवागोघृतवोझहटाय संगतरानारंगीसेवे होएश्रजीरनमिसरीदेवे श्रथवागु-डसेवेसुखहोई श्रनूपानविनयतननकोई जोकौश्रतिबद्रीफलखावे श्रनूपानजलगर्मसुखावे श्रतिकट-हलफलसेवेकोई श्रनूपानकदलीफलहोई पित्ताश्रंबगुलीकाल्यावे खावेपनसवोझहटजावे ताडवृच्छफ-लखावेकोई तंडुलमुखरसचूपेसोई श्रथवामर्चखायदुखजावे श्रनूपानसेवेसुखपावे तुरंजखायश्रतिवोझ-दिखाय शर्करसर्षपलूणसुखाय महुश्राफलीफालसाखावे खावेघिरनीवोझदिखावे छुहाराश्रथवाखाएख-जूर श्रनुपानसेवेदुखदूर तरकपित्थफलवोझदिखावे गिरीनिंबफलताहिसुखावे खजूराचिरौंलीवोझदि-खाय हरीडसेवेवामर्चसुखाय फगूडेफलश्रंजीरवाखावे वटपीपलफलवोजदिखावे वासीजलसीतलहितहो ई श्रनूपानहितश्रौषधसोई श्रंगूरछुहारामिसरीजानो संघाडानीलोफरश्रतिमानो कसेरूफलइत्यादिक-खावे मुस्थरइनकावोझहटावे जामनबिल्वखाएजोकोई सुंठीसेवदूरदुखहोई मौलसरीमेवाश्रतिखावे फलसरीहकावोझदिखावे श्रनुपानाजीराहितजानो वोझदूरसुखनिश्चेमानो बीजसारतरखीराखाय श्रां-मलेपेठावोझदिखाय कद्दूलालकुंमडाखावे खायकरकालूवोझदिखावे मीचकजढवासुंठीखाय निश्चेसक-लवोजहटजाय करौंदाककडीवोजदिखावे धोवेसिरजलतांहिपिलावे खावेघृतश्रतिवोझदिखाय जमीरी-रसनिंबूसुखदाय मर्चछाछवामिठीहोई वोझहोएघृतनासेंसोई खावेमांसवोझश्रतिजानो श्रनूपानरस-कांजीमानो जौखारकपूरकचूरीहितहोई घृतवागर्मनीरसंगसोई खावेतंडुलवोझदिखावे जउखारजल-वोझहटावे खावेकनकवोझश्रतिहोई तरषीराहितमानोसोई मैदाखायवोझप्रघटावे गर्मनीरतववोझह-टावे कोद्राश्रन्नखाएजोकोई श्रनूपानपिंडालुसोई श्राटाकणकवोझप्रघटाय गरमनीरकांजीसुखदाय सक्क रश्रथवालूनखलावे कणकचूंनकावोझहटावे भेडदूधश्रतिखावेकोई मिट्ठिछाछपानहितहोई जाकोमदि-रावोझदिखावे मधूपाध्यजलहिपिलावे तडुंलमांडखाएजोकोई वाटीरोटीमंडेहोई श्रजुश्राइनकावोझह-टावे श्रजीरणसकलभेदकाजावे श्रसलीतिलकंङुनीजानो सठीचावलजउपछानो वस्त्रछानतिसदधीस्व-लाय श्रनूपानसेवेसुखपाय तैलातिलौंकावोझदिखावे इमलीकुलथीकांजीभावे खिचडीमहिषदुधश्र-तिखाय सीसालूंणसेवदुखजाय कपूरसुपारीकेसरजानो दारचीनीकस्तूरीमानो वाजलपत्रीवोझदिखावे समुद्रझगश्रनुपानसुखावे गन्नेकारसवोझदिखाय श्राद्रकरससेवेसुखपाय पलासखारवाताहिखुलावे र-सगन्नेकावोझहटावे गावदुगधश्रतिसेवेकोई श्रनूपानरससुंगीहोई वानखदानताहूकोदीजें दुग्धदोषसि-

गराहरलीजें अन्नउवालअधिकरससेवे मघजढफिलफिलमोयःदेवे जमीरीचूंनाआद्रकहोई अनूपानको-द्राहितसोई चनेमाषमुंगीअतिखावे मसरकडांएआंवोझदिखावे तंडुलकांजीअतिहितहोई वोझदाल-कानासेंसोई पकायदूधवस्तूजोखावे अनूपानरसमुंगीभावे जवमुंगीरसजांकोदेवे ऐसीविधकरसोरससे-वे चांदीहोएस्वर्णवाल्यांवे तपायवीचरसमाहिवुझावे सोरससेवे अतिसुखदाई सकलदोषपरसिद्धागाई मांसरसाअतिवोझदिखावे अनूपानअरनीजढभावे तरकारीसकलवोझप्रघटाय गोघृतअनूपानसुख-दाय कांजीखायवोझअतिहोई सामुद्रीलूणमानहितसोई पित्तपापडावोझदिखावे वीजसुहांजनदोषह-टावे तोरीआदवोझप्रघटाय तंडुलधोयनीरसुखदाय वाअंबलरसषट्टादेवे वोझदूरानिश्चेसुखलेवे थोंमखा-यअतिवोझदिखावे पनीरवनायसेवदुखजावे मछीमांसवोझप्रघटाय मिठाअंबसेवदुखजाय कवावव-नामांसदुखदाई सेवेअंबदोषमिटजाई अतीगरमजलवोझदिखावे शीतलजलसेवेसुखपावे शीतलज-लअतिवोझदिखाय गर्मनीरसेवेसुखपाय सकलधूमदुखदायकहोई रालघोलजलसेवेसोई सकलधूम-कादोषहटावे पीवेनाकनेत्रपरलावे चरवीआदचिकनअतिसेवे मुंगीपीसनर्मकरदेवे सागचुलाईपालक-होई चचेंडाभट्टामूलीसोई अतिकदुंतुंवावांसअचार अनूपानसर्षपमनधार पलासखारवाताहिखुलावे चुलाईआदवोझहटजावे सर्षपचोकसागअतिखाय चाकोतसागवावोझदिखाय सिकडखैरकाथकर-दीजें अथवाकत्थवोझहरलीजें जिमीकंदअतिवोझदिखावे सेवेगुडदुखदूरहटावे तरकारीसागनेका-विधहोई अतिसेवेपाचनसुनसोई बूटाएकतिलोंकालीजें फूकभस्मपाचनहितदीजें सागत्रकारीवोझ-हटावे निश्चेतनसुंदरप्रगटावे खानपानबहुविधकाजानो दोषअजीरनबहुविधमानो पत्रवीजवाधनिआं-लीजें करकेकाथताहुकोदीजें अथवासुंठीकाथपिलाय वोझनेकविधदूरहटाय सकलवोझपरसिद्धागा-ई सुंठीधनिआंअतिसुखदाई

॥ अथ पृथवीअवयवरूपवर्णनम् ॥

॥चौपे॥ अवपृथवीकावर्णनहोई अवयवरूपनिर्णयसुनसोई भूमीसकलगोलमनधारो दोहिसेकरसो-ईविचारो दक्षणउत्तरहिसेदोई फुनिदोदोकरचारोहोई हिसेतीनवीचजलमाही उत्तरार्द्धजलवाहिरतांही उत्तरार्द्धदोदक्षणमानो हिसेतीनवीचजलजानो चौथाभागविनाजलहोई तापरलोकअवादीसोई वैद्ययु-नांनअवेमतलहिए रुवामसकूंननामकरकहिए चौथाहिसारुवापछानो मसकूंननामजलबाहिरमानो ताप-रविश्वअवादीकहिए रुवामसकूंननामज्योंलहिए उत्तरभागअवादीहोई हिसेतीनवीचजलसोई हिसेती-नसिंधुगतजानो उत्तरभागउचेरामानो भागउचेराहिसेतीन तांपरदेशअवादीचीन्ह जांगलदेशभागइ-कहोई अनूपदेशदूरसहैसोई साधारनदेशतीसराकहिए तीनभेदजलवाहिरलहिए जांगलदेशभेदमन-धारो अतिनीचेजलतहांविचारो मारवाडगुजरातकहावे मध्यआगरादेशसुहावे अतीदूरजलकूपपछांनो विनाढोलजलगतीनमानो वजायढोलउतखवरपुजावे तवपाणीवाहिरनिकसावे अतीदेरजलवरषाहोई सूकतशीघ्ररहितनाहिसोई छोटेउपजतवृक्षतहांही पवनेवगअतिकोपदिखाही उतपतछोटपुरुषविचारो जांविधजांगलदेशनिहारो अनूपदेशलक्षणसुनसोई निकसतशीघ्रनीरअतिहोई कोकनदेशसंज्ञाजहंक-हिए सवजीवृक्षतहांअतिलहिए होवतअतीपेटनरऐसें मानोरोगजलोदरजैसें तांकरपुरुषदुखीमनधारो

लक्षणदेसअनूपविचारो साधारनदेससुनोअवसोई पाणीतलेदूरनहिहोई नानेडेनांदूरादिखावे छोटेवडे-वृद्धमनभावे उतपतपुरुषतहांसमजानो बलवुद्धीतनसमतामानो आठोरोगअसाध्यकहावे नेकभेदक-रगिनतीआवे साध्यअसाध्यहोततनमाही भिंननामअवसुनिएताही कुष्टएकफुलवहरीजानो संग्रहणी-रोगजलोदरमानो भगंदरववासीरजोहोई नथूरसुजाकपथरीसोई सातोजद्दीरोगपछानो होएपितापु-त्रादिकमानो सिल्लरोगफिफरेकाकहिए नकरसपीडअंगूठेलहिए फुलवह्हरीकुष्टरसौलीजानो ववासीररु-धरीमनआनो वादीरोगपिताकोहोई निरवलजोडपुत्रकासोई आठोभेदऔरसुनआगे होएरोगफुनिदू-सरलागे रोगीसंगरहेजोकोई खांनपानतनलागतहोई खडोरोगफुलवहरीजानो छोटेवडेबालकेमानो ओबवंद्दुखनेत्रविचारो जुकांमतापकुष्टादिकधारो होएएकतनदूसरलागे रोगिसंगतकरदुखजागे.

॥ पुनःपांचभूतकथनं ॥

॥ चौपै ॥ पृथिवीआपतेजअरुवात आकाशभूतपांचोविख्यात इनकेभेदकहेसवपाछे जाप्रकारज-गवर्ततआछे इनविनवातएकजगनाही ऐसेंकहाग्रंथमतमाही पांचभूतगतविश्वविचारो संबंधसकलग-तनिआधारो जैसेपांचभूततनहोई लक्षणभिंनसुनोअवसोई अस्थीमांसमिझजोजानो पृथिवीअंशदेह-मेंमानो परसावीरजरुधिरविचारो लालमूत्रजलअंशनिहारो क्षुधातृषारुचिक्रोधविचार तेजरूपअगनीगु-णधार गमनागमनअलापदिखावे बलाबलसकलपवनप्रघटावे जडतानींदमूकताजोई गुणआकाशत-नवर्ततसोई निवासस्थानइनकेतनमाही आगेलक्षणसुनिएताही पृथवीस्थाननासिकाजानो ताकरग्र-हणसुगंधीमानो जिव्हास्थाननीरकाकहिए ताहीकररसटपकतलहिए नेत्रस्थानअगनीकाहोई दृष्टीते-जदिखावतसोई वातस्थानतुचामनआनो ताहीकरकेस्पर्शपछानो आकाशस्थानकर्णकहुसोई शब्दज्ञा-नताहीकरहोई निजनिजस्थानतत्वतनमाही एकदूसरेजावतनाही.

॥ अथपांचभूतस्वादकथनम् ॥

॥ चौपै ॥ पृथवीआपतेजअरुवात लिखेस्वादइनकेविख्यात पृथवीषट्टास्वाददिखावे जलखाराफि-काप्रघटावे मिठास्वादवातकाजानो अगनीकौडास्वादपछानो षटास्वादजाहुमेहोई पृथवीअंशअधि-कलखसोई जाप्रकारजोअधिकदिखावे ताकेंअधिकअंशलखपावे बहूविधस्वादभूतगतजानो भूतादि-गतसकलपछानो ॥ अबव्याख्यानवैद्यकाकरीदाहै.

॥ अथवैद्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ आगेलक्षणवैद्यवखानो ऐसावैद्यरोगहरमानो सुंदरतनमननिर्मलराखे अमितबोलमि-थ्यानहिभाखे शुचिपवित्रशुचिवस्त्रलगाही सुगंधितरहेक्रोधमननाही विद्याअधिकचिकित्साजाने गुरू-वचनमुखसत्यपछाने निदानाचिकित्सालक्षणसारे देषतहीमुखवचनउचारे नाडनेत्रमुखजिव्हाजाने ल-

च्चणमूत्रआदपहिचाने शस्त्राक्रियासिगरीमनधारे नेत्रआदिदुखदूरनिवारे पापलोभत्यागेमनवानी दयादानश्रद्धायुतज्ञानी सबकाप्रियप्रीतीमनधारे ऐसाहोतनरोगनिवारे कुलीनवैद्यऐसाहितहोई करेचिकित्सादोषनकोई

॥ अथषटरसवर्णनम् ॥

॥ चौपै ॥ षटरसभेदसुनोअवसोई जांप्रकारजगवर्ततजोई मिठाषट्टाकौडाजानो कसयलातीच्चणलवणपछानो भिंनभिंनगुणवर्ततजैसं आगेभेदसुनोअवतैसें मिठाकफअरुपित्तवधावे आगेकिंचितभेदसुनावे थिंदामिठ्ठेसंगविचारो ताकरकफवृद्धीमनधारो विनचिकनाईमिठ्ठाखावे ताकरकफवृद्धीनहिपावे किंचितभेदऔरमनआनो मिसरीमधूवातकरजानो षटाकफकरपित्तवधाय किंचितभेदसुनोमनलाय अनारआमलाआदीजानो कफहरवातवधावतमानो जहांपित्तकफमिश्रितहोई कसयलादूरकरेहितसोई केवलनिश्चेपित्तवधावे मिलीवातकफदूरहटावे खारीलवणवातहरहोई कफअरुपित्तवधावतसोई कौडातीच्चणपित्तवधावे वातऔरकफदूरहटावे.

॥ अथप्रकृतिभेदलच्चणम् ॥

॥ चौपई ॥ वीरजमोअरुरुधिरमंझार अवरजुमध्यगर्भनीनार भोजनमोअरुचेष्टामाही अरुजोजेरहुंसोंप्रगटाही अरुबसंतआदिकच्चतजोय अधिकदोषवातादिकहोय तिनअनुसारमनुष्यस्वभाय होवतहैसोकहोंसुनाय १

॥ अथवायुप्रकृतिलच्चणम् ॥

॥ दोहरा ॥ छोटेकेशशरीरकृश रूषापणत्राचाल मनअकाशभ्रमेस्वप्नमें वायूप्रकृतिसुम्हाल ॥ चौपई ॥ कृशतनबहुजुरौषिताहोई अल्पकेशचलचितजोसोई भ्रमतस्वप्नमेंमध्यअकाश बहुतवकेइस्थितमनतास इनलच्चणकरवातस्वभाय प्रगटसबनकोंकह्योसुनाय.

॥ अथपित्तप्रकृतीलच्चणम् ॥

॥ दोहरा ॥ युवाकेसस्वेताहिवैं बुद्धिवानश्रुतलेज तनपर्साक्रोधीरहे स्वप्नलषेअतितेज ॥ चौपई ॥ विनासमयस्वेतहुंकेश गौरावर्णस्वेदतनुवेश क्रोधीपंडितहोवतसोई अतिदीप्तमाननरहोई स्वप्नविषैप्रकाशवहुदेषै पित्तस्वभावइनलच्चणलेषै

॥ अथकफप्रकृतिलच्चणं ॥

॥ दोहरा ॥ जोगंभीरअतिमतिरहै स्थूलअंगचिकनाय केसचीकनेवलअधिक स्वप्नेजलाहिदिखाय ॥ चोपई ॥ इस्थिरचित्तस्थूलजोअंग होइसोपुत्रसुपुत्राहिसंग होहिस्निग्धकेशशतनतास स्वप्नविषैबहुजलतिसभास कफस्वभावकेलच्चणकहे जैसेग्रंथहुंतेलषलहे

॥ अथभेदलक्षणं ॥

॥ दोहरा ॥ दोयदोयअरुतींनतींन मिश्रितदोषवषान मिश्रितहीजुसुभावतिहि आगेसुनोसुजान कफतनअधिकजांकोरहै तिहमूर्छाप्रगटात वायुपित्तरजगुणअधिक घुमेरभ्रांतिअधिकात कफअरुसतगुणअधिकहो भौरभ्रांतिहोयतास कफवायुतमगुणअधिक तौतन्द्राकोवास वलजावेमनग्लानदुख औरअजीरणखेद याहीसेभीग्लाननर मनहिकरतसोछेद जवबलथकतउत्साहनहि आलसकहिएजोय इन्हेआदीकरजानियो बुद्धिवानहितसोय

॥ अथवायुकोपलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ वातकोपलक्षणव्यवहार सोसुनलीजोचतुरविचार हलकीरूषीवस्तुजुखाइ स्वल्पअरुशीतलखेदवहाइ संध्यासमैंमैथुनजोकरै भयचिंतानितजागरवरै चोटलगनअरुअन्नअजीरण धातुक्षीणदेहीदुःखकारण इनविकारमारुततनछीजें ताहिनिवारणयत्नकरीजें.

॥ अथपित्तकोपकर्नेकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ पित्तकोपलक्षणव्यवहार सोसुनलीजोविविधप्रकार कडवीखट्टीतीक्षणअरुगर्म अलंतषायविकारतिहकर्म क्रोधधूपगर्मसेवनतें मध्यानतृषाक्षुधारोकनतें अन्नअजीरणपेटविकार पित्तकोपतनताहिनिवार.

॥ अथकफकोपकर्नेकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ कफकोपनकाकहोंविचार जांतेहोवतजीयविकार मीठाचिकनाद्रव्यखावनसें सीतलभोजनदिनसोवनसें अन्नमंदसोभीइहजान अवासीभोजनप्रातविधान इनविकारकरकफअतिवैरै ताहिउपायनरमतिसोकरै

॥ अथरोगभेदलक्षणं ॥

॥ दोहरा ॥ चालीसपित्तकफवीसहैअस्सीवातविचार तीनदोषपरिमानहैद्वंदजभिनसह्मार जोरोगहिकायारहे नामव्याधिहैतांहि चौदसभेदतांकेलिखे चरकग्रंथमतिजाहि सहजरोगगर्भरोगफुन जातजातकेरोग पीडाजनितकालहिजनित प्रभावजनितसंजोग स्वभावजानितदेशहिजनित आगन्तुकइहजान कायिकरोगअंतररहै कर्मजरोगपछान दोषजरोगसुतेरमा कर्म्मजदोषजुरोग इहचौदशरोगहिकहे दैवकर्मसंजोग

॥ अथचतुर्दशरोगपृथक्पृथक्लक्षणं ॥

॥ दोहरा ॥ मातपिताकेवीर्य्यसों जोदोषहिप्रगटंत संततरोगसुहोतहै सहजमवेसीअंत जोगर्भहिमोकुबजहो पंगुलअंगुलखंज रोवणादिजोरोगहै गर्भरोगसोगंज मिथ्याहारविहारकर माताकेअनुसार विकलजुगुंगावुरासुकृत जातरोगव्यवहार शस्त्रादिककेप्रहारसें अस्थिभंगजोहोय ताहीपीडाजनितकहि निश्चैजानमनसोय शीतकालबहुशीतवर उष्णकालमोधूप वर्षाक्षतभीजनअधिक कालजरोगस्वरूप गुरुदेवअरुभूपती पिताअदिसुतजांहि तिहशापजुरोगहिकरै प्रभावजकहिएताहि क्षुधातृषाअरुवृद्धपन उत्पन्नहोएजोरोग स्वाभाविककहिएताहुको वुद्धजनदैवसंजोग भूतादिकफुनकामक्रोधरागद्वेषअरुलोभ मोहादिकउत्पन्नजो आगंतुकजानोक्षोभ ज्वरहिआदिविषव्याधिकर जोवर्तेजगमाहि कायकरोगताकेकहैं वैद्यसमभमतिजाहि हौलदिलीआदिकजिते अर्द्धविक्षिप्तहोजाय आंतररोगतिहजानियो शास्त्रमतीप्रघटाय जाहिदेशमोरंगवर कालेभूरेलाल मानसजातीउत्पती देशिककहियेबाल पूर्वजन्मवाइहजनम हत्याब्रह्मइत्यादि पापजुरोगसोउपजहै कर्मजजातविखादि वातपित्तअरुकफहिसों जोरोगहिउपजाय दोषजताकोंकहतहै बुद्धजनतांहिसुनाय हत्यापापअत्यंतकर वातपित्तकफजाहि कर्मजरोगतिहजाननर चरकग्रंथमतमाहि इहचौदशरोगजुकहे सोहेदोंइप्रकार एकसुसाध्यअसाध्यफुन सोकीनोपरचार बहुतयतनकरजातइक स्वल्पयतनसौंएक सोभीसाध्यजुद्विविधगुण जाप्यगंभीरकरटेक बवासीरमिर्गीछई स्वासअर्द्धांगप्रमान जामोअधिकरोगहिमिलै तिहऔषधइहमान पथ्यचलैजुसदैवही वैद्यवाक्यअनुसार जवतकरोगसुअंतहोइ जाप्यताहिनिस्तार फुनऐसाइकरोगहै जांहिचिकित्सानाहि जेउहकछुऔषधकरै मरैअसाध्यहैताहि औरअत्यंतरोगहुंलिखें जिनकापारनवार चकित्साउनकीएकहैपरमेश्वरआधार तिहकारणवैद्यसुउचित बुद्धिशास्त्रअनुसार अन्तरगतईश्वरधैरे ताहिहोतउद्धार.

इतिप्रकारान्तरेचतुर्दशरोगक्रमलक्षणं ॥ अथचतुर्दशवेगनिरूपणं

॥ दोहरा ॥ जोमानुषमनचैनहै सावधानतनधार वृथावेगरोकेनहीरोकेअतिदुखधार स्वयंसिद्धजोवेगहै कवहुनरोकेकोय चौदसभेदविचारिए क्रमकरआगेसोय.

॥ अथविस्तीर्णक्रम प्रथमअधोवायुरोकनरोग ॥

क्रमपूर्वकतांकोकहैं सुनलीजैमनधार अधोवायुरोकनक्रिया गोलाउदरअफार वहुरोगनकीउत्पती अधोवायुरुकहोय पुनवायूकरहोतहै मूत्रकोष्टवद्धसोय नेत्ररोगमंदाग्निकर हृदयपीडइहजान अधोवायुरोकेनही रोकेइहदुखमान.

॥ अथमलरोकनरोग ॥

॥ दोहरा ॥ मलरोकनतेंहोतहै हाथपैरहडफूट पीनसमस्तकपीडअति वायुऊर्द्धगतछूट मलरोकनऔरहिकरे हृदयपीडउदावर्त गोलाफीयाउदरकृमि पीडमूत्रकृछ्रअर्त बद्धकोष्टमंदाग्नियुत नेत्ररोगभीहोय मलरोकनकेरोगयह प्रगटदेहमोजोय.

॥ अथमूत्ररोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ मूत्ररोकनेरोगजोसोसुनलीजेमीत अंगहाडफूटतरहैपथरीरोगसुचीत लिंगइंद्रीकेसंधिमोपीडागोलतिलिभाय मलरोकनकेरोगजोसोभीयहप्रगटाय.

॥ अथडकाररोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ डकाररोकनमोरोगयहअरुचिशरीरकंपाय हृदयरुकेअफराहफुनखांसीहिचकीआय.

॥ अथछीकरोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ जोछीकहिकोरोकहै ग्रीवाअकडिहसोय मध्यवायपडकायमो इंद्रीदुर्बलहोय मुखटेडाहोजाततिह छीकरोकनेमाहि ऐसेरोगनउतपत्ती करतदेहकोताहि.

॥ अथतृषारोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा॥ तृषाबहुतरोकैजुनर मुखसूकेहृददूष अंगहाडफूटैभ्रमै मोहवधिरतारूष.

॥ अथक्षुधारोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ भूषबेगरोकैजुनर अंगटूटनेलाग अरुचिहोयभ्रमशूलकृश शरीरग्लानहृदआग सबवस्तूचितनहिकरै विनश्रमश्रमपडजाय शिथिलहोयकायासकल वर्णरंगनरहाय.

॥ अथनींदरोकनेकेरोग ॥

जोउनींदनरअतिरहै ताहिप्रगटइहहोय मस्तकनेत्रभारीरहैं आलसपीडितसोय.

॥ अथखांसीरोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ खांसीरोकेजोमनुष श्वासअरुचिहृदरोग हिचकीआदिजुरोगहै तिहप्रगटेमनसोग.

॥ अथश्रमकेश्वासरोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ श्रमश्वासैरोकैजुनर गोलाहृदयविकार मेहप्रमेहप्रगटैतिसैश्वासरोगतनकार.

॥ अथउवासीरोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ मस्तकपीडाइंद्रियां दुर्बलक्षीनतनजोय गर्दनमुखवक्रितकरै इहलक्षणहैसीय.

॥ अथआंसूरोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ जोपुरुषहिआंसूरुकै पीनसहृदयविकार नेत्ररोगमस्तकदुखै गर्दनपीडभ्रमकार.

॥ अथवमनरोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ वमनवेगरोकेजुनर रक्तपित्तफुनकोढ नेत्ररोगपांडूज्वरहि खांसीखाजकरप्रौढ हृदयशूलमुखकीलकर मुखछायीतिहहोय वमनरोकनेहोतहै एतेरोगसमोय.

॥ अथकामरोकनेकेरोग ॥

॥ दोहरा ॥ कामवेगरोकैजुनर सुजाकप्रमेहातिहहोय लिंगइंद्रीमोपीडअति शोथचिंतमनजोय भोजनअरुचिविकल्पहोय भ्रमतसीसफिरताहि इहलच्छणकामहिक्रिया रोकनमोप्रगटाहि.

॥ अथान्यमतेत्रयोदसभेदवर्णनं ॥

॥ चोपई ॥ त्रयोदसभेदऔरसुनआगे रोकेआपरोगतनजागे जैसेंअधोवातइकहोई रोकेकवजशूलकरसोई उदरशब्दकरचुधाहटावे छातिरोगनेकउपजावे वातदूरकरमालसजोई मूत्रासयवृषणमलसुखहोई संभालुपत्रसुहांजनल्यावे सेजवनायसयनकरवावे सावनलूणमघांमंगवावे एरनतैलपायपिसवावे वत्तीकरगुदभीतरपाय अधोवातरोकनदुखजाय कुलथीनीरहिंगुसंगपावे करेपानदुखदूरहटावे. दूसरभेदऔरसुनसोई मूत्रवंदकरदुखवहुहोई अधोवातकालच्छणजानो प्रगटालिंगमुखपीडामाने मूत्राशयवीचपत्थरीहोई भारीअंगजोडसबसोई अधोवातकायतनकरावे भोजनआदगावघृतखावे. तीसरआपवंदमलकीजें ताकररोगअधिकतनलीजें पिंनीसीसपीडप्रगटाहीं चलेनीरअतिनासिकमाहीं मूत्राशयनाभिवार्तादिखावे उदरफिरेनाहिवाहिरआवे करमालःहर्डचोकमंगवावे मुत्थरकौडकाथमनभावे कवजीहितचूरनजोहोई ऐरनतैलसंगसेवेसोई अथवागर्मनीरसंगखाय कवजीदूरताहिसुखपाय त्रैमासेएरनतैलमंगावे मघहरीडछेमासेपावे आधसेरगोदुग्धमंगाय दूधसंगनितचूरनखाय मुंगीमांसरसामनभावे चनेमसूरअंगूरसुखावे लापसीआदकाथहितहोई मीठाआदनसेवेसोई. चौथाभेदछीकमनधारे करेवंददुखनेकविचारे इंद्रीसिथिलपिंडसिरपावे करडीत्वचाचुधाहटजावे लकवारोगहोततनमाहीं नजलाआदनेकदुखताहीं मघांमर्चहिंगूमंगवावे सुंठीमेलभागसमल्यावे रगडेनीरपायकरकोई पायनासिकाअतिसुखहोई नकछिकनीकीबूटील्यावे सुंगत्तहींसिरहलकापावे पत्रवातहरकाथवनाय गर्मनीरसंगसीसधुलाय औरवातहरऔषधजोई सेवनकरेसीघ्रसुखहोई. पंचमतृषावंदजवकीजें ताहिरोगबहुविधकेलीजें घूंमतशिरमूर्छाप्रघटाय सूकामुखअरकंठदिखाय जोडखुष्कछातीदुखहोई सर्वतजलसीतलहितसोई. षष्टमचुधावंदकरकोई अतिफाकाकरअतिदुखहोई भोजनमेंअरुचीप्रगटावे दग्धजोडकाहलीअतिपावे गर्मीखुष्कीदुर्वलहोई पेटपीडमुखपीलासोई पाचकअगनीनिर्बलजानो चुधावंदकरलच्छणमानो चुधाप्रबलकरऔषधखावे भोजनगर्मनर्मनितपावे. सप्तमनिद्रावंदकरावे ताकररोगअधिकतनपावे भारीतनविचारमननाही उद्यमदूरक्रोधउपजांही अकडाहटवहुतउवासीआवे ताकरसुखनिद्रामनलावे. अष्टमवंदउवासीहोई छातीरोगनेकविधसोई हिडकीश्वासरोगउपजावे चुधादूरदुर्बलतापावे खांसीरोगऔषधीजोई करेसोईदुखनासेहोई. नवमश्वासनिजवंदकरावे भयादिकशूलरोगप्रगटावे छातीरोगविस्मृतिहोई ताकरजलसीतलहितसोई खुष्कवस्तुकामर्दनभावे सुगंधितअतरआदमनभाय कपूरमेलनितपानखुलाय सुखसेज्जानिद्रामनलावे रागरंगप्रियवचनसुनावे. अकडाहटरोकेदसमीसोई छीकवंदकालच्छणहोई छीकवंदकायतनकरावे अधोवातगतलाजसुखावे. एकादसरोदनवंदकराय नजलापीनसरोगदिखाय प्रतिदिननीरनासिकापावे गोलाउदरचुधाहटजावे दांतदांतपरवैठतसोई दंदकडनामकहितसबकोई ताकरअतिनिद्रानहिभावे मदिरापानकरेसुखपावे रागरंगप्रियवचनसुनाय रोदनरोकेतवदुखजाय. रोकेवमनवारमाकहिए ताकरअधिकरोगतनलहिए फुलवहरीकुष्टखाज-

प्रगटावे पांडूसोजछालकेपावे श्वासकासदमरोगलगावे इत्यादिकनेकरोगप्रगटावे गरारेकरदुखदूरहटाय घृतविनमांसरसामनभाय जासोंवमनहोएकरसोई अथवारेचककरसुखहोई जउोखारअरुलूणमंगावे मेलतैलतिलमर्दनभावे. त्रयोदशरोकेवीरजकोई द्वारासूत्रबंदतवहोई पडेसोज्जपीडाप्रघटाय छातिदुखअरुतापादिखाय मूत्राशयवीचपत्थरीजानो रुकेमूत्रदुखअधिकपछानो कुक्कटमांसरसामनभावे करःलूणदाधिनीरसुखावे चावलधोएनीरसोंदीजे हुकनातैलतिलोंकाकीजें नारीप्रियमैथुनमनभावे ताकरवृद्धीवीरजपावे तरहरीवीजभस्वडाल्याय दाखहरडसमभागमिलाय त्रैत्रैमासेऔषधल्यावे सेरदोइगोदुग्धमंगावे गडकायदूधमेंदूधपिलाय वलवीरजनिश्चेप्रगटाय. ॥

इतिश्चिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांचतुरदशवेगकथनंनामद्वितीयोऽधिकारः ॥ २ ॥

॥ अथ औषधवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ आगेऔषधसमावखांनो होवेगुणदशभेदपछानो प्रथमप्रातऔषधमनभावे पचेऔषधीभोजनपावे चरवीअधिकहोएकफजाको प्रातऔषधीसेवनताको. अपानवातजांकोवलपावे नीचेपेटकोपप्रगटावे ताके.औषधदेवेकोई औषधपरभोजनहितहोई भोजनशीघ्रऔषधीपाछे दूसरभेदसेवसुखआछे तीसरभेदमानहिततांको समानवातमूत्राशयजांको भोजनमध्यऔषधीखावे आदअंतहितभोजनपावे चौथाभेदसुनोहितसोई व्यानवायुतनकोपितहोई भोजनअंतऔषधीखावे व्यानवातकाकोपहटावे पंचमभेदसुनोहिततांको उदानवातछातीवलजांको भोजनसंगऔषधीखावे ग्रासग्रासप्रतिऔषधभावे षष्टमभेदसुनोहितसोई प्राणवाताशिरकोपितहोई ग्रासग्रासप्रतिऔषधखावे औषधविनाग्रासनहिपावे सप्तमभेदहोतहिततांको हिडकीतृषाकामअतिजांको विषकृतदोषरुधिरवलपाय वारवारसोऔषधखाय औषधकरचूरणधरपास वारवारसेवेसुखआस अष्टमभेदसुनोहिततांको क्षुधादूरनिरबलताजांको औषधभोजनवीचरलावे प्रतिदिनऐसाभोजनपावे नवमभेदहिततांकोहोई झोलावातकोपतनसोई आदअंतऔषधमनभावे भोजनमध्यकरेदुखजावे दसमाभेदहोतहिततांको उदररोगशिरनाभीजांको रातसमेऔषधहितमाने औषधसेवसयनसुखजाने जांप्रकारदसभेदविचारे औषधिसेवनेकदुखटारे.

॥ अथदसभेदरोगिलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ आगे औरभेददससुनिए विचारेवैद्यदोषहरगुनिए चतुरवैद्यदसभेदविचारे निश्चाकरऔषधमनधारे प्रथमपरीक्षाजांविधहोई दोषवलावलदेखेसोई रसगतदोषरुधिरगतजानो मांसअस्थिगतभेदपछानो दूसरदेसभेदलखसोई वलावलदेखेतीसरहोई चौथाऋतूपवनमनआने पंचमक्षुधाप्रमानपछाने सुभावलखेछेमाकहुसोई वातपित्तकफद्वंद्वजकोई सप्तमरोगीसुमतिपछाने अधीनलखवागरवीजाने अष्टमरोगीआदतदेखे गर्मसुभावगर्महितपेखे नवमअवस्थादेखेसोई वालतरुणवावृद्धहोई दसमाभेदवैद्यमनआने वातपित्तकफतीनपछाने जैसेंकफप्रभातवलपावे मध्याह्नपित्तबलअधिकदिखावे दिनकेअंतवातबलहोई उलटाहोयउलटलखसोई जोकररोगीहठीपछाने करडारोगसुगमकरमाने वारोगीकमदिललखपावे थोड़ारोगअधिकदरसावे वैद्यभेदऐसामनआने देखवलाव-

लश्रौषधठाने रोगीपासवैद्यनितजावे पूछेहालप्रीतमनलावे लच्चणदेखश्रौषधीदेवे जांप्रकाररोगीसुखलेवे लच्चणदेखपरीच्चाहोई करेस्पर्शपूछेहितसोई मखीश्रधिकजाहुपरलहिए चिकनादोषश्रधिकतनकहिए जाहूपरमक्खीनहिंश्रावे कीडीश्रादभागसबजावे चतुरवैद्यतवऐसाजांने तरीदूरखुषकीपहिचाने.

॥ श्रथवैद्यलच्चणम् ॥

॥ चौपई ॥ श्रौरवैद्यमतऐसीधारे ग्रहनच्चत्रातिथिवारविचारे पढेचिकित्साजोतिषधारे ऐसावैद्यरोगतनटारे शुभाशुभलच्चणनकरेविचार करेचिकित्सारोगनिवार.

॥ दोभेदश्रौषधलच्चणम् ॥

॥ चौपै ॥ दोईभेदश्रौषधीजानो सोधनएकसमनपहचानो सोधनलच्चणऐसाहोई बाहिरदोषनिकालतसोई सोधनचारभेदकाजानो रेचकहुकनावमनपछानो नसुश्रारभेदचारोमनधार श्रागेलच्चणसमनविचार लच्चणभीतररोगसुकावे तहलीलनाममतफारसगावे जैसेकफकासमनपछानो मखीपुरातनकफहरमानो पित्तसमनघृतगोकाहोई वातसमनतैलादिकसोई सोधनकफकावमनशुभाय रेचकसोधनपित्तहटाय वायूसोधनहुकनाजानो श्रागेभेददोईपहचानो प्रथमदयालज्जाप्रगटावे दूसरचिंताक्रोधदिखावे समनभेदइकबुद्धीजानो गुणदायकवस्तुदूसरमानो.

॥ श्रथऋतुचर्याकथनं ॥

॥ चौपई ॥ चैतवशाखवसंतऋतुकहिये ज्येष्टश्रषाढग्रीष्मशुभलहिये श्रावणभाद्रवर्षाऋतुजान श्रसूंकार्तिकशरदप्रमान मार्गपौषहिमऋतूकहावे फाल्गुणमाघशिशिरऋतुगावे.

॥ श्रथषटऋतुवायुपित्तकफकोपसंचयशांतिवर्णनं ॥

॥ चौपई ॥ वसंतऋतूकफकोपदिखावे वर्षाऋतुमारुतश्रधिकावे शरदऋतूपितकोपसुजान इहहैकोपऋतुपरमान ग्रीषमऋतुकफशांतिदिखाय सरदऋतूमारुतमिटजाय हिमऋतुशांतिपित्तकीजान इहशांतीहैऋतूप्रमान संचयवातग्रीष्मऋतुहोई संचयपित्तवर्षाऋतुसोई शिशिरऋतूकफसंचयजान इहसंचयहैऋतूप्रमान.

॥ श्राहारव्यवहारऋतूप्रमाणवर्णनं प्रथमवसन्तऋतुकेश्राहारव्यवहारलिखतेहैं ।

॥ चौपई ॥ ऋतुवसंतकफकोपदिखावै सोरोगोंकीउत्पत्तल्यावै जठरश्रग्नकोनासकराय ताकरहरडमधूयुतखाय इहविधकायामोवलहोय वसन्तऋतूत्र्यूषणहितसोय.

॥ श्रथग्रीष्मऋतुकेश्राहारव्यवहारवर्णनं ॥

॥ चौपई ॥ ग्रीष्मसूर्य्यश्रतितप्तवलहरै तिहकरसीतलछायावटवरै गुडसंजुगतहरडहितलाय द्रव्यमधुरभोजनलघुखाय सत्तूमिसरीशर्बतपांन शीतलजलखसगेहप्रमान फुहारबगीचीसैरविचार चंदनादि-

लेपनअंगधार दिनसोवनभोजनगंभीर तस्मईआदमोहनभोगशरीर सुंदरदृढभोजनमनभाय कटुतीक्ष्णखट्टानहिखाय इति.

॥ अथ वर्षाऋतुके आहार विहारवर्णनं ॥

॥ चौपई ॥ सैंधानोनसंयुक्तहरीर चीकनद्रव्यमधुरगंभीर शालिवमिसरीऔरखटाई सौंठमिरचपीपलधरचाई चित्रापिप्पलमूलमंगाय लूणपायदधिप्रतिदिनखाय कूपोदकलघुभोजनखावे वस्त्रनवीनजुलावकरावे. ॥ दोहा ॥ दिनमैनरसोवनही करेनश्रमकेकाम वर्षाऋतुमैथुनतजे सहेनतकडीघाम ॥ सोरठा ॥ नदीनालसरिताल मलिनहोतजलवर्षमें इनमेंवर्षाकाल स्नानपाननरनाकरे इति.

॥ अथशरदऋतूवर्णनं ॥

॥ चौपई ॥ वर्षाऋतुपित्तसंचयजोय शरदऋतूमेंकोपितसोय ताहिउपायप्राणीयहकरै मिसरीसहितहरडसंचरै मिसरीआदिमधुरजोहोय सट्ठीचावलमुंगसुजोय सरोवरजलदूधयहपथ्य तीक्ष्णवस्तुखटाईअपथ्य आसवधूपदिनसौनमंदमन पूर्वपवनकुपथ्यसोवुधजन.

॥ अथहिमऋतूआहारविहारवर्णनं ॥

॥ चौपई ॥ हिमऋतुकेआहारविहार सोमेंकहोचरकअनुसार गोघृतनवीनमहिषकादूध दहींमधुरगुडलोनससूद मर्दनतैलअगनकोकीजै गेहूउडदमिश्रीद्रवलीजै सोंठसंयुक्तहरडकोंखाय निवातस्थानस्त्रीसंगशुभाय नूतनवस्त्रअंगमोधरै हिमऋतुऐसोहितकरवरै.

॥ अथशिशिरऋतुआहारविहारवर्णनं ॥

॥ चौपई ॥ शिशिरऋतूकासुनव्यवहार पीपलयुक्तहरीडअहार आद्रकनवीनघृतसेंधालोन शर्करबडेगुडदाधिहिततोन औरहिमऋतुमेजोव्यवहार शिशिरऋतूमेंतेहिविचार ॥ दोहरा ॥ ऋतुउत्तरनमहिसातदिन पाछेऋतुविधिजान अठमेदिनसोनवीनविध ऋतुविधीयहकरमान.

॥ त्रिदोषकोपऋतूप्रमानकथनं ॥

॥ दोहरा ॥ कोपेकफापितवात्तजो जिनजिनमासनमाहि तिनातिनमासनकोप्रगट ऐसेशास्त्रसुनाहि ॥ चौपई ॥ असूकार्त्तिकजेटविशाख करैकोपपित्तऐसोभाख फाल्गुनचैत्रकोपकफहोई जाप्रकारलखभेदनकोई श्रावणभाद्रमार्गजोमास पौषमासआषाढप्रकास इनषटमासनकोपैवाय त्रिदोषराजप्रतिमासदिखाय.

॥ अथमासप्रमाणजलविधिवर्णनं ॥

—:+×❀×+:—

॥ दोहरा ॥ जलकीविधसुनकहितहों षटऋतुकेअनुसार जाविधिसोंरोगीनकों जलसोंहोइविकार ॥ चौपई ॥ ऋतुवसंतऐसाजलभावे चाढअगनदोभागजलावे तीसरभागशेषरहिजाय सोजल-रोगिनकोसुखदाय ज्येष्ठअषाढग्रीष्मऋतुकहिए तौफुनिअर्धशेषजललहिए श्रावणभाद्रोऋतुवर्षाऊ अष्टमभागशेषसुखदाऊ आश्विनकार्तिकऋतुशरदाय षष्टमभागतोयसुखदाय मारगपौषहिमंतकही-जै हितकरपंचमभागभनीजै फाल्गुणमाघदोइइहमासं शिशिरऋतूलखलीजोतास भागचतुर्थशेष-जलजोय निर्विकाराहितकरहैसोय ॥ दोहरा ॥ जवतनवृद्धीरोगकी तवजलजाविधजान औषधजोग-अधारजल ताकरविधीप्रमान चतुर्थांसकफकोपपर अर्धपित्तपरदेय पादहीनदेवातपरऐसोक्रमलखलेय.

॥ अथान्यप्रकारऋतूकथनं ॥

॥दोहा॥ शिशिरवसंतग्रीषमअवरवरखासरदहिमंत माघआदयुगमासक्रमजानहुषटऋतुवंत ॥चौपई॥ फगुनमाघसिसरऋतुजानो वसंतचैत्रवैसाखपछानो ग्रीषमज्येष्ठआषाढपछान श्रावणभाद्रोवरषामान असूंकार्तिकसरदकहावे मघेरपौषहेमंतसुहावेषटऋतुजांप्रकारजगहोई वर्ततदोषभेदसुनसोई ॥दोहा॥ राजावातविचरिएसिसिरऋतूजवजान कफमंत्रीतबहोतहैजाप्रकारगुणमान कफवसंतराजाकह्योमंत्री-वातविचार ग्रीषमराजावातहैकफप्रधानमनधार वायूराजावर्षमेंमंत्रीपित्तपछान शरदपित्तराजाकह्योवा-युहोतप्रधान हिमंतराजहैंवातकाकफप्रधानसंगहोय जाप्रकारषटऋतुसुनोदोषप्रवलजगसोय ॥चौपई॥ आगेऋतुऋतुवर्णनहोई ग्रंथवाग्भटगावतसोई ऋतुऋतुवसंतऐसामनभावे स्नानहेतजलगर्मसुखावें चंदनमुसककपूरमंगाय केसरआदलेपतनलाय पुरातनजउोकणकनरखावे मखीरमांसजांगलमनभा-वे मीठासर्वतअतिहितहोई सुंदरतिरिआसेवेसोई इचूआदअंगूरीजानो मदिराऋतुवसंतहितमानो बालखेलमनप्रीतीधारे जासोंहृदाप्रसंनविचारे सुंठीक्वाथपानमनभावे नागरमोथाक्वाथसुखावे मषीरनी-रसर्वतकरकोई कोसाऋतुवसंतहितहोई रागरंगजलहौदसुखावे सनमुखदच्छनपवनलगावे अतरसुगं-धीवसनसुभाय भारीस्निग्धसर्दनहिखाय षट्टामीट्टासोनाहिखावे दिननिद्राऋतुवसंतनहिभावे ऋतुव-संतकफराजाहोई हरडमधूयुतसेवेसोई ऋतुवसंतऐसागुणमानो आगेग्रीषमऋतूपछानो ॥ दोहरा ॥ चैत्रऔरवैसाखमिलऋतुवसंतकहुनाम आगेज्येष्ठअषाढमिलवर्नतग्रीषमघाम ॥ चौपई ॥ ग्रीषमऋतु-सूरजवलपाय वलीपवनकफदूरहटाय धूलीअधिकतेजवलपावे खारीतीच्छणचीजनखावे अतीखेदअति-मारगहोई अतीधूपसेवेनहिकोई भोजनमीठास्निग्धपछानो पतलासीतलअतिहितमानो सक्करसत्तूनीर-मिलाय सेवेच्छतग्रीषममनभाय मदिरापानकरेनहिकोई मृतिकापात्रजलपीवेसोई सुगंधितसर्दवस्तु-जलपावे ऐसानीरपानमनभावे वाजलरातचांदनीमाही पानकरेअतिसीतलताही सघनवृच्छछायामन-भावे सुगंधितनीरतहांछिडकावे हरहररंगसगूफेदेखे कदलीपुष्पवाटिकापेखे जलफुहारलखआनंदपावे मोतीपुष्पगलेलटकावे अतिआनंदहृदेमेधारे शोकदुखसवदूराविडारे चित्रतनूतनगेहसुखावे जाप्रका-रऋतुग्रीषमभावे पित्तकोपऋतुग्रीषममाही हरडसंगगुडसेवेताही ॥ दोहा ॥ ग्रीषमऋतुवीतेजबैआई-वर्षवहार श्रावणभाद्रोमासदोवर्णतबुद्धिउदार

॥ सोरठा ॥ सेवेहरडसलौनअरुऊचेसुप्रकासघर सूकेचित्रतयौंनअगरधूपसौंगंधिवर अवरपुरानेधान स्निग्धऔरअंबललवन भोजनरुचिरविधान जबअदिकवरषासमे नदीनालसरताल मलिनहोतजलवर्षमे इनमेवरषाकाल स्नानपाननरनाकरे ॥ दोहा ॥ दिवसमाहिसोवेनहीकरेनश्रमकेकाम वरषाऋतुमैथुनतजेसहेनतकडीघाम ॥ चौपई ॥ मुंगीमांसरसामनभावे आसवमूत्रलचीजसुखावे ताजीछाछकूपजलसेवे स्नानहेतजलसीतललेवे मानुषमर्दनतैलसुखावे जाप्रकारवरषाऋतुभावे आगेऋतूसर्दहितजानो आश्विनकार्तिकमासपछानो पित्तभूपमलकोपदिखावे सर्करसंगहर्डनितखावे तैलआमलाघृतमनभाय सोसनजढमजीठनितखाय रेचकऔषधसेवेसोई रुधिरनिकालसीघ्रसुखहोई कसयलाकट्टमीठामनभावे कोमलभोजनपथ्यसुखावे मखीरनीरसर्वतकरकोई दिवसधूपमेराखेसोई रात्रीसमेत्रेलकेसाही शीतलकरफुनिपीवेतांही अथवाचंदनवालाल्यावे कपूरगुलावनीरमेपावे सोजलशीतलसेवेकोई सर्दऋतूनिश्चेसुखहोई मोतिमालगलेलटकाय शुभ्रवस्त्रघरस्वछवनाय ॥ दोहा ॥ तीखाअंबललूनदधितैलधूपमदपान दिननिद्रापूरवपवनत्यागेसरदसुजान ॥ चौपै ॥ औषधगर्मसर्दअतिहोई गंढेआदनसेवेकोई जाप्रकारऋतुसरदसुहावे आगेऋतुहिमंतमनभावे भूपवातकफमंत्रीजानो सुंठीहरडसेवसुखमानो सूरजतेजहीनअतिहोई क्षुधाप्रबलवलवृद्धीसोई पादचारप्रतिदिनफिरआवे मर्दनतैलसुगंधलगावे वृषभअश्वगजमहिषीमान पंछीआदहोतवलवान गर्मनीरसंगदेहधुलावे कनकमांसरसभोजनखावे धूणीगर्मसुगंधीसंग कस्तूरीकेशरलेपेअंग गर्मवस्त्रनूतनतनलावे अग्नितेजनहिधूपसुखावे अतिव्यायामसेविएसोई गौडीमदिराअतिहितहोई मुखप्रसंनससिबिंबसमान सेवैनरनारीहितजान ॥ दोहा ॥ ऋतुहिमंतवर्णनकरीमारगपौषविचार शिशरमाघमिलफालगुनवर्णतशास्त्रप्रकार राजावातविचारिएकफमंत्रीदुखदाय ताकरसेवेहरडकोमधमिलायसुखदाय मृदुमोदकवटुकादिवरभोजनरुचिरबनाय जिमीकंदआर्द्रकमिलेरुचिसोंभोगलगाय ऋतुहिमंतजैसेंकहीसोसबशिशिराविचार जांप्रकारषटऋतुकहीआगेअयनसह्मार.

॥ अयनवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ शिशरवसंतग्रीष्मऋतुजोई उत्तरअयननामकहुसोई वरषासरदहिमंतसुहावे दक्षनअयननामप्रगटावे उत्तरअयनउष्णबलपाय दक्षनअयनशीतप्रगटाय धातूमूलजीवजगजानो उत्तरअयनखुष्कसबमानो ॥ दोहरा ॥ ऋतुऋतुकेजोअंतमेंसातसातदिनयौन आगमऋतुकीजोविधीतिनमेंवर्ततेतौन लक्षणऋतुआगमनकेजिनमेवर्ततआय युगमऋतूसंजोगतेंऋतुकीसंधिकहाय.

॥ अथषटऋतुहरीतकीजोगकथनं ॥

॥ दोहरा ॥ षटऋतुयोगहरीतकीप्रतिदिनसेवेजोय कृष्णकेशतनलालहैजराब्याधिहरहोय
॥ कवित्त ॥ ग्रीषममेंसमानगुडपित्तकोविनासकरेवरषामेंलवनसाथअगनतेजकरहै शदरऋतूशरकरसोंमलहूंकोदूरकरेहिमऋतुमेंसुंठीसोंवातहूंकोचरहै पीपरकेसंगशिशिरपवनहूंकावेगहरेमधूसोंवसंतऋतूखाएकफजरहे छेंऋतुसेवनित्यलालीतनहोतसदाएकहीहरीतकीअनेकदुखहरहै.

॥ अथदिनचर्याविधानं ॥

॥ दोहरा ॥ नरकोइहगुणउचितहैं प्रातसमेंउठभोर इष्टदेवकोध्यानधर पाछैवर्तैंओर चिंतनकर-दिनकीक्रिया कारणकरणाजोय पाछेसेजसोंउतरक त्यागमूत्रमलसोय उत्तरदिसमुखत्यागमल दिन-मोउचितविचार दच्चणमुखनिसकेसमे शास्त्रकारमतधार मलत्यागतवोलेनही पाछैजलहिसंजोग दं-तधावकरसोधमुखद्वादसकुरलीयोग सेंधानोनफुनसुंठभुंन जीरासमकरपीस पाछेमलेजुदांतको रो-गनव्यापेसीस चिकनाईतनदूरकर वुटनामलसुखहोय वुटनेसोवीरजवडे रोगनव्यापतकोय सनानक-रेइहगुणधरै गर्मीरोगहरेय हृदयतापदुखरुधिरका तनदुर्गंधटरेय तेजबढेदिक्कीहरै चुधारुचीसुवधाय बुद्धिधर्मसुखद्रव्यमो कर्ताजानमनभाय ॥ दोहरा ॥ स्नानकरेआयूबढे होतरोगकोभंग स्नानकरेनरनि-त्यहीं देखबलाबलअंग ज्वरीखेदहिचकीजुनर अतिभोजनअरुचीन वमनीकफअरुवातयुत इनको-स्नाननचीन्ह करेस्नानफुनिदानविध फुनिभोजनमनभाय फुनिमिसरीयुतदूधहित ऊनअधिकनाहिखाय भोजनकरसूधासवै वलकोअधिककराय वामेकरवटरलेटजो आयुर्बलबढजाय जोनरदौडेखाइकर दौडेमृत्युतिहसंग तातेंभोजनकरसहज शतपदगमनकरअंग सांझसमैभोजनकरै मैथुननिंद्राजाय रोगवरैतिहनरहिकोताहिकरैनहिकोय निद्रादरिद्रभोजनज्वरहि मैथुनआयुषहार यातेतीनोवर्जकाहि मनमोधारविचार.

॥ अथरात्रिचर्यावर्णनं ॥

॥ दोहरा ॥ निसकीचंदकीचांदनी दाहशरीरनिवार निसअंधियारीउदिततिह आनंदजुगहिविचार प्रथमपहरभोजनकरै शयनसुंदरीस्थान गावदुग्धमिशरीमिलीपानकरेरतिमान पाछेभोगसुकीजिये पा-नतंबूलसुजान जरानव्यापैदेहको निश्चैकरमनमान.

॥ अथषट्वस्तूआनंददायक ॥

॥ दोहरा ॥ सजरामांसनवीनअन्न सुंदरस्त्रीहितमान भोजनचीरनवीनघृत उष्णोदककरपान.

॥ अथषट्वस्तूदुःखकारक ॥

॥ दोहा ॥ सडामांसवृद्धस्त्रिया धूपसौनहितनाहि परभातीमैथुनशयन सजरीदहींजुखाइ

इतिश्रीरणवीरप्रकाशे षट्ऋतुवर्णनपूर्वक त्रिदोषसंचयशांतिकोप ऋतूआहाराविहाराक्रिया जलवि-धिदिनचर्या नामतृतीयोअधिकारः ॥ ३ ॥

॥ अथनाडीपरीचावर्णनं ॥

॥ दोहरा ॥ कहोंपरीचानाडीकी जातेदुःखसुखभास करअंगुष्टकेमूलतें समभलेहुगतितास करपद-अंगुष्टमूलकी वैद्यजुदेखेनाड पुरुषकेदहनेहाथकी तिरियावामविचार आदिपित्तमध्यकफलषो अंतपव-

नकोजान तर्जनिमध्यमनामिका तींनोसोंपहिचान ॥ चौपई ॥ गतिंकुलंगमेंडकअरुकाक पित्तविकारलषोइहवाक हंसमयूरकपोतगतिलहो कफसंयुक्तनाडिसोकहो नागजलौकागतिनसजानो वातविकारतांहिमनआनो प्रथमजुनाडिमंदगतिहोय वहुरबेगसोंउटकैसोय द्वंदजदोषयुक्ततिसजान वैद्यग्रंथमतकीनप्रमान तित्तरलबबटेरगतिजास सन्निपातनाडीलषतास केवलउष्णचलैजोनारि सोलखलीजैरक्तविकारि इस्थिरसबलचलैनसजवै शुद्धविकाररहितलषतवै जोनाडीचलैअतीगंभीर आमदोषतिसजानोधीर दुर्बलचपलचलैजोनारि चुधावंतसोलेहुविचारि कामातुरकीनाडिसुजान शीघ्रगतीतिसकीतुमभान चिंताव्यापताजिसतनमांही चीणगतीधमनीलखतांही भयसंयुक्तपुरुषजोजानो महाचीनधमनीतिसमानो मंदअग्निधातूवलचीन महामंदगतितांकीचीन उष्णवेगसंयुतजोहोय ज्वरकीनाडीजानोसोय अतिशीतलअतिचीनलषावै सोरोगीजमपुरकोजावै ॥ दोहरा ॥ चणटपकैचणगुप्तरहिदुर्वलतादिषराय सोरोगीनिश्चयलषोयमकेधा मसिधाय ॥ चौपै ॥ ततचणजिसनरकियास्नान अथवाभोजनतीचणमान वातुटणातैलजुअंगलगाय अथवाकौऊपंथजुआय चुधातृषाकरसंयुतजोय वाकामातुरनरजोहोय मलमूत्रवेगकरसंयुतजान इनकीनारनहिंदेखनमान अज्ञानभावतेंदेखेजोय भेदकछूनहिसमझेसोय.

॥ अाथन्यप्रकारनाडीपरीचा ॥

दोहा करअंगूठकेमूलजो प्राणसाचिणीनार तिसकीगतसोंदेहकी जानोसुखदुखसार प्राणपिआरीप्राणकीजानपतीव्रतनार पतिहूंकेसुखसोंसुखी पतिदोषेदुखदार दचणकरधरपुरुषका तिरिआ वामाविशेष ऐसेप्रथमविचारकेपाछेनाडीदेष तर्जनिमध्यानामिका राखअंगुलीतीन करअंगूठकेमूलसों वातपित्तकफचीन तुरतस्नानकिआजिसें अथवासोयाहोय चुधातृषाजिसकोलगी वातपसीजोकोय व्यायामीअरुथकततन इनमेजोकोआहि नाडीभावप्रकासतनसमझपरेनाहिवाहि ॥ चौपै ॥ जेकरवातअधिकतनडोले तर्जनितलेतोनाडीवोले मध्यातलेपित्तपहिचान कफअनामिकातलेप्रमान नाडीतर्जनिमध्यातले वोलेवातपित्तजवमिले नाडीअनामातर्जनिपरसे बाछिनप्रघटवातकफदरसे नाडीमध्यमनामातरे वोलेप्रघटपित्तकफधरे तीनोअंगुरीकेजोनीचे वोलेसन्निपाततौवीचे जेकरहोवेतनमेवात त्तिसकीनाडीटेढीजात जिसतनहोवेपित्तप्रकास नाडीचलेउछलतीतास जेकरनाडचलेगतिमंद तौजानोतनकफकोफंद जेकरनाडसीघ्रगतिजात तौजानोतनसन्नहिपात ॥ दोहा ॥ टेढीव्हैउछलतचलेवातपित्तपरनारि टेढीमंदगतीचलेवातसलेषमकारि प्रथमउछलफुनिमंदगतिचलेनाडजोकोय तौजानोतिसदेहमेकोपपित्तकफहोय वातवेगपरजोचलेसांपजोंकज्योंकोय पित्तकोपपरसोचलेकाकमेंडुकीहोय कफकोपेतवहंसगतअथवागतीकपोत तीनदोषपरचलतसोतित्तरलवज्योंहोत, सोरठा कवहुंमंदगतिहोय नारीसीनारीचले कवहुंसीघ्रगतिसोय दोषदोइतवजानिए ॥ दोहा ॥ ठहरठहरकरजोचलेतोनाडीमृत्युदिखात पतिवियोगतेज्यों प्रियाशिरभूनतपछतात अतिहिचीनगतिजोचलेअतीसीततरहोय तौपतिकीगतनासकीप्रघटदिखावतिसोय कामक्रोधउद्वेगभयवसेचित्तजिहचार ताहिवैद्यनिश्चाधरेचलतचीनगतिनार ॥ छप्पै ॥ धातुचीनजिसहोयमंदवाअगनीयाकी तिसकीनाडीचलतमंदतेमंदतराकी तपततौरतनचलतयौनसीभारीनारी ताहिवैद्यमनधरेतैानसीरुधिरदुखारी भारीनाडीसमचलेस्थिरावलवतीजान चुधावतनाडीचपलस्थिरातृप्तसमयमान इतिनाडीपरीचा.

॥ अथनेत्रपरीक्षावर्णनं ॥

॥ दोहरा ॥ वातजनेत्ररूखेरहै धूम्रजरंगविकार चंचलखुलेभ्रमकेनहि कालेरंगविकार पित्तनेत्रपीलेरहैं नीलेलालतपेह तसधूपनहिदृष्टिदिक लक्षणतांकेयेह कफजनेत्रजोतीरहित चिट्टेजलभरतांहि भारेवहुताहीप्रभा मंददृष्टिदरसाहि कालेखुलेजुमोहसों व्याकुलअरुविकराल रूषेकबहूलालहोय त्रैदोषजतिहभाल तीनतीनदोषहिजहां त्रैदोषजसोमान दोदोदोषलषेजहां द्वंदजतहांपछान.

॥ अथअसाध्यलक्षणं ॥

॥ दोहा ॥ एकदृष्टस्वाधीननहि आपहिखुलमिलजाहि पलकांकृष्णतारा छिपे अंधकारदरसाहि भ्रमधूम्रांसोदृष्टपरऔराहिऔरविभाग नेकरंगविकराललख वहुविनचेष्टात्याग.

॥ अथसाध्यलक्षणं ॥

सौम्यदृष्टसुंदरसुषी हसमुखदृष्टमंभार वैद्यकरेऔषधक्रिया पथ्यजानतिहसार.

॥ अथान्यप्रकारनेत्रपरीक्षा ॥

॥ दोहा ॥ रूखेधूम्रडरांमनेचंचलभ्रमकितनाहि भीतरसेकारेलखेवातरोगहैताहि पित्तकोपपरपीतरंगअथवानीलेलाल तसरहेलोचनसदासहेनदीपकभाल जोतिहीनासितजलभरेरहतजोभारेएन मंदमंदअवलोकते कफरोगीकेनैन कालेअलसानेखुलेमोहाकुलविकराल रूषेनैनत्रिदोषकेकवहुंहोतहैंलाल तीनदोषकोचिन्हलखतीनोदोषप्रमान जहांचिन्हदोदोषकेदोइतहांपहचांन ॥ छप्पेछंद ॥ जवएकदृष्टदृगरहेनहीस्वाधीनदुखीके फुनिखुलेआपामिलजांएपलकखिनमाहिअर्खीके रहितसदादृगखुलेमिलेवारहितनिरंतर छिपीकृष्णसीसारतारकाभ्रमतधुअंतर विविधरंगविकरालहोचेष्टाविविधदिखाय जिनकेऐसेनैनलखरोगीयमपुरजाय.

॥ दोहा ॥ सौम्यदृष्टसुंदरखुसीजिनकायथाशुभाय ताहिवैद्यलखज्योंकहेरोगमुक्तहोजाय ॥ इतिनेत्रपरीक्षा ॥

॥ अथमुखपरीक्षावर्णनं ॥

॥ दोहरा ॥ जडवतऊोठमिलेनही रूखाकांतिविहीन पलपलमेंसूकतरहै वातजमुखइहचीन रक्तवर्नमुखपीतवर तसहोयअतिदाह लिसकतऊोष्टनासाजुमध्य जलनहोतापिततताह भारामुखचिकनारहे सून्यरहेतिहचाल अरुफेनलजोमुखरहै तांहिकफाहिलषभाल दोदोलक्षणमुखरहै द्वंद्वजजानप्रवीन त्रैत्रेलक्षणजांहिमिल त्रैदोषजसोचीन.

॥ अथान्यप्रकारमुखपरीक्षा ॥

॥ दोहा ॥ जढवतऊोठमिलेनहीरहेकांतिविनरूख वातकोपपरजातहैछिनछिनमेमुखसूख रक्तवर्णजोमुखरहेअथवापीतदिखाय तसरहतआननजिसेपित्तकोपप्रघटाय भारासितचिकनायथाआननशून्य-

दिखायवैद्यकहेजुसुनायकेकोप्पोकफदुखदाय लक्षणजहांत्रिदोषकेतहांदोषहैंतीन दोलक्षणदोदोषकेजानतबुद्धिप्रवीन ॥ इतिमुखपरीक्षा ॥

॥ अथजिव्हापरीक्षावर्णनं ॥

॥ दोहरा ॥ हलकीजिव्हापुष्टवर चारोंउरस्वछहोय स्वादमधुरपतलीप्रभा सबरसप्रीतकजोय लालविसालसुक्ष्ममैलसो जोजिव्हामुखमाहि ताहिसुद्धजिव्हाकहै बुधजनहितसमभाहि फाटीसुषारूक्षवर पतलीदुर्बलजान चंचलधूसररंगहोय खौरीस्पर्शमोमान तीक्ष्णइवफाटतरहै तालूसूकनमाहि वातजाजिव्हाजानतिहि वैद्यदृष्टिकरतांहि लालरंगकौडीरहै जढसेपीलीहोय सिंबलकेकांटेसदृश लालअंकुरलखजोय दाहपककछुनीलवर कटुसलूनाप्रियताहि पित्तजजिव्हामानबुध वैद्यककहितसुभाहि मांसअंकुरसंयुक्तजो गाडीश्वेतरंगहोय स्वादमधुरकफलेपकर जडवतरहिहैसोय स्वादजुपाछेआवतचष षटरसचाषनचाहि श्लेष्मजिव्हतिंहजानबुधग्रंथकहतमतयाहि नीलधूडसदृशजुद्वैलालपीतामिलमान सूकीसमतापायगुणथकितरहैजडजान कांटेउगतमध्यभागतिहिफूटीबहुतविकार द्वंदजजिव्हावातपित्तमानलेहातिहिसार नतरनहिबहुखुरकहै मंदजडाहिदरसाय बचनअहारकरनहिसकैधूडेरंगप्रभाय श्वेतविकारसंयुक्तअतिभारीमधुरतिहस्वाद वातकफहिसोजानियोऐसेजिव्हविबाद श्वेतपीतअरुलालयुतकांटेकौडीहोय कफपित्तजिव्हाकहितहैवैद्यविचारेसोय कालीनीलीदुष्टरंगकांटेउगताबिकराल चेष्टारहिताजिव्हाजुनरसन्निपातसोंचाल इतिजिव्हापरीक्षा

॥ अथान्यप्रकारजिव्हापरीक्षा ॥

॥ दोहा ॥ हरीरंगमधुरीफुटीलालेंचलतअचेत जडवताजिसकीजीभतिसकहिएवातनिकेत रक्तवर्णजैसीदगधतीखीदाहकजान कांटेजैसेछिद्रलखलाहिपित्तपरमान जेतनकफकाकोपहैजिव्हास्थूलविचार भारीखारीलेसलीकफकोप्पोदुखदार दोलक्षणदोदोषकेकिएशास्त्रपरमान लक्षणतीनत्रिदोषकेजानतवैद्यसुज्ञान ॥ इतिजिव्हापरीक्षा ॥

॥ अथमूत्रपरीक्षावर्णनं ॥

॥ दोहा ॥ वैद्यउचितहैयाहिविधभोरउठेमनभाय रोगीकोंउठवायकर कांसपात्रमुतराय अथवाकाचकोपात्रहो सोराखेमतिमान कपडेसोंढककेधरेसूर्योदयफुनिआन वैद्यपरीक्षातांहिकर गुणऔगुणाहिविचार जोपानीसदृशहुवे कछुनीलावातविकार लालकुसुंभकेतुल्यहोय गर्मपीतरंगजान थोडाउतैजानियो सोगर्मीकरमान ठंडाश्वेतअरुचीकना कफरोगीपहिचान फुनचारघडीतिहमूतको धूपधरेसोआन चारघडीपाछेलखै तैलबूंदातिहिंपाय फैलजायतोजानियेरोगसाध्यसुखदाय तैलबूंदफैलेनहीबिंदुरूपस्थिरहोय असाध्यकष्टसोहोतहैमानवैद्यमतसोय डूबजायजोबूंदसो अथवाघूंमनघेर तोबहरो-

गीमृतकवत् निश्चैकरासिरफेर जाहिबूंदतालावसम हंसपद्मअरुछत्र हस्तीचामररूपधर सोनिरोगहो-इमित्र अजामूत्रकीगंधिलख तांहिअजीरणरोग कालाबुदबुदतुल्यजो सन्निपाततिहिंजोग गर्मलाल-केसरसदृश ज्वरहिरोगदरसाय लालधारउतरेजिसे महारोगप्रघटाय मूत्रतैलसरसोंसदृश वातपित्त-तिहिंरोग कालीनीलीधाराजिह ताहिमृत्युकोयोग तैलबूंदपडमूत्रमो छिद्रखडगदंडकार धनुषसदृशजोपे-खिये तांकीआशनधार कूपोदकसममूतजिहि लिंगरोगतिहिंजान असेजानविचारमन मूत्रपरीक्ष्यामान

॥ अथान्यप्रकारमूत्रपरीक्षा ॥

॥दोहा॥ घडीचारजवरातहैरहैवैद्यतवआय करेपरीक्षामूत्रकी यथाग्रंथमतभाय पहलीधारादूरकररा-खदूसरीधार काचपात्रवाकांसमेढककरराखसह्मार भानुउदेफुनिदेखिएमूत्रपात्रकोल्याय तांहिपरीक्षा-कीजिएइतउतमूतहिलाय जलसमानरूखावहुतमूतवातपरजान लालरंगवापीतरंगथोडापित्तप्रमान श्वे-तरंगचिकनाघनामूतकफीकाहोय दोइचिन्हदोदोषकेतीनतीनकेजोय प्रातसमेकेमूत्रकोराखधूपमेल्या-य तैलवूंदडारोतवेंजववहनिश्चलथाय ॥ छप्पेछंद ॥ पसरजायवहवूंदतवेतुमकुसलपछानो विंदुरूपथिर-होयरहेतोअसाध्यवखानो पसरपूर्वदिसजायतैलवापश्चिमउत्तर रोगमुक्तकहुतांहिदेखकरऐसोमूत्तर दक्षिणदिशईशानअरूअगनीनैनृतवायु इन्हदिसानपरधायतौथोडीकहिएआयु ॥ दोहा ॥ डूबजा-यवहवूंदवाअमेवानिश्चलहोय कहिएतांहिसुनायकेरोगकोपयुतसोय तेलपसरकरमूतमेमूर्तिविकारदि-खाय हलखरकछपऊंठजोतौरोगीमरजाय हंसछत्रध्वजआदियेरूपदिखावेसोय रोगजायरोगीजिएव-डीआयुखाहोय ॥ इतिमूत्रपरीक्षा ॥

॥ अथरोगीपरीक्षा ॥

॥ दोहा ॥ रोगपरीक्षाकहतहों भावप्रकाशअनुसार दृष्टस्पर्शपूछनक्रिया स्वप्नशकुनसुविचार काल-ज्ञानऔषधाक्रिया देशअवस्थापेष अग्नीवलक्रमसमभकर साध्यासाध्यसुलेष दृष्टिपरीक्ष्यापूछने मर्म-नपावैरोग इनकारणवैद्यसुक्रिया समझगुणगुणजोग स्पर्शकरेज्वरजानिये उदरशूलसिरपीड बवासीर-उपदंशफुन गर्मस्वजाकगंभीर हौलदलीपरमेहइतिभूतादिकआवेश बिनफूछेसमझेनही वैद्यचतुरसु-घरेश ॥ इतिरोगीपरीक्षा ॥

॥ अथस्वप्नपरीक्षा दोहरा ॥

जोस्वप्नहिमोदेवता राजाजाचकमित्र ब्राह्मणगौअग्नीलखै तीर्थजुस्नानविचित्र १ होवेशीघ्रनिरोगता निश्चै-जानप्रवीन स्वप्नपरीक्ष्याअवश्यकररोगीकोविधचीन जोस्वप्नहिचीकरउलंघ शत्रुजीतघरआय रथ-पर्वतऊपरचढै शीघ्ररोगमिटजाय स्वेतवस्त्रधारणकरै मांसमीनफलखाय सोरोगीरोगहिकटै शीघ्रचै-नमोआय सोरठा भृंगमक्षिकाजोंक वृश्चिकसांपडसेजिसे सोनरहोएविसोकघनअरोगतनपायकर

मेररोएवाकोय आममांसभक्षनकरे रोगीराजीहोय राजीहोबहुसुखकरे ॥ दोहरा ॥ स्वप्नअगम्यागमकरे कायाविष्टालेप रोवेअपमृतलेषपर मांसखाएविनसेष अहिफणमखीस्वप्नमें डसेरोगकीहान औसेस्वप्ननिरोगलष ताहिस्वप्नशुभमान नंग्नमुंडितलालपट पहरेकाहूदेष नकटाबूचाकृष्णहथ आयुधफांसकरपेष गधासवारीकरतहै दक्षिणदिशकोंजाय सोअसाध्यरोगीरहै भैंसाऊंठचढाय ऊचेसेनीचेगिरे जलअग्नीडुवजाय सोरोगीछूटैनही रोगफासमोंआय सिंहादिकहिंसकजीवही सोभक्षणजिहिजान दीपकबुजतादेषहै तैलमद्यकरपान खाइपकानकूंयेगिरे इहस्वप्नाहैहीन जोनरदेखेनाहिकहै प्रातसमैमातिधीन भस्मलेपअंगनमलैस्वच्छदेहपरमान स्नानकरेअतिशुद्धमन देवपितरजलदान हवनपाठपूजाक्रिया शांतिचित्तकरदेह इहकारनदुस्वप्नको दोषसबैटरलेह. इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांऔषधकालवर्णनपूर्वकस्वप्नपरीक्षाकथनंनामतृतीयोऽधिकारः ॥ ३ ॥

॥ अथदूतपरीक्षा ॥

॥ दोहरा ॥ जोनरवैद्यबुलावने भेजेरोगीजाहि कानाखोदानककटा नाहिभेजनोताहि अतिनिर्मलवस्त्रनसहित वाहनचढेरथसोय वैद्यभेटसंयुक्तवर उतमवर्णसुजोय प्रथमवर्णअछाउदितदूतसुहितकरचीन बामेस्वरलषचलरहै वैद्यल्यायपरबीन सोरोगीतिहिवैद्यके दारूस्वच्छवलहोय दूतपरीक्षायहउचित भावप्रकाशमतजोय इतिदूतपरीक्षया ॥

॥ अथशकुनपरीक्षा दोहरा ॥

वैद्यचलेजवयतनहित सन्मुखशकुनविचार जोशीतलशकुनाहिमिलै रोगीरोगनिवार १ फलफूलहिअन्नलेमिले तुरतनिवारतरोग पावकआदीगर्मजोसोसन्मुखमंदजोग २ इतिशकुनपरीक्षा.

॥ अथसाध्यपरीक्षा ॥

॥ दोहरा ॥ जांकीप्रकृतीदृढरहै अग्नितीब्रहृदमाहि काहूविधरोगीलषै एकअवस्थाताहि १ रोगनिरंतरएकहोय औरचिकित्सासार प्रथमऔषधीतासगुण अरुवैद्यकजियधार २ तीजोचाकरहितसुगड रोगीजितेंद्रियमान घटनवढनजानतजुगत रोगसाध्यतिहिंजान ३ ॥ चौपै ॥ दोइवारप्रातिदिनमलत्यागे छेइवारमूतेसुखजागे ऊनअधिकहोवेतवजानो दोषकोपतनमाहिपछानो इतिसाध्यपरीक्षा.

॥ अथअसाध्यपरीक्षा ॥

॥ दोहरा ॥ जिहरोगीनिशिनींदनहि कफकंठहिरुकजाय दाहहोयनाडीसुमंद वोलतजीभथकाय सवइंद्रीअपनीक्रिया धर्मछोडकरजाय सोरोगीनिश्चयमरै मंदाग्निप्रगटाय क्षीनप्रकृतिनेत्रलालहै स्वासउठतहृदमाहि शूलतंद्राहिडकीरहे तृषाबहुतहोजाहि वहुसोवेअतिदाहहोय अधिकपसीनाआय चिकनाहोवैअधिकतन निश्चैसोमरजाय ॥ इतिअसाध्यलक्षण ॥

॥ अथकालज्ञानवर्णनं ॥

॥ दोहरा ॥ निसगर्मीदिनसीतहि कंठकफहिसंयोग तिहरोगीआसानहींनिश्चेजानोयोग नासाअग्रहोयसीतअति हाथपैरहृदशीत सिरमोशूलसुचढरहै मरणतांहिधरचीत कांतितेजलज्ञानही अधिकक्रोधहोजाय आशातिहकीमासषट पाछेतेमरजाय अंगकंपभंगरूपहोय रंगशरीरमिटजाय चित्तसुगंधदुर्गंधनहि आवैमृतसोभाय वृक्षडालीआगहिलषैषटऋतुमरैसुरोग कामकरैपरस्वेदनाहि तीनमासवसहोग आंषदेहमुखवर्णसव औरहिऔरसमान जीभनासिकाअग्रजुगभृकुटीमध्यनहिजान मुखकोवर्णविवर्णअति नासाअग्रवटमान कानसुनैनहिशब्दको रोगीमरैसुजान अरुवोलनवाणीथके समर्थदेहकोचाव नेत्रलालरोगीमरै इंद्रीग्रहनस्वभाव जलमोछायानहिलषै मरैअवश्यतूंजान मुखपंकजसमलालहो जिव्हाकालीमान कायामोंपीडारहैमरणनिकटतिसहोय हृदयनाभिकांधेजुगल कंपबायकरसोय श्लेषाशतभिषआर्द्रा स्वातीमूलनक्षत्र पूर्वाषाडाफाल्गुनी पूर्वाभाद्रपदमित्र भरणीरविशनिमंगलहि छठद्वादशमोजान जोरोगाहिरोगीवरै तांहिमृत्युकरमान नेत्रपुतलिमोंदूसरे अपनोरूपनहिदृष्ट सोरोगीभीमरतहै निश्चेजानवसिष्ठ जिहरोगीकोरविउदित दहिनासुरप्रगटाहि संध्यावायोंचलरहै मरैनजानउपाय जायजोमारुतपित्तग्रहपित्तहोवेकफगेह कफहोवेजवकंठमेप्राणतजेतवदेह

॥ चौपै ॥ ध्रुवअरुंधतीहरिपदतीन नहिदेखेसोप्राणविहीन जिव्हासोअरुंधतीजानो नासिकाग्रकोध्रुवपहचानो भ्रुवोंमध्यविष्णुपदकहिए नहिदेखेसोअंतकलहिए.

॥ अथऔषधविचार ॥

॥ दोहरा ॥ वैद्यउचितइहसारहै औषधगुणहिविचार रोगीरोगप्रमाणलष औषधक्रमसोंधार जेतोरोगप्रमाणलष औषधतिहसमदेय कडवीअरुकखाइजो रोगीग्लानकरेय नहिषावेद्वेषसुकरै सोरोगीनहिजीय क्रमअनुसारकरऔषधी प्रथमपरीक्षालीय इतिऔषधविचारः

॥ अथदेशविचार ॥

॥ दोहरा ॥ देशतीनपरकारहै अनूपसाधारणउद्यान जहांअधिकजलवहितहै तहांअधिककफमान जैसेपूर्वअनूपदेश जिहलक्षणगुणएक वातपित्तकफसमानहै साधारणसुविवेक वायुअधिकजिहदेसमो सोवनकोतूंमान देसअनुसारजुदेहहै प्रकृतिप्रमानसुजान इतिदेशविचार.

॥ अथकालविचार ॥

॥ दोहरा ॥ कालसुतीनप्रकारहै शीतउष्णवर्षंत अधिकशीतवाशीतनहि रोगताहिउतरंत शीतकालगर्मीवरै सोविपरीतप्रवीन उष्णउष्णताअधिकहोय अथवाउष्णविहीन समकररूपजुनहिटिकै समवि-

परीसोचीन वर्षाऋतुवर्षाअधिक अथवावृष्टिनहोय तौभीरोगसुआवरै मानुषरोगवरजोय जांहीसमताकालकीजांहिऋतूतिहिरूप सोनिरोगकालहिकहै देसअरोगअनूप इतिकालविचार.

॥ अथ अवस्थाविचारः ॥

॥दोहरा॥ तीनअवस्थासोकहोबालजुवावृद्धमान उत्तममध्यमअधमातिह मानुषदेहप्रमान स्त्रीकारूपपछानकर गर्भअवस्थातीन देहीकायस्वरूपलष औषधकरमतचीन बालअवस्थाआदकर षोडशवर्षपर्यंत मात्राउचितप्रमानलषऔषधकरमनचिंत युवाअवस्थाकायवर बलअनुसारसुदेहि निर्बलछीनविचारकर औषधपानस्नेहि वृद्धवस्थाबलरहै कवीछीनकबीमंद देषबलाबलदेहको औषधकरआनंद ॥ इतिअवस्थाविचारः ॥

॥ अथ अर्थविचारः ॥

॥ दोहरा ॥ अर्थविचारसुपांचाविध शब्दस्पर्शअरुरूप रसगंधादिविचारिए इनकेस्थानअनूप शब्दस्थानसुकानमो स्पर्शहित्वचामंझार रूपस्थानसुनेत्रमोंरसस्थानमुखसार गंधस्थाननासाकहै घटनवढनपरकार ताकेअर्थविचारकर वैद्यसमझमनधार शब्दघटेतौजानिए अल्पअधिकश्रुतधार मिथ्यासुनैकछुकाकछू इहश्रुतघटनविचार स्पर्शचीनतबजानियो थोडाकैरसंचार मिथ्यास्पर्शकछुकाकछू स्पर्शघटनसह्मार दृष्टिघटनतौजानिये थोडादृष्टिनआय मिथ्याकछुकाकछुलखे दृष्टिघटनातिहचाय रसइंद्रीघटजानियेअल्पखायबहुखाय मिथ्याखायसुचाहिकर रसइंद्रीघटभाय सुंघनघटनइहविधकही अल्पसुगंधीधार बहुसूंघैमिथ्यावरै सूंघनसूंघविचार इनकारणनरबोधकर अर्थविचारदृढधार समझबूझवर्तैसदा रोगराहितसंसार इतिअर्थविचारः

॥ अथ कर्मविचारः ॥

॥ दोहरा ॥ कर्मतीनविधजानिये कायकमानसवाच कायककायामोरहै मनमहिमानसजाच वचनवाचिकाजानइह तीनोकर्मविचार त्रिविधप्रकारसोकहितहों चतुरजीयमोधार कायथकनतेजानिये थोडाकर्मकरेय अथवाबहुकछुकर्मकर कछुकाकछूधरेय मनघटनातबजानिये अल्पइछामनमाहि बहुइछाकछुहीकछू मानसघटनागिनताहि बाणीघटनतौजानियो बोलैअल्पसुभाय अथवाबहुबकतारहै कछुकाकछूसुनाय जोनरइहतीनोगुणहि वर्तैबुद्धअनुसार सोअरोगदेहीरहे इहकर्महिनिरधार.

॥ अथ अग्निबलविचारः ॥

॥ दोहरा ॥ अग्नीपांचप्रकारहै सबकीदेहमंझार मंदाग्नीतीक्षणप्रभा विषमाग्नीसुविचार समअग्नीचौथीकहीभस्माग्नीयहपांच सबशरीरवरजानियो पांचप्रकृतितनसांच जाहीकफकीप्रकृतीताहिहोतमं-

दाग्नि श्लेष्मरोगउत्पतकरे सोअतिमंदसबअग्नि जांहिपित्तकीप्रकृती तीक्ष्णअग्नितिहहोत खानपान-पाचतरहै गर्मरोगउद्योत वातप्रकृतितनजाहुके विषमाग्नीयुतसोय पचअपचअन्नसुकरै वातरोगति-हजोय समाग्नीसमजोहोतहै सर्वअग्निमोश्रेष्ठ अन्नपचैरोगनलिपैसर्वप्रकारकरइष्ट भस्मअग्नितिहजानि-यो भस्मकरोगउपजाय समापायऔषधकरै कायाकफनरहाय पित्तअग्निजबबढततिह मारुततीव्रप्रवा-हि तीक्ष्णअग्निप्रगटतरहै भस्मकअग्निहोताहि भोजनजलजोनाहिमिलै प्यासपसीनाआय मूर्छादाहआ-दिककरै मारतहैतिहिंचाय तातेंअग्निप्रभावलख यतनकरेबुद्धवान तांकोरोगविचारकर प्राणीजीयसमा-न जोभस्मकअग्नीपुरुष तांहिचिकित्सानाहि भोजनसोहोवतउदित नाहिपडैमरजाहि.

॥ अथयुक्ताऽयुक्तविचार ॥

—)+:❀:+(—

॥ दोहरा ॥ युक्तायुक्तविचारिएसातोविधपरमान विधिविधानवर्णनकरों जांतेसारपछान स्नेहपान-विधिस्वेदविधिवमनविधीसुविचार रेचनविधिवस्तीविधी धूम्रपानहितसार रुधिरछुडावनजानतिहिं जों-कशृंगिअनुमान विधिविधानसातहिकहे युक्तायुक्तप्रमान.

॥ अथस्नेहपानाविधिः ॥

—ꕥ—ꕥ—

युक्त ॥ दोहरा ॥ सनेहपानविधिकहितहों सुनलीजैचितधार जैसेसबग्रंथनकही तैसेकरोंउचार ॥ चौपई ॥ कटिउरुजंघपादसंझार जांकोवातकरैसंचार स्नेहपानयतनसोकरै तांकीविधिआगेसब उच्चरै स्नेहभोजनादिकजोपान ताकीइंद्रीहोयबलवान इंद्रियव्याकुलतानहिगहै पक्षाघातहृदरोगनर-है अन्नसाथपुनकरहैपान बलअरुवर्णहोयतिसमान जोकटिपीडाहोवैजास असप्रकारविधिजानोतास प्रथमसनेहपानकरवावै उष्णतोयपाछेहिपिलावे ऐसीविधिजोग्रंथनकही कटिपीडामोहितकरलही शर-दऋतूकरहैघृतपान मज्जावसावसंतप्रमान उष्णतैलवर्षाऋतपीवै ग्रीषममोघृतपानमुथीवे शिशिरहि-मंतशीतमोजान सबसनेहकोपानप्रमान पित्तविकारकेवलघृतपान वातविकारसलवणपछान कफवि-कारमोतैलपिलावै त्रिकुटाअरुयवक्षारमिलावै शीतकालदिनकरैजुपान उष्णकालरात्रीपरिमान जो-वातपित्तअधिकलखलीजै तौभीरात्रिसमयसोपीजै वातअरुकफअधिकलखावे तोदिनहूंमैंतांहिपिला-वै उष्णकालकफपैतिकपीवै मूर्छात्रिषातांहिफुनथीवे वातकफीपीवेशीतकाल शूलअरुचगुरताजुविहाल

॥ अयुक्तः चौपै ॥

—

अजीरणतरुणज्वरहिमंझार दुर्बलअरुचिमुर्छितजुविकार स्थूलछर्दमदपीडितजोय रेचनांतअकालप्रसू-तासोय एतेकरेनाहिस्नेहविधान करैंतोरोगअनेकपछान जोशुद्धकोष्टसेवेजुसनेह बलवरणधातुवृद्धिल-खतेह जरामंदइंद्रीदृढथावे इकशतवर्षसुजीवरहावे ॥ दोहरा ॥ सनेहपानकीविधिकही चिकित्साग्रं-थअनुसार याप्रकारजोपानकर उठनकोपविकार इतिस्नेहपानयुक्तायुक्तविधिः

॥ अथस्वेदविधिः ॥

॥दोहा॥ स्वेदाध्यायवखानहो भावप्रकाशअनुसार जाप्रकारवर्णनकियो सोसुनिएमतिधार ॥ चौपै ॥ जांकोहोवेवातविकार तांकोस्वेदविधीहितकार स्निग्धदेहजांकोलखपावे तांकोस्वेदअवश्यकरावे वासने-हमर्दनकरलेवे पाछेस्वेदताहुकोदेवे स्वेदअन्यथादेवेनाहीं जाप्रकारसमझेमनमाहीं दसमूलकाथकर-देवेस्वेद वचावेनेत्रदूरसबखेद तिलअरुमांसमेलकरकाथ करेस्वेदवालुकासाथ वामिट्टीकरगोलाल्यावे इहसंगवास्वेदकरावे वृषणहृदैनेत्रनपरसोई कोमलस्वेदकरेहितहोई वक्षस्थलमध्यममनधार स्वेदवि-धीकरदोषनिवार जेकरअतिशीतलतनजाने महास्वेदकरदूरपछाने दुर्वलकोकोमलकरस्वेद मध्यमको-मध्यमलखभेद महास्वेदवलहूंपरदेवे ऐसोभेदसमझकरलेवे करेस्वेदतनहलकापावे निश्चेवातविका-रनसावे सकलइंद्रिआंनिर्मलहोई रोमद्वारखुलजावेंसोई रोगीपुरुषकफीलखपावे रूक्षवस्तुकरस्वेद-छुडावे जेकररोगापित्तअतिहोई कदाचितस्वेदकरेनहिसोई जेकरस्वेदताहुकोदेवे दाहतृषाश्रममूर्छा-लेवे रक्तपित्तपांडूयुतजोय तृषितक्षीनक्षतदुर्बलहोय अतीसारवागर्भिनिनार इन्हकोस्वेदनहीहितकार ॥दोहा॥ स्वेदविधीऐसेंकही लिखीग्रंथमतजोय करेवातव्याधीहरे तनहलकादुखखोय ॥इतिस्वेदविधिः॥

॥ अथवमनविधिः ॥

॥ दोहा ॥ वमनविधीवर्णनकरो ग्रंथमतीचित्तधार जाप्रकारविधिवतकही निश्चेदोषनिवार ॥ चौपै ॥ जांकोकफअतिहींप्रघटावे वमनविधीकरसुखउपजावे ऊर्धरोगजाकेतनहोई तांकोवमनविधीहितसोई नवज्वरहोएकुष्टलखपावे श्लीपदवाउन्मादादिखावे स्वासकासहृदरोगीजान इनकोवमनविधिहितमा-न तिमररुजीवागुल्मीहोई उदरविकारपांडुयुतजोई क्षतकरक्षीनमवेसीजांको वृद्धहोएविधवमननतां-को प्रमेहीपुरुषरूक्षतनजानो तरुणगर्भीणिनारपछानो निकसेरुधिरकंठकेमाहीं वमनविधीइनकोहि-तनाहीं जेकरइन्हेअजीरनहोई अथवाविषनरखावेकोई अधिककोपकफकालखपावे वमनविधीकर-सुखउपजावे कफकाकोपअधिकलखपाय उष्णतीक्षणकटुवमनकराय जेकरपित्तअधिकतनहोई क-रेऔरविधआगेसोई धात्रीकणानिंवसमकाथ सेवेविधिवतऔषधसाथ वाकेवलजलउष्णपिलावे जांप्रकारविधवमनसुखावे जेकरअधिकवमनवधजाय ताहितवस्तूताहिखुलाय वमनहोएपाछेविषभावे जीरापीसजीभपरलावे अथवाद्राक्षपीसकरलाय अतरसुगंधिआधमनभाय ॥ दोहा ॥ वमनविधीविधि-वतकही सकलग्रंथअनुसार समचिकित्साजोकरे सोहैवैद्यउदार इतिवमनविधिः

॥ अथरेचनविधिः ॥

॥दोहा॥ आदवमनविधजोकही मानदोषहरसोय फुनिरेचनविधकहितहो यथाग्रंथमतजोय॥चौपै॥ शरदवसंतऋतूकेमाहीं वमनविरेचनविधहिततांहीं आदवमनफुनिपाचनखावे ताकरकफकाकोपपचावे इनरोगनपरानिश्चेजानो रेचनविधीसदाहितमानो अजीर्णज्वरपांडूगदजान वातरक्तमलसंचयमान

भगंदरबवासीरयुतजोई उदररोगवागुल्मीहोई अरुचीरोगहृदेकाजानो योनिरोगतनगरमीमानो कर्ण-नासिकानेत्रविचारो विसफोटविसूचीशूलनिहारो मुखप्रमेहशिररोगजोहोई मूत्रघातसोथयुतजोई इ-नरोगनपररेचनमानो तातकालदुखदूरपछानो आगेभेदऔरसुनलीजें रेचनविधइनकोनहिकीजों वाल-कवृद्धचीनतनजोई दुर्वलतनशस्त्रचतहोई भयसंयुक्तखेदयुतजानो तृष्णादोषस्थूलतनमानो नव-ज्वरनारगर्भिनीजोई अथवाशीघ्रप्रसूतीहोई मंदाग्निमेदरोगतनमाहीं रूखातनइनकोहितनाहीं पित्तप्र-कृतिजांकेतनजानो कोमलरेचनताहिपछानो कफप्रकृतिपरमध्यमजान वातप्रकृतिपरकरडामान दाष-दूधहरडजोकाहिए कोमलरेचनइनकालहिए त्रिवीकौडकरंगुलजोई दंतीथोहरदूधजुहोई करडारे-चनतीच्णकहिए तीनभेदरेचनकेलहिए पांचसातदिनआगेजान मुंजसकरविधसोइपछान सोना-मखीसौंफमंगावे मुनक्कापुष्पगुलावरलावे ढाईढाइटंकसमल्याय सवाटंकजीरासंगपाय पाठासोदस-टंकमिलावे तीनपाउजलक्काथचढावे एकपाओजलशेषरखाय दिवसचारलगताहिपिलाय प्रतिदि-नाखिचडीघृतसोंदीजें दिवसपांचमेजहाविधकीजे त्रिवीगुलावताहिमंगवावे सोनमषीअरुपाठापावे द-सदसटंकभागसमल्याय जीराढाईटंकरलाय पांचोटंकसौंफसंगपावे करकाथफुनिताहिपिलावे घृत-सोंखिचडीखावेतांही खारीखट्टासेवेनाही तीसदस्तआजावेजवही उत्तमरेचनकहिएतवही मध्यसवी-सहीनदसजान जांविधरेचनविधीप्रमान ऋतुप्रमानरेचनाविधजैसें भिंनभिंनवर्णनसुनतैसें वसंतऋ-तूऐसामनभावे त्रिवीगुलावसौंफमंगवावे सोनमषीअरुजीराल्याय खंडपायशुभदस्तकराय मिसरी-त्रिवीग्रीष्मऋतुमान आवेदस्तदोषकीहान वरषाऋतुऐसामनभावे त्रिवीसुंठमघदाखमंगावे मधूमेल-हितसेवनकरिए आवेदस्तदोषसवहरिए शरदऋतूऐसामनभाय त्रिवीधमांसादाषमंगाय वालानाग-रमुत्थरल्यावे मुलठिचंदलमिसरीपावे सोनामषीतासंगपाय सेवनकरदुखदूरहटाय हिमऋतुपाठाचि-त्राल्यावे त्रिवीवर्चचौखीसंगपावे सोनामखीतासंगपाय गर्मपानकरखेदहटाय शिशिरऋतूमघसुंठी-ल्यावे त्रिवीलूणमधुसंगरलावे सोनामाखीतासंगपाय सेवनकरदुषदूरहटाय ॥ दोहरा ॥ ऋतुप्रमान-रेचनकह्यो सेवनकरदुखहान अवमोदककीविधकहों रेचनसुगमप्रमान हरडछालफुनिमरचतज सुंठी-वायविडंग पत्रजपीपलआमलानागरमोथासंग पिपलामूलइकत्रकरइहऔषधसमल्याय तीनगुनादं-तीधरेत्रिवीआठगुणपाय छेगुणमिसरीसंगकरचूरनकरेसुजान मधूपायगोलीकेरढाईटंकप्रमान प्रति-दिनगोलीएकले सीतलजलकेसंग जुलावहोएमनहर्षहै उदरशुद्धरुजभंग राजरोगदुखनेत्रको ववासी-रहरजान कुष्टगंडमालाकही कटीरोगकीहान गर्मनीरपीवेनही तवतकरेचनहोय गर्मनीरपीवेतऊ द-स्तवंदकरसोय विषमज्वरमंदागनी पांडुरोगहरजान कासभंगदरअश्मरी मूत्रकृच्छ्रकीहान उदरवात-हिडकीतथा अवरअफाराजोय प्रतिदिनसेवेदूरदुखअभयामोदकसोय इतिरेचनविधि.

॥ अथवस्तिकर्मविधिः ॥

॥ दोहरा ॥ वस्तिकर्मसुनलीजिए पिचकारीविधभाय रोगहोएमलमूत्ररुक अथवाप-वनरुकाय गुदावीचवाइंद्रिमों पिचकारीधरलेय जस्तनलीवाहाडकी स्वर्णरजतवालेय गोपुछ-हिंसदृशवनी सुवकऔषधीसंग गुदाइंद्रिकेवीचधर करेरोगकोभंग दोप्रकारसोविधकही अनुवास-नआनिरूह अनुवासनघृततैलहै निरूहमात्राजलजूह तोलप्रमानदोटकेभर जलसोंरोगनिवार इनरो-

गणकोहितनही भस्मककेवलवाय मूर्छाअरुचिकासतनस्वासच्छईनहिभाय अवजैसेंविधउचितहै वस्ति-कर्महितकार सोतैसेंवर्ननकरो वैद्यग्रंथउरधार वस्तिकर्मछेवर्षतक छेअंगुलपरिमान उपरंतवर्षद्वादस-कहे अंगुलआठविधान द्वादससेंउपरंतफुनि द्वादसअंगुलजोय तापाछेमतिमाननर करविचारसुखहोय ॥ चौपै ॥ पिचकारीकोघृतहिलगावे सोपिचकारीपूर्णकरावे सीतकालवसंतऋतुमाही स्नेहवस्तिविधक-रिएतांही ग्रीषमशरदवर्षऋतुजानो रात्रिअनुवासनविधीपछानो चिकनाभोजनसोनाहिखावे रुचिकरह-लकाभोजनपावे स्नेहसौंफजललवणसुलीजें गर्मनीरयुतगुदमेंदीजें भोजनकरप्रसंनमनहोई फिरायमूत्र-मलवाहिरसोई वांमभागभूमीपरसोवे वामजंघऊचीकरहोवे वामहाथपिचकारीलेवे स्नेहपिचकारीगुदमें-देवे दहनेहाथदवावेसोई जांविधऔषधभीतरहोई देनलेनवालेहैदोय औरपासहोवेनहिकोय इहशि-क्षामनमाहिविचार जूंभाकासछीकनाहिधार ताडीतीसहाथपरमारे मुखमेंसौतकगिनतीधारे तवतकगु-दपिचकारीदीजें तापाछेविधऐसीकीजें तनपसारसूदाहोजावे पगअंगुष्टफुनिदोइखिचावे फुनिसेजा-परसूधासोवे आवेनींदवातदुखखोवे जांप्रकारवस्तीविधिभावे गुदादोषमलवातनसावे अनुवासनव-स्तीविधजोई एकएकादिनअंतरहोई छेअरुसातआठनववार वस्तिकर्मकरवातानिवार अनुवासनवस्ती-केपाछे निरूहवस्तिविधकरसुखआछे मलाशयपक्काशयकेमाहीं रहेअनुवासनशेषतहांहीं स्नेहयुक्तजल-शेषजाजोहोई गुदाद्वारानिकसेनहिसोई तौनिरूहवस्तीकरवावे वावत्तीकरगुदमेंपावे सारेवातमलस्नेह-निकासे वाजुलावकरसुखपरकासे.

॥ अथअनुवासनवस्तीकातेल ॥

॥ चौपै ॥ एरंडकणगचकीचढलयावे अडूसागिलोयभडिंगीपावे रोहिषसतावरसुहांजनआन काग-लहरीसमऔषधठांन दोदोटंकप्रमानमंगावे आगेऔषधऔरमिलावे अलसीकुलथमाषजवल्याय औरविल्वजढसंगरलाय दोदोसेरऔषधीपावे करइकत्रफुनिक्काथचढावे चौसठसेरनीरसंगपाय षोड-ससेरशेषरहजाय तासंगमोठातेलमिलावे चारसेरधरआंचजलावे जलेकाथतैलरहजाय अनुवासनहि-ततैलशुभाय एकटंकाभरगुदमेंदीजें वातविकारसकलहरलीजें अनुवासनविधऐसेंहोई निरूहवस्ति-आगेसुनसोई निरूहवस्तिआस्थापनकहिए अधिकभेदअतिकारणलहिए अवजिनकोहितसोसुनआगे निरूहवस्तिकरतनसुखजागे हृदयचोटचिकनातनहोई वमनअफाराहिडकीजोई मवेसीस्वासकासमन-धारो सोजगुदाअतिसारविचारो मूर्छातृषाउदरदुखजान उदावर्तविशूचीपथरीमान वातरक्तविष्मज्व-रजानो अमलपित्तहृदरोगपछानो मंदाग्नीचरणरोगजोहोई मूत्रकृछ्रशूलछीनतनजोई निरूहवास्तिइ-नकोहितजानो करेसीघ्रदुखदूरपछानो वातविकारअधिकतनहोई कसैलीकटुसनेहयुतसोई पित्तविका-रअधिकलखपावे दूधसंगवस्तीविधभावे कफकाकोपअधिकतनहोई मूत्रादीकटूकसैलीसोई जेकरवाल-कवूढाजाने कोमलवस्तिविधीमनआने अवग्याराविधभेदविचारो आगेभिंनभिंनमनधारो.

॥ अथवस्तिकर्मग्यारहविधिः ॥

॥ दोहरा ॥ वस्तीकर्मप्रमाणहैग्यारांरूपपछान उत्क्लेशनअरुदोषहरलेखनशोधनजान शमनवृंहण-पिछलकहैमधुअरुतैलविचार स्थापनसिद्धजुफलकहेग्यारारूपसह्मार.

॥ अथउत्क्लेशनवस्तिविधिः ॥

॥ दोहरा ॥ अरंडोलीमहुआवर्चलेपीपलसैंधाजान झाउबूटबकलवरैइहकाढापरमान.

॥ अथदोषहरवस्तिविधिः ॥

॥ दोहरा ॥ सौंफमुलठीबिल्वसमइंद्रजवहिपरमान पीसकांजीगोमूत्रसोंकीजेंवस्तिविधान.

॥ अथलेषणवस्तिविधिः ॥

॥ दोहरा ॥ त्रिफलाकाथवनायकेमधुगोमूत्रमिलाय जबक्षारफुनिपायकरलेखनवस्तिशुभाय

॥ अथशोधनवस्तिविधिः ॥

॥ दोहरा ॥ हरडकिरमालाआदलेजुलाबताहिपरमान यापिचकारीदीजिएशोधनवस्तिविधान.

॥ अथशमनवस्तिविधिः ॥

॥ चौपै ॥ प्रियंगूफलरसौंतमंगवावे मुलठीनागरमोथापावे दूधपायपीसेजवकोई सबनवस्तिविध कहिएसोई.

॥ अथवृंहनवस्तिविधिः ॥

॥ दोहरा ॥ पुष्टाईकिऔषधीकाढाकरमतिमान मीठाद्रव्यघृतमांसातिलपिचकारीवृंहनजान.

॥ अथपिच्छिलवस्तिविधिः ॥

॥ दोहा ॥ बेरपातशतावरीलसुआमोचरसपाय दूधमधूयुतक्वाथकरपिछलवस्तिकहाय.

॥ अथनिरूहवस्तिविधिः ॥

॥ चौपै ॥ घृतमखीरइकसेरमंगावे तामेकिंचितलूणरलावे तींनोमथपिचकारीदीजें पांचसातवारीविधकीजें एकदिवसकाअंतरहोई निरूहवस्तिविधकहिएसोई.

॥ अथमधुतैलवस्तिविधिः ॥

॥ दोहा ॥ जढएरंडकाढाकरैअवरतेलमधुडार एकटकापरमानतिहसौंफपैंसाभरकार सैंधानोनअधेलभरपीसमथनकरलेह इहपिचकारीदेनसौंएतेरोगटरेह गोलाकृमीतिर्लीमेदहरमलकेरोगहटाय उदावर्तरोगहिहरैबलदेहीप्रगटाय.

॥ अथस्थापनवस्तिविधिः ॥

॥ दोहा ॥ मखीरदूधघृततैलसमदोपैंसेभरल्याय झाऊरसअरुलूणलेपैंसाआधमिलाय मथपिचकारीदीजिएस्थापनकहिएसोय रोगजायमनहर्षहैबलवृद्धितनहोय.

॥ अथसिद्धवस्तिविधिः ॥

॥ दोहा ॥ पीपलपिपलामूलचव्यचित्रकसौंठमिलाय काढाकरतिहमोधरैतैलसहतसमपाय लूणमुलठीपायकरफुनिक्वाथकरकोय पिचकारीतांकीधरैसिद्धवस्तिकहुसोय.

॥ अथफलवस्तिविधिः ॥

॥ दोहा ॥ गुदअंतरअरुबाह्यकोंघृतलगायतिहमान अंगुष्टप्रमाणडंडीसुपुष्टवारहिअंगुलपरिमान अर्धगुदामेंडारातिहिचतुराईकेसंग फलवस्तियांकोकहेवैद्यप्रभावउमंग निरूहवस्तिकाभेदयहउत्तरव-स्तिइहधर्म वस्तिकर्मकारजुनरस्नानकरेजलगर्म दिनसोवनमैथुनतथाकुछकुपथ्यनकरेय अनुवासन-वस्तीक्रियाआदिककरहै.

॥ अथहुक्कादिधूम्रपानविधिः ॥

॥ दोहा ॥ धूम्रपानषट्प्रकारहैशमनवृंहनकासहर्त व्रणधूपनतीच्णकहैसोधनऔषधकर्त इनरोगन-मोउचितनहिखेदयुक्तभयभीत दुखीदांतरोगीजुनररात्रिउनींदहिमीत उदररोगप्रमेहपांडुमस्तकरोग-अफराह छर्दिधावकेरोगजोच्चीणपुरषनहिचाह तृषितदाहतालूदुःखीफुनिगर्भिणीनार वृद्धपुरषइन-वर्जहैधूम्रपानविचार

॥ युक्त ॥

॥ दोहरा ॥ वायूकफकेरोगजोदूरकरोहितचाय सबइंद्रीअरुमनहिकोप्रसन्नकरावेभाय दांतपुष्टका-रककहैवुद्धिवंतजनजोय लाचीआदिसुगंधकेशमनधूंमहैसोय रालआदिजोधूम्रहैवृंहनधूमविचार ती-च्णऔषधधूम्रजोरेचनकहियेसार मिरचआदिकाधूम्रजोकासन्नीसोजान खालइत्यादिकधूम्रजोवम-नधूमतिंहमान निंववचादिकधूम्रजोस्मेव्रणधूपनहोय इहषद्धूम्रपानंहिकहेभावप्रकाशमतजोय.

॥ अथापराजिताधूप ॥

॥ दोहरा ॥ मोरपंषअरुनिंवछदकटेलडोडछडमान मिरचीहिंगुकपासगिरबकरीवालप्रमान सांपकां-चलीविडालविटहाथीदांतसमान इहपीसेघृतपायकरधूनीदेदुःखहान भूतप्रेतराच्चसबहूडाकिनिशाकि-निजांहि सबदोषनकोदूरकरज्वरकोकाटततांहि

॥ अथमाहेश्वरधूप ॥

॥ दोहा ॥ हिंगुदेवदारूतथावेलपत्रघृतपाय कुर्कुटहाडसरसोंतथानिंबपत्रमनभाय मस्तककेसस-र्पकांचलीबिडालबिष्टातुषचाय गोशृंगीअरुमैनफलजुगहिकटेलीभाय वीजकपासअजरोमअरुचन्दन-मोरपंषजान अजामूत्रसमपीसकरधूपधुषाएमान भूतपिशाचराच्चसजितेडाकिनिप्रेतचुरेल इहसबधूप-नदूरकरज्वरइत्यादिहरेल

॥ अथरुधिरछुडानेकीविधिः ॥

॥ दोहा ॥ मानुषउचितसोहोतहैरुधिरछुडानेयोग्य रुधिरबिकारसबबूझकरभलेप्रकारलषजोग्य रुधिरनिकासेसेरइकआधसेरयापाव शरदऋतूथोराहिवरजोविकारघटभाव

॥ अथरुधिरस्वरूप ॥

॥ दोहा ॥ रुधिररसहिजिहमधुरवरलालरंगशीतलाय गर्मनाहिभारीचिकनदुर्गंधीसहितसुभाय औ-
ररुधिरजोदग्धहोगर्मविकारकमानदुष्टहोयकायारुधिरपीडादाहसुजान चक्राकारतनखाजअलिफुनसी-
सूजनचार सबविकारइहरुधिरकेआगेऔरसह्मार नेत्रलालभारीनसेंकायरुधिरमंदसोय तौखटमीठाचा-
हिकरमूर्छादेहसुहोय तौकायारुखीरहैनसैसिथिलपडजाय यहविकारलखजानियोफस्तकरनमनभाय

॥ अथवायुदुष्टरुधिरलक्षणं ॥

॥ दोहा ॥ अरुणरंगआवैजुभ्भगकठोरशीघ्रमतहोय सूक्ष्मधारकायाचुवैचलैलालरंगसोय ऐसेल-
क्षणरुधिरकेवाताविकारतिहमान दुष्टरंगजिहरुधिरलषतांहिनिवारसुजान

॥ अथपित्तदुष्टरुधिरलक्षणं ॥

॥ दोहा ॥ पीतहराअरुनीलरंगकृष्णदुर्गंधितजाहि चलैनहीउष्णसुरहैमखीकीदनाहिखाहि जांविध-
लक्षणरुधिरकेतांहिनिवारसुजान पित्तप्रभावऐसोउचितवैद्यसमझमतिमान

॥ अथकफदुष्टरुधिरलक्षणं ॥

॥ दोहा ॥ शीतलअतिकरचीकनोगेरीरंगसमान मांसपोटलीसदृशहोधीरेचलतप्रमान जांहिरुधि-
रऐसीप्रभासोकफकरतूंमान दुष्टरुधिरजानोतिसैसोसुखकारकजान

॥ अथसन्निपातदुष्टरुधिरलक्षणं ॥

॥ दोहरा ॥ जामोयहसबरूपहोयकांजीसदृशगंभीर तांहिसन्निपातहिरुधिरमानलेहुमतिधीर.

॥ अथविषकरदुष्टरुधिरलक्षणं ॥

॥ दोहरा ॥ जांहिरुधिरकालाचलैनासासेजुप्रवाह दुर्गंधिकांजीरंगजिहतांहिकुष्ठप्रगटाह सावनकी-
डीसदृशरंगकायासूजनहोय ॥ दाहपरैकायातिसैयहलक्षणतिंहजोय.

॥ अथरुधिरछुडाना युक्त ॥

॥ दोहरा ॥ सूजनऔरशरीरसोंदाहप्रगटहोयलाल अंगनफोडेफुनसीयांऔरशरीरपकघाल वातरक्त-
कारोगकरव्याईआदफुनहोय स्तनअंगभारीदेहहैनेत्रलालरंगजोय तन्द्राआवैनाससोंमुखकेरोगविकार
गोलातिलीविसर्पफुनविद्रधिआदिप्रकार छालेआदमस्तकदुखैउपदंशाहिंगर्मसुजान रोगरक्तपित्तीजि-
सैरुधिरकाढहितमान इत्यादिकरोगहिउचिततूंवीजोकप्रमान सींगीवारगळोडिएताहिरोगकीहान ॥

॥ अथअयुक्तरुधिरछुडाना ॥ दोहरा ॥

चीनविषयअत्यंतकरविहंडुलहोयभयभीत गर्भस्त्रीअरुप्रसूतहोयपांडुरोगकरचीत जिहआगेनाहिक-
रतहैपंचकर्मरेचकादि ववासीरसर्वांगसोथकासस्वासइत्यादि छर्दिरोगकोनाहिस्वरऔरपसीनाजिहकाय

षोडशवर्षपर्यंतनरसत्तरतेवधिजाय जोइनरोगनवशपडैजौंकलगावनताहि विषकरदुष्टजुहोयनरशिराछु-ठनहिततााहि वायुपित्तकफतीनमिलरुधिरदुष्टपडजाय ताहियोग्यसिंगीतथातूंबीजौंकलगाय रक्तएक-हथजौंकखिचशोषैइतनोभाय सींगीतूंबीद्वादशअंगुलरक्तलेयमनचाय पछनएकअंगुष्टभरशिराकाय-सर्वांग शोषैरक्तविकारयहजानरोगकरभंग ॥

॥ शीतऋतुप्रमान अथुक्तरक्तं ॥

॥ दोहरा ॥ क्षुधामूर्छानानींदश्रममदमलमूत्रजुआय इनपुरुषोंकोनाहिउचितरक्तछुडावनभाय जि-हरोगीरुधिरनचलैजलौकादिकरभाय सोमुखव्रणकेइहधरैतुरतछूटैरतजाय कुठसुंडमिरचापिपलसैंध-नोनधरखार समलावैतौछूटहैरुधिरचलैशुभचार धूपशीतसमहोयजबभोजनहलकाखाय तौरुधिरहि-काढनउचितहैज्ञानबुद्धमतभाय

॥ अथरुधिरथम्मणेकायत्न ॥

॥ दोहरा ॥ लोधररालरसौंतजवगेहूंआटाआन धाईवकुलगेरूफुनीसांपकांचपरमान रशमवस्त्रकी-खारफुनसांबरपालमिलाय व्रणकेमुखकोंधरतहीरुधिरबंदहोजाय ॥ अन्यच ॥ शिराछुडानेनसहिकोऊप-रदाहसुदेय याउसनसकोखारवरयाकटुतैललिपेय जोसूजनहोयबायअंगदाहनहाथनसदग्ध दहने-अंगसूजनबरैबायेअंगसुदग्ध जोवायअंगूठेनसहिकोसूजनलखेसुजान दहनेहाथनसछोडियेयाहीजा-नप्रमान दहनेअंडसूजनपरैबायसिराछुटवाय बांयहाथअंडसूजलखदत्ताशिरामनभाय सूजनजावैइह-विधीग्रंथनकह्योविचार याविधकरकेऔरभीरोगाविषूचिनिवार.

॥ रुधिरछुडानगुणागुण ॥

॥ दोहरा ॥ अत्यंतरुधिरछुडावनेअंधहोताजियधार अर्धांगशून्यपडजातहै तृषारोगहोएसार अंधेरी-मस्तकदुषैस्वासकासउपजाय हिचाकिदाहअरुपांडुरुजअतिरक्तछुटेमरजाय याकायामोरुधिरहै जीव-नकलाविचार रुधिरजायतौनाहिकलू तांतेबुद्धिसह्मार रुधिरछुडायतौशीघ्रहीं प्रबन्धकरैसुविचार रुधि-रकाडसूजनकरैगर्मसेकघृतसार पाछेसेंतिहपुरषकोहरनमांसरसयोग्य अथवाशोरामांसकावकरेकाति-सभोग्य अथवापीवैदूधसोंसट्टीचाबलकोय जबतकपीडानामिटेतबतकपथ्यसुहोय.

॥ अथरुधिरछुडानेकाकुपथ्य ॥

॥ दोहरा ॥ मैथुनक्रोधशीतलजलहिस्नानकरनहितनाहि बाहरपवनबैठनअधिकादिनसोवनतजतांहि कटूषटाईलवनतजशोचबादनहिकार अजीरणभोजननाकरै रुधिरछुडावनहार ॥ इतिश्रीचिकित्सा-संग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांदूतपरीक्षावर्णनपूर्वकरुधिरविधिवर्ननंनामचतुर्थोऽधिकारः ॥ ४ ॥

॥ अथहितउपदेशप्रमाणं ॥

॥ चौपई ॥ षोडशवर्षनकेमंझार सत्तरवरषऊपरानिरधार इनमोइस्त्रीसंगनकरै आयूकामजेऊलखपरै जोकदाचितइन्हकेमंझार करैतोअर्शश्वाससंचार ज्वरस्वरमंदपांडुप्रगटावै इत्यादिकरोगअनेकलषपावै जोजिसमध्यअवस्थाहोवै पुष्टदेहपुनजाकीजोवै तीसरतीसरदिनमंझार सहमदरासेवेसोनार इहसमस्तऋतमोपरकार ग्रीषमविधीभिंनमनधार पंद्रापंद्रादिनउपरंत ग्रीषमऋतरतिकरहैकंत जोअन्यथाइस्त्रीसंगकरै तौतांकोबहुरुजसंचरै औररजस्वलाजोतियहोय अवरअकामालषियेजोय मलिनरहैअरुवंध्याजेऊ वर्णावृद्धाहोयफुनितेऊ वयोवृद्धाअरुपीडितव्याध योनिदोषजिसहोयउपाध द्वेषसहितसंन्बासनजोय स्वगोत्रागुरुपतनीजोहोय उत्तमवर्णअधमजिसवर्ण वैश्याअरुअंतजजोधरण संबंधीमित्रवधूद्विजनारी भूपवधूविधवाजुकुमारी इन्हकेसाथसंगनहिकरै करैतोघोरनरकमोंपरै संध्याअरुपर्वणमंझार वर्जतजानोसंगसुनार जोइनसमयजुकरहैसंग आयुषतेजधर्महैभंग ॥ दोहरा ॥ वाजिकरणवषानियोहितउपदेशविचार यांकोसुनअरुसमझकैलीजोउरमेंधार.

॥ अथरोगप्रमाणं ॥

॥ दोहरा ॥ प्रमानरोगकाकहतहौंवैद्यग्रंथअनुसार सुनहोसकलप्रवीनजननीकेकरोंउचार ॥ चौपई ॥ सर्वरोगपरमाननिदान मलकाकोपअहैमनुमान मलकाकोपकहांतेहोय वस्तुअहितसेवनतेजोय ॥ दोहरा ॥ जैसेज्वरसंतापतेंरक्तापित्तप्रगटाय रक्तपित्तकीअधिकताज्वरकोंसोउपजाय ॥ चौपई ॥ वृद्धउदरज्योंसोजाकरै दुखउदरजुमवेसीधरै अरुवहउदरतुल्मउपजावै शयनदिवसपीनसप्रगटावै पीनसहूंतेषांसीहोय षांसीच्छईउपजावेसोय च्छईहोतदुर्बलतनपावै निर्बलपुरुषताहिहोजावै रोगारंभकदोषजुकरै अवरविकारकरैनहिटरै इकविकारमोदूसरलहै बुधजनतांहिउपद्रवकहै ॥ दोहरा ॥ आदिपरीच्छारोगकीकरनिदानअनुसार वैद्यचतुरपुनतांकरैऔषधादिउपचार ॥ चौपई ॥ औषधाकियेहुयेउपरंत प्रायश्चित्तकरैबुधवंत कर्मविपाकग्रंथअनुसार प्रायश्चित्तकरैसाविचार देशकालआयुर्विधिजान करैचिकत्सावैद्यसुजान असोवैद्यसिद्धितापावै याहीमोंसंसानाहिल्यावै रोगपछाननचारप्रकार भिंनभिंनअवकरोंउचार प्रथमारोगीदर्शनकीजैं ताहीतैंरोगहिलषलीजै दूसरनाडीआदिसपर्श तातेलषियतरोगअदर्श तीसरप्रष्णहुंकेअनुसार तनकोरोगकरैनिरधार मूत्रपरीच्छाचतुर्थपछानै इहप्रकाररुजनिश्चयठानै रोगीकेजोतीनप्रकार प्रथमलषैपुनिकरैविचार कवनसुतीनप्रकारसुनावों जैसेंग्रंथहुतेंलषपावों कष्टसाध्यइकरोगकहीजै दूसरपुनसुखसाध्यलहीजै तीसरकोंजुअसाध्यपछानो रोगत्रैपरकारज्योंजानो वैद्यजुइसकीइछाधरै असाध्यचिकित्साकवीनकरै रोगीविकारजअल्पपछान मगरूरीनाहिकरैनरस्यान जैसेअग्निअल्पअतिहोय त्रिणसंयोगतेंबहुहोयसोय पुनजुरोगहोयतीनप्रकार तिनकोक्रमसोंकरोंउचार इककर्मजइकदोषजमान एकउभयलषलेहुसुजान कर्मजप्रायश्चिततेंनाशै दोषजऔषधकरजुविनाशै कर्मदोषच्छयहोवैजबै रोगउभयगतनाशैतबै औषधतैंरुजशांतिनहोय रोगउभयगतजानोसोय प्रायश्चित्तसहऔषधकरै रोगउभयगतनिश्चैहरै विनारोगसमझैपरवीन नहीदेवैऔषधविनचीन विनासमझऔषधविषकहिये वज्रपातसमतांकोलहिये रोगसमझपुनऔषधदेवै अंमृतकेसमसोलखलेवै सोऊ-

समझशास्त्रबिनजानै हृदैनआवतलषैनजानै पठतवैद्यचतुराजोहोय कार्याकार्यविचारेसोय करनोअ-नकरनोजुविचारे तांपाछैऔषधीविस्तारे वैद्यआयुर्बलकोनहिस्वामी चिकित्साकरैसमझअनुगामी रो-गप्रमाणनिदानइहसार ग्रंथप्रमाणकियोविस्तार.

॥ अथवालकसेंवृद्धपर्यंतमात्राप्रमाणम् ॥

॥ दोहरा ॥ एकमासलगबालकोएकरतीपरमान मिश्रीदूधअरुसहतघृतदीजोताहिसुजान जैसेंबा-लबलवढतहैतैसीमात्राजोग्य षोडशवर्षलगजानजबतबमासाहैभोग्य सत्तरवर्षपर्यंतफुनमात्रायाहि-प्रमान कल्कचूर्णग्रंथसुकहै विधिविधानमनजान काढाचौगुणउचितहै वालककोकरस्नान मासप्रती-वालकवमनकहतग्रथपरमान हरडरगडघुट्टीकरेनितप्रतिवालहिदेय अन्नग्रासपांचहिवर्षषोडसरेचनसेय मैथुनवीसवर्षहिउचितयाविधनरजोकार ताकोरोगनव्यापहैचरकग्रंथअनुसार तीसवर्षतकतनवढेरुधि-रमधुरपनहोय चालीतकबुद्धवलप्रभात्वचागाढपनजोय साठवर्षजोतीनयनस्वस्थतीद्दणवरहोय सत्त-रवर्षपर्यंतनरवीर्यअधिकतनजोय अस्सीवर्षकेअंतरेकायपराक्रमहोत ज्ञातानबेबर्षतकसबमोक्षपासु-जोत हाथपगोमेंबसरहेमूत्रत्यागकोहोश इकसौदसमोजानियेरामनामहृदकोश इकसौबीसप्रमाणहै-आयुर्बलकानेम जोनरकायनिरोगराहितांकोईश्वरप्रेम

॥ अथतोलप्रमाणं ॥

॥दोहरा॥ तोलप्रमाणसुअबकहोंवैद्यकग्रंथविचार औषधादिसबवस्तुकोतोलेइन्हअनुसार ॥चौपई॥ झलकझरोखेअंतरमाहि सूक्ष्मरेणुजोलषिएताहि सोऊरेणुकठेकरचार तासुनामलिख्यासुविचार षट्-लीख्याजुइकत्तरकीजें सर्षपएकसोजानपतीजें षटसर्षपएकोजवजान तींनजवोंकीरत्तीमान दशरत्ती-कोमासाकहिये चारमासकोशानभनैये दोईशाणकोलकहुएक दोयकोलइककर्षविवेक चारकर्षकोप-लएकजानो दोपलकीइकप्रसृतीमानो सोलांप्रसृतिकुडवहोएएक चारकुडवइकप्रस्थविवेक चारप्रस्थ-इकआढकमानो चारआढकइकद्रोणपछानो दोइद्रोणइकसूर्पकहावे सतसूर्पइकषारीगावे दोयसूर्प-कीगोणीएक तांकोकहैंभारसुविवेक चारोभारइकत्रकरीजें तासुनामइकवाहकहीजें ॥ दोहरा ॥ और-आचारजमतकहोंसर्वप्रमाणप्रकार सोसुणलीजोचतुरनरवरणोसमझविचार ॥ चौपै ॥ मासेचारइकत्र-जुकीजें तासुनामइकटंकभनीजे दसटंकनकोइकपलजानो चारोपलइककुडवपछानो चारकुडवइक-प्रस्थजुहोय चारप्रस्थइकआढकसोय अष्टआढकइकद्रोणलखावे दोयद्रोणइकसूर्पकहावे इकषारी-सतसूर्पलषीजै दोयसूर्पकीगौणिकहीजै भारनामइककहिएतास इहविधतोलप्रमाणप्रकाश ॥ दोहरा ॥ चारभारकोवाहइकजानो पुरुषसुजान ऐसेभाषसुनायहोनीकेतोलप्रमान

॥ अथचिकित्साचारपादवर्णनं ॥

॥ दोहरा ॥ वैद्यजुव्याधीऔषैधीफुनसेवकयहचार अबआगेवर्णनकरोंभिंनभिंनउरधार प्रथमवैद्य-प्रमाण ॥ चौपई ॥ श्रेष्टवैद्यऐसोसुनकहिये ज्ञाताशास्त्रतत्वकोलहिये अपनेकर्मननिष्टाजास रहैपवित्र-

स्वच्छअतिभास आपबनाईऔषधकरै लघुजिहिंहाथसबनलषपरै चिकित्सामोसूरबीरकहावै रोगपरीक्ष-कभलोसुहावै सकलीवस्तुचिकित्साकेरी सदारखैअपनेढिगनेरी निश्चलबुद्धीधीरजधारै प्रियमीठेमुखव-चनउचारै सतवक्ताप्रसन्नमुखहोय उज्जलवस्त्रतनधारेसोय सदास्वधर्मविषेरतिलाहिये प्रथमपादअसवै-द्यसुकहिये ॥ अथद्वितीयपादरोगीप्रमाणम् ॥दोहरा॥ साध्यधनीजुविचारयुतपुनसतवक्ताजोय सोरोगी-शुभजानिएपाददूसरासोय ॥ अथतृतीयपादऔषधप्रमाणं ॥चौपई॥ औषधश्रेष्टनवीनजुहोय श्रेष्टदेश-मोउपजीजोय अरुदिनश्रेष्टमाहिजुउषारी वर्णगंधरसयुक्तनिहारी थोडीभीप्रक्रमबहुकरै भक्षितमनगि-लाननहिधरै दोषविकारनाशकरदेय ऐसीऔषधलषकरलेय ॥ अथचतुर्थपादसेवकप्रमाणम् ॥चौपई॥ सेवकप्रीतयुक्तशुभहोय व्याधीरक्षणबलवतसोय वैद्यवचनमोप्रीतजुकरै शांतिवानदृढतामनधरै ।दोहरा। पादचतुर्थाइहकह्योसेवकश्रेष्ठविचार तबीचिकित्सासिद्धहै इनपादनअनुसार इतिचारपादवर्णनम्

॥ अथनिंद्यरोगीवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ चंडस्वभावहोयअविचारी अवरमहाजुकृतघ्नविकारी व्यग्रचित्तजोस्वेच्छावरती दैषि-वैद्यउपकारहिहरती अवरवैरीराजाकोजोय जिसेमरणकीइच्छाहोय अरुअपनोजोशत्रुकहावै इंद्रीश-क्तीहीनलषावै शंकायुतश्रद्धाकरहीन महाअपथीलषोपरबीन ॥ दोहा ॥ ऐसेरोगीवैद्यलषकरैचिकि-त्सानाहि करैतोदूषनप्राप्तहोनहिसंशययामाहि ॥ चौपई ॥ वैद्यनिरोगजिसकरैशरीर होयअरोग्य-तनरहैनपीर सोरोगीजुभलीपरकार पूजावैद्यकीकरैसुवार उसशरीरकरजीवैजबलग पुण्यधर्मजोकर-हैतवलग सोसबवैद्यहिप्रापतजानो यामोरत्तीभूठनमानो पुनतुमसुनहोअवरप्रकार चिकित्सानिष्फ-लनाहिसंसार कहींमैत्रीफलप्रापतहोय कहींफलप्राप्तधनादिकजोय कहींपुण्यफलप्रापतजानो कहीं-प्राप्तफलयशपहिचानो ॥ दोहा ॥ कहींहोएअभ्यासफलइत्यादिकफलजान नाहिचिकित्साविफलजग-शास्त्रनकीनबषान.

॥ अथनिंद्यवैद्यनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ पांचवैद्ययहनिंदहैंजोधन्वंतरसमान तिनकोविवरणकहितहोंसुनलीजैधरकान ॥चौपाई॥ रहैकुचालमलतनधारै वचनअहितसहकोपउचारै अवरजुधूर्तस्वभावहैजाको स्वाधीनकह्योनहिमानै-कांको विनबोलहिआपेचलआवे पांचवैद्यनहिपूज्यकहावै

॥ अथान्यप्रकारसुगंधदारविधिवर्णनं ॥

प्रथमअंबीरवनानेकीविध ॥चौपई॥ वह्मीछडगुडीमंगवावे छलीरालादनसंगरलावे वालाश्यामलालमि-लदोई तोलाएकएकसमहोई वनफसाजढइएकरलाय छेमासेअसहवअंवरपाय करइकत्रफुनिदर्डकरावे गुलावअर्कताहीसंगपावे मलेएकसमगोलाहोई किंवएकफलआनोसोई किंवकाटअंवलानिकसावे-

गोलावीचताहुकेपावे करेमुखवंदताहिछिनकोई देगमंगायवीचरखसोई सेवतीपत्रपुष्पमंगवावे किंव-पासचौगिर्दरखावे जांविधदेगअगनपरधरिए मध्यमआंचतेजनहिकरिए जवहिंखूबकिंवपकजावे निकालतांहिसीतलकरवावे औषधवीचनिकालेजवही काचपात्रमेराखतवही द्रिवसतीनलगधूपलगावे तौफुनियुक्तिसमानरखावे चंदनसेररगडकरलीजे पाउोएकभरतामेदीजेअंवीरसुगंधदारहोजावे सभावीचछिडकेसुखपावे फैलसुगंधिअधकसुखद्राई सभावीचअतिहीछबछाई ॥

॥ मोमकीसुगंधदारवत्तीवनानेकीविधिः ॥

फारसी शम 5मा 5 तवर कहतेहैं चौपै चंदनतोलेछेइमंगावे रालश्वेततैंतोलेपावे छेमासेघारमेलिएसोई छेतोलेतगरताहिसंगहोई तौफुनिअंवरअगुरमंगावे वर्ह्मीनखताहिसंगपावे मोइआसाइलाऔषधलीजें तोलाएकएकसमकीजें चौवीतोलेमोममंगावे अंवरमोमजुदानिकसावे औरऔषधीपीसेकोई गुलावअर्कमेंमिसरीहोई वीचताहुकेऔषधपावे आठपहरतकसेडरखावे वत्तीवीचभिगोवेकोई वारंवारसुकावेसोई - गालमोमअंवरसंगपावे वतीऊपरसोईचढावे शेषसुगंधरहीजोहोई मेलेमोमसंगसबसोई. वत्तीमोमवनायजलावे अतिसुगंधअतिलज्जतआवे ॥

॥ सुगंधितधूणीवनानेकीविधि ॥

॥चौपै ॥ अगुरसोएदसटंकमंगावे कस्तूरीएकटंकसंगपावे अंवरएकटंकसंगपाय खंडगुलावअर्कमंगवाय शर्वतसोइचासकरलीजें औषधवीचदर्डकरदीजें सुकावेताहिराखिएसोई धूणीकरसुगंधअतिहोई ॥ धूणीवलदेनवालीफारसी पवहैयः कहतेहैं ॥ चौपई ॥ पुष्पगुलावसेवतील्यावे छिलकाकिंवनुरंगीपावे औषधचारवरावरहोई अगुरेमलसवकेसमसोई खंडगुलावअर्कमंगवावे करेचासफुनिऔषधपावे मलमलखूबगोलिआंहोई सुकायजुगतसंगराखोसोई धूणीकरसुगंधलखपावे दिमागमिंझमेंवलप्रघटावे ॥

॥ धूणीनिद्रालानेवाली ॥

फारसी वहेया ख्वाबकहतेहैं ॥चौपई॥ वल्लजुआइनवीजमंगावे चंवेकेफुनिपुष्पमिलावे पुष्पधतूराआनोसोई खसखसकालीतासंगहोई चंदनश्वेतसोईमंगवावे तीनोंतीनटांकसमपावे अगुरटांकदससंगरलाय गुलावअर्कमेरगडामिलाय गोलीवांधसुकावेकोई धूनीकरनिद्राअतिहोई सभावीचजवधूमधुखावे धूमसंगनिद्राअतिआवे. ॥

॥ सुगंधितसुंघानेवास्ते ॥

फारसी. लषलषः कहतेहैं ॥ चौपै ॥ कस्तूरीअंबरअगुरमंगावे कपूरलोहवानसंगपावे इकइकटंकवरावरलीजें पंचटांकनीलोफरदीजें मरुआदूनःपुष्पजोहोई पांचोपांचटंकलेसोई वालाकालाश्वेतमंगावे

दसदसटांकवरावरपावे दसतोलेअर्कगुलावमिलाय वनफसाघृतत्रिगुणासंगपाय कस्तूरीअंवरअगुरक-पूर इनविनऔरदर्डकरचूर गुलाववनफसाघृतसोलीजें दईऔषधीतामेदीजें निरंतरआठपहरजवहोई चाढअगनघृनसाधेसोई वनफसाघृतजवहीरहजावे कस्तूरीआदतवऔषधपावे काचपात्रमेंराखेसोई म-र्दनकरसुगंधअतिहोई नासिकाग्रवातादिसुंघावे दिमागहृदेअतिवलप्रगटावे कफकरनाडवंदजोहोई रोमद्वारखुलजावेसोई. मूर्छानिद्राकरऔषधी फार्सी. गालीयकहतेहैं. ॥चौपई॥ कालीवल्लजुआइनल्यावे कालीखसखससंगरलावे इकइकटंकलीजिएदोई कपूरफींममिसरीसंगहोई लोहवांनसोसंगरलाय दो-दोमासेचारोपाय अंवरडूडटांकमंगवावे कस्तूरीमासाएकरलावे करइकत्रसवऔषधलीजे वनफसाघृ-तत्रिगुणाकरदीजें पीसमेलघृतराखोसोई मर्दननासिकाग्रजवहोई तांहीछिननिद्राप्रघटावे अतिसुंहन-करमूर्छाआवे. वत्तीअंवरकीवनानेकीविधिफारसी. फतीलःकहतेहैं ॥ चौपई ॥ केसरतोलाएकमंगावे द-सतोलेमिसरीसंगपावे अगुरलोहवानसंगदीजें दसदसतोलेदोनोलीजें चंदनश्वेतसोएसंगपाय तोलेवी-सतोलकरल्याय त्रैतोलेछडताहिमिलावे कंटूनाइकतोलापावे ब्राह्मीतोलेदोइमंगाय लादनदसतोलेसंग-पाय केसरआदजुदाकरसोई औरपीसचूरनसवहोई तौफुनिकेसरनीरमिलाय मलेखूवसमएकादिखाय मोइआसाइलाऔषधहोई छेतोलेतवमेलोसोई करइकत्रवत्तीवनवावे राखधूपअतिहींसुकजावे वत्ती-तांहिधुखावेकोई अतिसुगंधसुखदायकहोई सभावीचजवधूपधुखावे अतिलजितसवकेमनभावे ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाशभाषायां हितोपदेशवर्णनपूर्वकसुगंधदार औषधवर्णनंनाम पंचमोऽधिकारः ॥ ५ ॥

॥ स्वस्तिश्रीगणेशायनमः ॥

॥ अथतिथिवारनक्षत्रकष्टावलीलिख्यते ॥

॥ दोहा ॥ तिथीवारनक्षत्रहीअवरजुयोगविचार इनकीभाषानहिंरचीसंस्कृतकीनउचार प्रथमतःति-थिनिर्णयमाह प्रतिपत्पंचदिवसंद्वितीयासप्तरात्रकम् तृतीयैकादशाहानिचतुर्थ्यांद्वादशान्हिकं पंचम्या-षोडशदिनंषष्ठ्यांपक्षत्रयंस्मृतम् सप्तम्यांषोडशाहानिचाष्टम्यांदिनविंशतिः नवम्यांतुदिनान्यष्टौदश-म्यांद्वादशस्मृतः एकादश्यामर्धरात्रंद्वदश्यांतुमहद्भयम् त्रयोदश्यांसप्तदिनंचतुर्दश्यांमहद्भयम् अमा-वास्यांतुमरणंतिथीनांव्याधिसंभवः इतिवृद्धगार्ग्येणोक्तम्

॥ अथवोद्धायनोक्तम् ॥

ज्वरायुत्पत्तौशांतयः प्रतिपदादिकष्टसंदेहोवादिनान्यष्टदश ० १ अग्निर्देवता अग्निस्तिमितशोचिषा-यासद्विश्वन्यत्रिणं अग्निर्नोवनतेरयिम् इतिपूजामंत्रः हैमीप्रतिमाघृतमिश्रितधूपोघृतदीपश्चयथासंभ-वंनैवेद्यम् घृतंहोमद्रव्यंशांतिर्भवति अत्रप्रथमांततत्रदेवतामंत्रजपः सहस्राधिकःपश्चात्पूजाहोमदाना-निसंख्याचाष्टोत्तरशतादिव्याधितारतम्येनकल्पसहस्रंमृत्युनिर्देश इतिप्रतिपत्तिथिपूजा

॥ अथद्वितीयातिथिपूजोपक्रम ॥

द्वितीयायांदिनानिषोडशब्रह्मादेवता ब्रह्मजज्ञानंप्रथमंपुरस्ताद्विसीमतः सुरुचोवेनआवः अबुध्न्याऽउपमाअस्यविष्ठःसतश्चयोनिमसतश्चविवः इतिपूजामंत्रः अगुरधूपःघृतदीपःसर्वत्रशर्करायानैवेद्यम् तिलयवाज्यअग्निहोमद्रव्यंहैमीप्रतिमा इतिद्वितीयातिथिपूजोपक्रमः

॥ अथतृतीयातिथिपूजोपक्रमः ॥

तृतीयायांदिनानिनव पार्वतीदेवता गौरीर्मिमायसलिलानितक्षत्येकपदीद्विपदीचतुष्पदीअष्टापदीवभूवुषीसहस्राक्षरापरमेव्योमन् इतिजपपूजामंत्रः दूर्वाभिपूजाकुंकुमधूपंगुग्गुलंवाघृतदीपः द्राक्षाक्षीराज्यनैवेद्यंपायसत्रिमधुराक्तांदूर्वाश्चहोमद्रव्यं प्रतिमाहैमी इतितृतीयातिथिपूजोपक्रमः

॥ अथचतुर्थीतिथिपूजोपक्रमः ॥

चतुर्थ्यांदिनानिषोडश गणपतिर्देवता गणानान्त्वागणपतिꣳहवामहे प्रियाणान्त्वाप्रियपतिꣳहवामहेनिधीनान्त्वानिधिपतिꣳहवामहे वसोमम आहमजानिगर्भधमात्वमजासिगर्भधम् इतिजपपूजाहोममंत्रःहैमीप्रतिमाकुंकुमरक्तचंदनगंधःकरवीरादीनिपुष्पाणिअगुरुधूपोलड्डुकोद्राक्षखंडानिनैवेद्यम् नारिकेलशकलानिद्राक्षाशकलानिकदलीफलानिचहोमद्रव्यम् इतिचतुर्थीपूजाक्रमः

॥ अथपंचमीतिथिपूजोपक्रमः ॥

पंचम्यांदिनान्येकविंशतिः नागोदेवता नमोस्तुसर्पेभ्योयेकेचपृथिवीमनु येअन्तरिक्षेयेदिवितेभ्यः सर्पेभ्योनमः इतिजपपूजाहोममंत्रःहैमीप्रतिमाचंदनगंधः सुरभिपुष्पाणिघृतधूपःपयोनैवेद्यंतिलयवाज्यपायसशर्करामधुमिश्रितयथायोग्यंहोमद्रव्यम् इतिपंचमीतिथिपूजोपक्रमः

॥ अथषष्टीतिथिपूजोपक्रमः ॥

षष्ठ्यांदिनानिद्वादश स्कंदोदेवता द्रप्सश्चस्कंदपृथिवीसनुद्यामिमञ्चयोनिमनुयश्चपूर्वःसमानयोनिमानुसञ्चरन्तन्द्रप्संजुहोमिनुससहोत्रः इतिजपपूजाहोममंत्राः हैमीप्रतिमापीतचंदनंरक्तचंदनंवागंधः रक्तानिपुष्पाणिजातिपुष्पाणिवातिलयवाज्यहोमद्रव्यम् इतिषष्टीतिथिपूजोपक्रमः

॥ अथसप्तमीतिथिपूजोपक्रमः ॥

सप्तम्यांदिनान्यष्टौसूर्योदेवता उदुत्यञ्जातवेदसंदेवंवहन्तिकेतवःदृशेविश्वायसूर्य्यम् इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीवाताम्रजाप्रतिमाकुंकुमगंधः करवीरादीनिपुष्पाणिगुग्गुलुधूपः शर्करसंयुतंपायसनानाफलानिचनैवेद्यं अर्कसमिधः पायसंहोमद्रव्यम् इतिसप्तमीतिथिपूजोपक्रमः

॥ अथअष्टमीतिथिपूजोपक्रमः ॥

अष्टम्यांदिनानित्रयोदश ईश्वरोदेवता तमीशानंजगतस्तस्थुषस्पतिन्धियंजिन्वमवसेहूमहेवयम् पूषाणोयथावेदसामसद्वृधेरक्षितापायुरदब्धः स्वस्तये इतिजपपूजाहोममंत्रः राजतीप्रतिमाकर्पूरमिश्रितचंदनगंधःबिल्वदलानि अर्कपुष्पाणिचनीलोत्पलानिपुष्पाणिचवाजटामांसीधूपःपायसनानाभक्ष्याश्चनैवेद्यं मधुराक्तास्तिलाहोमद्रव्यम् रोगशांतिर्भवति इतिअष्टमीतिथिपूजोपक्रमः

॥ अथनवमीतिथिपूजोपक्रमः ॥

नवम्यांदिनान्यष्टादश भगवतीदुर्गादेवता जातवेदसेसुनवामसोममरातीयतोनिदहातिवेदःसनः पर्षदतिदुर्गाणिविश्वानावेवसिंधुंदुरितात्यग्निः इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमारक्तचंदनगंधः कुंकुमादिकंवाजपाकुसुमादिकंवापुष्यंगुग्गुलुधूपः घृतपक्कंत्रिमधुराक्तंनैवेद्यंपायसंहोमद्रव्यम् देव्यैदधिभक्तपात्रदानंतदुक्तंवाइतिनवमीतिथिपूजोपक्रमः.

॥ अथदशमीतिथिपूजोपक्रमः ॥

दशम्यांदिनानिपंचविंशतिः यमोदेवता यमायत्वाङ्गिरस्वतेपितृमतेस्वाहा स्वाहाधर्म्मायस्वाहाधर्म्मपित्रेइतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीलोहीवाप्रतिमाचंदनमृगमदसुगंधः मधुसर्जरससर्षपधूपःतिलतैलधूपंवाबिल्वपत्राणिकृष्णतिलाश्चपूजाद्रव्यंकृसरान्ननैवेद्यं घृतमधुतिलमुद्गहोमद्रव्यम् इतिदशमीतिथिपूजोपक्रमः.

॥ अथएकादशीतिथिपूजोपक्रमः ॥

एकादश्यांदिनानिसप्त विश्वेदेवादेवता विश्वेनोदेवाऽअवसागमंतुविश्वमस्तुद्रविणंवाजोऽअस्मै इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमाश्वेतचंदनगंधः कृष्णागुरधूपः घृतदीपः तुलसीपत्राणिपूजायांयवमोदकंनैवेद्यंतिलयवमध्वाज्यंहोमद्रव्यम् रोगशांतिर्भवति इतिएकादशीतिथिपूजोपक्रमः

॥ अथद्वादशीतिथिपूजोपक्रमः ॥

द्वादश्यांदिनानिदश विष्णोर्देवतावारुद्रोदेवता विष्णोरराटमसि एवंमंत्र वा यातेरुद्रशिवातनूरघोरापापकाशिनी तयानस्तन्वाशन्तमयागिरिशन्ताभिचाकशीहि इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमाचंदनश्रीखंडागुरधूपोघृतदीपःपायसंनैवेद्यंचंपकपुष्पंकमलंवा तिलयवाज्यंव्रीहिमधुनीहोमद्रव्यम् रोगशांतिर्भवति इतिद्वादशीतिथिपूजोपक्रमः

॥ अथत्रयोदशीतिथिपूजोपक्रमः ॥

त्रयोदश्यांदिनान्यष्टौ कामोदेवता आप्यायस्वसमेतुतेविश्वतःसोमवृष्ण्यम् भवावाजस्यसंगथे इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीवाराजतीप्रतिमा पूजादौश्वेतचंदनगंधःचंदनधूपः घृतदीपः दधिशर्करानैवेद्यं तिलयवमध्वाक्ताद्धोमद्रव्यं रोगशांतिर्भवति इतित्रयोदशीतिथिपूजोपक्रमः

॥ अथचतुर्दशीतिथिपूजोपक्रमः ॥

चतुर्दश्यांदिनानिअष्टादश शर्वोदेवता इमारुद्रायतवसेकपर्दिनेक्षयद्वीरायप्रभरामहेमती यथानः शमसद्द्विपदेचतुष्पदेविश्वम्पुष्टङ्ग्रामेअस्मिन्ननातुरं इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमाकुंकुमादिगंधः नानासुगंधिपुष्पाणिकृष्णागुरधूपःपूपकादिनैवेद्यंशर्कराघृतपायसंहोमद्रव्यं रोगशांतिर्भवति इतिचतुर्दशीतिथिपूजोपक्रमः

॥ अथपूर्णिमायांतिथिपूजोपक्रमः ॥

पूर्णिमायांदिनानिषोडश चंद्रोदेवता आप्यायस्वसमेतुतेविश्वतःसोमवृष्ण्यं भवावाजस्यसङ्गथे इतिजपपूजाहोममंत्रः मंदारर्कपूजार्थराजतीप्रतिमा पूजादौ श्वेतचंदनगंधः चंदनधूपः घृतदीपः दधिशर्करानैवेद्यं तिलयवमध्वाक्ताहोमद्रव्यं रोगशांतिर्भवति इतिपूर्णिमायांतिथिपूजोपक्रमः

॥ अथअमावस्यांतिथिपूजोपक्रमः ॥

अमावस्यादिनान्यष्टादशपितरोदेवता अंगिरसोनःपितरोनवग्वाअथर्वाणोभृगवः सोम्यासः तेषांवयँ्ँसमितौयज्ञियानामपिभद्रेसौमनसेस्याम इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमाश्वेतपुष्पादिनापूजादध्योदननैवेद्यंतिलयवमध्वाज्यंहोमद्रव्यं रोगशांतिर्भवति इतिअमावास्यांतिथिपूजोपक्रमः इतितिथिकष्टावलीनिर्णयंसमाप्तं.

॥ अथवारकष्टावलीनिर्णयलिख्यते ॥

वृद्धगार्ग्येणोक्तं आदित्येचाष्टरात्रंस्याचंद्रेपंचदिनानिच भौमेद्वादशरात्रंतुबुधेसप्तदशैवहि जीवेचैकादशाहानिभार्गवेदिनसप्तकं शनैश्चरेत्रयोविंशंग्रहव्याधिज्वरोभवेत् इतिवारविचारः

॥ अथअन्यप्रकारेणवारविचारोबौद्धायनोक्तं ॥

आदित्यवारस्य रुद्रोदेवता हैमीराजतीवामूर्तिः यातेरुद्रशिवातनूरघोरापापकाशिनी तयानस्तन्वाशन्तमयागिरिशन्तभिचाकशीहि इतिजपहोममंत्रः चंदनगंधः अगुरधूपःघृतदीपःपायसं नैवेद्यंतिलहोमद्रव्यरोगशांतिर्भवति इतिआदित्यवारस्यपूजोपक्रमः

॥ अथसोमवारस्यपूजोपक्रमः ॥

सोमवारस्य पार्वतीदेवता गौरीर्मिमायसलिलानितक्षत्येकपदीद्विपदीचतुष्पदीअष्टापदीनवपदी-बभूवुषीसहस्राक्षरापरमेव्योमन् इतिजपपूजाहोममंत्रः राजतीमूर्तिःचंदनंवाकुंकुमगंधः अगुरुधूपः सुगंधिपुष्पंघृतंदीपःनानाभक्ष्याणिनैवेद्यंतिलयवहोमद्रव्यंदेवभक्तसंतर्पणम् साधुभोजनम् रोगशांतिर्भवति इतिसोमवारस्यपूजोपक्रमः

॥ अथभौमवारस्यपूजोपक्रमः ॥

भौमवारस्यस्कंदोदेवता यदक्रन्दःप्रथमंजायमानऽउद्यंत्समुद्रादुतवापुरीषात् श्येनस्यपक्षाहरिणस्यबाहूउपस्तुत्यंमहिजानंतेअर्वन् इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमापीतचंदनंरक्तंवागंधः रक्ताणिपुष्पाणिजातिपुष्पाणिवातिलयवाज्यंहोमद्रव्यंरोगशांतिर्भवति इतिभौमवारस्यपूजोपक्रमः

॥ अथबुधवारस्यपूजोपक्रमः ॥

बुधवारस्य विष्णुर्देवता इदंविष्णुर्विचक्रमेत्रेधानिदधेपदंसमूढमस्यपाꣳसुरेस्वाहा इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीमूर्तिःपीतपुष्पाणिकमलानिचअगुरुधूपः घृतदीपः यवलड्डुकनैवेद्यंतिलयवाज्यंहोमद्रव्यं रोगशांतिर्भवति इतिबुधवारस्यपूजोपक्रमः

॥ अथगुरुवारस्यपूजोपक्रमः ॥

गुरुवारस्य ब्रह्मादेवता ब्रह्मजज्ञानंप्रथमंपुरस्ताद्विसीमतःसुरुचोवेनआवः सबुध्न्याऽउपमाअस्यविष्ठाःसतश्चयोनिमसतश्चविवः इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमाकुंकुमगंधः सर्षपपुष्पंगुग्गुलुधूपः शर्कराज्यंनैवेद्यंतिलयवधान्याज्यंहोमद्रव्यं रोगशांतिर्भवति इतिगुरुवारस्यपूजोपक्रमः

॥ अथशुक्रवारस्यपूजोपक्रमः ॥

शुक्रवारस्य इंद्रोदेवता त्रातारमिंद्रमवितारमिंद्रꣳहवेहवेसुहुवाꣳशूरमिंद्रम् ह्वयामिशक्रंपुरुहूतमिंद्रꣳस्वस्तिनोमघवाधात्विंद्रः इतिजपपूजाहोममंत्रः ॥ राजतीप्रतीमाचंदनगंधःचंपकपुष्पंअगुरुधूपःघृतदीपःघृतपक्वंनैवेद्यंतिलयवाज्यंमधूनिहोमद्रव्यम् रोगशांतिर्भवति इतिशुक्रवारस्यपूजोपक्रमः ॥

॥ अथशनिवारस्यपूजोपक्रमः ॥

शनिवारस्य यमोदेवता यमेनदत्तंत्रितएनमायुनगेन्द्रऽएणम्प्रथमोअध्यतिष्ठत् गन्धर्वोअस्यरशनामगृभ्णात्सूरादश्वंवसोनिरतष्ट इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीलौहीवामूर्तिःताम्रजाइतिकेचित् चंदनगंधःकृष्णपुष्पंमधुधूपःतिलतैलदीपःमधुमत्स्याश्चनैवेद्यंतिलमधुचहोमद्रव्यम् रोगशांतिर्भवति इतिशनिवारस्यपूजोपक्रमः ॥ इतिवारविचारनिर्णयपूजोपक्रमंसमाप्तम् ॥

॥ अथनक्षत्रणांशान्तिनिर्णयोनिरूप्यते ॥

वृद्धगार्ग्यमतेन ज्वरस्तुजातःषड्रात्रमश्विनीषुनिवर्तते भरणीषुचपंचाहात्सप्ताहात्कृतिकासुच त्रिसप्तरात्रादथवारोहिण्यामष्टरात्रतः एकादशाद्वादिवसांमृगेषुनवरात्रतः पंचाहात्स्वास्थ्यमार्द्रायांत्रिपक्षंसंशयोथवा पुनर्वसौप्रवृत्तस्तुज्वरोपेतित्रयोदशात् दिवसादेकविंशाद्वात्र्यहात्सप्ताहतोपिवा तिष्ये-श्लेषासुमरणंचिरेणापिमघासुच अवश्यंस्वास्थ्यमाप्नोतिद्वादशाहान्मृतोनचेत् फाल्गुण्योरुभयोः स्वास्थ्यंज्वरःशाम्येद्दशाहतः हस्तेचसप्तमेशांतिश्चित्रायामष्टमाद्दिनात् पुनश्चित्रागमेस्वातौदशाहादथवामृतिः पक्षेस्वास्थ्यंविशाखायांद्वाविंशेहनिनिर्दिशेत् नवमेन्हिभवेच्छांतिर्मैत्रेमृत्युरतःपरम् ज्येष्ठायांपंचमेमृत्युर्नचेत्स्याद्द्वादशेसुखम् स्वास्थ्यंदशाहात्मूलेतुत्रिसप्ताहात्तथाभवेत् पूर्वाषाढोत्तरायांचस्वास्थ्यं स्यान्निश्चयेनतु अष्टभिःश्रवणस्वास्थ्यंनवभिर्वाभवेच्छुभम् आज्येष्टांतंधनिष्ठायांदशाहाद्वारुणेभवेत् पंचाहाद्द्वादशाहाद्वास्वास्थ्यंभाद्रपदासुच उत्तरासुत्रिसप्ताहात्प्रशाम्येद्रेवतीसुच चतूरात्रेष्टरात्रेवाक्षेममिच्छांतिशाश्वतं एवंव्याधिविचारस्तुकार्योनित्यंमनीषिभिः आदानजन्मनिधनप्रत्यहराविपत्करी व्याध्युत्पत्तिर्भवेदेषुक्लेशोत्पत्तिर्नसंशयः यद्भेषज्यंनशक्नोतिसाक्षाद्धन्वंतरिःस्वयम् अथरोगमुक्तस्नानम् हस्तेंद्रयोश्वरेवत्यांयाम्येचंद्रपुनर्वसौ स्नातोरोगविमुक्तस्तुपुनर्व्याधिंनपश्यति इंदोवारेभार्गवेचध्रुवेषु सार्प्पादित्येस्वातियुक्तेषुचेषु पित्र्येचांत्येनैवकुर्यात्कदाचिद्वैद्योविद्वान्रोगमुक्तस्यजंतोः लग्नेचरेसौम्यकुजार्कवारेरिक्तेतिथौचंद्रबलेविहीने केंद्रत्रिकोणारिगतेश्चपापैःस्नानंहितंरोगविमुक्तजंतोः इतिनक्षत्रेषुकष्टनिर्णयः ॥

॥ अथनक्षत्राणांबलिपूजाशांतिविधाननिर्णयः ॥

वृद्धवसिष्ठोक्तम् रोगशांतिंप्रवक्ष्यामिरोगार्तानांशरीरिणाम् बलिपूजांगहोमंचजपब्राह्मणभोजनैः यस्मिन्नृक्षेनृणांरोगोसंजायतेतन्नक्षत्रपूजाकर्तव्यातदीश्वरतुष्टये कर्षेनवातदर्द्धेनतदर्द्धार्द्धेनवापुनःधिष्ण्ये-श्प्रतिमाकार्यायथावित्तानुसारतः ईशान्यामथवाप्राच्यांउदीच्यांदीशिसाल्लिखेत् तंडुलोपर्य्यष्टदलंपद्मं गोमयमंडले पंचामृतैश्चसंस्नाप्यतत्तन्मंत्रैःपृथक्पृथक् स्नाप्यकल्पोक्तमंत्रेणप्रतिमास्थापयेत्पुनः कर्णिकायांतुसंस्थाप्यध्यात्वादेवंसमर्चयेत् तद्वर्णवर्णगंधाद्यैःरक्तधूपोपहारकैः सपञ्चरत्नंकुंभंचपंचत्वक्पल्लवैर्युतं शुक्लवस्त्रंस्वर्णरत्नसर्वौषधीसमन्वितं देवस्यपूर्वतःस्थाप्यजलंमंत्रैःसमर्पयेत् प्रतीच्यांस्थंडिलेवन्हिविधिवत्स्थापयेत्ततः मासांतेजुहुयादुक्तद्रव्येणाष्टसहस्त्रकं तिलहोमंव्याहृतिभिरष्टोत्तरशहस्त्रकं पूर्णाहुतिभिर्जुहुयात्सम्यक्संकल्पपूर्वकं नीराजनंसशुद्धात्मापूजास्थानंसमागतः देवंहुताशनंभक्त्याप्रणम्यप्रार्थयेदिति अमृतोभवधिष्ण्येशयतस्त्वंकलशात्मकः रोगादस्माच्चमांरक्षतववश्याश्चधिष्ण्यपाः इतिप्रार्थ्यततोदद्यात्प्रतिमांवस्त्रसंयुतां दक्षिणासहितंभक्त्याआचार्यायकुटुंबिने ब्राह्मणाययथाशक्त्याब्राह्मणान्भोजयेत्ततः कृत्वानक्षत्रपूजांतेतिथिवासरयोरपि सर्वान्कामानवाप्नोतिरोगीरोगात्प्रमुच्यते ॥

॥ अथाश्विनक्षत्रपूजोपक्रमः ॥

अश्विन्यांचभवेत्पीडाअर्धगात्रनिपीडनं वातज्वरंभवेत्कष्टमातिसारस्तथैवच निद्रानाशोमतिभ्रंशःपीडाभवतिदारुणा नंदरुद्रधृतिश्चैवपादैर्वेदशरास्तथा अश्विनौदेवतेतत्रआश्विनोःप्राणेतिमंत्रकं जप्यंपंचसह

स्त्रंचहोमेखंडयवाज्यकं हिरण्यंघृतकुंभंचब्राह्मणान्भोजयेत्तथा श्वेतवर्णौसुधापूर्णकुंभांभोजधरौपृथक् चंदनोत्पलपुष्पाढ्यकुण्डलौतुगुडप्रियौ क्षीरलड्डुकभोक्तारौसमिधःक्षीरवृक्षजः गुडोदनवलिंदद्याद्दीपैः सार्द्धंनिशामुखेसौवर्णीमूर्तिःअश्विनातेजसाचक्षुःप्राणेनसरस्वतीवीर्य्यम् वाचेन्द्रोवलेनेंद्रायदधुरिन्द्रियम् इतिजपपूजाहोममंत्रः ॥ अन्यमते अश्विन्याछायाभ्रंशात् भूतदोषः ।शिरःकर्णनासिकातालुव्यथा कंडुर्भवति वालपित्तकोपः आगमेदशाहंमध्येनवमुक्तेपंचदशायांरात्रौबलिदानं हस्तेनस्पृष्ट्वा आदित्यंमहेशंचयजेत् चतुष्पथेपूजयेत् होमश्चकार्यः पुनर्वसुरोहिणीहस्तस्वातिश्रवणाभिषजिपादेष्वहानि ६ १३ १२ ३ आमान्नदानम् इतिअश्वनीनक्षत्रपूजोपक्रमः

॥ अथभरणीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

भरण्यांचतुर्षुपादेषुक्षयरोगःप्रजायते ज्वरंतीव्रंमहाघोरंनानाव्याधिसमुद्भवंशून्य ० मशीति ८० खंवेदा ४० रुद्राः ११ पादक्रमेणतु नमंत्रंनौषधंतत्रनदानंनजपादिकं दशरात्रंयदाजीवेत्कृत्वाजाप्यंयथोदितम् याम्यमयुतसंख्याकंगायत्र्याश्चायुतंतथा छायादानंप्रकुर्वीतखंडाज्यघृतपूरकान् अजामहिषदानंचतुरगंतत्रदापयेत् द्विजेभ्योभोजनंदद्यात्क्षेत्रपालंचपूजयेत् हैमीवालोहीप्रतिमा यमोदेवता यमायत्वामखायत्वासूर्यस्यत्वातपसेदेवस्त्वासवितामध्वानक्तुपृथिव्याःसंस्पृशस्पाहीअर्चिरसिशोचिरसितपोसि इतिजपपजाहोममंत्रः वा त्र्यंबकमंत्रस्यप्रोक्ताछंदर्षिदेवताअगुरुगंधः करवीरपुष्पाणिगुग्गुलधूपः अष्टौदीपांश्चसर्वेषांनैवेद्यंगुडोदनं पाशदंडधरोरक्तरूपास्तुभीषणोवृहत् कायोद्विनेत्रोभृकुटिकुटिलाननभैरवः महिषीनायकारूढः कृशरान्नैर्बलिंहरेत् वक्ष्यमाणेनमंत्रेणवालिंसम्यक्प्रदापयेत् अन्यमते भरण्यांभूतदोषः शिरोर्तिः सर्वांगपीडारोमहर्षश्चदंताः कटकटायंते चंद्रागमेसप्ताहं मध्येमृत्युः पिष्टस्यमेषं कृत्वापंचान्नैःसहचतुष्पथेभूतयागः कर्तव्यः कुमारीपूजनंगृहेकर्तव्यंश्मशानेबलिंदत्वाअष्टौदीपान्दद्यात्दक्षिणादानं गुरुयजनंकर्तव्यं पादेष्वहानि ५ ११ १४ १७ कृष्णदानम् इतिभरणीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथकृतिकानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

कृतिकासुभवेत्पीडारक्तनेत्रश्चदृश्यते चक्षुःपीडाभवेत्तस्यऊरूःशूलंतथैवच १ महत्कष्टंभवेत्तस्यज्वरंतीव्रंचदारुणम् ग्रहशांतिंप्रकुर्वीतदानब्राह्मणभोजनैः २ दिनानितस्यसंख्यानिनवै ९ कादश ११ षोडश १६ अष्टविंशतिकं २८ चैवदानंदत्वासुखीभवेत् कृतिकाद्यग्निदैवत्यांतिलाज्यंजुहुयात्ततः कृतिकोत्थंतुदोषंयत्तत्क्षणान्नश्यतिध्रुवं ॥ अग्निर्देवता ॥ अयमग्निःसहस्त्रिणोवाजस्यशतिनस्पति मूर्द्धाकवीरयीणाम् इतिजपपूजाहोममंत्रः ॥ हैमीप्रतिमाचंदनगंधायूथिकापुष्पंघृतदीपः गुग्गुलधूपः तिलमाषान्नंवरान्नेनसंयुतंनैवेद्यंगुडोदनंहविस्तत्रपायसेनबलिंहरेत् इतिकृतिकानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

॥ अथरोहिणीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

रोहिण्यांतुहिक्काशूलंज्वरपीडाचदारुणा प्रलापंचचक्षुर्दाहमाकुलंव्याकुलंतथा १ दिनानिचाष्ट ८ दशच १० अष्टादशच १८ त्रिंशकैः ३० प्राजापत्यंचदैवत्यंब्रह्मजज्ञानमंत्रकं २ पंचशतंकृतंजाप्यंतिलाज्ययवहोमतः

भोजयेत्पंचकौमारीपायसंशर्करातथा ३ कृष्णाधेनुःप्रदातव्यासतत्रीहिसुवर्णकं रोहिणीसंभवंकष्टंतत्त्वणादेवनश्यति ४ ब्रह्मजज्ञानंप्रथमंपुरस्ताद्विसीमतःसुरुचोवेनआवःसवुधून्याऽउपमाअस्यविष्टासतश्चयोनिमसतश्चविवः इतिजपपूजाहोममंत्रःहैमीप्रतिमाकुंकुमगंधः सर्षपपुष्पंगुग्गुलुर्धूपःशर्कराज्यंनैवेद्यंतिलयवधान्याज्यंहोमद्रव्यंरोगशांतिर्भवति अन्यमते रोहिण्यांतीव्रज्वरोरक्तप्रकोपंबिंदतेप्रलापंवदतिप्रपलायतेश्लेष्मपिच्छिलंदारुणंपूतिगंधित्वंजायतेचरणतुष्टयेदिनानिप्रत्येकं ८ १६ ७० पिष्टमयंवृषंकृत्वाअन्नपूरितेपुटकेस्थाप्यपूजयित्वानिशिग्रासजलंदत्वाऽजनदृष्टिंवलिंहरेत् द्वितीयेदिनेविनायकंपूजयेत् रोगमुक्तस्नानं चित्रायामनुराधायांचपुनर्वसौच मतांतरे रोहिणीपादेषु० २० १४ ३८ आमान्नदानं इतिरोहिणीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथमृगशिरोनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

——+÷०:×:०+÷——

मृगशीर्षेभवेदेवंपीडाचार्द्धशरीरके अतितीव्रंमहाघोरंव्यथाभवतिदारुणा दिनानिषोडश १६ त्रिंश ३० द्विंश २० तिश्चैकविंशतिः २१ होमस्तस्याधिदैवत्यंसोमोधेन्वेतिमंत्रकं सहस्रंतुभवेज्जप्पंहोमश्चदधिपायसं दधितंडुलदानंचसवत्सांगांतथैवच अष्टौविप्राःप्रपूज्यंतेकुलदेवंप्रपूजयेत् मृगशीर्षोत्थरोगश्चतत्त्वणादेवनश्यति सोमोधेनुꣳसोमोऽअर्घन्तमाशुꣳसोमोवीरङ्कर्म्मण्यन्ददातिसादन्यंविदथ्यꣳसभेयंपितृश्रवणंय्योददाशतस्म्मै इतिजपपूजाहोममंत्रः राजतीप्रतिमाचंदनगंधःकुंकुमपुष्पाणिदशांगधूपंघृतदीपः पयसोदननैवेद्यंमंडुकापूपघृतक्षौद्रसमान्वितं शर्कराद्धिमिश्रेणशुक्लान्नेनबलिंहरेत् रोगशांतिर्भवति अन्यमते मृगेतीव्रदृष्टिप्रलापंवदतिहृदयंद्रवतेपृष्टंभियते सोदरहृदयार्त्तिःपीडातृषामहतीचरणचतुष्टयेप्रत्येकंदिनानि १२ १० ५ १८ पिष्टमयंमृगंकृत्वा पुटकेअन्नसुरातिलैः सहस्थापयित्वा धूपदीपैःसहऽजनदृष्टंवलिंहरेत् द्वितीयदिनेचतुष्पथेभूतमंडलंवास्तुपूजांचकुर्यात् रोगमुक्तिस्नानं हस्तोनुराधामूलार्द्राशतभिषक्सुमतांतरे मृगशिरासिमासपर्यंतंपीडाकुंदपुष्पदशांगधूपपायसेनपूजा सोमंसंपूज्यद्धिपयसीजुहुयात् चरणचतुष्टये ३० १८ २२ १८ इतिमृगशिरोनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथआर्द्रानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

——:×0×:——

आर्द्रायांव्याधिरुत्पन्नोग्रहपीडासमाकुलं सर्वांगंपीडितंतस्यनिद्रानाशोमतिभ्रमः नमंत्रंनौषधंतत्रवर्ज्जयेन्नवरात्रकं त्रिदोषश्चमहत्कष्टंम्रियतेनात्रसंशयः शून्य० मष्टादश १८ शून्यं० अंतेचैवचशून्यकं० रुद्रोपिदेवतातस्यनमस्तेरुद्रईरितः अयुतंचजपंकुर्यात्मधुनाज्यंचहोमयेत् वृषभश्चात्रदातव्योकृष्णवस्त्रंतथैवच होमांतेब्राह्मणेदद्यात्तस्यरोगस्यनाशने आर्द्रयोत्थंमहदुःखंतत्क्षणान्नश्यतिध्रुवं हैमीप्रतिमावाराजतीप्रतिमाचंदनगंधः सौरभपुष्पंदशांगधूपंपायसोदनंमध्वाज्यहविर्व्यन्नंदध्योदनवलिंहरेत् नमस्तेरुद्रमन्यव ऽउतोत ऽइषवेनमः वाहुभ्यामुततेनमःइतिमंत्रः अन्यमते आर्द्रायांस्कंधौभिंदेतेचक्षुःस्रावोगात्रंपाण्डुवर्णंवेपथुः रात्रौजागर्तिदिवास्वपतिपादेष्वहानि. १५ ३० १५ १७ पैष्टौस्त्रीपुरुषौकृत्वा पुटकेन तिलशारिटकादिसंयुक्तेस्थापयित्वाएकवृक्षेवलिंदद्यात्यज्ञोदेवता पूजयेत् पायसान्नैर्लिंगपूजागोप्रदा-

नंचमतांतरेचआर्द्रायांमृत्युर्धतूरपुष्पैर्धूपपायसोपहारैर्नमस्तेरुद्रमन्यवः इत्यनेनशम्भुपूजनं मधुसर्पिः खंडंजुहुयात् पादेष्वहानि ११ ७ २७ १७ श्वेताश्वदानंवृषदानंवा. इतिआर्द्रानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथपुनर्वसुनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

पुनर्वसौयदापीडाकटिपीडाचजायतेसप्त ७ चतुर्दशं १४ चैवादिश १० श्चैवैकविंशतिः २१ आदित्यो-देवतातस्यादितिर्द्यौरितिमंत्रकं शतमेकंकृतंजाप्यंघृततंडुलहोमतः सुवर्णकमलंदद्यात्कुमारीः पंचभो-जयेत् वस्त्रदानंकुमारीणांतत्क्षणाद्रोगनाशनं मतांतरे हैमीप्रतिमाहारिद्राकुंकुमगंधः पुष्पंसैवंतिकंअ-गरुधूपःघृताक्ततंडुलहविःपीतान्नेनवलिंहरेत् मंत्रः अदितिर्द्यौरदितिरन्तरिक्षमदितिर्म्माताससपितास-पुत्रः विश्वेदेवाऽअदितिपंचजनाऽअदितिर्जातमदितिर्जनित्वम् इतिजपपूजाहोममंत्रः अन्यमते वक्त्राल्लालास्रवतेभृशं कंपतेगुरुतरंजंघायांपीडांविंदति अन्नस्यारुचिः पादेष्वहानि ॥ २५ ॥ २१ ॥ १८ ॥ २८ ॥ माषपिष्टेनस्त्रीरूपंपुरुषंकृत्वासंपूज्यसिद्धान्नैः सुरयामोदकैर्मत्स्यैरपूपैर्निशाकालेवलिंहरेत् शिवं-पूजयेत् आदित्यवारेशांतिःकार्या चतुष्पथेवलिदानं पीतवस्त्रदानं रोगशांतिर्भवतीति इतिपुनर्वसुनक्ष-त्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथपुष्यनक्षत्रनिदानसंख्यापूजोपक्रमः ॥

पुष्येणव्याधितश्चैवज्वरपीडाचदारुणा शूलपीडांगआक्रांतोबुद्धिनाशस्तथैवच सप्त ७ सप्त ७ तथा-विंश २० देकविंश २१ दिनानिच घृतंचपायसंहोमेपीतवस्त्रंहिरण्यकंब्राह्मणायदद्यात् यथाशक्त्याब्राह्म-णान्भोजयेत् पंचगोधूमं तत्रदापयेत् अन्यमते हैमीप्रतिमाकुंकुमगंधावारिजपुष्पंनैवेद्यंघृतपायसंमं-डकाघृतसंयुक्तमेवंचहविर्भवेत् मंत्रः वाचस्पतयेयवस्वघृष्टोऽअग्ँ्शुभ्यांगभस्तिपूतः देवोदेवेभ्यः पय-स्वभ्यांगयेषाम्भागोसि ८ इतिजपपूजाहोममंत्रः अन्यमते तिष्येभुजौहस्तौचवक्षश्चाभिद्यंतेप्रलापोजि-ह्वांदंतांश्चखादतिजंघेपादौचशीतलौपादेष्वहानि २।२०।२१।३१। पुटकेतिलान् अन्नमद्यमांसादिकं-पद्मपत्रेकृत्वाश्मशानेबलिंहरेतृइत्थमेवहस्तेश्रवणेच मतांतरे पुष्येसप्ताहः मरुवकपुष्पखादिरधूपखण्डव-र्तिकोपहारैर्बृहस्पतेपरिदीयेति बृहस्पतिपूजापयःसर्पिषीजुहुयात् पादेष्वहानि ७।१०।२४।१६ घृत-दानं रोगशांतिर्भवति इतिपुष्यनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथऽश्लेषानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

अश्लेषायांभवेत्पीडासर्वगात्राणिपीडयेत् अतिपीडामहाघोराऔषधंतत्रभिद्यते कुलमातृश्चयोगि-न्योगोदानंचप्रयत्नतः छागदानंचदातव्यंपीडितैःसर्वव्याधिभिः दिनानिशून्यं ० शून्यं ० चएकत्रिंश २१ तथांवरं ० सर्पोहिदेवतातस्यनमोस्तुसर्पेभ्योमंत्रकं अयुतंजप्यमत्रैवशर्कराघृतहोमोजादानंचमहिषीत-त्रसवत्सांगांचनीलिकां मंत्रः नमोस्तुसर्प्येभ्योयेकेचपृथिवीमनु येऽअन्तरिक्षेयेदिवितेभ्यः सर्प्येभ्यो-नमः ६ इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमाकुंकुमागुरुगंधअगस्तिपुष्पंवाकोडपुष्पंघृतगुग्गुलधूपः मध्वा-

त्ततैर्नैवेद्यंत्तीरसर्पिषाहविःसाज्यमुख्यान्नंदध्योदनबलिंहरेत् अन्यमतेऽश्लेषायांमृत्युः स्वभाग्येनजीवति वातश्लेषात्मकोव्याधिः पीडावास्तिशूलंत्रिकस्थानंभज्यते प्रथमभागेमासत्रयंद्विभागेवामरणमवश्यं पिष्टमयंनागंकृत्वासप्तवक्रंत्रिशीर्षकंअष्टपत्रेगणपतिसहितंशिवंपूजयेत् सप्तव्रीहियुतमन्नंमद्यमांसयुक्तंचतुष्पथेबलिंहरेत् जलमध्यनिवासिनीराक्षसीपूजनं अनुराधामघाभरणीपुनर्वसुषुस्नानं मतांतरेच अश्लेयांमृत्युरगस्त्यपुष्पघृतगुडधूपोपहारैःसर्पान्संपूज्यवटपत्राणिजुहुयात् अष्टधातुदानं इत्यऽश्लेषानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथमघानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

मघायांचभवेत्पीडाअर्द्धगात्रेशिरोव्यथातिथिः १५ सप्ततथातत्रविंशतिस्म मनु ७ २० १४ क्रमात् पितरोदेवतातस्यपितृभ्यः स्वधामंत्रकं सहस्रैकंकृतंजाप्यंतिलतंडुलहोमतः तिलमाषसुवस्त्राणिदानंदत्वासुखीभवेत् मंत्रः पितृभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधानमः पितामहेभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधानमः प्रपितामहेभ्यःस्वधायिभ्यः स्वधानमः अक्षन्तपितरोमीमदन्तपितरोतितृप्यन्तपितरः पितरःशुन्धध्वम् इतिपजपूजाहोममंत्रः हैमीप्रातिमाचंदनगंधः चंपकपुष्पंघृतगुग्गुलुधूपंघृतामिष्टान्नंनैवेद्यंतिलाज्यंहोमद्रव्यंतिलान्नंचमुद्गान्नंपितृतृप्तयेबलिंहरेत् अन्यमते मघायां हृदयंभिद्यतेपित्तकोपव्याधिः शीर्षदाहः हृच्छूलंडाकिनीदोषः भुक्ताभुक्तेनजानीयाश्छांतिर्मध्येनजायते पिष्टमयंसिंहंकृत्वाअतिविकरालंसुराभिर्मोदकैः पक्वान्नैश्चसहपुटकेस्थापयित्वाशांतिः कार्यापट्टवस्त्रंद्विजातयेदद्यात् रोगस्नानंस्वातौआर्द्रायांशतभिषजिमृगशिरासिरेवत्यां इतिमघानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथपूर्वाफाल्गुनीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

पूर्वाफाल्गुन्यांभवेत्पीडाअर्द्धगात्रेशिरस्यथ पीड्यंतेसर्वगात्राणिज्वरपीडामहद्भयं शून्यं पंचदश श्वेवशून्यंत्रिंशद्दिनानिच भगोपिदेवतातस्यभगप्राणेतिमंत्रकं अयुतंजप्यमंत्रोपिप्रियंगुर्जुहुयात्तिलैः पीतधेनुप्रदानंच माषमेकंसुवर्णकं मंत्रः भगप्रणेतर्भगसत्यराधोभगेमान्धियमुदवाददन्नः भगप्रनोजनयगोभिरश्वैर्भगप्रनृभ्णभिर्नृवंतःस्याम इतिजपपूजाहोममंत्रः अन्यमते अर्द्धमासेनमुंचातिसिंहासनस्थिता हैमीप्रातिमाचंदनगंधोमालतीपुष्पंबिल्वधूपोघृतोदनंनैवेद्यंशर्करापूपलडुकाभिश्चसंयुतं घृतोदनंहोमद्रव्यंपायसेनबलिंहरेत् अन्यमते पूर्वाफाल्गुण्यां हृदयंमेदंभिद्यतेनेत्रेलोहितेदेवदोषोडाकिनीदोषश्चवस्तिशूलंकुक्कुटांडानिभेनेत्रेतीव्राहिकादाहःपंचाहेद्वादशाहेविंशोद्विमासकेदधिभक्तैरष्टांगमातृयागंकुर्यात् मतांतरेच पूर्वायांमृत्युःकरवीरपुष्पबिल्वधूपक्सरोपहारैर्भगएवेतिभगंसंपूज्यमाषयुक्तान्यवाञ्जुहुयात्पादेष्वहानि ॥ १ ॥ २७ ॥ २८ ॥ १७ ॥ सुवर्णदानं इतिपूर्वाफाल्गुणीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथउत्तराफाल्गुनीनिदानपूजोपक्रमः ॥

उत्तराफाल्गुनीपीडाकुक्षिशूलंप्रजायते शरीरंव्याधिसम्पन्नंशिरोरोगंतथानृणां सप्त ७ चैवदशा १०त्रैव सप्त ७ षष्टि ६० तथापुनः अर्यमादेवतातस्यअर्यम्णे इतिमंत्रांतः सहस्रंचकृतंजप्यंतिलाज्यंहोमयेत्ततः

हिरण्यंरजतंदद्यादन्नदानंतथैवच गोदानंवस्त्रदानंचततःशांतिंकरोत्ययं मंत्रः दैव्यावध्वर्यूरागतꣳर थेनसूर्यत्वचा मद्धायज्ञꣳ समंजाथेतंप्रतनथा यवेन श्चित्रंदेवानाम् इतिजपपूजाहोममंत्रः पद्मास्थितहैमीप्रतिमाकर्पूरकुंकुमगंधोरक्तोत्पलपुष्पंघृतगुग्गुलधूपः पायसंनैवेद्यंघृतान्नंहोमद्रव्यंशाल्यन्नेनबलिंहरेत् अन्यमते उत्तरफाल्गुण्यां दारुणोज्वरोगृहदेवालयात्भयं लोहिताक्षृष्णाजिव्हाहृदयंभज्यतेहृच्छूलंपिष्टेनस्त्रीानूपकंवासिंहरूपंकृत्वा अन्नैः पुटकंपूरयित्वा निशाकालेबलिंदद्यात् स्कन्दंयत्नंकपिलांचयजेत् जलस्थानेदेवींमहेश्वरींचयजेत् रोगमुक्तस्नानं श्रवणरोहिणीपुष्यपुनर्वसुषुग्रहशांतिंकुर्यात् मतांतरेच उत्तरायांदशरात्रंतत्ररक्तोत्पलपुष्पंगुग्गुलुर्धूपंघृतक्षीरोपहारैरर्यमाणंसंपूज्यसक्तुंप्रियंगुंजुहुयात् पादेष्वहानि॥ ७॥ १५॥ १६॥ २८॥ गोदानंकार्यं इतिउत्तराफाल्गुनीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथहस्तनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

सर्वांगवेदनंहस्तेउरशूलंचदारुणं दह्यंतेसर्वगात्राणिप्रास्विद्यन्तेह्यनारतं॥ १ ॥ पंचदश॥ १५॥ तथासप्त ७ तिथि १५ वाणः ५ दिनानिच सवितातस्यदेवस्तुविभ्राड्इतिचमंत्रातः शतानिपंचत.जप्यं ५०० दधिसर्पिश्चहोमयेत् हिरण्यंवस्त्रदानंचधेनुंदद्यात्पयस्विनीं अन्यमते मंत्रः विभ्राड्बृहत्पिबतुसोम्यम्मद्वायुर्दधद्यज्ञपतावविव्हुतम् वातजूतोयोऽअभिरक्षतितमनाप्रजाःपुपोषपुरुधाविराजति इतिहोमजपपूजामंत्रः हैमीप्रतिमारक्तगंधकुंकुमंचराजीवसंज्ञकंपुष्पंगुग्गुलुधूपः घृतपायसंनैवेद्यंमधुपुष्पंतिला ज्यान्नंदूर्वाभिःसहितंहोमद्रव्यं गुडशर्करामध्वाज्यपिष्टान्नेनबलिंहरेत् अन्यमते हस्तेदारुणोव्याधिः अतिप्रलापः अतिसारग्रंथिःहृदयंभिद्यते नेत्रबंधःचंद्रागमेसप्ताहं क्षेत्रेशदोषः यवपिष्टेनस्त्रीकार्यापूतनारूपापुटकेधूपंदद्याद्बलिंहरेत् चतुष्पथे गत्वाविनायकस्कंधौपूजयेत् रोगमुक्तस्नानं धनिष्ठाश्विनीचित्रासुज्येष्ठायांचस्नात्वागोक्षीरतिलसर्पिर्जुहुयात् जलपूर्णंघटंसप्तान्नेनपूरयेत् चतुष्पथेवृक्षेवाबलिंदद्यात् त्रिभिर्दिनैः मतांतरेच हस्तेपक्षपर्यंतंतत्ररक्त करवीरपुष्पमल्लिकाधूपपुष्पोपहारैः उदुत्यमितिसवितारंसंपूज्य दधिजुहुयात् पादेष्वहानि॥ १५॥ १६॥ १४॥ २६॥ इतिहस्तनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

॥ अथचित्रानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

चित्रायांव्याधिरुत्पन्नोदारुणंकष्टमेवच रुद्रो ११ नंदो ६ वसु ८ श्चैवषोड १६ शैवादिनानिचत्वष्टा तत्राधिदैवत्वंत्वष्टातुरीयेतिमंत्रकंजाप्यंपंचशतं॥ ५००॥ कुर्यात्तिलतंडुलहोमतः विचित्रंवृषभंदद्याद्गुडान्नंतुतिलानपि अन्यमतेमंत्रः त्वष्टातुरीयोऽअद्भुतऽइंद्राग्नीपुष्टिवर्धनः द्विपदाच्छंदऽइंद्रियमुक्षागौर्नवयोदधुः इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमाकुंकुमागुरुगंधः घृतधूपः सुगंधपुष्पंगुग्गुलुर्धूपः मोदकान्नाज्यं नैवेद्यं चित्रान्नंसघृतंहोमद्रव्यं तदन्नेनबलिंहरेत् अन्यमते चित्रायांचंद्रागमेदारुणोव्याधिः पार्श्वास्थिर्भिद्यते त्रयोमासाःचेष्टतेवमतेश्रोत्रेग्रीवायांचबाधाः ऊर्ध्वदृष्टिःडाकिनीदोषः पिशाचस्यरूपंकृत्वागंधपुष्पैरर्चयेत् पुटकंपूपकान्नैःपूरयेत् मद्यैर्मांसैश्चलेपिकैःकुवेरंपूजयेत् मतांतरेच चित्रायामेकादशाहं तत्रजपापुष्पपद्मकधूपमोदकोपहारैस्त्वष्टारंपूजयेत् चित्रोदनंजुहुयात् पादेष्वहानि॥ ११॥ २६॥ १८॥ १६॥ आमान्नदानं इतिचित्रानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथस्वातीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

स्वात्यामुत्पद्यतेव्याधिर्बहुधारोगभसंवः ग्रहहोमंतथाजाप्यंपीवो ऽअन्नारमंत्रकं खंच ० सप्तदश १७त्रिंश ३० दपरंचदिनानिवै जप्यंपंचसहस्रंच ५००० तिलाज्ययवहोमतः पीवोअन्नेतिमंत्रेणवायुस्तत्राधिदेवता आरक्तवर्णांगांदद्यात्सुवर्णंचयथाविधि अन्यमते मंत्रः पीवो ऽअन्नारायिवृधः सुमेधाः श्वेतः सिषक्तिनियुतामभिश्रीः तेवायवेसुमनसोवितस्थुर्विश्वेन्नरः सपत्यानिचक्रुः इतिजपपूजाहोममंत्रः स्वात्यर्क्षे एकद्वित्रिश्चतुष्पंचमासैर्विमुच्यते हैमीवाराजतीप्रतिमाअगुरुगंधोमदनकंपुष्पंगुग्गुलुर्घृतधूपंपायसंनैवेद्यंपायसाज्यंहोमद्रव्यंतेनबलिंहरेत् अन्यमते स्वातौदारुणोव्याधिः तीव्रज्वरः श्लेष्मजंकटिशूलं चंद्रागमेसप्तादिनानिवीरस्थानदोषः चत्वरेपत्तनेमाषपिष्टेनपशुंकृत्वापंचान्नंचकृत्वाचतुष्पथेदद्यात् अंगंभूमौनिपतति कुक्षौदाहश्चयदिदृश्यतेतत्राचबलिमन्यंचकुर्यात् पिष्टमेषंकृत्वा एकविंशत्यपूपान् मद्यमांससहितान् पुटकेपूरयेत् निशाकालेबलिंहरेत् एकवृक्षेश्मशानेअर्घपुष्पादिकैर्भूतयागंकुर्यात् ततः शांतिः रोगमुक्तस्नानं अश्विन्यांपुष्येच मतांतरे स्वातौमृत्युः दमनकपुष्पनखधूपदध्योदनंपादेष्वहानि १।१५। ३८।१८। रौप्यतण्डुलदानं ॥ इतिस्वातीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

॥ अथविशाखानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

विशाखायांकुक्षिशूलंसर्वगात्रप्रपीडनं तिथि १५ खंवेद ४० वन्हींदु १३ रुद्रा ११ श्चैवदिनानिच इंद्राग्नीदेवतातत्रइंद्राग्नीतिचमत्रकं द्विसहस्रैकृतेजाप्येदध्योदनादिहोमतः रक्तंपीतंचवस्त्रंयत्कृष्णांदद्यातुगोपतिं विशाखासंभवोरोगस्तत्क्षणादेवनश्यति मंत्रः इन्द्राग्नी ऽआगतꣳसुतंगीर्भिर्नभोवरेण्यम् अस्यपान्धियेषिता इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमाश्रीखंडकुंकुमगंधः कमलपुष्पंदेवदारुधूपंघृतपायसंनैवेद्यं पायसान्नंहोमद्रव्यंचित्रान्नेनबलिंहरेत् अन्यमते विशाखायां वक्रांविस्तृतेदारुणंदंतजिव्हादिशूलंश्लेष्मवेष्टनकर्णेवादित्रघोषः घूर्णतेश्चरूपायबलिंदद्यात् दिशः सप्तान्नैस्तिलैरक्षौटैर्यवैः पूजयेत् मांसैः पायसैरुद्रशांतिः गोदानंनिशाकालेबलिदानं मतांतरे विशाखायांपंचदशरात्रंकृष्णतुलसीदेवदारुधूपगुडकोपहारैः बलिदानंपूजयेत् पादेष्वहानि ।१५।३८।१६। श्वेतमेषदानं इतिविशाखानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथअनुराधानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

रोगोत्पत्त्यनुराधायांज्वरंतीव्रंमहाभयं षष्टि ६० द्वादश १२ षट्त्रिंश ३६ स्तथात्रिंश ३० दिनानिच मैत्रोपिदेवतातस्यमित्रावरुणश्चमंत्रतः जप्यंसहस्रमेकंचयवाज्यैर्होमएवच अन्नंहिरण्यगोदानंछायादानं तथैवच तस्यानुष्ठानमात्रेणरोगनाशश्चजायते मंत्रः नमोमित्रस्यवरुणस्यचक्षसेमहोदेवायतदृतꣳसपर्य्यत दूरेदृशेदेवजातायकेतवेदिवस्पुत्रायसूर्य्यायशꣳसत इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीवाराजतीप्रतिमा कमलपुष्पंचंदनगंधः कुंकुमचन्दनधूपंपायसंनैवेद्यंपायसाज्यंहोमद्रव्यं मधुशर्करापायसंघृतपूरितमाषान्नंमुद्गैश्च संयुतंसूरणकन्दंबलिंहरेत् अन्यमते गुदंमेढ्रंभिद्यते पैत्तिकोव्याधिः नेत्रस्रावः गात्रदाहोभूतदोषः

सप्तमेन्हिचपन्चान्तेप्रचुरज्वराःभूतयागंसम्ग्रहंकुर्यात् पायसेनघृतेनच सूर्यादीन्यजेत् वैश्रवणंदेवंचपितृ-पिंडंचदापयेत् कुवेरस्यसप्तान्नसहितंदानंदद्यात् ततःस्नातव्यं मतांतरे पैष्टंमृगंकृत्वाकुलत्थान्नंमुखे-देयंविसर्जयेत् चरणेषुगोदानं । १० । १ । ११ । १८ । इतिअनुराधानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

॥ अथज्येष्टानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः १८ ॥

ज्येष्टायांचभवेत्पीडापित्तरोगश्चजायते क्रंदतेव्याधितःसोपिआकुलोव्याकुलोनरः नव ९ पंच ५ त्रिबाणं च ५३ ततोरसवेद ४६ पदक्रमात् इन्द्रोपिदेवतातस्यसइषुहस्तैःसमन्त्रकं त्रिसहस्त्रकृतेजाप्येतिलतंडुलहोमतः तिलावस्त्रंहिरण्यंचदानंक्लेशस्यनाशनम् मंत्रः सइषुहस्तैःसनिषंगिभिर्वशीसंस्रष्टासयुधइन्द्रोगणेन संसृष्टजित्सौमपाबाहुःशर्द्ध्युग्रधन्वाप्रतिहिताभिरस्ताः इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमाचंदनकुंकुमगंधःकर्पूरधूपंचित्रान्नंनैवेद्यंसूरणकन्दंमधुपायसंहोमद्रव्यंविचित्रगधंपुष्पेनदध्यान्नेनबलिंहरेत् अन्यमते ज्येष्टायांगुदाबाहूचभिद्यते पित्तकोपदाहः चन्द्रागमेपक्षं द्विपक्षंमध्ये अन्तेत्रयः पक्षाः पथिकादावेशभयंभवेत् पिष्टेनगजंकृत्वाघटियंत्रंकृत्वाचतुष्पथेस्थापयेत् पुटकमन्नैः पूरयित्वानिशायामेकवृक्षेबलिंहरेत् इष्टदेवतायजेत् मद्यैर्मांसैःसमत्स्यैः नैवेद्यैः शिवपूजांचकारयेत् मतांतरे पादेष्वहानि । १ । १४ । ३८ । २७ । तिलतैलदानं इतिज्येष्टानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

॥ अथमूलानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

मूलरोगेमहत्कष्टंमहाक्लेशःप्रजायते उदरेशूलपीडास्यात्सन्निपातोमहाभयं व्याधितोजीवितःसोपि कष्टंप्राप्नोतिवैध्रुवं शून्यं ० नंद ९ तिथि १५ रुद्रः ११ दिनानिचरणक्रमात् निर्ऋतोदेवतातस्यमातेवपुत्रमंत्रतः जपेत्पंचसहस्त्रंचकन्दमूलानिहोमयेत् कृष्णागोस्तत्रदातव्यासप्तधान्यंसुवर्णकं छायादानंप्रदातव्यंस्वर्णवस्त्रंविशेषतः मंत्रः मातेवपुत्रंपृथिवीपुरीष्यमग्निंस्वेयोनाचभारुषा तांविश्वैर्देवैर्ऋतुभिःसंविदानः प्रजापतिर्विश्वकर्माविमुञ्चतु इतिजपपूजाहोममंत्रः सीसकप्रतिमाकृष्णागुरुगन्धःपद्मनीलोत्पलंपुष्पंकृष्णागुरु धूपः माषमिष्टान्नंनैवेद्यंमाषामिष्टान्नमेवहोमद्रव्यंमाषान्नेनबलिंहरेत् अन्यमते मूलायांस्त्रीदोषोदेवदोषश्चमूर्ध्निपादयोश्चदाहः अतीसारश्चवाश्लेष्मरोगः कंठशोषःवेपथुश्चंद्रागमेपक्षः अंतेपंचपक्षः धनुर्हस्ताभिःपंचाभिःत्रीभिःसप्तान्नैःकुम्भंपूरयेत् समर्च्यनद्यांक्षिपेत् अग्नौतण्डुलघृतयवहोमः मातृकायजनंभूतबलिंदद्यात् रोगमुक्तः धनिष्ठोरवतीरोहिणीहस्तेषुस्नानंकुर्यात् दानंदद्यात् मतांतरे पादेष्वहानि १ १ ६ ११ माषान्नदानंब्राह्मणभोजनंच इतिमूलानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथपूर्वाषाढानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

पूर्वाषाढेतुरोगाच्चनानाव्याधिप्रपीडनं शिरोरोगंमहारोगंकम्पतेक्रन्दतेनरः शून्यं ० पञ्चदशं १५ चैवचतुर्विंशं २४ तथांवरं० आपोवैदेवतातस्यआपोस्मानितिमंत्रकं द्विसहस्त्रकृतेजप्येतिलतण्डुलहोमतः वस्त्रंतण्डुलंगोदानंघटंचसहिरण्यकं मंत्रः आपोअस्मान्मातरःसूदयन्तुघृतेनमाघृतपुःपुनन्तु विश्वंहिरिप्रंप्रवहन्तिदेवीरुदिदाभ्यःशुचिरापूतएमि इतिजपपूजाहोममंत्रः चन्दनगन्धःकमलपुष्पंशैलेयधूपः

घृतपायसंनैवेद्यंमसूरपिष्टमन्नंचहोमद्रव्यंतदन्नेनबलिंहरेत् अन्यमते पूर्वाषाढायांहृदिक्लेशः श्वासःसन्निपातःनासिकाधमतेऽङ्गमूलेदुर्गंधिःचक्रदोषः रविंपूजयेत् कुंभंपूरयेत् यागाग्रेचंडिकांदेवींयजेत् राक्षसींचयजेत् महादेवंचयजेत् गोदानंदद्यात् रोगमुक्तस्नानं रेवत्यऽश्विनीचित्रामूलेषुपादेष्वहानि ॥ १०॥१५॥७॥१८॥ मुक्तादानं इतिपूर्वाषाढानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथउत्तराषाढानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

उत्तराषाढकेरोगेकाटिपीडाचदारुणा प्रलापंविक्रमंचैवोदरशूलंतथैवच त्रिंशद्दिनान्यथोविंशत्षड्विंश २६ त्षोडश १६ तथाविश्वेदेवादेवताचविश्वेअग्र्यसमंत्रकं जाप्पमेकसहस्रंतुतिलाज्ययवहोमतः ब्राह्मणान्भोजयेद्दानंहिरण्यमपिचांबरं मंत्रः विश्वेअग्र्यमरुतोविश्वऽऊतीविश्वेभवन्त्वग्नयःसमिद्धाः विश्वेनोदेवाऽअवसागमन्तुविश्वमस्तुद्रविणंवाजोऽअस्मे इतिजपपूजाहोममंत्रःहैमीवाराजतीप्रतिमाचंदनगंधः कमलपुष्पंसघृतगुग्गुलुधूपंपायसाज्यान्नंनैवेद्यंपायसाज्यान्नंहोमद्रव्यंतदन्नेनबलिंहरेत् अन्यमते उत्तराषाढायांत्रासः शिरःशूलंमकररूपंकुर्यात् तिलोदनंदद्यात् पथियागोजनद्दाष्टिंबलिंहरेत्भूताष्टकयुक्तमहादेवपूजाषोडशान्नपकान्नमोदकापूपकैःसहग्रहशांतिंकुर्यात् द्विजान्देवांश्चतर्पयेत् कुमारीतर्पणं खेचरीपूजनं एतेषांचबलिंदद्यात् पादेष्वहानि ॥ ३० ॥ २७ ॥ २८ ॥ २७ ॥ गोदानं इतिउत्तरषाढानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथश्रवणनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

श्रवणेश्रुतिरोगश्चवातपित्तसमुद्भवःविह्वलंचातिसारश्चगात्रेषुपरिपीडनंषष्टि ६० श्चैवचतुर्विंश २४ त्षष्टा ६ ष्टानि ८ दिनानिच गोविंदोदेवतातस्यइदंविष्णुसमंत्रकंजपायुतंप्रकुर्वीततिलाज्ययवहोमतःगोदानंस्वर्णदानंचब्राह्मणान्भोजयेत्ततः अन्यमतेमंत्रः इदंविष्णुर्विचक्रमेत्रेधानिदधेपदंसमूढमस्यपाꣳसुरेस्वाहा इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमाचंदनगंधःमालतीपुष्पंकर्पूरगुग्गुलधूपः शाल्यन्नंखंडरसोपेतंभक्ष्यभोज्यादिभिःसहनैवेद्यंपायसेनबलिंहरेत् अन्यमते श्रवणेभूतदोषःआदौसप्ताहःमध्येदशअंतेषोडश १६ इच्छाव्याधिस्तुवैष्णवी कष्टवातंपार्श्वेशूलंअतीसारश्च ज्वरोघोरःमूर्ध्निपादयोर्दाहःवैष्णवीशांतिःकार्यापिष्टमयंपशुंकुर्यात् कुंभंसप्तान्नैर्मघमांसतिलैःसहपूजयेत्चत्वरेबलिंदद्यात् पादेष्वहानि ११ ३६ ३४.२६ ब्राह्मणभोजनदानं इतिश्रवणनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथधनिष्ठानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

धनिष्ठायांभवेत्पीडामूत्रकृच्छ्रेणपीडितः ज्वररक्तातिसारैश्चक्रंदतेचमुहुर्मुहुः तिथियुग्मरदाश्चैवएकविंशत्तथैवच १५ २ ३२ २१ वसवोदेवतातस्यवसोःपवित्रमंत्रकंजाप्यायुतंप्रकुर्वीतछत्रोपानहौप्रदापयेत्योगिन्यःपूजनीयाश्चगोदानंसहिरण्यकं अन्यमतेमंत्रःवसोपवित्रमसिशतधारंवसोःपवित्रमसिसहस्रधारम् देवस्त्वासवितापुनातुवसोःपवित्रेणशतधारेणसुप्वाकामधुक्षःइतिजपपूजाहोममंत्रःराजतीप्रतिमाकर्पूरचंदनगंधःकमलपुष्पंगुग्गलधूपःघृतपायसंनैवेद्यंउदुंबरसमिधःअगुरुपायसाज्यसंयुक्तंहोमद्रव्यं-

लड्डुकापूपमध्वाज्यतिलपिष्टबलिंहरेत्अन्यमते धनिष्ठायांव्याधिजोभः कुरुतेकुलदोषःनेत्रदाहःदारुणज्वरःआदौविंशाहंमध्येमासद्वयंसूकररूपंकृत्वाजलपूरितोघटःक्षीरसिद्धान्नदध्यन्नेनपुटकंपूरयेत् एकाकीबलिपूर्वकंऊषाकालेपरीक्षेत् आरोग्यंपूर्वतोभुंक्तेदक्षिणेमृत्युमाप्नुयात् कालस्यास्तिःपश्चिमायामुत्तरेरोगहीनता पादेष्वहानि १५।२५।३८।२७। जपश्चकुलदेवत्वंगृहे पंचान्नदेवता नवग्रहशांतिंकुर्यात् इतिधनिष्ठानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथशतभिषानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

शतभिषायांभवेत्पीडापवनोव्याप्यतेध्रुवं शरीरेक्लेशमाप्नोतिशीतांगंतत्रदारुणं शून्य ० वेदा ४ नृपतयो १६ द्वात्रिंशति ३२ दिनानिच वरुणोदेवतातस्यवरुणस्योत्तंभनंमनुःजाप्यायुतंप्रकुर्वीत आज्यदध्योदनाहुतिः सहिरण्यंकुंभदानंतिलपिष्टंप्रदापयेत् अजादानंगोप्रदानंदत्वाचान्नंसुखीभवेत् शतभिषोद्भवरोगस्यतत्क्षणादेवनाशनं मंत्रः वरुणस्योत्तम्भनमसिवरुणस्यस्कम्भसर्जनीस्थोवरुणस्यऋतसदनमसिवरुणस्यऽऋतसदनमासीद इतिजपपूजाहोममंत्राःराजतीप्रतिमाअगुरुगंधःकमलोत्पलंपुष्पंकपूरचंदनंधूपंघृतपोलिकानैवेद्यं अश्वत्थसमिधाघृतपोलिकाहोमद्रव्यांचित्रान्नेनबलिंहरेत् अन्यमते शतभिषायांश्लेष्माधिकपीडाशरीरंकंपतेभुक्तभुक्तेनक्षत्रेषोडशदिवसास्तिलमिश्रपायसेनाष्टांगतर्पणंदाधिभक्तेनकुमारीपूजनंद्वितीयदिनेपंचब्राह्मणान्भोजयेत् अन्नैःसुरामिश्रैर्यवैस्तिलैःपुटकंपूरयेत् नद्यांदीपश्चदद्यात्उषःकालेबलिंहरेत् वरुणंविष्णुंचपूजयेत् पुनर्व्याधिर्नस्यात् लक्ष्मीःप्रवर्धते पादेष्वहानि १८।२७।१८।२०। वृषभदानं इतिशतभिषानक्षत्रनिदानपूजोक्रमः

॥ अथपूर्वाभाद्रपदानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

पूर्वाभाद्रपदेरोगंसर्वगात्रनिपीडनं छर्दिरोगकृतंदोषंत्रिदोषंजायतेऽथवा शून्यं ० द्वादश १२ संख्यानिएकविंश २१ नवै ६ वचअजैकपाद्देवतास्यउतनोहिश्चमंत्रकं जाप्यंपश्चसहस्रंचक्षीराज्यशर्कराहुतिः श्वेतवस्त्रंसुवर्णंचरुक्मकांचनदानतः अजैकपाद्दोषरोगस्तत्क्षणादेवनश्यति मंत्रः उत्तनोहिर्बुध्न्यःशृणोत्वजएकपात्पृथिवीसमुद्रः विश्वेदेवाऽऋतावृधोहुवानास्तुतामंत्रः कविशस्ताऽअवन्तु इतिजपपूजाहोममंत्रः अन्यमतेहैमीप्रतिमाकुंकुमचंदनगंधः श्वेतार्कसंभवंपुष्पंशतौषधीमिश्रितधूपंदधिपायसंनैवेद्यंपायसकूष्मांडहोमद्रव्यं कूष्मांडदध्यान्नेनबलिंहरेत् अन्यमते पूर्वाभाद्रपदायां ब्राह्मदोषःअष्टादशदिनानिचंद्रागमेमध्येद्वादशअंते अष्टाविंशतिदिनानिपंचकुंभःश्मशानेचत्वरेवाबलिंदद्यात् तत्रवटुकंपूजयेत् तैलपूर्णंकटाहंकुर्यात् आतुरोहामितिकटाहंलंघयेत् घटिकांचएनंक्षिपेत पुष्पेश्विन्यांमघायांविशाखायांस्नानंकुर्य्यात् पुनर्व्याधिंनपश्यतिसुवर्णदानं पादेष्वहानि १०१५ १७ १४ इतिपूर्वाभाद्रपदानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथउत्तराभाद्रपदानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

उत्तराभाद्रभेरोगःकामलापित्तसंभवःज्वरातिसारःशूलानिव्रणपीडाभ्रमानिच सूर्याः १२ षोडश १६ नंदाश्च ९ तथाष्टादश १८ चक्रमात् अहिर्बुध्न्योदेवतातस्याशिवोनामासिमंत्रतःअयुतंचकृतंजाप्पंतिलाज्य-

यवहोमतः रुक्मंचतिलदानानिकृष्णवस्त्रंहिरण्यकं मंत्रः शिवोनामासिस्वधितिस्तेपितानमस्तेऽअस्तुमामाहिᳬंसीः निवर्तयाम्म्यायुषेन्नाद्यायप्प्रजननायरायस्पोषायसुवीर्य्याय इतिजपपूजाहोममंत्रः अन्यमते राजतीप्रतिमाचंदनकर्पूरगंधः पद्मोत्पलसाबिल्वपुष्पंगुग्गुलधूपः घृतपायसंनैवेद्यं मुद्गमाषतिलाज्ययवव्रीहिहोमद्रव्यंतदन्नेनवलिंहरेत् अन्यमते उत्तराभाद्रपदायांपादपीडा उदरपीडाआगमेपञ्चेनप्राप्तौमासेनविमुच्यते अष्टाविंशतिदिनानियत्नदोषः पंथानदोषः पिष्टमत्स्यंकृत्वा मातृवलिः द्वितीयदिनेस्थालीपाकंजलेक्षिपेत् मांसंगुडंपायसंचपूजयेत् मातृमण्डलं रोगमुक्तिस्नानं आर्द्राज्येष्ठाहस्तासु पादेष्वहानि ७ १३ १ १८ आमान्नदानं इतिउत्तराभाद्रपदानक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथरेवतीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः ॥

रेवत्यांसंभवोरोगोवातपित्तप्रकोपतः पित्तश्रमोभवेत्तस्य उरःशूलंतथानृणां शून्यं० दिक १० शून्य० संख्याचचरणेविंशतिः २० क्रमातृपौष्णेपिदेवतातस्यपूषन्तवव्रतमंत्रकं जाप्पमेकसहस्रंचतिलतंडुलहोमतः फलानिदिव्यवस्त्राणिरुक्मंचवृषभंददेत् मंत्रः पूषन्तवव्व्रतेव्वयन्नरिष्येमकदाचन स्तोतारस्तऽइहस्म्मसि इतिजपपूजाहोममंत्रः हैमीप्रतिमारक्तचंदनगंधः मंदारपुष्पंघृतगुग्गुलधूपः घृतपायसंनैवेद्यं तदेवसकलंहोमद्रव्यंदध्यन्नेनवलिंहरेत् अन्यमते रेवत्यांमहाघोरोज्वरःपथिकलक्षणं आगमेत्रयोदशदिनानि अंतेचाष्टौमुच्यमानेषोडश पादशिरः शूलंवेपथुः पिष्टमत्स्यान्नंक्षीरयुक्तंतिलामूर्ध्निप्रदातव्याः पुष्पाणिविविधानिच अश्विनीपुष्पशक्रानुराधाविशाखासुस्नानंकार्यंशुभंभवेत् पादेष्वहानि १२ १८ २० १४ इतिरेवतीनक्षत्रनिदानपूजोपक्रमः

॥ अथवलिदानमंत्रः ॥

भूतेशत्वङ्गृतोयस्माद्रोगनाथोमहाज्वरः रोगादस्माच्चमांत्राहित्वंगृहीत्वोत्तमांवलिं अथमृत्युयोगनिर्णयः जन्मर्क्षधिष्ण्यनक्षत्रेराशिलग्नेषु यमघंटप्रत्यरिनैधनतारकेऽष्टमचंद्रेचरोगोत्पत्तौमृत्युः रविमघाद्वादशीनां बुधोत्तराषाढातृतीयानां गुरुशतभिषक्षष्ठीनां शुक्राष्टमीअश्विनीनां शनिपूर्वाषाढानवमीनांचयोगेमृत्युः भरण्यऽनुराधावाचंद्रार्कयोः आर्द्रोत्तराषाढावासोमे मघाशतभिषक्वाभौमे अश्विनीविशाखाबुधे ज्येष्ठामृगशिरोवागुरौ श्रवणअश्लेषावाभृगौपूर्वाभाद्रपदाहस्तेवाशनौचमृत्युयोगः अतोऽत्रोक्तास्तिथिवारर्क्षशांतयोविस्तृताय.

॥ अथतिथिवारर्क्षेषुसाधारणप्रयोगः ॥

मासपक्षाद्युलिख्यममेत्यस्याव्याधेर्जीवशरीराविरोधेन समूलनाशार्थममुकनक्षत्रामुकदेवता मंत्रस्य जपं करिष्ये इतिसंकल्प्य अष्टशताष्टसहस्रायुतान्यतमसंख्यावक्ष्यमाणतत्तद्देवतामंत्रस्य जपं कृत्वा अन्येन वाकारयित्वामासपक्षाद्युलिख्यममोत्पन्नव्याधेर्जीवशरीराविरोधेन समूलनिवृत्तयेऽमुकशांतिंकरिष्ये इतिसंकल्पः गणेशादिपूजनं आचार्यपूजनंचकृत्वा ततआचार्येणभूमौतंडुलैश्चतु-

रस्त्रंमंडलंकृत्वा तत्रहैमींतत्तन्नक्षत्रदेवतांवस्त्रद्वयपरिवृतांवक्ष्यमाणतत्तद्गंधधूपादिभिर्धूपयेत् तदीशान्यांधान्येकुंभंसंस्थाप्यजलमापूर्य्यगंधसर्वौषधिदूर्वापल्लवपंचत्वक्सप्तमृत्फलंपंचरत्नं पंचगव्यहिरण्यानितत्तन्मंत्रैःक्षिप्त्वावस्त्रद्वयेनावेष्टयसर्वेसमुद्राइतितीर्थान्यावाह्यतंत्वायामीतितत्रवरुणमावाह्यसंपूज्याग्निंग्रहांश्चप्रतिष्ठाप्याज्यभागांतेतत्तन्नक्षत्रदेवतामंत्रेणतत्तद्द्रव्येणचाष्टोत्तराष्टसहस्रशतायष्टाविंशत्यन्यतमसंख्ययाहोमंकृत्वाशांतिकलशेनयजमानाभिषेकेविहितोक्तप्रतिमां रोगीब्राह्मणायदद्यात् उक्तगंधाभावेचंदनं पुष्पाभावेशतपत्रं धूपाभावेगुग्गुलुः नैवेद्याभावेघृतोदनं होमद्रव्याभावेतिलाः मंत्राविज्ञाने गायत्री अष्टोत्तरसहस्रंमृत्युनिर्देशेअष्टोत्तरशतमन्यद्वाजुहुयात् ततःकुशोदकेनवरुणसूक्तैः पुराणमंत्रैश्चाभिषेकंकुर्यात् पूर्णाहुतिं वसोर्धारांचहुत्वाशांतिपाठंकृत्वा आशिषंदद्यात् अतःसर्वशांतिर्भवति तत आचार्याय सुवर्णप्रतिमांवस्त्रयुग्मेनवेष्ठितांसवत्सांगांसालंकारांदद्यात् इतरेभ्योपिदक्षिणांदद्यात् ब्राह्मणांश्चभोजयेत् इतिरोगोत्पत्तिशांतिप्रयोगः इतिकष्टावलीसमाप्ता

॥ अथवारनक्षत्र ॥

—:[❋×+×❋]:—

संयोगकष्टनिर्णयसंख्यावलिपूजाविधानंलिख्यते अश्विनीनक्षत्रे रवि. शनिवारे क्लेशिनः पीड्यंते रविशनिवारेदिन १२ अन्यवारेदिन ६ प्रथमपादेअहोरात्रं द्वितीयेदिन १० तृतीयेपादेदिन १८ चतुर्थपादेदिन ६ अश्विनौदेवते माषसंख्यकौ हिरण्मयौकारयेत् नीलोत्पलपुष्पं भूतकेशीधूपः मोदकोपहारैर्नैवेद्यं सिततंडुलपिष्टेनअश्वंकृत्वा श्वेतपुष्पंमुखेदेयं मधुसर्पिषीचमुखेदत्त्वा ओंस्वाहा अश्विनातेजसाइतिपूजामंत्रः अश्वत्थसमिधाहोमः अष्टोत्तरशतगायत्रीमंत्रेण अपामार्गमूलंकरेबद्ध्वास्वर्णदानं पिष्टस्यगंधर्वमूर्तिंकृत्वा क्लेशंनाशयति.

॥ अथभरणीनक्षत्रे ॥

———+———

सोमबुधशनिवारे महताकष्टेनजीवति अन्यवारेनजीवति यमोदेवता माषसंख्यकांहिरण्मयमूर्तिंकृत्वा कृष्णतुलसीपुष्पं गजदंतधूपः गुडकंनैवेद्यं पिष्टस्यमहिषंकृत्वा गुडमधुघृतरजतंमुखेदेयम् ओंस्वाहा यमायत्वेतिपूजामंत्रः तिलाक्षतमधुघृतहोमः अष्टोत्तरशतगायत्रीमंत्रेण अगस्त्यमूलंकरेबद्ध्वा महिषदानं पिष्टस्यमहिषमूर्तिंकृत्वा क्लेशंनाशयति.

॥ अथकृत्तिकानक्षत्रमाह ॥

———×———

गुरुवारेदिन ६० अन्यवारे ६ अग्निर्देवता माषसंख्यकहिरण्मयीं अग्निमूर्तिंकृत्वा यूथिकापुष्पं सर्जरसघृतधूपः घृतोदनंनैवेद्यं दधियुक्तं मुखेदेयं ओंस्वाहा अग्निर्दूतमितिमंत्रेण संपूज्य घृतहोमः अष्टोत्तरशतसंख्यकगायत्रीमंत्रेण कार्पासमूलंकरेबद्ध्वा शुक्लवस्त्रदानं पिष्टस्यछागमूर्तिं कृत्वासुगंधिपुष्पं मुखेदत्वा क्लेशंनाशयति.

॥ अथरोहिणीनक्षत्रमाह ॥

सूर्यबुध शनिवारे दिन१०अन्यवारे दिन ३ प्रजापतिर्देवता माषसंख्यकहिरण्मयंकृत्वा कुंकुमकदंबपुष्पं सर्षपधूपः घृतक्षीरोदनं नैवेद्यं घृतमधुमुखेदेयं हिरण्यगर्भ इतिमन्त्रेणसंपूज्य आमल्यासमिद्धोमः अष्टोत्तरशतगायत्र्या हिरण्यदानं सप्तव्रीहिमिश्रपिष्टस्य श्वानमूर्तिकारयेत् व्रीहिमधुमुखेदेयं रोगंनाशयति

॥अथमृगशिरानक्षत्रमाह॥

सोमगुरुवासरे दिन ११ अन्यवारे दिन ७ सोमोदेवता रजतमयंसोमंकृत्वा कुमुदपुष्पंदशांगधूपः पायसं नैवेद्यं सघृतंदुग्धंमुखेदेयं हरिणमांसंवा ओंस्वाहा इमंदेवा इतिमंत्रेण १०८ जयन्तीमूलंकरेबद्धागोवत्सदानं हिरण्यंवा पिष्टेनश्वानमूर्तिं अथवासृगालमूर्त्तिंकृत्वा दधिभक्तंमुखेदेयं रोगंनाशयति

॥ अथआर्द्रानक्षत्रमाह ॥

भौमशुक्रवारे संदेहेनजीवति अन्यबारेदिन ७ रुद्रोदेवता हिरण्मयंकृत्वा कनकपुष्पं अगरधूपः पायसं नैवेद्यं समांसंमुखेदत्वा ओंस्वाहा नमःशंभवायेतिमंत्रेणसंपूज्य घृताक्तमधुहोमः अश्वगंधामूलंकरेबद्धा अजादानं पिष्टेनश्वानंकृत्वा माषमुद्गंमुखेदेयंरोगंनाशयति. ६

॥ अथपुनर्वसुनक्षत्रमाह ॥

सोमवारेदिन ५ अन्यवारेदिन ७ अदितिर्देवता हिरण्मयंकृत्वाबिल्वपुष्पं चंदनधूपः गुडनैवेद्यं ओंस्वाहा अदितीतिमंत्रेणसंपूज्य घृतमधु तंडुलहोमः गायत्र्याःजप १०८ अर्कमूलंकरेबद्धा धेनुदानं पिष्टस्यमार्जारींकृत्वा मधुमुखेदेयं मार्जारींजलेनिक्षिप्य ततःश्रेयोभवति ७

॥ अथतिष्यनक्षत्रमाह ॥

बुधवारेदिन ७ अन्यवारेदिन ११ बृहस्पतिर्देवता हिरण्मयंगुरुंकृत्वा मरुबकपुष्पं खादिरधूपः खंडवर्तिकानैवेद्यं सघृतंमुखेदेयं ओंस्वाहा बृहस्पतेरितिमंत्रेणसंपूज्य पायसघृतहोमः गायत्र्या १०८ जपः मंदारमूलंकरेबद्धा अश्वदानं धेनुदानंवापिष्टकस्यकाकमूर्तिंकारयेत् दधिभक्तंमुखेदेयं रोगंनाशयति

॥ अथाश्लेषानक्षत्रमाह ॥

सोमशुक्रवारेनजीवति अन्यवारेदिन११सर्पोदेवता माषामितहिरण्मयंकृत्वा अगस्त्यपुष्पं घृतगुडधूपः घृतोदनंनैवेद्यं मधुक्षीरयुतंनैवेद्यं मुखेदेयं ओंनमोस्तुसर्पेभ्यइतिमंत्रेणसंपूज्य वटपत्रघृतधान्यहोमः गायत्र्या१०८जपः पटोलमूलंकरेबद्धारक्तवस्त्रदानं पिष्टस्यवाराहंवामार्जारंकृत्वा घृतंमुखेदेयं रोगंनाशयति

॥ अथमघानक्षत्रमाह ॥

आदित्यशनिवारे दिन ९ अन्यवारेनजीवति पितरोदेवता हिरण्मयीपितृमूर्तिंकृत्वा चंपकपुष्पं गुग्गुलुधूर्पः घृतपक्वान्ननैवेद्यं दधिभक्तंमुखेदेयं मधुतिलंवा ओंह्रींस्वाहा ओंउदीरितामितिमंत्रेणसंपूज्य तिलतंडुलघृतहोमः गायत्र्या १०८ जपःभृंगराजमूलंकरेबद्ध्वापट्टवस्त्रदानंश्वेततिलदानं पिष्टस्यवाराहमूर्तिं कृत्वा दधिभक्तंमुखेदेयं रोगंनाशयति १० ॥

॥ अथपूर्वाफाल्गुणीनक्षत्रमाह ॥

सोमगुरुवारे दिन ११ अन्यवारेदिन१९भर्गोदेवता हिरण्मयंभगंकृत्वा करवीरपुष्पं तिलधूपःशर्करानैवेद्यं मध्वपूपिकानैवेद्यं सुगंधपुष्पंवा ओंक्लींस्वाहा भगःप्राणतरेतिसंपूज्य जपामाषघृतहोमः गायत्र्या १०८ जपः कंटकारिमूलंकरेबद्ध्वा अश्वदानं पिष्टस्यवराहमूर्तिंकृत्वा सुगंधंमुखेदेयं रोगंनाशयति ॥ ११ ॥

॥ अथउत्तराफाल्गुणीनक्षत्रे ॥

भौमशुक्रवासरेदिन ॥२०॥ अन्यवारेदिन २५ अर्यमादेवता हिरण्मयंकृत्वा रक्तपुष्पं गुग्गुलुधूपः माषभक्तयुक्तं शाकनैवेद्यं ओंह्रींस्वाहा अर्यमाणंबृहस्पतिंसंपूज्य कुंकुममधुगुग्गुलुहोमःगायत्र्या १०८ जपः पटोलमूलंकरेबद्ध्वा सप्तव्रीहिदानं धेनुदानंवा पिष्टस्यगोमूर्तिंकृत्वा अरिष्टशाकंमुखेदेयं रोगंनाशयति

॥ अथहस्तनक्षत्रमाह ॥

शनिरविबुधवारेदिन ॥ २५ ॥ अन्यवारेनजीवति सवितादेवता हिरण्मयंकृत्वा रक्तकरवीरपुष्पं सल्लकीनिर्यासधूपः दुग्धखण्डघृतगुडनैवेद्यं मुखेदेयं ओंसोंस्वाहा उदुत्यमितिमंत्रेणसंपूज्य तंडुलदाधिघृतहोमः गायत्र्या १०८ जपः जातिमूलंकरेबद्ध्वा रक्तवस्त्रदानं धेनुंवा पिष्टस्यमाहिषमूर्तिंकृत्वा दुग्धोदनं मुखेदेयं रोगंनाशयति

॥ चित्रानक्षत्रमाह ॥

सोमगुरुवारेदिन १० अन्यवारेदिन २५ त्वष्टादेवता हिरण्मयंकृत्वा यूथिकापुष्पंग्रन्थिपर्णिधूपःघृतमोदकनैवेद्यंधान्यंतिलयुतंमुखेदेयं ओंस्वाहा हिरण्मयमन्त्रेणसंपूज्य चित्रकसामिद्धोमःचित्रोदनंवा गायत्र्या १०८ जपः मुर्वामूलंकरेबद्ध्वा कांस्यपात्रदानं गोदानंवा पिष्टस्यव्याघ्रमूर्तिंकृत्वा मुखेसुगन्धिपुष्पं देयंरोगंनाशयति

॥ अथस्वातीनक्षत्रमाह ॥

शनिरविबुधवारेदिन ॥ २७ ॥ अन्यवारेदिन ॥ ६० ॥ वायुर्देवता हिरएमयंकृत्वा दमनपुष्पं नखा-गुरुधूपः दध्योदननैवेद्यं पुष्पभक्तंमुखेदेयं एणमांसंवाओंस्वाहा अन्योनियुहिरितिमंत्रेणसंपूज्य यवभक्तहोमः गायत्र्याः ॥ १०८ ॥ जपः जातिमूलंकरेबध्वा छत्रदानंधेनुदानंवा कांस्यपात्रदानंपिष्टस्याऽश्वमूर्तिंकृत्वा मृगमांसंमुखेदेयं रोगंनाशयति ॥ १५ ॥

॥ अथविशाखानक्षत्रमाह ॥

रविभौमवारेमहताकष्टेनजीवति अन्यवारे ॥ ६० ॥ इन्द्राग्नीदेवतेतयोः प्रतिमेहिरएमयेकृत्वा देवदारुधूपः घृतोदननैवेद्यं दुग्धगुडोदनंमुखेदेयं ओंधांस्वहा इंद्राग्निरितिमंत्रेणसंपूज्य तिलघृतपयोदनहोमः गायत्र्याः ॥ १०८ ॥ जपः गुंजामूलंकरेबध्वा ताम्रपात्रदानं गोवृषदानं पिष्टस्यश्वानमूर्तिंकृत्वा व्याघ्रंमांसंमृगमांसंवामुखेदेयं रोगंनाशयाति ॥ १३ ॥

॥ अथअनुराधानक्षत्रमाह ॥

बुधवारेदिन ॥ ४ ॥ अन्यवारेदिन ॥ १० ॥ मैत्रोदेवता हिरएमयंकृत्वा पद्मपुष्पं चंदनधूपः तिलतंडुलकृसरंनैवेद्यं कुलत्थंमुखेदेयं स्वर्णकदंवंवा ओंश्रींस्वाहा देवसवितुरितिमंत्रेणसंपूज्य स्वर्णकदंवंसघृतंजुहुयात् मांसभक्तंवा गायत्र्याः ॥ १०८ ॥ जपःसुगंधादिदानं पिष्टस्यमृगंकृत्वा अश्वंवा कुलत्थंमुखेदेयं रोगंनाशयति ॥ १७ ॥

॥ अथज्येष्टानक्षत्रमाह ॥

गुरुशुक्रवारेदिन ॥ १५ ॥ अन्यवारेदिन ॥ ११ ॥ इंद्रोदेवता हिरएययंकृत्वा कर्णिकारपुष्पं कर्पूरधूपः चित्रोदननैवेद्यं तिलंमुखेदेयं रक्तमांसंवा ओंन्हींस्वाहा इन्द्रायत्वेतिमंत्रेणसंपूज्य यवतिलघृतहोमः गायत्र्याः ॥ १०८ ॥ जपः अपामार्गमूलंकरेबध्वा श्वेतवस्त्रदानं अश्वदानं नानाफलकनकदानं पिष्टस्यवराहमूर्तिंकृत्वाकुलत्थंमुखेदेयं गंधर्वमूर्तिश्वानमूर्तिंवाकृत्वा रोगंनाशयति ॥ १८ ॥

॥ अथमूलानक्षत्रमाह ॥

शनिरविभौमवासरेदिन० महताकष्टेनजीवति अन्यवारेजीवति हिरएमयंनैर्ऋतिंकृत्वा कृष्णराजीवपुष्पंमेषस्यशृंगधूपः-शशकमांसं पौलिकानैवेद्यं शूरणकंदंमुखेदेयं ओंस्वहा अशुन्वंतामितिमंत्रेणसंपूज्य विल्वपत्रफलकंदहोमः गायत्र्याः १०८ जपः मदारमूलंकरेबद्धा पीतवस्त्रदानं यवगोधूम घृत होमं वा नानाफलसहितरजतदानंपिष्टस्यगंधर्वमूर्तिंकृत्वा श्वानमूर्तिंवावचामुखेदेयं क्लेशंनाशयति ॥ १९ ॥

॥ अथपूर्वाषाढानक्षत्रमाह ॥

सोमवासरेदिनानि ॥ ५ ॥ अन्यवासरेदिन ॥ ३ ॥ हिरण्मयंवरुणं कृत्वा तृणपुष्पं मनःशिलाधूपःघृतमोदकंनैवेद्यंतन्मुखेदेयं ॐक्लींस्वाहा इमम्मेवरुणेतिसंपूज्य रक्तशालिविल्वपत्रघृतहोमः गायत्र्याः ॥ १०८ ॥ जपः काशमूलंकरेवध्वा रुक्मदानं शुभ्रवस्त्रसहित दुग्धघटीदानं पिष्टस्यगंधर्वमूर्तिंकृत्वा कूर्मंवा वचामुखेदेयं रोगंनाशयति ॥ २० ॥

॥ अथउत्तरानक्षत्रमाह ॥

सोमबुधवारेदिनानि ३० अन्यवारेदिनानि २० हिरण्मयंविश्वेदेवमूर्तिंकृत्वा पंचवर्णपुष्पं केशवालधूपः पंचप्रकारनैवेद्यं तिलशर्करामुखेदेयं ॐस्वाहा विष्णुरितिमंत्रेणसंपूज्य रक्तशालितिलघृतहोमः गोदुग्धघृतहोमः गायत्र्याः १०८ जपःप्रवालंकनकंरजतंदद्यात् कर्पासमूलंकरेवद्ध्वा पिष्टस्यकुलीरमूर्तिंकृत्वा चामरमूर्तिंवचामुखेदेयं रोगंनाशयति ॥ २१ ॥

॥ अथश्रवणनक्षत्रमाह ॥

प्रथमपादेदिनानि ६० द्वितीयपादे ७ तृतीयपादे २४ चतुर्थपादेदिनानि १६ जातिपुष्पं दशांगधूपः घृतक्षीरशर्करालड्डुकनैवेद्यं रक्ततंडुलहोमः इदंविष्णुरितिहिरण्मयंविश्वेदेवंसंपूज्य गोदुग्धघृततंडुलरक्तचन्दनहोमः गायत्र्याः १०८ जपः पीतवस्त्रदानं पिष्टस्यपुत्तलींकृत्वा शाकंमुखेदेयं रोगंनाशयति पुत्तलींजलमध्येप्रक्षिप्य ॥ रोगंनाशयति ॥ २२ ॥

॥ अथधनिष्टानक्षत्रमाह ॥

सोमबुधवारेदिनानि २५अन्यवारे १५ हिरण्मयं वसुमूर्तिंकृत्वा पद्मपुष्पं घृतगुग्गुलुधूपःघृतपूरिका नैवेद्यं भक्तंमुखेदेयं ॐफट्स्वाहा पुनस्त्वादित्येतिसंपूज्य न्यग्रोधोदुंवराश्वत्थसमिधः माषभक्ततिलहोमः गायत्र्याः जपः१०८भृंगराजमूलंकरेवद्ध्वा वृषभदानंवस्त्रंच पिष्टस्यकुक्कुटंगृहीत्वा पर्पटंमुखेदेयं क्लेशंनाशयति२३

॥ अथ शतभिषानक्षत्रमाह ॥

गुरुशुक्रवारेदिनानि १० अन्यवारेदिनानि ११ हिरण्मयंवरुणंकृत्वा जलजपुष्पंगुडधूपः वटुकनैवेद्यं तिलंमुखेदेयं ॐद्रूःस्वाहा इमंमेवरुणेतिसंपूज्य घृतजलपुष्पहोमः गायत्र्याःजपः १०८ पद्ममूलंकरेवद्ध्वा पंचरत्नरक्तचंदनकनकदानंवा पिष्टस्यसर्पाकृतिंकृत्वा उष्ट्रस्याश्वस्यवा नागरंमुखेदेयं रोगंनाशयति ॥ २४ ॥

॥ अथपूर्वाभाद्रपदानक्षत्रमाह ॥

भौमशनिरविवारे कृच्छ्रेण जीवति अन्यवारे दिन १५ अजैकपादं हिरण्मयंकृत्वा श्वेतार्कपुष्पं सर्वौषधिधूपः दध्योदननैवेद्यं कुलुत्थसाकमुखेदेयं ओंह्रींस्वाहा समुद्रोसिविश्वव्यचा इतिसंपूज्य सप्तव्रीहिपृषदाज्येनहोमः दुग्धेनसहकुष्मांडखंडैर्वा गायत्र्याः १०८ भृंगराजमूलंकरेबद्धा घृतपात्रदानं सुवर्णतंडुलदानं तिलपिष्टस्यअश्वंकृत्वा कुलत्थंमुखेदेयं रोगंनाशयति ॥ २५ ॥

॥ अथउत्तराभाद्रपदानक्षत्रमाह ॥

भौमबुधवारे दिन ८ अन्यादिन ८ हिरण्मयंरुद्रंकृत्वा कमलपुष्पं कर्पूरकस्तूरीधूपः घृतनिंबपत्रंवा घृतपक्वान्ननैवेद्यं पर्पटतिलंमुखेदेयं ओंह्रींस्वाहा समुद्रोनभस्वान्नितिसंपूज्य अर्कपुष्पं अर्कसमिधआज्यहोमः गायत्र्याः १०८ अश्वत्थमूलंकरेबद्धा गुडपात्रं छागदानं पिष्टस्यगोमूर्तिंकृत्वा कर्पूरंमुखेदेयं रोगंनाशयति २६

॥ अथरेवतीनक्षत्रमाह ॥

मंगलबुधशुक्रवारेदिन ११ अन्येदिन २५ हिरण्मयं विष्णुंकृत्वा मंदारपुष्पं गुग्गुलुधूपः तिलमोदकनैवेद्यं गुडशष्कुलीमुखेदेयं ओंह्रींस्वाहा हंसःशुचिषदितिसंपूज्य घृतसहित बिल्वपत्रहोमः अश्वत्थमूलंकरेबद्धागायत्र्याः १०८ तिलपात्रदानं पिष्टस्यगजाकृतिंकृत्वाअखंडितफलंमुखेदेयंरोगंनाशयतिसर्वत्रकांचनं अश्वंवादद्यात् मीनाकृतिंपुत्तलींकृत्वा सर्वेषांनक्षत्राणां अष्टोत्तरशतमाहुतयःआज्यहोमःइतिश्रीव्यासदेवोक्तनक्षत्रोत्पत्तिरोगशांतिर्विधिःसमाप्ता इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाशभाषायां कष्टावलीविधानवर्णनंनामषष्ठोऽधिकारः ६

॥ अथअनुक्रमिनिकालिख्यते ॥

॥ दोहरा ॥ रोगोंकीअनुक्रमणिका जिहविधिकायप्रकार सिरलोआदिपछानले अंतप्रमाणविचार चारखंडयाग्रंथमोसिरआदिककरलीन ज्वरलोंदुतियप्रमाणलषअतीसारत्रैचीन चौथाभागविचारले स्त्रीरोगनसोंचाय असेक्रमयाग्रंथमहिधर्योदेखवरकाय प्रथमभागअनुक्रमणिकासुनलीजेचितधार जैसेरतियाग्रंथमहिप्रगटकीनविस्तार ॥ दोहरा ॥ राजसमाजवर्णनप्रथमपुनशारीरककीन सर्वप्रमाणकायाप्रघटाचिह्नसमस्तप्रवीन ॥ चौपई ॥ ऋतुचर्याप्रमाणऋतुसोय आहारव्यवहारकृत्यतिहजोय जलविधिदिनचर्यासुवखान निसिचर्याषटवर्णप्रमान फुनलक्षणप्रकृतिहिविचार वातपित्तजोतीनविकार चौथैरोगप्रगटतहैजोय तिहक्रमवेगचतुर्दशसोय उदितपरीक्षाफुनहिप्रमान नाडीनेत्रमुखजिह्वाजान मूत्रपरीक्षारोगफुनस्वप्न दूतपरीक्ष्याऔरवरशकुन साध्यअसाध्यअरुकालज्ञान चतुर्थअधिकारमहियाहिप्रमांन पंचममैऔषधहिविचार देशहिंकालअवस्थाचार अर्थकर्मअग्नीबलकह्यो युक्तायुक्तविचारशुभलह्यो स्नेहपानस्वेदाविधिजान वमनविरेचनवस्तिपछान धूम्रपानअरुरुधिरछुडावन त्रैदोषनमोजोहित-

॥ अथपूर्वाभाद्रपदानक्षत्रमाह ॥

कारणषष्टमप्रथमहितोउपदेश रोगप्रमाणतोलअादेस पादचिकित्साचारप्रकार कष्टावलीफुनरोगउच्चार आदिमाहिशिररोगउच्चारौं नेत्रकर्णनाकमुखधारौं गलगंडगंडमालाफुनिजान अर्बुदअरुस्वरभेद-पछान छर्दअरोचिकउरग्रहकह्यो मूर्छातृष्णादाहफुनलह्यो मदात्ययरोगउन्मादअरुमृगी हिचकीस्वास-कासरुजवर्गी राजरोगफुनकीनवषान इहअधिकारप्रथमश्रुतमान द्वितीयभागमोकीनउच्चार ज्वरादिक-सन्निपातविचार उदरहृद्रोगअजीरणशूल गुल्मउदावर्तअनाहसमतूल आमवातवातव्याधिप्रमाण पित्तरक्तकफव्याधिप्रधान अम्लपित्तशीतपित्तअरुकुष्ट विसर्पपांडुजोकामलश्लिष्ट शोथमेदअरुविद्रधी-रोग व्रणविस्फोटस्नायुसंजोग मसूरिकाशीतलकृमिरोग रक्तपित्तरोगनसंजोग एतेरोगद्वितीयश्रुत-जान आगेतीजोभागप्रमाण अतीसारसंग्रहणीअर्श भगंदरमूत्रकृछ्रसमदर्श मूत्रघातअश्मरीप्रमेह उपदंशशूकफिरंगसुयेह अंडवृद्धीउरुस्थंभफुनकह्यो क्षुद्ररोगअरुश्लीपदलह्यो एतेरोगतृतीयश्रुतजान आगेचतुर्थभगपरमान इस्त्रीरोगकेसर्वप्रकार बालरोगफुनजानविचार विषअरुवाजीकरणसुकह्यो पाकअर्कनानाविधलह्यो.

॥ अथगणाध्यायनिरूपणं प्रथमलोध्रादिगणकथनं ॥

चौपै लोध्रद्वयअरसुत्थरजोय ऐलावालुच्छलीराहोय अशोकअवरजोवालाजान कदंबजिंगिनीकाश्म-रिमान वसुस्रवातिसमाहिरलाय लोध्रादीगणदियोवताय कफअरुमेदहरेगणजोई स्तंभअवरवलकर-हैसोई पानदोषतिसहर्ताजानो विषहर्तातुमताहिपच्छानो इतिलोध्रादिगणः ॥

॥ अथअर्कादिगणकथनं ॥

चौपै अर्कअलर्ककरंजूजानो नागदंतिपुनरास्नामानो मयूरकभार्गीलवणहैजोय इंदुपुष्पीपुनदंतीहोय तापसद्रुमजुद्रवंतीजेऊ श्यामातृवृतीजानोतेऊ तिक्तकसप्तलाशंखिनीजान श्वेताराजवृक्षपुनमान कं-पिल्लकरंजदूसराजोई हेमक्षीरीपुनजानोसोई अर्कादिगणकहाजांकोजान उदावर्त्तरुजहर्तामान उदर-अनाहजुगुल्मविनाशन विषरुजकातुमजानोनाशन इतिअर्कादिगणः ॥

॥ अथजीवनीयगणकथनं ॥

चौपै जीवंतीमाषपर्णीजान मुद्गपर्णीकाकोलीमान क्षीरकाकोलीजीवकजोय अवरऋषभपुनजानो-सोय मेदामहामेदाजुमुलठी यहवस्तुसबकरोइकठी जीवनीगणतिसनामहिजान सर्वरोगहर्तातिसमान इतिजीवनीयगणः ॥

॥ अथपिप्पल्यादिगणकथनं ॥

चौपै पिप्पलीअवरजुजानोचित्रा वासावर्चजुग्रंथिकमित्रा सुरसामुत्थरभार्गीमेल महानिंबपुनमूर्वा-ठेल पाठाजीरकसर्षपपाय तिक्ताहिंगुविडंगरलाय पिप्पल्यादिगणतुमजानो श्लेष्मवातहर्तातिसमानो इतिपिप्पल्यादिगणः

॥ अथवचादिहरिद्रादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ वचंजुबालाअरुदेवदार सुंटपतीसजुअभयाडार हरिद्रादोयमुलठीमेल पृष्टपर्णीइंद्रयवठेल वचादिगणतुमजाकोजानो हरिद्रादिगणताहिकोमानो आमअतिसारहरेगणजोय कफअरुवातहरेपुनसोय स्तन्परोगअरुमेदकोरोग इनकोयहगणकरेवियोग इतिवचादिहरिद्रादिगणः ॥

॥ अथबृहत्यादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ बृहतिधातुकीपाठाजोय मुलठीकोगडजानोसोय बृहत्यादिगणजाकोनाम अग्नीदीपनमानोधाम कृछ्रदोषत्रिदोषाहिटारे बंगसेनमतयाहिउचारे इतिबृहत्यादिगणः ॥

॥ अथपटोलादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ पटोलकौडअरुमूर्वाजानो गडुचीपाठाचन्दनमानो पटोलादिगणदियोवताय वातपित्तकफहर्तागाय छर्दिज्वरकोकरेविनासन कंडूविषकाजानोनासन इतिपटोलादिगणः ॥

॥ अथमदनादिनिरूहनगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ सदनकुष्ठअरुकोगडजानो देवदालिवर्चमुलट्ठीमानो दशमूलरास्नादेवजुयार शतपुष्पाअवरइंद्रयवडार कटुतुंवीअरकुलत्थहैजोय मुलट्ठीलवनत्रवहिसोय निरूहणगणतुमतिसकोजान आगेअवरकरोंजुवषान इतिमदनादिगणः ॥

॥ अथमूर्वादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ मूर्वाघोंटाअमृताजानो पाठाराडादंतीमानो भूनिंवकरंजूपर्पटजोय मुखवीषटीशल्लकीसोय अवरशिरीषतासमोजान मेहकुष्टहरगणहिपछान छर्दिज्वरविषहरहैजेऊ कफरुजहर्त्ताजांनोतेऊ इतिमूर्वादिगणः ॥

॥ अथशाल्यादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ शलिस्यंदनधावाहेजोय मलयगिरिअर्जुनजोहोय असनशिरीषशिंशिपाजानो भूर्जखदिरद्वयचंदनमानो कदरअसगंधकरंजुहैजेऊ केंवुकअगुरसुजानोतेऊ शालसादिगणजाकोजान कफपांडुहरतिसकोमान मेहकुष्टजोकरेविनाश सर्वग्रन्थमतकीनप्रकाश इतिशाल्यादिगणः ॥

॥ अथवीरवृक्षादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ वीरवृक्षवृक्षादनिजोय अग्निमंथकुशकाशजुहोय मोरटाइंदीवरपुनजानो अवरसुवर्चलादंडकमानो तालमषाणाअवरशिरीष कृष्णागुरगजपिप्पलरीष पषाणभेदपुनदर्भपछानो अश्मरीहरयहगणतुमजानो मूत्रकृछ्रअरुशर्कराजोय मारुतपीडाहरहेसौय इतिवीरवृक्षादिगणः ॥

॥ अथपुंडरीकादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ पुंडरीकपुनद्राचाजानो ऋद्धिवृद्धीदालचीनीमानो माषपर्णीमुद्गपर्णीजोय चीरकाकोली-षमकहोय अवरगडूचीतामेजानो अतिवृंहणयहगणहिपछानो पाचनपुष्टीकरहैजोय रक्तवातपितहर-सोय इतिपुंडरीकादिगणः ॥

॥ अथअश्मरीहरगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ ऊषरसैंधवदोयकसीस हिंगुशिलाजितजानोईस अवरतुत्थातिसमोतुमजानो मेदज-अश्मरीहरगणमानो इतिअश्मरीहरगणः ॥

॥ अथसारिवादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ सारिवापद्मकअवरउशीर द्वयचंदनमुलट्ठीजानोधीर अवरकाश्मरीतामोजानो सारिवा-दिगणजाहिपछानो रक्तपित्तकोशीघ्रनिवारे अतितृष्णाकोतुरतहिटारे तीव्रपित्तज्वरकरेनिवास दाहछ-र्दिरुजकरहैनाश इतिसारिवादिगणः

॥ अथअंजनादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ अंजनअवरप्रियंगूजोय मांसीउत्पलकमलजुहोय रसोंतमुलट्ठीअवरछलीरा गजकेसर-पुनजानोधीरा अंतरविषकोदाहनिवारे अवरापित्तरुजसबहिनिवारे अंजनादिगणजाकोजान परूषक-गणसोकरोंवषान इतिअंजनादिगणः

॥ अथपरूषकादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ परूषकदाडिमद्राचाजानो काकजफलहरकाश्मरीमानो राजादनअरधात्रीजोय कतक-फलपुनजानोसोय परूषकगणतिसकोतुमजानो वातजरुजतिसहरतामानो हृद्यरुचिकरजानोतास-मूत्रातृषादुषकरेजुनाश इतिपरूषकादिगणः ॥

॥ अथप्रियगवादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ प्रियंगुमजीठधातुकीजानो पुन्नागपुष्पअरचंदनमानो कुंभीकरसोंतमोचरसजोय अव-रवस्तुआगेसुनसोय योजनवल्लीअवरजवाहां पद्मकेसरपुनजानोताहां प्रियंगवादिगणतिसकोजान पाठादीगणकरोंवषान ॥ चौपई ॥ पाठाधातकीलोध्रपछानो मंजीठमुलठीअरलुजानो पद्मकेसरअ-रविल्वहैजेऊ पाठादीगणजानोतेऊ दोनोगणकेयहगुणगावै पक्वहुआअतीसारनसावै भग्नसंधिकोक-रैसंधान व्रणरोपणतिन्हकोअतिजान इतिप्रियंगुपाठादिगणः

॥ अथन्यग्रोधादिगणकथनं ॥

॥ चौपई ॥ न्यग्रोधउदुंवरप्लचहैजोय अश्वत्थमधूकपुनातिंदुकहोय प्रियालजुवदरीखदिरपछानो वृषामलपुनवंजुलजानो पालाशउदंवरश्वेतहैजोऊ लोध्रजामनूजानोसोऊ न्यग्रोधादीगणतुमजानो वंगसेनमतजाहिपछानो इतिन्यग्रोधादिगणः

॥ अथउत्पलगणकथनं ॥

॥ चौपई ॥ उत्पलकुमुदपद्मकल्हार रक्तकमलपुनमधुकविचार उत्पलगणयहकीनवषाण रक्तपित्तविषछर्दकिहान इतिउत्पलादिगणः

॥ अथस्थिरादिगणकथनं ॥

———×0×———

॥ दोहा ॥ शालीपर्णिपुनर्नवाएरंडसारिवाजान ऋषभजीवपुनभखडेअवरशतावरिमान ॥ दोहरा ॥ हंसपदीविदारिकन्द लांगूलीपुनजोय क्षुद्रादोइप्रकारकी पृष्ठपर्णिपुनहोय माषमुद्गपर्णीकही अवरमर्कटीजान स्थिरादिगणयहजानियो पितहरतिसकामान शोषगुल्मअरुश्वासरुजकासवातहरजोय स्थिरादिगणयहगुणकरेनिश्चैजानोसोय इतिस्थिरादिगणः

॥ अथवरुणादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ वरुणालीसहचरजोदोय करंजुमोरटाजानोसोय अग्निमंथपुनअरणीजानो शिग्रुशिरीषविभीतकमानो चौद्रबिल्वगजापिप्पलचित्रा अजशृंगीजुशतावरामित्रा वृहतीव्याघ्रीदोयरलाय वरुणादीगणादियोवताय इतिवरुणादिगणः ॥

॥ अथआरग्वधादिगणकथनं ॥

॥ चौपई ॥ आरग्वधहलदीपाठामेल भार्गीलूणकक्षुद्राठेल दोपराजितामेढाशृंगी आरग्वधगणकियोप्रसंगी व्रणअरकुष्टकफरुजजोय कृमीमेदविषहरहैसोय इतिआरग्वधादिगणः ॥

॥ अथसुरसादिगणकथनं ॥

॥ चौपै ॥ सुरसाकासमर्दपुनजानो फणिज्जकअर्जकभूतृणमानो निर्गुंडीछडगुडीजोय भार्गीपुनमहामुंडीहोय जीरकअरुनकछिकनीमेल अजगंधापुनर्निबजुठेल काचमाचीअरप्रबलविडंग मूषिकर्णिकामरिचजुसंग माषपर्णीपुनतासमिलाय सुरसादिगणादियोवताय कृमिकफरोगकरेजुविनास अरुचीपीनसश्वासजुकास व्रणशोधनतुमातिसकोजान यहगुणगणकेकियेवषान इतिसुरसादिगणः ॥

॥ अथएलादिगणकथनं ॥

———

॥ चौपै ॥ एलायुग्मतुरुष्कजजानो कुठप्रियंगूमांसीमानो वालाध्यामकस्पृक्काजोय दालचीनीतजपत्रजुहोय स्थौणातगरचंवेलीजऊ शुक्तिव्याघ्रनखजानोतेऊ देवदारूचंदनकुंकुमपाय दालहलदपुनअगरमिलाय गुग्गुलदेवधूपगजकेसर पुन्नागखपरासातोमैंभर एलादिगणकियोवषान कफअरुवातविषहर्ताजान वर्णप्रसादनकरहैजोय कंडुपिंडिकानासेसोय इतिएलादिगणः ॥

॥ अथमदनादिगणकथनं ॥

॥ चौपई ॥ मदनकअवरमुलट्टीजानो कटुतुंबीपुननिंबपछानो विशालाबिंबीत्रपुसीजोय वेतसचित्रामूर्वासोय देवदालीअरुज्ञानाबिडंग कौशातकीपुनकणाजुसंग वर्चलवणपुनएलाजेऊ अवरसर्षपाजानौतेऊ मदनादिगणजाकोनाम छर्दनकातुमजांनोधाम इतिमदनादिगणः ॥

॥ अथनिकुंभादिवर्गकथनं ॥

निकुंभकुंभत्रिफलाजुगवाची स्नुकुशंखिनीतिलकनीलिनीभाषी शम्याककमीलाचोषहैजोय निकुंभादिगणजानोसोय दुग्धअवरजोमूत्रउतारे रेचनमोयहश्रेष्टउचारे इतिनिकुंभादिवर्गः ॥

॥ अथमुस्तादिगणकथनं ॥

॥ चौपई ॥ मुस्तापाठाहरिद्रादोय तिक्ताहैमवतीपुनहोय वर्चद्रवतिकुटुपछानो पतीसभिलावेत्रिफलामानो मुस्तादीगणकीनवषान कफरोगनकाहर्तामान शोधनपाचनतांकोजानो योनिदोषसबहर्त्तामानो इतिमुस्तादिगणः ॥ दोहरा ॥ हरडवहेडेआंवलेत्रिफलाजांकोनाम विषमज्वरकोहरतहैनेत्रनकोहितधामदीपनपाचनजानियो मेहकुष्टहरहोय पित्तरोगसबहरतहैकफरुजनासेसोय ॥ चौपई ॥ आंवलेअवरहरीतकीजानो पिप्पलीअवरजुचित्रकमानो आमलादिगणकीनवषान सर्वज्वरनकोकरहैहान कफरुजकोयहकरेविनाश दीपनपाचनजानप्रकाश ॥ चौपई ॥ ताम्रजस्तअरुलोहपछानो रौप्यहेमपुनसीसकमानो इन्हकीमलतुमजानोजेऊ मलवर्गतुममानोतेऊ शूलपांडुरुजकरेविनास हृदयरोगपुनमेहजुनास लाचाअम्लतासहयमार कोगडकटफलनिंबाविचार हरिद्रात्रिफलाअरुत्रायमाण अवरसप्तछदतांमोजान कषायतिक्तमधुरगणजानो कफपित्तपीडानाशनमानो कुष्टकमीरुजहर्ताजोय ब्रणजुदुष्टतिसशोधनसोय ॥ चौपई ॥ बिल्वअग्निमंथश्योनाक काश्मरीपाटलजानोवाक पंचमूलयहवृद्धपछानो दीपनवातकफघ्नजुमानो शालपर्णीअरपृष्टजुपर्णी वृहतीदोयजुतासमोधरणी अवरगोखुरूतांहिरलाय पंचमूललघुदियोवताय वातपित्तकाकरतानास अवरवृद्धिकरतुनपरकास लघूवृद्धकदोइकर दोइ दशमूलनामतुमजानोसोय ॥ दोहरा ॥ विदारीअवरजुसारिवाअजशृंगीफुनजान अवरगडूचीजानियोहलदीएकपछान पंचमूलयहवल्लिकेकीनातासउचार वातपित्तअरकृछ्ररुजातिन्हाहिहरितविचार कुशादर्भअरकाशद्वय मूलहूंतांहिपछान पंचमूलयहतृणकह्योवंगसेनमतमान ॥ दोहरा ॥ पित्तकृछ्रयहहरतहैवस्तीशोधनजोय तृणपंचककेगुणकहेसमझोमतिकरसोय इतितृणपंचक ॥ चौपई ॥ बदरीअवरगोखुरूजानो करमर्दकसहचरहिपछानो इद्रवारुणीअवजुहोय कंटकपंचमूलहैसोय कफअरुवातकोहर्ताजान कंटकमूलगुणकियोवषान ॥ दोहा ॥ पंचकमूलयहसभकहे भिन्नभिन्नइहजान तैलअवरघृतासिद्धहीलेपवातहितमान काकोलीअरुचीरिकाऋद्धिवृद्धिपुनजान महामेदामेदाकही ऋषभजीवपुनमान अष्टवर्गजिसनामहैजानतलोकप्रसिद्ध सर्वरोगयहहरतहैऔषधिपरमप्रसिद्ध यहऔरजितनामिलेभेदतासकापाय ग्रंथनकामतदेषकेसोसबदेऊंवताय काकोलीदोस्थानमेशतावरीपावोभेत ऋद्धिवृद्धिजवनामिलेबिदारीजानोहेत म-

ह्मामेदामेदाकहिजिन्हस्थानअसगंध ऋषिवजीवकेस्थानमेपायवराहिकंद ॥ चौपई ॥ सेंधासोंचलविड हिपछानो सामुद्रकपुनकालरुमानो पंचलवणयहकरेवषान ऊौषधिमोंसोजानप्रमान इतिलवणपंचकं ॥ चोपई ॥ वटऊौदुंवरप्लक्षहिजोय पिप्यलवेतसजानोसोय क्षीरवृक्षयहकरेवषान ऊौषधिमोंवहपंचप्रधान इतिक्षीरवृक्ष ॥ चौपई ॥ सुवर्णरूप्यअरुताम्रहिजानो सीसकअवरजुकलीपछानो पंचलोहयहकरेवषान ऊौषधिमोतुमजानप्रधान ॥ इतिपंचलोह ॥ चौपई ॥ पिप्यलीपिप्यलामूलपछानो चित्रकसुंठीचवक-हिजानो पंचकोलयहकियावषान षडूषनमरचहिसंयुतमान इतिपंचकोल ॥ चौपई ॥ मघामरुचअरसुं-ठीजोय त्रिकुटानामताहुकोहोय त्र्यूषणनामतासकोजानो व्योषनामभीताहिपछानो ॥ चौपई ॥ दाल-चीनीअरुपत्रतमाल अवरलायचीमेलसह्माल नामत्रिजाततताहिकोजाने ग्रंथकारमतकह्योसोमाने गज-केसरपुनताहिमोपाय चतुर्जाततिसनामकहाय.

॥ अथपंचगव्य ॥

॥ चौपई ॥ गौकादूधदधीघृतजोय गोमयमूत्रपांचहितहोय पंचगव्यतिसनामवखानो ग्रंथकारम-तकह्योसोमानो.

॥ अथपंचामृत ॥

—×—

॥ दोहा ॥ दुग्धदधीघृतशर्कराअवरमखीरपछान पंचामृततिसनामहैजानतलोकप्रधान ॥ चौपई ॥ गोवकरीअरुभेडीजोय महिषीअश्वहास्तिपुनहोय ऊंठगधायहअष्टपछाने ऊौषधिमोइहमूत्रवषाने ॥ दोहा ॥ यवक्षारसज्जीक्षारहीपुष्करक्षारहिजोय पलासक्षारतिलक्षारहीपंचक्षारयहहोय यवक्षार-अरुसज्जीक्षारटंकणक्षारहिजान क्षारत्रययहजानिएऊौषधिमाहिप्रधान.

॥ अथसर्वरोगयोगकथनं ॥

—+—

॥ चौपई ॥ मुथ्रूकिरायतापर्पटजानो ज्वररुजमोंतुमश्रेष्टपछानो संग्रहणीजिसपुरुष हिहोय तक्रश्रे-ष्ठतिसजानोसोय जिसकोहोवेरुजअतीसार कुटजछालतिसश्रेष्ठविचार होवेजिसतनुक्रमिकारोग वाय-विडंगकरोसंयोग रोगअर्शहैजिसतनुमाहि आनभिलावेमेलोताहि पांडूरुजजिसतनुमोंव्यापे लोह-किट्टतिसरुजिकोथापे क्षयीरोगयुतदेषेजिसकों सिद्धशिलाजितदेवेतिसकों श्वासरोगकरसंयुतजोई भार्गीश्रेष्ठजुतिसकोंहोइ प्रमेहरोगजाकेतनुजानो श्रेष्ठआमलेतिसहिपछानो क्षयीरोगकरतृषितहैजेय सुवर्णतप्तजलतिसहीदेय रोगशूलजिसतनुमंझार हिंगुकरंजुताहिविचार आमवातजिसकेतनजानो एरंडतैलतिसश्रेष्ठपछानो रोगप्लीहहोवतहैजाहि चूर्णमघातुमदेवोताहि विषरुजजिसकेतनुमेजानो सिरीषतरूतत्रश्रेष्टपछांनो कासरोगजिसकेतनुमाह्वी ऊौषधकंटकीजानोताहि वातव्याधिजिसकेतनु-माजानो लसुनगुगुलूश्रेष्ठपछानो रक्तपित्तजिसतनुहिपछाने वांसाश्रेष्टतासकोमाने अपस्माररुजजिसत-नुमांहि ब्राह्मीवर्चजानतुमताहि गररुजजिसकेदेहमोव्यापे गज्ञकेसरतिसऊौषधिथापे उदररोगमो-रेचनजान गडूचीवातरक्तमोमान ॥ दोहरा ॥ अर्दितमेमाषावटीमेदमेमधुजलजान मतुलंगअरु-

चमेकह्योप्रदरमोलोध्रप्रमाण व्रणरुजमेत्रिफलाकह्योश्रवरजुगुगुलुजोय शोकरोगमद्यपानहिश्रेष्ठहि-जानोसोय ॥ चोपई ॥ अल्मपित्तरुजजिसतनुजानो द्राक्षाश्रेष्ठजुताहिपछांनो कृछ्ररोगजिसकेतन-माहि कूष्मांडांबुशतावरीतांहि नेत्ररोगकरसंयुतजोई त्रिफलाश्रेष्ठजानातिसहोई कुष्ठरोगकरसंयुत-जेय खदिरसारजलतिसकोदेय निद्राक्षयजिसकीहोजाय माहिषदुग्धतिसकोजुपिलाय श्वित्रकुष्ठ-जिसकेतनुजाने वाकुचीउदंवरताहिप्रमाने होवेजिसकोअजीरणरोग निद्रासयनहरीतकीयोग छर्दरोगजिसकेतनुमाहीं मधुलाजातुममेलोताही ऊर्द्धजत्रुगदहोवेजिसको तीक्षणवस्तुनस्यदेति-सको होवतपशलीशूलहिजास पुष्करमूलमेलतुमतास मूर्छारुजाजिसतनुहीव्यापे सीतलविधिति-सरुजिकोंथापे रुजकृशताजिसकेतनुमाहि मृगपक्षिमांसरसदेवोताहि रुजपथरीजिसकेतनुदेखे पखाणभेदतिसकोवरलेखे गुल्मरोगहोवेतनुजास त्वचवरुणातुममेलोतास रोगविद्रधीजिसतन-होई रक्तमोक्षातिसश्रेष्ठहैसोइ रोगहिध्मजिसकेतनुजानो लाक्षारसकीनस्यपछानो दाहरोगजिसकेतनु-होइ शीतविधीतिसकोहितसोय ॥ सवैया ॥ रोगभगंदरहोतजिसेतिसकीसबऔषधदेऊंवलाई जीव-गंडोएजुआनलियोअरुश्वानकीअस्थिजुताहिरलाई गर्दभरक्तसोपीसलऊोतिसरोगभगंदरऊपरलाई यहऔषधिरोगहटावतहै वहयोगतरंगिणिग्रंथमोगाई ॥ दोहा ॥ स्वरभंगरोगाजिसहोतहीताकीऔ-षधजान मधुयुतपुष्करमूलहीश्रष्ठताहिकोमान इति श्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाशभाषायां अनुक्रमादिगणयोगकथनं नामसप्तमोऽधिकारः ॥ ७ ॥

॥ ॐनमोभगवतेवासुदेवाय अथशिरोरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ प्राणअधारजुजीवहैवसतशरीरमझार संपूरणइंद्रियसहित ऐसोकलाउदार तिसकायामोउदितअति सीसाशिरोमणिजान ताहिविकारवर्णनकरों सुश्रुतकेअनुमान ॥ चौपैई ॥ प्रथमरोगसिरदोइप्रकार अंतरगतवाहरजुगधार ताहिनिदानवर्णोंहितजोय प्रथमकहोंअंतरगतसोय मलऔरमूत्रहिरोकेजेऊ दिनसोवेनिसिजागेतेऊ ऊंचावोलेक्रोधविकार गंधासिंघेहितवर्जनहार अत्यंतरुदनकरेजोकोई अवरतत्तबहुसीसजुहोई मैथुनमाहिकरेबहुप्यार बहुचिंतामनराखेधार पूर्वदिशाकिपवनचलेजव धूपमाहिनरवाहरफिरेतव भारीवस्तुसेवनजोकरै अंबलखाएबहुतनहिटरै ऋतवर्षासिरपाणीपरे सीतलजलसंजोगअतिकरै तनुपसेंकायांअतिधूमन हिमकोसीतअरुधूलीघूमन पीनसरोगअतिकरातिसहोय अतिअजीर्णतिसप्रगटतसोय देशकालविपर्ययहोवनते उत्कृष्टकार्य्यबहुतसेवनतें वातपित्तकोपैकफजव रुधिरशरीराविगाडततवे तैलमर्दनजुअतिकरधरै अधिकजलहिपानजोकरै मद्यपानऊचाहिसिरान अधऊपरबहुदेषनमान क्रमिरोगविकारयुक्तजोहोय जानलेहुचतुरानरसोय इनकारणअंतरगतरोग शिरोरोगनरहोतसंजोग वाहरकेजोरोगप्रमाण क्षुद्ररोगमोसोविख्याण इतिशिरोरोगनिदानं.

॥ अथशिरोरोगसंख्याभेदनिरूपणं ॥

॥ दोहरा ॥ शिरकेरोगनिदानकोभाषोंभलैवनाय भेदसमस्तबतायहोंसुनझसमोचितलाय ॥ चौपैई ॥ शिरकेरोगजुसप्तप्रकार दूसरभेदकहैपुनचार सप्तचारएकादशजांनो भिन्नभिन्नतिन्हकोजुवषानो प्रथमहिसप्तप्रकारलहैये वातजपित्तजकफजकहैये सन्निपातरक्तजफुनिजानो क्षयजक्रमिजयहसातपछानो सूर्यावर्तअनंतजोवात अर्द्धावभेदकशंखकख्यात.

॥ अथशिरोरोगपूर्वरूपकथनं ॥

॥ चौपई ॥ अकडिदृष्टकंडूअरुदाह गौरवशैनस्फुरणहोइताह नाडीग्रहआक्षेपसबजाने पूर्वरूपयाभांतवषांने.

॥ अथवातजशिरोरोगनिदानं ॥

॥ चौपैई ॥ अबवर्णोंफुनचर्कप्रकार वातजसिरकेरोगविकार ऊचोबोलेबहुनिसजागे शीतलवातदेहमोलागे मैथुनकरेवेगकोंरोके लंघनचोटलगेबहुसोके दस्तवमनअरुबोझउठावे मार्गचलैबहुधूपजुखावै इनकारणवायूअतिकोये इंद्रियमार्गवातासिररोकै इतिवातनिदानं.

॥ अथवातजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ विनकारणशिरपीडाहोय रत्रीअधिकपीडलषजोय करैउपतापजुबंधतेंहान वातजलक्षणइहविधिजान.

॥ अथशिरोरोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहरा ॥ शिररोगचिकित्साकहितहोंसुनलीजैचितलाइ वातजआदिनिदानजोसोऊक्रमलखपाइ.

॥ अथवातजशिरोरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ वातजशिरोरोगजिहजान सनेहस्वेदतामोपरमान बंधनसेचनहिततिसकहिये वातहनरऔषधहितलहिये निर्जलदेशपच्छिमृगमास वातजमोप्रमाणलषतास दुग्धकाढसेवनहितजानो वाघृततैलसेवसुखमानो ॥ अथसेचनं ॥ चौपई ॥ एरंडक्वाथदशमूलीक्वाथ दुग्धसिद्धकरतिन्हकेसाथ तासोंशिरकोंसेचनकरै वातजाशिरपीडरुजहरै ॥ चौपई ॥ चंदनउत्पलमधकुठआन क्वाथकरेसेचनाहितमान वातजसिरपीडामिटजाय ग्रंथकारमतकह्योसुनाय ॥ उपायशिक्षा ॥ धूमसनिग्धनासाकोंदेय यहउपायभीहितलषलेय अरुवातहरणहितहैनसवार वातहरणमर्दनसुखकार ॥ अन्यच्च ॥ पीवनमर्दनसेचनकरै वावस्तीत्रिवृततैलकिधारै पंचमूलसोंदूधपकाय लेनसवारवातरुजजाय बलातैलसबकर्ममेंजोय वातजमोहितकरहैसोय ॥ अथलेप ॥ चौपई ॥ कुठअवरएरनकामूल कांजीसोंपीसैसमतूल ताहीकोशिरलेपलगावै वातजासिरपीडामिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ छडगुडीअरुतगरादिआर कुष्टतांहिपीसोसमडार कांजीतेलमिलायलिपावै वातजरोगसीसकाजावै ॥ अन्यच्च ॥ मुचकुंदपुष्पकांजीपीसाय करैलेपासिरपीडमिटाय.

॥ अथशिरोवस्तिकथनं ॥

॥ चौपई ॥ सिरवर्तनसमचर्मसुलेय सोलावाअठअंगुलतेय सिरलपेटसमसीयसुचाय घेराहेठातिहबंधकराय माषचूर्णजलसोंपीसाय वर्तिताहुकीलेहुकराय सोवर्तीसिरघेरेलाय वातघ्नतैलकरपूर्णकराय निश्चलवैठरहैसमसोय जबतकपीडाशांतनहोय तबतकनिश्चलराषेकाय प्रमाणरूपजोलौदरसाय वातजशिरोरोगतिहहरे हनूरोगमन्यादिकटरे अक्षीकर्णकोरोगनिवारै अर्दितअरुशिरकंपजुटारै कफकृतपंचशतमात्रामान पैत्तिकअठशतजानप्रमाण वातजमात्रादशशतकही मात्राशिरोरोगहितयही मात्राकाजुप्रमाणविचारो गुरुअक्षरतिहतत्वउचारो जबलगताहिउचारणहोय तबलगमात्रापूरणसोय गोडेहथधरचुटकीदेय सीसफिरेइथचुटकीलेय मात्राएहिंप्रमाणविचारो कर्णपूरअक्षिपूरणधारो शिरोवस्तिकरभोजनआद पांचसप्तदिनमोकटव्याध वस्तीखोलफुनमर्दनकरै मस्तकग्रीवामुखसिरसरै घर्मतोयअसनानकराय पूंजशरीरहितवस्तूखाय जांगलमांसशोरावनवावे चावलसठीतासंगखावे अथवादूधजुमांझेसंग रोगहरेनिश्चैकरअंग ॥ चौपई ॥ मुद्गमाषकुलत्थपल्लान उष्णदुग्धकरघृतजुमिलान जोरोगीपीवैहिततास वातजशिरोरोगहोयनाश ॥ अन्यच्च ॥ माषचूर्णकीरोटीकरै गर्मताहिशिरऊपरधरै केवलमाषचूर्णलिपावै तौभीवातजपीडाजावै ॥ दोहा ॥ रोगनलेहुवदामकोमर्दनखूबकराय वातजरोगतेंजोभयोशिरोवर्तमिटजाय अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ निश्चलहोयतैलकेसंग नासापूरैवातरुजभंग अथवाकर्णनेत्रमंझार तैलभरैवातजरुजटार अरुजिहवातजहोइशिररोग रक्तमोक्षताकोंनाहियोग कहैवातकोपयोंकरै बहुविकारशिरमोलेधरै अथमयूरघृतं हेमंताशिशिरवसंतमंझार मयूरघृतसेवनहैहितकार वर्षाशरदग्रीष्मइनमाहि तामयूरघृतत्यागेताही मयूरअहारकीटअरुमत्स्य

सर्पसरीसृपमाखीजानवर इनभक्षणतैंउष्णहेजोय वर्षाऋतहतवीर्य्यनहोय कृशहोवेमदमांसविहीन ता-तेंवर्षात्यागनचीन धमनीराखावहुवलपाय दशमूलजुत्रिफलाकाथकराय मयूरकेपादपक्षमलहरै मांस-ताहिकोकाथहिकरै मांसक्काथजलद्रोणप्रमान पादशेषरहेसोहितमान घृतदूधसोप्रस्थप्रमान अष्टवर्ग-कर्षकर्षसमान जीवंतीजढमुलटील्यावे मुद्गपर्णीमाषपर्णीमिलावे इकइककर्षसवैइहजानो कल्ककरै-घृतताहिपकानो तिसघृतकाकरसेवनजवहि शिरकेरोगनाशहैतवहि सोघृतशिरनासादुखहरै कर्णजि-ह्वागलरोगहिटरै ॥ अथमहामयूरघृतं ॥ चौपई ॥ दशमूलवलारास्नात्रिफलाय अरुमुलठसंगताहिमि-लाय विष्ठापादपक्षकरदूर ताहूंमोंअसपायमयूर समलेताकोकीजेकाथ पादशेषप्रस्थघृतसाथ दुग्धचतु-र्गुणपायपकावे पुनकर्षकर्षयहचूरणपावै मंजीठभिडंगीतालखजूर चवककाश्मरीसुंठकचूर महामेदअ-रुकौंचकवीज कसेरुमुलठीजीवकलीज सारवादोकंड्यारीदोय शतावरविदारीमूर्वाहोय रासनाभषडेले-हघुएला स्थिरासिंगाडेसमकरमेला अरुपुनर्नवापुष्करमूल ककोलीवंशलोचनतोतूल जीवंतीमेदाअ-रुत्रिफलाय ऋद्धिवृद्धिमहुफालसेपाय कर्कटशृंगीऋषभमंगावे तालमखानाइमलीपावे अखोटगिरी-मुंजअरुएरण्ड क्षीरकाकोलीजुवाहापूरण समयहवस्तुकल्कवनवावे घृतमाहिपुनताहिमिलावे इनसं-गमंदअग्निसुपकाय खावैमर्दनकरैवनाय अरुतिसघृतकीलेनसवार शिरकोरोगश्वासपुनटार ग्रीवपृष्टअ-हशोथअरुकास अरुस्वरभेदएतेरुजनाश अवरवलीअर्दितदुखहरै जोनीशुक्रदोषसबटरै वंध्यापायपु-त्रसुखधाम महामयूरघृतहैइहनाम ॥ शर्वत् ॥ चौपई ॥ सातटंकअफतीमूल्याय दोलायंत्रविधीवनाय आधसेरजलमोऔटाय तांकोलेहुकिमामवनाय मलपुटलीकोलेयछनाय सत्तरटंकजुखंडामिलाय जाप्र-कारसर्वतवनवावे सर्वतअफतीमूलनभावे शर्वतलीजेतोलेदोय छैपैसेभरपाणीहोय घोलयाहिकोप्रातपि-लाय वातपीडासिरकीमिटजाय अथगोली ॥ चौपै ॥ वातरोगमलसंचितहोय तवशोधनकरतांकोसोय उस्ताखदूसअफतीमूल्याय विस्फायजफुनतामैंपाय मासामासाभरयहल्यावे रतीछेयइंद्रायनपावे हरड-कावलीअभयाआन त्रिवीऔरएलुआपछान दोदोमासेभरयहपाय सकलकूटचूरणकरवाय मासाडेढ-गारीकूनल्याय वालोंकीहांगीछनवाय जलमेंरातखमीरकराय दिनकोलीजैगुटीवनाय गोलीएकप्रात-उटषाय दियोविरेचनसर्सवताय ॥ अन्यच्च ॥ धमनीविलकथलेसमपावै पकायदूधघृतमहिरलावै एको-पलवाआधप्रमाण नासादेयवातरुजहान ॥

॥ अथपित्तजविकारनिदानं ॥

॥ चौपै ॥ पित्तजनिदानचरककेभाय तिहवर्णोंसुनलीजैचाय कटुकलवणअम्लफुनक्षार महाक्रोधअरु-वायुप्रकार इनकाजोसेवनवहुधरै पित्तकोपसिरकोवहुकरै ॥

॥ अथपित्तजशिरोरोगलक्षणनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ सीसतपैअंग्यारेन्याई नासाधुखतीरहैसदाई शीतललेपजुसिरपरलावे तवहीताहिशांतिक-लुआवे रात्रिसमयशीतलताजैसो शिरपीडापित्तशांतिकरैसो ॥ अथअसाध्यलक्षणं ॥ पित्तशिररोग-मेवमनहिजान ताकोंप्रघटअसाध्यसुमान.

॥ अथपित्तजसिरोरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ पित्तजशिरोरोगजिहथाय वाचसुनावोंतासउपाय रेचनअरुसनेहकोपान पित्तजमेंहित-

करयहमान ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ दाखइक्षुरसअरुत्रिफलाय दुग्धअवरघृतपायपकाय सोऊघृतजोरोगीपावै पित्तजसिरपीडामिटजावे ॥ अथसेचन ॥ दुग्धअवरजलमेलेदोय सेचनकरेपित्तरुजखोय ॥ लेप ॥ घृतशतधौतजुसीसलिपावै पित्तजसिरपीडामिटजावै ॥ अन्यउपाय शीतलजलमोंचुवकीलीजै ताहूतें पित्तपीडाछीजै लेप ॥ चौपई ॥ उत्पलचंदनपद्मसंगावै कमलफुनसमपीसलगावै शीतलपवनसेवेपुनसोय पित्तजपीडानाशेहोय अन्यच्च ॥ चौपई ॥ चंदनयष्टीबलाऊशीर उत्पलव्याघ्रनखपीसोवीर दुग्धमिलायलेपसोकरै पित्तजाशिरकीपीडाटरै अथवाइनतेंसेचनकरे तदपिपैतिकशिरदुःखटरे अथघृत ॥ चौपई ॥ आमलेकमलजुयष्टीआन चंदनपयघृतपायपकान सोघृतकीजैनितउठपान शिररुजपित्तजहोवेहान मृनालकमलनालजढल्याय चंदननीलोत्पलहिमंगाय केसरकमलस्निग्धजोवस्तु शीतललेपजानाहितमस्तु अन्यच पद्मकाष्टअरचंदनल्यावै नीलोत्पलअरुपद्मसमावै महीनपीसघृतसंगमलावै पैतिकशिरोरोगामिटजावै मिसरीकमलमुलटील्याय तंडुलजलसोंताहिपिसाय ताहूंकीलेवैनसवार पैतिकरुजकोंतासोंटार

॥ अथकफजनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ कफजनिदानचरककेभाय मुखस्वादूवहुनिद्रापाय भारीस्निग्धजोभोजनकरे कफविकारसिररोगहिवरे

॥ अथकफजशिरोरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शिरशीतलअरुभारीरहै नेत्रनमुखपरशोथजुलहै कफकृतयहशिररोगपछानो ज्योंनिदानभाषैत्योंमानो

॥ अथकफजशिरोरोगउपाय ॥

॥ चौपै ॥ शिरोरोगकफजहोइजास रूक्षउष्णलेपनहिततास अरुतीक्ष्णलेवैनसवार पुनतीक्ष्णधूमताससहितकार अरुकटुतीक्ष्णजानोक्काथ कफजनाशहोएइन्हकेसाथ गोधूमपुरातनमूलीजान यवयाहीमोपथ्यप्रमान घृतहिपुरातनताहिपिलावै अरुस्वेदनतिसहितवरभावै अथलेप ॥ चौपै ॥ हरेणूएलाअवरशैलेय मुत्थरअगरतगरसमदेय स्थौणेयनलदरासनाआन देवदारुसमलेपनठान उष्णकरैसोलेपलगावैं कफजरोगाशिरकेमिटजावैं ॥ अन्यच्च ॥ चौपै ॥ सरलअगररोहिगोक्षुरदारु दुग्धलवणसंगलेपसुधार उष्णकरैपुनलेपनकरै कफजरोगाशिरकातबटरै ॥ अन्यच्च ॥ इंगुदित्वचभेडुश्रृंगजुल्याय दोनोबत्तीलेयबनाय धूम्रपानकरमुखमंझार वातजाशिरोरोगदुखटार कटफलचूरणपीवेजोय कफजशिरोदुखखोवेसोय कफमिटानकवलग्रहकरै कफसिररोगताहीतेंटरै ॥ अन्यच्च ॥ यवसट्ठीचावलमंगवावै व्योषदयारसंगभातपकावै पटोलमघकुलथरसकरै वलअनुसारभातरसचरै शिरोरोगकफकृतमिटजाय वंगसैनयहदियोबताय ॥ अन्यच्च ॥ चौपै ॥ मघांमुलट्ठीसुंठीमुत्थर कुट्ठसौंफअरुनीलोफरधर यहसमतसनीरसोंपीस लेपकरेरुजकफजसुखीस अथद्विहरिद्रादितैल चौपै दोनोरजनीमघामंगावै सरलदेवदारूपुनपावै चित्राबिल्ववलाजुविडंग रोहिषपत्रद्राक्षाधरसंग मुलट्ठीमजीठचंदनउशीर सौंचललवणआनहोवीर पद्मलोजियैवैंत-

कोमूल कलककेरैपलसमतूल तैलप्रस्थद्विगुणापयपाय मंदअग्निसोंताहिपकाय ताहुकीलेवैनसवार कफ-जपीडशिरसन्नजटार उपाजिव्हकगंडमालाजावै अर्बुदमांसपाकनरहावै गलग्रहअवरविदारिकानाश द-तचालहनुकंपविनाश

॥ अथरक्तजलक्षणनिरूपणम् ॥

।चौपई। पित्तजलक्षणजितेवषाने रक्तजमोतेतेलषमाने सीससपर्शसकैनहीजाय यहविशेषलक्षणलषसोय

॥ अथरक्तजशिरोरोगउपाय ॥

पित्तजकीजुचिकित्साकही रक्तजकीसोजानोसही मोक्षणरक्तअधिकतहमान रक्तजकरीचिकित्सागान

॥ अथसन्निपातजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तीनोदोषकेलक्षणजास सन्निपातसोकीनप्रकाश ॥

॥ अथसन्निपातजशिरोरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ सन्निपातशिररोगपछानै सन्निपातहरऔषधठानै अवरपुरातनघृतकरपान होवेसन्निपातरु-जहान ॥ अथलेप ॥ चौपई ॥ मूर्वासुंठीमघांमंगावे यहसमपीसेलेपचढावे त्रिदोषजरोगसीसकाजाय पीडामिटेरोगीसुखपाय ॥ क्वाथ ॥ चौपई ॥ त्रिकुटारजनीअरुसुरदार असगंधरासनापुष्करडार करैक्वा-थसोनासाद्वारे पीवेसन्निपातरुजटारे ॥ नसवार ॥ पीसेसुंटदुग्धकेसंग लेनसवारत्रिदोषजभंग ॥ लेप ॥ ॥ चौपई ॥ दाडिमकलीमहीनपिसावै अर्धशर्करताहिरलावै शिरकेऊपरलेपेतास सन्निपातशिरपीडा-नाश ॥ अन्यच्च ॥ वीजकरंजूसुहांजणवीज दालचीनीतजपत्रजुलीज मिसरीपायशिरसेचनकीजै अथ-वालेपत्रिदोषजळीजै

॥ अथक्षयजशिरोरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सिरतेरक्तमिंझकफनाशै क्षयजरोगअतिपीडप्रकाशै धूमस्वेदजोलेनसवार रुधिरमोक्षअ-रुछर्दविचार

॥ अथक्षयजरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ क्षयजरोगजाकोशिरलहिए क्षयपुष्टीकरऔषधकहिए मधुरवातहरऔषधजेऊ तिन्हसोंघृत-हिपकावैतेऊ पीवेघृतवालेनसवार क्षयजरोगशिरकोनिवार क्षयजशिरोरोगपरिमान क्षयअरुकासहरण-घृतजान बहुतपथ्यकरवैद्यसुकहै वैद्यविनोदयाहिविधिचहै

॥ अथक्रिमिजशिरोरोगनिदान ॥

॥ चौपई ॥ अतसयकराशिरपीडाहोय सूचीविद्धन्यायलषसोय शिरानितकाटितरहैजुजास रक्तपूयनासा-श्रवतास चोरव्याधयहक्रिमिजभनैये सप्तविधानरोगयोंलहिये

॥ अथक्रिमिजशिरोरोगउपाय ॥

॥ नसवार ॥ चौपई ॥ त्रिकटुकरंजसुहांजणबीज अजामूत्रसोंपीसजुलीज ताहूकीलेवेनसवार क्रिमिजरोगसिरपीडाटार ॥ अन्यच्च ॥ शोणितकीनसवारजुलीजै मूर्छितक्रिमिगिरहैरुजछीजै लहूगंधमतकीडेकाटन कटुवस्तूरेचनहितकारण नाडिव्रणक्रिमिरोगमोऔषध धूम्रपानसोशिरमोहितवुध क्रिमसीसनासाकरजोर मासासर्षपतैलनिचोर तीक्ष्णवस्तुकल्कविधिकरै ताहिरसहिनिचोरधरै ॥ अथअवपीडलक्षणं ॥ नासादेककेयोग्यजुहोय अवपीडननामकहितहैसोय ॥ अन्यउपाय ॥ तीक्ष्णधूमनस्यवालेय क्रिमिगिडपैरैसहजसुखतेय ॥ अन्यच्च ॥ बीजसुहांजनकीनसवार वाशुद्धकांसनीलपतसार इहदोनोयुतनासाद्वार क्रिमिगिरपडेंजानाहितकार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ दंतीहिंगुजुवायबिडंग कटुतैलमूत्रअरुसज्जीसंग पकायलेयताकीनसवार क्रिमिजरोगशिरकोतबटार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अपामार्गबीजत्रिकुटाय हिंगुबिंडगानिशासमभाय नकछिकनीमूत्रतैलसुपकावे लेनसवारक्रिमिजरुजजावै.

॥ अथसूर्यावर्तादिलक्षणम् ॥

॥चौपई॥ सूर्यउदयमध्यान्हपर्यंत ज्योंज्योंबडेसूर्यउपरंत त्योंत्योंपीडहोतअधिकाई मध्यान्हउपरंतघटेनितजाई अवजोकहूइसपीडकेलक्षण इकभ्रूचक्षूहोताविचक्षण होएआतिगाढपीडातिसजान शीतउष्णकरहै दुखहान सूर्यावर्तभेदयहकह्यो जिहप्रकारवैद्यकमतलह्यो सन्निपातजुतपीडाजान कष्टसाध्यसोपीडपछान

॥ अथसूर्यावर्तशिररोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ सूर्यावर्तजाहुकोजान ताकोदुग्धसहितघृतपान अरुसिरनाडिवेधहितकार अरुहितकर्तायोनसवार अरुतिलपिष्टदुग्धघृतस्वेदावे सूर्यावर्तनाशहोजावे अन्यच्च दुग्धघृतहिमिलनासादेय सूर्यावर्तरोगाहिततेय जोयांहीसोरेचनकरहै तौभीसूर्यावर्तकोंहरहै अन्यच्च जीवनीगणसेंस्वेदकरावै सूर्यावर्तताहिमिटजावे अन्यच्च गुडआटाघृततताहिमंगाय मालपूडाकरप्रातहिखाय अथवाउचिततसेंखावै सूर्यावर्तरोगमिटजावै अन्यच्च लेप चौपई सुंठवर्चमघसमपीसाय अवपीडजुकीजैताहिबनाय सूर्यावर्तरोगहोइनाश असेकहीचिकित्सातास ॥ अथनसवार ॥चौपई भंगरारससमवकरीक्षीर धूपतपाइलेहुमतिधीर ताहूकीलेवैनसवार सूर्यावर्तरोगनिरवार ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई॥ वनमृगपक्षीमांसमगावै उष्णकरैसोसीसवंधावै सूर्यावर्तरोगहोएनाश तासउपायकीनपरकाश अम्लतासकेपत्रमंगावै रसनिकालपुटकंडापावै कलकवीचमखनगडकाय घृतनासादेपीडहटाय ॥ नसवार ॥ चौपई ॥ मयूरकुरकुटछागलमासलेसमषटगुणपयजुततास मंदअग्निपकायसोलीजे मांसनिकासपुनदूरकरीजै जामनपायसोदूधजमावै मथकरतासोंघृतनिकसावै ताघृतमोजीवनीगणपावे षटगुणदुग्धसुपायपकावै ताघृतकीलेवेनसवार सूर्यावर्तरोगनिर्वार ॥

॥ अथार्धावभेदकशिरोरोगनिदानं ॥

॥ चौपई ॥ अर्धावभेदकअर्द्धशिरजान ताकेकारणकरोंवषान जोनररूषेभोजनखावै वाबहुखावैनाहिपचावै अथवाश्रमवासोयोजागै ताकोपवननफनाकलागै अतिआतपतेभीतिसजान वाअतिमैथुनतेतिसमान वेगपुरीषमूत्रकोमारे तातेअर्धावभेदकधारे अथवाबहुतषेदकरजोऊ अतिव्ययामकरेन-

रकोउ इन्हकारणतैंकफअरुवात कुपितहोइवाकेवलवात अर्धसीसकोपकडेआय महादुःखशिरमोप्रगटाय नेत्रकर्णभ्रूअर्द्धललाट शंखमन्याहोएपर्शुसोफाट जोयहरोगवृद्धतापावै नेत्रकर्णकोंनाशकरावै ॥

॥ अथअर्धावभेदकशिरोरोगउपाय ॥

॥ चौपै ॥ अर्धावभेदकजिसरुजहोय मर्दनसनेहकरेहितसोय शिरअरुउदररेचहितमान सनिग्धउष्णभोजनहितजान धूमपानभीहितकरतास असउपायतिसकीनप्रकास आकधतूराजढहिमंगाय हिंगूमहुरापीसरलाय सुंठकुटुपुनलसुनहिंधरै गोमूत्रहिंपीसगर्मसोकरै लेपकरैमाथेहितलाय सूर्यावर्तअधसीसीजाय ॥ अथलेप ॥ ॥ चौपै ॥ तिलअरुनलदमधुलवणमिलावै लेपकरैसोऊरोगनसावै नसवार कालेतिलसमपीसविडंग लेनसवारहोएकरुजभंग ॥ अन्यच्च ॥ शालिपर्णीजलसोंपीसाय लेनसवाररोगसोजाय ॥ लेप ॥ पवाडवीजकांजीसोंपीस लेपैरोगहोयहैखीस ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ नासाद्वारकरैदुधपान तौभीहोएरोगकीहान ॥ लेप ॥ सारवायष्टीउत्पलकुष्ठ यासमजलसोंपीसइकष्ठ शिरमस्तकपरलेपैतास अर्धावभेदकरुजहोएनास घीवर आदपदारथखावै अर्धावभेदतुर्तमिटजावै खंडमिलायदूधकरपांन अर्धवभेदकदूरछांन नरगेलदूधपीवैमनभाय तौभीअर्धावभेदकजाय ॥ नसवार ॥ दसमूलकाथघृतलवणमिलावे लेनसवारपीडमिटजावे ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ कुंकुमघृतभूनोंसममिसरी अजाक्षीरसोपासजुसुधरी लेनसवारताहुकीयास असेकहीचिकित्सातास कालेतिलअरुवायविडंग पीसमहीनकांजिरससंग लेपकरैमाथेपरकोइ अर्धावभेदकहरहैसोइ ॥ पुनः ॥ फलनरेलकादूधमंगावै मिसरीगोकादूधरलावै पीवैप्रातफुनलेनसवार अर्धावभेदककोदुखटार ॥ नसवार ॥ चौपै ॥ वीजपुटकंडासुंठील्यावे लेसममधूशर्करापावे तांकीजोलेवैनसवार अर्धावभेदकदोषनिवार ॥ अथकाथ ॥ चौपै ॥ त्रिफलानिशागुडूचीआन किरायतानिंबसबीसमठान गुडयुतकाथकरपीवैकोय अर्धावभेदकनासेसोय भ्रूविकारसंखकअरुकास कर्णरोगरात्रांधविनास पटलअवरपक्षघातनिवारै जैसेवायूमेघउडारै ॥ अन्यच्च ॥ केसरघृतभुंनखंडमिलावै नसवारलेयसिररोगामिटावे भ्रूअरुसंखविकारहरैसो कर्णअक्षिशिरशूलटरैसो जोविधसूर्यावर्तमोंकही सोविधअर्द्धावभेदकसही ॥ अथजीवकारितैल ॥ चौपै ॥ जीवकऋषभवलायहलीजे द्राक्षामहूमुलट्ठीदीजौ नीलोत्पलचंदनशर्करल्याय अवरविदारीकंदमिलाय यहसमप्रस्थसुतैलमिलावै षटगुणदुग्धसुपायपकावै वनमृगपक्षीकोरसमांस यहभीतुलार्धमेलीयेतास करेसिद्धलेवेनसवार अर्द्धशिराकीपीडाटार वधिरअवरकर्णकोशूल तिमिररोगकरेनिरमूल गलशूंडीवातजपित्तजजावे ग्रंथकारसमतयाहिवतावे शिरोरोगसवहिहरलेय दांतचलतासिरकंपदलेय अर्दितादिसवरोगहरेसो भावप्रकाससमतयाहिधरेसो

॥ अथशंखकनिदानवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ रक्तवातपित्तदुष्टजोहोय शंखमध्यइस्थितहैसोय पीडातीव्रदाहप्रगटावै रोगशोथकरसिरपकडावै विषइवग्रहणकैरैलषलीन गलकोंग्रहनकरैअतिक्षीन जोइहरोगत्रिरात्रीरहै रोगीनाशहोइमृतगहै जोत्रिरात्रीवचोपक्षानै देयजवाबचिकित्साठानै सूर्यावर्तआदियहचार शिरकेरोगजुकीनउचार.

॥ अथशंखकशिरोरोगउपाय ॥

॥ चौपै ॥ शंखकशिरोरोगजिसहोय सूर्यावर्तचिकित्सासोय विनास्वेदसबऔषधतास हैहितकरयें

लषियेजास अरुघृतदुग्धपानन सवार शंखकमोहैसोहितकार ॥ अथलेप ॥ चौपै ॥ शतावरिअवरकृष्णतिलआन नीलोत्पलजुमुलट्टीठान दूर्वाअरुपुनर्नवापाय यहसमलेपनकरैवनाय शंखकरोगहोयहैनाश निश्चैकीजैमनमोतास ॥ अन्यच्च ॥ चंदनस्वेतकमलमंगवाय मुलट्टीनीलोत्पलहिरलाय पद्मकाष्टवैंतजढल्यावै दूर्वाअरुलामज्जकपावै दोनोरजनीअवरउशारि रेंठेसबसमपीसोधारि लेपनकीजैताहिबनाय शंखकरोगदूरहोयजाय वाइनवस्तूकरहैक्काथ सीतलसेचनकरतिससाथ शंखकरोगइहविधीनिवारे वंगसेनमतयाहिउचारे ॥ अन्यच्च ॥ चीरीवृत्तनकोंपीसावै लेपकरैसोरोगमिटावै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ क्रौंचअवरकादंवमंगाय कच्छूहंसशरारील्याय इनजीवनकालेवेमांस रसहीकाढपिलावेतास रसकाढेसोपीवेकोय फूनसंखहिमोसंधीजोय तामेंत्रैनाडीसुविचार वेधकरैविनसंखउदार संखहिकोताडननहिकरे मुषनासासौंपयघृतचरै ॥ अथसेचनं ॥ चौपै ॥ पित्तअधिकजामोलषपैये खंडदुग्धजलसेचकरैये यहभीहितकरजानउपाय बंगसेनयोंदियोवताय

॥ अथअनंतवातलत्तणम् ॥

॥ चौचई ॥ तीनोदोषकोपजोधरै सिरनाडीसबपीडितकरै नेत्रभ्रूअरुशंखमंझार अतिशयपीडकरैसंचार मस्तककोजोहाडुलषावे शंखनामताकोलषपावे गंडस्थलजोयासेफुरें हनूपकडवहुदुःखिआजुरे अरुनेत्रनमोउपजैरोग अनंतवातयोंजानैलोग एकादशयोंभेदपछानो कह्योनिदानग्रंथसोमानो शिरकोरोगमहाबलवान समझचिकित्साकरेसुजान ॥ दोहरा ॥ शिरकेरोगनिदानकेभाषेभेदसमस्त समझचिकित्साजोकरैताकीवुद्धिप्रशस्त.

॥ अथअनंतवातशिरोरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ सहतपायमालपूराखाय अनंतवातकोरोगनसाय ॥ चौपई ॥ अतंतबातजाकेसिररोग ताहिचिकित्साऐसेयोग सूर्यावर्तचिकित्साजेऊ अनंतवातकीजानोतेऊ अरुसिरवेधअहैपरमान वातपित्तहरऔषधिजान अरुशिरकंपविषैयौंकहिये बातव्याधहरऔषधलहिये अथसामान्यचिकित्सा प्रथमनसबार ॥ चौपई ॥ गुडअरुशुंठजुनासादेय सन्निपातशिररोगहरेय अथवामघांजुसेंधापाय नस्यलेयशिररोगनसाय भुजस्तंभसबरोगनसावै वंगसेनइहप्रगटबतावै मांसमुलट्टीसमकरलेय अरुमहुराचतुरांशधरेय महीनपीसकरलेयसुचाय प्रमानसर्षपानासापाय भावप्रकाशसोयाहिउचारे सर्वप्रकारसिररोगहिटारे गिल्लीसिप्पीचूर्णवनावै नौसादरफुनचूर्णमिलावै दोनोमेलजुनासादेय गंधसाथसिररोगहरेय ॥ अथषटविंदुघृत ॥ चौपई ॥ महुमुलट्टीसुंठविडंग अरुभंगरापावोतिहसंग इन्हसमसोघृतलेहुपकाय ताषटविंदुनासिकापाय होयत्रिदोषजरुजकोनाश अरुदृढदंतहोयपुनतास वालझडनकोअतिदृढधरै स्वेतकेसकालेअतिकरै नेत्रनमोजोतीप्रगटाय गुरुसमानदृष्टीकरवाय ॥ अथषटविंदुतैल ॥ चौपई ॥ तगरसौंफअरुसेंधापाय विडंगभांगुरासुंठरलाय जीवंतीएरंडकोलेमूल मुलठीरासनालेसमतूल कृष्णातिलोंकातेलमंगावे अजादुग्धसमतैलमिलावै चारगुणारसभंगरेपाय ताहिपकावैअग्निजगाय षटजुविंदुकीलेनसवार शिरविकारकीपीडाटार पतितकेसमोस्थिरतापावे चलतदंतदृढतालषथावे अवरगरुडसमदृष्टिलषाय वलतिसउपजैवहुसुखपाय अथशताव्हादितैल ॥ चौपई ॥ सौंफअवरएरणकोमूल व्याघ्रीफलपवाउसमतूल इन्हसमानजोतैलपकावै लेनसवारकफजरुजजावै अर्धशिरापुनतिमिरविनाशै इहप्र-

कारगुणताप्रकासै ॥ अथजीवकादितैल ॥चौपई॥ जीवकऋषभद्राक्षपुनआन उत्पलबलामुलट्ठीजान इ-हसमतैलदुग्धसमपाय विधिवतसोंमंदाग्निपकाय ताहूकीर्लीजैनसवार पित्तवातशिररोगनिवार ॥ अथब-लादितैल ॥ चौपई त्रिफलाजीवंतीरसआन इन्हसमजलकरतैलपकान ताकीलीजैनितनसवार गलतैंऊ-पररोगजुटार ॥ इतिअंतरगतशिरोरोगंसमाप्तं ॥ मछीभुंनअधिककरलेय नचोरआंद्रत्वचहरलेतय सुका-यचूर्णतिसकाकरवाय जिमिकंदजठरसतिहिंपाय माषकयूषरलायजुखावै शिरोकंपरुजशीघ्रमिटावै अ-न्यच्च शिरोरोगमोनस्यप्रमान चतुरवैद्ययहकरैंवखान शिरोकंपदाहजुतजोय वातव्याधिवतकरहैसोय

॥ अथवाह्यगतशिरोरोगनिरूपणं ॥

॥चौपई॥ वाह्यरोगहैपांचप्रकार तिन्हकाविवरोकरोंउचार इंद्रलुप्तअरुपलितपछानो अरुंषिदारुण-वेल्लिकाजानो शिरकेरोगवाह्यगतजान आगेलक्षणयतनपछान.

॥ अथइंद्रलुप्तलक्षणम् ॥

॥चौपई॥ रोमहिमूलवातापित्तदोय क्रमप्रवेशातिनकरहैंसोय तिन्हकररोमसबीगिरपरै पुनकफरक्त-आयसंवरै सोदोऊअसबलप्रगटावें पुनरोमनकोनहींउपजावै इंद्रलुप्तजोलोकनिहारै नामवालचरप्रग-टउचारैं इति ॥

॥ अथइंद्रलुप्तरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ इंद्रलुप्तरोगजोलहिये ताहिवालचरटटरीकहिये तासाचिकित्साऐसेमानो वंगसेनमतप्र-कटपछानो स्नेहस्वेदहीप्रथमबखाने नाडीछेदमूर्द्धकीजाने ॥ अथलेप ॥ नीलाथोथामर्चमंगावे काही-अवरासिलासमपावे जलसोंपीसलेपकरकोई इंद्रलुप्तदुखनासेंहोई ॥ अन्यच्च ॥ मुत्थरदेवदारुसमपीसै लेपैइंद्रलुप्तरुजषीसै ॥ अन्यच्च ॥ मूलसुहांजनलेवेकोय तीनदिनोंगोमूत्रभिगोय गोवरसंपुटभुंनपिसाय लेपैइंद्रलुप्तमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ कौडपटोलरसलेपैजोय नाशाहिइंद्रलुप्तकोहोय ॥ अन्यच्च ॥ गुंजा-मूलफलअवरमिलावे लेपैरोगबालचरजावे ॥ अन्यच्च ॥ गुंजापत्रमुलट्ठिविषपीस तिलअरुतैलतामोदे-रीसदीस कांजीसोंलेपैरुजषीस उपजैबालकहतजगदीस ॥ अन्यच्च ॥ गोखुरुअवरातिलनकेफूल मधुघृत-सेंलेपैसमतूल इंद्रलुप्तरोगनाशतवहोय घनेकेशउपजैंतहांसोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हाथीदांतभस्सजो-कीजे रसौंतदुग्धघृतसंगमिलीजे लेपैइंद्रलुप्तमिटजाय हथेलीहाथरोमप्रगटाय ॥ अन्यच्च ॥ मुनक्कां-नीलोत्पलजुमुलट्ठी घृतवातैलसमकरेइकट्ठी जबशिरवालगिरणपरआवै नाडीवेधअवश्यकरावै तैल-मलायसीसकोचाय औरविरेचनसिरकरवाय भंगरारसगोक्षीरलिपावे जन्मेंकेशवालचरजावे ॥ अन्यच्च॥ ॥चौपई॥ चतुषपादपशूजोहोय रोमत्वचानखलीजैसोय श्रृंगअस्थिपुनयहसमलीजैं ताहिभस्संगते-लरलीजैं लेपकरैहोएरुजकोनाश अवश्यरोमउपजैंतनतास ॥ अन्यच्च ॥ भूतकेशीवटजटामगावै रस-गुडूचीतिहचूरणपावै तैलमाहिरविवारमझार पकायलेपटटरीदुखटार केसअत्यंतउगताशिरमाही बंग-सेनमोकहितसुताही ॥ अन्यच्च ॥ मुलट्ठीचंदनमुर्वाल्यावै शुंठत्रिफलानीलोत्पलपावै बनचूडाजुप्रियं-गुगिलोय लोहचूर्णभूतकेसीजोय दोयसारिवाचूरणकरै भांगुरेरसमिलतैलसुधरै मंदअग्निसोंताहिपका-य वालगिरनमोसीसलिपाय घनेस्निग्धकोमलअतिभाय प्रथमकेसतनउपजेआय याहितैलजोना-

साधारै अकालपलितातिसदूरनिवारै ॥ अन्यच्च ॥ करवीरमालतीचित्राआन करंजुएकसमतैलहिंठान ताहिपकायलेपजोकरे रोगवालचरतासोंहरे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अर्कअवरथोहरपयआन लांगलिभं-गरावांसाठान अजामूत्रगोमूत्रमिलाय तुम्माखेतसर्षपापाय कौडवरचइकसमसबलीजै तैलमिला-यपक्केसोंकीजै लेपेकूर्मपृष्ठसमान टटरीनशैकेशप्रघटान नसवार ॥ चौपई ॥ मुलठ्ठआमलेलेसमदोई पकावैतैलदूधमेकोई लेनसवारलेपवालावे गंजदूरशिरवालदिखावे ॥ अथगंजचारप्रतीकारालिख्यते ॥ ॥ चौपई ॥ दिनचौथेजोसीससुनावे ऊपरवाथूसागजुलावे दिनपचीसलगसिरपरलावे गंजरोगतुरत-मिटजावे ॥ दोहा ॥ मखनपारातुल्यलेखर्लपहरकरदोय शिरमुनायलेपनकरेगंजदूरतवहोय ॥ औषधगं-जकी ॥ थोथाटंकभूनकेपाय त्रिमडिघरअठटंकपीसाय तेलसरसोंकापाउमंगावे ताकेभीतरखरलक-रावे सिरमुनायकेलेपलगाय गंजरोगइकमासमेजाय ।च्छालागंजकोदारू। तीसरेदिनजोसीससुनावे ता-परघोडेमूत्रजुलावै दिनतीसजोसीसधुलाय गंजरोगकोतुरतमिटाय ॥ पुनः ॥ दोहरा ॥ वेरगिरीपीसाय-केलेपोपानीसंग अगलालेपउतारकेनूतनकरोनिसंग सातादिवसलगकीजियेजायसीसकोगंज ऐसेरोग-जुजातहैपापजायज्यौंगंग ॥ गंजकीमलम ॥ चौपई ॥ घोडेकेनषपैसेचारभर घीउपाउमेमेलजालकर घृत-पुनलेवेमल्हमवनाय ताकेभीतरऔषधपाय चासकूपैंसेचारपिसावे थोथामासाडेडरलावे उसीघीउमे-लेहुघसाय दिनइकीसजोलेपकराय गंजरोगसिगरामिटजावे जाविधऔषधजोगवतावे ॥ पुनः ॥चौपई॥ थोथाअवरसुहागाजान मुरदासंगकमीलाआन टंकटंकपक्कापरमाण आंबलेपैंसाडेढभरजान कथक-सीराडेढपीसाय तैलमाहितिसलेजोलाय तैलमिठासिरसाहिवार कडछीअंतरमेलाविचार तामेदारू-देहमिलाय सोटेसेतीलेहुघसाय सिरकेऊपरलेपकरावै गंजरोगतुरतमिटजावै ॥ पुनः ॥ चौपई ॥ माझा-गोहारसजुकढावै सेरडेढपरमाणबनावे हलदीपैसेदोयपिसाय गोहेरसमेदेहुमिलाय पात्रभीतरताको-पावे पात्रमुखपरमुद्रालावे अरूडीअंदरदेहदवाय दिनइकीसलगराषदवाय पाछेकाढकरलेपकराय उ-सीलेपदिनसातलगाय दिवससातमेलेहुउतार गंजरोगकोदेवोटार जोकछुवाकीगंजभीरहे तीनलेपन-अवरभीकहे ॥अन्यच्च॥ गोहेकोरससेरमंगाय भिलावेथानआठजोपाय कंड्यारीमूलटंकसोआन तिलहि-तेललेताहिसमान सिरपरलेपजुताहिलगाय गंजरोगसिगरामिटजाय इतिगंजरोगचिकित्सा ॥ इति ॥

॥ अथदारुणकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शिरदारुणखुजलाप्रगटावै स्थानकेशषहुरोहोइजावै यहकफवातकोपतेंजान ऐसेंभाषै-ग्रंथनिदान.

॥ अथदारुणकरोगाचिकित्सा ॥

स्नेहपानस्वेदनरभासै नाडीमस्तकरुधिरनिकासै अवपीडशिरोवस्तीअभ्यंग दारुणरोगयाहीतैंभंग ॥ अन्यच्च ॥ कोद्रमत्रिणकीभस्मजुकीजै तासच्छारजलसोंगहलीजै ताहीजलसिरधोवेजोय दारुणरोग-नासतवहोय ॥ चौपई ॥ नीलकमलकाकेसरआने मुलट्ठीआंवलेतामोठाने पीसैजलसोंलेपलगावै तासो-अरूंषिकारोगमिटावै रोगदारुणकहोयहैनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश ॥अन्यच्च॥ गुंजाफलअरुतैलपका-वे शिरलेपैतौभीमिटजावे ॥अन्यच्च॥ वांसाफलकटुतैलरलाय गोमूत्रसंगताहिपकाय करेलेपव्याधीमिट-जावे बंगसेनमतप्रघटबतावे ॥ अन्यच्चतैल ॥ चौपई ॥ कौशातकीदंतीकालमूल चित्राचूर्णकरोसमतूल

तैलमिलायपकावैतास लैयेदारुणकहोहिविनाश ॥अन्यच्च॥चौपई॥ उत्पललोहचूर्णत्रिफलालाय सारवा-लवणमुलट्ठीपाय भंगुरायहसबहीसमलीजै तैलमिलायपक्कसोकीजै लेपैरोगदारुणकजाय अवरअरूंषि-कारोगमिटाय इति

॥ अथाअरूंषिकालक्षणम् ॥

चौपई शिरमोव्रणबहुमुखकेहोंहि गलितमांसलखऐसावोहि वातरक्तक्रमकोपैजवे रुजअरूंषिकाजांनोतवै

॥ अथारूंषिकाचिकित्सा ॥

जलौकारुधिरमोक्षहिततास प्रथमउपायकीनपरकाश ॥ अन्यउपाय ॥ सेंधालूनतक्रकेसंग धोवेशिरअ-रूंषिकाभंग पटोलनिंबवासासमलेय विधिवतलेपबनावेतय वारंवारलेपयोकरे रोगअरूंषिकातासोंटरे चौपई खदिरनिंबजंबूसमआन इन्हकेत्वचकाक्वाथप्रमाण मूत्रपायप्रचालनकरैं रुजअरूंषिकातातैंटरै ॥ लेपनं ॥ कोगडलवणगोमूत्रसोपींसै लेपकरैजुअरूंषिकाषीसै ॥ अन्यच्च ॥ तालमूलगोवररससंग लेपै-होएअरूंषिकाभंग ॥ अन्यच्च ॥ निंबक्वाथगोवररससंग लेपकरैरुजकोहोइभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ तिल-पिरायाकपुरातनआन कुर्कुटविष्ठामूत्रपीसान लेपकरैजुअरूंषिकाजाय यहउपायभीकह्योसुनाय ॥ अन्य-च्च ॥ पटोलहरिद्राहरतालमंगावे ताहिनिंबसोंकल्कबनावे ताकोलेपनशिरमोदेय रुजअरूंषिकायाहिहरेय ॥ अन्यच्च ॥ नीलोत्पलइरंडभृंगराज लेपैहरैअरूंषिकाखाज ॥ पुनः ॥ घोडेकीजोलीदमगावे रसनचोरम-धुलवणरलावे करैलेपसिरऊपरमान रुजअरूंषिकाहोवैहान वाकंडियारीलूणकेसंग लिद्दरसलेपकरैरुज-भंग ॥ अन्यच्च ॥ कुठभूनठीकरीमंकार चूरणकरसुतैलमेंडार लेपनसोंजुअरूंषिकाजावे असउपायता-कोलषपावै ॥ अन्यच्च ॥ थोहरदुग्धअर्कपयलीजै पत्रधतूरेमूत्ररलीजै तैलसोंलिपैअरूंषिकाजाय शिरकंडूब्र-णदूरवहाय ॥अथहरिद्रादितैल॥चौपई॥ दोनोरजनीत्रिफलापाय चन्दननिंबभूनिंबमंगाय इन्हसोंतैलप-कायलगावे रुजअरूंषिकाहतहोजावै ॥ अन्यच्च ॥चौपई॥ शालिपर्णिरसतौलाआन अजमृत्तिकाछिन्नास-मठान पलपलभागइन्होकापाय केशभस्मकर्षइकठाय मक्षीपूरेवीसमिलावे मधुमाक्षिकासोवीसरलावे चारगुणागोमूत्ररलाय ताहिसंगकटुतैलपकाय ताहितैलकालेपकराय रुजअरूंषिकादुखब्रणजाय दुष्टदंत-नखक्षतसुनिवारै ब्रणसूकैजुविसरपीटारै इतिअरूंषिकाचिकित्सा.

॥ अथपालितलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ क्रोधशोकश्रमयुतजुशरीर तातेंगरमीहोईसुधीर सोगरमीशिरमोंचढजावे शिरकेशनकों-श्वेतकरावे रोगसोऊक्षुरडीप्रगटावे याविधियाकेलक्षणगावे. ॥ अथअकालपलितविशेषमाह ॥ पित्तसु-भावजाहूनरभाय स्वेताईशिरप्रगटेआय पुनजोबनमेंदोषजुदोऊ वातापित्तदुखहरहैंसोऊ वृद्धअव-स्थाप्रगटतसोय अकालपलितयहविधहिहोय

॥ अथसन्निपातपलितलक्षणमाह ॥

सबकायश्वेतहोयहैवाल तोसन्निपातजुपलितनिहाल सूक्ष्मरूक्षअरुकोमलवाल तबबूडापनजानेहाल प-

लितश्वेतकेशकोकहै तासचिकित्साऐसेलहै अथपलितचिकित्सा ॥ लेपन ॥ दोइप्रमाणधात्रीफलआन दोहरडवहेडाएकप्रमाण लोहचूर्णकर्षइकपावै आंवगुटीपंचकर्षमिलावै लोहपात्रभंगुरारसपाय आठपहिरसोखरलकराय केशोऊपरलेपनकरैं श्वेतकेशश्यामरंगधरै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ लोहचूर्णभंगुरात्रिफलाय कृष्णमृत्तिकाइचुरसपाय लोहपात्रमोंमासप्रयंत खरलकरैयहलहोवृतंत सोकेशोंपरलेपलगावैं श्वेतकेशश्यामहोइजावैं अथान्यउपाय ॥ चौपई ॥ धात्रीफलविजयाकेफूल लोहचूर्णतीनोसमतूल इन्हकेजलमोधोवेकेश स्वेतकेशश्यामहोएवेश नरकनसैज्योंगंगास्नान श्वेतरंगत्योंभाग्योजान अन्यच्च चौपई ॥ नीलीपत्रभंगरात्रिफलपाय लोहचूर्णभेडमूत्रपिसाय श्वेतकेशपरलावैजोय पलितजायश्यामरंगहोय अन्यच्च चौपई निंबबीजभंगरारसपाय वहेडेअसनवृक्षरसथाय इन्हसमतैलमिलायपकावै लेनसवारपलितमिटजावै भोजनउष्णकरैपुनसोय केशरंगश्यामअतिहोय ॥ अथकेतिक्यादितैलं ॥ चौपई ॥ केतकीभंगराउत्पलआन श्यामात्रिफलानीलिकाठान गिलोयसहचरीअर्जुनफूल तिलीश्यामालोहचूरणतूल पद्मकंदराडाफलपाय अर्जुनवीजतामोंलखभाय इन्हकेसंगहितैलपकावै वुनत्रिफलाकाथमाहिसुपकावै पुनभंगरेरससाथपकाय लायपलितउपजिव्हकजाय ॥ अथनीलविंदुतैलं ॥ चौपई ॥ अंजनमुलठीसारिवाआन अगरउत्पलअरुत्रिफलाठना नीलीपत्रमुस्थरतिलकाही अरुतालीसपत्रलषताहि कूरमापित्तासिंसिपाजान नीलाथोथाभंगराठान लोहचूर्णभूतकेशीलीजे अंवगुटीगोमूत्रसंगदीजे रसौंतअवरहिअर्जुनफूल राडाफलफलजामनतूल कर्षकर्षयहऔषधलेय महीनपीसकरकल्ककरेय अजाक्षीरअरुतैलसुजान प्रस्थप्रस्थइनकोतुममान विभीतकभंगराधात्रीतीन इनरसआढकआढकलीन इनसबकोइकट्ठाजुमिलावे लोहपात्रमोंताहिपकावे सितकेशनकेऊपरलाय श्यामरंगअत्सयहोजाय जहांइकबूंदताहिकीपरेसोइस्थानश्यामरंगधरे खालकपलितवालचरनाशै औरनेत्रकीज्योतिप्रकाशै अथवातैलकीलेनसवार तौभीकेशश्यामरंगधार बलअरुवर्णहरतहैसोय नामजुबिंदुनीलइहहोय विश्वामित्रऋषीयहकह्यो जगकोहितअपनेमनगह्यो अथकाश्मरीआदितैल ॥ चौपई ॥ काश्मरीसहचरीकुसामंगावे जंबूअर्जुनफूलसंगपावे पिंडीतकगुटीआंवकीआन त्रिफलामहूफललेसमठान इन्हमोतैलसाठपलरलावै तातेंदुग्धचतुर्गुणपावै दुग्धहिसमभंगरारसपाय मंदअग्निसोतैलपकाय मलैतैलकोमासप्रयंत श्यामकेशहोयजावेतंत नस्यकरेइसकीनरजोय भ्रमरसमानवर्षशतहोय निश्चयकीजेमनमोंसोय वंगसेनमोंलषियेजोय ॥ अथकेशरंजनतैल ॥ चौपई ॥ काश्मरीमूलजुसहचरीफूल केतकीमूललेहुसमतूल भंगरालोहचूर्णत्रिफलापाय यहसमतैलजुपायपकाय सोइतैललोहपात्रमोंपावे पृथवीमोंइकमासदबावे पुनकेसनकीमर्दनकरें भ्रमरन्यायश्यामरंगधरें ॥ अथकैटभतैल ॥ चौपई ॥ केतकिकुठभंगुरात्रिफलालाय दालहलदत्वचरसोंतजुपाय वृक्षमयनफलत्वचतिलस्याह लोहचूर्णनीलीलाषियेताह आंवगुटीपिंडीतकआन वरचहिभंगरारसपुनठान अर्जुनपद्मकतामोंदीजे इनसबहूंकोकल्ककरीजे इन्हसबसमसोंतैलपकावै मर्दनकरैपलितमिटजावै अवरहुंइंद्रलुप्तहोइनाश विदेहनृपतयहकीनप्रकाश ॥ अथमयूरापित्तादितैलं ॥ ॥ चौपई ॥ पित्तामोरअंवगुटीआन भेहनीलिकाउत्पलठान भंगराकाहीसुरमालीजे तैलइन्होसंगपकजुकीजे लोहपात्रमोंधररगडावै मासप्रयंतदवायरखावै केशनपरसोमलैबनाय पलितजावेश्यामरंगथाय

॥ अथइरिवेल्लिकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मस्तकविषैपिंडिकाहोय गोलाकारसुजानोसोय ज्वरउपजेअतिपीडाकरै सोइरिवेल्लिकानामसुधरै तांकरताहित्रिदोषजमानो इसप्रकारसोलक्षणजानो.

॥ अथइरिवेल्लिकाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ पित्तविसर्पमेंऔषधजोय इरिवेल्लिकामोजानोसोय आगेपथ्याऽपथ्यविचार जाविधग्रंथकारमतधार.

॥ अथशिरोरोगपथ्याऽपथ्यनिरूपणम् ॥

॥दोहरा॥ शिरोरोगकेपथ्यअपथ्यवैद्यकग्रंथविचार भाषसुनावतहोंतऊसुनहोबुद्धिउदार ॥ चौपई ॥ ॥ अथपथ्यं ॥ स्वेदनधूमपाननसवार रेचनलेपनछर्दविचर रक्तमोक्षडंभशिरबंधन पुरातनघृतकोपानजुलंघन चावलसष्ठीदुग्धपछान पटोलद्राक्षावाथूपथ्यमान नारकेलवादामलषीजै धात्रीफलहिसुहांजणदीजै मारूथलमृगपक्षीमास कुट्टकरेलेकीनप्रकास तैलविजौराअवरअनार कांजीतक्रहरडमनधार कुआरगंदलअरुमुस्थरजानो कर्पूरउशीराभंगरामानो ॥ दोहरा ॥ पथ्यकहेसिररोगकेपंडितलेहुविचार फेरकहोंसोसुनहुतुमकरोंअपथ्यउच्चार ॥ अथअपथ्यं ॥ दोहरा ॥ बेगरोकनिद्राक्षुधाविष्टामूत्रजृंभान अधोवातरोकनअपथनखसिखजलइस्नान शिरोरोगवर्णनाकियोप्रथमहिरूपनिदान फुनहिचिकित्साभाषकेपथ्याऽपथ्यवषान ॥ इति ॥

॥ अथकर्मविपाककथनम् ॥

॥ दोहा ॥ जिसनरपूरवजन्ममेसीसकलियोचुराय शीर्षरोगतिसहोतहैदियोजुग्रंथवताय तांकोदोषनिवारणेसिक्कादानकरेय तुलाप्रमाणविधानयुततांकरदोषटरेय ॥ अन्यच्च ॥ पूर्वजन्ममेजाहिनरऔषधलिएचुराय शिरोरोगतिसहोतहैसूरयदियोबताय तांकेदोषनिवारणेकांचनपलभरलेय वेदविदुषब्राह्मणप्रतीपूजाकरसोदेय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ गुरुजनकाजोहोअपराधी अवरश्रेष्ठव्रतदियोजुत्यागी तांहिदोषशिरउपजेरोग कर्मविपाककहेसिद्धयोग दोहरा तांकेदोषनिवारणेव्रतकृच्छ्रादिकरेय कांचनकृतउपवीतभलवेदविदुषप्रतिदेय शीर्षरोगवर्णनकियोकारणसहितउपाय नेत्ररोगवर्णनकरोंसोसुनियेचितलाय

॥ अथशिरोविकारदोषकारणनिरूपणम् अथकारणम् ॥

॥ चौपई ॥ जाइप्रयागमुंडननहिकरै मातपितापगासिरनहिधरै ब्राह्मणगुरुसंन्यासीयाही नमस्कारकरहैजोनाही तांकेशिरविकारहोइआवै तासउपायप्रगटयोंगावें.

॥ अथउपाय ॥

॥चौपई॥ षट्पलताम्रप्रमाणमंगावै ब्रह्माजीकीमूर्तबनावै स्वर्णमयीगलमाहिउपवीत पहिरावैमनमोधरप्रीत रजतहंसअरुवस्त्रउढाय पृष्टभागसूरजबैठाय दक्षिणभागतिहिंविष्णुबिराजै वामअंगशिवमूरतछाजै उत्तरभागकुवेरबैठावै विधिसोंपूजैचित्तलगावै ब्रह्मादिकहितहवनकराय विप्रहिदेयप्रीतमनलाय शिरविकारदोषहोइनाश कर्मविपाककीनप्रकाश ॥ दोहरा ॥ शिरविकारकेदोषकेकारणकहेउपाय नेत्ररोगकेदोषकोआगेसुनचितलाय

॥ अथज्योतिषउपाय ॥

दोहा जबबुधअंतर्दशामोंमंगलकरेप्रवेश तबप्राणीकोजानियेसिरमैंहोइकलेश सूर्यदशाकेअंतरेशुक्रजुकरैप्रवेश तौभीनिश्चैहोइगोसिरमोकछुकलेश शुक्रअंतर्दशामोंबुधजुकरैप्रयान तौभीपीडाशीर्षकीप्राणीभोगेजान ॥उपाय॥ जोजोग्रहप्रवेशकरेपूजनकरियोतास विधिविधानसोंग्रहबलीशिरोरोगहोइनास.

॥ अथअर्धसिरपीडाकामंत्र ॥

अर्धकपालीनाशयजाजारिपायनीजाजारीहत्यारी नजायतोमेरेगुरुकीआज्ञा हनुमंतवीरकीआज्ञा गरुडपंच्छीकीआज्ञा मेरीभक्तगुरूकीशक्तीफुरोमंत्र ईश्वरोवाच इसमंत्रसेमस्तककोशनैः २ २१ वारफूकदेतौअर्धशिरपीडाजाय कृष्णवदी १४ को शक्तिमाफिक् इसमंत्रकाजपकरेतौइहमंत्रसिद्धरहै॥ अथदूसरामंत्र उंनमोआधासीसीहुंहुंकारीपहरपचारीसुषमूदिपाटल्वेडारी अमुकारेसीसरहैसुखमहेश्वरकीआज्ञाफुरे उंटंटंस्वाहा २१ वारमंत्रके अंगुलमस्तककेऊपरफेरैतौआधाशिरपीडाजाय३ ४६

॥ अथान्यप्रकारशिरोरोगाऽधिकारकथनम् तत्रादौ आगंतुकशिरोरोगनिदानम् ॥

॥चौपई॥ आगंतुकशिरपीडपछानो सिरदर्दगैरमादीकरजानो विनापित्तशिरपीडाजोहोई आगंतुककारणगरमीहोई जैसेंधूपअगनबहुतापे बहुतखेदवाक्रोधविआपे गर्मवस्तुअतिहींनरखावे सोबुखारशिरकेप्रतिधावे इनकारणशिरपीडाहोई विनापित्तआगंतुकसोई ॥उपाय॥ चंदनमुसककपूरमंगावे अर्कगुलाबसाथपिसवावे पतलालेपतांहिशिरदीजें अथवाशिरपरमर्दनकीजें आगंतुकशिरपीडाजावे सुगमउपायकरेसुखपावे वरपत्रजढसाखालीजें काकजंघाताहीसंगदीजें देगबीचधरबहुजलपावे चाढअगनपरसोगडकावे निगरआडदेपरसाहोई आगंतुकशिरपीडाखोई काकजंघाकेपत्रमंगावे महीनपीसशिरलेपकरावे आगंतुकशिरपीडाहोई शीघ्रयतनकरनासेसोई धनिआंमिसरीकेशरआनो पौनेदोदोमासेठानो अलसितेलबागोघृतल्यावे करइकत्रनसुआरचढावे आगंतुकशिरपीडाहोई तांहीछिनमेंजावतखोई

॥ फारसीमतशिरदर्दसरदीकी अथागंतुकशिरोरोगनिदानम् ॥

॥दोहा॥ जोहैसरदीजिगरकीउसविनपीडाहोय होवेठंडजोओपरी आगंतुककहिएसोय ॥ चौपई॥ जैसेंसीतलपवनजोहोई वाशीतलजलपीवेकोई शीतलवस्तुअधिकनरखावे ऊनाधिकपवनतनुलावे होएस्पर्शअधिकतनुजोई वरफादिकजडजैसेंहोई इनहूंतेशिरपीडाजानो आगंतुकशिरपीडपछानो

॥ अथउपाय ॥

॥ चौपई ॥ अपनादेहगर्मवहुकरिए गर्मवस्त्रअतिऊपरधरिए औषधगर्मपीसशिरलावे वामस्तकपरमर्दनभावे गर्मनीरपीवेनरसोई भोजनअधिकनरखावेकोई १ एरणकीजढसुंठमगावे पीसनीरसोगर्मकरावे मस्तकऊपरमर्दनकरिए शिरपीडाताहीछिनहरिए २ हरडसुंठधनिआमंगवावे वाइविडंगसंगरलावे साडेतिनतिनमासेल्याय सेरदोइजलकाथवनाय सोदिनसातपिलावेकोई आगंतुकशिरपीडाखोई ३ सुंठमर्चसोसनजढल्यावे मुनक्काजीराश्वेतमिलावे अजमोदासमभागमिलाय साडेतींनतिनमासेपाय करेक्काथपीवेदिनसात निश्चैसिरपीडाकटजात ४ मासेसातहर्फीममंगावे सेरदोइति-

लतेलमिलावे सेरपांचजलकूपामिलाय चाढअगनपरतांहिपकाय जवसबनीरसोखूहोजावे तौवहतैलसी-सपरलावे मस्तकहूंपरमर्दनकरिए आगंतुकाशिरपीडाहरिए ५ सरूंवीजदोमासेल्यावे साडेदसमासे-घृतपावे फूकमारनसुआरचढाय आगंतुकासिरपीडनसाय कस्तूरीहर्दललौंगमंगावे मुसुककपूरभागस-मपावे गोघृतसोनसुआरचढाय आगंतुकासिरदर्दहटाय ७

॥ रसीसिरदर्दसफरावी ॥

॥ चौपई ॥ केवलपित्तदोषजोहोई वामैलेजलपीवतसोई इनहूंतेशिरपीडाजानो तांकेहितइहजतन-पछानो जोऔषधपित्तजहैपाछे सोइसकलगुणहैइतआछे

॥ अथउपाय ॥

॥ चौपई ॥ चंदनसोसनकीजढल्यावे वाइवडिंगसुंठीखसपावे गिलोइआमलादाखमिलाय मिसरीगो-घृतमधूरलाय करइकत्रचटनीचटवावे पित्तदोषाशिरपीडाजावे २ त्रिफलाधनिआदाखमंगावे सोसन-मूलकिरायतापावे मुनक्काअलमतासमलीजें पौनेदोदोमासेकीजें चारसेरजलक्काथवनावे आधसेरपी वेसुखपावे २ अतरीफलसुंदरमंगवावे खावेशिरपीडामिटजावे ३ धनिआंतोलाडेडमंगावे मिशरीसाड-हिमासेपावे पीसनीरसंगसेवनकरिए पित्तदोषकीपीडाहरिए ४ काष्टनिंबजलसौंरगडावे मिशरीपायले-हचटवावे पित्तजाशिरपीडासबनासें नेत्रपीडहटदृष्टिप्रकासे ५ मनसिलमघालोध्रमंगवावे पीसनीरन-सुआरचडावे पित्तजशिरपीडाहटजावे निश्चैयतनकरेसुखपावे ॥ दोहा ॥ सिंगरफसीसालूणलेदर्डकरे-नरकोय मखनवीचरलायकेसूंहतपीडाखोय १ शिरपीडाहोवातकीअथवाकफप्रघटाय जतनलिखाजो-ठंडकासोईइतसुखदाय २॥ चौपई ॥ हलदीसुंठीमघामंगावे कवावचीनीमर्चपुटकंडापावे वाइवडिंगअ-जमोदालीजे पौनेदोदोमासेकीजें करकेक्काथपिलावेकोई नसुआरकरेशिरपीडाखोई ३ बर्चसुंठहलदीमं-गवावे राईजीराश्वेतामिलावे लूणसंगसमभागमंगाय पीसनीरनसुआरचढाय शिरपीडातांहीछिनजावे आगेऔषधऔरवतावे ४ तुंमेकीजढमर्चमंगावे मर्चश्वेतहलदीमघपावे वाइवडिंगसुंठीसंगपाय कंडे-आरीवडीलूणमिलाय कीरव्यारगूंदसंगलीजे लेसमभागदरडकरदीजें सेरदोइतिलतेलमिलाय नीर-सेरदसपायपकाय जबसबनीरतांहिजलजावे तौवहतेलसीसपरलावे शिरपीडाततछणकटजाय शताव-रीतेलहूंभीगुणदाय ५ खिरनीबीजपत्रमंगवावे तांकोरसनसुआरचढावे जेकरउहरसप्राप्तनहोई बी-जनीरसंगरगडेसोई तांहीछिनाशिरपीडाजावे रणवीरचिंतामणिग्रंथवतावे ६ देवदारुकुठलूणमंगावे जउखारमघसंगमिलावे पुष्यगंडेलभागसमलीजें पीसनीरशिरलेपनदीजें ७ सुंठीधनिआंमघांमगा-वे चित्रालेसमभागमिलावे नीरपायकरक्काथपिलाय शिरपीडातांहीछिनजाय ८ कलौंजीशर्करगोघृत-पावे हलुआताहिबनायखुलावे शिरपीडातांहीछिनजावे देहपुष्टसिरदोषहटावे ९ जेकरकेवलआधिकहो-ई पित्तप्रबलवारुधिरजोकोई इनहूंतेशिरपीडाजानो पित्तजपिछलायतनपछानो वांसाजढदोतोलेल्यावे करेक्काथसममधूमिलावे पीवतहीसिरपीडानासें रणवीरचिंतामणियतनप्रकाशे १० जेकररुधिरपित्तयु-तजानो प्रबलहोएतवयतनपछानो लूणमैनफलरगडपिलावें वमनकरेतबसुखपावे ११ पित्तजहोतब-दस्तकरावे बांनाडीकतेंरुधिरकढावे ग्रीवापीछेजोंकलगाय हरिहरशरणहोयसुखपाय १२ ॥ दोहा ॥ जेकरउदरविकारतेंशिरमेपीडाहोय ताहिउदरकोशुद्धकरदस्तकरावेसोय १३

॥ फारशीमतदर्दशकीका ॥

॥ दोहरा ॥ आधेसिरपीडारहेअथवाकवहूंहोय ताहियतनपीछेलिखा पित्तजमानोसोय आधेसिरकीपीडइकसरदीहूंतेजान अथवाकेवलवाततेंसोलच्छणपहिचान ॥ चौपई सूरजउदेहोतहैंजबहीं आधेशिरपडिाहोतवहीं ज्योंज्योंसूरजतेजदिखावे त्योंत्योंशिरपीडाअतिधावे दोइपहरतकखेदादिखावे पाछेक्रमसोंहटतीजाव सायंकालतकरहेनसोई सूर्यपातनामाइमिहोई सूयावर्तनामभीकहिए पारसदरदशकीकालहिए.

॥ अथउपाय ॥

॥ चौपई ॥ पिप्पलकाष्टताहिरगडावे ऊषाकालाशिरलेपचढावे आधशिरकीपीडाजाइ सुगमउपायअधिकसुखदाइ मरुआपत्रमंगावेकोई तिलकातेलताहिसमहोई दोनोतोलेपांचामिलावे चाढअग्निपरतेलपकावे सोईतेलनसुआरचढावे आधेशिरकीपीडाजावे सूर्याक्रांतसीसजोहोई ताहिधोयजलपीवेसोई अरुणोदयमैसेवनकरिए आधेशिरकीपीडाहरिए सुंठीधनिआंदोइमंगावे सतसतमासेक्वाथचढावे कोसाप्रातःकालपिवावे आधेशिरकीपीडाजावे हलदीसुंठीमघामंगावे वल्लजुआइनमर्चरलावे वाइविडंगतुंमाजढलीजें सिलाजीततांहीसंगकीजें बीजउटंकनसंगमिलाय कवावचीनीसमभागरलाय तप्तनीरसंगपीसेकोई नसुआरलेताशिरपीडाखोई मघामर्चसुंठीमंगवावे हलदीलूणधारसंगपावे तुंमेकीगिरिकीरमिलाय बीजसुहांजनसंगरलाय कंडिआरीबडीतांहिमंगावो वाइवीडंगसमभागमिलावो चौदांचौदांमासेल्यावे सेरदोइतिलतेलमिलावे नीरसेरदससंगमिलाय चाढअगनपरतांहिपकाय जवदससेरनीरजलजावे तौवहतेलसीसपरलावे वानसुवारचढावेकोई आधेशिरकीपीडाखोई मुसबरात्रिफलातांहिमंगावे फक्कीसमसमभागबनावे प्रातसातमासेनितखावे आधेशिरकीपीडाजावे कंडिआरीकारसनिकसावे नसुआरलेतशिरपीडाजावे राईजलकेसंगापिसावे प्रातलेपमस्तकपरभावे आधेशिरकीपीडाजाय सुगमउपायकह्योसमुझाय त्रिफलात्रिकुठात्रिवीमंगावे फटकलूणकचलूणरलावे मुनक्काअजमोदासंगपाय सतसतमासेसबीमंगाय बीससेरजलपाइचढावे सातसेरपाणीरहजावे सातसेरगोदुग्धमिलाय तीनसेरासितखंडरलाय चाढअगनपरचासवनावे तोलाडेडनिताप्रातिखाय आधेशिरकीपीडाजाय फुनिग्रीवाकीपीडामिटाय कपूरनीरकेसंगघसावे तीनवूंदनसुआरचढावे आधेसिरकीपीडाखोवे वातपित्तकीकैसीहोवे ॥ दोहा ॥ जेकरऐसेयतनतेपीडादूरनहोय तौजुलावदेशुद्धकरउदरउपाधीखोय जेकररुधिरविकारतेंसिरमेंपीडाहोय नाडसरेरोदेखकेरुधिरनिकाससेसोय

॥ मूर्छादिमागदी फा.सर्साम.वर्साम. ॥

दोहा ॥ भेददोईपहचानिएभिंनभिंनसुननाम सिरहोवेसरसांमहैद्वदेहोतवरसांम सिरमेंपडदेमिंभ्फकेसोजताहुमेंहोय धमनीनाडादिमागमेंआगेलच्छणसोय तापहोएअतिगर्मतनुलालनेत्रमुखजान बकवादकरेचांदनविनाहांसीरोदनठान रुधिरपित्तकरएकहैदूसरपित्तजमान आदिकारणमेंयतनकरनातरहोवतहान

॥ अथउपाय ॥

दोहरा ॥ पित्तजशिरकीपीडकायतनलिखाहैजोय सिरसामरोगपरसोकरेतांहीछिनसुखहोय ॥ चौपई ॥ कपूरएकरत्तीमंगवावे चंदनश्वेतगुलाबमिलावे सिरकामेलनासिकापावे सिरसामरोगतांहिकटजावे यत-

नकरेसिरसामनजावे ग्रीवापीछेपछकरावे सरेरोनाडकारुधिरनिकासे तीनवारहितरोगविनासे ॥ दोहरा ॥ जुसांदाअंमलतासकावाहरीडकाहोय शीरषींसतविधरेचनीहुकनाकरदुखखोय जेकरकेसिरसाममेंलच्छणहोएवुहरांन रुधिरनासिकातेचलेतौइहश्रेष्टपछान जेकरसमतालंघकेरुधिरचलेअतिजास तौअसाध्यपहचानिएकाहिएमृत्यूतास पडदाहिरदेवीचइकसेजताहुंमेजान वरसामरोगतवहोतहैतपताहूतेमान धूमहृदेकाकोपकरजवपहुचेशिरमाहि रहेतापनिद्राविनाएसेलच्छणतांहि युनानीऔषधरेचनीरेचनकरिएजास नामअयारज़ेफयकराजाहूंतेदुखनास रुधिरसरेरोनाडकाताहिनिकालेकोय आदिकाणरमेयतनकरवाहीतेंसुखहोय रोगपुरातनहोतहीताहिअसाध्यपछान आदिकाणरमेयतनकरनातरमारकमान रोगशिरभौना फा० दाब्बर २० चौपई चारदोषकररोगविचारो वातपित्तकफरुधिरनिहारो जेकररुधिरदोषपरकासे सरेरोनसकारुधिरनिकासे वापिन्नीपरपछलगावे जुसांदाअंमलतासपिलावे जेकरपित्तवातप्रगटावे मुखअरुमूत्रपीतहोजावे कौडामुखलच्छणपहचानो आगेतांकोयतनपछानो खसखाससेरछेइलेआवे नीरएकमणवीचपकावे पंद्रासेरनीररहजाय तवमिसरीदससेरमिलाय तांहिपकायचासवनवावे थिंदेभांडेवीचरखावे दोहा तोलाडेडानित्यंप्रतिपीवेनीरामिलाय सिरभौनादुखदूरहोआगेऔरउपाय ॥ चौपई ॥ सरपुंखाधनिआहरडमंगावे सतसतमासेदरडकरावे चारसेरजलक्काथवनाय सातादिवसपीवेदुखजाय चंदनश्वेतकपूरमंगावे सुंहतहीसिरदोषहटावे सरेरोनसकारुधिरनिकासे आगेऔरभेदपरगासे शिरभौनाकफहूंकामानो अथवावातजरोगपछानो फुनसीश्वेतउपजतहैताहि ठंडापरसामस्तकमाहि ॥ उपाय ॥ ॥ चौपई ॥ छेतोलेकालीमिर्चमंगावे अकरकरापंजतोलेपावे पीसमखीरमिलावेकोई पौनदोमासेगोलीहोई प्रतरातदोसेवनकरिए दब्बाररोगतांहीछिनहरिए हलदीचीनीखंडमंगावे दोनोतोलेपांचमिलावे साडेसततोलेघृतपाय प्रातकालप्रतिदिनउठखाय खिचडीपथ्यमुंगकीखावे सुंदरगोघृतसाथमिलावे किसीदोषकारोगजोहोई सेवनतेसबनासेसोई यतनकरेसुखउपजेनाही ग्रीवापीछेदाहकराही असाध्यरोगपरयतनपछानो अंतकयतनजाहुकोमानो ॥ ८ ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांशिरोरोगाधिकारवर्णनंनामअष्टमोऽधिकारः ॥ ८ ॥

॥ अथनेत्ररोगाधिकारकथनं तत्रादौनिदानमाह ॥

॥दोहा॥ नेत्रहिरोगनिदानकोंभाषोंभेदसमेत जिन्हकारणतेंउपजहैंप्रथमकहोंसोहेत ॥ अथनेत्रकारणम् ॥चौपई॥ गरमीकरततपतनाआवे तुरतहिंजाजलमोधसजावै अरुजोदूरदृष्टिभरदेषै अरुअतिसूक्ष्मवस्तुबहुपेषै सयनविपर्ययतेंभीजान खेदधूलिअरुधूमतेंमांन विष्टामूत्रहिरोकैवात रोकेछर्दबहुतजोषात अरुअतिमारगकरहैजोय अतिरोदनवाक्रोधीहोय अतीशोकअतिआतपधावे अतिमैथुनवाअश्रुरुकावे गर्मवस्तुअतिसेवनकरे कांजीकुलथमाषअतिचरे ऋतुकोहोयविपर्ययजवै शिरअतिघातहोयजबकवै केशपुटेअतिनिद्राखावे सेवेमारगवीर्यरुकावे इन्हकरदोषक्रुद्धसोजान नेत्ररोगतांहीकरमान वातपित्तकफरक्तविचार नेत्रआवकरहोतविकार इतिनेत्ररोगकारणम्.

॥ अथनेत्ररोगसंख्याप्रमाणकथनम् ॥

॥दोहरा॥ अनुक्रमिकानैननकहोंसारंगधरअनुसार अंगुलनेत्रप्रमाणदोउदरअंगुष्टविचार समस्तरोगहैंनेत्रकेनव्वेचारसुजान चरकऋषिवर्णनकियेमुख्यछिहत्तरमान ॥चौपई॥ दसवायूदशपित्तजजान कफ-

केतेरांकियेबखान षोडसरुधिरसन्निपातपचीस नेत्रवारहजगजानकवीस इहमतसुश्रुतकेअनुसार रोगनेत्रदृढकीनविचार ॥ दोहरा ॥ नेत्रमंडलकेमध्यमोस्यामठौरविचकार तुल्यमसरदानेमणीतहांवसैकरतार पांचभूततिहउत्पत्तीज्योतीअग्निसमान तेजरूपस्वयंसिद्धहैअविनाशीसोजान ॥ चौपई ॥ नेत्रमंडलकेपर्देचार तिनसोंआवृतकियोंविचार चारोपटलअैसेकरकहे जैसेप्याजपराछिलकेलहे नेत्रज्योतकास्वेतस्वभाव चरकऋषीकृतवर्णप्रभाव जलअरुरुधिरदृष्टिआधार ताकोंवर्णोविविधप्रकार प्रथमपटलजलतेजकेआश्रय पटलदूसरोमांससमाश्रय तीसरेमेदकेआश्रयमान चौथावर्णोविबुधसुजान अस्थीमांसमेदजलतेज इनपांचोंकेआश्रयमेज अथअनुक्रमणिका नेत्ररोगकेसस्थान दृष्टीकृष्णश्वेतजोजान वर्णपद्मसंधिजेजानो औरसमस्ताहिनेत्राजुमानो ॥ चौपई ॥ द्वादशदृष्टीरोगविचार कृष्णभागमोचारनिहार श्वेतभागएकादशजानो संधीकेनवरोगपछानो नेत्रमार्गइकवीसकहीजै दोइपद्मनीजानसुलीजै सर्वनेत्रसप्तादशजान रोगाछिहत्तरऐसेमान अनुक्रमरोगनकीनवषान मनमोंधारेचतुरसुजान दृष्टिदोषकह्योलिंगनाश द्वादशभेदहिजानप्रकाश तांकोवर्णोविविधप्रकार समझलीजिएजीयमंझार वातजपित्तजकफलिंगनाश सन्निपातहैरक्तजतास लिंगनाशपरिम्लायनकहिये पित्तविदग्धदृष्टिहथलहिये तेजपटलमोतांहिविचार कफविदग्धदृष्टिजुगसार धूमदर्शिन्हस्वजात्यकहीजे नकुलांधागंभीरसुलीजै ४ कृष्णामंडलकेचारोरोग सत्रणशुक्रलिंगसंजोग अव्रणअजकाजातसुकहिये अक्षिपाकात्ययनामसुलहिये शुक्लभागकेयारहिमान प्रस्तार्य्यर्मशुक्लार्मपछान रक्तार्मअधिमांसार्मकहीजे स्नाय्वर्मशुक्तिअरुअर्जुनलीजे पिष्टिकाशिरासुजालवलास शिरापिंडिकाजानेतास वर्त्मरोगइकीसपछान उत्संगपिंडिकाकुंभिकामान पोथिकीवर्त्मशर्कराकहिये अर्शोवर्त्मशुष्कार्शसुलहिये अंजननामिकावहलसुवर्त्म वर्त्मवंधकक्लिष्टसुवर्त्म वर्त्मकर्दमश्यामसुवर्त्म प्रक्लिन्नवर्त्मअक्लिन्नजुवर्त्म वातहतवर्त्मअर्वुदवर्त्म शोणितार्शकुंचनविसवर्त्म लगननिमेष इक्कीसपछान चरकऋषीमतकीनप्रमाण पद्मनीयकेदोइप्रकार पद्मकोपपद्मशांतिविचार संधिजरोगफुनग्रहपरिमान पूषालसउपनाहसुजान पित्तस्रावकफस्रावकहीजै सन्निपातरक्तस्रावलहीजै पर्वणीकअलजीसुविचार जंतुग्रंथितइहनवजुविकार समस्तनेत्रदशसातपछान वातिकपैत्तिककफकरजान रक्तजअभिष्पंदइहचार वातापित्तकफरक्तविकार हताधिमंथइहपांचकहीजै सशोथअशोथअतिपाकलहीजै वातपर्य्यशशकाक्षिविचार अन्यवाताशिरोत्पात्तसुचार अम्लाध्युषितशिरहर्षप्रमाण समस्तचरकमतकीनवषान ॥

॥ अथदृष्टिरोगपटलगतलक्षणनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ ज्योपहिलेपडदेमंझार होयरोगजोदृष्टविकार अव्यक्तरूपदेषैहैसोय धुंधरोगभाषैंसबकोय दूसरपरदेदोषप्रवेश विव्हलदृष्टहोयलषवेश आत्तिमस्कअरुजालकदेषे पताकामंडलकिरणसुपेषे अनेकप्रकारचिन्हतिसभाषे नभवर्षाअंधकारप्रकाशे दूरस्थितजोवस्तुकहीजे अतिसमीपतिसनरहिलहीजे अरुसमीपइस्थितहैजोय तांकोदूरलषैहैसोय अत्यंतयत्नजवहोतहैतिसको सूचीवेधतवदृष्टनतिसको

॥ अथकाचलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोतृतीयपडदेमंझार दोषप्रवेशकरैसुविचार तववहपुरुषऊर्द्धकोदेषे नीचीदृष्टनाहिवहपेषै वडीवस्तुजोदृष्टीआवै वस्तूसोछादितदरशावै कर्णनासिकालोचनहीन असरूपहिदेषैलषलीन नेत्रपार्श्वजोदोषप्रगटावै निकटस्थिततिसदृष्टनआवै जोनेत्रनकेचारोओर दोषप्रवेशकरैंवहुजोर

तोसवरूपसुव्याकुलदेषै आनभातनहिमनमैपेषै जोमध्यदृष्टदोषप्रगटावै वडीवस्तुछोटीदरसावै टेढादोषदृष्टिमंझारे होवेएकसोदोयनिहारे जोनेत्रानकेदोअस्थान होयदोषइस्थितयोंजान एकरूपसोदोइप्रकार अथवाबहुतप्रकारनिहार ॥

॥ अथनीलकाचलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ चौथेपरदेलोचनमाहि तिमिरदोषहोतप्रगटांहि तवहीसकलदृष्टिरुकजावै रविविजलीशशिअग्निदरसावै रविविजलीअरुनक्षत्रदिखाही अवरकछूतिसदृष्टनआही वातजदोषनयनमंझार लालमलिनसोरूपनिहार अथवादेखेवहुतप्रकार वस्तूदेषतभ्रमतविचार पैत्तिकदोषनयनकेमाही रविविजलीखद्योतलषाही इंद्रधनुषपुनदेषैसोय पैत्रिकदोषचिन्हअसहोय अरुमयूरनचतेसोदेषै असवहुवरणनीलवहपेषै लोचनकफजदोषसंचारै जलपूरणसबठौरानिहारै स्वेतसनिग्धवगुलाआकार देषैऐसेंकीनउचार रक्तजरोगजुनेत्रप्रकाशै रक्तअरुअंधकारजुभासै हरितकृष्णपीतसवदेषै रक्तजदोषजानइहलेषै जोसन्निपातदोषप्रगटावै सोइविचित्रारूपदरसावै किसहुंदिशामोंरवीप्रकाशै खद्योतचमककिसहूंदिशभासै रविशशिविजलीद्विधाजोदेषे अथवाबहुतप्रकारसुपेषे हीनअंगअथवाबहुअंग वस्तुसकलतिसदेषेंभंग पित्तम्लायिनपरिमूर्छितजोय सूर्यतेजकरजानोसोय देषेपीतदिशरविउद्योत देखेसहितवृक्षखद्योत ऐसोरोगजासकोहोय लिंगनाशनामाहैसोय.

॥ अथलिंगनाशकरोगभेदवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ सोलिंगनासहैषटपरकार रागभेदकरकीनउचार वातजपित्तजकफजपछानो रक्तजअवरत्रिदोषजजानो परिम्लायिनजोषष्टाकहिये लिंगनासकेभेदसुलहिये जासनेत्रअतिलालदिषावै वातजलिंगनाशतिसगावै नीलपीतजिसचक्षूलहिये पित्तजलिंगनाशतिसकहिये श्वेतवरणजोनेत्रलषीजै कफजलिंगनाशसुकहीजै लोचनरक्तवरणजोलहिये रक्तजलिंगनाशसोकहिये विचित्रवरणसन्निपातपछानै लिंगनाशयोंपांचवषानै दृष्टीमंडललालीहोय स्थूललालकाचसमजोय परिम्लायिननीलपीतरंगजानै लिंगनाशषटरंगपछानै नेत्रदोषजवक्षयहोइजावै तवकछुतांहिदृष्टिसोआवै मंडलाकारजोदेषनलागै वातजअरुणचपलसोजागै कांस्यनीलपीतरंगजान असमंडलपित्तजलषमान वहुसानिग्धशखंजिमिश्वेत मंडलकफजलखोयहभेत कमलपत्रजलविंदूजैसे कफजचिन्हजानोतुमतैसे आतपकालसंकुचितजुहोय छायामोअतिछादितसोय नेत्रमर्दतेंकरोविस्तार कफजचिन्हतुमकरोविचार प्रवालकमलरंगजिसहोय रक्तजमंडलजानोसोय विचित्रवर्णजिसमंडलमाहि त्रिदोषजचिन्हलखोतुमताहि दृष्टिदोषप्रकार चौपई पित्तजदोषदृष्टिहैएपीत पीतरूपसवदेषैमीत पित्तकरदग्धदृष्टिजिसहोय दोषतृतीयपटलमोजोय दृष्टिआश्रितरोगजुकहिये तांकोरूपभिन्नलषलैये पित्तदग्धइकदृष्टीजानो कफविदग्धहीदूसरमानो धूमजुदर्शीतीसरहोय ह्रस्वजातनकुलांधहैदोय षष्टारोगगंभीरकाजान भिन्नभिन्नकररोगपछान अथपित्तविदग्धलक्षणं सोदिनमोकछुदेषतनाही पित्तघटैनिसिमोदिषराही.

॥ अथकफविदग्धलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दग्धदृष्टकफकरजिसकहिये श्वेतदृष्टिसितरूपसुलहिये प्रथमदूसरेपटलमोहोय दिन देषैनिसिकोंनहिसोय.

॥ अथधूमदर्शीलक्षणम् ॥

चौपई शोकखेदज्वरसिरतसाय हतदृष्टीजोपुरुषकहाय सकलवस्तुधूमावृतजोय दीसतधूमदृष्टिहैसोय

॥ अथह्रस्वजातिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ निशिप्रसन्नशीतकरदृष्ट तिसकरपित्तरोगहोएनष्ट तातेंरात्रीरूपसुदेषे ह्रस्वजातितिसनामसुलेषे सोनरलघुवस्तूजवदेषै वडेकष्टसेंतिसकोपेषै ॥ नकुलांधलक्षणम् ॥ जिसकीदृष्टिनकुलइवहोय रूपविचित्रदेखतहैसोय नकुलांधदृष्टिताहिकोभाषै ग्रंथनिदानमतीज्यों भाषै.

॥ अथगम्भीरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जांकीदृष्टिसवातविकार अंतरकोसिमटीसुनिहार पीडाबहुतहोइतिसतांई नामगंभीराजाविधगाई इहजोलिंगनाशरुजजानो दोप्रकारकारोगपछानो एकनिमित्तजहैलिंगनाश दूसरअनिमित्तजलषतास जोसिरतापहुतेप्रगटावै सोऊनिमित्तजरोगकहावै गंधर्वऋषिसुरसर्पहिजोय इनहितेजतेंप्रगटतहोय सोअनिमित्तजालिंगपछानो अवरभेदमतग्रंथवषानो महाभास्वरजोवस्तुनिहारे तांसोदृष्टिघातकरडारे सोअनिमित्तजजानप्रबीन जिहकरवस्तुसपष्टनचीन अरुवैडूर्यमणीकीन्याई तासदृष्टसवभासतसांई उपद्रवकरउतपन्नगंभीर रोगसोईवजोंमतिधीर ह्रस्वजात्यहैसंज्ञकजोय उपद्रवतेंजुअसाध्यहैसोय काचरोगसोइजाप्यपछानो यत्नकरैसुखसाध्यसुमानो नकुलांधरोगभीतांसमजान तिमिरकष्टसाध्यपहचान नीलिकालालीनहिजिसहोय काचसाध्यतुमजानोसोय तिमिररोगहैजाप्यसुजान वैद्यकग्रंथनकामतमान जेकरलालपटलगतहोय तौअसाध्यतुमजानोसोय इतिनेत्रपटलगतदृष्टिदोषनिदानम् ॥

॥ अथनेत्रपटलगतदृष्टिदोषउपाय ॥

अथवाततिमिरउपाय ॥ चौपई ॥ स्निग्धनस्यजोअंजनमान सोधनतर्पणपुटपाकप्रमाण वस्तिकर्मघृतपानकहीजै इनसोंवातजदोषहिछीजै ॥ चौपई ॥ प्रथमकरैदशमूलीकाथ घीउपकावैसमातिससाथ त्रिवीचूर्णलेंषावैसोय रेचकरावैतासोंजोय वादशमूलक्काथसोंमेल स्निग्धपानकरएरंडतेल ताहीसोंरेचनकरवावै वानसवारघृतअंजनपावै याविधऔषधकरअभ्यास वातजपटलातिमिरकोनाश ॥ अथपित्तजपटलउपाय ॥ चौपई ॥ पित्तजमोंऐसेंलषमान रुधिरमोक्षरेचनघृतपान अरुशीतललेपनस्यसुखदाय त्रिफलाघृतभीहितलषपाय शीतलसेचनशीतलतर्पण शीतलरेचनजानविचक्षण मृदुअरुतिक्तवस्तुघृतसाधित पित्ततिमिरसबहोवैनासन जीवनीयगणअरुत्रिफलाय तिसकरसाधितघृतजुवनाय सोघृतवैद्यजुपानकरावै पाछेनाडीबेधवतावै स्निग्धवस्तुकररेचकराय पित्तजतिमिरनासहोजाय अवरसारिवालोध्रउशीर चंदनपद्मसमलेवोवीर पीसवर्तिकानेत्रनपावो पित्तजपटलसुतिमिरमिटावो ॥ अथकफजपटलउपाय ॥ चौपई ॥ कफजपटलजिसनेत्रलषावै तीक्ष्णअंजनलोचनपावै अरुतीक्ष्णलेवैनसवार कफजपटलमोंयहहितकार तीक्ष्णसोधनपुटपाकजुतीक्ष्ण अरुतीक्ष्णतर्पणकरेविचक्षण इनकरकफजपटलहोएनाश वैद्यग्रंथमतकियोप्रकाश अरुवासांत्रिफलालेहुपटोल करैसिद्धघृतयहसमघोल सोऊघृतानितकीजैपान होवेकफजपटलकीहान सुंठत्रिवीघृतगऊत्रपकाय पीवेरेचनकरसुखपाय ॥ नस-

वार ॥ मरचमुलट्ठविडंगसुरदार यहनसवारजानहितकार ॥ अन्यच्च ॥ त्रिकुटात्रिफलाशंखपिसावै मनसिलताहीसंगरलावै वर्तिवनायकरेनरअंजन कफजतिमिररुजहोवतभंजन ॥ लेपन ॥ चौपई ॥ रसोंतआमलेघृतमधुपीस लेपैवातपित्तरुजखीस ॥ अथकाथ॥ चौपई॥ यवपटोलचित्राकोमूल त्रिफलालीजैसवसमतोल क्काथसघृतनिशिपीवेवास होयसमस्तातिमिरकोनाश सांसर्गिकरोगअरुसन्निपात इनमेंअधिकजोरोगकहात जिसजिसकीजोक्रियाहैजेती तिसतिसकर्कासांक्रियाकरतेती ॥ चूर्ण ॥ त्रिफलाचूर्णघृतमधुसोंसेवै तिमिरसमस्तनाशकरदेवै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिफलायष्टीलोहसचूरन समपीसेमधुमोंकरपूरण याहिसदासेवैनरजोय नाशसमस्ततिमिरातिसहोय ॥ अथत्रिफलाविलेह ॥ चौपई ॥ त्रिफलाचाटेतैलमिलाय वातजपटलतिमिरमिटजाय त्रिफलाचूर्णमधूजुमिलाय चाटैकफजतिमिरमिटजाय त्रिफलाचूर्णघृतकेसंग चाटेतिमिरापित्तरुजभंग ॥ अथत्रिफलाजलगुण ॥ चौपई ॥ त्रिफलेकोजलपीवैनित्य चीरशतावरखायसुमित्त ऐसेंसेवैवरषपर्यंत होयप्रकाशलखोवरतंत ॥ अन्यच्चगुण ॥ त्रिफलेरसजवअन्नपकावै संवत्सरघृतसंगसुखावै नेत्ररोगसबहोवेंनाश सुखउपजैवडिज्योतिप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलेक्काथसोंचक्षूधोवै नाशसमस्तनेत्ररुजहोवै ॥ अन्यच्चगुण ॥ त्रिफलाक्काथलोहकेपात्र दिनसमस्तराखेजुसुपात्र सायंसंध्याघृतहूंरलाय भोजनकेउपरंतपिलाय ऐसेंपीवैमासप्रमाण अंधविकारनासतवजान ॥ अन्यउपाय ॥ लोहपात्रमोंनिशिघृतपान सोभीनेत्रनकोंहितमान ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलाघृतभीहैहितकार ऐसेंनिश्चयनिजमनधार ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ प्रातसमयजलमुखभरलीजें करूलीनिजकरऊपरकीजें सोंजलनेत्रनमोनितपाय नित्याभ्यासकरतिमिरमिटाय ॥ अथरेचनविधिः ॥ चौपई ॥ प्रथमहिकीजैत्रिफलाक्काथ एरणतैलमिलावोसाथ गुगुलमधुसंगतासखवावै रेचनहोहितिमिरमिटजावै ॥ अथअंजनं ॥ चौपई ॥ सुरमागेरीपत्रकपूर नागमुलट्ठीपीसकरचूर यहसमअंजननेत्रनपावे तिमिररोगसवनाशहोजावै ॥ अन्यच्च ॥ मुलट्ठआमलेसमकरल्याय तिसकरसाधितजलजुवनाय तिसजलस्नानकरेनरजोय पित्तजातिमिरनासतवहोय अन्यच्च वचादिऔषधीइकठ्ठीलीजे तिसकरसाधितजलजुकरीजे तिसजलसाथकरेनरस्नान श्लेष्मतिमिरकीहोवैहान ॥ अन्यच्च ॥ कृष्णतिलोंसंगसाधितजलसे तिसकरस्नानकरेनरहितसे स्नानकियेवातजरुजजाय वंगसेनमतदियोवताय ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलाचवकगिलोयक्काथ सिद्धकरेघृततिन्हकेसाथ सोघृतपानकरेनरजोय नाडीवेधकरावेसोय कफोत्थतिमिरहोवेतवनास वंगसेनमतकियोप्रकास ॥ चौपई ॥ त्रिफलालोहचूर्णकोक्काथ हरडकर्षइकचूरणसाथ तीनकर्षघृतपायपिलावै पटलतिमिररुजधुंदमिटावै भोजनऊपरमासइकपीय सप्तदिवसअंधालखलीय कंङ्कुकाचपीडहोइनाश नेत्ररोगविनज्योतिप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई॥ सिक्कातीसभागजोलीजै गंधकभागपांचतिहिदीजै ताम्रचूर्णदोभागमिलावो तालकभागदोयलषपावो वंगएकभागलषलीजै सुरमातीनभागतवकीजै अंधमूकजंत्रमोंभरै अग्नीऊपरजंत्रासोधरै धमैताहिपक्कसोकरै पक्कजानलेवासनधरै नेत्रनोअंजनपावैसोय नाशतिमिररोगकोहोय अंजनदूसरभास्करजान नेत्ररोगतमहरतपछान ॥ अन्यच्च। चौपई।

मृतककृष्णसर्पइकआनै वृश्चिकचारइकतरठाने दुग्धकुंभमोंतिन्हकोंपाय दिनइकीसलगधरैवनाय वृश्चिकसर्पगलजावैजवै रिडकानिकासेमाषनतवै सोमाषनकुरकुटहिंखवावै तिसकीविष्टाअंजनपावै अंधविकारपुरुषकोजाय एहउपायकह्योजुसुनाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ फलनिर्मलीशंखपुनठान त्रिकुटासेंधासितामिलान समुद्रफेनमनसिलाविडंग मधुरसोंतकीजैइकसंग कुर्कुटअंडकपालमिलाय यहसबलैजैइकसमभाय पीसेनेत्रहिंअंजनपावे वटीवनायनेत्रदुखजावे तिमिरकाचफोलामिटजाय अंधवि-

क्षतिरुजनाहिरहाय कंडूक्लेदअरुअर्वुदनासे अर्मअवरमलनेत्रविनासे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ समुद्रफेनमघइकइकशाण अर्धशाणमरुवांतिहजान सुरमाशाणएकगहिलीजे अर्धशाणसेंधाधरदीजे नक्षत्रजुचित्राकेमंझार कांजीकेसंगपीससुधार तांकोअंजनपावैजोय काचकंडुरुजातिमिरहिंखोय कफजरोगनाशहोजावे नेत्रशुद्धहोवैसुखपावे ॥ अन्यच्च ॥चौपई॥ कृष्णसर्पकीवसामंगावे धात्रीरसमधुसंगमिलावे अंजनपावेनेत्रनसोय काचअर्वुदनाशतवहोय सर्वरोगनेत्रनकोजाय वंगसेनमतदियोवताय ॥अन्यच्च॥ चौपई ॥ मुक्ताकाचअगरकरपूर मरचकणासेंधातिंहचूर एलाप्रवालसुंठकंकोल कांसीसिक्कारजनीघोल शिलाशंखअभ्रकतुत्थडाल हलदीकुरकुटअंडकपाल मालतीपुष्परसोंतामिलावे करंजुनिंवसुरमासंगपावे रंजितमुलट्ठीकेसरलीज रोहिषपित्तलानिंवसुवीज नगौरीमुत्थरताम्रकोचूरण इकइकमासाभरलेपूरण खरलकरैमधुसाथमिलाय अंजनपावैताहिवनाय ॥ सर्वरोगनेत्रनकेनासे सुंदरनिर्मलदृष्टिप्रकाशे ॥ अथशिक्षा ॥ थकितमनुषभयभीतजुहोय रोदनमद्यपानकरेजोय ज्वरनवीनजिसकेतनहोई अथवावेगहिरोकैजोई उष्णकालवहुव्यापेजवै अंजनहितनहिजानोतवै इनसमयअंजनहितनाहि भावप्रकाशकहितविधताहि फटिकमलहिज्योंराषउतारे सुवर्णमणीमलजलहिनिवारे तैसेमलजोनेत्रमंझार अंजनदूरकरतमतधार अंजनकरिपुननेत्रजुधोय दोषटरेनाहिवलहरसोय पिंडीतवृक्षजढमधुहिमिलाय नेत्रहिपायदोषामिटजाय सुपक्कपटलकोशोधनकरै इहविधग्रंथकारमतधरै दिनमोअंजननहिहितकार रेचतेदुर्वलदृष्टिमनधार सूर्य्यतेजकरपीडितहोय सायंअंजनपावैसोय निसिमोअंजनकर्षतदृष्टि सौम्यगुणनैतेंकरेजुपुष्टि सदैवकालअंजनहितकार व्याधिहरननिर्मललषसार

॥ अथचंद्रोदयवर्तिका ॥

॥ चौपई ॥ हरडवरचकुठमघामंगाय मरचवहेडेगिरीमिलाय शंखनाभिमनसिलसहलीजै गावदुग्धसोंखरलसुकीजै ल्याकरअंजननेत्रनडार अथवावर्तिवनायसुधार कंडूतिमिरपटलहोइनाश अर्वुदअधिकमांसहरतास मासपर्यंतसेवेनरजोय नामचंद्रोदयवर्तीसोय दोयवर्षकोफोलाजावै रात्र्यंधहरेवहिदृष्टिवधावे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हरडहरिद्रामघांपिसाय सिंधुलवणयहइकसमभाय अंजनपावैतीमिरनसाय कंडुनेत्रमोंनाहिरहाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिफलाकुरकुटअंडकपाल काहीअरुलोहेरजडाल नीलोत्पलअरुवायविडंग समुद्रफेनसवसमकरसंग अजादुग्धदिनसातप्रमान ताम्रपात्रमोंघसैसुजान अजादुग्धसोंनेत्रमंझार पावैअंधतिमिरकोंटार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ शंखचूर्णभागलेचार दोयभागमनसिलतिहिडार एकभागमरचतिहकीजै अर्धभागपिपलीधरदीजै जलसोंपीसनेत्रमैपावै तिसरोगकोनाशकरावै जोपावेदधिमंडकेसंग अर्वुदरोगहोयतिसभंग जोयहमधुसोंअंजनपावै पिच्चटरोगनाशहोइजावै इस्त्रीपयसंगपावैतास होजावैअर्जुनरुजनाश ॥ अन्यच्च ॥ अथदृष्टिप्रदावर्ती ॥ चौपई ॥ लाक्षानिर्मलीचंदनआन मरचमुलठीउत्पलठान रसोंतआमलेमनसिलपावै गिरीवहेडेसितारलावै फेनमालतीपुष्पविडंग एलानीलाथोथासंग शंखनाभियहसमपीसाय नेत्रनमोंसोअंजनपाय सर्वनेत्राकेरोगविनाश निश्चयकीजैमनमोंतास ॥ अन्यच ॥ अथकुसुमावतीवर्ती ॥ अलसीतिलकेफूलमंगावे साठमघाकेदाणेपावै जातीपुष्पपचासमिलाय षोडशमरचसुपीसरलाय यहऔषधजोनेत्रनपावै अंधहुंकोफिरदृष्टिआवै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ चंदनपूगीफलत्रिफलाय पलासगूंदसवहीसमभाय जलसंगपीसेपावैसोय सर्वप्रकारतिमिरहतहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सेंधायष्टिअरुत्रिफलाय प्रपुंडरीकरसोंतमिलाय नीलाथो-

थालोध्रविडंग त्रिकुटाताम्रचूर्णधरसंग सबसमपीसैनभजलसंग पावैतिमरपटलहोएभंग नागार्जुनय-हकीनवषान लोकनकोहितमनमोंश्रान दुखितहोइनेत्रयुगजोइ नारीपयसोंपावैसोय फोलालालीनेत्र-लषावै केसूकरेससोंवहपावै अल्पादिननकोतिमिरीहोय लोधरकेसंगपावेसोय वहुलालीरुजनेत्रमंभार वस्तमूत्रकेसंगसुडार,

॥ अथकाचरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ मघाजुमासेचारभंगावै समुद्रफेनसमतहिरलावै दोमासेभरमर्चसुलीजे सेंधामर्चसमान-धरीजे सितसुरमानवटंकमिलाप अंजनकरशुभनेत्रहुंपाय काचरोगसबहोवैदूर ग्रंथकारमतकह्योसुपूर अन्यच्च मेषशृंगीसुरमांशंखहिचूर अंजनकरेकाचमलदूर अन्यच्च मनसिलसेंधालूणभंगावै कासीसशंख-त्रिकुटाफुनपावै रसौंतमधूसंगअंजनकरै अर्मकाचशुक्रतिमिराहिटरै अन्यच्च काचरोगमोजानप्रमाण जलौकारुधिरनिवारनजान जाहिक्रियापूर्वोक्तभनीजे सोसबहितवरयामोलीजे ॥अन्यच्च॥ चौपई ॥ यष्ठी-गेरीअरुकर्पूर नीलोत्पलसुरमासंगचूर गजकेसरसंगपीसमिलावै सबहीसमअंजनसोपावै तिमिरसर्व-कोहोवैनाश निश्चयकीजेमनमोतास ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कृष्णसर्पकेमुखमंभारे विषसुरमादोउसंगडारै कोमलरजुमुखवांधेतास धूमननिकसनपावैजास अग्निलगायदग्धसोकरै पीसताहिअंजनकरधरै नल-दपत्रमिलायसोपावै फूव्योनेत्रहिशुद्धलषावै तिमिररोगकिसलेखेमांहि निश्चयकीजेसंशयनाहि अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पारागंधकयहसमलीजे चांगेरीरसमूर्छितकीजै नेत्रनमोपुनपावैतास सर्वरोगनेत्रनकोनाश ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ त्रिफलाभंगरासुंठपिसावै मधुघृतत्तीरगोमूत्रमिलावै सत्तवारइनवस्तूसंग सिक्वावुझावैहोयानिसंग शलाकाकरसोंनेत्रनठान नेत्रहोंहितिसगरुडसमान ॥अथनसवार॥ चौपई ॥ आ-द्रकभंगराअवरसुलट्ठी पीसतैलमोकरेइकट्ठी ताहूंकीलिवेनसवार रोगपटलगतदूरविचार

॥ अथकफजलिंगनाशनेत्ररोगेनाडिवेधप्रकारनिरूपणं ॥

॥चौपई॥ रूपलत्तणकीमणीजुनैन ताकोलिंगनामकहवैन तिहविनासजानमनधर लिंगनाशतिहनामवि-चार सर्वलिंगयोजानप्रवीन नाडीवेधकफजतिहचीन वातपित्तरक्तजसन्निपात इनमोवर्जतिहवेधकहात मर्दनतेंपुत्तलीनहिजाने फैलाहोमोतिविंदप्रमाने ऐसेलिंगनासमोंजान नेत्रवेधनहिहितातिसमान ॥चौपई॥ त्रिफलादिशुभघृतजोकहै पटोलादिघृतजानसोलहै सोघृतपानकरावैजवही लिंगनाशकफवेधे-तवही क्लेशरहितथानशुभहोय उतानशयनकरसोवेसोय ऊर्धगमननहिकरेततकाल स्थिरकररहेअवराचि-तचाल लिंगनाशककरजिसकोहोय नाडीवेधकरावैसोय लिंगनाशरोगामिटजावै ताहूकीविधऐसेंगावै चतुरवैद्यकोहैअधिकार नाहिकरैजोमूर्खगंवार काहेशस्त्रक्रियायहजान इसकीविधिहैकठिनमहान वर्षउ-न्नीसउरैनहिकीजे अस्सीवर्षउपरंतनकीजे शलाकासाथवेधिएजवै छिद्रस्तनपयसिंचेतवै उज्जलदृष्टप्रगट-होइतास शलाकाशनैशनैसुनिकास घृताभिगोयपुनवस्त्रमंगावै तासनेत्रपरपट्टीवंधावै ऊचोबोलनअवरजु-क्रोध शोकशरदिआतपफुनवोध बहुतवातअरुसीतस्थान तिसवैठनविशेषनहिमान छिक्कथूकणकास-डिकार कंपनत्यागैसत्रहिविचार तीनदिवसविधएसीलेवै काथवातहरऔषधदेवै ऐसेंदसदिनवीतेजान लघूअन्नखावैहितमान अरुइस्त्रीकोंसेवैनाहीं पंथ्यधरैकेतकादिनमाहीं त्त्यअरुकासश्वासाजिसहोय तास-क्रियायहकरेनकोय नेत्रपीडकरणदुखजास वैद्यकरैनक्रियायहतास गर्भिणइस्त्रीभीरुजान ज्वरीवीर्यत्ती-

णपहिचानचीणतनतृष्णायुक्तजुहोय मद्यपानकरेनरजोय भोजनजिसकीनोततकाल जीर्णज्वरचयशो
षनिहाल इनहिएहक्रियानहिकीजै इन्हमोस्थिरतानाहिलहीजै असीक्रियाजिसकीकरे ताकोंपथ्यभली
विधधरै करैअपथ्यवहुउठेंविकार असेंमनमोंसमझविचार रोगशोथअरुअर्बुदपीड बुदबुदकरचतहैत
नुपीड पथ्यकरेनहियतनकराय अधिमंथादिरोगउपजाय पुनघृतदुग्धदूर्वारसलीजै जवगेरीसारिवाइक
समकीजै इन्हकोमुखपरलेपनकरै पीडरोगशांतिसुखधरै पुनउज्जलदृष्टिहेतलषलीजै अंजनश्रेष्ठनय
नमोकीजै तिलसर्षपविजोरेरसपीस लेपकरैपीडारुजखीस ॥ अन्यच्च ॥ हरडसारिवातजपत्राजुलीजै म
जीठमुलट्ठइकत्तरकीजै अजादुग्धसोंलेपैसोय पीडारोगनासतवहोय अथपटलाकर्षणअंजन ॥ चौपई ॥
मेषश्रृंगिअवरपुष्पलेधावे सरीहमालतीकुसमरलावे वैडूर्यमणीमुक्ताअरुआन ताम्रपात्रअजादूधमिला
न घसैसातदिनअंजनपावे उज्जलदृष्टिहोयदरशावे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सुरमाविद्रुममनछलआने म
रचसमुद्रफेनसमठाने पीसनेत्रमोअंजनपावे गृध्रदृष्टिसमदृष्टिलषावे ॥ अन्यच्च ॥ जलसीपीकोसमास
रसपावै उज्वलदृष्टितासकीगावै अथवर्तिका ॥ चौपई ॥ हरतालआढकीकोलेमूल मरचरसोंतकरोसम
तोल जलसोंपीसगुडसंगमिलावै वटीवनायनेत्रमोंपावे उज्जलदृष्टिहोयहैतास नेत्रनमोवहुहोयप्रकाश अ
थकनिष्टत्रिफलादिघृतं ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटासेंधालीजै इन्हसबसोंपकायघृतपीजै यहघृतनेत्रन
कोंहितकार असेंमनमोंनिश्चयधार भेदनरुचिअरुदीपनजान अरुकफनासनसोघृतमान अथमध्यम
त्रिफलादिघृतं ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटाद्राचाआन कौडसुंठीअरुचंदनठान प्रपुंडरीकविडंगलघुए
ला गजकेसरनीलोत्पलमेला सारिवादोदोरजनीपाय कर्षकर्षयहसबसमभाय औषधीसबसमदूधमली
जै पात्रपायधरअग्नीदीजै त्रिफलारससंगत्रिगुणमिलावै प्रस्थपायघृतताहिपकावै खायत्रिदोषजतिमिर
विनाशै नेत्रश्रावफुनकामलानाशै अर्वुदकाचपटलअरुखाज पीडशोथकाएहीइलाज अवरभीचचूरो
गविनाश उज्जलदृष्टिनेत्रापरगास अथमहात्रिफलादिघृतं ॥चौपई॥ त्रिफलारसइकप्रस्थहिलीजै प्रस्थ
भांगुरारससंगदीजै वांसाशतावरीरसल्याय प्रस्थप्रस्थयहजानलसुभाय धात्रीफलरसरसजुगिलाय
यहभीप्रस्थप्रस्थलषदोय अजाचीरपुनघृतहीआन प्रस्थप्रस्थयहकरोमिलान मंदअग्निसेंताहिपकावै
पुनकर्षकर्षयहचूर्णपावै द्राचाकणासितात्रिफलाय नीलोत्पलजुमुलट्ठीपाय काकोलीमधुपर्णीजोय कं
डयारीपुनपावैसोय पुनसोघृतयहपायपकावै भोजनआदिअंतमधखावै नेत्ररोगहोवैसबनाश नेत्राश्रा
वअंधरात्रिविनाश रक्तनेत्राकाचपुनजावै तिमिरनीलकापटलनसावै अर्वुदअरुअभिष्यंदनिवारे अरुद
धिमंथपद्मरुजटारे वातपित्तकफरोगनसावै दृष्टिमंददृष्टिरुजजावै कंडूरुजकोंकरेयहचूर यातेंएतरुज
होइदूर होवेगृध्रदृष्टसमदृष्टि अग्निवेधसुवरणयथेष्ट अथपटोलादिघृतं चौपई पटोलकौडानिंवअरुवासा
दालहलदत्रिफलासंगतासा त्रायंतीपर्पटलेहुजुवांहां मघांकिरायतकौटजतांहां चंदनउत्पलमुस्थ्रमुलट्ठ
मृणालकमलजढकरोइकट्ठ यहसबकर्षकर्षप्रमाण प्रस्थदोयघृतताठान प्रस्थआमलेरसजुमिलावै दो
प्रस्थशतावरीरसपावै प्रस्थभंगरारसदेसाथ प्रस्थदेवदारूकोक्वाथ मंदाग्निपकायकरेसोपान शिररुजने
त्रदोषकीहान त्रिदोषजतिमिरपटलव्रणनाश अंधरातफोलाकाचविनास कंडूपद्मशोथमिटजावै अ
दृष्टमंददृष्टीनरहावै पित्तअर्मरक्तराजीहरे दृष्टिरोगअरुतिमिरहिटरे दूरतिमिरकोहोवैनास वलअरुवर्ण
करैपरकास दृष्टीपुष्टकरेघृतसोय विदेहराजमतऐसाहोय अथरासनादिघृतं॥ चौपई ॥ रासनात्रिफला
अरुदशमूल जीवनीगणचूरणसमतोल याहिकाथमोंघीउपकावै खावैतिमिररोगमिटजावे ॥ अथवि
भीतकघृतं ॥ चौपई ॥ वहेडेहरडआमलेआने पटोलनिंबवांसातिहठाने क्वाथकरेघृतसाथपकावै

लेनसवारातिमिरमिटजावै ॥ अथत्रिफलातैल ॥ चौपई ॥ त्रिफलालोध्रउशीराप्रियंगु इन्हसौंतैलपकायनिसंगु ताहूकीलेवैनसवार कफजतिमिरनेत्रदुखटार ॥ अथगोमयतैल ॥ चौपई ॥ गोवररससौंतैलपकावै लेनलवारपित्ततिमिरनसावै ॥ अथभृंगराजतैल ॥ चौपई ॥ प्रस्थएकभंगरारसलीजै कुडवतैलसंगमेलीजै पलमुलट्ठसंगपायपकाय लेनसवारइकमासलगाय तिमिररोगकाहोवेनास कृष्णाकेशहोजावेतास ॥ अथनीलोत्पलतैल ॥ चौपई ॥ नीलोत्पलनागरकणामुलट्ठी अंशुमतीकरद्राचइकठी वरचकाहीपुंडरीकमिलावै कंड्यारीरसताहिरलावै रास्नामहुमजीठसुपाय प्रिश्नालल्याइकरताहिरलाय बलाऋषभधात्रीफललोधर कर्षकर्षसवकरोइकत्तर प्रस्थएकसंगतैलमिलाय प्रस्थचारपयपायपकाय ताहूकीपुनलेनसवार तिमिरकाचअंधराताटार अर्जुनपटलनीलीकाजावै बाधिर्य्यऔरुधिरश्रावमिटावै अर्मकंडूहनुग्रहहोएनाश दंतचालरुजहोयविनाश नासामुखतेपूयजोश्रावै यानसवारसौंनरहावै गलगंडकर्णनेत्रकोशूल दंतकंठशिरदुखनिरमूल जिव्हारोगपुनहोवेनाश इत्यादिकसबरोगविनाश याहितैलशिरमालिशकरै मुखअरुनेत्ररोगसवटरै ॥ अथनृपवल्लभतैल ॥ जीवकऋषभमेदविडंग अंशुमतीद्राचाधरसंग दोइकंड्यारीवलामुलट्ठी मंजीठशर्कराकरोइकठी रासनानीलोत्पलसंगदीजै गोषरुपुंडरीकसहदीजै लवणमघापुनर्नवापाय यहसवकर्षकर्षसमभाय प्रस्थतैलपयप्रस्थजुचार पकायसोश्रावैलेनसवार तिमिरकाचअंधराताजावै अर्बुदचचूरुजनरहावै स्वेतालिंगनीलिकाजाय मुखनासादुर्गंधमिटाय अकालपलितहनुशंखनिवारै पाकात्ययदुखनेत्रविडारै स्कंधपीडबाहूग्रहजाय शिरस्तंभगदजत्रुमिटाय ॥ इति ॥

॥ अथरात्रांधनेत्ररोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ किंजल्ककरंजूउत्पलआने चंदनगेरीसमकरठाने गोवररसलौंतिन्हैपिसावै नेत्रपायअंधराताजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ रसौंतऔरदोइरजनीआन पत्रनिंबकेमालतीठान गोवररससंगपीसजुपावै नेत्रनतैंअंधराताजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जातिपत्ररसजीवनीपाय अरुरसौंतमधुसाथपिसाय सौंअंजनकरनेत्रैंडारै अंधरातारोगसुदूरनिवारै ॥ अन्यच्च ॥ दधिसौंमरचांघसकरपावै नेत्रनतैंअंधराताजावै ॥ अन्यच्च ॥ गोवररसमघपीसजुपाय नेत्रनतैंअंधराताजाय ॥ अन्यच्च ॥ वकरेकाजुकलेजमंझार मरचपकायसूच्मकरडार ततच्चणहोइअंधरातानाश लोचनकीहोएजोतिप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ त्रिकुटामधुसौंपीसजुपावै नेत्रनतैंअंधराताजावै ॥ अन्यच्च ॥ गोधाकाजुकलेजाचीर तामौंमघांधरैसुनवीर अग्निपकायसुअंजनपावै ततच्चणरुजअंधराताजावै ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ नीलोत्पलकोकेसरआन गेरीयहसमपीसेस्यान गोवररसगुटकाकरधरै पुनघसायसोअंजनकरै रात्रांधअवरदिनअधविकार यहअंजनइन्हमौंहितकार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ रसौंतशंखअवरत्रिकुटाय यहसबहीलीजेंइकभाय दोयरजनीअरुमनशिललीजै अरुचंदनसबइकसमकीजै गोवररसगुटकावंधवाय घसकरपुनसोनेत्रहिपाय दिनांधरातिअंधरुजनाश नेत्रनमौंहोइअधिकप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ सोनासुरमाघृतहिरलावै महीनपीसकरअंजनपावै दिनांधअवरअंधराताजाय यहउपायभीकह्योसुनाय ॥ अथदृष्टउपाय ॥ चौपई ॥ गेरीअरुलेपत्रतालीस पुनरसौंतसबहीसमपीस घृतमधुगोवररससंगतास षरलकरैयोंकीनप्रकाश पित्तकरहोयदृष्टिहतजास अंजनपावैदृष्टिप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥

॥ चौपई ॥ लोध्रमुलट्ठिकाश्मरीफूल रसोंतदार्वीसुरमातूल लेसमपीसेंमधूमिलावै नेत्रनमांय-हग्अंजनपावै पित्तजदृष्टीव्याधीनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश इतिअंधरातादृष्टदोषचिकित्सा

॥ अथकृष्णतारागतनेत्ररोगवर्णनम् ॥

अथसव्रणलक्षणम् ॥ चौपई ॥ कालीधीरीनेत्रमंझार सूचीवेधपीडसंचार रूपनदेषसकैनरसोय अश्रुश्रवैतहांव्रणभीहोय याकोनामशुक्रकाहिगायो जैसेग्रंथनिदानबतायो सव्रणसाध्यासाध्यलक्षणं दृष्टसमीपशुक्रजोहोय बडोनहोबहुश्रवैनसोय बहुपीडानहिहोतिसमाहि यहकदाचसिद्धहोयकिनाहि शुक्रनामफोलेकोकहै जगतप्रसिद्धसभीजनलहै अथव्रणलक्षणं कुंदइंदुशंखइववस्वेत धीरीमध्यलखोजहभेत अव्रणअचिरहिपतलाहोय हैसुखसाध्यजुफोलासोय जोगंभरिबडोआकार चिरकोकष्टसाध्याविचार ॥ असाध्यलक्षणम् ॥ छिन्नमध्यतेफोलाजोय आवृतलालमांसकरहाय सूक्ष्मनसतहकरैसंचारी सोयअदुष्टकरैनरनारी जोदोपरदेमोगतलहियें गिरदातासलाललषपैये बहुतकालकास्थिरजोहोय करेनतासचिकित्साकोय जोफोलाहोइमुंगप्रमान नेत्रनिमग्नहोययोंजान पिटकाहोयनेत्रविचजास उष्णाअश्रुश्रवैनिततास औसोशुक्ररोगजोलहिये ताहूंकोजुअसाध्यलषैये जोतीतरपक्षहोयआकार नेत्रनमांअसहोयविकार सोयअसाध्यरोगलषलीजै कह्योनिदानग्रंथसुनदीजै ॥ अथअक्षिपाकात्ययलक्षणं ॥ मंडलश्यामजुनयनमंझार सोछादितहोजावैसार पाकात्ययतिहनामकहाय ग्रंथकारमतादियोबताय सोयअसाध्यरोगपहिचानो अवरभेदमननाहिनआनो अजिकाजातलक्षणं अजिमेंगणवतफोलाहोय लालरंगअथवासितसोय मंडलकृष्णजुछादाहिलेवै अश्रुलालबहुपीडादेवै अजिकाजातनामइसकहिये ग्रंथदेषमतसबलहिये शिरअक्षिकर्णभ्रूमध्यसुजान कपोलशंखवर्त्मइनथान अजिकारूपजबप्रापतहोय अक्षिनासतवकरहैसोय नासामेहोयअजकारूप ताकोमध्यमजानोभूप नेत्राहिअश्रुपातकरैकैं ग्रंथकारमतऐसेरोपें नेत्रादाहफुनक्लेदनजोय अजिकामेंयहपैदाहोय जवावदेयजतननाकरै असाध्यरोगमननिश्चयधरै ॥ इतिकृष्णतारागतरोगनिदानंसमाप्तम् ॥

॥ अथकृष्णतारागतनेत्ररोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ याहिरोगकोफोलाकहिये तासचिकित्साऐसेलहिये फोलासाध्यजुवैद्यपछानै तांकीसोऊचिकित्साठानै जाकोंसमझैएहअसाध्य ताकोंत्यागैअसलषव्याध्य.

॥ अथसर्वसामान्यउपाय ॥

॥ चौपई ॥ रुधिरमोक्षलेपननसवार अंजनघरषणपुटपाकविचार आश्चोतनअरवस्तीजाने वंगसेनमतसत्यपछाने यहसबपरसामान्यउपाय आगेंऔषधकहोंसुनाय ॥ क्काथ ॥ चौपई ॥ पत्राकपित्थ्यनिंवआमलेलेय लोध्रमुलट्ठषदिरातिलदेय इनहूंसकोकीजैक्काथ शीतलकरचक्षुधोइतिससाथ अरुसोक्काथनेत्रमोंडार फोलानाशेसर्वप्रकार ॥ अन्यउपाय ॥ पलासबीजमरुआरससंग घसपावेहोइफोलाभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ लांगलिधात्रीफलअरुचार मरुवेरसघसअंजनडार फोलेकोंसोकरहैनाश निश्चयकीजैमनमोंतास ॥ अथधूप ॥ चौपई ॥ सेंधाअरुकंडयारीमूल ताम्रचूर्णसटीसमतूल ताम्रपात्रधात्रीरससंग घसधूपैलेपैरुजभंग ॥ अथवर्तिका ॥ चौपई ॥ समुद्रफेनशंखपुनलीज सेंधा-

अरुसुहांजणेबीज यहसममधुसेंवटीबनावै नेत्रधरैफोलाकटजावै फोलाकाटनयहयोंजान शत्रन्यायय-हत्रौषधिमान ॥ अन्यच्च ॥ कर्पूरचूर्णवटच्चीरमिलाय अंजनपावैफोलाजाय लघुअरुदीरघफोलाजोय यातेंशीघ्रामिटैलषसोय ॥ अथघर्षणं ॥ चौपई ॥ सरीहवीजसेंधानिंबपत्तर मघांसबसमकरोइकत्तर इ-न्हकोपीसनेत्रमोंपाय करघर्षणफोलामिटजाय ॥ अथवर्तिका ॥ चौपई ॥ मरचफटकडीमनशिलामुल-ट्ठ गोदंतीचंदनकरोइकठ शंखलवणतिसमाहिरलाय महीनपीसकरवस्त्रछनाय रससुहांजणेपीसेसो-य वटीबांधनेत्रहिधरजोय फोलानाशकरेजोजान ग्रंथमध्ययोंकीनवखान ॥ अथअंजन ॥ चौपई ॥ मघासमुद्रफेनसेंधाजोइ कांसपात्रमधुसहघससोइ अंजनपावैंफोलाजाय यहउपायपुनकह्योसुनाय अन्यवटी ॥ चौपई ॥ फेनकुटनटहरडन्हीवेर इन्हसमकरपीसेहितहेर पुनधात्रीफलकीजैंक्वाथ वटी-वनावैतांकेसाथ नेत्रनमोंसोवटीधरावे फोलानेवनतैंभगजावे अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटा-चंदनआन मंजिष्टसुंठीरजनीठान प्रियंगुसारवाअवरअनंता यहसमचूर्णकरहरिसंता मधुसेंधघृतसंग-करदीजै पुनपुटपाकतासकोकीजै ताकोंनेत्रहिंपावैंजोय फोलातासनाशतबहोय

॥ अथव्रणजफोलाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ व्रणतेंफोलाजाकोंपरे ताउपायपूर्वोक्तहिकरै षडंगक्वाथहीगुगुलकह्यो पीछेनेत्ररोगमों-लह्यो तांकोपीवैनेत्रनपावै फोलाव्रणजनासहोइजावै ॥

॥ अथरक्तजफोलाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ रक्तजफोलाहोवेजास जलौकारक्तमोच्चहितितास ॥ अन्यरक्तउपाय ॥ चौपई ॥ त्रिवीस-सेंधाकीजैक्वाथ पकाइतीनवारघृतसाथ सोघृतनितप्रतिकीजैपान शिरकीनाडिद्वकायसुजान पुनदा-लहलदउत्पलजुमुलट्ठ लतानबदकरलाच्छइकट्ठ प्रपुंडरीकसमलेसबठान नारीपयसोंकरोपकान सोआ-श्चोतननेत्रकरावै सदाहरक्तफोलामिटजावै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ रंजितनिरमलीशंखपिसाय चूर-णरजनीतिंदुकपाय कांसीपात्रपयनारीसंग घसपावैरक्तजफोलाभंग ॥ अथदंतवर्ती ॥ चौपई ॥ दंतवरा-हअश्वखरआन हस्तीबहुडउष्ट्रकेठान मोतीशंखसुमुद्रकीफेन सबसमकरोइकत्रमिलेन भागचतुर्थ-जुमर्चमिलाय जलसोंघरलेनेत्रहिंपाय तिमिरकाचअर्बुदव्रणनाशै फोलाजायदृगज्योतिप्रकाशै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ ताम्रतुत्थकांजीजुघसावे श्यामवरणहोइनेत्रहिपावे सर्वनेत्ररोगहोइनास शिरपीडाभीरहैन-तास ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ गोकेगोबरकेकृमिसात पीतवरणकेसुनयहवात मधुसोंपीसहिअंजनपावै फोलारोगनाशहोइजावै ॥ अंजन चौपई ॥ लीजैकुक्कुटअंडकपाल शंखकच्चचंदनसमडाल सेंधामात्रा-अर्धपलान पीसेपावैफोलाहान ॥ अन्यच्च चौपई ॥ शंखरसोंतलाच्चामरचान मनछिलसमुद्रफेनअज-वाइन ताम्रचूर्णभीसंगमिलावै मधुसोंपीसनयनमोपावै होवैफोलेरुजकोनाश शुद्धदृष्टहोयनयनप्रकाश ॥ वर्तिका चौपई ॥ फडकडीसंखस्वेतमरचान मनछलकुंकमरसोंतहिठान षंडपीससमवटीवनावै नेत्र-पायतवफोलाजावै कंडूअर्बुदतिमिरविनाशै नेत्रनमोबहुज्योतिप्रकाशै ॥ इतिचंद्रोदयवर्तिका ॥ चौपई ॥ लोहचूर्णमुलट्ठीमघात्रिफलाय यहसवलीजैइकसमभाय चूर्णमधुघृतसाथमिलावै पावैफोलारोगनसावै अथचूर्णाजनम् ॥चौपई॥ शंखभागचारजोलीजै मनछलअर्धताहिसहदीजै तातेंअर्धजुमरचमिलाय ति-सतेंअर्धजुसेंधापाय चूर्णसूक्ष्मकरचक्षूपावै शुक्रआदिसबरोगनसावै चूर्णमधुकेसंगजुखावै पिच्चटरोग-

दूरहोइजावै चूरणपावैकांजीसंग अर्बुदनेत्ररोगहोयभंग ॥ अथपटोलघृत ॥ चौपई ॥ पटोलकौडनिंबत्रिफलाय दालहलदअरुवांसापाय त्रायंतीपर्पटऔरजवांहां यहपलपलमेंलोपुनतांहां आमलेकाथप्रस्थइकठान द्रोणमानजलकरोमिलान मंदअग्निसोंताहिपकावै पादशेषघृतप्रस्थपावै अवरताहुमेचूरनठाने किरायताकोगडमुअपछाने यष्टीचंदनमघामिलावे लेसमकर्षकर्षइकपावे पीसरलायपकावैतास आंजैषावैरुजहिविनाश नासाकरणमुखरुजहोंहिदूर त्वचारोगव्रणज्वरहोएचूर गंडमालरुजकामलाटारै ऐसोगुणघृतकोमनधारै ॥ अथद्राक्षाघृत ॥ चौपई ॥ द्राक्षाचंदनदोइकाकोली जीरासिताशतावरीघोली मेदमुलट्टमंजीठमिलाय उत्पलप्रपुंडरीकरलाय कर्षकर्षसबवस्तुप्रमान पुरातनघृततिहिप्रस्थमिलान यहसबघृतसमतासमिलावै दुग्धसबनसमपायपकावै षावैफोलातिमिरनसाय शिरकीपीडनाशहोइजाय रक्तराजिरुजहोवैनास वंगसेनमतकीनप्रकास ॥ अथकृष्णातैल ॥ चौपई ॥ मघांमुलठीसुंठविडंग सेंधातैलकरोइकसंग अजादुग्धमोंसिद्धकरीजै सोनसवारानित्यउठलीजै फोलादिकनेत्ररोगविनाश शिरपीडनलखलीजोतास ॥ अथक्षतजफोलाउपाय ॥ चौपई ॥ क्षतकरफोलाउपजैजोय अजिकाजातपाकात्ययहोय ग्रंथकारमतलीजैसोय विनारक्तनहिहोवतजोय तांतेरुधिरजलौकनसंग निकसावैफोलाहोइभंग ॥ अन्यच्चसमस्तफोलाउपाय ॥ चौपई ॥ जलकोसीपअंगारपकावै तारसमोंकर्पूरमिलावै नेत्रवीचभलपावैतास होजावैफोलारुजनाश ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ प्रस्थसहेकेमांसकाकाथ प्रस्थमिलावोघृततिससाथ प्रस्थदुग्धतिंहपायपकावै कर्षकर्षयहऔषधपावै सारवालाचबलासुमुलट्ठ भेहअतिवलालोध्रइकट्ठ जीवनीगणतजपत्रमिलाय चंदननीलोत्पलतिहिंपाय महुराशुद्धसुपीसमिलावे प्रमानसहितसबवस्तुरलावै घृतमोंपायपकावेतास नेत्रनपावैषावैजास अरुलेवैतिसकीनसवार फोलावातजपित्तजटार अर्जुनकाचरोगनरहावै बंगसेनयोंप्रगटजनावै ॥ इतिकृष्णतारागतनेत्ररोगचिकित्सा ॥

॥ अथरक्तजफोलाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ मुक्ताअरुवैदूर्यप्रवाल शंखस्फटिकजुचंदनडाल स्वर्णरजतयहसमपीसावै मधुरलायसोअंजनपावै पित्तजफोलाहोवैनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥

॥ अथशुक्लजनेत्ररोगवरननम् ॥

प्रस्तार्मलक्षणं ॥ चौपई ॥ शुक्लभागकेवीचसुजान लालकृष्णइकाचिन्हपछान गर्मीकरहोइवडोआकार प्रस्तार्मरोगतिसनामविचार ॥ शुक्लार्मलक्षणम् ॥ कोमलशुक्लमासवधजावे नेत्ररोगशुक्लार्मकहावे रक्तार्मलक्षणं ॥ पद्मवर्णमृदुऐसोभास आनेस्वेतदेषियततास नामतासरक्तार्मकहीजे जाहिप्रकारनेत्रलषलीजै ॥ अधिमांसार्मलक्षणम् ॥ कोमलपुष्टवडोआकार रूपकलेजिनयनमंझार नामतासअधिमांससुकहिये ग्रंथनिदानमध्ययोंलहिये ॥ स्नाय्वर्मलक्षणम् ॥ श्वेतभागमांसस्थिरहोय कठिनशुष्ककरहैनितसोय स्नाय्वर्मनामसोरोगकहायो वैद्यकग्रंथनिदानवतायो ॥ शुक्तिलक्षणम् ॥ श्वेतभागनेत्रकेमाही श्यामवर्णवहुवूंदादिखाही मांससमानाहिजानोजास शुक्तिरोगपुननामहैतास ॥ अर्जुनरोगलक्षणम् ॥ ससेरुधिरवतवूंदजुएक सितआनेमोलहैंविवेक अर्जुननामतासकोभने चतुरवैद्यसमझैयोंमने ॥ पिटकालक्षणम् ॥ जोकफवातकोपउपजावै मासपिंडसितचक्षुगावै मलयुतज्योंसीसादरशाय तैसेपिटकारूपदि-

खाय अरुआटेकीचुटकीन्याई पिष्टकरोगनामसोगाई श्वेतभागहैचद्ूजोय शिराजालतेंछादितहोय पीतवर्णअरुकठिनमहान जालिकनामसोरोगपछान शिरापिंडिकालक्षणम् ॥ चौपई ॥ श्वेतभागनेत्रकेमाही कृष्णभागकेपासतहांही श्वेतरंगइकपिंडिकाहोई शिरापिंडकानामासोई वलासग्रथितम् जोकांसीइवआभाहोय अथवाकमलवर्णइवसोय कठिनचिन्हअसनेत्रलखावै वलासग्रथितरुजनामकहावै इतिशुक्लजनेत्ररोगलक्षणंसमाप्तम्

॥ अथशुक्लजनेत्ररोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कृष्णआनेकेनिकटपछाने शुक्लजरोगसोपहुच्योजाने परमाचिकित्साछेदनतास वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश प्रस्तार्यमस्नाय्वर्मपछान अर्माधिमांसअधिमांसहिजान लोहितार्मशुक्लार्मजोकहै वेधनायाहिप्रमाणसुलहै पुनः अर्मजुथोडादद्दींसमान नीलरक्तधूडाहिपछान सूक्ष्महोयइनरूपविकार फोलेन्याईचिकित्साधार अथअंजनं चौपई ताम्रशंखअरुलोहेचूर्ण विद्रुमसेंधासुरमापूर्ण समुद्रफेनअरुकाहीलीजै पीसनेत्रमोअंजनकीजे अरुदधिमंडरलायलिपाय शुक्लजनेत्ररोगामिटजाय अथगुटिका चौपई त्रिफलामघांजुलाक्षमंगाय लोहचूर्णसैंधासमपीसाय भांगुरेरसगुटिकावंधवावै सोगुटिकाघसनेत्रहिपावै शुक्लअर्जुनअजिकाजात कंडुअर्मतिमिरकाचवहात शुक्लजरोगसर्वप्रकार नाशहोहिनिश्चयमनधार अंजन चौपई शंखरसोंतसमुद्रकीफेन गेरीसेंधामरचांलेन शिलाजितकाहीचूरणकीजै मधुसितामिलायनेत्रमोंदीजै शुक्लजरोगनाशहोइजावै वंगसेनयोंप्रगटजनावै.

॥ अथपित्तशुक्लिजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अभिष्यंदपित्तजजोकह्यो तासउपायआगेसोलह्यो सोऊउपायतासकोकीजै रुधिरछुडावैंतवदुखछीजै

॥ अथकफजशुक्लजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोकफजअभिष्पंदउपाय सोऊयामेंहैसुखदाय वलासपिटिकरोगकेमाही रुधिरमोक्षहैहितातिसनाही

॥ अथसामान्यचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कायफलात्रिकुटासुरमाआन रसोंतावेिजौरेरसमोठान पीसनेत्रतिसअंजनपावे शुक्लजरोगनाशहोइजावे ॥ अन्यच्च ॥ शंखचूर्णमधुसोंपीसाय नेत्रलिपावैशुक्लजजाय ॥ अन्यच्च ॥ निर्मलिसेंधासमपीसावै नयनहिपावैशुक्लजजावै ॥ अन्यच्च ॥ सितासमुद्रफेनपीसाय अंजनपावैशुक्लजजाय मधुसिताकांजीकछाकीजे आश्चोतनकरअर्जुनछीजे ॥ इतिसर्वशुक्लजनेत्ररोगचिकित्सासमाप्ता

॥ अथसंधिजनेत्ररोगलक्षणनिरूपणम् ॥ ॥ प्रथमपूयश्रावलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नेत्रमध्यकीपुतलीतास कोनेअंतरसंधीजास पाकशोथरुजपूयनिकासें पूयश्रावसुनामप्रकासें उपनाहलक्षणं ॥ चौपई ॥ कृष्णश्वेतआनेकीसंध नाडिगांठस्थूलतहवंध पकैंनाहिपीडानहीं करै अश्रुपातवहुकंडूधरै श्रावनामतांकोपरमान नेत्रनाडिकोकहैंसुजान याकेचारभेदयोंजानो ताकेलक्षणप्रगटवषानो पित्तजलक्षणम् नेत्रसंधिमेपीडाहोय नेत्रकटूरोमांचितजोय पीतउष्णजलश्रावितम-

हान ग्रंथमाहिजोकह्योसुजान कफजश्रावलक्षणं नेत्रसंधिमेंश्रश्रुरुकावे श्वेतरंगचिकनेवहुश्रावे श्लेष्मश्रावनामसोकहिये ऐसोभेदग्रंथमतलहिये संनिपातजलक्षणं नेत्रसंधिगतहोएनसूर श्रवेपाकदुर्गंधीपूर संनिपातकाश्रावसुजान चरकऋषिमतकियोप्रमाण रक्तश्रावलक्षणं नेत्रसंधिमोजानसुजान रक्तउष्णवहुश्रवेमहान रक्तश्रावतासकोजानो वंगसेनमतसोइपछानो पर्वणीलक्षणं अलजीलक्षणयाविधजानो पर्वणीलक्षणसोईपछानो तातेंअवरकहानहिकोई अपनेमनतुमसमझोसोई अलजीलक्षणं शुक्लकृष्णकीसंधीमाही उपजितरोगरक्ततेंताही गांठसूक्ष्मरंगवहुतालाल गोलपर्वइवशोथकराल शूलदाहश्रैसीविधिलहिये अलजीनामतासकोकहिये जंतुग्रंथिलक्षणं नेत्रसंधिमोखुजलीहोय कृमितहपडैंदुर्गंधीजोय पक्ष्मागिरेवहुपीडउगावे महीनमार्गवहुसंधिकरावे ग्रंथीनेत्रदुष्टकरदेत कृमिग्रंथीकाहियेलषभेद नेत्रसंधिगतरोगवखाने नौप्रकारमतग्रंथप्रमाणे आगेतांहिचिकित्साजान वंगसेनमतकरोंवषान इतिसंधिगतनिदानलक्षणं समाप्तम्

॥ अथसंधिजनेत्ररोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ संधिजनेत्ररोगजिसहोय नाडीवेधचिकित्सासोय पुनऊपरसोवांधेनैन तासउपायचित्तलषलैन नेत्रपाकरुजकरैउपाय यहभीक्रियातांहिसुखदाय अंजन काहींसेंधायहसमलीजै आर्द्रकरसतांहीसंगदीजै अंजनकरसंधीरुजजाय वंगसेनमतकह्योसुनाय ॥ अन्यच्च ॥ कफसंधिजजिहनेत्रलषावे मर्चमधुसेंधाअंजनपावे अथलेप ॥ चौपई ॥ त्रिफलाअवरअमृतापाय रसोंतलवणकाहीसमभाय लेपकरैयहनयननजोय संधिजरोगनाशतवहोय अंजन मधुसेंधाअंजनअभ्यास करेनित्यरुजसंधिविनास अथवामधुअंजनहिततास रोगजायहोएदृष्टिप्रकाश अथवर्तिका ॥ चौपई ॥ हरडवहेडेआमलेआन इन्हकीगिरीसुलेहुसुजान तीनदोयएकलेभाग इहक्रमसोंलेसहीअनुराग इन्हकोंपीसवर्तिकाकरै नेत्रधरैजहसंधिजहरै ॥ काथ ॥ चौपई ॥ काकोलीअरुपांचोमूल मुलट्ठीसेंधालेसमतूल याहिक्राथसोंनेत्रजुधोवे नेत्रश्रावसंधिजरुजखोवे कफजसंधिजेरोगमंझार उपनाहकरमश्रेष्टमनधार मघांमखीरसैंधवयुतधरै इनहीतेंसोलेपनकरै नेत्रवंधभीश्रेष्टपछान पर्वणीपिटिकाछेदनमान मधुअरुसेंधालूणमिलाय आश्चोतनयहहितवरभाय श्रावमोत्रिफलाक्राथसुपीय दोषअनुसारकरयहविधजीय घृतमखीरऔरमघांमिलाय इनकोपिवेशिरवंधकराय अथनसवार ॥ चौपई ॥ सारवाऔरअनंताआन दालहलदअगरचंदनठान शतपुष्पाअसगंधमिलावै यहसमचूरणतैलपकावै अष्टगुणापयसंगरलाय मंदअग्निसोंतांहिपकाय ताहूंकीलेवोनसवार नेत्रश्रावसंधिजरुजटार ॥ अञ्जनं ॥ हिंगुलफलजलसोंघसपावे संधिजरोगश्रावनरहावे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पुरातनद्रुमकरपासजुकहिये नरमातांकोनामभनैये तांफलवीजगिरीसोलीजै रसोंतआम्रदलरससमकीजै घसकरमधुसोंनेत्रहिंपावे संधिजश्रावनाशहोइजावे इतिसंधिजनेत्ररोगचिकित्सा समाप्ता ॥

॥ अथवर्त्मजनेत्ररोगनिरूपणम् ॥

॥चौपई॥ उत्संगपिंडिकालक्षणं वर्तमवाहिरपिंडाकार मुखअभ्यंतरतांहिनिहार रक्तजहोतहैसोईविकार सकंडूशोथस्थूलनिहार ताम्रवर्णतांहिकोलहिये उत्संगपिंडिकानामसुकहिये ॥ कुंभिकालक्षणं ॥ फुनसीअंतरतेंफटजावे श्रवैवहुतइहभांतलषावै वीजइवकुंभिफूनसीहोई संधिजकुंभिकाजानोसोई पोथकीलक्षणं रंगलालसर्षपकीन्याई फुनसीडठेजुपुर्कश्रवाई वर्त्ममम्मोंकरेपीडविकार नामपोथकीकरैउचार

॥ अथवर्त्मशर्करालक्षणम् अतिहीसूक्ष्मवर्त्ममंझार उठैंपिंडिकारोडाकार सोऊपिंडिकाखहुरीहोय नामशर्कराभाषैंसोय ककाडिवीजहोएजोजैसे वर्त्ममेंफुनसीज्यौंसोतैसे मंदपीडयुतलखैविकार वर्त्मशर्करानामविचार ॥अथअर्शोंत्थवर्त्मलक्षणम्॥ पक्ष्मपीडसुपिंडिकालहैं कठिनसानिग्धअर्शवर्त्मकहैं ॥ अथशुष्कार्शलक्षणं दीरघजिसकेअंकुरभासैं पिंडिकाअकडीखहुरिप्रकाशैं अभ्यंतरवर्त्मउत्पत्तहोय सन्निपाततैंजानोसोय तासनामशुष्कार्शभनीजै इसप्रकारलक्षणलषलीजै ॥ अंजनकालक्षणम् ॥ सूचीवेधपिंडिकामधलहिये ताम्रवर्णताकोलषकहिये कोमलमंदरुजसूक्ष्महोय अंजनकाजुनामलषसोय वहुलवर्त्मलक्षणं वर्त्मसबसपिंडिकाहोय वर्त्मवर्णतासकोजोय स्थिराहिरहैसंनिपाततैंजान वहुलवर्त्मसोनामपछान वर्त्मवंधलक्षणं सूचीवेधपीडप्रगटाय पक्ष्मनमिलैंशोथदरसाय वर्त्मवंधककहियेतास ग्रंथनिदानजुकीनप्रकाश क्लिष्टवर्त्मलक्षणम् कोमलअल्पपीडयुतलहिये ताम्रजुवर्णतासलषपैये श्रवैरुधिरजांकोअकस्मात नामसोक्लिष्टजुवर्तमख्यात वर्त्मकर्दमलक्षणम् अरुजोक्लिष्टपित्तयुतहोय रक्तदग्धकरडाहैसोय अरुवहुचिपाचिपाटप्रघटावै तांकोवर्तमकर्दमगावै श्यामवर्त्मलक्षणं नेत्रबाह्यशोथप्रगटावैं श्यामरंगताकोदर्शावै पीडखुरकचीपडहोयतास श्यावहिवर्त्मकियोप्रकाश प्रक्लिन्नवर्त्मलक्षणम् कोणोंवाह्यशोथप्रघटावै पीडमंदवहुचीपडआवैं वंगसेनऋषिकह्योसुनाय प्रक्लिन्नवर्त्मनामकहाय अक्लिन्नवर्त्मलक्षणम् धोतनेत्रजिसखुलेहिनाहीं मीचरहैंदिनरजनीमाहीं अक्लिन्नजुवर्त्मनामकहायो बंगसेनमतसोईसुनायो ॥ वातहतलक्षम् ॥ जोनेत्रोंकीसंधीकहीं टूटैंपक्ष्मअचेष्टितसहीं पक्ष्मपरस्परमिलैंजुनाहीं यांकोनामवातअहताहीं ॥ अर्वुदलक्षणम् ॥ जांकेवरतमकेविचकार गांठपडैअसहायविकार होएसरक्तपीडविनलहिये अर्वुदनामतासकोकहिये ॥ निमेषलक्षणम् ॥ जोवरतममेंवातलषावै पक्ष्मजुवारंवारहलावै नामनिमेषिककहिएतास निदानग्रंथयौंकीनप्रकाश ॥ रक्तार्शलक्षणम् ॥ जहवर्तमआश्रितलोहितमांस अंकुरडठैंलषोयोंतास छेदेज्योंज्यौंवाधापावे रक्तजसोरक्तार्शकहावै लग्नलक्षणम् अपाककठिनस्थूललषात पीडरहितकंडूप्रगटात मरचप्रमाणहिपिंडिकातास लग्ननामातिसकीनप्रकाश ॥ वशवर्त्मलक्षणम् ॥ जांकेवरतमकेविचकार छिद्रपडेंज्यौंभेहअकार जोत्रिदोषकरपरगटजान अतिकरजलतिसश्रवैमहान वशवरतमतिसनामभनीजै वैद्यकग्रंथकह्योलषलीजै ॥ अथकुंचलक्षणम् ॥ वातादिकजोदोषसुनाये जिसवर्तममोआइप्रगटाये सोवर्तमसंकुचतकराहीं जिसकरदेषसकैनरनाहीं कुंचननामरोगसोभनै इहप्रकारसववैद्यकगनै इतिवर्त्मरोगनिदानंसमाप्तम्

॥ अथवर्त्मपक्ष्मादिनेत्ररोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वर्त्मपक्ष्मरोगजिसहोय नाडीवेधकरावैसोय औरजलौकनहूंकेसंग रुधिरनिकासैहोइरुजभंग ॥ लेप ॥ सितामधुसेंधानतअरुएला यहऔषधसमलेकरमेला पीसेलेपलगावैतास वर्त्मपक्ष्मरोगहोयनाश ॥ अन्यच्च ॥ मधुरसोंतसमलेपनकीजे तौभीरोगपक्ष्मकोछीजे ॥ अंजन ॥ दीपशिखाकोअंजनपावै वर्त्मपक्ष्मरोगमिटजावै ॥ अन्यउपायः ॥ अपनीअंगुलहाथघसावे उष्णहोयसोनेत्रमोलावै यातेंभीहोरोगविनाश वैद्यकमतयौंकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चांदीघसेहथेलीजोय नेत्रनसेकदीजीयेसोय तासोंभीसोरोगनरहे यहनिश्चैअपनेमनगहे ॥ गुटिका ॥ चौपई ॥ रसोंतअवरसंमलेत्रिकुटाय घृतसंगगुटिकातासवंधाय घसकरपावैलेपैसोय वर्त्मपक्ष्मरुजनाशहिहोय ॥ अथनिमेषहतउपाय ॥

॥ चौपई ॥ हतनिमेषहोइजावैंजास तासउपायकरोंपरकाश घृतसोंनेत्रनकोंसोपूर हतनिमेषरुजहोवैदूर

॥ अथवर्तिका ॥ चौपई ॥ रसरासनापत्रकोलीजै अरुकांजीसमतांहिरलीजै वरचतांहिसंगपीसमंगावै तासवर्तिकानेत्रहिंपावै वर्त्मपद्मरोगहोइनाश निश्चयकीजैमनमोतास ॥ अंजन ॥ चौपई ॥ रसौंतस-जैरसजातीफूल मनछलसेंधामरचांतूल समुद्रफेनगेरीपीसाय मधुमिलायअंजनसोपाय वर्त्मपद्म-रोगहोइनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यउपाय ॥ जोलालीनेत्रैंप्रगटाय रुधिरमोचतांकोसुखदाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कफजसनिग्धजुनेत्रदिषांहि ताकोंवैद्यवमनकरवांहि छागमूत्रपीसेसुरदार लेपन-करैहोयहितकार ॥ अंजन ॥ चौपई ॥ रसोंतमनशिलअरुत्रिकुटाय गोपित्तासबहीसमभाय पीसेनेत्रों-अंजनकरै वर्त्मपद्मरोगतवटरै ॥ लेपन ॥ चौपई ॥ हरतालवरचलीजैसुरदार सुरसाकेरसलेपनधार वर्तमरुजहिनिवारेसोय रोगीकेनेत्रोंसुखहोय ॥ अन्यच्च ॥ तगरहरडरसपीसलिपाय वर्तमपद्मरोगमिट-जाय ॥ अन्यच्च ॥ काचमाचीबीजधूमजुदेय कृमिपद्मरोगनेत्रोंहरलेय ॥ इतिवर्त्मरोगचिकित्सा ॥

॥ अथपद्मरोगनिदानम् ॥

अथपद्मकोपलक्षणम् वातदोषकरपद्मजुजांके अंतरकोंमुडपडैंसुतांके अंतरभागजोउपजैंवाल घर्षणनेत्रकरैंसुविहाल वारंवारसुघर्षणकरै शोथहोयदुटटुटतहांपरै सूक्ष्मरोमचुवतेतहांरहैं पद्मको-पइसरुजकोकहैं लोकसबहिपडवालवषाने इहलक्षणरुजलषहिंस्याने

॥ अथपद्मशांतिलक्षणम् ॥

वर्त्मपद्मपरपित्तजोरोचे वालझडैंखुजलीकरसोचैं नेत्रोंदाहरहेंदिनरात नामकह्योतिसपद्मजो-शांत ॥ दोहा ॥ नेत्रजरोगनिदानयहसबकोवर्णनकीन समझचिकित्साजोकरैसोहैवैद्यप्रवीन ॥ इति-नेत्ररोगनिदानंपद्मरोगनिदानंचसमाप्तम् ॥

॥ अथपद्मरोगचिकित्सा ॥

॥ अपामार्गकोमूलमंगावै सेंधावासीजलजुमिलावै ताम्रपात्रघसलेपलगावै वर्त्मरोगसबहीमिट-जावै पद्मरुजयहहोवैनाश असैंकीनोशास्त्रप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ कलीचंवेलीकाहीआनै रसोंतमरचम-धुलेपनठानै तौभीहोयरोगसोनाश सुखउपजैमनहोयहुलास ॥ अन्यच्च ॥ कचूरपत्ररसहरडापिसावै लेपकरैरुजपद्मनसावै ॥ अंजन ॥ चौपई ॥ दालहलदनिर्गुंडीआनै अरुभंगरासबकोरसजानै अरु-लाचारससंगमिलावै कर्पासतूलसंगषरलकरावै सातपुठअसैंतिसदेय घृतमिलायवटीतिहभेय दीप-जगायसुअंजनपावै वर्त्मपद्मरोगमिटजावै. ॥

॥ अथउपपद्मनेत्ररोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अंतरमुखनेत्रोंहोइवाल उपपद्मनामअरुकहिंपडवाल तिन्हकोअसेकरैउपाय दुखमि-टैरोगीसुखपाय ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ निन्हकोशनैशनैउषडावै पुनशतधौतजुघृतकोंलावै अथवा-घृतसमुलष्टपकाय सोऊघृततिसठौरहिलाय अथवागेरीपीसवरूर उपपद्मरोगहोइजावैदूर वाचिम-टेसोंपुटतारहै इहउपायभीनरसुखगहै ॥ अन्यच्च ॥ सूचीअग्रभागजुतपावै रोमकूपमोंदागदिवावै ने-त्रवचाययहसुखपाय रोगजायरोगिहिंसुखदाय इतिपद्मनेत्ररोगचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथसमस्तनेत्ररोगलक्षणानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ अभिष्पंदहैचारप्रकार वातजपित्तजकफजनिहार रक्तजचौथाताहिपछानो बंगसेनमतयहतुमजानो अभिष्पंदहैकठिनमहान नेत्ररोगकामूलपछान अभिष्पंदतुमजानोतास नयनरोगहीभाषतजास

॥ अथवातअभिष्यंदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ बहुपीडाजिसमेनेत्रोंहोय सीसतपैरोमांचितजोय सिरस्तंभसरंभजुकरै रहैकठोरअरुशोषहिधरै शीतलअश्रूपातनिकासै वातजनेत्ररोगयोभासै ॥ अथशिक्षा ॥ नेत्रकुक्षप्रतिश्यायसुजानै त्रणज्वरपांचोंरोगवषानै पांचरोगदिनपांचमंझारै शांतिहैंहिइहलंघनधारै ॥ अथकच्चेनेत्रकेलक्षण ॥ अत्यंतपीडअरुलालीरहे मर्मस्थानपीडअतिकहे नेत्ररोगतबआमपछाने ग्रंथकारमतयाहिवखाने

॥ अथपरिपक्कनेत्ररोगलक्षणम् ॥

॥ मंदपीडअरुकंडूजोय अश्रुअल्पप्रसन्ननहोय यहलक्षणजबनेत्रपछाने परिपकनेत्ररुजजानतस्याने अंजनपूरणकाथजुपान काचेनेत्रोंनाहिप्रमाण ॥

॥ अथवाताभिष्यंदवाताधिमंथचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अभिष्पंदअधिमंथकहात वातपर्ययशुष्काक्षअन्यवात इनहिसामान्यविधिपरिमान बंगसेनमतकीनबखान ॥ अथनेत्रहितकर ॥ चौपई ॥ लंघनलेपनरेचनस्वेद अंजनअवरनाडिकावेध रोगनेत्रजुपकावेएह यहहितकरतासमुझोतेह जोनाडीवेधसहारैनाहि घृताहिपुरातनपानकराहि अभिष्पंदअधिमंथसुजान इनमोनाडीवेधनमान ॥ अन्यभेद ॥ चौपई ॥ अस्वप्नअभोजनवातऔक्रोध शोकदुखफुनजानोसोध इन्हकरनेत्ररोगजोजाने लंघनतामोंश्रेष्टनमाने ॥ प्रथमआदिउपाय ॥ चौपई ॥ नेत्ररोगउपजितहैजवै देनसवारहितांकोंतवै अथवागायदुग्धघृतपान श्रेष्टउपायकरैरुजहान अवरपुरतानघृतकेसंग रेचकरायहोएरुजभंग ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ वहेडेदोनोरजनीआन लोध्रपायसमचूर्णपछान तामोसेंधाअल्पमिलावै लुपरीकरसोनेत्रबंधावै नेत्रनवीनफुनरोगहोनाश निश्चयकीजैमनमोतास अन्यच्च ॥ धात्रीफलरसनेत्रनपावे नवीननेत्रकोरोगमिटावे ॥ अन्यच्च ॥ सातपलएरंडकेआन कूटससेंधानेत्रवंधान नवीनकोपरुजनेत्रनिवारै यहनिश्चयअपनेमनधारै ॥ अन्यच्च ॥ शिग्रुमूलरसमोंमधुदीजै सोऊनेत्रपरसिंचनकीजै नवरुजकोपनेत्रकोजाय भाष्योऐसेंतासउपाय ॥ अन्यच्च ॥ चोपई ॥ कूटपुनर्नवासेंधापावे कांजीसंयुतनेत्रबंधावे त्रिदोषजरोगनेत्रकोजाय ऐसेंभाष्योसुगमउपाय ॥ अन्यच्च ॥ रससुहांजणपत्रोंकालीजै सेंधापायसुसिंचनकीजै नेत्ररोगकोहोइहैनाश निश्चयकीजैमनमोतास करवीरपत्रकोमूलमंगावै तांरसमोंगिलोयरसपावै तांहीसोंलोचनकरपूर नेत्रकोपरुजहोबेदूर ॥ अथलेप ॥ चौपई ॥ सेंधादारुहलदिगेरल्याय हरडरसोंतसमपीसलिपाय बाहरनेत्रहिलेपनकरै रोगसबीनेत्रनकोहरै ॥ अन्यच्च ॥ लोध्रवृक्षवंदापुनकुठ हरडरसोंतमनछलजुइकठ भूआमलीसेंधासमपीसाय ताम्रपात्रवासीजलपाय लेपैनेत्रपीडहाइनाश बंगसेनयोंकरेप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ भंगरामूलकूटाविचतोय एकमुहूर्तधरैसुभिगोय तिसजलसंगहिलोचनधोवै नेत्ररोगनाशतबहोवै ॥ अन्यच्च ॥ एरंडनिंबजढउदुंवरजान इनकीत्वचालेयसुजान मुलट्ठअरुवृक्षवंदालीजै मधुमिलायकराटिक्कीकीजै टिक्कीनेत्रबंधवावेदोय सकलदोष-

नेत्रनकाखोय ॥ अन्यच्च ॥ शिरकोंतैलउष्णकरमलै पीडानेत्रहितांतेटलै ॥ अन्यच्च ॥ हरडपीसपीवेघृतसंग नेत्ररोगपीडाहोइभंग ॥ अन्यच्च ॥ त्वचासुहांजणएरणमूल कंड्यारीअग्निमंथसमतूल करेंकाथमधुमेलेतास नेत्रपायवातजरुजनाश ॥ लेप ॥ रजनीमुलठहरडसुरदार अजाक्षीरसोंअंजनधार वातजपीडानेत्रोंजोय नाशानकरहैनिश्चयसोय ॥ अंजन ॥ चौपई ॥ सेंधासुंठीअरुसुरदार विजोरारसघृततामोंडार नारीपयपुनताहिमिलावै तांकोनेत्रनअंजनपावै शुष्कपाकरोगहोइविनाश अरुघृतपानश्रेष्ठलषतास जीवनीगणयुतघृतजुपकावै अथवातैलजुसिद्धकरावै पीवैशुष्कपाकहोएभंग अथवानस्यकरैतिससंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ दोनोरजनीसेंधापाय नारीपयघृतसंगमिलाय यहअंजनजोनेत्रहिंकरै वातजनेत्रदुखकोंहरै घृतअरुदुग्धपानसुखदान नेत्ररोगमोंश्रेष्टमहान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ एरंडपत्रअथवातिहमूल अजाभेडवादूधसुघोल ताहिपकायनेत्रमोपाय वातजनेत्ररोगमिटजाय कंडेआरीरससोंदूधपकावै सेचनकरेवातजरुजजावै पंचमूलयुतदूधपकाय सेचनकरेवातरुजजाय ॥ दोहरा ॥ मुलट्ठीवालावारणासलवणकलकबनाय पकायदूधसेचनकरेवातजपीडाजाय इहआश्चोतनविधकहीवंगसेनमतजोय सेवनकरदुखदूरहैअवरभेदसुनसोय ॥ चौपई ॥ आश्चोतनघृतअवरटकोर वारसऔषधलेहुनिचोर अवरऽनेकविधकरपरिषेक मस्तकमरदनतैलाभिषेक स्निग्धआदघृतपानविचार दुग्धमांसभोजनहितकार फुनिलवंगसाधितघृतजोय वातजरुजमोअतिहितसोय विल्वादिपंचमूलयुतलीजे करकेंकाथआश्चोतनकीजे श्वेतलोध्रघृतसंगपकावे विडालकर्ममोअतिहितभावे हरडभुंनघृतसंगविचार विडालकर्मकृतरोगनिवार लोध्रशर्करासेंधापाय गर्मनीरसंगपीसवनाय नेत्रपूर्णकरतांकेसंग वातजनेत्ररोगरुजभंग लोध्रलवणलेदग्धकराय घृतवामधुयुतपीसबनाय लेपनवाअंजनलषताहि वातजरोगशीघ्रमिटजाहि.

॥ अथआश्चोतनविधिः ॥

चौपई नेत्रपीडजबनरकोहोय लक्षणप्रघटजानलेसोय तववहपीडनिवारनजान आश्चोतनविधिकरेप्रमान तीनदिवसअभिष्पंदमंझार आश्चोतनविधितवहितकार पक्वदोषादिनतीसरमाहि अंजनकरणयोग्यहैतांहि पुनिहोशोथवातप्रतिश्याय दाहक्लेदकंडूहितभाय रक्तप्रतिसेकपीडअतिजान आश्चोतनइनकोहितमान वर्षाशरदग्रीष्मकेमाही मृदुसीतलआश्चोतनताही हिमऋतशिशिरवसंतमंझार वातश्लेष्मकरहोतविकार आश्चोतनउष्णअल्पअरुतीक्षण ऋतुप्रमानहितजानविचक्षण स्निग्धउष्णवातजरुजमाहि आश्चोतनविधहितहैतांहि रक्तजपित्तजरोगपछानो आश्चोतनकोमलशीतलठानो तीक्षणउष्णकफजकोदीजें आश्चोतनविधदिनकोकीजें रात्रीपहरउपरंतसोनाहि आश्चोतनकरसुखउपजाहि लालानेत्रवागौरवहोय वक्रआश्चोतनहितहैसोय श्लेष्ममाहिदोशुक्तिप्रमान वातजमोइकशुक्तीजान दोशुक्तीरक्तपित्तमोकही आश्चोतनविधऐसेलही द्वाविंशतबिंदूपरिमान शुक्तिमात्रसंज्ञापहचान अठारांद्वादशविंदूजोय संश्लेषनरोपनस्नेहनसोय सहारककीजेतिहिंनरकाल आश्चोतनवरतेतिसकाल अथवादिवसरात्रिमंझार दोअरुतीनवारसंचार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जवसंपकनेत्रहोआवे अंजनविधफुनिताहिकरावे शिशिरहिमंतऋतूकेमाही मध्याह्नसमेअंजनहितताही ग्रीषमअवरशरदऋतुजान प्रातकालसायंपरिमान वरषाऋतुअरुवादलधूप अधिककरेनहिअंजनरूप तीक्षणवस्तुवर्तिकाजोय संभालुवीजसमअंजनहोय सौम्यवस्तुकीमात्राजान तातेंद्विगुणाअंजनठान वायविडंगवीजसमजोय उत्तमअंजनमात्रासोय मध्यमदोत्रेहीनप्रमान वाविडंगसमभेदपछान विरेचनवस्तुशलाकादोय मृदुवस्तूतीन

सलाकाहोय स्नेहवस्तुकीचारोजान सलाकाअंजनताहिप्रमान.

॥ अथशलाकाप्रमाणम् ॥

॥ चौपई ॥ सुवर्णरजतकीउत्तमजान ताम्रलोहमध्यमपरिमान अस्थीपत्थरअधमकहावै भेदसलाकारूपदिषावै अंगुलआठसलाकाहोइ गादुंवगोलमुखसुंदरसोइ वामेहाथसलाकालीजे अंजनमेलनेत्रमेदीजे वामहाथसोंनेत्रउघार सलाकाश्वेतमण्डलमोडार प्रथमवामनेत्रमोपावे फुनिदहनेसबदोषनसावे सलाकाफेरेदोइकवार निकालतर्जनीऊपरधार किंचितनेत्रदवायरखावे ताकरदोषसकलमिटजावे

॥ अथतर्पणविधिः ॥

॥ चौपई ॥ सूधाशयनपुरुषजोकरे सुखपूर्वकनिश्चलमनधरे फुनितर्पणविधकीजेताहि तेजसूर्यअग्निकानाहि वातधूमधूलीनहिहोय क्रोधदूरकरतर्पणसोय वत्तीमाषपिष्टकीजान चौडीअंगुलअर्धप्रमान दोअंगुलसोमोटीहोय नेत्रकोशविस्तारेसोय जामोपद्मरोमडुवजावे प्रमानताहुकेयतनवनावे यथाद्रव्यसाधितघृततेल नेत्रमाक्तर्पणविधमेल घृतवातेलमंडवाच्चीर नेत्रपूर्णकरहरिएपीर हरावस्त्रवानीलापीत अथवापत्रनेत्रढकमीत अवमात्रापरिमानविचारो एकसहस्त्रवातपरधारो पित्तवातअभिष्यंदप्रमान ऊपरआठएकशतजान षटशतमात्राकफमोकही त्रिदोषजमानसतशतसही पांचोत्तरशतस्वस्थविचार इहप्रमाणलखरोगनिवार वस्तदूरकरनेत्रउघारे नेत्रापद्मसुखपूर्वविचारे अथवाधूम्रपानसोपीय तांकरनेत्रमैलहरलीय एकतृतीयपंचदिनमाहि धारेवस्तिस्वस्थहृदताहि वाततीनदिनअंतरपाय पित्तरक्तइकदिनसुखदाय सन्निपातदोअंतरजान कफहूमेदिनतीनप्रमान कटूऊष्णवस्तूजोहोय कफवातिकमोतर्पणसोय पित्तरक्तमोशीतलजान चक्षूतर्पणइहविधमान तौफुनिसुखसोवेसुखजागे कोमलनेत्रपीडसबभागे व्याधिदूरनिश्चैसुखहोय नेत्रतृप्तगुणजानोसोय सेचनमोहितवस्तुप्रमान गर्मदुग्धसैंधवयुतजांन हलदीयारसंसोधितदुग्ध सैंधवयुतपरिषेकसानिग्ध नरिदूधसुंठीघृतजान सेचनमोइहश्रेष्ठप्रमान अभीष्यंदवातिकविधकही वातविपर्ययसोविधसही ॥ अन्यच्च ॥ वंदावृत्तकपित्थमंगाय पंचमूलवटपीसरलाय कर्कटीरसवादुग्धसंयुक्त जोसाधितघृतसोहैउक्त

॥ अथपित्तजअभिष्यंदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नेत्रोंपाकदाहवहुहोय पीतनेत्रअरुदूषितसोय सर्दचीजसेआनंदहोय अश्रुउष्णश्रवैअतिजोय अभिष्यंदयहपित्तजजान रक्तजआगेकरोवषान ॥

॥ अथपित्तजअभिष्यंदनेत्ररोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पित्तजरोगनेत्रलषपरै शीतसनिग्धलेपसोकरै आश्चोतनपरिषेकसुतर्पण स्नेहविरेचनकरेविचक्षण रक्तमाचस्नेहकोपान पित्तजमोहितलषेसुजान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ प्रपुंडरीकरजनीजुमुलट्ठ पद्मआमलेपीसइकट्ठ मधुमिलायकरसेचेसोय पित्तजरोगनाशतबहोय ॥ अन्यच्च ॥ निंबपत्रमोलोध्रलिपावै अग्निसंगपुनतप्तकरावै चूरणअथवाकल्कबनाय नारीपयसंगपीसमिलाय आश्चोतनतिहसंगकरावै वातपित्तरुजरक्तमिटावै ॥ अन्यच्च ॥ द्राक्षाजीवनिगणजुमुलट्ठ अरुमजीठसमपीसइकट्ठ दुग्धमिलायपकावैसोय सिंचनकरैपथ्यरहजोय पित्तजशोथशूलमिटजावै ऐसेंतासउपायबतावै ॥ लेप ॥ चंदनसैंधानिंबकेपत्तर मुलट्ठरसोंतकरोजुइकत्तर जलसोंवामधुसोंपीसाय पित्तरुजजावैसेचकराय अथवा-

तिसकोकरेजुपान तातेंपित्तजरुजहोएहान ॥ अथधूप ॥ रुंबलफललोहपात्रघसावै स्तनदुग्धमिलायसाधूपधुषावै पित्तजरोगताहिमिटजाय औरहिऔषधकहासुनाय शमीपत्रघृतसंगमिलाय धूपधुषावैशूलमिटाय नेत्रदाहअरुलालीटारै यहहीगुणजहधूपउचारै ॥ लेपन ॥ चौपई ॥ जातीपुष्पलेचंदनलोधर मुलठीगेरीकरोइकत्तर लेपकरैरोगीसुखपाय पित्तजरोगसदाहमिटाय ॥ अन्यच्च ॥ पित्तहरऔषधक्रियाजुजेती पित्तजमोंहितकरहैंतेती चीरअवरघृतकोजोपान पित्तजमोंचचूसुखदान दिवसतीनउपरंतजुकरै तत्र सुखनेत्रनकोंवहुधरै ॥ अन्यच्च ॥ मरचांसंगघृतकोपीवै पित्तजनेत्ररोगहतथीवै ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलाचूर्णसोघृतकेसंग पीवैहोएपित्तरुजभंग ॥ चौपई ॥ पलाशगूंदकाअंजनकरे तौभीनेत्ररोगपरिहरे शल्लकीगूंदकालफीमिसरी मखीरअम्लकरसिद्धसोकरी अथवासिरकेसंगपकाय अंजनकरदुखनेत्रामिटाय इहविधरुधिरछुडानेपाछै अंजनविधतुमजानोआछै ॥ अन्यच्च ॥ पद्ममुलट्ठलडगुडील्याय पीलाचंदनजलपीसाय वहिर्लेपनेत्रनकरजोय नेत्ररोगहरलेवैसोय ॥ अन्यच्च ॥ आंवलेलोध्रभुंनघृतसाथ मनाशिलयुक्तगुटिकासुनगाथ गुटिकाघसकरनेत्रलिपावै तौभीनेत्ररोगमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ सुंठआमलेलोध्रमंगाय मनशिलघृतसोंलेयभुनाय पीसनेत्रमार्जनसोकरै नेत्रशूलतत्त्वणसोहरै ॥ अन्यच्च ॥ गिल्लीस्यालीसैंधवल्याय पाषाणभेददार्वीतिहपाय लाचीनीलोत्पलअरुलोधर सबवस्तूआनइकट्ठीसोकर अभ्रकनारीदुग्धपीसावै प्रातकालघृतसिद्धकरावै सोघृततर्पणमोहितजान अथवानस्यताहिपरमान ॥ अन्यच्च ॥ स्थलकोकमलशर्करापाय दर्भइक्षुहरतालरलाय लोध्रवैतपद्मसबमेल नारीदुग्धपीसकरठेल प्रातःकालघृतसिद्धसुकरै तिहघृततर्पणनस्यवाधरै ॥ अन्यच्च ॥ द्राचामुलट्ठीचंदनल्याय नारीदुग्धसोंपीसवनाय प्रातःकालघृतसिद्धसुकरै तिहघृततर्पणवानस्यधरै.

॥ अथरक्ताभिष्यंदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ ताम्रवरणकेआसूआवै लालरंगवर्त्मतेथावै अश्रुउष्णअवैहोएदाह सीतलताजुसुहावैताह लालरंगवहुरेखाजानो अवरचिन्हसभपित्तपछानो इन्हकोजोउपायनहींकरै अधिमंथनामरोगसंचरै

॥ अथरक्तजनेत्ररोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ जोरक्तजनेत्ररोगप्रगटावै उष्णजुघृतपीवैसुखपावै नाडिवेधपुनहितकरतास तासउपायकीनपरकाश ॥ लेप ॥ चौपई ॥ लोध्रमुलठीअरुत्रिफलाय अवरसुथरांशर्करापाय शीतलजलसोंलेपेसोय रक्तजरोगनाशतबहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ लाचामंजीठअरुलोध्रमुलट्ठ स्थलकमलपीसकरोइकठ लेपनकरैजुताहिवनाय रक्तजनेत्ररोगमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ नीलोत्पलहरीडअरुमुथर दार्वीचंदनपीसजुलोधर यहसमपीसधौतघृतपाय तीनलेपकररक्तमिटाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जाकोनेत्रोंरुधिरविकार यहउपरताहीसुखकार नेत्रोंकेसोचारोओर लायजलौकाहरैदुखघोर ॥ अन्य उपाय ॥ चौपई ॥ त्रिफलारसलेशर्करापाय नेत्रधोयरक्तजदुखजाय ॥ लेप ॥ चौपई ॥ उत्पलपद्मकाष्टअरुभेय मुलट्ठीचंदनसमकरलेय लेपकरैवानेत्रबंधावै रक्तजरोगनेत्रकोजावै ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ पटोलरसोंतजुमुद्गमुलट्ठ प्रपुंडरीकउत्पलनिंबइकट्ठ यहसमतोयचतुर्गुणपाय मंदअग्निसोताहिपकाय पादशेषमधुसितामिलावै पुनपकायसोलेपलगावै रक्तजपीडाहोवैनाश सुखउप-

जेहोएनेत्रप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ काहीमधुसोंलेपलगावै रक्तजपीडनाशहोयजावै ॥ अन्यच्च ॥ वैंतअमलनारीपयपाय लेपेरक्तपीडमिटजाय

॥ अथकफजअभिष्पंदनेत्ररोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ भारीनेत्रशोथयुतलहिये चिपचिपाटकंडूयुतकहिये उष्णवस्तुजिसनेत्रसुहावै सीतस्पर्शनेत्रकोपावै पिच्छलश्रावश्वेतरंगभास कफजरोगयोंकीनप्रकाश.

॥ अथकफअभिष्पंदनेत्ररोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ लंघनखेदअवरनसवार भोजनतिक्ततिक्तौषधधार तिक्तउष्णऔषधहैजोय ऊपरवांधनहितकरसोय तीक्ष्णतेंशिररेचकरावै भोजनरूक्षअन्नसुखपावै तीक्ष्णवस्तूधूम्रसुपान तीक्ष्णतेंउपनाहसुजान उष्णवस्तुआश्चोतनकरै अरुपुटपाकसुनिश्चयधरै अभिष्पंदअधिमंथहिमाहि स्निग्धस्वेदशिररेचनताहि कफजरोगहैनेत्रनजोय इनउपायकरनाशैसोय अथलेपन चौपई लेपविल्वदलहरडकराय लेपरसोंतसदासुखदाय हरिद्रावनाहसुंठलिपावै वागेरीसुंठीलेपकरावै यहलेपनसवहैसुखदाय नेत्रकफजरुजदेतहटाय अंजन शिलाजितश्वेतमरचलेलोधर समपिसायनेत्रनअंजनकर होवैकफजपीडकोनाश रोगनाशहोयेदृष्टिप्रकाश ॥ अथपोटली ॥ चौपई ॥ निंवपत्रलोधरसमआन करैपोटलीवैद्यसुजान उष्णतोयसोंताहिभिगोय करैटकोरकफजदुखखोय वंधनपिंडी चौपई पीलूविल्वकपित्थजोआन मरुआतुलसीवकमपछान इन्हकेपत्रघृतभुंनपिसावे खेदकरेवालेपलगावे अन्यच्च चौपई निंवपत्रसेंधाअरुनागर समलेपीसिटिक्कीसोकर नेत्रनऊपरवांधेसोय नाशकफजपीडाकोहोय कंडूशोथहोइहैनाश रोगजायचक्षुज्योतिप्रकाश पोटली ॥ चौपई ॥ सेंधालोधरसितसुरमालेय घृतसोंभुंनइकत्रकरेय वांधपोटलीकरैटकोर सबनेत्ररोगनाशैअतिघोर वंधन चौपई दोइरजनीलेभागजुदोय एकभागसितसर्षपजोय एकोभागशिलाजितपाय आश्चोतनजलपीसकराय इसविधिसोंनरकरैहैजोय कफजरोगनेत्रोंकाखोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ द्रैंकत्वचासेंधासमपाय कांजीतैलमिलायपिसाय नेत्रोंऊपरवांधैतास वातजकफजरोगहोएनाश ॥ लेपन ॥ सुरमासेंधामूर्वामूल तैलमिलावोसबसमतूल कांसपात्रघसलेपलगावै कफजरोगकीपीडनसावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सेंधात्रिफलात्रिकुटापाय समुद्रफेनशंखनाभिमिलाय वर्चशिलाजितसंगमिलीजै सबसमपीसजुवत्तीकीजै कफजरोगपीडाहोएनाश सुखउपजैचक्षुज्योतिप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ आनोलोध्रनिंवकेपत्तर वासाविल्वकेपत्रइकत्तर इनकारसभललेहुनिकार सुंठीअवरजुत्रिफलाडार घृतसोंताम्रहिपात्रघसाय लेपनविधसोंलेयवनाय लेपनकरैकफजदुखनाशै नेत्रनमोवडिज्योतिप्रकाशै ॥ धूप ॥ चौपई ॥ कौडीताम्रपात्रघसलीजै गोवरअग्नीधूपसुदीजै कफजरोगपीडाहोएनाश नेत्रखुलैसुखउपजैतास कांजीलवणअवरकटुतेल कांसपात्रमोकीजैमेल घसधरगोवरअग्निधुखावै धूपदेयकफरोगनसावै इतिकफजचिकित्सा ॥

॥ अथअधिमंथरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नेत्रदुखनमैकैरेकुपत्थ रुजप्रघटेतिसकोअधिमंथ सोअधिमंथहैचारप्रकार वातापित्तकफरक्तविचार चक्षुमाथितरहैनितजास अर्धशिरफटैवहुपीडप्रकाश मतइहचरऋषीकाआहि इहविधि-

याकेलक्षणकाही जोअधिमंथकफजप्रगटावै सप्तरात्रिउपरंतरहावै दृष्टिनाशकजासोजान रक्तजपंचरा-त्रिद्दगहान वातजषटरात्रीउपरंत पैत्तिजतातकालचक्षुहंत रुजअधिमंथनामजिसआखै लोकचनाट सबीतितिहिंभाषै.

॥ अथवाताधिमंथलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ आंषदुखनमेकरेकुपत्थ वातिकवस्तूखावैपत्थ तौपीडावहुआखेंहोई फूटैनेत्रजुमानेसोई आधासिरनीचेभुकजाइ तोदभेदवतपीडलखाइ कुंचनशोथकंपयुतलहिये मांसमिलेअरुघर्षणकहिए मस्तकफटैसीतलजलवहै तौवायूअधिमंथहिकहै

॥ अथपित्ताधिमंथलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिसनरआखोंदूखनआवै वस्तूगर्मखटाईखावै तिसकरपीडाआखेंहोइ फूटैनेत्रजुजानेसोइ अग्निदग्धइवपीडपछान ज्योंक्षतपरहीक्षारसुमान रेखानेत्रलालरंगहोइ नेत्रयक्कृतइवजानेसोइ वर्त्म-शोथस्वेदातिसहोय सीसतप्तअरुमूर्छाजोय दाहशूलबहुपाकहिजान नेत्रपीतजलस्रावपछान सीतलता-जुसुहावैजास अधिमंथपित्तकाजानोतास.

॥ अथकफाधिमंथलक्षणम् ॥

चौपई सीतलगौरवचक्षूजान मिलेरहैंअरुस्रवैमहान चिपाचिपाटरोमांचितजोय पांसुपूर्णइवजानोसोय दुखकरसंयुतदेखैरूप नेत्रमलिनतुमजानोभूप शब्दसाहिततिसनासाजान दुखसंयुतशिरलखैमहान ति-हपरगर्मजोवस्तुसुहावै आंखनमोसूजनवहुआवै खाजअधिकजिसआखोंहोय अधिमंथकफजजानोसोय

॥ अथरक्ताधिमंथलक्षणम् ॥

चौपई जिसनरआखोदुखनेआवैं करैकुपत्थजुनाहिसुहावै तातेरुधिरविगडकरजोइ आंखविगाडकजानो-सोइ नेत्रवर्णतुमजानोतैसे गुलदुपहिरकापुष्पहिजैसे आंखोंनिश्चलजानोताहि हाथस्पर्शसहारेनाहि अ-श्रुरक्तस्रवैजुमहान सूचिविद्धवतपीडाजान जैसेरेठारक्तकेमाहि कृष्णभागरंगजानोताहि अधिमंथरक्त-काजानोऐसे निदानग्रंथमतमानोतैसे चरकऋषीकामतयोंकहे सोअपनेमननिश्चयगहे.

॥ अथहताधिमंथलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नेत्रनाडिमोंस्थितहोइवात दृष्टिहतकरडारेख्यात जाहिनेत्रदेखैकछुनाहि पीडाअधिकजो-होवतताहि जाकेनेत्रहोयहैंअैसे हताधिमंथजानोतुमतैसे.

॥ अथआमनेत्ररोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अस्रुपातवहुपीडाहोय रंगमलीनशोथयुतसोय ऐसेलक्षणनेत्रोंजान आमनेत्ररुजजाहिप-छान ॥ अथपक्वनेत्ररोगलक्षणम् ॥ पीडमंदकंडूप्रगटाय शुद्धवर्णअल्पअस्रुलषाय ऐसेलक्षणनेत्रनहोई पक्वनेत्ररुजजानोसोई ॥ अथनेत्रसशोथपाकलक्षणम् ॥ चौपई ॥ पक्कउदुंवरफलइववर्ण शोथकंडुचिप-चिपवहुकरण दाहपाकयुतनेत्रहिजानो रोमहर्षअरुगौरवमानो अश्रुस्रवैतिहिंवारंवार उष्णशीतवापि-छलधार पिडावहुयहरोगअसाध्य इन्हलक्षणलषमहाउपाध्य.

॥ अथअशोथनेत्रपाकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जांहिनेत्रमोशोथनहोई खाजहोइरंगगूलरसोई शोथपाकसवलक्षणजान अवरभेदमनकछूनआन नेत्रलालहोइकरैसंचार अशोथपाकमननिश्चयधार

॥ अथवातपर्जयनेत्ररोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नेत्रहिलावैभ्रू रंवार वातकरैबहुपीडविकार वातपर्जयनामातिसहोय निदानग्रंथमतजानोसोय पक्ष्मदोयभ्रुवनेत्रमंझार वातदुष्टहोकरैसंचार

॥ अथशुष्काक्षिपाकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिसकोलोचनमूंदेरहें जलैंलालरंगसूकेवहें दृष्टमलीनरहैविनस्राव खोलतलगेज्यौंमानोघाव ऐसेलक्षणनेत्रपछानो शुष्काक्षिपाकसोनामवखानो

॥ अथान्यतोवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मन्यानामनाडिजोकहिये कर्णहनूशिरसोस्थिरलहिये तानाडीमोंकरसंचार वातकरैयहरोगविकार नेत्रभ्रुवेंअतिपीडाकरै अन्यतवातनामइहधरै

॥ अथशिरोत्पातनेत्ररोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रेखाताम्रवर्णजिहिंलोचन पीडाअल्पकरैनितसोचन रेखाउपजेवारंवार ऐसेलक्षणतांहिनिहार अथवापीडाबहुकरजोय शिरउत्पातनामकहुसोय

॥ अथअम्लाध्युषितलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ भोजनअम्लविदाहीखावै सर्वनेत्ररुजतिसप्रगटावै नेत्रहोयजिसकालेरंग पाकदाहयुतलालीसंग अवरजुनेत्रोंशोथहिआवै अम्लाध्युषितरोगसुगावै

॥ अथशिराप्रहर्षनेत्ररोगलक्षणम् ॥

॥चौपई॥ जबशिरोत्पातरोगसंचरै नरअज्ञानउपायनकरै शिराप्रहर्षरोगतबहोय लक्षणसमझोभाषोंसोय अस्रुस्रावबहुतदुखहोइ नेत्रउघाडसकैनहिसोइ ताम्रवर्णतुमअश्रुजानो अरुनिर्मलपुनताहिपछानो ऐसेलक्षणदेखैजास शिराप्रहर्षनामकहैतास इतिसर्वगतनेत्ररोगवर्णनम्

॥ अथअधिमंथादिसर्वनेत्रगतरोगसामान्यचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ मिश्रितवस्तूयुक्तकरकिंचित्उष्णकराय आश्चोतनकरनेत्रकोंसन्नजरोगमिटाय ॥ चौपई ॥ त्रिफलादालहलदजुमुलट्ठ अरुगिलोयसबकरोइकट्ठ यहसमपीसेलेपलगावै अरुपीवैसोऊसुखपावै अधिमंथादिसर्वरुजनाश रोगमिटैचक्षुज्योतिप्रकाश लोधरकरघृतसाधितजोय वात्रिफलेघृतसाधितहोय वापुरातनघृतकोपान अम्लाध्युषितमोसत्यपछान नाडीवेधविनाहितहोय पित्ताभिष्पंदकीहैविधजोय ॥ लेप ॥ केवलदालहलदमधुसंग लेपैहोयनेत्ररुजभंग ॥ क्वाथ ॥ चौपई ॥ क्वाथकरैत्रिफलासागिलोय मघचूर्णमधुसोंपीवेसोय तौभीनासनेत्ररुजजान औसेकह्योउपायप्रमान ॥ अन्यउपाय ॥ रूईफोहेकांजीभीजै नेत्रधरैरुजसबहीछीजे ॥ लेप ॥ लोध्रमुलट्ठीदार्वीजोय शैलेयरसोंतपीससमसोय अजा-

दुग्धसोंलेपसुकरै तौभीरोगनयनकोटरै ॥ क्काथ ॥ केवलदालहलदकोक्काथ पीवैतांकोमधुकेसाथ तौभी-होयनेत्रदुखनाश बंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथलेपन ॥ चौपई ॥ मुलठीगेरीसेंधापाय दालहलदरसोंत-रलाय यहसमपीसेलेपनकरै सर्वनेत्रगतपीडाहरै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ रससुहांजनपत्रमंगावै अरुघृत-केसंगतासमिलावै ताम्रपात्रमोघसकरलीजै लेपकरैरुजलोचनछीजै ॥ अन्यच्च ॥ लेपचाकसूअंजनजोय सकलनयनरुजमोहितसोय ॥ अथकाथषडंगगुगुल ॥ चौपई ॥ त्रिफलावासानिंबपटोल यहषटकाथक-रैसमतोल पीवैगुगुलचूरणसंग सर्वरोगनेत्रकोभंग ॥ अन्यच्च ॥ क्काथ ॥ चौपई ॥ पटोलपत्रनिंबअ-रुवासा मुथगिलोयजुधात्रीतासा कुटजत्वचादारजनील्याय कलिंगकिरायताचित्रापाय सुंठीहरडवहे-डामान वेंतकौडसमक्काथसुजान याकोपीवेरोगीजोय एतेरोगनाशसुनसोय कफविकारपुनापित्तविकार अक्षिपाकअरुरक्तविकार नयनस्त्रावपुनशोथहिजाय वंगसेनमतदियोवताय ॥ अन्यच्च ॥ वासानिंब-पटोलगिलोय मूलसुत्थरपंचत्रिफलाजोय मुलठीचंदनसुंठीलीजे इनकाक्काथप्रातउठपीजे वातपित्त-कफकेजुविकार काचकंडुअरुतिमिरनिहार नेत्रस्त्रावअरुशोथविनाशे पटलरोगसन्निपातसुनाशे ॥ अन्यच्च ॥ वासामुत्थरनिंबपटोल कौडागिलोयचंदनसमघोल कोगडइंद्रजवदार्वीजान चित्रासुंठीकि-रायतामान हरडवहेडेआमलेजोय क्काथप्रातउठपीवेसोय अधिमंथादिरोगनिवारै पित्तकफादिकरोग-हिटारै अष्टभागजबक्काथबनावै वासादिक्काथहिसंगरलावै प्रातकालपीवैनरजोय एतेरोगनाशतबहोय कंडूशुक्रतिमिरव्रणदाह लालीअर्बुदपिल्लहिताह नेत्रपटलअरुपीडानाश औरहुंरुजभीहोहिविनाश त्रिदोषजरुजनेत्रोंहोय निश्चैकीजैनाशैसोय इतिअधिमंथादिनेत्ररोगचिकित्सा

॥ अथान्यप्रकारनेत्ररोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ अग्निधूमतापभयखेद शोकअवरइत्यादिकखेद इन्हसोंरोगनेत्रहोइजास सनिग्धशीतलेपन-हिततास अवरमधुरलेपनहितकहिये ऐसेंतासचिकित्सालहिये ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ होवेच्चतजरुजने-त्रहिंजास मुखहुवाडस्वेदहिततास नारीस्तनपयनेत्रोंपावै होयरुजशांतितवसुखपावै ॥ अन्यच्च ॥ सूर्यवि-जलीअरुआकाश श्वेतवस्तुवहुदेखीजास नेत्रजिसकेहतहोजावें तासचिकित्साऐसेंगावें शीतास्निग्ध-लेपपरकार तानरकोजानोहितकार अरुत्रिफलासेवैनिशिजोय ताहूंकोहितकरहैसोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अभिघातहुतेनेत्रविकार तांउपायअसकह्योउचार सितादिरजनीअरुत्रिफलाय मधुनारीपयसोंपी-साय नेत्रनकोंपूरैतिससंग अभिघातजदुखहोवैभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ बटपत्रानकेपुटमंझार घृत-कलिंगजुपकायसुधार तासोंपूरैनेत्रहिजोय पीडानाशपरमसुखहोय ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ अजादु-ग्धघृतमेदसुलठ ऋषभजीवउतपल्लइकठ मंदअग्निसोंपायपकावै खायलायअभिघातजजावै यहघृ-ततेअभिघातमंझार परमश्रेष्ठमननिश्चयधार ॥

॥ अथनिद्राचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ श्वेतमरचउत्पलगजकेसर पीसवर्त्तिकासोवनायधर नेत्रनमोंपुनपावैतास वहुनिद्राकोहोवै-नाश ॥ अथनसवार ॥ कंड्यारीमधुलवणमुलठी नसवारकरैसबपीसइकठी तांकीलीजैनितनसवार नि-द्रानाशैयहमनधार ॥ अंजन ॥ चौपई ॥ मरचपीसअश्वलालासंग वामधुसोंअंजननिद्राभंग ॥ दोहा ॥ नेत्र-चिकित्सायहकहीवंगसेनअनुसार भिन्नभिन्नसबरोगकीसमझोवैद्यविचार इतिनेत्ररोगचिकित्सासमाप्ता

॥ अथनेत्ररोगपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ नेत्ररोगकेपथ्यअपथ्यसुनलीजैमनधार भाषसुनावौंसबप्रतिवैद्यकमतअनुसार ॥ अथपथ्यं ॥ पैरतलीकेमध्यजोनारि सिरपर्यंतसोव्यापतसारि नेत्रमार्गपर्यंतसोरहै तांतेमर्दनपदहितकहै वालेपनजोपदमोंकरै नाडीद्वारनेत्रगुणधरै पैरमलिनतांतसजुहोय पदसंघटनजुपीडनजोय ताहिदुःखितजवनाडीहोई नेत्रदोषप्रापतकरसोई तिहकरपैरतलीकेमाही लेपनधावणहितहैताही त्रिफलाघृतमधुयवहितजान पादमर्दनशतावरीमान एहनेत्रहितवर्गकहीजे वैद्यग्रंथमतयहसुनलीजै जीवंतीशाकसुमिष्टेसोये शाकचुलेरीश्रेष्टहैजोये मूलीपोतकीसिग्रूजान करीरशाकघृतभुंनप्रमान ॥ चौपई ॥ रुधिरमोन्तस्वेदअरुअंजन लेपनरेचनपुनलषलंघन शस्त्रक्रियाजानोनसवार चावलरक्तमुंगयवधार वनकुलत्थरसअरुघृतपान लवामोरवनकुरुकुटमान कूर्मअरुकलिंगकोमास लसुनपटोलकरेलेभास इटसिटअवरककोडकाहिये वाथूअरुवृंताकजुलहिये कायाकोठीधनियांजानो शाककुआरिगंदलमानो द्राक्षामुनकाअवरछुहारे इस्त्रीदुग्धवदामउचारे चंदनचंद्रचांदनीजोय लघुअरुमधुरवस्तुजोहोय इत्यादिकसबपथ्यपछान तासअपथ्यसुनकरोवषान ॥ दोहा ॥ नेत्ररोगकेपथ्यकहेवैद्यकग्रंथविचार तासअपथ्यसुनलीजियेसोअवकरोउचार ॥ दोहा ॥ श्रेष्टशाकवनकर्कटीस्निग्धशाकहैजोय नेत्रोंकोहितमानियेंजवघृतसाधितहोय ॥ अथनेत्ररोगेअपथ्यं ॥ चौपई ॥ क्रोधशोकजानोपुनमैथुन अतिकरसूक्ष्मवस्तुकादेखन दंतकाष्टपुनलहोस्नान रात्रीभोजनआतपजान वहुवकवादजुछर्दकहीजे वहूपुष्पदधिअमलभनीजै मत्स्यकरेलेवहुजलपान मदिरामांसहिजांगलजान लवणअवरतांवूलभनीजे दाहकवस्तुअपथ्यकहीजै रूक्षोउष्णअन्नगुरुपान वेगरोकनोसवहिपछान ॥ दोहा ॥ निद्रामूत्रपुरीषहीअधोवातपुनजान वमनवेगजोरोकियेमहाअपथ्यपछान.

॥ अथकर्मविपाकवर्णनम् ॥ आदौकाणत्वदोषकारणनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ ब्राह्मणदेवसदनतेजोय दीपककोहर्ताहोइसोय अरुनग्नजुइस्त्रीदेखैजोइ नेत्रदोषइनकारणहोई तासउपायवखानोएहु सोनिजमनमोसमझीलेहु ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ एकवर्षलगवाषटमास देवालयवाद्विजगृहतास दीपस्वर्णवारूपेकोही ताम्रदीपवामृन्मयहोही दीपककेमुखचारवनावे चारहुमुखपरवान्तीपावे गोघृतपाइजलावैसोय नित्यनियममनधारैजोय अरुश्रीविष्णूपूजाकरै सुंदरवस्त्रनसोंआवरै ब्राह्मणकोंजुसदक्षिणादेवे याहिदोषतेंमुक्तिलखेवे ॥ दोहरा ॥ काणादिककेदोषकोंवरर्योभलीप्रकार नेत्रांधदोषवर्णनकरोकारणसहउपचार ॥ इतिकारणादिसमाप्तम् ॥

॥ अथनेत्रांधदोषवर्णनम् ॥

॥ अथकारण ॥ चौपई ॥ जोकोइश्रेष्टसंतलखपावै क्रूरदृष्टितिसउोरचलावै सोनरनेत्रअंधहोईजाय ताकोऐसेलषेउपाय ॥ अथउपाय ॥चौपई॥ सुवर्णमूर्तिगोपालवनावै मोरमुकुटमुरलीधरवावे पीतपटांवरताहिउढाय वहुतंडुलऊपरतासवेठाय विधिसोंपूजेप्रीतिलगाव जापकरैमनसोंचितलाव मातादेवकीअरुवसुदेव दक्षिणभागसहितबलदेव विधिवतइन्हकीपूजाकरै प्रीतिभावअतिमनमोंधरै वामभागश्रीमूर्तिविराजे सूर्यादिकग्रहपूजासाजे वामभागअष्टदिगपाल इंद्रादिकयजसहितगोपाल विष्णुमंत्रकरह-

वनकरावैं विप्रहिदेयनिजदोषमिटावै ॥ दोहा ॥ नेत्रअंधकेदोषकोकारणकह्योउपाय मंददृष्टिउपायअब भाषोंसुनचितलाय ॥ इतिनेत्रांधदोषकारणउपायं समाप्तम् ॥

। अथमंददृष्टिदोषकारणउपायनिरूपणम् ।

॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ उदयअस्तमध्यान्हमंजार सूरजदेखेनरवानार अरुजोतनुअपवित्रहि होय सूर्यचंद्रकोदेखेजोय अग्निनचत्रद्विजसुरगुरुगाई अपवित्रदेखेइन्हताई मंददृष्टिइन्हदोषतेंहोय ताउपायभाषोंसुनसोय ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ सूर्यप्रतिमास्वर्णबनावे गंधादिकविधिवतपूजावे करसंकल्पविप्रवरदेय मुक्तिदोषतेंहोइसुखलेय ॥ दोहा ॥ नेत्ररोगकेदोषसवकहेजुसुनधरकान कर्णरोगकेदोषकोंआगेकहोंसुमान ॥ इतिकर्मविपाकः ॥

॥ अथज्योतिषमतेनेत्ररोगम् ॥

॥ दोहा ॥ जन्मकुंडलीलग्नमोदिनकरहोएप्रधान विकलनेत्रहोइताहिनरनिश्चयकरइहजान मेषहोइकरलग्नमोसूर्यकरैप्रवेश तिहनरतिमिरहिरोगकरनेत्रहिहोइक्लेश अपनीराशीहोईकरजन्मलग्नपडजाय तवअंधराताहोतनरज्योतिषमोंप्रगटाय जन्मकुंडलीकेविषेंकर्कैसूर्यपडे बुद्बुदनेत्रजुहोतहैंनिश्चयजोगधरे द्वादशघरकेमध्यमेंचंद्रपडैगोआन तोभीकाणाहोतनरनिश्चयकरतूजान मंगलगुरुसूर्यजोमिलकरराशी माहि पीडानेत्रकेरोगकीप्राणीभोगैताहि ॥ उपाय ॥ जन्मकुंडलीकेविषेग्रहतीनोंतुमजान बुधसूर्यअरुदेवगुरुइकठेइकघरमान तातेंनेत्रजुरोगहिहोवततिसनरमाहि सोसमुझोचितलायकेजातकग्रंथवताहि दोषनिवारणकारणमेयहउपायैहैश्रेष्ट मुख्यसूर्य्यफुनदेवगुरुमंगलपूजइष्ट अरुचांद्रायणव्रतकरेब्राह्मणयज्ञकरेय यथाशक्तजपपाठकरनेत्राहिरोगहरेय ॥ इतिज्योतिषउपाय ॥

॥ अथान्यप्रकारनेत्ररोगाऽधिकारकथनम् ॥

नेत्ररोगफारसीचसमरोगकहतेहै ॥दोहा॥ दसइंद्रियसबदेहमेवाह्याभ्यंतरजान नेत्रप्रशंसाअधिकहैसकलग्रंथमतमान ॥ चौपई ॥ कासःनामनेत्रघरजानो पडदेतींनताहुमेमानो पडदाप्रथममिलासोपाछे सलवीयःनामकहतजगआछे दूसरपडदाआगेहोई मशीमःनामकहतहैसोई इसकीसकलजेरकीजानो सवकीयःनामतीसरामानो छिद्रछिद्रतीसरमेंहोई सकलछाननीमानोसोई पडदेतींनताहिजलजानो भिंनभिंनसोइनामपछानो पडदेप्रथमनीरजोहोई जुजाजःनामकहतहैसोई लालरंगनिर्मलसोजानो तेजवानअरुगोलपछानो जैसेंकाचढलीहैसोई ऐसीसकलप्रथमजलहोई जिलदीयानामदूसराजानो जलतीसरवयजीयामानो श्वेतसकलअंडेकीहोई पडदेचारऊँरसुनसोई पडदेचारनामपहचानो इनकवूतियःआदवखानो गरडजालघरजैसासोई इसकेमध्यछिद्रइकहोई सोइछिद्रबंधहोजावे दृष्टिबंधनरअंधकहावे रंगयथानीलमकाजानो वाआकाशकारंगपछानो इसकारणतेंरंगसमानी नेत्रानहैतमांमदुखदानी अनवीयःनामदूसराजानो करनीयःतीसरपडदामानो निर्मलगोलअधिकमनभावे डेलानामप्रसिद्धकहावे मुलतहमापडदाचौथाहोई चिकनाश्वेतमांसहैसोई डेलेसंगमिलासोजानो मळलिआंवीचजुडापहचानो सोजाइसपरलालीहोइ पाणीचलेपीडकरसोइ अधिकचांदनासोनहिभावे अधिकपीडजलअधिकादिखावे दरदचशमनामासोकहिए रमदनामसोदूसरलहिए रुधिरअधिकगरमीतेंहोई करेजलनपकजावेसोई जेकररुधिरपित्तलखपावे ताहिनेत्रकलुपीतदिखावे अधिकरुधिरपीडलखपावे

सेरेरोगकारुधिरछुडावे दहनानेत्रपीडपरगासे दच्छिणभुजतेंरुधिरनिकासे वामनेत्रपीडायुतहोई वाम-
भुजातेंमानोसोई दोइनेत्रपीडालखपावे दोइभुजांतेंरुधिरछुडावे ॥ दोहा ॥, इराकदेशकेवीचहीं-
ऐसायतनप्रधान रुधिरछुडावेतींनदिनहरइकरगपरमान ॥ चौपई ॥ हिंदुस्तानश्रेष्टविधभावे सेरेरोर-
गकारुधिरछुडावे फेरताहिदिनदूसरमाही वासीरुधिरछुडावेताही जेकरनाडीरुधिरनाभावे तौयथाडीपर-
पछलगावे वाशिरमध्यनाडीपहचाने रुधिरनिकालनेत्रसुखमाने देखवलावलदस्तकरावे अम्लतासहर-
डमनभावे शीरषिशत्तगुलाववाहोई द्रावकसमसूक्ष्महैसोई धनिआमिसरीदोईमंगावे साडेत्रैमासे-
पावे चूरणरातउष्णजलसंग सेवनकरेनेत्ररुजभंग मेथीवीजमंगावेजोई ताहिउवालनर्मजवहोई वांधे-
अथवालेपकरावे सोजपीडनेत्रनकीजावे जढसोसनजूहीजढल्यावे वालापत्रपद्मसंगपावे करइकत्रा-
भांडेमेंपावे अग्निवीचधरभस्मवनावे सोइभस्मलेंकरशिरधोवे नेत्रपीडताहीछिनखोवे हर्दलदारूहर्द-
लल्यावे देवदारुताहीसंगपावे स्त्रीदूधसंगपीसोसोई अथवाभेडदूधजोहोई चाढअग्निपरताहितपावे
उतारभगनेत्रनमेंपावे लोधआंमलादोईमंगावे गोकेघृतकेवीचभुनावे रगडनीरसोनेत्रनपाय करेलेप-
पीडाकटजाय लोधपायजलपीसेकोई पानपत्रपरलेपेसोई अग्निदेगवीचहीपावे भलावेताछिनवीच-
जलावे मुखपरपानपत्ररखसोई प्रवलधूंमजवनिकसतहोई भलावेजलेधूंमअतिजागे पानपत्रलोधसंलागे
जववहपत्रधूंमवहुखावे लोधपत्रसोंजुदाकरावे सोइलोधजलपायघसाय फडकडीमेलनेत्नमेपाय अति-
नीरनेत्रनतेंआवे नीरवंधऔषधफिरपावे इहविधलेईवारजवकरे नेत्रपीडइकदिनमेहरे मैदालोधदोइ-
समल्यावे चौदाचौदामासेपावे गोघृतसेंदोगोलीकरिए मृत्तिकापात्रअग्निपरधरिए ऊपरगोलीदोइत-
पावे एकउठायनेत्रापरलावे शीतलहोएदूसरीलीजे दोईघडीतकऐसाकीजे नेत्रपीडसोजाकटजावे
दोईघडीमेंअतिसुखपावे तांवानरमूलमंगवावे खूपाशिलापरदोइघसावे रूंईभिगोयनिरंतरधरिए गो-
घृतऊपरलेपनकरिए जाविधरूंईसुकायरखावे स्त्रीदूधसंगनेत्रानपावे कन्यावानहोएसोनारी ताकोदूधने-
त्रसुखकारी ऐसायतनकरेनरकोई नेत्रपीडकटअतिसुखहोई पानपत्रकावीडाल्यावे चूपेमुखरसवाहर-
आवे प्रथमपीकेलेमधुमिलाय नेत्रमेपायपीडाकटजाय

॥ अथकफजनेत्ररडकलक्षणउपाय ॥

॥ चौपई ॥ नेत्रपीडकफहूंतेजागे थोडीरडकनीरवहुत्यागे ताहियतनकरशीघ्रहटावे निंवपत्रसुंठीमं-
गवावे जलसंजोगपीसिएदोई पुनकरनेत्रनपावेकोई कफजपीडनेत्रनकीजावे सुगमउपायअधिक-
मनभावे निंवपत्रसुर्मासमल्यावे लोधमेलकरखूपपिसावे वांधपोटलीऐसाकरिए रातएकलेजलमेंध-
रिए प्रातसमयनेत्रनमेंपावे नेत्रपीडताहीछिनजावे देखवलावलयतनकरावे सीसालूणमैनफलपावे वात-
जनेत्रपीडपहचानो पीडाअधिकलालअतिमानो नेत्रखेंचवाहरकोआवे चिपडअधिकनीरदरसावे शी-
घ्रलेपऊपरसुकजावे ताकीऔषधऐसीभावे सुंठीसीसालूणमंगावे सोसनकीजढलोधमिलावे गोघृ-
तमेलपीससमसोई अंजनकरनेत्रनदुखखोई एरनजढअरुपत्रमंगावे निंवपत्राताहिसंगपावे सैहजा-
वीजमिलावेसोई पीसछाणमैदासमहोई रत्तीएककपूरमिलावे गोलीकांजीपायवंधावे छामेंतांहि-
सुकावेकोई रगडनीरसोंअंजनहोई चंदनश्वेतघारसंगपावे निंवपत्रासोसनजढल्यावे लूणपायपीसे-
नरसोई सत्तनीरसोंअंजनहोई ऊपरलेपताहुकाकरिए नेत्रपीडताहीछिनहरिए जेकरनेत्रपीडअतिमा-
ने वातपित्तकफभेदनजाने ताकोयतनसंजोगीकरिए सोऔषधआगेमनधरिए तोलेसातलोधमंगवावे

हरडपीसदसमासेपावे शीतलजलसोंपीसेदोई रूंइभिगोयवांधिएसोई द्वंद्वजपीडाताहिछिनहरिए आगेउौरऔषधीकरिए गुथलीवाचचाकसूसोई आधीगुथलीखालीहोई मुखकरबंधदेगमेंपावे नीरपापायअतिहींगडकावे फूलचाकसूमोटाहोई छिलकाताहिउतारेकोई बिनाधूपभीतरसुकजावे अर्धभागसंगवसरीपावे अंजनपीसवनावेकोई परमऔषधीनिश्चयसोई अथवाफकतचासकूपावे तौभीसकलपीडकटजावे लिहगदेकीलेवेकोई वीचचासकूसंपुटहोई देगबीचधरअतिजलपावे चाडअन्नपरखूपपकावे पकायचासकूलीजोसोई अर्धभागसंगवसरीहोई कांसपात्रमेंदोयरखावे मधूमिलायखूपिसवावे दूसरकांसपात्रलेहाथ रगडेखूपताहुकेसाथ जबमखीरताहीसुकजावे तौजलपायफेरपिसवावे सातभावनाजलकीदीजे मखनमेलगोलिआंकीजे ताहिरगडनेत्रनमेपावे निश्चयनेत्रपीडकटजावे निंबूरसलोहेपरपावे लोहटूंबलेखूपघसावे जबनिंबूरसगाढाहोई लेपकरेनेत्रनपरसोई द्वंद्वजनेत्रपीडकटजावे निश्चयकरसुखनींदलिआवे निंबपत्रसुंठीमंगवावे वांसापत्रकौडसंगपावे त्रिफलाहलदीमुथरआंनो चिरायताचंदनलालपछानो गिलोईअवरइद्रजावलीजे तोलेचारचारसमकीजे दिनइकीतक्काथपिलावे सकलनेत्रपीडाकटजावे.

॥ अथकुहरचशमलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ आगेउौरभेदसुनसोई यक्ष्मबीचनेत्रनकेहोई कुरहचशमनामासोजानो हिंदीचांदीपलकपछानो तीक्ष्णरुधिरहैजबही नेत्रयक्ष्मपीडाकरतबही ताहिफसदकररुधिरछुडावे मिसरीत्रिफलाक्काथपिलावे अलसीबीजमंगावेकोई मेथीरसमेराखोसोई लुआवलेसलानेत्रनपावे ऊपरअगलालेपकरावे अंडेकीजरदीमंगवावे केसरसंगलेपकरवावे पतलालेपकरेनरसोई यक्ष्मकीपीडादूरसबखोई मेथीअलसीबीजमंगावे पौनापौनापाउलिआवे धोवेखूपशुद्धकरलेवे पानीगर्मताहुमेंदेवे दोईपहरतकराखेकोई लुआवलेसलालीजोसोई ॥दोहा॥ काचपात्रमेपायकर राखधूपमेसोय ऊपरपडदाभुजका अथवाकपडाहोय ॥ चौपई ॥ जबउलावसोईसुकजावे तौफुनिऐसायतनवनावे साडेत्रैमासेसोलेव केसरफीमदोईसमदेवे नीरपायपीसेनरकोई वांधगोलिआंराखोसोई रगडनीरसोनेत्रनपावे यक्ष्मदूरपीडाहटजावे करनीयापडदेयक्ष्मजोहोई अथवाअनवीयामेसोई चंगाहोएशेषरहजावे अथवाऊपरफोलाभावे फोलानामव्याजकरकहिए गुलचमनामसोदूसरलहिए फोलायक्ष्मपुरातनजानो सोअसाध्यलक्षणपहचानो फोलानूतनपतलाहोई ताकोयत्नशीघ्रकरसोई जेकररुधिरअधिकलखपावे ताछिनरगकारुधिरछुडावे अथवापछकरावेसोई गर्महुआडाशिरऊपरहोई गर्मस्थानलखपसोपावे तौफुनिऐसायत्नवनावे आद्रकलेहकीमसुखचापे चापतहीरसनारसव्यापे जीभसंगसोइफोलाचाटे चाटनतेंफोलादुखकाटे वाडेलेकरदरडकरावें गिरीनिकालतेलनिकसावे समुद्रझग्गडिडमासालेवे दुगनातेलताहिमेंदेवे पीसमहिननेत्रमेंपावे अतिफोलाताहीकटजावे समुद्रझगाकच्चझग्गालीजें लूनइरमनीतासंगदीजें घोहजीवकीविठामिलावे मिशरीअथवाखंडरलावे लेसमऔषधपीसेकोई पर्सापायगर्मतनहोई तौफुनिऔषधनेत्रनपावे ताहीछिनफोलाकटजावे झगकाचकीसोइमंगावे पीसनीरसंगनेत्रनपावे फोलारोगताहीकटजावे ग्रंथकारमतजाहिवतावे आरसिकासीसाजोहोई मृत्तिकादेगवीचकरसोई पुरातनअतिसोईसीसालीजे पीसनीरसोअंजनकीजे रजतमुंदरीप्रथममंगावे ताहीसंगफोलारगडावे मिशरीअथवालूणजोहोई वैद्यआपमुखचापेसोई ज़ीभसंग-

फुनिफोलाचाटे ऐसाकरदुखफोलाकाटे समुद्रझग्गलेताहिपिसावे वुहाराताछिनऊपरपावे जेकरफोला-पतलाहोई चाटनकीविधिकरेनकोई सिक्कडजढकरीरकेलीजे एरणछिलकातासंगदीजे सुहांजनवीजभां-गुराल्यावे निंबपत्रकापूरमिलावे वसमापत्रकांजीसंगपाय करेखरलगोलीवंधवाय छामांताहिसुकावेकोई रगडनीरसंगअंजनहोई निश्चयकरऔषधमनभावे फोलारोगताहिकटजावे संभालूजढजलपायघसावे ने-त्रपायफोलाकटजावे श्वेतरतकतांवेपरपावे स्त्रीदूधसंगखूपघसावे मसूरसमांनफोलेपरधरिए पटीवांधदु-खफोलाहरिए अतिपुरातनफोलाहोई अतिचिरकालसेविएसोई जोकालेपरफोलाहोई पतलासघनविंदु-वतसोई तोहस्तीनखकेसरल्यावे नीलाथोथासंगरलावे पुत्रवतीकादूधमंगावे लेसमऔषधखूपघसावे अं-जनकरनेत्रनसुखहोई फोलासहजदूरहैसोई वोडवृत्तकादूधमंगावे नेत्रपायफोलाकटजावे मानुषपित्ताने-त्रनपावे अतिपुरातनफोलाजावे श्वेतमूसलीताहिमंगावे पीसनीरसंगनेत्रनपावे फोलारोगदूरज्योहोई आगेऔरभेदसुनसोई छालानेत्रमध्वयोहोई आवलाचशमनामहैसोई हिंदीछीलानामपछांनो प्रगटहो-तअतिपीडामांनो अतिनीरनेत्रनतेआवे ताहियत्नकरशीघ्रहटावे जेकरपालनराखेसोई मांसखटेआइ-सेवितहोई अथवाअधिकवातलगजावे तांकोऔषधऐसीभावे सांभरलूणदरडसोकरिए पोटलीवांधने-त्रपरधरिए दृढकरपटीताहिवंधावे पीडदूरछालाहटजावे मिसरीडलीहाथमेहोई छालातासंगरगडेकोई अथवारजतछापमंगवावे तासंगरगडेछालाजावे मानुषहाथीअश्वपछानो फोलाहोएऔषधीमांनो फड-कडीहलदीसुंठमंगावे सीसालूणभागसमपावे पीसछांनमैदासमहोई रातदिवसनेत्रनमेंसोई तींनवार नितसेवनकरिए फोलारोगताहिछिनहरिए नरहाथीअरुअश्वविचारो इनकाफोलादूरनिहारो खुर्कने-त्रपलकमेंहोई जरवचसमनामाहैसोई ताहितनरएसामनभावे सरेरोरगकारुधिरछुडावे पाछेकाथहरड-कादीजे सातादिवसतकऐसाकीजे तौफुनिदोषसघनहोजावे वातदोषसोवाहरआवे अतिधूपअतिचां-दनजोई इनसेपालकरेनरसोई भोजनअतिभारानहीखावे अतिऊंचाबोलननहिभावे जंगालसाडेदस-मासेल्यावे लालफडकडीतासमपावे दोईजलायखीलकरलेवे कांसखीलसतमासेदेवे केसरमधूमिलावे-दोई मासेसातलीजिएसोई दोमासेमघसंगमिलावे करइकत्रऔषधमनभावे नीरपायखरलकरलीजे जो-वसमानगोलिआंकीजे लालरंगकीगोलीहोई श्याफअहमरनामहैसोई रगडनीरसंगनेत्रनपावे सकलखा-जनेत्रनकीजावे मांसऔरखटेआईजोहोई इनसेपालकरेनरसोई धतूरेकेफुनिपत्रमंगावे ताहिफूककरभ-स्मवनावे मखनमेलताम्रपरधरिए मर्दनफुनिसोअंजनकरिए दिनदिनप्रतिअंजनमनभाय सकलखाज-नेत्रनकीजाय

॥ अथसुगीदचशमलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नेत्रकोनमांसवधजावे मुगीदचशमसोइनामकहावे कोननासिकापासेहोई वैरसमान-होतहैसोई ताहियतनएसामनभावे जंगालनुसादरदोइमंगावे पीसनीरसंगमर्दनकरिए अथवाकाटजु-दाकरधरिए अंडेकीजरदीजोहोइ ऊपरमर्दनकरिएसोइ नाखनःनामनेत्रदुखहोइ जफरःनामप्रगटहै-सोइ पठेकाइकपडदाधावे नेत्रकोंनतेडेःलैआवे धीरेधीरेपसरतसोइ कालेडेःलेऊपरहोइ नेत्रधीरिऊप-रजवआवे दृष्टिवंधकलुदृष्टनआवे मोटाअतिकरडाजवहोई नारयनःनाममानिउोसोई ताहिदिमागशु-द्धकरवावे कंडेआरीफलरसनाकचढावे तौपाछेविधिऐसीकरिए युक्तिसमानकाटकरधरिए जेकरनूतन-

पतलासोइ ताहियतनविधिऐसीहोई कर्णमैललेमधूमिलावे अंजनकरदुखदूरहटावे सिक्कामासेसातमंगावे अर्धभागपारासंगपावे मुंगएकमासासंगपाय हीरमासाएकरलाय करेखरलसुर्मोकरपावे रोगनाखनाताछिनजावे कांफलशंखमर्चमंगवावे समुद्रझग्गताहिसंगपावे कूंजअंडेकाछिलकालीजे करइकत्रसमखरलसुकीजे पीसमहीननेत्रफुनिपावे रोगनाखनाताहिहटावे नीलाथोथालोध्रमंगावे फटकडीसंगताहुकेपावे साडेत्रेत्रेमासेपाय मघसोमासेचारमिलाय तांम्रपात्रकेवीचमिलावे निंबूरसकेसंगघसावे अंजनकरनेत्रनसुखहोइ रोगनाखनानाशेसोइ शंखमखीरदोइसमलीजे ताम्रपात्रमेंमर्दनकीजे श्यामहोएतवनेत्रनपावे रोगनाखनाताछिनजावे जढविसखपराताहिमंगावे रगडनीरसंगनेत्रानपावे प्रथमऔषधीऐसीभावे पाछेऔषधऔरसुखावे संगबसरीसोताहिमंगावे जौदानाकपूरसोसंगमिलावे मासेसातलीजिएदोइ ताहूकेसमामिसरीहोइ पीसनेत्रामेंअंजनपावे पाछेऔषधऔरसुखावे लालरंगकाविंदूहोइ चिटेआईऊपरहोवतसोइ तरफःनामफारसीजानो हिंदीअंवनामपहछानो जेकरविंदूपतलाहोई तोअलाजऐसाकरसोई कवूतरपकडहाथमेंलीजे वडापरकरसोंपुटदीजें निकसेरुधिरनेत्रमेंपावे विंदूलालताहिकटजावे जेकरविंदूकरडाहोइ ताहियतनऐसाकरसोई हरतालमनशिलावोलमंगावे छ-लीरावुढासंगरलावे रत्तीसातसातसमलीजें पीसनीरसंगगोलीकीजें धनिएकारसपायघसावे नेत्रपायविंदूकटजावे करेयतनविंदुनहिजावे सरेरोगकारुधिरछुडावे कुकुडकाअंडाइकहोई चिटेआईताहुकीलीजोसोई सोईपीसनेत्रोंमेपावे लेपताहुकाफेरवनावे गुलावरोगनगुलरोगनलीजें चिटेआईमेंललेपसोकीजें विंदूलालदूरहोजावे करेयतनसुखनेत्रनपावे चिटेआईवीचनाडिआंजांनो लालरुधिरसंगपूरणमानो सवलनामफारसकाहोई हिंदीछात्तःपरनासोई रोगअसाध्ययतननहिभावे सरेरोगकारुधिरछुडावे अथवारगसाफनकाभावे ग्रीवापीछेपछकरावे त्रिफलाचूरणसेवेसोई मासेसातनित्यप्रातिहोई वहेडामगमंगावघृतल्यावे करइकत्रनिंवूरसपावे करेखरलफुनिनेत्रनपाय सवलरोगताहीकटजाय खिचडीमुंगसाथघृतखावे खमीरारोटीमधूसुखावे रहेपालपरदोषहटावे नातरदोषअधिकवधजावे.

॥ अथशयरजायदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शयरजायदरोगजोहोई पडवालनामहिंदीहैसोई सोइवालभीतरजवजावै उलटेहोकरनेत्रदुखावै क्षतूवतलेसदारजवहोई दुर्गंधीकरउलटावतसोई शयरसुनकवलनामपछानो रोगअसाध्यहोतपहचानो ताहियतनऐसामनभावे पकडमोचनावालपुटावे सूईतपायदागसोदीजें ऊपरलेपताहिछिनकीजें कुत्तेकीमाखीमंगवावे गंडेरनचडवामंडुनल्यावे डडूंजीवआनिएसोई इनकारुधिरलेपहितहोई अथवातेलतिलोंकालीजें वालपुट्टपुनमर्दनकीजें ॥ दोहा ॥ पित्ताकालेहरणकाछांमेंराखसुकाय ॥ पीसनेत्रअंजनकरेपडवालरोगहटजाय ॥ जढविसखपरेश्वेतकीछायापीससुकाय गोघृतसोंअंजनकरेपडवालरोगमिटजाय ॥ चौपई ॥ खाजहोतनेत्रनकेमाहि झडेवालपुनिउपयतनाही सोइहुरोगभेदहेदोई प्रथमभेदलक्षणसुनसोई लालफिंमनीकरडीहोई असाध्यबालविनमांनोसोई दूसरभेदखाजपहचांनो झडेवालकेलक्षणमांनो कंडेआरीरसनसवारचढावे दिमागशुद्धकरयतनसुखावें छुहारेकीइकगिटकमंगावे करसंपुटफुनिभस्मवनावे करेखरलनिंवूरसपावे अंजनकरदुखदूरहटावे क्षतूवतअधिकनेत्रनलखपावे सरेरोगकारुधिरछुडावे पीछेपछकरावेसोई वैठहमामगर्मतनुहोई गर्मनीरशिरधारादेवे तौफुनिऐसीऔषधसेवे संगवसरीमिसरीमंगवावे नीलाथोथासंगरलावे मुसककपूरभागसमलीजे खरलपायजलगो-

लीकीजे रगडनीरसंगनेत्रनपावे वालझडेपरयतनसुखावे सुंठलौंगसतमासेल्यावे मिसरीतोलाडेढमंगा-वे कपूरएकमासासंगदीजे पीसनीरसंगगोलीकीजे रगडनीरअंजनकरसोई झडेवालपरऔषधहोई ॥

॥ अथअंधरातारोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ अंधरातारोगप्रगटपहचानो अशानामशवकेरीमानो ऋतूवतसघनलेसलीहोई रोगअं-धरातउपजतसोई सूरजतेजहोतदिनमाही ऋतूवतपतलीहोवतताही रातसमेसरदीवलजानो सघन-ऋतूवतअंधपछानो ऋतूवतस्निग्धरुधिरलखपावे सरेरोरगकारुधिरलुडावे ग्रीवापीछेपछलगावे वाभ्रूम-ध्यरुधिरनिकसावे अथवानेत्रनाडजोहोइ तिनकारुधिरनिकालेसोइ पीछेरेचकऔषधखावे कंडेआरीफ-लनसुआरचढावे जेकरअधिकनेत्रकफमानो कफहररेचकयतनपछानो समुद्रझग्गमघपीसमिलावे अं-जनतेअंधराताजावे शंखमुलट्ठीमनसिलल्यावे गिटकहरीडसुहांजनपावे रसअंजनवालीजोसोई ताम्र-पात्रमेंमर्दनहोई भेडदूधसंगमर्दनकरिए श्यामहोएगोलीकरधरिए रगडनीरसंगनेत्रनपावे अंधरातारो-गताहिकटजावे त्रिफलालूणमुलट्ठील्यावे संगवसरीनीलाथोथापावे वावडिंगपुनित्रिकुटालीजें रसौंत-मेलभागसमकीजे ताम्रपात्रमोसबीमिलावे भेडदूधसंगखूवघसावे स्त्रीदूधताहिसंगदीजे श्यामहोय-तवगोलीकीजे रगडनीरसंगनेत्रनपावे अंधरातारोगताहिछिनजावे कटुखरवूजेकीजढल्यावे विसखप-रावांसाजढपावे वृद्धहेडमांकीजढहोइ इनसेएकलीजिएसोइ पीसनेत्रमेंअंजनपावे अंधरातारोगताहि-छिनजावे सुदावअौरधनिआंरसलीजें चाढअग्निपरगाढाकीजें करशीतलफुनिनेत्रनपावे अंधरातारोग-ताहिछिनजावे मोतिआंविंदुकीऔषधजानो अंधरातेरोगपरसोहितमानो अर्धांगरोगपरहुकनाजोइ अंधरातारोगपरहैहितसोइ उदरशुद्धकरदोषहटावे मुसवूरतुंमादोईमिलावे इनकीगोलीरेचनहोइ देखत्रलावलसेवोसोइ रोगमोतिआंविंदुजोहोइ नजुलाआवफारसीसोइ लेसलाजलदिमागतेंधावे धी-रीनेत्रछिद्ररुकजावे सकलछिद्रवंधजवहोई दृष्टीवंदअंधकहुसोई ॥ दोहा ॥ चौथाहेसाछिद्रकारुकजावत-वजान दूरवस्तुसोनिकटलखछोटीवडीपछान एकआदमीदेखकेदृष्टिपडेनरदोय चौथाहेसावंधतवलच्छ-णऐसोहोय ॥ चौपई ॥ हेसेतीनिवंधजवजाने वडीचीजलखछोटीमाने उदरहुआडसीसपरधावे दुष्टदो-षजलनेत्रनआवे तौभ्रमनेत्रनआगेहोइ रक्तपीतकालेलखसोइ अथवाभ्रमऐसोहोजावे मछरअथवावा-लदिखावे उदरदोषनेत्रनमेंहोइ समानदृष्टिस्थिरहोएनसोइ पूरणउदरहोतहैजवहीं भ्रमकेलच्छणहोव-ततवहीं खालीउदरशुद्धजवजानो भ्रमलच्छणसबदूरपछानो वमनदस्तनरसोइकरावे उदरशुद्धकरदो-षहटावे ऐसाभ्रमजवनेत्रनहोइ चारमासकेऊपरसोइ धीरीवंदअंधसोइजानो मोतिविंदुनौभेदपछानो जलकेरंगभेदनौहोइ आगेलच्छणसुनिएसोइ प्रथमरंगनिर्मलमनभावे अतिश्वेतअरुसाफदिखावे दूसर-रंगरजतवतहोइ तीसररंगनीरसमसोइ चौथाश्वेतरंगजलजानो पंचमरंगफरोजामानो छेमारंगस्वर्णव-तहोइ सप्तमअतिपीतहैसोइ अष्टमकालारंगपछानो धूडारंगनवमसोमानो ऐसेलच्छणआदिदिखावे रो-गअसाध्ययतननहिभावे जवभ्रमनेत्रनआगेहोइ मोतिविंदुकालच्छणसोइ आदियतनऐसामनभावे पु-डपुडिअनकीनाडकटावे दोटुकडेकरकाटेकोइ दोषजजलउतरेनहिसोइ अग्निदाहवाजोकलगावे सौं-फअर्कदिनतीनापिलावे गुलकंदमधूकादीजोसोइ दोषपकेफुनिऔषधहोइ ॥ दोहा ॥ दिवसचारलग-दीजिएरेचनगोलीजोय हवूशवयारकीनामहैदस्तहोतदुखखोय ॥ चौपई ॥ सीसचिडेपच्चीकाल्यावे सो-

हमळीकीचर्वीपावे गंडामेलजालिएसोइ पायछारअंजनसुखहोइ नसवारालखीसिरपीडामाही सोइकरदुःखजावेताही ॥ दोहा॥ धीरीहोवेवंधजवअंधहोतहैसोय यतनअनेकविधकेलिखेविरलाराजीहोय ॥चौपई॥ आदियतनऐसामनाभवे पुडपुडिअनकीनाडकटावे अथवानेत्रछिलावेसोई दुष्टनीरनिकसतसुखहोई.

॥ अथान्यमतेडलकारोगकथनम् ॥

॥ चौपई ॥ डलकारोगहोतहैजोई दमऽनामफारसकासोई श्वेतत्तूवतचिकनीजानो लेसदाररगर्वीचपछानो नेत्रकोणवानिर्वलहोई इनकारणतेउपजतसोई अधिकनीरनेत्रनतेंआवे आदियतनकरशीघ्रहटावे तुरशअंगूरनीरनिकसावे संगवसरीलेताहिमिलावे नर्महोएपीसेनरसोई नेत्रपायडलकादुःखखोई संगवसरीफुनिहिरडमंगावे सतसत्तमासेदोईमिलावे मर्चमुसव्वरमेलोदोई पौनेदोदोमासेसोई पीसनेत्रमेअंजनपावे डलकारोगताहिछिनजावे एरनजढहरीडसमहोई स्त्रीदूधसंगपीसोसोई अथवाभेडदूधसंगपाय अंजनकरडलकादुखजाय श्वेतमूसलीकीजढल्यावे मधूमिलायनेत्रमेंपावे गोकामखनसोइमंगावे कुजेवीचधरवंधकरावे वृश्चिककासूरजजवहोई भूमीमध्यराखिएसोई छेइमासतकऐसाजानो मोशिराषकासूरजमानो तौनिकासफुनिअंजनकरिए डलकारोगताहिछिनहरिए ॥ दोहा ॥ भांगुरेकारसलीजिएमर्चलूणसंगपाय रूईभिगोवेताहुमेइक्कीवारसुकाय छायावीचसुकाइएजाविधइक्कीवार दीपकताहिजलायकेकज्जललेहुउतार सोकज्जलअंजनकरेरातसमेहितहोय डलकादूरविचारिएऔरनेत्ररुजखोय ॥

॥ अथचरनाटरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ प्रसिद्धनामचरनाटजोहोई रववनामफारसकासोई दोषजजलमस्तकतेधावे लेसदारहोनेत्रनआवे तारतारनेत्रनमेहोई नेत्रपूरदुखदायकसोई ॥ दोहा ॥ नेत्रवीचजोश्यामतातांपरश्वेतदिखाय श्वेतवीचसोइलालहेतारंरंगप्रगटाय ॥ चौपई ॥ समुद्रझग्गचाकसूल्यावे संगवसरीनीलोथोथापावे लेसमभागपीसिएसोई नेत्रपायदुखनाशेहोई ॥

॥ अथशईरानामनेत्ररोगकथनम् ॥

॥ चौपई ॥ शईरानामसोजइकहोई नेत्रपलकपरमानोसोई जउोकीसकलताहुकीजांनो नेत्रसोजदुखदायकमानों ॥ दोहा ॥ चिट्टामोममंगायकेवारंवारतपाय सेकताहुसंगदीजिएताछिनसोजाजाय मखीकेशिरकाटकेपीसलेपकरसोय हुआडदीजिएनेत्रपरजाविधपरसाहोय मुसव्वरमधूमिलायकेअथवालेपकराय जौदारसोजाहटेअथवारुधिरछुडाय ॥ चौपई ॥ ग्रीवापीछेपछकरावे नेत्रकोणवाजोकलगावे अथवासोजकाटिएसोई रुधिरनिकालताहिसुखहोई मुसव्वरऔरफडकडीलीजें जखमहोएपरमर्दनकीजे गुंजाश्वेतलूणमंगवावे पछनागसमभागमिलावे करेखरलनिंवूरसपाय जउोसोजपरलेपकराय अथवासेकमोंमकेकरिए जउोसोजताहीछिनहरिए नेत्रपलकमांसवधजावे गुहांजनीनामप्रसिद्धकहावे शरनाकनामफारसकाजांनो शरनाफनामसोदूसरमांनो फूटेपलकपृष्ठतेंजोई निस्तरसंगकाटिएसोई लेकरसूईटांकेलावे करेलेपदुखदूरहटावे लोध्रनीरसंगपीसेकोई करेलेपफुनिवांधेसोई शरनाफरोगताहीछिनजावे शीघ्रयतनकरसुखउपजावे

॥ अथअनबीयालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अनवीयापडदाचौडाहोई दृष्टिपसरखिंडजावेसोई फारसइंतसारकहलावे शीघ्रयतनकरसुखउपजावे चंवेपत्रकारसनिकसावे हर्दलदारुहर्दलपावे रगडनेत्रमेंअंजनकरिए इंतसारदुखताछि-

नहरिए यत्मनेत्रकोणमेंहोई नथूरहोएदुखदायकसोई गर्वनामफारसकाजांनो आगेयतनताहुकामांनो जवतकनीरपीतनाहोई कच्चारुधिरननिकसेसोई ताहिदिमागशुद्धकरवावे कंडेआरिरसनकछिकनीपावे औरनुसवारचढावेसोई दिमागशुद्धकरऔषधहोई अजुआंइनहलदीदोईमंगावे मासेसातखूपपिसवावे वुहाराकरताछिनसुखहोई आगेलक्षणसुनिएसोई प्रथमसोजकोणेपरधावे पडेपाकजलपीतदिखावे जरदावनामफारसकाजानो पुरातनहोतअधिकदुखमानो ताहिजतनऐसामनभावे विनादागदुखकवहुं-नजावे भंडनित्यप्रतिसेवनकरिए नथूररोगताहीछिनहरिए.

॥ अथरसौलीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रसौलीहोतपलकपरसोई मयदनामहिंदीकाहोई तहजरनामफारसीजानो पुरातनहो-एअसाध्यवखानो पलकपकडकरसेंउलटावे भीतरानिस्तरताहिलगावे आदियतनऐसाकरसोई गंदनि-कालताहिसुखहोई नीलाथोथाताहिमंगावे रगडनीरसंगलेपकरावे अथवाफलपीलूकालीजे पतलालेप-ताहुपरकीजे जेकरपलकखुष्कहोजावे करडीहोएनेत्रदुखपावे निद्रातजजागेनरसोई नेत्रउघाडतअति-दुखहोई जसानामफारसाकाभावे होएरडककरजतनहटावे हुआडसीसपरदेवेसोई गर्मस्थानबैठेसु-खहोई गर्मनीरशिरधारापावे परसापडेनेत्रदुखजावे धनिएकारसपीवेसोई अथवारसतरहूंकाहोई जेक-रनेत्ररडकलखपावे सरेरोगकारुधिरछुडावे त्रिश्रियादूधमंगावेसोई करपदनाभीमरदनहोई वनफसा-घृतगुलरोगनआंनो सोसनघृतवदांमघृतजांनो अथवागोघृतसोइमंगावे मर्दनकरदुखदूरहटावे.

॥ अथनेत्रमललक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जेकरअधिकनेत्रमलहोई चिरकीचशमनामहैसोई आदियतनकरशीघ्रहटावे चिप्पडदूरने-त्रसुखपावे त्रिकुटामीचकवीजमंगावे हलदीदारूहर्दलपावे शंखलूणएरनजढलीजे किक्करपुंवलीतासं-गदीजें लेसमऔषधखरलकरावे भेडदूधसंगनेत्रनपावे त्रिफलात्रिकुटालूणमंगावे समुद्रभ्रूगताहिसंग-पावे कुक्कडांडकाछिलकालीजे पीसभागसमनेत्रनदीजे कर्णमैलमधुसंगमिलावे नेत्रपायमलदूरहटावे.

॥ अथछौडधुंदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ छौडधुंदनेत्रनमेंहोई जोफवसरनामाकहुसोई साठवर्षनरऊपरजांनो ताहियतनसमअधिकन-मानो दोषऋतूवतउदरदिखावे ताहियतनकरशीघ्रहटावे दूरदृष्टिसुंदरलखपावे निकटदेखकछुभ्रमदि-खावे अतीनीरनेत्रनतेंहोई दोषऋतूवतलक्षणसोई अथवाअतिखट्टानरखावे ऐसालक्षणतिसउपजावे रेचनऔषधसेवनकरिए उदरशुद्धकरकेदुखहरिए कंडेआरीफलरसनासिकपावे अथवारहसननीरसु-खावे आदिहृदेयकाशोधनजानो दिमागशुद्धकरऔषधमानो सौंफकाथकरमधूमिलावे पीवेदोषताहिप-कजावे सलूनाभोजनअन्नभुनाय रोटीमधूमेलकरखाय खटेआईवस्तुनखावेसोई सलगमअतिगुणदा-यकहोई मघांमर्चसंगवसरील्यावे वहेडेकीगिरगिटकमिलावे मुलठआंमलामेलोसोई दारचीनीताहूसं-गहाई लेसमपीसगोलिआंकरिए अंजनकरनेत्रनदुखहरिए रगडनीरसंगनेत्रनपावे छौडधुंदताहीकट-जावे मघांथोंमजढदोईमंगावे मैदासेरदोईसंगपावे सातसेरफुनिखंडामिलाय गोकाघृतताहूसंगपाय क-रेकडाहप्रात्यनितखावे पाउएकभरदृष्टिवधावे जादानामुशककपूरमगावे केसरकुट्ठइलाचीपावे साजज-हिंदीसुर्माआनो चंदनकेसरनागपछानो दारचीनीताहूसंगपावे अदनीअदनादोईमिलावे लेसमनीर-

ताहूसंगपाय करेखरलगोलीवंधवाय रगडनीरसंगनेत्रनपावे छौडधुंददोईकटजावे जेकरगरमींखुष्कीहो-ई आगेलच्चणसुनिएसोई सूरजेतजमध्यजवआवे अथवाअतीखेदनरपावे गर्मऔषधीसेवितहोई दस्त-संगअतिनिर्मलसोई इनकारणतेधुंदपछांनो खुष्कनेत्रताहूकेमांनो अतिडूंगनेत्रनपडजावे वासंकोचने-त्रघटजावे अतीजलनेत्रनमेहोई आगेऔषधसुनिएसोई भोजनगर्मखुष्कनहिखावे खट्टाअतितीच्ण-नहिभावे ॥ दोहा ॥ रसअनारकालीजिएकाचपात्रमेपाय दिनचालीसतकराखिएभीतरधूपनलाय सोनि-थारकरलीजिएमिसरीसंगमिलाय कपूरमेलअंजनकरेछौडधुंदकटजाय रोगनलेहुवदामकाअथवागोघृ-तहोय नसुआरनित्यप्रतिलीजिएछौडधुंददुखखोय ॥ चौपई ॥ आधसेरधनिआंमंगवावे पाओएकभर-मिसरीपावे फक्कीकरदसमासेखावे शीतलजलसोधुंदहटावे सुरमासंगकपूरमिलावे आंमलरससमाक-रसपावे करेखरलअंजनकरसोई छौडधुंदकटगरमीखोई कालीहरडप्रातानित्यखावे दृष्टितेजबलअधिकादि-खावे ॥ दोहा ॥ जेकरउदरहुआडतेनेत्रधुंदजवहोय आमाशयकाकोपहैलच्चणसुनिएसोय ॥ चौपई ॥ अतिभोजनजवहीनरखावे अतीधुंदतबहींप्रगटावे ताहियतनऐसाशुभहोई लूणमैनफलआंनोदोई पी-सगर्मजलसंगपिलावे वमनहोतअतिधुंदहटावे जवारसभोजनपाचनकरिए उदरशुद्धकरकेदुखहरिए यच्मनेत्रपडदेहोजावे इसकारणतेंधुंददिखावे शीघ्रयतनआगेसुनसोई यच्मदूरकरअतिसुखहोई संग-वसरीइक्कीमासेल्यावे अनविद्धमोतितिरत्तीपावे पारादसमासेसंगहोई नौमाससिक्कामेलोसोई सिक्का-पाराप्रथमगलावे औरऔषधीपीसमिलावे खलरकरेअंजनशुभहोई सकलनेत्रदुखनाशेसोई रौशनाईसु-रमानामकहावे आगेऔरनिषेधवतावे जिसदिनप्रबलच्चुधातुरहोई अथवाअतिभयदेखेसोई जिसदि-नवमनदस्तहोजावे इनादिनअंजनकबहुनपावे जिसदिनरातशयननाहोई अथवादिननिद्राअतिसोई मै-थुनकरेदिवामेहिकोई इनदिनअंजनत्यागेसोई जिसदिननारीऋतुवतहोई अंजनतादिनकरेनसोई ए-तेदिनअंजनकेनाही ऐसेंकहाग्रंथकेमाही नेत्रऔषधीकरेनकोई करेनेत्रदुखभोगेसोई चिट्टासुरमाताहि-मंगावे इक्कीमासेखरलकरावे संगवसरीदसमासेपाय मघांचारतासंगरलाय करेखरलअंजनसुखहोई सेव-नकरेनेत्रदुखखोई जोकौकबूतररुधिरमंगावे एकवारनिजनेत्रनपावे नेत्रपीडकबहूंनहीहोई सुगमउपाय-औरनसोई कुत्तेकाफुनिरुधिरमंगावे एकवारनिजनेत्रनपावे नेत्रपीडकबहूंनहिजानो करेयतनसुखनेत्र-खानो. ॥ इतिनेत्ररोगाध्यायःसमाप्तः॥

॥ अथनिहालीउपाय ॥

कुंडलीरीउंदसज्जीफडकडीहरदलनीलरीड शेकलेपकरआंखपरजावेतरच्चणपीड जावेततच्चणपीड-आंखसिंधूरचढावे अवरअंगुलीरगडताहुकोताउदिखावे अवरनीरलोहारकाकोलावर्षप्रमाण जहविध-जतनकरेतऊनेत्रनिहालीहान ॥ इति ॥ दोहा ॥ शोराकलमिआनकेनौसादनफुनिपाय तासंगमिश-रीकालफीसुरमासंगमिलाय चारोवरतूआनसमअंजनकरजहनैन छौडधुंदफोलाहरेंदृष्टिकरेसुखदैन.

इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांनेत्ररोगाऽधिकारवर्णनंनामनवमोऽधिकारः ॥९॥

—:+×❀×❀×❀×+:—

॥ अथकर्णरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कर्णरोगहिनिदानकेकहौंभेदसमझाय इहविधिलक्षणसमझकेकरहोपुरुषउपाय ॥

॥ अथअनुक्रमणिकाकर्णरोगकीलिखतेहैं ॥

॥ चौपई ॥ कर्णशूलकर्णनादपछानो वधिरक्ष्वेडस्रावहिफुनमानो कंडूकर्णगूथप्रतिनाद कृमिकर्णव्रणचोटाविषाद फुनव्रणकर्णदोषतेहोइ कर्णपाकपूतिकर्णसुजोइ कर्णशोथविधिचारहिजानो वातपित्तकफरक्तजमानो वायुपित्तकफरुधिरविकार कर्णअर्शहोवतयहचार वातार्बुदपित्तकफहिबखानो रक्तार्बुदमांसार्बुदमानो मेदार्बुदफुननाडिकाकहिये वीसआठयहरीतलखैये चरकग्रंथमोअधिकहिचार कर्णपालीमोताहिविचार उत्पातकउन्मंथकजानो दुखवर्द्धनपरिलेहिनमानो कर्णरोगयहकरेउचार भावप्रकाशग्रंथमतधार ॥

॥ अथकर्णशूलवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ कर्णप्राप्तविपरीतजुवाय सोऊकर्णशूलउपजाय रक्तपित्तकफसोंमिलजोऊ पीडतकष्टसाध्यहैसोऊ ॥

॥ अथकर्णरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहौंचिकित्साकर्णकीसुनलीजैचितधार ज्योंभाषिवंगसेंनमोंतैसेंकरोंउचार ॥ चौपई ॥ कर्णशूलप्रणादहिजोय कर्णवधिरताक्ष्वेडजुहोय यहरुजचारोकिएवषान औषधइन्हकीएकसमान ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ वातहरनघृततैलजुजेते इन्हमाहींप्रमाणलखतेते तैलयुक्तहितपत्रवंधावे अरुकानोपरसेकादिवावे अवरविरेचनघृतकोपान वस्तिकर्मसवकरेसुजान उष्णदुग्धघृतपाएजुपीवे कर्णरोगसबनाशजुथीवे ॥ अन्यच्च ॥ अश्वत्थपत्रअरुविल्वजुपत्र तैलयुक्तइन्हकरैइकत्र अंगारनपरतप्तकराय कर्णमोंताहीआनवंधाय ताहितैलजवकर्णहिपरै कर्णशूलसबदूरहिटरै ॥ अन्यच्च ॥ आद्रकरससैंधातिलतैल अवरमुलट्ठीतामोंमेल सबकरउष्णकर्णमेंपाय तातेकर्णरोगभागजाय कर्णशूलकारोगहिजावै ऐसेंवैद्यकग्रंथबतावै ॥ अन्यच्च ॥ कपित्थविजोराआद्रकलीजै इन्हकोसमरसउष्णजुकीजै सोरसकीजेकर्णनपूर कर्णशूलादिरोगहोएचूर आद्रकमूर्वाअवरहिमूलिक वातीकसुहांजनकहेजुपंचिक इन्हकारसभिन्नभिन्ननिकार मधुवासैंधवतैलाहिडार उष्णकरेसोकर्णहिपाय कर्णशूलसबतुर्तमिटाय ॥ अन्यच्च ॥ गोमहिथीअजभेडसुजान हस्तिऊंटअश्वखरहिप्रमाण इन्हकेअष्टमूत्रजोकहे तासोंएकगर्मकरलहे तिसकरकर्णकरैभरपूर कर्णशूलसबहोवैदूर ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ आद्रकलशुनसुहांजनआन मूलीकदलीसमरसठान करैउष्णश्रवणमोंपूर कर्णशूलरुजहोवेदूर ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ अर्कअंकुरसहअमलपिसावे लवणजुसैंधाताहिमिलावै तैलयुक्तसबवस्तुकरावै थोहरहूंकेमध्यसोपावै वांधैऊपरलेपनधरै पुनपुटपाकताहिकोकरै कोमलहोयनपीडैतास ऐसोंतिसरसलेहुनिकास उष्णकरैपुनकानोंपावै कर्णशूलकारोगमिटावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ लेवडपांचमूलकीशाखा प्रमाणसुअंगुलीआठोभाषा पटसूत्रवापटवस्त्रसाथ वेष्टनकरैलहोइहगाथ पुनतांकोतिलतैलभिगावै तैलभिगोयअग्नितिसलावै तैलचुआयपत्रमोंमेल इसकोनामदीपिकातैल उष्णकर्णमोंपावैसोय कर्ण-

शूलसवरुजहतहोय ॥ अन्यच्च ॥ इसीप्रकारसरलसुरदार तैलनिकासकानमोंडार ॥ अन्यच्च ॥ आकपत्र-कोघृतहिलगाय आंचगर्मकररसहिकढाय सोरसमध्यमगर्मकरीजै कानडालदुखशूलहरीजै ॥ अन्यच्च ॥ छागमूत्रमोसेंधापाय उष्णाकानभरपीडाजाय कर्णशब्दअरुस्रावहिनाश ग्रंथकारमताकियोप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ स्योनाकमूलसोंतैलपकावै ताहितैलकोकानमोपावैं त्रिदोषजकर्णशूलहोयदूर अपनेमनमोंनिश्चयपूर ॥

॥ अथकर्णनादरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ शब्दसुननकोकर्णमंभार जोमार्गकीनोनिरधार तिसमार्गइस्थितहोइवात विविध-प्रकारसुशब्दसुनात भेरीमृदंगशंखजोलहिये कर्णनादरुजतातैकहिये

॥ अथकर्णनादउपाय ॥

॥ चौपई ॥ एरणसिग्रुवारणाजान मूलीपत्रकोतुमआन इन्हसबपत्रनकोरसलीजै तैलचतुर्गुणता-मोंदीजै अष्टगुणतिंहदुग्धमिलावै पुनयहऔषधपायपकावै मुलट्ठचीरकाकोलीजान पायअग्निमृदुकरेप-कान ताहूकीलीजैनसवार वामर्दनानिश्चयमनधार सोऊतैलकर्णमोंपावै कर्णनादवधिरताजावै अवरक-र्णशूलनरहाय श्रेष्टउपायजुकह्योसुनाय ॥ अन्यच्च ॥ मयूरपादकामासमंगावै कांजीलशुनमूलिकापावै इनसोंतैलपकायवनाय कर्णमध्यताकोपुनपाय कर्णनादवधिरताशूल एतेरोगहोहिनिरमूल ॥

॥ अथकर्णवधिररोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ कर्णमध्यजोमार्गलहीजै नसामार्गवहुशब्दसुनीजै तिहनसपवनजोइस्थितहोई मि-लकफसोंकरैवधिरतासोइ वालकवूढानरहैजोय वावहुदिनकावधिराहोय सोअसाध्यरुजवधिरपछान ग्रंथदेखमताकियावखान वधिररोगमेकरैकुपत्थ रुजअसाध्यतुमजानोतत्थ ॥

॥ अथकर्णवधिररोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ होयवधिरताजाकेकान वातशूलहरऔषधमान ॥ चौपई ॥ मूलीजढरसकौडातेल सहितवरावरलीनोमेल गर्मकरैनरपावैकान कर्णवधिरताहोवैहान ॥ अन्यच्च ॥ सिताइलाचीइ-कत्रपिसाय पावेकानवधिरताजाय ॥ अन्यच्च ॥ सूकरवसाजुआनमुलट्ठ काकोलीयहकरोइकट्ठ माषअवरजोधनीआंल्याय इनकेकाथसोंवसापकाय तापकायजुहिकानोपावै कर्णशूलरुजवधिरहि-जावै ॥ अन्यच्च ॥ कौडातेलशुंठकुठपाय पिप्पलीपिप्पलामूलरलाय मरचपुटकंडकालेचार जवाचार-विलजदरसडार तैलहिसमगोमूत्रमिलाय मंदअग्निसोताहिपकाय ताहितैलकोस्वछकरेय कर्णपाइरु-जवधिरहरेय शब्दकानमोंवहतारहे रोगमिटेचरकमतहिकहै ॥ अन्यच्च ॥ विलकाचेकारसहिपकाय तामेंसर्ज्जीकुठरलाय पावेकर्णवधिरतानाश वागभट्टयोंकहितप्रकाश ॥ चौपई ॥ गोमत्रतेलदुग्धहिजल-पाय विल्वचूर्णतिहसंगमिलाय ताहिपकायजुकंनोपावै कर्णशूलवधिरताजावे कफतेहोवेवाधिरतारोग वमनकरावनताकोजोग ॥

॥ अथकर्णक्ष्वेडवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ रूक्षकषायजुभोजनखात खेदकरैक्षयधातुजात खालिशिरजिसनरकाहो सेवनशीतकरैनर-

सोय शब्दमार्गहैकानमोजोई तातेंइस्थितवातजोहोई वातपित्तकफजानोतीन शब्दनाडिमोहोवतलीन सोऊमिलकरकर्णमंझारे वांसशब्दइवशब्दउचारे तडतडशब्दसुपीडाहोई कर्णद्वेडरुजकहियेसोई

॥ अथकर्णद्वेडउपाय ॥

॥ चौपई ॥ कर्णद्वेडदुखहोवेजास कर्णनादपुनसमझोतास इन्हरोगनमोंलेकटुतेल व्याधिहरनसोकानोंमेल होवेइन्हरोगनकानाश सुगमउपायजुभाष्योतास

॥ अथकर्णस्रावरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ सीसमध्यअभिघातजुहोई अतिजलक्रीडामजनजोई यातेंकर्णमध्यंजलजाय अथवाविद्रधिरुजउपजाय यातेकर्णमध्यहोइपाक तातेपूयस्रवैलहोवाक अरुबहुपीडाउपजैतास कर्णस्रावयोंकीनप्रकाश

॥ अथकर्णस्रावउपाय ॥

॥ चौपई ॥ सजीक्षारचूर्णमंगवावै तामोरसहिविजौरापावे कर्णभरैरुजस्रावमिटाय कर्णपीडअरुदाहनशाय ॥ अन्यच्च ॥ रालधूपकाचूर्णवनावै वीजपूररससंगमिलावै तासंगकर्णकरेभरपूर कर्णस्रावपीडाहोयदूर ॥ चौपई ॥ आमलीपत्रअरुजामनपत्र महूपत्रवटपत्रइकत्र अवरचंवेलीपत्रविचार इनसबकारसलेजुनिकार पीसमुलठ्ठीतामोठान तैलडारतिहकरेपकान मधुरआंचजवतैलहिरहै कर्णपायरुजस्रावहिदहै ॥ अन्यच्च ॥ समुद्रफेनअरुभस्मसुपारी खैरकत्थपुनताहिविचारी यहलेतीनइकत्रपिसाय कर्णपायरुजस्रावमिटाय ॥ अन्यच्च ॥ जंवुअंवकेपत्रनवीन तिन्हकोरसलेवेपरवीन पुनकपित्थअरुपुनकर्पास इन्हकेहरितफलरसलेतास मधुरलायउष्णाकरसोय पावेकर्णस्रावनहिहोय इनऔषधकोकाथजुलेय सोइसतैलमोपावैतेय निंवकरंजूसर्षपआन इन्हकातेलपकायसुजान सोऊतैलकानमोपावै कर्णस्रावरोगमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जंवूअंवकपित्थदलआन वरणादलपुनकरोमिलान इन्हसबपत्रसोंतैलपकाय ताहिलेयपुनवस्त्रछनाय कर्णपायरुजस्रावमिटावै कर्णरोधदुर्गंधनसावै ॥ अन्यच्च ॥ नारीदुग्धरसौंतमंगावै घृतअरुमधुसमतामोपावै कर्णकोपरुजस्रावमिटाय ग्रंथकारमतदियोवताय

॥ अथकर्णकंडूरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ कफसंयुक्तवातहोएजवै कर्णमध्यकंडूकरतवै कर्णकंडुतिसनामजुगायो ग्रंथकारमतजाहिवतायो

॥ अथकर्णकंडूचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कर्णकंडूरोगजिहहोय कफहरऔषधताकोजोय अरुस्नेहस्वेदहितकार शिररेचनधूमवमनमनधार कर्णमैलजुशलाकासंग निकसावैकंडूरुजभंग वधिरवालअरुवृद्धजुहोय तासचिकित्साकरैनकोय

॥ अथकर्णगूथरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ कर्णमाहिकफपित्तसुकावै कर्णगूथरुजताकोगावै सोउकर्णमांषेटकतरहै यातेपीडाकर्णजुगहै

॥ अथकर्णगूथचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कर्णस्रावकीऔषधजेती कर्णगूथमोजानोतेती कर्णशूलकीऔषधीजोई कर्णगूथमोजानोसोई भिन्नउपायकछूनहिदेखा तातैग्रंथमाहिनाहिलेखा

॥ अथकर्णप्रत्यनाहरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ कर्णगूथजवपतलाहोई घ्राणअवरमुखप्रापतसोई अवरसीसकोंकरतहैदाह जानोनामकर्णप्रत्यनाह ॥ उपाय ॥ कर्णप्रत्यनाहरोगजोहोय स्नेहस्वेदविधकरिएसोय तांतेअधिककछूनहिमानो अपनेमनमोनिश्चयजानो.

॥ अथकर्णशलाकारोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ पतंगगदहडीआदिकहीजे असूदुष्टजीवजोकानपडीजे फरफरशब्दकर्णमोंकरैं बहुपीडामनव्याकुलधरैं जवनरचलैतवहुदुखहोय वैठेअल्पपीडकरसोय.

॥ अथकृमिरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसरक्तकोपेजवदोय कानोकृमिउपजावैसोय तिन्हकाप्रथमनकरैउपाय तांतेकृमउपजैसमुदाय वातिनतेवहुभाषीहोय तिनकरकर्णरुकेहैजोय अरुवहुपीडाउपजैतास पूरेकर्णशूलहोइनास.

॥ अथकर्णकृमिरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ जाकेकर्णहिकृमिजोपरै तोवृंताकधूपअनुसरै पुनकानोंकटुतैलजुपाय कृमिनाशेवहुसुखप्रगटाय ॥ अन्यच्च ॥ हरतालपीसगोमूत्रमिलावै कर्णपायकृमिदुःखमिटावै ॥ अन्यच्च ॥ गुग्गुलधूपकानकोंदेय दुर्गंधनाशहोइज्योंलषलेय ॥ अन्यच्च ॥ सूर्यावर्त्तपुष्परसलीजे निर्गुंडीपत्रनकोरसकीजे लांगलिरसमोंत्रिकुटापाय पायजलौकाकृमिनरहाय अवरहुकीटपिपीलिकाजेऊ कर्णपडीहोयनाशैंतेऊ

॥ अथविदध्रिरोगवर्णम् ॥

॥ चौपई ॥ च्तजविघातजदोषजजान रक्तपीतस्रवेरुधिरमहान पीडादाहकर्णमंझार कर्णविदध्रीदोपरकार.

॥ अथकर्णविदध्रिरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अर्कपातनिरगुंडीपात इनकारसहिनिकालख्यात सोरसलेयपात्रमोपावे राजवृक्षकाक्राथमिलावे सूर्यपुष्यरसचित्राल्याय थोहरदुग्धहुलहुलरसपाय यहसबरसइकप्रस्थप्रमान प्रस्थतैलतिंहकरोमिलान पलसैंधादोपलहरताल दशमासेविषतामोडाल सोपकायनरकानोपावै दुस्तरश्रूलाहिततचणजावै जोमुशलीवावचीताहिमिलाय तौकर्णविदध्रितातैंजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कुठहिंगुवरचसुरदार शतावरिसुंठीसैंधाडार अजामूत्रसोंतैलपकावै सोइतैललेकर्णमोपावै कर्णरोगकाहोतहैनाश सुखउपजैहोएखेदविनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सांपीकीटकामांसहिल्यावै कटुतैलमोपायपकावै सोइतैललेकर्णहिपाय ताहिकर्णनाडीरुजजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ गंधकरजनीचूरकीजै मनशिलअरुकटुतैलमिलीजै धतूरपत्ररसपायपकावै पायकर्णनाडीदुखजावै पलपलभरसबऔषधमान आठआठपलतैलसुजान इसविधकरियैतैलकाथाक ग्रंथकारकासुनियेवाक.

॥ अथकर्णपाकरोगवर्णनम् ॥

पित्तकोपजवकानोहोय कर्णपाकप्रगटावैसोय पूयस्रवैजिसक्काथसमान कर्णपाकरुजताकोमान.

॥ अथकर्णपाकरोगउपाय ॥

कर्णपाकाहिरोगमंझार चिकित्साक्षतजंविसर्पीधार कर्णशोथपित्तऔषधजोई कर्णपाकमोजानोसोई

॥ अथपूतिकर्णरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ घीऊसहितवाविनहितपीर पूयस्रवैघनिजानोधीर विनहेतुव्रणकाननमाही अरुजलच-लेनादप्रगटाही पूतिकर्णरुजनामहिहोय वंगसेनमतजानोसोय ॥

॥ अथउपाय ॥

वचाहिंगुमघलशुनमंगावै इनसवमेंकटुतैलपकावै ताहिगर्मकरकानोंपाय निश्चयपूतिकर्णरुजजाय ॥

॥ अथचारप्रकारकर्णशोथ ॥

॥ चौपई ॥ कानोंमध्यशोथजोपरै कर्णशोथरुजसोउच्चरै कर्णशोथइहचारप्रकार वातपित्तकफरु-धिरविकार ॥

॥ अथवातजकर्णरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ पीडासहितनादलखपैये कर्णमैलसुकस्रावलहैये होतवधिरजोवातविकार वातजकर्ण-हिकीनउचार ॥

॥ अथवातजचिकित्सा ॥

चौपई वातजकर्णशूलप्रगटाही स्नानपानजलशीतलनाही अरुमैथुनसोनाहीकरे वातहरनऔषधमनधरे

॥ अथपित्तजकर्णरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तवर्णहोइशोथसदाह पीतवर्णहोयपूयस्रवाह पित्तजकर्णशोथतिसजानो ग्रंथनकामत-जाहिपछानो

॥ अथपित्तजकर्णरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ पैत्तिकमोघृतसितामिलावै रेचनऔषधसंगरलावै तासोंरेचनकरहैजोय पैत्तिककर्णशूल कोंखोय द्राक्षामुलट्ठीदुग्धपकावै कानपायपैत्तिकदुखजावै

अथकफजकर्णरोगवर्णनम्

॥ चौपई ॥ कर्णहिशोथवधिरताहोय शुक्लस्निग्धपूयस्रवसोय कंडूअरुअतिपीडाजान कफजकर्णरु-जकीनवखान

॥ अथकफजकर्णरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ कफरुजमाहिवमनसोआदि क्रियाहरैसंपूरणव्याधि लवाजोकुर्कुटजांगलमास तिहासिद्ध-दूधहितवरहेतास कफजकर्णशूललखपैये घृतसहापिप्पलामूलपकैये कर्णवीचपुनपावैतास कफजकर्ण-शूलहोएनाश देवेधूम्रअरुदेवेस्वेद मिटैकफजकाननकोखेद

॥ अथरक्तजकर्णरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ दाहपाकपीडावहुहोय रक्तवर्णधारतहैसोय तासोंरक्तजरोगपछाने ग्रंथनकामतयहमनमाने.

॥ अथरक्तजकर्णरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ रक्तजकर्णशूलहोइजास याहीचिकित्साभाषीतास अरुसोनाडीछेदकरावे रुधिरनिकासैतवसुखपावै यामोंइहसवलच्छणहोय सन्निपाततेंजानोसोय

॥ अथअर्वुदकर्णरोगवर्णम् ॥

॥ चौपई ॥ वाय्वर्वुदपित्तकफहिविषानो रक्तार्वुदमांसार्वुदमानो मेदार्वुदफुननाडिकाकहिये अर्वुदसातप्रकारज्योंलहिये लच्छणदेखैदोषसमान सोअपनेमननिश्चयजान ॥

॥ अथकर्णार्शवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ कर्णमाहिरुजमहुकेन्याई उत्पत्तहोयसोअर्शकहांई अर्शचारपरकारवखाने लच्छणकहैसोइअवजाने लच्छणयाकेदोषअनुसार अर्शरोगमेलियोविचार अर्शरोगचिकित्साजोई कर्णअर्शकीजानोसोई ॥

॥ अथकपालीरोगवर्णम् ॥

॥ चौपई ॥ भूषणकारणनरहिजोय कर्णवधावेजानोसोय तातैरुजप्रगटेतिसताई परिपोटनामहीताकोगाई ताकेलच्छणकरोंउचार सोसुनीयेअपनेचितधार कर्णपालिजोलोलहिकैहैं ताकेऊपरसोजालहैं कोमलस्थलहीजाकोजान तासचिकित्साकैरअजान तौवहवृद्धपीडयुतहोय वातजपित्तजरक्तजसोय.

॥ अथवातजलच्छणम् ॥

॥ चौपई ॥ कृष्णअरुणजोरंगदिखावै वातजवहपरपोटकहावै ॥

॥ अथकर्णपालीरोगेपरिपोटकचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कर्णपालीसूकजोजावे तासचिकित्साअैसेगावै वातजकर्णरोगजुउपाय ताकोभीयहहैसुखदाय तिसउपरंतस्वेददेतास पुनतिलकुठमलैरुजनाश ॥

॥ अथकर्णपालीसामान्यउपाय ॥

शतावरीअसगंधएरंडवीज तिलतैलपायतिसकरोपकीज तैलरहैतवहीपुनलेय पावेकर्णलोलरुजनेय ॥ अन्यच्च ॥ गोवरकेउपलेसोसेक कानलोलतवहोएअशेष ॥ अन्यच्च ॥ दुग्धअथवागोमूत्रमंगाय ताहिवीचकरपूरपिसाय कानोंलेपकरैजोकोय कानलोलअछीतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ महिषीकानवनीतमंगावै अन्नमध्यदिनसातदवावै कर्णपालीपरमर्देसोय वृद्धजुकर्णपालिनहिहोय ॥ अन्यच्च ॥ शतावरितैलमलैजोतास रुजपर्पोटकहोवैनाश ॥ अन्यच्च ॥ गणजीवनीलेदुग्धपकाय मलैप्रपोटनाशहोजाय अथवातासंगतैलपकावै मलैरोगपरपोटहिजावै कर्ण

पालीपुनपुष्टसुहोय निश्चयकीजैमनमोंसोय ॥ अन्यच्च ॥ अनूपदेशमृगपच्छीमास दुग्धपकावैसंगरस-तास सोउदुग्धजवकानेमलै कर्णपालिरुजतवहिटलै ।

॥ अथकर्णपालीरोगेउत्पातरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ भारीभूषणधैरेजुकान अरुकोइभूषणखेंचेआन अथवाकोईताडनकरै कर्णपालीतवसो-जापरै दाहपाकपीडाबहुहोय रक्तवर्णधारतहैसोय रक्तपित्ततैंयहरुजजान रुजउत्पातकनामवखान ॥

॥ अथउत्पातउपाय ॥

॥ चौपई ॥ ताहिउपद्रवउत्पतहोई आगेयतनलिखाकरसोई जलौकाताहिसमीपलगावै रुधिर-निकासउपद्रवजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ गोंपाअरुतिलवलामुलट्ठी उत्पललोध्रमंजीठइकट्ठी जंवूअंवपत्रपुनठान इहसवकांजीसंगपिसान तैलमिलायपकावैतास मलैजुकर्णउपद्रवनाश ॥ अन्यच्च ॥ त्रायंतीअसगंधमंगाय सुरसावावचीवीजमिलाय अवरप्रियंगूसेंधापावै गोधाकाकवसाजुरलावै इन्हकी-वसालतैलपकाय मलैकर्णपालीमिटजाय उन्मंथरोगहोवैतिसनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥

॥ अथउन्मंथप्रपोटरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कानजुबलकरवेधेकोय कफअरुवातशोथतवहोय कठिनपीडाविनताकोजाने होय-खुर्ककफवातजमाने ॥

॥ अथउन्मंथउपाय ॥

॥ चौपई ॥ सुरसावावचीपुनकलिहारी काकपच्छीकामांसहिडारी इनकेसमतिलतैलहिपाय मंदअ-ग्निसोंताहिपकाय तैलरहैतौकानमोंपाय उन्मंथरोगसवहीमिटजाय ॥

॥ अथदुःखवर्धनलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दुखसंयुतजोवेधैकान उपजैदुखातिसकोजुमहान जोजोभेदत्रिदोषजहोइ उपजैताको-सवहीसोइ कंडुदाहपीडातिसजान अवरशोथतिसमाहिपछान कर्णरोगदुःखवर्धनकहिए ताहिउपायसु-आगेलहिये ॥

॥ अथदुःखवर्धनउपाय ॥

॥ चौपई ॥ जामनपिप्पलअंवकेपत्र इनकाकाढाकरेइकत्र ताहीमेंफुनतेलपकावे कानमलैदुः-खवर्धनजावै.

॥ अथपरिलेहिनरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफरक्तकोपजवकाननकरे विकारकर्णपालीतवधरे कंडूदाहसपीडलखाई वहुफुनसी-होयसर्षपकीन्याई तवहिकर्णपालीपकजावे वागिरपडैजुअैसेंगावे.

॥ अथपरिलेहिनउपाय ॥

॥ चौपई ॥ कफरक्तहरणकीऔषधजोई सोविचारकरलेवैसोई लेपनधावनकीजैतास रुजपरिलेहि-नहोवैनाश.

॥ अथसन्निपातजकर्णरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ तीनदोषकेलक्षणजांमो रोगत्रिदोषजलखिएतांमो.

॥ अथउपाय ॥

॥ चौपई ॥ तुंबुरुसर्षपशुंठीहिंग तैलकरैइनमोइकसंग मृदुअग्निपकायकानमेंपावे त्रिदोषजशूलकर्णदुखजावे.

॥ अथपनसकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कर्णमध्यइकपिडिकाहोय पीडातीव्रकरतहैसोय यहकफवातहुतेप्रगटावै ऐसेंग्रंथनिदानवतावै.

॥ अथकर्णरोगकीसामान्यचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वातजकर्णरोगमंझार प्रतिश्यायचिकित्साहैहितकार स्नानमैथुनजलशीतलपान वातकर्णमेंवर्जितजान पित्तजकर्णरोगमंझार घृतखंडयुक्तपीवेसुविचार करेविरेचनाहितसोंजोय पित्तकर्णरुजनाशेसोय द्राक्षामुलट्ठीदुग्धपकाय कर्षमात्रकरपूर्णकराय पित्तरोगहोवेतवहान मनमोनिश्चयकरोस्यान रक्तजमोपित्तहरहितधार रक्तमोक्षभीतिसहितकार कफजमाहिइहविधतुमजान घृतमघसिद्धसदाहितमांन ऊैरकरुलीस्वेदकरावै धूपदेयकफरोगहटावै कहितक्ष्वेडकफकर्णमंझार कटुतैलकर्णपूरनहितधार वातशूलमोजोविधिकही कफनादवधिरतामोसोसही ॥ चौपई ॥ अपामार्गक्षारजललीजै मूलिक्षारजलसोसमकीजै हिंगुशुंठशतपुष्पाआन वरचरसोंतकुठविडठान सौंचलसर्ज्जीसैंधालीजै मुथरवरुणातामोंदीजै देवदारुकदलीरसडार रसजुविजौराअरुयवक्षार भूर्जपत्रअरुपिप्पलामूल चतुर्गुणकांजीतामोपूर इन्हसमसाथहितैलपकावें कर्णमांहितिसतैलहिपावे कर्णनादअरुकर्णकोशूल कर्णस्रावकृमिदुखनिर्मूल अवरवधिरतारोगनसावै याहूकेगुणएतेगावै कृष्णात्रययहतैलवखान्यो लोकनकेहितनिजमनआन्यो क्षारतैलहैयाकोनाम नरहितकारीसुखकोधाम ॥ अन्यच्च ॥ जंभीरीरसापिप्पलामूल मधूमेलियेतासमतूल कानोपायस्त्रावहोएदूर कर्णनादकर्णकृमिचूर ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कुचलाहरडलोध्रमंगवावे धात्रीफलमजीठसमपावे यहपंचकषायएकसमलीजै विधिसोंचूरणताकोकीजै रसकपित्थअरुमधुजुमिलाय पूरकर्णरुजस्त्रावमिटाय कर्णताहिसंगधोवेजोय कर्णरोगनाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ शुंठमघासैंधाकुठहिंग वर्चलसुनपुनतैलहिसंग आकपत्ररसपायपकावै मधुरआंचरसजवजलजावै रहैतैलसोकानमोंपाय कर्णरोगकीपीडाजाय ॥ अन्यच्च ॥ पद्ममाषकुठसिप्पीचूरण हिंगुतुंवुरूकरातिहपूरण अवरजुसेंधावीजकपास सबीमेलकरपीसोतास इन्हेपीससमकाढाकरे सातटंकाभरतैलहिधरै हुलहुलरसइन्हसबहिसमान पायपकावैतैलप्रमान तैलजुपायकर्णव्रणजाय दाहवधिरतासवहिंनसाय ॥ अन्यच्च ॥ शुंठशतावरिकुठसुरदार सेंधावर्चगोमूत्रमोंडार पुनसमतैलमिलायपकावै कानपायरुजशूलमिटावै ॥ अन्यच्च ॥ मघाविल्वकेमूलमुलट्ठ एलाअगरसुरदारुजोकुठ यहइकसमतिलतैलहिडार अथवालेताकीनसवार मांसीनखपुनतामोधार कर्णरोगसवदेवेटार पकावैमंदअग्निसेंतास पूरैकर्णशूलहोएनाश ॥दोहा॥ कर्णहिरोगनिदानयहचिन्हनसहितवखान चतुरवैद्ययाकोलहैताकीवुद्धि-

महान ॥ चौपई ॥ गुडशुंठीजलसोंघसदेय रुजप्रणादमोनस्यजुलेय हितवरहीतुमताहिविचार रुजप्रणादकोदेवैटार कर्णस्रावक्रमिकर्णहिजोय पूतिकर्णरुजहीजिसहोय करीचिकित्सातासवखान शिरोरेचनफुनधूपाहिजान पूरणमार्जनशोधनजोय देखविचारकरैनरसोय राजवृक्षवातुलसीपत्र यहदलदोनोकरैइकत्र इनकेजलसोंधोवैकान कर्णरोगसवहोवैहान जोइनचूर्णसोंकर्णहिभरै कर्णरोगसवनिश्चयहरै सर्जत्वकफुनफलकर्पास इनकारसमधुमेलेतास कर्णपूरकरैतिससंग कर्णरोगयहहोवैभंग कर्णस्रावरुजपूतीहरै कर्णक्रमिसवतत्त्क्षणटरै ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साकर्णकीवंगसनमतधार समभवैद्यनिश्चयधरेसकललोकउपकार इतिकर्णरोगचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथकर्णरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कर्णरोगकेपथ्यअपथ्यभाषोंसुगमवनाय सुनलीजैमनधारियैवैद्यकमतकेभाय॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपई ॥ तंडुलकनकमुंगयवजान लवामयूरहरणमांसान तीतरकुर्कटपक्षीमास घीउपुरातनपथ्यलषतास पटोलकरेलेअरुवृंताक अरुसुहांजनापथ्यलहुवाक व्रह्मचर्यप्रभाषणजेऊ जोभापे पथ्यलाषियेतेऊ ॥ अथअपथ्यं ॥ दोहा ॥ कर्णखुरकणाशिरस्नानपुनंदतकाष्टतियभोग वरफअवरकफकरगुरूमहाअपथ्यअयोग ॥ इतिपथ्यापथ्यं ॥ दोहा ॥ कर्णरोगवर्णनकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिचिकित्साभाषकेंपथ्यापथ्यवखान ॥ इतिकर्णरोगःसमाप्तः ॥

॥ अथकर्णरोगेकर्मविपाकमाह ॥

॥ चौपई ॥ जोकोपरनिंदामनभावे ताकोकर्णदोषप्रगटावे तौतांकेहितकरेउपाय सोसुनलीजैचित्तलगाय ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ स्वर्णरजतवातांवेकरे कर्णवनायदानमनधरे करसंकल्पविप्रकोदेय कर्णदोषकोनाशकरेय ॥ चौपई ॥ शस्त्राघातकरेनरयोई कर्णकुवुरुजतिसकोहोई तिसकादोषकरेनिरवार शय्यादानकरेसुविचार ॥ अन्यच्च ॥ विनविचारनरहोवतकोई प्रेतश्राद्धकरभोजनसोई कर्णक्रमिरुजतिसकोजान नीलवृषभसोकरहैदान ॥ अन्यच्च ॥ मातापितागुरुब्राह्मणजोई इनकींनिंदासुनेजुकोई पूयकर्णरुजतिसप्रगटावै कर्मविपाकजुग्रंथवतावै ॥ दोहा ॥ ताकोदोषनिवारणेव्रतजपहवनकरेय कांचनदानसुवस्त्रयुतवेदविदुषद्विजदेय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मातापिताकाव्यसनजुकोय कांनशब्दनरसुनेजुसोय कर्णशूलरुजतिसप्रगटावै कर्मविपाकजुग्रंथवतावै ताकोदोषकरेनिरवार विष्णुमंत्रजपकरेविचार ॥ दोहा ॥ कर्णरोगकादोषजहकारणसहितउपाय नासारोगकेदोषकोंआगेदेहुंवताय इतिकर्मविपाकेकर्णविचारः ॥

॥ अथज्योतिषम् ॥

॥ दोहरा ॥ मेषकर्कवृषराशिविनजन्मलगनाजिसहोय क्षीणपडेजिसचंद्रमावधिरकांनकरसोय जोघरदूसरवारमेइहग्रहपडेजुआन मंगलअथवादैत्यगुरूहोतकर्णमोहान जन्मलग्नकेचंदकाइहविधकैरवखानचंद्रमाकीपूजाकरैभावप्रीतकरमान दैत्यगुरूअरुभूमिसुतविधिवत्पूजेतास कर्णरोगतिसनारहेजाविधग्रंथप्रकाश इतिज्योतिषं ॥

॥ अथान्यप्रकारकर्णरोगलक्षणम् ॥ कर्णपीडाफारसीदर्दगोश ॥

॥ चौपई ॥ दसइंद्रयियुतदेहीमानो नेत्रकर्णतिनमेवलवानो नेत्रकर्णअंधकहेंदोइ इनविनकाजसरेनहि कोइ दोइसमानभेदपहिचांनो कर्णअंधकनेत्रनतेंमांनो नेत्रअंधेरेदेखतानाही कर्णअंधेरेवातसुनाहीता- करकर्णअंधकमनभावे नातरदोइसमानदिखावे जेकरकर्णपीडअतिहोई फारसदर्दगोशकहुसोई वात- जपित्तरुधिरतेंजानो वादिमागतेंपीडामांनो जेकररुधिरअधिकलखपावे सरेरोगकारुधिरछुडावे गोघृत- सिरकोइमंगाय रजतपात्रमेसोगडकाय कर्णवीचनरसोईपावे पीडदूरकरसुखउपजावे पित्तजपीडाखु- ष्कीधावे इस्त्रयादूधकर्णमेपावे जेकरवातजपीडामांनो रक्षाशीतवाततेंजांनो विछनागजोवूटीहोई अजामूत्रमेंपीसेसोई कर्णवीचसोईनरपावे ताहीछिनपीडाहटजावे लेखरलीदनीरनिकसावे पायकर्ण मेंपीडाजावे शुठीमासेचारमंगावे आधसेरगोकाघृतपावे सेरचारगोछाछमिलाय चाढअग्निपरसोगड- काय जलेछाछजवघृतरहजावे सोघृतकर्णपायदुखजावे कपूरकर्णमेंपावेकोई पीडदूरताहीछिनहोई केलेसुहांजनकीजढल्यावे आद्रकसीसालूणमिलावे इनकारसगोघृतसमपाय चाढअग्निपरनीरजलाय कर्णवीचघृतपावेसोई पीडादूरताहिछिनहोई कैंथयारहिंगूमंगवावे लूणपायजलक्काथवनावे घृतवातै- लकर्नमेंपाय कर्नपाडताहीछिनजाय पादमोरपक्षीकाल्यावे गोघृतकांजीनीरमिलावे करेसिद्धघृतपा- वेसोई कर्णपीडइससेनाशेहोई वकोरकाइकपित्ताल्यावे रसअनारकामेलपिलावे कर्णवीचताहीछिनपाय पीडासकलकर्णकीजाय धनिआमरुआदूर्वाल्यावे काचमाचअरुवैरमंगावे इनकारसनिकालकरसोई पावेकर्णपीडसवखोई सातदिवसतकपीडामांनो सोजापाककर्णमेंजानो ताहियतनकरसोजहटावे कर्णवीचरसनौलीपावै मेथीअथवाअलसील्यावे अथवाईसवगोलमंगावे इनकीलेसकर्णमेंपाय पाकदू- रसोजाहटजाय गंढेकारसखूवतवावे पायकर्णमेंपाकहटावे कुक्कडचरवींतीहिमंगाय अथवाचरवीवतक- लिआय तिलकातेलताहीसमहोई करेगर्मपावेनरसोई पीडादूरपाकहटजावे सुगमउपायअधिकमनभावे.

॥ अथकर्णनीरपवनलक्षणउपाय ॥

॥ चौपई ॥ पवननीरकाकोपपछानो अथवायक्ष्मदिमागजमांनो ताहिकर्णमलऐसीहोई मानोकाग- दजलेआसोई ताहीयत्नऐसामनभावे पकडमोचनासोनिकसावे दसमूलीतैलताहिहितहोई अथवाग- र्मतैलघृतसोई पायकर्णमेंयक्ष्महटावे सोजादूरपीडकटजावे चंवापत्ररसगर्भकरावे पायकर्णमेंयक्ष्महटावे अकरकरेकाक्काथवनावे गरारेकरेताहिसुखपावे ईसवंदअरुदाडिमहोई इनकानीरनिकालेसोई ताहि- गरारेकरेसुजांन होवेकर्णरोगकीहान कंडेआरीफलनसुआरचढावे आवेछींककर्णसुखपावे कौडा- मिट्ठातेलमंगावे तासंगनीरवरावरपावे चाढअग्निपरनीरजलाय तेलरहेपुनिऔषधपाय सीसाकाला- लूणमंगावे खारीसिंधूलूणरलावे मर्चशुंठसमचारोलीजें पीसतैलमेंऔषधदीजें तैलगर्मकरपावेसोई पीडायक्ष्मदूरसवहोई वालासुंठीकुठमंगावे ईसवंदसमभागरलावे साडेतैत्रैमाषेलीजें पीसनीरसंगटि- क्कीकीजें तोलपांचतेलातिलल्यावे टिक्कीवीचतेलगडकावे कोसातेलकर्णमेंपाय कर्णपीडताहीकटजाय पादमोरपक्षीकालयवे कुठथोंमताहीसंगपावे वृषभपत्थरीशुंठीलीजें चौदाचौदामाषेकीजें सुहागाम- षेसातरलावे एकसेरतिलतेलमिलावे अजामूत्रइकसेरमिलाय चाढअग्निपरतेलपकाय सोई-

तेलगर्मकरपावे कर्णपीडताहीछिनजावे सुपेदीकुकडांडकील्याय मलेखूबकरझग्गउठाय अफीममिलायकर्णमेंपावे सोजादूरपीडहटजावे थोहरकीजढतेलमिलावे चाढअग्निपरतेलपकावे कोसातेलकर्णमेंपाय कर्णपीडताहीकटजाय सुहांजनजढसातमासेल्यावे पीसनीरसंगकल्ककरावे आधसेरतेलतिलपाय चाढअग्निपरतैलपकाय कोसातेलकर्णमेंपावे कर्णपीडताहीछिनजावे आकथोहरकेपत्रमंगावे तिनपरकौडा तेललगावे राखअग्निपरसेककरावे तौफुनिमलेनीरनिकसावे सोजलवूंदकर्णमेंपाय कर्णपीडताहीकटजाय वकरेकाफुनिपित्ताल्याय पायकर्णमेसुखउपजाय मूलीपत्रमखीरापिसावे कर्केगरमकर्णमेंपावे वर्चकुठअरुथामममंगावे मासेपांचपांचसमल्यावे निमोलीमासेतीनमिलाय पाउोएकतिलतेलरलाय चाढअग्निपरतेलपकावे कोसातेलकर्णमेंपावे कर्णपीडताहीछिनजाय खुर्कपाकसबदूरहटाय पडेजीवकर्णमेंकोई अथवानीरकर्णमेंहोई फारसनामकिर्मकरमांनो आवरफतनदरगोशपछांनो एरनअरनीकाष्टमंगावे पोलीहोएनालवतभावे एकतर्फतिसवस्त्रजोहोई तैलभिगोयवालिएसोई दूसारितर्फकर्णमेपावे नीरजीवदुखदूरहटावे कर्णवीचनिजअंगुलदेवे एकपादपरठाडाहोवे नीचेदेखटपोलीमारे वारवारजहयतनविचारे वानुस्वारलेछीकालिआवे नीरकर्णतेंवाहरआवे जेकरक्रमिकर्णमेंहोई अंगूरीसिरकाआनेसोई क्रमिदूरसिरकाजवपावे मुकत्तरकर्णवीचवापावे सकमूनीसिरकादोईमिलाय खूपतपायकर्णमेपाय क्रमिदूरमरजावेसोई सुगमउपायकरेसुखहोई मुसबरनीरपायरगडावे कर्णपायक्रमिदूरहटावे तुमाअग्निवीचपकाय रसनिचोडकर्णमेंपाय दुर्गंधीपाककर्णतेंआवे पुरातनहोएअसाध्यकहावे सुहागापीसकर्णमेंकीजे ताहूपरनिंवूरसदीजें यत्नमशुद्धपाकहटजावे सुगमउपायअधिकमनभावे एरनअवसरीहाविचारो जामनचारपत्रमनधारो इनकाक्काथगर्मकरपावे पाकदूरसबपीडहटावे सुहांजनजढजलपायपिसावे पायकर्णमेपाकहटावे यत्नमदूरपीडाहटजाई सुगमयतनअतिहींसुखदाई

॥ अथकर्णमलत्तालनउपाय ॥

॥ जेकरअधिककर्णमलहोई चिर्कगोशनामाकहुसोई जेकरवालकछोटामांनो पाककर्णतेअधिकपछांनो कुमारअवस्थावालकहोई आपपाकहटजावेसोई जेकरआपदूरनाहोई ताहियतनऐसाकरसोई अंजरूतफुनिमधुमंगावे वत्तीऊपरपीसलगावे कर्णवीचराखेनरसोई पाकदूरसिगरीमलखोई सिरकातोलेदोईमंगावे मधुताहिसमखूपपकावे सिरकाजलेमधुरहजाय पायकर्णमेंपाकहटाय छोटाशब्दकर्णमेंहोई तनीननामफारसकासोई दिमागदोषखुषकीप्रघटावे पेटभरेपरशब्दनआवे भोजनसूक्ष्मास्निग्धजोहोई फाकाकवहुंकरेनहिसोई आदफुलेलकर्णमेंपावे ऐसेरोगनउौरसुखावे शुंठीदशमासेसंगवावे खसखसतोलेदोइमिलावे कंडुनीनौतोलसंगपाय करइकत्रफुनिदर्डकराय तीनसेरगोदुग्धमंगावे वीचऔषधीपायचढावे आधसेरदूधजवहोई तवउतारपुनराखोसोई दोतोलेशर्करतामेपावे केसरमासाडेमिलावे दिनचौदांतकसेवनकरिए कर्णशब्दखुष्कीसवहरिए कर्णशब्दजववातदिखावे गर्भतैल कर्णमाहिपावे वादीभोजनकरेनसोई भोजनकरसुखनिद्राहोई ॥ दोहा ॥ जेकरगाढेदोषतेकर्णशब्दजवहोय अथवाहोवेशीततेउदरदोषवाकोय ॥ चौपई ॥ कर्णपीडकायतनजोहोई पाछेलिखाकीजिएसोई भोजनथोडाअधिकनखावे आमाशयकोशुद्धकरावे निर्वलदेहहोतहैजवही शब्दकर्णमेंहोवततवहीं दीर्घरोगसुखसोहटजावे निर्वलदेहसोईप्रगटावे॥ दोहा ॥ गंढेकारसलीजिएताहिकर्णमेंपाय अथवातेलकटहलकापावेसुखउपजाय जेकरअतिउंचासुनेकरीगोशकहुसोय पुरातनहोएअसाध्यहैवृथायतनतवहोय

॥ चौपई ॥ दोषनवीनकर्णमेंहोई उदरदिमागदोषवाकोई ताहियतनकरशीघ्रहटावे गर्भहुआडकर्णमें. पावे पतलादोषहोतहैसोई आवतबाहरअतिसुखहोई तुंमेकीजढरसनिकसावे वूंदवूंदकर्णमाहिपावे मूत्र. छेरकाआंनोसोई अथवाअजामूत्रजोहोई कर्णवीचसोईनरपावे वोलापनताहीछिनजावे त्रिवीहर्डछिल. कामंगवावे साडेत्रैत्रैमासेपावे मुसव्वरतुंमालीजोदोई पौनैदोदोमासेहोई रगडनीरसंगताहिपिलावे थोडा. कर्णवीचनरपावे करेयतनताहीसुखहोई वोलापनहटजावेसोई एरनतैलताहिमंगवावे तैलपोलिआता. संगपावे यारांसेरनीरसंगपाय चाढअग्निपरनीरजलाय रहेतेलकर्णमेंपावे वोलापनताहीछिनजावे वाविडंगाचित्राकुठल्यावे आसगंधविधारासंगमिलावे हलदीदारुहर्दलआंनो संभालुजढएरनकीमांनो सुहागात्रिकुटासंगमिलावे साडेत्रैत्रैमासेपावे ईसवंदअधसेरमंगाय सेरदोईतिलतेलमिलाय वीससेरजल. पायचडावे रहेतेलनीरजलजावे तेलकर्णमेंपावेसोई वोलापनदूरताहिसुखहोई राईहलदीथोममंगावे निं. वपत्रअजुआंइनपावे वर्चपांनजढसंगमिलाय नीरतेलतिलपायचढाय जलेतेलनीररहजावे पायकर्णवो. लापनजावे जेकरगर्मीखुष्कीहोई विनायतनहटजावेसोई पित्तदोषअतिदीरघमांनो ताहियतनपित्तप्र. पळांनो जेकरयच्मकर्णमेहोई चलेपाकफुनिवोलासोई रातसमेऐसीविधिकरिए लेतिलतैलकर्णमेधरिए प्रभातसमेऐसामनभावे गर्भहुआडकर्णमेंपावे जाविधयच्मपाककटसोई वोलापनदूरताहिसुखहोई.

॥ अथकर्णवीचफसीचीजकाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ दाणाअथवाचीजजोकोइ कर्णवीचफसजावेसोइ ताहियतनकरवाहिरआवे लेसदार. कोचीजमंगावे लोहवांनगूंदवाहोइ कपडेसंगलपटेसोइ संगसुर्मचुकपडालीजे युक्तिसमानकर्णमेंदीजे चिमडचीजकरवाहिरसोई आगेयतनऔरसुखहोई औषधवीचनासिकापावे जासोंछीकजोरसंगआवे मु. खअरुनाकवंदकरऐसें जोरकर्णपरपहुंचेजैसे जाविधचीजदूरकरसोई आगेयतनऔरइकहोई लंवीतूवी. छिद्रकढावे अथवाश्रृंगकर्णमेपावे आपपायमुखचूसेसोई फसीचीजतववाहिरहोई कर्णमूलसोजाप्रघटावे सरेरोरगकारुधिरछुडावे अथवाऊपरजोकलगाय आगेऔषधलेपकराय जढहिंगूटलूणमंगवावे हलदीजढ. तुंमेकील्यावे द्यारमेलपीसेंनरसोइ करेलेपखावेसुखहोइ कुचलावोलमुसव्वरल्यावे तुंमेकीजढलूणमिला. वे सुहांजनजढताहीसंगपाय पीसलेपकरसोजहटाय रहसनहर्डमर्चमंगवावे कंडेआरिपुष्करमूलमिलावे कटूंमुत्थरत्रिकुटाजोइ भडिंगीककडासिंगीसोइ धमाहमेलसमभागामिलावे करेकाथफुनिताहिपिलावे कर्णमूलताहीछिनजाय सुगमयतनकरदोपहटाय इतिकर्णरोगाध्यायः ॥

इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांकर्णरोगाऽधिकारवर्णनंनामदशमोऽधिकारः ॥ १० ॥

॥ अथनासिकारोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ नासारोगनिदानकोभाषोभलैंवनाय ताकेभेदसमस्तसोआगेदेहुसुनाय ॥ दोहरा ॥ नासारोगअनुक्रमकहोग्रंथनकेअनुसार याहिभेदवर्णनकरोंसोहैविविधप्रकार नासारोगजुतीसहैऊपरचारहिजान ताकेनामवखानहेंभिन्नभिन्नपरमान ॥ चौपई ॥ पीनसइकप्रतीश्यायजुपांच पूतिनासरुजपाकहिशांच च्वथूऔरध्वंसथूकहिए दीपतफुनप्रतिनाहजुलहिए परिस्रावनासाशोषकहीजै आगेअर्वुदसोलखलीजै सोंअर्वुदहैसातप्रकार नासाअर्शहिचारविचार नासाशोथचारफुनिकहिए रक्तपित्तफुनिचाराहिलहिए पूयरक्तइककहीतुमजानो तीसचारयहरोगपछानो.

॥ अथपीनसपूर्वरूपलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ छीककरैमस्तकरहभारी अंगवंधरोमांचितकारी ऐसाजवकारणप्रगटावै पीनसरुजजानोदरसावै

॥ अथपीनसरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ बद्धनासिकाजिसकीरहै गंधअवररसज्ञाननलहै धुखतीसूकीगीलीकवै फुनपीनसरुजहोवेतवै वातअवरकफतेयहजान पीनसरुजयुतपुरुषपछान रुजप्रतिश्यायकेलक्षणजोय तासमाहिसवजानोसोय

॥ अथपीनसरोगउपाय ॥

॥ दोहरा ॥ कहोंचिकित्सानाककीसुनलीजैचितधार ज्योंभाषीवंगसेनमोंतेसैंकरोउचार ॥ चौपई ॥ सबहीपीनसरुजमंझार निर्वातगेहमननिश्चयधार शिरअभ्यंजनस्वेदाहिजान भोजनअम्लकटूयहमान नसुवारवमनघृतपानसुकीजै यथायोग्यपीनसरुजछीजै ॥ अन्यच्च ॥ पीनसरुजजवप्रगटितहोय करचिकित्सानरतवसोय गुडअरुदधिपुनमरचरलावै पीवेपीनसरोगामिटावै पंचमूलकोकीजैक्काथ दुग्धमिलावैताकेसाथ चित्रालेसमहरडामिलावै गुडअरुघृतपुनतामोंपावै पीवेपीनसकोहोइनाश दुखदूरतनसुखपरकाश.

॥ अथआमपीनसरोगलक्षणम् ॥

॥ दोहरा ॥ शिरभारीगलखिरखिरीपतलीकफवहुवार अरुचीहोएवहुथुकथुकीकृशतनलक्षणधार.

॥ अथआमपीनसउपाय ॥

॥ चौपई ॥ होवेपीनसजिसेनवीन ताउपाययोंकैप्रवीन मरचेगुडसमगुटकाखावै रुजनवीनपीनसमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचित्रातिंतडीआन तालीसपत्रफुनिजीराठान एलात्वचाचवकयहलीजै लेसमानसवचूरणकीजै अमलवेतफुनितामोपाय गुडहिपुरातनतासमिलाय गुटिकातिसकीनित्यकरखावै पीनसरुजप्रपक्कहोजावै.

॥ अथप्रपक्कपीनसलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पीनसआमकेसवाहिलक्षण तामोलखियतजानविचक्षण एकोचिन्हआधिकलखमैये गाढीकफनिकसैयोलहिये सुरअरुवर्णविशुद्धजुहोय पक्कहिंपीनसजानोसोय.

॥ अथपक्कपीनसउपाय ॥

॥ चौपई ॥ दशमूलीकाथमुलट्ठमिलाय पीवैपीनसरुजामिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ कायफलआद्रकपुष्करमूल मरचमघांमुनक्काकर्चूर हरडाभिडंगीकर्कटश्रृंगी सौंचललवणवचालेचंगी यहचूर्णसमखावै तास अथवासंगकाथकरजाश पीनसतमकहलीमकजावै स्वरभेदश्वासअरुकासनसावै ॥ अन्यच्च ॥ रुजपीनसहूंकेमंझार श्रेष्ठस्वेदमर्दननसवार अरुकटुतीक्ष्णभोजनमान हितेहैंवमनअवरघृतपान यहनासाकोशुद्धकरावैं वैद्यकशास्त्रजुऐसेंगावैं रुजहीपीनसकेमंझार यत्नकरैनहिमूर्खगवार तातेरुजतिसवहुप्रगटात नजलाभाखैलोकविख्यात.

॥ अथप्रतिश्यायरोगनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ वहुतअजीरणजिसतनहोय वाअतिभाषणकरहैजोय विष्ठामूत्रहिवेगरुकावै अरुऋतुदोषहितैप्रगटावै सेवेशीतलअतिकफकार शिरवहुतपैक्रोधअतिधार दिनकोसोवैअरुनिशिजोग जलमंज्जनजलक्रीडापाग रजतुषारअतिवातसहारे मैथुनरोदनहास्यविचारे इन्हकारणकफाशिरमंझार इकट्ठीहोवतकीनउचार वायुतहाकोपवहुधरे रुजप्रतिश्यायप्रगटसोकरे

॥ अथप्रतिश्यायपीनसपूर्वरूपलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफकराशिरपूरणहोजावै खांसीअंगभंगदरसावै नासाकंठधुखनवहुलागै मुखस्रावैपुनपीनसजागै सोप्रतिश्यायपांचपरकार वातजपैत्तिजकफजविचार त्रिदोषजहांपुनरक्तजजानो तिन्हकेलक्षणभिन्नवखानो.

॥ अथवातजप्रतिश्यायपीनसरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नासाबद्धअल्पस्रवैसोय गलतालुउोष्टहिसूकेजोय पीडाहोतपुडपुडीदोइ होयस्वरघातवातकृतसोइ

॥ अथवातजप्रतिश्यायरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वातजरुजप्रतिश्यायमंझार पंचलवणघृतपकसुधार नित्ययथावलघृतसोखावै वातजरुजप्रतिश्यायनसावै ॥ अन्यच्च ॥ वातपित्तप्रतिश्यायमंझार पकसुऔषधघृताहितकार ॥ अन्यच्च ॥ मुनक्कासेंधाअरुदशमूल अवरमुलट्ठीतामोतूल यहसमलेकरकीजैकाथ दशवाराहितैलपकावैसाथ ताहितैलकीलेनसवार वातजपीनसदूरहिटार गुरुउष्णवस्त्राशिरवेष्टनजान वातजपीनसमोंहितमान.

॥ अथपित्तजप्रतिश्यायलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तप्तपीतजलनासास्रवै तप्तदेहकृशतावहुतवै अग्निसधूमरहैतिसनास पांडुवर्णरहैनित्यतास तृष्णायुतनरपीउतजोय सधूमवमनजानोसोय ऐसेलक्षणजिसतनजानो पीनसपित्तजताहिपछानो

॥ अथपित्तजप्रतिश्यायउपाय ॥

पित्तजरक्तजजोप्रतिश्याय सहमुलट्ठघृतपकसुखाय पित्तजरक्तजहोवेनाश शीतललेपनहितहैतास कंवलघृतजोकरहैपान तातेंपित्तजहोवेहान

॥ अथकफजप्रतिश्यायलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वहुकफसितदृढनिकसैनासा सोजनेत्रऊपरपरकासा ओष्टतालुगलकंडूहोय श्वेतवर्णनरजानोसोय शिरमुखभारीताकोजान शिरकंडूतिसबहुतपछान ऐसेलक्षणहोवतजास कफकृतपीनसजानोतास

॥ अथकफजप्रतिश्यायउपाय ॥

॥ चौपई ॥ कफजरोगप्रतिश्यायमंझार कटुवस्तुधूमपानहितकार कटुवस्तुअवपीडनहोय कफजविषेहितजानोसोय कफकरहोवैपीनसजवै कफहरवमनकरावैतवै जोकफपीनसकेमंझार गुरुताअरुअरोचिकधार लंघनतिसकोप्रथमकरावै वैद्यउचितयाहिविधिगावै ॥ अथउपाय ॥ कफजहिंआद्रकदुग्धमिलाय पीवैरुजप्रतिश्यायनसाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिकुटागुडयुतनस्यवाखावै रुजप्रतिश्यायकफजभागजावै ॥ अन्यच्च ॥ क्वाथकुलत्थसंगत्रिकुटापीजै प्रतिश्यायरुजकफजहिंछीजै ॥ अन्यच्च ॥ विल्वदोइवलाजुविडंग दोकंडयारीभद्रासंग श्वेतमूलतेजबलआन अरुपुनर्नवायहसमठान इन्हकेसाथहितैलपकावै लेनसवारकफजमिटजावै.

॥ अथसन्निपातजप्रतिश्यायलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पीनसहोवैवारंवार पुननिवृत्तहोजाइविकार पुनआप्रापतहोइलखावै भावैंपक्वअपक्वहावै वातपित्तकफरक्तजुचार सबकोचिन्हत्रिदोषजधार.

॥ अथसन्निपातजप्रतिश्यायउपाय ॥

॥ चौपई ॥ संपूरणप्रतिश्यायमंझार कटुतीक्ष्णभोजनहितकार ॥ अन्यच्च ॥ आमलीत्रिकुटाअवरकचूर यहसमचूर्णघृतगुडपूर जोनरनित्यप्रतिखावैतास रुजप्रतिश्यायसोहोवैनाश अवरहृदयकोशूलमिटावै वैद्यग्रंथमतयाहिवतावै ॥ अथधवलादितैलं ॥ चौपई ॥ धावत्वचाश्यामात्रिफलाय लोधमुलट्ठीतामोपाय दीपनहलदीजहसमलीजै यहसमलेकरकल्ककरीजै कल्कचतुर्गुणतैलमिलाय दशगुणदुग्धसुपायपकाय तिसींतैलकीलेनसवार रुजप्रतिश्यायतत्क्षणनिर्वार.

अथरक्तजप्रतिश्यायलक्षणम्

रक्तप्रवाहवगैनासाजिस नेत्रलालरंगहोवेतौतिस उरमोंघातश्वासदुर्गंध विनाज्ञानजानेदुर्गंध अवरभेदइकतामोजान सोसवकहूसुनोधरकान उरक्षतहीजिसनरकोहोय रक्तवद्धनहिनिकसेसोय तिसकरहीकफरसउपजाय कासमहिततिसज्वरप्रगटाय उरक्षतयुततिसपीनसजान भेददूसराकियावखान.

अथरक्तजप्रतिश्यायउपाय

॥ चौपई ॥ रक्तजहीप्रतिश्यायमझार मधुरवस्तुघृतपकसुधार तिसघृतकोनित्यकीजैपान रक्तजपीनसहोवैहान शीतललेपनकीजैतास रक्तप्रतिश्यायसुहोवैनाश.

॥ अथप्रतिश्यायसामान्यउपाय ॥

॥ चौपई ॥ रुजप्रतिश्यायपाकहिअर्थ आद्रकयुतपयपींयसमर्थ यातैंपाकैरुजप्रतिश्याय तासचिकि-

त्साकहीसुनाय ॥ अथचूर्ण ॥ जवअरुकुलत्थतिंतडीपत्र दधिपायसमकरोइकत्र गुडरलायकरखावैसोय प्रपक्वप्रतिश्यायतवहोय वाआद्रकसंगखावैजास प्रतिश्यायरुजहोवैनाश ॥ अन्यच्च ॥ मघांसुहांजणा-वाविडंग मरचामिलावोताकेसंग यहसमचूर्णखावैकोई अरुनसवारलेयपुनसोई प्रतिश्यायकाहोवैनाश बंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ क्वाथ ॥ चौपई ॥ मुथ्रतेजवलसर्षपजोड पाठाकायफलवरचसुकोड चित्रासेंधापिप्पलामूल सुरदारकरंजूवीजसमतूल अवरमघांलेतासमिलाय यहवरतुसमभागबनाय इन्ह-सबकोकीजैसमक्वाथ दीजेरोगदूरसुनगाथ अरुयाहीसोंतैलपकावै नस्यकरैप्रतिश्यायमिटावै ॥ अन्यच्च ॥ ॥ नसवार ॥ चौपई ॥ स्थलजजलजसवपुष्पपछान वातहरनसवउौषधमान इनसबकासमकीजैकाथ दुग्धमिलावैताकेसाथ अर्धअर्धजलदुग्धमिलावै वनमृगपच्छीकोरसपावै मंदअग्निकरैतिसपाक ग्रंथनका-मतसुनियेवाक च्छीरशेषरहिजावैजवै यतनकरेघृतसाधेतवै अनंताचंदनउौरमुलठ्ठ गंधसितायहकरैइ-कठ्ठ पुनयहकूटामिलावैजास मंदअग्निजुपकावैतास तिसपकायफुनिलेनसवार प्रतिश्यायदुखदूरनिवार ॥ अथनसवार ॥ चौपई ॥ रसोंतलेहुसुरथरजुपतीस देवदारुयहसवसमपीस इन्हमोंतैलसिद्धनसवार लेवैप्रतिश्यायदुखटार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मनशिलसैंधावरचविडंग गुग्गुलअवरहिपावोहिंग यहसम-चूरणलेनसवार ताहीप्रतिश्यायरोगतुमटार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ चतुरजातकीलेनसवार अथवाजीरा-कृष्णाविचार वनायइन्हकाधूपजोलेय रुजप्रतिश्यायनाशकरदेय अथधूमपान ॥ चौपई ॥ रसोंतइंगु-दीगुग्गुलुपाय अपामार्गसमवटीबनाय अग्निलगायधूंमकरपान रुजप्रतिश्यायहोततैहान ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ सर्वगंधकोधूपधुखावै पानकरैप्रतिश्यायनसावै वाघृततैलमिलायधुखावै धूमपियेप्रतिश्याय-नसावै अवरहिहिक्काहोवैनाश तासाचिकित्साकरीप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ लसनमुद्गचूर्णत्रिकुटाय जवक्षार-तिससाथमिलाय इनकरजोघृतासिद्धकरावै लेनसवारवापानकरावै कंडूपूतिस्रावविनास श्वासकासपी-नसततवनाश

॥ अथपूतिनासिकारोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफपित्तरक्तकुपितहोजाय मूर्छितवायुप्रगटैआय सोईकुपीतगलतालूजाके दुर्गंधकरैमुखना-साताके सोनरजवहीलेवैश्वास मुखनासादुर्गंधप्रकास पूतिनासतिसनामकहायो ग्रंथकारमतयाहिबतायो

॥ अथपूतिनासिकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ दुर्गंधसाहितहोइनासाजास स्नेहछर्दिस्वेदहिततास धूम्रपानअवरनसवार यहभीताको-हैहितकार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ व्याघ्रीदंतीवर्चापिसावै त्रिकुटासैंधातामोपावै सिग्रूरसपुनमेलोजास पावैतैलपकावैतास इन्हसोंतैलपकायधुखाय नासापूतीरुजामिटजाय.

॥ अथत्रिकुटातैलम् ॥

॥ चौपई ॥ त्रिकुटासैंधावायाविडंग कंटकीफलसिग्रउरससंग दंतीयुतयहकीजेक्वाथ गोमूत्रसतैलमिला-वोसाथ मंदअग्निसोंताहिपकाय तैलरहेपुनशुद्धकराय याहितैलकीलेनसवार नासातैंदुर्गंधीटार ॥ अन्यच्च ॥ शिग्रुतैलं ॥ चौपई ॥ शिग्रुबृहतीनिकुंभहिंलीज इनहूंकेसमडाराबीज त्रिकुटासैंधातासमि-लाय बिल्वपत्ररसपुनतिसपाय तैलमिलायपकावैताहि लेनसवाररोगमिटयाहि दुर्गंधरोगहोजवैनाश शाम्रनकोमतकीनप्रकाश.

अथनासापाकरोगलक्षणम्

॥ चौपई ॥ आश्रयघ्राणपित्तजबहोय फुनसीनासिकउपजेसोय सोऊव्रणअंतरसैंगलजावे नासापाकनामतिसगावे नेत्रशोथयुतक्लेदनजान ऐसेलक्षणताहिपछान.

॥ अथनासापाकचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ नासापाकरोगमंझार पित्तहरणऔषधहितकार रक्तमोक्षभीकरहैसोय नासापाकरोगहतहोय ॥ चौपई ॥ क्षीरीवृक्षत्वचापीसाय घृतसंयुक्तपाकरुजजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सर्जरसअर्जुनकोगडल्यावे रुंवलचारोत्वचामिलावे करेकाथफुनिधोवेनाक वाघृतसिद्धमलेसुनवाक नासापाकरोगमिटजावै यहउपायभीयोंप्रगटावे ॥ अन्यच्च ॥ पाकदाहउपजैजोजास शीतललेपनहितकरतास ॥ अन्यच ॥ गुग्गुलमोमसमघीउपकावै लेपैनासापाकमिटावै.

॥ अथपूयशोणितलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मस्तकजिसअतिताडनहोई रक्तपित्तहोयकुपितजुदोई अवराहिदोषहितैप्रगटावे अंतरतेंनासासुपकावे रक्तपूयतवहीप्रगटात पूयरक्तयहरुजविख्यात

॥ अथपूयशोणितनासारोगाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पूयरक्तआवतजिसलहिये ताकीऔषधजाविधकहिये मसरदुग्धकालेपनजोय रक्तपूयरुजहरहैसोय इत्यादिकसवलेपलगावे रक्तस्रावनासारुजजावे

॥ अथक्षवथुनासारोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नासामूलजुत्रिकुटीकहिये दुष्टवातकफातिहयुतलहिये सोवडशब्दछीकउपजावे क्षवथुनामइसरुजकोगावै

॥ अथआगंतुकक्षवथुरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तीक्ष्णवस्तुआदीजुराई तिसकोसूंघेनासाल्याई अरुजोकौसूर्यअतिदेखै तृणसूत्रादिजुनासालेखै तातैंछिक्काबहुपरकार आवतरहैंसुवारंवार

॥ अथक्षवथुरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ क्षवथूरोगमध्ययोजानै नासाद्वारधूमहितमानै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मघांमुनक्काशुंठविडंग ॥ अवरकुष्ठतिसपावैसंग ॥ यहसवसमलेकीजेक्काथ ॥ तैलपकावैताकेसाथ ॥ ताहीतैलकीलेनसवार ॥ क्षवथूरुजकोदूरनिकार ॥ अन्यच ॥ अजामिंक्षघृतमाहिपाकाय ॥ अथवातैलपकायवनाय ॥ याहूकीलेवैनसवार क्षवथूरोगदूरकरडार घृतअरुगुग्गुलमोममिलाइ धूनीदेक्षवथूनरहाइ ॥

॥ भ्रंशथूलक्षणउपाय ॥

चौपई क्षवथुकीजोचिकित्साकही ध्वंसथुमैंतुमजानोसही पित्तसंचयशिरपूरणजानो कफशोषितजहकरैसोमानो छीकताहितैंआवतनांही भ्रंशथूरुजतिसनामकहाही छिक्काकरऔषधजोहोई सोसवइकठीकीजैसोईइतिनहिपीसकायफलपावै सोऔषधमध्यनाडीधरावै नासनाडीधरफूकैतास होइजावैरुजभ्रंशथुनास कणाकुष्ठद्राक्षाबिल्वनागर तैलपकावैइन्हमोसमभर अथवाघृतपकायतिहसंग नसवारदेयरुजक्षवथू-

॥ अथध्वंसथूनासारोगलक्षणम् ॥

भंग ॥ चौपई ॥ स्निग्धलवणदग्धकफजोई जिहनासातैंप्रगटतहोई सूरजतपैतवहींनिकसावै ध्वंसथु- कियोंलक्षणगावै

॥ अथदीप्तनासारोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तकुपितहोयनासाजास धूंमदाहयुतपवनप्रकाश तिसकरनासाजलतीजान नामदी- प्तरुजकीनवखान.

॥ अथदीप्तरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ दीप्तरोगनासाजिसहोय पित्तहरऔषधहितहैसोय शीतलमधुरलेयनसवार दीप्तरोगना- सातेंटार निंवरसोंतकीलेनसवार दीप्तरोगमैंहैहितकार मिलायदुग्धजलसिंचनकरै यातैंभीरुजदीपतटरै मुद्गआमलेयूषहिसंग पथ्यखायरुजदीपतभंग

॥ अथप्रत्यनाहनासारोगलक्षणम् ॥

चौपई कफसंयुतहिवातउदान मार्गस्वरयहरोकैआन वातसहितकफस्वरहिरुकावै रुजप्रत्यनाह- नामतिसगावै.

॥ अथप्रत्यनाहनासारोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ प्रत्यनाहरोगनासाजिसहोय स्नेहपानहितकरलखसोय स्निग्धधूमाशिरवस्तीजान वातह- रनऔषधसबमान बलातैलभीहैहितकार ताउपाययौंकीनउचार.

॥ अथनासारोगपरिस्रावलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ निर्मलजलजिसनासाआवै श्वेतपीतवाकफनिकसावै रातसमेतिसवहुतपछान परिस्रा- वयहलक्षणजान.

॥ अथस्रावउपाय ॥

॥ चौपई ॥ नासास्रावरोगहोइजास हैनसवारउपायजुतास तीक्ष्णअरुअवपीडनकरै तीक्ष्णधूमआ- नसोधरै ॥ अन्यच्च ॥ देवदारुचित्रालेसंग धूपदेयरुजनासाभंग ॥ अन्यच्च ॥ अजामांसभीहैहितकार नासास्रावहितांतैंटार.

॥ अथनासाशोषरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफकोवातसपित्तसुकावै नासाशोषरोगतिसगावै वडकष्टसोंआवैश्वास ऐसेजानोलक्षण- तास.

॥ अथउपाय ॥

॥ चौपई ॥ नासाशोषरोगाजिसलहिये घृतदुग्धतासकोंहितकरकहिये अरुघृततैलकीलेनसवार नासाशोषरोगकोंटार ॥ अन्यच्च ॥ केवलजोकीजैघृतपान तौभीहोयशोषकीहान अरुरसवनमृगपक्षी-

मास पानपथ्यमोंहितकरतास अवरस्निग्धधूमहितकार असेउपाययोंकीनउच्चार.

॥ अथनासार्वुदरोगलक्षणम् ॥

॥ नासाअर्वुदसातप्रकार ताकेलक्षणलेहुविचार वातपित्तकफरक्तजमेद सन्निपातअरुमांसहिभेद वेरन्याजिसहोयआकार अर्वुदरोगसुताहिविचार अर्वुदउपाय अर्शहिरोगचिंकित्साजेती अर्वुदरुजकी-जांनोतेती अर्वुदअर्शहिएकसमान भिन्नचिकित्सानाहिपछान ताकेलक्षणभिन्नहिजोय अर्वुदरुजमों-देखोनोय ग्रंथवृद्धितेंनाहिवखाने सोसमुझोअपनेमनस्याने.

॥ अथनासाअर्शरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोगोस्तनइवहोवैजोय नासाअर्शकहीजैसोय अर्शरोगइहचारप्रकार अर्वुदअर्शएकम-नधार रक्तपित्तकरताहिविचारो अवरवातकफभेदसह्यारो.

॥ अथनासाअर्शरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ जोनासामोंअर्शदिखावै ताकोयहउपायलखपावै गृहधूमकणासेंधायवक्षार करंजूदाल-हलपुनडार अपामार्गकेलीजैवीज इन्हसोंतैलपकायसुलीज तासतैलकीलेनसवार नासाअर्शरोगकों-टार अन्यच्च रक्तकरवीरकेपुष्पमंगावै अवरचंवेलीपुष्परलावै इनमोंतैलपकावैजोय लेनसवारअर्शरु-जखोय ॥ अन्यच्च ॥ चित्राचवकसेंधाकंडेयारि करंजवीजदीप्यापुनडारि गोमूत्रयुततैलपकावै नस्यक-रैरुजअर्शमिटावै.

॥ अथनासाशोथरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नासाशोथचारप्रकार वातपित्तकफरक्तजधार सन्निपाततैएकहिहोय लक्षणभिन्नजा-नलेसोय.

॥ अथनासारोगेसमान्यउपाय ॥

॥ चौपई ॥ याहिरोगसोंशोथजुहोय ताहिउपायकरेनरसोय शोथरोगमोदेखविचारी ग्रंथवृद्धितेंना-हिउच्चारी लशुनमुद्गजवअरुजवक्षार त्रिकुटाजहसमचूर्णसह्यार करेसिद्धघृततलेनसवार अथवामर्दन-दोषानिवार खावेपीनसकासनसावे दुर्गंधश्वासकंडूमिटजावे ॥ अन्यच्च ॥ तालीसतिंतडीत्रिकुटाआन चित्राअंमलवेतप्रमांण जीराचवकजाहिसमलीजै एलातज्जदलपादमिलीजै पीसपुरातनगुडहिमिलाय खावेश्वासकासमिटजाय पीनसरोगहोतहैनाश वैद्यकमतज्योंकीनप्रकाश सियवरचद्राद्यात्रिकुटाय रह-सनसैंधालेसमभाय तैलपकावैतिन्हकेसंग नसवारलेयनासारुजभंग ॥ दोहा ॥ चिकित्सानासारोगकी-भाषीभलेंबनाय वैद्यजुसमझयाकोंकरे दुखहरसुखप्रगटाय.

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ यहसबपीनसभाषेजेते बहुचिररहिअसाध्यहैंतेते जोपीनसरहैबहुचिरकाल कृमिजुपडे-सितलघुजुविशाल इसकरवधिरअंधभीहोय नेत्ररोगबहुप्रगटेंजोय शोथअग्निमंदहोइतास अर्वुदअर्श-कासअरुश्वास.

॥ अथकष्टसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कभीनासिकाचलनेलागे वंदकभीकमीसूकेजागे दुर्गंधीगंधज्ञाननहिहोय कष्टसाध्यक हियतहैसोय ॥ इतिनासारोगचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथनासारोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ पथ्यनासारोगकेअवरअपथ्यप्रकार सुनहोवैद्यप्रवीणतुमसोसबकरोंउच्चार ॥ अथपथ्यं॥ चौपई ॥ गंडूषअवरलंघननसवार लेपनवमनस्वेदपरकार नाडीरुधिरमोचफुनिजानो शिरमर्दनतैलादिप्छानो यवचावलजुपुरातनकहिये मुंगीघृतकुलत्थहितलहिये वनमृगपक्षिनकोरसमास धृंताकसुहांजनलशुनप्रकाश लघुमूलीजुककोडेजांनो मदरात्रिकुटालवणपछांनो लघुस्निग्धहितभोजनमान तप्तोदकलखलेहुसुजान पोस्तखसखसहाफूजानो कफहरवस्तुसमस्तपछांनो ॥ दोहरा ॥ नासारुजकेपथ्यजोभाषेसबीसुनाय अवरअपथ्यवर्णनकरोंसुनलीजैमनलाय ॥ अथअपथ्यं ॥ दोहरा ॥ क्रोधशयनअतिश्रमलअतिश्रतिगुरुभोजनजांन वेगपुरीषादिरोककेमहाअपथ्यपछांन इतिनासारोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तः दोहरा नासारोगबखान्योप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्सावर्णकेपथ्यापथ्यवखान इतिनासारोगःसमाप्तः

॥ अथनासारोगेकर्मविपाकेहेतुमाह ॥

अथकारणं ॥ दोहरा ॥ जिसनरपूर्वजन्ममेकुर्कटहत्याहोय वक्रनासिकाहोतहैकर्मविपाकहिसोय तासहिदोषनिवारणेस्वर्णटंकइकमान वेदविप्रकोपूजकेविधिवतदेवेदान ॥ अन्यच्च ॥ जिसनरपूर्वजन्ममेंवृषनासाकरिछेद पूतिनासरुजहोतहैउपजेवहुतिसखेद ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पूर्वजन्मकीविधिहिविचारी लवणचुरायाजिसनरनारी शीर्णनासरुजतिसतेंहोय सूर्यकहावैअरुणाहिसोय नासारुजकाकरेउपाय द्विजदेवगुरूअरुपूजेगाय सूर्यपूजैमनचितलाई नासारोगतुरतमिटजाई ॥ चौपई ॥ उत्तमपुष्पगंधअन्नादि सुरगुरुपितृद्विजदेवनआदि इन्हेवित्तगंधीलेवेआप नासारोगहोयतिसपाप.

॥ अथउपाय ॥

॥ चौपई ॥ रूप्पइकपलतोलमंगावै ताकोइकशिवलिंगबनावै दक्षिणभांगकुवेराविठाय स्वामीकार्तिकवामसुभाय गणपतिअग्रगंधर्वहिपाछे विधिवतसेवसमग्रीआछे गोघृतयवातिलतंडुलपाय हवनकरैशिवमंत्रपढाय करसंकल्पविप्रकोदेवे तातेंमुक्तिहोयसुखलेवे ॥ दोहरा ॥ नासारोगबखान्योकारणसहउपचार छिन्ननासिकादोषजोताकोसुनपरकार ॥

॥ अथछिन्ननासिकाकारणम् ॥

श्रुतिस्मृतिकीकथामंझार नाहींवैठतजोनरनार अरुसुरब्राह्मणनिंदाकरै नासाछिन्नदोषतनधरै सकैनबैठनसभामंझार ताकोभाषोंयहउपचार.

॥ अथउपाय ॥

॥ चौपई ॥ वस्त्रसहितइकदर्पणलेवे विधिसोंब्राह्मणकोंयहदेवे याहिदोषतेंमुक्तिकहावै कर्मविपाकग्रंथमतगावे ॥ दोहरा ॥ नासारुजकेदोषसवकहेजुविधिअनुसार अवमुखरुजकेदोषसवआगेसुनचितधार इतिछिन्ननासादिदोषःसमाप्तः ॥

॥ अथज्योतिषकारणउपाय ॥

॥ दोहरा ॥ द्वादशघरकेमध्यमेंकिसिघरकठेजान सूरजशनीअरुशुक्रजहतौरुजनासिकमान नासारोगविकारसोनिश्चयजोगकरंत व्याधिक्लेशअरुशत्रुभैयनानारूपधरंत सोनरताहिअवश्यकरदृढमनप्रेमधरेय तीनोग्रहकीपूजनविधिसंयुतकरेय जोतीनोकीसकतनहीतौसूरजहितदान जपपूजाविधियज्ञकरताहिहोतकल्यान इतिनासारोगेज्योतिषःसमाप्तः.

॥ अथान्यप्रकारनासिकारोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ चलेरुधिरजवनासिकमाही नकसीरनामजगबोलतताही रुआफनामफारसकाहोई आगेलक्षणसुनिएसोई जेकररुधिरतापमेंआवे सोवुन्हांनकारुधिरकहावे ताकोवंधकरेनहिकोई रोगदूरकालक्षणसोई हदआठपहरकीहोई ऊपरचलेवंधकरसोई प्रथमजतनऐसामनभावे नाडिनासिकारुधिरछुडावे जेकररुधिरदिमागजहोई अतिशिरपीडाकरहेसोई अथवाशिरपरचोटलगावे ताकरासिरनाडीफटजावे इनकारणनकशीरजोहोई करेवंधसुनऔषधसोई पलाशपापडामुत्थरल्यावे कचनारवृक्षकाछिलकापावे नसुआरपीससमकरेजोकोई रुधिरवंधताहीछिनहोई इजखरचंवापत्रमंगावे त्रिफलाचित्रासंगमिलावे लेसमऔषधपीसेकोई करेलेपशिरऊपरसोई फलीनामइकवूटीहोई अनाकोईनामाकहुसोई रसनिचोडकरनासिकपावे रुधिरवंधसुखशीघ्रदिखावे ॥ दोहा ॥ जेकरसजेअंगतेंरुधिरअधिकजिसहोय अथवाखेवअंगतेंचलेयतनसुनसोय ॥ चौपई ॥ ताहिअंगपरऐसाभावे स्तनकेनीचेयतनवनावें सिंगीअथवातूंवीहोई राखउदरपरचूसेकोई दोनोंभुजापट्ठदोजांनो नासिकाग्रदोवृषणपछांनो इनकोदृढकरवांधेकोई रुधिरवंधताहीछिनहोई धनिआरसकपूरसंगपावें पायनासिकारुधिरहटावे सिरसांमदोषतेंरुधिरजोहोई वंधनलिखाकरेनहिसोई सिरसांमीरुधिररोकिएनाही आपवंधहोजावतताही आठपहरऊपरहोजावे निर्वलताअतिहींलखपावे ताहिवंधकरेनरसोई अथवागरमीखुषकीहोई अतीधूपकररुधिरदिखावे ताहिवंधकरसुखउपजावे चंदनमुथ्रवांसाल्यावे पन्हीजढपित्तपापडपावे साडेत्रैत्रैमासेपाय चारसेरजलकाथवनाय शीतलकरपीवेनरसोई रुधिरवंधताहीसुखहोई ॥ दोहा ॥ तोलेपांचमंगाईएखंडआमलेदोय सेरदोईजलपायकेसेडराखिएसोय गलेंतोमर्दनकीजिएशिरपरलेपकराय सेखरहेसांपांनकररुधिरवंधहोजाय ॥ चौपई ॥ अर्धांगरागसंगताजोहोई हुकनागर्मलिखाकरसोई रुधिरवंदताहीहोजाय औषधकरदुखदूरहटाय हरीडकसुंभातुरीमंगावे काचनारभागसमपावे नसुआरपीसकरलेवेकोई रुधिरवंधताहीछिनहोई वांसापत्राडिडतालाल्यावे पलाशगूंदखवलसंगपावे साडेत्रैत्रैमासेहोई अजादूधसंगपीसोसोई मिसरीमेलपांनकरवावे ताहीछिननकसीरहटावे खवलघासपीसकरलीजें रसानिचोडकरनासिकदीजें रुधिरवंधताहीछिनहोई औषधकरसुखउपजतसोई

॥ अथरोगपीनसवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ छिद्रनासिकावंधजोहोई सुगंधीग्रहणकरेनहिसोई खयसुमनामफारसीजांनो अधिकदोषकफहूतेंमांनो गाढीपवनवीचरुकजावे कठिनसुआसअतिहिदुखपावे रहसनपत्रलीजिएसोई जयतनामकरवडीजोई पीसताहिरसनासिकपावे पीनसरोगशीघ्रहटजावे जढपलाशकीशुंठील्यावे पुष्पधातकीमरचामिलावे वावडिंगकांफलसमपाय वरावरकोडातेलमिलाय चाढअग्निपरतेलपकावे औष

धजलेतेलरहजावे सोइतेलनसुआरचढाय पींनसरोगताहिछिनजाय धनिआजीराश्वेतमगावे अजुआ-इनसीसालूणमिलावे वांसामरचचित्रापाय पिप्पलामूलसोसंगरलाय साडेत्रैत्रैमाषेलीजें औरऔषधी-तामेंदीजे दाडिमअजमोदामंगवावे धांईगजपिप्पलसंगपावे आमलीवालविल्वसंगकीजे साडेदस-दसमाषेलीजे अठाईमाषेकत्थरलावे पीसछानफक्कीवनवावे प्रातसातमाषेनित्यखाय पींनसरोगता-हिहटजाय कंडेआरीछोटिफलरसलीजे पींनसदूरनासिकादीजें कलौंजीमूत्रगधेकाल्यावे पीसना-सिकावीचचढावे अजामूत्रनसुआरचढाय पींनसरोगताहिहटजाय.

॥ अथदुर्गंधीनासिकावर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ दुर्गंधीदोषनासिकाहोई निकलदोषदुर्गंधीसोई ताहियतनकरशीघ्रहटावे विनायतनके-सैंसुखपावे जाफलमासेतींनमिलावे दारचीनीलौंगजलपत्रीपावे तींनोमासेतींनमिलाय मधुमेलचटनी-करखाय अंबगुलीकापित्ताहोई सेरएकचूर्णकरसोई पुरातनगुडसमभागमिलाय चौदांमासेप्रतिदिन-खाय दुर्गंधीदूरताहिछिनहोई सुगमउपायऊौरसुनसोई मूत्रऊंठकानासिकपावे ताहीछिनदुर्गंधीजावे.

॥ अथयक्ष्मनासिकावर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ यक्ष्मनासिकाभीतरहोई जराहतवींनीनामासोई सरीहक्कृष्णकाछिलकाल्यावे ताहिक्का-थकरनाकधुलावे चंवेपत्रकारसनिकसाय त्रिफलाकत्थताहुमेपावे पीसनासिकामर्दनकरिए यक्ष्मदूरपी-डादुखहरिए ॥

॥ अथनथूरनासिकावर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसनासिकामेंवधजावे आदियक्ष्मपाछेदृढपावे रोगअसाध्यदूरनाहिहोई काटमांसवाहर-करसोई तीक्ष्णअतिनसुआरचढावे नथूरदूरताहिसुखपावे ॥

॥ अथववासीरनासिकावर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ अधिकमांसहनासिकमाही वासुरवींनोकहिएताही नसूरवासूरकाभेदपछांनो अधिकमां-सदोईकामांनो नसूरमांसभीतरलपटावे वासूरमांससिरचारदिखावे अरुदिमागसंगलपटाहोई चाररंध्र-परदौडतसोई कर्णनासिकाछिद्रविचारो चाररंध्रपरमांसनिहारो रंध्रनासिकाप्रापतहोई ववासीरकहुना-सिकसोई असाध्यरोगपरऐसाकरिए विनायतनदुखकैसेंहरिए रोगीसीधासंजलिटावे दृखमांसलेसूत्रवं-धावे दृढकरपकडवैठिएसोई हिलायखेंचवाहरतवहोई वाअंगुलीपरघृतलपटावे वीचनासिकाफेराफि-रावे वलकरऐसायतनपछांनो रोगीहोशविहोशीमांनो ऐसायतनविनाभयहोई आगेयतनऊौरसुनसोई-

॥ दोहा ॥ फक्कीलेहुजंगारकीनौसादरसगपाय सज्जीमधुमिलायकेवत्तीऊपरलाय ॥ चौपई ॥ वत्तीवीचनासिकापावे ववासीरनासिककीजावे अधिकमांसकटवाहिरहोई आगेयतनऊौरविधसोई नु-सादरखूपमहींनपिसावे आंदरएकभेडकील्यावे आंदरधोयनुसादरसोई वीच्चपायमुखवांधकोई मले-खूपजलपात्रमाही निकालनुसादरलीजोताही जंगारतैलतिलवीचरलावे कर्णवीचअरुनासिकपावे वासुररोगनष्टतवहोई सुगमयतनकरदोषनकोई मांसदूधअरुकणकनखावे अवरमिष्टाइसकोईनभावे रहेपालपरदोषनकोई औषधकरसुखउपजतसोई ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांना-सारोगो ऽधिकारकथनंनामएकादशो ऽधिकारः ॥ ११ ॥

॥ अथमुखरोगनिदाननिरूपनम् ॥

॥ चौपई ॥ अनूपदेशमृगपक्षीमास भक्षणकरैजुअतिकरतास उडदआदिजोदालदखाही दूधदधीअतिकरजोखाही वायुपित्तकफकुत्तहिहोय मुखमेरुजप्रघटावतसोय सोमुखरुजहैवहुपरकार भिन्नभिन्नसवकरोउच्चार

॥ अथमुखरोगअनुक्रमिका ॥

॥ दोहा ॥ मुखरोगअनुक्रमकहोवरनोसप्तस्थान उोष्ठदंतदंतमूलहीजिव्हातालूजान अवरहिकंठपछानियोपुनहिसर्वशरजान सोसवकहोंविचारकेसुश्रुतकेअनुमान ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंउोष्ठनिदानवषानो अष्टप्रकारताहिकेमानो वातजपित्तजकफजकहावै त्रिदोषजरक्तजग्रंथलषावै मांसजमेदजकीनवषान अविघातजयहअष्टमजान ॥ अथवातजउोष्ठरोगलक्षणम् ॥ चौपई ॥ उोष्ठमाहिजिसकोपैवात श्यामरंगतिसउोष्ठहिख्यात षहुरेकरडेअकडेरहै दलियतफोडतपीडागहै वातजउोष्ठरोगयोंजान पैतिजआगेकरोवखान ॥ अथपैतिजलक्षणम् ॥ चौपई ॥ फुनसीवहुतउोष्ठपरहोई दाहअवरपीडायुतजोई पीतनीलतिसवर्णलषिये पैतिजउोष्ठपाकइमलहिये ॥ अथकफजलक्षणम् ॥ चौपई ॥ पीडाविनजिसओष्ठमंझार कंडूशोथजुहोयविकार शीतस्पर्शस्निग्धासितरंग ऐसीफुनसीहोईअभंग कफजहिरोगउोष्ठयेंजान अवरत्रिदोषजकरोंवषान ॥ अथसन्निपातजलक्षणम् ॥ चौपई ॥ ओष्ठरंगकविश्यामलषावै पीतकवीकिविश्वेतदिषावै अरुअनेकविधफुनसीजाश सन्निपातरुजजानप्रकाश ॥ अथरक्तजलक्षम् ॥ चौपई ॥ खरजूरवर्णजिसपिंडकारंग रक्तस्रावतुमजानअभंग रक्तयुक्तरहैउोष्ठहिजास रक्तप्रभातुमजानप्रकास रक्तजउोष्ठरोगयौंजानो आगेमांसजरोगवषानो ॥ अथमासिजलक्षणम् ॥ चौपई ॥ उोष्ठस्थूलजोभारीलहियें मांसपिंडइवक्रमियुतकहियें मांसिजउोष्ठरोगजौंजान मेदजरोगहिकरोवषान ॥ अथमेदजलक्षणम् ॥ चौपई घृतअरुमांडन्यायदरशावैं भारीषुरकसहितहोजावैं स्वछस्फटकाहिवर्णप्रकाशै स्रवतरहैंअतिस्निग्धसुभाशै ऐसेउोष्ठजासकेलहियें मेदजकेअसलक्षणकहियें ॥ अथअविघातजलक्षणम् ॥ चौपई ॥ उोष्ठचीरीयेफटतेलहिये गांठेंयुक्तसकंडूकहिये अविघातजयहलक्षणजान अष्टभेदजौंकीनवषान ॥ इतिउोष्ठरोगनिदानम् ॥

॥ अथमुखरोगेउोष्ठरोगाचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ मुखरोगजुअष्टप्रकारहै कहोंचिकित्सातास जैसेवैद्यकग्रंथमोतैसेंकीनप्रकाश चौपई उोष्ठपाकहिरक्ततैंजानै रक्तनिकासेतौसुखमानै जोकफहूंतैंपाकलखावै कफहरऔषधसोसुखपावै वातहुतैंयहरोगजुहोय घृततैलवातहरलवैसोय पित्तजउोष्ठपाकपहिचानै शीतललेपनऔषधठानै, रक्तपित्ततैंप्रघव्योजान जलौकारक्तमोक्षपरिमाण कफजउोष्टपाकमंझार इहविधिऔषधकीनउच्चार । अथऔषध । शुद्धमोमघृतसंगमिलाय ताहिगर्मकरसेकदिवाय उोष्ठरोगकाहोवेनाश निश्चयकरयहकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ तैलघृतमिज्जमांसकेमाहीं चारस्नेहमोंमोमरलाहीं इनसोंसेकउोष्ठपरदेवे वातजायरोगीसुखलेवे त्रिकुटालीजसमदोइचार मधुरलायलेपेसुविचार अरुनितप्रतिपुनचाटैतास सकंडूउोष्ठपाकहोएनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जीवनीकल्कतैलपयसंग पकायसमधुलेपैरुजभंग ॥ अन्यच्च ॥ मोमसरजरसराल्लालयाय गैरिकगुडसैंधाजुमिलाय समसमलेघृततैलपकावै लेपेउोष्ठपाकमिटजावै अवरप्रियंगुत्रि-

फलाआन लोध्रलेहुसमचूरणठान मधुरलायकरलेपेतास मेदजउोष्टपाकहोइनाश ॥ अन्यच्च ॥ केवल-त्रिफलामधुकेसंग लेपेकरैउोष्टरुजभंग ॥ अन्यच्च ॥ उोष्टपाकमोंजोवहुदाह घृतशतधौतमलैसुखताह ॥ अन्यच्च ॥ व्रणरुजकीजुचिकित्साजेती बुद्धिनुसारकरैनरतेती याहीतैंपुनिसोनाहिकही बुद्धिमानलष-लेवैयही इतिउोष्टपाकचिकित्सा

॥ अथदंतमूलरोगसंख्याकथनम् ॥

शीतादददंतपुप्पुटफुनिजान दंतवेष्टपुनशौषिरमान महाशौषिरपरदरपहिचानो उपकुशअरुवैदर्भसुजानो खलुवर्द्धनअधिमांसजुलहिये दंतमूलयहदशविधकहिये दंतमूलकीनाडीजोय रुजपांचोतिसमाहीहोय

॥ अथशीतादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दंतमूलतेंरक्तप्रवाह हेतुविनानितप्रघटैताह दंतमांससोगल्योरहै वहुपाकैदुर्गंधिगहै कृष्ण-वर्णअतिकोमलजान अरुक्लेदिततुमताहिपछान यहशीतादव्याधजोगाई कफअरुरक्तजगायसुनाई

॥ अथशीताददंतमूलचिकित्सा ॥

दंतमूलमैजिसरुजहोय तातेंरुधिरनिकासेसोय सर्षपसुंठीत्रिफलापाय इनकोलेकरकाथकराय मुखमेपा-यकरूलीकरै शीताददंतमूलरुजटरै ॥ अन्यच्च ॥ घृतवातैलकुरूलीकरे रुजशीतादजुतातेंटरे । अन्यच्च। प्रियंगूत्रिफलामुतथरपाय जलसोंपीसजुलेपलगाय शीताददंतमूलरुजनास ग्रंथकारमतकीनप्रकास ॥ अन्यच्च ॥ उत्पलकमलजुत्रिफलापाय इनसमघृतसिद्धतैलकराय ताहूकीलेवेनसवार रुजशीतादजा-हुतेंटार

॥ अथदंतपुप्पुटलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दोदिनतीनदंतकेमूल शोथरहैजुमहादुखशूल रक्तअवरकफहूतेंजान इहरुजपुप्पुटकी नवषान.

॥ अथदंतपुप्पुटउपाय ॥

॥ चौपई ॥ दंतमूलतेंरुधिरकढावे शिररेचकनसवारादिवावै पांचोलवणअवरजवक्षार काढाकरमखी-रसंगडार करैकरूलिप्रीतवढाइ दंतपुप्पुटरोगकटजाइ अरुस्निग्धकरभोजनजोय पुप्पुटरोगनाशतव-होय ॥ अन्यच्च ॥ स्वेतसर्षपवैतकेबीज वकुलवृक्षकेसिक्कडलीज इनसोकवलउष्णजलसंग मुखराखेपु-प्पुटरुजभंग ॥ अथदंतवेष्टलक्षणम् ॥ चौपई ॥ पूयरक्तकोचलैप्रवाह दंतहलैहैंतवहीताह दंतवेष्टरुज-जानोंतास दुष्टरक्ततैंहोतप्रकाश

॥ अथदंतवेष्टउपाय ॥

लाद्पमुलठीवकमसुलोध्र यहसमपीसमलैदांतनपर क्षीरीवृक्षनकोकरकाथ मधुमिसरीघृतमेलैसाथ करैकरूललीताकोसंग पुप्पुटरोगहोयतिसभंग दंतहलतइस्थिरतापावैं तासाचिकित्साऐसेंगावैं अन्यच्च ॥ चौपई ॥ भंगमूत्थराअरुत्रिकुटाय निंवपत्रविडंगसमपाय पीलसुक्ष्मगोमूत्रमिलावै वटिकावांधैछांहिसु-कावै गुटकामुखमोराषेजोय इस्थिरदंतजुकरहैसोय ।अन्यच्च। प्रथमकरेदशमूलीकाथ घृतवातैलसिद्धति-ससाथ मुखभरराषोतिसकेसंग दंतस्थिरहोरहेंअभंग अवरहुंवातरोगसभजाहिं याहीमोकछुसंसानाहि

॥ अथशोषिरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दंतमूलमोंसोजापरै पीडाहोइपुनलालांसरै अरुकंडूतिसरुजमोहोई शोषिरनामहिजां-नोसोई यहकफरक्तजरोगपछानो ज्योंनिदानमतभाषैमानो

॥ अथशोषिरचिकित्सा ॥

लोध्रमुस्थूरसोंतमिलाइ पीसमधूइसमोंसमपाइ लेपकरेशोषिररुजजाय वंगशेनमतदियोवताय पाछे-दूधगरारेकरै शोषिररोगताहिछ्नणहरै

॥ अथमहाशोषिरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दंतमूलकोग्रहैजोमास फटैंदंतसभहलहैंजास दंतउोष्ठअरुतालुमंझार पीडावहुतक-रैसंचार रोगात्रिदोषजताकोजान महाशोषिरतिसनामपछान.

॥ अथशोषिरउपाय ॥

महाशोषिररुजजिसहीहोय शोषिरऔखधकरहैसोय ॥ अन्यच्च ॥ मघमधुघृतहिइकठाकीजै गुटिकाक-रमुखमाहिधरीजै शौषिररोगहोयतिसनास ग्रंथकारमतकीनप्रकास

॥ अथपरदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दंतमूलमांसफटजावै वारवारथूकेलहुआवै पित्तरक्तकफतेंयहजान इहाविधिभा-षैग्रंथनिदान.

॥ अथपरिदरचिकित्सा ॥

सुंठीसर्षपात्रिफलाआन इनकोसमलेकाथप्रमाण शीलगर्भकरराखेसोय करैकरूलीतासोंजोय होवैपरदर-रुजकीहान भावप्रकाशमतकीनवखान रुजशीतादचिकित्साकही परिदरमैंतुमजानोसही.

॥ अथउपकुशलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दंतमांसपाकेअरुदाह दंतचालअतिरक्तप्रवाह पीडाअलपदुर्गंधीआवै पित्तरक्ततेंयहप्रघटावै

॥ अथउपकुशउपाय ॥

उपकुशनामरोगजिसहोय रक्तपितहरऔषदसोय ताकोसेवैहितचितलाय रोगजायसुखरोगीपाय ॥ अन्यच्च । उदंवरअरगोजिव्हापत्र तिनकरउपकुशकरैइकत्र पाछैपांचोलवणजुलीजै त्रिकुटामधुसंयु-क्तकरीजै दंतमूलमैंलेपजोय उपकुशरोगनाशतवहोय

॥ अथवैदर्भलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ बहुघरषणकरदांतनमूल दंतहलेंसोथजुहोइशूल अविघातहुतेंउपजैव्याध प्रघटकरी-योदांतउपाध.

॥ अथवैदर्भउपाय ॥

॥ चौपई ॥ जहूकोवैदर्भहिरोग अधिमांसचिकित्साहैतिसजोग वैदर्भरोगशस्त्रकेसंग शोधनक-रातिसहोयानिसंग पाछैक्षारमलोइसमहि वैदर्भरोगतवनासकराहि.

॥ अथखलिवर्द्धनलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातविकारहुतपेडदंत एकहिउपजैलहोवृतंत जन्मसमयवहुपीडाकरै जन्महोयरहै शांतिधरै.

॥ अथखलिवर्धनचिकित्सा ॥

मांसनिकालहिदूरकरीजै सहितसंगयहचूरणलीजै वरचतेजवलपाठाआन दोनोख्यारजुपिप्पलीठान इनकोपीसजुऊपरलावे खलिवर्द्धनदुखमुखतेजावे ॥

॥ अथअधिमांसलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पिछलेदंतजुमूलमंझार शोथजुलालांचलैंअपार उपजैपीडावहुतिसमाहि रुजअधिमांसजुनामकहाहि यहरुजकफकृतहीतुमजान असेभाषैग्रंथनिदान ॥

॥ अथअधिमांसउपाय ॥

काहीलोधरमघांमगाय प्रियंगुमनछिलतेजवलपाय मधुमिलायसोमर्दनकीजै अधीमांसकीपीडाछीजै दंतमूलशीतादजुजाय ग्रंथकारमतदियोवताय दुर्गंधीकंडूहोवेनाश यहउपायतुमलषियोताश

॥ अथदंतमूलसामान्यउपाय ॥

पत्रमालतीधतूरेआन अरुकंडआरीभखडाठान ताहिकाथसेंतेलपकाय सोउतैलमुखमाहिधराय दंतमूलरुजरकैहैनास ग्रंथकारमतकीनप्रकास ॥ अन्यच्च ॥ मजीठसुलोध्रखदिरमुलठी सभसमतैलकरोजुइकठी मंदअग्निसोंताहिपकावे तैलरहैमुखवीचरखावे दंतमूलरुजदूरकराय अपनेमनयहनिश्चयल्याय ॥ अन्यच ॥ पटोलनिंबकेकाथहिंसंग धोवेंदंतपीडहोइभंग ॥ अन्यच्च ॥ पीसमघांमधुघृतजुमिलाय मुखभरदंतमूलरुजजाय ॥

॥ अथदंतमूलनाडपक्कजललक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दंतमूलमैव्रणपडजाय पूतरक्ततिसतैप्रघटाय दंतनथूरसभीजनआखे नाडीव्रणतिसग्रंथजुभाखै सोव्रणनाडीपांचप्रकार वातपित्तकफरक्तविचार अवरात्रिदोषजतिसकोजानो व्रणरुजमोतिसभेदपछानो ॥

॥ अथदंतमूलचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ नाडीव्रणहिचिकित्साजेऊ दंतमूलमेंजानतेऊ अवरचिकित्सानाहिवखानी ग्रंथवृद्धिकाभयअतिमानी इतिदंतमूलरोगचिकिसा ॥

॥ अथदंतरोगनिदान ॥

॥ चौपई ॥ दंतरोगहैआठप्रकार तिन्हआठोंकाकरोंउच्चार दालनअरुक्रमिदंतभनीजै भंजनदंतहर्षसुनलीजै दंतशरकरापंचमजान कपोलश्यावकरालजुमान ॥

॥ अथदलिनलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दंतदलितजासकेरहै बहुदालननामतासकोकहै पीडातीव्ररहैनिततास ऐसारुज्जजिसदांतप्रकाश वातहुतेयहरोगपछानो यहमतसुश्रुतकातुममानो ॥

॥ अथदालिनीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मजीठतेजवलपाठामुत्थर पिप्पलामूलकुट्टपुनलोधर कौडजुमालकगुणीश्रान दालहलद-समचूर्णठान दांतोंऊपरघर्षणकरै रुजदंतरक्तसहकंडूटरै त्रिफलालेकरकीजैकाथ गंडूषकरावेताके-साथ दालिनदंताहिरोगनसावै रक्तसकंडूदंतमिटावै ॥ अन्यच्च ॥ शीतादददंतकाजानोनाश ग्रंथकारम-तकीनप्रकाश ॥

॥ अथकृमिदंतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जाकेदांतोंकृमिपडजावै छिद्रश्याममधुदंतलखावै शोथदाहतिसमाहीजानो वातसमान-जुपीडामानो हेतुविनाजिसपीडाहोई वातहुतैतुमजानोसोई पीडावाततहांवहुकरैं दंतहलैंस्रवहैंदुखधरैं लोकसमस्तघुणांदाश्राखे कृमिदंतरुजयाविधभाषैं

॥ अथकृमिदंतउपाय ॥

॥ चौपई ॥ दंतमांहिकृमिदुखलखपरै गुडकरपूरणदंतसोकरै लोहशलाकाअग्नितपाय शलाकासाथजु-दाघादिवाय पुनहिवातहरश्रौषधसंग घृतपकायधैरुजभंग ॥ अन्यच्च ॥ हिंगुतपाकरदांतोंधरै यातेंभीकृ-मिपीडाटरैं ॥ अन्यच्च ॥ गोरखमुंडीभखडेसाथ कंडयारीएरणकरसमकाथ करैकरूलीताकेसंग दंतरोग-सवहोवैभंग कृमिदांतोंकीपीडाजावै तासचिकित्सायोंलखपावै ॥ अन्यच्च ॥ विजोरामूलवावचीमूल यहदोऊपीसोसमतूल वटीवनायदांतमोंधरै दवैऊर्द्धदांतदृढकरै व्रणअरुकृमिपीडाहोइनाश निश्चयकी-जैमनमोंतास नीलनीवाकटुतूंवीमूल काकजंघाअथवालेमूल मुखराखेकृमिहोयविनाश ग्रंथकारम-तकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ अर्कदुग्धथोहरपयश्रान पूरैंदंतहोयकृमिहान.

॥ अथभंजनकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दंतभग्नमुखटेढाहोय पीडवातकफतैंलखसोय सोईलक्षणयाहिपछाने भंजननामहिंतास-वखाने ॥

॥ अथभंजनकउपाय ॥

॥ चौपई ॥ भंजनदंतरोगजिसहोय वातहरणश्रौषधकरसोय खदिरक्षीरवृक्षकोमूल तिनकाकाथक-रेसमतूल ताहिकाथसेंतैलपकावै पीवैभग्नदंतामिटजावै.

॥ अथदंतहर्षलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शीतलरौक्षश्रमलजोवस्त अरुप्रकर्षजुवातप्रशस्त इन्हकोदंतस्पर्शनासहैं दंतहर्षरुज-ताकोकहैं वातपित्तकररोगजुजान निदानग्रंथमतकीनप्रमाण.

॥ अथदंतहर्षउपाय ॥

॥ चौपई ॥ उष्णउष्णघृतकोकरपान होवैदंतहर्षकीहान ॥ अन्यउपाय ॥ वातहरणकरश्रौषधकाथ गंडूषकरावैताकेसाथ रोगदंतहर्षमिटजावै श्रैसेवैद्यकग्रंथवतावै.

॥ अथदंतशर्करालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिसकेदांतोऊपरदांत मैलसुकावैकफअरुवात दंतस्पर्शजुखहुराहोई वातशर्कराजानोसोई,

॥ अथदंतशर्कराउपाय ॥

॥ चौपई ॥ दंतोमेरुजशर्कराहोय शस्त्रहिसंगउखाडेसोय पाछेंलाक्षाचूर्णमंगाय मधुसोंमलेजुशर्कराजाय.

॥ अथकपालकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वहजुशर्कराकहीसुनाई सूकेफूटेकपालकीन्याई ताकोरोगकपालकजानो मतनिदानकोमनअनुमानो दंतविनाशकजानोतास करीचिकित्साताहिप्रकाश.

॥ दंतविद्रधिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दंतमांसमलरक्तजुहोत इनकरबाह्याभ्यंतरशोथ पूयरक्ततिसतेप्रगटाहि दंतविद्रधीकहियेताहि ॥ उपाय ॥ शलाकाकरातिसदग्धसुकरै पुनऔषधयहतामोधरै मुलट्ठाविदारीभषडेल्याय मुत्थदसगुणदुग्धपकाय तैलताहिसोसिद्धजुकरै नस्यदेयहनुविद्धीहरै.

॥ हनुमोक्षनिदानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिनकारणकरकोपेवात तिनकोसेवेनरअतिक्षात तातैदाढदंतपरजोइ कोपकरैरुजप्रगटैसोई दंतदाढकछुहलतेरहै टेडेडिगैपीडसुगहै अर्दितलक्षणतामोजान हनुमोक्षतिसनामपछान.

॥ अथहनुमोक्षदंतचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ शलाकाकरातिसदग्धकराय पुनदंतीअरुइंद्रयवल्याय हलदीकाहीवायविडंग थोहरदूधमिलायनिसंग दंतछिद्रतिसतैकरपूर हनूमोक्षरुजहोवैदूर अर्दितरुजाहिचिकित्साजोई हनूमोक्षकीजानोसोई.

॥ अथकपालकलक्षणउपाय ॥

॥ चौपई ॥ कपालकरुजजिसदांतोजान कष्टसाध्यतुमताहिपछान मधुसोंलाक्षाचूर्णखावे कपालकदंतरोगतिसजावे दंतहर्षकीक्रियाजुजेती कपालकमोंसबजानोतेती

॥ अथश्यावदंतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तपित्तयुतदंतकहीजैं श्यामदंतसोदग्धलहीजैं श्यावदंतसोरोगकहावै ऐसेंग्रंथनिदानवतावै.

॥ अथश्यावदंतउपाय ॥

॥ चौपई ॥ मजीठलोध्रपुनपाठाआन कुष्टपापडातामोठान दालहलदअरुहलदीलेय अंबरतेजवलतामोदेय जहसमचूर्णपीसवनाय दंतमलैरुजरक्तामिटाय.

॥ अथकराललक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातजुदंतोंइस्थिरहोय दंतकुरूपकरैहैसोय विकटभ्यानकदंतलखावैं करालदंतरुजताकोगावैं शनैशनैसोदंतविनाशे रुजऐसातिसग्रंथप्रकाशे.

॥ अथकरालउपाय ॥

॥ चौपई ॥ करालदंतरुजजिसकोहोय वातहरणऔषधहितसोय अवरचिकित्सानाहींदेखि ग्रंथमाहिसोहमनहिलेखि.

॥ अथपडदंतरोगलक्षणचिकित्सा ॥

दंतोंमोंपडदंतजनावे शस्त्रक्रियासोंतिंहउखडावै परऊर्ध्वदंतउखाडैनाहि तातेंवहुतरोगप्रगटांहि दंतउखाडनचाहैजोय भग्नास्थीवउखाडेसोय शेषरहैवहुदुखउपजावै वंगसेनमतऐसेंगावै पुनलोध्रखदिरमंजीठमूलहु यहसमचूर्णकरैइकहु इनसेतैलपकायधरावै दंतउखाडमुखतैलभरावै इतिपडदंताचिकित्सा.

॥ अथदंतरोगसामान्यचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोतरुणहोयमुखदेखविकार रक्तमोक्षताकोंहितकार अरुशिररेचनअरुनसवार अतिस्निग्धभोजनहितकार अरुशिरकोरेचनकरवावै पीडादंतजायसुखपावै ॥ उपाय ॥ हिंगुकायफलकाहीठान सज्जीकुट्टहिमरचसमान सूक्ष्मपीसैमर्दनकरै दंतापिडनाशलखपरै ॥ अथनसवार ॥ चौपई ॥ लोध्रवकमसारिवामुलहु चंदनअगरसमकरोइकहु यथायोग्यघृतताहिमिलावै घृतसेंदशगुणदुग्धरलावै इन्हसबकेसंगघृतजुपकाय लेनसवारदंतदुखजाय ॥ अथमर्दन ॥ चौपई ॥ त्रिकुटासेंधासमपीसावै मधुरलायसोदंतमलावै मुखजलचलेपीडहोइनाश सुखउपजैमनहोयहुलास ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ लोध्रकनेरवकुलफलआन वल्लीवजवंबूरपलान अमलतासहयकरणीलीजै अवरमुत्थरांतासंगदीजै यहसमलेकरकीजैक्काथ घृतवातैलपकावैसाथ ताहितैलमुखराखेजोय दंतरोगसबनाशैसोय ॥ अथहरिद्रादितैल ॥ चौपई ॥ सेंधाखैरसारकुट्ठधनियां मिरचशुंठपुनतामोरलियां मर्दनकरैदंतमोजोइ रुधिरविकारबंदसबहोइ ॥ अन्यच्च ॥ पिप्पलीसेंधाजीराजान हरडमोचरसकरोमिलान सूक्ष्मपीसेदंतोमले दंतपीडताहीतेंटले ॥ अन्यच्च ॥ पांचलूनअरुथोथानीला सुंठमिरचपिप्पलसमतूला अवरापिप्पलामूलजुकाहि माजूफलविडंगसमल्याहि इह्वेपीसमर्दनकरदांत सर्वरोगमुखतेहिनसात ॥ अन्यच्च॥ कुठशुंठपुनहरडांआन खैरजुकत्थजवानीठान पंचटंकातिसमानधर्राजे पीसमलेदांतनदुखछीजे.

॥ अथखट्टदंतकाउपाय ॥

सांभरलूणकचूरमिलाय अकरकरापुनशुंठजुपाय सबीपीसदंतोंपरमले दंतखटाईतातेटले ॥ अथहरिद्रादितैलं ॥ चौपई ॥ दोनोरजनीमघासुरदार सेंधाचित्राद्राक्षादार विल्वाविडंगवलालेधार सांवरसौंचलकरोंउचार रोहिषपत्रमजीठमुलठी वैंतमूलकरलेहुइकठ्ठी पद्माहिकाष्टचंदनउशीर इन्हसमपावोतैलसुधार दुगुणदुग्धपुनपायपकावे लेनसवारजुमुखभरवावे उपजिव्हागंडमालानाशै मांसपाकमुखरोगविनाशै कफजसान्निपातशिरोरोग लेनसबारजुहोतवियोग अर्बुदगलग्रहहोवैदूर विदारकाहणूकंपहोएचूर दंतचा-

लमीटजावैतास हरिद्रादितैलगुणकियाप्रकाश अथलाक्षादितैल ॥ चौपई ॥ लाक्षारसजुदुग्धअरुतेल प्रस्थप्रस्थसमकीजैमेल पुनपलपलयहऔषधपावै मजीष्टकायफललोध्रमिलावै चंदनउत्पलपद्मसुलष्ट पद्मकेसरसमकरोइकष्ट जलद्रोणपायइनकाथजुकीजै पादशेषरहिछाणसुलीजै तैलपकायसुमुखमोंभरै अरुतासोंगंडूषनकरै दंतमोक्षअरुदंतचलनजो दंतदलनरुजअरुचिहरैसो कापालकदंतजुरोगमिटाय सीतादंतमूलरुजजाय मुखदुर्गंधविरसतानाश लाक्षादितैलगुणकीनप्रकाश ॥ अथखादिरवटिका ॥ चौपई ॥ खदिरतुलाजलद्रोणपकावै पादशेषरहिताहिछनावै कंकोलसुपारीजातिकपूर यहसमपीसहिता-मोंपूर मंदअग्निसोंताहिपकाय गुटीबांधकरमुखहिधराय दंतउोष्टगलजिव्हारोग तालुरोगनाशेअसयोग इतिदंतरोगाचिकित्सा.

॥ अथजिव्हारोगसंख्यानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिव्हारोगहिपांचप्रकार वातजपैत्तिजकफजविचार पुनअलासउपजिव्हकहावै पांच-भेदयोंप्रगटजनावै ॥ अथवातजजिव्हारोगलक्षणम् ॥ जिव्हाफूटिसुफाटरहे कांटेउपजेंवातजलहै शाकवृक्षकेपत्रन्याई जिव्हारूपपछानोजाई ॥ अथपैत्तिजलक्षणम् ॥ जिव्हापीतवर्णहोइजावै कांटेअरुणसदाहलखावै॥ अथकफजलक्षणम् ॥ जिव्हाभारीहोइदरसावै सिंवलकांटेइवप्रगटावै ऐसेलक्षणजिव्हाजानो कफजरोगतिसमाहिपछानो ॥ अथअलासलक्षणम् ॥ चौपई ॥ जिव्हातलेशोथअतिहोय जिव्हामूलपकैहैजोय स्तंभितजिव्हातिसहोइरहै रक्तजकफजरोगयहअहै ॥ अथउपजिव्हालक्षणम् चौपई जिव्हाअग्रशोथजोपरै लालांचलैंधीरनहिधरै उपजैजिव्हाकंडूहोय उपजिव्हरोगतुमजानोसोय रक्तजकफजरोगयहजानों पांचभेदइहभांतपछानो ॥ इतिजिव्हारोगनिदानं ॥ अथमुखरोगेजिव्हारोगचिकित्सानिरूपणम् ॥ चौपई ॥ होइविकारजोजिव्हाजास रक्तमोक्षहैश्रेष्ठजुतास ॥ अन्यच्च ॥ गिलोयमघाकुठनिंबहिआन पीसग्रासकरजिव्हाठान यहभीश्रेष्ठचिकित्साजानो अवरचिकित्सासुनोवखानों ॥ चौपई ॥ त्रिकुटापाठाकौडपटोल सेंधाभार्गीलेसमतोल मधुमिलायकरजिव्हालावे जिव्हारोगनाशहोजावै मधुतैलमिलाइनवस्तूसंग कवलकरैजिव्हारुजभंग ॥ अन्यच्च ॥ विडंगमघांजुरसोंतामिलावै जिव्हाधोवेरोगनसावै ॥ अन्यच्च ॥मघाहिमधूजोजिव्हामलियै जिव्हासोंजलतासोंचालिये तातेंरोगहोयतिसनाश निश्चयकीजैमनमोंतास ॥ अथउपजिव्हारोगउपाय ॥ कंडयारीनिंबपटोलविचार अरुडारोतामोंयवक्षार इसकाथहिसंगजुभोजनकरै उपजिव्हरोगपुनजासोटरै ॥ अन्यच्च ॥ क्षारमलैजलतासनिकासै उपजिव्हारुजतातेंनाशै ॥ अन्यच्च ॥ मरिचसुहागाहिंगुमिलाय सिंदूरकायफलताहिसुपाय आद्रकरससोंजिव्हामलेजिव्हाव्रणहीतातेंटलै ॥ अन्यच्च ॥ शिरेचनअरुधूम्रपान उपजिव्हारुजमोंश्रेष्ठपछान ॥ अन्यच्च ॥ त्रिकुटाहरडचित्रायवक्षार यहसमपीसलेहुउरधार जिव्हाऊपरघर्षणकरै रुजउपजिव्हाकोंयहहरै इन्हसंगतैलपकायमलीजै उपजिव्हारुजतातेंछीजै ॥ अन्यच्च ॥ वांसामालतीकीजैकाथ गृहधूमलवणमधुमेलोसाथ यहजिव्हापरघर्षणकरिये रुजउपजिव्हातातेंहरिये ॥ अन्यच्च ॥ वातउोष्टजोचिकित्साकही वातकंटकमोजानोसही पित्तजजिव्हारुजजिसहोई उोष्टहिरक्तनिकालेसोई पाछेंमधुरलेपतिसमाही गंडूषमधुरहैयोग्यसुताही कफकरकंठेजिव्हाहोय रुधिरनिकासेतासोंजोय पिप्पल्यादिगणमधुसंयुक्त जिव्हामलेतिसमाहीप्रशस्त ॥ अन्यच्च ॥ कंड्यारीरससोंकौडजोघोटै गुटिकाकरमुखमाहिसोरोपै जिव्हाकंटकहोवैनाश ग्रंथकारमतकीनप्रकाश ॥ इतिजिव्हारोगचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथतालुरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ तालूरोगजुनवप्रकार ताकोविवरोकरौंउचार गलसुंठीतुंडकेरीजानो अध्रुषकछपअर्बुदमानो मांससंघातजुपुप्पुटकहिये तालुशोषपुनपाकजुलहिये ॥ अथकंठसुंठीतालुरोगलक्षणम् ॥ चौपई ॥ तालुमूलशोथप्रगटावै कफअरुरक्तहितेंउपजावै जैसेखालधमनसेंहोत तैसेंरूपशोथउपद्योत तृष्णाकासश्वासपुनहोय गलसुंडीलक्षणलखिएसोय ॥ अथतुंडकेरीलक्षणम् ॥ चौपई ॥ कंठशोथउपजैपुनदाह सूचीवेधइवपीडाताह तालुपकैकफरक्तजजान तुंडकेरीयोंकीनवखान ॥ अथअध्रुषलक्षणम् ॥ चौपई ॥ निश्चलशोथजुतालुमंझार रंगलालज्वरपीडविचार अध्रुषलक्षणऐसेंजान रक्तदुष्टतैरुजजहमांन ॥ अथकछपलक्षणम् ॥ तालुइववहुऊंचाहोय पीडअल्पकफतेंलखसोय रक्तरहिततुमजानोतास उपजैधीरैजानप्रकाश ॥ अथअर्बुदलक्षणम् ॥ तालुमध्यरुजकमलआकार उपजैशोथजुरक्तविकार अर्बुदरुजतिसनामपछानो सुश्रुतमतअपनेमनमानो ॥ अथमांससंघातलक्षणम ॥ मांसपिंडइकतालुमंझार कोलमात्रतिसमानविचार पीडाविनतुमताकोजान कफजमेदयुततताहिपछान ॥ अथतालुशोषलक्षणम् ॥ चौपई ॥ तालुशोषजुअतिकरहोय उग्रश्वासअरुफूटैजोय तालुशोषनामयहकहिये वातपित्तकफरुजजहलहिये ॥ अथतालुपाकलक्षणम् ॥ पित्तअधिकहोतालुपकावै तालुपाकसोइरोगकहावै ॥ इतितालुरोगनिदाणम् ॥ अथमुखरोगेतालुरोगचिकित्सा ॥ चौपई ॥ कफहरऔषधजानोजेती तालुरोगपराहितकरतेती ॥ अन्यच्च ॥ कफहरकाथकरूलीजोय गलसुंडीरुजहितहैसोय ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ त्रिकुटावरचकुठसेंधाआन पाठाकणाआमलपुनठान समपीसेमधुसंगमिलावै मर्दनकरगलसुंडीजावै ॥ अन्यउपाय ॥ चतुरवैद्यगलसुंडीजानै छेदनक्रियातासकीठानै अंगुलीवैद्यजुतामोधरै तीनभागकरछेदनकरै अतिदवायवहुरक्तनिकासे थोडानिकसैरोगप्रकासे शोथअवरवहुलालांआवै भ्रमउपजैवहुरोगकरावै छेदनकरपुनकरैउपाय त्रिकुटासेंधामधुमिलाय इहउपायगलसुंडीनाश रक्तमोक्षपुनहितकरतास ॥ अन्यच्च ॥ थोहरदुग्धलेपतिसकरै गलसुंडीरुजतातैटरै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पाठारास्नाकौडपतीस वरचनिंवसमलीजैदीस इन्हकेकाथसाथमुखभरै गलसुंडीतालुरुजहरै क्षारसुंगक्काथहिकेसंग भोजनकरैहोयरुजभंग ॥ अन्यउपाय ॥ शिरीषइंगुदिदंतीआन पुनसरलहिदेवदारूठान इन्हसबहुंकीवटीवनावै अग्निलायमुखधूमादिवावै तालुरोगकफरोगविनाश शास्त्रनकामतकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ वरचपतीसमरचफुनल्याय स्योनाककुट्टपुनपाठापाय मधुमिलायकरलेपनकरै गलसुंडीआदिरोगसवटरै ॥ अन्यच्च ॥ शुंठीसेंधातैलमिलिजै तालुरोगपरलेपनकीजै तालुरोगहोवैसवनास रोगीकेमनहोतहुलास ॥ अन्यच्च ॥ अग्निमंथसमवाथूचूरण चर्वनवामुखकरेजुपूरण वाकेवलनिर्गुंडीचर्वन तालुरोगसवकरेजुमर्दन ॥ अन्यउपाय ॥ तालुपाकजवरुजलखपावै पित्तहरऔषधताहिकरावै ॥ अन्यच्च ॥ तालुशोषकेरोगमंझार वातहरनकरऔषधदार अवरहुंस्वेदताहिहितजान वंगसेनयोंकीनवखान पुप्पुटरुजकीयहविधकही ग्रंथअवरकछुलेखीनही तुंडकेरीअरुकछपजोई अध्रुषमांससंघातजुहोई इनमोंएहिविधप्रमान अपनेमनमोनिश्चयजान इतितालुरोगचिकित्सा ॥

॥ अथकंठरोगनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कंठरोगवर्णनकरोंभेदअठारांतास सोसवकहोंविचारकेसुश्रुतमतप्रकाश ॥ चौपई ॥ वातरोहिणीप्रथमभनैये पित्तरोहिणीदूसरीकहिये कफजरोहिणीतीसरिमान त्रिदोषरोहिणीचौथीजान रक्त-

रोहिणीपंचमगाई गलशालूकसोछठीसुनाई सप्तमकोअधिजिव्हपछान वलयनामरुजअष्टमभान वलासनवमनामकहिगायो दशमाएकवृंदरुजभायो वृंदएकादशकीनउच्चार द्वादशनामशतघ्नीधार गिलायविद्रधीत्रयोदशभाष्यो गलविद्रधीचतुर्दशरुजआख्यो गलौघपंचदशनामकहीजैं षोडशनामस्वरघ्नभनीजैं मांसतानसप्तादशजान अष्टादशहिंविदारीमान

॥ अथसामान्यरोहिणीलक्षणम् ॥

वातपित्तकफमूर्छितहोय मांसरक्तदूषितकरसोय गलमेंअंकुरप्रगटेजवही नरकेप्राणशीघ्रहरतवही रोहिणीरोगनामतिसगायो निदानग्रंथमतसोइवतायो

॥ अथवातरोहिणीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिव्हाचारऊँरदुखहोय जिव्हामूलमांसांकुरजोय तिन्हअंकुरसोकंठरुकावे वातरोहिणीसोऊकहावे वातउपद्रवसंयुतजान सुश्रुतकामतजाहिपछान

॥ अथवातरोहिणीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मोक्षरुधिरअरुधूम्रहिपान नस्यवमनगंडूषपछान स्नेहकवलस्नेहकोपान यामोहितकरलखैंसूजान.

॥ अथपित्तरोहिणीलक्षणम् ॥

चौपई जिव्हामूलशीघ्रपहिचान उपजैअंकुरदाहमहान शीघ्रपकैंजिसवहुज्वरहोई पित्तरोहिणीजानोसोई

॥ अथपित्तरोहिणीचिकित्सा ॥

चौपई प्रियंगूअरुमिसरीमधुआन इनकाक्वाथकरैजोपान पित्तरोहिणीतातैजाय वैद्यकमतयौंदियोवताय

॥ अथकफरोहिणीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसांकुरजोकंठरुकावे ऊंचोअचलसुकफजकहावे मंदपाकतुमतिसकाजान कफजरोहिणीतासपछान

॥ अथकफरोहिणीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कफजहोयजिसकंठविकार गृहधूमकौडसमलेहुविचार पीसैमर्दनगलपरकरै कंठरोहिणीतातेंहरै ॥ अन्यच्च ॥ दंतीअरुविडंगसममेल इन्हसोसिद्धकीजियेतेल मुखपूरैकफगलरुजजाय यहउपायभीकह्योवताय

॥ अथत्रिदोषरोहिणीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जामोचिन्हत्रिदोषजलहियें त्रिदोषरोहिणीसोऊकहिये रुजात्रिदोषशीघ्रहरप्राण कफजरोहिणीत्रैदिनमान ।पित्तरोहिणीपंचादिनकहिये वातरोहिणीसप्तसुलहिये असाध्यरक्तरोहिणीजान निदानग्रंथमतयाहिप्रमान। अथरक्तरोहिणीलक्षणम्। जिव्हामूलजुपित्तसमान होवेंस्फोटसुरक्तजजान। अथकंठशालूकलक्षणम्॥ पडैगांठजोकंठमंभार ऊपरकंटकताविस्तार यातैखहुरीइास्थिरसोय शस्त्रकौंतैंसाध्यसुहोय ॥ अथअधिजिव्हलक्षणम ॥चौपई॥ जिव्हामूलजिव्हाग्रजुन्याय शोथरक्तकफामिल्योलखाय जिव्हातलबीहोएयहरोग असाध्यपकैविनभाषैंलोग पकैतुयाहिअसाध्यपछान असत्रअधिजिब्हरोगकियो

गान १ अथवलयलक्षणं॥ चौपई॥ कंठरोधकफऊंचाहोय मार्गअन्नजुरोकेसोय जहकफकरउपजेहैंव्याध याकोजानोमहाअसाध॥ अथवलासलक्षणं॥ चौपई॥ कफअरुवातश्वासउपजावै कंठमध्यशोथप्रगटावै मर्मछेदतिसतेंनरहोय असविकारदुस्तरहैसोय॥ अथएकवृंदलक्षणम्॥ चौपई॥ गोलउचशोथगलहोय कठोरसकंडूदाहजुसोय भारीहोयपकैसोनाहीं यहकफरक्तहुतेंप्रगटाहीं॥ अथवृंदलक्षणं॥ चौपई॥ ऊंचोगोलजुशोथसदाह तीव्रहोयज्वरयौंलखताह रक्तपित्ततेहोतविकार वहुपीडातैवातविचार॥ अथशतघ्नीलक्षणं॥ चौपई॥ कंठरोधनीवटीजुहोय मांसांकुरकरसंयुतसोय प्राणहरनयहव्याधकहावै त्रिदोषहुतेजुअसाध्यलखावै शस्त्रशतघ्नीन्यायसुलहिये यातेंनामशतघ्नीकहिये॥ अथगिलायविद्रधीलक्षणं॥ चौपई गांठआमलेगिटककीन्याई कंठमाहिइस्थिरप्रगटाई पीडअल्पकफरक्तजमांन कटैशस्त्रसोसाध्यसुजान भोजनमाहिशक्तनहिराखै निदानग्रंथमतएसेंभाषै॥ अथगलविद्रधिलक्षणं॥ चौपई॥ सर्वकंठजोशोथरुकावै सबदोषजवहुपीडजनावै पीडावहुतप्रकारजुहोग वातपित्तकफकेसंयोग अथगलौघलक्षणं चौपई अन्नअवरजलमार्गजोय रोकैंशोथतीव्रज्वरहोय श्वासमार्गपुनरोकेसोय महाकष्टउपजावेजोय यहकफरक्तहुतेंप्रगटावे महाव्याधमनअपनेल्यावे त्रिदोषविद्रधीकेहिसमान गलरुजविद्रधिजानसुजान वायुकरजवसंयुतहोय नरकेप्राणहरनेतवसोय॥ अथस्वरघ्नलक्षणं॥ चौपई॥ जोजनग्लानिप्राप्तहोय निरंतर श्वासहिलेवैसोय अरुस्वरभिन्नहोतहैजास शुष्ककंठमुखजानोतास अरुकफहूंकरमार्गप्राण कफरुकावतअैसेंजान तवस्वरघ्नरोगप्रगटावै यहरुजवातहुतेंलखपावै॥ अथमांसतानलक्षणम्॥ चौपई॥ शोथहोयजोकंठमंझार मांसकीलगलकरेविस्तार महाकष्टउपजेपुनतास कंठरुकैक्रमसोंलखजास त्रिदोषजहीयहरोगपछान जानलेहुयहनाशकप्राण॥

॥ अथविदारीलक्षणम्॥

॥ चौपई॥ सूचिवेधइवपीडाजोय कंठहिशोथदाहयुतहोय मांसगलेदुर्गंधीआवै पित्तहुतेंयहरोगकहावै जिसपास्वसोवैनरजोय सोईपास्वविधीरणहोय

॥ अथकंठरोगसामान्यचिकित्सा॥

साध्यरोहिणीकेमंझार रक्तहिमोचछेदहितकार नस्यअरुधूमपानहितजान औरगंडूषेश्रेष्टहिमान वातरोहिणीश्रेष्टसुकहै वाह्याभ्यंतरखेदनअहै अंगुलीयुतवाशस्त्रहिसंग छेदनकरणाजानसुचंग रक्तजमोहितजानप्रवीन रक्तनिकालनइहविधचीन लवणहिसोप्रतिसारणकरे सुखउष्णतैलकवलमुखधरे पित्तरोहिणीविधइहजान रुधिरनिकालेइहविधमान प्रियंगूसिताअरुमधुडार इनकरप्रतिसारणसुविचार प्रथमकफजसोरुधिरनिकारे ग्रहधूमकौडपुनतामोधारे ताहीसोंप्रतिसारणजान ग्रंथकारमतकीनवखान सितदूर्वाअरुवायविडंग दंतिसेंधाकरइनसंग इनसेंतेलपकावेजोय वानसुआरभरेमुखसोय कंठहिरोगकफजहोएदूर मनमोंजानोंनिश्चयपूर वंशलोचनगेरिरसौंतमिलाय तिनकरकंठप्रसारकराय विद्रधिकंठनाशतवजांना ग्रंथकारमतयाहिपछानो द्राक्षाकौडात्रिकुटात्रिफलाय त्वचादालहलदकील्याय मुस्थपाठामूर्वाआन रसौंततेजवलसवसमठान चूर्णकरमधुसाथमिलावे कंठमलैपुनयाकोंखावे रक्तजवातजकफरुजजेते कंठहुकेसबनाशेतेते॥ अन्यच्च॥ पंचमूलकेकाथहिंसंग मुखपूरैतोरुजगलभंग॥ अन्यच्च॥ द्राक्षाफलसेरसमुखपूर कंठरोगयातेंहोइदूर॥ अन्यच्च॥ लोध्रवकममधुकणामिलावे याहिकाथगंडूषकरावे कंठशालूकअवरतुंडकेर नाशहोहिगलरुजाहितहेर यवान्नरसघृतएकहिकाल भोजनकरैंकंठरुजटाल

॥ अथअधिजिव्हाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अधिजिव्हकरोगकंठमंझार उपजिव्हाइवस्थितहितकार जोगिलायुव्याधलखपावे शस्त्रक्रियाताकीपुनगावे गलविद्रधीकंठहोइजिसरोग छेदनतासक्रियाहैयोग कंठरोगमोंहितनसवार रुधिरमोक्षभीहैहितकार ॥ अन्यच्च ॥ हरडकाथमधुसाथजुपीजे कंठरोगयांतेपुनछीजे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पाठामुथूसुरदारपतीस कौडकुटजसमपावोपीस गोमूत्रसाथकाथसोकरे पावैकंठरोगसवटरै विष्णुक्रांतसंखाहुलील्यावे जलसोंपीसजुपानकरावे यांतेकंठरोगसबजाही ऐसेकह्योजुग्रंथकेमाही अन्यच्च नसवार तमालपत्रसितासमभाय कालेमरचसुदुगुणमिलाय घृतपकायकरलेनसवार गलग्रहनाशैंरोगनिवार

॥ अथकालिकचूर्णम् ॥

॥ चौपई ॥ गृहधूमसलोध्रलेयवक्षार पाठात्रिफलात्रिकुटाडार रसोंततेजवलचित्रापावे सबसमपीसैमधुजुमिलावे गलमोंयाकोंलेंपैजोय कंठजुरोगनाशतवहोय

॥ अथपीतिकचूर्णम् ॥

दालहलदमनशिलयवक्षार हरितालजुसेंधाचूरणडार मधुघृतयुतलेपेगलजोय गलग्रहरोगनाशसवहोय

॥ अथयबाग्रजगुटिका ॥

॥ चौपई ॥ यवाग्रजदालहलदपुनआन रसोंततेजवलपाठाजान मघपीप्पलसमसबपीसावै मधुमिलायगुटिकावंधवावै कंठमाहिराखैपुनसोय कंठहिरोगनाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पंचकोलएलातालीस यवक्षारमरचतजपत्रजुपीस दालचीनीजुपलासाहिक्षार तामोडारेपीससुधार दुगुणपुरातनगुडजुमिलाय गुटिकावांधेभलैवनाय सप्तदिवसमुखभीतरधरे यातेंकंठरोगसबहरै ॥ अन्यच्च ॥ दालहलदनिंवतजपत्र हरडइंद्रजवकरोइकत्र तिनकाक्वाथकरोजुवनाय सहितमेलपीवेहितलाय कंठरोगातिसतेंसवनाशें जैसेशंकरत्रिपुरविनाशे इतिकंठरोगचिकित्सा

॥ अथसर्वशरमुखरोगनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ रोगसरवशरतीनप्रकार वातापित्तअरुकफजविचार

॥ अथवातजलक्षणम् ॥

पीडाहोएबिस्फोटनसंग मुखसबव्यासहोयअतिभंग लक्षणभेदकह्योहितजान सोसुनिएमतसुश्रुतमान ताकोवातजलेहुपछान ऐसेभाषैग्रंथनिदान

॥ अथवातजमुखरोगउपाय ॥

सेंधाफटकडीसमयहपाय तप्तनीरमोंताहिमिलाय सीलगर्मजबकरूलीकरें वातरोगमुखतेंसबटरें

॥ अथपित्तजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पीतपिंडिकाबहुसंगदाह तिन्हकरमुखसबव्यापतजाह पित्तजसरवशररोगकहीजे इनलक्षणकरजानपतीजै

॥ अथपैत्तिकमुखरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ कत्थमुलट्ठीसमकरपाय नीरमेलातिसतसकराय मात्तापायकरूलीकरें पैत्तिकरोगतातें-सवटरें ॥ अन्यच्च ॥ उष्णदुग्धघृतकरजुमिलान शहदडालातिनकरतजुपान पैत्तिकरोगमुखतेंसवजाय जैसेशिशिरऋतुपद्मनसाय

॥ अथकफजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पीडारहितकंडुयुतजोय सवर्णपिंडिकाव्यासमुखहोय कफजसरवशरताकोजान ऐसेंक-हैजुग्रंथनिदान अथकफजमुखचिकित्सा

॥ दोहरा ॥ नीलाथोथाफटकडीपीसमलेमुखमाहि मुखतेंजलजुनिकासियेकफकोरोगनसाहि अथ-मुखरोगसामान्यचिकित्सा

॥ मुखपाकयतन ॥

॥ चौपई मुखपाकविषेंशिरवेधप्रमान शिरकारेचनअतिसुखदान ॥ अन्यच्च ॥ घृतगोमूत्रक्षीरमधुचीन इनसोंमुखपूरेजुप्रवीन यहभीश्रेष्टउपायपछानो अवरहुसुनोसुप्रगटवखानो चरवणजातीपत्रपछान अवरहुंभीसुनकरोंवखान ॥ अन्यच्च॥ जातीपत्रजुद्राक्षागिलोय दालहलदत्रिफलाहिसमोय मधुमिलाय-करक्काथसुपीवै मुखकेरोगनाशतवथीवै गंडूषयाहिक्काथसोकरैं मुखकोपाकताहिसोंहरैं ॥ अन्यच्च॥ निं-वजुजंवूअंवपटोल अवरमालतीकदंवसमतोल इन्हकेपत्रनकोकरेक्काथ गंडूषकरावेताकेसाथ याहीतेंमु-खपाकानिवारे यानिश्चयअपनेमनधारे ॥ अन्यच्च ॥ केवलत्रिफलेकोकरेक्काथ मुखप्रक्षालेताकेसाथ मुख-कोपाकदूरहोइजाय ऐसेंकह्योउपायसुनाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मुत्थहरडमुलट्ठपटोल कौडउशीरचंदन-समतोल अरुसप्तछदतासुमिलावे करक्काथपिलायपाकमुखजावे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पटोलशुंठतुम्मा-त्रिफलाय त्रायंतीदोनोरजनीपाय कौडगिलोयक्काथसोकरै मधुसहपियेपाकमुखटरै ॥ अन्यच्च ॥ तिलनी-लोत्पलघृतमधुपाय दुग्धशर्करासंगमिलाय इन्हसोंकरैकरूलीजोय मुखदग्धपाकदाहहतहोय पंचपल्ल-वकोकरेजुक्काथ मधुजुमिलावैताकेसाथ मुखगंडूषकरेतिससंग रुजमुखपाकहोयतिसभंग वकलपंचवृक्ष-कोलीजै अष्टविशेषक्काथतिसकीजै मधुमिलायगंडूषकरेजव रुजमुखपाकसवदूरकरेतव ॥ अन्यच्च ॥ दारूहलदगिलोयजवान चमेलीपत्रद्राक्षासमआन त्रिफलापाइक्काथजोकरे कुरूलीकरेंमुखपाकसोहरे ॥ अन्यच्च ॥ रजनीनिंवपत्रजुमुलट्ठ नीलोत्पलसमकरोइकट्ठ इन्हसोंतैलपकायलगावै मुखकोपाकदूरहोइ-जावै ॥ अन्यच्च ॥ इकपललेहुमुलट्ठप्रवीन नीलोत्पललीजैपलतीन प्रस्थतैलातिंहसंगमिलावै दोयप्रस्थ-दुग्धतिंहपावै सोपकायमुखपूरेतास होवेरोगमुखपाकनाश अथवातांकीलेनसवार वामर्दनकरानिश्चयधार

॥ अथमुखरोगदुर्गंधउपाय ॥

॥ चौपई ॥ कालाजीराकुट्ठमंगावै इंद्रजवलेकरताहिरलावै दिनोतीनयहचर्वणकरे मुखदुर्गंधस-हितव्रणहरे ॥ अन्यच्च ॥ एलावालामुत्थरमुलट्ठ तामोपावैधनीयांकुट्ठ यहसमचूर्णमुखमोंपूर मदिरा-गंधदुर्गंधसुदूर ॥ अथमुखछायीकाउपाय ॥ लोध्रधनियांवचगोरोचन मिरचमहीनपीसेइहकारन करै-लेपजोमुखकोकोई मुखछायीसवदूरहिहोई ॥ अन्यच्च ॥ जाफलपीसलेपमुखकरै तौछायीकोततछिन

नहरै ॥ अन्यच्च ॥ मसूरदूधमोपीसरलाइ घृतामिलाइलेपेसुखपाइ ॥ अन्यच्च ॥ केसररक्तचदंनअरुलोधर खस्समजीठमुलठ्ठपत्रवर कुठगोरोचनहलदीलाख दालहलदीनागकेसरराख फूलप्रियंगूवडकेअंकुर चंवेलिपातमोमसरसोंवचधर तुल्यतेलविचपाइपकाइ मंदअग्निसोंताहिमिलाइ तेलरहेजबपुनकरछाने मर्दनकरैमुखछाईहानै मस्सेआदिजोहोइविकार ऐसारोगसबनिश्चयटार ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्सारोगमुखवंगसेनअनुसार नीकेसमुझविचारकेकरैवैद्यउचार ॥ दोहा ॥ वातपित्तकफतीनमुखरोगहिभेदवखान याहूकेलक्षणमिलैंऔषधताकीठान इतिमुखरोगचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथमुखरोगअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसजरक्तत्रिदोषजजोई उोष्टनमांहिरोगअसहोई सोईरोगअसाध्यपछान ऐसेंभाषैग्रंथनिदान दंतमूलत्रिदोषजहोय अरुसौषिरअसाध्यहैसोय भंजनकश्यावदंतदालनजो दंतनमोंअसाध्यलखजहसो जिव्हामोअसाध्यजुअलास तालुमोअर्वुदलखतास कंठरुजमोंअर्वुदवलास वलयस्वरघ्नविदारीभास गलौघमांसतानपुनजानो शतघ्निरोहिणीएतेमानो कंठअसाध्यरोगयहकैहै जोनिदानग्रंथमोलहै अरुअसाध्यलक्षणलखपावै ताकोंवैद्यत्यागउठजावै इतिमुखरोगेसाध्यासाध्यनिरूपणम् ॥

॥ अथमुखरोगेपथ्याऽपथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ मुखजरोगकेपथ्यकुपथ्यसुनहोमनमोंमीत सोसमस्तवर्णनकरोंशास्त्रनकीज्योंरीत ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपई ॥ रेचनवमनस्वेदपुनजानो मुखकोरुधिरमोक्षपहिचानो औषधपुनगंडूषकरावै सैडआदितृणधान्यलखावै यवमुंगीवनमृगपक्षिमास पटोलकरेलेपथ्यलखतास तोषाक्षीरखैरकत्थकहिये वालमूलिघृतउष्णजललहिये हाफूआद्रकमरचकपूर वस्तुतिक्तकटुपुनतांवूर ॥ दोहा ॥ वदनरोगकेपथ्यजहभाषेभलैविचार सुनहोतासअपथ्यअवनीकेंकरोंउचार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ दंतकाष्टदधिदुग्धस्नानअमलसमस्तमत्सपहिचान अनूपदेशजीवनकोमास गुडअरुरौक्ष्यअन्नलखतास दिननिद्राजुअधोमुखशयन अपथ्यरोगमुखभाषतवयन ॥ दोहा ॥ पथ्यअपथ्यमुखरोगकेकीनेभलेंउचार पथ्यधरैत्यागैअपथ्यसोचतुरासंसार इतिमुखरोगेपथ्यआधिकारःसमाप्तः

॥ अथमुखरोगेकर्मविपाकमाह ॥

॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ मातपितागुरुकीकरैनिंदा सुरब्राह्मणनिंदकनरमंदा अरुअभक्ष्यकोभक्षणकरै मुखकोरोगताहिआवैरै

॥ अथउपाय ॥

॥चौपई॥ स्वर्णहुकेवारूप्यकरो इकहस्तिवनायदोषसबहरो रुप्यकेदोइदांतलगावै स्वर्णनेत्रकरजाहिजुडावै मुक्तकीतिसपूछलगाइ तांबेकेदोइकर्णवनाइ पीतवस्त्रऊपरऔढावै चारद्रोणधान्यपरवैठावै गणपतिनवग्रहपूजेसोय अरुआखेदिग्गजजहहोय विधिवतहस्तीपूजनकरे हवनकरैमनश्रद्धाधरै करसंकल्पाविप्रदेसोय मुखकोरोगनिवारणहोय ॥ दोहा ॥ मुखरुजकेकारणकहेदोषउपायसंयुक्त गलगंडमालारोगकेआगेकरोंसुउक्त.

॥ अथमुखरोगज्योतिष ॥

शुक्रदशाकेअंतरेसूर्यकरेप्रवेश तबमुखरोगजुविकलमनप्राणीहोतक्लेश तांकेदोषनिवारकोंइहविधयं-थधरे सूर्यकीअर्चाकरैविधिवतव्रतहिकरे इतिज्योतिष

॥ अथान्यप्रकारमुखरोगाधिकारकथनम् ॥ तत्रादौकंठरोधवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ रोगकंठरोधहैजाको खुनांकनामफारसकाताको दोइभुजातेंरुधिरछुडावे ग्रीवापीछेपछ-करावे अथवाकंठपछकरसोई रुधिरनिकालदूरदुखहोई अंवलतासहरडमंगवावे दुसांदारेचकताहिपि-लावे अथवाताहिकरूलीकरिए खुनांकरोगताहीछिनहरिए जीरामर्चेकुट्टमंगवावे जौखारगोकाघृतसम-पावे करेकाथगलधोवेकोई अथवाकरेगरारेसोई मांजानामघासकहलावे सिरकेवीचसोइगडकावे पी-सलेपगलऊपरकरिए खुनाकसोजताहीछिनहरिए मघाजौखारजुआइनल्यावे वरावरपीसमखीरमिलावे निशदिनचटनीताहिचटाय खुनाकरोगनिश्चेयहटजाय त्रिकुटाहिंगूकुचलाल्यावे वल्लजुआंइनहरडमि-लावे पुष्करमूलसमाकजोहोई दाडिमधनिआंजीरासोई तज्जकौडचित्रासंगपावे सजिसीसालूणमिलावे कालालूणआनिएसोई तंडुलजलसंगपीसेकोई माशेसातगोलिआंकरिए विनाधूपछायामेधरिए गोली-नित्यनारसंगखावे कंठसोजताहीहटजावे नौतोलेकुलत्थताहिमंगवावे अर्धभागशुंठीसंगपावे चारसे-रगोमूत्रमिलाय चाढअग्निपरसोगडकाय एकसेरकाथरहजावे कपडासेडगलेपरलावे शीतलहोएगर्मकर-सोई वारवारराखेजवकोई दिवसतीनलगएसाकरिए खुनाकरोगताहीछिनहरिए

॥ रोगवंधहोनावाणीदा ॥

॥ चौपई ॥ स्वरभंगरोगहिंदीमतमानो वहतुलसौतफारसीजानो कफहूंकाजवकोपपछाने स्वरभंग-रोगताहीकरमाने वर्चवावचीकुट्ठमंगावे ससिालूणब्राह्मीमघपावे पौनेदोदोमाषेल्यावे ढाईतोलेमधुमि-लावे आद्रकरसमखीरसमहोई करइकत्रचटनीहितसोई मकरराशिसूरजजवआवे तवऔषधदिनदि-नप्रतिखावे स्वरभंगरोगहटजावेसोई वाणीशुद्धदूरदुखहोई मुलट्ठीमघदसमाषेल्यावे भेडदूधअधसेर-मिलावे माषेसातमखीररलाय प्रातपिएवाणीखुलजाय पीनसनजलाखांसीजोई छातीहृदयसीसदुख-खोई ॥ वर्चगिलोईहरडसंगावे वावडिंगशुंठीमघापावे वरावरपीसनित्यप्रतिखाय माषेदसवाणीसुखपाय पकायनुसादरनीरमिलावे गरारेकरेताहिसुखपावे हिंगुमर्चपीसमधुपावे माषेदोईपाककरखावे सीसा-लूणशुंठमघपावे मासेसातकांजीसंगखावे दाडिमपिप्पलमूलमंगाय जौखारमघासंगरलाय वरावरपीस-नीरसंगहोई गोलीकरमुखराखेसोई चूपेरसस्वरभंगहटावे वाणीशुद्धताहिदुखजावे ठुडीतलेपछकरसोई सिंगीलायदूरदुखहोई नीलोफरघृतताहिमंगावे वनफसाघृतवदामघृतल्यावे लेघृतएकगरारेकरिए स्व-रभंगरोगताहीछिनहरिए

॥ अथमुखदुर्गंधीरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ मुखदुर्गंधीहोवतजाको गंधदहाननामकहुताको आमाशयकादोषजोहोई अथवादोष-मसूडेसोई आमाशयजवगरमीजानो नीरलेसलातहांपछानो सोईश्वासवलमुखमेधावे दुर्गंधीदोषता-हिप्रगटावे आगेलच्छणताकोहोई भोजनकरहटजावतसोई ताहियतनएसामनभावे उठेप्रातरुचिभो-जनखावे मस्तकीनागरमोथालीजो कवावचीनीसंगजैफलकीजो जलपत्रीलौंगअगरसंगपावे नीरपीस-

गोलीवंधवावे राखेमुखरसचूपेसोई मुखदुर्गंधदूरतवहोई छिलकाथोंमसोईमुखपावे मुखदुर्गंधीनिश्चित जावे जेकरदोषदूरनाहोई रेचकदेदुखहरिएसोई थोडाभोजननर्मसुखावे भोजनअधिकनथिंदाभावे मसूडेपरदुर्गंधीमांनो ताहियतनऐसाहितजांनो नागरमोथालाचील्यावे कुट्ठमुलट्ठीवालापावे गोलीकररसचूपेसोई मुखदुर्गंधीनाशेहोई पुष्पपत्रजूहीकेल्यावे मरुआकुट्ठवर्चसंगपावे लेसमपीसगोलिआंकरिए राखेमुखदुर्गंधीहरिए तूंवालेकरखालीकरिए ताहींवीचमृत्तिकाभरिए धावेवीजताहुमेवीजे राखभूमिजलऊपरदीजे वूटाहोएपत्रनिकसावे ताहिउखाडखूपपिसवावे गोलीवांधधूपनहिलाय प्रतिदिनरगडनीरसंगपाय मसूडेपरमर्दनकरसोई मलेजीभदुर्गंधीखोई करेवमनवादस्तकरावे अथवाथोडारुधिरछुडावे करेपालहितऔषधमाने मुखदुर्गंधीदूरपछाने ॥

॥ रोगभाराहोनाजीभदा ॥

॥ चौपई ॥ जिव्हास्थूलहोतजवजाकी सिकलजुवांनसंज्ञाताकी वलकरअटकवातनिकसावे रुधिरदोषवाकफप्रघटावे वाआमाशयकोपदिखाय सघनधूंममुखजिव्हाधाय जिव्हास्थूलताहिकरहोई आगेऔषधसुनिएसोई नुसादरपयकामींमंगवावे मरचमघाराईसंगपावे पीसभागसमचूर्णसोई मलेजीभवाणीसुखहोई जौखारपतीसमर्चमंगवावे वरावरपीसजीभपरलावे वारंवारमलेनरसोई जिव्हास्थूलशिथिलताखोई परेरःअकरकरामंगवावे नुसादरमघराईसंगपावे अहलीमवडलईसवंदमंगाय वरावरपीसजीभपरलाय वारंवारमर्दनकरसोई वाणीसुखताहीछिनहोई नुसादरपयकामींमंगवावे मर्चशुंठराईसंगपावे अकरकराजौखारामिलाय खारीलूणकलौंजीपाय सुक्कीमर्जजोसमिलावे कलौंजीलेसमकाथवनावे गरारेकेरसातादिनसोई वानीसुखताहीछिनहोई जिव्हाअतिभारीहोजावे त्वचानिकलवाहिरउठधावे लसूडाछडगुडीसमलीजें पावेमुखरसजिव्हादीजें तौफुनिईसवगोलमंगावे लेसानिकालसोईमुखपावे वारंवारगरारेकरिए सकलस्थूलताछणमेहरिए जेकरअतिखेदलखपावे ताहियतनऐसामनभावे नाडीचारउोष्टकीजोई रुधिरनिकालताहिसुखहोई जीभतलेइकनाडीजानो रुधिरनिकालशीघ्रसुखमानो जेकररुधिरदोषप्रघटावे जिव्हाअतिभारीलखपावे कुलःरोगपरऔषधजोई करेसाईजिव्हासुखहोई जेकरअतिजीभगलजावे ऊपरदाणेदारलखावे भोजनकाठिनकरेनरसोई ताहियतनऐसाहितहोई दांतनवैरवृक्षकील्यावे दोटुगडेंकरजीभछिलावे चंवापत्रकाथजवहोई करुलीकरेतीनदिनसोई जिव्हामलसिगरीहटजावें वाणीसुखभोजनमनभावें जेकरजिव्हास्थूलदिखावे मुखहूंतकछुवाहिरआवे ताहिनुसादरसिरकाल्याय मर्दनकरेदोषहटजाय तलेजीभदोईभुजमानो रुधिरनिकालताहिसुखजानो द्रावकताकरदुखहरसोई करेपथ्यवाणीसुखहोई स्निग्धजीभराखेसुखपाय वाणीशुद्धखेदहटजाय

॥ रोगजीभनीचेजोमांसामिलजावे प्रसिद्धतांदारोग ॥

॥ चौपई ॥ जिव्हातलेमांसवधजावे लच्छणडड्डूसकलादिखावे जफदजुवांननामसोजानो गूकजुवांनदूसरामानो जिव्हातलेनाडीजोहोई करडीहोमिलजावतसोई जिव्हाऊपरजवप्रघटावे हिंदीवल्डीनामकहावे यलदोईकाएकपछानो विनकाटदुखदूरनजांनो आदियतनकरताहिहटावे पुरातनहोएकाटसुखपावे ठुडीतलेजोकलगवाय रुधिरनिकालदोषहटजाय नुसादरमाजूपीसमिलावे जिव्हाती-

चेमर्दनभावे जौखारनुस।दरसज्जीलीजें पीसजीभतलमर्दनकीजें त्रिकुटाहलदीलीजेंदोई माषेसातभुनकरसोई माषाएकखरोटमिलाय मर्दनजिव्हातलेसुखाय मर्चजंगालनुसादरल्यावे जौखारसज्जीसंगपावे पीसवरावरमर्दनकरिए जिव्हादोषताहिछिनहरिए पाछेयत्नमसूडेमाही करेसोइजिव्हादुखनाही

॥ अथरोगफटनाओष्टका ॥

॥ चौपई ॥ वातकोपकरओष्टपकावे तर्कीदनलवनामकहावे रुधिरकोपखुष्कीवधजाय ताहियत्नकरशीघ्रहटाय ॥ दोहा ॥ माजूमधुमिलायकेमर्दनकरिएसोय वातजओष्टविकारसबताछिनदूरीहोय चर्वीलीजेवतककीअथवाकुकडीभाय मर्दनकरिएगर्मकरओष्टविकारनसाय कतीरागूंदनसासततासुपेदामाजुसंग लेसमचर्वीमेलमलकरेओष्टरुजभंग

॥ अथरोगडिगनागलनालुर्केदा ॥

॥ चौपई ॥ कंठवीचलुरकाजोहोई अफतादनकांमनामकहुसोई सोजहोयगलआवेजवही भोजनमेंदुखदायकतवही ॥ दोहा ॥ कंठमाहिलुरकापकेअधिकहोतदुखदाय ताकोकाटेमुडसेंकंचीतेजवनाय नुसादरसीसालूणलेताहिपिसावेकोय तर्जनीऊपरताहिधरलुरकादावेसोय वर्चभलावेफूककेताकीभस्मवनाय वनउपलेकीभस्मकरतींनोभस्ममिलाय तर्जनिऊपरताहिधरवलकरदावेसोय चलेरुधिरदुखदूरहेप्रतिदिनकरसुखहोय खुष्कवस्तुलेकाथकरगरारेकरेसुजांन कंठरोगनिश्चयहरेलुरकाटढतवमांन

॥ रोगकंठरोध ॥

॥ चौपई ॥ कंठरोगआगंतुकमांनो वंथसुधनधरगलूचीजेजांनो कंठरोधहोजावेजाको आगेलक्षणसुनिएताको कठिनवस्तुखावेनरकोई हडीअथवागुलीजोहोई जाकेकंठमाहिरुकजावे तांहूकेहितयत्नवनावे ताहीछिनक्याडीकेमाहीं वलकरसुक्कीमारेताही कंठरोधताहीहटजावे भीतरअथवावाहिरआवे मछीकाकंडाफसजावे छोटाहोएतोऐसाभावे रोटीकाकर्डाकरग्रास निंगलतहींसुखउपजेतास वडाहोएकर्डाजोकोई पतालिवस्तुखावेनरसोई रोगअसाध्ययतननहिभावे विनायतनकैसेसुखपावे ॥ दोहा ॥ कंठरोधजवहोतहैश्लेष्मवातप्रकाश सोजाहोवेकंठमेसुनिएलक्षणतास पीडासिरअरुकर्णमेवामनकेमें होय तोमाजूकेकाथसेंगरारेकरदुखखोय औरऔषधीजोकहीजीभसोजकेमाहि सोईकरदुखदूरहैपीडारहेनताहि.

॥ अथदंतरोगकथनम् ॥

॥ चौपई ॥ जेकरदंतपीडाअतिहोई दर्ददंदांननामकहुसोई जेकरअतिखटेआईखावे वासरदीकरपीडादिखावे कंडेआरीफलरसनासिकदीजे प्रथमदिमागशुद्धकरलीजे रेचकऔषधताहिखुलावे आमाशयफुनिशुद्धकरावे अथवावमनकरेनरसोई कंठउदरशुद्धज्योंहोई फुनिपीडाहरऔषधखावे शीघ्रयत्नकरपीडाहटावे औरएकमतसुनिएसोई अस्थिनाडीपठाजोहोई वीरजहूंतेउत्पतमांनो ताकरदांतवीर्यतेंजानो औरएकमतऐसाहोई भोजनहूंतेंउत्पतसोई प्रथमदांतवीरजतेंजांनो टूटतहेंफिरप्रापतमांनो भोजनदातटूटफिरनाही ताकरनिश्चयवीरजमाहीं औरभेदटूटनकाजांनो अतिभोजनअतिऔषधमांनो शंखिआआदिऔषधीकोई सेवनतेंफुनिटूटतसोई जेकरदांतपीडाअतिहोई ताहियतनऐसासुनसोई

॥ दोहा ॥ सावतसौंफमंगायकेहलदीपीसरलाय रातसमेमुखपायकेकरनिद्रादुखजाय ॥ चौपई ॥ सौंचललूणसुमर्चमंगावे अकरकराहिंगूसमपावे मधुमिलायगोलिआंकरिए विनाधूपछायामेधरिए दांतमूलइकराखोसोई निश्चितपीडादूरतवहोई तुंमेकीजढताहिमंगावे राखेमुखदांतनसुखपावे संभालूपत्रलूणसंगपाय वावडिंगसमभागरलाय पोटलीकरमुखराखोसोई निश्चितपीडादांतकीखोई शनिवारदिनएसाभावे कृष्णधतूरेकीजढल्यावे दांततलेमुखराखोसोई पीडदूरताहीसुखहोई दोईघडीतकमुखमेपावे त्यागेरसभीतरनाहिजावे तुंमागोघृतपायपकावे लेघृततूंवामुखमेंपावे वारंवारगर्मकरसोई दांतमूलधरपीडाखोई अर्ककाष्टलेगर्मकरावे चापेमुखपीडाहटजावे रुधिरआधिकवागरमीहोई रेचकऊषधसेवेसोई सरेरोगकारुधिरछुडावे ग्रीवापीछेपछकरावे जाविधयतनकरेनरसोई पीडादांतदूरतवहोई

॥ रोगलुरकेदीसोज ॥

॥ चौपई ॥ कंठमध्यलुरकाजोहोई सोजताहुपरपीडासोई अथवासोजमसूडेमानो फालुहातमुलाजःनामपछांनो हिंदीपरछीनामकहावे सोजहोएवाशिथिलदिखावे नलाश्वासशिराहिजराजोई खवेभागकंठतेंहोई अथवाकंठमध्यप्रघटावे सिथलहोएनीचेगिरजावे जाविधलच्छणजाकोहोई ताहियलसुनआगेसोई वर्चभस्मकरलीजोसोई हरडपीसताहीसमहोई तर्जनिऊपरसोइरखावे वलकरलुरकाताहिदवावे मसूडेऊपरमर्दनकरिए निकसेरुधिरसोजदुखहरिए वनउपलालेभस्मकरावे मलेताहुपरसोजहटावे माजुसिरकादोईपिसावे मलेताहुपरसोजहटावे लेपकरेशिरऊपरसोई शिथिलतादूरपीडसवखोई तलेदांतकीडालखपावे अथवाखोरामांसदिखावे केशरनागपीसकरलीजैं भांगुरेकारसतामेंदीजैं सातभावनाजाविधहोई वारंवारसुकावेकोई दांतमूलफुनिमर्दनकरिए सोजपीडाताहीछिनहरिए टुडीतलेपछकरवावे तूंवीअथवासिंगीलावे चारोनाडउोष्टकीजांनो रुधिरछुडायताहिसुखमानो संभालुपत्रलूणमंगवावे वाविडंगसमभागरलावे पीसतेलअलसीकापाय करेलेपपीडाहटजाय

॥ रोगहल्लजानादंदोंका ॥

॥ चौपई ॥ उखडदांतहलजावेंसोई गरमीकाफुनिलच्छणहोई फारसहूंकानामपछानो जुंवीदनदंदानवखांनो ताहियतनआगेसुनसोई पुष्टदांतकरअतिसुखहोई पत्रपुष्पजूहीकेल्यावे वाविडंगलोध्रसमपावे फडकडीसमुद्रझगसंगपाय चाडअग्निपरकाथवनाय करूलिआंकरेताहिसुखहोई उखडदांतजढपुखतीसोई जेकरनीरलेसलामांनो ताहूतेदुखदांतपछांनो चंदनमाजुताहिमंगावे छिलकाहरडसुपारीपावे लेसमभागपीसिएसोई मसूडेपरहितमर्दनहोई दांतपुष्टताहीहोजावे सुगमयतनदुखदूरहटावे ॥ चौपई ॥ माईमाजूकत्थमजीठ दोसुपारीदोलाचीपीठ इनकाधूडापीसवनाओ राखोमुखदांतनसुखपाओ

॥ रोगदंदखटेहोजाने ॥

॥ चौपई ॥ खटेदांतजाहुकेहोई कुंदीदंदांतनामकहुसोई जेकरअतिखटेआईखावे ताकरखटेदांतदिखावे वैद्यजतनएसातवभाषे रोटीगर्मदांतपरराखे कुकडांडकीजरदील्यावे खूपगर्मकरदांतमलावे वारंवारगर्मकरसोई दांतमूलपरराखेकोई खटेदांततताहिहटजावे सुगमयत्नकरसुखउपजावे ॥ दोहरा ॥ कफखट्टीजवहोतहैतवदांतनलपटाय खट्टेहोवतदाततवभोजनमेंदुखदाय चौपई वाखट्टीकफसोईमांनो

आमाशयसुखवीचपछांनो हुआडताहुकीदांतनधावे ताकरखट्टेदांतदिखावे रेचकऔषधअतिहितमांनो आमाशयकोशुद्धपछांनो स्निग्धदांतराखेनरसोई खटेआईदूरताहिसुखहोई ॥ दोहा ॥ लीजोजढफुनिआककीचापदांतसंगसोय दांतखटेआईदूरहैअतिसुखप्रापतहोय अथवापीलोंमोमलेचापेवारंवार दांतखटेआईदूरहैकरनिश्चयमनधार.

॥ रोगकुनदा ॥

॥ चौपई ॥ कृमिरोगदांतनकाहोई किर्मदंदांनफारसीसोई कुनदानामप्रसिद्धकहावे आदियतनकरशीघ्रहटावे पुखतदांतपोलानहिहोई तवजहयतनकरेनरसोई कंडेआरीफलपकेमंगवावे सुकायदर्डकरघृतसंगपावे मृत्तिकापात्रइकप्यालालीजें ताकेमध्यछिद्रइककीजें तौफुनिप्यालादूसरहोई भरेनीरसंगराखेसोई लोहेकीइकफट्टील्यावे चौडीअंगुलचारसुहावे लंवीइतनीफट्टीहोई ऊपरफट्टीपूरीसोई तापरकोलेआगभखावे कंडेआरीचूर्णताहिजलावे निकसेधूंमजोरकरसोई दूसरप्यालाऊपरहोई छिद्रहोएसोऊपरकीजें नालिकाएकताहुमेंदीजें तौफुनिनलीताहिसुखपावे कुंनदेऊपरधूंमलगावे अतिधूंमपहुचेजवसोई कीडामरेसहजसुखहोई प्यालाभरानीरकानीचे कीडाझडेताहुकेवीचे पीडादूरकुंनदाहटजावे निश्चयजतनकरेसुखपावे कंडेआरीपांचोअंगमंगावे धोयपीसकररसनिकसावे वारंवारकरूलीकरिए दांतपीडताहीछिनहरिए.

॥ रोगमुखपाका ॥

॥ चौपई ॥ पडेसोंजमुखभीतरजाको यह्मपाकयुतहोवतताको कुलानामफारसमतगावे हिंदीमुखपाकाप्रगटावे अथवाकंठनाकपकजावे छातीजीभपरपाकदिखावे करेयतनसुखपाकाहोई आगेऔषधसुनियेसोई जौंढानामुसककपूरमंगावे पुष्पसेवतीतासंगपावे किकरपिप्पलछिलकालीजें दोचदंनमघतासंगदीजें गूलरजामनछिलकाल्यावे खैरकत्थताहीसंगपावे सौंफइलाचीमेलोसोई पीसछानसमचूरनहोई वारवारमुखधूडापावे मलेवीचमुखपाकाजावे मुलट्ठीजढजलपायघसावे वारवारचाटेसुखपावे करथइलाचीसौंफमंगाय फकीमिसरीमेलवनाय बांधपोटलीमुखमेंहोई चूपेरसमुखपाकाखोई मुलट्ठीजढअरुपद्ममंगावे फकीमिसरीमेलवनावे प्रातरातसेवनकरसोई शीतलजलऊपरहितहोई लेत्रिफलामुखचापेकोई चूपेरसमुखपाकाखोई दूधअधारवालजवजानो अतिमुखपाकाताकीमांनो जोतिसदूधपिलावनहारी वैद्यचिकित्साताहिउचारी ताकोदुग्धशुद्धकरवावे वासलीककारुधिरछुडावे रहेपालपरऔषधसेवे अथवादुग्धऔरकादेवे छिलकावर्चमखीरामिलाय वालककेमुखलेपकराय दारूहर्दलहरडमंगावे चंवापत्रमुलट्ठीपावे मधूमेलपीसेनरसोई पतलालेपकरेसुखहोई जेकरनरवलवानविचारो ताहिवमनकरदोषनिवारो मुनक्काचंवापत्रमंगावे गिलोईहरडवहेडापावे धमाहआमलाआंनोसोई दारूहरदलतासंगहोई लेसमभागक्काथवनवावे वारंवारकरूलीभावे गिलोईमघाजलपायपिसाय गोलीकरमुखवीचरखाय चूपेरसमुखपाकामानो दूरहोतनिश्चयकरजानो निंवबृक्षकाछिलकाल्यावे मुलट्ठीत्रिफलाहर्दलपावे करकेक्काथगरारेकरिए मुखपाकाताहीछिनहरिए जेकरअतीनीरमुखआवे ताहिलौंगमुखपायचवावे चलेनीरहटजावेसोई मुखपाकादुखदूरीहोई पुष्पसेवतीआंनोसोई अथवापुष्पगुलावकेहोई गूलरबृक्षकाछिलकाल्यावे मेलआमलेमिसरीपावे पीसनीरसंगपीवेकोई तींनवारनित्यसेवनहोई अथवावीचकपूरमिलावे सेवनकरमुखपाकाजावे यह्मवीचमुखकरडामांनो लक्षणजिव्हाश्यांमपछानो

तालुछातिकंठजुहोई रहेदाहसुनऔषधसोई अमलतासडिडतोलाल्यावे मिसरीत्रिवीताहुसंगपावे सेव-
नकरेदूरदुखहोई औरयतनआगेसुनसोई ठुडीतलेजोकलगवावे वासिंगीकररुधिरछुडावे हलदीनीरपा-
यपिसवाय चूंनाअर्धचनेसमपाय राखेमुखचूपेरससोई खटेआईआमलीऊपरहोई पुरातनसोईआमली-
ल्यावे थोडीमुखराखेसुखपावे कुलःरोगतुमएसामानो जिगरीरुधिरकंठमेंजांनो श्वेतरंगरुधिरजवहोई
ताकरमुखजलआवतसोई गरमीखुष्कीअधिकपछांनो ताहिस्वादमुखकौडाजांनो खुष्कीवातदोषजव-
होई ताहिस्वादमुखखट्टासोई कलेजेवीचहोतकफजाको खारीमुखदुर्गंधीताको चंगारुधिरहोतहैजवही
ताहिस्वादमुखसुंदरतवही पवनश्वासमुखभीतरआवे कलेजेकासंवंधामिलावे ताकरमुखलक्षणप्रघटावे
वातपित्तकफभेददिखावे कुलःरोगमुखसोजाहोई गलजावेमांसयक्ष्मकरसोई ताहिरंगकाभेदपछांनो
श्वेतलालअरुकालामांनो गर्मीखुष्कीसबसंगहोई कालारंगवुराकहुसोई श्वेतरंगसुखसाध्यकहावे यत्न-
साध्यरंगलालदिखावे कालारंगलालजोहोई आगेऔषधसुनिएसोई दलसेरासिरकामंगवावे तोलेती-
नलूणसंगपावे ताहिधूपमेराखेकोई वारवारमुखमर्दनहोई वारंवारकरूलीकारिए गरारेकरदुखताहिह-
रिए ठुडीतलेजोकलगवावे सरेरोरगकारुधिरछुडावे लालरंगहरतालमंगावे अकरकराताहीसमपावे
कुतरांनमेलमलधोवेकोई मर्दनकरेताहिसुखहोई ईसवगोलनीरसंगहोई उतरेलेसमलेमुखसोई वनफ-
साघृतमुखमर्दनकरिए मुखपाकाताहीछिनहरिए थिंदाअरुखट्टानाहिखावे गरमीकरभोजननाहिभावे
श्वेतरंगमुखपाकाजोई वहुताकरवालककोहोई ताहिजतनऐसामनभावे भेडदूधमुखधारापावे मनक्काप-
त्रपडोलमंगावे मुलट्टीहलदीत्रिवीमिलावे निंमजूहीकाछिलकाआंनो सीसालूणभागसममांनो पीसम-
धुयुतलेपेकोई अथवाक्काथगरारेहोई क्काथकरेथोथासंगपावे गरारेकरदुखदूरहटावे ॥ इतिश्रीचिकित्सा-
संग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांमुखरोगाऽधिकारवर्णनंनामद्वादशेऽधिकारः ॥ १२ ॥

॥ ॐश्रीगणेशायनमोनमः अथगलगंडरोगानिदानानिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ कहोनिदानगलगंडकोभाषारचिअभिराम जगतमाहिभाषैसबीगिल्हडताकोनाम ॥ चौपई ॥ वृद्धअंडकीन्याईजोऊ गलकेमध्यलटकहैसोऊ ह्रस्वहोयवादीर्घहोय गिल्हडनामकहतसबकोय वातअवरकफमेदजुतीन गलतलनाडिमिलैंप्रवीन नाडीफूलगिल्लडप्रगटावै पित्ततेंनाहिहोयज्योगावै.

॥ अथवातजगलगंडलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ श्यामरंगगलनाडीहोई पीडासहितहोतजोसोई अथवाश्यामलालकेसंग गलनाडीहोंवतइसरंग अरुषहुरोउपजैगलगंड चिरकरवृद्धहोयसुअखंड तालुगलसोसुकोकरै मुखमंझारविरसताधरै कदाचितपित्तकरपाकेजोय वातगंडजानोतुमसोय.

॥ अथवातजगलगंडचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ गलगंडचिकित्साकहितहोंसुनलेवोचितधार रोगदूरहोवैतुरतवर्तेइहअनुसार ॥ चौपई ॥ स्वेदअवरमर्दनयामोहित लेपनपत्रबांधनेधरचित अवरवातहरऔषधजोऊ वातजमोंहितकरहैंसोऊ अथलेपन ॥ चौपई ॥ निचुलाअवरसुहांजनेबीज अरुदशमूलपीससमलीज गोमूत्रउष्णसोंलेपनकरै वातजरुजगलगंडहिंहरै.

॥ अथकफजगलगंडलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सवर्णस्थिरशीतलभारीहोय खुरकसहितस्थूलताजोय चिरतेंवृद्धीप्रापतहोई पकेकदाचितजानोसोई पीडाअल्पअल्पसोकरै तिसकरमुखमीठालखपरै तालुकंठजानयहदोऊ लिप्तरहैंहैजानोसोऊ.

॥ अथकफजगलगंडचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वंधनस्वेदलेपयामांहि स्रावकदेतिहसंशयनांहि ॥ अथलेपन ॥ विशालाअवरलेहुसुरदार पीससगोमूत्रहिंलेपसुधार कफकोगलगंडहोवैनाश अवरचिकित्साजानोतास ॥ अन्यउपाय ॥ ॥ चौपई ॥ छर्दशिरोरेचनपुनजानो धूम्रपानरेचनहितमानो फुनभीइन्हीउपायनसंग होयगलगंडकफजकोभंग.

॥ अथमेदजगलगंडलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ गुरुस्निग्धपांडुरंगजान कछुदुर्गंधप्रगटलखमांन पीडाअल्पकंडूबहुहोय तूंबीइवगललटकैसोय मूलहुतैंपतलोलखपैये तनुकेवृद्धवृद्धतालहिये देहक्षीणतेंक्षीणलखावै मुखस्निग्धतासोउपजावै गलकरशब्दकरतहीरहै मेदजगंडकेलक्षणकैह.

॥ अथमेदजगलगंडचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मेदसंयुक्तपुरुषहैजोय देहस्निग्धतासकीहोय तिसकोंनाडीवेदिहिकारि यहभीकह्योउपायविचारि ॥ अथलेप ॥ लीजैंश्यामामनूरागिलोय दंतीअरुरसोंतसमजोय पीसतासपरलेपनकरै मेदजगलगंडकोसोहरै.

॥ अथअसाध्यगलगंडलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ संवत्सरतेंजवऊर्धरहावै परमकष्टसेश्वासनरपावै होयअरुचिजुक्षीणतनुभासै ताकोंवैद्यअसाध्यप्रकाशै अवरभग्नस्वरजाकोंहोय ताहिअसाध्यलखैसबकोय इत्यादिकलक्षणजिंहलहियें जाविधताहिअसाध्यलखेयें ऐसेंगलगंडहूकेताई वैद्यत्यागजावेंनरहाहीं ॥ दोहा ॥ गलकेगंडनिदानकोंभाष्योंभलेवनाय करोचिकित्साआदितिसरोगदूरसुखपाय इतिगलगंडनिदानचिकित्सा.

॥ अथसामान्यगलगंडचिकित्सा ॥

॥ अथलेपन ॥ चौपई ॥ सर्षपयवसुहांजणबीज सणकेबीजअलसीलीज अवरहुमूलीबीजमिलाय समसबलेसूक्ष्मपीसाय अमलतक्रसोंलेपनकरै गलगंडग्रंथिगंडमालाहरै ॥ अन्यलेप ॥ चौपई ॥ रक्षोघ्नतैलकोंलेहुसुधार जलकुंभीभस्मतासमोंडार विधिसोंतापरलेपनकरै इहप्रकारगलगंडहिंहरै ॥ अन्यलेप ॥ चौपई ॥ वराहपूछकोअग्रभागजो अग्निसाथजोदग्धकरैसो भस्मतासकटुतैलमिलाय लेपकरेगलगंडनसाय ॥ अथलेप ॥ चौपई ॥ हस्तीकर्णपलासकोमूल तिसकोंपीसकरैसमतूल तंडुलजलसोंलेपलगाय गलकोगंडनाशहोइजाय ॥ चौपई ॥ श्वेतअपराजितामूलमंगावै ताकोंप्रातहिकालपिसावै घृतसोंगोलकरताहिपिलाय गलगंडरोगनाशहोजाय ॥ अथकटुतुंबीजलादिपानं ॥ चौपई ॥ कटुतूंवीमेंजलकोपावै सातादिवसपर्यंतधरावै वामदिरादिनसातपर्यंत कटुतुंबीमोंधरलखुतंत प्रातहिंउठकरताकोंपीवै गलगंडकोनाशतबथीवै ॥ अथरुधिरमोक्षणविधिः ॥ चौपई ॥ दोनोकर्णोकेजुनिकटतर तीननाडीहैंऊपरऊपर तिन्हकोछेदेपुरुषास्यान नाशरोगगलगंडहिजान ॥ अथहिंसरादितैल ॥ चौपई ॥ हिंसरावरचागिलोयमंगावै त्रिफलाचित्रामघांमिलावै देवदारुयहसबसमलीजे इन्हकोंकूटसुचूर्णकीजे भंगुरारसअरुतैलमिलाय मृदुलअग्निसोंताहिपकाय मधुरलायकरताकोंपीवै गलगंडरोगहरसुखियाथीवै ॥ अथअमृतादितैल ॥ चौपई ॥ गिलोयनिंवजूहींरसाआन मघादेवदारुवलाजुगठान कूटपायकरतैलपकावै पीवैसोगलगंडनसावै जिव्हापार्श्वसिराद्वादशकहिये ताकेवीचजुगकृष्णासुलहिये कुशपत्रवावीडीकेसंग छेदनकरेतिसवैद्यनिसंग रक्तनिकालेतासोंजवहि गुडआद्रकव्रणराखेतबहि जौकोभोजनकरेअभिष्पंद कुलत्थयूषपीवैअभिनंद प्रियंगूमदनमुलट्ठमघआन कुट्ठचंदननिंवमुथ्रसमठान ताहिकल्कसोंतैलपकावै लेनसवारगलगंडनसावै ॥ अथअक्षोटघृत ॥ अक्षोटत्वचाघृतडारपकाय खायरोगगलगंडामिटाय ॥ अथकचनारगुग्गुल ॥ चौपई ॥ तीनभागलीजैत्रिफलाय दोयभागडारोत्रिकुटाय दुगुणत्वचाकचनारमिलावो सबसमगुग्गुलपीसरलावो मधुदशभागमिलावोतास अथवागुटिकाकीजैजास सोगुटिकानित्यभक्षणकरै गलगंडरोगसोतुरतहिंहरै नाडीव्रणगंडमालानाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ दोहा ॥ गलगंडचिकित्सायहकहीवंगसेनअनुसार निश्चयधरयाकोंकरैरहैनताहिविकार गलगंडगंडमालादिकेसबपथ्यापथ्यसमान याहीतेंअबनाकहैआगेंकरोंवखान ॥ इतिगलगंडरोगचिकित्सा ॥

॥ अथगंडमालारोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ गंडमालादिकरोगकेसबकेंकहोंनिदान सोसमस्तविवरैंसाहितजानोंपुरुषसुजान ॥ चौपई ॥ वातपित्तकफतीनजुकहै दुष्टभावजवप्रासहोंलहै मांसरक्तअरुमेंदजुनाडी तिनचारोंकोदेतविगाडी गिरदउन्नतचारोमिलरहै लोकसबीगंडमालाकहै कक्षांमुंहडेगलमंझार संधिकटूरूग्रीवविचार कफअरुमेदइक

छेहोंय इन्हथलगंडउपजावैसोय काकेंनवेंरअथवावडवेर वाआमलेंइवहोंहिसुहेर अतिचिरेकरसापकेप- छान वहुतगंडमालाउपजान.

॥ अथअनुक्रमणिका ॥

॥ चौपई ॥ गलगंडमालाअपचीजोय ग्रंथीअर्वुदयहसवहोय जोगोलाऊंचोहोइजाई सोजग्रंथीया- प्रघटकराई तिहग्रंथीनामकहेसवकोइ पांचप्रकारकीहोवतसोइ वातपित्तकफमेदनसोंसें होतउत्पत्ती- जोइनमोंसें

॥ अथगंडमालाउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ पीतसपार्श्वशूलज्वरकास छर्दइन्होंकरयुक्तजुभास सोगंडमालालखोअसाध्य विनाउप- द्रवकहियेंसाध्य वातादिकत्रैदोषकोपजव मांसरक्तनाडीमेदाहितव इन्हमोंसाउपजाहिविकार उन्नतगो- लहोइशोथविकार ऐसैग्रंथप्रघटतनहोय पांचप्रकारतासकेजोय वातजपित्तजकफजपछान मेदजअरु- नाडीजप्रमान

॥ अथवातजग्रंथीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ गलग्रंथीखिंचियतभासैं मथियतभेदतपीडप्रकाशैं कृष्णवर्णगंडमृदुलखावै चीरेस्वछरुधि- रप्रगटावै वात्तजगंडमालसोकहिये पितजकेलक्षणपुनलहिये

॥ अथवातजग्रंथीचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिंहग्रंथीआमजलखपरै शोथाचिकित्साताकीकरै जोवहिंग्रंथीवातजहोय ताहिलेपकीजे- लखसोय ॥ लेप ॥ हिंसराजकौंडअसगंधागिलोय तालमूलस्योनाकसमोय विल्वविडंगीअगरमिलाय यहसमधेनुमूत्रपीसाय रोगीतनुसोलेपलगावे ग्रंथीरोगनाशहोइजावै

॥ अथपक्वग्रंथीउपाय ॥

॥ चौपई ॥ जोवहग्रंथिपक्वलखपैये चीरदेयकरपूयनिकसैये अगरअर्कविल्वमूलहिकाथ चीरवेधधो- वैतिससाथ पुनएरंडहितरुपत्रमंगावे तिलसैंधायहपीसलगावै जवताकोव्रणशुद्धलखैये तवयहमल्हमता- हिलगैये रास्नाअवराविरोजाजान तैलमिलायसुमल्हमठान ग्रंथीरोगशांतिहोइजावै अपनेमनमोनि- श्चयल्यावै

॥ अथपित्तजग्रंथीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दग्धअंगइवपीडाहोय अतिशयपक्वेज्वलतलखसोय अरुसंतापवहुतसोकरै चीरेपीतर- क्तलखपरै पित्तजलक्षणकिएवखान आगेलक्षणकफकेजान

॥ अथपित्तजग्रंथीउपाय ॥

॥ चौपई ॥ विडंगगिलोयमहुजुमुलठ्ठ दुग्धमांहिसोकरोइकठ्ठ तिंहपकायकरतापरलावै पित्तग्रंथीतुर- ताहिंमिटजावै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ रुधिरजलौकाकरनिकसाय तौभीपित्तजग्रंथीजाय ॥ अन्यउ- पाय ॥ चौपई ॥ दुग्धलसीसोताहिधुलावै तौभीपित्तजग्रंथीजावै ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ काकोलीव- र्गकोक्वाथवनावै तौभीपित्तजग्रंथीजावै ताहिशर्करापायपिलाय निजमनमोनिश्चयलखपाय ॥ अथचूर्ण ॥

॥ चौपई ॥ सूक्ष्मचूर्णहरडबनाय द्राक्षारससोप्रातपिलाय अथवारसइक्षूसंगपान पित्तजग्रंथीदूरपछान

॥ अथकफजग्रंथीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शीतस्पर्शश्वेतरंगहोय मंदपीडवहुकंडूजोय चिरकरवृद्धाहोंवतजान पत्थरकेसमकाठिन-प्रमान जोतिसग्रंथिहिंकोंचीरावे घणीपाकश्वेतनिकसावे ताकोकफजगंडपहिचानो मेदजग्रंथीआगेजानो

॥ अथकफग्रंथीउपाय ॥

॥ चौपई ॥ कफकीग्रंथीजाकोंहोय स्वेददेयवालेपनसोय वांशहुंकीवालोहशलाई तांसेंवेधकरचतुराई काकदंतिकाकादबिडंग तापसबृक्षमूलधरसंग अमलतासससबहीसमलीजैं लेपकरेग्रंथीकफछीजैं ॥ अन्यलेप ॥ चौपई ॥ करंजुअलाबूअवराभिडंगी अवरमेनफललेसबसंगी इनसमस्तकोलेपनकरे कफकीग्रंथीरुजकोहरे

॥ अथमेदजग्रंथीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ देहवृद्धतैंवधहैसोय तनुकेक्षीणक्षीणसोहोय होयस्निग्धविनपीडाजान वडआकारसखु-र्कपछान छेदितघृतवतमेदलखाय मेदजलक्षणकहैसुनाय

॥ अथनाडीजगंडमालालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ व्यायामादितैंनिर्वलजोय प्रसरीनाडीतनुमेसोय ताहिवातसंकुचितसुकावैं उन्नतगोलग्रं-थिप्रगटावैं सोनाडीजग्रंथिकहिगायो कष्टसाध्यसोऊलखपायो

॥ अथमेदजग्रंथिउपाय ॥

॥ चौपई ॥ मेदजग्रंथीजाकोंहोय उपायतासइहाविधिकरसोय तिलकोकुटसवस्त्राहिंबांधे लोहतपायसे-कतिससोंधे मेदजकीग्रंथीमिटजाय इहाविधिकह्योंउपायसुनाय ॥ अन्यच्च ॥ शस्त्रहुसोंग्रंथीचीरावे वा-अग्नीसंघदागदिवावे अथलेप वैद्यजुमूलिकभस्मकरावैं शंखचूर्णसमसंगमिलावैं लेपनकरमेदजमिट-जाय कफअर्बुदग्रंथीनरहाय जोग्रंथीनाडिनपरहोय सयत्नाचिकित्साकीजैसोय कहैनाडिछेदमंभार प्रगटनहोयनसूरविकार ॥ अन्यलेपः ॥ मूलकाचित्रात्वचागिलोय दंतिअर्कदुग्धगुडजोय मिलावै-गुटीअवरकासीस यहसमलेपनकीजैपीस पाषाणन्यायग्रंथीजोहोय जहलेपनसोंनाशैसोय ॥ अन्यच्च ॥ मूलीभस्मजुसज्जीक्षार शंखचूर्णपुनतामोंडार यहसमलेलेंपनतिसकीजै मेदजअर्बुदग्रंथीछीजै ॥ अन्य-उपाय ॥ नाडीऊर्धद्वादशअंगुलीस्थान चीरादेयतिहवैद्यसुजान मत्स्यअंडन्यायदाणेनिकसावै अग्निदा-गपुनताहिदिवावै मल्हमलावैऊपरतास समांसपथ्यदेवेरुजनाश

॥ अथगंडमालादिरोगचिकित्सा ॥

॥ दोहारा ॥ गंडमालादीभेदकीकहोंचिकित्सासार विवरोताकोसमुझकरलीजैचितमोधार

॥ अथअपचीगंडमालालक्षणम् ।

॥ चौपई ॥ अवरभेदयाहीकोलाहिये अपचीनामहजीराकहिये गांठन्यायपाकेंजलवहे अरुचिरलोग-लऊपररहैं अपचीनामातिन्हनकोभाषैं लोकसमस्तहजीराआखैं

॥ अथगंडमालाअपचीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सर्षपनिंबपत्रजुमिलावै समसबलेकरदग्धकरावै छागमूत्रसोंलेपकराय विधिसोंभलीप्रकारबनाय गंडमालअपचीहोएनाश सुखउपजैतनदुतिपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ सरसोंनिंबपत्रसुभिलावै कालीवकरीमूत्रपिसावै लेपकरैअपचीनरहाय निश्चयकरअरुचितमोंजाय ॥ अन्यच्च ॥ अश्वत्थकाष्टनिचुलपहिचान वराहदांतगोदांतसुआन अरुगजदंतसबीसमलीजै अग्निदेयसोभस्मकरीजै गोमूत्रमिलायलेपसोकरै गंडमालअपचीव्रणहरै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ वनकपासकोमूलउखारे कुटतुल्यतातंडुलडारै घृतमोपायपकायसुखाय गंडमालाअपचीमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अलावुपत्ररसदोपलआन ताकोंपीवैप्रातविधान अपचीगंडमालासोनाश अवरकामलाहोएविनाश अथदागविधिः करमणिवंधजुऊपरजानो अंगुलअंगुलभेदहिठानो तीनउष्णताऊपरदेवै गंडमालअपचीनरहेवै अथचंदनादितैलं ॥ चौपई ॥ चंदनअवरहरडपुनलाख वरचकौडयहसमलेराख कुटतैलमोपायपकावै विधिसोंताकोपात्रधरावै प्रातहिकालतांहिकोपीवै गंडमालाअपचीहतथीवै अथत्रिकुटादितैल ॥ चौपई ॥ त्रिकुटासैंधावायविडंग देवदारुमुलट्ठीधरसंग इन्हसमसेंतीतैलपकावै रोगीकोंनसवारदिवावै गंडमालअपचीहोइनाश निश्चयल्यावोमनमोंतास ॥ अथकाकादनीतैलं ॥ चौपई ॥ गुंजामूलनिर्गुंडीकोरस कुसुंभाकांजीलेमेलोतिस फुनिकटुतैलमिलायपकावै पीवैमलैनसवारदिवावै गंडमालअपचीहोयनाश ऐसेंकहीचिकित्सातास अथअजमोदादितैलं ॥ चौपई ॥ अजमोदाजुविरोजाडार दोनोरजनीदोनोखार सिंधूरअगरजालनीमिलापावै अपामार्गहरतालरलावै मनछलआद्रकइटसिटजान इंद्रवारुणीतासोठान अर्कदूधथोहरपयलीजै रससुहांजणेकोसंगदीजै अर्धअर्धपलयहसमपावै छागमूत्रगुणअष्टमिलावै प्रस्थएककटुतैलमिलावै मृदुअग्निसोंताहिपकावै मर्दनतनुनसवारदिवावै गंडमालाचिरकालिनसावै अपचीभीरुजहोवेनाश सातदिवसमर्यादाताश असाध्यहोयतौभीनहिरहै यांमोंनाहीनशंसागहै अथहरिद्रातैलं सिंधूरहरदलमुथूमिलाय अखोटत्वचाअंवाडापाय अर्कथोहरपयदोनोलीजे चतुर्गुणाअजामूत्रमलीजे ताहिकाथकटुतेमिलाय सिद्धकरेमंदअग्निधराय तनुमर्दननसवारजुलेय अपचीगंडमालाहरदेय इतिअपचीचिकित्सा

॥ अथकेवलगंडमालाचिकित्सा ॥

अथकाथ ॥ चौपई ॥ वारुणमूलकाथजोपीजै मधुसंगगंडमालरुजछीजै अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ कचनारत्वचासमशुंठामिलाय चूर्णतप्तजलसाथपिलाय गंडमालादुखहोइहैनाश निश्चयआनोमनमोंताश ॥ अन्यच्च ॥ पलप्रमाणत्वचाकचनार नित्यपीजैसंगतंडुलवार गंडमालारुजहोइहैनाश निश्चयकीजोमनमेंतास अथरक्तमोक्षविधिः ॥ चौपई ॥ जिंव्हातलजोसूत्रकहावत ताकेदोनोउोरलखावत तिन्हद्वादशनाडिपरिमान तिन्हमेदोइअस्थूलमहान तिन्हहिकुशादलअग्रहिंसंग चोभादेवैहोयनिसंग इहविधितातैंरक्तनिकास गुडआद्रकमेलधरोव्रणतास कुलत्थकाथसोंपथ्यदिवावै रोगगंडमालामिटजावै ॥ अथवचादितैल ॥ चौपई ॥ वरचकचूरहलदलेदोय देवदारुहरडेसंजोय इंद्रयवशुंठीमुत्थूपतीस इन्हकेदशदशपलसमपीस चारद्रोणजलपायपकीजे पादहिशेषरहेतवलीजै प्रस्थएकसर्षपकोतैल षटपलत्र्यूषणतिसमोमेल तैलहिद्विगुणचौद्रतिसधरै पुनपकायसिद्धसोकरै मर्दनकरैलेयनसवार दारुणगं-

डमालानिर्वार यथावलतैलपानजोकरै यथेछाभोजनमनमोधरै श्वासकासप्रतिश्यायनिवारै पांडुकामलाअपचिविडोरै ॥ अथनिर्गुंडीतैल ॥ चौपई ॥ निर्गुंडीरसलांगलिकोमूल यहदोनोलीजैसमतूल दुगुणपायजलतैलपकावे मर्दनवानसवारचढावे गंडमालदारुणमिटजाय इहप्रकारसोकह्योसुनाय ॥ अथअखरोटतैल ॥ चौपई ॥ अखरोटवृक्षकीत्वचामंगावै कुटतैलमोंपायपकावै मर्दनकरैदेयनसवार गंडमालकोजायविकार ॥ अथतैल ॥ चौपई ॥ हयमारविल्वनिर्गुंडीलीजै तीनोंकुटतैलमोदीजै पकायमलेअरुलेनसवार गंडमालारोगकोटार ॥ अथत्रिफलागुग्गुलु ॥ त्रिफलात्रिवीनीलनीआनेदंतीअमलतासमठाने यहपंजीपंजीपलपावै कुटचारद्रोणजलठावै मंदअग्निसोताहिपकाय पादशेषरहिलेयछनाय गुग्गुलुपलपचासतिंहपाय पुनमंदअग्निसोताहिपकाय पककरसघनीलखहेजव यहउौषधीपीसिपावैतब त्वचानागकेसरत्रिफलाय एलातजहौवेरत्रिकुटाय अजमोंदाजुकलौंजीठानै दोइजीरेसौंचलमानै अमलवेततितिनीमिलावै पिप्पलामूलसंगपीसरलावै अर्धअर्धपलयहसबजान करमहीनचूरणयहठान चारटांकगुटिकाकरखावै गंडमालअर्बुदभागजावै अपचीग्रंथीहोवैनाश उरुस्तंभउदररोगविनाश ॥ अथछुछुंधरीतैल ॥ चकचूंदरगहितैलपकावै ॥ मलेताहिगंडमालाजावै ॥ इतिगंडमालाअपचीचिकित्सा ॥

॥ अथअर्बुदभेदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातादिकजोदोषप्रकार सबअंगनमोंकरेविकार रक्तमांसमिलग्रंथबतावैं इहस्थिरगोलाकारदिखावैं ऊपरसोंदीसैंसोमोटी मूलहुतैंभासतहैंछोटी बहुचिरकरवृद्धीसोंहोय थोहडीसीपीडाकरसोय सिंवलकेदाणेआकार चीरेप्रगटैंतासमंभार असेंताकोरूपदिखावैं ताहिंरसोलीनरसभगावैं ताकेभेदकरोंसुवखान रक्तार्बुदमांसार्बुदजान वातपित्तकफमेदजमान अर्बुदसोषटविधहींजान अर्बुदरक्तमांसजोजानो लक्षणातिनकेभिन्नसुमानो वातपित्तकफमेदजुकहे लक्षणातिन्हेसमानसुलहे

॥ अथअर्बुदगंडमालाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अग्निक्रियाअरुक्रियाजुक्षार अर्बुदरोगमध्याहितकार लेपनबंधनाक्रियाजुजेती अर्बुदमोंहितकारीतेती

॥ अथवातजअर्बुदउपाय ॥

॥ चौपई ॥ एरवारअवरहुंकरकारू नारयेलपुनप्यालसुडारू एरंडवीजचूर्णकरआन कुटदुग्धघृततैलमिलान अग्निपकायसिद्धसोकरै उष्णउष्णबांधैरुजहरै इहउपायकरस्वेदकराय वातजअर्बुदकोदुखनशाय इहविधिवैद्यजुशुद्धकरावे पुनशृंगिकररुधिरछुडावे

॥ अथरक्तार्बुदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातादिकजोदोषकोपजब रुधिरनाडिइकठौरकरैतब मांसपिंडउपजावैंसोय वधतवधतक्रमसोंवढुहोय मांसांकुरतांऊपरभासैं शीघ्रकुद्धताकोंपरकाशैं अल्पपकैंसोंअल्पाहिंस्त्रावैं रुधिरनिरंतरसोप्रगटावे ताकोंरक्तार्बुदकरजान असाध्ययेंहैकह्योनिदान

॥ अथरक्तजअर्बुदउपायचिकित्सा ॥

चौपई जाकोरक्तजअर्बुदलाहियें तासउपायसुनोंयोंकहियें शृंगीसेतीरक्तनिकासै तबजहरक्तजअर्बुदनाशै

॥ अथपित्तजअर्बुदउपाय ॥

॥ चौपई ॥ पित्तजअर्बुदजाकोहोय रेचनकरवावैनरसोय स्नेहनकरउपनाहजुकरै कोमलपथ्यानिश्चयमनधरै ॥ अथलेप ॥ चौपई ॥ उदुंबरवृक्षशाकतरुजान गोजीवृक्षपुनहींपाहिचान इन्हवृक्षनकेपत्रपिसावै तिन्हकेमध्यमक्षीरमिलावै अर्बुदकोंउपरोंघसलेय तदनंतरयहलेपकरेय पित्तजअर्बुदकाहोयनाश निश्चयआनोमनमोंतास ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ चूरणसर्जरसकाकरवावै प्रियंगूबकमलोध्रपीसावै अर्जुनअवरमुलट्ठमिलाय लेपकरैपित्तअर्बुदजाय

॥ अथकफजअर्बुदउपाय ॥

॥ लेपन ॥ चौपई ॥ अर्बुदकफजउपायसुनीजै प्रथमरक्ततातेंकडलीजै पाछेंविधिसोयतनकराय तांऊपरयहलेपनभाय कबूतरकीविष्टामंगवावै लांगलिलोध्रकांस्यनीलिमिलावै समसबपीसैलेपलगाय तातेंकफअर्बुदमिटजाय ॥अन्यच्च॥ काकादनीमूलीमूलीक्षार लेपकरैकफअर्बुदटार ॥अन्यच्च॥ निष्पावकुलत्थचूर्णपिन्याक समसबकल्ककरेसुनवाक अर्बुदऊपरलेपनकरै वातिसकोमर्दनअनुसरै कफकोअर्बुदहोवैनाश तासउपायकियोपरकाश जोअर्बुदमोंकृमिपडजांहि तासउपायसुनोंयोंगाहिं अग्निक्रियाअरुक्रियाजुक्षार तांऊपरजानोहितकार अरुकृमिहरऔषधहैजोजो तासउपायलखोतुमसोसो ॥ इतिरक्तजअर्बुदचिकित्सासमाप्ता

॥ अथमांसार्बुदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तक्षयतेंमांसमंझार उपजतमांसार्बुदजुविकार उपद्रवतेंपीलोरंगधरै शिलापाषाणअचललखपरै मुष्टिप्रहारादिकसोंमास पीडितशोथकरैपरकाश पकैनाहिपुष्टहोयआवै पीडारहितस्निग्धलपावै मांसभक्षणजहवहुतसुभाय वहुधाताकोंप्रगटैआय असअर्बुदसुअसाध्यकहावै अवरभेदयाकोदर्शावै

॥ अथमेदजअर्बुदउपाय ॥

अथलेप ॥ चौपई ॥ मेदजअर्बुदजिहप्रगटावै तासउपायसुनेंयेंगावै प्रथमस्नेहनस्वेदकराय पाछेतिसकोरुधिरकढाय रजनीवकमलोध्रपुनआन अवरधुआंहामनशिलठान यहसमपीसमक्षीरमिलाय लेपनमेदजअर्बुदजाय

॥ अथअध्यर्वुदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ यहअर्बुदजोश्रवणेलागै अरुकिसमर्ममध्यसोजागै नासाद्वारादिकमोंहोय अध्यर्वुदकहियतहैसोय जोदोदोषनतेंप्रकटावै नामद्विरर्वुदसोउकहावै जामोकफअधिकीलखपैये पकैसोनाहिहृदयलखलैये जामोमेदअधिकजोहोय जानलहोपाकैनाहिसोय ॥दोहा॥ गंडमालावर्णनकरीभेदनकेअनुसार प्रथमचिकित्साजोकरैताहिनिहोंहिविकार ॥ इतिगंडमालादिरोगनिदानंसमाप्तम् ॥

॥ अथशर्करार्वुदउपाय ॥

॥ चौपई ॥ शर्करार्वुदमोंयाहिउपाय क्रियाच्तारअग्नीसुखदाय पुनविष्णुक्रांतागोजीजुकनेर इसकाथहिंब्रणधोयसुहेर जवधोवेब्रणशुद्धजुजाने तवयहऔषधसमलेआने त्रिफलापाठाअवरभिडंगी अरुसंगकुटोवायविडंगी तैलामिलायसिद्धसोकरे ब्रणमोंतैलमलैरुजहरे

॥ अथसामान्यअर्वुदगंडमालाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ थोहरपत्रनकोदेसेक अर्वुदनाशैलखयहटेक ॥ अन्यच्च ॥ लवणाकणोंकोसेकादिवावै तौभीअर्वुदरुजमिटजावे ॥ अन्यच्च ॥ सिक्केकोलेसेकहीदीजें यातेभीअर्वुदरुजछीजे ॥ अथलेपन ॥ चौपई ॥ मूलीअवरहरिद्रालेय दोनोऔषधभस्मकरेय शंखचूर्णइन्हसाथमिलाय लेपकीजियेअर्वुदजाय ॥ अन्यच्च ॥ थोहरकोरसमर्दनकरे थोहरपत्रऊपरबंधधरे अर्वुदपिटकाहोवैनाश निश्चयआनोमनमोताश ॥ अथबंधनं ॥ चौपई ॥ प्रथमहिलेमूलीपीसावे लवणतक्रकांजीसुमिलावे अर्वुदपरयहवस्त्रबंधाय अर्वुदरोगनाशहोइजाय ॥ अथलेपनं ॥ चौपई ॥ वटकोदुग्धतमालकुठलीजै इन्हतीनोकोलेपनकीजे ऊपरवटजटाकुटवंधावे अर्वुदरुजकोदुखमिटावे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ शिग्रुनागरअवरविडंग पुनयवच्तारपीसलेसंग किरलेरक्तहिसाथालिपाय अर्वुदरोगदूरहोयजाय ॥ अन्यच्च ॥ सर्षपयवमूलीकेवीज शिग्रुसरलपीसोसमलीज लेपकरेअर्वुदमिटजाय ग्रंथीगंडमालानरहाय ॥ अन्यच्च ॥ लशुनसरलसुहांजणेबीज मूलीवीजलेहुसमकीज यवहयमारजुसंगमिलाय तक्रसेंलेपनअर्वुदजाय गंडमालग्रंथीहोइनाश बंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ दोहा ॥ चिकित्साहैगंडमालाकीबंगसेनअनुसार चतुरवैद्ययहसमझकेपुनकरहैउपचार ॥ इतिगंडमालाचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथगंडमालारोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ गंडरोगवर्णनकियेसोहैंबहुतप्रकार कह्योंतिन्हनकोवेउरोपथ्यापथ्यउचार ॥ दोहा ॥ गलगंडअवरगंडमालपुनअपचीग्रंथीजान पुनअर्वुदइन्हकेसबीपथ्यापथ्यसमान ॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ रेचनछर्दअवरनसवार स्वेदनाडीशिरवेधविचार तप्तशलाकादागदिवावै उस्तरेसेतीपछकरावै लंघनलेपनजानसुजान पुरातनघृतकरवावैपान लालपुरातनचावलदेवे यवकोटामुंगपथ्यधरेवे लालसुहांजणगुग्गुलुजानो पटोलकरेलेपथ्यपछानो वेतकूमलीपथ्यभनीजैं अवरशिलाजितजानपतीजै रूखीदीपनतीच्णवस्तु यहसबपथ्यलहोपरसस्तु अरुगलगंडरोगमंझार जिव्हातलेछेदनधार ॥ दोहा ॥ कहेपथ्यगंडरोगकेशास्त्रकेअनुसार इनतेआगेजोअपथ्यसोकरहोंउचार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ दुग्धसबीअरुदुग्धविकार तक्रमधुघृतदहीविचार इक्षुविकारगुडादिकजेते अपथ्यगंडरोगमोंतेते मधुरवस्तुगुरुवस्तुपछानो पिष्टअन्नअपथ्यलखमानो जलजीवनकोजानोमास अम्वलसमस्तअपथ्यलखतास ॥ दोहा ॥ पथ्यअपथ्यगंडरोगकेसबहीकीनउचार तजअपथ्यधरपथ्यकोंसमुझकरेउचार ॥ दोहा ॥ गंडरोगवर्णनकियोप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैंपथ्यापथ्यवखान ॥ इतिगंडरोगेपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः.

॥ अथकर्मविपाकेगलगंडरोगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

अथकारणम ॥ चौपई ॥ जोहरलेयकंठकेभूषण तिंहगलगंडहोयसोदूषण ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ तास-उपायकहोंसुनलीजै मूर्तिपार्वतीस्वर्णकरीजें तागलरत्नादिककीमाल पहिरावैहोईकेश्रद्धाल पूजेविप्रश्रेष्ट-कोदेवे गलगंडदोषतैंतवसुखलेवे ॥ दोहा ॥ गलगंडदोषकारणसवीभाष्योतासउपाय स्वराविकारकेदोष-कोंभाषोंसुनाचितलाय ॥ इतिगलगंडरोगदोषकारणउपायःसमाप्तः ॥

॥ अथान्यप्रकारकंठमालारोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ रोगअंजीरहोतहैजाको फारसखनाजीरकहुताको हिंदीकंठमालहैजोई गिलटीसोजकंठमेहोई कारणमुख्यअजीर्णजानो अतिस्निग्धअतिभोजनमानो कंठहोतकंठमालाकहिये वगलहोतकछेआलील-हिये ऊपरगुदावधहैसोई वटांजलीअग्रभागपरहोई जाविधरोगअंजीरांजानो औषधएकसमानपछानो ऊपरअंगुलराखेकोई वलकरदेखवाहरहोई वीजसरीहताहिमंगवावे सुहांजनछिलकातासंगपावे अवरका-सनीछिलकालीजें पीसलेपकांजीसंगकीजें त्रिफलाशुंठीमेलपिसावे दालचीनीसमभागमिलावे पीसम-खीरमेलकरचाटे ताछिनकंठमालदुखकाटे अथवापाकवनावेकोई दोइवखतचाटेसुखहोई इकइकटंक-प्रमाणचटावे खुनाककंठसोजाहटजावे कर्णमूलकीपीडपछांनो ऐसेदोषदूरसबजांनो त्रिफलाशुंठीमघा-मंगावें इलाचीतजगजपिप्पलपावे जीराकृष्णश्वेतलेदोई समाकापित्तरजतांसंगहोई वावडिंगचित्रामंग-वावे त्रायमाणपाठासंगपावे वीजफलसेग्यारपछांनो लूणइंद्रजौतासंगमांनो कृष्णलूणविडलूणजोहोई समुद्रलूणसंगमेलोसोई अजुआंइनवल्लजुआंइनआंनो भडिंगींहलदीसंगपछांनो दालानवडीसंगमेलो-सोई दारुहलदरतासंगहोई सज्जीजौखारसंगपावे सारवानकंडूतासंगमिलावे धनिआंपुष्करमूलजोहोई तरसावःफलखजूरकासोई अमलवेदतवजसंगपावे लेसमऔषधपीसवनावे मखीरतींनगुणलीजोसोई करेचासऔषधसंगहोई दसमासेनित्यसेवनकरिए ताछिनकंठमालदुखहरिए सरीहवृचकाछिलकाल्यावे पन्हीजढसोसंगरलावे लोध्रनागकेसरसंगहोई लेपनरिसंगकारिएसोई तुंमाजढथोहरकलियावे तिलकी-तैलताहुसंगपावे लेपनीरसंगकरिएसोई कंठमालदुखनाशेहोई नक्षत्रज्येष्टामेंसूरजआवे रविवारादिन-यतनवनावे प्रातसूर्यमुखठाडाहोई सरपुंखाजढआंनेकोई कुमारीसूत्रसोइमंगवावे तासंगवांधगलेलट-कावे करेतंत्रनिश्चयकरजांने कंठमालदुखदूरपछाने हडीऊंठकीताजीलीजें रगडलेपताहूपरकीजें कंठमा-लदुखदूरहटावे निश्चयकरअतिहींसुखपावे जंगालनुसादरआंनोदोई निंवूरसमेपीसेकोई पछमारकरलेप-चढावे कंठमालदुखदूरहटावे चचूंदरजीवमारकरल्यावे करेकवावसुकायरखावे लेतिलतैलपीसिएसोई करेलेपदुखनाशेहोई सर्पमांसलेताहिसुकावे चूर्णपीसमहीनवनावे करेगर्मजलकेसंगसोई लेपकरे-दुखनाशेहोई जेकरसतसतमासेखावे इक्कीदिनतकरोगहटावे स्थानअंजीरांपछकरावे पीससं-खिआऊपरपावे ताकरसुखपकजावेसोई अंगुलसंगदवावेकोई गिलटीहोएसोवाहरआवे दंम्मुलखव-यनऔषधल्यावे गोघृतमेलपीसिएसोई मलदनकरेशीघ्रसुखहोई निंवपत्रलेसागवनावे ऊपरवांध-शीघ्रसुखपावे जेकरताहिछिद्रलखपावे संखिआघृतदिनआठलगावे जवतकभीतरखुर्कवखांने भीतर-गर्मचीजलखमांने तवतकयतनकरेनरसोई घृतवत्तीसंगभीतरहोई संखिआघृतभीतरपहुंचावे निश्चय-कंठमालहटजावे पारानीलाथोथाल्यावे आमलेसारगंधकसंगपावे संखिआमेलभागसमदोई छेछेमा-

षेलीजोसोई तोलेचारतेलतिलल्यावे थोहररसनिंबूकापावे औषधपीसमेलिएसोई काचपात्रमेराखेकोई हिलावेखूवकार्यमेल्यावे तैलसंखिआदोइहटावे इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाशभाषायांगलगंडमालारोगकथनंनामत्रयोदशोऽधिकारः ॥ १३ ॥



॥ अथस्वरभेदरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ योंस्वरभेदनिदानकोंभाषोंभलेवनाय जैसेंभाष्योंग्रंथमोंतैसेंकरसुखदाय॥ चौपई ॥ स्वरभेदउत्पतऐसेंजानो अतिऊंचेबोलनतैंमानो अत्युचवेदपडेनित्यजोय अतिवलछर्दकरेतदहोय कंठमध्यलोष्टकाप्रहार तातैंभीयहहोतविकार कुपितवातपित्तकफयहतीन स्वरवाहनाडीचारजुचीन तिन्हेप्रवेशकरेतहतीन हननकरैस्वरलखोप्रवीन सोस्वरभेदजुषटपरकार ताकोविवरोकरोंउचार वातपित्तकफक्षयहहोय सन्निपाततैंजानोसोय अरुत्रयधातुहुतेंयोंजान मेदविकारहुतैंपुनमान ॥

॥ अथवातजस्वरभेदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मुखचक्षुमूत्रअवरविष्टाहू श्यामरंगहोवतहैंताहू गर्दभकेसमशब्दवखानै वातहुतेस्वरभेदपछानै ॥

॥ अथस्वरभेदरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ स्वरभेदचिकित्साकहितहोंवंगसेनअनुसार याकोंसमझपछानकेपुनकीजैउपचार ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ कासमर्दकभंगराकंड्यारी इन्हकोरसलीजैसविचारी समत्रैरसघृतपायपकावै खायवातस्वरभेदमिटावै ॥ चौपई ॥ घृतगुडभातमिलायजुखावै ऊपरतेंजलउष्णपिलावै वातिकहोइस्वरभेदविनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥

॥ अथपित्तकृतस्वरभेदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मुखनेत्रमूत्रविष्टाहैजोई पीतवर्णहोइजावैसोई दाहयुक्तगलवचनउचारै पित्तकृतसोस्वरभेदनिहारै ॥

॥ अथपित्तकृतस्वरभेदचिकित्सा ॥

॥ अथरेचनविधिः॥ चौपई ॥ दुग्धकढायमधुरकछुपावै तामोरेचनवस्तुमिलावै पीवैरेंचनकरावैजोय पित्तस्वरभेदनाशतवहोय ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ चूर्णपीसमुलट्ठकरवावै मधुपुनपावैताहिचटावै ॥ अथशुंगाद्यंघृतं ॥ चौपई ॥ क्षीरीतरुत्वचापीसाय दुग्धमेलकरअग्निचढाय पीसमुलट्ठीताहिरलाय ताकेसंगघृतसिद्धकराय घृतमधुमिसरीपायपिलावै याहीविधिघृतपानकरावै पित्तस्वरभेदउपायवखान्यो जैसेंग्रंथहुतेंलखमान्यो ॥ होइस्वरभेदरोगकोनाश निश्चयनिजमनजानोतास ॥

॥ अथकफकृतस्वरभेदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मुखचक्षुमूत्रविष्टायहचार श्वेतवर्णलखयतसविचार कफकरकंठरुक्योसोवोलै दिवसविशेषवोलभूडोलै काहेदिनमोकफअधिकार वहुतनहोतकीनउच्चार,

॥ अथकफकृतस्वरभेदचिकित्सा ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ मघापीपलअरुपिप्पलामूल शुंठीमरचलेहुसमतूल गोकेगोमूत्रसाथयहखावै कफजरोगस्वरभेदमिटावै ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ हरडआमलेअरुयवक्षार यहसमअग्निभूनकरडार मधुघृतपीसमेलजुचटावै कफकृतरुजस्वरभेदनसावै ।

॥ अथसन्निपातस्वरभेदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्तकफचिन्हजिंहलहिये सन्निपातस्वरभेदसुकहिये सोस्वरभेदअसाध्यपछान निदानग्रंथमतकह्योसोमान ।

॥ अथसन्निपातस्वरभेदचिकित्सा ॥

अथकाथ ॥ चौपई ॥ अगरदेवदारूकोंआन दालहलदसमलेहसुजान काथपकायजुव्याधीपीवै रुजस्वरभेदनाशतवथीवै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ लुघुकंड्यारीअरुसुरदार शुंठीवांसासमलेडार करेकाथप्रातहिंउठपीवै रुजस्वरभेदनाशतवथीवै हरडचूर्ण हरडपीसकरचूर्णवनावै मघावाशुंठमिलायजुखावै होइस्वरभेदनाशलखपाय नामहरडचूरणकहिगाय

॥ अथधातुक्षयकृतस्वरभेदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ होतधातुक्षयक्षीनपछानो तिहस्वरभेदहोतमनमानो धूमहुतेंभीहोवतजान येंस्वरभेदरोगपहिचान

॥ अथधातुक्षयकृतस्वरभेदचिकित्सा ॥

अथदुग्ध ॥ चौपई ॥ जिंहनशब्दउच्चनिकसाय ताकोसुनहोंकहोंउपाय मुलट्ठपीसशर्करामिलावै अरुमधुपावैदुग्धपकावै सोंऊदूधनित्यजोंपीवै ऊचोंशब्दहतस्वरजोथीवै जोश्वासकासचिकित्साकही सोस्वरभेदमध्यलखसही.

॥ अथमेदकृतस्वरभेदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मेदमिंझकोंनामकहीजै तासविकारहुतेंलखलीजै कंठजुकफकरलिप्तलखावत तृषाबहुतहोइयोंलखपावत.

॥ अथमेदकृतस्वरभेदचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अथाविलह ॥ वधरीपत्रघृतमेंलेमून लवणमिलावेताकोचून नित्यप्रातहिंउठचाटेतास होइस्वरभेदरोगकोनाश जाकोंहोयवृद्धरुजभेद सोजोउपजावेस्वरभेद तासचिकित्साकफकीठानै रोगजायव्याधीसुखमानै.

॥ अथसामान्यस्वरभेदचिकित्सा ॥

॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलाअरुयवक्षार पलपलयहसमपीससुधार सेंधातेलमिलायजुखावै वातजरुजस्वरभेदमिटावै जोयहचाटेघृतमधुसंग होइस्वरभेदपित्तकृतभंग तालीसआदिलवंगआदिकर जवानशुंठसितोपलादिवर चूर्णइनकोउदितमहान सुरभेदमाहिश्रेष्टकरमान ॥ अन्यच्च॥ वातजभोजनघृतसोंपान वृहतीरसयुतघृतहिप्रधान कफस्वरभेदमांहितहैयेह कटफलादिचूरणशरतेह पुनजवक्षारजवानीमान चित्राअमलघृतसिद्धप्रधान ॥ अन्यच्च ॥ मयूरातितरदशमूलहिकाथ कंडियारीत्र्यूषणविल्वहिसाथ इनकरकाथवाघृतसिद्धहोय स्वरभेदमाहिश्रेष्टहैसोय ॥ अन्यच्च ॥ पित्तशतावरीचूर्णप्रमान वलाचूर्णसंगदुग्धप्रधान ॥ अन्यच्च ॥ दुग्धमुलट्ठीघृतयुतपीवे पित्तस्वरभेदहननातिहथीवे मधुजकटुक्षारचाटेजोय रुजस्वरभेदकफजकोंखोय अवरश्रेष्टंकठस्वरहोवै शब्दरागअतियकरसोंवै गलतालुजिव्हामंझार दंतमूलकफआश्रितधार ताहांकफकोवाह्यनिकाले स्वरप्र-

सन्नसोईकरडाले अथव्याघ्रादिलेह चौपई लघुकंड्यारीशतपलआनो पिप्पलामूलपंजाहपलठानो पंजीपलचित्रालेपावै पंजीपलदशमूलमिलावै दोइद्रोणजलपायपकाय आढकशेषरहैतोछनाय आढकघृतगुडपायपुराना पत्तपकावैपुरुषस्याना पुनमघअष्टपलपीसमिलावै त्रिजातकएकपलताहिरलावै इकपलमरचकुडवमधुसंग वलअनुसारसेवरुजभंग स्वरभेदकासपीनसअरुश्वास मंदाग्निअर्शगुल्मसुनिकास गलग्रहमूत्रकृच्छ्रप्रमेह अवरअफारानाशेएह ॥ अथकाथघृत ॥ चौपई ॥ जोस्वरभेदरोगमंझार कासशोषकरहैंसंचार कंडयारिकेकाथहिवीच काथखर्जूरहिंघृतलेसीच मंदअग्निघृतसोऊपकावै खावेशोषस्वरकासमिटावै ॥ अथचवकादिगुटिका ॥ चवकातिंतडीत्रिकुटापाय अमलवेतचित्रासमभाय वंशलोचनजीरासंगलीजै त्रिसुगंधमेलगुडमर्दनकीजै वलनिहारगुटिकासोखावै स्वरभेदअरुचिपीनसकफजावै ॥ अथघृत ॥ कंडयारीलघुरसनिकसाय रहसणगोखुरत्रिकुटापाय यहसमघृतमोपायपकावै खावैकासस्वरभेदनसावै हरीआर्द्रऔषधजोहोय कूटछानलीजेरससोय जोऔषधसूकीलखपावै ताकोरसइहभांतकढावै अष्टगुणाजलपायपकाय अष्टमभागरहैतोछनाय हिकाचाईश्वासअरुकास जोइन्हमोकरिवस्तुप्रकाश तिंन्हमोकंठस्वरहितकरकही सोस्वरभेदरोगमोगही घृतमिलायसोऔषधदेवै होइस्वरभेदनाशलेखलेवै इतिस्वरभेदचिकित्सासमाप्ता

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ चीणमांसचीणवलजोय वृद्धअवस्थाप्रापतहोय अरुचिरकालकंठरुक्योजान जन्मसमयतेंलाग्योमान मेदवृद्धनाडीजिसरोके जोत्रिदोषतेआकररोपे एतेसबस्वरभेदवखानै अहैंअसाध्यसुलखास्पानै ॥ दोहा ॥ यहस्वरभेदनिदानहैसमझलेहुमतसार समुझचिकित्साजोकरैताकीहोयनहार स्वरभेदचिकित्सायहकहीसमझलेहुमतसार आगेंयाकेपथ्यअपथ्यसुनहोकरौंउचार

॥ अथस्वरभेदपथ्यापथ्यनिरूपणम् ॥

॥दोहा॥ स्वरभेदरोगकेपथ्यअपथ्यसबहीकहोंसुनाय जैसेवैद्यकग्रंथतेंसमुझेचित्तलगाय ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपई ॥ वस्तीकर्मस्वेदपुनजानो धूम्रपानरेचनपुनमानो मुखधावनअरुवमनपछानो नस्यअवलेहअवपीडनमानो विविधस्निग्धनिगलनपरिमान तंडुललालयवकोटाजान शिरअरुमस्तकरुधिरनिकासे मदिराभखडापथ्यप्रकाशे कुक्कटमोरमासरसलेवै वालमूलिकाजामनसेवै काचमाचीजीवंतीलही कपित्थशालूककंदपुनसही ॥ दोहा ॥ हिकाश्वासअरुकासकेजेऊअपथ्यवखान तेअपथ्यस्वरभेदकेजानोपुरुषसुजान ॥ इतिपथ्यापथ्यं ॥ दोहा ॥ स्वरभेदरोगवर्णकियोप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यवखान ॥ इतिश्रीस्वरभेदरोगःसमाप्तः ॥

॥ अथकर्मविपाकेस्वरभंगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ जोविष्णुकथामोंगर्वअनुसार विघ्नकरैमतिमंदगवार अरुअपनापांडित्यजनावै इसपापहिंस्वरभंगादिखावै ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ विधिवतपुस्तकपूजावनाय दानदेयविप्रहिहितलाय स्वरभंगदोषतैंमुक्तीहोय निश्चयमनमोंजानोसोय ॥ दोहा ॥ स्वरभंगदोषवर्णनकियोकारणसहितउपाय छर्दिदोषवर्णनकरोसुनहोमनचितलाय ॥ इतिस्वरभंगदोषकारणउपायःसमाप्तः ॥

॥ अथस्वरभंगज्योतिष ॥

कर्कमाहिमंगलपडेतांपरदृष्टिशनी स्वरभेदहोइतानरहिकोनिश्चयजानधनी मंगलशनिकीपूजनाहरैकंठकीहान श्रेष्टउपायतिहजानकेकरेबिचारमहान ॥ इतिज्योतिषम् ॥

इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाशभाषायां स्वरभेदाऽधिकारकथनंनाम चतुर्दशोऽधिकारः ॥१४॥

॥ अथछर्दरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ छर्दनामडाकीलहोताकोकह्योनिदान वैद्यकग्रंथनमोंकह्योसोलखलेहुसुजान ॥ चौपई ॥ छर्दरोगकोसुनोप्रकार एतनसोंसोहोतविकार वातपित्तकफअवरत्रिदोष छर्दकरेंनरलहैनतोष अवरप्रकारसुनोंतुमसोय इन्हवस्तुनतेभीसोहोय भ्रष्टवस्तुदेखेजोकोई अरुनिषिद्धगंधीलखसोई अरुनिषिद्धमाषीतेंआद तिसभोजनतेहोतविषाद अरुविकृतजोवस्तुनिहारे छर्दहोतयहनिश्चयधारे अतिनिषद्धभोजनजोखावै अतिस्निग्धखावैदुखपावै अरुजोहृदयरुचैहैनाहीं तिन्हकोभक्षणछर्दकराही लवणपानजोऊनरकरै तापरछर्दवहुतवलधरै अतिभोजनजोकरैअकाल छर्दहोयतिंहकरैविहाल अरुजोकोऊवहुश्रमपावै मनउद्वेगजासकोंथावै अवरअजीर्णतैंभीजानो कृमिकेदोषहुतेंभीमानो जोअतिशीघ्रहिंभोजनकरै अतिदौडततेभीउच्चरै गर्भसहितजवउस्त्रीहोय छर्दतिसेअवजानोसोय ॥ अथछर्दपूर्वरूपमाह ॥ ॥ चौपई ॥ जिसेछर्दहोनेपरआवै एतेलक्षणप्रथमलखावै मुखविकृतअंगभंगकरावत रुकैडिकारविमनहोइजावत तुरतहिंमुखतेंजलचलआवत अवरसलूणामुखहोइजावत अन्नपानमोंउपजैद्वेष प्रथमछर्दतेंलखोविशेष.

॥ अथवातकृतछर्दलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हृदयपार्श्वमोपीडाहोय मुखसूकैशिरमोंदुखजोय नाभिविषैभीपीडाथावै वडेशब्दजुउडाकीआवै कष्टसहितजोडाकीकरै अल्पअन्नवाहिरसंचरै कासज्वरमुखफेनचलावत करवायवमनवातछर्दकहावत

॥ अथवातछर्दचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ कहोचिकित्साछर्दकीग्रंथनकेअनुसार रोगनिवारेदेहतेंकरैजुसमझविचार ॥ घृतपानविधिः ॥ चौपई ॥ सेंधासहितकरैघृतपान होईहैवातछर्दकीहान अथवातीनोलवणमिलाय घृतकोंपीवैछर्दनसाय अथवात्रिकुटाघृतकेसंग पीवेवातछर्दहोईभंग मुंगआमलेसमकरकाथ सलवणपीजियेघृतकेसाथ वातछर्दकोहोवैनाश निश्चयमनकीजैविश्वास ॥ अथदुग्धपानं ॥ चौपई ॥ जेऊदुग्धअजागोहोय तताहीजलताहिसमोय असेंदुग्धकरैजोपान होइहैवातछर्दकीहान ॥ अथकाथयवागू ॥ चौपई ॥ पंचमूलकोकीजेंकाथ मेलयवागूताकेसाथ मधुमिलायकरताकोंपावै नाशवातछर्दकोथीवै ॥ अन्यच्च ॥ ॥ काथ ॥ चौपई ॥ धनीयांशुंठअवरदशमूल करकाथसबलेसमतूल इसकाथहिंकोंपीवैजोय नाशवातछर्दकोहोय घृतवादुग्धदशमूलसोंसिद्ध वातछर्दमोंलहैप्रसिद्ध अन्यच्च शिखितित्तरवर्तकीरसमास घातछर्दमोंश्रेष्टलखतास ॥ अन्यच्च ॥ मुनक्कामधुसंयुक्तचटाय अतीछर्दकोदूरकराय

॥ अथपित्तकृतछर्दलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मूर्छातृषाभ्रममस्तकतास तालुनेत्रसंतापप्रकाश छर्दतसनिकसेदुखदाई मुखसोखदाहकटुधूमदिखाई पीतहरितलालरंगजान असीछर्दहोयपित्तसमान

॥ अथपित्तछर्दचिकित्सा ॥

॥ अभयवागू ॥ चौपई ॥ लाजामधुरमुंगयवपाय यवागूसमयहलेहुपकाय मधुमिलायकरखावेसोय माशपित्तछर्दकोहोय ॥ अथमृत्तिकाजलपानविधिः चौपई ॥ तृषावहुतजिहछर्दहिंहोय तासउपायकहोसुन॰

सोय विकनीढीममृत्तिकाल्यावै ताकोंअग्निमध्यपकावै तप्तभईसोजानैजवै जलमोंडारदेयसोतवै तृषाछर्दकोंजलसुपिलाय तृषासहितपित्तछर्दमिटाय ॥ अथरसपान ॥ चौपई ॥ धात्रीफलकोरसनिकसावै चंदनमधूमिलायपिलावै पित्तछर्दकोहोइहैनाश निश्चयमनमोकरिएतास ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ चंदनतगरकमलकोभेह वलावांसाइहसमकरलेह यहसमचूर्णमधुसुमिलाय तंडुलजलसोंपीयदुखजाय अथअविलेह ॥ चौपई ॥ मुंगभूनलाजासोमलीजै मधुमिसरीताकेसंगकीजै चाटैछर्दपित्तकीजाय तृषादाहअतिसारनसाय ॥ अन्यच्च ॥ कमलवीजलाजामधुएला मिसरीसमकीजोइकमेला चाटेताहिछर्दपित्तजाय सुखउपजेतनुदोषमिटाय ॥ क्वाथः ॥ पित्तपापडेकोकरक्वाथ मधुतामोकीजैइकसाथ पीवैछर्दपित्तज्वरनाशे रुजविनहोवेसुखपरकाशे ॥ अविलेह ॥ चौपई ॥ केवलहरडचूर्णमधुसंग चाटेपित्तछर्दहोइभंग ॥ क्वाथ ॥ चौपई ॥ त्रिफलानिंबूगिलोयपटोल यहलीजेसबहीसमतोल मधुमिलायकरपीवेजोय नाशछर्दपित्तकोहोय ॥ अविलह ॥ मधुचंदनमिसरीसमपाय चाटैपित्तछर्दमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ लाजामधुघृतसंगमिलावै चाटेपित्तछर्दमिटजावै

॥ अथकफकृतछर्दलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तंद्रामुखमीठापहिचानो मुखतेंकफनिकलेयोंमानो होयअरुचिगौरवताहोय रोमउठेंतनुमोंदुखसोय सघनस्निग्धमधुरजोअन्न छर्दकरैजोकफकरजन्न थोहडीसीपीडाभीहोय कफकृतलक्षणजानोसोय.

॥ अथकफछर्दचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमव्याधहिंवमनकरावै पाछेंतेऔषधअचवावै ॥ अथअविलेह ॥ समलेत्रिफलाशुंठविडंग नित्यचाटैइहमधुकेसंग कफकीछर्दनाशयहकरै यहनिश्चयअपनेमनधरै ॥ अन्यच्च ॥ ककडीश्रृंगीजवांहामुस्थर मधुसोंचाटैछर्दकफकीहर.

॥ अथसन्निपातत्रिदोषजछर्दलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शूलअरुचिविपाकअरुदाह तृषाश्वासमोहउपजाह अन्नसलूणाअमलनिकासे नीलारक्तवर्णपरकासै सघनउष्णवमनजोआवै त्रिदोषजलक्षणऐसेगावै.

॥ अथत्रिदोषजछर्दचिकित्सा ॥

पाणा ॥ चौपई ॥ धात्रीफलपलशर्करापछान लाचामधुइकपललेठान कुडवएकजलपायपिसावै वस्त्रछानकरताहिपिलावै त्रिदोषजच्छर्दहोयतवनाश निश्चयकीजेंमनमातास ॥ अन्यच्च ॥ मसूरनकेसत्तूवनवावै मधुरलायदाडिमजलपावै जाकोंरोगीपीवैजोय छर्दत्रिदोषनाशतवहोय ॥ अथक्वाथ ॥ विल्वगिलोयसमक्वाथसुधार तामोलीजैमाष्पोंडार व्याधीयाकोंपीवैजोय नाशैंछर्दत्रिदोषजहोय ॥ अविलेह ॥ चौपई ॥ एलालाजामुथप्रियंगु वेरगिरीसुंठीजुलवंगु चंदनगजकेसरमघसमपाय चूरणमिसरीसितारलाय मधुमिलायकरचाटैसोय नाशत्रिदोषछर्दकोहोय ॥ अथसाधारणविधिः ॥अविलेह ॥चौपई॥ वेरगिरीमघाशुंठमंगावै लाजात्रिफलासमलखपावै मधुधात्रीफलरसकेसंग चाटैहोयछर्दकाभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ वेरगिरीमुरमाप्रियंगुतास मुथसवीरचाटदुखनास ॥ अन्यच्च ॥ त्रिकुटाएलापत्र

अतलीस दालाचीनीसमयहलेपीस मधुमिलायकरकोंईचाटै छर्दव्याधिसबविधिकीकाटै ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ वेरगिरीधात्रीफलगीरी स्वर्णमखीमधुसमधरमिसरी पुनविडलवणमिलावैतास चाटैहोयछर्दरुजनाश ॥ अन्यच्च ॥ मघाचूर्णमधुसंगमिलाय तंडुलजलयुतछर्दमिटाय ॥ अन्यच्च ॥ लाजामघामरिचसमआन कपित्थमखीरजुकरोमिलान रोगीहितकरचाटैतास होइहैछर्दरोगकोनाश ॥अन्यच्च॥ हरेडात्रिकुटाधनीयांजान जीरासममधुकरोमिलान चाटैव्याधीनित्यउठयाहि छर्दरोगतासोंभगजाहि ॥ अन्यच्च ॥ हरडेंमरचांमघांगिलोय सममधुचाटैछर्दरुजखोय ॥ अन्यच्च ॥ मनशिलत्रिकुटालाजाठान कपित्थआमलेरससमजान मधुमिलायकरचाटैसोय छर्दरोगनाशतवहोय ॥ अथभस्मजल ॥ ॥ चौपई ॥ अश्वत्थत्वचाकोंसोजलपीवै तुरतहिंनाशछर्दकोथीवै ॥ अथरस ॥ कपित्थअवरधात्रीरसलीजे मरचमघांमधुपाकरपीजै ततच्छणहोयछर्दकोनाश रोगीकेमनहोयहुलास ॥ अथअविलेह ॥ सोंचलमरचमघजीराठान मधुसोंचाटैछर्दकीहान ॥ अन्यच्च ॥ विजौरेकेरसमधुजुमिलावै लाजामिसरीमघांरलावै याकोंचाटैरुजीनिहार छर्ददूरहोइसकलप्रकार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मघमरिचलाजासितालहीजै मधुसंयुक्तसुप्रभातकरीजै रोगीचाटैतासोंजोय नाशछर्दरोगसबहोय कपित्थाहुकोरसलेततकाल अवरविजोरेकोरसघाल चाटैछर्दरोगकोंटाल रोगकोंपतजहोयनिहाल ॥ अन्यच्च॥ माखीविष्टाधनीयांचित्रा वेरगिरीद्राक्षासमामित्रा मधुमिलायकरचाटैजोय नाशछर्दरोगकोहोय अथकाथः ॥ चौपई ॥ आंबागिरीविलगिरीपछान समयहलेकरकाथसुजान मिसरीमाप्पोंसंगमिलावै छर्दअवरअतीसारामिटावै ॥ अन्यच्च ॥ जंवूअंवपत्रसमआने काथकरैपुनशीतलठानै लाजाचूरणमधुसुमिलावै पीवैछर्दअतीसारनसावै ॥ अन्यच्च ॥ घृत॥ पद्मगिलोयनिंवलखलीजै धनीयांचंदनइकसमकीजे काथकरैघृततााहिपकावै खावैछर्दतृषामिटजावै दाहअरुचिकरहैयहनाश रोगीहोइअरोगहुलास

॥ आगंतुकछर्दलक्षणम् ॥

पूयमेध्याधिदर्शनजान दुर्गंधस्वादतेदूजीमान गर्भयुतइस्त्रीतीसरकहिये अजीर्णभोजनचौथीलहिये कृमिमच्छीभच्छणतेहोय आगंतुमिपंचविधजानोसोय तिनकेलच्छणएकसमान कृमितेंउपजेभेदपछान शूलअवरहृल्लासबहुहोय कृमिदूदरोगलच्छणयहसोय

॥ अथमाखीभच्छणादिगिलानदिकीछर्दकीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ माखीभच्छणादिजुगिलान तातेंउपजैछर्दसुजान हृदिरोचकवस्तुदेतास होयगिलानछर्दकोनाश ॥ सगर्भइस्त्रीछर्दाचिकित्सा ॥ चौपई ॥ इस्त्रीगर्भसाहितहोयजोय तातेंछर्दतााहिकोंहोय वांछितवस्तुतााहिखुलावै तातैछर्दकष्टमिटजावै

॥ अथविरुद्धभोजनादिछर्दचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जिंहअहितविरुद्धभोजनतेंजाने तासाचिकित्साइहविधिठाने लंघनअवरवमनकरवावै तातेंछर्दकष्टमिटजावै जाकोंकृमितेंछर्दजनावत तासचिकित्साइहविधिगावत कहीचिकित्साजोकृमिरोग सोऊचिकित्साहैतिसयोग

॥ अथतृषाछर्दचिकित्साक्काथ ॥

॥ चौपई ॥ फल्गुपत्रमरचजुमुलट्ठ नीलोत्पलसमकरोइकट्ठ क्काथकरैमधुयुक्तपिलावै छर्दतृषाताकीमिटजावै अथवायाहीबनावेकाथ पीजैलाजाचूरणसाथ ॥ अन्यच्च ॥ स्वर्णरजतवासिकालीजै वा-लोहाअग्नितत्ताकीजै जलभीतरतिसलेयबुझाय सोजलरोगीपानकराय तिसतेंछर्दजुहोतविनाश निश्चयजानोमनमोतास ॥ अन्यच्च ॥ जंबूआंवदोऊसमलेय मधुमिलायक्काथयहदेय तृषाछर्दहोवैतवना-श निश्चयमनमोआनोतास गलीजवस्तुसेंछर्दजुहोई श्वादिकवस्तुदिखावेसोई आमहुसेजोछर्दप्रगटाय लंघनसेनिश्चयकरजाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ वटकीजटालोध्रपुनआन दाडिमअरुमुलट्ठसम-ठान मधुमिलाययहचूरणकीजै तंडुलजलसोंयाकोंपीजै तृषाछर्दकीहोवेनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यउपाय ॥ रक्तशालिकोभातवनावे मधुसिताताकेसाथरलावे खावैतृषाछर्दमिटजाय ग्रंथका-रमतदियोवताय ॥ अथवाघृतशतावरीपीवै दुखजावेतनुकोसुखथीवै ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ एलाकमलवीजमरचपीपर गजकेसरचंदनलाजाधर वेरगिरीशुंठीजुलवंग मुत्थरभिशरीलेहुविडंग सबसमपीसेमधुजुमिलाय चाटेछर्दसकलमिटजाय ॥ दोहा ॥ छर्दचिकित्सायहकहीवंगसेनअनुसार आगेंयाकोपथ्यअपथ्यभाषोंभलेंविचार इतिछर्दरोगचिकित्सा समाप्ता

॥ अथअसाध्यछर्दलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसधातुकरक्षीणजुकोई छर्दउपद्रवसहितसुहोई पूयरक्तसंगवमनजुहोय ताहिअसाध्यलखेंसबकोय ६ चंद्रकांतानामतिसमानो सोअसाध्यछर्दीपहिचानो जोछर्दनिरुपद्रवहोय ताकोयत्न करेसबकोय ॥ अथछर्दमोंउपद्रव ॥ चौपई ॥ खांसीज्वरहिडकीहृदरोग वमनचित्ततृष्णासंयोग त-मकश्वासजोपाछेंकह्यो छर्दउपद्रवइहविधिलह्यो ॥ दोहा ॥ छर्दनिदानवर्णनकियोवैद्यकतेंलखलीन समझचिकित्साजोकरेसोहैपुरुषप्रवीन ॥

॥ अथछर्दरोगपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ छर्दरोगकोकहितहोपथ्यापथ्यअधिकार करेवैद्ययहसमझकेव्याधीकोउपचार अथपथ्य अडिल्यछंद लंघनरेचनछर्दभलीविधिजानिये क्षुधाहोयतौफुल्लीमांडपछानिये अथवाशालीसठीचावल-आनिये चावलहोंहिपुरातनमुंगप्रमानिये यवकोटापुनकणकपुरातनलीजिये यहसबभाषैपथ्यअवरसु-नकीजीये माध्योमिसरीधनीयांहरडअनारजो ऋतुप्रमानहितवस्तुसदाहितकारजो नानामनोहरवस्तु-सुगंधीरसजिते पाकेमीठेआंवअन्नहितकरातिते मरवावासानिंबद्राक्षापुनजानहो गजकेसरजुविजोराहि-तजलपानजो अवरहुंपककपित्थचंद्रकीचंद्रिका इत्यादिकवहुपथ्यत्यागवहुतंद्रका जलासिंचितसोचाय-चीकनीमृत्तिका चंदनआदिसुगंधमनोहरचित्तका पुष्पसुगंधीहेतपीतफलदेखना भोजनांतमुखशीतल-जलकोसेचना नीरसुगंधगुलाववदनपरवरषनो तीतरलवावटेरमासरसहर्षनो शशाअवरवनपक्षीमास-पथ्यजानिये शब्दस्पर्शरसरूपसुगंधपछानिये जवसुतीनपरिमानसुऊपरनाभिरे तप्तशस्त्रसोदेहुताहुपर-दाघरे ॥ दोहा ॥ पथ्यकहेयहछर्दकेसमझोवैद्यसुजान आगेंछर्दअपथ्यसुनातिन्हकोंकरोंवखांन ॥ अथअ-पथ्यं आडलछंद ॥ वस्तीकर्मनसवाररुधिरकोमोक्षनो दांतनतैलाभ्यंगकंदूरिफलसुनो फलफूलव्यायाम-सुसर्षपरुचकरे अन्नपानसुअपथ्यजुनिजहितनाधरे दोहा भाषयहअधिकारकेपथ्यापथ्यवखान पथ्यग-हेत्यागेअपथ्यताकीहोयनहान इतिछर्दरोगेपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः

॥ अथछर्दरोगकर्मविपाकहेतूपाय ॥

॥ चौपई ॥ नित्यकर्मकियोविनजोय भोजनकरेछर्दतवहोय ताकोंकहोंउपायसुनाय सोसमझोअपनेचित्तलाय ॥ अथउपाय ॥ अमावास्याअथवासंक्रांती इनपर्वणकोंकराचितसांती सुंदरभोजनविप्रनदेय याहिदोषतेंमुक्तिलहेय इतिकर्मउपाय ॥ दोहरा ॥ छर्दरोगवर्णनकियोकारणसहितउपाय अरोचकआगेकहितहुंसोसुनियेचित्तलाय

॥ अथज्योतिषउपाय ॥

जोचंद्रहिचरजन्ममोवुधपडैगोआय सोनरजानोमूढमितछर्दताहिप्रघटाय चंद्रबुधकाजपकरेविधिसंयुक्तप्रमान व्याधिक्लेशछर्दरोगकीहोतअवश्यकरहान इतिज्योतिष

॥ अथान्यप्रकारवमनरोगकथनम् ॥

॥ चौपई ॥ वमनकुलेदछर्दपहचानो फारसीकयनामासोजांनो अतिभोजनअतिलूणजोहोई मच्छीवालदुर्गंधिजोई इनकरवमनहोतपहचानो अथवावातपित्तकफजानो जोकारणकरछर्दीहोई वमनसंगकरवाहिरसोई जेकरवमनवाततेजानो ताहियतनऐसाहितमांनो वहेडामाषेसातमंगावे मधुमेलचटनीकरवावे तवासीरडिडतोलाल्याय चौदांमाषेमघासंगपाय शुंठीसोदसमाषेलीजे माषेसातमर्चसंगदीजें लाच्चीहिंदीसाजजआंनो तमालपत्रगजकेसरठांनो नागरमोथाचंदनपावे वावडिंगमघादाखमिलावे दसदसमासेआनोसोई चूरनपीससेवसुखहोई माषेसातनीरसंगखावे छर्दीरोगताहिहटजावे मुलट्ठीमहुआकाष्टमंगाय गाजरवीजरूमीछडपाय साडेत्रैत्रैमासेहोई मधूमेलचटनीहितसोई जेकरछर्दीपित्तजहोई ताहियतनआगेसुनसोई वावडिंगत्रिकुटामंगवावे कालालूणताहिसंगपावे लेसमपीसमधूयुतहोई चटनीसेवदोषहरसोई अगुरइलाचीशुंठमंगावे दारचीनीगजकेसरपावे हरीडतमालपत्रसंगहोई सतसतमासेलीजोसोई मधुमेलदसमासेचाटे छर्दिरोगताहीछिनकाटे जैफललौंगदोईमंगवावे साडेत्रैत्रैमासेपावे इलाचीदोमासेसंगपाय चूरनकरमधुसंगचटाय अथवाजैफलएकमंगावे मधुमेलचटनीकरखावे जेकरवमनरुधिरकेजांनो ताहियतनऐसाहितमांनो वांसारसमधुसंगमिलाय चाटेरुधिरवमनहटजाय अथवागदेंभदूधपिलावे वमनरुधिरकेशीघ्रहटावे। मुलट्ठीचंदनमुथ्रआंनो पन्हीजढजवआटामांनो लेसमपीसमधुसंगपावे द्वसमासेचटनीकरखावे जूहीजढअरुपुष्पमंगावे पडोलपत्रताहींसंगपावे छिलकानिंवमेलिएसोई चंदनलालताहुसंगहोई सतसतमासेक्काथवनावे चारसेरजलपायपकावे आधसेरजवहींरहजाय मिसरीमासेसातरलाय पीवेप्रातपालकरवावे वमनरोगनिश्चयहटजावे ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांवमनरोगकथनंनामपंचदशोऽधिकारः ॥ १५ ॥

———×+⊛+×———

॥ अथअरोचकरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ निदानअरोचकको कहों सुनहो पुरुषसुजान जैसें भाष्यो शास्त्रमों तैसें करों वखान चौपई रोगअरोचिकपांचप्रकार जिव्हाहृदयआशयसुविकार वातपित्तकफअवरत्रिदोष मनसंतापपंचमलहुघोष पांचभेदवैद्यकजुवखानै अवरभेदभीकहितस्यानै अतिभयशोकहुतेंभीहोय अतिहीलोभक्रोधतेंसोय

॥ अथसामान्यविधिः ॥

॥ चौपई ॥ रोगअरोचकपांचप्रकार तिसकोसुनहोयोंउपचार वातविकारहुतेंप्रगटावै तांपरवस्तीकर्मकरावै जोयहरोगपित्तकरहोय रेचनतापरभाषैजोय कफकरजोयहरुजलखपावै तिंहरोगीकोवमनकरावै मनसंतापहुतेंहोइसोय ताकोंहर्षणतेसुखहोय अन्नादिकजाकेमुखपावैं स्वादनआवैनाउसभावैं ताकोनामअरोचकगायो वंगसेनयोंप्रगटसुनायो मनकरअतीचिंतनकेसमै अरुनेत्रनकरदेखनसमै अरुकानोकेसुनणेकाल अन्नसाथकरैदोषविशाल भक्तद्वेषसुअरोचकजान यहीनामताकोलखमान जोभोजनकीश्रद्धाहोवै खायनसकैरुचआसबजोवै भक्तछंदसुअरोचकमान ऐसेंग्रंथककीनवखान

॥ अथवातकृतलक्षणम् ॥

॥ चौपई वातेंहुतखाटेहोइदांत वदनकसेलालखोवृतांत ॥ दोहा ॥ सुनोचिकित्सारुजअरुचिकीभाषोंभलेंवनाय जैसेंवैद्यकग्रंथमोंतैसेंदेहुंसुनाय

॥ अथवातजअरोचकचिकित्सा ॥

॥ चौपई प्रथमवरचसंगवमनकरावै पाछेतेऔषधअचवावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ वायविडंगअवरयवक्षार रीऊंदरहसनएलाडार हिंगुभिडंगीमघशुंठीजान सेंधालवणचूर्णसमठान घृतसोंवाततोदकसंग वामादिरासेंपरिरुजभंग वातअरोचकहोवेनाश रुचिउपजैमनहोतहुलास

॥ अथपित्तकृतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तहुतेंमुखकौडाहोय अवरसलूनारसविनसोय अंवलमुखदुर्गंधीजास पित्तअरोचकजानोतास.

॥ अथपित्तजअरोचकचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मुलट्ठअवरगुडजलजुपिलाय प्रथमहिंऐंसेंवमनकराय पाछेंमधुवामिसरीजान वासलवणघृतकरहैपान पित्तअरोचककोहोइघात निश्चयसमझलेहुयहबात.

॥ अथकफकृतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफकरवदनमधुरताधारै भारीशीतलमुखजुनिहारै कफसोंलिप्तसदामुखरहै वाध्योसोमुखअपनालहै सन्निपातकोभेदपछान सर्वत्रिदोषलक्षणायुतमान

॥ अथकफजअरोचकचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमवमननिंवजलसंग करवावैदेऔषधचंग भिन्नभिन्नसुनहोउपचार देअजवायणाकाथसुधार अम्लतासमधुसंगरलावै वामधुमरचामिलायचटावै अथवाधूम्रपानकरवावै तातेंकफजअ-

रोचकजावै दांतनादिसोंमुखशुद्धकरै मनप्रसन्नजलपानसुधरै आश्वासनकरहर्षवढाय अरोचकरोग-ताहिमिटजाय अथवाकुठवासौंचलजानो मिसरीमरचवाधनियांमानो वाआद्रकरसमधुजुमिलाय एला-वामिरीशसंगखाय भिन्नभिन्नयहसेवनकरै रोगअरोचकतातेंहरै.

॥ अथआगंतुकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शोकभयादिकपाछेकहै आगंतुकताहीकरलहै कोइकग्रंथकारयोंआखें वातहुतेंहृदिपीडा-भाखें दाहतृषामुखशोथदिखावै ऐसेंग्रंथनिदानवतावै क्षुधाउदरमोंरहेअपार मुखसेंनाहिंचलेकछुसार शोकअरुचिकाकारणजान चरकग्रंथमतकीनवखान। अरुचिकासुरूप। मुखपायेअन्नस्वादनहिआवै जा-नलेहुअरुचिप्रघटावै भोजनकीजोचिंताकरै देखतअन्नअरुचिवहुधरै भक्तद्वेषअन्नतिसजान वागभट्ट-सेंकीनवखान औरभेदएसाइकजाने पित्तविकारहुतेंयोंमाने कफतेमुखसोंकफनिकसावै मोहहुतेंजड-तानरपावै-

॥ अथभक्तद्वेषकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ सिंधुलवनआद्रकमुखपाय क्षुधाजीभहृदयशुद्धकराय ॥ अन्यच्च ॥ मधुआद्रकरसमेलपि-लाय अरुचिश्वासकासमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ पकीइम्लिरसलेहुनिकार तामोंमिसरीलाचीडार लवंग-भीमसैनीकर्पूर सेवनकरेअरोचकदूर इम्लीरससोंकुरलीकरै तौभीअरुचिशोककीहरै ॥ दोहा ॥ निदा-नअरोचककोकह्योदेखग्रंथपरकार कहीचिकित्सातासकीसोलीजैउरधार

॥ अथअन्यप्रकार ॥

॥ चौपई ॥ कुठसोंचलजलवाविमंगाय शर्करामरचविडंगजुभाय पुनधनियांएलापद्मकआन उशी-रमंघचंदनउत्पलठान पुललोध्रतेजवतीत्रिकुटाय हरडयवक्षारसुसंगमिलाय पुनआद्रकदाडिमरसम-लीजै जीराशर्करासंगमिलीजै तैलमधूयुतकवलग्रहधार वातपित्तकफइनतेटार सन्निपातअरोचकनाशै ग्रंथकारमतज्योतिप्रकाशै॥ दालचीनीमुत्थरधनियांल्यावै आवलेसमकरखळवनावै प्रथमएहविधमुत्थ-ल्याय आवलेदालचीनीसुवनाय दालहलददालचीनीदोय जवयुततीजोविदसंजोय मघांतेजवतीसुवि-चार चौथाक्रमयहजोगसुधार जवानतिंतडीयाहिसुलहै पंचमुखधावननामसुकहै इनकोक्काथताहिमुख-धोय गुटिकाकरमुखमैधरसोय जलआदिसंगकवलग्रहकरै येतेरोगनिश्चयपरिहरै वुद्धिविस्तीरणकरणेहार संपूरणअरोचकहोतनिवार जिसजिसवस्तुऊपरमनजावै सोसोवस्तुदानकरावै यहभीजानोवडाउप-चार नाशअरुचिरुचिहोयअपार ॥अथगुटिका ॥चौपई॥ दाडिमपीसगुडसंगमिलावै मुखमेंसोंगुटिकाधर-वावै होयअरोचकरोगविनास रुचिउपजोनिश्चयलखतास॥ अन्यच्चगुटिका॥ चौपई ॥ अठारांवीजसुहां-जणपीस दसमरचांमघमेलोवीस आद्रकपलपलगुडजुमिलाय तीनप्रस्थकांजीसंगपाय पलविडलव-णताहिसंगदीजै अग्निपकायसुगुटिकाकीजै नित्यप्रातिमुखमोंराखेतास रोगअरोचकहोवैनाश ॥ अथदा-डिमादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ दाडिमदोइपललेपीसावै पलपलसुंठमरचमघपावै इकपलत्रीसुगंधसमलीज खंडअष्टपलचूरणकीज नित्यप्रातिउठयहचूरणखावै अरुचिपीनसज्वरकासामिटावै ॥ अथखांडवचूर्ण ॥ चौपई ॥ इकसतमघामरचसतदोय सिताचारपलतीहासंजोय धनीयांसुंठएलाअरुजीरा दालची-नीसैंचललेवीरा अर्धअर्धकर्षयहठांन कंकोलजवायणदाडिममान अमलवेतइलमीसंगदीजै क-

षंकर्षपरिमाणलहीजे चूर्णनित्ययथावलखावे अरोचकलिफहृदरोगमिटावै ग्रहणीशूलखांसीजुअफार इन्हकोंनाशैनिश्चयधार ॥ अथमहाखांडवचूर्ण ॥ चौपई ॥ तालीसपत्रचवकमरचाय नागकेसरसेंधासमभाय पुनमघपीप्पलपीपलमूर तिंताडिचित्राजीरापूर वंशलोचनवहेडातिंहठान दुगुणदुगुणइन्हकापरिमान पुनवदरफिलचूरणलहिये एलानागरमुत्थरगहिये अजमोदअमलवेतधनीयांमान त्रिगुणत्रिगुणइन्हकापरिमान दाडिमचतुरभागलखलीजै अर्धभागमिसरीसंगदीजै वलअनुसारचूर्णयहखावै कंठहृदयमुखरोगमिटावै गुल्मअफाराविसूचीनाशें अर्शश्वासक्रमिछर्दविनाशें केसअरुचिहरहैअतिसार एतेसबामिटजांहिविकार ॥ अथजवानीखंडचूर्ण ॥ चौपई ॥ जवाणतिंतडीदाडिमआनै शुंठीअमलवेतपुनठानै वदरीफलचूर्णलखलीजै कर्षकर्षप्रमाणधरीजै धनीयांसौंचलकालाजीरा कर्षअर्धअर्धलखवीरा इकशतमघामरचांसतदोय सिताचारपलताहिसमोय नित्ययथावलयाकोंखावे जायअरुचिपुनरुचिउपजावे हृदपीडाअर्शपार्श्वकोशूल कवजअफारश्वासनिरमूल संग्रहणीअरुजावैकास एतेरुजयहकरहैनाश ॥ अथलवंगादिचूर्ण ॥ लवंगउशीरनीलोत्पलकेसर चंदनएलामघांअगरवर शुंठजायफलकालाजीरा वंशलोचनवालाधरवीरा छडगुडीतगरयाहिमोपाय आगेवस्तुसभहिमिलाय पुनकर्पूरअवरकंकोल यहसवऔषधलेसमतोल अष्टगुणांमिशरीतिंहपावे यहचूर्णनित्यप्रातहिंखावे रोचकअग्निदीप्तयहमान वलअरुपुष्टकैरेपहिचान अरोचकतमकश्वासअरुकास हृदयरोगसंग्रहणीनाश गलग्रहपीनसयक्ष्माविडारे अतीसारप्रमेहनिर्वारे अर्शमिटावेयाकोंजान इन्हरोगनकीकरहैहान ॥ अथसूक्ष्मएलादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ एलालघुतालीसजुपत्तर वंशलोचनदालचीनीकेसर जीरादाडिमधनीयांइम्लीपाय अर्धअर्धकर्षसबभाय मगधामरचजवायणचित्रा शुंठचवकअजमोदामित्रा अमलवेतकैंथले पिपलामूल कर्षकर्षयहलेसमतूल सिताचारपलपीसमिलावे वलअनुसारचूर्णयहखावे परमहोयरुचिअरुचिविनाशे लिफश्वासकासज्वरनाशे वमनअर्शअरुशूलनिवारे जिव्हाकंठहिंशुद्धसुधारे ॥ दोहा ॥ चिकित्सारोगअरोचकीभाषीभलेंवनाय ताकेपथ्यापथ्यअवभाषोंसुनाचितलाय ॥ इतिअरोचकचिकित्सा

॥ अथअरोचकरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ रोगअरुचिकेपथ्यअपथ्यवर्णनकरोंवनाय तिन्हसवहीकोवेउरोसुनलीजेचितलाय ॥ अथपथ्यम् ॥ चौपई ॥ वास्तिकर्मरेचनमनआनो धूम्रपानपुनवमनपछानो कलुकलुग्रासमुखपावतरहे तीक्ष्णतरुदातनमुखगहे नानाअन्नपानहितकारी तिन्हतेरुचिउपजिअतिप्यारी द्राक्षामुनक्कामुंगेपछाना चावललालसठीपुनमाना शशावराहहरणकोमास मत्स्यअंडपथ्यजानोतास रोहप्रोष्टमत्स्ययहदोय इन्हकोमांसपथ्यलखसोय वैंतकूमलीअवरअनार खरवूजावृंताकनिहार नवीनमूलिकालशुनजोकहिये शूरणआंवद्राक्षापुनलहिये कांजीअवरपटोलवखानै तालनकेफलपथ्यपछानै क्षिरणीफलसुहांजणाजान सिखरनमघांछुहारेमान आद्रकहरडजवायणकहिये तालनफलकेवीजलहैये शीतलरेतउपरदृढआसन हिंगुअमलरसरुचिपरकासन स्वादिकअरुतीक्ष्णरसजोय देहशुद्धितापथ्यलखसोय ॥ दोहा ॥ अरुचिरोगकेपथ्यकहै करोंअपथ्यवखान तिंहकोंसमझोचतुरनरपुनहिंचिकित्साठान ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ तृषाडिकारनेत्रजलजान क्षुधाअरुविष्टामूत्रपछान इन्हसवहीकोवेगरुकावै यहभीमहाअपथ्यकहावै जोनवस्तुअपहिंकोरुचे तांकोभक्षणनाहिनपचे भारीकंदजितेजोकहे सोभीवडेअपथ्यलखलहे क्रोधलोभभयअरु-

दुर्गंध इतनेकीनअपथ्यनिबंध ॥ दोहा ॥ रोगअरुचिकेपथ्यअपथ्यवैद्यकग्रंथविचार भाषासुगमवनाय-केकीनेसवीउचार ॥ इतिपथ्यापथ्यंसमाप्तं ॥ दोहा ॥ रोगअरोचकवर्णनकियोप्रथमकह्योनिदान पुन-हिचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यवखान ॥ इतिअरोचकरोगःसमाप्तः ॥

॥ अथअरोचकदोषरोगकारणउपायनिरूपणम् ॥

अथकारणम् ॥ चौपई ॥ मातृपिताहिंकरेअपमान तिन्हविनआपकरेजलपान अरुमातृपिताकोधनहर-लैय रोगअरोचकउपजेतेय अरुकुष्टीभीसोजनहोय निजमनमोंनिश्चयलखसोय ताकोसुनोउपायवता-ऊं जैसेंकर्मविपाकलखपाऊं अथउपाय ॥ चौपई ॥ अग्निदेवताकीजुसहाय शुद्धस्वर्णप्रतिमावनवाय उ-दुंवरकाष्टपात्रवनवावै गोघृतपूर्णप्रतिमावैठावै विधिवतपूजैप्रीतिलगाय अग्निमंत्रसोंहवनकराय करसं-कल्पविप्रकोंदेय कुष्टअरुचितेमुक्तलखेय ॥ दोहा ॥ दोषअरोचककुष्टकोकारणकह्योउपाय मूर्छादोषव-र्णनकरोसुनलीजैचितलाय ॥ इतिअरोचककुष्टदोषकारणउपायःसमाप्तः ॥

॥ अथअरोचकज्योतिषम् ॥

जोमंगलअरुदेवगुरुदृष्टीलगेजुसमान बैरभावतिहग्रहनकरअरोचककरेजुहान भिन्नभिन्नपूजाकरेमंग-लगुरूजपहोम रोगविधीसोहरेजोजुगलगुरूअरुभोम इतिज्योतिषम्

॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांअरोचकाऽधिकारवर्णनंनामपंचदशोऽधि-कारः ॥ १५ ॥

॥ अथमूर्छादिरोगभ्रमनिद्रासंन्यासानिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ मूर्छाभ्रमनिद्राअवरतंद्राअरुसंन्यास इन्हसबरोगनिदानकोंकरहोंभलेंप्रकाश ॥ चौपई ॥ जो-नरक्षीणदेंहकरहोय दोषवातपित्तकफयुतजोय अरुविरुद्धआहारजोकरै वेगरोकाविष्टादिकधरै अरुसतगु-णकरहीनजुकोई अरुताडनकरताडितहोई मनसबइंद्रियनकरैप्रदेश भिन्नभिन्नमार्गहिंनिवेश तिसम-नकरइंद्रियचैतन्य निजविषयनकोंकरैंग्रहन्य वातापित्तकफकोपकरेंजव मनकेमार्गरोकैहैसोतव विनम-नइंद्रियजडतापावत योंनिदोषमूर्छाउपजावत तवसुखदुखकोज्ञाननरहै काष्टन्यायनरगिरभूगहै ताहू-कोंमूर्छापहिचानो ताकोविवरोसुनोवखानो सोमूर्छाहैषटपरकार भिन्नभिन्नसोंकरौंउचार वातपित्तकफ-तेंत्रयजानों रुधिरमद्यविषतेंत्रयमानो इन्हसबमोंजवपित्तअधिकावे तवहीनरमूर्छाकोंपावे

॥ अथसामान्यमूर्छापूर्वरूप ॥

॥ चौपई ॥ मूर्छाजवहोनेपरआवे प्रथमहियहलक्षणप्रगटावे हृदपीडामनहोयगिलान संज्ञानाशउवा-सीजान उदरकीहोवेअग्निविनाश पूर्वरूपयहकीनप्रकाश

॥ अथवातमूर्छापूर्वरूपलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अरुणकृष्णवानीलवर्णजो प्रथमआकाशमध्यदेखतसो असनभदेखतमूर्छापावे घोरअंधत-ममांहिसमावे पुनशीघ्रहिंसोजातनहोय देहकंपअंगमर्दनसोय हृदपीडामुखकांतिमलान लक्षणवातमू-र्छाकेजान श्यामअरुणछायादर्शावे वातजलक्षणयोविधिगावे

॥ अथवातजमूर्छाचिकित्सा ॥

तिलआदिकजोसेककरावे वातजमूर्छातत्क्षणजावे ॥ अन्यच्च ॥ अथचूर्णम् ॥ त्रिफलाचूरणघृतसोंपी-वे वातजसोंमूर्छाहतथीवे ॥ चौपई ॥ शुंठधात्रीफलसोरसआनै द्राक्षापीसयहमधुमोठानै चाटेयाकोरो-गीजोय नाशरोगमूर्छाकोहोय श्वासकासभीहोवेनाश निश्चयकरोकियोप्रकाश ॥ चौपई ॥ धनीयांहिंगु-सेंधाशुंठजीरा यहसमचूरणकीजैवीरा जलसोंपीवेमूर्छाजाय निश्चयजानोकह्योसुचाय

॥ अथपित्तजमूर्छापूर्वरूपलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तहरितवापीतआकाश प्रथमहिंदृष्टीआवैतास देखतदेखततमाहिमंझार प्रविशेंरोगीकीन-उचार जवेवृद्धिकोंप्रापतहोय तृिषासहितसंतापितसोय होवतशीघ्रयत्नतिसताही उठेशीघ्रजववोधक-राही रक्तनेत्रवापीतदिखावैं अरुव्याकुलसेंदृष्टीजुआवैं पीतवर्णस्वेदहोइतास पैत्तिकमूर्छालक्षणजास

॥ अथपित्तजमूर्छाचिकित्सा ॥

शीतलशरवतसेवनकरे पित्तमूर्छाकोंततक्षणहरे रक्तहुतेंजोमूर्छाहोय शीतलक्रियालखीजेसोय

॥ अथकफजमूर्छापूर्वरूपलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मेघनकरजुयुक्तआकाश देखतहीमूर्छाहोएतास अंधकारमोंप्रविशेजोय चिरकरजागेरोगी-सोय तवअपनेअंगभारीजाने तूचाआर्द्रहृदरोक्योमाने होयहृल्लासतासकोजवही वमननआवेताको-तवही अरुजलमुखहुतेंचलिआवे यहकफमूर्छाचिन्हलखावे

॥ अथकफजमूर्छाचिकित्सा ॥

अथअविलेह केवलमघाचूरणमधुपाय चाटेमूर्छादिकनरहाय अथकाथ पंचमूलकोकाथवनावे सिता-वामधुसेमूर्छाजावे अरुजोज्वरकेकाथवखान मूर्छाकोंसोहितकरमान

॥ अथसन्निपातमूर्छालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अपस्मारजोमृगीकहिए तासाचिन्हजाकोंलखपेये असीमूर्छाजाकोंहोय सन्निपातकीजानो-सोय सोमूर्छापृथिवीपरडारे फेनवमनविनताहिनिहारे

॥ अथसन्निपातमूर्छाचिकित्सा ॥

अथकाथ ॥ चौपई ॥ शुंठगिलोयपिप्पलामूल पुष्करमूलपायसमतूल क्वाथमधूमघपायपिलावे मूर्छासं-निपातामिटजावे ॥ अन्यच्च ॥ केवलकरेजवांहाकाथ पीवेताकोघृतकेसाथ मूर्छादिकरुजहोवेंनाश चेंत-नहैमुखअधिकहुलास

॥ अथरुधिरकृतमूर्छावर्णम् ॥

॥ चौपई ॥ पृथ्वीजलतमरूपहिचीन ताहिसंयोगरक्तगंधलीन तिहकारणरक्तगंधजुगमेल मानुषमू-र्छाप्राप्तरेल किसहूंरुधिरदोषतेंहोय किसहूंरुधिगंधतेंजोय तातेंदृष्टिफटीहोइजाय गूढश्वासआवेंलखपाय

॥ अथरुधिरकृतमूर्छाचिकित्सा ॥

शीतलजलशर्वतजोपीवे रुधिरमूर्छनाजाइसुजीवे

॥ अथमद्यकृतमूर्छा ॥

॥ चौपई ॥ करतविलापभ्रांतमनहोय तुरतशयनकरजावेसोय अरुपृथिवीपरलेटतरहै करपदहीजुच-लावतगहै जवलगमदकोअमलनजावे तवलगमूर्छामांहिरहावे

॥ अथमद्यकृतमूर्छाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जाहिमद्यतेंमूर्छाभासे तासाचिकित्सायोंपरकासे मद्यपिलावसुखशयनकरावें मूर्छामद्य-तासकीजावे

॥ अथविषकृतमूर्छालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ देहकंपअरुस्वप्नेआवें तृषाहोतविषमूर्छागावें तमगुणपित्तमिलजवअधिकावत तवही-नरमूर्छाकोंपावत

॥ अथविषकृतमूर्छायलक्षणम् ॥

॥चौपई॥ मैनफलअथवानीलाथोथा फटकारिपायगर्मजलशोथा मरचइत्यादिजोवमनकरवाइ विष-मूर्छातरक्षणमिटजाई ॥ अन्यच्च ॥ विषकोहरनवस्तुहजेती विषमूर्छाकोदेवेतेती

॥ अथभ्रमलक्षणम् ॥

रजगुणअरुपित्तवातवभेजव भ्रमरुजहोवतहैनरकोंतव तमगुणवातअवरकफतीन इन्हकेवर्षेतंद्रामो-लीन तमगुणकफवाहुलतालहै तातेंनिद्राकोंनरगहै

॥ अथभ्रमचिकित्सा ॥

॥ गुटिका ॥ चौपई ॥ मघांशतावरिशुंठपिसावै हरडचूरणपलपलयहपावै षटपलगुडसोंगुटिकाकीजै गुटिकाखावैभ्रमरुजछीजै

॥ अथसंन्यासलक्षणम् ॥

चौपई ॥ मनवाचिककायिकचेष्टाजोय वातपित्तकफसमयुतहोय प्राणस्थलकोआश्रयधार मोहनिर्वलकोकैरैविकार तवनरकाष्टन्यायहोइजावै मृतकतुल्यसबहूंदरशावै तांकेप्राणनलखणेआवैं तिंहसंन्यासनामकहिगावै ततकालतिसयन्तकराय नहींतोप्राणदूरहोइजाय ॥ दोहा ॥ मूर्छादिकजुनिदानकों समझोसहितहुलास जैसेंकह्योनिदानमोंतैसेंकीनप्राकाश

॥ अथसंन्यासचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ रुजसंन्यासलखजवजाकों दीजेवहुतधूमसुनताकों अरुमरचादिकतीक्षणवस्तु ताकोंअंजनयाहिप्रशस्तु मरचसुंठआदिकनसवार तिंहदीजैहोइरहितविकार गुल्लदागपुनदीजैतास यातेंनाशहोयसंन्यास केशरोमउतपाटनकीजै यातेंभीसंन्यासरुजछीजै अरुनखपीडनकीजैतास दांतनसोंकटियोतिंहमास अरुतिससूचीवेधकरीजै जजूलीताकीदेहमलीजै इन्हउपचारनचैतनजवै होवेरसलक्षणदेतवैं ॥अथघृत॥ चौपई ॥ हरडक्काथमोंघृतसिधकरै वाधात्रीफलरसअनुसरै पीवेयहघृतमूर्छाजाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय दोहा चिकित्सामूर्छारोगकीताकोंसमुझविचार मूर्छाकेजोपथ्थअपथ्थसुनोकरोंउचार

॥ अथतंद्रालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ इंद्रियकोंनिजविषयमंझार ज्ञाननहोवतभलीप्रकार तनुभारीजुउवासीआवैं क्लमआलसकोंतंद्रागावैं

॥ अथक्लमकेलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ विनाखेदविनश्रमयोंजानो वडेश्वासआवेंमनआनो इंद्रियकरविषयनकोज्ञान होतनहींसोक्लमपहिचान

॥ अथउवासीलक्षणम् ॥

श्वासपीयेअरुमुखजुपसारै अशुपातसंगश्वासनिकारै यहीउवासीलक्षणजान आलसलक्षणकरोंखान ॥ अथनिद्रालक्षणं ॥ इंद्रियमनकोमोहजोहोय मोहनिद्रालक्षणजानोसोय

॥ अथआलस्यलक्षणम् ॥

चौपई ॥ दुखसोंद्वेषअलोभताधारै सबकार्यसमग्रउत्साहनिवारै

॥ अथछिक्कालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ प्राणअवरउदानजोवाय समहोयऊर्द्धमार्गजवजाय पुननासिकाद्वारनिकसावै शब्दकरैसोऊछिक्ककहावै.

॥ अथतंद्राआलस्यक्लमचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सेंधालूणकर्पूरअरुपीपल सरसोंमहुकेफूलसनामिल इनकोंपीसजानेत्रनपावे तंद्राअरु

अतिनिद्राजावे ॥ अन्यच्च ॥ वीजसुहांजनसेंधालौन सरसोंकूटछागमूत्रमिलौन पीसनाशदेतंद्राजाय भावप्रकाशकहादियोसुनाय

॥ अथमूर्छादिरोगेसामान्यचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ मूर्छादिचिकित्साकहितहोंवंगसेनअनुसार समझचिकित्साजोकरैहोयनताहिविकार ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ वदरीफलकीगिरीमंगावे मरचउशीरगजकेसरपावे यहसमचूर्णकरेवनाय शीतलजलसोंताहिपिलाय मूर्छादिकसवरोगविनासें मनसंतुष्टहोयसुखभासें ॥ अन्यच्च ॥ तंडुलासिता-कपासकेवीज क्वाथकरेसहतक्रहिंपीज मूर्छाताकीहोवैनाश निश्चयमनमोजानोतास

॥ अथमूर्छादिरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ मूर्छादिककेपथ्यअपथ्यसबहीकहोसुनाय जिन्हकोंसमझेसकलजनवैद्यग्रंथकोंभाय ॥ अथपथ्यम् ॥ चौपई ॥ जलकेछट्टेजलतेस्नान शीतलस्थानपवनपरमान शीतलपाणेशीतफुहारे शीतलचंद्रकिरणकोंधारे चंदनलेपनधूमदिवावे तीक्ष्णअंजननेत्रनपावे पुनतीक्ष्णदेवेनसुआर रुधिरछुडावेशिरजलधार सूचीवेधजतनकरवावे गुल्लदागपुनिताहिदिवावे रोमकशेनाडींजुपुटावे दांतकटननखपीडकरावे द्वारनासिकामुखकररोध रेचनछर्दभयलंघनक्रोध सुखदायकशय्यापुनजानो विचित्रमनोहरकथावखानो शीतलछायानवजलपान घृतशतधौतपटोलपछान लाजामांडमोचरसकहिये हरडअनारनरेलभनैये महूपुष्पपुनशाकचुलाई शीतलवालूबैठनजाई अद्भुतदर्शअन्नलघुजानो उच्चशब्दकरपूरपछानो ऊंचेगीतवाद्यसुनलहो मनकोरोकनधीरजगहो मधुरवर्गसिद्धपयपान जांगलमासरसदाडिममान यवअरुरक्तजुशालीजानो अवरमुद्गतिसपथ्यपछानो ॥ दोहा ॥ कहेजुमूर्छारोगकेपथ्यसमस्तविचार सुनहुअपथ्यवखानहोंतिनसबकोपरकार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ पत्रशाकतांवूलकहीजै घर्षणदांतआतपलखलीजै मैथुनस्वेदतक्रपुनजान विष्टामूत्ररोधपहिचान कटुकवस्तुकोभोजनजेऊ अवरविरुद्धअन्नजलतेऊ एतेसकलअपथ्यपछांनो त्यागअपथ्यपथ्यउरआनो ॥ दोहा ॥ मूर्छापथ्यअपथ्यसबभाषोंग्रंथविचार त्यागअपथ्यनकोसदापथ्यमानहितकार ॥ इतिमूर्छादिरोगेपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः ॥

॥ अथभ्रममूर्छादोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोजनश्रेष्टमार्गजुरहावे ताहिकुमार्गजोउपजावे ताकोंभ्रममूर्छाप्रगटात असेंतासउपायसुनात ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ सूर्यस्वर्णमयमूर्तिवनावे ताम्रपात्रमोंताहिवैठावे पंचामृतहिंकरायस्नान पूजैरक्तवस्त्रपरिमान पुनदशलोकपालकोजजै सूर्यमंत्रकरहवनाहिंसजै करसंकल्पविप्रवरदेय निजहिंदोषकोमुक्तिकरेय ॥ दोहा ॥ भ्रममूर्छाकेदोषकोकारणकह्योउपाय तृष्णारोगवर्णनकरोंसोसमझचितलाय इतिभ्रममूर्छादोषकारणउपायःसमाप्तः

॥ अथमूर्छारोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ सिंहराशिमोंपूर्णवलचंदपडैगोजाहि ताकोमूर्छारोगहैनिर्वलजानोताहि चंद्रप्रतिष्ठायथाविधिघरकीजैसबअंग ग्रहउपाधिसबशांतिहोरोगपडैसबभंग ॥ इतिज्योतिषं ॥

॥ अथान्यप्रकारमूर्छारोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ मूर्छारोगजाहुकोलहिए गशीऔरगशफारसकहिए वहुतभेदकीमूर्छाजांनो सरदीगरमी-अधिकपछांनो वमनहोएवारेचनजाको चलेरुधिरमूर्छाकहुताको ववासीरवायदमजोहोई आर्तवरुधिरच-लेकहुसोई अतिमैथुनकरमूर्छाजांनो अथवासंनिपाततेंमांनो तापवीचअतिपरसाहोई ताकरमूर्छामांनो-सोई संनिपातसरदीप्रघटावै ताहियतनकरशीघ्रहटावै कटुतूंवीकेवीजपछांनो अजुआइनखुरासानकी-मांनो पिप्पलामूलमघासुंठमंगावे साडेदसदसमासेपावे अजुआइनतोलेपांचोहोई करचूरनमर्दनकर-सोई तोलेत्रैदसमूलमंगावे कोडइंद्रजउोसंगरलावे भडिंगीककडासिंगीआंनो पुषकरमूलकचूरपछांनो धमाकिरायताआनोसोई साडेत्रैत्रैमासेहोई दोतोलेनित्यक्काथवनावे सातादिवसपीवेसुखपावे सुं-ठपिप्पलामूलमंगाय चित्राचोकमघासंगपाय साडेत्रैत्रैमासेहोई पावेनीरक्काथकरसोई कोसाराख-पांनकरवावे मूर्छारोगताहिछिनजावे अकरकरानौतोलेआंनो तोलाढूडमर्चसंगठानो पीसमखीर-मिलावेकोई त्रैमासेकीगोलीहोई सांझप्रातदोईनित्यखावे मूर्छारोगताहिहटजावे हलदीतोलेछेइमंगा-य शुंठमर्चडिडतोलापाय चूरणपीससातादिनखावे मासेसातसुमूर्छाजावे पारातोलाढूडमंगाय सिक्का-त्रैतोलसंगपाय दोइगालकजलीकरसोई मासेतींनसुहागाहोई मघामर्चअरुशुंठमंगावे दसदसमासे-तींनोपीवे आमलाहर्डवहेडाहोई सतसतमासेमेलोसोई दूधीपछनागमंगवावे मासेचौदांसंगरलावे धतू-रेकारसआंनोसोई करेखर्लफुनिगोलीहोई गोलीमरचप्रमानवंधावे प्रतिदिनसेवमूर्छाजावे गोलीएक-नित्यप्रतिहोई तेलखटेआईत्यागेसोई कलौंजीलेचूर्णकरखावे मासेसातमूर्छाजावे चलेरुधिरफुनिमू-र्छाहोई पाछेयतनलिखाकरसोई रेचनतेंजवमूर्छाजांनो पाछेयतनलिखाहितमांनो गरमीकरमूर्छाजिस-होई खफगांनीऔषधकरिएसोई तापवीचमूर्छाप्रघटावे विनायतनमूर्छाहटजावे अतिमैथुनकरमूर्छाहोई निर्वलचीजनखावेकोई त्यागेमैथुनमूर्छाजावे नातरअधिकदोषप्रघटावे करेपालफुनिऔषधहोई मूर्छासह-जदूरकरसोई ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांमूर्छारोगकथनंनामषोडशोऽधिकारः ॥



॥ अथतृष्णारोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ भाषोंतृषानिदानकोंवैद्यककेअनुसार सुगमचिकित्सासोकरैजोयहसमझविचार ॥ चौपई ॥ भेदतृषाकेप्रगटसुनाऊं जिन्हेविकारनहोतलखाऊं वातकरपित्तकुपितजबहोय तालूशोषितकरैतबसोय तातेंतृष्णाअधिकजनावत भेदताहिकोभिन्नकहावत जलवाहिननाडीजोजानो वातपित्तकफदूषितमानो तातेंतृषाजुहोतअपार निजमनमेजोदेखनिहार भयतेंअरुश्रमतेंभीहोय बलक्षयतेंभीउपजैसोय अरुजोवस्तुपित्तउपजावै तातेंभीतृष्णाप्रगटावै जेऊनिरंतरकरेजलपान तृषाहटैनाहितृप्तिनमान ताकोंतृष्णाअधिकपछाने पुनवातादिभेदत्रयमाने वातपित्तकफयहजोतीन तिन्हतेभीतृषाहोतप्रवीन पुनसमझोयहचौथाभेद क्षततेंभीहोवततृषाखेद पंचमयक्षरोगतेंजानो षष्टमभेदआमतेंमानो सप्तमअन्नभुक्ततेंलहिये सातप्रकारतृषायोंकहिये इन्हकेचिन्हकहितहैजानो सोस्पष्टकरप्रगटवखानो

॥ अथवाततृषालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मुखअसमर्थविवरणहोइजावै वदनविरसरसस्वादनआवै नाडीनिरोधहोततत्काल शिरअरुशंखमेंपीडबिलाह अतिशीतलजलपानकरैजो तातेंवहुवधजावतहैसो

॥ अथतृष्णारोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ चिकित्सातृष्णारोगकीवंगसेनअनुसार याकोंप्रथमविचारकैपुनकीजेउपचार.

॥ अथवातजतृषाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वातहरनजेऊअन्नपान अरुमृदुलघुशीतलपहिचान यहसेवेयाकोंलखमान होयत्रिदोषवातजकीहान उदरजुजलसोंपूरणभासे अरुजोनाहिनतृषाविनाशे तोताहीकोंवमनकरावे उदरभारसहतृषामिटावे अथस्वर्णादिजल ॥ चौपई ॥ स्वर्णअग्निसोंलेयतपाय अथवारजतहिंअग्निभषाय अथवामृत्तिकाअग्नितपावे जलमेंडारजलतसलखावे तामोमधुशरकरामिलाय उष्णउष्णजलपीतृषाजाय अन्यउपाय गुडदधिशिशरनकरजोखावे वातजतृषातासमिटजावे ॥ अन्यच्च ॥ गुडूचीरसमधुशर्करमेल पीवेवाततृषाकोठेल

॥ अथपित्ततृषालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मूर्छाअन्नद्वेषअरुदाह रक्तनेत्रविहिलापकराह मुखकटुअरुमुखसूकारहे शीतलवस्तुविषेरुचिगहे अंतरक्षाभरहतहेलास पित्ततृषायोंकीनप्रकाश

॥ अथपित्ततृषाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पित्तहरनअन्नपानजुजेते चतुरपुरुषसेवेसुनतेते तातेंपित्ततृषामिटजावै वंगसेनयोंप्रगटजनावै अथपाणा चौपई चंदनधनियांकास्मरीउशीर यहसमघोटलेयनरधीर छाणशर्कराताहिमिलावै पीवैपित्ततृषामिटजावे अन्यच्च द्राक्षामुलट्ठलेसमपीसाय जलसोंघोलशर्करापाय यहपाणापीवेहैजोय नाशपित्ततृष्णाकोहोय अन्यच्च चंदनउशीरद्राक्षलुहारेजान यहसमपीमधुकरोमिलान यहपाणाव्याधिनरपीवै तृष्णापित्तनाशतिसथीवै अन्यच्च मधुरलायतंडुलजलपान तृषापित्तकीहोइहैहान अन्यउपाय जीवनीयगणकोंजुमंगवावे घृतमोंवापयमोंपकवावै ताकोखावैपुरुषसुजान होवतापित्ततृषाकीहान

॥ अथकफतृषालक्षणम् ॥

चौपई ॥ जवेआयकफपित्तहिंरले अथवावातसहितजामिले तवकफतृष्णाकोंउपजावे कफकों धर्म्मनतृषाकहावे जवकफवृद्धिकोप्राप्तहोय जठराग्निछादितकरहेसोय सोरसवहनाडीतप्तकरावे तातें तृष्णाकफजकहावे ताकेलक्षणयोंतुमजानो मुखमीठागुरुनिद्रामानो

॥ अथकफजतृषाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कफहरणअन्नपानहैंजोय रोगीखावेपीवेसोय तातेंकफकीतृषानसावे अवरउपायसुनों यौंगावे वमन निंवपत्रकोकरेहेकाथ वमनकरावैंताकेसाथ वमनहोतकफतृषाविनाश निश्चयमनमो आनेतास अथकाथ चौपई सौंचलआद्रकअरुलेजीरा यहसमक्काथवनावेधीरा अर्धशेषक्काथजवरहे पीवेकफतृष्णाकोदहे अन्यउपाय केवलजोकरैंमदिरापान तातेंकफतृष्णाकीहान

॥ अथक्षतजतृष्णालक्षणम् ॥

शस्त्रादिकसोंक्षतजोहोय ताकोघाउोकहितसबकोय लागेशस्त्ररुधिरनिकसावे ताततृषाताहिअधिकावे क्षतजतृषाचिकित्सा अर्धदुग्धअर्धजलपाय पीवेक्षतजतृषामिटजाय अथवामुलट्ठकाथकोपीवे वारस मांसपानसुखथीवे

॥ अथक्षयजतृषालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रसकेक्षयतेंतृष्णाहोय इकसमदिवसरातमोसोय अतिशयकरजलपीवतरहे तौभीसुखअरुतृप्तिनगहे कोऊइकवैद्ययाकोंयोंमानै सन्निपातकीतृषावखानै हृदमोशूलथूकवहुआवे अंगपीडसन्निपातकहावै

॥ अथक्षयजतृषाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सिंवलगूंदजोमुखमेंधरे क्षयजतृषासोततक्षणहरे ॥ अन्यच्च ॥ वटकाअंकुरमुलठीआने कमलमूललाजातिसठाने पीसमहीनगोलीमुखधरे तौभीक्षयजतृषापरिहरे.

॥ अथआमजातृष्णालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हृदयशूलथुकथुकीरहावै तृषाहोयअंगपीडनजावै

॥ अथआमतृषाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वरचविल्वसमकाथवनावे पीवैआमतृषामिटजावै

॥ अथअन्नभुक्तजातृषालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अतिस्निग्धअमलाजोखावै अवरसलूनेतेंप्रगटावै अरुअकालभोजनजोकरै तृष्णाहोत हीनस्वरधरै तडफतरहेदीनमुखहोय हृदतालूगलसूकतजोय यहजोतृषावृद्धितापावै कष्टसाध्यसोतृषाकहावै

॥ अथगुरुअन्नभोजनतृषाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ रेचनपाचनवमनप्रमान यहीचिकित्साताकीजान

॥ अथस्निग्धभोजनतृषाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वहुतस्निग्धअन्नजोखावैं जोतिसतृषाप्रगटहोआवैं सरवतगुडजलघोलपिलाय तृषाविकारतवैंभगजाय

॥ अथअतिरूक्षभोजनदुर्बलतातृषाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ दुग्धपानकरवावेतास वाघृतपानअजारसमास तृष्णामूर्छाछर्दनिवारे यहनिश्चयअपनेमनधारे मूर्छावहुतहोयजोजाकों शीतलजलअचवावैताकों तृष्णामोशीतिलजलपान वहुहितकरताताकोंमान जोजलताकोंनांहिपिलावै मूर्छाहोइपुनमरणलखावै सर्वअवस्यामोंजलदेवै वहुशीतलकहूउष्णलखेवे पाणिप्राणिनकोंहैप्रायान अरुपुनअन्नप्राणकरमान उपजीविश्वासुअन्नअरुतोय अत्यतत्यागेनाहिनसोय ॥ दोहा ॥ चिकित्सातृष्णारोगकीवंगसेनअनुसार ताकेपथ्यापथ्यअवभाषोंसोमनधार इतितृष्णारोगेचिकित्सासमाप्ता.

॥ अथतालशोषादिचिकित्सा ॥

अथकरूलीविधि ॥ चौपई ॥ सितादुग्धइक्षुरसद्राक्षामखीर मेलकरूलीकींजेधीर तालूशोपतृषामिटजाय यहअपनेमनलखसतभाय ॥ अन्यच्च ॥ थनीयांधात्रीफलरसदेवै वदनविरसतासोहरलेवै जोयहक्काथशीतलकरपीवै सुखकोशोषहरैसुखथीवै ॥ अन्यच्च ॥ मधुजलमेलकरूलीकरै तालुशोषतृषापरहरै ॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ वटअंकुरमधुकुठमिलाय उत्पललाजाचूरणपाय यहसमलेगुटिकाबंधवावे सुखसाराखेत्रिषावुझावे

॥ अथसामान्यतृष्णाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ लाजाचूरणजलहिंरलाय मधूमिलायपीवैतृषाजाय अथपाणा चौपई काश्मीरीवूटीसोरगडावै तामोजलशर्करामिलावै पीवेरोगीहितसोंतास तृषारोगकोहोइहैनाश ॥ गजकेसरमघजीराआने दाडिमयहसमपाणाठाने मधुशर्करामिलायजुरीवै तृषारोगजावैसुखथीवै ॥ अन्यच्च ॥ क्षीरीवृक्षणअंकुरआन पीसमघांमधुकरोमिलान यहपाणापीवनरजोय ताकीतृषाजायसुखहोय ॥ अन्यच्च ॥ दाडिमधात्रीफलसोलीजै धतायांयहसमपाणाकीजे कांजीकेसंगताकोपीवै तृष्णारोगनाशतवथीवै मधुमघपीसमिलायसुपीजै तृष्णारोगतासतेछीजें दुग्धपान चौपई द्राक्षामुलठइक्षुरसपाय उत्पलमधुजोतासरलाय पीवैदुग्धतृषारुजजाय ग्रंथकारमतदीयोवताय ॥ अथलेप ॥ चोकअवरदाडिमरसलेय लेपनकंठशीशसुकरेय तृषाविनाशेताकीमान अवरहुंलेपनकरोवखान ॥ अन्यच्च ॥ दाडिमवदरीलोध्रपिसाय कपित्थविजोराताहिमिलाय यहसमलेपशीसपरकरै तृषादाहपीडायहहरै ॥ अन्यच्च ॥ तुरीविजोराघृतजुमिलाय समसेंधाशिरलेपधराय जिव्हाकंठतालुकोशोष मिटजावेंकीजैमनतोष

॥ अथतृष्णाअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरअरुमोहश्वासअरुकास हिकाछर्दवमनहोइतास तनअरुमुखकीशोभाजावै ऐसीतृषाअसाध्यकहावै इन्होंउपद्रवसंयुतजोय मरणप्राप्तिकरैहैतृषसोय दोहा तृषानिदानवखान्योसमझोपुरुषमहान जैसेंग्रंथनिदानमोलख्योसोऊप्रगटान इतितृष्णारोगनिदानं संमाप्तम् ॥

॥ अथतृष्णारोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

दोहा तृषारोगकेपथ्यअपथ्यवैद्यककेअनुसार तेसबभाषोंचतुरनरमनमोकरोविचार अथपथ्यं अडिल्ल छंद रेचनवमनस्नानजुनिद्राजानहो सुखमोकछुकछुवस्तुसदाठहरातहो कोद्रवतंडुलशालीसाडीजानिये लाजासत्तुपथ्यसुमनमोआनिये जिसजिसअन्नकीमांडजुभलेंवताईये तामोमधुमिसरीखंडमिलायखुलाइये भुंनमसुरमुंगचणेजुचूरणकीजिये मिसरीखाडमिलायरुजीकोंदीजिये कदलीफलजुकपित्थद्राक्षाजुअनारही पितपापडाआमलीहरडछुहारही धात्रीफलकूष्मांडजुगरनेजानिये खरबूजातरबूजसुपथ्यपछानिये जंभीरीरसअवराविजोरासुनलहो शीतलजलउन्नाववेरयहपथ्यगहो महूपुष्पगोदुग्धसुतीक्ष्णमधुरस माष्पोंदोनोलाचीजानोपथ्थतिस धनियाजाफलचंदनचांदकीचंद्रिका गजकेसरपुंनजानोइन्हकोपथ्यसदाका चंदनलिपटीयुवतीतासअलिंगना मुक्तादिकजोरत्नतिंहोंकापहिरना चंदनआदिकशीतललेपलगावने शीतलमंदसुगंधपवनामनभावने इत्यादिकसबवस्तुसुपथ्यपछानिये इन्हतेंआगेंसुनोअपथ्यवखानिये अथअपथ्यं। दोहा। भाषोंतृष्णारोगकेसोंहिअबपथ्यविचार तिन्हसबइनकोविवरोसुनहोपुरुषउदार ॥ चौपई ॥ अंजननयनस्वेदपुनजानो मर्दनतैलव्यायामपछानो धूम्रपानसनवारलहैये आतपदंतकाष्टसुनगहिये भारीअन्नलवणखटेयाई शुंठीअरुआद्रकदुखदाई दुष्टतोयकोपानजुलह्यो अपथ्यप्रकारलखोयोंकह्यो दोहा तृषारोगकेपथ्यअपथ्यभाषेभलीप्रकार पथ्यवस्तुसवाहितकरेकरैअपथ्यविकार इतितृषारोगेपथ्यापथ्यसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ तृषारोगवर्णनाकियोप्रथमनिदानसुनाय पुनहिचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यलखाय इतिश्रीतृष्णारोगः समाप्तः ॥

॥ अथतृषादोषकारणम् ॥

अथकारणउपायनिरूपणं जोजलपात्रकिसकोचौरावै ताहिरोगतृष्णाप्रगटावै ताकोसुनहोकहोंउपाय जैसेकर्मविपाकजताय अथउपाय ॥ चौपई ॥ ज्येष्ठमासजलपात्रमंगाय गंधपुष्पसोंपूज्यबनाय विप्रवरहिसहदक्षिणदेय तृष्णादोषहिंशांतिकरेय ॥ दोहा ॥ तृषादोषवर्णनकियोकारणसहितउपाय दाहअवरविस्फोटकोंभाषोंसुनचितलाय ॥ इतितृषदोषकारणउपायसमाप्तम् ॥ अथतृष्णारोगज्योतिष चंदपडेजोसिंहमोनिर्बलक्रुरदिखाय तातेतृष्णारोगहैनिर्बलताप्रघटाय पूजोविधिवतचंद्रमादानकरेहितसंग ताकरतृष्णारोगहरदुर्बलतासबभंग इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथान्यप्रकारतृष्णाधिकारकथनम् ॥

॥ चौपई ॥ आमाशयगरमीखुशकीहोई तृषाअधिकतवलागेसोई अतसनामफारसकाजांनो करेयतनदुखदूरपछांनो इलाचीमघगजकेशरल्यावे वोडवृक्षकीदाडीपावे नीलोत्पलसमभागमिलाय पीसवरावरमिसरीपाय अथवामधुमिलावेकोई मासेसातप्रातहितहोई शीतलजलसेंसेवनकरिए तृषादोषताहीछिनहरिए जेकरसोजकलेजेहोय लालीमुखवापांडुसोय तृषादोषअतिहीप्रघटावे ताहियतनकरशीघ्रहटावे चंदनधनिआंताहिमंगावे जीराश्वेतछदरूमीपावे साडेत्रैत्रैमासेलीजें चारसेरजलतमेदीजें आधसेरकाथरहजावै ढाईतोलेमिसरीपावे पीवेतृषादोषहरहोई सोजकलेजेनाशेसोई सोसनकीजढताहीमंगावे रेतलखेततताहुसंगपावे गेंहूंकरथमुनक्कालीजें छिलकानिंबजढाजिफतींदीजें साडेत्रैमासेपावे चारसेरजलकाथवनावे आधसेरजवहींरहजाय पुनकरपीवेदोषहटाय कुठदाखसोसनजढल्यावे

॥ अथदाहरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ दाहरोगवर्णनकियोंजैसेग्रंथनिदान तैसेंसबलक्षणसहितभाषाकरौंवखान ॥ चौपई ॥ मद्या-दिपानकरकुपित्तजुपित्त रक्तजमूर्छितउपजतनिमित्त तातेंऊष्माउपजुतजोय तनुकीतूचाहिंपरापतसोय सोऊदाहघोरउपजावै पित्तवाताचिकित्साताकीगावै सोऊदाहसातप्रकार ताकोभेदकरौंउच्चार

॥ अथदाहसातप्रकारवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ एकजुजन्मरक्ततेंकहिये दूसरापित्तजन्मतेंलहिये तृषानिरोधजन्मसोतीजो चतुर्थपूर्ण-कोष्ठजलखलीजो पंचमधातुक्षयजन्माजान षष्टममद्यादिकपहिचान मर्मअभिघातजसप्तमकहिये सा-तप्रकारदाहयोंलहिये

॥ अथरक्तजन्मलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तवृद्धिहोजावैजवै सर्वदेहव्यापैसोतवै लोहगंधइवतनुमुखवास अग्निन्यायतनुतपहैता-स ताहिदाहऐसोतनुकहिये निकटस्थितजिसअग्निलहिये ताम्रवर्णतनुलोचनदोय होइजावेंसंशयनहि-नुकोय ॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्सादाहकीवंगसेनअनुसार सोऊसुनकरसमजीयेलीजैचित्तमोंधार

॥ अथदाहरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिंहरुधिरवृद्धिसवतनुमोंहोय वेगत्वचामोकरहैसोय ताम्रवर्णदेहचक्षुदोय होवेतवउपाय-लखसोय तासरोहिणीनाडीवेध रक्तछुडावेमिटहैखेद पित्तज्वरकीचिकित्साकही इनरोगहिप्रशस्तलख-सही दाहरक्ततातेंमिटजावे वैद्यकमतयोंप्रगटसुनावै

॥ अथपित्तजन्मलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ लोहगधइवतनुमुखवास अग्निन्यायतनुतपहैतास ज्योंपित्तज्वरतनुत्योंमान पित्तजन्मा-सोदाहवखान

॥ अथपित्तजदाहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ चंदनधनिआंकमलफलआन धात्रीफलसौंफउशीरमिलान पर्पटपायजुकाथवनावै पीव-तपित्तदाहमिटजावे

॥ अथतृष्णानिरोधदाहलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पुरुषतृषाकोरोकेजवही जीर्णधातुतेवधहैतवही सोऊतेजअसप्राक्रमधरै अंतरवाह्यदग्ध-तनकरै कंठतालुउोष्टसुकजावै जिव्हाखैंचीयतलखपावै कंपदेहउपजैंहैतास ऐसेंतृषानिरोधप्रकाश

॥ अथतृष्णानिरोधदाहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जेऊपुरुषतीक्ष्णअतिहोय तृष्णादाहवहुतहोइजोय अंतरवाहरदाहप्रकासे तालूउोष्ट-सुकेंयोंभासें जिव्हाखैंचीयतसोरहै मिश्रीशरवतातिंहहितअहै वाकाचेपयमिसरीपाय दुग्धपिलावेदाह-मिटाय

कसौंडीजढलाचीसंगपावे लोध्रमिलायभागसमहोई पीसछानचूरणकरसोई साडेत्रैमासेनित्यखावे शी-
तलजलसोंदोषहटावे सोजेलपजेश्रोषधजोई पीछेलिखाकीजीएसोई श्रामाशयसोजतृषाप्रघटावे वा-
सलीककारुधिरछुडावे जउोश्रंनकाश्राटालीजै ऊपरपेटलेपकरदीजें गरमीहृदयफिफरेसोई ताहियतन-
एसाहितहोई सीतलजागाताहिविठावे वस्त्रसेडपेटपरपावे भुर्जपत्रवासेडेकोई राखपेटपरश्रतिसुखहोई
वारंवारनीरछिडकावे तरकरराखेदोषहटावे चंदनधनिश्रांलाचीश्राने छिलकानिंवगजकेसरठाने मुथ-
मेलभागसमलीजे साडेत्रैत्रैमासेकीजें चारसेरजलक्काथवनावे श्राधसेरजवहिंरहजावे कोसापांनकरेनर-
सोई तृषादोषसबनाशेहोई श्रामशयगर्मीश्रधिकदिखावे खुशककंठमुखकौडाभावे मिंसरीगजकेसर-
लेसोई जीराश्वेतमघासंगहोई रूमछिडश्ररुलौंगमंगावे लेसमपीसनीरसंगपावे गोलीकरमुखराखेकोई
गरमीतृषादूरदुखहोई श्रामाशयजवखुशकीजानों तृषाश्रधिकलक्षणपहचांनो रहेकंठमुखकौडासोई छा-
तीजलनदाहदुखहोई हिंदुश्रानाजलताहिपिलावे रसश्रनारकाताहिसुखावे ईसवगोललेसजोहोई पी-
वेसकलदोषहरसोई तृषादोषऐसाइकहोई क्रमिउदरश्रांदरमेसोई श्रस्थीऊपरगुदापछांनो पृष्टभाग-
केनीचेजांनो इस्वरसत्तावलवतहोई क्रमितहांउत्पत्तिसोई ॥ दोहा ॥ श्रांद्रोंकारसलेसलाक्रमिभक्षहैसोय
गुदाखैंचसंकोचकरगाडीविटतवहोय ॥ चौपई ॥ क्रमिसुभावखुशकपहचांनो सोबुखारफुनिश्रांदरमांनो
ताकरदेहगर्महोजावे रुधिरगर्महोखुर्कदिखावे तृषादोषताहीकरहोई श्रागेश्रौषधसुनिएसोई खब्बीभु-
जसेंरुधिरछुडावे उदरशुद्धकररेचकभांवे खुशकीहरभोजनमनश्रांनो ऊटदुग्धघृतसंगपछांनो श्रामाशय-
श्रतिगरमीहोई तृषादोषप्रगटावतसोई प्रथमवमनफुनिरेचकभावे श्रामाशयमुखशुद्धकरावे भेडदुग्धगो
दुग्धमंगावे ताजासेवनकरसुखपावे जेकरगरमीजिगरीहोई तृषादोषप्रघटावेसोई श्रथवातापादिकप्रघ-
टावे ताहियतनऐंसामनभावे नीरक्काथजवश्राधाहोई सीतलकरनित्यपीवेसोई श्रथत्रालोहागर्मकरावे
वारवारजलवीचनुझावे जाविधनीरपानकरसोई तृषादोषक्रमिनाशेहोई निंवूरसमखीरसंगपावे लूण-
मेलाशिरलेपकरावे मध्यसीसलेपेनरकोई तृषादूरक्रमिनाशेहोई वटकेगुरथकरथमंगवावे नीलोफरधनि-
श्रासंगपावे निंवूवीजश्रानिऐसाई तवाशीरताहीसंगहोई पीसिवरावरगोलीकरिए गोलीएकप्रातमुखध-
रिए धीरजकररसचूपेकोई तृषादूरताहीसुखहोय क्रमिकोपशिगराहटजावे तृषादोषसबदूरहटावे
इति श्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांतृष्णाधिकारकथनंनामसप्तादशोऽधिकारः ॥ १७ ॥



॥ अथरुधिरपूर्णकोष्टजलक्षणम् ॥

॥ चौमर्ध ॥ अवगाढशस्त्रजवनरहिंलागत तातेरुधिरअंतरपडजावत कोष्टरुधिरकरपूरणजवै दाह-असाध्यहोतहैतवै कोष्टस्थानहृदयकोकहिये पक्वाशयवाअग्निलहिये मूत्राशयवारुधिरस्थान उदकफु-फुसकोष्टसोमान

॥ अथरुधिरमोक्षउपाय ॥

॥ चौपई ॥ रुधिरपूर्णकोष्टहोइजाको दुस्तरहैउपायसुनताको रुधिरछुडानचिकित्साताकी वैद्यल-खेजोअसगतजाकी व्रणरोगकीजुचिकित्साकही कोष्टपूर्णमेंजानोसही

॥ अथधातुक्षयजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ धातुक्षयतेंदाहजुहोऊ मूर्छातृषायुक्तहैसोऊ हीनक्रियाअरुस्वरहैहीन ऐसेंदाहलहो-परवीन

॥ अथअन्यउपायाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जिंहक्षयधातूतेंहोइदाह मूर्छातृषाहीनस्वरजाह क्रियासमस्तरहितहोइजावै अतिशय-करवहुपीडलखावै विधिसोंताकोंदुग्धपिवावै वारसमांसवनायपिलावै दाहधातुक्षयकोनरहावै वंगसे-नमतएहिवतावै

॥ अथमद्यादिपानदाहलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हृदयस्थातकीवायुजोय पित्तरुधिरकरामिलहैसोय सोजवत्वचामाहिमिलजावे देहभयं-करदाहदिखावे

॥ अथमद्यादिपानदाहरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ शीतलजलतेंस्नानकरावै शीतलजलहिगुलावपिलावै होवेदाहरोगकीहान निश्चयअप-नेमनमोंआन काचेपयचंदनघसपाय पीवेदाहरोगमिटजाय ॥ अन्यलेप ॥ चौपई ॥ प्रियंगूचंदनमुथू-कपूर लोध्रलेहुसमकीजेचूर जलमिलायकरलेपनकरै दाहरोगकीपीडाहरै

॥ अथमर्माभिघातजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मर्ममाहिजोताडनलहिये तातेंदाहअसाध्यभनैये अवरहुंकोतनुशीतलभासे रोगीको-तनतप्तप्रकाशे ऐसोदाहसाध्यहितनहोय कहैअसाध्यदाहलखसोय

॥ अथअसाध्यचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मर्मघातकरजिंहहोइदाह शीतलदेहलखेपुनताह असठ्याधीसुअसाध्यकहावत ता-सउपायनसमभयोजावत ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्सादाहकीवंगसेनअनुसार आगेंयाकेपथ्यअपथ्यसुन-लीजैमनधार ॥ दोहा ॥ दाहानिदानसोईकह्योभाष्योग्रंथनिदान समभचिकित्साजोकरेसोहैवैद्यसुजान

इतिदाहनिदानंसमाप्तम् ॥

॥ अथदाहरोगेसामान्यचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अथदाहरोगेरसजमाह ॥ रसऔषधीउत्पन्नजुदाह ताकीऔषधदियोवताह द्राचाआमले-अरुनरगेल इनकारसजुइकत्रमेल पायशर्करारोगीपीजै दाहरोगसीततत्त्वणछीजै ॥ अथविषजदाहऔषधि ॥ चुलेरीमूलधनिआंअरुजीरा इनसंगदुग्धसिद्धकरवीरा ताहिदुग्धकोपानकरेजव विषजदाहकोदूरकरेतव अन्यच्च तुलसीस्वरसटंकपरीमान विषजदाहमैहितकरजान घृतशतधौतजुव्याधीखावै वातनुमलेदाहमिटजावै वासोऊघृतयवसत्रूसंग खावेहोयदाहकोभंग अथवावदरीफलकोचूरण धात्रीफलचूर्णसमपूरण यवसत्रूघृतसंगमिलावै खावैदाहरोगामिटजावै वासत्रूदाडिमअमलमिलाय खावैदाहरोगमिटजाय वांकांजीसोंवस्त्रभिगावै ऊपरलेयदाहमिटजावै लेपनखसचंदनकोकरै दाहपीडतातेंपरिहरै वाचंदनकालेपलगावै दाहव्यथाकोंदूरकरावै वापंखाचंदनजलकेसंग झुलावेहोयदाहकोभंग कदलीपत्रकमलदलआन तिन्हपरशयनकरेरुजवान तातेंदाहव्यथामिटजावै वंगसेनऐसेंप्रगटावै अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ जाकोतनुमोहोइवहुदाह असउपायकीजैसुनताह अगरजुकालाअवरउशीर पद्मकाष्टचंदनसोधीर यहसमपीसघसजलमोंपावै ताजलसोंइकद्रोणिभरावै तिसद्रोणीमोंव्याधीवैठै दाहव्यथातनकीसबमेटे अथघृत ॥ चौपई ॥ गुठलीविनाआमलेआन कुडवएकतिंहकोपरिमान घृतमिसरीपययहजोतीन प्रस्थप्रस्थलेवेप्रवीन सितजीरामघमरचांमासा चारचारपलजानोतासा चतुरजातकपुनपलपलचार सबहीकठीकरोसुधार अग्निपकायपात्रमोंधरै वलअनुसारखायदुःखटरै ॥ अथरस ॥ विजोरेरसमोमधुजुमिलावैपीवैदाहरोगमिटजावै वारसइक्षुपानजोकरे दाहरोगताकोसवटरे ॥ अन्यघृत ॥ चौपई ॥ कुशाअवरकाशीसमआन गणजीवनशालीपर्णिठाल इन्हसंगघृतवातैलपकावै खावैदाहरोगमिटजावै

॥ अथदाहरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥दोहा॥ दाहरोगकेपथ्यअपथ्यवर्णयोससुभ्रुवनाथ जैसेंभाष्योंग्रंथमोंतैसेंकहोसुनाथ ॥अथपथ्यम् चौपई शालीसठीचावलजान मुंगमसरयवकोटामान लाजामांडमांसरसकाहिये सत्रूमिसरीदुग्धभनैये घृतशतधौतनवनीतकहीजै कूष्मांडतरवूजलहीजै खरवूजाजुपनसफलआख्यो पटोलअनारपापडाभाष्यो द्राचाफालसेधनीयामानो चीरीवीजकासनीजानो सौंफआमलेहलदीकही रसकंदूरीधीयासही वालतालफलअवरछुहारे चिरनीकेफलअवरसिंगारे वहूपुष्पहौवेरप्रमान चंदनलेपनशीतलपान शीतलजलसोंकरस्नान जलसिंचितग्रहकरिअस्थान कमलपत्रकदलीदलआसन शीतलछायावागनिवासन गुलावउशीरचंदनजलपान कथाविचित्ररागसुनकान शीतलसदनफुहारेसंग सुंदरयुवतीलावैअंग चंद्रकिरणजुविदारीकंद शीतलरेतऊपरसानंद शीतलवस्तुसन्मुखधरवावै दाहरोगकेयहपथ्यगावै दोहा दाहरोगकेपथ्यकहेकरोंअपथ्यउचार वैद्यकग्रंथनिहारकेभाषारचीसुधार अथअपथ्यं चौपई विरुद्धअन्नअरुपानकहीजै क्रोधवेगरोकनसुनलीजै मार्गगमनचरणसंगजानों गजाश्वरूढभीनिंदपछानो त्तारउष्णवस्तुकोभत्तण अरुव्यायामसुनपुरुषविचत्तण भाष्योंतक्रतंवोलकहावे आतपमोंवैठनलखपावै मैथुनहिंगुकटुतिक्तजुलहिये आद्रकशुंठमरचपुनकहिये ॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यजुदाहकेजितग्रंथलखपाय समुभ्रुविचारसमस्तसोंसबहनदीयेसुनाय इतिदाहरोगेपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः ॥ शुभम् ॥ दोहा ॥ दाहरोगवर्णनकियोप्रथमनिदानवखान मध्यचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यप्रमान ॥ इतिश्रीदाहरोगःसमाप्तः ॥

॥ अथदाहरोगकर्मविपाक ॥

॥ चौपई ॥ जोनिंदाशिवशंकरकीकरै ताहिरोगदाहअतिवरै अत्यंतरोगप्रगटैतिहपाप चीनवलक-रेहेसंताप ॥ उपाय ॥ शिवमूर्तिइकपलपरिमान रूपेकीकरलेहुसुजान स्वर्णअर्धपलसोपुनलीजै गौरीमू-र्तिताकीकीजै पीतांवरपूजामनलावे रत्नभूषनतांकोपहिरावे तंडुलद्रोणतोलमंगवाय उभयमूर्तितापरवै-ठाय विधिविधानपूजातिसकरै शिवपार्वतीध्यानाचित्तधरै तांकोदेइविप्रकोदान रोगदाहनिश्चयह्वोइहान ॥ दोहा ॥ दाहरोगवर्णनकियोकारणसहितउपाय मदात्ययदोषवर्णनकरोसुनलीजैचितलाय ॥ इतिक-र्मविपाक ॥

॥ अथदाहरोगज्योतिष ॥

लग्नविषेमंगलपडेसूर्यपडेअठमाहि तवनरभोगतदाहज्वरनिश्चयमानोताहि प्रथमकरेगोदानसोफुनमं-गलजपहोम दाहरोगहरपीडाज्वरानिर्मलदेहजुसोम ॥ इतिज्योतिषम् ॥

इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाशभाषायांदाहरोगाधिकारकथनं नामअष्टादशोधिकारः ॥ १८ ॥



॥ अथमदात्ययरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ मद्यपानकेदोषगुणजेतेकहेनिदान तेतेसबवर्णनकरोंसुनहोपुरुषसुजान ॥ चौपई ॥ मूर्छादिकजेगुणविषकाहिये तेगुणमद्यपानमोंलहिये जोविनाविधिकरहैमद्यपान सोविषसमफलताको जान विधिसोंपानकरेनरजोय ताकोंमदिराअमृतहोय ॥

॥ अथमद्यपानविधिः ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमहिंचंदनहृदयलगावै मालापुष्पसुगंधीपावै सलवणमुसालाभून्योमास सुंदरस्त्रीयवैठेनिजपास इहविधिसोमदिराकरपान तौमनचेतनहोयपछान प्रथमहिंनिर्विकारतनुजानै तापाछेंमद्यपानसुठानै प्रातसमयदोपलकरपान मध्यदिवसपलचारपछान सायंकालअष्टपलपीवै सोमद्यताहिरसायणथीवै सुंदरस्त्रीयसुवामविराजै दक्षिणभागमद्यभाजनछाजै मरचलवणकरसंस्कृतजोय छागलमांससभून्योहोय पानसहितसोभक्षणकरै वीणानादरागढिगधरै यहमद्यपानकरनविधिजानो आगेयुक्तअयुक्तवखानो

॥ इतिमद्यपानविधिः ॥

॥ चौपई ॥ मदिराअन्नजुएकस्वभाय सोप्रकारअवकहोंसुनाय अन्नजुप्राणिनकोहैप्राण युक्तिसहितखावैसुखदान जोअयुक्तिसोंभक्षणकरै नाशकरैतनुयोंलखपरै विषप्राणिनकोहरताकहिये युक्तिसहितसोअमृतलहिये विधिसोंअरुमात्रासोंजान उचितकालयथावलमान मांसस्निग्धभोजनसंगपीवै सोमद्ययुक्तजुअमृतथीवै करेपुष्टवलआयुवधावै सुंदरआकृतरूपवनावै मनसंतुष्टकरैउत्साह कामवधावैअसगुणताह यहगुणकहैंयुक्तमद्यपान चारप्रकारमद्यपुनजान

॥ अथमदिराचारप्रकारवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ पूर्वप्रथमपुनदूसरजानो तीसरअवरचतुर्थकमानो ॥ अथपूर्वमदिरागुण ॥ पूर्वकेगुणसुनयोंगावत रतिनिद्रासुखप्रीतिवधावत पाठगीतमोंस्वरअधिकावत स्मृतिवुद्धीहर्षउपजावत

॥ इतिपूर्वमदिरागुणाः ॥

॥ अथदूसर ॥ चौपई ॥ दूसरमद्यकीविधीजोकहिये अल्पसुवुद्धीस्मृतिपुनलहिये अरुस्वरवाणीअल्पकरावै आलसनिद्रावहुतवधावै आकृतिचेष्टाताकीजोय उन्मत्तोंकीन्यांईहोय ॥ अथतीसरा ॥ चौपई ॥ तीसरमद्यरानामकहावै अगम्यस्त्रियामोंगमनकरावै गुरुपरमेश्वरकोंनहिंमानै भक्ष्यअभक्ष्यनांहिंपहिचानै नष्टवुद्धिहोइजावैतास गुप्तहृदयकीकरैप्रकाश

॥ अथचतुर्थम् ॥

॥ चौपई ॥ जेऊचतुर्थकमदिराकहिये परममूढतातामोलहिये काष्टन्यायअक्रियसोहोय कार्याकार्यविचारनकोय मृततुल्यसोदृष्टीआवै उन्मादरोगइवदारुणभावै ॥ इतिचतुर्थः ॥

॥ अथत्रिगुणमद्यकथनम् ॥

॥ चौपई ॥ प्रथममदिरासात्विककहीजै दूसरराजसनामभनीजै तीसरतामसताहिपछानो लक्षणसर्वचतुर्थीमानो इसमदिराकोंजोनित्यसेवे सोऊविकारोंकोंउपजेवे क्रोधीपीवैक्रोधमंभार सोउपजावै

बहुतविकार भीततृषितभूखोजोपीवै शोकतसमार्गश्रमथीवै विष्टामूत्रवेगजुरुकावे व्यायामकरैपाछेंम-धखावै अमलीरूखीवस्तुसाथ अजीर्णमांहिपीवैंसुनगाथ पानकरैनिखलजनजोय मदिरातसपीवेजो-कोय एतेजोकरेंमदिरापान पानात्यादिविकारप्रगटान पानात्यादिकचारप्रकार तिंहकोविवरोकरोंउचार

॥ अथपानात्यादिचारप्रकारनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ पानात्तयएकैकोंजानो परमदढूसरनामपछानो पानाजीर्णतीसरकहिये पानाविभ्रमच-तुर्थभनैये इन्हकेलत्तणअैसेजान भाषेजैसेंग्रंथनिदान पानात्तयपुनचारप्रकार वातजपित्तजकफजवि-चार अवरत्रिदोषचतुर्थकजानो तिंहकोविवरोप्रगटवखानो

॥ अथमदात्तयरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्सामद्यपानरुजमनमोसमझविचार जैसेंभाषोग्रंथमोंतैसेंकरोंउचार ॥

॥ अथवातजलत्तणम् ॥

चौपई हिक्काश्वासाशिरकंपकहीजे पार्श्वशूलपरलापलहीजें निद्रानाशतासकोजोय वातजपानात्तययोंहोय

॥ अथवातजपानात्तयचिकित्सा ॥

॥ चूरण ॥ चौपई ॥ सौंचलत्रिकुटाजलपीसमंगावै व्याधीकोंमद्यसहितपिलावै वातजपानात्तयहो-इनाश निश्चयमानोमनमोतास ॥ अथवा ॥ सर्वसंपत्तिउदितजोस्त्रीय षोडशवर्षअतियोवनजोय तासंगभोगकरैहितलाय वातमदातयहृदयसोंजाय ॥ अथपाण ॥ विजोरादाडिमपाणपीवै मदात्त-यरोगनाशतवथीवै ॥ अथमांसरस ॥ चौपई ॥ वनमृगपत्तिनकोरससमास सलंबणअमलघृतपीवैतास वातजपानात्तयहोइनाश वैद्यग्रंथमतकीनप्रकाश ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ सौंचलत्रिकुटाककडश्रृंगी वल्लजवायणकांजीसंगी यहसमचूरणमदसंगपीवै वातजपानात्तयहतथीवै ॥

॥ अथपित्तजलत्तणम् ॥

॥ चौपई ॥ दाहस्वेदज्वरमोहपछानो अतीसारहरिततनुमानो ॥

॥ अथपित्तजचिकित्सा ॥

॥ काथ ॥ चौपई ॥ मधुरवर्गसेसिद्धकरकाथ मद्यपिलावैताकेसाथ मधुशर्करागुलावमिलावै पीवैत-वपित्तजरुजजावै पाछेंइत्तुरसकीजैपान पित्तजपानात्तयकीहान पित्तमदात्तयजाकोहोय हिमक्रियासर्व-करैनरसोय ॥ अथवा ॥ खरगोशहरणमांसरुचखाय पित्तमदात्तयतौभीजाय

॥ अथमुंगयूष ॥

॥ चौपई ॥ मुंगआमलेदाडिमठांन यहसमकाथपियेहितजान पित्तजपानात्तयरुजनाशै होइआरो-ग्यदेहसुखभासै ॥ अथरस ॥ रसफालसेद्राचारसपाय खजूररसवाआमलेपिलाय पानात्तयपित्तजहोइ-नाश निश्चयआनोमनमोतास ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ अर्धमद्यअर्धजलकीजै मिसरीमधुमिलायक-रपीजै पित्तजपानात्तयसोहरै तनुअरोग्यहर्षमनधरै

। अथकफजलत्तणम् ।

॥ चौपई ॥ छर्दीसरोधनिद्रागुरुताइ डाकीअरुचिशीतजडताइ ॥

॥ अथवातजपानात्त्ययचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वमनकरावनवस्तूंजेऊ मधामिलायपिलावैतेऊ इंहप्रकरतिंहछर्दकरावै लंघनकरवावेदु-खजावैं अरुत्रिकुटादिकतीच्छणसंग मदिरापीवैंहोइरुजभंग ॥ चूर्ण ॥ समलेपीसचूर्णत्रिकुटाय सोपी-जेसंगरसत्रिफलाय कफपानात्त्ययरोगनिवारैं यहनिश्चयअपनेमनधारैं ॥ क्वाथः ॥ कुलत्थक्काथमधुपा-यपीलावैं कफपानात्त्ययरोगमिटावैं ॥

॥ अथअष्टांगलवण ॥

॥ चौपई ॥ सौंचलएलामरचांजीरा तिंतडिअमलवेतबहुधीरा अवरदालचीनीसमलेय इन्हतेंअ-र्धशर्करादेय वलअनुसारचूर्णयहखावै कफजरोगपानात्त्ययजावै दालचीनीमरचअरुएला तिनको-अर्धभागकरमेला सौंचलादिजोवस्तूकही तिन्हतेंअर्धशर्करासही

॥ अथात्रिदोषजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जामोयहसबलक्षणपैये सोइत्रिदोषजरोगभनैये

॥ अथत्रिदोषजपानात्त्ययचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ असरोगीकोलंचनचाहिये पुनक्रमसौंतिंहदुग्धापिलैये लंघनकरकफक्षीणलखावै कफक्षी-णहोएदुर्बलतापावै दुग्धहुतेंपुनवलकोंलहै अलपअलपमदिराभीगहै इसक्रमकरत्रिदोषामिटजावै पुन-उपायअवरहुंलखपावै ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ द्राक्षातिंतडीअवरछुहारा दाडिमफालसेआमलेडारा यहसमचूरणमधकेसंग पीवेहोयत्रिदोषजभंग

॥ अथपरमदविकारलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अंगभारीतृष्णाकफवृद्ध तंद्रावदनविरससुनिविद्ध ॥ शिरसंधीमोपीडाहोय अन्नमल-चिताजानोसोय विष्ठामूत्रतिसवारंवार परमदलक्षणएहिविचार

॥ अथपरमदचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ याभोजवैशूलप्रगटावै खायशर्करारोगमिटावै मद्यपानकरततक्षणजोय घृतशर्करा-जुचाटैसोय ताकोंमद्यनमस्तीकरै यहनिश्चयअपनेमनधरै

॥ अथपानाजीर्णलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दाहअफाराअवरडिकार पानाजीर्णलक्षणधार

॥ अथपानाजीर्णचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ त्रिफलामधुरात्रीकोंखावै प्रातहिंगुडआद्रकअचवावै ऐसोयोगसातदिनकरैं पथ्यरहै-मद्यमूर्छाहरै उन्मादअवरकामलानिवारै यहनिश्चयअपनेमनधारै सप्तअष्टपर्यंतदिनमान पानात्ययकरै-वेगमहान तानंतरजीर्णहोइजावै तवसोऊजुविमार्गीथावै कूष्मांडरसगुडसुनिलाय सोपीजैपानात्यय-जाय ॥ इतिपानाजीर्णचिकित्सासमाप्ता

॥ अथपानविभ्रमलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वमनकफतंद्राप्रमेह हृदययुक्तअंगपीडातेह कंठधुखैमूर्छाज्वरहोय शिरपीडायहलक्षणजोय मद्यपानअरुअन्नकहीजै इन्हमोजाकीरुचिनलहीजै उग्रपानविभ्रमतिसजान आगेंचिन्हअसाध्यपछान

॥ अथपानविभ्रमकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ दाखशर्वतवाकैथकीहोय अथवाअनारशर्वतफुनजोय सहितमिलायपीवैहितचाय पानविभ्रमकोरोगनशाय

॥ अथमद्यपानदुर्गंधउपाय ॥

॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ एकभागकायफललेय तातेंदुगुनमुत्थरलखतेय तासदुगुणशुंठीतिसपावै तातेंदुगुणसाषलखपावै सोसववस्तुइकट्ठीरलावै जलमिलायगुटिकावंधवावै सोगुटिकानित्यभक्षणकरै चापेवामुखभीतरधरै तौमदगंधपियेंनहिआवै वैद्यकमतयोंप्रगटसुनावै एलावालुककुठमिलाय मुत्थधनियांमुलट्ठरलाय ताकोकवलकरैनरजोय मुखदुर्गंधमदहरहैसोय

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ ऊपरकाउोष्टहीनहोइजावै दाहअवरवहुशीतजनावै तैलसमानप्रभातिसलहिये जिव्हादांतउोष्टश्यामलखैये अथवानीलवर्णहोइजावैं पीतवर्णदोइनयनलखावैं हिकाज्वरडाकीभ्रमहोय पार्श्वशूलरक्तकतनुजोय खांसीअधिकलखावैजोय वैद्यत्यागजावैलखसोय ॥ दोहा ॥ मदात्तयरोगनिदानकोंवर्णयोसमुझविचार गुणअवगुणमदकेकहेजानोवुद्धिउदार इतिमद्यपानात्ययरोगविकारनिदानंसमाप्तं

॥ अथसामान्यमदात्तयचिकित्सा ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ सौंचलशुंठजवायणजीरा चवकहिंगुसमपीसोवीरा यहचूरणपीवेमदसंग होयरोगपानात्तयभंग ॥ अन्यच्च ॥ धतूरारसगोदुग्धमिलावै पायशर्करापीदुखजावै ॥ मघ ॥ सुपारीफलतेंउत्पतजास अैसोमघपीवेजोतास तिसकरमूर्छाछर्दविनाशे अतीसारपानात्तयनाशे अतिशयकरशीतलजलपान यातेंभीइसरुजकीहान वनगोहेकीभस्मजुकीजै लेनसवाररोगयहछीजै वानित्यसैंधाभक्षणकरै यातेंइसरोंगहिंपरहरै ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ हरडकाथसंगघीउपकावे वाआमलेरससोंपकवावे सोघृतनित्यप्रतिखावेजोय मद्यहुतैंमूर्छानहिहोय ॥ अन्यच्च ॥ जोंजनकरहैवहुमद्यपान तातैंवलकीहोवतहान घृतशतावरीजोवहपीवै पुनताकेतनुमोंवलथीवै शतावरीरसअरकल्कमुलट्ठ तिससंयुतघृतकरेइकट्ठ सोघृतअग्निपकायखवावै मदात्तयक्षीणतवदूरनसावै अथवाइटसिटकाथाहिसंग चूर्णमुलट्ठयुक्तकरवंग तासमघृतपकायकरपीवै तांकेतनुमोंपुनवलथीवै जोमद्यपकोंवहुतृषाहोय तृषाचिकित्साकरहैसोय जोबहुमदतेंहोवतक्षीण ताहिस्नानवुटणाहितचीन दुग्धअवरघृतपानकरावै याहूतेंतनुक्षीणमिटावै ॥ दोहा ॥ चिकित्सामदात्तयरोगकीसोसबकरीवखांन अगेंयाकेपथ्यअपथ्यभाषोंसुनोसुजान ॥ इतिमदात्तयरोगचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथमदात्तयरोगपथ्यापथ्यनिरूपणम् ॥

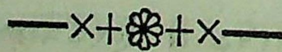
॥ दोहा ॥ मदात्तयरोगविचारकरपथ्यापथ्यप्रकार चतुरवैद्यसुनलीजियेतिंहकोंकरोउचार ॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ शोधनलंघननिद्राजानो तंडुलवर्षपुरातनमानो सठीशालीचावललहिये मुंगमाषयवकणकसुकहिये हरणमोरतित्तरकोमास लवासससापुनजानोतास स्वादिष्टअन्नजोहृदयसुखावे मिसरीदुग्धपटोलकहावे धात्रीफलफालसेपछान नारकेलजुविजोरामान कर्पूरछुहोरद्राचाभनीजे शीतलजलअरुपवनकहीजै घीउपुरातनपथ्यकहावै सदनफुहारनसहितसुहावै चंदनलेपनचंद्रकीकिरण प्रियतमप्यारेकोपथ्यमिलना श्वेतमहीनवस्त्रपरिधान युवतींकोआलिंगनमान गीतवजंतरऊंचेजोय रोगमदात्तयकेपथ्यसोय ॥ दोहा ॥ रोगमदात्तयकेकहैसबहीपथ्यसुनाय पुनअपथ्यवर्णनकरोंसुनलीजैचितलाय ॥ अथअपथ्यं ॥ दोहा ॥ तांबूलस्वेददांतनअवरअंजनधूमरपान एतेहीइसरोगकेकहेअपथ्यसुजान इतिमदात्तयरोगेपथ्यापथ्यअधिकारः समाप्तः ॥

॥ अथमदात्ययरोगकर्मविपाक ॥

॥ चौपई ॥ मोहद्वेषलोभकरजोय ब्राह्मणकाद्वेषीसोहोय तिसकररोगमदात्तयजान तासउपायसुनोपरिमान ॥ उपाय ॥ रूपेकोइकछागवनावै नेत्रसुवर्णकेताहिलगावै पुनऐसेहीखुरवनवावै प्रवालरत्नसोगलपहिरावै मोतनहूंकीपुच्छवनाय स्वेतवस्त्रऊपरछविछाय द्रोणतंडुलऊपराहिधरै विधिसोपूजाताकीकरै अग्निदेवकोआवाहनजोय विप्रहिच्छागदेयपुनसोय रोगमदात्ययहोवेनाश अन्नपचैतनुहोइप्रकाश ॥ दोहा ॥ दोषमदात्ययकहिदियोकारणसहितउपाय अपस्माररोगवर्णनकरोंसोसुनियेचितलाय

॥ अथज्योतिषउपाय ॥

॥ दोहा ॥ जन्मलग्नसेषष्टघरदेवगुरुपडजाय दशाभीहोवैताहिकीअरुवलहीनरहाय ताहितेमदात्ययकरेप्राणीत्तीनसंताप पूजाउचिततवदेवगुरुमंत्रयथाविधिजाप तिलघृतपिप्पलकाष्टलेहवनकरेमनभाय रोगमदात्तयदूरहैनिश्चयसुखप्रघटाय इतिज्योतिषम् ॥



॥ अथअपस्माररोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अपस्माररोगहिंकहौजैसेंकह्योनिदान मृगीव्याधिसुप्रघटहैसुनहोपुरुषसुजान ॥ चौपई ॥ चिंताशोकादिकजोकहै तिनकरकुपित्तहोयअतिलहै हृदयमध्यजोनाडीजान तिन्हेप्रवेशकरेंजुमहान वातपित्तकफयहजोतीन दोषाधिक्यकरेंलखलीन ज्ञानस्मृतिदोनोकोंनाशै अंधकारज्योंकछुनप्रकाशै विकृतनेत्राहितांकोजांन अपस्मारयोंरोगपछान चारप्रकारसोऊविख्यात वातपित्तकफअरुसन्निपात ॥ अथपुर्वरूपम् ॥ चौपई ॥ हृदयकंपशून्यडेरआहोय मूढतापरसामूर्छाजोय निद्राकोतवहोइहैनाश अपस्मारआगमलखतास

॥ अथवातजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पीडैदांतकंपतनहोवत फेननिकासेमुखतेंजोवत श्वासलेतवहुउंचेसोय फेनअरुणकृष्णवाहोय असवातजकेलक्षणलहै पित्तजलक्षणयोंअवकहै

॥ अथवातजचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातजमृगिकरेलखान वस्तीकर्मताहिपरिमान प्रथमवैद्यऐसेंअनुसरे पाछेऔरचिकित्साकरे

॥ अथपित्तजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पीतअंगफेनचक्षुपीत पीतलखैसबकछुहोमीत तृषासहितउष्णतनुलेखै सबकछुअग्निन्यायसोदेखै पित्तजअपस्मारसोजानो आगेलक्षणकफजवखानों

॥ अथपित्तजचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तजअपस्मारलखपावे ताकोरेचनवैद्यकरावे प्रथमचिकित्साऐसीकरे पाछेऔरग्रंथमतधरे

॥ अथअपस्माररोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथमहुघृत ॥ चौपई ॥ दोइपलमहूपुष्पमंगवावै द्रोणआमलेरसतिंहपावै प्रस्थएकघृतपायपकाय खावैअपस्मारपित्तजजाय

॥ अथकफजलक्षणम् ॥

चौपई ॥ शुक्लहोहिमुखफेनसुनैन शुक्लअंगरोमांचलखैन भारीलखैआपनीदेही शुक्लरूपसबकछुलखतेही वातपित्तज्वरतहिंहोइचूर कफजवेगाचिरकरहोइदूर.

॥ अथकफजचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ अपस्मारकफकरजुलखेजव वैद्यकरावैवमनताहितव प्रथमवैद्यऐसेअनुसरे पाछेअवरचिकित्साकरे.

॥ अथत्रिदोषजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जामेंयहसबचिन्हप्रकाश सन्निपाततेंजानोतास.

॥ अथत्रिदोषजाचिकित्सा ॥

॥ पूजाउपाय ॥ चौपई ॥ शिवकोपूजनकरेकरावै अरुविष्णूपूजेचितलावै जपअरुपाठकरावैकरै देवेदानरोगदुखहरै ।

॥ अथअपस्माररोगसामान्यचिकित्सा ॥

॥ अथतैल ॥ चौपई ॥ कौडसुहांजणानिंवपछानो अपामार्गत्वकरससमआनो ॥ इन्हकोरसएकत्रकरावै चतुर्गुणतिंहगोमूत्रामिलावै सभसमतैलपकावेतास मर्दनकरमृगीकोनाश ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ गुहअरुनकुलसर्पऋच्छधेनु इन्हकेपित्तेसमकरलेनु तिन्हसोंतैलपकावैमलै अपस्माररोगतुर्ततवटलै अरुताकीलेवेनसुआर अपस्मारतवरोगनिवार ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ तैलमिलायलसुनजोखाय अपस्मारनाशैसुखपाय ॥ अन्यच्च ॥ शातावरीषायदूधकेसंग अपस्माररुजहोवेभंग ॥ अन्यच्च ॥ व्राह्मीरसमधुसंगमिलाय सर्वअपस्माररोगनरहाय ॥ अन्यउपाय ॥ चोरजुदीयाफाहेहोय तागलकारस्सालेकोय ताहिदग्धकरभस्मकरावै शीतलजलसोंभस्मापिलावै अपस्माररोगहोइनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यउपाय ॥ निर्गुंडीकाजुवंदाआने पीसपीवेनसवारजुठाने अपस्माररोगनरहाय निश्चैयजानोकह्योसुनाय ॥ अथअंजन ॥ चौपई ॥ मनाशिलअवरकवूतराविठ पुनरसोंतसमकरोइकठ पीसोनयनोअंजनपाय अपस्माररोगतासामिटजाय ॥ अथनसवार ॥ चौपई ॥ गोवांदरविल्लाअरुश्वान जंवुकइन्हकोपित्ताआन समकरपीसलेयनसवार नाशहोयरोगअपस्मार ॥ अन्यच्चअंजन ॥ चौपई ॥ वर्चसरीहलसुणकुठहिंग दालहलदमुलठसमसंग अजामूत्रसोंखरलकराय अंजनकरअपस्मारनसाय ॥ अन्यच्च ॥ पुष्यनच्छत्रश्वानपित्तालीजै पीसताहिअंजनकरदीजै अरुघृतमेलधूपसोदेवै तवअपस्माररोगनरहेवै ॥ अथधूप ॥ चौपई ॥ नकुलगृध्रउलूजुविलार सर्पकाकसुनलेमनधार इन्हकेपच्छतुंडविष्टाऊ करइकत्रसमधूपधुखाऊ तातेंअपस्मारहोइनाश वैद्यकमतयोकीनप्रकाश ॥ अथवुटणालेप ॥ सितसर्षपवीजसुहांजनआन समदोइपीसगूत्रमोंठान वुटनामलेलेपपुनकरै सोअपस्माररोगपरिहरै ॥ अन्यच्चधूप ॥ अजामत्स्यअरुजानोश्वान समयहमाससुकावेआन धूपधुखायरुजीकोंदेय अपस्माररोगकोंदूरकरेय ॥ अथनसुआर ॥ तीच्छणमरचादिकनसुआर देवेअपस्मारकोंटार ॥ अथमर्दन ॥ कुडराचसीचोरकआने आस्फोताकेशीहरडसमठाने पीसगोमूत्रकेसंगमिलाय मर्दनकरेअपस्मारनसाय ॥ अन्यउपय ॥ चौपई ॥ मयूरशिखानरमांसमंगावे गोघृतसंगजुताहिरलावे तीनोसमयहखावैजोय अपस्माररोगमूलतेंखोय यामोंकछुनाहीसंदेह निश्चयमनमोंजानोएह ॥ अथअविलेह ॥ वर्चचूरणमधुसंगचटावै दुग्धभातकोंपथ्यखुलावै चिरकोअपस्मारमिटजाय सुगमउपायजुकह्योसुनाय ॥ अथरस ॥ कूष्मांडरसताहिमंगावे पीसमुलट्ठमिलायपिलावे अपस्मारकोहोवनाश निश्चयमनमोंजानोतास ॥ अन्यच्च नसवार ॥ चौपई ॥ ग्रीष्मऋतमोंकिरलाजोय होइमदमत्तजानेसबकोय तिसकिरलेकोउदरचिरावै तामोंमरचांपायधरावै किरलाजवैसूकसोजाय मरचांलेयसभीनिकसाय पीससोईफुनिनसिकापावे अपस्मारततच्छणमिटजावै ॥ अथपाणा ॥ चौपई ॥ मरुवेवीजमदनकेवीज दोनोसमइकठेकरलीज कर्षएकजलघोलपिलाय अपस्मारनाशेहोइजाय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ हृदयकंठनेत्ररुजजास स्वेदशीतकरपदलखतास अपस्मारचिरकाजिसहोई अहेअसाध्यजानलेसोई

तिसदशमूलीक्राथपिलावै अवरहुंघृतकल्याणखुलावै ॥ अथकल्यानचूर्ण ॥ चौपई ॥ पंचकोलात्रिफला-जुविडंग विडसैंधामघमरचांसंग धनिश्रांअजवायणअरुसुंठ यहसबसमलीजैकरकठ चूर्णकरैउ-ष्णजलसंग पीवेहोयरोगकोभंग अपस्मारवातकफनाशै उन्मादअर्शग्रहणीजुविनाशै अग्निवधे-बहुलागेभूष नरसुखलहेमिटेंयहदूष ॥ अथपलंकषातैल ॥ चौपई ॥ लाचाइटसिटचोरकपाय कुठ-ताहिमेंलेहुसमाय भषडासर्षपवरचमुलट्ठ हरडमोढ्योकरोइकट्ठ जाफलहिंगुशतावरिश्रान लसुण-नाकुलीतिक्ताठान यथालाभपंचीमांसविष्ठाऊ अरुपतीससबसमपीसाऊ वस्तामूत्रचतुर्गुणपाय एकगु-णासंगतैलमिलाय मंदअग्निसोंताहिपकावै मर्दनकरैंअपस्मारनसावै ॥ अथत्रिफलातैल ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटाअरुजवचार मरुवासमयहलेतिहडार करंजुमघांकमीलाश्राने अपामार्गपुनतासमठाने गजवाजकरेमूत्रकेसंग घृतवातैलसिद्धिकरेनिसंग लेनसवारतिसदेहमलावै अपस्माररोगतासामिटजावै ॥ अथब्राह्मीघृत ॥ चौपई ॥ ब्राह्मीरसवचकुठमंगाय शंखपुष्पीलीजैसमभाय पुरातनघृतमेंपायपकावे-खावैअपस्मारदुखजावे ॥ अथकूष्मांडघृत ॥ चौपई ॥ अष्टादशगुणकूष्मांडरस एकगुणाघृतपायमध्य-तस मंदअग्निसोंताहिपकाय चूर्णमुलट्ठामिलायजुखाय अरुतिसतनुमेंताहिमलाय अपस्मारदुखना-शकराय ॥ अथलघुपंचगव्यघृत ॥ चौपई ॥ गोगोवररसदुग्धमिलावे दधिगोमूत्रश्रमलसमपावे समघृतपायपकावैजोय नाशचातुर्थिकज्वरकोहोय अपस्मारउन्मादमिटावै बलअनुसारनित्यजोखावै ॥ अथमहापंचगव्यघृत ॥ चौपई ॥ दशमूलीत्रिफलारजनीदो कोगडत्वचासत्पर्णीजो कौडपुटकं-डाअवरजवांही अमलतासफलमूलतहांही लेहुनीलनीपुष्करमूल यहदोइपललेसमतूल द्रोणए-कजलपायपकावै पादशेषयहचूरणपावै त्रिकुटापाठाअवरभिडंगी त्रिवीहरडमूर्वालेचंगी निचुलाश्रा-ढकोदंतीजान भूनिंवचित्रादोइसारिवामान रोहितपूतिकअमदयंतदा यहदोइदोइटंकमोलियेतदा एकप्रस्थघृतकोपरिमान घृतसमगोगोवररसठान घृतसमदुग्धगोमूत्रदधिलेय अवरअमलरसघृतसमदे-य मंदअग्निधरताहिपकावै सिद्धजुहोययथावलखावै घृतजहअमृततुल्यपछान अपस्मारगुल्मरोगकीहान उन्मादअर्शकामलानसावै हलीमकराचसग्रहमिटजावै चातुर्थिकअवरअलक्ष्मीनाशै इत्यादिकयहरोग-विनाशै ॥ अथमहांचेतसघृत ॥ चौपई ॥ सनमूर्वाएरंडत्रिवीदशमूल शतावरीरहसनमघासमतूल अरुसुहांजणांतामेंपाय दोइदोइपलसबलेहुमिलाय जलमेंपायजुकाथवनावै पादशेषलखताहिछ-नावै मेदअवरमहांमेदापिसावै मुलट्ठविदारीकंदरलावै द्वेकाकोलीगोखुरूलुहारे द्राक्षासितायहसमले-डारे घृतसमक्राथसमस्तमिलाय सिद्धकरैघृतवललखखाय ज्वरनैत्यिकजुतृतीयकनाशै अपस्मारउन्मा-दविनाशै चातुर्थिकज्वरजावैश्वास ग्रहजुअलक्ष्मीनाशैकास वीर्यदोषक्षतदोषजुजेते यातैंशुद्धहोयसब. तेते जेंतिनवस्तुनकोपरिमान षोडशगुणाक्राथजलठान ॥ अथकपित्थादिवर्ती ॥ कपित्थमुद्गजुमुत्थर-ल्यावै यवउशीरलेतासमिलावै त्रिकुटातासकेसंगरलाय वस्तमूत्रसोंवर्तिवनाय वर्तिखावैरोगीजोय अप-स्मार रोगनाशातिसहोय अवररोगउन्मादविनाशै सर्पदंष्ट्रविषसवतिसनाशै विषपित्तवातजलमृतनरजोय अमृतसमानवर्तीतिसहोय ॥ अथजलमृतलक्षणम् ॥ विष्टब्धमूर्द्धअक्षीगुदजास शीतलउदरपादकरतास जलमृतलक्षणएतेकहै शोथपादनाभीलिंगरहे ॥ अथमांसीघृत ॥ चौपई ॥ मांसीलेकाश्मीरीजीवनी क-र्षकर्षयहलीजेंमनगुनी इन्हतेंअष्टअष्टगुणजान दुग्धश्रौरइक्षुरसठान तेंहघृतप्रस्थपकायजुखावै अपस्मा-रपित्तवातजजावे ॥ अथवचादिघृत ॥ चौपई ॥ वरचएरंडपलंकषाश्रान हरडहिंगुअरुचोरकठान अम-लतासतिन्हसंगमिलावे सबसमघृतमेंपायपकावे बलअनुसारताहिकोंखावै अपस्मारकफवातजजावे

॥ अथकटुभीतैल ॥ चौपई ॥ कटुभीनिंवअवरसणआन मिष्टसुहांजणतामोठान त्वचाइन्हनकीकोरसलेय तिंहरससमगोमूत्रमिलेय तिन्हसमतैलमिलायपकावै अपस्मारमर्दनकरजावै ॥ अथशियूतैल ॥ चौपई ॥ सुहाजनाकुठशिलाजितआन जीरात्रिकुटालसणजुठान हिंगूलेयसबसमहिपिसाय वस्तमूत्रमोताहिमिलाय तासमतैलमिलायपकावै अपस्मारमर्दनतेंजावै ॥ अथजीवनीयघृत ॥ चौपई ॥ जीवनीयजेऔषधकहियें पलपलएकप्रमाणलहेयें तैलप्रस्थघृतप्रस्थमिलावै दुग्धद्रोणजलपायपकावै सिद्धतैलकरखावैसोय अपस्मारनाशतिसहोय चिकित्साअपस्मारकीकही निश्चयमनमोंजानोसही ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साअपस्मारकीजानोवैद्यसुजान आगेंयाकेपथ्यअपथ्यसमभफोकरोंवखान

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अंगभ्रुवाजिसफरकतरहै नेत्रताहिनरविकृतलहै जोयहरोगक्षीणकोंहोय अरुवहुदिनतैलखियतसोय सोयहरोगअसाध्यकहीजै शास्त्रनिदानहुतैंलखलीजै ॥ अथकालनियममाह ॥ पक्षपाछेंहोइपित्तजजानो द्वादशदिनहोइवातजमानो मासलगैंजोयहरुजहोय कफहूतेंजानोतुमसोय जोउमलांऊपरकोपवहुधरैं द्वादसदिनभीतररुजकरै वर्षाऋतमोंज्योंवहुवीज अंकुरप्रगटकरैंसुलहीज तैंसेंव्याधिप्रगटहोइआवै ग्रंथनिदानसुनयोंदर्शावै प्रथमहिंछर्दरेचकरवावै तौनिवर्त्तरोगहोइआवै ॥ दोहरा ॥ अपस्मारलक्षणकहेभाषेंभलेंविचार समुभफचिकित्साजोकरैरुजिहिनहोयाविकार ॥ इतिअपस्मारचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथअपस्माररोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अपस्मारमृगीलखोकरैंलोकव्याख्यान ताकेपथ्यअपथ्यसबभाषोंसुनोंसुजान ॥ अथपथ्यं ॥

॥ चौपई ॥ जोअपस्मारवातकरहोय वस्तीकर्मपथ्यहैसोय जोपित्तअधिकहुतैंप्रगटावै रेचनताकोपथ्यकहावै कफजहोयतौवमनप्रमान तीनदोषकेपथयेंजान अंजनधूपअवरनसवार शिरताडनभीपथ्यविचार वडोपथ्यहैदानकरावन त्रासहर्षविस्मयउपजावन धीरजवुटणअवरस्नान महापथ्यहैआत्मज्ञान घीउपुरातनअवरअनार दुग्धसमस्तपथ्यविचार ब्राह्मीवूटीकेदलजानो वृद्धजुकुष्मांडपहिचानो बाथूसाकफालसेदाष धात्रीफलसुहांजणभाष तैलतिलनकोपथ्यकहावै वर्षाजलपुनहरडलावै अजाअश्वकोमूत्रजुअहै वहुरपटोलपथ्यलखलहै ॥ दोहा ॥ अवरजुपथ्यउन्मादकेंभाषैसबजहजान अपस्मारअपथ्यहैंतिन्हकौंकरोवखान ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ चिंताशोकक्रोधभयकहिये सदाअपवित्रताहिजोगहिये मदिराअरुमछीपहिचान कपटअवरअतिमैथुनमान तीक्ष्णउष्णअन्नगुरुजोई ताकोभक्षणअपथ्यलषसोई पत्रशाककंदूरीकोफल पुनजानोआषाढमासफल वेगतृषानिद्राकोजोय क्षुधावेगपुनजानोसोय इन्हवेगनकोंजेऊरुकावै अपस्मारकोपथ्यनकहावै वहुजलअग्निशस्त्रजुनिहारन लखोंअपथ्यकियेउच्चारन पूजाजिन्हकीकरणिकही सोनपूजयहतजिंहयोंलही सोभीअपथ्यमृगीकोजान वैद्यशास्त्रयोंकीनवखान ॥ दोहा ॥ अपस्मारकेपथ्यअपथ्यसबहीकरैउचार पथ्यगहैत्यागेअपथ्यहोइ

आरोग्यअपार इतिअपस्माररोगेपथ्यापथ्याधिकारः समाप्तः ॥ दोहा ॥ अपस्मारवर्णनकियोप्रथमहिं-कह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवखान ॥ इतिअपस्माररोगःसमाप्तः ॥

॥ अथापस्माररोगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ पापवुद्धिकरनरखलजोय उपकारीकोंगणेनसोय ताउपकारलोपकरदेह तां-कोंरोगप्रगटहोइएह तांकोकहोंउपायसुनाय सुनलीजैअपनींचितलाय ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ कर्ष-प्रमाणस्वर्णकोंआनै मूर्त्तिगणेशचतुर्भुजठानै अर्धकर्षस्वर्णपुनलेय मूषकप्रतिमातासकरेय मंडपमध्य-विराजैजास लोकपालसंगपूजैतास पुनहिंअर्धरात्रिकोंजोय मत्स्यमांसकोंलैवैसोय वेतालनकोंवालिसो-दैवै गणेशमंत्रकरहवनकरेवै विप्रहिंदेनिजदोषमिटाय ऐसेंकर्मविपाकलखाय ॥ दोहा ॥ अपस्माररो-गवर्णनकियोकारणसहितउपाय हिक्कारोगकेदोषकोंभाषोंभलेवनाय इतिअपस्माररोगदोषकारण-उपायः समाप्तः शुभं

॥ अथअपस्माररोगज्योतिष ॥

जोअठमेग्रहमोपडेमंगलसूर्य्यसमान शनीभीहोवेताहिमोतीनोग्रहइकमान तिहनरव्याधीअतिकहोअ-पस्मारकीहान तीनोग्रहकाजपकरेहोमयथावलजान इतिज्योतिषं

॥ अथान्यप्रकारमृगीरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ गाढीकफादिमागकेमाही वातसंगवावातजनाही सोईदिमागवीचरुकजावे प्राणवायु-केनीचेधावे श्रोतवंदतवमृगीभाषे प्राणहेतुकच्छुरस्तारापे जेकरप्राणरोकेआजावे तौवहसगतारोगक-हावे आगेमृगीलक्षणहोई हाथपैरविंगेअंगसोई जववुखारशिरमेनहिधावे तावतकालनमृगीआवे जोवुखारशिरमेचढजाई तौलचारअतिहीभयदाई प्राणखैंचभीतरदुखहोई विंगेजोडतसंनुजसोई ता-हींछिनदुर्गंधीआवे जैसेंगंधकवालजालावे मुरदारकीरकुतरांनजोहोई हुक्केसमदुर्गंधिसोई प्राणस्थान-तजअतिभयमांनो विहोसीकरसुखघज्जपछांनो पच्चीवर्षरोगस्थिरहोई आगेऔषधकरेनकोई मृगी-रोगहोतजवजांनो ताहिचिकित्साऐसीमांनो अतिशीतअतिगर्मीत्यागे अतीनीरलखमृगीजागे अती-पवनअतिमस्तीहोई ऊंचीजागादेखेसोई अश्वदुडावतअतिसुखमांने इनकारणतोमृगीजांने मृगीवा-नधूपनहिसेवे अग्नितेजअतिधूमनलेवे मदिरापानकरेनासोई अतिमैथुनतेंमृगगीहोई वालककोंमृ-गीप्रघटावे ताहिअलाजवहुतनाभावे द्वादशवर्षहोतहैजवहीं मृगीआपदूरहैतवहीं जेकरवालकछोटा-होई पीवेदूधरोगपुनसोई जोतिसदूधपिलावनहारी ताहिचिकित्सावैद्यउचारी कफकृतचीजन-दीजोताही तरीदूधचरवीचिकनाई ऐसीचीजनताहिखुलावे रोगदूरवालकसुखपावे ॥ उपाय ॥ आकदूधसोनित्यप्रतिलीजे पहरशेषदिनमर्दनकीजें हाथपैरतलमर्दनकरिए दिनचालीतकमृगीहरिए फलहिंगूटनित्यप्रतिखावे मृगीरोगताहिकटजावे ॥ दोहा ॥ वंदालीजोवेलकानरमूत्रसंगपाय पी-सनासिकादीजिएमृगीरोगहटाय हाथीकामदलीजिएस्त्रवेकर्णतेंजोय रुईभिगोयसुकाइएपरमऔष-धीहोय मृगीदोषविहोसनरताछिनकरेउपाय सोमदजलसोंघोलकरनासिकाग्रपहुचाय ॥ चौपई ॥ शतावरीरससतमासेल्यावे तोलेतीनदूधसंगपावे दोईगर्मकरपीवेसोई मृगीरोगदूरतवहोई जेकरवा-

लकरोगीजांनो ताहिशतांवरिशीरामांनो माषेतीनदूधसंगदीजे सताईदिनतकऐसाकीजे भोजनदूध-भातनित्यदेवे पुरातनसठीचावललेवे कसौंडीपुष्पकुठमघपावे पीसनीरनसुआरचढावे मृगीरोगदूर-हैसोई आगेऔरऔषधीहोई बर्चलूणमघताहिमंगावे खिरनीजढचारोसमपावे दुंवेकाफुनिमूत्रमंगाय पीसऔषधीताहिसुंघाय अरलुछिलकामैदाल्यावे तोलेतीनतीनसमपावे खावेनित्यप्रतिदोइमिलाय मृगीरोगताहिकटजाय छिलकाकौडजुणजुणालीजे गोरोपनताहिसंगकीजे करेकाथदाईकोदेवे शेषरहेसोवालकसेवे अकरकरासेरइकलीजे चारसेरमधुतासंगदीजे पीसमिलायपाकवनवावे साडेत्रै-मासेनित्यखावे मृगीरोगउठेआराजाई दांतपीडसरदीकीनाई जेकररुधिरअधिकलखपावे सरेरोरग-कारुधिरछुडावे अथवारगसाफनकाहोई पिंनीपछकरावेसोई हरडआदिकस्कुआथापिलावे उदरशुद्ध-मृगीकटजावै आमाशयकादोषजोहोई वमनकरायरोगकटसोई छडयुलावकेफूलमंगाय मस्तकीलो-हवानसंगपाय सघनपीसनीरसंगपाय सघनपीसनीरसंगपाय ताहिपेटपरलेपकराय समुद्रफलजल-पायपिसावे नसुआरलेतमृगीकटजावे ॥ दोहा ॥ तृडालीजेंआककाताकोमारसुकाय मरचपायसम-पीसिएसोनसुआरचढाय मृगीसमेउपायकरताहिछीकवहआय कीडाझडेदिमागतेमृगीसोहटजाय इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाशभाषायांअपस्माररोगकथनंनामविंशोऽधिकारः २०



॥ अथहिक्कानिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ हिकाहिडकीकोंकहैंताकोकहोंनिदान जैसेंकह्योनिदानमेंतैसेंसुनोंसुजान ॥ चौपई ॥जो-रूक्षोकावजभोजनखावै अवरविदाहकभारीपावै अरुशीतलभोजनकोंखावत अरुशीतलअस्थानरहा-वत अरुजोधूमधूरीमुखजावै थकैअवरवडभारउठावै आतपवातजुवहुतसहारै अरुजोनिराहारव्रतधारै अतिव्यायामकरैनरजोई वेगमूत्रविष्टादिरुककोई अभिष्यंदजोवस्तूखात हिकारोगतासहोइजात इन्ह-कारणतेकुपितजुवाय प्राणअन्नजलनाडिरुकाय इसकारणतैंहिकाहोय विवरोकरभाषतहोंसोय वायुउ-दाननामजिंहगावत शब्दसहितसोऊप्रगटावत कलेजाआंद्रांवारंवार उछलावतसोलखोविकार आंद्र-कलेजायोंउछलावत मानोतुरतइन्हैंनिकसावत सोहिकाहैपांचप्रकार ताकोभेदकरोंउच्चार सोऊवा-युकफसोंआमिलै पांचरूपहोइहिडकीचलै एकअन्नजायमलाएक क्षुद्राएकसुलहोविवेक एकगंभीरा-नामपछानो पंचमिकोमहितीलखमानो॥ अथहिकापूर्वरूपं॥ चौपई ॥ कंठहृदयमोगुरुताहोय कुक्ष-भारीमुखरसविनजोय हिकाकोयहपूरवरूप जानलहोहेपुरुषअनूप ॥

॥ अथअन्नजालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अन्नपानअतिशयजोकरई पीडितवातहिडकितिसवरई ऊर्द्धगमनकरदुखउपजावै अन्न-जहिडकीताकोंगावै ॥

॥ अथयमलालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वेगयुगलजोकरेमहान चिरकरप्राप्तलखोजुसुजान शिरग्रीवाकोंजोकंपावै यमलाहि-डकीसोऊकहावै

॥ अथक्षुद्रालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हिडकीजोचिरपीछेंआवै मंदवेगताकोदरशावै जंतुमूलतेंआवैजवहि प्राणीकोदुखदेत-हितवहि सोईक्षुद्रानामकहीजै गंभीराअवसुनलखलीजै

॥ अथगंभीरालक्षणम् ॥

नाभिस्थानतेउपजितजोय ज्वरादिउपद्रवसंयुतहोय घोरगंभीरानादसुकरै गंभीरानामतासउच्चरै ॥

॥ अथमहतीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मर्मोकोंउत्पाटनकरै सवहिअंगकंपवहुधरै सबसमयहोवतहैदिनरात कालनियम-कछुनाविख्यात सोमहितीहिडकीकरजान सबतैंकाठनयाहिकोंमान ॥

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिसकोंहिडकीऐसीआवै देहसकलजोसिमटीजावै नेत्रफटैंहिडकीकेलेत मुखतें-अन्नभाद्योनिकलेत ऐसेलक्षणजामोलहिये सोअसाध्यहिकालखलैये जोमहितीजुगंभीराहोय दोऊइ-कठीअसाध्यलखसोय इसरोगहिंकरक्षीणजुलहिये वृद्धअवस्थाविनरुचअहिये मोहरहेछिकाहोयजास वैद्यत्यागकरजावेतास मैथुनप्रियइसरुजमोहोय तासचिकित्साकरैनकोय ॥ अथसाध्य ॥ मोहप्रलाप-

करजुजोय तृष्णापीडाजिसनरहोय जाकीदेहक्षीणनहिहोई इंद्रियबलसंयुक्तजुसोई तासचिकित्सा- करणीयोग कह्योसाध्यशास्त्रइहलोग पूर्वलक्षणकहेजुहोय देहइंद्रियबलक्षीणहैजोय ऐसीयमलाजा- कोजान जावैवैद्यत्यागतिसमान ॥ दोहा ॥ हिक्कारोगनिदानकोंवरण्योंभलीप्रकार तासचिकित्साकहि- तहोंसुनलीजैमनधार ॥ इतिहिक्कारोगनिदानं समाप्तम्

॥ अथहिक्कारोगशिक्षाचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ हिक्काकेअबभाषहोंसुनोचिकित्सातास ज्योंजगहितवंगसेननेहितसोंकरीप्रकाश ॥ अथहिक्काउपाय ॥ चौपई ॥ प्रथमउपायकहोंसाधारण तासोंहिडकीकीजेटारण प्राणायामजुरोकनप्राण हिडकीजायसत्ययहजाण अरुतरजनतेंहिडकीजाय विस्मायनतेंभीनरहाय अरुजोहोयतासनिरस्कार हिडकीनाशेलगैनवार घोरअलापनकरैजुकोय तातेनाशहिकादुखहोइ अथवाहृदयमर्दनहृदयघात तातेंरुजहिडकीभागजात अथवाकथाप्रसंगसुनावै तातेंभीहिक्कामिटजावै इंद्रवज्रअग्निअरुपवन वृद्धिकोप्राप्तकउननिवारन तैसेविलंविकाहिक्काश्वास वैद्यजुकौननिवारेहितास ॥

॥ अथहिक्काचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अल्मफलरसलेतासपिलावै हिक्कारोगतासमिटजावै अल्मफलकहेजुग्रंथमेमानो भिन्नभिन्नतिन्हेनामवखानो किंवजंभीरीनिंवूजान अम्लवेतविजोराइल्मीमान ॥ अन्यच्च ॥ मुलट्ठजुमधुसोंचाटेजोय वामघशर्करासंयुतहोय इन्हकरहिक्काहोवैनाश ग्रंथकारमतकीयोप्रकाश सुंठमिलायअजापयपीवै हिडकीनाशतासतेंथीवै ॥ अन्यच्च ॥ प्रियंगूकारसताहिपिलावै यातेंभीहिक्कारुजजावै ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ लाजासत्तूलवणमिलाय जलमिलायकरताहिचटाय हिकाकोरुजहोवेनाश बंगसेंनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ मुलट्ठपीपलीसमयहआन मधुसोंचाटेहिक्काहान ॥ अन्यच्च ॥ गुडअरुसुंठमिलायजुखावै हिडकीजायपरमसुखपावै वालेवेताकीनसवार हिक्कारोगतासतेंटार ॥ अन्यच्च ॥ विजोरेरससमधुजुमिलावै सौंचललवणरलायचटावै हिकारोगनाशतवहोय वैद्यकमतयोंजानोसोय ॥ अन्यच्च ॥ धारादुग्धथननतेंलेवै हिक्कारुजकोनाशकरेवै ॥ अन्यच्च ॥ शुंठआमलेमघांमिलाय मधुमिलायचौटदुखजाय ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलासमेलचूरणकीजे मधुमिलायचाटैसुखलीजे ॥ अन्यच्च ॥ मघपीपलगेरीयहदोय मधुमिलायचाटेसमजोय हिक्काकोहोवैतवनाश आनंदउपजैवहुतहुलास ॥ अन्यच्च ॥ वेरागिरीसुरमाअरुलाजा तिक्कागेरीसमलेकाजा कंचनपत्रमधुमेलचटावै हिडकीरोगनाशकरवावै ॥ अन्यच्च ॥ मघांआवलेमिसरीआन ताकाचूरणकरेसुजान शुंटीकाहीदधिमधुमेल चाटैजोहिकाकोंठेल ॥ अन्यच्च ॥ सफलसपुष्पपाडलीमंगावै ताहिखजूरांमघांमिलावै मुस्थरमधुमिलायकरचाटै हिक्कारोगयाहिसोंकाटै ॥ अन्यच्च ॥ मिसरीमिरचलौंगपुनपाय गिरीवेरकीसमकरभाय मधुसोंव्याधीचाटप्रात हिडकीताकीतवहीजात ॥ अन्यच्च ॥ सुंठवेरगेरीमरचेंसंग पीसलयेसमअवरलवंग मधुमिलायकरचाटैजोय हिडकीनाशतासकीहोय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ मघांआमलेसुंठसुलीजै मिसरीमेलसुचूरणकीजै ताकोंखावैहिडकीजाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय ॥ अन्यच्च ॥ हरडवहेडेसेंधापावै भूनजवायणतासमिलावै चुटकीत्रैअंगुलीनितखाय निश्चयहिडकीरोगनसाय ॥ अन्यच्च ॥ एकपत्रथोहरकाआन असगंधपत्रदोतामोठान यहचूरणगोपयसोंपीजै हिकारोगनाशकरदीजै ॥

अथधूप ॥ चौपई ॥ मनळलहलदीसमकरमान अग्निधुखावैवैद्यसुजान व्याधिकेमुखधूआंदेवै हिडकीनाशहोयसुखलेवै ॥ चौपई ॥ गोविषाणनैपालीलीजै कुठरालइकसमसोकीजै अग्निधारकरधूमजुपान होवेतवहिक्काकीहान ॥ अन्यच्च ॥ कुशापीसघृतसंगमिलाय अग्निधुखायधूमसुदिवाय होवैहिक्काकोतवनास रोगीकोतवहोतविलास ॥ अन्यच्च ॥ केवलमाषदालजुधुखावै धूमतासदेहिडकीजावै ॥ अथनसवार ॥ चौपई ॥ विष्टामाषीलाखमिलावै जलमिलायनसवारदिवावै प्रातहिउटलेवैनसवार हिडकीनाशेनिश्चयधार ॥ अन्यच्च ॥ सुकतीकिटहिंगुमंगवाय लसणवर्चसमलेपीसाय अजामूत्रसातपुटदेय सोनसवारव्याधीनित्यलेय तातेंहिक्काहोवेनाश समुझलीजीयेकरविश्वास ॥ अथकाथ । चौपई ॥ रेंवंदमघासमकाथवनावै सहिंगुपीजीयेहिडकीजावै श्रीधन्वंतरिवाकवखान्यो याहीतेंनिश्चयमनठान्यो ॥ अन्यच्च ॥ मूलसंभालूकुठपीसाय टांकटांकमघहिंगुमिलाय करैकाथरोगीकैरैपान होवैनिश्चयहिडकीहान ॥ अन्यउपाय ॥ ककूलअवरइक्षुरसआन चित्रापीसताहिमेंठान याकोंपीवेउठप्रभात होइजावैहिक्काकोघात ॥ नसवार ॥ नारीदुग्धसंगघीउपकावै वामधुरवस्तुसंगसिद्धकरावै ताहिघृतकोपानकरावै नसवारलेयहिडकीदुखजावै कफवातहरनवस्तुजोकही हिक्कानाशनजानोसही

॥ अथहिक्काश्वाससंयुक्तहोवेताकीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ हिक्काश्वासएकट्ठेजास कहोंसुनायचिकित्सातास परसामर्दनतैलप्रशस्त वमनकरावनरेचलफस्त ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ सुंठभिडंगीचूरणकीजै सतप्तोदकपीजेदुखछीजे ॥ अन्यच्च ॥ सुंठभार्गीसितासौंचलपाय तप्तनीरसोंपीरुजजाय वाहरडसुंठतप्तोदकपीवै नाशश्वासहिडकीकोथीवै अथवामरचअवरयवक्षार पुष्करमूलएकसमडार तप्तनीरसोंपीवेजोय नाशश्वासहिडकीकोहोय ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ देवदारुकाथदशमूल पीवैश्वासहिक्कानिर्मूल ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ सौंचलमघाअवरयवक्षार चोरकहिंगुहरडफुनडार दशमूलक्काथदधिमंडमिलाय मंदअग्निघृतपायपकाय हरडसंगउठसोघृतपीवै हिक्काश्वासनाशतवथीवै ॥ अन्यच्च ॥ प्रथमहिंवासाकाथवनावै तेंहमिलायघृतकोंपकवावै प्रातहिंघृतकोंपीवेजोय नाशश्वासहिडकीकोहोय ॥ अन्यच्च ॥ प्रथमहिंत्रिकुटाकाथवनावै तामोंघृतपकायकरखावै हिक्काश्वासहोयतवनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ सोंचलमघांअवरयवक्षार हिंगुकायफलयहसमडार तप्तनीरसोवलअनुसार पीवैहिडकीश्वासविडार अथवामदिराकोकरपान होयश्वासहिडकीकीहान ॥ अथदुग्ध ॥ चौपई ॥ सौंचलमघांअवरयवक्षार चोरकहिंगुहरडफुनडार दशमूलक्काथदधिमंडपकाय मंदअग्निघृतपायमिलाय हरडसंगउठसोघृतपीवै हिक्काश्वासनाशतवथीवै ॥ अन्यच्च ॥ प्रथमहिंवासाक्काथवनावै तेहमिलायघृतकोंपकवावै प्रातहिंघृतकोंपीवेजोय नाशश्वासहिडकीकोहोय ॥ अन्यच्च ॥ प्रथमहिंत्रिकुटाक्काथवनावै तामोंघृतपकायकरखावै हिक्काश्वासहोयतवनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथदुग्ध ॥ चौपई ॥ अजादुग्धगुडसुंठमिलावै तोयचतुर्गुणपायकढावै जबजलजायशेषपयरहै पीयश्वासहिक्काकोंदहै ॥ अथश्रृंग्याद्यंघृतं ॥ कक्कडश्रृंगीभार्गीलयाय सुंठमुलट्ठहरडतिहपाय मंजीठहरिद्रालीजैसंग क्काथकीजियेहोयनिसंग प्रस्थएकघृतक्काथमोपाय मंदअग्निसोताहिपकाय चतुर्गुणशीतलजलकेसंग फुनघृतसिद्धकीजियेचंग सोघृतपानकरेनरजवहि हिक्काश्वासकासहरतवहि ॥ दोहा ॥ हिक्कारोगनिवारणकरीचिकित्सागान आगेंयाकेंपथ्यअपथ्यभाषोंसुनोसुजान ॥ इतिहिक्कारोगचिकित्सा समाप्ता ॥

॥ अथहिक्कारोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ हिक्काकोंहिडकीकहैंताकेपथ्यापथ्य वर्णितहोंसबजनसुनोजानवातयहतथ्य ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ अडिल्पछंद ॥ स्वेदवमननसवारजुधूमरपानही रेचननिद्रामृदुस्निग्धअन्नपानही कणकसठीयवचावललहीपुरातना तीतरहरणवटेरमासाहितकरगिना १ लस्सुणपक्कपिथ्यपटोलपछानिये तुलसीश्यामपछानतप्तजलमानिये छोटीमूलीमदिरापुष्करमूलरे हरताकफअरुवातजलान्नतांबूलरे माष्योंअवरजुलाजाशीतजलछिरकनो वहुतहर्षवहुद्वेषक्रोधपुनवहुगिनो तातकालदेत्रासतप्तजलपानसुन प्राणायामकरावैंशिरजलधारपुन मृत्तिकाजलकरसिंचीगंधसुदीजीये दग्धमृत्तिकागंधपुनहलखलीजीये नाभिऊपरउदरदुअंगुलजानहो वलसोंमर्दनकरनपथ्यपरिमानहो दीपकसेतीगांठीहरदिजलाईये चरणउपरदोईअंगुलनाभिदागदिवाईये हिक्कारुजकेपथ्यसुयहलखलीजिये पाछेंतेंपुनसमुझ्चिकित्साकीजिये ॥ अथअपथ्यं ॥ दोहा ॥ हिक्कारुजकेअपथ्यहैंतिंहकोंकरोंउचार समभ्फलहोमानुषचतुरातिंहकोसबपरकार ॥ अथअपथ्यं ॥ अडिल्पछंद ॥ अधोवातअरुविष्टामूत्रडिकारजो इन्हकारोकनवेगअपथ्यविकारसो धूरिपानअरुआतपखेदविरुद्धभक्त ग्राहकदाहकरौक्षअन्नजलपानलख माषचणेजुरवांहिअवरखलजानिये अनूपदेशकोंमांसअपथ्यपछानिये तूंबीफलअरुसर्षपमत्स्यवखानयो भेडदुग्धअरुअमलअपथ्यपछानयो तैलतलीसबवस्तुकंदसबजानरे गुरुशीतलसबअन्नपानउरआनरे दांतोंकोंसंघर्षणदातनजानिये एतेकहोअपथ्यस्वमनअनुमानिये ॥ दोहा ॥ हिक्कारुजकेपथ्यअपथ्यभाषेसमभ्फविचार करेचिकित्सासमभ्फयदेतातेंनाहिविकार ॥ इतिहिक्कारोगेपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः ॥

॥ दोहा ॥ हिक्कारोगवखान्योप्रथमनिदानसुनाय पुनहिचिकित्साताकहीपथ्यापथ्यसुभाय इतिहिक्कारोगः समाप्तः ॥

॥ अथहिक्कारोगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ तपवर्णाश्रमधर्मजुकहिये सोतपतजैअैसोनरलहिये ताकोंहिक्काआयसंचरै तासउपायसुनोउच्चरै ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ मृगकेचर्मउपरातिलधेनु स्वर्णशृंगिखुररजतलषेन मुक्तादामपूछसंगलावै पूजैविधिसोंवस्त्रउढावै दक्षिणासहितविप्रकोंदेय हिक्कारोगदूरकरलेय ॥ दोहा ॥ हिक्कारुजवर्णनकियोकारणअवरउपाय श्वासजुदोषवखानियेसुनलीजैचितलाय ॥ इतिहिक्कादोषकारणउपायः समाप्तः ॥

॥ अथहिक्कारोगज्योतिष ॥

दशासूर्यकीवुधमोआनपडैपापिष्ट चौथेअठमेवारमेजन्मभावकरश्रेष्ट हिक्कारोगजुताहिकोयाहीकह्योयथार्थ सूर्यपूजायथाविधिकरेताहिनिवारणार्थ ॥ इतिज्योतिषम् ॥

इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांहिक्कारोगाधिकारकथनंनामएकविंशोऽधिकारः ॥ २१ ॥

॥ अथश्वासरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ हिकारोगनिदानवखानो श्वासरोगमेंसोतुमजानो वंगसेनजोकीनउचार ।चिकित्साताकीभिन्नविचार सर्वशरीरपवनजोधावे कफसेंमिलसवनाडिरुकावे जववहपवनफिरनेरहिजाय श्वासरोगतवहीप्रगटाय ॥ दोहा ॥ भाषोंअनुक्रमश्वासकोसोहेपांचप्रकार तिसकोविवरोभिन्नकरसुनहोपुरुषउदार ॥ चौपई ॥ महाश्वासइककोंजुवखाने ऊर्द्धश्वासदूसरकोमाने श्वासविच्छिन्नतीसरोजान तमकश्वासचौथोपहिचान क्षुद्रश्वासपंचमकोंकहिये पांचप्रकारइसीविधलहिये वातकोपतेंक्षुद्रजुजान कफकेकोपतेंतमकसुमान विच्छिन्नपित्तकोपतेंकहिये महाअरुऊर्ध्ववाततेंलहिये ॥ अथश्वासपूर्वरूपमाह ॥ चौपई ॥ श्वासरोगजवप्रथमहिंभासे एतेंलक्षणतवैप्रकाशे उरमोंपीडाशूलअफारा कवजविरसमुखकीनउचारा दोइसंखनमोंपीडाहोय इहविधिलक्षणजानोसोय वातसकफहोइक्रोधहिंधरै लोकसकलइंद्रियवशकरै सोऊवातश्वासउपजावै पांचप्रकारसोईप्रगटावै ॥ अथमहाश्वासलक्षणं ॥ ॥ चौपई ॥ जोनरकोंकंपावतवात दुखितश्वासऊचेप्रगटात मदमत्तहुयेवृषभकीन्याई श्वासलेतसोनरयोंगाई त्यक्तहोयज्ञानविज्ञान लोचनभ्रांतमुखखुल्योरहान विष्टामूत्रवद्धतिसहोय वोलनकोंसामर्थनसोय दीनहुआअतिहीदुखपावे दूरहिंतेंस्वरश्वाससुनावै यहमहाश्वासरोगजिसहोई शीघ्रमरैहैरोगीसोई ॥

॥ अथऊर्द्धश्वासलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दीर्घश्वासऊपरकोंआवैं नीचेकोंनहिंखेंचेजावैं कफकरमुखमेनाडीद्वार रोकेजावैतिहनिरधार क्रुद्धवातकरपीडितहाये ऊंचीदृष्टिराखैंहसोय नेत्रडरेवततताकेमान इतउतदेखतभ्रमाचित्तजान विकृतमुखकरदेखतरहै मोहअवरपीडाकोंगहै सूकोमुखपीडितवहुश्वास ऊंचेआवेंअधनप्रकाश औसोश्वासवृद्धइवहोय शीघ्रमरैहैरोगीसोय महाश्वासअरुऊरधश्वास यहअसाध्यहैंकरहैंनाश.

॥ अथविच्छिन्नश्वासलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जाकोंश्वासवारइकआवैं दूसरिवाधवंदीहोइजावैं मर्मखेदपीडाकरजोई लेनसकैजुश्वासपुनसोई खेदआनाहमूर्छाकरेसोय प्रलापदुखताकेतनहोय नाभितलेपीडारहैतास अश्रुपूर्णलोचनहोईजास सोनरक्षीणदेहहोइजावैं श्वासलेतचक्षुअरुणदिखावैं शुष्कवदनविवरणहोइरहे चित्ततासउद्विग्नतागहै औसोशीघ्रप्राणकोंदेवै श्वासविच्छिन्नअसाध्यकहेवैं ॥

॥ अथतमकश्वासलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातउलटवेगजवकरै नाडियोंयाआवेशसोधरै जवप्रवेशपूर्णकरलेय शिरग्रीवाकोंपकडधरेय तवमुखसोंसोकफनिकलावे अरुपीनसनिससदारहावे कंठविषैघुरघुररवहोय प्राणतीव्रवेगहिंदुखजोय महाअंधकारमंझार निजहिंप्रविष्ठतलखैविकार श्वाससाहितखांसीवहुजास तातेंनिरचेष्टाहोइतास जवहिंकफनिकसनपरआवत वहुतदुखताकोदरशावत कफहूंकेनिकसेंउपरंत मुहूर्त्तमात्रसुखहोतिसजंत कंठमांहिखुरकवहुहोय वडेकष्ठसोंवोलतसोय वैठारहैतेसुखकोंमानै लेटेंदुखहोइनिद्राजाने अंगकंपपरसातनुरहै मुखसूकैअसपीडासहै शयनसमेहोयपार्श्वपीर उच्छ्रितनयनलखोमनधीर मेघहुंतेंशीतलजलपान इन्हतेंहोइयहदुखपरिमान अरुपूर्वदिशाकीलेवेवात अरुकफकृतवस्तुजाखात इन्हहुंकेसेवनतेंजान त-

मकश्वासवृद्धहोइमान कफअरुवातहुतेंजोहोय उष्णवस्तुसुखमानोसोय जाकोंज्वरअरुमूर्छाहोय तमकश्वासजानोतुमसोय आमविदग्धकरनरहेजोय पित्तहुतेंप्रगटहैसोय धूरिअजीर्णतेभीलहिये विष्ठामूत्ररोधतेंकहिये वृद्धअवस्थाकरभीहोय अंधकारकरवधहैसोय शीतवस्तुसेवैजोकोऊ तमकश्वासशांतितिसहोऊ कष्टसाध्ययहश्वासपछानो आगेंक्षुद्रश्वाससुवखानो ॥

॥ अथक्षुद्रश्वासलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रूक्षोभोजनजोनरखावै अथवाखेदकरैश्रमपावै कोष्टस्थानवातसंचरै क्षुद्रनामतासतेंधरै इन्हकारणतेंयहप्रगटाय यहवहुपीडादेतनकाय अंगपीडाभीवहुतनकरै जलभोजनकोंरोकनधरै सबइंद्रीयकोंदुखनहिंदेवै क्षुद्रश्वाससुखसाध्यकहेवै ॥ दोहा ॥ महाश्वासअरुऊर्द्धपुनअवरविच्छिन्नअसाध्य कष्टसाध्यजोतमककेंहेक्षुद्रश्वाससुखसाध्य इतिश्वासरोगनिदानंसमाप्तम् ॥ रामाय नमः ॥

॥ अथश्वासरोगचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ श्वासचिकित्साभाषहोंवंगसेनअनुसार जोयाकोंसेवेरुजीहोयसोरहितविकार प्राणहरणजोरोगहैसोहैवहुतप्रकार जैसेहिक्काश्वासहैतैसोकियोउचार ॥ अथयवागूक्काथ चौपई ॥ दशमूलरास्नामघांकचूर सुंठजानपुनपुष्करमूर जहसमलेकरक्काथवनावै ताहियवागूपायपकावै सोरोगीकोंनित्यखुलावै अथवाकेवलक्काथपिलावै अथवाअमलीककडशृंगी रिद्धगिलोयअरुसुंठभिडंगी इन्हकेक्काथयवागूसाथ पिलाववाकेवलकरकाथ श्वासकासहिडकीयहनाशे हृदग्रहपार्श्वपीडाविनाशे ॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ दशमूलकुलत्थअवरयवजानो मुत्थरवलाकोलसमठानो करैक्काथउठप्रातपिलाय श्वासकासहिडकीमिटजाय अन्यच्च चौपई कुलत्थसुंठअरुलघुकड्यारी वासासमकरक्काथसुधारी चूरणपुष्करमूलवरूर पीवैश्वासकासहोइदूर अन्यच्च ॥ चौपई ॥ क्काथकरैसमलेदशमूर ऊपरपुष्करपीसवरूर पीवैश्वासकासहोइनाश पार्श्वशूलकोकरैविनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ वरचकंड्यारीअरुसुरदार सुंठकायफलपुष्करडार यहसमक्काथपानजोकरै शीघ्रश्वासकासदुखहरै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ विल्वजवाहालघुकंड्यारी भषडाककटश्रृंगीडारी चित्राअवरागिलोयमिलाय क्काथपानयहश्वासमिटाय ॥ अथभिन्नाभिन्नक्काथ ॥ चौपई ॥ कुलत्थदशमूलकाथकरलीजै जंगलपक्षीरसमासरलीजै रोगीपीवैताकोयास रोगजायसुखहोयपरकास काशमर्दक्काथपिलावैयास वाकाथसुहांजणदीजैतास वावासाकोकाथदिवावै सूकीमूलीयूषपिलावै भिन्नभिन्नयहक्काथपछान सबहीश्वासरोगहरमान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हरडसुंठमधुपर्णीमिलावै पुनदशमूलसमकाथवनावै पीवैतमकश्वासयहहरै वातश्वासनाशेसुखकरै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ केवलअभयाक्काथसुधारे भांगुरेरसअरुमाष्योडारे पीवैतमकश्वासमिटजाय वंगसेनभाषनसुखदाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ कदलीकुंदपुष्पपीसावै सरींहपुष्पसममघांमिलावै तंडुलजलसोंचूर्णखाय श्वासरोगकादुखमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सुंठमघांमुथ्रककडशृंगी पुष्करसटीमरचलेचंगी सबसममिसरीपीसमिलाय पुनयहकाथपकायवनाय वासाअरुगिलोयपंजमूल करैक्काथयहलेसमतूल याहिकाथसोंचूरणसोय पीवैतीनदिनोदुखखोय घोरश्वासकाहोवैनाश दुखमिटेहोइसुखपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कूष्मांडजडक्षांहिसुकावै चूर्णतसनीरसोंखावै श्वासरोगकोहोवैनाश दुखजावैतनुसुखपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटाककटशृंगी पंचलवणकंड्यारीभिडंगी अवठानोतुमपुष्करमूल यहचूरणकीजैसमतूल तसनीरसोंपीवैजोय श्वासअव-

राहिकाक्षयहोय केवलपुष्करमूलकोचूरण वाशुंठयवक्षारेकरतिसपूरण ताकोखावैरोगीजोय तमकश्वासदूरतिसहोय अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जीवंतीलेपुष्करमूर सुरसाएलामघांकरचूर अगरसुंठआमलिमुश्रपिसाय दालचीनीवालासमसबपाय अष्टगुणीशर्करामिलावै बलअनुसारताहिकोंखावै तमकश्वासहिडकीकोनाश दुखजावैसुखउपजैतास अथअविलेह चौपई कटुकतैलमोगुडजुमिलावै दिनइकीसपर्यंतचटावै श्वासरोगहोवेनिरमूल निश्चयजानोकवीनभूल अन्यच्च चौपई द्राक्षाहरडजवांहाशृंगी मघामिंलीयेतासंगचंगी समयहचूर्णकरोचितलाय मधुघृतमेलोनित्यचटाय दारुणश्वासकरैयहनाश निजमननिश्चयकोंजैतास ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हलदीमरचांदाखकचूर गुडरहसनमघइकसमपूर तैलमिलायचटावैजोय श्वासप्राणहरनाशेसोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ धात्रीफलकंडयारीजान यहदोईसमलेचूरणठान इक्षतअर्धहिंगुजुरलाय मधुमिलायदिनतीनचटाय श्वासरोगकाहोइहैनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश अथ धूम्रपान ॥ चौपई ॥ हलदीपत्रएरंडकोमूल मनछलदेवदारुसमतूल मांसीमुथरलाखमिलाय घृतमिलायवातीभिगवाय अग्निधुखायनिजवदनपसार पीवैधूम्रंरोगनिवार दारुणश्वासनाशहोइजावै वंगसेनयोंप्रगटसुनावै ॥ अथहिंस्रादिघृत ॥ चौपई ॥ हिंस्रालेविडंगत्रिकुटाय पूतिकचित्राकर्षसमभाय प्रस्थएकघृतपयदोइप्रस्थ तोयचतुर्गुणपायप्रशस्थ मंदअग्निपरताहिपकावै बलअनुसारताहिकोंखावै श्वासकासअरुचिक्षयनाशे अर्शगुल्मयहरोगविनासें अथसौवर्चलघृत ॥ चौपई ॥ सौंचलकौडवरचयवक्षार त्रिकुटाचित्रासमलेडार अरुविडंगघृतपायपकावै खाययथाबलश्वासमिटावै ॥ अथकुलत्थादिघृत ॥ ॥ चौपई ॥ कुलत्थअवरलीजैदशमूल ब्राह्मीज्येष्टीलेसमतूल प्रस्थप्रस्थइन्हकोपरिमान द्रोणएकजलपायपकान पादशेषरह्योजबजाने प्रस्थएकतामोघृतठाने दोयप्रस्थदुग्धतिंहपावै पुनपलपलयहपीसमिलावै पंचकोलअवरयवक्षार मंदअग्निसोंलेहुसुधार बलअनुसारनित्ययहखावै श्वासकासहिडकीमिटजावै ग्रहणीअर्शविषमज्वरनाशे पीनसगुल्महृदरुजहिंविनाशे अवरप्लीहरोगकोंटारे करवलवरणअरुजताधारै ॥ अथभृंगराजतैल ॥ चौपई ॥ दशगुणभृंगराजरसलीजै तैलएकगुणपायपकीजै बलअनुसारपीजियेसोय नाशश्वासकासरुजहोय ॥ अथक्षारपिप्पली ॥ चौपई ॥ पलासवृक्षकीलीजैछार मघापीससमतामोंडार मधुघृतमेलमासपर्यंत चाटैश्वासकासहोइअंत हिक्काअर्शपांडुज्वरजाय ग्रहणीपीनसशोथामिटाय कंठरोगगुल्मछर्दईनाश अरुस्वरकंठसुष्टुपरकाश ॥ अथभार्गीगुड ॥ चौपई ॥ शतगंठीभिडंगीलीजे एकशतहरडेंसमभक्षपतीजै भिडंगीसमदशमूलमिलाय चतुर्गुणतोयसोंमंदपकाय पादएकशेषजवरहै छाणलेयहरडेंपुनगहै गुडदुगुणोमेलपकावै पक्तलेहसमलखजवपावै तलैउतारैशीतलकरै षटपलमधुतामोअनुसरै त्रिकुटात्रिसुगंधपीसाय पलपलयहपावोसमभाय दोयकर्षमेलेयवक्षार पुनस्निग्धत्रासनमोंडार एकहरडअर्धपललेह नित्यप्रातिखावैचाटैएह श्वासकासमंदाग्निमिटावै अग्निवर्णस्वरअधिकवधावै ॥ अथकुलत्थगुड ॥ चौपई ॥ कुलत्थअवरदशमूलमंगाय ब्राह्मणज्यष्टीइकसमभाय शतशतकर्षइन्हकोपरिमान पायद्रोणजलकरोपकान पादशेषरह्योजानेजवै वस्त्रछानलेयताकोंतवै तुलार्धप्रमानगुडतामोंपावै पक्वनायशीतलकरवावै माष्योंअष्टपलपायमिलाय वंशलोचनषटपलतिंहपाय मघपीपलदोपलपरिमान त्रीसुगंधदोइपलतिंहठान अरुसुगंधदोइपलतिहदीजै सबमिलायवलखानितपीजै तमकश्वासकोनासकरावै श्वासकासहिडकीज्वरजावै ॥ दोहा ॥ कहीहिचिकित्साश्वासकीवंगसेनअनुसार आगेंवर्णोंयाहिकोपथ्यापथ्यअधिकार इतिश्वासरोगचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथश्वासरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यश्वासरोगकेग्रंथनकेअनुसार वर्णनकरोंसुजानियेनिजउरसमभ्फविचार अथपथ्यं अडिल्यछंद रेचनछर्दजुखेदधूम्रकोपानसुन साठीयवअरुकणककुलत्थपरिमानपुन दिनकोसोनोअवरपुरातनतंडुला मांसजोतीतरमोरपथ्यजानोलवा मरूस्थलमृगपक्षीइन्हकोमासही वक्रीकाघृतदुग्धपथ्यलखतासही अवरपुरातनघीउमद्यमधुजानिये कंट्यारीवृंताकद्राक्षपहिचानिये शाकचुलाईवाथुहरडपटोलसुन लघुलाचीमघपीपलसुंठीमरचपुन तप्ततोयगोमूत्रजुपुष्फरमूलही लघुदीपनअन्नपानश्वासहरशूलही कंठकूपदोइकक्षअवरदोइवक्षपलहु दीजैशस्त्रतपायदागइन्हठौरमहु यहसबभाषैपथ्यरोगजोश्वासके इन्हपथ्यनकोंगहेरोगहततासके ॥ दोहा ॥ पथ्यकहेरुजश्वासकेसमभ्फोपुरुषउदार परमहिंपथ्यप्रमानकरपुनकीजैउपचार इतिपथ्यं अथअपथ्यं ॥ दोहा ॥ अपथ्यकहोंअवश्वासकेतिन्हकोंत्यागैजोय श्वासरोगतिसनारहैऔषधसफलीहोय अडिल्यछंद मूत्रपुरीषडिकारछर्दतृषकासजो इन्हकोरोकजुराखेकहोअपथ्यसो दंतकाष्ठजोकरैलेयनसवारही मैथुनमार्गचलनबहुतश्रमधारही भारउठावतधूरिउडीमेंपैठनो सूरजकीजहांधूपतहांवहुवैठनो ग्राहकदाहकभारीवस्तुजुखावनी अनूपदेशकेमासजुरक्तछुडावनी तैलतलीजोवस्तुमत्स्यसर्षपलहो जलजेकफकरदुष्टकंदसबलखगहो माषनखाहिनआदिजुकफकरवस्तुजे पूर्वदिशाकीपवनदुग्धघृततक्रते ॥ दोहा ॥ श्वासरोगकेपथ्यअपथ्यभाषैसमभ्फविचार वैद्यचतुरसोइजानियेलखपुनकरउपचार इतिश्वासरोगेपथ्यापथ्यअधिकारः

॥ अथश्वासरोगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

अथकारणउपाय ॥ चौपई ॥ जोविनायज्ञवनपशुकेश्वास रोकरखैऐसेंलखतास अरुजहांकथापुराणसुहोय अन्यकथातहिंभाषैजोय अरुनिषिद्धवस्तुनकोंखावै धर्मशास्त्रकीनिंदासुनावै अरुजोक्षुधातिनरहोय विप्रतासभोजनकरजोय तिन्हकोंश्वासरोगप्रगटावै तांउपाययोंभाषसुनावै अथउपाय ॥ चौपई ॥ प्रतिमास्वर्णवरुणअरुवाय ताम्रपात्रमोंधरैवनाय रजतपाशवरुणकरदेय ताम्रध्वजामारुतकरतेय सजलकलसउपरिसोंधरै पुनतिलपंचद्रोणअनुसरै तिलनउपरसोकलशधरावे समंत्रनपूजेहवनकरावै करसंकल्पब्राह्मणकोंदीजै श्वासरोगतैंमुक्तिलहीजै ॥ दोहा ॥ स्वासरोगवर्णनकियो प्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिचिकित्सावर्णकेपथ्यापथ्यवषान इतिश्वासरोगःसमाप्तः

॥ दोहा ॥ श्वासरोगवर्णनकियोकारणसहितउपाय उन्मादरोगवर्णनकरोसुनलीजैचित्तलाय इतिश्वासरोगदोषकारणउपायःसमाप्तमः

॥ अथश्वासरोगज्योतिष ॥

द्वितीयशनीजन्महिसुचंदवारहएडेजुराह वीचकर्तरीचंदजोपडे लग्नमोजाह श्वासरोगतवहोतहैज्योतिषकेअनुसार बलीक्रूरग्रहकोंकहीयथाशक्तिशुभकार ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथान्यप्रकारश्वासरोगकथनम् ॥

॥ चौपई ॥ तंगीसुश्रासहोतहैंजवहि जीकुलनफसनामहैतवहि कफगादीवीचफिफरेहोई श्वासमार्गमेंलपटेसोई सीधापृष्ठभारजवजांनो वावैठकऊंचीजागामांनो श्वासमार्गवंधतवहोई अतिखेदन-

रपावेसोई अतिस्निग्धभोजननहिखावे चरवीमांसआदिनहिभावे भोजनअतिमोटाजोहोय अतिगा-
ढासेवेनहिसोय इनकरदोषअधिकहोईजावे श्वासकठिनरस्तारुकजावे कासरोगसरदीकाहोई आदि-
लिखाऔषधकरसोई आद्रकरसकपूरसंगपावे पीवेश्वासरोगहटजावे श्वासरोगजववातजहोई आ-
गेलच्छणसुनिएसोई खेचलकरेश्वासवधजावे सुकीखांसीसंगदिखावे घरघरशब्दकंठमेहोई पडेचुवक-
दुखदायकसोई त्रिकुटावाविडंगमंगवावे हौवेरचित्रासंगपावे नागरमोथासंगरलाय कचूरमैललोहकी-
पाय मासेसातसातसमलीजे पीसछानकरचूरणकीजे मधूमेलदसमासेखावे दोईभेदकाश्वासहटावे
मुमेआईमासेतीनमंगावे मर्खारमेलनित्यचटनीखावे सुहागालीजोमासेदोई खावेनित्यश्वासहरसोई
त्रिफलामुथरसुंठील्यावे भडिंगीमघसमभागरलावे मासेसातसातसमहोई मधूमेलचाटेदुखखोई सुंठ-
गिलोवांसामंगवावे धमाहापुषकरमूलरलावे सतसतमासेलीजोसोई करेकाथपीवेनरकोई श्वासरोगता-
हीकटजावे सुगमयतनकरसुखउपजावे कंडेआरीसुंठीचित्राल्यावे कलौंजीपुषकरमूलमिलावे सतसत-
मासेलीजोसोई करेकाथपीवेसुखहोई चौदामासेमघांमगावे तोलेतीनमर्चसंगपावे दोतोलेलौंगताहुमे-
लें शुंठीत्रैतोलेसंगकीजे चीनीखडदसतोलेपाय चूरणदसमासेनित्यखाय श्वासरोगताहिहटजावे रहे-
पालपरसुखउपजावे ॥

॥ रोगउभोसाही ॥

॥ चौपई ॥ दुहराश्वासशीघ्रनिकसावे रववनामफारसमतगावे जैसेंअतिदौडेनरकोई आवतश्वा-
सताहुवतहोई करडादोषयतनवहुभावे आदियतनकरशीघ्रहटावे छातीफिफरेदोषजोहोई रेचनतेंवा-
हिरकरसोई दसमूलकंडेआरीछोटील्यावे त्रैत्रैतोलेकाथवनावे सुंठीत्रैमासेसंगपाय पीवेकाथदोषहट-
जाय ऊटकडाहीवूटाल्यावे सुकायवीचहांडीकेपावे मुखकरवंधअग्निमेसोई राखताहिभस्मजवहोई
चौदामासेनित्यप्रतिखावे श्वासरोगताहिहटजावे निंवभ्रूगअरुलोध्रमंगावे कंडेआरीरससतवारमिलावे
सातभावनापूरनहोई सतमासेनितसेवेसोई प्रतिदिनऔषधसेवनकरिए श्वासरोगताहीछिनहरिए
श्वासरोगखांसीसंगजानो छातिगुरदेपीडपछानो कमरपीडदुखदायकसोई जुआननकोअतसेंकरहोई
जेकररोगवृद्धकोजांनो फितकरोगतवसंगपछांनो उतरेनलनामाकहुसोई अतिखांसीअतिपीडाहोई
पेटवीचपडदाफटजावे आंदरएकवृषणपरधावे फितकरोगताहीकरजांनो च्चयीरोगवतयतनपछांनों
दाघछेईदेवेनरसोई छातीगिरदेचरोहोई एकफिफरेऊपरमांनो कलेजेऊपरदुसरजांनो छेईदाघदेदो-
षहटावे रोगनवीनशीघ्रहटजावे ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांश्वासरोगाऽधि-
कारकथनंनाम द्वाविंशोऽधिकारः

॥ अथउन्मादरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उन्मादनिदानजुग्रंथमोंभाष्योनेकप्रकार सोप्रकारसबहीकहोंसमझोबुद्धिउदार ॥ चौपई ॥ वातपित्तकफतीनकहीजैं हृदयप्राप्तजववृद्धिलहीजैं मनकोगमनकरेंदशनाडि तिंहकोंसोरोकैंदृढगाडि तवैपुरुषमनविभ्रमहोय रुजउन्मादकहीजैसोय रुजउन्मादमानसीजानो इकइकदोषहुतेंभीमानो सन्निपाततेभीयहहोय मनकेदुखहूतेंभीसोय विषहूंतेंभीउपजतजान भिन्नभिन्नसुचिकित्सामान जवहीरोगतरुणयहहोय वुद्धिनहोयलहोयोंसोय तौमदताकोनामकहीजे आगेंतिसअसकारणलहीजे अथकारणं ॥ चौपई ॥ क्षीरसुहितमत्स्यादिजुखावै यहविरुद्धभोजनसुकहावै विषसोंमिलतजुभोजनहोय भोजनदुष्टकहावतसोय अरुअपवित्रजुभोजनखावत गुरुसुरकोतिरस्कारकरावत अरुवहुहर्षवहुतभयमाने वहुतकामवहुक्रोधजुठाने विषमजुचेष्टामनअभिघात एतेकारणकरोविख्यात इन्हकारणकरमलजोकोपें तौरजतममनकोंआरोपें तातेंसतगुणआलसरोपें अल्पसत्वगुणनरहृदिगोपें वुद्धिनिवासहृदयजोकहिये ताहिमलिनकरदेयहलहिये तवमनगमननाडिदशजोह रोकेंचितउपजावैंमोह

॥ अथउन्मादपूर्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ वुद्धिभ्रमेमनचंचलहोय व्याकुलदृष्टिअधीरताजोय अवद्धवाकहृदयशून्यलखावैं सामान्यचिन्हउन्मादकहावैं

॥ अथवातजउन्मादनिदानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रूक्षोशीतलअन्नजुखावै रेचनवमनहुतेंप्रगटावै धातुक्षीणतेंअरुउपवास वृद्धवातहोइआवैतास चिंतायुक्तहृदाहैजोय मलिनवुद्धिस्मृतकरैहसोय

॥ अथवातजरूपम् ॥

विनास्थानाविनसमयनिहार हास्यकरैविनसमझविचार अंगविक्षेपणरोदनकरै नृत्यगीततानउच्चरै मंदगुस्कावेकृशतनुलहिये देहकठोरअधिकलखपैये अरुणरंगतादेहलखावै भोजनपचैंवातवढजावै यहवातजउन्मादस्वरूप पित्तजलक्षणप्रगटेंमूप

॥ अथवातजउन्मादरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उन्मादचिकित्साकोंकहोंसुनलीजैचितधार जैसेंभाषीवंगसेनमातैसेंकरोंउचार
॥ चौपई ॥ उन्मादवाततैंजिंहप्रगटान ताकोस्नेहपानपरिमान

॥ अथपित्तजउन्मादनिदानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ विदग्धअवरगर्मजोखात तातैंकुपितपित्तहोइजात कटुकविदाहीअमलजुखावै इत्यादिकवहुपित्तवधावै अवरजुचित्तचिंतायुतहोय रुजउन्मादप्रगटकरसोय

॥ अथपैत्तिकस्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ कह्योकिसूकोसहिहैनाही नग्नरहिनमनमोबहुचाही क्रोधकरैअवरहिंजुडरावै अरुलोकों-सोंभाग्योजावै उपजितजाकेतनुमोदाह तातेंसीतलछायाचाह शीतवस्तुशीतलजलचाहि पीलोमुख-भासैहैताहि यहपैत्तिकउन्मादकहीजै कफजकहोंआगेंसुनलीजै

॥ अथपैतकउन्मादचिकित्सा ॥

उन्मादपित्ततेंजिंहप्रगटावै ताजनकोंरेंचनकरवावै

॥ अथकफजउन्मादनिदानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अतिभोजननरकरहैजोय चेष्टामंदताहिकीहोय गर्मीकफहृदमोंवधआवै बुद्धिस्मृति-कोनाशकरावै मोहितचितवहुकरैविकार ताकोरूपकरोंउच्चार

॥ अथकफजस्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ मंदवचनकहैचेष्टामंद होयअरुचिअरुछातीवंद एकांतवासइस्त्रीप्रियहोय छर्दकरैअति-निद्रितसोय मुखतेंलालानिकसतीरहैं नखादीश्वेतकफजयोंलहै

॥ अथकफजउन्मादचिकित्सा ॥

कफतेंजिहउन्मादलखीजै तिसव्याधीकोंवमनकरीजै

॥ अथत्रिदोषउन्मादलक्षणम् ॥

वातपित्तकफतीनजोकहे तिनकेलक्षणजामोंलहै जोकारणतीनोकेजान त्रिदोषउन्मादमोंसोइपछान

॥ अथशोकादिउन्मादनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ शोकचौरभयतेंप्रघटावै राजपुरुषलखडरउपजावै अथवाअवरकिसीसोंडरै रुजउन्मा-दतिंहकोभीवरै धनीपुरुषकोजवधननाशै ताकोंभीयहरोगप्रकाशै घातशस्त्रकरवडतनुलागै ताकोभी-विकारयहजागै मनमोंजिहतियसंगवडिचाह याहिरोगपुनउपजतताह

॥ अथशोकादिउन्मादस्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ गुप्तवातजोमनधरै मुखसोंवकैप्रघटसोकरै रोवैवकैहसेपुनगावै चेष्टामूढसबेदर्शावे

॥ अथअन्यच्चशोकजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ इष्टद्रव्यकेनाशहुतेंजव भ्रमैचित्तताहीतेंजिहतव इष्टद्रव्यतिहप्रापतकरै वाउपदे-शकरेभ्रमहरै ऐसोंकामशोकभयलोभ ईर्षाहर्षक्रोधतक्षोभ इन्हकरजोउपजैमनभ्रांति यहदूरकरें-तोहैचितशांति.

॥ अथविषजउन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तनेत्रनष्टवलहोय इंद्रियतेजनष्टहोइजोय ज्ञानरहितहोइजावैदीन श्यामवदन-भसलक्षणचीन.

॥ अथसरस्वतीघृतचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ त्रिफलाब्राह्मीअवरगिलोय मजीठअनंतातातहिसमोय पाठासरिवालक्ष्मणाजान दोइकंड्यारीआमलीमान शालिपर्णीगिरिकिरणकालीजै दोइटसिटसहदेवीदीजै पृष्टपर्णीअरुहरडमिलीजै वस्तुसबसमकठीकीजै अवरहुंसूरजवल्लीआन पलपलइन्हकोलषपरिमान पूर्णकुंभजलपायपकावै पादशेषरहैताहिछनावै प्रस्थसुघृतमिलायलषलीजै पुनियहचूर्णतामोंदीजै नतवरचकुठमघसेंधापावै कौंतीसर्षपपलपलल्यावै निरोगसवर्णसवत्सागोजेऊ सबसमदुग्धतासकोलेऊ पुष्यनक्षत्रहिंयाहिपकावै स्वर्णपात्रमोंताहिधरावै नित्ययथावलताकोंखाय अरुतनुमलैमहासुखपाय आयुस्मृतिमेधायहकरै देहधातुपुष्टिवलधरै विषराक्षसपिशाचदुखनाशे सारस्वतिघृतयोंजगभासै ॥ इतिविषंजचिकित्सा ॥

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ ऊचोमुखवानीचोरहै क्षीणमासवलनिद्रादहै जवऐसोरोगीदर्शावै तवनिश्चयकरसोमरजावै

॥ अथउन्मादरोगसर्वप्रकारसामान्यचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जेऊचिकित्साहैअपस्मार यातैंआगेंकरोउच्चार सोभीरुजउन्मादमंझार हैंप्रमानलखलेहुउदार ॥ अथरस ॥ चौपई ॥ ब्राह्मीवूटीकारसकीजै अथवाकूष्मांडरसलीजै अथवाशंखपुष्पीरसआन अथवावरचरसलेहुसुजान इन्हतैंकिसहूकारसलीजै कुठचूरणमधुपायसुपीजै उन्मादरोगइन्हहुतैंजावै वंगसेनयोंप्रगटसुनावै ॥ अन्यच्च ॥ लूणककोरसलेहुछनाय तासमकांजीअरुगुडपाय सोपीवैउन्मादविनाशै दुखजावैतनुसुखपरकाशै ॥ अन्यच्च ॥ मंडूकपर्णीरसकनकदलल्यावै तृणराजवल्लीरसतासमपावै यहलेरसमिलायकरपीवै उन्मादहरैतनुमोंसुखथीवै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ सेतीसर्षपत्रिकुटासुरदार हिंगुकरंजूत्रिफलाडार वरचकायफलप्रियंगुमजीठ दोरजनीसरीहश्वेतासमदीठ पीसैवत्समूत्रकेसंग पीवैहोइउन्मादरुजभंग अरुयहनेत्रनअंजनपावै अरुवुटणाकरदेहमलावै अरुस्नानजलसाथमिलाय स्नानकरैउन्मादनसाय अपस्मारभूतभयनाशै अलक्ष्मीज्वरकोमूलविनाशै प्रतिष्ठाराजद्वारमोंपावै यासोंघृतपकायवखावै ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ दशमूलकाथघृतवारसमास सितसर्षपचूर्णसंगतास पीवैरुजउन्मादामिटावै दुखमिटैतनुसुखउपजावै ॥ अन्यरस ॥ जलद्रुमअग्निःपर्वतमान इहचारोकहेविषमस्थान इनतेंरोगीकीरक्षाकरे वंधुवैघसोईउच्चरे तिलअरुमाषरसइकसमलीजै पीजैरुजउन्मादजुछीजे ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ कटुकतैलकीलेनसवार अरुतनुमर्दनकरैविचार रुजउन्मादनाशतवहोय यहनिश्चयमनआनोसोय ॥ अन्यच्च ॥ व्याधीकेसनवंधीजेउ धर्मउपदेशकरतरहैंतेऊ यातैंभीउन्मादविनाशै शास्त्रमतीपुनयोंपरकाशै ॥ अन्यच्च ॥ अतिप्रियवस्तुजोरुजीकहावैं तिन्हवस्तुनकोनाशसुनावैं वित्तस्थानभ्रष्टहैजोय यातैंप्राप्तस्वस्थानहिंहोय ॥ अन्यच्च ॥ कटुकतैलतनुरुजीमलावै ताहिधूपमोंसरलसुलावै तिसकरभीजुरोगउन्माद निश्चयजावैहोइसुखाद ॥ अन्यच्च ॥ रोगीकोपुनअवरउपाय जजूलीताकीदेहमलाय स्थानभ्रष्टचितलहिअस्थान यहभीमनमोंनिश्चयठान ॥ अन्यच्च ॥ चावकसोंतनुताडनकीजै भ्रम्योचित्तस्वस्थानलहीजै ॥ अन्यच्च ॥ उन्मादीकोंकसकरबांधे शून्यसदनवावनमोंसाधे दांतदूरकरसर्पछुडावै तातेंजोरोगीडरपावै तातेंजितजोभ्रष्टस्थान प्राप्तस्था-

नहोयइमजान ॥ अन्यच्च ॥ तप्तलोहअथवाजलतेल तासदेहमोंकरोसुमेल तांतेभीउन्मादविनासे वंग-सेनमतसोइप्रकासे हस्तीव्याघ्रसिंहभयदीजै वाशस्त्रपाणिनरकोडरकीजे राजपुरुषतस्करभयदेय अथ-वारिपुभयदीजैतेय इत्यादिकजोकरैउपाय भ्रम्योमनअस्थानरहाय ॥ अन्यच्च ॥ श्वानमासअथवागो-मास उन्मादीकोंधूपदीजैतास यांतेंभीउन्मादविनाशै सुखउपजैतनुकोदुखनाशै ॥ अन्यच्च ॥ जा-हिभूतउन्मादलखावै क्रूरचिकित्सातासकरावै गंधर्वदेवपित्रादिकहावै क्रूरचिकित्सातिहनसुहावै तीक्ष-णअंजनादिनहिंधरै अपस्मारक्रियाग्रहकीसोकरै ॥ अन्यच्च ॥ वस्तीकर्मअवरघृतपान सबउन्मादन-मोपरिमान ॥ अन्यच्च ॥ जिंहउन्मादरोगप्रगटावत तासचिकित्सायोंभीगावत हृदयवाहुमस्तककी-नाड छेदनिकारुरुधिरकीधार ॥ अथअंजन ॥ चौपई ॥ त्रिकुटालवणहिंगुवचआनो श्वेतसर्षपाकौ-डपछानो नक्तमालकेवीजमंगाय अरुसरींहकेवीजअनाय सबयहसमलेपीसमिलावै गोमूत्रसोवती-वनावै सोऊवर्त्तिकानेत्रनपाय चतुर्थकज्वरउन्मादमिटाय ॥ अथसरस्वतीचूर्ण ॥ चौपई ॥ कुठ-लवणअसंगधमंगावै जवायणदोइदोइजीरेपावै मंगलपुष्पापाठाजान त्रिकुटायहसमचूरणठान व-चचूर्णइन्हसबसमपावै सबसमब्राह्मीरससुमिलावै मधुघृतमेलटंकजोचार नित्यप्रतिखावैप्रातनिहार ऐश्वर्यचाहादिनसातपर्यंत खावैप्राप्तइछावलवंत दुगुणकालइहखावैजोय धीर्यधारणावुद्धितिसहोय या-तेंदुगुणकालकरपान सहस्त्रश्लोकपढेनितजान जगकोहितअपनेमनचीन व्रह्माजीयहचूरणकीन अथहिं-ग्वादिघृत ॥ चौपई ॥ हिंगुअवरसौंचलत्रिकुटाय दोइदोइपलयाहिमंगाय घृतपावैआढकपरिमान गोमूत्रचतुर्गुणकरोमिलान मंदअग्निसोताहिपकावै यहघृतकोंजोरोगीखावै रुजउन्माददूरहोइजावै निश्चयअपनेमनमोल्यावै अथमहापैशाचिकघृत ॥ चौपई ॥ छडमोडयोंहरडेंपुनआन मर्कटीकेशो-वरचपछान वीरावीजविजयाकेआनो त्रायमानचोरकपुनठानो चीरकाकोलीछत्राल्यावै अतिछत्राआ-मलेमिलावै वाराहीनाकुलीमंगावो महापुंरुषदंतीसुमिलावो वृद्धकालीकठंभरीजान पलंकषाशालिप-र्णीमान यहसमलेघृतपायपकावै वलअनुसारनित्यप्रतिखावै नाशअपस्मारउनमाद ज्वरचातुर्थिकहोइ-वरवाद मेधावुद्धिस्मृतियहकरै क्षुधाकरैवालकहितधरै महापिशाचिकइहघृतमान रोगहरैजानोसुखधाम

॥ अथमहाकल्याणघृत ॥

॥ चौपई ॥ कल्याणघृतमोंवस्तुजुकही सोसबजामोंजानोसही पूर्वजोसबवस्तुवखानी सोसबले-वैवैद्यपछानी पुनयहतामोंअधिकीपावै वीराअरुदुमाषकागावै काकोलीस्वयंगुप्ताजान रिषवरिद्धि-मेदलषमान दुगुणतोयपुनदुग्धचतुर्गुन तिसअनुसारपायघृतलेसुन मंदअग्निपकायसोखावै पूर्वउक्तस-वरोगनसावै ॥ अथचैतसघृत ॥ चौपई ॥ प्रियंगुमधुरसाररहसणआन दशमूलशतावरिभषडाजान इन्ह-कोसंमलेकाथकरावै पादशेषसमघृततिंहपावै साधेघृतखावैपुनजोय चित्तविकरानाशतवहोय मदउन्मा-दमूर्छाअपस्मार ज्वरयहनाशेंसमझविचार ॥ अथद्वैचैतसघृत ॥ चौपई ॥ पांचमूलकाश्मरीमंगावै रह-सणएरंडात्रिवीमिलावै वलाशतावरीमूर्वापाय पलपललीजेयहसमभाय जलमोंडारक्वाथयहकरै पादशेष-समघृततहधरै ताहिपकावैनितउठखाय चिताविकारसबहीमिटजाय ॥ अथनिशादिघृत ॥ चौपई ॥ हलदीत्रिफलाअवरप्रियंगु श्वेतासर्षपाकटुभींहिंगु श्वेतात्रिकुटाअवरमजीठ सरींहदेवदारुसुनईठ यह-समलेगोमूत्रमिलाय घृततांकेसमताहिपकाय नित्ययथावलताकोखावै उन्मादरोगभाग्योहीजावै

अथलाक्षादितैल ॥ चौपई ॥ चंदनअंबूनखमुलठ्ठ शैलेयमंजीठजुकरोइकठ्ठ सरलकाष्टसुरदारुजुमुस्थ पद्मकाष्टतालीसहिंपत्र वनतागजकेसरअरुकेसर दोइरजनीतजरेणुअगरधर वनतुलसीकचूरतिहपावै दालचीनीएलाजुरलावै नलकादोइसारवापछान तिक्तालवंगसबपलपलठान पादशेषलेकाथवनाय प्रस्थतैलइकताहिमिलाय दधिकोमंडचतुर्गुणपावै लाक्षारससमताहिमिलावै नित्ययथावलताकोंखाय अरुसोनित्यप्रतिदेहमलाय अपस्मारउन्मादविनाशे ग्रहपीडाज्वरकोंयहनाशै आयुपुष्टिताहोयमहान वशीकरणपुनयाकोमान

॥ अथदेवादिग्रहकारणभूतादिउन्मादलक्षणनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ इकग्रहहिंसाहितपरवेशें क्रीडापूजाहितजनिवेशें हिंसाहितजोकरेंनिवास सोअसाध्यकरहेंतिसनाश

॥ अथतिन्हकेलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ विवृतनयनमुखफेननिकासै चपलपदचलेसुनिद्राभासै पातितहोयतनुकांपेजोय नगगजतरुअश्वतेंगिरेसोय त्रयोदशवर्षउपरंतअसाध्य पूर्णमासिहोइदेवउपाध्य संध्याकालअसुरग्रहहोय गंधर्वअष्टमीमोहैसोय यक्षदोषप्रतिपदापछानो पितृगृहीतअमावसमानो सर्पगृहीतपंचमीकहिये रात्रिगृहीताराक्षसीलहिये ग्रहपिशाचचतुर्दशिजानो ऐसेंइन्हकेकालपछानो

॥ अथदेवादिअलक्ष्यप्रवेशनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ दर्पणमोंप्रतिविंवजुजैसें शीतउष्णप्राणिनइवतैसें मणिमोंसूर्यकांतिहोइजैसें प्रविशेंतनुमोंत्योंयहतैसें इन्हकोलखैप्रवेशनकोय सबतनुमोंप्रविशेंयोंसोय इन्हकोयोंप्रवेशवखान्यों ज्योंनिदानतेसमझपछान्यो इन्हलक्षणकोवैद्यसुजान समझेपुनहिचिकित्साठान ॥ दोहा ॥ यहउन्मादवखान्योसमझभलीपरकार समझचिकित्साजोकरैताकीवुद्धिउदार इतिउन्मादरोगनिदानंसमाप्तम्

॥ अथभूतोन्मादसामान्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मानुष्योंवतकहैनवाणी विक्रमवीर्यअमर्त्यपछाणी वलचेष्टानरन्यायनलहिये देवन्यायवाक्यादिभनैये तत्वज्ञानअरुशास्त्रज्ञान शिल्पज्ञानताकोंरहैजान अरुउन्मादनियमकेसमें होतरहैविनानियमनाकिमें यहसामान्यभूतउन्माद देवयोनसोलखोअनाद

॥ अथदेवउन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ संतोषीपवित्रतनुरहे दिव्यपुष्पगंधतनुगहे यद्यपिव्याकुलताभीहोय झूठनवकैसत्यकहैसोय शब्दसंस्कृतमुखोंउचारै तेजखीस्थिरचक्षूधारै हर्षितमननिशदिनमोंरहै निद्रानाशजासलखलहै वरदाताब्रह्मण्यलहीजै देवगृहीतग्रहसोऊकहीजै ॥

॥ अथदैत्योन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ देवविप्रगुरुदोषवखानै कुटिलदृष्टीनिर्भयनिजमानै अन्नपानकरतुष्टनहोय होयकुमार्गगामीसोय दुष्टआत्माताकोलहिये दैत्यनग्रहगृहीतसोकहिये प्रस्वेदरहैजाकेतनुताईं ग्रंथनिदानदियोजुसुनाई ॥

॥ अथगंधर्वोन्मादलक्षणम् ॥

हसेहृष्टमनखेळाचारी गीतगानस्वरतानपियारी नदीपुलिनवनवाससुहावै गंधसुगंधपुष्पतिसभावै नृत्यअल्पस्वरसुंदरभाषै ग्रहगंधर्वगृहीततिसआषै ॥

॥ अथयक्षग्रहगृहीतउन्मादलक्षणम् ॥

रक्तनेत्रसुंदरतनुभासे रक्तवस्त्रप्रियतेजप्रकासे सहनशीलमनहैगंभीर शीघ्रगतीवाणीलघुधीर मुखसेकहेकिसकोक्यादेऊ यक्षग्रहपरिपीडिततेऊ ॥

॥ अथपित्रोन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पितृस्थानपिंडजलदेवैं वस्त्रादिकअपसव्यधरेवै निश्चलमनजाकोनित्यरहै पितृभक्तिमोंप्रीतिसुगहै मांसअवरतिलगुडजोक्षीर यहभोजनअभिलाषाधीर ग्रहगृहीतपितरनसोजानो आगेंसतिउन्मादवखानो ॥

॥ अथसतीउन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ निश्चलमननहिताकोहोय संतानादिअवरोधतिसजोय सतिओंकीवार्तामनभावे जिसवोलेतिसवरहिंसुनावे पवित्ररहेशुभवस्तुमनमे सतिउन्मादमानतिसतनुमे ॥

॥ अथक्षेत्रपालउन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नासाअरुमुखरुधिरचलाहि श्मशानभस्ममस्तकमोचाहि मंदस्वप्नउदरवहुपीडाही संधिपीडाचितस्वस्थरहेनाहि इहलक्षणजाहुनरहोई क्षेत्रपालकालक्षणसोई

॥ अथविज्ञासनीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पक्षाघातरुधिरसुकजाई मुखपदातिर्यकदेहसुकाई क्षीणशरीरवुद्धिजातीरहै इहलक्षणविज्ञासनीकहै

॥ अथजादूटूनेकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ कंधामस्तकअतिभारीरहे मनास्थिरनाहिअंगक्षीणतागहे हाथपैरदाहवहुहोई वीरजनाशशरीरमोजोई आठोअंगसूईचुभरहै जहलक्षणजादूकेकहै ॥

॥ अथडाकिनीशाकिनीकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ सबअंगोंमेंपीडाहोई नेत्रदुखेमूर्छाचितजोई शरीरकंपरोवेवहुवके भोजनअरुचीवावहुहसे स्वरभंगहोयशरीरवलजाई क्षुधाजायभ्रमघूंमनभाई ज्वरभीहोयरहेकायामें डाकिनिशाकिनीदोषहैतामे ॥

॥ अथप्रेतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नित्यप्रभातसमेउठभागे खोटेवचनवकेअनुरागे कायाकंपरोवेअरुऐसें खानपानविनश्वासमंदतैसें जोमनआवेसोईखावे इहलक्षणजग्रप्रेतदिखावे अथसर्पोन्मादलक्षणं सर्पन्यायपृथवीपरलेटे क्रोधीशांतिस्वभावहिमेटे चाटेषाषांजिव्हासंग गुडमधुपयपायसहितचंग यहउन्मादभुजंगमजानो आगेंराक्षसग्रहपहिचानो ॥

॥ अथराक्षसकालक्षणम् ॥

मांसरुधिरमोइछाराखे दुष्टवचनसवहीकोभाषे क्रोधसंगनिशफिरेअकेला अपवित्ररहेराक्षसकोपेला

॥ अथराक्षसोन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसरुधिरमदिराकीइछा क्रोधीनिर्लज्जसहैनाहिशिक्षा अतिकठोरअतिशूरसुहोय निशाविहारीअतिवलिसोय शुचमोंद्वेषरहैदिनरैन जाकेमनमोंकवूनचैन सोराक्षसग्रहअहैग्रहीत पिशाचोन्मादपुनलखहोमीत

॥ अथब्रह्मराक्षसलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ देवब्रह्मगुरुवैरवहुकरे वेदवेदांतआपमुखधरे अपनेदेहआपदुखदाई शुचीरहैनित्यहास्यलखाई

॥ अथपिशाचोन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ ऊर्ध्ववाहुकृशतनुहोइजोऊ वकैकठोरचपलहोइसोऊ अतिदुर्गंधतासतनुआवे वहुभोजननिरजनस्थलभावे उद्विग्नमननितजाकोभासे शुचिपवित्रातिसतेंनितनासे पृथिवीपरअभनमनधरेरोवेतिसपिशाचग्रहवरे

॥ अथदेवादि भूतादि उन्माद चिकित्सानिरूपणम् ॥

अथकल्याणघृत चौपई दशमूलीवानरीत्रिविमंगावे रहसनवालामूर्वापावे इकइकप्रस्थवस्तुयहलीजै भिन्नभिन्नसोकाथकरीजै चारोचारकुडवजलपाय जवकुडवजलआपरहाय तवयहचूर्णताहिमिलावे विशालात्रिफलारेंवंदरलावे मुसव्वरशालिपर्णीसुरदार अनंतापुनदोइरजनीडार दोयसारिवाअवरप्रियंगु नीलोत्पलएलाधरसंगु मालतीपुष्पनवीनमंगावे कुठताहिमेंआनरलावे दाडिमदंतिकुठमजीठ चंदनपद्मकाष्टसुनईठ विडंगपृष्टपर्णीगजकेसर तालीसपत्रकंड्यारीसंगधर जहसवकर्षकर्षपरिमान प्रस्यएकघृतकरोमिलान पुनहिंचतुर्गुणजलतिहपावे मंदअग्निधरघृतहिपकावे वलअनुसारनित्यघृतखाय अपस्मारउन्मादमिटाय ज्वरकंडूदद्रीयहनाशै दाहशोकमंदाग्निविनाशैं वातरक्तपीनसप्रमेह भूतउन्मादनिकारेएह तृतीयचतुर्थकतापनिवारै गदगदवाणीपांडुविडारै कटिपीडामूत्रकृछ्रइहजान होवेइनरोगनकोहान वंध्याइस्त्रीजोइहखावै पुत्रजणैअतिशयसुखपावे धनआयुर्वलपुष्टिप्रकाशै अलक्ष्मीसवग्रहपीडानासैं पिशाचराक्षसनकोभयटारै कल्याननामघृतयहगुणधारै पुंसवनहिंयहश्रेष्टपछानो वंगसेनभाष्योत्यौंमानो अथधूपः चौपई गीदअरुक्षसिंहकेवाल लसणहिंगुसमलेहुसम्हाल वत्समूत्रसोंपीसेजोय करैवर्तिकाछांहिसुकोय अग्निधारसोधूपधुखावै भूतादिउन्मादतासकोजावे अंजन ॥ चौपई ॥ सरींहवीजलसणवचलीजै श्वेतसर्षपामघाभनीजै सुंठमंजीठहलदलपलेय वत्समूत्रसोंखरलकरेय छांहिसुकायवर्तिकाजोय अंजनकीजेनेत्रनसोय भूतादिकउन्मादनसावे वंगसेननमतअसैंगावे ॥ अन्यच्चधूप ॥ चौपई ॥ कपासवीजकीगिरीकढाय मोरपक्षकंड्यारीपाय पिंडीतकनिर्माल्यपछान दालचीनीअरुमांसीठान वरचविडालविष्टातुषलीजै नरशिरकेशगोशृंगलहीजै सर्पकंजहस्तीकोदंद मरचहिंगुनतसमलेवंद धूप-

धुखायळयाधीकोंदेय भूतादिकउन्मादहरेय अरुकल्याणघृतताहिखुलावै अथवासंगचैतसघृतखावै वानारायणितैलाहिखाय अरुसोतैलनिजदेहमलाय उन्मादसकलभूतादिकनाशैं वंगसेनमतश्रैसेंभासैं ॥ अन्यच्च ॥ गजपिपलअरुपिप्पलामूल आंवलेत्रिकुटासर्षपसमतूल गोधावृषभनकुलमार्जार इनकेपि-त्तेपीससुधार पीवैमर्दनकरैनसवार उन्मादरोगसोदूरनिकार ॥ दोहा ॥ उन्मादचिकित्सायहकहीवंग-सेनकेभाय आगेंयाकेपथ्यअपथ्यभाषोंसबहिंसुनाय इतिश्रीउन्मादरोगचिकित्सा समाप्ता

॥ अथउन्मादरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यउन्मादकेसुनहोपुरुषसुजान वैद्यशास्त्रअनुसारसवतिंहकोंकरोंवखान ॥ अथप-थ्य ॥ अडिल्यछंद ॥ वातविकारजुहोयतुघृतपीवाईये पित्तविकारहिंमध्यरेचकरवाईये कफविकारतेंव-मनसुमनअनुमानहो तीनदोषकेपथ्यइसीविधिजानहो झिडकनमारनत्रासनवांधनजानिये चर्षणदान करावनमनपहिचानिये वहुधूआंतिसदेयत्रोभउपजाईये शिरताडनअरुरुधिरमोत्तलखपाईये जलसिं-चनआश्चर्यकर्मविस्मयउपजावन धीरजअवरजुधूम्रपानातिसकोकरवावन वुटणातैलाभ्यंगसुशीतलतनु-लेपन कणकमुंगअरुचावलवहुसुरभीगंधषेपन कोसादुग्धपिवावनअवरपटोलसुन वूटीब्राह्मीपत्रधौतश-तधीउपुन वाथूअवरचुलाईशाकपछानरे कूष्मांडप्राचीनसुमनअनुमानरे मूत्रअश्वखरजानअवरनसवार ही पुनवर्षाजलपथ्यसमझुउरुधारही हरडसुवर्णकेपत्रछुहारेजानिये द्राक्षाकपित्थपछानपनसफलमानिये कामक्रोधभयशोकदुखपुनमोहजो इन्हतेंजोउन्मादप्रगटतनहोयसो कामादिकजुविकारनतेविपरीतही व्याधीकोहिवतावैवैद्यसप्रीतही इष्टवस्तुकेनाशहुतेंयहदुखलगे इष्टवस्तुकरप्राप्तसुपथहींरुजभगे जोजा-नेउन्मादद्वेवऋषिपितृकर सर्पअवरगंधर्वकोपतेंलखैनर अंजनअरुनसवारक्रूरअतिकर्मजो इन्हउन्माद-नमांहिनकरियेजानसो इन्हउन्मादनमांहिंपथ्यसुनलीजिये पूजासुरपित्रादिकाविधिवतकीजिये शांतिहो-मविधिवतकरैनियमव्रतधारने इष्टमंत्रजपमंगलपाठउचारने विधिवतदेवैदानमुखोंसतवोलना प्रायश्चि-तपुनकरैचित्तनहिंडोलना रत्नऔषधीनवग्रहधारनकरणियां देवादिककेदोषपथ्यविधिवरनियां जोजाने-उन्मादभूतकेदोषकर शिवशिवगणअरुगुह्यकपूजैप्रीतिधर अरुब्राह्मणकोंपूजैविधिवतदानदे श्रद्धाप्रीत-संयुक्तवडोपथ्यजानले यहसवपथ्यप्रकारभलीविधिभाष्यो समझआपनीचाहियेभेदनराष्यो ॥ दोहा ॥ पथ्यकहेउन्मादकेविधिवतसमुझसुजान आगेंकहोंअपथ्यसुनजैसेंलिखेपुरान ॥ अथअपथ्यं ॥ अडि-ल्यछंद ॥ अन्नपानजुविरुद्धअपथ्यपछानिये तप्तजुखावैभोजननिद्रामानिये क्षुधातृषाकोवेगजुरोकर-खावहै तीक्ष्णवस्तुकरलेशाकपतखावहै ॥ दोहा ॥ उन्मादरोगकेपथ्यअपथ्यवर्णेभलीप्रकार इन्हकों-जानैवैद्यनरताकीवुद्धिउदार ॥ इतिउन्मादरोगेपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः ॥

॥ दोहा ॥ उन्मादरोगवर्णनकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवखान ॥ इतिश्रीउन्मादरोगःसमाप्तः ॥ शुभम् ॥

॥ अथउन्मादरोगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥ कर्मउपाय ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ ब्रह्माविष्णुशिवपितृहिंजोय इन्हकोजोनरनिंदकहोय अरुइन्हहूंकोद्रव्य-चुरावै उन्मादरोगताकोंप्रगटावै तिसकोंश्रैसेंकह्योउपाय सोसुनअपनेमनहिंवसाय ॥ अथउपाय ॥ ॥ चौपई ॥ विष्णुमूर्तिस्वर्णपलदोय रोगीवनवावेसुनसोय ऊपरपीतांवरउढाय पांचद्रोणतंडुलवैठाय

सूर्यइंद्रयमचित्रगुप्तसंग पूजनकरेमनधारउमंग विष्णुमंत्रसोंहवनकरावै ब्राह्मणवरहिदेयहितलावै उन्मादरोगहोवैतवनाश कर्मविपाककियोपरकाश ॥ दोहा ॥ उन्मादरोगवर्णनकियोकारणसहितउ-पाय कासरोगवर्णनकरोसुनलीजैचितलाय ॥ इतिउन्मादरोगदोषकारणउपायःसमाप्तः ॥

॥ अथउन्मादरोगज्योतिष ॥

बुधकेगृहमोंसूर्यवरअथवालग्नमोसोइ दृष्टीहोवेताहिपरदेवगुरूसमहोइ तिहकरउन्मादहिकरैहोवैम-स्तगवार बुधपूजाप्रधानतिहजोमनरहैसुधार ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथभूतादिककेउन्मादकेमंत्रयंत्रसर्वशास्त्रकेअनुसारलिखतेहैं ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमभूतादिकयत्नयहकरै आपपवित्रअपनीरक्षाधरै कालीमिरचपीपलसेंधानौन गोरोचनमहीनकरतौन सहतमाहिअंजनजोकरै तौभूतादिकनिश्चयहरै ज्वरप्रकरणमोभूतज्वरमा-हीं श्रीनृसिंहकामंत्रतहाहीं उसेमंत्रभूतादिकजाय अगेताकोकहोंसुनाय अवरउडीसमेंसावरसंत्र महादेवनेलिखियातंत्र सोआगेलिखनेमेंदेख चतुरजानमनभूतअलेख ॥ ॐनमोभगवतेनारसिंहा-य अतुलवीर्यपराक्रमाय घोररौद्रमहिषासुररूपाय त्रिलोकडंवराय रौद्रक्षेत्रपालाय होहो कींकीं क्रामितिताडय २ मोहय २ द्रभि २ क्षोभय २ आभि २ साधय २ ह्रींहृदयेआशक्तयप्रीतिल-लाटेवन्धय २ ह्रींहृदयेस्तंभय २ किलि २ ऐंह्रींडाकिनीं प्रच्छादय २ शाकिनींप्रच्छादय २ भू-तंप्रछादय २ अभूतिअदूतिस्वाहा राक्षसंप्रछादय २ ब्राह्मराक्षसंप्रछादय २ आकाशंप्रछादय २ सिंहि-नीपुत्रंप्रछादय २ एतेडाकिनीगृहंसाधय २ शाकिनीगृहंसाधय २ अनेन मंत्रेण डाकिनी शाकिनीभूत-प्रेत पिशाचादिएकाहिक द्व्याहिक त्र्याहिक चातुर्थिक पंचमिक वातिक पैतिक श्लेष्मिक सन्निपात केसरी डाकिनी ग्रहादिमुंच २ स्वाहा गुरुकीशक्तिमेरीभक्ति फुरोमंत्रईश्वरोवाच यामंत्रकोइकी-सवार मोरपंखवाजलसेझाडे अथवालोहकीवस्तुसेझाडे सबउन्मादरोगकोंटारै

॥ अथडाकिनीशाकिनीकेवुलानेकामंत्र ॥

ॐनमो आदेसगुरूकों ॐनमोजय २ नृसिंह तीनलोक चौदहभुवनमें हाथचाव उठचाव नयन-लाल २ सर्ववैरीपछाडमार भक्तनकोपणराखआदेश २ पुरुषको चौपई इसमंत्रकीक्रियाबषानो प्रथ-मरोगीकोविठायकरमानो आपपवित्रजलपात्रमोलेय इहमंत्रपडफूकजलदेय पुनउसरोगीजलहिंपि-लाय जलपीवतपूछैतिहचाय शाकिनिडाकिनिजोहृदयमंझार निश्चयवोलउठइकवार

॥ अथडाकिनीबुलानेकामंत्र ॥

ॐनमोचढो २ शूरवीरधरतीचढ पातालचढिपगपालीचढाकौन २ बीरचढा हनुमन्तबीरचढाधरती-चढी पगपानाचढीएडीचढी २ मुरवेचढी २ पींडरीचढी २ गोडाचढी २ जांघचढी २ कटिचढी २ पेडचढी २ पेटसेधरणिचढी धरणिसेपांसल्यांचढी पांसल्यासेंहियेचढी हियेसेछातीचढी छातीसें-खवाचढी खवासेंकंठचढी कंठसेंमुखचढी मुखसेजिव्हाचढी जिव्हासेकानोंचढी कानोंसेआंखोंच-ढी आंखोंसेंललाटचढी ललाटसेंसीसचढी सीससेंकपालचढी कपालसेंचोटीचढी हनूमान नार-सिंहकरवारात्मा चल्यावीर समदवीर दीववीर अग्यावीर सोसन्तावीर येवीरचढ्याफुरहोमंत्र इ-समंत्रसेबकरावै तौउस पुरुषमें वह निश्चयआयबोले

॥ अथडाकिनीकेचोटलगनेकामंत्र ॥

ऊँनमोमहाकायाय योगिनीयोगिनी पारसाकिनीकल्पवृत्ताय दृष्टियोगिनी सिद्धरुद्राय कालदंडेन-साधय २ मारय २ चूर्णय २ अपहर २ साकिनीं सपरिवारांनमः ऊँग्रिं ६ ऊँह्रिंटंह्रींह्रींफट्स्वाहा ॥ चौपई ॥ यामंत्रकीक्रियासुनलेय सातवारपढगुगलमंत्रेय औखलीडालमूसलसेकूटत तौवहटको-रडाकिनीपरफूटत जोइसमंत्रसिरडाकिनीफूटै मंत्रप्रभवतिहमस्तकफूटै याहिमंत्रपढमाषप्रमान डालेबोलैजलनलगान जोतिहमाषआषनपरमारै तौवहखेलउठेबरदारै

॥ अथडाकिनीकेदोषदूरहोनेकाझाडा ॥

॥ चौपई ॥ मोरपंखवाछुरीप्रमाण काडाकीजेचतुरसुजाण ॥ मंत्र ॥ ऊँनमोआदेशगुरूको डा-किनीसिहारीकिसनेमारी जतीहनुमंतनेमारी कहांजायदबकी किनदेखी जतीहनुमंतनेदेखी सात-वेंपातालगई सातवेंपातालसेंकौनपकडल्याया जती हनुमंतपकडलाया एकतालदे एककोठातो-डा दोतालदे दोकोठेतोडे तीनतालदे तीनकोठेतोडे चारतालदे चारकोठेतोडे पांचतालदेपांच-कोठेतोडे छःतालदेछेःकोठेतोडे सातवाकोठातोडदेखेतो कोनेमें खडीहैडाकिनी सिहारी भूतप्रे-तचला जतीहनुमन्ततेरेझाडेसेचला ऊँनमोआदेशगुरूको गुरूकी शक्ति मेरीभक्ति फुरो मंत्र-ईश्वरोवाच

॥ अथडाकिनीकेदूरहोनेकायंत्र ॥

७	७	९	८
२	५	४	६
४	॥।	२	११
७।	५	१॥	॥

॥ इसजंत्रकोपाणीमोघोलपीवे तोडाकिनीदूरहोइ ॥

११२	६६	१	५
७	४	७	६१
२	=	।	-।-
९	२	२	४०

इसयंत्रकोबालककेगलेमेंबां ॥ धेडाकिनीदोषनपावे ॥

॥ अथहजरायतकामंत्र ॥

ऊँनमःकामाख्यायैसर्व्वसिद्धिदायै अमुककर्म्मकुरुकुरुस्वाहा अस्यमंत्रस्यवन्हिकऋषिः जगतीछंदः का-माख्यादेवता प्रणवःशक्तिः अव्यक्तंकीलकं अमुककर्म्मणिजपेविनियोगः ऊँअंगुष्टाभ्यांनमः का-माख्यायैतर्जनीभ्यांनमःस्वाहा सर्वसिद्धिदायैमध्यमाभ्यांवषट् अमुककर्म्मअनामिकाभ्यांहुंकुरुकुरुक-निष्टकाभ्यांवौषट् स्वाहा करतलकरपृष्टाभ्यांअस्त्रायफट् ऊँनमोह्रदायायनमः कामाख्यायैशिरसेस्वाहा

सर्वसिद्धिदायैशिखायैवषट् अमुककर्मकवचायहुं कुरुकुरुनेत्रत्रयायवौषट् स्वाहा अस्त्रायफट् अथध्यानम् योनिमात्रशरीराया कंगुदामिनिकामदा रजस्वलामहातेजाकामाक्षीध्यायतांसदा अस्यमंत्रास्यसहस्त्रंजपः गुढहलकेफूलोंकी १००० आहुती ॥ चौपई ॥ मैनफलराखरूईलपटाय बतीकरतेलदीपधराय उसदीपककीपूजामनचाय दीपकअग्रवालकवैठाय अठदसवर्षप्रमाणसोवालक पवित्राशुद्धसुछकुलदायक देवकगणकास्थापनकरना आपपवित्रसंकल्पजलकरणा सोजलमैनफलफूलपडराले दीपकआगेयहयंत्रलिखवाले लिखकरयंत्रपूजातिहकरै फुनइहयंत्रबालकप्रतिवरै ताहिहथेलीमैनफलबाती जिसकरतेलसैनदिखराती फिरपूछैतिहजोवहदेखै सत्यसत्यसमाचारसोलेखै जोदेखैसोसबबहुकहे संशैयकछूमनमैनहिरहै

१	८	३	८	न
५	६	३	६	र
७	२	९	२	क
७	४	५	४	ली

यहमंत्रहजरायतकाकहै अथवाकन्यास्वच्छतिहरहै कुलीनपवित्रकन्यावैठाय जोदेखैसोकहैबताय तिहपाछेदशांशतर्पणकरै दशांशब्रह्मभोजनसोवरै ॥ इतिहजरायतकीविधिःसपूर्णा ॥ शुभम् ॥

॥ अथभूतादिकानिवारणाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ निंबपत्रवचहींगसपकांचअर सरसोंमेलधूनीदेमनधर भूतडाकिनीसबदोषजुजाय अमृतसागरग्रंथदियोबताय पुनः कपासकाकअरुमोरचंद्रिका कटेलीशिवनिर्माल्यफुनमरुवका तजछडवेलदांततुषवचधर विष्टामार्जारसर्पकांचवर केसगोसिंगहाथीकोदांत हिंगकालीमिरचइहभांत सबकोसमकुटधूनीदेय भूतादिककेदोषहरेय यहमाहेश्वरधूपकहाय चक्रदत्तमेदियोबताय पुनः पीपलकालीमिरचगोरोचन सेंधानोनसहतसोपीसजन अंजनदृगमोंपावैकोय सर्वभूतदोषहरेसोय पुनः कणगचजढदारुहलदीआन सरसोंकुठहिंगवर्चसमान मंजीठत्रिफलासुंठलेपीपल कालीमिरचाप्रियंगुफूलसमबल अजामूत्रमोपीसनस्यपाय अथवाअंजनताहिकराय सर्वभूतदोषमिटजाय भावप्रकाशदियोजुबताय पुनः गोरखगोखरूऔरबिनौले अथवाकाकडकोंगोमूतमौमेंले पीसनासलेतौइहकरै ब्रह्मराक्षसकोदोषपरिहरै पुनः संखाहोलीकीजढल्याय चावलजलवाघृतपीसाय नासदेइभूतादिकहरै इहभूतादिकहरनचितधरै ॥

॥ अथअन्यप्रकारउन्मादरोगकथनम् ॥ रोगउन्माद. फारसि, मालिखौलिआ

॥ चौपई ॥ सुदाईरोगदिवांनालहिए आदिकारणउन्मादसोकहिए वातअधिकदुष्टसोहोई जिगरतिलीआमाशयसोई वादिमागमेअतिबलपावे चिंतकबुद्धीसोईहटावे सदाराहितचिंतामनमाही मृत्युकाभयउपजतताही तिमिरनेत्रनआगेहोई श्वेतपीतलालरंगसोई झूठीवातअरुचिततवानी कमला-

पनकीएहनिसांनी सकारहोएजोपढेनकार सानुनानुकरेउचार अथवाशब्दश्वानवतवोले उन्मादरोगताहीसंगडोले नेत्रअधिकफेरेनरजोई उन्मादरोगइनकारणहोई जेकरशीतलश्वासजोआवे नाडीअतिकरडीहोजावे उन्मादरोगऐसाजबहोई आगेऔषधसुनिएसोई ॥ उपाय ॥ शीतलजलगुलावसंगपावे शिरपरधाराताहिकरावे स्निग्धवस्तुअतिहीनरखावे औषधकरजोनिद्राल्यावे ज्योखसखसगुलरोगनलीजे सिर्केसंगलेपसिरकीजें उन्मादरोगऐसेंहटजावे वासलीकतेंरुधिरछुडावे उमरसमयजोग्यताजांनो रेचकयतनताहिहितमांनो गुडहरीडरेचनविधजोई दशमूलीक्वाथदीजिएसोई शर्वतनीलोफरकाखावे उन्मादरोगऐसेंहटजावे वनफसारोगनताहिमंगावे अथवानीलोफरकाल्यावे प्रतिदिनसोईनासिकापाय भोजनकोमलचिकनाखाय दुंवेकाफुनिमांससमंगावे सोराकरकेसोईखुलावे खषकीदाघदेहमेजोई उन्मादसहितनाशेसबहोई दुंवेकीफुनिमिंझमंगावे ताहिभुंनकरखंडरलावे प्रभातसमेनितसेवनकारिए उन्मादरोगताहीछिनहरिए हऊवेरकहलीमंगवावे कुलंजनलौंगमस्तकीपावे जैफलजलपत्रीसंगलीजें कचूरइलाचीवालादीजें कवावचीनीखसखासमंगाय वावडिंगपोसतसंगपाय महामेदअरुमेदमंगावे सुपारीकथसुपेदापावे प्रियंगुफोकचित्रासंगपाय जुआइनअरुअजमोदाल्याय तोलाढूडढूडमंगवावे धांईपुष्पसेरपंजपावे करइकत्रसवऔषधपाय नीरपांचमणवीचपकाय आधारहेक्काथपुनलीजें गुडमणएकताहुमेदीजें दाखसेरदससंगमिलावे थिंदेभांडेवीचरखावे मुखकरवंधवीसदिनसोई राखयतनगुडआसवहोई प्यालेदोभरनित्यपिलावे प्रातरातअरुपालकरावे भोजनकोमलथिंदाहोई खुष्कवस्तुनाखावेसोई गुडआसवकासेवनकरीए उन्मादरोगताहीछिनहरीए रहसनपत्रमघांमंगवावे जढभखडेकीसंगमिलावे दोकंडेआरीकीजढलीजे छिलकासीवनकासंगदीजें पाडलवाथुसंगमिलाय वैतवृक्षकाछिलकाल्याय अकोंधरसालूनीसंगपावे मषाारवयरकीजढल्यावे सणसतावरीसंगमिलाय सबसमभागऔषधीपाय चौदांचौदांमासेल्यावे आठसेरजलपायपकावे नीरसेरदोइरहजाय चारसेरघृतसंगमिलाय चाढअग्निपरताहिपकावे क्वाथजलजवघृतहरजावे अथवाकदूंरोगनपावे वदांमरोगनवापायपकावे भोजनसंगनित्यप्रातिखाय मर्दनरातसमेसुखदाय कर्णवीचघृतपावेसोई उन्माददूरपित्तवातजकोई संभांलूजढासिर्कासंगपाय पीसदेहपरलेपकराय नसुआरकरेसुंहेनरसोई उन्मादरोगनाशेइमहोई सुठीसोदसमासेल्यावे खसखसतोलेदोईमिलावे कंडुनींनौतोलेसंगपाय ठाईतोलेखंडरलाय केसरमासेदोईमिलावे तींनसेरगोदुग्धपकावे आधसेरदूधरहजाय पीसऔषधीताहिमिलाय जाविधदूधपिलावेकोई उन्मादरोगसबनाशेहोई तोलेतींनहरडमंगवावे सनामक्कीदोतोलेपावे त्रिवीश्वेतसतमासेल्याय मासेसातदाखसंगपाय चारसेरजलपायपकावे नीरसेरइकजवरहजावे मुसबरसाडेत्रिमासेल्याय दोमासेखारीलूणरलाय पीसक्वाथकेसंगमिलावे सातोदिनतकक्वाथपिलावे तींनवारप्रतिदिनकरपांन भोजनअजामांसपहचांन शरीरशुद्धहोजावेजवहीं उन्मादरोगसोनासेतवहीं दुंवेकाफुनिमगजमंगावे कुकडांडकीजरदीपावे रोगनकदूंखंडमिलाय खावेनितउन्मादहटाय दवाउलमिसकऔषधीजोई नरेलगरीसोतासंगहोई दोइमेलनितसेवनकरीए उन्मादरोगताहीछिनहरीए लालवस्त्रपहरेनरसोई सुगंधीरागरंगयुतहोई पोस्तकाछिलकामंगवावे नीलोफरकेपत्रमिलावे नीरपायकरकुआथवनावे मस्तकऊपरधारालावे नीरदूंवेकागुदावनवावे मिठाभोजनथिंदाखावे ॥ दोहा ॥ गोकादूधमंगायकेगरीताहुसंगपाय काढाकरकेपानकरनितप्रातिखंडमिलाय खुषकीदूरविचारिएहोवेचित्तहुलास उन्मादरोगसोदूरकरकहीचिकित्सातास इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाशभाषायांउन्मादाधिकारकथनंनामत्रयोविंशोऽधिकारः २३

॥ अथकासरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कासजुखांसीकोंकहैंताकोकहोंनिदान जैसेंवर्णयोंशास्त्रमोतैसेंसुनोसुजान ॥ चौपई ॥ धूम्रांअवरधूरयहदोय मुखनासामोप्रविशेंजोय अरुजोरूक्षोभोजनकरै अतिव्यायामजेऊअनुसरै अरुजोजनछिक्काकोरोके ताकोखांसीआकरहोके अरुजोशीघ्रअन्नकोखावै कछुनासिककपालउठजावै ताकोखांसीप्रगटतहोय अवरप्रकारसुनोअवसोय हृदयवायुहृदयतेंचलै उदानवायुसंगआकरमिलै भग्नकांसपात्रकीन्यांई शब्दकरैखांसीतिंहठांई अरुपीनसतेंहोवतषांसी कंठरुकेज्योंरोकेफांसी पांचप्रकारभेदइहजानो भिन्नभिन्नसोप्रगटवखानों एकवाततेंहोवतजान एकपित्ततेंहोतप्रमान एकहोतकफतेंसुनलीजे इकउरक्षततेंहोतपतीजे राजयक्ष्मतेंहोवतएक इहप्रकारलहुयांचविवेक इकतेंदूसरिवलीपछानो दूसरितेंतीसरिपरिमानो तीसरितेंचौथीवलवान चौथीतैंपंचमिवलिमान उत्तरोंत्रयोंवलीपछानैं याकेपूर्वरूपयोंजानैं ॥ अथकासपूर्वरूपं ॥ चौपई ॥ सूकोन्याईकंठमंझार चुभहैकासकीनउच्चार कंठमध्यखुजलीसीहोय रुचिभोजनकीनाशेसोय

॥ अथवातकृतकासलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हृदयउदरशिरपीडाहोय अरुपार्श्वोंमोंपीडाजोय अथवामस्तककेइकठोर पीडाहोवतहैवडजोर मुखकेऊपरकृशताधावै स्वरवलदेहक्षीणहोइजावै अरुवहुवेगकरैसोकास सूकीषांसीकरैप्रकास ऐसीखांसिजाकोंहोय वातकासजानोतुमसोय

॥ अथवातकासरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कासचिकित्साकोंकहोंवातजक्रमअनुसार ज्योंसमझींवंगसेनतोंभिन्नभिन्नपरकार ॥ चौपई ॥ ब्राह्मणभोजनवडोउपाय तांपाछेंऔषधसुखदाय क्वाथश्रेष्टताकोंदसमूल वालघुपंचमूलहरशूल मधुघृतदुग्धस्निग्धजोवस्त वातकासकोंअहैंप्रशस्त जेकरवातदोषअतिहोय ताहिसुखदसनिग्धहैजोय अरुघृतभूनीसुंठप्रमान जानलहोहेपुरुषसुजान ॥ अथअविलेह चौपई ॥ ककडशृंगीमघांमंगाय सटीसुथ्रभिडंगीवासापाय गुडातिलतैलामिलायसुचाटै वातकासदुखकोंयहकाटै ॥ अन्यच्च ॥ भिडंगीद्राक्षमघाअरुनागर ककडशृंगीसटीजुसमधर गुडअरुतैलमिलावैसोय चाटैवातकासहतहोय अन्यच्च ॥ सुंठकाएफलककडशृगी द्राक्षकचूरमिसरीलेचंगी तलमिलायजुचाटैतास वातकासहोजावैनास ॥ अथदशमूलीघृत ॥ चौपई ॥ दशमूलीकोक्काथवनावै ताहिभिडंगीचूरणपावै श्रेष्टतित्तरकोरसमास पावै घृतजुपकावैतास सोघृतरोगीपीवेसोय वातजकासनाशतवहोय ॥ अथभार्गीघृत ॥ चौपई ॥ भिडंगीचूर्णघृतसमलेय दहीचतुर्गुणतामोंदेय कंड्यारीरसदुगुणमिलाय पकावैखावैकासामिटाय ॥ अथरासनाघृत ॥ चौपई ॥ रहसनअरुदशमूलसतावरि पलपलयहलीजैइकठेकरि कुलत्थअवरयवविदारीकेफल एहलीजेंहैंतीनतीनपल्ल अर्धतुलाभरलेराजमाष द्रोणतोयजुपकावैतास पादशेषरहैवहजवै आढकघृतजुतपावैतवै अरुआढकदुग्धसुताहिमिलावै ताहिपकायवस्तूंयहपावै जीवकरिषममेदकाकोली मुलह्ठ

जीवंतीतामोघोली ऋद्धिवृद्धिपलपलपरिमान खावैमेलखवलअनुमान वातकासकीपीडाजावे सर्वांग-वातशिरकंपनसावै ॥ अथचित्रादिघृत ॥ चित्रात्रिकुटापीपलमूल मुथूजवांहापुष्करमूल श्रेयसीसुरसा-त्वचाभिडंगी रहसनकचूरगिलोयजुश्रृंगी यहसबकर्षकर्षपरिमान तुलार्धकंट्यारीकोरसठान काथशे-षबीसपलजवै खंडरलायवीसपलतवै अर्धकुडवमघचूरणपाय वंशलोचनपलचारामिलाय नितचाटैनि-जवलअनुसार कासगुल्महृदयरोगनिवार ॥ इतिवातकासचिकित्सा ॥

॥ अथपित्तकृतकासलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ उरमोंदाहमंदज्वरहोय कटुमुखअरुमुखसूकैजोय कफकटुपीतनिकलतीरहे तृषा-होयपित्तखांसीलहै सर्वांगदाहकरयुक्तहेजोय पांडुवर्णजानोनरसोय ॥

॥ अथपित्तकासचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ काथ ॥ काकोलीकंट्यारीवासा शुंठमेदमहामेदहितासा समकरकाथदुग्धयुतपीवै पित्तकासनाशतवथीवै वाइनकरयुतयूषवनाय पीवेरोगीकासमिटाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ शुंठमुन-काह्रीवेरकचूर कंट्यारीयहसमलेपूर क्वाथहिंघृतशर्करामिलावै पीवैपित्तकाकासमिटावै ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ शरादिपंचमूलकरक्वाथ मघांमनक्कादारैसाथ दुग्धशर्करामधुजुमिलाय पीवैपित्तकासमिट-जाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ द्राक्षछुहारेमिसरीमघलाजा समचूरणकीजैहितकाजा मधुअरुघृतमि-लायकरखावै तुरतहिंपित्तकासमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ द्राक्षामुलहठछुहारेआन मघांमरचसम-चूरणठान मधुघृतमेलचटावेजास तुरतहिंनाशहोएपित्तकास ॥ अथषट्प्रस्थघृत ॥ चौपई ॥ गोमहि-षीभेडअजाकोक्षीर धात्रीफलरसजानोधीर षष्टमइन्हमोंघीउमिलाय प्रस्थप्रस्थजानोसमभाय मंदअ-ग्निसोंताहिपकावै खावैपित्तकासमिटजावै ॥ अथक्षीरघृत ॥ चौपई ॥ वटादिक्षीरवृक्षअंकुरलेय नीकें-कूटैचूर्णकरेय चतुर्गुणपयघृतपायपकावै चूर्णद्राक्षयुतघृतसोंखावै पित्तकासकोहोइहैनाश वंगसेनमत-कीनप्रकाश ॥ अन्यक्षीरघृत ॥ चौपई ॥ क्षीरवृक्षकेअंकुरलीजे ताकोंविधिवतकाथकरीजे जवक्षारघृ-तमेलपकावै पिवैकासपित्तसुखपावै वाचाटेमधुयुतजोयाश पित्तकासकोहोइहैनाश कहीजुनरकोपि-त्तजकाश करीचिकित्सातासप्रकाश ॥

॥ अथकफकृतकासलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफकरमुखस्निग्धजोरहै अंगपीडाशिरपीडादहै कफकरपूरणसबतनुभासै भातम-क्षणकीरुचितिसनाशै भारीहृदयलखतहीरहै कफस्निग्धनिकसेयोंलहै ॥

॥ अथकफकासचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जाहिकासकफप्रगटेआय ताकोंछर्दअहैसुखदाय लंघनउपायसुनावैतास जातेंहो-यकासकफनास ॥ अथनवांगयूष ॥ मुंगआमलेयवमूलीमूल दाडिमकुलत्थवयरीफलतूल पुनपिपली-शुंठिकोकाथ मुंगादियूषमोंकरोइकसाथ यहनवांगयूषजोपीवै कासकफजहरहैसुखथीवै ॥ अथपाण ॥ ॥ चौपई ॥ ककडश्रृंगीहरडपतीस मुथूकचूरआद्रकशिलपीस घोलतोयहिंगुसेंधापाय पीवैकफकी-कासमिटाय ॥ चौपई ॥ क्वाथकुलत्थप्रथमवनवावै तैलभुन्नमघचूरणपावै पीवैपार्श्वशूलज्वरजाय

श्वासरोगकफकासमिटाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ दशमूलीकोकाथहिंसंग मघचूर्णपीयकासकफभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सुंठकायफलपुष्करमूल मघाभिडंगीलेसमतूल अधिकहोयकफहृदयरुकावे पीयेकाथकफकासमिटावे ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ देवदारुरहसनजुकचूर कर्कडशृंगीजवांहापूर यहसमचूरणतैलमिलाय मधुमिलायपुनताकोंखाय घोरमहाजोहोइकफकास तुरतहिंकरैताहिकोनास ॥ अन्यच्च ॥ त्रिकुटात्रिफलापुष्करमूर चित्राद्राचअवरजुकचूर यहसमचूरणकरोवनाय माष्योंतैलमेलकरखाय खावतहीनाशेकफकास वंगसेनयोंकीनप्रकास ॥ अथकंटकारीघृत ॥ चौपई ॥ कंड्यारीशाखाफलफूल अवरपत्रलीजैसंगमूल यहपंचांगरसआढकमान घृतपुनप्रस्थतताहिमोंठान त्रिकुटावालाककडशृंगी चित्रासौंचललवणभडींगी विल्वआमलेपुष्करमूर हरडजवायणद्राचकचूर दाडिमइटासिटचवकविडंग अमलवेतभषडेधरसंग अमलीअवरजवांहाडार रहसणअवरलेहुयवचार कर्षकर्षइन्हकोपरिमान चूरणकरघृतकरोमिलान मंदअग्निसोंताहिपकावे वलअनुसारछाणघृतखावे सर्वकासकोहोइहैनाश हिडकीश्वासहरतालखतास ॥ अथात्रिकुटादिघृत ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाजीरावर्चकोमूल अजमोदचवकचित्रासमतूल मांसरसेसमघृतयहजान प्रस्थप्रस्थइन्हकोपरिमान चूरणवस्तुजुपीछेगाई कर्षकर्षसोचहिएपाई घृतपकायमधुपायसुचाटै कफकीखांसीतुरतहिंकाटै ॥ अथनिर्गुंडीघृत ॥ चौपई ॥ निर्गुंडीपत्रनरसलीजे तासमघृतपकायकरपीजे कफखांसीकोहोवेनाश वैद्यग्रंथमताकियोप्रकाश ॥ अथवहेडापुटपाक ॥ चौपई ॥ वहेडेकोंघृतयुक्तकरावे गोवरमाहिलपेटधरावै भस्मअग्नितिंहकरपुटपाक खायकासकफहरसतवाक ॥ इतिकफकासचिकित्सा ॥

॥ अथवातकफकासचिकित्सा ॥

अथकटफलादिकाथ ॥ चौपई ॥ कायफलमुथरपापडाभिडंगी धनियांसुंठजुककडशृंगी वरचहरडकट्तृणसुरदार यहसबसमलेकाथसुधार मधुअरुहिंगुपायकरपीवै कासवातकफकीहतथीवै कंठरोगमुखरोगनसावत ज्वराहिडकीअरुशूलभगावत अथलवंगादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ लवंगजायफलमघांमंगाय कर्षकर्षतीनोसमभाय अर्धकर्षमरचांलखलीजै सुंठचारपलतामोंदीजे सबसमभिसरीपीसमिलावै यथावलखायवातकफजावै श्वासकासज्वरअरुचीनाशे प्रमेहगुल्ममंदाग्निविनाशे ग्रहणीइत्यादिकदुखजाय लवंगादिचूर्णयोकह्योसुनाय अथदशमूलादिघृत ॥ चौपई ॥ दशमूलकाथआढकपरीमान प्रस्थइचुरसकरेमिलान प्रस्थएकघृतताहिमिलावै कर्षकर्षयहचूरणपावै त्रिकुटाविलुकथहिंगुकचूर अरुपावोसमपुष्करमूर अग्निमंदसोंसबहिपकाय खायवातकफकासमिटाय अवरवातकफकोजोश्वास सोभीयातेंहोवैनाश दुग्धसाथपीवैघृतजोय वातकासनाशतिसहोय ॥ अथभृंगराजतेलः ॥ चौपई ॥ रसभंगरेकोप्रस्थप्रमान प्रस्थएकआद्रकरसठान प्रस्थएकगोमूत्रमिलावै प्रस्थएककटुतैलरलावै पुनदसमूलकुलत्थमंगाय शुष्कमूलकसुहांजणापाय अवरभिडंगीतामोंदीजै कुडवकुडवइन्हकोंलखलीजैं आढकजवहिंकाथकरएहु तैलादिमध्ययहकाथरलेहु सबमिलायमंदाग्निचढावै यहभीचूरणतामोपावै सौंफवर्चकुठहिंगुसुरदार त्रिकुटादोनोजीरेडार तीनोलवणजवायणठानो चित्रापिपलामूलपछानो शतावरिकायफलपायपकाय कर्षकर्षयहसबसमभाय तैलपीजियेलेनसवार कासवातकफकरेनिवार नजलापीनसअवरहुंश्वास कफकीसर्वव्याधिकोनाश इतिवातकफकासचिकित्सा

॥ अथपित्तकफकासचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वासावृहतीगिलोयकोकाथ मधुमिलायपीवेतिससाथ पित्तकफकासतुरत्तामिटजावे वासारसवामधुयुतखावै कासवातकफकीजहांलहिये तालीसादिश्रेष्टतिसकहिये जोपित्तकफकरहोवैकास तालीसादितंहभीसुखरास परतामोवंसलोचनडारै पित्तकफकीसोकासविडारै इतिपित्तकासचिकित्सा

॥ अथक्षतकृतकासलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अतिमैथुनअतिभारउठावन अतिमार्गमोंतुरतहिंधावन वलीसाथअरुलघुहैजोई तिसहीकरउरमोंक्षतहोई तिसक्षतसंगमिलैजोवात सोऊवातकासउपजात प्रथमहिखांसीसूकीहोय पुनसरक्तकफनिकसेजोय तातैंहृदयकंठमंझार पीडाहोवतवारंवार सूचीवेधवतपीडाहोवत अंगभेदस्वरभेदसुजोवत ज्वरअरुश्वासतृषाहोइतास कवूतररवाइवगलस्वरकास क्षतउत्पन्नकासयहलक्षण जानलहैपुरुषविचक्षण ॥

॥ अथक्षतकासचिकित्सा ॥

॥ अविलेह ॥ चौपई ॥ मुलट्ठमघांअरुलेवेदाष शृंगीशतावरिलीजेलाष मात्राइन्हकीसमलखलीजै द्विमात्रावंशलोचनधरदीजै चतुर्गुणमिसरीसवतेंपाय चूरणकरमधुघृतसुमिलाय वलअनुसारानित्यप्रतिचाटे क्षतकीकासतुरतयहकाटे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जीवनीगणयुतघृतजुपकाय खावैक्षतजकासमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ पित्तकासहरहेजोवस्तु क्षतजकासमोसोईप्रशस्तु ॥ अन्यच्च ॥ यवागूमधुरवस्तुसंगसिद्ध पीवेक्षतजकासहोयदग्ध ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मघांकुमदिनीफलकंघ्यारी द्राक्षामुनक्काचहियेडारी सबपिसायमधुघृतजुमिलाय चाटैक्षतजकासमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥

॥ चौपई ॥ मूर्वासुरमाहलदमंजीठ मघाचित्रापाठासमभोईठ यहसमचूरणमधुजुमिलाय नितचाटैक्षतकासामिटाय ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ गन्नेकारसमधुघृतपाय मंदअग्निसोंताहिपकाय नितपीवेक्षतकासामिटावै कासानिवारजीवसुखपावै ॥ अथदुग्ध ॥ चौपई ॥ कमलफूलअवरलषभेह कुमदिनिचंदनसमधरएह इक्षूरसअरुतालमखाणा सोभीइसकेसंगरलाणा दुग्धमिलायकाढमधुकरपीवै क्षतकीकासनाशतवर्थीवै इतिक्षतजकासचिकित्सा

॥ अथराजयक्ष्मकासलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोभोजननहिआपसुखावै अरुजोविषमअन्नकोखावै अतिमैथुनअरुवेगरुकावै दयाशोचअतिअतिदुखपावै इन्हतेंकुपित्तहोतजववात अग्निकोउपतप्तकरात तातेंदोषत्रयकोपदिखावत क्षयीकासअतिशयउपजावत ज्वरअरुदाहमोहयहकरै अंगअंगपीडाअनुसरै उदरशूलपुनहोवततास क्षयकोप्राप्तप्राणकरैकास सूकीखांसीकरहैसोय रुधिरसपूयलिपटीवाहोय तनुकोंमासहोयहैक्षीण तासाचिकित्साकठिनप्रवीण

॥ अथराजयक्ष्मकासचिकित्सा ॥

॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ मघांकमलअरुलाखपछानो पक्कजुकंघ्यारीफलमानो यहसमपीसमधुघृतजुमिलाय चाटैक्षयकीकासमिटाय ॥ दुग्ध ॥ चौपई ॥ अजादुग्धघृतसंगमिलावै मघांपीसगुडसाथपिलावै यक्ष्मकासहोवैतिसनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथकुलीरादिघत ॥ ॥ चौपई ॥

ककडशृंगीसुंठीजान लवाचिडाहरणपरिमान इन्हकामाससमकाथवनावे मधुवर्गसंगघृतपायपकावै नितखावैघृतउठपरभात राजयक्ष्मकासकोघात ॥ अथदशमूलघृत ॥ चौपई ॥ दशमूलभिडंगीयवलेचित्रा पाठाकुलथमानलेमित्रा कोलमरचअरुपीपलमूल अरुत्रिफलासबलेसमतूल विधिवतकाथकरैसुवनाय-पुनतामोंयहचूरणपाय मघांजवांहासंठकचूर ककडशृंगीपुष्करमूर याहीसबसमघृतकोंपावै सिद्धकरैघृतछाणधरावै पांचलवणअरुदोनोच्छार समपीसलेघृतमोडार वलअनुसारनित्यघृतखावै राजयक्ष्मकोंकासामिटावे ॥ अथअसगंधादिघृत ॥चौपई॥ शुद्धदिशाअरुदेशनिहार शुभनक्षत्रयोगशुभवार इकशतजढअसगंधउखारे कूटद्रोणजलमोंसोधारे काथअष्टमशेषरहैजव वस्त्रछाणधरैताकोंतव पुनदोइशतपलछागलमास अग्निचढायलेहुरसतास प्रस्थसोऊघृतप्रस्थमिलावै चारप्रस्थगोदुग्धरलावै पुनकाकोलीक्षीरककोली दोनोद्रक्षापीसतिंहघोली जीवकमेदऋद्धिवृद्धिमुलट्ठ ऋषवजीवंतीवलाइकट्ठ जीरककौंचवीजपुनआन हरडगजपिप्पलकरोमिलान दोयलायचीमघांमिलाय विदारीकंदशतावरीपाय कर्षकर्षइन्हकोपरिमान कूटपीसतिंहकरोमिलान मंदअग्निसोंताहिपकावै सिद्धघृतहिशर्करमधुपावै कुडवकुडवइन्हकोपरीमान कूटपीसतिहकरोमिलान मंदअग्निसोताहिपकावे करेसिद्धघृतमधुसर्करपावे कुडवकुडवइन्हकोंपरिमान सुष्टपात्रमोताकोंठान खावैताकोवलअनुसार तांकेगुणसुनकरोंउचार वालकवृद्धहोयजोच्छीण यक्ष्मच्छीणइहलखपरवीण इंद्रियवलकरच्छीणजुहोय होयआरोग्यपुष्टवलसोय सहत्तरवर्षकोवृद्धजुखावै प्रापतयुवाहोयदरसावे वहुइस्त्रियनकोंभोगेसोय तांकोवीरजक्षयनहिंहोय खावेतीनमासपर्यतहोवेसोनरअसवलवंत शतनारीभोगनसामर्थ असवलप्राप्तलहोयहअर्थ तनदुर्गंधभुरडीसितकेश नाशैभाशैंसुंदरवेश पुत्रार्थीनारिजोखाय ताकोपुत्रहोयसुखदाय अरुवंध्याइस्त्रीजोखावै पुत्रजणेअतिशयसुखपावै वातव्याधिसबजांहिविकार यहवाजीकरणपरमघृतसार। इति। अथापिप्पल्यादिअविलेह्व ॥चौपई॥ मघपीपलमुलट्टयहदोय पीसोकर्षकर्षलेसोय मिसरीइकपलपीसमिलाय गोघृतप्रस्थमिलायवनाय अजादुग्धप्रस्थजोएक प्रस्थइक्षुरसलहोविवेक चूर्णद्राक्षायवगेहुंजान चारचारपलयहलषठान रसआमलेचारपलपावै तैलदोयपलतासमिलावै मंदअग्निधरताहिपकावै मृदूपात्रमेंपायधरावै मधुमिलायपुनचाटैतास श्वासकासक्षयहोवैनाश हृदयरोगयहतुरतविडारै एतेगुणयाकेउरधारै क्षईकासरोगहैजाय सन्निपाततेहोवतसोय यक्ष्मकासजाकोंलखपैरै सन्निचिकित्सावैद्यसुकरै ॥ इतियक्ष्मकासचिकित्सासमाप्ता

॥ अथश्वासकासचिकित्सा ॥

क्राथः ॥ चौपई ॥ गिलोयसुंठपाठाकंडयारी पर्णीपायसमक्राथसुधारी मघचूरणमिलायकरपींवे श्वासकासनाशतिसथींवे ॥ अन्यच्च ॥ सुंठकुलथवासालेचंगी शुष्कमूलीजुपायाभिडंगी क्राथकरैमघचूरणपाय पीवैश्वासकासामिटजाय रसआद्रकमधुसमजुमिलाय पीवैश्वासकासनरहाय अवरहुपींनसकीकफनाशै होइआरोग्यतनसुखपरकाशै गुटिका ॥ चौपई ॥ हरडसुंठमुथ्रगुडसमसांधें निजइछयासोगुटिकावांधे मुखराखेजुश्वासकीकास निश्चयकीजैहोइसोनाश वापुटपाकवहेडाकरै मुखधरश्वासकासकोंहरै ॥ चूर्ण ॥ हरडसुंठसमपीसरलावे खावैश्वासकासमिटजावै ॥ अन्यचूर्ण ॥ चौपई ॥ सुंठीहरडेंमुथ्रकचूर मघांपीपलींपुष्करमूर गुडरलायकरखावेजोय श्वासकासनाशतिसहोय ॥ अन्यच्च ॥चूर्ण ॥ चौपई ॥ अष्टांगनामचूरणजोकीजै अजादुग्धसोंसोनितपीजै घोरश्वासकासमिटजावै वंगसेनयों

प्रगटसुनावै ॥ अन्यच्च ॥ पंचकोलसमपीसमंगावै अजादुग्धमोंकाढपीलावै श्वासकासतुरतहोइनाश वैद्यग्रंथयोंकरेप्रकाश ॥ अथधूम्रपान ॥ चौपई ॥ जिहकोंकासबहुतवलधरै तांतेंवमनसोऊनरकरै अ-रुस्वरमंदहोयसोजावै नासास्रवैविहवलताथावै नासातेंदुर्गंधजुआवै ताहितधूम्रपानसुनावै मनशिल-हरताललेमरचांमुथर मांसीइंगुदीयहसबसमकर इकठ्ठेकरकेयंत्रधरावै ऊपरअग्निधरपानकरावै पा-छेदुग्धसगुडकरपान श्वासकासछर्दकीहान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मनछलपीसमहीनकरावै वेरवृच्छ-केपत्रलिपावै धूपसुकायधूमतिसलीजै पाछेंदूधअजाकोपीजै तांतेंमहाकासहोइनाश वंगसेनमतकीन-प्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ एरंडधत्तूरेकीजढल्यावै त्रिकुटामनछलसमपीसावै वस्त्रलपेटवाती-सोकरै अग्निलगायधूमसुखधरै यहभीमहाकासकोंनासै रोगनिवारअधिकसुखभासै ॥ अन्यच्च ॥ चौ-पई ॥ अर्कदुग्धमनशिलसमभाय इन्हतेंअर्धपायत्रिकुटाय चूर्णअग्निपरपायधुखावै आंखवांधमुखधूम-दिवावै महाकासदुखहोवैनाश जानलहोयोंनिजमनतास ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ चंवेलीकेजोंआनेपत्तर मनछलएलागुगुलसमकर अजामूत्रसोंपीसेतास अग्निडारधूंमदुखनाश ॥ अथपानपत्रभच्छण ॥ चौ-पई ॥ पानपत्रकोंनित्यखवाय पाछेंअजादुग्धपीवाय ताकोंकासरोगमिटजात सुगमउपायकीनाविख्या-त ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ कंड्यारीकोक्काथवनावै मघांपायकरताहिपिलावै खांसीकोहोवेदुखनाश सुगमउपायकियोपरकाश ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ देवदारुरहसनत्रिफलाय पद्मविडंगवलात्रिकुटाय समधरमिसरीचूरणखावै सर्वकासकोनाशकरावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कुनटीसेंधात्रिकुटाजान हिंगुविडंगदेवदारूठान मधुघृतमेलजुचाटैतास कासश्वासहिडकीहोइनास ॥ रस ॥ कंड्यारीरसकूट-निकाले तामोमघांपीसकरडाले कासरोगकोहोइहैनाश निश्चयमनमोजानोतास ॥ अथहरीतकी-मोदक ॥ चौपई ॥ हरडकणासुंठीजोलीजै मरचसभीसमचूरणकीजै गुडमिलायसोमोदककरै अ-ग्निवधैजुकासतवहरै अथसमशर्कराचूर्ण ॥ चौपई ॥ सुंठमघांमरचांदलपान दालचीनीएलापुनठान एलातेंउलटालखभाय दुगुणदुगुणकरऔषधपाय यहचूर्णनीकेंपीसावै सबकेसममिसरीजुमिलावैखा-वैअर्शगुल्मकोंटार श्वासकासमंदाग्निनिवार कंठहृदयकेरोगविडारै यहचूरणएतेगुणधारै ॥ अन्यचू-र्ण ॥ चौपई ॥ कर्षप्रमानमरचलखलीजै मघांअर्धकर्षधरदीजै पलदाडिमदोपलगुडपाय अर्धकर्षयव-चारमिलाय सबरलाययथावलखावै सर्वप्रकारकीकासमिटावै अथविभीतकअविलेह ॥ चौपई ॥ गिट्कविनावहेडेलीजे प्रस्थप्रमाणचूर्णसोकीजे अजामूत्रसोंपीसमंगाय मधुमिलायचाटेसुखपाय श्वासकासकोहोवेनास मनमोंनिश्चयकीजेतास ॥ अथजीवंत्यादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ जीवंतीपाठाजु-मुलट्ठ त्रिफलावंशलोचनकरइकठ मुथराटलामघांकचूर दोइकंड्यारीपुष्करमूर सारवाद्राचावहेडा-विडंग यवासारिद्धचित्राअरुहिंग पुनर्नवाजवानरसोंतभर्डिगी त्रायमाणभूआमलीकर्कटशृंगी देव-दारुलोहरजतामोपाय पीसमहीनजुचूर्णवनाय अमलवेतत्रिकुटायवचार यहसमचूर्णमधुघृतडार खा-वैकासपंचप्रकार श्वासरोगसंयुक्तविडार अथपद्मकादिचूर्ण चौपई पद्मलेहुत्रिफलात्रिकुटाय सुरदारुवि-डंगचूरणसमभाय मधुघृतमेलचटावैतास सर्वप्रकारकासहोइनाश अथसिंहामृतघृत ॥ चौपई ॥ वां-साकंडयारीजुगिलोय इन्हकेकाथकरेनरजोय अरुइन्हहीकोचूरणपावै घृतपकायशुद्धकरखावै पुरातन-जूरमंदाग्निविनाश जावैग्रहणिशूलश्वासकास ॥ अथकंटकारीघृतं ॥ चौपई ॥ कंडयारीरसकेमंभार ह-रडवलाभखडासमडार पुनरहसनधरघीउपकावै खावैपंचविधकासनसावै ॥ अन्यच्चकंटकारीघृतम् ॥

॥ चौपई ॥ कंड्यारीपंचांगमंगाय द्रोणतोयमोताहिपकाय रहैपादशेषताकोजव छाणप्रस्थघृतपावैतिहतव मघगजपीपलअरुयवचार पिपलामूलवरचयहडार चित्रासौंचलभषडाठान रहसणपलपललेपरिमान समघृतपायपकावैसोय खावैश्वासकासकोंखोय पीनसादिकफसकलविकार हृदयशूलहरलगैनवार ॥ अथवृहत्वासाघृत ॥ चौपई ॥ समूलपत्रशाखालेवासा चूर्णशतपललीजीयेतासा दोइप्रस्थपंचमूलकोचूरण पुनअवरहुंचूरणकरपूरण हरडवहेडाआमलेजान कुडवकुडवइन्हकोपरिमान सभीद्रोणजलमोंपकवावै पादशेषजवरहैछनावै मेदामहामेदाकाकोली जीवकरिषवच्छीरकाकीली दोनोरजनीचंदनठान मुगदपर्णिमाषपर्णीजान मघअसगंधमुलट्ठसमोय सुंठीसौंफपुनमरचसंजोय काकनाशकाद्राच्छशतावरि लघुलायचीपीसतामोंधरि इन्हसबकेसमघृतजुमिलावै चतुर्गुणदुग्धगायकोपावै पायपकाययथावलखाय सबहीकासच्छीणताजाय हिडकीअवरश्वासकोखोय यातैसुष्ठकंठस्वरहोय अथकंठकारीलेह ॥ चौपई ॥ कंड्यारीलेहुतुलापरिमाण द्रोणतोयमोंकरोपकाण रहैपादशेषसोजवै पलपलचूरणपावैतवै जवांहामुथूगिलोयभिडंगी रहसणत्रिकुटाककडशृंगी चित्राचवकसटीपुनजान वीसशर्करापलतिंहठान घृतपलअष्टअष्टपलतैल पकावैमंदअग्निसवमेल तलेउतारशीतलकरजवै मधुपलअष्टमिलावैतवै वंशलोचनमघपीपलदोय चारचारपलमेलोसोय चाटेयाकोंवलअनुसार चिरकीकासहरपांचप्रकार ॥ अथव्याघ्रीहरीतकीलेह ॥ चौपई ॥ समूलपत्रशाखाफलफूल कंड्यारीजुतुलाइकतूल शतइकहरडजलद्रोणपकावै जवैशेषइकपादरहावै तवशतपलगुडपायपकाय शीतलकरयहचूर्णपाय षटपलपुष्करमूलपछान पलपलचतुरजाततिहठान त्रिकुटात्रैपलतामोडार भाजनस्वछताहिमोधार वलअनुसारचाटियेसोय त्रिदोषकासनाशतवहोय वातपित्तकफकीजोकास द्विदोषजकासहोयसवनाश च्छतकीकासयच्मकीकास पीनसच्छईजायपुनश्वास उरच्छतयच्ममहरनयहलह्यो भृगुच्छषियहजुरसायणकह्यो अथअगस्तहरीतकी ॥ चौपई ॥ इकशतहरडसंपूरणराके अवरऔषधचूरणकरभाषै दशमूलजवांहावलाकचूर शंखपुष्पिअरुपीपलमूर अपामार्गचित्राजुभिडंगी पुष्करमूलकरोइकसंगी क्रौंचवीजजोतामोपाय गजपीप्यलकोताहिरलाय यहसबदोदोपलपहिचान आढकयवतेंहकरोमिलान पांचअढकजलपायपकावै यवगलनेतकअग्निधरावै तवयहक्वाछनावैकाथ गुडइकतुलामिलावैसाथ अरुसोऊहरडेंताहिमिलावै कुडवकुडवघृततैलरलावै मंदअग्निसोंताहिपकाय तलेउतारशीतलकरवाय कुडवभघांअरुकुडवमखीर ताहिरलावैवुधजनधीर पलपलचतुरजातपीसाय सकलमांहियहधरोमिलाय दोयहरडानितभच्छणकरै असोनेंमनिताप्रातिधरै ऊपरतेंरसपीवैसोय जेतावलआपनमोंहोय परमरसायणयहलषलीजै याकेसुनगुणजानपतीजै जराहरैजुयुवाप्रगटावै वरणआयुर्वलवहुतवधावै कासकहीजोपांचप्रकार नाशेयहसमझोचितधार हिकाश्वासविषमज्वरनाशे ग्रहणीअर्शहृदयरोगनाशे पीनसनजलाअरुचिनिवारै एतेरोगहरै—

गुणधारै परमरसायणयाकोंजान अगस्तऋषीयहकीनवखान लोकनकोहितमनमोधार याहीतेंकीनोउपकार ॥ इति ॥ अथवासिष्टहरीतकी ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंहरडएकशतलीजै यवआढकप्रमानजुलहीजै जलजुसतआढकतिंहपावै लोहकडाहेपायपकावै दंतीअसगंधमघामिलाय करंजूमूलाविल्वफलपाय दोइरजनीगजपीपलपावै अपामार्गसंगपायमिलावै मिलावैक्रौंचवीजतिहपावै मघांपीसकरताहिरलावै सपत्रमूलचित्रापुनठान इनकासवइकपलपलमान दसमूलआढकपरीमान मंदअग्निसवकरो-

पकान जवगलगयेजानहैजवै तलैउतारैछाणैतवै पुनशतपलतामोगुडपाय हरडसहस्त्रइकताहिमिलाय प्रस्थपुरातनघृतसंगदीजै प्रस्थनवीनतिलतैलसुलीजै पुनपकायशीतलकरलेय माष्योंदोप्रस्थतामोदेय मघांचूर्णअष्टपलपाय मासपर्यंतहरडकोंखाय सर्वरोगकोहोइहैनाश आगेंभीक्रमसुनियेतास जोयहहरडमासदोइखाय अपूर्वदृष्टिलोचनरुजजाय तीनमासपर्यंतजुखावै कुष्टरोगदूरहोइजावै खावेहरडमासजोचार भगंदरश्लीपदवातविकार वातगुल्मश्वासअरुकास यातेंइन्हरोगनकोनाश पांचमासलगसेवैयाहि श्वेतकेशश्यामहोंइताहि जोषटमासलगेंयहखावें जरादूरहोइदेहसुहावै दुर्मदहस्तीकीजोन्याई असवलप्राप्तहोयातिसताईं मयूरन्यायकंठस्वरतास शरदचंद्रमुखकांतिप्रकाश कमलफूलवतनेत्रसुहावत वुद्धिवृहस्पतिइवलषपावत जानूअरुजंघामंभार हयइववेगहोयनिरधार एकसहस्त्रवर्षपरयंत जीवतरहैजानोयहतंत श्रीवसिष्ठलोकनहितजान यहहरीतकीकल्पवखान॥ अथकुलत्थगुड ।

॥ चौपई ॥ कुलत्थशतपलशतपलदशमूल भार्गीजष्टीशतपलसमतूल तोयचतुर्गुणपायपकावै छाणेपादशेषजुरहावै तामोअर्धतुलागुडपाय शीतलकरैजुताहिपकाय षटपलवंशलोचनजुमिलावै दोइपलचूरणमघांरलावै माष्योंकुडवएकपरिमान मेलसनिग्धपात्रमोंठान नित्ययथावलताकोंखावै श्वासकासविषमज्वरजावै राजयक्ष्मपीनसजुविडारै पांडुहृदयकेरोगनिवारै कफअरुवातरोगहोइनाश गुडकुलत्थयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच्चकुलत्थगुड ॥ चौपई ॥ कुलत्थपायअरुमूलकमूल चारचारपललेसमतूल तुलाएकदशमूलपछान द्रोणएकजलपायपकान पादशेषकाथरहैजवै वस्त्रसोंछाणलेयसोतवै आद्रकरसइकप्रस्थसोलीजै घोलताहिमोसोइरलीजै अठअठपलघृततैलमिलाय तुलाएकभरगुडतिहपाय पुनपयशीतलकाकरधरै यहचूरणपुनतामोंकरै चवककांयफलसुथूभिडंगी त्रिसुगंधअरुककडशृंगी त्रिकुटाजीरापुष्करमूर अजवायणपुनपायकचूर अर्धअर्धपलयहसमपाय प्रस्थएकमधुताहिमिलाय वलअनुसार।नित्यसोखावै कफविकारज्वरकासमिटावै श्वासहृदयक्षतछर्दविनाशे हृदयशूलस्वरक्षयकोंनाशे तृषाअरुचिमंदाग्निमिटावे गुडकुलत्थकोंअैसेंगावे ॥ अथसामान्यविधिः ॥ चौपई ॥ सुंठसुकावेछांवेंवासा तीसरभागसमचूरणतासा मधुरलायअसचाटेतास नाशेतासकासअरुश्वास अथसाध्यकष्टसाध्यकास क्षयक्षतजकासवलहीनकोहोय ताकेप्राणहरेलषसोय वलवानपुरुषकोसाध्यपछान क्षतजतासतेंजाप्यकरमान वातापित्तकफकहेजुतीन इनकीकासलखेपरवीन साध्यतासकोपथ्यसेंजानो अवरअसाध्यकासतुममानो अतीसारकरसंयुतजोय कासअसाध्यलषोतुमसोय ॥ अथअसाध्यकास ॥

॥ चौपई ॥ वृद्धअवस्थाकीजोकास अरुअतिछीणहुंकीलषतास यहदोइकासअसाध्यलषावैं अवरसाध्यसुखसाध्यकहावैं ॥ दोहा ॥ कासाचिकित्सायहकहीविवरेसाहितविचार पथ्यापथ्यअधिकारअवसोसुनिएचितधार ॥ इतिकासरोगचिकित्सासमाप्त ॥

॥ अथकासरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कासरोगकेपथ्यअपथ्यसबहीकहोंसुनाय जिंहप्रकारशास्त्रहिंभन्योसुनोचतुरचितलाय ॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटाककडशृंगी आद्रकविहीदानाजुभिडंगी पोस्तहफीमुलठयवक्षार सज्जीदाडिमकीनउचार अपामार्गपुनजानलहीजै सेंधासौंचलसमुभपतीजै चणेमुंगपुनमोठपछानो कनकअवरभाष्योउरठानो रसकुलत्थकंध्यारीजान दूधदहीघृतअजाप्रमान गौवकरीकोमूत्रजुकहिये

खासीकफकोपथ्यलहिये ॥ दोहा ॥ कासरोगकेपथ्यकहेमनमोंसमझविचार इसआगेंअवकहितहोंकास-अपथ्यविसतार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ रुधिरमोक्षजानोनसवार आतपदंतघर्षनिरधार धूडीउडती-मोंजोबैठन आंधीपवनमध्यजावैठन दाहकग्राहकरौक्षजुखावै विष्टामूत्रादिकाररुकावै कंदकचालूआ-दिकजेते दुष्टअन्नपानीसुनतेते गुरुशीतलजेतअन्नपान औरविरुद्धभोजनमनआन तैलअवरदधिगुड-जुलखावै अरुव्यायामशाकजुकहावै गलगलआदिआंवखटेआई माषरौंगलौंअतिदुखदाई मत्स्यमास-तिलसर्षपजान कासअपथ्यकीनव्यारव्यान ॥ दोहा ॥ खांसीरुजकेपथअपथसबहीकीनबषान सम-झचिकित्साजोकरेसोहैपुरुषसुजान ॥ इतिअपथ्यं ॥ दोहा ॥ कासनिदानबषानकेतौपुनकह्योउपाय पथ्यापथ्यअधिकारपुनभाष्योसभेसुनाय ॥ इतिकासरोगःसमाप्तः

॥ अथकासरोगेकर्मविपाकमाह ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ मिथ्यावचनकहैनरजोय लोकनकोंदुखदायकहोय पित्तरक्तकरषीखांसी-तास प्रगटहोतयोंकीनप्रकाश ब्राह्मणकोंकरभ्रष्टस्थान वातकासततातैंप्रगटान जोजलपानमोंविघ्नउ-पावै ताहिसश्लेष्मखांसीधावै ब्रह्माविष्णुरुद्रमंझार जोनरइन्हमोंभेदविचारे सान्निपातषांसीतिसहोय-निश्चयमनमोजानोसोय निजनिमित्तपशुमारजुखावै कर्मजदोषकासतिसधावै ॥ अथउपाय ॥ चौपई। पवनस्वर्णमूर्तिवनवाय ताम्रमूर्तइकहरणशुभाय द्रोणश्यामतिलऊपरधरै ब्रह्मादिकसहिपूजनकरै हव-नकरैपूजनग्रहजोय मार्जनरोगिहिंकीजेंसोय प्रतिमादिकब्राह्मणकोंदेवै निजाहिकासतेमुक्तिलषेवे दोहा कासरोगकेदोषकाकारणकह्योउपाय क्षयीरोगवर्णनकरोंसुनलजैचितलाय इतिकासरोगकारणउपायः

॥ अथकासरोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ अठमेचौथेशनिपडेद्वादशभौमकरूर तांकोपीडाकासकीहोतकरततनुचूर शनिमं-गलप्रतिमाकरैदेयद्विजनकरहोम दानप्रतिष्टासंगसोरोगदूरतनुसोम ॥ इतिज्योतिषम् ॥

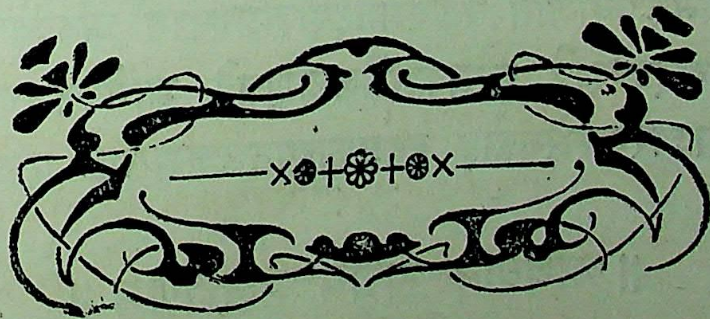
॥ अथाऽन्यप्रकारकासरोगवर्णनम् रोगखांसी ॥

॥ चौपई ॥ खांसीरोगहोतहैजाको सुरफेनामफारसीताको कासरोगाफिफरेकाजांनो जुलजुलाट-ताहूमेमांनो ज्योंदिमागमेंखुजलीहोई आवतछीककासइमसोई सरदीतरीअधिकतनुजाको कफमो-टागहरापक्वाताको श्लेष्महीएवृद्धवाकोई शीतलपवनलगेतनसोई अथवानींदहुंतेउठआवे कास-रोगऐसेंप्रघटावे॥ दोहा ॥ वांसापुष्पमंगायकेसुंठीत्रिफलापाय ॥ नागवेलसमलीजिएदसदसमासिभाय-चारसेरजलपायकेकरेकाथनरकोय ॥ चतुर्थांशकोसीपिवेकासदूरइमहोय ॥ सूंठागिलोवांसाधमापुष्कमु-लमिलाय लघुकंडेआरीमेलिएसमसमऔषधपाय मासेसाडेत्रैइत्रैकरेकाथमातिमांन सातादिवसकेपान-तेखांसीदूरपछांन ॥ चौपई ॥ सुंठीत्रिफलामघांमंगावे मर्चभडिंगीवांसापावे वावडिंगपद्मकाष्ठमिलाय नागरमोथाधाररलाय लेसमचूरणपीसवनावे साडेदसमासेनितखावे गर्मनीरसोसेवनकरिए कास-रोगताहीछिनहरिए मघांहरीडकुठसमलीजें वीचमखीरगावघृतदीजें लेहवनायचटावेकोई कासरो-गतवनाशेहोई ॥ दोहा ॥ गूंदलीजिएखैरकाचीनीखंडमिलाय दोनोतोलेपांचलेमैदातोलापाय घृतके-वीचपकायकेकडाहकरेमतिमांन खावेखांसीनारहेहोतदेहबलवान ॥ चौपई ॥ मर्चआकजढलेसमपावे

वांसारसमेखर्लकरावे चनेसमानगोलिआंहोई छायावीचसुकावेकोई प्रातरातमुखताहिधरावे चूपेरसखांसीकटजावे सीसालूणमनसिलाजोई वावडिंगसुंठीमघसोई लेसममधुमिलायचटावे माषेसतकासहटजावे गोकादूधसेरदोलीजें चाढअगनपरआधाकीजें जीरालाखताहुमेपावे सतसतमासेपीसामिलावे रातसमेनरपीवेसोई कठिनकासतवनाशेहोई सुंठीमघाभडिंगीलीजें वाचवांसाताहूमेदीजें सतसतमासेकाथवनावे पीवेकठिनकासमिटजावे अलसिवीजलेताहिभुनावे खावेमधुसोंकासमिटावे फटकलूणलेसंपुटकरिए ताहिपकायपीसकरधरिए साडेदसमासेनितसेवे घृतकेसाथभाततिसदेवे कासरोगऐसेमिटजावे सुगमउपायकरेसुखपावे एकभारपुटकंडालीजे ताकीभस्मफूककरकीजें एकतलीभरसेवनकरिए शीतलजलसोंखांसीहरिए

॥ रोगपित्तजखांसी ॥

॥ चौपई ॥ पित्तजदिक्ककासजोआवे कंठहृदयमेदाहदिखावे वारंवारतृषावहुलागे शीतलपवनसंगसुखजागे रेजसगाढीसिरतेंआवे सोफिफरेकेऊपरधावे गरमीखुष्कीफिफरेमाही लच्छणसूकीखांसीताही क्रोधछुधामार्गमेंजांनो पित्तजखांसीअधिकपछांनो कदीकिसीकोऐसाभावे पित्तजखांसीरुधिरदिखावे ॥ लौंगइलाचीअगरपछांनो चिटाजीराचंदनमांनो तगरखस्समघसुंठमिलाय छडवालाजैफलतांसंगपाय गंढीराजढनीलोफरलीजें मुसककपूरजुआहसंगदीजें कबाबचीनीगजकेसरपावे दालचीनीसमभागमिलावे पीसऔषधीचूरणकीजें सबसमांनमिसरीसंगदीजे साढेदसमासेनित्यखावे प्रातरातऔषधमनभावे आदिकारणमेंसेवनकरिए पित्तजकासताहिछिनहरिए ॥ हर्दलमासेसातमंगावे अर्धभागमघसंगरलावे चूरणप्रातसमेनितसेवे घृतखिचडीकवहूंनहिदेवे पित्तजकासदूरकरलीजें तापह्वोएघृतकवहुंनदीजें ॥ किकरगूंदखंडसंगहोई तोलेतीनतीनसमसोई अकरकराजढसोसनआंनो मासेसातसातपहचांनो साढेदसमांसेनितखावे पित्तजखांसीताहिहटावे ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांकासरोगाऽधिकारवर्णनंनामचतुर्विंशोऽधिकारः ॥ २४ ॥



॥ अथराजयक्ष्मरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ राजयक्ष्मजोरोगहैजैसेंकह्योनिदान तैसेंवैद्यकग्रंथमतसमभ्फोकरोंवखान ॥ चौपई ॥ क्षयीगताहूकोंकहैं ताउत्पतकारणयहलहैं विष्टामूत्रवेगजवहोय वलकरताकोंरोकैजोय धातुनकेक्षयहेतूकहे सोसमभ्फोअैसेंलखलहे अतिमैथुनअतिभोजनजान ईर्षाविषादधातुक्षयमान वलीसाथजोवैरवधावै विषमअन्नकोअतसयखावै विषमभोजनऊनाधिकभाष्यो अरुअकालभोजनसोआख्यो थोहरोभोजनभीसोऊजान इन्हतेंहोयत्रिदोषमहान राजयक्ष्मसोतीनोदोष प्रगटावतयोंलषहोघोष राजयक्ष्मजोदेहसुकावै यातेंशोषनामसबगावै क्रियासमस्तजुक्षयहोजाहि यातेंक्षयिनामजगगाहि जोसबकोराजारोगकहिये ताकोंक्षयीरोगसोलहिये यातेंराजयक्ष्महैंनांम महारोगयहहैदुखधाम कफप्रधानवातादिदोषकर नाडीसवरुकजाहिजवैनर तवरसअन्नजुखावैपीवै हृदयरुक्योविकारकरथीवै अपनेअपनेस्थानमंभ्फार जायनसकेरुकीलषनाड होइविकाररूपरससोय मुखद्वाराकरनिकसेजोय तातेंवीर्यक्षीणहोइजावै अवरधातुसबक्षीणलखावैं तिसतेंनरसूकतहीजाय जैसेंअतिमैथुनजुसुकाय ॥

॥ अथराजयक्ष्मअनुक्रमणिका ॥

॥ चौपई ॥ राजरोगकेपांचप्रकार वातपित्तकफसन्निजचार हृदयचोटपंचमहैसोई पूर्वरूपलख आगेजोई ॥

॥ अथराजयक्ष्मपूर्वरूपमाह ॥

॥ चौपई ॥ जवैयक्ष्महोनेपरआवै एतेरूपप्रथमदिखलावै श्वासअवरअंगपीडाजान तालुशोषकफनिकसेमान मंदअग्निपीनसअरुकास अरुनिद्राकरहैपरकाश हिक्कामदकरयुक्तहेजोय वमनअवरपांडूतनुहोय यहलक्षणजिंहतनुप्रगटावै ताकेनेत्रशुक्लहोइजावैं वीर्यमांसराहितहैसोऊ स्वप्नमांभ्फअसदेखेवोऊ काकशल्ल्यकशुकगृध्रनिहारै कपिकिरलेमयूरवहुसारै अरुनिजऊपरयाहिचढावैं पृष्टचढायतुरतलेधावैं निर्जलनदीयांदेखतरहै शुष्कवृक्षजलतेपुनलहै अैसेस्वप्नदेखतजोय ताहीराजयक्ष्मरुजहोय ॥ इतिपूर्वरूपम् ॥

॥ अथसामान्यराजयक्ष्मलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अवरहुंतीनरूपयोजान स्कंधमाहिपीडाप्रगटान अरुदुंहूपार्श्वोपीडाहोवत ततपादकरहोवेंजोवत अरुसर्वांगमंदज्वररहे इहप्रकारत्रैलक्षणलहै आगेषटलक्षणकरकहै भोजनअरुचीमुखरक्तसोवहै श्वासकासज्वरस्वरभंगहोई इहप्रकारषटलक्षणसोई एकादशलक्षणसर्वप्रमान दोषभेदकरताहिपछान

॥ अथवातजराजयक्ष्मलक्षणम् ॥

वातक्षयीकेलक्षणजांनो शूलअवरस्वरभेदपछांनो मुंहडेपासेसिमिटजाहि वातक्षयीयहलक्षणगाहि ॥

॥ अथवातजराजयक्ष्मचिकित्सा ॥

॥ अथजातीफलादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ जैफलचित्रातगरविडंग तिलतालीसपत्रलेसंग चंदनसुंठविडंगमिलावै लघुलाचीमघहरडरलावै मरचआमलेलेवंशलोचन कर्षकर्षयहसमभ्फोनिजमन चतुरजात-

इन्हसंगमिलावै भंगसप्तपलपीसरलावै इन्हकेसमशर्कराभिलाय वलअनुसारनितप्रतिखाय श्वासकासर्वग्रहणीजावै मंदअग्निकफवातमिटावै वज्रपातसौंतरुहतजैसें नष्टहोहिरोगयहतैसें

॥ अथशृंगादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ ककडशृंगीअर्जुनआन असगंधनागवलाकोठान पुष्करमूलहरडजुगिलोय मधुघृतचूरणमेलोसोय याहीकोजोनितप्रतिखावै राजयक्ष्मसोरोगमिटावै तालीसादिचूर्णतिससंग चाटेयक्ष्मरोगहोयभंग अथजवान्यादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ जवायणसुंठतिंतडीक्यावे अमलवेतदाडिमपुनपावै बदरीफलचूर्णपुनठान इन्हकोकर्षकर्षपरिमान दालचीनीधनियांसौंचलजीरा अर्धअर्धकर्षलेवीरा शतपरिमाणमघांतिहपावैं दोपलमरचांपीसमिलावैं पायशरकरापलतिंहचार खावैइहविधिचूर्णसुधार जिव्हाहृदयशुद्धलखपावै रुचिउपजैलिफक्षईमिटावै पार्श्वशूलकासअरुश्वास ग्रहणीअर्शअफारानाश ॥ अथलघुएलादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ लघुएलादालचीनीकेसर तालीसपत्रदाडिमलेतिहधर धनीयांवंशलोचनअरुजीरा दोदोकर्षलेहुसुनवीरा मघांपिप्पलामूलजुचित्रा मरचांसुंठचवकलेमित्रा अजमोदाअजवायणलीजै अमलवेतकैंथजुभनीजै अजगंधायहकर्षकर्षभर ताहिशर्कराचारजुपलधर चूरणखावैक्षईमिटावै लिफकासअर्शमिटजावै श्वासशूलज्वरछर्दनिवारे अग्निवर्णगलजिव्हसुधारे

॥ अथपैत्तिकराजयक्ष्मलक्षणम् ॥

पित्तक्षयीकेलक्षणकहिये अतीसारज्वरदाहलहिये अरुमुखसेतीरक्तनिकासै पित्तक्षयीलक्षणजोभासे

॥ अथराजयक्ष्मरक्तपित्तचिकित्सा ॥

॥ अथअमृतादिघृत ॥ चौपई ॥ गिलोयसारवापंचलघुमूल वांसावलासपंत्रसमूल दशदशपलजलद्रोणपकावै पादशेषयहचूर्णमिलावै चंदनमघवालाजुकिरात लोध्रपापडामुथूसमात पाठात्रायंतीजुउशीर मुलठीशृंगीयवाहांधीर पायइंद्रयवकौडलहीजै त्वकतजपत्रसंगतिंहकीजै नीलोत्पलअरुवासामूल अर्धअर्धपललेसमतूल अजाक्षीरअरुघृतयहदोय प्रस्थप्रस्थतिंहमाहिसमोय मंदअग्निसौंताहिपकाय निजवलदेखताहिकौंखाय राजयक्ष्मरक्तपितजावै श्वासकासशोथदाहमिटावै ॥

॥ अथकफजराजयक्ष्मलक्षणम् ॥

कफयुतक्षईलक्षणकोकहे कंठरुकैवाकफसोवहै जीहनरअैसेंकारणअहै भातअरुचिशिरभारीरहै खांसीहोयताहिअधिकाई अैसेंकफकृतक्षईसुनाई ॥

॥ अथकफजराजयक्ष्मचिकित्सा ॥

॥ अथषडंगघृत ॥ चौपई ॥ मघांचवकचित्रायवक्षार पिप्पलामूलसुंठसमडार चतुर्गुणदुग्धअरघृतपावै पकायपायमधुतांकौंखावै निर्मलद्वारइंद्रयसबहोय क्षईरोगनाशहोएसोय ॥ अथजीवंत्यादिघृत ॥ चौपई ॥ जीवंतिअरुद्राक्षामुलठ्ठ कचूरइंद्रयवकरोइकठ्ठ कंड्यारीआमलेमघांजवांहां भषडावलाइकठ्ठकरतांहां त्रायमानअरुपुष्करमूल नीलोत्पलसबलेसमतूल चूरणकरघृतमांहिपकावै मधुमिलायकरघृतनितखावै व्यधिसंमूहकरैयहनाश जीवंत्यादिकहैंघृततास ॥ अथपिप्पलीघृत ॥ चौपई ॥ अजादुग्धसमघृतजुपकावै मघअरुगुडमिलायकरखावै क्षईकासरुजहोवैनाश पिंपलीघृतयोंजानोतास ॥

॥ अथराजयक्ष्मसन्निपातलक्षणम् ॥

त्रैषठकादशलक्षणकहै सन्निपातमोसवलषलहै तीनविकारकरकायावरै सन्निपातराजयक्ष्मजियधरै

॥ अथहृदयचोटकरराजयक्ष्मलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हृदयचोटकरयक्ष्मजुहोई लचणताहिसुनोसबकोई सिरपीडामुखउदरचलान कृशशरीरअसाध्यातिहमान अथवानेत्रश्वेतहोइजाय अन्नअरुचिश्वासहिप्रगटाय प्रमेहबढेफुनिमूत्ररुकावे ऐसोरोगीजमपुरधावे ताकीअवधशास्त्रअनुसार यत्नकरावेशास्त्रविचार चतुरवैद्यफुनजोगुनवंतआज्ञावैद्यमानधनवंत जतीविहोवेसबहिप्रकार दिनहजाररहेफुनिजमद्वार

॥ अथराजयक्ष्मसन्निपातचिकित्सा ॥

॥ अथदशमूलीघृत ॥ चौपई ॥ दशमूलदुग्धघृतपायपकावे सिद्धहोंयघृतमोंमधुपावै खावैसुष्टकंठस्वरहोय शिरपार्श्वअंगपीडासबखोय श्वासकासज्वरछर्ईविनास दशमूलीघृतज्योंलखतास ॥

॥ अथहृदयचोटराजयक्ष्मचिकित्सा ॥

॥ अथछागलादिघृत ॥ चौपई ॥ छागलमांसतुलापरमांन अष्टगुणोजलकरोपकांन पादशेषताकोरहैजवै प्रस्थघृतपायपकावैतवै ऋद्धिवृद्धिमेधलखजोय जीवकअरुकाकोलीसोय क्षीरकाकोलीपलपलपरिमान पावैचूरणताहिसुजान पुनपकायकरशीतलकीजे ताहिशरकराअठपलदीजे पलपरिमाननित्ययहखावै महाघोररुजयक्ष्ममिटावै कुडवएकमधुताहिरलावे क्षतक्षयराजयक्ष्ममिटजावे पार्श्वशूलस्वरक्षयअरुश्वास अरुचिहृदरोगमिटावेकास बलअरुमांसपुष्टयहकरे छागलघृतएतेगुणधरे॥

॥ अथराजयक्ष्मअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पार्श्वदुखस्वरभेदपछांनो अतीसारज्वरअरुचीमांनो कासहोयवलतनक्षयमाना वृषणउदरसोजाहोइजाना शुक्लनेत्रअरुऊरधश्वास यक्ष्मआदिऐसेसबनाश मलकरवलजुदेहमेजान वीर्जहुंतेंतिसजीवनमान तिसतेंमलअरुवीरजदोऊ यन्तसेंराखेवैद्यहैसोऊ ॥

॥ अथसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रोगारंभमध्यनरजोई दानकरैजीवनहितसोई अरुदीप्ताग्निरहैउरमांहि कृशतातनमोलहियतनांहि ऐसेनरकीवैद्यसुजांन करैचिकित्साहोयनहांन ॥ इतिसाध्यलक्षणम् ॥

॥ अथराजयक्ष्मरोगभेदस्यशोषस्यसंख्यामाह ॥

॥ चौपई ॥ शोषरोगफुनषटहिंप्रकार ताकोवर्णौविविधविचार अतिमैथुनअतिशोककरैजो वृद्धअवस्थाप्रापतहोइसो अरुव्यायामअधिकव्रणक्षयतन मार्गथकेतेंहोइव्याकुलमन तिसयक्ष्मांकेलक्षणआखों जिसजिसतैंजोहोइसोभाषों ॥

॥ अथअतिमैथुनजशोषस्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अतिमैथुनतेंवीर्यकोनाश तातेंपांडुवर्णतनभास अरुसबधातूंक्षयहोइजावैं अतिमैथुनतेंयहफलपावैं लिंगवृषणमोपीडाजोय मैथुनशक्तिताहिनहिहोय ॥

॥ अथमैथुनजशोषराजयक्ष्माचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ दुग्धअवरमांसरसखावै भोजनघृतकरयुक्तकरावै ह्यमधुरवस्तूहेजोय जीवनीयगण- सेवैसोय ॥ अथखरजूरादिघृत ॥ चौपई ॥ छुहारेद्राक्षफालसेजांतो लेयमुलट्ठीघृतमोठांनो घृतपका- यमधपीसमिलावै खावैताहिशोषरुजजावै श्वासकासज्वरछर्दइविनासै रोगजाहितनकीदुतिभासै ॥

॥ अथशोकजशोषस्यलक्षणउपाय ॥

॥ चौपई ॥ अतिशोकाहितैंचिंताहोय चिंताकृशतनकरहैसोय शोकअधिकतैंयक्ष्मप्रकाश हर्षदिला- सादेविश्वास शीतलमधुरस्निग्धसोखावै लघुदीपनभोजनकरवावैं ॥

॥ अथजराशोषस्यलक्षणम् ॥

जराकरवीर्यसुबुद्धिविनाशै अरुसमस्तइंद्रियवलनाशै कंपसंयुक्तहोयवृद्धाई फूटेकांस्यपात्रकीन्याई कंठहुतैंस्वरअसनिकसावै वलकरकफजोकंठरुकावै कफत्यागनकोंवलवहुकरै कफनहिंनिकसेअतिदु- खधरै होयअरुचितनुभारीजांनै पीडितहोइविहबलतामांनै मुखनासाचक्षूस्रवतेरहैं हतछविकृशता- सभअंगगहैं इन्हअपगुणयुतरोगीजांन जरासहितसोलक्षणमांन

॥ अथजराशोषराजयक्ष्माचिकित्सा ॥

॥ अथच्यवनप्राश ॥ चौपई ॥ विल्वकतथअग्निमंथकोआंनो श्योनाककाश्मरीपाडलठानों वाल- मघांदोनोकंडयारी चारोपर्णीचहियेडारी अमलीगोखुरुककडशृंगी अगरजीवंतीद्राक्षाचंगी गिलो- यहरडसदाजुकचूर जीवकवृद्धजुपुष्करमूर मुत्थरऋषभपुनर्नवाआंन लघुलाचीउत्पलपुनठांन चंदन- कंदविदारिवांसा काकोलिऔरकाकजोनासा यहलेवेपलपलपरिमांन धात्रीफलशतभागजुठांन द्रो- णएकजलपायपकावै पादशेषलखताहिछनावै द्वादशपलघृतद्वादशतैल अर्धतुलाशरकराजुमैल प- क्तपकायशीतलसोकरै भाध्योंषटपलतामोंधरै वंशलोचनपावेपलचार दोपलमधचूरणकरडार दाल- चीनिइकपलतिहठांन केसरएलापलपलमान पलतालीसपत्रमंगवावै तामोंसवयहपीसमिलावै खावै- याकोंवलअनुसार याकेगुणसुनकरोंउचार च्यवनप्राशयाकोहैनांम ऋषभयेंयुवावहुतअभिराम खावै- वृद्धयुवासोहोय कृष्णावालवृद्धीकरसोय सुष्टकंठकोस्वरप्रगटावत श्वासकासक्षीणताजावत तृष्णाय- क्ष्महृदयकेरोग रक्तवातरुजहोहिंअयोग मूत्रवीर्यकेरोगगविनाशें आयुस्मृतिबुद्धिकांतिप्रकाशे इं- द्रियवलअरुअग्नितास भोजनरुचिअरुसबभास इस्त्रिनकोंवहुहर्षजनावै जराअवस्थाआकृतिजावे युवाअवस्थारूपप्रकाशे एतेरोगजोगकरनाशे ॥

॥ अथजराशोषचिकित्सा ॥

अथउच्यटादिमोदक ॥ चौपई ॥ उच्यटाइक्षूरसमधुलेय तुगाक्षीरीप्रस्थप्रस्थसमतेय अर्धतुलाशरक- रामिलाय कुडवकोंचत्रिसुगंधीपाय कुडवमरचपुनजानपतीजैं सबयहमेलजुमथकरलीजैं पल- प्रमांनयहमोदककरै वलअनुसारखायदुखटरै ब्रह्मचारीजितेंद्रयरहे राजयक्ष्मक्षीणतादहे वृद्धक्षीणता- जावैतास वर्णकंठस्वरबलपरकाश तुष्टिपुष्टिउदारताहोय भूतप्रेतपीडाहरसोय वृद्धक्षीणवीर्यकोंएह वाजीकरणलखोतुमतेह वंध्यातियकोंहैसुतदायक इस्त्रीखाएक्षीणहिवलदायक लिंःफमूत्रकृच्छ्रउन्माद

ग्रहणीअपस्मारविषवाद राजयक्ष्मरोगीजोहोय हरिगुरुश्रद्धाधारैसोय अरुऔषधमैंश्रद्धाधारै इहप्रकारसबरोगविडारै छागलमांसतत्तपयपांन जीवतसेवैहितानिजमांन कर्मविपाकहुंकेअनुसार पुण्यकरैयहवडउपचार

॥ अथमार्गश्रमशोषस्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मारगश्रमकरक्षयीजुहोय तासअंगजुगडेलखिसोय भूंनीवस्तुकठोरजिमकहिये तासुदेहकठोरइमलहिये सभीअंगशून्यहोइजावै कंठतालुमुखशुष्कलखावै

॥ मार्गशोषजराजयक्ष्मचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जिहमारगश्रमयक्ष्मीजांने तिंहइस्थिरताकोसुखठांने दिनकौंशयनकरावैतास शीतलमधुरतक्ररसमास अरुजोपुष्टकरतहैपथ्य भोजनकरवावेलहुतत्थ

॥ अथव्यायामशोषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोअतिशयकरहैव्यायांम तिसयक्ष्मीकेयहपरिणाम जोउरक्षतक्षयीलक्षणकहे व्यायामीमोसोलखलहै

॥ अथव्यायामशोषचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ स्निग्धमांसरसतिसनरदेवे अम्लयूषहितकरलखसेवे अरुव्यायामक्षयीलखपावै भोजनसरदास्निग्धमनभावै

॥ अथव्रणक्षयस्यलक्षणमाह ॥

॥ चौपई ॥ एकक्षयीव्रणहूतेंजांनै रक्तक्षीणतातैंअनुमानै तातेंपीडाकरआहार घटजावतनहिलागैवार तिसतैंदेहीक्षयहोइजावै व्रणहूंतेंयोंक्षयीकहावै

॥ अथव्रणक्षयस्यचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोव्रणतेंउपजक्षईरोग दीपनस्वादिकपथतिसयोग शीतलवस्तुमांसरसदेवे अतिसुंदरवस्तूहितसेवै

॥ अथउरक्षतक्षयलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अवरउरक्षतक्षईवषांनो तासनिदानकहोंलषमानो जोषैंचेवहुधनुषकमांन वलतेंअधिकजोभारउठांन आपहुंतेवलवंतजुहोई तासोमल्लयुद्धकरकोई विषमस्थानहुतेंजोगिरै शिलाकाष्ठऊपरतनपरै वृषभअश्वजोदौडितजावै तापकाडिनहितपाछेंधावै अथवाऊचेतेंगिरपरै महानदीवाहूकरतरै घोडेसंगजुदौडितजावै वडीछालमौरदुःखपावै जोअतिनृत्यकरैकिसुअगौ विहवलहोयनतनअनुरागै इन्हकारणतेंउरक्षतहोय वलवतयक्ष्मर्हिंप्रापतसोय अतिआसक्ततियनमोहोऊ भोजनरौक्ष्यअल्पकरजोऊ ताकोभीउरभेद्योजावै यातेंक्षईरोगप्रगटावै अरुजाकौंवहुधांसीहोय ताकौंभीप्रगटैक्षईसोय पार्श्वदोयपीडायुतजास शुष्कअंगकंपहोयतास वलवीर्जवर्णअग्नितिसनाशे जूरअंगपीडमनग्लानिप्रकाशे मंदाग्नीविट्भेददुर्गंधीजांनो विष्टाश्यांमजुपीतवषांनो रक्तयुक्तकफनिकसेजिसको वीर्जअवरवलक्षयहोयतिसको.

॥ अथउरक्षतक्षयचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ क्षतपरजोजोहितकरवस्तु सोसोयक्ष्माकोंपरसस्तु वलीक्षईकेकेहेउपाय बिषसमक्षीण-वलहिंदुखदाय तनमोवलवीरजआधीन प्राणअधीनमलजानयत्तीन याजगवैद्यचतुरजोहोय रक्षा-वीर्यमलकरहैसोय ॥ अथषडंगयूष ॥ चौपई ॥ मघांसुंठयवदाडिमजांन कुलत्थआमलेयहसमठांन छागमांसरसयूषमिलावै पीवेंपीनसादिक्षयजावै द्रव्यहुतेंदुगुणालेमास सबतेंअष्टगुणाजलतास पादशेषरहेघीउमिलावै षडंगयूषयहनामकहावै.

॥ अथयक्ष्मउपद्रवः ॥

॥ चौपई ॥ रक्तसहितमूत्रहोयजास पार्श्वपृष्ठकटिग्रहनिततास वलवीर्जरक्तक्षयहोवेजिसको यक्ष्मउपद्रवजानोतिसको.

॥ अथअन्यसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ यक्ष्मचिन्हजेकीन्हप्रकाश कछुथोहडेसेहोइहैंजास उरकीअग्निदीप्तरहैजासू घटैनाहि-वलवीरजतासू ऐसोपुरुषचिकित्सायोग भाष्योशास्त्रप्रगटइहलोग जोयक्ष्मीमोऐसेलक्षण सोऊसा-ध्यलषलेहुविचक्षण वर्षपर्यंतजाष्यहेजोय सर्वलिंगयुतत्यागेसोय यक्ष्मरोगकोकह्योनिदान समुझैलक्ष-णवैद्यसुजांन दोहा राजयक्ष्मलक्षणकहेसोलीजैचितधार यक्ष्मचिकित्साअवकहोंसमझभलीपरकार

॥ अथसामान्यराजयक्ष्मरोगाचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहौंचिकित्सायक्ष्मकीसुनलेवोमनधार वंगसेनजैसेंकहीसबग्रंथनअनुसार ॥ चौपई ॥ जिन्हजिन्हकारणक्षईलखावै दुग्धमांसरसताहिपिवावै मधुरसघृतभोजनदेतास हृदयसुखदवस्तूसुख-रास ऐसेंसमुझचिकित्साठाने वैद्यचतुरप्रथमहिंअनुमांने ॥ अन्यच्च ॥ मूलीअवरकुलत्थमिलाय यूषपा-नरुजक्षईनसाय ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ धनियांमघांसुंठदशमूल पीवेकाथसबलेसमतूल क्षईपा-र्श्वशूलज्वरजावै वंगसेनयेंप्रगटसुनावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ असगंधभिडंगीवरचगिलोय वासापुष्क-रमूलसमोय अवरशतावरीतासोपाय वलालीजियेताहिसमाय अरुलेवैदशमूलपतीस यहचूरणकीजेस-पीस वलअनुसारयाहिकोखावै राजयक्ष्महरसुखउपजावे क्षईरोगकाहोवेनाश ऐसेंकीनोग्रंथप्रकाश अन्यच्च वानरमांसजुलेयसुकावे दुग्धसाथचूरणसोषावै क्षईरोगताकोहोइनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश अन्यच्च हरणछागमांससमलेय धूपसुकायचूरणकरुतेय अजादुग्धसोंकरहैपांन होयराजयक्ष्मकीहान अथकाथ चौपई रहसणवरचअवरदशमूल सुरदारसुंठअरुपुष्करमूल यहसमलेयकाथकरपीवे क्षईपा-र्श्वशूलहतथीवै शिरपीडाअरुजावेकास होयतनशुद्धकीनपरकाश अथचूर्ण चौपई अर्जुनवृक्षत्वचाकों-लीजै कवचवीजनागवलालहीजे यहसमचूरणकरैवनाय दुग्धपकायघृतमधुसोंखाय अरुमिसरीभीसाथ-मिलावै खावैक्षईकासमिटजावै अन्यच्च चौपई शालिपणिइटसिटजुविदारी एरंडवासादोकंड्यारी जीव-करीषवगोरूशताखुवरि लांगूलीवृश्चकालीतिंहधरि हंसपादुकादोंनोसहा कवचवीजवलालहुताहा यहसं-मचूरणपीसखावै क्षईगुल्मश्वासपितजावे वातकासहोइजावेनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश अथकाथ चौ-पई दशमूलमघांधनियांसमलेय सुंठमिलायकाथकरतेय चतुरजातसंगपीवेतास क्षईकासज्वरहोवेंनाश

वलअरुपुष्ठकरतपहिचानो यहगुणयाकेमनअनुमानो ॥ अथरस ॥ मदयंतीपंचागघुटावै ताकोरसलेव-स्रछनावे पीवेएकमासपर्यंत राजयक्ष्मकोहोइहैअंत ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ छागमांसछागघृत-ज्ञान छागदुग्धकरसुंठमिलान नितषावैअरुछागहिंसेवै छागोंमध्यसदानिशसोवै यक्ष्मरोगहोवेतिस-नास यहभीभाष्योकरविश्वास ॥ चूर्ण ॥ चौपई ॥ चूर्णलाखकर्षदोइलीजै पेठेरससोंनितउठपीजैं रक्त-यक्ष्मकोंनाशेसोय होइआरोग्यसुखीतनहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलाअवरशतावर दो-यवलासमलोहचूर्णधर यहचूरणनितषावैजोय यक्ष्मादिसर्वरोगहतहोय ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ विडंगशिलाजितलोहेचूरण खंडपायघृतसोंकरपूरण रूपमाक्षितिहपीसमिलावै मधुकरयुक्तजुलेहबनावै यहचाटेनितछर्दईमिटाय समझलीजियेकह्योसुनाय॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचवकअरुवायविडंग यहसमचूर्णघृतमधुसंग नितप्रतिचाटैछर्दईमिटावे होइआरोग्यजीवसुखपावे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मां-सकवूतरकोमंगवावै खंडखंडकरधूपसुकावै चूरणकरमधुघृतसुरलाय प्रतिदिनचाटैयक्ष्मामिटाय अन्य-च्च चौपई द्राखमघांमधुमिसरीपाय चाटैताहिछर्दईनरहाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मधुघृतमिसरीमघअस-गंध चाटेनित्यहोयछर्दईभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मिसरीमधुमाखनजुमिलाय ॥ नितप्रतिचाटैयक्ष्मह-टाय ॥ अन्यच्च ॥ मधुघृतदोऊमिलायचटावै परयहसमानतोलनहिपावै ऊनअधिककरसेलसोय चा-टैछर्दईरोगक्षयहोय पाछेदुग्धकरेजोपान यक्ष्मरोगकीकरहैहान ॥ चूर्ण ॥ चौपई ॥ नागवलाकोमूलपि-सावै पलप्रमाणदुग्धसोंषावै अरुनितदुग्धकरैआहार अधिकनखावैसमझविचार यहप्रयोगधारेइकमास पुष्टिआयुवलकरेप्रकाश राजयक्ष्मकोरोगनिवारै यहगुणयाकोनिजमनधारै अथतालीसादिचूर्णगुटिका ॥ चौपई ॥ तालीसपत्रमरचमघनागर भागवृद्धइकइकइन्हकोंधर दालचीनीएलायहदोय अर्धअर्ध-भागधरसोय जेतेभागमघपीपलहोई अष्टगुणमिसरीधरसोई सबमिलायचूरणयहषावे श्वासकासहृद-रोगमिटावै पांडूअरुचिग्रहणीलिफजाय शोथशूलअतिसारमिटाय छर्दअरुचिज्वरवातनसावै राजयक्ष्म-कोनाशकरावै जोमिसरीयुतगुटिकासेवै षावैअधिकगुणनकोंदेवै अथमहांतालीसादिचूर्ण चौपई ताली-सपत्राचित्रात्रिकुटाय तिंताडिदाडिमपलपलपाय दोऊजवायणअरुगजकना गलगलचवकसमझनिजम-ना गजकेसरवालाजीराठानै पिपलामूलविडंगपछानै धनियांजायफलमघांमिलावै त्रिसुगंधलवंगकर्षकर्ष पावै सबतेंदुगुणाशर्करापाय चूरणकरखावैदुखजाय पीनसराजयक्ष्महृदरोग मूत्रकृच्छ्रहोइजांहिअयोग पांडहलीमकअरुसीवात चालीसपित्तरुजकरहैघात कफरुजनाशैवीसप्रकार यारांग्रहज्वरशूलनिवार अ-र्शभगंदरगलग्रहजावै ऊरूस्तंभस्वरभंगामिटावै इत्यादिव्याधिकरहैयहनाश महातालीसिआदिल-खतास अथअन्यतालीसादिचूर्ण चौपई तालीसपत्रमरचमघनागर लघूलायचीजायफलतिंहधर कमल-भेयपुनपिपलामूल वंशलोचनयहलेसमतूल इन्हतेंत्रिगुणीमिशरीपाय चूरणषावैनिजवलभाय दीपनरु-चिकरजानोएह पित्तरक्तज्वरनाशकरैह हृदयरोगश्वासकृमिकास ग्रहणीछर्दईगुल्मकरनाश मूढवातअरु-शूलअफार पांडुकंठग्रहरोगविडार हाथपादकोदाहनिवारै तालीसादीचूर्णदूखटारै अथकर्पूरादिचूर्ण चौपई करपूरअवरकंकोलजुमरच जलवत्रीअरुजाइफलवरच यहऔषधसमतोलकरीजें दुगुणालवंगमघ-सुंठधरीजै अरुमरचाभीदुगुणपछान इंन्हसभकेसममिसरीठान नित्ययथावलचूरणषावे छर्दईकासहृदरो-गमिटावे श्वासगुल्मअर्शयहटारे रुचकरहैस्वरकंठसुधारे कंठरोगकोकरहैनाश अपनेमनगुणजानोतास करपूरादिचूर्णयहकह्यो रुजहरतागुणकरतालह्यो ॥ अथवलादिघृत ॥ चौपई ॥ बलाआमले-

अवरविदारी विदारीगंधाचहियेडारी घृतमोपायपकावैजोय लवणमेलकरखावैसोय वालेवैताकिंनसवार राजयक्ष्मरोगकोटार ॥ अथएलामंथ्यघृत ॥ चौपई ॥ एलात्रिफलानिंवविडंग अजमोदात्रिकुटापावोसंग सारवाशालवृत्तजुउशीर मुथ्रूमिलावैचित्राधीर विजयासारभखडेपावै रक्तथलेताहिमिलावै दोदोपलजलद्रोणपकावै एादशेषप्रस्थघृतपावै घृतकरशुद्धवनवैजोय वंशलोचनपलषटजुसमोय मिसरीपावैपलतिंहतीस सभींमिलावैऔषधपीस घृततेंदुगुणोमधुजुमिलावै मंथनकरपलपलनितखावै पाछेतेंकरहैपयपान राजयक्ष्मततछिणकरहान पांडुभगंदरतुरतनसावै परमरसायणयहलखपावै ॥ अथपारासरघृत ॥ चौपई ॥ मुलट्ठवलाअरुजानगिलोय पंचमूललघुताहिसमोय जलदोयद्रोणपकावैजास अष्टमभागरहैजवतास आढकप्रमाणतामोघृतपावै धात्रीकंदविदारिमंगावै रसइन्हकोअरुइक्षुरसजान तीनआढकइन्हकोपरिमान पुनजीवनीयगणपीसमिलावे खावैक्षईसमेतामिटावे ॥ अथसुदंष्ट्राघृत ॥ चौपई ॥ भषडेफलनीवलाजवांहा चारचारपलपावोताहां पित्तपापडापलइकमान अष्टगुणाजलमोयहठान जलपकायदसमारहैभाग पुनकर्षकर्षयहचूर्णविभाग मघांत्रायमानाजुकचूर किरायताआमलेपुष्करमूर तिक्ताकोगडयहसबजान प्रस्थएकघृतकरोमिलान दुगुणदुग्धमंदाग्निपकावै खावैच्छईदाहज्वरजावै पार्श्वशूलशिरपीडानाशे तृषाछर्दअतीसारविनाशै ॥ अथवलागर्भघृत ॥ चौपई ॥ दशमूलीकाक्वाथवनवावै दोयप्रस्थवांसारसपावै चूर्णवलाप्रस्थइकठान प्रस्थएकघृतपायपकान ताडिनतेंउत्पलत्रयजोय खावैघृतनाशेतवसोय ॥ अथचंदनादितैल ॥ चंदनवालानखउत्पलआनो मुलट्ठशिलाजितएलाठानो पद्मकाष्टअरुसरलमजीठ दोनोहलदअगरसुनईठ मुरामांसीतजतजपत्रर सारवादेवदारुधरमुरथ्रू गजकेसरकुंकुमकंकोल तिक्तालवंगपलपलसमतोल कचूरपापडातामोपाय वनतुलसीलेलासमिलाय चतुर्गुणइन्हतेंतैलमिलावै दधिकोमंडचतुर्गुणपावै अरुतिन्हसमलाचारसपाय सिद्धकरैयहतैलपकाय पीवैमर्दैलेनसवार पूतनादिसबहीग्रहटार देहवर्णवलकरताजानो अपस्मारउन्मादच्छईहरमांनो अवरअलक्ष्मीकोंयहनाशे वशीकरणपुष्टायुप्रकाशे ॥ अथशतपाकतैल ॥ तिलकोतैंलजुप्रस्थप्रमाण चारप्रस्थगोदुग्धमिलान मुलट्ठएकपलतामोदीजें मंदअग्निसोंताहिपकीजै इसीरीतसोंशतएकवार तैलजुसिद्धकरैमनधार पीवेमर्दनलेनसवार एतेरोगदूरतेंटार यक्ष्मरोगहृदरोगनिवारे गुदजरोगपांडूरुजटारे ऊर्धजत्रुरुजमदउन्माद रक्तजपित्तविसर्पविषाद ॥ दोहा ॥ राजयक्ष्मवर्णनकियोवंगसेनअनुसार पथ्यापथ्यवखांनहोसोलीजेंचितधार इतिराजयक्ष्मरोगचिकित्सासमाप्ता

॥ अथराजयक्ष्मारोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ यक्ष्मरोगकेपथ्यअपथ्यवैद्यकग्रंथविचार सुनविचारमनधारियेसोऊकरोंउचार ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपई ॥ दुग्धस्निग्धभोजनहिततास वनमृगपक्षिनछागलमास घृतमधुमाषनमिसरीजान विशेषअजापयघृतपरिमांन अवरविहीदानाअरुखंड दाखछुहोरलाजांमंड गेहूंमुंगपुरातनलहो सठीशालीजीरणगहो जवकोटाशीतलघुवस्त दीपनकोमलवस्तुप्रशस्त पटोलहरीडआमलेजांनो मुलट्ठवदामनेउजेमांनो एलाशृंगीअवरअनार फूलसुगंधहर्षमनधार रागश्रवणशीतलअस्थांन धनियांजीरणपेठामान जोजोहृदयहितकारीहोय वलअनुसारपथ्यहैसोय ब्राह्मणदेवपितृगुरुपूजा श्रवणपुराणउपायहदूजा ॥ दोहरा ॥ पथ्यकहेहैयक्ष्मकेसवलक्षणपहिचांन चतुरवैद्यदेवेतिसेहोयनरोगिहांन ॥ इ-

तिपथ्यं ॥ अथअपथ्यं ॥ दोहा ॥ यक्ष्मअपथ्यवखानहोंशास्त्रनकेअनुसार प्रथमत्यागियेतिन्हनकोंपुनकींजैउपचार ॥ चौपई ॥ मैथुनवहुआतपगुरुभोजन चारतिक्कभोजनलषहोमन मार्गचलनअरुभारउठावत्त गुडअरुमाषकुलथकोषावत कंदकचालूआदिकजेऊ अवराविरुद्धअन्नजलतेऊ अरुव्यायामवेगकोरोकन वहुश्रमअवररक्तकोमोच्चन तैलपक्वशाकमहूजान मल्लयुद्धवहुजागरणमांन इस्त्रीशोकक्रोधईर्षाऊ अपथ्ययक्ष्मकेयहलषपाऊ कफकरवस्तुउष्णपुनजेऊ रक्तजवस्तुअपथ्यलषतेऊ ॥दोहरा॥ अपथ्ययक्ष्मकेकछुकैहेदेखग्रंथविचार वुद्धिमांनजोवैद्यहैसमझैभलीप्रकार इतिअपथ्य दोहरा राजयक्ष्मवर्णनकीयोंप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यवषांन इतिराजयक्ष्मरोगःसमाप्तः

॥ अथराजयक्ष्मरोगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोब्राह्मणकीवृत्तिछिदावै ताकोंक्षयरोगप्रगटावै अरुजोनृपसर्वस्वहरलेय जाकोंवहुपीडादेय राजयक्ष्मातिसकोंभीहोय तासउपायकहोसुनसोय ॥ अथउपाय ॥ ॥ चौपई ॥ कदलीवृक्षस्वर्णकरवावै पत्रपुष्पफलसहिनवनावै पूर्णकलशअलंकृतधरै ब्रह्मामूर्त्तिस्वर्णपुनकरै चतुर्वाहुमुखचारवनावै चारवस्तुवहुहाथधरावै अक्षसूत्रपुस्तकदाइहाथ औरकमंडलुअभयकरसाथ अष्टपलरजतकमलपरधरै ऊपरश्वेतवस्त्रअनुसरै कदलीमूलताहिकोंराषै पुनसुनलेहुशास्त्रयोंआषै ताम्रपात्रतिलसंयुतआनै हेमविष्णुमूरततहांठानै विधिवतपूजनसवकाकरै हिरण्यगर्भमंत्रउच्चरै इसीहीमत्रसोंहवनकरेय सावधानयहविधिकरलेय सूर्यमंत्रसोंसूर्यनिमित्त हवनकरैसुनलीजैमित्त अस कदलीतरुदेवेदान ब्राह्मणश्रेष्टभलेंपहिचांन राजयक्ष्मरोगतैंसोय मुक्तहोयकरसुखियाहोय ॥ दोहरा ॥ क्षईरोगवर्णनकियोकारणसहितउपाय ज्वररुजकेसवदोषगुण भाषोंसुनचितलाय ॥ अथज्योतिष ॥ ॥ दोहरा ॥ दिनकरकीराशीविषेचंदकोआगमहोय अथवाचंदकीराशिमेसूर्यसुउयतजोय यादशांशकोभावकरनवांशपरस्परयोग चंदसूर्यकेस्थानविरुद्धहोतरोगकोजोग तिहप्राणीकोअवश्यकरराजयक्ष्मकीहांन सूर्य्यचंदकाजपकरेरोगानिवृत्तीमांन ॥ इतिज्योतिष ॥

॥ अथान्यप्रकारराजयक्ष्मकथनम् रोगराजयक्ष्म ॥

॥ चौपई ॥ आमाशयकादोषजोहोई यक्ष्माफिफरेमांनोसोई तपेदिककालक्षणमांनो राजयक्ष्मताहिकरजांनो भीतरनाडसोइफटजावे यक्ष्महोएफुनिरुधिरदिखावे रुधिरकोपकरमांनोसोई अतिभयदायकलक्षणहोई कालारंगरुधिरनिकसावे वासलीककारुधिरछुडावे रेचकऔषधसेवनहोई आगेयतनऔरकरसोई रैहांनरंगकालेकील्यावे पीसनीरमधुपायपिलावे चंदनपित्तपापडाल्यावे नागरमोथावालापावे करेक्वाथतलजवहोई करेपानदुखनाशेसोई न्हापेकीजढताहिमंगावे सठीचावलमेलखुलावे वांसासोदसमासेल्यावे दोईसेरजलपायचढावे आधसेरजवहींरहजाय ढाईतोलेमधूमिलाय करशीतलपीवेनरसोई राजयक्ष्मदुखनाशेहोई खिचडीमुंगविनाघृतखावे खिचडीविनामुंगनाहिभावे जेकरआतिनीरमुखआवे गरमीदोषताहिप्रगटावे करेवमनगरमीहटजाय पाछेहरडआमलाखाय मुरवाअथवाइनकाखावे पित्तघ्नऔरऔषधमनभावे कफअतिहोयदोषकरसोई आमाशयजललेसलहोई प्रथमशुद्धआमाशयकरिए वमनकरायदोषसवहरिए कणकपीसमैदानिकसावे साडेदसमासेनितखावे भोजनथोडाकरसुजांनहोवेराजयक्ष्मकीहान इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांराजयक्ष्माधिकारकथनंनामपंचविंशाधिकारः

॥ अथज्वरप्रकरणमाह ॥

॥ तत्रज्वरस्यउत्पत्तिनिरूपणं ॥ दोहा ॥ ज्वरउत्पत्तिप्रथमहिकहौंआगेकहौंनिदान ज्वरराजासबरोगकौंयातैकरौंवखान ॥ चौपई ॥ दत्तप्रजापतिजवमखकीन तहांअनादरशंकरचीन उपजोक्रोधरुद्रकोमहां प्रगट्योज्वरश्वासनतैंतहां ॥ दोहा ॥ इहप्रकारउत्पतभईज्वरकीआदिपछान पुनआश्रयरसआमवातपित्तकफज्वरमांन मिथ्याहारविहारकरआश्रयहोइरसआम निजथलतजज्वरवातपित्तकफप्रगटैंतनठाम वातपित्तकफतीनइहद्वंद्वजजानप्रमाण सप्तमसन्निपातसुकह्योअष्टमागंतुवखान ॥

॥ अथज्वरस्यपूर्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरकेउपजणकेयहलक्षण प्रथमहोतहैंलखोविचक्षण श्रमविवर्णतातनतिसगहै किसीवस्तुमोंप्रीतनरहै नेत्रनमोंजलजृंभाआवै वदनविरसअंगपीडापावै कवहिशीतइछामनकरै कवीगर्मचितमोअनुसरै कवीमनवातप्यासमेंरहता ग्रंथवैद्यमोइहविधकहता भारीतनअरुलागैशीत रोमउठैंरुचिरहैनमीत हर्षरहितपुनमोहपछान यहलक्षणसामान्यलषान अरुविशेषतैंसमझोकहों वमनहुतैंजृंभाकोलहों पित्तहुतेंनेत्रनमोंदाह कफतेंअरुचीजानेताह जोयहलक्षणइकट्ठेलाहियें द्वंद्वज्वरताहूकोकहियें वुद्धिमानजोवैद्यकहावै पूर्वरूपज्वरकोलखपावै पूर्वरूपवातज्वरजान करवावेव्याधीघृतपान पित्तज्वरकोरूपलखावै व्यीधीकोंरेचनकरवावै पूर्वरूपकफज्वरलखलेय छर्दकरावैरुजहींतेय त्रिदोषजपूर्वरूपज्वरजानै त्रैउपचारात्रिदोषहिंठानै ॥ इतिज्वरपूर्वरूपम् ॥

॥ अथज्वरस्वरूपनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंजुज्वरकेवेगकोंमनमोंकरहिविचार जैसेवरतैतासमोंतैसेंकरोउचार ॥ चौपई ॥ वेगकरैआकरज्वरजवै असस्वरूपप्रगटावततवै वहुततपैतनस्वेदनहोय सर्वअंगपकडतहैसोय ॥

॥ अथज्वरप्रकटतावर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ अधिकवातकफपित्तजवहोय वेगकरैमारगस्वरखोय वाहरआयअग्नीसुमचाय तिसकरज्वरहिवेगप्रगटाय सोज्वररसनाडिनकोंरोके कायागर्मअत्यंतकरसोके याविधपसीनाहिप्रगटात रसनाडिनकोवंदकरात ॥

॥ अथसामान्यज्वरचिकित्सा ॥

तत्रादौहितोपदशः ॥ चौपई ॥ इन्हरूपज्वरवाहरजानै पुनअपथ्यअरुपथ्यपछानै कछुकअपथ्यपथ्यपरकार भाषतहोंमतग्रंथअनुसार तापचिकित्साअंतमंझारे पथ्यापथ्यस्पष्टउचारे तरुणज्वरीनहिंकरैस्नान वुटणामर्दनतैलनमान दिनमोंसोनोइस्त्रीसंग अरुचीकृतनहिंधारैअंग शीतलजलकोंपीवैनाहि क्रोधनधारैनिजमनमाहि दहीक्वाथश्रमवस्तिकर्मकृत घृतमधुदुग्धरेचननाहिहित अंगमर्दनअरुतक्रनहि रागै तरुणज्वरमहिइहसवत्यागै याहिउपद्रवहोतअतिलाग तांवूलदंतधावनइहत्याग राजरोगवमनमद मूर्छाई भ्रमअरुतृषाअरुचीप्रगटाई व्यायामकरतज्वरहीवधजावै मैथुनतेजडअंगमूर्छावै स्नेहपानमृत्यू उपजाय वमनमूर्छामदअरुचीप्रगटाय अतिभोजनदिननिद्रानहिकरै तातेंदोषवृद्धिहोयवरै नाडीस्रसच लनेतेरहे खुर्ककरैइहकारणलहै विषकीन्याईज्वरकचमाहि इनकारणसोंदेहबचाहि वातलवस्तुनभो-

जनकरे नवीनज्वरीएतेपरिहरे जोइन्हहूंकोंनाहीत्यागे ताकोतनजुउपद्रवजागें शोथछर्दमदमूर्छाहोय तृष्णाभ्रमजुअरुचिताजोय ज्वरीविमुक्तज्वरीपथलह्यो लघुभोजनदिनअंतहिकह्यो यद्यपिअरुचिज्वरीकोहोय तौभीलघुभोजनकरसोय काहैविनभोजनहोइचीन अथवामरैजुलषोप्रवीण जोजानेज्वरभारीअहै अरुअंतरवहुभारीरहै ताकोअन्नसुनाहिखुवावे नाशआरवलाअन्नकरावे जाकोंवहुतअरुचिहोइजाय सलवणविजोरातुरीखवाय मनक्काआमलकमिसरीसंग कूटमिलायखवायानिसंग इन्हहूतेहोइरुचिप्रकाश अवरहूंभीदेपाचनतास पथ्यरहैतैंसुखंपरकाशै विनाऔषधीदुःखविनाशै ज्वरमोंलाजाशालीपथ्य सठीचावलमुंगीतत्थ मोठमसूरचणकजुकुलत्थ इन्हकोरसज्वरमोंहैपथ्य पटोलककोडेकरेलेजान यहभीपथ्यज्वरीकोमान् लवाचकोरहरनकोमास सहामासपुनपथलषतास नवीनज्वरीकोकाथअपथ्य लंघनताकोंजानोपथ्य लंघनज्वरकोदूरनिवारै पुनशरीरमोंसुखविस्तारै गर्भिणीवालवृद्धहैजोय तिन्हकोलंघनभलोंनहोय मार्गश्रमतेंक्रोधकामतैं भयइत्यादिकअवरशोकतैं इन्हतैंजोज्वरतनप्रगटावै इन्हकोंलंघनपथ्यकहावै वमनअधिकारहिवमनपथमान जासदेहह्वदभारीजान अरुअधोवातमूत्रविष्टाऊ इन्हकोनिकसनपथ्यकहाऊ वातहिकफहिउष्णजलपान अहैपथ्यनीकैंपहिचान पित्तवालेकोशीतलतोय पथ्यअहैजानोमनसोय मुथ्रपापडाचंदनउशीर पैत्तिकपथ्यक्काथयहधीर ॥ दोहा ॥ लंघनसंयुतजोज्वरीनाहिपक्कजलजोय अपनेमनमोंलखलहोतहिअमृतसमहोय बुद्धिमानजोंवैद्यहैअपनीबुद्धिअनुसार पकवावैसोतोयकोंअसऔषधमधडार ॥

॥ अथजलपक्ककीऔषधीवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ पंचमूललघुऔषधजेय जलकेभीतरपावैतेय अथवामघांपीपलीपावै वाकंड्यारिजवाहांथावै वादशमूलपायपकवावै जोवडदोषज्वरहिजुलखावै वृद्धपंचमूलतहांपावै पीपलमूलसुंठधरवावै अजवायणइत्यादिकवस्त अरुगोखुररुजहानप्रशस्त ॥ इतिजलपक्कवस्तु ॥ चौपई ॥ होवेपथ्यरोगीचितनाहि कल्कविधीकरदीजोताहि दोषपकैनहिकाथनदेय पीवेकाथक्षोभतनलेय थमेजाहिपकतागिरनाहि स्वतस्थानतजविषमप्रगटाहि ताहिदोषलषक्काथसुदेय तिहवर्णनअवसारसलेय षोडशांशवाद्वादशमांन अथवाअष्टमांशहितजांन चतुर्थअंशजवपाकमोजाय सोक्काथहिज्वरदोषनसाय भषडाआदिद्रव्यपलहोय सेरअष्टपाणीमोसोय चारसेरजवहींरहजाय दोकर्षसठीचावलपाय सोयक्काथरोगीहितमान वंगसेनयहकियोवखान ॥ अथयूषाविधिः ॥ अठारहगुणजलमैंजुपकाय जूषनामतिहजानसुभाय पंचगुणजलकरसोभक्तकहिये चारगुणजलमोविलेपाहिलहिये काथअर्धपलसेरमोजाय अठसेरजलसंगलेयपकाय चाररहैतोछानकरलीजै पुनजुआंचपरताहिधरीजै अर्धपलहिशेषजवरहै ताहीनामजवागूकहै अतिविशेषवातपित्तकफको मंदाग्निवरपुरुषबीनको लंघनसप्तरात्रउपरांत पाकजलहिजवागूबहुभांत ज्वरनपकेतदपाचनदेय काथइत्यादिसुदोषहरेय मुखविरसतृषाअरुचीज्वरजाहि घातकऔषधकरलेताहि

॥ अथतरुणज्वरमर्यादा ॥

॥ दोहरा ॥ सप्तदिवसज्वरतरुणहैचौदसमध्यमजान तिहउपरवुधजनकहेंज्वरहिपुरातनमान पक्कैपित्तज्वरदसदिननकफज्वरद्वादशजान सप्तदिवसमारुतपकैलंघनातिनसममान

॥ अथअपक्वज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मुखतैंलालाचलहैतास हृदयअशुद्धअरुचिप्रकाश आलसनिद्राअंगहोइभारी वदनाविरसवहुमूत्रप्रचारी क्षुधानाशज्वरहोयबलवान लक्षणतापअपक्वपछान ॥ दोहा ॥ औषधकाचेतापमोंजोदेवैयोजान मानोकालासर्पतिसकरउठायलियोमान

॥ अथपच्यमानज्वरलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ करैवेगज्वरस्वासवहुतृषाप्रलापभ्रमहोय मलप्रवृत्तउत्क्लेदअतिपच्यमानज्वरसोय जोस्वभावकफवातपित्तविकृततताहिपक्वजान प्रकृतभेदअनुसारविदुरोगपक्वअनुमान

॥ अथपक्वज्वरलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ कृशताअंगलघुताक्षुधाअल्पतापउत्साहि यहलक्षणज्वरपक्वकेदीजैऔषधताहि

॥ धातुपाकलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ निद्रानाशछातीरुकैमलमूत्रघटजाहि अंगभारीअरुचीरहैप्रीतनकाहूमाहि बलहिघटैतौजानवुधधातुपक्वनसोमीत वंगसेनसवशास्त्रमतजानलेयइहरीत ॥ अथदोषपाकमाह ॥ दोषप्रकृतघटतारहैज्वरकायालघुताहि इंद्रियनिर्मलहोतजिहपक्वदोषमनयाहि

॥ अथऔषधीसेवनमंत्रः ॥

ॐब्रह्मादक्षाश्विरुद्रेंद्रभूचंद्रार्कानिलादयः ऋषयःसौषधिग्रामाभूतसंघाश्चपांतुवः रसायनमिवर्षीणांदेवानाममृतंयथा सुधेवोत्तमनागानांभैषज्यमिदमस्तुते धन्वंतरिर्दिवोदासःकाशिराजस्तथाश्विनौ नकुलःसहदेवश्चसतेतेव्याधिघातकाः अच्युतानंतगोविंदनामोच्चारणभेषजात् नश्यंतिसकलारोगाः सत्यंसत्यंवदाम्यहं ॥इतिमंत्रः ॥ चौपई ॥ सोधनकररोगहोयजोसाध्य लखतिहरोगदुर्वलकृशव्याध्य वैद्यकोमललतिहरेचकराहि जवदेखैदुखचंचलताहि मलकोठाकोमलअतिभाय बलदेषेनहिंलघुरेचकराय सोरेचनवलक्षीणनहिकरे वंगसेनविधिएहीधरे संपक्वदोषरेचननकराय सोदोषविषमज्वरहीप्रगटाय वलघटायअतिहीदुखदायी ग्रंथसकलमोकह्योवनायी जलवहपानकरेनरजोय अथवालंघनक्षीणतनहोय औरअजीरणहोतविकार वाभोजनखायकरैअतिचार तृषाअत्यंतजाहिनरजोय रेचनऔषधपियेनसोय पाचनदीपनताहिप्रमान वंगसेनइहकियोवखान एकवैद्यमतजानोयेहि सातादिनऊपरऔषधदेहि सकलवैद्यमतजानसुजान दसदिनऊपरऔषधमान वातपरकाथसप्तदिनकीजै पित्तज्वरदसदिनसोदीजै श्लेष्मपुरुषकोंवाराहिमान संपूर्णग्रंथइस्त्रीमतजान पित्तज्वरअल्पकालजोहोय सतादिनऊपरकाथसुजोय सामहोएतिसऊपरजान औरसमस्तसमानविधिमान।

॥ अथरोगीकोंऔषधपानाविधिः ॥

॥ चौपई ॥ औषधपीनलगैरोगीजव सावधानहोइवैठेसोतब मुखप्रसन्नलोचनहरषाय पीवैऔषधमनचितलाय स्वर्णपात्रमोंपवैपाय अथवारजतपात्रमोंखाय अथवामृतिकापात्रमंझार पीवेऔषधहितवरधार तिसउपरंतआचमनकरै मुखशुद्धकरेकलुमुखमेंधरे औषधपचीहुएउपरंत खावैपथ्यज्वरीवुधवंत

ऊैषधखायशीघ्रपथखावे ऊैषधकोवलच्चीणहोईजावे ऊैषधषायषायतुरतअन्नजोई षावैरोगनाशनहिहोई ॥ दोहा ॥ पचीहुईऊैषधजुहैलच्चणतासउचार सुंदरश्वासप्रसन्नमनलघुतनच्चुधाडिकार॥ चौपई ॥ ऊैषधनाहिपचैतौलच्चण दिकीहृदमनज्ञानविचच्चण दाहअंगपीडाश्रमहोय मुर्छाछर्दशिरदुखबलजोय ॥ दोहा ॥ पचीअपचीजुऊैषधीलच्चणतासवषान आगेभाषोंवातज्वरलच्चणकहैनिदान ।

॥ अथवातज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वडोवेगकंपतनहोय ऊेठकंठमुखसूकैंसोय निद्राअरुछिकाकोनाश रूचोअंगकवजहोयतास शिरहृदसबअंगपीडाहोवे बहुतउवासीमुखरसषोवे गाढीविष्टामूत्रजुलाल उष्णवस्तुचाहैचितचाल नेत्रजुलालरंगपुनहोय उदरअफारापीडाजोय ॥

॥ अथवातज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथकाथप्रकारः॥ दोहा ॥ वाततापकेकाथअवसमुझकरोउचार सुनलीजौचितलायकेपुनकीजैउपचार ॥ चौपई ॥ सुंठदेवदारुलखलीजै दोइकंड्यारीतामोंकीजै धनीयांपायकाथजोकरै पीवैवाततापपरिहरै ॥ अन्यच्च ॥ विल्वादिपंचमूलजोकहै इन्हकोकाथवातज्वरदहै ॥ अन्यच्च ॥ दोइकंड्यारीअवरागिलोय सुंठकिरायतसमलेसोय दंथरमुत्थरजुवैनप्रमान भषडासूरकर्णीअनुमान पीवैकाथवातज्वरहरै अपनेमनमोनिश्चयधरै ॥ अन्यच्च ॥ पांचोमूलवलासुकुलत्थ रहसणपुष्करमूलसुतत्थ पीवैकाथवातज्वरटारै संधिभेदशिरकंपानिवारै ॥ अन्यच ॥ मघपीपलीसारिवालहिये द्राक्षावलाअंशमतीकहिये गुडफुनकाथसिद्धकहिगायो वाततापहरसबहिंसुनायो गिलोयसारिवाद्राक्षाआन शतपुष्पापुनर्नवाठान गुडकेसंगहिंकाथपिलाय वातज्वरविनासहोयजाय ॥ अन्यच्च ॥ द्राक्षगुडूचीकाश्मरीजान सारवाअवरत्रायंतीमान गुडसंयुक्तकाथयहपीवै वातज्वरहरसुखियाथीवै ॥ अन्यच्च ॥ वलागोखुरुकशकोमूल यहतीनोंलीजैंसमतूल चतुर्थभागजबकाथरहावै छाणखंडघृतसंगमिलावै प्रातहिंउठकरयाकोंपीजै वातजतापरोगतवछीजै ॥ अन्यच्च ॥ मुत्थरागिलोयकौडजुकिरात बलासारवासुंठविख्यात यहसमकाथकरायजुपीजै वाततापहरजानपतीजै ॥ अन्यच्च ॥ पीपरसौंफसारवालेहु द्राक्षमनक्काइटसिटदेहु गुडसंगकाथपिलायविहान तातेंहोयवातज्वरहान ॥ अन्यच्च ॥ द्राक्षगिलोयकुष्ठत्रायमान गुडमिलायकाथकरपान होयबातज्वरतुरतहिंनाश वंगसेनमतकींनप्रकाश ॥ अथवातज्वरकोचूर्ण ॥ चौपई ॥ पीपलमूलपीपलींपाय सौंचलसुंठीमिरचामिलाय कटूकिरायताहरडभनीजै यहसमऊैषधचूर्णकीजै तसनीरसोंव्याधीपीवै वाततापनाशैसुखथीवै ॥ अन्यच्च ॥ पिपलामूलपिप्पलींपाय शुंठीअवरागिलोयमिलाय तसनीरसोपीवैसोय तुरतहिनाशवातज्वरहोय ॥ अथयूषवातज्वरे ॥चौपई॥ मुंगआमलेयहसमलीजे जलहिंतपाययूषसोकीजै श्रमअरुव्रतवातज्वरजाहि मत्तमांसरसनितहिततांहि ॥ अथगुटिका ॥ खंडअवरदाडिमसमलेय द्राचामनक्कातामोदेय इन्हकोगुटकामुखमोंधरै वदनविरसतातुरतहिहरैं अथवाइन्हकोकाथवनीजें तासकरूलीमुखभरकीजें वदनविरसतादूरनसावै मुखमोंरससुंदरउपजावै ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साग्रंथमतभाषीभलेंबनाय बैद्यसमझयाकोंकरैवाततापमिटजाय ॥ इतिवातज्वरचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथपित्तज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तीक्ष्णवेगजुतृषाअपार निद्राअलपहोयअतीसार कंठओष्टमुखनासापाकै मूर्छादाहाचित्तभ्रमताकै परसातनकेदुर्मुखवकवाद वमनकरैजुरहउन्माद शीतलवस्तुचाहतिसरहै नेत्रनतैंप्रवाहजलवहै विष्टामूत्रनेत्रहोइपीत पित्तज्वरलक्षणसुनमीत ॥ इतिलक्षणम् ॥

॥ अथपित्तज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पैत्तिकज्वरलक्षणकहेकहौंचिकित्सातास वंगसेनसबग्रंथमोंजैसेंकीनप्रकाश ॥ चौपई ॥ होइजुपित्तज्वरपरकार सहितदाहतृषवमनविकार अरुतनमोंवहुकृशताधरै यहउपचारतासकोकरैं लाजामिसरीमधुसमभाय जलसोंरोगीपीसपिवाय वमनदाहअरुतृषाविकार पित्तज्वरकोहोहिनिवार ॥ अथपाचन चौपई इंद्रजवनवीनकांयफलधारै मुत्थरपाठाकटुतामोंडारै पायशर्करातातहिपिलावै यहपाचनपित्तज्वरहिनसावै ॥ अथक्वाथप्रकार ॥ चौपई ॥ वरचशर्करासहितप्रवीन यहामिलक्वाथकरैपरवीन पीवैपैत्तिकज्वरकोंहरै ऐसेंमनमोंनिश्चयधरै ॥ अन्यच्च ॥ चंदनखसश्रीपर्णीजोय महूफालसेताहिसमोय कमलपत्रसारिवागिलोय लोध्रकुमदनिफुनलखसोय पायशरकराक्वाथसुकरै पित्ततापकोंसोऊहरै अन्यच्च द्राक्षाहरडपापडापछान अमलतासमुत्थरकटुठान समकरक्वाथवनावैजोय पीवैरोगीपित्तज्वरखोय मूर्छातृषामोंहभ्रमदाह शोषप्रलापपैत्तिकमिटजाह । अन्यच्च । पटोलमुलठ्ठयवधनीयांजान करैंक्वाथमधुकरैंमिलान इहविधिकाथहिपीवैजोय दाहतृषापित्तज्वरषोय ॥ अन्यच्च ॥ गिलोयआमलेपरपटक्वाथ दाहशोथभ्रमहरज्वरसाथ पैतिकज्वरकोसीघ्रनिवारै कहनिश्चयअपनेमनधारै ॥अन्यच॥ केवलपिपापडालेय करैक्वाथरोगीकोंदेय दाहशोथभ्रमपितज्वरहरै यामोंससानाउरधरै ॥ अन्यच्च ॥ कमलकुमदनिलोध्रगिलोय अरुसारिवाक्वाथकरसोय पायशरकराक्वाथमिलावैं पितत्तायदाहमिटजावैं ॥ अन्यच्च केवलपरपटखंडामिलाय क्वाथपांनपितज्वरजाय ॥ अन्यच्च ॥ पित्तपापडाप्रवरगिलोय धात्रीफलतामोहिसमोय करैक्वाथयहरोगीपीवै पैतिकज्वरहरसुखियाथीवै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अमलतासअरुद्राक्षपछानो काशमरिलेपुनतामोंठानो इन्हकोक्वाथपित्तज्वरहरै यामोंसंसानाउरधरै ॥ अन्यच्च ॥ सुंठपापडाखसघनचंदन सीतलक्वाथपीवैदुःखकंदन तृषाछर्दपित्तज्वरदाह नाशहैंहिजानोमनमाह अन्यच्च सुत्थरधनियांमुलठगिलोय कौडतिन्हनमोंकरोसमोय करैक्वाथपित्तज्वरमोदेह छर्दअरुचितृषशूलहरेह पैतिकज्वरकोकरहैनाश वंगसेनमतकीन्हप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ गिलोयकिरायतधनियांआन उशीररक्तचंदनपहिचान परपटपद्मक्वाथसमकरै पित्तज्वरदाहअरुचिकोंहरै ॥ अन्यच्च ॥ चंदनद्राक्षकौडक्रोआन जवासमुलठीतामोठान पीवैक्वाथदाहज्वरहरै रोगअरुचिहररुचियहकरै ॥अन्यच्च॥ हीवेरधनीयांखसवासा चंदनमुथ्रगिलोयलेखासा मुलठ्ठक्वाथशर्करामिलाय रोगीकोमधुपायपिलाय रक्तपित्तज्वरतृष्णादाह इन्हकोंदूरकरैलषताह ॥ अन्यच्च ॥ लोध्राकिरातअतिविषालाहियै गिलोयइंद्रयवमुत्थभनैये वासासुंठीविल्वपछानो करोक्वाथमधुतामोंठानो कासश्वासविटभेदनिवारै दाहरक्तपित्तज्वरटारै अन्यच्च शीतिकाअवरइंद्रजवलीजै वासाअवराप्रियंगूदीजै परपटअरुकिरायतापाय यहसमक्वाथवनायपिवाय शीतलक्वाथसितासोंपीजैं ततक्षणपित्तज्वरहतकीजैं हरडमेलतिलघृतजुमखीर सिरलेपदुखजायशरीर विस-

रपीरक्तपित्तअरुश्वास वमनदूरहरहैदुखकास ॥ अथपाण ॥ चौपई ॥ वासाकौडप्रियंगूकहिये अवर-जवाहांपरपटलहिये पुनकिरातसमलेहुघुटाय नीरसर्कराभेलपिलाय तृषादाहपित्तज्वरनाशै रक्तनर-हेरोगीद्युतिभासे ॥ अथगुटिका ॥ लघुलायचीमुनक्कादार तज्जतमालपत्रजुछुहार सितामुलठीएकसमान अर्धभागमघपीपलठान माष्योसाथटांकपरिमान गुटकाकीजैसुनोसुजान प्रातसमयजोभच्छणकरै पि-त्तज्वरकोतत्त्वणहरै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ पित्तपापडाटंकदोइआंन जलसोंपानदाहज्वरहांन ॥ अथल-वंगादिचूर्ण लवंगलायचीतजतमाल डोडेकमलजुलोचनमाल खसकंकोलहरडपुनचंदन अगरजु-गजकेसरसुखमंडन त्रिफलात्रिकुटाजीरेदोय धानियांचित्रकत्रिवीसमोय देवदारुपुनवायविडंग रजनी-दोनोलीजैसंग पित्तपापडामुथ्रसितावर अवरसारवालषोचतुरनर अमलवेतपुनजानकचूर कक्कडशृं-गीपिपलमूर एरणगिरिमुलठीआन गिलोयपत्तीसजायफलठान पतीसदालचीनीपुनआनो पत्रता-लीसतासमोंठानो सबउौषधइकसमकरआन कूटपीसकरकपडेछान टांकदोयभरभच्छणकरै जलसों-प्रातसांझउरधरै वातपित्तकफपीडाहरे वीरजपुष्टधातुवहुकरे कासअरुचप्रमेहनसावै हिकापीनसच्छ-ईगवावै दाहत्रिदोषजगलग्रहजाय राजयक्ष्मसुरभंगमिटाय प्रदररोगइस्त्रिनकोंजावै लवंगआदियह-चूर्णकहावै ॥ चौपई ॥ निंबपत्रसुरयालाआन मखीरसौफषट्टारसजान समवस्तूकाडातिहकरै दाहज्व-राहिनरपानसुकरै वमनकरायदाहज्वरजाय भावप्रकाशमतकह्योवनाय ॥ अन्यच्च ॥ त्वचाअनारवेरके-पत्तर लोध्रकैंथविजौराकेसर इहसभसमपीसकरडारै सिरलेपेतृषदाहनिवारै ॥ अन्यच्च ॥ जवसतू-फुनवेरकेपत्तर अमलाकांजीकरोइकतर शतधौतघृतसिरचुपडाय पाछेलेपकरैसुखदाय तृषादाहज्वरस-र्वविनास वंगसेनमोकहतप्रकास ॥ अन्यच्च ॥ पलासवीजकांजीसोंपीस सिरलेपेतृषदाहज्वरखीस ॥ अन्यच्च ॥ वेरपातमलझगसुलेय सिरमर्दनसोंदुखहिहरेय वानिंबपत्रझगलेयप्रवीन मलेसीसदाहतृष-छीन ॥ अन्यच्च॥ पीलाचंदनवडकेपत्तर जवासमुलठीकरोइकतर लालचंदनकांजीसंगपीस घृतरलाय-तिहमलैजुसीस तृषादाहज्वरहोइनिवार वंगसैनइहकियोविचार ॥ अन्यच्च ॥ गंढीलापतरलालचंद-नवर कालीटेरनतिलहिसंगधर कांजीसोंपीसेसिरमलै तृषादाहकोंतत्त्वणदलै ॥ अन्यच्च ॥ सीतल-जलअठपलपरमान मखीरएकपलताहिमिलान तृषादाहज्वरसवमिटजाय पीवेवमनहोयसुखदाय ॥ अन्यप्रकार ॥ दोहा ॥ पित्तदाहविननाहिनरदाहज्वरविननाहि ताहिपित्तहितवस्तुजोपैतिकज्वरहित-ताहि रातीधनियासेडकरसीतलजलमोपाय परभातीउठपानकरापितज्वरदाहमिटाय

॥ अथमुखकटुतामुखरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ हरडप्रियंगूलोध्रमंगाय हलदीमघांपीसमधुपाय भरमुखसोंकरुलीयांकरै मुखकटुता-अरुपीडाहरै ॥ अथअन्योपचारः ॥ चौपई ॥ पित्तज्वरयुतजोनरहोय चौवारचडसोवैसोय पूर्णचंद्र-कीकिरणजहां तनलागेंसुखउपजैमहां चंदनकरासिंचतअस्थान तहांविछोनारचैसुजान पित्तज्वरी-कोतहांसुलावै तापहरैमनहर्षवढावै अन्यच्च तुरीविजोरेफलकीलेय मधुमिलायसंयुक्तकरेय अथवा-सैंधवलवणमिलावै जिंहरोगीकोअसलषपावै जिव्हातालूकंठजुजास तपसोंशोषदेवैतास अरुतुरि-यांशिरमर्दनकरै यातेंशोषतासानिरवरै ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्सापित्तकीवंगसेनअनुसार कफज्वरकेल-च्छणकहोंग्रंथनिदानविचार इतिपित्तज्वरचिकित्सा ॥

॥ अथकफज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मंदवेगमुखमीठारहै आलसतृसशीततनगहै भारीतनअतिनिद्राहोवै रोमउठैंपीनसरुचिखोवै शुक्लमूत्रनखविष्टाजास श्वेतनेत्रलचषांसीश्वास वमनउडाकीउष्णमनचहिये एतेलक्षणकफज्वरकहिये ॥

॥ अथकफज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्साकफजकीवंगसेनअनुसार वैद्यचतुरजोहोयजगसोलेवैमनधार ॥ चौपई ॥ कफज्वरमोलंघनहितकार अंतरशुद्धकरनमनधार लंघनशीतविकारहिहरै भावप्रकाशयाहिमतधरै ॥ अन्यच्च ॥ कफज्वरवरनरअन्नप्रमाण मुद्गयूषकेसंगविधान ॥ अथक्काथप्रकारः ॥ चौपई ॥ सुंठहरडअरुपिपलामूल यवक्षारविजौराजढसमतूल क्वाथपीयकफज्वरपकजान वंगसेननेकियोवखान ॥ अन्यच्च ॥ पिपलीपिपलामूलचवकवर चित्रावासासुंठसंगधर जीरापाढाहिंगअरुवणा वजिछडमुंडीसर्षपघणा कौडमिरचनिंबकेपत्तर इंद्रजवजवायनकरोइकतर छोटीलाचीफुनवायविडंग भाडंगीसमसबलेयनिसंग काडाकरसोपानकराय कफज्वरनाशेतत्त्क्षणभाय त्रिफलाइंद्रजवमुथरजान कौडपटोलजुचित्राठान अमलतासउौषधसमलीजै कौडतीनभागतिहदीजै मधुमिलायक्काथयहकरो वंगसैंनमतनिश्चैयधरो कफज्वरकासगलरोगनसाय होयज्वरीकोंयहसुखदाय ॥ अन्यच्च ॥ निंवशतावरमधांकचूर कंड्यारीसुंठीपुष्करमूल गिलोकिरायताक्काथसुकरै कफज्वरकोंततत्क्षणयहहरै ॥ अन्यच्च ॥ कुठइंद्रयवमूर्वापाय पुनपटोलसमताहिमिलाय क्काथमरचमधुसाथपिलाय कफविकारज्वरतुरतनसाय ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलावरेंआंकौडगिलोय अरुपटोलवासासमहोय आठोसमकरक्काथयहकरै मधुसोंपीयव्याधकफहरै ॥ अन्यच्च ॥ दशमूलनकोक्काथवनावै मधुमिलायकररुजीपिलावै कफज्वरकोयहनाशकरेय वातविकारहरैलखलेय ॥ अन्यच्च ॥ केवलवासाक्काथकरीजै मधुमिलायविधिवतसोदीजै कफज्वरनाशेसत्यपछान वंगसेनयोंकीनवखान ॥ अन्यच्च ॥ त्रिकुटानिंवहलदपुनलेय करेक्काथकफज्वरहरतेय ॥ अन्यच्च ॥ निर्गुंडीपत्रनकोक्काथ मघांपायपीवैपरभात कफज्वरअवरवधिरताहरै जांघोंकीनिर्वलताटरै ॥ अन्यच्च ॥ मुत्थरात्रिफलाकौडकहीज अरुजानोमुष्ककककेवीज पायफालसेक्काथमुकरै नाशेकफज्वरयोंलषपरै ॥ अन्यच्च ॥ सप्तपर्णिजोनिंवगिलोयी कुचलाशोधपावैजनसोयी मधुसोंक्काथपीवेज्वरखोय वंगसेनमोइहविधहोय ॥ अन्यच्च ॥ पुष्करमूलअवरत्रायमान दोइकंड्यारीगोखुरुजान विल्वकत्थषंभारीशालीपरणीं पुन्नाकपृष्टपरणीअरुअरणी पुनपाटलइहसमकरलेहु विधिवमघांपीपतकरैक्काथजोएहुं भीतरघरजहांवातनलागै मघांधूरपीवैहितजागै षोटीवातलवस्तुनषावै सुखउपजैकफरोगनसावै ॥ अथचूर्णप्रकारः ॥ वृद्धविजोरेकीजढलीजै सुंठहरडसोंचलसमकीजै मघांपीपलीताहिरलाय चूर्णकीजैछानवनाय टांकदोयलेभक्षणकीजै कफज्वरहररेचनलषलीजै ॥ अन्यच्च ॥ हरडपिपलीचित्राआन पुनआमलेंताहिंमिठान चूरणयहसमज्वरकरनाश अरुपाचनहैजानोतास अन्यच्च लघुलाचीलेमघांमिलाय तप्तनीरसोंचूरणषाय व्याधीपथ्यसाथसोंरहै कफकेज्वरकोसोनरदहै ॥ अथअविलेहविधिः ॥ चौपई ॥ मघांकायफलपुष्करमूर ककडशृंगीसमलेचूर चाटैमधुमिलायकरतास कफज्वरकोंसोकरहैनाश ॥ अन्यच्च ॥ मुतथरशृंगीपुष्करमूर कौडकायफलअवरकचूर यहसबसमलेभले-

पिसावै आद्रकरसअरुमधुजुमिलावै चाटैरुजीतापकफजाय वातविकारशूलसुमिटाय छर्दअरुचिअ-रूनाशैंकास चईरोगजावैअरुश्वास ॥ अन्यच्च ॥ मघापिप्पलमधुसाथपिलाय चाटैकफज्वरश्वासमिटाय लिफकासहिडकीहोइनाश श्रेष्टवालकनकोंलषतास ॥ अन्यच्च ॥ मघांकायफलशृंगीआंन पुष्करमूलपतीसपछांन मधुमिलायअवलेहजुकरै कफज्वरताकेतनतैंटरै ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलावासाअवरगिलोय कौडपिप्पलामूलसमोय मधुसोंपीसमिलायचटाय कफज्वरताकोतुरतनसाय ॥ अथगुटिकाविधिः ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटालौंगमिलाय लाचीकुठकायफलपाय पिपलामूलतासमोंदीजें पीसमहींनछांनकरलीजें सातोपुटआद्रकरसलेय किंकरबीजकाथसंगदेय काथभावनाद्वादशदीजें बेरप्रमानगुटीकरलीजें षावैकफज्वरषांसीजाय ऊर्द्धश्वाससुरअंगमिटाय ॥ अन्यच्च ॥ पाराएकभागसुनलीजें गंधकदोयभागजुभनीजें आठभागअर्कपयदेहु पांचलवणइकइकलषलेहु पहिरएकलौंखरलकरावै संपुटभीतरताहिरखावै भलीभांतसंपुटहिंसुकाय पहिरएकधरअग्निपकाय कुट्टअवरगजपीपलआंन आठभागविषतासोंठान पुनसबमलेआद्रकरसपाय गोलीरतीएकबंधाय प्रातसांझइकइकसोखावै कफज्वरश्वासकासमिटजावै अरुहृदरोगहुंनाशकरेय कह्योसिद्धरसयहलषलेय ॥ अन्यच ॥ तालीसपत्रमघपीपलल्यावै चवकमरचतासंगरलावै पीपलमूलपत्रतजआंन इलाचीसुंठताहिपहिचांन यहसमसबनीकैंपीसावै सुंदरगुडसंगताहिमिलावै गुटिकाबेरसमांनसुकरै प्रातखायकफज्वरकोंहरै जीरमिसरीसमदोल्याय अनाररसाहिसेंताहिपिसाय अथवामधुकेसाथमिलावै खावेलेहरुचीप्रगटावै ॥ अन्यच्च ॥ जोअतिआतुरशीतकफहिंकर ताहिशीतलहरणकीविधिवर ॥ अथमर्दन ॥ हरडनाकुलीकौडमंगाय आमलगुग्गुलचोरकपाय पीलीधमनविरचकुठधर औराहिशीतिहरणऔषधवर सैंधालूणजवखारमिलाय महींनपीसकांजीसुरलाय तैलमिलायमर्दनसोकरै मर्दनकरतशीतसवहरै॥ अथनसवारः ॥ चौपई ॥ मरचांमघांकायफलआनै नकछिक्कणीसुंठिलेठानै यहसमस्तनीकैंपीसावै रोगीनरनासिकाचढावै कफज्वरमूर्छापीनसजाय यहभाष्योजुग्रंथकेभाय ॥ अथधूडा ॥ चौपई ॥ हरडकुठकौडसमलीजै कचूरकिरायतापीसरलीजै हरमलपुष्करमूलमिलावै सुंठकायफलतामोंपावै कूठपीसमैदाकरछान हृदयसबअंगनमर्दनठान कफज्वरवातप्रस्वेदमिटावै वैद्यकग्रंथसुप्रगटलषखावै ॥ दोहरा ॥ जेऊचिकित्सातापकफभाषीसुष्टबनाय वंगसेनजैसेकहीतैसैंदईसुनाय इतिकफज्वरचिकित्सासमाप्त.

॥ अथवातद्वंद्वजज्वरलक्षणम् ॥

॥ दोहरा ॥ वातपित्तमिश्रितजुज्वरलक्षणकरोंवखान ज्योंकेरयोंपरसिद्धजेभाषेग्रंथनिदान ॥ चौपई ॥ तृषामूर्छाभ्रमअरुदाह निद्रानाशपीडशिरताह वमनअरुचजृंभारोमांच कंठअवरमुखशोषजुसांच जोडपीडअरुघेरारहै एतेलक्षणयाकेकहै

॥ अथऔषधदेनेकेदिनोंकीमर्यादा ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्तमिश्रितज्वरजास पंचमदिनऔषधदेतास जोकफपित्तमिश्रितज्वरजानै सप्तमदिनऔषधतिसठानै वातअवरकफमिश्रितजोई उपरंतसप्तदिनऔषधसोई द्वंद्वजताकरदोषनिवार सबविधिऔषधकरनिरधार

॥ अथवातपित्तद्वंदज्ज्वरचिकित्सा ॥

॥ दोहरा ॥ कहोंचिकित्सावातपित्तज्वरसुनलीजैउरधार काथआदिवर्णनकरोंवंगसेनअनुसार ॥ चौपई ॥ कंडआरीवालाअरुत्रायमान रहसणअवरगिलोयप्रमान मसुरदोइपलताहिरलाय विधिसोंकरेजुकाथवनाय बातपित्तज्वरकोंयहहरै अपनेमनमोंनिश्चयधरै ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलासिंवल वांसाल्यावे अमलतासरहसणतिहपावे इन्हकोकाथवनायसुकरै वातपित्तज्वरततच्छिणहरै ॥ अन्यच्च आंमलीद्राचकचूरमंगावे गिलोयकिरायततासामिलावै करेकाथगुडसंगमिलाय वातपित्तज्वरतुरतन-साय ॥ अन्यच्च ॥ महुसारवाचंदनजांनो द्राक्षामुलट्टकुमदनीठानो कमलभेहफालसेल्याय त्रिफ-लालोध्रकाश्मरीपाय कमलपद्मकोकेसरडार रात्रिसेउठकरप्रातविचार करैकाथविधिवतजुसुधाय मा-ख्योंमिसरीखीलमिलाय महुआदीकरकाथसुपीजै वातपित्तज्वरहरलखलीजें जैसेंमेघहिंपवनउडावे त्यों-ज्वरकोंयहकाथनसावे ॥ अन्यच्च ॥ सुंठकिरायतमुत्थरागिलोय पंचमूलतामध्यसमोय इन्हकोंका-थसुविधिसोंकरै वातपित्तज्वरकोंयहहरै ॥ अन्यच्च ॥ वालाभारगीएरंडपाय चंदनपरपटखस्समि-लाय मघांधंमनीअरुगिलोय सवसममेलकाथकरसोय वातपित्तज्वरकंपमिटावे पर्वभेदकोदूरनसा-वे ॥ अन्यच ॥ गिलायपापडामुथ्रकिरात सुंठमिलायपियेपरभात पंचभद्रकाथकोनाम वातपित्तज्वर-हरसुखधाम ॥ अन्यच्च ॥ नीलोत्पलखसवलाजुआनै पद्मककाश्मरीद्राक्षजुठानै महुमुलट्ठफालसे-जान शीतलपीसखिशंदापान वातपित्तज्वरहोवेनाश पित्तज्वरपरलापविनाश ॥ अन्यच्च ॥ आम-लेताकेफलजुमंगावे त्रायमाणवचासारिवापावे मुत्थरमुलट्ठमनक्काआन श्रृतजलगुडसंजुगतपिलान वातपित्तज्वरदूरनिकारै जैसेगजगणसिंहनिवारै हरडागिलोयउशीरमिलावे दालहलदीनिंवपटोलहि-पावे कौडसमस्तताहिमोघोल विधिसंयुक्तकाथसमतोल पीवैप्रातनित्यमनधरै वातपित्तज्वरनाशसु-करै ॥ अथयूष ॥ चौपई ॥ दाडिममुंगआमलेपाय इन्हकोयूषकरेजुवनाय वातपित्तज्वरकोंयह-हरै यहनिश्चैयअपनेमनधरै ॥ अन्यच्च ॥ छोटीमूलीकोंजुमंगावै कूटतासकोकाथवनावै रोगीपीवे-प्रातहिकाल वातपित्तज्वरदूरनिकाल ॥ अन्यच्च ॥ महातापदाहवहुहोय चनकयूषपीवेनरसोय दाहअवरज्वरताकोंजावे वंगसेनयोंप्रगटसुनावै मुंगीकरेलेआदिसबजोय कफपित्तजहरजानोसोय वातपित्तमोंनाहिप्रमाण देवेएतेरोगप्रगटान शूलउदावर्तविष्टंभसुकरै ज्वरविकारकायामोवरै ॥ अ-थचूर्णप्रकारः ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाग्रंथिकयहसमलेय पीसखंडदुगुणीतिसपेय टंकदोयपरभातहि-खाय वातपित्तज्वरनाशकराय ॥ अथपंचभद्रचूर्णम् ॥ चौपई ॥ सुंठगिलोयपापडाल्यावे मुथ्रकि-रायतताहिमिलावे पीवेचूर्णटंकजोदोय शीतलजलसोंजानोसोय इहविधिपीवैचूर्णजवे वातपितज्व-रनाशेंतवे ॥ दोहरा ॥ वातपित्तज्वरकीकहीसमझचिकित्साजोय औषधखावैपथ्यरहेतांकोदुःखहतहो-य इतिवात्तपितद्वंद्वज्वरचिकित्सासमाप्ता.

॥ अथवातकफद्वंद्वज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोडपीडाशिरपकड्योरहै निद्रास्तिमिततनभारीलहै खांसीपीनसअरुचिसकांप म-ध्यमवेगतिनस्वेदहिताप ॥ दोहा ॥ वातकफज्वरकेकहेंलक्षणसमझनिदान कहोचिकित्सातासकी-जैसेग्रंथप्रमान ॥

॥ अथवातकफद्वंद्वज्वरचिकित्सा ॥

अथक्काथप्रकारः ॥ चौपई ॥ लघुकंड्यारीसुंठगिलोय पुष्करमूलमेलसमसोय करैक्काथविधिसोंपीवाय वातकफज्वरनाशकराय अरुचिपार्श्वशूलअरुश्वास त्रिदोषजज्वरभीजावैकास ॥ अन्यच्च ॥ मुस्थरपरपटसुंठगिलोय अवरजवाहांसाथमिलोय इन्हकोक्काथजुवैद्यपिवावै वातकफज्वरछर्दमिटावै शोषअरुचिअरुदाहविनाशै तनआरोग्यकरवलपरकाशै ॥ अन्यच्च ॥ अमलतासअरुपिपलामूल तिक्ताहरडमुथ्रसमतूल इन्हकोविधिवतक्काथजुकरै वातकफज्वरकोंयहहरै आमशूलदुःखहरयहजांनो दीपनपाचनयाहिपछांनो अथपंचकोलनामक्काथः ॥ चौपई ॥ मघांपीपलीपिप्पलामूल सुंठचवकचित्रासमतूल विधिसोंक्काथवनायपिवावै वातकफज्वरभाग्योजावै वातकफजसवरोगमिटाय पार्श्वशूलहृदरोगनसाय अथचतुर्भद्रनामक्काथः ॥ चौपई ॥ किरायतामुस्थरसुंठगिलोय यहसमचारवस्तुसंजोय करेक्काथसोताहिपिलावै वातकफज्वरनाशकरावै ॥ अन्यच्च ॥ केवलमघांएकपरिमान करैकाथकरवावैपान वातकफज्वरालिफनसाय हितकरक्काथमघांसुखदाय ॥ अन्यच्च ॥ निंवगिलोयसुंठकोलेऊ देवदारुतांमोंधरदेऊ वरचकौडकायफलपाय विधिसोंक्काथवनायपिवाय वातकफज्वरकोयहहरै संधिभेदशिरकोदुःखटरै कासअरुचिकोंदूरभगावै रोगीकेतनसुखउपजावै ॥ अन्यच्च ॥ दारोहिषपापडाभिडंगी पाठाहरडसुंठलेचंगी धनियांमुस्थरकायफलपाय करेक्काथरोगीहिंपिवाय क्काथमांहिहिंगूमधुपावै व्याधीकोंतवसोअचवावै वातकफज्वरहिडकीजाय गलग्रहश्वासकासनरहाय शोथप्रमेहदूरहोइजावै होइआरोग्यतनसुखीकहावै ॥ अन्यच्च ॥ केवलदशमूलनकोक्काथ वातकफीज्वरअमृतपाथ ॥ अन्यच्च ॥ दोइकंड्यारीभषडाजान दंथरसालपर्णीतिहठान विल्वअग्निमंथटाटरीपावै काश्मीरीपाटलताहिमिलावै करेकाथसन्निपातनसाय पार्श्वशूलअनिनिद्राजाय कासश्वासपीडाकोंहरै एतेरोगदूरयहकरै ॥ अन्यच्च ॥ यवसुंठीअरुआनपटोल मघलेचारोतामोंघोल समलेक्काथवनायसुदीजै वातकफज्वरहरलखलीजै तृषाशूलअरुकासनिवारै श्वासअरुचिकोंदूरविडारै पाचनअरुदीपनयहजान वंगसेनयोंकीनवखान ॥ अथपंचकोलचूर्ण ॥ चौपई ॥ सुंठपीपलीपीप्पलमूल चित्राचवकआनसमतूल कूटपीसकरकपडेछाए तीनटांकानितलेहुप्रमान तप्तोदकसोंपीवैप्रात वातकफजज्वरकरहैघात पार्श्वशूलआदिकदुःखहरै एतेगुणयहचूरणकरै ॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलापीपलमूल ककडशृंगीलेसमतूल पुष्करमूलकायफलआन लोंगलायचीसमतिसठान पुनकचूरतिन्हमध्यरलावै सबऔषधएकत्रपिसावै सातोपुटआद्रकरसदीजै गुटिकादोयटांकभरकीजै प्रातसमयरोगीजोखाय वातकफज्वरनाशकराय पीनसश्वासउदवर्तजोरोग जंघपीडसंधिपीडसंयोग वातकफज्वरजोनरहोय कुशलवैद्यस्वेदनातिहजोय तप्तरेतकांजीसोंमेल पोटलिवांधटकोरकरेल वातजकफासिरपीडहटाय अंगरोगादिकपीडमिटाय ॥ दोहा ॥ शुष्कमूलिकाआनकेदीजोयूषवनाय रोगीपीवैप्रातउठज्वरकफवातनसाय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ तुरीविजोरेफलकीआन सेंधालवणजुमरचमिलान सोतुरीयांमुखभीतरधरै वातकफजरोगहिंपरिहरै वदनशोषजडताहोइनाश जायअरुचिरुचिहोइप्रकाश ॥ दोहा ॥ वातकफज्वरकीकहीसकलचिकित्सागाय रसज्वरकेलच्छणसुनोभाषोंसकलवनाय ॥ इतिवातकफज्वरचिकित्सा ॥

॥ अथकफपित्तद्वंद्वज्वरलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ कफपित्तज्वरकेकहेंलक्षणग्रंथनिदान तिन्हलक्षणकोंकहितहोंसुनहोपुरुषसुजान ॥ चौपई ॥ स्निग्धदेहकटुमुखहोइकास तंद्रामोहअरुचिपुनतास तृषाअल्पविष्टाहोइजाहु मुहूर्त्तंभमुहुपरसाताहु बहुततप्तहोवततनमांहि देहशिथिलयोभाषसुनाहि वारंवारतप्ततनहोई वारंवारशीततनसोई इतिकफपित्तज्वरलक्षणम्

॥ अथकफपित्तद्वंद्वज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कफपित्तज्वरकीकहींचिकित्साग्रंथमंझार मनमोंसमझविचारकरसोसबकरोंउचार अथकाथप्रकारः ॥ चौपई ॥ गिलोयनिंवधानियांअरुचंदन पद्मकाष्टकाथदुःखकंदन कफपित्तज्वरतृषानिवारै दाहअरुचिअरुवमनविडारै ॥अन्यच्च॥ वालात्रिफलानिंवपटोल अवरमुलहट्ठकाथमोघोल ऐसोकाथकीनपरिमान कफपित्तज्वरमोंहितजान ॥ अन्यच्च ॥ मूर्वातिक्तापाठाजोय चंदनअवरपटोलगिलोय विधिवतकाथताहुकोकरै कफपित्तज्वरकंडूहरै छर्दअरुचिकोकरैविनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश अन्यच्च त्रिफलाकौडद्राक्षत्रायमान काथपीवैकफपित्तजहान ॥ अन्यच्च ॥ पद्मकाष्टधनियाजुगिलोय चंदनशुंठपटोलसमोय इन्हकोकाथपायमधुपीवै कफपित्तज्वरनाशकरीवै दाहहाथपादशूलमिटावै ऐसेंवैद्यकशास्त्रवतावै ॥ अन्यच्च ॥ मूर्वासुंठपटोलउशीर कौडगिलोवालालहुधीर रक्तचंदनपाठाअरुमुत्थर यहसबऔषधसमकठीकर करैकाथहितलायवनाय पीवैज्वरसमस्तामिटजाय दाहशूलअम्लपित्तहिंहरै एतेगुणयहकाथसुकरै ॥ अन्यच्च ॥ मुत्थरपरपटएकसमान करैकाथकफपित्तजहान अन्यच्च शुंठजवांहापरपटआन काथकरैकफपित्तजहान ॥अन्यच्च॥ किरायततिक्तामुत्थगिलोय सुंठीपायकाथकरसोय कफपित्तज्वरनाशनजान ऐसेंवैद्यकग्रंथप्रमान अन्यच्च उशीरमुत्थरांपाठाआन करैकाथकफपित्तजहान ॥ अन्यच्च यवधनियापापडापटोल निंवसमलेयकाथमोंघोल ॥ कफपित्तजकोहरताजान ऐसेंसमझोग्रंथप्रमान अथअमृताष्टककाथः चौपई अमृतासुंठइंद्रयवचंदन निंवपटोलकौडज्वरकंदन मुत्थरपायकाथसुवनावै पिपलीचूरणपायपिवावै कफपित्तज्वरकोतुरतमिटावै इहप्रकारगुणयाहिसुनावै ॥ अन्यच्च ॥ आद्रकअवरपटोलसमान देयकाथकफपितज्वरहान कंडूदाहविसर्पीजाय भाष्पोकाथग्रंथकेभाय ॥ अन्यच्च ॥ कंड्यारीअवरगिलोयभिडंगी वासाइंद्रयवसुंठलेचंगी चंदनकौडाकिरायताठान मुत्थरअवरपटोलसमान सर्वमेलसमकाथजुकरै कफपित्तजकोंततक्षणहरै तृष्णादाहअरुचिअरुकास शूलअवरहृदरोगविनाश ॥ अन्यच्च ॥ भिडंगीपुष्करमूलमंगावै मुथरभपडासुंठमिलावै लघुदीरघकंड्यारीदोय दंथरमेलवस्तुसमसोय भार्गादिकाथनामयहकहिये कफपित्तज्वरहरतालहिये कासश्वासअरुचीकोहरै पसलीपीडकायाकीटरै ॥ अन्यच्च ॥ चिरायतागिलोयमुत्थरांआन सुंठउशीरपापडाठांन पटोलचंदनकौडकोंलेय हरडधंमनीसबसमतेय काथकरतरोगीसोपीय पित्तज्वरअरुचिहरलीय रोगवमनकोहरहैजोय वंगसेनमतकहेहैसोय तृषाछर्दअरुदाहमिटावै कोष्टवंधजोकवजनसावै ॥ अन्यच्च ॥ सुंठइंद्रयवमुत्थरचंदन कौडकाथयहहैज्वरकंदन चूर्णमघाजोपायपिवावै कफपित्तजहरभूषलगावै भ्रमअरुमूर्छाछर्दविनाशै करैरोगविनयुतिपरकाशै ॥ अन्यच्च ॥ द्राक्षकौडधनियांअम्लतास मुत्थरापिपलमूलसमतास कफपित्तजहरकाथपछान शूलउदावर्तकोकरहैहान ॥ अन्यच्च ॥

यवअरुमुत्थरधनियांपटोल धात्रीफलचंदनसमतोल इन्हसबहींकोयूषवनावै छर्दंदाहतृषकफापित-जावै ॥ अन्यच्च ॥ निंवपत्रमूलीयूषवनाय पीवेकफपित्तज्वरहिंनसाय ॥ अन्यच्च ॥ पटोल-निंवत्रिफलासमलेय इंद्रजवमुलट्ठीतामोदेय करेकाथपित्तज्वरनाशे ऐसेवैद्यकग्रंथप्रकाशे ॥ अन्यच्च॥ मुत्थपर्पटाकिरायताआनो धनियांपुनपटोलसमठानो इन्हकोकाथपीवेनरजोय नाशतापकफपित्तज-होय ॥ अथरसपान ॥ चौपई ॥ वासापत्रपुष्पकूटाय तांकेरसकोलेयछनाय मधुमिसरीकेसंगीपिलावे कफपित्तज्वरततच्छणजावे रक्तपित्तकामलाविनाशे रोगाविनातनकीद्युतिभासे ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ कोडेपसिकरवस्त्रछनाय तांमोंदुगुणशर्करापाय तप्तनीरसोंपीवैसोय कफपित्तज्वरततच्छणखोय॥ अन्य-च्च ॥ पत्रमूलवांसाकोलीजैं तामोंकंध्यारीरसकीजैं चूरणकरमिसरीजुमिलाय तीनटांकपरभातहिंखाय कफपित्तज्वरकीकरहैहान ग्रंथमतियोंजानप्रमान ॥ दोहा ॥ कफपित्तज्वरहिनरकीचिकित्साकीनवषान वंगसेनजैसेकहीसोसबजानप्रमान ॥ इतिकफपितद्वंद्वजज्वरचिकित्सासमाप्ता

॥ अथत्रिदोषजज्वरसन्निपातनिदानलच्छणनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ विरुद्धअन्नपरअन्नजोखानअजीरणमान अतिकरमिश्रितसेविए्ताहिसंन्नप्रगटांन ॥ चौपई ॥ च्छणमोदाहजुच्छणमोशीत शिरपीडायोंजानोमीत अस्थिजोडमोंपीडाजास जलवहतार-हैनेत्रोंतास लोचनमालिनरक्तसेरहे नीचीदृष्टिरहैयोंलहै घुरघुरशब्दकानदोकरें पीडासाहितहोंहिउच्चरें कंठमाहिदुःखऐसोंहोय सूईयांचुभतीलखियतजोय निद्रामोहअरुचभ्रमतास वहुबकवादश्वासअरु-कास कालीजिव्हाखहुरीलहिये सिथिलअंगकफरक्तयुतकहिये

॥ अथसन्निपातज्वरकीआकृति ॥

॥ चौपई । शीरलोटणअरुनिद्रानाश तृषणावहुतहृदयदुखतास परसाविष्टामूत्रजुतीन चिरकर-अल्पहोंहिपरवीन अंगनअतिकृशताहोइजास कूजतकंठरहैपुनतास श्यामरक्तमंडलवधजावें लच्छण-कुष्टयहतनप्रगटावैं इंद्रियद्वारपकैंसबजाके भारीउदरमूकताताके सन्निपातज्वरआकृतिजान चिरका-लदोषपक्वयहमान त्रिदोषाविवंधअग्निहोइनाश सकलाचिन्हसन्निपातप्रकाश यहसन्निपातअसाध्य-पछानो इतरकष्टसाध्यमनआनो

॥ अथवातपित्ताधिक्यसन्निपातलच्छणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोवातपित्तअधिकसन्निपात कोपैतासाचिन्हविख्यात ज्वरहोइमंदतृष्णामुखशोष उदरअफारप्रमीलकाझोक तंद्राअरुचिश्वासअरुकास भ्रमश्रमयहउपजैतनतास त्रिभूनामसन्निपात-कहीजे इन्हलच्छणतेजानपतीजे

॥ अथपित्तकफाधिक्यसन्निपातलच्छणम् ॥

॥ पित्तश्लेषमअधिकप्रकाशत कुपितसन्निपातयोंभासत अंतरदाहवहिरहोंइशीत तृषावहुतहोइ-जानोमीत दच्छपार्श्वपीडातिसकरै उरसिरमोगलग्रहअनुसरै थूकरक्तपितामिलतनिकासै कंठपीढपर मीलकभासै विष्टाभग्नहिकावधआवै श्वासवधैजहफलगुकहावै

॥ अथवातकफाधिक्यसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शीततापमोमूर्छाआवै पार्श्वपकडातृषक्षुधालखावै जवलगस्वेदनआवैजास तवलगशूलउदरहोइतास वहुतश्वासताहिप्रगटावै शीघ्रकारिसन्निपातकहावै यहसन्निपातवेगवहुकरै रात्रिदिवसइकमोंनरमरै यहसन्निपातअसाध्यकहावै वंगसेंनयोंप्रगटलखावै

॥ अथवाताधिक्यसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ श्वासकासमूर्छापरलाप मोहकंपजृंभावहुव्याप पार्श्वशूलमुखहोयकसैला ऐसेंलखोहोयमनमैला ऐसेलक्षणजामोहोइ विस्फारकसन्निपातहैसोइ

॥ अथपित्ताधिक्यसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अतीसारभ्रममूर्छाहोय तीव्रदाहमुखपावैसोय रक्तविंदुतनमोंप्रगटावै एतेंलक्षणयाकेगावैं ऐसेलक्षणजाकोहोय आसुकारीसन्नकहियेसोय

॥ अथकफाधिक्यसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जडतागदगदवाणीजास रात्रिमोंनिद्राहोइतास फटैंनेत्रमुखमधुरलषावै एतेलक्षणयाकेगावै ऐसेलक्षणजासदिखाय कंपननामतासकोगाय

॥ अथविदारकसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोहीनवातमध्यमपितहोय श्लेष्मअधिकसन्नहैजोय शूलअवरकटिपीडाजान अल्पहोंहितिसयोंलखमान दाहअवरभ्रममध्यमसोई शिरमुखग्रीवहृदिदुखहोई अरुप्रमीलिकाश्वासज्वरकास अवरहुंभीलक्षणहैंतास हिकाजडताअरुअज्ञान उत्पतयाहिचिकित्साठान वहुदिनमोअसाध्यहोजावै वंगसेंनयोप्रगटजनावै इसहीसन्निपातमंझार पिटकाकरणमूलसंचार ताकोजीवनकठिनलखावै वैदारकसन्निपातकहावै तीनरात्रितकयासंझार करौचिकित्सासमझविचार

॥ अथकर्कटकनामसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मध्यमवातहीनपितहोय कफाधिक्यसन्निपातजुसोय तिसमोंदोषत्रैक्रमअनुसार वलकरतेहैंलषोविचार अंतरदाहअधिकतिसहोय मुखकोंवर्णरक्तलषसोय वडेयतनकरहृदतैसोऊ कफकोंनिकसनचलितनहोऊ पार्श्वहृदयमोअसहोइपीर मानोचुभतेहैंवहुतीर प्रमीलिकाहिकाअरुश्वास दिनदिनवर्धमानहोइतास कांटेजिव्हाखहुरेदांत सुइयांकंठचुभैदुखभ्रांत विष्टाहोनलगैजिंहकाल ताकोषवरनहोयविहाल अतिकफहोयकंठमोंपूरण कपोतन्यायकूजैगलचूरण मुखतालूसूकैंलहुगाथ वारवारपटकतदोहाथ कांतिनष्टनिद्राअतिहोय रक्तसहितथूकैहैसोय कर्कटकनामजानसन्निपात वंगसेनग्रंथविरूपात

॥ अथसंमोहकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वृद्धवातमध्यमपितहोय हीनश्लेष्मजानोसोय कोपैसन्निपातइहभांत वकवादमोहकंपनअरुभ्रांत मूर्छाभ्रमअरुपक्षाघात संमोहननामजाहिसन्निपात ॥

॥ अथयाम्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हीनवातमध्यमकफजास वृद्धहोएपित्तसोलखतास ऐसोसन्निपातप्रगटावै हृदय-कलेजादग्धलषावै प्लीहाफिफराताकोजलै उपरद्वाररक्तपूयचलै जवहींदांतउषडनेलागें मृत्युहोय-रोगीतनत्यागें याम्यनामसन्निपातकहीजै जामोऐसेचिन्हलहीजै ॥

॥ अथक्रकचलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वृद्धवातपितहीनलहीजे मध्यमकफजिसजानपतीजै सन्निपातअसकोपकरैजव प्र-लापखेदमोहकंपधरैतक मूर्छाभ्रमहोवतहैजास गर्दनअकडजायषुनतास मृत्युहोयविशेषतालहिये क्रकचनामसन्निपातसुकहिये ॥

॥ अथपाकललक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मध्यमवातअधिकपितहोय हीनहोयकफलषियतजोय ऐसोसन्निपातजिहभासै व-कवकादमोहपरकाशै मूर्छाकंपाशिरग्रहश्वासकास भ्रमतंद्राहोइसज्ञानाश अकडेनेत्रहोंहिपुनजास तीनरात्रतकजीवनतास इंद्रियहूंतेंरुधिरचलेजो पाकलनामसन्नलषितासो ॥

॥ अथकूटपाकललक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तीनोदोषहोंहिसमजवै सन्निपातउपजावेतवै जोतीनोकेरूपवताये रोगीतनमोसभीलखाये इहसन्निपातकोनामवखानों कूटपाललक्षणतेंजानो सबसन्निपाततैंदारुणजान अकडेंनेत्रअंगसबमा-न प्राणमात्रशेषआरहे तीनरात्रिमोअंतककहै मूर्छाहोयवकवादसुकरैं ब्रह्मराक्षसदृष्टीतिसपरैं अं-वादेवियक्षणीयोंसंग भूतपिशाचगुह्यकनअभंग इन्हींसबनसोवार्ताकरै मस्तकनिजताडेउरधरै कु-लदेवीपूजीजिन्हनांहि मारैंसोकुलदेविडरांहि इहप्रकारतेरहसन्निपात वंगसेनकीनेविख्यात ॥ दोहा ॥ सन्निपाततेरहकहेवंगसेनअनुसार इन्हआगेंतेरहिअवरग्रंथांतरअनुसार ॥ चौपई ॥ इन्हकेलक्षण-जानपछाने शास्त्रअनुसारचिकित्सामाने जोजोहीनदोषकरगाये वृद्धितिन्हनकोंकरैउपाये जोजोदो-षवृद्धिपहचानै हीनउपायनकोंप्रगटानै प्रथममहिंपित्तनिवारउपाय वैद्यरचैमनचित्तलगाय काहेपितवृ-द्धिजवहोय कठिननिवारणकरणोसोय सन्निपातीभोजनजोचाहै ताकेकहेपरवैद्यखुलाहै उसवैद्यहूतैंयत-ननधार दूरकरेमनसत्यविचार सन्निपातपरदाहलषैजव शीतलजलदेवैसिंचैतव सोकाहेकावैद्यकहावै सोसाक्षातयमदूतलषावै सन्निपातमेंकम्पजुहोय अवरप्रलापकरैनरसोय उसकोवैद्यघृतपानकरावै सोवैद्यरूपयमदूतकहावे सन्निपातकरहोवैदाह पसलीपीडमुखसूकेताह शीतलजलजोपानकरावे का-लरूपसोवैद्यकहावे पंगतेतरणसमुद्रकोहोय अरुसन्निपातचिकित्साजोय अरुयमसाथयुद्धकोंठाने य-हतीनोंहैंएकसमाने सन्निपातसमुद्रतेंजोय उद्धारेअसवैद्यजुहोय कवनधर्मउसकेमनकह्यो पूजनकव-नदेवकीलह्यो सबसोंश्रेष्टसुवैद्यकहावे सन्निपातसिंधुसोतारदिखावे जहांत्रिदोषजहोइसन्निपात प्रथ-मचिकित्साकफसुखदात कफकेदूरहुएयोंजान इंद्रियद्वारखुलहिमनआन अरुसभअंगनलघुतारहै त्रिषाशांतिहोइसुखकोगहै ॥ दोहा ॥ सन्नपातवर्णनकियोतेरहिइहपरकार सुनोचिकित्साइन्हन-कीनीकेंकरोंउचार ॥ इतिसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ अथसन्निपातज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्सासन्नकीवंगसेनअनुसार लंघनादिवर्णनकरोंसुनलीजैंचितधार ॥ चौपई ॥ जिसपरसान्निपातवलधरे प्रथमाचिकित्सालंघनकरै पुनतपायरेतदेस्वेद अरुनसवार- वमनहतखेद पुनअविलेहअवरलहुअंजन सन्निपातकेयहसबभंजन जोत्रिदोषसन्नपातलषावे लंघन- ताहिप्रमाणकहावे तीनदिवसवातमेजान पंचदिवसपितजमोठान दशादिनकफमोकरेप्रमान वंगसे- नसोप्रगटपछान अथवाजबलगहोयअरोग्य तबलगलंघनकरणेयोग्य लंघनमोंजोक्षुधासहारै सोदो- षोंकीशक्तिनिहारे जवैदोषवलक्षयहोइजांहि लंघनकोंसुसहारैनाहि

॥ अथलंघनयोग्यतादिकमाह ॥

॥ चौपई ॥ कफपित्तदोनोस्निग्धपछान अवरवायुरूखाकरमान तिहकारणआमक्षयउपरंत कफ- पित्तलंघनसहाराहितंत वायुएकक्षणलंघननसहार वंगसेनयहकीनउचार

॥ अथहीनलंघनलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिहमनकछुआछोनहिभावे अंगसमस्ताशिथिलहोयजावे दोषघटनमोंआवतनाही वं- गसेनमोइहविधगाही ।

॥ अथसुलंघनलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिहरोगीरुचीजानप्रवीन देहलघूमनहर्षअतिचीन चैतन्यरहैग्लानजिहनाहि निवृत- उपद्रवहोवतताहि लंघनजोग्यनातिहनरको ग्रंथकारमतकहतसबनको

॥ अथातिलंघनलक्षणम् ॥

चौपई अतिलंघनरोगीहोयजवे संधिसिथिलमोहहोयतवे वायूपीडाताकोजान इहलक्षणअतिलंघनमान ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ लखअरोग्यतावैद्यसुजान पथ्यदेनकोंकरैप्रमान लाजाकेसन्तूबनवावैं सेंधालवणजुताहिमिलावै प्रथमलंघणीकोंयहदेय जोयहपचैतोआयुलषेय यापरकोऊआचार्यभाषे यहपथरक्तपितपरआखे लाजालवणसुशीतललहिये यातेंपितरक्तपथ्यकहियें तांतेत्रिदोषमाहिनहियोग्य दशमूलीयुतसाधितभोग्य अवररुजाहिपथ्यऔरप्रमान पंचमुष्टिकयूषादिपछान ॥ अथमुष्टिकयूष ॥ चौ- पई ॥एकमुष्टियवकीजुमंगाय मुंगकुलथकीइकइकपाय मुष्टीएकवेरफलपावे तासममूलीसंगमिलावे इसकारणतेंलषोविशेक पंचमुष्टियहमांनविवेक भषडेभीइकमुष्टीठान पंचमुष्टिमोंअहेंप्रमान अष्ट- गुणाजलपायपकावै अष्ठविशेषरहैसुपिलावै श्रेष्ठगुल्मशूलमैजान क्षयज्वरश्वासकासमैमान वातपि- त्तकफहरयहजानो पंचमुष्टिकयहयूषप्रमानो ॥ अथसप्तमुष्टिकयूष ॥ चौपई ॥ यवइकमुष्टिवेरइकमुष्टि कुलत्थमुंगइकइकलेमुष्टि धनियांसुंठअरुमूलीजांन इकइकमुष्टीइन्हकीमांन केरयूषयहउसीप्रकार हरे- वातकफआमविकार सप्तमुष्टिकयूषातिहमान सन्निपातज्वरहरताजान मुखहृदयकाशोधनकहा वंगसें- नकाइहमतलहा कंठरोगयहहरताजान इन्हरोगनमोश्रेष्टप्रमान ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ सान्निपातीजे- ऊनरहोय इन्हऔषधकोंसेवेसोय त्रिकुटासेंधालवणमिलाय आद्रकरससोपीसरलाय याकोंरोगीकंठ- धरावै कछुनिगलेकछुवहरथुकावे वारवारयोंकरतारहै हृदयकंठकीकफकोदहै याकरग्रीवाशिरमंभार

सुखउपजैगलग्रहकोंटार देहामोंलघुतावहुभासे पर्वभेदमूर्छाज्वरनाशै बहुनिद्राश्वासदूरहोजाय मुखनेत्रनगौरवजडतानरहाय दोषबलाबलबुधहिविचार एकोदोषचतुरजियधार कुरलीकरणश्रेष्टपरमाण सन्निपातमोकह्योवखान अन्यच्च सन्निपातमोउष्णप्रमान सेवनकरेश्रेष्ठमतमान सोनरदिननिद्राकोंत्यागे धीर्यधरेतत्त्वणदुखभागे ॥ अन्यच्च ॥ सुंठरालअरुयारजुआने मरचपिप्पलीसैंधाठाने मधूमिलायकवलसोकरे कफवातवेगसोदूराहिहरे चेष्टाहोवतनरकोजान वंगसेनमतकीनवखान ॥ पुनः ॥ मुर्गीकेश्वेतअंडेकेजलकों पीवेवाअंजनकरतिहकों वानसवारताहिकीकरै कष्टसाध्यसान्निपाताहिहरै अथनसवार ॥ चौपई ॥ महूसारसेधालेलून पिप्पलीवरचमिर्चसमचून जलसोंपीसदेयनसवार सान्निपातकीमूर्छाटार ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ सुंठआमलेमुनक्काआषा मधुमिलायचाटैहितभाषा मूर्छाश्वासकासज्वरजावै वंगसेनयोंप्रगटजनावै ॥ अन्यच्च ॥ त्रिकुटाकायफलपुष्करमूल भार्डिगीयाससौफसमतूल करमहीनमधुपायचटावै हिडकीसान्निपातज्वरजावै श्वासकासकंठग्रहनाशै आद्रकरसयुतकफहिविनाशै ॥ अथमरचादिधूडा ॥ चौपई ॥ मरचपिप्पलीसुंठमंगावे पुष्करमूलहरडसंगपावे लोध्रकिरायताकौडपछान जीराअजवायणसमठान कूटैमैदाकरापिसवावै कंठमलैशिरसंधमलावै कंठरोधमोकंठमलाय सन्निपाततनमलदुःखजाय केवलमधुसनिपातिनदेवै काहेमधुशीतललषलेवै अवरहुंउैषधसंगमिलाय तौनहिदूषणहैसुखदाय गलहंसऊपररोगहटावत अवलेहसुसायंकालचटावत हेठजुहोवेनरकोरोग भोजनपहलेचाटनजोग जिहनरएकजतनमंझार रोगनहटेताहिपरकार दूसरजतनताहितवकीजे प्रथमजतनकोवेगहरीजे दोनोंऔषधसंमनहिकरै इहमतवृद्धवैद्यकोधरै जोदोनोविधसमहिकरावे सोदोनोसंकरविधभावे जुगउपायभिन्नवरहोन वृद्धवैद्याहतकहहैतौन ॥ अन्यउपाय ॥ तालूमस्तककंठमझार जोसन्निपातकरैसंचार फूटैसूकेजिव्हातास अनप्रकारलखलीजैजास मच्चीरमुनक्काघृतपीसाय मलवेविजिव्हासुखपाय अथवासैंधात्रिकुटाआन अमलवैतसोंमलैसुजान ॥ अथत्रेलीउपाय ॥ चौपई ॥ सन्निपातपरत्रेलीपरै कुलत्थभूनकरचूरणकरै रोगीकीशय्यापरपाय अरुतहींसोदेहमलाय जोत्रेलीपडशीतलहोय मृत्युहोयसन्निपातीसोय ॥ अन्यत्रेलीउपाय ॥ चौपई ॥ कालाजीरालोध्रमंगाय हरडाकिरायताकांफलपाय वनकेगोहेलवणसमान बहुमहीनकरकूटपिसान यहधूडातनमर्दनकरै त्रेलीकोविकारसबहरै अथकाथप्रकारःप्रथमदशमूलकाथ ॥ चौपई ॥ क्वाथकरैआनैदशमूल सभजढइन्हकीकरसमतूल विल्वगंधलीअवरकसीर पाटलअरुटाटरलषवीर इस्थिराभखडादंथरमान दोनोकंड्यारीपहचान यहदशमूलकाथकरदेय सन्निपातकोंदूरकरये जोग्रहकंठहृदयमोंहोय मघधूडेकाथपिवावैसोय जोवृचकहैदशमूलमंझार तिन्हकेजढकीत्वचाविचार जोनिकडैबूटेदशमूल सबजढतिन्हकीलेसमतूल दशमूलकाथयहविधिसोआष्यो वंगसेनग्रंथजोभाष्यो जोदशमूलकाथवनवावै कायफलआद्रकरसतिंहपावै सोसन्निपातीपानकरैजव मृत्युतुल्यसान्निपातहरैतव ॥ अथपंचमूलकाथ ॥ चौपई ॥ पंचमूलकिरातगणपाय करैकाथसन्निपातमिटाय त्रिदोषहरैयहकाथपछान पितअधिकमधुकरोमिलान जोकफअधिकलषनमोआवै तौमघपीसमिलायपिवावै वातअवरकफअधिकलखावै अथवात्रिदोपजसोलषपावै ताहिकाथदशमूलप्रमान गणकिरायतातिसमैठान त्रिवीमिलायशुद्धयार्थकरदीजे वातकफादित्रिदोषहरीजै ऐसोसन्निपातमिटजाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय किरायतादिगणमाह चिरायतामुरथरयहसमआंन गिलोयअवरसुंठातिहमांन सववैद्यकमतजाहिवखांन

चिरायतादिगणप्रगटपछांने अथअष्टादशांगकाथः ॥ चौपई ॥ समश्रानेऔषधदशमूल ककडशृंगी-कौडकचूर पटोलदुरालभापुष्करमूल कौडवीजभिडंगीलेसमतूल अष्टादशांगकाथयहकह्यो सन्निपातज्वरहरतालह्यो श्वासकासहृदग्रहकोनाशैं हिडकीवमनहरैसुखभासे जोश्वासकाससन्निपातमंझार तृषावहुतहोलषोविकार दशमूलमिलावेपुष्करमूल मघासहितहोइदुःखनिर्मूल किरायतादेवदारूमंगवाय दशमूलीसंगकौडामिलाय इंद्रजवपिपलीधनीयांश्रान सुंठगजपिपलीसमतिहठान काथवनायपीवैजोरोगी तंद्रावकडवादखंगसोगी अरुचीदाहमोहसबटरै श्वाससंयुक्तसन्निपातहिहरै इत्यष्टादशांगकाथः ॥ अथवृहत्यादिकाथः ॥ चौपई ॥ दोइकंड्यारीपुष्करमूल ककडश्रृंगीकौडकचूर-कोगडवीजपटोलश्रनाय भडिंगीसंगजुवांहरलाय सबसमलेकरकाथवनावै उपद्रवसहसन्निपातनसावै ॥ अथसव्यादिकाथः ॥ चौपई ॥ कचूरकिरायतापुष्करमूर छोटीकंड्यारीतिंहपूर सुंठदुरालभापाठापाय ककडशृंगीगिलोयमिलाय सवसममेलकाथयहकरै सन्निपातनिद्रासंगहरै श्वासकासहृदग्रहमिटजावै पार्श्वशूलहरसुखउपजावै ॥ अथवृहत्सव्यादिकाथः ॥ चौपई ॥ कचूराकिरायतापुष्करमूल सुंठगिलोयवरचसमतूल त्रायमानरहसनसुरदार दुरालभाकौडपापडाडार मंजिष्टाककडशृंगीश्रान श्रेष्टहरीतकीताहिमिलान भडिंगीलेछोटीकंड्यारी समयहऔषधजेऊप्रचारी विधिसोकाथजुयहकरदेय सन्निपातज्वरनाशकरेय खांसीजावेनिद्राश्वास रात्रीजागरणतृष्णानास मुखशोषदाहत्रिदोषविनाश वंगसैंनमोंकियोप्रकाश ॥ अथकायफलादिकाथः ॥ चौपई ॥ कायफलवरचपापडाजान पाठाहरडकिरायताठान जीरासुंठीमघाभडिंगी दयारसटीकटुधनियांशृंगी सबसमलेकरकाथवनावै श्राद्रकरसहिंगुपायपिवावै सन्निपातज्वरश्वासजुकास कर्णशूलगलग्रहहोइनाश श्रकडीगरदनशोथमिटावै हिडकीश्रवरउपद्रवजावै जोइसमोंदशमूलरलाय अभिन्याससन्निपातनसाय पित्तश्रधिकसव्यादिप्रसस्त वृहत्यादिकफाधिकयहशस्त कायफलादिवाताधिकजान विवरोकाथनकोइहमान दोहा निदानचिकित्सासहितसबकीनोसन्नउचार वंगसैंनमतभाष्योंश्रवसुनश्रवरप्रकार चौपई शुंठगिलोयपाठातिहजान गजपीपलदशमूलपछान इंद्रजवश्ररुकिरायताश्रानो वासाकचूरताहिमेंठानो सन्नहतौजसदूरनिवारै वंगसैंनयाहीविस्तारै अन्यच्च गिलोयकिरायतामुत्थरश्रान रक्तचंदनकौडचिरौंजीठान पद्मकाष्टकंड्यारीभिडिंगी पापडकौडनिंबलेचंगी धनियासुंठवांसापुनलेय पुष्करमूलताहिमोदेय करैकाथसुखप्रातपिलावै दाहवृद्धिशीतज्वरजावै अवरश्वासमूर्छाहोयनाश अरुचीवमनतृषाहरताश कासवृद्धिकोदूरनिवारै शिरपीडागलरोधविडारै श्रमनिद्राहिकाश्रानाह सन्निपातएतेदुःखजाह अन्यच्च गिलोयरक्तचंदनकोल्याय पद्मककाष्टहरीडसुपाय सुंठइंद्रजवभिडंगीजानो श्रमलतासखसपाटामानो धनियांमुत्थरकौडपछान सवमिलकाथकरैवुधिवान पिपलीचूर्णसंगसोपीय तंद्राकासश्वासहरलीय ज्वरफुनदाहसुदूरनिवारै मलमूत्रत्रिदोषसोईपरिहरै गुडूच्यादिगुणयाहिकोमान पाचनदीपनउत्तमजान ॥ अन्यच्च ॥ दालहलददेवदारूश्रान इंद्रजवकेसरप्रियंगूठान श्रमलतासपाठासकचूर खसकिरायतादर्भकोमूल गजपीपलत्रायंतीश्रान पद्मकाष्टगिलोयसमठान धनियांसुंठमुत्थरश्ररुवाला हरडपापडाकौडसह्माला छोटीकंड्यारीफुनल्यावै पुष्करमूलजुवांसापावै ककडासिंगीदंतीमघश्रान वडीकंड्यारीतामेंजान इनसवहीकोकाथवनाय पीवेइतनेरोगनसाय विषमज्वरसन्निपातानिवारै धातुस्थितज्वरनैत्यिकटारै द्वन्हिकतृतीयचातुर्थिकजाय मलज्वरश्रागंतुकहिनसाय दाहकठिनज्वरहोवैहान दुर्जयहोयतौभीहरमान यह-

ऋषियोंनेकियोप्रमान वंगसेननेकियोवखान ॥ अन्यच्च ॥ सुंठकालीमिरचकोआनै पिपलीअरुदसमूल-पत्रानै कचूरगिलोयभिडंगील्याय समस्तबस्तुलेकाथवनाय जोरोगीपीवैपरभात तत्त्वणसन्निपातहो-एवात ॥ अन्यच्च ॥ वांसापर्पटनिंवकेपत्तर दंथरधनियांमुत्थसंगधर सुंठदेवदारूमंगवाय वरचइंद्रज-वभखडेपाय पिप्पलामूलसमकाथवनावै सन्निपातअतिसारहटावै श्वासखांसीअरुचीसुविडारै शूलहरै-एतेगुणधारै ॥ अन्यच्च ॥ दशमूलवर्चसुंठजोआनै नखद्वयमेलकाथसोठानै वातकफजसन्निपातानिवारै बंगसेनमोयाहिउचारै ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलाकायफलकौडमंगाय च्यारक्तचंदनसमपाय फालसापद्म-काष्टकोलेय सववस्तूसमप्रमाणकरतेय कर्षकर्षमात्रासवलेवै इनवस्तूकोअर्ककरेवै पीवैसन्निपातहत-जाय ज्वरवहुचिरकालेहुहटाय अमृतसमइहअर्कपछानो ग्रंथमाहिशुभकियोवखानो ॥ अन्यच्च ॥ क-चूरअवरदशमूलमंगाय ककडासिंगीमर्चमिलाय सुंठमघांअरुपिपलामूल इहवस्तूलेसमकरतूल क्वाथ-सुपीयसन्निपाताहिहरै कपिलदेवइहविधउच्चरै ॥ अन्यच्च ॥ कांफलत्रिफलाच्यारमंगाय फालसेरक्तचंदन-तिहपाय पद्मकाष्टकौडदंथरसमलेय रात्रिशीतजलदेयभिगोय प्रभातमलैसोपाणीपीवै पित्तप्रधानसन्नि-पातहरीवै ॥ अन्यच्च ॥ मुत्थरपापडाखस्सादियार सुंठीत्रिफलाजवांसाधार नीलकपत्रकमीलात्रिवी कि-रायतापाठाधम्मनीसवी कौडमुलट्ठीपिपलामूल मुस्तादिगणजानोतूल जलतिहपीयपित्तपरधान सन्निपातहोयतत्त्वणहान मन्यास्तंभउरच्चतजाय हनुस्तंभसिरग्रहसुहटाय ॥ अन्यच्च ॥ सुंठपिपली-मरचांल्याय मुत्थरहरीडवहेडापाय आमलेनिंवअरुपाठाधरै कोगडत्वचकौडाचिरायतावरै पटोलपत्र-गिलोयीसमल्याय याकेकाढेकोजलचाय पीवैसन्निपातज्वरहरै वंगसेनमतयोंहीउच्चरै ॥ अन्यच्च ॥ अमलतासदंतीजढल्यावै विल्वत्रिवीसमक्वाथवनावै छानेवस्मेपत्रकोचूरण घृतमिलायतिहकरैसुपूरन पीवैरेचनहोयतिहमाहि सन्निपातरोगहतजाहि ॥ अन्यच्च ॥ विजोराआद्रकरसहिमंगावै सेंधालून-पीपलीसुमिलावै पीवैसन्निपातहोयनाश अरुचीकासगुल्मनहिंतास अग्निमांद्यएतेदुखहरै ग्रंथकारया-हीउच्चरै ॥ अन्यच्च ॥ जिहनरसन्निपातज्वरमाहि कंपहोयवकवादकराहि चेष्टारहेनकाहुकीजवै पुरा-तनघृततनमर्दनतवै मांसशोराप्रमाणजोहोस बटेरातीतरवतकरवरगोश शोराइनाहिपिलावेताहि रोगजायरोगीसुखपाहि ॥ अन्यच्च ॥ ब्राह्मीरहसनगिलोयतिलआन इनकाक्वाथकरैजुसुजान संचित-सन्निपातज्वरजाय रोगजायरोगीसुखपाय जोअत्यंतसंनिपातहटजाहि कफकरआमाशयवरआहि तौभीतंद्राजागतलहो वंगसेनमतयोंहीकहो ॥ अन्यच्च ॥ कफप्रकोपकरकारणकहों जातेलच्चणताहि-श्रुतलहों अत्यंतपथ्यद्रव्यखावनसे मांसादिकरसअतिहारनसे दिननिद्राअरुच्चीरखावनसे दुर्वलनर-अल्पवातहोवनसे श्लेष्मकोपहोवतफुनताहि सोईउत्पतिरोगकराहि मारुतताडनमोरुकवावै धमनीना-डमांहिचलजावै कठिनतंद्राप्रगटावैतवै ताकेलच्चणकहहोंअवै नेत्रदेखनमोतिर्छेहोन पुतलीफिरतर-हैयुगतौन नेत्ररोमसवचंन्चलरहै मानोनेत्रपडतसुनकहै जेकरकंडहिभारपडजाय मुखखुलादंदउाष्टप्र-गटाय कंठमाहिकफपिछलरहै तारसहितवाहिरसोवहै कंठहिमारगसवरुकजाय अनेकविकारदेहिप्रग-टाय ऐसोरोगपुरुषजिहहोय तीनदिवसउपायकरसोय नाहिवचैनहिमृतवसहोवै तिहउपायग्रंथनमो-जोवै तेलमालकंगुनीकोआन पिंडारकजढसाथमिलान नासाचाढनताहिसुमान तंद्राजायसुखकायप्र-गटान अन्यच्च सेंधानोनश्वेतामिरचमंगावै सर्षपकुठचारोसबपावै अजामूत्रसोंताहिपकाय नासादेयतं-द्रादुखजाय अन्यच्च अपुरनामजोपंछीअहै तिहविष्टामखीरसंगगहै अंजनकरैतंद्रादुखजाय ग्रंथकारइह-

कह्योवनाय ॥ अन्यच्च ॥ जाफलमुंगकौडवचंश्रान कालीमर्चसेंधाफुनठान अजामूत्रसंगपीसवनाय अंजनकरैतंद्रादुखजाय ॥ अन्यच ॥ पुलादमोरयाहुश्रामगाय चिट्टालोधरसुर्मापाय मर्चगऊपित्तसों-पीसे सेवेतंद्रादुखसबखीसे ॥ अन्यच्च । सन्निपातउत्पन्नतद्राजोय वैद्यउद्यमकरहरहैसोय तंद्राहरत-सन्निपातविडारै सुखाहिसाध्यसुताहिविचारै सन्निपातमोतंद्राजोय जानअतिकष्टउपद्रवसोय

॥ अथअन्यग्रंथांतरअनुसारसन्निपातत्रयोदशलक्षणचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ सन्निपातज्वरकेसभीलक्षणकरोंवखान अवरचिकित्साभिन्नकरभाषोंलषोसुजान ॥ चौ-पई ॥ उष्णदेहमोंशीतसमात उत्पत्तहोयतुरतसन्निपात अपनीठारैकरैविसतार भिन्नभिन्नलहै-वैद्यविचार ॥

॥ अथत्रयोदशसन्निपातनामानि ॥

॥ चौपई ॥ संधिकअंतिकरुग्दाहपछानो चितभ्रमशीतांगतांद्रिकमानो कंठकुवजपुनकरणकमान भग्ननेत्ररक्तष्टीवीजान पुनपरलापकीनपरकाश जिव्हकअरुसुनियेअभिन्यास त्रयोदशसान्निपात-योलहीवैद्यराजधन्वंतरकही ॥

॥ अथसन्निपातआयुर्दिनानि ॥

॥ दोहा ॥ सप्तवर्षदिनसंधिककह्योअंतिकदशदिनआह तीनवरषचितभ्रमरहैवीसदिवसरुग्दाह ॥ चौपई ॥ शीतांगपक्षएकसोरहै दिनपचीसतंद्रककेकहै कंठकुवजदिनचौदहमान तीनमासकर-णकपहिचान भग्ननेत्रादिनआठसुकहे दशदिनरक्तष्टीवीलहै दिवसचतुर्दशहैपरलाप षोडशदिन-जिव्हकतनव्याप ॥ दोहा ॥ अभिन्यासपक्षएकहैजाविधमानविचार धन्वंतरआगेकहैलक्षणसुन-उपचार.

॥ अथसंधिकसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ संधियोमेंअतिपीडाहोवै सोजाजाहिरमुखकफजोवै निद्रानाहिजाहिकोहोय कास-रोगपीडाअतिजोय जिहसन्निपातइहलक्षणरहै संधिकनामसन्निपातसोकहै

॥ अथसमस्तसन्निपाताचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ संधिककह्योप्रथमहिनिदान तैलसंभालूमर्दनठान सूक्ष्मपथ्यपाछेतेदेह सन्निपात-सबनाशकरेह

॥ अधसंधिकसन्निपाताचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अथक्वाथः ॥ पुष्करमूलीभडंगीपाय विल्वत्वचारहसनपुनल्याय अजवायणमघसुं-ठीलीजै दशमूलाकिरायताइकसमकीजै औषधतेराटंकजुयेह सेरप्रमानपक्कजललेह कीजेक्वाथअमि-तसाय अष्टविशेषरहैतवखाय ॥ दोहा ॥ कह्योक्वाथजोग्रंथमतसुनियेचितदेतास शूलजायसबदे-हतें संधिकहोयविनाश ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलाविदाराश्रानिएरेहसनताहिंगिलोय देवदारुपुनलीजि-येसुंठशतावरिहोय औषधसबइकसमकरोकीजैक्वाथउवाल अष्टविशेषजुराखियेगुग्गुलुटंकत्रैघाल

दिवसचर्तुदशलगपियेसन्निपातनरहाय श्यममोठतंडुलकनकरोटीपथठहराय खारीअमलीवस्तुघृतव- रजेशीतलवारि पानभित्तउवालदेसान्निपातज्वरटारि ॥ अन्यच्च ॥ विश्वाछिन्नाएर्णजढरहसनपथ्य- द्यार प्रातसमयउठपीजियेयहीकाथहितकार सकलसमरिशरीरतेंदाहरोगसवजाय व्याधीरहैजुपथ्य- सोंसन्निपातनरहाय ॥ चौपई ॥ सुंठगिलोयजुवासाआनै रहसनअभयाकौडपछानै विल्वस्योनाकखं- भारीपावै पाटलदेवदारुजुमिलावै हलदशतावरअवरकचूर समलेकूटकरेसबचूर करेकाथरोगीहिं- पीवावै संधिकसान्निपातमिटजावै सन्निपातज्वरशूलबिनाशै रोगमिटैतनद्युतिपरकाशै ॥ अथअविलेह ॥ दोहा ॥ ग्रंथिकहरडैय्यारपुनर्वासाताहिमिलाय एरणतैलामिलायकेसोअविलेहचटाय सन्निपातज्वर- नाशहोयतनआरोग्यलखाय यहभाष्योअविलेहजगशास्त्रमतीसुखदाय । इतिसंधिकसन्निपातःसमाप्तः

॥ अथअंतिकसन्निपातलक्षणनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ नित्यरहैसिरकंपमेंअंगवहुपीडाहोय मोहरहैचेष्टाशिथिलनिष्फलवकतासोय अंतरवाहिर- दाहाजिहहोवेव्याकुलदेह हिडकीज्वरश्वासकासहैयमपुरकरैसुगेह रोगअसाध्यपछानयहताकोकछुनउ- पाय तौभीताहिउपायसुनग्रंथकारमतभाय ॥ अथउपायः ॥ चौपई ॥ जुवांसामघांसुंठमंगवाइ दोय- कंडियारीपतीसहिपाइ औषधकाथवनायपिवावै अन्तिकसन्निपातमिटजावै पाचनदोषहरणइहमान रोगहरणयाहीपहिचान ॥ अन्यच्च ॥ पतीसपटोललेकर्कटशृंगी पुहकरमूलत्रायमाणसुचंगी सबस- मऔषधकाथवनाय पीयअंतकसन्निपातमिटाय ॥ अन्यच्च ॥ कचूरराम्नागिलोयमंगावै ककडासिं- गीपतीसहिपावै कंडिआरीअरुपुष्करमूल पाठाकौडऔषधसमतूल काथकरैपीवैहितभाय अन्ति- कसन्निपाततिहजाय ॥ दोहा ॥ दानपुण्यहरियशश्रवणविष्णुचरणकोंध्यान चारवेदषटशास्त्रकहिं यहऔषधपरमान इतिअंतिकसन्निपातःसमाप्तः ॥

॥ अथरुग्दाहसन्निपातलक्षणनिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ दाहप्रबलचित्तभ्रमरहैश्रमअरुमोहपछांन वकैप्रयोजनाविनाहितऊश्वासशूलति- हमान कंठपीडमन्याहनूतृषाजुव्यापैताह वैद्यग्रंथलक्षणकहैसन्निपातरुग्दाह

॥ अथचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ सुंठीमघपीपलजुगिलोय इटसिटत्रायमानसंजोय रहसनकंड्यारीसुरदार वरचभिडंगीधमहांडार पित्तपापडातिक्तापावै अरुकिरायताहरडमिलावै मेलतांमोपुष्करमूल वस- औषधकूटोसमतूल विधिवतसोंयहकाथवनावै रोगीकोंप्रभातापिलावै सन्निपातरुग्दाहविनाशै कंठ- शोषज्वरतृष्णानाशै श्वासकासअंगपीडाजाय दिनमोनिद्रातिंहनहीआय निशकोनिद्राआवैतास सुखसोंसोवैसहितहुलास ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ ब्राह्मीमरचजवायणपाय तिक्तामुत्थरकौडमिलाय निंवकिरायतालेनक्तमाल पंचमूलकटुतोरीघाल करेकाथव्याधीकोंदेहि व्यथासन्नरुग्दाहहरेहि ॥ अन्यच्च ॥ हरडपापडामुत्थरआंन कौडद्राक्षयहसमकरठांन करैकाथपीवैउठप्रात व्यथामिटै- तनतेंसन्निपात ॥ अथलेपनम् ॥ चौपई ॥ पत्रवेरनिंवकेलेय भृगचंदनतामोघसदेय लेपनकीजैकरपद- ताह व्यथासन्नजावैज्वरदाह ॥ अथधूपः ॥ चौपई ॥ चंदनअगरमुत्थरलेआवै माखननखंकर्पूरामि- लावै धूपदेयव्यधीहिउठप्रात नाशहोइरुगदाहसन्निपात ॥ इतिरुगदाहसान्निपातलक्षणचिकित्सा

॥ अथचित्तभ्रमसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ दाहपीडबहुतापभ्रमविकटनयनउनमाद गायनरोदनहास्यपुननिरतकरतबकवाद

॥ अथचित्तभ्रमसन्निपातचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ भाडिंगीत्रिफलात्रिकुटाय तिक्तावरचकिरायतापाय दालहलदरहसनसुरदार त्रायमानब्राह्मीपुनडार वांसाधनियांहलदपटोल निंवसंभालूपुष्करमूल त्रिवीगिलोयकाकडिकंड्यारी पाटलइंद्रयवइटसिटडारी यहसमस्तवस्तुसमलेहु करोकाथरोगीकोंदेहु सन्निपातचित्तभ्रममिटजाय ज्वरअंगपीडसमस्तमिटाय मिटेमूर्छाप्रलापउन्माद अरुमिटजावैतिसबकवाद चिमडेदातखुलहिततकाल दाहहास्यमिटनयनविहाल देखसिंहज्योंगजकोत्रास त्योंइत्यादिरोगहोएनाश ॥ अन्यच्च ॥ पटोलपापडामुत्थरागिलोय निंवत्वचाजुकिरायताहोय त्रिफलावांसाकौडमंगाय अजवायणपुनताहिमिलाय लीजेसबयहएकसमान काथपानमारुतरुजहान सन्निपातज्वरहोवैनाश शास्त्रमतीसोकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ कंड्यारीमुत्थरपायगिलोय तिक्ताचंदनआनसमोय पटोलवहेडेसुंठमिलाय परपटपद्मइंद्रयवपाय आनकिरायतापुष्करमूल धमांहभिडंगीकरसमतूल करैकाथपीवेजोप्रात सन्निपातचित्तभ्रमघात मूर्छातृष्णाहिकाशूल श्वासकासहोवेनिरमूल अतिनिद्रादाहअष्टज्वरनाश रोगमिटैंतनसुखपरकाश अन्यच्च हरडपापडामुत्थरलीजैं पाटलकौडद्राक्षसुभनीजे नैपालीकिरायताआन सबसमलेकूटोहितमान करैकाथरोगीपीवाय सन्निपातभ्रमचित्तमिटाय इतिचित्तभ्रमसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्ता

॥ अथशीतांगसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अंगसिथलमोहातृषाप्रकाश श्लेष्मशीतउपजेतनतास कंपप्रलापक्लमअतिदहै अंतरदाहसुरविगरोरहै श्वासकासहिकापीडतहोय छर्दशीतांगचिन्हलषसोय

॥ अथशीतांगसन्निपातचिकित्सा ॥

॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ अक्कजढअरुजीरामंगवाय मरचांसुंठमघांफुनपाय भिडिंगीकंड्यारीककडसिंगी पुष्करमूललेयसोचंगी सबसमानगोमूत्रमिलाहि सिद्धकरैपीवैहितचाहि शीतांगसन्नअरुमोहजश्वास प्रबलहरेकफगुणपरकाश इनरोगनकोदूरसुकरै भावप्रकाशमोयाहिउचरै चौपई मीठाभागचारसोलेहु वंगटांकएकधरदेहु मरचभागषटआनमिलाय फटकडीद्वादशभागरलाय चंदनचूरासमतिंहआन आद्रकरससोंपीसामिलान रतीचारभरगोलीकरै शीतांगीमुखभीतरधरै सन्निपातमूर्छापरिहरै पथ्यसोंरहैअपथ्यनकरै ॥ अन्यच्च ॥ एकटांकपाराजोआने दोयटांकगंधकतिहठाने मीठाटंकएकतिंहपाय सबतेंदुगुणगुडसुमिलाय गुटिकाकोकनवेरसमान प्रातसांझखावैहितमान सन्निपातशीतांगमिटावै अचेतनताअरुमूर्छाजावै ॥ अथपंचाननगुटिका ॥ चौपई ॥ एकटंकपाराजुमंगावै गंधकदोयटंकतेहपावै मीठाएकटंकजुमिलाय अगलीवस्तुसुनोचितलाय तिंहसमत्रिफलात्रिकुटाठाने चित्रामुत्थरविडंगसमानै पीससमस्तदुगुणगुडपाय गुंजासमगोलीबंधवाय गोलीअचैशीतांगमिटावै श्वासकासकृमिशूलनसावै बद्धकोष्टगुल्मअतीसार प्रमेहविनाशैयहउपचार ॥ अन्यच्च ॥ ब्राह्मीसुंठीपुष्करमूल तज्जशतावरीपिपलामूल केसरलौंगापिप्पलीआन जाफलपुनजावत्रीठान संखाहुलीलेमरच

मिलावै वरचलायचीचित्रापावै दोइअजवायणसारजुलीजै गजकेशरअभ्रकसंगदीजै अकरकराजुकुलांजनठानै पन्नतमालतेजवलआनै यहसमसमसबवस्तुपिसावै दुगुणीद्राक्षमुनक्कापावै दोइटांकभरगोलीकीजै नितरोगीकोंप्रातहिंदीजै सन्निपातशीतांगमिटावै श्वासकासचित्तभ्रममिटजावै बद्धकोष्ठसबवातविकार पीडाअंगमिटेसुविचार ॥ अथधूडा ॥ दोहा ॥ सोयेबीजपीसायकेमर्दनव्याधीअंगधूडाश्रेष्ठजुयहकह्योवैद्यकग्रंथप्रसंग ॥ इतिशीतांगसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथतंद्रकसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ प्रथमतापकेकालमोंझुकीदृष्टिरहैक्षीण बिनबोलेदेखेनहींतंद्रामोंरहैलीन अतीसारकफकंठपुनश्वासकासज्वरदेह जिव्हाश्यामकठोररहैकंटयुततंद्रकएह तृषादाहरहकायमेंकंडूकंठसुजजाय देहीक्लमअरुकर्णमोपीडावहुवरभाय

॥ अथतंद्रकसन्निपातचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथअंजन ॥ चौपई ॥ पीपलमनछलकूटपिसावो मीठातेलमंगायरलावो अंजनव्याधीनयनोपाय तंद्रकसन्निपातमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ त्रिकुटासेंधावरचमंगावै सरसोहिंगूकटुकीपावै सोयेबीजशिरसिकेबीज सबऔषधइकठीसमलीज धेनुमूत्रसोंताहिपिसावै गोलीमरचसमछांहिसुकावै ॥ अडल्यछंद ॥ धेनुमूत्रसोंघसकरनेत्रोंडारहै भूतप्रेतपुनमृगींतंद्राटारहै ज्वरचौथाउन्मादअचेतनमानसै सुखसोंरोगीहोयअरोग्यताजानसै ॥ अथक्काथः ॥ चौपई ॥ हरडकंड्यारीपुष्करमूल सुंठगिलोयभिडंगीसमतूल करैकाथप्रातहिंपीवावै दालमोठकीपथ्यधराहै सन्निपातज्वरतंद्राजाय वैद्यकग्रंथनकह्योसुनाय ॥ इतितंद्रकसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्ता.

॥ अथकंठकुवूजसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अत्यंतश्वासअरुचीप्रगटाय वकवादहनुस्तंभहोयजाय अंगपीडकंपतनवहुवर तृषाअत्यंतजानतिहताकर ॥ दोहा ॥ कंठग्रहेशिरदूषहैदाहमोहज्वरशीत कंठकुवजलक्षणकहैसुनोकानदेमीत

॥ अथकंठकुवूजसन्निपातचिकित्सा ॥

॥ अथक्काथः ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाकटुकीमुंगमंगावै गजपीपलाकिरायतापावै हलदीहरडइंद्रयवठान त्रिफलावायविडंगमिलान चित्रापावैपुष्करमूर अरुकचूरसबसमकरपूर करैकाथप्रातहिपीवावै अपथ्यनखावैरोगमिटावै रहैपथ्यदिनसातप्रमान कंठकुवजज्वरकीहोइहान ॥ अन्यच्च ॥ कक्कडश्रृंगीःमुस्थकचूर त्रिफलात्रिकुटापुष्करमूर कोगडसुंठीकौडमिलाय हरडकायफलचित्रापाय चवकविडंगकिरायतावांसा कौडामिलावैपुनसंगतासा सबसमऔषधकूटमंगावै काथकरसोताहिपिवावै कंठकुवजसन्निपातविनाश वातचौरासियातैनाश मोठभातकोपथ्यखवाय ज्वरनाशैयोंकह्योसुनाय ॥ अथनसवार ॥ चौपई ॥ टंकएकसर्षपहिवीज दोयटंकमघपीपलदीज पीसनासव्याधीकोदेय कंठकुवजकोनाशकरेय ॥ अन्यच्च ॥ दोहा ॥ त्रिकुटातोरीबीजकटुजलसोंतिन्हैपीसाय नासादेजडतामिटैकंठकुवजमिटजाय ॥ इतिकंठकुवूजसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथकर्णकसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कंठपीडफुनखेदरहैतन गर्भशरीरहिहोवेजिहजन कर्णपसलीमेंसूजनपरै तिहपीडावोलापनसरै श्वासवकडवादवहुहोय खेददाहरहैअतिजोय जाकेलक्षणऐसेठान कर्णकसन्निपाततिहजान

॥ अथकर्णकसन्निपातचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ सुंदरगोकाघीउलेकानवीचजोपाय कर्णकपीडानाशहैकह्योग्रंथकेभाय ॥ अन्यच्च ॥ दोहा ॥ अमरवेलहिंगुवरचकुठसैंधवसुंटीपाय अर्कदुग्धसोंलेपकरकर्णग्रंथमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ लेप ॥ दोहा ॥ सुंठकलौंजीकायफलकुलत्थलेहुसमजान उष्णतोयसोंलेपकरहोवेकर्णकहान ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ कायफलमुथ्रांकौडाभिडंगी वरचकणाधनियांपुनश्रृंगी जीरापित्तपापडसुरदार दालहलदइंद्रयवडार पुष्करसुंठीअवरकिरात हिंगूआद्रकरसकाथप्रभात ऐसेंपीवैकाथवनाय कर्णकसन्निपातज्वरजाय ॥ दोहा ॥ श्वासकासगलसीसकीव्यथाहोयसवघात सुखउपजावैअंगमोंहरैकर्णकसन्निपात ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ रहसनपाठाकौडाभिडंगी पुष्करसुंठशतावरिश्रृंगी मघांपीपलीयहसमआनै करैकाथपीवेहितमानै कर्णकसंनिपातमिटजावै अपथ्यतजैयोंभाषसुनावै इस्त्रीसंगतजैनिशिभोजन दिनकोशयनतजैअरुवैगन सूरणलसुनमूलसबजात शाकमांसत्यागेविख्यात आद्रकरसकोसेवनकरै पेठातोरीशालिपथधरै ॥ दोहा ॥ कंठसीसदुखनारहैवातचौरासीजाय वैद्यग्रंथमतभाष्योईश्वरवचनलषाय ॥ अन्यउपाय ॥ दोहा ॥ सैंधवपीपरपीसकेदांतनकीजैदांत जिव्हापरलेमर्दियेमुखशोधनहोइजात ॥ इतिकर्णकसन्निपातचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथभग्ननेत्रसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ श्वासअचेतनज्वररहैकरैविलापप्रलाप मोहकंपतनकासहैभग्नदृष्टिभ्रमव्याप श्रवणहानिअंगपीडवहुयहलक्षणविख्यात वैद्यग्रंथमतभाष्योभग्नदृष्टिसन्निपात

॥ अथभग्नदृष्टिसन्निपातचिकित्सा ॥

॥ अथअविलेहः ॥ चौपई ॥ सोनमाषीअरुमघांमंगावै कौडसभीसमपीसामिलावै माष्योसाथामिलायचटाय भग्नदृष्टिसन्निपातामिटाय ॥ अथअंजन ॥ चौपई ॥ मनछलमरचकणासमलेय अजंनजलसोंपीसकरेय भग्नदृष्टिज्वरकोयहहरै भूतप्रेतवातसबटरै ॥ अन्यच्च ॥ वरचमरचअरुलेमघपीपर सैंधाहिंगुसभीयहसमकर आंजैनेत्रांजलपीसाय नाशैभग्नदृष्टिअंगवाय ॥ अथनसवार ॥ चौपई ॥ मरचवरचमघपीपलआनै मुत्थसमुद्रभागसमठानै पुनरसलसुनजुतांमोपाय भलैंपीसनसवारबनाय व्याधीनरकोंदेवेजोय भग्नदृष्टिज्वरमेटेसोय होयसोचेतनतनसुखपावे वैद्यकमतयोंभाषसुनावे ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ त्रिफलाकटुकीअरुकंड्यारी मुत्थनिंबरजनीदोयधारी जढपटोलऔषधसमभाय करैकाथरोगीहिंपीवाय भग्नदृष्टिसन्निपातनसावे भाष्योंसबसोंमनचितलावे ॥ अन्यच्च ॥ जढपटोलकटुकीजुकिरात धनियांसमकरकाथप्रभात व्याधीनरकोंसोऊपिलावै भग्नदृष्टिसन्निपातमिटावै ॥ अन्यच्च ॥ धनियांहरडनिंबसुरदार जढपटोलमुत्थकटुकीडार समकरकाथप्रातउठलेय भग्नदृष्टिज्वरनाशकरेय ॥ इतिभग्नदृष्टिसन्निपातलक्षणचीकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथरक्तष्ठीवीसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ कायामेंकुंडलपडेंकालेलालसुनैन तृषालगैमुखसोखतासूरतघनटहिचैन ॥ चौपई ॥ रक्तचलैमुखनासिकमाहीं टूटतदेहछर्दज्वरताहीं उदरअफाराअरुअतिसार प्रलापअरुचियहलक्षणधार ॥ दोहा ॥ श्वासमोहभ्रमतापकराहिडकीजिव्हाश्याम इन्हलक्षणपहिचानिएरक्तष्ठीवीनाम

॥ अथरक्तष्ठीवीसन्निपातचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ नेत्रमालपद्माकसुगहे चंदनवालापन्हीलहे तज्जकायफलवायविडंग धावेसमकरलीजैसंग मिसरीषोडशभागमिलाय टांकपांचनितव्याधीखाय रक्तष्ठीवीज्वरहोइनाश वैद्यग्रंथमतकीनप्रकाश ॥ अथनसवार ॥ चौपई ॥ पाषाणभेदाचित्रापुनलीजै नसवारपीसव्याधीकोंदीजै रक्तगमनमुखनाशरहावै वैद्यकमतयोंभाषसुनावै ॥ अन्यच्च ॥ घसपठोलतंडुलजलपाय व्याधीकोंनसवारचढाय रक्तगमनसूकैततकाल ज्योंजलसूकैग्रीष्मकाल ॥ अथपाण ॥ चौपई ॥ रसवासामधुसोंकरपान रक्तगमनथांभेमुखघ्राण भाष्योंसिद्धयोगपरिमान रक्तष्ठीवसन्नकीहान ॥ अथलेपन ॥ चौपई ॥ वोलमुसव्वरअरुविजेसार पीसैनिंवूकोरसडार तीनचारलेपनकरभाल रुधिरगमनथांभैततकाल ॥ अथमांजिष्ठादिक्वाथः ॥ चौपई ॥ मंजीठनिंबवासात्रायमान चंदनपाठाधमाहाठान त्रिफलात्रिविकिरायतालेहू गिलोयविडंगबकायनदेहू कोगडखैरपापडापाय इंद्रवारुणीकौडमिलाय पटोलपतीसवावचीपावै समसबऔषधपीसमिलावै अष्टविशेषकाथकरलेय व्याधीपुरुषहिंप्रातहिंदेय कंडूमंडलाथिंभविनाशै व्रणगजचर्मकुष्ठसबनाशै ददरीचंवललूतनिवारै रक्तगमनमुखनाशविडारै सातादिनोपथधरयहदीजै रक्तष्ठीबीसन्निपातहरीजै ॥ अन्यच्च ॥ कौडपापडाआनकिरातअवरधमाहावांसापात अरुवहुफलीताहिमेंपावो समऔषधलोकाथवनावो भिसरीटंकपायपीवावै रक्तष्ठीवीरुधिरमिटावै इतिरक्तष्ठीवीसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथप्रलापकसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ वेगउटेकंपेगिरेबहिरंतरतसाय जंघपीडअरुदाहहोइसुरतेविकलबकवाय भूतछायानहितासमोविनाअर्थकाहिवात इन्हलक्षणतेंजानियेपरलापकसन्निपात ॥

॥ अथप्रलापकसन्निपाताचीकित्सा ॥

॥ अथजाफलादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ जाफलतजविडंगपछानो लाचीदोअजवायणठानो भंगकिरायतात्रिकुटापावै जलवत्रीअभ्रकसुमिलावै वालाचोवचीनिगजकेसर पिपलामूलबहेडसमधर अरुहफीमतिन्हमध्यरलावै कूटपीसचूरणकरवावै मधुसोंटांकदोयनितषावै प्रातअवरसंध्याभुक्तावै श्वासअपच्यअरुचिपरलाप पथ्यरहैमेटैसंताप ॥ अन्यच्च ॥ त्रिकुटापांचभागलेपूर पांचभागतिंहमध्यकचूर तिन्हतैंअर्धकिरायतापावै सवऔषधएकत्रकरावै कूटपीससमैदासमछांन षावैतीनटांकपरिमांन ॥ सन्निपातपरलापनसाय भाष्योंश्रमिहादेवसुनाय ॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाकुठविडगामिलावै हिंगुवरचसैंधाजुरलावैं हरडभिडंगीचित्राठानै अजमोदाकिरायतामानै कूटपीसकरवस्त्रछनाय सवगुतरुणगुडजुमिलाय गुटिकामुंगसमांनबनावै नितउठप्रातहिकालपिवावै सबंदोषहरसुखउपजाय सान्नि-

पातपरलापनसाय शाकिनिदोषभगंदरजावै बवासीरपुनगुल्मनसावै कोष्ठबद्धहृदरोगविनाशै तनभीतरसुखकोंपरकाशै भूतप्रेतवेतालअरिष्ट शूलविसूचीविस्फोटकनष्ट उदरदोषकेजाहिविकार व्याधीरहैसुपथ्यविचार ॥ अन्यच्च ॥ पारागंधकअरुहरताल सुहागात्रिफलात्रिकुटाडाल रसभगरेसंगगुटिकाकरो चणकप्रमानसुमात्राधरो प्रातसमयजोव्याधीखाय प्रलापकसन्निपातनरहाय ॥ अथअंजन ॥ ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटासैंधवआन मालकंगुणीसरसोंठान कौडवरचसबयहसमआनै अजामूत्रकीपुटइकठानै गुटिकाचणकप्रमाणबंधावै आंजैनयनप्रलापमिटावै तिमरनेत्रपटश्रमसिटजाय उन्मादनह्वाताभूतनसाय दूजातीजाचौथाताप अपस्मारकोहरसंताप ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ त्रिवीतगरअसगंधकृतमाल ब्राह्मीपत्रमालतीडाल अरुशंखाहुलीकीजढआनै हरडसुंठपित्तपापडाठानै मरचांद्राक्षमुनक्कालेय क्काथकरैव्याधीकोंदेय पाणीभस्तउबालपिलावै प्रलापकसान्निपातामिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ बालासुत्अशुंठलेवासा पुनदशमूलमिलावैतासा दोइचंदनपित्तपापडापावै सबसमलेवेकूटपिसावै करैकाथरोगीकोंदेय चारपांचदिनलोसुनलेय सन्निपातपरलापविनाशै यहीकाथआठोज्वरनाशै अरुशीतांगव्यथासुनिवारै मारुतकोपसमस्तविडारै इतिप्रलापसन्निपातचिकित्सासमाप्ता

॥ अथजिव्हकसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ तालूसोंजिव्हालगैकांटेहोहिकठोर रैनदिनासोवैनहींश्वासकासज्वरजोर मूकरहैंसुनहैंनहींजिव्हकइहपरकार वैद्यग्रंथयोंभाष्योजिव्हकसन्नविचार ॥

॥ अथजिव्हकसन्निपातचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ त्रिकुटातिक्तापरपढआन अरुगिलोययहसबसमठान पीसछाणकरचूरणकरै टांकदोयमर्यादाधरै प्रातसघृतसोंरोगीषावै जिव्हकसन्निपातामिटजावै ॥ अथलेपन ॥ दोहा ॥ पीपलमरचकिरायतासैंधवसभपीसाय मर्दनजिव्हाकीजियेकांटेदूरकराय ॥ अन्यच्च ॥ अकरकरापुनइंद्रयवलेतुलसीकेबीज सुंठमरचसमलीजियरसजुविजोरादीज जिव्हालेपनकीजियेजिव्हाशुद्धकराय वैद्यकमतयोंभाष्योजिव्हकरोगनसाय ॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाकेसरलौंगजुलेहू जावत्रीपुनतामोंदेहू खैरकाष्टरसलेहुनिकास तासंगगोलीबांधैतास गोलीकोकनवेरसमान व्याधीखावैबडीविहान जिव्हकसन्निपातामिटजावै अवरहुवातजरोगनसावै ॥ अथकुरली ॥ चौपई ॥ सुंठचवकअरुचित्रापीपर एलाधनियांपत्रचंबेधर निंबछाल्योंग्रंथकजान तैलतिलनकोंसमतिंहठान ॥ दोहा ॥ इन्हऔषधकोकाथकरकंड्यारीरसपाय प्रातसांझदिनतीनलोंकुरलीसातकराय जिव्हाकोमलसरसहोइकंडूदूरलखाय सन्निपातजिव्हकहरैकंठरोगामिटजाय ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ देवदारुअरुनिंबहरीरसुंठपटोलपुष्करलेवीर हलदगिलोइपापडापाय औषधसमलेकाथकराय व्याधीकोंदीजैपरभात सन्निपातजिव्हकहोएघात ॥ इतिजिव्हकसन्निपातचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथअभिन्यासमन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तीनोदोषकोपतहोयजवै छातीनाडीवैठततवै कचेरूपवधहोयेहोन एकठौरमेंकठैतौन बुद्धिइंद्रियनकोमोहनकरै ऐसोरूपदोषहोयबरै अभिन्याससन्निपातअघोर उत्पन्नकरैदेहअ-

तिसोर लक्षणसुनमनकरोविचार निश्चलगात्रश्वासनिरधार काहूप्रकारचेष्टानहिरहै देखनमाहिसमर्थनचहै इंद्रियनकोशब्दादिकमाहि ज्ञाननरहैबुद्धिकीताहि सिरडोलतरहबारंबार भोजनकीइछानहिधार शब्दगुणोगुणआवतजाय पीडाकरैअत्यंतहिताय बुद्धिनरहैश्रुतहिबिचार गायनकरैहीनश्रुतधार ऐसोलक्षणजिहनरहोय वैद्यउचितहैत्यागनसोय इनलक्षणकरकोइकबचै जाकेलक्षणघटइहरचै निद्राबहुतहोयजिहमाहि ताहिहतौजसवैद्यकहाहि अंगसबहिजिहकार्यविहीन अभिन्यासतिहजानप्रवीन जोअगाधजलवस्तूपरै तुरतपकडियेतौकछुसरै जोथोढीदेरीपडजाय तौतिहकछुहाथनाहिआय अभिन्याससन्निपातहिमाहि तुरतचिकित्साहितकरचाहि जेकरदेरचिकित्सापरै तासोरोगीतुरतहिमरै ॥ अथअभिन्यासचिकित्सा ॥ चौपई ॥ जीरापुष्करमूलमंगावे एरंडसुंठकचूरहिपावे त्रायमानदसमूलपछान ककडसिंगीवासाआन भडिंगीपुनर्नवासमलेय गोमूत्रसोंक्काथकरेय पीवैरोगीहृदयशुद्धकरै अभिन्यासरुजकोंदुःखहरै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ विजोरेजढपाषाणाहिभेद विल्लूकत्थकंड्यारीलेत पाठाऔरइरंडजढल्याय इनवस्तूगोमूत्रामिलाय क्काथवनायपीवैहितचावे अवरहिसैंधालूनसुपावे क्काथकरैसोपीवैइहविध सैंधालूणपाणीकाढसिध अभिन्याससन्निपातनिवारै शूलहरैवंगसेनउचारै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कंड्यारीवासाऔरभिडंगी कचूरमेलसमककडश्रृंगी पुष्करमूलजलपायपकाय अभिन्यासकफदूरवहाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ भिडंगीपुष्कररहसनआन विल्लूकत्थमुत्थरसुंठसमान दशमूलपिपलीक्काथवनाय हिंगुआद्रकमघचूरणपाय इनसंयुक्तपीवैरोगीजिन कठिनसन्निपातजावातत‌छन अभिन्यासकठिनातिहजाय कलेजापसलीपीडहटाय आनाहरोगइहहैरसुजान वंगसेनमोंकीनवखान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ दोदंतीअरुदोकंड्यारी एरंडविजोरेजढसमडारी मघांपायक्काथजोकरै अभिन्यासरेचनतेंटरै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ दोकंड्यारीगिलोयसुआन सुनक्काजीरात्रिकुटाठान ककडसिगीवायविडंग समलेक्काथवनायसुचंग छानताहिफुनचावलपावै गोघृतमेलेक्काथवनावै पीवैहिडकीश्वासनिवारै अभिन्यासषांसीसबटारै कवजीवायूरुकीयोहोय मूत्रारोधसवहर्तासोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कंडिआरीपुष्करमूलमंगाय भिडंगीकचूरजुवासापाय ककडसिंगीसमक्काथवनाय पीवैअभिन्यासकफजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ तूंबीजढत्रिफलामंगवावै अमलतासकौडात्रिवीसोपावै क्काथकरेजवखारसमेत पियेमैलज्वरहटेसुहेत ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ कौडहरीडत्रिवीअरुदंती त्रायंतीअमलतासममअंती क्काथजौखारसैंधेसंगपीय मैलचलैज्वरहटेसुजीय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ शुंठमघांमर्चसैंधानून इनवस्तूकोसमलेचून आद्रकरससोंचाटेताहि होशआयवेहोशीजाहि अथवायाहिनसवारजोकरे तौभीहोशचित्तमोंधरे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ विजौरेरसआद्रकरसचाय गर्मकरैसौंचलविडपाय सैंधातीनोलौंनसमडारै नसवारताहिनासजोधारै चैतन्यहोयमूर्छातिहहारै वंगसेनमोयाहिउचारै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सिरिषवीजपुनसेधानौन पिपलीमनशिलवर्चसमतौन लशुनरसाहिगोमूत्रसुसंग पीससलायिनयनसोंचंग अभिन्याससन्निपातहिमाहि होशआयवेहोशीयाहि ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सिरीषवीजमर्चमंगवावे अजामूत्रामोंपीसरलावे ताहिसलाईनयननपाय होशआयवेहोशीजाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हिंगुशुंठकटुतीक्षणवस्तु विजोरेरससोंपीसप्रशस्तु मुखमादेयअभिन्यासहटाय मूर्छाजायचैतन्यताआय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पटोलपत्रजीरामर्चमंगाय दोनोकंड्यारीपिपलीपाय करंजवीजकरंजजढआनै

मजीसुंठत्रायतीठाने इनकाथहिसोंकंठरुकहोय सोछूटैहितकारकजोये ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जढकरंजूपटोलचित्राअान मंजीठत्रायंतीजीराठान दोनोकंडियारीत्रिकुटापावै इनकोकाथकंठवंधछुटावै जाहिप्रकाराचिकित्साजोय अभिन्यासमेकहिहैसोय इसप्रकारअभिन्यासहिमाहि चेष्टानाहितिहजोगहैयाहि मस्तकपादमेदाहसुजोय तीक्ष्णउपायजिहचेतनहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जाहिपुरुषसन्निपातज्वरअंत कर्णमूलमोसोजंत कठिनहोयतिहवचतानाहि विरलाकोईवचैसुनताहि ताहिउपायसुनोसुविचार जोलिखियाहैचिकित्सासार लहूछुडायघृतपानसुकरै कफपित्तहरनलेपसोधरै औरशमनवस्तुनसोंवाय कवलग्रहकरणाहितभाय इसविधसोंकरशोथहिटरै आगेउपायऔरातिहकरै ॥ अन्यच्च ॥ गेरूशिलाजीतमंगवाय शुंठीमर्चकटफलतिहपाय कांजीसोंजहपीसवनावै लेपकरैसोजामिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ पुरातनसठीचावलमंगावै ज्वरहटानऔषधतिहपावै पिछताहिवायूषवनावै पीवैसन्निपातज्वरजावै पचैवचैनाहीमरजाहि वंगसेनमोकह्योसुनाहि ॥ अथनसवार ॥ दोहा ॥ लौंगमरचपीपलमहूसमलेपीसोतास उष्णोदकसंगनाकदेअभिन्यासहोइनाश ॥ अथअंजन ॥ दोहा ॥ सुठमरचवचमुश्रमघासरसबीजसमआन पायमैनफलगोमूत्रसोंपीसोजस्तमिलान उत्तमअंजनजहकह्यो व्याधीनेत्रनपाय अभिन्याससन्निपातकोंततत्चणदेयनसाय ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ हरडेमोथभडिंगीजानें निंवकिरयताकौडपछाने हरनौलीजढमघअरुकेसर पषाणभेदवाल॥विल्लकत्थधर त्रायमानाचित्रासुरदार पुष्करमूलइंद्रजवडार सुंठकायफलकोगडपावै मरचकंकोलपुनसंगमिलावै सबसमवस्तुकूटपिसाय कंड्यारीरसकाथमिलाय ऊपरात्रिकुटापायपिलावै अभिन्याससन्निपातामिटावै मूर्छामोहअतिनिद्रानाशै आठोज्वरदुःखशूलाबिनाशै श्वासकासमंदाग्निमिटावै वाततृषाजिव्हकरुजजावै करनकइत्यादिकजुनसाय सिंहदृष्टिज्योंमृगजाय हरिद्रादिकउत्तमयहकाथ रोगबहुतनाशैसुनगाथ ॥ अन्यच्च ॥ त्रायमानलेपुष्करमूल पुनडारेतामोदशमूल समलेकरैकाथसुवनाय प्रातहिंरोगीकोंपीवाय कफज्वरअभिन्याससन्निपात इत्यादिकवातरोगकरघात ॥ अन्यच्च ॥ पाठासुरतरुनिंबविल्वकत्थ पषाणभेदपुनश्रृंगीमुत्थ एरणजढसैंधवलेपाय व्याधीकोंसोप्रातपिवाय अभिन्याससन्निपातमिटावै अवररोगकफशूलनसावै भूतप्रेतकीपीडाटरै सुखउपजायदोषसवहरै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ एरणजटाभिडंगीआन कचूरकलौंजिगिलोयसमान कूटपीसचूरणकरवावै रोगीकोंसहगूत्रापिलावै नित्यप्रातत्रैटंकप्रमान अभिन्यासज्वरकीहोइहान पथ्यरहैवातागमिटावैं श्रीअश्विनीकुमारयोंगावै ॥ दोहा ॥ सन्निपातत्रयोदशकहैलत्तणअवरउपाय वैद्यकग्रंथविचारकेभाषारचीबनाय ॥ इतित्रयोदशसन्निपातलत्तणाचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथआगंतुकज्वरनामउत्पत्तिलत्तणम् ॥

॥ चौपई ॥ शस्त्रादिघातप्रथमसोकह्यो भूतादिकसोदूसरलह्यो तीसरविषआदिकजोखाइ चतुर्थमानसीव्यथासुनाइ राजागुरूमातृपितृआदि तिरस्कारकरअरुक्रोधादि कामशोकभयस्नेहसुद्वेष इन्हसेआगंतुकज्वरलेष आगंतुकज्वरहीमंझार यथाकारणत्रैदोषविचार वातपित्तकफतीनहिजोय प्रवेशकरैजाहीकोसोय ॥

॥ अथशस्त्रादिकेकघातसेउत्पन्नज्वरकालत्तण ॥

॥ चौपई ॥ जोपीडाहोकरशस्त्रप्रहार ताकोवायूकोपविचार सोइरक्तकोबिगारतरहै पीडासुजनशरीरबहुगहै सोशरीरमोवायूखेदअति ताहिचिकित्सासमभग्रंथमति ॥

॥ अथशस्त्रादिकआगंतुकज्वरयत्न ॥

॥ चौपई ॥ इसज्वरमोलंघननकराय कसैलीगरमवस्तुनाहिखाय चीकणमधुरवस्तुरसमास गर्मपटीबांधैफुनतास ॥ अन्यच्च ॥ घृतामिलायमालिशतिहजोग जेकरचोटलगनकीहोग रुधिरछडावनातिहहितजान औरटकोरताहिपरमान अन्यचिकित्सा मार्गखेदकर्णादिकभेद श्रमअंगभंगहोयजोखेद वृक्षागिरणउत्पतज्वरजोय ताहिचिकित्साइहहितहोय दूधकाडवामांसरसचाय औरपुलावउदितसोखाय जेकरमार्गखेदकरहोय तेलघृतहिसोअभ्यंगकरसोय दिनानिद्राउचिततिहभाय भावप्रकाशमतकह्योबनाय ॥

॥ अथभूतादिकलगनेसेउत्पन्नज्वरलक्षण ॥

॥ चौपई ॥ कायामोअतिरहैउद्वेग रोवैहांसैकांपतनलेग चित्तास्थिरनाहिभ्रमबहुहोय भूतादिकप्रवेशसोजोय ॥

॥ अथभूतादिकयत्न ॥

॥ चौपई ॥ बंधनताडनहितवरताहि मंत्रयंत्रअरुतंत्रकराहि प्रथमभूतादिककेझाडनेकामंत्र ऊँ नमो ऊँह्रांह्रींह्रूंनमोभूतनायकायसमस्तभुवन भूतानिसाधयसाधय हुंहुंइतिमोरपंखसेइहमंत्रपढझाडे तौभूतादिकजाइपुनःमंत्र ऊँनमोनारसिंहाय हिरण्यकशिपुवक्षस्थलविदारणायात्रिभुवनव्यापकाय भूतप्रेतपिशाचशाकिनीकीलोन्मूलनायस्तंभोद्भव समस्तदोषान्हर २ सर २ चल २ कंप २ मथ २ हुंफट् २ ठह २ महारुद्रोजापयतिस्वाहा इसनृसिंहमंत्रपढकरमोरपंखसेझाडेतौंभूतादिकनहीरहैं

॥ अथभूतादिककेबुलानेकामंत्र ॥

ऊँनमोभगवतेभूतेश्वराय किलकिलितरवायरौद्र दंष्ट्राकरालवक्त्राय त्रिनयनभूषिताय धगधगितप्रसंगललाटनेत्राय तीव्रकोपानलायामिततेजसे पाशशूलखट्वांगडमरुकधनुर्बाणमुद्गर भूपदण्डत्रासमुद्राव्याग्रदशदोर्दण्डमंडिताय कपिलजटाजूटकूटाग्रचंद्रधारिणे भस्मरागरंजितविग्रहाय उग्रफणिपतिघटाटोपमंडितकंठदेशाय जय २ भूत डामरेश आत्मरूपं दर्शय २ नृत्य २ सर २ चल २ पाशेनबंध २ हुंकारेणत्रासय २ वज्रदंडेनहन २ निशितखड्गेनछिंधि २ शूलाग्रेणभिंधि २ मुद्गरेणचूर्णय २ सर्वग्रहाणां आवेशय २ इसेंमंत्रसेंगोकेघृतमे गुग्गुलुमिलाय बहुतसीवारधूपदे और इसीमंत्रसेसवकों अधिमंत्रितकरके उस्कोमारे तौवहमनुष्य निश्चय बककर जैसाहोइ वैसाकहै पीछेउसीमंत्रसे लिखकर निंबकेपत्ते औरसर्पकीकांचमिलाकरधूपदे ॥

॥ अथभूतादिककेउत्तारनेकोअंजन ॥

॥ चौपई ॥ हिंगुलसुनपानीपीसावै नासिकदेभूतादिकजावै अंजनकरभूतादिकजाय तंत्रविचारयाहिप्रगटाय

॥ अथभूतादिकउतारनेकातंत्र ॥

॥ चौपई ॥ अष्टपत्रतुलसीकेल्यावै कालीमिरचआठतिहपावै सहदेवीबूटीरविवार पवित्रलेयतीनोमिलसार तिहतवींतकरकंठमोधारै भूतादिककोदोषनिवारै

॥ अथविषभक्षणकृतज्वरलक्षणम् ॥

धूड़ासामुखजिहनरआहि अतीसारअवररुचिअन्ननाहि तृषाकरेअंगसूईपरे तैसीपीडाअंगसबधरे-अलक्षणअैसेजाहि विषकृतज्वरजानोतुमताहि.

॥ औषधीगंधकृतज्वरलक्षणम् ॥

मूर्छाहोसिरपीडाधरै वमनआयछीकबहुकरै इनलक्षणगंधजज्वरजान भावप्रकाशमतकीनबखान

॥ अथास्यचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ गंधऔषधीविषतेजोज्वर पित्तजऔषधकरिएहितबर काथजुहोवेविषहिनिवार चिकित्साताहिसुगंधविचार यत्नकरैउद्यतगंधहीसों जोलेखनमोकहेसुहितसों दालचीनीलाचीमंगवाय तमालपत्रनागकेसरपाय मुसककपूरकंकोलअगरवर कुंकुमलवंगताहिकोहितधर.

॥ अथक्रोधज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तनकांपैमस्तकज्वरपीडाजास पित्तज्वरलक्षणक्रोधप्रकास.

॥ अथक्रोधज्वरकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ मिठेशीतलबहुवचनरसाल विनोदलोभमनधरहिविसाल.

॥ अथमानसज्वरउत्पत्तिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ इष्टमित्रपुत्रस्त्रीधनआदि नष्टजाहिबडरोगविषादि ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ क्रोधज्वरहिपित्तहरऔषधवर पित्तदूरकरक्रोधताहिटर ॥ अन्यच्च ॥ कामहिक्रोधटरतवुधजान क्रोधहितेकामहिटलमान कामक्रोधदोदोषहटावे तबहिज्वरीइहरोटरावे तिरस्कारमानसआतिवरै अतीसारमलीनचितधरै चित्तभ्रमश्वासअश्रुपातइत्यादि मानसज्वरकेलक्षणव्याधि.

॥ अथमानसज्वरकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ याज्वरमोतत्वज्ञानफुनधैर्य्य मिष्टअन्नभोजनहितवर्य्य व्यंजननूपसुमधुररसाल तिहतैमानसज्वरमनटाल.

॥ अथकामज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिहकामहिज्वरप्रगटतहोय अरुचीदाहतनसूकेसोय लज्जानिद्राधैर्य्यबिनासै हृदयदुखसंभोगमनआसै निःश्वासतंद्राभ्रमअतिहोय कामहिज्वरप्रगटावतसोय.

॥ अथकामज्वरयत्न ॥

॥ चौपई ॥ अत्यंतचतुरनारीअतिशीतल सोलावर्षतिहभोगेहितबल कामज्वरहितिहमनतेंजाय ग्रंथवागभटकह्योउपाय.

॥ अथस्त्रीकेकामज्वरकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ मूर्छासर्वशरीरमैहोय मरोडप्यासलगनैनचपलोय कुचमर्दनचिततिहकोवरै तनपर्सहृदयदाहअतिधरै भोजनमैंअरुचीप्रगटाय लज्जानिद्राकायचुकाय धैर्य्यरहैसोतनमंझार इहलक्षणज्वरकामविचार.

॥ अथभयज्वरयत्न ॥

॥ चौपई ॥ आनंदयुक्तवार्तातिहजोग भयनाशैमनहोतनिरोग अथागंतुकज्वरेहेतुवशादोषोत्पात्तिक-ममाह ॥ चौपई ॥ भयकामशोकसेकोपैवात क्रोधसेपित्तकोपकरजात भूतावेशभूतसमहोय तीनोदोषकुपितकरजोय ॥ अथशोकादिकज्वराचिकित्सा ॥ श्रेष्टवाक्यहितचितकरताहि शोकनिमित्त-जिहलाभकराहि हर्षमानअत्यंततिहकरै कामशोकभयइहसबटरै

॥ अथजीर्णज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ इक्कीसदिनोंपीछेज्वरहोय सूक्ष्मरहैतनभूषनसोय दुर्वलकायउदराग्नियमान जीर्णज्वर-केलक्षणजान

॥ अथजीर्णज्वरयत्न ॥

॥ चौपई ॥ वसंतमालतीरसहिप्रमाण जीर्णज्वरादिकहरतयछाण मासावर्कसुवर्णमंगाय दोमासेवूकामोतीपाय तीनमासेशंगरफफुनलीजे मासेचारमर्चसंगदीजें अठमासेखपरीयाल्याय प्रथमगोमूत्रमोंशुद्धकराय फुनसबदारूखरलसुकरै तिहप्रमाणगोमाषनधरै तामोखर्लनिंवूरसपाय वजनप्रमानखर्लकरवाय जबतकअतिचीकनताआवे तवतकखरलअत्यंतकरावे रतीअथवादोइपरिमाण पीपलसहतसंगकरहैपान खाइरोगिजीर्णज्वरजाय धातुविकारगर्मीनरहाय संग्रहणीमूत्रकृछ्रअरुश्वास कासप्रदरइनरोगविनास पुनः कंड्यारीगिलोयसुंठसमआन काढादसादिनअजीरणहान पुनः कचूरपित्तपापडासुंठीआन नागरमोथाकटुकीजान कटेलीचिरायताकोसमलीजै जवकुटकरदोटंकधरीजै तिहकाढादोवखतजुपीय दिनग्याराजीर्णविषमहरीय इहवैद्यविनोदग्रंथमाहिकह्यो उदितसुकाढानामयहलह्यो

॥ अथअन्यप्रकारअजीर्णज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हृदयदुःखतनभारीजानो वमनअरुचिअरुदीनपछानो लागैरेचनबहुतडिकार इसविधलक्षणकीनउचार

॥ अथअन्यप्रकारजीर्णज्वराचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ त्रिकुटासोंचलपिपलामूल अरुसेंधासबलेसमतूल कूटपिसटांकपरिमांन तप्तनीरसोंकीजैपान प्रातसमयजोभक्षणकरै तापअजीरणरसकोंहरै स्वासकासपुनहरहैसोय निश्चयमनमोआनोजोय ॥ अन्यच्च ॥ हरडजवायणहलदमंगावो त्रिकुटासौंचलताहिमिलावो लवंगलायचीयहसमआन निंवूकोरसदुगुणाठान तप्तनीरसोंटांकजुढाई प्रातहिंपीवैरसज्वरजाई ॥ अन्यच्च ॥ त्रिवीहरडमचपीपलआनै सुंठीनिंवूकोरसठानै यहसमस्तनीकेपीसाय तप्तजलाहिंदोइटंकजुषाय तापअजीरणहोइहैनाश पचैअन्नहोयक्षुधाप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ हरडआमलेचित्रालीजै सोंचलपीपलइकसमकीजै कूटपीसमैदासमछान चूरणदोयटांकपरिमान तप्तनीरसोंपीवेजोय रसज्वरनाशतुरतहीहोय ॥ अन्यच्च ॥ हलदीगठीभूनमंगावै नीकेपीसेवस्त्रछनावे अजामूत्रसंगटांकजुदोय पीवेरसज्वरनाचेसोय ॥ अन्यच्च ॥ हरडजवायणसौंचलआंन पीसतप्तजलसोंकरपांन तापअजीरणरसहोइनाश ग्रंथमतीयोंकीनप्रकाश ॥ अथमर्दनतैल ॥ अन्यच्च ॥ तैलातिलनअंगमर्दनकरै

तापअजीरणकोसोहरै ॥ अथअंजन ॥ चौपई ॥ हरडपीपलीमिरचांलेय सेंधायहसमपीसधरेय गोमूत्रसेंनेत्रनपाय तापअजीरणतांकोजाय ॥ इतिअजीर्णज्वराचिकित्सासमाप्ता

॥ अथमलज्वरलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ मलज्वरकेलक्षणजितेलिखेजुग्रंथनिदान अपनेमनमोसमभकेतेतेकरोंवखान ॥ चौपई ॥ दाहशोषपरलापलहीजै अस्थिपीडशिरपीडलखीजै अरुभ्रमएतेलक्षणजान मलज्वरकेयहकीनबखान

॥ अथमलज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हरडजवायणचित्राआन दोनोजीरेकरोमिलान निंबकचूरसुपीसमिलाय सबसमलीजैचूर्णबनाय प्रातटंकदोसेवनिहार मलज्वरकोतवमिटैविकार ॥ चौपई ॥ हरडजवायणसौंचललेहि कूटपीसचूरणकरदेहि तप्तोदकसोरोगीषावै मलज्वरताकोभागाजावै ॥ अथक्काथ ॥ ॥ चौपई ॥ अमलतासकीगिरीमंगावै त्रिवीहरडसोचलसमपावै काथकरैपीवैपरभात मलज्वरकोयहकरैहैघात ॥ अन्यच्च ॥ मुथरांग्रंथिकअरुकन्याल हरडकौडयहसमलेघाल काथकरेपीवेपरभात मलज्वरकोजहकरहैघात ॥ अथलेपः ॥ चौपई ॥ हरडपीपलीकोडमंगावै पुनाकिरायतासंगमिलावै अवरमुसव्वरताहिमिलाय यहसमस्तनीकेपीसाय तप्तनीरसोंउदरालिपावे मिटैविकारज्वरीसुखपावै मैलद्रवैज्वरहोवेनाश दालमोठपथदीजैतास ॥ दोहा ॥ मलज्वरकीइहभांतसोकरीचिकित्सागान लक्षणभाषौंखेदज्वरजैसेकहैनिदान ॥ इतिमलज्वराचिकित्सासमाप्ता

॥ अथखेदज्वरलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ निद्राजृंभास्वेदतनअंगपीडपहिचांन जहलक्षणज्वरखेदकेजानोपुरुषसुजांन

॥ अथखेदज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ मीठातैलतिलोंकाल्यावै पीसकायफलताहिमिलावै अंगज्वरीकेमर्दनधरै पुनस्नानतप्तोदककरै वाकेवलातिलतैलमलावै तप्तोदकसोंस्नानकरावै तुरतखेदज्वरहोईहैनाश ग्रंथमतीयोकीनप्रकाश ॥ इतिखेदज्वराचिकित्सा ॥

॥ अथदृष्टिज्वरलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ खेदज्वरइहभातसोंकरीचिकित्सागान लक्षणभाषोंदृष्टज्वरजैसेंकहेनिदान जृंभावमनअशक्तिताउदरपीडफटअंग यहलक्षणज्वरदृष्टिकेप्रटगकरौतिंहभंग

॥ अथदृष्टिज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ त्रिकुटासौंचलसैंधापाय अजवायणपुनहरडमिलाय लघुलचीशतावरीलीजै पुनाचित्राजुइकत्तरकीजै पुनलेडारोपुष्करमूल सबऔषधपीसोसमतूल तप्तनीरसोंटंकदोइषावे उदरशूलदृष्टिज्वरजावे ॥ अन्यच्च ॥ दोहा ॥ त्रिकुटाहिंगुचिरायतापीसोसमकरआन प्रातटंकतप्तनीरसोंखायदृष्टिज्वरहान । इतिदृष्टिज्वराचिकित्सा ।

॥ अथरक्तपित्तज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तसकफजोहृदयतेपरे दाहमोहछर्दभ्रमधरै ॥ मुखपाकेकरहैबकवाद रक्तपित्तज्वरलषोअनाद

॥ अथरक्तपित्तज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ रक्तपित्तमिश्रितजुज्वरतासचिकित्साजांन चूरणादिसबभाषहोंजैसैंग्रंथप्रमान ॥ अथचूर्ण॥ ॥ चौपई ॥ चंदनवालाधावैआन पन्हीपद्मकायफलठान अवरतजतजपत्रमिलाय सबऔषधपिसोसमभाय दोयटांकपरभातजुखावे रक्तपित्तज्वरतनतेंजावे ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलाद्राक्षामनकाल्यावे नेत्रमालवासापुनपावे पुनअनारदानासंगठान कूटपीसमैदासमछान अजादुग्धसोंटांकजुएक प्रातपियेमनधारविवेक रक्तपित्तज्वरहोवतहान असैंजानोंग्रंथप्रमान ॥ अन्यच्च ॥ श्रीखंडादिचूर्ण ॥ ॥ चौपई ॥ श्रीखंडसुंठमघमरचमंगावे तजलवंगद्राक्षाजुमिलावे जीराधनियांनेतरमाल रक्तचंदनअरुपत्रतमाल केसरहलदमुलहीआन पुनातिसमांहिछुहारेठान अरुमिलायतिंहपीपलमूल यहसबऔषधलेसमतूल कूटपीसकरवस्त्रछनाय सबऔषधसममिसरीपाय टांकदोयशीतलजलसंग प्रातखायमनधारउमंग रक्तपित्तज्वरतुरतहिंनाशे श्वासकासप्रमेहविनाशे क्षयविषमज्वरअर्शमिटावे अतीसारपुनदाहनसावे अवरभगंदररोगनिवारे धातुपुष्टकरवलतनधारे पथ्यहिरहैंअपथ्यनखाय भाष्योचूर्णबहूसुखदाय ॥ अन्यच्च ॥ इकइकटंककुठलाचील्यावे चंदनचूराचारमिलावे जीरादोइमुलहीतींन षोडशटांकशर्कराचीन्ह सबऔषधयहकूटपिसाय शीतलजलहिटांकदोषाय रक्तपित्तज्वरशूलमिटावे हस्तपादअंगदाहनसावे जिव्हाशोकअरुचिकोंनाशै पथ्यसोंरहैविनारुजभासै ॥ अथकाथः ॥ चौपई॥ चंदनमुत्थरनेतरमाल रक्तचंदनमधुमहूतमाल यहसबसमलेकाथजुकरै पीवैरक्तपित्तज्वरहरै ॥ अन्यच्च॥ कौडकिरायतापरपटआन वासाअवरधमाहांठान पायवहुफलीकाथबनावे प्रातहिमिसरीपायपिलावे रुधिरस्रवैमुखनासाजास रक्तपित्तज्वरसहितविनाश इतिरक्तपित्तज्वरचिकित्सासमाप्ता

॥ अथआमपित्तज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ दोनोचंदनकुठपछानो गजकेसरजुमनक्कामानो पत्रतमालआमलेपावे अमलीपुनातिहमांहिसमावे दालचीनीहीवेरमिलैये दाडिमब्रह्मदंडीछडकाहिये औषधइकसमलेहुपिसाय सबसममिसरीपीसमिलाय मासेपांचप्रातउठषाय आमपित्तज्वरदूरनसाय योनिशूलकटिशूलमिटावै हृदयशूलगुदशूलघटावै अंगपीडाशिरपीडविडारै अवरविकारनेकविधटारै इतिआमापित्तज्वरचिकित्सासमाप्ता

॥ अथसप्तधातुगतज्वरलक्षणम् ॥

॥ अथप्रथमरसस्थितज्वरलक्षणम् ॥ चौपई ॥ हृदयदुःखतनभारीजान वमनअरुचिताग्दीनपछान लागेरेचनबहुतडिंकार रसज्वरलक्षणकीनउचार

॥ अथरक्तास्थितज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफसंगरक्तहृदयतेपरै दाहमोहछर्दभ्रमधरै गात्रपीडअतिकरवकवाद रक्तस्थितज्वरलहोअनाद

॥ अथमांसस्थितज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ छालेमुखअरुअवरहुअंग तप्तवहुतमूर्छामनभंग तप्तहुवाडमुखसोंनिकसाय तृषामोहविक्षेपलषाय मूत्रवलवहुआवतरहै मांसस्थितज्वरलक्षणकहै

॥ अथमेदास्थितज्वरलणक्षम् ॥

॥ चौपई ॥ वारंवारपस्वेदजुआवै तृषासुमूर्छाहर्षनसावै छर्दअरुचिदुर्गंधभनीजै करैप्रलापदुःखसोंछीजै

॥ अथअस्थिगतज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हाडजुकडकैपीडाहोय रेचनअंगछडपडीजोय वमनकूजनआवेवहुश्वास अस्थिगतज्वरकरेप्रकाश

॥ मज्जास्थितज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हिडकीमोहउरदाहजुकास शीतवमनमूर्छाबहुश्वास मर्मछेदयहलक्षणजान मज्जास्थितज्वरजाहिपछान

॥ अथवीर्यस्थितज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वीर्यगिरैनहिधीरजगहै जाकोलिंगखडाहीरहै वीर्यस्थितसोज्वरहीजान वैद्यकमतसोकीनप्रमान ॥ दोहा ॥ रक्तमेदरसमांसगतज्वरसोसाध्यवषान अस्थीगतकष्ठसाध्यहैभाषेवैद्यसुजान वीरजगतिजोज्वरकह्योसोअसाध्यलषलेहू तासउपायबनैनहीभाषसुनायोएहू

॥ अथसप्तधातुगतज्वरचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ रसगतलंघनवमनकरावे टकोररक्तगतमाहिसुखावे शमनलेपअरुरक्तछुडाय मांसगतज्वररेचनभाय मेदगतहिमोमेदहरनाहित अस्थिगतवातशमनऔषधमित बस्तिकर्मअभ्यंगमर्दनहित शुक्रगतहिमृतउपायनकछुमित

॥ अथ आमाशयगतज्वरचिकित्सा ॥

चौपई आमाशयमोयहीउपाय मुत्थरापिपलामूलमंगाय कौडहरडसमकाथजुकरै आमाशयज्वरनिश्चयहरै

॥ अथकालज्वरलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ सीसतप्तपरस्वेदतनकरपदशीतलजास तांकोकछूउपायनहिंयमपुरकरहैवास

॥ अथविषमज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिसकोनेंमकालकानाहीं ज्वरकोवेगतनसदारहाहीं खांसीअलपरहैपुनताको होतरहैदुर्बलतनवाकों प्रथमहोयज्वरपुनतिसत्यागै कृशतामोंजुअपथ्यहिंलागै वस्तुअहितसेवनतेजोय विषमतापकीउत्पतहोय वातपित्तकफयहजोतीन इन्हतेंइककोआश्रयलीन ऐसोज्वरसोविषमकहीजै इन्हलक्षणतेंयानपतीजै

॥ अथविषमज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ जीरणज्वरतैविषमज्वरकामक्रोधभयथाय सोनिदानपाछेकह्योअवसुनलेहुउपाय अथकाथ ॥ चौपई ॥ हरडपटोलकौडमुथूआनै करैकाथमधुताहिमिलानै जोरोगीप्रभातउठपीवै विषमतापजावैसुखर्थीवै अनुवासनवस्तीपरकार स्निग्धवस्तुअन्नपानविचार वातप्रधानविषमज्वरजोय इनकारणनवृत्तसोहोय पित्तप्रधानज्वरमोहितकार रेचनअथवादुग्धघृतहार अथवातिक्तशीतलवस्तूकर जीतलेयवताहीकोवुधवर वमनफुनपाचनरतूपाय रुचेअन्नपानहितभाय कसेलीगर्मवस्तुलंघनते कफप्रधानज्वरजीतइननते अथआमलक्यादिचूर्णं चौपई धात्रीफलमघपीपलपावै सैंधाचित्राहरडामिलावै सबसमपीसेचूरणकरै टांकदोयमर्यादाधरै जलसोंप्रातहिंपिवैजोय जीर्णअबरविषमज्वरषोय क्वाथः॥ चौपई मुत्थरधात्रीफलजुगिलोय कंड्यारीपुनसुंठसमोय करैकाथमघमधुयुतपीवै नाशाविषमज्वरताकोथीवै अन्यउपाय॥ चौपई ॥ बिल्ववृक्षकोबंदाआनै पीसतक्रसोंअचैविहानै विषमतापकीपीडाजाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय अन्यच्च लसुनकल्कतिलतैलामिलावै नित्यजुषायविषमज्वरजावै वातरोगपुननाशकराय वैद्यकमतयोंदियोदिखाय ॥ अन्यच्च ॥ जीरागुडमिश्रतजोषावै मंदाग्निवातविषमज्वरजावै अथवृद्धपिप्पली ॥ चौपई ॥ केवलएकमघांमंगवावे पांचप्रमाणप्रथमदिनषावै प्रतिदिनपांचोपांचवधाय शतप्रमाणजबपीपलषाय इसीप्रकारघटावतआवै अजादुग्धसोंविषमगवावै दूधभातदीजेंपथ्यतास वातजरोगविषमज्वरनाश अर्शगुल्मकासअरुश्वास उदररुधिररुजशोथविनाश अथअविलेह ॥ चौपई ॥ आनत्रिवीकोंभलेपिसावै मधुमिलायपरभातचटावै अथवाहरडमधुसंगमिलाय चाटेप्रभातजोनराहितचाय ॥ अथअंजनम् चौपई ॥ सैंधानूनपिपलीकेचावल मनशिललिलपीसकैरसुनिश्चल नयनोअंजनताहिकोकीजै तांसोंविषमज्वरहिहरीजै होयविषमज्वरताकोनाश मंडमिलायमद्यपथतास मोरजुकुर्कुटतीतरमास इन्हकोरसपथकह्योप्रकाश ॥ अथधूप ॥ निंबपत्रअरुवचकुठचाय हरडसर्षपघृतसंगमिलाय गुग्गुलुधूपानित्यजोदेवै विषमतापनाशैसुखलेवै ॥ अन्यच्च ॥ जोज्वरविवेकंपवहुहोय विडालपुरीषधूपदेसोय विषमतापकीपीडानाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ सहदेवीभद्राकोंआनै वरचनाकुलीइकसमठानै कूटपीसधूपदेजोय नाशविषमज्वरतातेंहोय ॥ अन्यच्च ॥ मोरपंखकेचंदडेल्यावै देवैधूपविषमज्वरजावै ॥ अन्यच्च ॥ वृद्धधूपः॥ चौपई ॥ इक्षुगंधावचकुठमंगाय निंबपत्रयवहरडमिलाय श्वेतसर्षपाघृतजुमिलावे धूपजुदेयविषमज्वरजावे गुगलुरोहिषवर्चमंगावै रालनिंबअर्कफुलपावैं अगरकाष्टदेवदारुसोआन याकोधूपविषमज्वरहान अपराजितधूपयाहिकोमानो वंगसेनमतयाविधजांनो ॥ अथमाहेश्वरधूपः ॥ चौपई ॥ बटतरुकीजोजटापछान सर्पकाचुमैनफलठान विष्टाविडालघृतसंगमिलाय वांसत्वचागोशृंगरलाय शिवनिर्माल्भूतकशीआन यवगोहाडहिंगुवचमान मरचैछागलरोमलहीजे मयूरचंद्रिकासर्षपलीजै यहसबअजामूत्रपिसवाय रोगीआगैंधूपधुखाय यहमाहेश्वरधूपकहावै सवज्वरनकोनाशकरावै ग्रहपीडाडाकिनीपिशाच भूतप्रेतदुःखहरलहुसाच ॥ अथनसवार ॥ मघांआमलेहिंगमंगावै दारहलदवचसर्षपपावै थोंममेलअजामूत्रसमपाय नासादेयज्वरहिदुखजाय एकाहिकादिज्वरहिंकाटारै श्रेष्टयोगयहवैद्यउचारै ॥ अथघृतप्रकारः ॥ दोहा घृतप्रकारअबकहितहोंजोज्वरमोंअधिकार रोगीकीसहरूक्षताहरैसमस्तविकार ॥ चौपई ॥ लंघनवमनअवरलघुभोजन अरुऔषधज्वरहरनलषोमन इन्हाउपायनज्वरजुनजावै तिसअंतर

शैचतालषावै त्साहियकघृतविधीप्रकासैं सकलरूचतासहज्वरनासैं ॥ अथनिंबादिघृत ॥ चौपई ॥ निंबपत्रवरचकुठआन हरडेंलेंसमचूरणठान घृतमोंपायपकावैषाय विषमज्वरादिरौचताजाय ॥ अथबिल्वादिघृत ॥ चौपई ॥ बिल्वकोलअग्निमंथपुनआनै अरुत्रिफलायहसवसमठानै इन्हकाकाथकरैसुबनाय दधिमिलायघृतपायपचाय याघृतकोंरोगीनितपीवै विषमज्वरादिजायसुखथीवै ॥ अथचंदनादिघृत ॥ चौपई ॥ चंदनचित्रावासाआन सुंठीकोगडमुस्थरांमान कौडघायमानपुनजानो खसधात्रीसारवापछानो अवरमुनकाद्राचरलाय यहसबअर्धअर्धपलपाय श्रेष्टवारदिनयहसबआनै दुग्धप्रमाणआढकमोंठानै अर्धतुलाभरघृततहांपावै घीउपकायछाणनितषावै बलअनुसारविषमज्वरजावै नैत्यिकद्वितीयतृतीज्वरजावै चातुर्थिकपुनताहिप्रकाशै उन्मादश्वासअरुकासविनाशै अपस्मारमृगीहोइनाश बंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथचीरकल्याणघृत ॥ चौपई ॥ त्रिफलावायविडंगमंगावै दाडिममुस्थरमंजीठमिलावै कमलप्रियंगूलाचीजान कुठदंथरपुनचंदनठान हलदीवालात्रिवीमिलाय वरचसारवाद्वयदंतीपाय एलाबालुकबनकेवीज सूरकरणीसबसमकरलीज तालीसपत्रसुरदारुजुकेसर कुसममालतीयहसबसमधर सबहीकूटैघृतमोंपावै घृतसोंदुगणादुगधरलावै अग्निजगायपकावैसोय घृतकोंछाणधरैनरजोय बलअनुभानानितप्रतिषावै कासश्वासविषमज्वरजावै अरुउन्मादादिकरुजजेते होंहिनाशइसघृतसोंतेते ॥ अथषट्पलकल्याणघृत ॥ चौपई ॥ सुंठीपीपलचित्राजानो चवकपिप्पलामूलपछानो यहपांचोपलपलपरिमाण कूटद्रोणभरजलमोंठान चतुर्थभागजलरहैशेषजब सैंधालवणतेंहपलडारैतब पुनतिसजलकोंघृतमोंपाय भलीप्रकाररुजीजोखाय पीनसश्वासकासज्वरजावै पांडुरोगअर्धांगमिटावै शोषअवरदुर्बलतानाशै मंदअग्निअरुलिफविनाशै ॥ अथमहाकल्याणघृत ॥ चौपई ॥ चीरकल्याणघृतकीजोवरतू सोऊऔषधलेयसमस्तू पुनजीवनीगणतिंकुटापावै घृतसौंचौगुणदुग्धमिलावै वस्तुसमस्तरलायपकाय पीवैविषमादिकज्वरजाय कृशताशोथजायअपस्मार अजीर्णादिसबजांहिविकार अवरनपुंसकताहरजावै वैद्यकमतयोंप्रगटजनावै ॥ अथअमृतषट्पलघृत ॥ चौपई ॥ सुंठचवकयवद्वारामिलावै पीपलमूलसघचित्राषावै यहसबलेपलपलपरिमाण प्रस्थएकघृतकरोमिलान पकवावैघृतलेहुनिकार तामोप्रस्थरसआद्रकडार पक्कभयोघृतजानेजबही पादधिमंडपकावैततबही हसघृतकोंषावैनरजोय एकाहिकद्वाहिकसबषोय तृतीयकअवरचातुर्थिकजाय विषमतापतनमोंनरहाय चुधाकरैतनरंगबनावै बलकरहैतनपुष्टकरावै श्वासकासइत्यादिकनाशैं बंगसेनयोंप्रगटप्रकाशैं ॥ अथतैलप्रकारनिरूपणम् ॥ दोहा ॥ घृतपरकारवषान्योकहोंतैलपरकार जैसेग्रंथमतीलहींतैसेंकरोंउचार ॥ अथलाचादितैल ॥ चौपई ॥ लाचारसआढकपरिमान तैलप्रस्थइककरोमिलान रसअरुतैलमिलायपकावै पुनदधिमंडप्रस्थइकपावै तामोऔषधकरोमिलान सुनलीजैसोकरोंवषान सौंफलहदमूर्वाकुठजानो रेणुकाकौडमुलठीमानो रहसनदेवदारुमुस्थरआन यहसबअचअचपरिमान चंदनअश्वगंधसोलीजे कूटसमस्तभांडमोंदीजे मंडतैलएकत्रमिलाय अग्निऊपरधारपकाय सिद्धतैलकरदेहमलावै वातजरोगविषमज्वरजावै श्वासकासपीनसमिटजाय कंडूअरुदुर्गंधनसाय त्रिकपृष्ठकीपीडानास शूलजुगात्रस्फुटनविनाश ग्रहसमस्तकीपीडानाशै गौरवतातनकीसुविनाशै यहतैलकह्योअश्विनीकुमार सिद्धतैलयहरोगनिवार ॥ अथषट्चरणतैल ॥ चौपई ॥ लाचाअवरमुलठील्यावै मंजीठमूर्वाचंदनपावै अरुसारवासमलेपीसाय तैलमांहिसोंपायपकाय तनमोंमर्दनकरैबनाय ज्वरस-

मस्तकीपीडाजाय ॥ अथअष्ठचरणतैल ॥ चौपई ॥ लाचाहलदीकुठमंजीठ सज्जीसुंठीमुत्थरईठ मूर्वाचंदनयहसमभाय षट्गुणतैलसुपायपकाय विधिवतसोंतनमर्दनकरै दाहशीतज्वरपीडाहरै ॥ अथषट्तक्रतैल ॥ माषणसहितछाछकोलेवै ताहूकेसमतैलरलेवै तक्रसहितसोंतैलपकावै पुनताहूसमछाछामिलावै इसीप्रकारतैलषट्वार पकवावैयोंलेयसुधार मर्दनतनपरविधिवतकरै दाहशीतज्वरतनचणहरै ॥ अथअंगारकतैल ॥ चौपई ॥ द्राचामूर्वाहलदीदोय मंजीठकंडयारीकटुकीसोय इंद्रवारुणीरहसनपाय सैंधवमांसीताहिमिलाय अरुशतावरीयहसमआनै इकआढककांजीमोठानै प्रस्थप्रमाणतैलमोंपाय अग्नीऊपरधारपकाय मर्दनरोगीविधिवतकरै सर्वज्वरनकोंसोऊहरै ॥ अन्यच्च ॥ लाचादितैल ॥ चौपई ॥ प्रथमलाचारसलेहुनिकार ताहिसमानतैलतिहडार तैलचतुर्गुणदधीमिलावै पुनयहऔषधपीसरलावै असगंधकुठरहसनयहजान हलदीमूर्वाकौडपछान चंदनरेणुमुलट्ठीपावै सौंफयारमुत्थरसुमिलावै तैलपकायसुमर्दनकरै सर्वजातकेज्वरकोहरै अपस्मारउन्मादामिटावत दुःखमिटैतनसुखउपजावत यक्षराक्षसअरुभूतपिशाच इन्हकोदोषहरैलषसाच ॥ दोहा ॥ तैलप्रकारवखान्योबंगसेनअनुसार वैद्यचतुरयहसमझमनपुनरहैउपचार ॥

॥ अथसंततसततज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोज्वररसअरुधातुमंझार रहैनिरंतरकीनउचार वेगनिरंतरराषैजोय संततज्वरलक्षणसोहोय ॥ चौपई ॥ जोज्वररक्तधातुमोंरहै दोइवारादिनमोंआगहै सोज्वरसततभलेंपहिचान भाषसुनायोग्रंथनिदान ॥

॥ अथसततसंततज्वरचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ निंबजुद्वादशटंकमंगावै तीनभागत्रिकुटासुमिलावै त्रिफलालवणतीनजुमिलाय यवचारअवरसजीदोपाय अजवायणटंकपांचसुरलावै कूटपीसकरवस्त्रछनावै एकैटंकतप्तजलसंग प्रातहिपीवैकरैनभंग ज्वरनैत्यिकद्वाहिकमिटजाय तृतीयकचातुर्थिकनरहाय ॥ अथनैत्यिकज्वरकाथ ॥ ॥ चौपई ॥ पटोलपत्रनवीनसुआनै कौडइंद्रयवसमलेठानै काथसुकरकैजुपीवैतास नैत्यिकज्वरअरुसबज्वरनाश त्रायंतीकौडजवासाआन कालीटेरनसमकाथबनान वातादिकसंततज्वरमाहि पीवैरोगीहैतैसबजाहि ॥ अन्यच्च ॥ पटोलइंद्रजववासालयावै हरडनिंबगिलोयसमपावै काथकरतपीवैपरभात संततज्वरकोंकरहैघात ॥ अन्यच्च ॥ पाठामुत्थरकौडपटोल कालीटेरनकाथसमतोल ॥

॥ अथअन्येद्युज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसकेरसआश्रयजोहोय दिनमोंएकवारचढसोय अन्येद्युज्वरताकोभाषैं तापनैत्यिकीपुनतिहआषै ॥

॥ अथद्वितीयकतृतीयकज्वरकोकाथः ॥

॥ चौपई ॥ त्रिफलामुत्थद्राचजुपटोल त्रिकुटानिंबलेहूसमतोल काथकैरपुनसितामिलावै पीवैद्वितीयतृतीयज्वरजावै ॥ चौपई ॥ द्राचपटोलनिंबफुनमुत्थर गिलोयइंद्रजवत्रिफलासंगधर सवसमरात्रिजलहिमोपाय शीतलजलतिहप्रातपिवाय द्वितीयज्वरटरताइहकारण ग्रंथप्रमाणकह्योसुविचा-

रण ॥ अन्यच्च ॥ निंबमुनक्कापटोलमंगावै अमलतासत्रिफलासंगपावै बासाकाथकरहिहितकार-एकाहिकज्वरकोंतिहटार ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलानिंबपटोलहिपत्तर मुनक्कामुत्थरकोगडअन्येद्युहर ॥ ॥ अथमंत्रः ॥ अंगबंगकलिंगेषुसौराष्ट्रमगधेषुच वाराणस्यांचयद्वत्तंतदेकान्हिकसंस्मर योसौसरस्वतीतीरेह्यपुत्रस्तापसोमृतः तस्मैतिलोदकंदद्यात्मुंचत्येकान्हिकंज्वरम् एतन्मंत्रेणवाश्वत्थपत्रहस्तःतर्पयत् ॥ अथांजनम् ॥ चौपई ॥ ऊर्णनाभकोजालमंगावै ज्वलितदीपपरताहिधरावै तांकोकज्जलनयनोडार ज्वरद्वितीयकीपीडाटार ॥

॥ अथतृतीयकज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोज्वरहोइमेदगतगावै दिवसतीसरेसोप्रगटावै कफअरुवातपित्तयहतीन इन्हत्रिभेदकरलषैप्रवीन जोकफपित्तदोषतेंहोय कटिरोगीकीपकडेसोय कफअरुवातदोषतेंजान पृष्टगहैसोज्वरपहिचान वातपित्तदोषतैंजोई शिरपकडेपीडाकरसोई ॥

॥ अथतृतीयकज्वरकोक्काथः ॥

॥ चौपई ॥ चंदनमुत्थरउशीरगिलोय धनियांसुंठकाथकरसोय मधूशर्करापायपिलाय तृष्णादाहतृतीयकजाय ॥ अन्यच्च ॥ किरायतागिलोसुंठीअरुचदन तृतीयकक्काथजानआनंदन ॥

॥ अथचातुर्थिकज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अस्थिअवरमज्जागतहोई दिवसचतुर्थवेगकरसोई सोऊचातुर्थिकपांचप्रकार भाषसुनाऊंतासविचार जंघांतेंजोवेगकरावै सोकफतेंप्रगटैमनल्यावै सीसआदितनपूर्वभाग तिसतैवेगसोंवातविभाग देहमध्यतेंवेगकरावै पित्तदोषतैंसोप्रगटावै कटितेतलेजोवेगप्रकाशै तीनदोषतेंसोज्वरभासै भूतदोषतैभीहोइआवै चातुर्थिकज्वरयोंकहिगावै ॥ दोहा ॥ छठैदिवसजोतापहैषडाहकहैंतिसनाम सप्तमदिनसप्ताहहोजानोनरअभिराम दशमेदिनजोतापहोइताकोंकहैंदशाह द्वादशदिनजोज्वरचढैसोकहिद्वादशाह ॥

॥ अथचातुर्थिकज्वरक्काथः ॥

॥ चौपई ॥ कौंडकिरायतासुंठजुआनै चंदनमुथ्रगिलोयजुठानै धात्रीफलसंगआनमिलावै सबसमलेकरकाथबनावै प्रातसमयजोभक्षणकरै तापचातुर्थिकतातेंहरै ॥ अन्यच्च ॥ हरडसुंठसारवासुरदार वासाधात्रीफलपुनडार करैक्काथमधुमिसरीपाय षातपियेचातुर्थिकजाय ॥ अन्यच्च ॥ स्थिराआमलीहरडमंगावै देवदारअरुयवासापावै सुंठीयहसबसमकरजान काथकरैमधुसितामिलान प्रातहिंरोगीपानकराय मंदतीव्रचातुर्थिकजाय ॥ अथनसवार ॥ चौपई ॥ कोमलपत्रआंवकेआनै कूटपीसतिन्हकोरसछानै प्रातहिंउठजोलेनसवार तापचातुर्थिकदूरनिकार ॥ अन्यच्च ॥ सरीहपुष्पदोहलदमिलावै कूटपीसगोकाघृतपावै व्याधीकोंदेवैनसवार चातुर्थिकज्वरकीपीडाटार ॥ अन्यच्च ॥ अगस्त्यवृक्षरसपत्रनिकार चातुर्थिकपरलेनसवार ॥ अथचूर्णे ॥ चौपई ॥ नटश्रृंगाररसआदित्यवार गोपयसोंपीयचातुर्थिकटार ॥ अन्यच्च ॥ इटसिटसितकीजढकोंआन पयसोंपीयचातुर्थिकहान ॥ अन्यच्च ॥ तांबूलसदाजोभक्षणकरै तापचातुर्थिकतांकोटरै ॥ अन्यच्च ॥ सहदेवीजढलेगलबांधे तापचातुर्थिककोंयोंसांधे ॥ अन्यच्च ॥ बिल्वकरथचूरखवलहिंप्रमान श्वेतग-

ऊश्वेतबछराजान ताहिदुग्धसंगजोयहपीय अंतवारषष्टीदिनथीय चातुर्थिकज्वरयाहिनिवारै वंगसे- नमततांहिउचारै ॥ अन्यच्च ॥ गिलोयआमलेमुत्थरआन चातुर्थिकज्वरकाथप्रमान ॥ अन्यच्च ॥ अंबाडेखंडसहस्रमंगाय घृतसंगपेयसुजानबनाय त्रैदिनतांहिजोइनरपीवे चातुर्थिकज्वरताहिनथीवे औरविध ॥ चौपई ॥ ज्वरहिवेगकीचिंताकरेनर तांकेत्रासच्छोभचितज्वरवर तांहिउपायजानकरयोग अद्भुतचालअमायचितरोग ॥

॥ अथविषमज्वरभेददाहशीतज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नित्यहिजांकोमंदज्वररहै रूक्षताअरुसोजाहोयदहै सोरोगाहिबहुक्लेशकरजाय बध्य- अंगदुखश्लेष्मप्रगटाय तिहश्लेष्मादिकवातज्वरवरै वातविलासनामातिहधरै ॥ यत्न ॥ कफघा- तज्वरचिकित्साजोय वातविलासमोजानलेसोय

॥ अथविषमज्वरभेदप्रलेपकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ संधिइस्थितकफजोहोय दूषितआमाशयचलेसोय प्रलेपकविषमज्वरहिप्रगटाय अंगभा- रेदाहयुक्तसुकराय तनमोमंदज्वरहिविकर शीतलगैअंगछेदनहार जोयहराजरोगनरवरै तौताहिके- प्राणकोंहरे इहदूषितशरीरसुकजाय प्रलेपकविषमज्वरनामकहाय ॥ यत्न ॥ श्लेष्मरोगमोकहेप्रमाण यामोऔषधजानप्रधान

॥ अथअर्धनारीश्वरविषमभेदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोभोजनतराकियेप्रमाण उदरनपचैकरैअपचान कफपित्तभीदुष्टहोयजाय दूषणअति- करज्वरप्रगटाय कफविकारकरअर्धशरीर शीतलसूनपडैबहुपीर अर्धशरीरसपित्तआवरै अर्धनारी- श्वरनामतिसधरै

॥ अथनरसिंघशरीरवत्विषमभेद ॥

॥ चौपई ॥ जाहिपुरुषकोऊर्धगतहोय रक्तपित्तफुनवातमध्यजोय अंतविषेकफहोयप्रधान नाभि- ऊर्धतिसजलनप्रमान नाभिअधोगतशीतलपरै तांतेनारसिंघनामकरधरै ॥ यत्न ॥ बांसा- कोगडगिलोयमंगाय दारहलदररहसनएरंडमिलाय छेमासेऔषधपरमान कुटकरकाथपीयसुखजान ॥ अन्यच्च ॥ द्राक्षाकाथप्रथमइहकह्यो अर्धनारीमोउचितसोलह्यो

॥ अर्धरात्रिज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफअरुवातसमहोवैजाको पित्तघटतकायामहिताको तीक्ष्णअथवामदज्वरहोय रात्रिविषेज्वरप्रगटैसोय धूपअत्यंतदेहजलनसमान वातअधिकसेत्रनहोइजान इनविकारकररात्रिमोआय ताहिचिकित्साकरोबनाय ॥ यत्न ॥ गिलोयमघांदोनोसमआन दोदोपैसेताहिप्रमान काथकरे- प्रातहिउठपीय रात्रिज्वरहिकोहरसुखलीय पुनः लाजावंतीमूलमंगावे लालसूत्रबंधाशिखाधरावै पूर्णिमावाअष्टमीतिथिहोय शुभनक्षत्रविचारकरजोय पुनः वसमेजढवाभृंगराजजढल्याय वाकायां कोठीजढमंगवाय हस्तबांधशुभदिनशुभवार रात्रिज्वरहिकोलेतिहटार पुनः एककलशपूर्णज- लभरै ऊपरतांकेपूडेशुभधरै दीपकचौमुखलेयजलाय तिंलजलतर्पणइसमंत्रकराय ॥ अथमंत्रः ॥

गंगायमुनयोर्मध्येह्यपुत्रस्तापसोमृतः रात्रिज्वरावनाशायातस्मद्यात्तिलोदकं अर्घदेयसोकुंभउठाय ग्रामसेंबाहरचुराहधराय इहकारणरात्रिज्वरहरै होरउपायनकोईफुनकरै

॥ अथभेदविषमज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कायपित्तदूषितजबहोय कफदूषितासिरहाथपगजोय शीतलकरैबहुयोअस्थान पित्तकाया-गर्मअंत्यतलजान

॥ अथअन्यभेदविषमज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफशरीरमेंदुष्टहोयरहै पित्तदूषितासिरहाथपगदहै याप्रमाणहथपैरेजलान कफशरीरशी-तलकरमान

॥ अथविषमज्वरकाभेदसंसर्गजज्वरलक्षणम् चिकित्साच ॥

॥ चौपई ॥ जैसेंदोप्रकारकाहोई आगेलक्षणसुनिएसोई वातकफहूंजुगदुष्टहोयजवै इस्थिततनशीत-लकरतवै प्रगटापित्तपाछैगरमाहि शीतगर्मताहिप्रगटाहि तीनोकुपितरूपतिहजान इहज्वरकष्टसाध्य-परमान ॥ ऊैरप्रकार ॥ पित्तदुष्टकायापरजवै बहुतदाहप्रगटावततवै शांतहोयकफवातप्रगटावै सोका-याशीतलकरवावै इहप्रकारतीनोकृतमान अत्यंतकष्टसाध्यज्वरजान ॥ यत्न ॥ चौपई ॥ सुंठवराहीकं-दखसतीन तेरातेरामासेचीन सोलांपलपाणीतिहपाय फुनपाकाहिमोसोऊैटाय जवहिचारपलपाछेरहै रोगीसेवरोगकोदहै पाचनश्रेष्ठइहजानप्रबीन वैद्यउाचितजानोहितचीन ॥ अन्यच्च ॥ जांपुरुषहिदाहज्व-रवैरै तांहीउाचिनाचिकित्साकरै निंबपत्रमहीनपीसाय चारपलपाणीमोजुघुटाय पुनकररससोलेहुनिकार छेमासेमखीरसंगडार दसमासेमिसरीमेलपिलाय दाहज्वरतांहींसोजाय ॥ अन्यच्च ॥ जांपुरुषहिदाह-अतिहोय ताहियत्नसमजोमतसोय रोगीपेटपसारकरसोवै ताहिनाभिपात्रजसहोवै कांसीअथवातांम्र-कोपातर ताहिधारजलशीतलहितवर सोधाराअतितुर्त्तज्वरहर दाहानिवारशांतीमनधरै ॥ अन्यच्च ॥ दाह-पुरुषकोइहहितजान जहांसरोवरकमलखिडान ऊैरफुहारेछुटतेहोवन देषप्रसन्नदाहसबखोवन ॥ अ-न्यच्च ॥ इस्त्रीसोलावर्षविचार जोबनबंनीसुंदरसिंगार दाहिपुरुषजोतिहिगललाय छातीआकर्षनदुखजाय परउत्थितक्रियानाहिसेवै हितप्रीतीसंगप्रीतकरेवै अन्यच्च घृनगौकासोजलसोंधोवै ताहिघृतहिमर्दनअंग-जोवै पुनयवसत्तूजलसोंकरै हृदयलेपदाहकोंहरै ॥ अन्यच्च ॥ उन्नावआमलेसंगजलमेल हृदयलेप-करदाहज्वरठेल ॥ अन्यच्च ॥ पलाशबीजअम्लीसंगघोटै नाभिऊर्धलेपदुखछूटै ॥ अन्यच्च ॥ बेरपत्रनिं-बकेपत्तर पाणीमोमलखूबपाइवर जोऊघज्जऊपरकोआवै नाभिऊर्धमलैदुखजावै ॥ अन्यच्च ॥ अनारप-तरउनाबकेपत्तर बेरपतलोधरकैंथपातवर विजोरेरसर्सोपिसिसिरलाय तृषादाहसबदूरकराय ॥ अन्यच्च ॥ पीलाचंदनअरुबेरकेपत्तर तगरमुलठीश्वेतचंदनवर पीसकांजीसोघृताहिमिलाय सिरमोलेपेदाहज्व-रजाय ॥ अन्यच्च ॥ महुकडीरसमखीरसंगलीजै सेंधानौनघृतसंगामिलीजें सिरलेपेमुखतालूजलन ऊैरदाहसवमेटेताछिन ॥ अन्यच्च ॥ गंढीलेपत्रकालीवेलचंदन तिलसमलेयकांजीसंगपीसन सिर-लेपैदाहतृषामिटजाय भावप्रकाशमोकह्योउपाय ॥ अन्यच्च ॥ ठंडाजलमखीरसगमेल कंठपर्यंतमुखतृ-षाहरेल दाहानिवारैसोखताहरै वमनकरेंतौभीदुखटरै ॥ अन्यच्च ॥ कमलपत्रनीलोफरआन अ-स्थलकमलनालीजढठान पुहकरमूलकेवडाखसूल्यावै मजीठपद्मकाष्टगेरीसमपावै सरिया-लाकालीवेलफुनलोधर बालावनचूडखजूरसंगधर मुत्थरआमलसतावरीसमान पलपलऔषध-

पलहिप्रमान ल्यावैचतुरसमभ्रुवुधवान पानीएकद्रोणगटकान चौथाभागरहैतवचाय कपडछानक-रजुदाधराय दोइप्रस्थलाखरसचाय आगेऔषधमेलवनाय पलवारहदूधसिरकापलअठ चारोपलकां जीकरेइकट तिलकातैलप्रस्थइकदीजै आंचधरेपाणीपकलीजै पाणीजलैतैलयवरहै पुनातिहतेल-छानकरगहै ताहितेलसोंमर्दनजान तृषादाहज्वरहोवेहान ॥ अन्यच्च ॥ अतिशीतहिपीडितनरजोय गर्मस्नानजलकरहैसोय रूईवारेशमवस्त्रअंगधार ऊर्णावस्त्रहमामहितकार इनकारणदुखशीतनिवार वंगसेनमोकियोउचार ॥ अन्यच्च ॥ हरडनाकुलीकौडअरुआमल गुग्गुलग्रंथिपर्णरोचकभल कचूरपी-पलामूलधमनीनर वर्चकुष्टपीसोसमलेधर शीतआर्तजोमानुषहोय धूपधुखायसीतलताखोय वाइहव-स्तुपाणीसंगमेल गर्मकरनाभिऊर्धमलरेल वाइनऔषधऔरामिलाकर सेंधानोनपुटकंडेखारव सजी-खारअठपलहिप्रमान इकठ्ठकरैजोचतुरसुजान पीसमहीनत्रैसेरकांजीवर चारसेरतेलताहिसंगधर आंचप्रमाणतेलजबरहै मर्दनकरैतनशीतकोदहै ॥ अन्यच्च ॥ दहीमलाईफुनगोमूतर दोनोमेलसम-अमीपरधर सोमलकायस्नाननरकरै शीतलताकेदुखसबहरै ॥ अन्यच्च ॥ दियारसर्जसुहांजनेपत्तर पाणीघोटकायलेपैनर शीतनिवारदेहीसुखहोय वंगसेनमतप्रगटतसोय ॥ इतिशीतापित्तज्वरचिकित्सा

॥ अथजीर्णज्वरलक्षण ॥

॥ चौपई ॥ इक्कीदिनपीछेज्वरजवहोय सूक्ष्मरहैतनभूषनसोय दुर्वलकायउदराफियमान जीर्णज्वर-केलक्षणजान

॥ अथजीर्णज्वरयत्न ॥

कंडियारीशुंठगिलोयमंगाय मघासर्वसमक्काथवनाय जीर्णज्वरअरोचकफुनश्वास पीनसअग्निमांद्यअ-रुकास सायंकालपीवेनरजोय एतेरोगहरैहितहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ गिलोयक्काथमघपायजोपयि जीर्णज्वरकफहतकरलीय ॥ अन्यच्च ॥ पंचमूलक्काथमघपाय पीवेजीर्णज्वरनरहाय ॥ अन्यलेह ॥ गि-लोइस्वरसमघमधूमिलाय पीवेकफजीर्णज्वरजाय श्वासकासअरुअरुचिनिवारै एतेरोगदेहतेटार अन्यच्च सुंठमघांजीर्णज्वरहरै अग्निमांद्यकोदूषनटरै ॥ अन्यच्च ॥ गिलोयक्काथशीतलकरवाय चतुर्थपादमधुसं-गमिलाय पीवेजीर्णज्वरहोयेभंग वंगसेनइहकह्योनिसंग ॥ अन्यच्च ॥ जवासावालामुत्थरल्याय कटु-कीशुंठसमचूर्णकराय कोसाजलकरसाथजुपीय सर्वज्वरनकोंहरतालीय ॥ अन्यच्च ॥ मुनक्काकंडियारी-ककडासिंगी गिलोयशुंठमुत्थरलेचंगी रक्तचंदनकचूरजुवासा कौडपाठाकिरायताखासा पद्मकाष्ठ-खसवालाल्यावै कंडियारीपुष्करमूलसमपावै अष्टादशांगचूर्णतिहनाम जीर्णज्वरअरुचीहतकाम श्वा-सकासहरैफुनऔर शोजादूरकरैसवघोर सिरकीगौरवतासुहटावै शूलहरैइंद्रियनकोवधावै रुचीकैरताहि-केकारण नासाद्वारविरेचकरावन मधुअथवालघुतैलहितकार तांहीकरनसवाराहितधार ॥ अन्यच्च ॥ मघामुलठीअरुजोधमणी चंदनलालफुनकालीटेरणी इनकाकाढादूधसंगपीवे जीर्णज्वरतत्क्षणहरलेवे ॥ अन्यच्च ॥ रक्तकरीरकेपुष्पमंगाय कुठआमलेधनियापाय महीनपीसगर्मजलसंग सिरलेपैजीर्णज्व-रभंग ॥ अन्यच्च ॥ श्वेतफूलअरणीजढल्यावै औतवाररविचढननपावै शिखावांधजीर्णज्वरजाय ज्यों-दुर्जनपापाहिहतकाय ॥ अन्यच्च ॥ कौडपापडाचिरायताल्यावै मुत्थरगिलोयसमक्काथवनावै नित्यपीवे-जीर्णज्वरटरै ग्रंथकारमतऐसैधरै ॥ अन्यच्च ॥ जिहजीर्णज्वरीनिंदहतहोय पिपलीमूलचूर्णहितजोय;

गुडमिलायचाटेजोरोगी चिरकालनिद्राहोयसुभोगी ॥ अन्यच्च ॥ मध्याह्नसमेंभट्ठामंगवाय माटीले-पकरैतिहचाय फुनभूंनैसायंकालउमंग मधुसोंखायानिद्राबहुअंग ॥ अन्यच्च ॥ पंचमूलइकभागधरी-जै गऊदूधआठभागफुनलीजै पाणीचारभागतिहपाय क्षीरपकायदूधरहजाय तौउतारकरछानसु-लीजै पीवैश्वासकासहतकीजै शिरपीडापीनसमिटजाय जीर्णज्वरीइहरोगछुडाय ॥ अन्यच्च ॥ अथक्षीरपाकाः मिसरीसुंठछुहारालयावै मुनक्काघृतयुतदूधपकावै साथमक्षीरपीवैहितभाय दाह-जीर्णज्वरतुर्तमिटाय ॥ अन्यच्च ॥ भखडेधमनीअरुकंडियारी गुडसुंठयुतदूधसोंकाडी वंधमूत्रम-लसोजनिवारै जीर्णज्वरीकोंइहदुखटारै ॥ अन्यच्च ॥ विल्वकत्थपुनर्नवाजुमंगाय इनसोंअठगुणदू-धतिहपाय चारगुणापाणीतिहडार क्षीरपकायदूधरहेसार जोरोगीपीवैतिहचाय सर्वज्वरनकोंयहमि-टाय ॥ अन्यच्च ॥ त्रिवीपिपलीकालीटेरण त्रिफलासर्वमिलायकरचूरण समानताहिमिसरीसुमिलाय खावेरोगएतेमिटजाय आमाशयदुखअजीर्णज्वर अंगगौरवरेचनकरहितबर ॥ अन्यच्च ॥ विल्वक-त्थवाएरंडजढल्याय ताकोपायदूधपकवाय सोपीवैजीरणज्वरहरै ग्रंथकारऐसेविधधरै ॥ अन्यच्च ॥ भुल्लई।अमलतासकोल्याय मुनक्काकौडजवांसापाय त्रिफलापटोलपत्रजलपीवै रेचनकरसान्निपातहरी-वै जीर्णज्वरनरहेइहकारण ग्रंथकारइहकीनविचारण ॥ शिक्षा ॥ चौपई ॥ ज्वरीक्षीणवमनअरुरेच-न योग्यनाहितूंसमझोविचक्षण मलहटानतिहहितवरजान दुग्धसेनिरूहवस्तीपरमान जवज्वरमुक्त-रोगीकोभाय अरुचीअंगपीडदरसाय विवर्णअंगमलिनकररहे शोधनताहिवैद्यवरकहे जोनकरैतां-कोकिहकारन पुनप्रवेशज्वरकरैविचारण ज्वरसंतापजीर्णजबहोय रूक्षनरहिवायूकुपितहोय तांकोपर-मवैद्यघृतदाय संशमनवस्तूसोताहितभाय कल्याणघृतषट्पलिकाघृत इहघृतपीनजांकोजानोहित ॥ अन्यच्च ॥ जांगलीकुर्कटयुवामंगाय पादउदरविष्टाविनचाय तिहमांसरसपलशतकाढै फुनइहऔ-षधतांमोगाढै जुगकंडियारीककडशृंगी उनावल्लेकुलथकचूरभिडंगी आमलेपुष्करमूलमंगाय वृहत्पं-चमूलवरपाय तुलाप्रमाणइहवस्तूलेय कचेदोमनजलतिहदेय काढतचौथाभागजवरहै छानतीनम-नदुग्धगोवहै सेरआठगोकाघृतपाय अग्नीपरधरफेरपकाय पीपलमूलत्वचलघुपंचमूल इहवस्तूएकसेर-समतूल कल्कवनायपात्रमोपाय पाकसिद्धहोयहेठतिहचाय छानउदितपात्रधरसोय यथादोषबल-ज्वरनरजोय मात्रापीयऔषधपचजाय सठीचावलपथ्यहितखाय इसप्रकारएतेदुखटरै जीर्णज्वरगा-त्रशोषपरिहरै कासश्वासराजरोगनिवारै विषमज्वरहरपुष्टवलधारै बलअधिकअग्निउजलाय ग्रंथ-कारमतकह्योवनाय कुर्कटघृतइहनामप्रमान प्रसिद्धसर्वजनकियोवषान ॥ अन्यच्च ॥ वांसागिलोय-त्रिफलामंगवाय त्रायमाणअवरजवासापाय काथकरेदुगणादुधपाकर घृतसुपायपकायआंचधर मुन-क्काश्वेतचंदननीलोफर शुंठमघमुत्थरकल्कताहिकर घृताहिमात्रजवरहेंस्वभाय तिहघृतजीर्णज्वरमि-टजाय ॥ अन्यच्च ॥ मघांचंदनमुत्थरमंगवावै कौडइंद्रजबखसतिहपावै आमलीआंबलेकालीवेल-मुनक्कापतीससूरकर्णीमेल अमलवेतसविल्वफुनल्याय कंडियारीत्रायमानतिहपाय इनवस्तूकरघृतसि-द्धकरै सोघृतजीर्णज्वरकोंहरै क्षयीकासासिरपीडहटाय पार्श्वशूलअरुचीमिटजाय अंगदाहविषमज्व-रहरै एतेगुणसोघृतहिफुनिकरै पिपल्यादिघृतजाहिप्रमाण दुग्धपाइकोईकहताजान ॥ अन्यच्च ॥ वोढ-पीपलक्षत्वअरुत्वल पारिशत्रिजयसारजंवूफल अर्जुननिंवसतछदल्याय शरीषरवैरकौडखसपाय का-लीटेरणगिलोयअरुवासा अवरपापडावर्चलेखासा मालकंगुनीमुत्थरसमपाय इनकरसिद्धतैलपकवाय

सौंतैलसर्वजीर्णज्वरहरै वहुगुणनामताहकोधरै ॥ अन्यच्च ॥ जीरणज्वरपुनसवज्वरमाही पक्वाशयआश्रितदोषजुजाही ताकरस्नेहवस्तीहितजान निरूहवस्तिकरणफुनमान

॥ अथअन्यमतचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वसंतमालतीरसहिप्रमाण जीर्णज्वरादिकहरतपछाण मासावर्कसुवर्णमंगाय दोमासेवूकामोतीपाय तीनमाषैशंगरफफुनलीजै चारमाषैकालेमरचधरीजै आटमासेखपरीयालयाय प्रथमगोमूत्रसोंशुद्धकराय फुनसवदारूखरलसुकरै तिहप्रमाणगोमाखनधरै तामोखरलनिंबूरसपाय वजनप्रमाणतिहखरलकराय जवतकचीकनताआरहै तवतकखरलअत्यतकरवहै रत्तीअथवादोइपरमाण पीपलसहितसंगताहिमिलान खाइरोगिजीर्णज्वरजाय धातुविकारगर्भनिरहाय संग्रहणीमूत्रकृछ्रअरुश्वास कासप्रदरइनरोगननास ॥ पुनः ॥ कंडेआरीगिलोयसोंठसमआन काढादसादिनअजीरणहान ॥ पुनः ॥ कचूरपित्तपापडसुंठआन नागरमोथाकटुकीजान कटेलीचिरायताकोसमलीजै जवकुटकरदोटंकधरीजै तिहकाढादोवषतसुपीय दिनजारांजीर्णविषमहरीय इहवैद्यविनोदग्रंथमहिकह्यो उदितसुकाढानामयहलह्यो ॥

॥ अथसर्वज्वरेघृततैलादिकमाह ॥

॥ चौपई ॥ गिलोयमंगायकल्करससिद्ध त्रिफलावावांसारससिद्ध मुनक्केकल्करससिद्धजुहोय धमनीकरसिद्धतैलघृतजोय सर्वज्वरनमोजानप्रमाण भावप्रकाशमोकियोवखान ॥ अन्यच्च ॥ मघांपिप्पलामूलमंगावै चवकसुंठचित्रातिहपावै सैंधानूनसवपलपलजान औरपायतिहमाहिप्रमान दुग्धसेरतीनतिहडारै प्रस्थएकघृतपायसवारै सिद्धहोयघृतएतेगुणकरै प्लीहाविषमज्वरताछिनहरै चीरषट्पकघृतयाकोनाम वहुगुणकारकदेहीकाम ॥ अन्यच्च ॥ धमनीकंडियारीभषडालयावै दंथरभागदोमुत्थरपावै त्रायमाणपापडानिंवमंगावै जवासासूरकर्णीसमपावै आठोगुणजलपायपकाय क्वाथकरैतामोयहपाय पुष्करमूलकचूरअरुइमली मुनक्कामेदाआमलीसुभली कल्ककरैदुग्धहिफुनडार घृतसोंदोगुणक्काथहिधार आंचधरैजवघृतहींरहै सोघृतज्वरहिंकाससबदहै राजरोगशिरशूलचुकावै पसलीपींडसवनष्टकरावै ॥ अन्यच्च ॥ वासानिंवगिलोयलेखासा पंचमूलत्रिफलासुजवासा मुलट्ठीमुनक्काकसीरभिडंगी कर्षकर्षवस्तुलेचंगी गोघृतप्रस्थमोंपायपकावै सोघृतवलअनुसारजुखावै सर्वप्रकारज्वरकोंहरलेवे इहघृतसर्वज्वरहिहितसेवे वृद्धवासादिघृतयाकोनाम सर्वचिकित्साजानाहितकाम ॥ अन्यच्च ॥ मजीठपतीसवर्चमंगवाई लेदेवदारुहरडतिहपाइ हलदीकौडपलपलयहलेय द्रोणजलहिमोकाढेतेय पादशेषरहेपुनिछान प्रस्थघृतहितिहपायपकान आर्द्रनहिंगुजवक्षारमिलावै पिपलीवासज्जीखारसुपावै सैंधासौंचलविडअरुसांवर समुद्रलूनपांचोकरहितवर एकएककर्षसवलेय पीसमहींनघृतपावैतेय सोघृतकफज्वरहरताजान व्रध्महिडकीअरुचीहतमान गलग्रहपांडुप्रमेहअरुश्वास अर्शप्लीहअपस्मारफुनकास उदावर्तमंदाग्निनिवारै राजरोगकृमिकुष्टविडारै इनरोगनकोअमृतकरजान मंजिष्टादिघृतकियोवखान ॥ अन्यच्च ॥ कुलत्थवेरफलत्रिफलाल्यावै दशमूलीदोदोपलपावै द्रोणजलहिमोकाढेपाय चतुर्थभागघृतप्रस्थमिलाय चवकसुंठअरुपिपलामूल चित्रामघाअरुपुष्करमूल सौंफआमलेहिंगुकचूर

औरवस्तुलेसबसमचूर तुंबरुअर्कजढपतीसमंगाइ वचंकिरायताजवांसापाइ मुत्थरककडासिंगीलिवै मधूकीलेजढपाठासेवै कौडसुहांजनबावचीजान मालकंगुणीजुगहलदीठान कंडेयारीपटोलनिंबसोल्याय काहजवानमुचकंदसुपाय मदनोद्भवाइहसमहीपावे प्रमानताहिआगेकहलावे कर्षकर्षप्रमानअरुचार अर्द्धपलाहिजुआनातिहडार पांचोलूनपलपलपरिमाण प्रस्थघृतहिमोताहिपकान सोघृतदीपनहृदयरोगनिवारे प्लीहसंग्रहणीगुलमविडारै श्वासअर्शजीर्णज्वरहरै कुलथादिघृतनामयहधरै अन्यच्च धमनीमजीठमुलट्ठमंगाय कमलफूलपद्मकाष्टफुनपाय चंदनसमुद्रफ्रगहलदीडारी नीलोत्पलवालाकुटकरसारी तैलपकायफुनऔषधपावै दहीमलाईदूधमिलावै चौगुणपायतेलरहजाय एतेरोगहरतुगुणदाय वातपित्तजीर्णज्वरहरै बलादीतैलमर्दनसुखकरै ॥ अन्यच्च ॥ जाकोज्वराहिंपुरातनहोय कफपित्तजुगघटताजोय अग्निदृढवररूक्षवद्धकोष्ठ अनुवासनवस्तीहिततुष्ट चंदननीलोफरकसीरवर मुलठीलघुदंतीकीजढधर अश्वगंधकर्षमात्रकुटछान कचेतोलआठसेरजलपान तैलपायपकायसवांरै अनुवासनवस्तीहितधारै ज्वरफुनज्वरकृतवातनिवारै गुणीतेलइहकायसवांरै ॥ अन्यच्च ॥ अमलतासखसराडमंगावै थंदरमुद्गपर्णीफुनपावै मुलठ्ठसूरकर्णीमाषपर्णी इनवस्तूसमकाथसुकर्णी शेषरहैतौप्रियंगुअरुराड मुत्थरमुलट्ठीसौंफातिहगाढ इनवस्तूकलकलेयबनाय तिसकरघृतहिंमखीरपकाय तिहवस्तूअतिहीहितकार वंगसेनसोजाहिविचार जोंईश्वरहजारमुखधार औरचराचरजगतस्थितिकार कर्ताहर्तासर्वमनधरै ताहिस्तुतीसहस्रनामसोकरै इहज्वरसवहीकाहरधार श्रुतिस्मृतिमोनिश्चयसार

॥ अथहरिद्रकज्वरलक्षणानिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ हृदयमध्यकफवातापितज्वरउपजावैआय कंठसुकावैदाहतनपीतवर्णताछाय

॥ अथहरिद्रकरोगज्वरचिकित्सा ॥

॥चौपई॥ हरिद्रकतापाचिकित्साभाषों जैसेंग्रंथलिखीत्योंआषों पक्तापरेचनदेतास हरिद्रकज्वरकोहोएविनाश ॥ अथक्काथः ॥ चौपई ॥ हरडेंमोथाकिरायतालीजै वासामघांनिंबसुलहीजै द्राक्षागिलोयपिप्पलामूल क्काथकरैसबलेसमतूल मधुमिलायपीवैपरभात पीतवर्णहरिद्रकज्वरघात ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ वासापरपटमोथमंगाय निंबमूलकीछालसुपाय सौंफपद्माक्षगिलोयआनीजै धान्याककन्यागिरीलषलीजे कौडरक्तचंदनपहिचान द्राक्षाकिरायतासमकूटान प्राताहिक्काथकरैनितपीवै हरिद्रकनाशैअतिसुखथीवै ॥ अन्यच्च ॥ कौडाकिरायताहलदीपावै निंबपटोलसारवाल्यावै इटासिटपावैअवरागिलोय सबसमलेवैकूटैसोय पीवैक्काथनित्यनरनारि पीडातापहरिद्रकटारि ॥ अन्यच्च ॥ चंदनमुस्थूगिलोयमंगावै नेत्रमालपरपटछडपावै इटासिटसुंठीधनियांपाय कौडमूरवाखसजुमिलाय केतकिचंवेलीकीजढआने रक्तचंदनजहसबसमठाने ॥ दोहा ॥ करैजुक्काथबनायकेपीवैनित्यप्रभात हरिद्रकज्वरकोनशाहोइअरुनाशेसन्निपात ॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ हरडापिप्पलीआनपतीस अरुकिरायतातामो पीस सबयहऔषधएकसमान पीसछानकरगुटिकाठान जलसौंवेरसमानबनावै प्रातसमयउठरोगीखावै तापहारिद्रकहोवैनाश रोगतिनमोसुखपरकाश ॥ अथसमस्तज्वरकोसुदर्शननामचूर्ण ॥ चौपई ॥ हरडआमलेसुंठीलीजै कौडमघांकंड्यारीदीजै गिलोयमुलठीपुष्करमूर ककडशृंगीवरचकचूर शालिजुपर्णीहलदमिलाय अगरधमांहांपरपटपाय कलौंजीलेमूर्वात्रायमान लोचनबालाकोगढठान

लेतजपत्रपतीससुरदार सोथपटोलजवायनडार चित्रापीपलामूलमिलावो समऔषधएकत्रकरावो सबतेंअर्धकिरायताठान कूटपीससबकरोमिलान चूरणपीजैजलसोंप्रात वलअनुसारसमुझयहवात आठोज्वरततकालविनाशै दाहशोथतंद्राकोंनाशै कामलावातपांडुहतकरै तृषाशूलसन्निपातहिंहरै छर्दउवाकीश्वासजुकास नाशहोंहिलषलीजैतास गंडगलग्रहहृदभारीजान एतेरोगकरैयहहान ॥ दोहा ॥ चक्रसुदर्शनज्योंहरिकरेदैत्यभयदूर त्योंहिसुदर्शनचूर्णयहकरैज्वरादिकचूर ज्वरनिदान-भाष्योंसकलकीनचिकित्सागान सन्निपातलक्षणयथाभाषोंसुनोसुजान

॥ अथज्वरकेदशउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ तृषा खांसी श्वास अरुहिचकी वमन मांस अतीसार अरुचकी बद्धकोष्ट अंग-भेद मूर्छाइ इहज्वरउपद्रवदशविधगाइ

॥ अथउपद्रवलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोज्वरहोइअन्यरोगतिहसाथ सोज्वरदूरकरणहुसरात प्रथमहिताहिहनोअतिचा-तर पाछैज्वरहिचिकित्साअतिवर क्षुधातृषाज्वरइस्त्रीजान कासश्वासबेटेपरमान हिचकीवमनबेटी-तिहदोय अतीसारज्वरभाईजोय अरुचिभेहनवद्धकोष्टभानजा अफारसुसरमूर्छावांदीसा जोवलवा-नताहिकोहनै तोरोगाहिकोंनिवृत्तताभनै

॥ अथज्वरतृषायत्न ॥

॥ चौपई ॥ धनियांनागरमोथापित्तपापड वरइहमानकूटदोइदोटंकधर दिनसतकाढाकरजोपीय तृषादाहअतीसारहरलीय

॥ अथज्वरखांसीयत्न ॥

॥ चौपई ॥ पीपलपीपलमूलसुंठवर भडंगीखैरसारवहेडाधर कटेलीअडूसाकुलंजनआन इहसम इकइकटंकपरमान काढासतादिनदेहुसुजान इसकाडेसोंज्वरखांसीहान

॥ अथज्वश्वासयत्न ॥

॥ चौपई ॥ मिरचपीपलीनागरमोथा ककडासिंगीभडंगीसमोथा पुष्करमूलसभीसमले टंकका-ढादिनसातकरे पीवैरोगीज्वरश्वासनरहै रोगजायरोगीसुखगहै

॥ अथज्वरहिचकीयत्न ॥

॥ चौपई ॥ जलमेंपीससैंधानोनपाय नासदेयाहिचकीमिटजाय पुनः मोरपंखकीराखजुकरै पीप-लसहितमिलायसोवरै सातदिननमोंइहविधकरै हिचकीवमनज्वरादिकहरै

॥ अथज्वरवमनयत्न ॥

॥ चौपई ॥ इकटंकगिलोकाढाकरदेय सहतमिलाज्वरवमनहरेय पुनः दोइरत्तीमखिकीविष्टा सहत-मिलाइवमनज्वरनष्टा पुनः चावलखीलपीपलीसहित चाटैछर्दीज्वरनाराहित

॥ अथज्वरअतीसारयत्न ॥

॥ चौपई ॥ सुंठपतीसलेनागरमोथा चिरायताऽमृतागुडछालसमोथा जबकुटकाढाटंकदोइकरै सातदिनाज्वरअतीसारहरै ॥ पुनः ॥ पीपलपीपलामूलचव्यधर चित्रकसौंठवेलगिरीसमकर नागरमोथा-चिरायताआन कोगडछालइंद्रजबमान लेसबसमजवकूटकरेय दोइटंककाढानितलेय अतीसा-रमुखशोथअरुश्वास कासवमनतृषासबनास

॥ अथज्वरमूर्छायत्न ॥

॥ चौपई ॥ कुरंगुलगिरीअरुदाषमंगावे पित्तपापडाहरडछिलकापावे सबइकदोइटंकपरमान-काढादेमूर्छाहरजान

॥ अथज्वरमेंबद्धकोष्टयाअफाराहोयउस्कायत्न ॥

॥ चौपई ॥ सवूनलेयवातीबनवाय तांहिगुदाभीतरधरवाय बद्धकोष्टफुनअफाराहोय ततच्च-णनाशहोइहैसोय

॥ अथज्वरमैजोमुखसूकैअरुजिव्हाहिरसहोएतिस्कायत्न ॥

॥ चौपई ॥ मिश्रीऔरअनाररसल्यावे ताकेकुरलेहितबतलावे अथवादाषअनाररसपाय कुर-लीकरदुखसोषमिटाय

॥ अथज्वरमेंनिद्राजातिरहैउस्केआउनेकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ आलुवुखाराएकमंगाय रत्तीएकतिसवंगरलाय सहतमिलायचाटैहितलाय निद्राआ-वैभूखलगजाय अतीसारसंग्रहणीजोहोय सोभीदूरहोयसुनसोय ॥ पुनः ॥ एकटांकपिपलामूलपिसाय गुडमेंखाइनिद्राबहुआय ॥पुन॥ एरंडऔरअलसीकोतेल कांसकीथालीमोघसमेल अंजनकरैनिद्राति-हिआय भावप्रकाशमतकह्योबनाय

॥ अथज्वरउत्तरगताहोयउसकालत्तण ॥

॥ चौपई ॥ सबशरीरहौलाहोइवहै मस्तकखुर्कओष्टपपडीरहै इंद्रियसकलविषयश्रुतसाधे कासवि-कारसबजातविषाधे शरीरमाहिपरसीनाआवै क्षुधालगैअरुछीकदरसावै मलप्रवृत्तहोवैद्दढमान तब-ज्वरजातजानवुद्धवान जबतकबलनहिआवैकाय तबतकपथ्यसाधनहितचाय मैथुनअरुव्यायामन-हिकरै वोजउठानअतिभोजननहिवरै

॥ अथरसप्रकारनिरूपणम् ॥

दोहा रसप्रकारअवकहितहोंसुनलीजोचितधार जैसेवैद्यकशास्त्रमोंकीनोंभलैउचार अथसर्वेश्वरज्वरां-कुशरस चौपई रसगंधकयवच्चारमंगावै सुहागासजीखारमिलावै टंकटंकभरयहपीसाय वरचटंकछैपी-सरलाय तीनटंकमीठापुनपावै करइकत्रपुनकूटपिसावैं आद्रकरससोंखरलकराय गुंजाभरगोलीबंधवा-य गुटिकाएकज्वरीजोषावै नैतिकद्वितियतृतीयज्वरजावै तापचातुर्थिककासऔश्वास छर्दईछर्दपीनसकफ-नाश जायअरुचिजोपथसोंरहै औषधसेवैसबज्वरदहै अथपित्तजएकांतज्वरकोज्वरांकुश चौपई चूना

कलीइकभागमंगावै ताकेसमहरतालमिलावै रसकुआरसोंखरलकरीजै टिक्कीसंपुटमांहिधरीजै लेपन-करगजपुटदेतास शीतलहोइतौलेएनिकास तत्तनीरसोंरत्तीदोय प्रातसमयखावैजोसोय नैतिकतृतीयचतुर्थिकजाय एतेज्वरततकालमिटाय ज्वरनाशनयहजानसुजान वैद्यकशास्त्रनमाहिप्रमाण अन्यच्च पाराइकदोइगंधकलेय विषमरचांत्रैत्रैसंगदेय तांबात्रैअभरकपुनचार सुहागात्रैजुभूनकरडार यामदोइनिंबूरसपाय विधिसोंऐसेंखरलकराय रत्तीदोइमात्राठहरावै छालबहेडेमधुसोंखावै नैतिकदूरतीजाज्वरजाय ज्वरचातुर्थिकजायमिलाय कफखांसीसोहोइहैहान सुखउपजावैग्रंथप्रमाण अन्यच्च मनछलएकटंकभरलीजै चूनाकलीदोटंकभनीजै नीलाथोथाटंकदोइपाय जलसोंपीसगुटिकावनवाय सोगुटिकाहांडीमोंकरै मुखलेपैअग्नीपरधरै चारघडीलौंअग्निदिवावै शीतलकरजातेंनिकसावै औषधदोइरतीपरिमाण चारटंशर्करकअनुपान प्रातसमयानितखावैजोय दुग्धभातपथ्यलषसोय नैतिकद्वितीयतृतीयज्वरजाय चातुर्थिकज्वरजायनसाय अपनेमनमोंनिश्चयठान रुद्रकह्योयहवचनप्रमाण अथनागज्वरांकुश चौपई मीठामघांजुपीपलमूल इकइकटंकलेहुसमतोल पायसुहागाटंकजुचार मरचसुंठपंचपंचडार आद्रकरससोंतिन्हेभिगाय तीनदिवसलगयतनकराय निर्गुंडीभंगरारसपावै यामदोयलौंखरलकरावै गोलीचणकप्रमाणकरीजै पानपत्रसोंप्रातहिदीजें पथ्ययुक्तव्याधीजोरहै ज्वरदुःखमिटैपरमसुखलहै अथभैरवरसज्वरांकुश ॥ चौपई ॥ पाठाजाफलजावतिजान लौंगटांकटांकयहठान पीपलसुंठअकरकराजोय इन्हेंपायटंकदोइदोय मरचांटंकचारलषपावै रसआद्रकसोंखरलकरावै गोलीचणकप्रमाणकरीजै व्याधीकोंनितप्रातहिंदीजै शीतवातकफज्वरनरहाय अवरसर्वज्वरतनतैंजाय अथहुताशनरस चौपई सिंगरफमीठामरचांआन रोहूपित्तातामोंठान निंबूरससोखरलकरावै गोलीमूंगप्रमाणवंधावै प्रातहिगुटिकाव्याधीखाय ज्वरशीतांगसन्निपातमिटाय खांसीधांसीदूरपलावै रोगराहितहोइनरसुखपावै अथरसचिंतामणिज्वरांकुश ॥ चौपई ॥ पारागंधकमरचसुपीपर श्वेतश्यामजीरेपुनसौंचर लोनसमुद्रअवरविडसांबर यवक्षारसुहागालेसज्जीधर सिंगरफसुंठविषअकरकराय अभ्रकहाफूइकसमभाय कूटपीसआद्रकरसपावै यामचारलगखरलकरावै गुटकापांचटंकभरठानै व्याधीखावनैत्यकाविहानै सन्निपातज्वरशूलमिटावै विषमज्वरादिसबीज्वरधावै आममवेसीकफहोइनाश दुःखजायतनसुखपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ रसगंधकइकटांकटांकभर त्रिकुटाकिरातधातूरबीजधर टांकदोइदोतामोपाय आद्रकरससोंखरलकराय प्रातअवरसंध्यालषपाय वातपित्तकफशीतमिटाय उदरव्याधसबहीज्वरजावै वैद्यकशास्त्रप्रगटयोंगावै अथवल्लभज्वरांकुशरस चौपई पारागंधकविषयवक्षार सज्जीअवरसुहागाडार इकइकटकंवस्तुयहलेय मरचांटांकअष्टभरदेय आद्रकरससोंखरलकराय गोलीमुंगप्रमाणबंधाय तुलसीदलसोंप्रातहिखावै नैतिकआदिसबीज्वरजावै मूंगभातपथ्यसोंखाय दुःखमिटैतनसुखप्रगटाय अथशीतभंजनसिद्धज्वरांकुश चौपई शंखभस्मलेटंकअठारा अर्धभागहरतालउचारा नीलाथोथागंधकआन त्रैत्रैटंकसुजानप्रमान इकइकादिनखरलपायरसकुआर सूकैटिक्कीकरैसुधार हस्तप्रमाणगर्ततत्तपाय शीतलकरवाहगनिकसाय गुंजाप्रमाणखंडसोंखावै दूधगावभक्तपथ्यधरावै नैतिकद्वितीयतृतीयज्वरजाय अरुज्वरशीतचतुर्थमिटाय सूक्ष्मज्वरकोनाशकरावै भारद्वाजयोंप्रगटसुनावै अथकनकसुंदरीरस चौपई मरचपीपलींसुंठमंगावै दोइजवायणलौंगमिलावै दोइदोटंकसबीयहआन टंकएकभरमीठाठान नीरधत्तूरखरलकरावै पहरएकलगयोंलषपावै सूकैचूरणकरधरजोय रत्तीएकखवावैसोय ज्वरशीतांग-

करैयहनाश कफज्वरकोभीहोएविनाश कनकसुंदरीरसइहनाम शिवजीकह्योपरमसुखधाम ॥ अथलघुज्वरांकुशरस ॥ चौपई ॥ रसगंधकाचित्राअरुनाग त्रिकुटातजपीसोसमभाग रसभंगरेसोंचणकप्रमान गोलीजलमिसरीसोंपान शीतांगआदितेरहिसंनिपात श्वासकासशूलकरघात कफभ्रमवातचौरासीहरै सिद्धज्वरांकुशलघुसुखकरै ॥ अथमहाज्वरांकुशरस ॥ चौपई ॥ रसगंधकविषटंकदोषदोय त्रिकुटातीनटंकधरसोय कनकबीजदोइटंकमिलावै सबइकठेकरपीसरलावै अडिल्यछंद रसआद्रककेसाथखरलसोकीजिये रसआद्रकसोंयगुंजाभरदीजिये वातपित्तकफतापअंगतेंजावही विषमद्वितीयतृतीयचातुर्थिकनारही सूक्ष्मज्वरअरुशीतउदरकीव्यधिहर महाज्वरांकुशनामहरैदुःखपथ्यधर अन्यच्च कनकसुंदरीरस ॥ चौपई ॥ सिंगरफगंधकपिप्पलीआन मरचसुहागातामोठान मीठाकनकबीजपुनल्यावै समसमऔषधपीसछनावै विजयारससोंगुटीबंधान मात्राचणकप्रमाणपछान गोलीतंडुलजलसोंपान अतीसारसंग्रहणीहान ॥ दोहा ॥ रसप्रकारभाष्योभलैंशास्त्रनकेअनुसार ॥ करैचिकित्सासमझ्केसोवैद्यचतुरसंसार ॥ इतिरसक्रियाज्वरांकुशप्रकारःसमाप्तः ॥

॥ अथसर्वज्वरेदैवोपायनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ दैवउपायवखानहैंसकलज्वरनपरिमाण औषधतेंरहजायजोइहउपायज्वरहान ॥ चौपई श्रीविष्णुसहस्रनामकोपाठ करैकरावैदृढकरहाठ अपामार्जनकोमार्जनकरै मृत्युंजयआदिजापअनुसरै स्वर्णरौप्यअन्नादिकदान गोमहिषादिदानदुःखहान अरुजिसग्रहकीपीडाहोय तांजपपूजाकरहैसोय अरुतांग्रहहितदानकरावै इन्हैंउपायरोगमिटावै सकलरोगकीऔषधदान वेदस्मृतिपुराणपरमाण हरिकोभजनश्रवणमनआनै विप्रसंतकीपूजाठानै पार्वतीअनुचरगणसंग अरुमंत्रनयुतसाहितउमंग शिवपूजनपार्थिवकरवावै रोगज्वरादिकक्षयहोइजावै ॥ दोहा ॥ दैवउपायवषानयोंबंगसेनअनुसार रोगसमस्तनिवर्तकरयहनिश्चयमनधार ॥ इतिदैवउपायःसमाप्तः ॥

॥ अथनक्षत्रविचारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंनक्षत्रविचारकोंज्वरप्रविशेजिन्हमांहि तिन्हकेफलआगेसुनोकष्टावलिकहिंगाहि ॥ ॥ चौपई ॥ प्रविशेज्वरजुधनिष्ठामांहि दशदिनतकज्वररहियोगांहि षटदिनवाद्वादशदिनजानो ज्वरतेंमुक्तहोइयोमानो जोशतभिषमोंज्वरपरवेश षट्द्वादशदिनरहैक्लश भाद्रपदाभीइसीप्रकार षटद्वादशदिनकीनउचार परइसमोइकविवरोअहै पूर्वाकोफलमरणोंकहै जोउत्तरामोंज्वरहोयप्रवेश साधचतुर्दशदिनजुकलेश जोरेवतिमोंज्वरसंचार चारदिवसवाअष्टविकार जोअश्विनीमोंज्वरसंचरै षटदिनलोंनरदुःखकोंधरै जोभरणीमोंज्वरप्रगटावै पांचदिनालोंमृत्युकरावै जोकृतिकामोंज्वरप्रगटाय सप्तदिवसलगसोदुःखदाय सप्तमदिनलगदूरनहोय दिनइक्कीसरहैज्वरसोय जोइक्कीसदिनमंझार होइनदूरजोतापविकार दिनपंतालीसोंउपरंत निश्चयमरैसोरोगीजंत जोरोहिणिमोंज्वरपरवेश यारांवादिनअष्टकलेश जोमृगशिरमोंज्वरसंचार षटवादसदिनरहैविकार आर्द्रामोंजोज्वरसंचरै उपरंतपंचदिनमृत्युसुकरै इसउपरंतजुजीवतरहै संसामरणात्रिपक्षमोंगहै पुनर्वसुमोंजोज्वरप्रगटावै दिवसत्रयोदशज्वरमिटजावै इसउपरंततापजोरहै दिवससताईमोंसुखगहै पुष्यनक्षत्रहिंज्वरप्रगटावै तीनरात्रिवासतरहावै अश्लेषामोंज्वरआभासै दीर्घकालकरनरहिंविनाशै मघांवीचजोज्वरसंचरै द्वादशदिनमृत्यूसोकरै

जोद्वादशदिनलगनरजीवै तौनमरैंअैसेलषलीवै जोपूर्वाफालगुनिमंझार जिंहनरकोंज्वरकरसंचार दुःखरहैदशरात्रिपर्यंत सुखउपजैतांतैउपरंत जोउत्तराफालगुनिज्वरआवै आठवानवइकविंशरहावै हस्तनत्त्त्रमांहिज्वरजानै उपरंतसप्तदिनसुखकोंमानै चित्रामोदिनअष्टप्रमान जोनजायपुनचित्राजान स्वातीमोंजोज्वरप्रगटावै दशदिनरात्रिपर्यंतरहावै जोउपरंतरहैयोंमान तीनपत्त्मोंहोइज्वरहान विशाखामोंजाकोंज्वरआवै दिनइकीसमोंमृत्युकरावै अनुराधामोंज्वरसंचरै अष्टमदिनलौंज्वरनरवरै जोदिनआठउपरदुःखधरै ताकोवैद्यउपायनकरै सोरोगीअवश्यकरमरै यहनिश्चयनिजमनमोंधरै ज्येष्ठामोंदिनपांचप्रमाण रोगीमरैनहोइकल्यान याहीतैउपरंतजुरहै दिनद्वादशमोंआनंदलहै मूलांमों जोज्वरप्रगटावै दिनदशरहैंसुयोंलषपावै दशदिनवीचनहोवेहान दिनइकीसउपरंतसुखमान पूर्वाषाढामोंज्वरजास नवदिनलौंमयादातास उत्तराषाढामोंज्वरजाहि एकमासदिननवदुःखताहि श्रवणविषैंदिनआठप्रमाण ताउपरंतहोइकल्यान ॥ दोहा ॥ प्रथमनत्त्त्रविचारलेवैद्यजुवुद्धिउदार पाछैराजादिकनकोंसमझकरैउपचार ॥ इतिज्वरप्रवेशनत्त्त्रदिनसंख्यासमाप्ता ॥

॥ अथसमस्तनत्त्त्रेज्वरप्रवेशउपायनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ ज्वरप्रवेशजिंहजिंहनत्त्त्रमों तिन्हतिन्हकोउपचार भाषसुनावोंसमझकेबंगसेनअनुसार ॥ चौपई ॥ धनिष्टामोंउतपन्नज्वरजोय समंत्रउदुंबरहोमेसोय शतभिषमोंउतपतज्वरजानै समंत्रहवनजलपुप्पजुठानै पूर्वाभाद्रपदाजुमंझार समंत्रहवनशालीभतधार उत्तराभाद्रपदाज्वरमानै हवनसमंत्रघृतभतठानै रेवतिमोंज्वरजवलषपरै सखंडफलनकोहवनसुकरै अश्विनीवीचतापतनजाहि समिधांत्त्रीरवृत्त्हितताहि भरणीमध्यजुज्वरसंचरै काचेचावलहवनसुकरै कृतिकामोजोज्वरहोइजास केवलदधीहोंमैहिततास रोहिणीमध्यजुज्वरप्रवेश सर्वबीजहोमेंउद्देश मृगशिरमोंजोज्वरलषपावै पायसहोमसमंत्रकरावै आर्द्रामोतिलतंडुलजान होमकरैयुतमंत्रप्रमाण पुनर्वसुमोंजोज्वरप्रकाश तंडुलहवनकरहिततास पुष्यविषैघृतत्त्रीरमिलाय हवनसमंत्रकरैचितलाय ऽश्लेषामोंजोज्वरप्रगटावै सर्वौषधकोहवनकरावै ॥ सर्वौषधिनाम ॥ कुठमांसीहलदीदोइजान मघांवरचमुत्थरछुहारेमान अन्यप्रकार सर्वौषधि ॥ छडगुडीनखवचाकुठमान बालारजनीदोनोजान कर्चूरचंवुकमुथ्रछलीरापावै सर्वौषधमुनिजनहिवतावै मघाविषेंशालितंडुलजानै अत्तपूर्वाफालगुनिमानै उत्तराफालगुणीमंझार घृततंडुलहोमैहितधार हस्तमांहिदाधिहवनकरावै चित्रामोपयमधुहोमावै स्वातीमोंजोज्वरलषलीजै घृतगुडतंडुलहवनकरीजै विशाखामोयवकोटाजान अनुराधामोंमासुरप्रमाण ज्येष्टामामोजोज्वरलषपैये पीतपुष्यवास्वर्णहोमैये मूलामोंप्रविसेज्वरआय मूलीहवनसमंत्रकराय पूर्वाषाढामोज्वरजानै वासमतीकोहवनसुठानै उत्तराषाढामोंज्वरहोय रूपाहवनकरावैसोय तासअभावपुष्यसितजाने यथासमरथहवनकोंठानै श्रवणविषैंजाकोंज्वरहोय सर्वरत्नहोमैनरसोय तदअभावमोंतंडुलजान कष्टावलियोंकीनवषान ॥ अथमृत्युयोगः ॥ चौपई ॥ ऽश्लेषाआर्द्रापूर्वातीन विशाखाकृतकाज्येष्टाचीन धनिष्टाशतभिषाभरणीजान मंगलशनिरविवारपछान चतुर्थीषष्ठीद्वादशिजोय नवमीयोगयहदिनतपहोय मृत्युयोगताकोपहिचानो रोगीमरेनसंशयमानो ॥ दोहा ॥ नत्त्त्रविचारकह्योभलैबंगसेनअनुसार करैचिकित्सासमझयहतासांचकित्सासार ॥

॥ अथज्वररोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ ज्वरकेपथ्यापथ्यसबभाष्योभलीप्रकार समुझचिकित्साजोकरैतहांनहोयविकार

॥ अथनवीनज्वरेपथ्यनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ वमनअवरलंघनपहिचानो मांडपानप्रस्वेदहिचानो कटुअरुतीक्षणइसकोंखावै ज्वरनवीनकेपथ्यलषावै ॥ अथनवीनज्वरेअपथ्यमाह ॥ चौपई ॥ स्नानविरेचनऔषधकाथ सरदवस्तुस्वादिकलहुगाथ व्यायामअरुतनवुटणाजानो दिनमोनिद्राश्रमणपछानो क्रोधअवरतनुपवनलगावन मद्यपानगुरुवस्तूषावन मांसदुग्धघृततक्रमठाय बहुभोजनहूअपथ्यलषाय ॥ दोहा ॥ ज्वरनवीनकेपथ्यअपथ्यभाषेभलेबनाय मध्यज्वरीकेकहितहांसुनहोमनचितलाय

॥ अथमध्यज्वरेपथ्यनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ बासमतीअरुसट्ठीदोऊ फुनितंडुलजुपुरातनहोऊ अरुवृंताकसुहांजणजान करेलेपटोलककोडेमान मुंगीमोठमसुरअरुचणै अवरकुलत्थनकोरसगणै इन्हसबकोरसद्राक्षअनार द्रावकशाकहरीडाविचार यहसबमध्यज्वरीकेपथ्य इन्हतैंवाहिरसकलकुपथ्य ॥ दोहा ॥ मध्यज्वरीकेपथ्यअपथ्यभाषेभलीप्रकार पथ्यपुरातनतापकेकहोंसुनोंचितधार

॥ अथपुरातनज्वरेपथ्यम् ॥

॥ चौपई ॥ रेचानिरुर्दअंजननसवार रुधिरनिकासनहरडविचार तैलाभ्यंगतनुवुटणाधरै नाडेकाजलपानसुकरै एरंडतैलमलावैदेह सितचंदनपापडालषेह लवावटेरातीतरमोर कुक्कुटहरणपुनलहोचकोर इन्हसबनकेकेहजुमास पुरातनज्वरकेपथ्यलखतास चंद्रचांदनीजानसुजान इस्त्रीकंठलगनपथ्यमान गौबकरीकोपयघृतमानै जीरणज्वरकेपथ्यपछानै इन्हतेंअवरवस्तुजोहोय जीर्णज्वरअपथ्यकहैसोय ॥ दोहा ॥ जीरणज्वरकेपथ्यसबअरुअपथ्यनिरधार सन्निपातज्वरकेकहोंपथ्यापथ्यविचार

॥ अथसन्निपातज्वरेपथ्यम् ॥

॥ चौपई ॥ आमवातकफहरजोलहिये सन्निपातमोंपथ्यसुकहिये गंडूषअवरअंजननसवार हृदयशोधनपुनकीनउचार श्वेतकुलत्थमहीनापिसावै सोबहुतांकेअंगमलावै हस्तपादकंठउरमांहि मस्तकअवरकपोलमलांहि सन्निपातमेंलंघनपथ्य शीतलजलअरुअन्नअपथ्य ॥दोहा॥ सन्निपातकेपथ्यअपथ्यभाषेग्रंथनिहार अवरहुंवहुतज्वरनकेअवसुनकरोंउचार ॥

॥ अथबहुज्वरेपथ्यापथ्यम् ॥

॥ चौपई ॥ खेदहुतेंजोतनुज्वरहोय तैलमलनवुटणापथसोय व्रणजक्षतजज्वरजोतनुलहिये व्रणक्षयतकोउपायपथ्यकहिये कुथ्यादिकवस्तुगंधकरजोय ज्वरनरतनमोंउपजतहोय पित्तशांतिपथ्यतिसजानो अवरप्रकारनमनमोंआनो अरुअभिचारशापतेंजोय नरकेतनज्वरउतपतहोय दानहवनजपतपपथ्यमाना अवरभावनाहितउरठाना जोग्रहपीडाउतपातनतें प्रगटहोइज्वरजांकेतनमें ताग्रहपूजनपाठकरावै जपकरवावैदानादिवावै यहीपथ्यतांकोपहिचान करेजुनाहिअपथ्यसोउमान जोबहुक्रोधहुतैंज्व-

रहोय पित्तहरनवस्तूपथ्यसोय अवरहुंहितआचरणसुपथ्य भाषेयहपथ्यनकरेकुपथ्य कामशोक-भयेतेंज्वरहोय वातहरनवस्तूंपथ्यसोय अवरादिलासाहर्षबढावै कामादिकज्वरकेपथ्यगावै ज्वरभूतादि-डाकिनीजोय जोजांकेतनउत्पतहोय तांकोबंधनताडनपथ्य लिखाशास्त्रमोंयहविधितथ्य मनके-क्षोभहुतेंज्वरजोय उपदेशसंतशास्त्रपथ्यसोय सवर्ज्वरनकोपथ्यबताए जैंसेशास्त्रनतैंलषपाए विष्णुस-हस्त्रनामकोपाठ करैसुनैकरवावैहाठ देवीपत्रगुरुब्राह्मणयजै मंगलाचरणनारायणभजै यहसबज्वर-कोपथ्यपछान अवरपथ्यनाइन्हेसमान सबरोगनकापथ्यहरिनाम अवरदानधारोउरधाम ॥

॥ अथज्वरवेगसमयकेअपथ्यनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ वेगज्वरनकेमध्यमेंकहोंअपथ्यविचार सोकवहूंनहिचाहिएसुनहोबुद्धिउदार
॥ चौपई ॥ रक्तपुष्पकीमालाजान रक्तवस्त्रपुनलषोंसुजान अतिभोजनअरुदांतनलहिये अमल-जुपत्रशाकपुनकहिये वमनअवरशीतलजलपान हिंदवानाकेलापहिचान अरुतांबूलभक्षणसुनलेहु ज्वरकेवेगअपथ्यसुएहु ॥

॥ अथज्वरमुक्तअपथ्यनिरूपणम् ।

॥ दोहा ॥ ज्वरकेमुक्तहूयेहूयेजेऊअपथ्यजुमान तिन्हसबहीकोकहितहोंसमझोपुरुषसुजान
॥ चौपई ॥ इस्त्रीसंगभ्रमणइसनान अतिभोजनव्यायामपछान अवलगबलआवैनहिदेह तवल-गतजैअपथ्यजुएह ॥ दोहा ॥ पथ्यअपथ्यसबज्वरनकेभाषेभलीप्रकार पथ्यगहैत्यागैअपथ्यसोसुखिया-संसार ॥ इतिसमस्तज्वररोगेपथ्यापथ्याऽधिकारःसमाप्तः ॥ दोहा ॥ निदानचिकित्साज्वरनकीअरुसम-स्तसन्निपात विचारनचत्रापथ्यअपथ्यसबभलकीनविख्यात ॥

॥ अथकर्मविपाकउपायज्वरको ॥

॥ चौपई ॥ जोनरपूर्वजन्महोइक्रूर नीचकर्मदुराचारमतिपूर तिंहसततंज्वरकरैप्रहार तासउपाय-करोउपचार ॥

॥ अथउपाय ॥

॥ चौपई ॥ जातवेदकामंत्रप्रधान अष्टोत्तरजपकरेसुजान फूलहजारकलशजलधरै सोजलशंभुजलैरीधरै इसीमंत्रब्रह्मभोजकराय यथाशक्तिपुनदानदिवाय कलशमध्यमांसीअरुऔषध पाइतांहिजलकरैस्नानविध

॥ अथज्योतिषज्वरको ॥

॥ दोहा ॥ देवगुरूकीदशामोबुधजोकरैप्रवेश अथवानिशिपतदशामोकेतूकरेनिवेश सूर्यपडैजानी चघरअथवाचंद्रपडजाय तौप्राणीकोरोगज्वरसदारहैलपटाय सूरजनीचउपायइहआकृष्णमंत्रकरजाप मुंगाअथवामणीकोअंगधारहरपाप मनशिलालाचीमुलट्ठकेसरखस्सदियार कमलबीजफुनपुष्पवरकर-स्नानज्वरटार उदधिजनीचउपाययहपलासकाष्टकरहोम मोतीरजतधरअंगमोमंत्रजापकरसोम चंद्र-नीचमोस्नानयहपंचगव्यअरुसीप कुमुदछालअरुफटिकसोंमज्जनकरेसमीप गऊदानसूरजप्रतीचंद्रचां-दीशंखमान सोप्राणीज्वरमुक्तहैसंतापहुदूरपछान ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथसन्निपाततथासंततज्वरेकर्मविपाक ॥

चौपई जोनरदाहशीतज्वरवरै अथवासन्निपातज्वरचरै असेज्वरकरपीडितहोय तासउपायकहोहितसोय

॥ अथउपाय ॥

॥ चौपई ॥ कुंभस्वर्णचांदीवापीतल यथाशक्तिमृतिकाकानिश्चल सोकुंभउचितप्रीतसोंकरै तंडु-
लपांचद्रोणपरधरै घृतवाखंडगुडसोंभरै वामखीरदधीतिलभरै यथाशक्तिपूरणकरताहि कुंभहि-
पुष्पमालपहिराहि श्वेतगंधकरलेपनवरै पूर्वमंत्रसोंहवनचरुकरै श्रुतशूलायमंत्रसनमान विधिवि-
धानपूजनजपदान यथाशक्तिकंचनकरदान शिवनिमित्तइहकरैमहान इहाविधिसर्वज्वरनकोहरै स-
न्निपातनैत्यिकज्वरटरै द्वितीयतृतीयचातुर्थिकहोय पाक्षिकमासिकहनैज्वरसोय ॥ दोहा ॥ ज्वररुजस-
बवर्णनकियोकारणसहितउपाय उदररोगवर्णनकरोंसोसुनियेचितलाय

॥ अथज्योतिषसन्निपातको ॥

॥ दोहा ॥ केतूअंतरदशाजबवुधपडैसिहआय वारविसुतकीदशामोराहुदशापडजाय जोवुधकर-
पीडाहोइजपवुधमंत्रमहान पुटकंडेकाकाष्टलेहवनस्वर्णकरदान जलअक्षतफलरोचनासिपीस्वर्णमखीर
शतावरीफुनिडारकरस्नानकरेमतिधार जोराहूकरपीडाकरैकयानमंत्रजपसार दूर्वासोंअतियज्ञकरवि-
प्रभोजमनधार सुर्मालोधरधमनिकालेतिलसोएआन घनमुस्थरधान्यखीललेपाइकरेइस्नान नीलमप-
हरेअंगमोसन्निपातज्वरजाय औरअंतरेजोलिखेसबहीतापनसाय ॥ इतिज्योतिषः ॥

॥ श्रीनृसिंहयंत्रधारणेनभूतज्वरशांतिः
वीजंसाध्यसमन्वितंप्रविलिखेन्मध्येष्टपत्रे
क्षिप्याबहिर्वेष्टयेत् बाह्येकोणगवीज
हामयारिपुप्रध्वंसनंश्रीपदं यंत्रप्रकाशोयथा ॥
भिधास्येविधिवन्नारसिंहंमहामनुउग्रं
माभाष्यसर्वतोमुखमरियेतुन्टासिंहंभीष
यंप्रोक्तोमंत्रोद्वात्रिंशदक्षरः मंत्रप्रकाशः
मुखंन्टासिंहंभीषणंभद्रंमृत्युमृत्युंनमाम्यहं ऋषि
तानरसिंहोस्यसुरासुरनमस्कृतःचातुर्भिर्हृदयंवर्णैः
द्दिष्टःषड्भिःकवचमीरितंतावाद्भिर्नयनंप्रोक्तमस्त्रंस्यात्कर
ग्रिसंधिषु साग्रेषुकुक्षौहृदयेगलेपार्श्वद्वयेपुनःअपरार्णा
स्याद्रिसमप्रभंनिजरवैःसंत्रस्तरक्षोगणंजानुन्यस्त
तशंखचक्रमनिशंदंष्ट्रोग्रवक्त्रोल्लसज्ज्वालाजिव्हमुदग्र
भुं वर्णलक्षंजपेन्मंत्रंतत्सहस्रंघृताप्लुतैःपायसान्नैः
नले एवंकृतेभवेन्मंत्रीसिद्धमंत्रप्रतापवानइति
क्षजपेनभूतज्वरशांतिःतथाचोक्तंशारदातिलके
शनोयंमनुःस्मृतःतन्मंत्रमप्युक्तंतत्रैव क्षकारोव
तारलसन्मूर्ध्नीबीजंनरहरेविंदुःबीजंनमोभग
लिनेपश्चाद्दीप्तदंष्ट्रायतत्परं अग्निनेत्रायसर्वा
शांतेनकारोदीर्घमान्मरुं सर्वज्वरविनाशांतेमा
फट्स्वाहाधुवादिकः अष्टाषष्टाक्षरैःप्रोक्तोज्वालामालीमहामनुः

॥ तथाचोक्तं शारदातिलकेषोडशेपटले
यथामंत्रार्णान्श्रुतिशोविभज्यविलिखे
बद्धवसुधागेहद्वयेनावृतं यंत्रंक्षुद्रविषग्र
इतिकिंच नरसिंहमंत्रोद्धारोयथा अथा
वीरंवदेत्पूर्वंमहाविष्णुमनंतरंज्वलंतंपद
णंभद्रंमृत्युमृत्युंवदेत्ततःनमाम्यहम
यथाउग्रंवीरंमहाविष्णुंज्वलंतंसर्वतो
ब्रह्मासमुद्दिष्टःछंदोनुष्टुपुदाहृतम्
शिरस्तावद्भिरीरितंशिष्टाष्टभिःसमु
णाक्षरैःशिरोललाटनेत्रेषुमुखबाव्हं
ककुदिचन्यसेद्वर्णान्यथाक्रमात् माणि
करद्वयंत्रिनयनंरत्नोल्लसद्भूषणंबाहुभ्यांधृ
केशनिचयंवंदेनृसिंहंवि
प्रजुहुयाद्विधिवत्पूजिते
किंचश्रीनृसिंहमंत्रल
षोडशपटलेविशेषात्क्षुद्रभूतादिना
न्हिमारूढमनुस्वारसमन्वितःविंदु
वतेनरसिंहायतत्परं स्याज्ज्वालामा
दिरक्षोघ्नायपदंवदेत् सर्वभूतविना
यांतौदहसुग्मकम् एषद्वयंरक्षयुगंहुं
ञ्चकारःवहःरेफमारूढःमनुस्वारेण

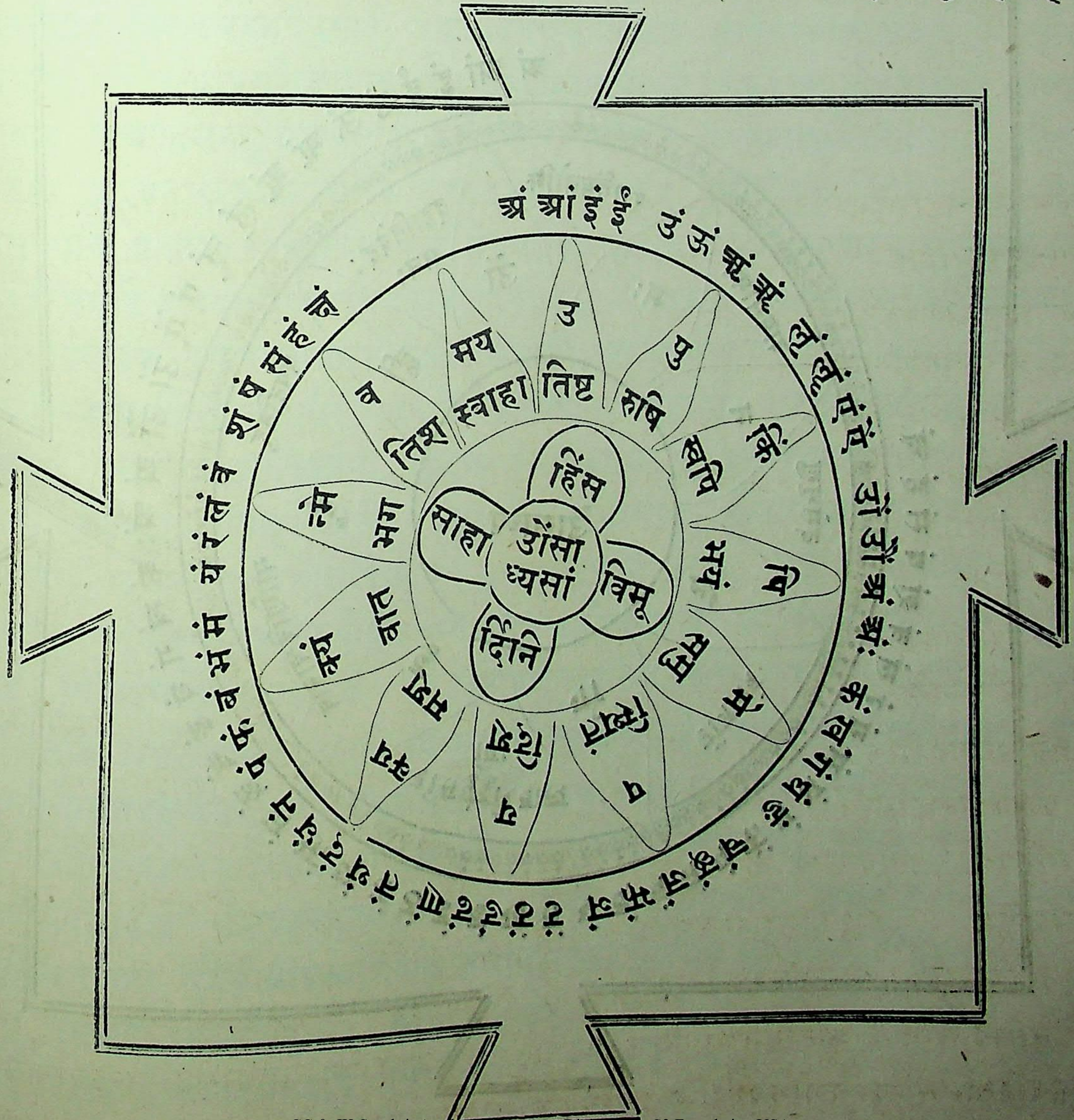
क्षौं क्षौं क्षौं
क्षौं
क्षौं
उग्रंवीरंमहावि
ष्णुंज्वलंतंसर्व
तोमुखंनृ
सिंहंभीष
णंभद्रं
मृत्यु
मृत्युं
नमा
म्यहं
साध्यं
नाम
च

चतुर्दशस्वरेणऔकारेणसमन्वितःतेनक्ष्रौंइतिभवति बिंदुतारेणमूर्ध्नियुतःतेनक्ष्रौंइतिवीजं इदमेवनमोभगवतेनरसिंहायइतिज्वालामालिनेपश्चाद्दीप्तदंष्ट्राय इतिचस्फुटंअग्निनेत्रायइत्यपिस्फुटंसर्वामितिआदौयस्यतथाविधंरक्षोघ्नायइतिपदंसर्वभूतविनाशइत्यंतोनकारःततोमरुत्यकारःदीर्घमतानेनइहइतिसर्वज्वरविनाशइत्यंतेनायइति अतोदहयुग्मंदहदहइति पचद्वयंपचपचइति रक्षयुगंरक्षरक्षइति हुंफट्स्वाहाइतिस्फुटंअयंमंत्रोध्रुवादिकः प्रणवादिकइति ॥ मंत्रप्रकाशोयथा ॥ ॐक्ष्रौंनमोभगवतेनरसिंहायज्वालामालिनेदीप्तदंष्ट्रायअग्निनेत्रायसर्वभूतविनाशनाय ज्वरविनाशनायदहदहपचपचरक्षरक्षहुंफट्स्वाहा हृत्रयोदशभिःप्रोक्तंशिरोदशभिरीरितं शिखैकादशभिर्वर्णैर्वर्णाष्टादशभिर्मतं वर्णैर्द्वादशभिर्नेत्रमस्त्रंस्यात्करणाक्षरैः एवंवर्णानिविन्यस्यचिंतयेन्मंत्रदेवतां उज्ज्वलत्प्रलयानलाभयुग्मनेत्रमनारतं भास्वरंशिखिनःशिखाभिरुदग्रदंष्ट्रामुखांबुजं रक्षसांभयदंकीर्णजटाकलापविभीषणं शंखचक्रकृपाणखेटकधारिणंनृहरिंभजे लक्षमेकंजपेन्मंत्रंतद्दशांशंसमाहितः कपिलाज्येनजुहुयात्सामिद्धेहव्यवाहनइति॥ किंचश्रीनृसिंहचक्रंलिखित्वा तत्रभूतातुरंसंस्थाप्यतन्मत्रंजपाभ्यांभूतज्वरशांतिः ॥ तथाचोक्तंशारदातिलकेषोडशेपटले॥ नृसिंहशक्तिबीजेद्वेशूलतारगतेलिखेत् तत्रग्रहार्तंसंस्थाप्यजपेन्मंत्रंषडक्षरं आविश्यसद्यस्तंमुंचेत्ग्रहःक्रंदभयाकुलःमंत्रः पूर्वोक्तएव॥इति ॥

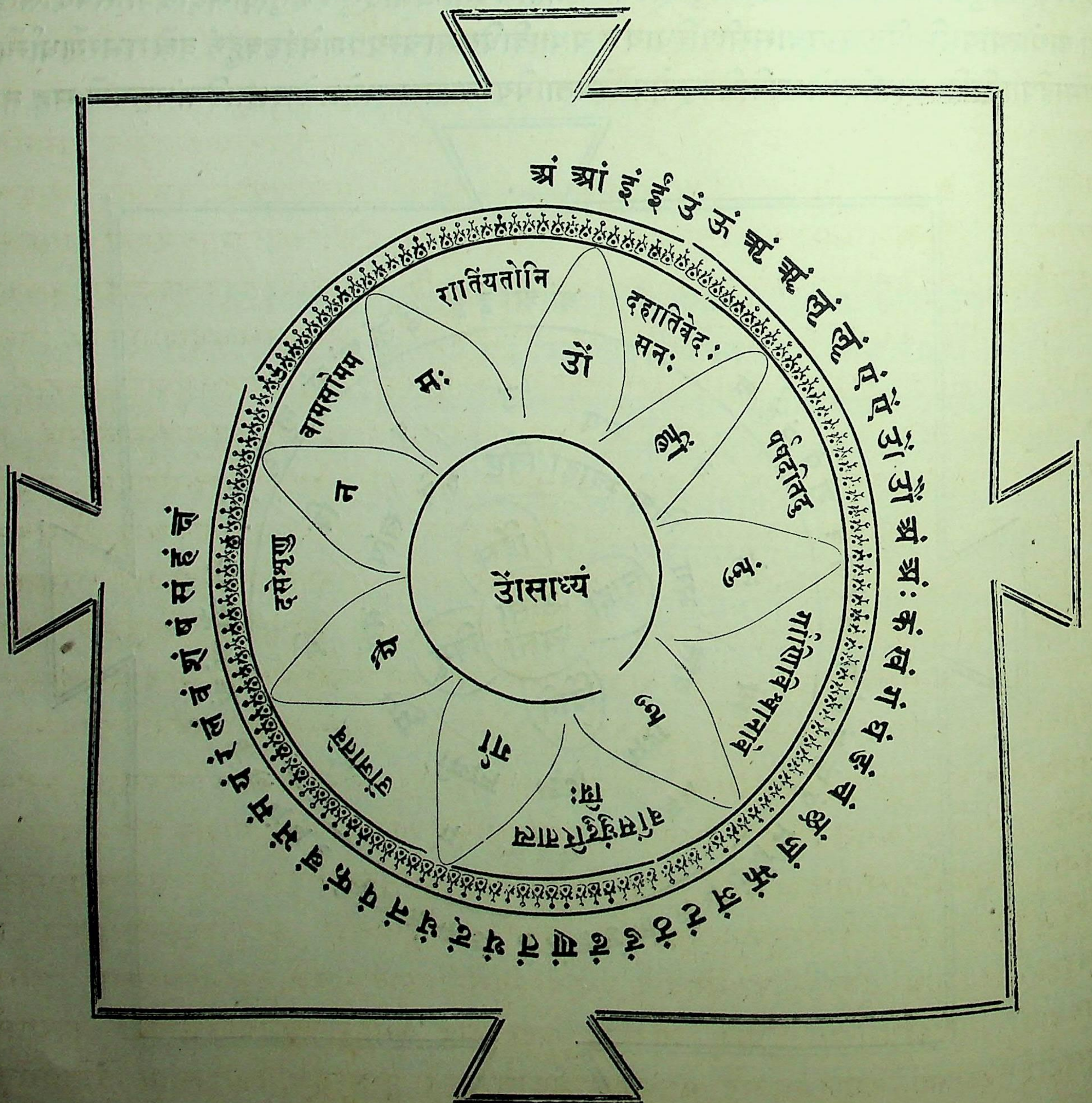
॥ अथदुर्गायंत्रमंत्रौ ॥

महालक्ष्मीमंत्रसहस्राभिमंत्रितकलशाभिषेकेनभूतज्वरशांतिः तथाचोक्तंशारदातिलकेष्टमेपटले महारोगेषुजातेषुकृत्याद्रोहेषुदेशिकः भूतेषुदुर्निमित्तादौविदध्यादभिषेचनं॥ तन्मंत्रोद्धारंयथा ॥ वाग्भवंशंम्भुवनितारमामकरकेतनःतार्तीयंचजगत्पार्श्वोवन्हिवीजसमुज्वलःअर्घीशाढ्योभृगुस्त्यैहृन्मंत्रोयंद्वादशाक्षरः वाग्भवंऐंशम्भुवनिताह्रींरमाश्रींमकरकेतनः क्लींतार्तीयंसौःजगत्स्फुटंपार्श्वंपकारः वन्हिवीनसहितः तेन प्र भृगुःसकारःअर्घीशाद्यःऊकारःतेनसहितःसूइतिभवति स्त्यैइतिस्फुटं हृतनुःनम इति-अयंमनुःताराद्यःतारःॐकारःआद्योयस्येति महालक्ष्म्यासमुद्दिष्टस्ताराद्यःसर्वसिद्धिदः॥ मंत्रप्रकाशोयथा॥ ॐऐंह्रींश्रींक्लींसौंजगत्प्रसूत्यैनमः ऋषिर्ब्रह्मासमुद्दिष्टछंदोगायत्रमीरितं देवताजगतामादिमहालक्ष्मीःसमीरिता हस्तौसंशोध्यमंत्रेणताराद्दिहृदयांतकं वीजानांपंचकंन्यस्येदंगुलीषुयथाक्रमं मंत्रशेषंन्यसेन्मंत्रीतलयोरुभयोरपि मूर्द्धादिचरणंयावन्मंत्रेणव्यापकंन्यसेत् मूर्द्धाक्षिवक्त्रगुह्यांघ्रौपंचवीजानिविन्यसेत् शेषान्न्यसेत्सप्तवर्णान्हृदयेसप्तधातुषु अंगानिपंचाभिर्वीजैरस्त्रंशिष्टाक्षरैर्भवेत् ज्ञानैश्वर्यादिभिर्युक्तैश्चतुर्थ्यंतैःसजातिभिः ज्ञानमैश्वर्यशक्तीचवलवीर्यसतेजसी ज्ञानैश्वर्यादयःप्रोक्ताःषट्क्रमादंगयोजिताः एवंन्यस्तशरीरोसौस्मरेदुद्यानमद्भुतं चंपकाशोकपुन्नागपाटलैरुपशोभितं ॐवालार्कद्युतिमिंदुखंडविलसत्कोटीरहारोज्ज्वलां रत्नाकल्पविभूषितांकुचनतां शालेःकैरमंजरीम् पद्मंकौस्तुभरत्नमध्यविरतंसंविभ्रतींसस्मितां फुल्लांभोजविलोचनत्रययुतां ध्यायेत्परामंविकाम् ॥ अथकलशाभिषेकविधिः॥ कृत्वानवपदात्मानंमंडलंयंत्रभूषितं अभिषेकंप्रकुर्वीताविधिनासर्वसिद्धये कलशान्स्थापयेत्तेषुपदेषुशुभलक्षणान् चंदनालिप्तसर्वांगान्दूर्वाक्षतसमन्वितान् दुकूलवेष्टितानेतान्पूरयेत्तीर्थवारिभिः मध्यकुंभेक्षिपत्स्वर्णंयंत्राढ्यंदेशिकोत्तमः चंदनोशीरकर्पूर-

जातिकंक्कोलकुंकुमं कुष्ठागुरुतमालैलायुतंसंपिष्टभागतः विलोड्यसर्वकुंभेषुरत्नान्यपिविनिक्षिपेत् लक्ष्मीदूर्वामहाभद्रामहादेवीमधुव्रता मुसलीशक्रवल्लीचक्रांतापामार्गपत्रकं प्रियंगुमुद्गगोधूमव्रीहींश्चसतिलान्यवान् शालितंडुलमाषांश्चप्रक्षाल्यैतेषुनिक्षिपेत् धात्रीलकुचविल्वानांकदलीनारिकेलयोः फलान्यपिविनिक्षिप्यपुष्पाण्येतानिविन्यसेत् पद्मसौगंधिकंजातिमल्लिकांवकुलंतथा चंपकाशोकपुन्नागतुलसीकेतकोद्भवं पल्लवानिवटाश्वत्थप्लक्षोदुंवरशाखिनां ब्रह्मकूर्चंचनिक्षिप्यचंपकैःसफलाक्षतैः विधायकुंभवक्त्राणिक्षौमैराछादयेत्ततः आवाह्यमध्यकलशेमहालक्ष्मींप्रपूजयेत् यजेदुमाद्याःशिष्टेषुकलशेष्वष्टसुक्रमात् गंधैर्मनोहरैःपुष्पैर्धूपदीपसमन्वितैः निवेद्यभक्ष्यभोज्यानितान्स्पृष्ट्वाप्रजपेन्मनुं त्रिसहस्रजपस्यांतेसाध्यमानीयसंयुतं संस्थाप्यस्थंडिलेपीठंतास्मिंस्तंविनिवेशयेत् रम्यैराभरणैर्वस्त्रैरलंकृत्यतमादरात् सुमंगलाभिर्मालाभिःक्षिप्तपुष्पाक्षतान्वितं अर्चितानांद्विजातीनामाशीर्वादपुरःसुरं नदत्सुपंचवाद्येषुमुहूर्तेशोभनेसुधीः मध्यस्थंकुंभमुद्धृत्यमहालक्ष्मीमनुस्मरन् अभिषिंचेत्क्रमादन्यैःकलशैरपिदैशिकः करेणास्यशिरस्पृष्ट्वाःप्रयुंजीताशिषंगुरुः भद्रमस्तुशिवंचास्तुमहालक्ष्मीःप्रसीदतु रक्षंतुत्वासदादेवाःसंपदःसंतुसर्वदा अथोत्थायाभिषिक्तःसन्वाससीपरिधायच यथाविधिसमाचम्यप्रणमेद्दंडवद्गुरुं वस्त्रैराभरणैर्धान्यैर्धनैर्गोमहिषादिभिः दासीदासैश्चविधिवत्तोषयेद्देवताधिया ब्राह्मणान्भोजयेत्पश्चाद्दिनांधक्तपसैःसह तदाक्त



तार्थमात्मानंमन्यतेनुद्विजोत्तमः ॥ इति किंच श्रीदुर्गायंत्रधारणेन भूतज्वरशांतिः ॥ तथाचोक्तंशारदातिलके एकादशेपटले मध्येतारवीजमंतस्थसाध्यंपत्रेष्वष्टौमंत्रवर्णान्विलिख्य त्रिष्टुब्वीतंवेष्टितंमातृकार्णैर्यंत्रंदौर्गभूपुरस्थंविदध्यात् क्षुद्रभूतमहारोगचौरसर्पनिवारणम् यंत्रप्रकाशोयथा ॥ दुर्गायंत्रधारणेनभूतज्वरशांतिः ॥ कार्त्तवीर्यार्जुनकवचस्मरणेनभूतज्वरशांतिः श्रीनृसिंहयंत्रधारणेनभूतज्वरशांतिः श्रीपशुपतिमंत्रायुतद्वितयजपेनभूतज्वरशांतिः प्रत्यंगिरापाठभवजलसेचनेनभूतज्वरशांतिः नरसिंहमंत्राभिमंत्रितकलशसेचनेननवग्रहज्वरशांतिः दुर्गामंत्रस्मरणेनग्रहज्वरशांतिः हनुमत्मंत्राष्टोत्तरशतजपेन विषमज्वरशाति र्वासर्वज्वरशांतिः मृत्युंजयमंत्राजपपाठेनविषमज्वरशांतिः सूर्यकवचपाठेनसर्वज्वरशांतिः अपामार्जनस्तोत्रपाठेनसर्वज्वरशांतिः



॥ अथान्यप्रकारज्वराधिकारकथनं ॥

॥ चौपई ॥ तापनामज्वरकहिएसोई हुंमानामफारसीहोई यूनानीनउोभेदकाजांनो लक्षणआगेभिनवखांनो हुंमायौमनामइकहोई दिवसतीनलगआवतसोई कईवैद्यदिनछेइवतावत निश्चयतापआपहटजावत दूसरहुंमादिक्ककहावे धातुगतहोदेहसुकावे तीसरहुंमागिवृजोहोई तृतीयपित्तज्वरकहिएसोई चौथाहुंमावलगमकहिए कफकाकोपताहुमेंलहिए पंचमहुंमामतवकहोई रुधिरदोषकरमांनोसोइ छेइमुरक्कवहुंमाकहिए द्वंद्वजदोषताहुमेंलहिए सप्तमहुंमारुवुकहावे चातुर्थिकवातकोपकरआवे हुंमामोरकअष्टमजानो रहेवेगअतिपित्तपछांनो नवमासतरुलगिवूकहावे द्वंद्वजकफअरुपित्तदिखावे तीसरदिनमेजोरपछांनो लक्षणनउोभेदकेमांनो उनतालीभेदउौरमतमांने नउोभेदजोआदिवखांने संन्निपातकेतेरांकहिए अतीखेदज्वरआठोलहिए असाध्यनउोभेदकाजांनो यतनवीचआवतनहिमांनो उनतालीभेदजाहिविधहोई करनिश्चयविधउौषधसोई हिंदुस्तानतापनहिजानत सरदीहोगरमीमनआनत गरमीहोसरदीलखपावे रोगीमरेभुलेखेजावे चरवीआदिउौरचिकनाई मन्हेतापमेंदेवेनाही वातिकतापच्चीनअतिहोई तीसरदरजेप्रापतजोइ चिकनाईवस्तुताहीमेदेवे तापदूरनिश्चयसुखलेवे जेकरतापपछाननहोई निराहारव्रतदेवेसोई जेकरप्रवलक्षुधाप्रकटावे मुंगीचावलताहिखुलावे गर्मनीरकरताहिपिलाय सकलभेदपरशिक्षागाय दोइतापहिंदीमतमांनो एकदोषवाद्वंद्वजजांनो आदवातज्वरऐसाहोई लक्षणभिंनसुनोअवसोई दर्जेप्रथमतापजोआवे कंपवातअतिशीतलगावे रोमावलीखडीप्रगटाय हृदयदाहमुखकांतिजाय करपदभारेनिद्रानाहि अवासीवहुतदेहअकडाही नखकालेअतिश्वासवधावे वकवादकरेशिरपींडापावे देहगर्मसीतलहोजाय मीठामुखलक्षणप्रघटाय गिलोयसतावरीदोइमंगावे दसदसमासेकाथचढावे ताकोपानकरेनितकोइ दिवससातलगअतिसुखहोइ आद्रकपत्रगिलोईल्याय पुष्करमूलघारसंगपाय मघकिरायततातासंगहोई वृद्धकंडेआरीमेलोसोई चारसेरजलकाथचढावे तिंनतिंनमासेउौषधपावे कोसापांनकरेनरकोई वातज्वरतवनाशेहोई जेकरदरजादूसरजांनो आगेलक्षणताकेमांनो खुशकीजोडपीडप्रघटावे हाथपैरपरपीडदिखावे जैसेंवातगंठिआजांनो ज्ञानइंद्रिआंउलटीमांनो जेकरहाथजोडपरलावे रोमावलीखडीहोंजावे सकलदेहशीतलहोजाय सकलजोडपरसोजदिखाय लक्षणपेटपीडप्रघटावे पूर्वयतनकरखेदहटावे जेकरदर्जातीसरहोई आगेलक्षणसुनिएसोई वातअंगपरअतिवलपावे सोईअंगमारेआजावे खुष्कीताहाप्रापतहोई अडेअंगउौषधनहिकोई हर्कतरहेऋतूवतमांनो करेयतनदुखदूरपछांनो चिकनाईनर्मस्निग्धअतिखावे गर्मतैलकीमर्दनभावे नारायणतैलसतावरहोई निफततैलइत्यादिककोई मर्दनकरेधूपमेंजाय सीसपादलगमर्दनभाय तप्तनीरसंगसीसधुलावे पुलकामांसरसेसंगखावे मदिराआदिनशामनभाय खट्टामिठासोनहिखाय एरनकेफुनिपत्रमंगावे एरनतैलताहुपरलावे करेगर्मवांधेनरकोई जोडपीडदुखनाशेहोई संभालुपत्रनर्मकरवावे एरनतैलताहिपरलावे गुदावीचवत्तीपहुंचाय होवेसुखदुखनिश्चयजाय दुंवेकीमींङ्नमंगवावे जलायभस्मरोटीमेपावे मलेजोडफुनिपत्ररखाय ऊपररोटीगर्मवंधाय मांसवीचगरमीपहुंचावे जोडपीडदुखदूरहटावे कलौंजीखलउवालकरकोई वांधेगर्मशीघ्रसुखहोई छिलकानिंवग्यारमंगवावे मघकंडेआरीदाखरलावे पुष्करमूलगिलोईल्याय त्रैत्रैमासेकाथ-

चढाय मलेगर्भपीवेजवकोई हरदोषसुखनिश्चयहोई मुलठीमघगजपिप्पलल्यावे त्रिवीसंगजढपन्हीपावे सतसतमासेकाथचडाय आधसेरपीवेदुखजाय भोजनमुंगीपथ्यखुलावे वातज्वरदुखदूरहटावे

॥ तपदूसरापैत्तिक ॥

॥ चौपई ॥ पित्तज्वरहिंदीमतहोई शतरुलगिव्वफारसीसोई पित्तवीचपित्तकेआवे दुरगंधीवीचहृदेपहुंचावे तौफुनिसकलदेहमेजाय तृतीयज्वरतवहींप्रघटाय लच्छणमुखकौडाहोजावे हृदेवीचअतिकाःलीपावे मुखअरुनेत्रपीतरंगहोई दाणेश्वेतजोडपरसोई जैंसेखसखसदाणामांनो तैसेंनामतोरकीजांनो तृषावहुतवकवादकराय घूर्णितारहेछुधाहटजाय पीतनेत्रअरुमूत्रदिखावे अंधकारदृष्टीमेआवे वमनपीतरंगनिकसतसोई चलेपेटनर्मअतिहोई तृषाअधिकउोष्टफुटजाय मुखअरुहृदयजलनप्रघटाय घूंमेशिरसीतलमणभावे लच्छननाडीचपलदिखावे सुगंधितसीतलछायाजोई रोगीतहांशयनसुखहोई शीतलभोजनताहिखुलावे वहुविधपित्तजकोपहटावे पित्तपापडादाखमंगाय अंवलतासकौडसंगपाय नागरमोथासंगरलावे करेकाथसोताहिपिलावे चंदनात्रिवीसुंठमंगवाय नागरमोथावालापाय काथतींनादिनताहिपिलावे पित्तजतापशीघ्रहटजावे पन्हीजढअरुदाखमंगाय धनिआंतीनोजलमेपाय तृषाहोएसोनीरपिलावे पित्तजखेदशीघ्रहटजावे रातसमेगंनेमंगवाय गनेरीकरगुलावछिडकाय रातत्रेलकेवीचरखावे चूपेप्रातपित्तहटजावे घडेमंगायनीरभरकोई नजरवीचराखेसुखहोई अथवानीरहौदकाल्यावे चांदीतपायवुझायपिलावे धनिआजढपन्हीमंगवाय दाखमेलसमभागपिसायपोटलीबांधनीरमेपावे होवेसीतलपांनकरावे जेकररुधिरपित्तप्रघटाय वालाचंदनश्वेतमंगाय नागरमोथादाखमंगावे पन्हीजढपित्तपापडपावे काकजंघजढसोसनल्याय सतसतमासेकाथचढाय नौमासेमिसरीसंगपावे अष्टमासकरकाथपिलावे षदमुलठीदाखमंगाय निंवबृक्षकाछिलकापाय कमिआंपुष्पकिरायताल्यावे गिलोकंडेआरीसंगरलावे सतसतमासेकाथचढाय दसमासेमिसरीमेलपिलाय ॥ तापतीसराकफदा ॥ चौपई ॥ श्लेषमज्वरजाकोप्रघटावे छातिजठरअधिककफआवे उवाललेतदुरगंधीसोई हृदेजायधमनिगतहोई तौवहपसरदेहमेजावे श्लेषमीज्वरताहिप्रघटावे तंगश्वासरवांसीसंगहोई परसाअधिकश्वेतनखसोई चलेनेत्रजलछुधाहटाय भारेजोडसिथलताछाय पलकसोजवहुनिद्राआवे कंपवाततनसीतलगावे मुखमीठावाखाराहोई मूत्रश्वेतकलुपीलासोई पृष्टकमरमेपीडदिखावे सकलजोडसीतललखपावे ऋतूवतलेसदारअतिजाको निश्चयदोखहोततनताको अथवासीतकालमेसोई निराहारव्रतकरसुखहोई कुलत्थउवालनीरनिकसावे दिवसतींनलणसोइपिलावे दिनचौथेमुंगीमंगवाय दलिआकरघृतकेविनखाय दिवसछेइलगऐसाकीजें तौफुनिकाथताहुकोदीजें वांसासुंठघारमंगवावे गिलोकंडेआरीसंगरलावे सतसतमासेकाथचढाय दिवससातलगताहिपिलाय भडिंगीसुंठगिलोमंगवावे किरायतासंगकंडेआरीपावे त्रैत्रैमासेकाथचढाय दिवससातलगपांनकराय वांसासुंठगिलोईआंनो पुष्करमूलकंडेआरीठांनो धमाहमेलसमऔषधल्यावे त्रैत्रैमासेकाथापिलावे कौडहरडसुंठीमंगवाय पिप्पलमूलताहिसंगपाय त्रैत्रैमासेकाथचढावे दिवससातलगताहिपिलावे छिलकानिंवसुंठमंगवावे अमलतासमघसंगरलावे करेकाथपीवेनरसोई सातोदिनमेकफहरहोई त्रिफलानागरमोथाल्यावे ह्रीवेरइंद्रजवरलावे पटोलपत्रचित्रासंगपाय अमलतासक्काथवनवाय सतसतमासेऔषधपावे मधूमेलदिनसातपिलावे गर्मनीरजलपांनकराय कफकाकोपसकलहटजाय चौथा-

तापहधिरी ॥ चौपई ॥ जैकरतनुगरमीअतिहोई रुधिरीतापताहुंकोसोई हिंदीमतमेरुधिरनमाने मानततीनदोषजगजाने यूनानीदोषचारमनआनत रुधिरदोषसोमुख्यपछानत तांकरऔषधालिखीनकोई द्वंद्वजतापसुनोअबसोई ॥

॥ तापपित्तवातसंयोगी ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्तज्वरजांकोहोई कासश्वासतंगीकासोई क्षुधादूरमुखपाणीआवे वकवादकरेचिंतामनलावे अवासीवहुतननिद्राहोई हृदयजलनदुखदायकसोई रोमावलीखडीहोजावे गाढीकफमुखभीतरआवे सकलजोडपरपीडामांनो तृषावहुतमुखमीठाजानो जलैंनेत्रकवजीप्रगटाय अंगअंगमेंखाजदिखाय वमनसंगकफवाहिरहोई देखवलावललक्षणसोई वातपित्ततपद्वंद्वजआवे त्रिफलासारिवानमंगवावे रहसनपत्रताहुमेंपावे सतसतमासेकाथचढाय प्रतिदिनकोसापानकराय द्वंद्वजतापआपहटजावे पुष्पकमीजढपन्हील्याय मुलठीमहुआपद्मकपाय मखाराछिलकादाखमिलावे सभलेऔषधदर्दकरावे रातभिगोयप्रातमलसोई करेपानदुखद्वंद्वजखोई नागरमोथाकुरंगुलल्यावे वालाकृष्णश्वेतदोपावे हलदीदारुहलद्रील्याय मुलठीजढपन्हीकीपाय निंववृक्षकाछिलकाल्यावे पटोलपत्रवांसासंगपावे सतसतमासेक्काथवनाय दिवसतीनमेंद्वंद्वजजाय गिलोइदाखजढसोसनल्यावे करंगुलवांसाहलदीपावे दारुहरदलमूर्वाल्याय निंववृक्षकाछिलकापाय नागरमोथातांसंगपावे काकजंघसोसंगरलावे पडोलपत्रतांहीसंगपाय सतसतमासेक्काथचढाय पीवेद्वंद्वजदोषहटावे निश्चयपित्तवातज्वरजावे.

॥ द्वंद्वजपित्तकफताप ॥

॥ चौपई ॥ तापपित्तकफद्वंद्वजजानो हुंमावलगमसफराःमानो काहलीकंपवातप्रकटावे क्षुधादूरअतितृषालगावे किसीअंगपरसोजाहोई रहैजलनअंतरगतसोई मुखाजिव्हास्निग्धनर्मप्रकटाय अंगजोडपरपीडदिखाय भारीकंठघूर्णितापावे कौडामुखशिरपीडदिखावे अतीतापअतिवोलनभाय लंवारहेवमनहोजाय कवजीरहेनिद्रानआवे कमलापनकीवातसुनावे लालनेत्रनिकसतजलसोई फुनसीश्वेतरंगकीहोई आवतपरसाखांसीआवे कफपित्तज्वरलक्षणगावे करेपरीक्षायतनविचारे कफपित्तज्वरदूरनिवारे पडोलपत्रवालामंगवाय जढसोसनकीवांसापाय त्रिफलामेलकाथवनावे सतसतमासेऔषधपावे मधूमेलपीवेजवकोई कफपित्तज्वरनासेंहोई गिलोकिरायतादाखमंगावे कौडकचूरआंमलाल्यावे नागरमोथाहरडामिलाय मघांपित्तपापडासंगरलाय सतसतमासेक्काथवनावे मधूमेलदिनसातपिलावे पडोलनिंवकेपत्रमंगाय मुलठीहलदीकौडरलाय किरायताकरंगुलवालापावे नागरमोथासंगरलावे साडेत्रेत्रेमासेल्याय चारसेरजलक्काथचढाय थोडामधूमिलायपिलावे निश्चयद्वंद्वजतापहटावे भर्डिंगीभंगहरडमंगवाय मखारानागरमोथाल्याय धनिआंतज्जपत्रमंगवावे पापडाशुरठींसंगरलावे सतसतमासेक्काथचढाय मधूमेलपीवेदुखजाय ॥

॥ तपसंयोगीवातकफतें ॥

॥ चौपई ॥ वातश्लेष्मज्वरजांकोहोइ आगेलक्षणसुनिएसोइ शिरअरुअंगपीडप्रकटावे कवजीवमनतृषाअतिलावे मुखद्वाराकफवाहिरसानो तंगीश्वासकाससंगजांनो अरुचिभारेजोडदिखावे

भराक्रोधअतिवोलनभावे मूत्रश्वेतकछुभ्रगदिखाय मानोमिट्टीसंगरलाय ऊनअधिकदोषजोहोई लच्चणऊंनअधिकहैसोई मुलठीअंवलतासमंगावे अंगूरदाखमघसंगरलावे जीराश्वेतकृष्णदोपाय महूवृच्चकाकाष्टरलाय कलौंजीग्यारभर्डिंगीपावे नागरमोथात्रिफलाल्यावे लेसमऔषधदरडकराय प्रतिदिनतोलाडेडचढाय करेकाथहिंगूसंगपावे दिवससातलगद्वंद्वजजावे अष्टमांशमुंगीरसदेवे प्रतिदिनकाथयथाविधसेवे भर्डिंगीसुंठसतावरल्याय किरायतानागरमोथापाय त्रैत्रैमासेकाथवनावे सातोदिनमेंद्वंद्वजजावे गिलोकिरायतात्रिकुटाल्याय छिलकानिंवकरःसंगपाय नागरमोथापत्रपडोल साडेत्रैत्रैमासेतोल चारसेरजलकाथवनाय पीवेद्वंद्वजतापहटाय ग्यारसुंठधनिआंमंगवावे नागरमोथाकांफलपावे रोहिनपुष्यवर्चसंगपाय सतसतमासेकाथचढाय हिंगूमासाडेडरलावे पीवेद्वंद्वजतापहटावे ॥

॥ तपअजीर्णी ॥

॥ चौपई ॥ अजीर्णज्वरजांकेतनुहोई हुंमावदहजमीकहुसोई शिरअरुग्रीवाभारीजानो षट्टअधिकडकारपछानो टूटतजोडउवासीआवे तंगश्वासवहुचलननभावे निराहारदिनतीनकराय तप्तनीरनितपानकराय पिप्पलमूलहरडमंगवावे कौडवहेडासंगरलावे नागरमोथाकरंगुलपाय सतसतमासेकाथचढाय प्रतिदिनगर्मपानकरसोई अजीर्णज्वरतवनासेहोई कृष्णलूणसितजीराल्यावे चित्रात्रिवीताहुंमेंपावे साडेत्रैत्रैमासेपाय राखेचूरनपीसवनाय साडेत्रैत्रैमासेनितखावे अजीर्णज्वरनिश्चयहटजावे हलदीकौडग्यारमंगवाय कंड्यारीनागरमोथापाय मघअरुवालासंगरलावे समचूरनदसमासेखावे तप्तनीरसंगसेवनकरिए अजीर्णज्वरसोनिश्चयहरिए. ॥

॥ तपदिक्क ॥

॥ चौपई ॥ चीनज्वरजांकेतनहोई तबेदिक्ककरकहिएसोई दर्जेप्रथमतापजवआवे ताहियतनकरदूरहटावे जेकरदूसरदरजेमानो तापअसाध्यकष्टकरजानो पित्तस्निग्धतानष्टकरावे ताहियतनकरसुखउपजावे वडकीजढछिलकामंगवाय चाउलभुंनकपूरमिलाय कमिआपुष्पताहुमेंपावे साडेत्रैत्रैमासेल्यावे हिंदवानेकाजलनिकसाय चूरनतांकेसंगखुलाय ताज़ादूधगधीकाल्यावे पत्थरगर्मतिहिंवीचवुझावे आदगधीकोबांधरखाय प्रतिदिनधनिआंजउंखुलाय तौफुनिदूधपानकरसोई चीनज्वरतवनासेहोई कपूरगुलावकेवीचघसावे कपडासेडसीसपरलावे छातीऊपरराखेकोई लपसीभोजनकरसुखहोई कमिआपुष्पमुलट्ठील्यावे मधूमेलदसमासेखावे करंगुलकीजढपीसरखाय प्रतिदिनमिसरीमेलखुलाय सन्निपातज्वरतेरांकहिए आगेभेदयथार्थलहिए तींनदोषमिलउतपतहोई त्रिदोषजसन्निपातकहुसोई सर्ददेशमेंअतिवलपावे शीतकालतनुअधिकतपावे अतीसीतलनरभोजनखाय दस्तफस्तकरस्नानकराय भोजनसर्दनारअतिखावे प्रसूताहोएपवनतनुलावे अथवाहोएवृद्धनरकोई संन्निपातजोकारणसोई नाडीजोडपीडप्रकटावे चुधावंदतनुसोजदिखावे करडातापहीनवलहोई उतरतनीरनासिकासोई गिलोहिंगुएरनजढलीजे सुंठग्यारत्रिफलासंगदीजें सतावरीमेलभागसमल्यावे त्रैत्रैमासेकाथवनावे गुगुलमासेतीनमिलाय पीवेसन्निपातहटजाय सुपारीसीवनवहुफालिल्यावे तीनतूपाडलअरनीपावे कंडेआरीभखडासंगपाय दोदोमासेकाथचढाय गुगुलमासेतीनमिलावें पीवेसं-

निपातहटजावे दसमूलऔषधीसेवेजबहीं सकलदोषहरमानोतवही सुंठपिप्पलामूलमंगाय चित्रा-मूर्वाचोकसंगपाय त्रैत्रैमासेकाथवनावे दिनइक्कीतकताहिपिलावे पुष्करमूलकचूरमंगाय किराय-ताकौडभड़िंगीपाय सुंठगिलोइकंडिआरीपावे वालासंगधमाहरलावे दोदोमासेक्काथवनाय पीवेतापत्रि-दोषजजाय सुंठीकौडदाखमंगवावे किरायताइंद्रजउोसंगपावे चारसेरजलक्काथवनाय पीवेतापत्रि-दोषजजाय

॥ अंतकसन्निपातदूसराभेद ॥

॥ चौपई ॥ अंतकसनिपातजोहोई निश्चयदेहअन्तकरसोई रोगअसाध्ययतननहिभावे करेयत्न-विधजोगमिलावे अंतकलच्छणजाविधहोई उदासीनचिंतातुरसोई भ्रमेसीसवकवादकरावे नर्मपेट-बहुदस्तचलावे दिवसतीनलगअंतकसोई तौफ़ुनिजतनआसमनहोई कंडेआरीजढकचूरमंगवावे सुंठकुठधनिआंसंगपावे किरायताकौडागिलोईपाय त्रैत्रैमासेकाथचढाय प्रतिदिनगर्मागर्मापिलावे अं-तकसन्निपातहटजावे

॥ भेदतीसरारुग्दाहसन्निपात ॥

॥ चौपई ॥ रुग्दाहनामजांकोप्रगटावे सकलअंगज्योंआगजलावे वकवादकरेलज्जाघटजाय मू-र्छाअंगपीडप्रघटाय भारीकंठकाससंगहोई तृषापेटपीडाकरसोई उदासीनाचितातुररहे देखीसुनीवा-तसबकहे चंदननागरमोथाल्याय जढअनारअरुछिलकापाय पितपापडामेलकाथसमकीजे पीवेसं-निपातहरलीजे जामनफलकेउडाजढल्याय कंडेआरीकीजढछिलकापाय मुकोईकीजढछिलकापावे-कचूरकुलत्थसोसंगरलावे महुआपुष्पअनारकापाय त्रैत्रैमासेकाथचढाय आधसेरकरकाथपिलावे नि-श्चयसंनिपातहटजावे धनिआंसोडादाखमंगाय सतसतमासेक्काथचढाय कोसापांनकरेनरकोंई निश्च-यसंन्निपातहतहोई

॥ भेदचौथाचित्तविभ्रमसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ संनिपाताचित्तभ्रमजोई मूर्छाकराचिंताअतिहोई सदचित्तभ्रमनेमनचहे वार्तावहु-तगर्मतनरहे भ्रमकतनेत्रवाउलाहोई हांसीकरपदमारतसोई सवहींकोअतिखेदादिखावे लच्छणदे-खयतनमनभावे ब्राह्मीनागरमोथाल्याय दोइकंडेआरीकीजढपाय दाखभखडासंगरलावे सतावरी-करंगुलत्रिफलापावे किरायतानिंवकाष्टसंगपाय तनितूंनसागूनमिलाय दोदोतोलेदर्डकरावे सातभा-गादिनसातापिलावे करेक्काथसेवेनितसोई निश्चयसंनिपातहरहोई दसमूलऔषधासोईमंगावे तोलेती-नतीनसमल्यावे पुष्करमूलधमाहमंगाय भडिंगीककडसिंगीपाय किरायताइंद्रजउोक्काथवनावे प्रतिदि-नपांनकरेदुखजावे जीराश्वेतकलोंजील्यावे त्रिफलाचंदनद्यारामिलाबे कोडपत्रवांसेकेपाय त्रैत्रैमासे-क्काथचढाय प्रतिदिनगर्मपानकरसोई निश्चयसंनिपातहरहोई ॥

॥ पंचमभेदशीतांगसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ शीतांगसंनिपातजोहोई तपावतहृदाखेदकरसोई शीतलजोडाशिथलहोजावे चले-पेटाहिडकीप्रघटावे भ्रमेसीसमुखपसरतहोई जीवनकाभयउपजतसोई रोगअसाध्ययतननहिभावे तौ-

भीयतनकरेहटजावे भडिंगीजढकंडेआरील्याय सुंठीहरडगिलोईपाय त्रैत्रैमासेकाथचढावे पीवेसंनिपातहटजावे ॥

॥ भेदछेमातान्द्रिकसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ रहेतापउतरतनहिजानो सूकतजिव्हाश्यामपछानो करडीहोकंडेलखपावे चलेपेटवहुपरसाआवे अंगअंगमेंखाजदिखावत भारसिसिकर्णप्रघटावत रोगअसाध्यवेगअतिहोई तौभीयतनलिखाकरसोई ककडासिंगीहरडमंगावे गिलोइजढकंडेआरीपावे भडिंगीसुंठभागसमल्याय सतसतमासेकाथचढाय प्रातीदिनगर्मपानकरसोई निश्चयसंनिपातहरहोई कांफलनागरमोथाल्यावे मघांमर्चहलदीसंगपावे अजामूत्रसंगपीसेकोई मस्तकलेपकरेसुखहोई वूंदवूंदकरनासिकपावे निश्चयसंनिपातहटजावे धनिआंसुंठगिलोइअनो किरायतामेलभागसमठानो सतसतमासेकाथचढावे पीवेसंनिपातहटजावे

॥ सप्तमभेदकंठकुवजसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ रहेतापअंगपीडापावे निराहारजलअंननखावे भारीग्रीवाखांसीहोई कंपवातचिंतातुरसोई मीठामुखमूर्छाप्रघटावे खांसीपीडानियमनपावे रोगअसाध्ययतनाहितहोई करेयतनहटजावतसोई कौडवृक्षकाछिलकाल्यावे धनिआंककडासिंगीपावे नागरमोथासुंठील्याय किरायताकांफलमघांरलाय कचूरमर्चात्रिफलासंगपावे दारुहर्दलीछिलकाल्यावे दोकंडेआरीकीजढल्याय वांसामेलभागसमपाय दोदोमासेकाथचढावे पीवेसंनिपातहटजावे मघांउटंकनवीजमंगाय कांफलजउखारसंगपाय लेसमचूरनपीसवनावे मासेसातनित्यप्रतिखावे

॥ अष्टमभेदकर्णकसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ भारकिर्णसोजप्रघटावे नीरकर्णनेत्रतआवे अंगअंगपरसोजाहोई कांपतहृदाशीतकरसोई वकवादकरेसोप्रघटावे करेयतनदुखदूरहटावे मघांमर्चाहिंगूमंगवावे जढकंडेआरीहरडामिलावे वहेडानागरमोथापाय सुंठकौडकुठसंगरलाय ककडासिंगीतासंगपावे त्रैत्रैमासेकाथपिलावे सुंठीनागरमोथाल्याय वांसापुष्करमूलरलाय गिलोईमेलभागसमल्यावे त्रैत्रैमासेऔषधपावे हिंगूरतीसातरलाय पीवेकाथदोषहटजाय ॥ नवमभेदरक्तष्ठीवीसंनिपात ॥ चौपई ॥ चलेरुधिरमुखपरसाआवे वमनसंगवारुधिरचलावे तृषाअधिकभयभीतपछांनो चलेपेटाहिडकीसंगजांनो तंगश्वासकछुसमभ्रनआवे मूत्रलालकालप्रघटावे किरायताहलदीघारमंगाय नागरमोथासितजीरापाय दसदसमासेकाथचढावे पीवेगर्मखावेहटजावे श्वेतअंसगंधमर्चमघल्याय गजपिप्पललूणतजसंगपाय महूकाष्ठतांहींसंगदीजें त्रैत्रैमासेचूरनकीजें सतमासेभेडमूत्रसंगखावे कछूनासिकाद्वारचढावे

॥ दसमभेदभीषननेत्रसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ विकरालनेत्रचमकतहैसोई कहेचमकघरभीतरहोई वकवादकरेमूर्छाप्रघटावे करेवातफुनिसोईवखाने लेलेनामकांममनधारे भागनचेहनगेहीवचारे मारकरोगअसाध्यकहावे करेयतनदुखकर्महटावे दुधलभत्तलसुंठमंगाय कौडाकद्दूगिरीमिलाय मघकिरायताहलदीपावे सतसतमासेकाथपिलावे ॥

॥ जारमाभेदप्रलापकसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ अधिकतापवकवादकरावे वेहोशीतनपीडालावे हृदयनिकलज्योंवाहिरहोई प्रलापकरे-दुखदायकसोई जढअसगंधतगरमंगवावे च्यारमहूपित्तपापडपावे संखाहुलिमुंडीसंगपाय नागरमोथा-दाखरलाय मुनक्काभूंतमकेशसंगपावे दोदोमासेकाथपिलावे नागरमोथासुंठीलयाय छिलकाविल्ववृच्छ-कापाय कंडेआरीदोभखडासंगपावे कचूरगिलोपन्हीजढल्यावे त्रैत्रैमासेकाथचढाय पीवेसंनिपा-तहटजाय ॥

॥ भेदवारमाभ्कोकजिह्वकवासंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ तनभारीकरडाप्रघटावे भारीकर्णनिर्वलीलयावे दोकंडेआरीकुठमंगाय नागरमोथा-दाखरलाय कचूरगिलोयवांसासंगपावे भडिंगीतजभागसमल्यावे दोदोमासेकाथवनाय पीवेसंनिपा-तहटजाय सुंठकचूरचितराल्यावे रोहीत्रायमांनसंगपावे वीजमीचकामघांरलाय कंडेआरीसंगवि-ल्वजढपाय सतसतमासेकाथवनावे पीवेसंनिपातहटजावे किरायताहलदीकौडमंगाय छिलकानिं-वधारसंगपाय दोकंडेआरीत्रिफलाआंनो पडोलपत्रकुठवालाठांनो गिलोईमेलभागसमल्यावे दोदो-मासेकाथपिलावे प्रतिदिनकोसासेवनकरिए निश्चयसंनिपातदुखहरिए

॥ भेदतेरमाभयनाशअभिन्यासवासन्निपात ॥

॥ चौपई ॥ करपदअतिशीतलप्रघटावे करडातनमुखश्वासनआवे शिथिलहोएकछुवोलतनाही कर-डातापरहेतनमाही तोलेपांचमघांमंगवावे चारसेरजलकाथचढावे आधसेरजवहीरहजाय दिवससा-तलगताहिपिलाय दसमूलभडिंगीकौडमंगावे जीवककककडसिंगीपावे धमाहइंद्रजउोसंगरलाय पुष्क-रमूलमेलसमल्याय त्रैत्रैतोलेदर्डकरावे तोलाडूडनित्यप्रतिपावे करेकाथपीवेनितसोई निश्चयसन्निपा-तहरहोई भडिंगीरहसनपत्रमंगावे नागवलाअरुवलामिलावे छिलकाविल्वसुंठमंगवाय पन्हीपुष्कर-मूलमिलाय कंडेआरिमघअजुआइनपावे राजकंडेकाछिलकाल्यावे मखारामेलभागसमल्याय त्रैत्रैमा-सेकाथचढाय प्रतिदिनकोसापांनकरावे भेदत्रयोदससंनहटावे भडिंगीककडसिंगील्याय कौडकंडेआ-रीकीजढपाय पुष्करमूलधमाहरलावे रसपडोलपत्रनकापावे इंद्रजउोमेलभागसमल्यावे सतसतमा-सेकाथपिलाय सकलभेदकातापनसाय महूवृच्छकाकाष्टमंगावे मर्चलूणमघसंगरलावे लेसमपीसनीर-संगपाय पायनासिकासंनहटाय ॥ आठोभेदखेदज्वरकहिए आगेलच्छणसिंगेरलहिए प्रथमभेदव-कज्वरकहुसोइ अतिचिंताकरप्रापतहोइ होएनाशधनचिंताजाको मरेपुत्रमित्रादिकताको सोचरहेचिं-ताअतिहोइ रुधिरउवाललेततनसोई गरमीतजतापप्रघटावे आगेलच्छणप्रघटसुनावे लालनेत्रसिरपी-डाजांनो छुधावंधनिद्रानाहिमांनो तृषाजोडपीडाअतिहोई लालमूत्रसुनऔषधसोई वावडिंगपितपा-पडाल्यावे धमाहकिरायताकौडरलावे हलदीमेलभागसमल्याय सतसतमासेकाथचढाय मिसरीमासे-सातरलावे गर्मपांनकरतापहटावे चंदनलौंगइलाचील्यावे दारचीनीसाजजहींल्यावे कमीपुष्पजढप-न्हीपाय अगरसुंठमघसंगरलाय कचूरलोध्रसितजीराल्यावे नागरमोथासंगरलावे लेसमऔषधमि-सरीपाय दसमासेनितचूरनखाय काकजंघवांसामंगवावे गिलोईनागरमोथापावे धारसुंठकंडेआरी-पास सतसतमासेकाथपिलाय इलाचीतवासीरमंगवावे तालीसपत्रसमऔषधपावे दसदसमासेतीनो-

पाय मासेतींनकपूरमिलाय पीसछानचूरनवनवावे मासेतींननीरसंगखावे एरनकीजढग्यारमंगाय छिलकावृत्तमीचकापाय तुंमेकीजढकौडमिलावे नागरमोथाहलदीपावे जढचिरायतासंगरलाय लेसमश्रौषधकाथवनाय तोलाखंडघृततोलापावे पीवेबकज्वरदोषहटावे ॥ भेददूसराऐसाहोई कालज्वरकरकाहिएसोई उद्यमनाहिशिथिलताजांनो सूकतजिव्हातालूमांनो श्यांममूत्रहिडकीप्रघटावे रोगश्रसाध्ययतननहिभावे सुंठगिलोयधनिश्रांमंगवाय नागरमोथासंगरलाय लेसमश्रौषधकाथवनावे करेपांनज्वरकालहटावे ॥ चीणज्वरतीसरहैसोई पुरातनहोश्रस्थीगतहोई मुंगीपथ्यऔरनहिसेवै हरडतापमेंकवहुंनदेवे चुलाईजढजढभांगुरदोई आदित्यवारमंगावेकोई कुमारीसूत्रलालकरल्याय दत्तणभुजवांधेतपजाय वांमभुजानारीवंधवावे निश्चयतापश्रापहटजावे कंडेश्रारीसुंठगिलोईल्याय सतसतमासेकाथवनाय दोमासेमर्चपीसकरपावे पीवेदिनइकीदुखजावे चिरायतात्रिफलाहलदील्यावे दारूहर्दलकुठरलावे नागरमोथावरेंश्रांपाय वांझककौडासंगरलाय त्रैत्रैमासेकाथवनावे पीवेचीणज्वरहटजावे मुलठीकमिश्रापुष्पमंगाय चंदनदाखकुठसंगपाय छिलकामहूइंद्रजउपावे किरायतापद्मलोध्रमंगवावे त्रिफलाकमलतुरीसंगपाय दोकंडेश्रारीवांसाल्याय दोदोमासेकाथचढावे पीवेतापपुरातनजावे चौथाभेदकंपज्वरहोई दोप्रकारकाकहिएसोई प्रथमभेदश्रतिकंपदिखावे श्रतिभयश्रतिचिंताप्रघटावे कफश्ररुपित्तहोएतवजानो श्रागेभेददूसरामानो दूसरभेदउदासील्यावे तौफुनिश्रधिकशीतदर्शावे पित्तश्रधिककफथोडाजानो भेददोईसमश्रौषधमानो मैंदीपत्रकारसनिकसावे गोमूत्रमेलकरपांनकरावे महिषीगोवरदूधमिलाय पीवेप्राततापहटजाय सुंठभडिंगीधनिश्रांल्यावे गिलोकिरायतादाखामिलावे लेसमकाथमिलावेकोई कंपवातलपनाशेहोई मघदसमासेपीसमंगावे चीनीखंडताहिसमपावे इकत्तीमासेमधूमिलाय भेडदूधपंजतोलेपाय करइकत्रादिनदिनप्रतिचाटे निश्चयकंपवातज्वरकाटे छिलकामहूवृत्तकाल्यावे कांफलमेलभागसमपावे पीसगोमूत्रमेंनासिकपाय निश्चयकंपवातज्वरजाय कालकजंघजढप्रतिदिनखावे पानसंगतपदूरहटावे ॥ पंचमभेदएकांतरकहिए तृतीयज्वरकालत्तणलहिए पुरातनतापनाडगतहोई तृतीयज्वरकाकारणसोई श्रंमलतासकौडमंगवावे मघहरीडसोसंगरलावे त्रैत्रैमासेकाथचढाय पीवेतापात्रियानकजाय मघदसमासेखंडरलावै भेडदूधमधुचटनीखावे नागरमोथासुंठमंगाय श्रामलागिलोयकंडेश्रारीपाय सतसतमासेकाथचढावे पीवेतापत्रियानकजावे हलदीसर्षपपुष्पमंगाय उल्लूकापरसंगरलाय श्रादित्यवारभुजापरवांधे त्रियानकदूरयतनजोसाधे रुधिरकवूतरकामंगवावै कुमारीसूत्रताहुमेंपावे श्रादित्यवारभुजावंधवाय निश्चयतापत्रियानकजाय चूलाईजढभुजमाहिवंधावे ताहीछिनमेतापहटावे जिसदिनतापवेगश्रतिहोई तवजहतंत्रकरेसुनसोई श्रर्कपासताहीछिनजावे प्रदाचिणकरजहवचनसुनावे मेंमौतनूपौचातूंनहिपौचदा दोइवारज्योंकहैतापतजसोंचदा छिलकानिंवगिलोईश्रांने ग्यारइंद्रजउौतासंगठाने पडोलपत्रसमश्रौषधल्यावे त्रैत्रैमासेकाथपिलावे सट्ठीचावलसुंदरलेवे श्रर्कदूधत्रैभावनदेवे तौफुनिदूधथोरकाल्यावै तींनभावनादेइसुकावे चाढश्रगनपरभस्मवनाय मासेतीनपानसंगखाय कंपवातज्वरनैत्यिकहोई तृतीयचतुर्थज्वरनाशैसोई पटोलवीजगुगलमंगवावे सर्पकुंजपत्रसर्षपकेपावे धूनीकरेतापहटजाय घोढचडीगोलीसुखदाय छेमाभेदद्वांतरकहिए गर्भतापदिनतीसरलहिए तापश्रसाध्ययतननहिभावे तौभीयतनकरेहटजावे गिलोयवांसात्रिफलामंगवाय सतसतमासेकाथचढाय दिनचालीतकसेवनकरिए द्वांतरतापताहिछिनहरिए मुंगीचावलपथ्यखुलावे करेपानदुखदूरहटावे मघचंदनजढपन्हील्याय गजपिप्पलनागरमोथापाय सतसतमासेकाथवनावे

द्वातरतापआपहटजावे सुंठगिलोयचंदनमंगवाय नागरमोथाघाररलाय वालाधनिआसंगरलावे त्रैत्रै-मासेकाथपिलावे गोकादूधमखीरमिलाय गोघृतमघमिसरीयुतखाय सहदेवीछिलकानिंवमंगावे वरे-आंकुठसरीहरलावे कलेहारीमुंडीअगरमिलाय हरडमेलसमपीसवनाय मधूगावघृतसंगरलावे मर्दन-करतनतापहटावे सुंठगिलोइकंडेआरीआने तज्जआंमलेतांसंगठांने नागरमोथासंगरलाय मधूमेलक-रकाथपिलाय चुरांज्वरजोदिनचौथेआवे कारणअधिकखटेआईखावे नागरमोथासुंठमंगाय घारकं-डेआरीकाथपिलाय ॥ सप्तमभेदरुधिरकरजानो तृषाअधिकाशिरपीडामांनो हृदयपीडदृष्टीघटजावे वकवादकरेभोजननहिभावे प्रतिदिनदुर्वलदेहीमांनो जाविधलक्षणयतनपछांनो सरीहवीजत्रिफला-मंगवावे श्वेतआकजढसर्षपपावे वीजमीचकारोहिनल्याय गिलोईहलदीसुंठरलाय नागरमोथावे रमंगावे हिंगुवर्चमघसंगरलावे लेसमऔषधपीसेकोई अजामूत्रयुतगोलीहोई दसमासेगर्मनीरसं-गखावे सकलभेदकातापहटावे वांसातोलाद्वढमंगाय पीसछांनचूरनकरल्याय इकत्तीतोलेमधूरलावे चाटेतापरुधिरकाजावे ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाशभाषायांज्वराऽधिकारकथनंनाम-षट्त्रिंशोधिकारः ॥ २६ ॥



॥ अथउदररोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उदररोगनिदानवषानहोंसुनलीजैचितधार तांकेलच्चणसमझकेकरैवैद्यउचार ॥ चौपई ॥ मलिनअन्नकरउदरमंझार मलसंचयहोइकरतविकार वाअजीर्णकरअग्निमंदहोय रोगअनेकप्रगटकरसोय मंदाग्निकरकुपितजोदोष नाडीस्वेदवहराखेंरोक अग्नीप्राणअपानजुवाय ताकोदुखितकरेनितजाय तातेंउदरमध्यवहुरोग होवैप्रगटकरैसंयोग ॥ अथउदररोगपूर्वरूपं ॥ वलवर्णावलिकांच्चानास उदरनिरोधजीर्णपरकास दाहअवरअज्ञानताहोय वस्तिस्थानपीडारहेजोय पादमाहिजोशोथअपार पूर्वरूपतिसकियोविचार ॥ अथसामान्यलच्चणं ॥ चौपई ॥ गमनविषैजुअशक्तिअपार दुर्वलताअरुशोथअफार अंगपीडतंद्राअरुदाह मूत्रपुरीषवंधहोइताह हैंसमस्तजोउदरविकार उदररोगकारहैसंचार

॥ अथउदररोगअष्टभेदनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातजापित्तजकफजप्रमान त्रिदोषजअवरप्लीहजजान बद्धजच्चतजउदकजयहलहिये आठोभेदउदररुजकहिये ॥

॥ अथवातोदरलच्चणम् ॥

॥ चौपई ॥ पादहस्तकुच्चिनमंझार सोजाउपजतवाताविकार कुच्चिपार्श्वकटिपृष्टीमांहि उदरजुपीडाहोवततांहि पर्वभेदसूकीहोइकास अंगमर्दभारीतनतास मलसंग्रहत्वचाश्यामदिखावै अथवालालरंगप्रगटावै अकस्मातउदरवंधजाय घटेअकस्मातग्रंथयोंगाय उदरऊपरनाडीप्रघटावै सूच्मश्यामरंगदरशावै आध्मानहोवतेहेतिसतांई शव्दउदरहोयखालकीन्याई उदरसर्ववायूसंचारत पीडसहितसोशव्दउचारत ॥

॥ अथवातजउदररोगचिकित्सा ॥

॥ वातजउदररोगमंझार यहक्रियाकरेजुसमझविचार वस्त्रवेष्टनउपनाहनजान एरंडतैलदशमूलपच्चान स्वेदअवरजोवस्तिनिरूह दुग्धमांसरसयूषसमूह क्रमसेंवैद्यकरेयहयोग वातजउदरहरेसवरोग ॥ काथ ॥ चौपई ॥ दशमूलकाथसंगएरणतैल पीयेकरेवातजरुजरेल ॥ चूर्ण ॥ त्रिफलाचूर्णगोमूत्रकेसंग पीयेहोयवातजरुजभंग ॥ काथ ॥ दशमूलकाथसंगगोमूत्रमिलाय पीयेउदररुजवातजजाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ दंतीकुठतृवीयवच्चार तीनोलवणवरचहिंगुडार चवकजवायणसज्जीजीरा चित्रासुंठीसमलेवीरा पीयेचूर्णतसोदकसंग सपीडवातोदरहोइहैभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ चूर्णशिलाजितदुग्धरलावै दशमूलकाथसोंपीसुखपावै वातजउदररोगहोइनाश दुःखमिटैतनसुखपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ जोनवीनवातोदरहोय ऊटणीदुग्धपीवैदुःखखोय ॥ अथसामुद्रचूर्ण ॥ चौपई ॥ सामुद्रजुसोंचलसैंधापाय विडअजवायणमघांमिलाय अजमोदाचित्रायवच्चार आद्रकहिंगूसबसमडार घृतामिलाययथावलखावै वातोदरअर्शभगंदरजावै गुल्मअजीरणग्रहणीनाश पांडूवायुकोपसुविनाश ॥ चूर्णप्रथमजुग्रासमोखाय रोगसभीतांतेंमिटजाय ॥ अथदशमूलादिघृत ॥ चौपई ॥ मघांपिप्पलामूलमंगावै चित्राचवकच्चारसुंठपावै अर्धअर्धपलयहपरिमान अर्धतुलादशमूलपुनठान आढकदाधिकोमंडमिलावै दोयप्रस्थघृततामोपावै मंदअग्निपकायसोखाय वातोदरशोथगुल्मअर्शनसाय ॥ अन्यच्च ॥ दशमूलादिघृत ॥ चौपई ॥ दशमूलीसमकाथवनावै रासनासुंठपुनर्नवापावै अरुपावै

तामोघुरदार घृतमिलायसमलेहुसुधार खावैवातोदरमिटजाय वंगसेनयोंदियोजनाय अथलसण- तैल ॥ चौपई ॥ तुलाप्रमाणलसणकोंआनै पकायद्रोणजलतामोंठानै पादशेषरहजावेजवै ताम्रपा- त्रमोडारेतवै आढकएरणतैलमिलावै पुनयहऔषधचूर्णरलावै त्रिफलात्रिकुटादंतीआन सैंधाहिं- गुवरचकुठठान सुरदारुसुहांजणाचित्रकविडंग सौंचलगजपीपलधरसंग अजवायणपुनर्नवापावै य- हसबपलपलचूर्णमिलावै त्रिवीअर्धपलपीसमिलावै कोमलअग्निजुताहिपकावै प्रातःकालयथाबलखाय उदरजरोगसर्वमिटजाय मूत्रकृछ्रगुदकृमिलिफहरै उदावर्तअंगपीडसुटरै आंत्रवृद्धपार्श्वकुक्षिशूल वा- तजरोगअर्शनिरमूल अवरकलेजकेदुःखजेते दूरहोंहिजानोतुमतेते मासपर्यंतयाहिकोंखावै लस- नतैलयहरोगामिटावै कर्षएकसुहागालीजे कुआरकंदलागिरिसिंगरलीजे दोनोंकोनितखावैजोय उदर- दुःखदूरतिसहोय ॥ इतिवातोदररोगाचिकित्सा ॥

॥ अथपित्तोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरमूर्छामुखकटुताजान उदरदाहअतिसारपछान त्वचानेत्रनसुपीतादिखावै उदरह- रितरंगसोलखपावै ताम्रवरणअथवारंगपीत नाडीउदरप्रगटलहुमीत स्वेदउदरपरहोवैतास उदर- स्पर्शकोनलपरकाश शीघ्रहिंदेहपाकहोइआवै कंठधुखैपीडाप्रगटावै तृषाअवरश्रमसंयुतजान लक्ष- णपित्तउदरपहिचान.

॥ अथपित्तोदरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तोदरीहोवेनरजोय रेचनकरवावैसुनसोय रेचनकीऔषधसुपिसावै घृतअरुदुग्ध- साथसोखावै तांतेपित्तोदरमिटजाय रोगनाशरोगीसुखपाय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ सातलात्राय- मानसमलीजै इन्हमोघृतपकायकरपीजै वाघृतअमलतासकेसंग सिद्धकरेपीवैरुजभंग शीतलमधुर- सुऊैषधपाय सिद्धकरेघृतनित्यजुखाय पित्तोदररुजहोवेनाश शास्त्रमतीयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौ- पई ॥ त्रिफलारसहिंत्रिवीसिद्धकरै घृतसंयुक्तमेलसुधरै रोगीजहर्पीवैघृततास पित्तोदररुजहोवैनाश अथन्यग्रोधादिघृत ॥ चौपई ॥ न्यग्रोधादिप्रथमकरकाथ पक्वकरैघृतताकेसाथ मधुमिसरीमिलायसो- खावै पित्तोदरदुःखभाग्योजावै ॥ अन्यघृत ॥ चौपई ॥ पांचमूलकोकीजेकाथ घीउपकावैतांकेसाथ बल- अनुसारतांहिनितखावै पित्तोदरभाग्योकहुजावै ॥ अथदुग्ध ॥ चौपई ॥ पृष्टपर्णिनागरकंड्यारी लाखब- लाचाहियेसमडारी दुग्धपायकाढासोपीवै नाशरोगपित्तोदरथीवै ॥ इतिपित्तोदरचिकित्सा ॥

॥ अथकफोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अंगपीडतनभारीभासै निद्राछर्दअरुचिपरकाशै त्वचाश्वेतअरुश्वासजुकास उदर- नाडीसितआवृततास उदरकठिनस्पर्शलखपैये शीतस्पर्शउदरपुनलहिये चिरकरवृद्धिकोप्रापतजान निश्चलउदरजुस्निग्धपछान शीतवातदुरदिनमंझार कोपकफोदरकरैअपार

॥ अथकफोदरचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पिप्पल्यादिकफहरजोवस्तु घृतामिलायखावैपरशस्तु नाशकफोदरइहपरकार यहनिश्चय- अपनेमनधार ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ थोहरतरुकोदुग्धमंगावै तासमघृतपकायकरखावै होयकफोदररु-

जकोनाश निश्चयनिजमनकीजैतास ॥ अथतैल ॥ चौपई ॥ मुस्ताकाथतैलगोमूत त्रिकुटारसकीजैइकसूत इहऔषधअनुवासनधारै रोगकफोदरदूरनिवारै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचूर्णआनसमकीजै कुलत्थकाथसोंनितउठपीजै होयकफोदररुजकोनाश कहीप्रसिद्धयहऔषधतास अरुकुलत्थरसत्रिकुटासंग सहभोजनषावैयरुजभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचूर्णमूत्रकेसंग पीवैहोयकफोदरभंग अथवासाथनिंबरसपीजै रोगकफोदरनाशलहीजै ॥ अन्यच्चउपाय ॥ चौपई ॥ सर्षपखल्लजुआमलेवीज समयहपीसगूत्रमोंदीज करयहउष्णउदरपरबांधे दृढऊपरसुवस्त्रकरसांधे इहप्रकारकरहैनरजोय नाशकफोदररुजकोहोय ॥ इतिकफोदरचिकित्सा ॥

॥ अथत्रिदोषोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्तकफकेसबचिन्ह इकट्ठेप्रगटहोंहिअविछिन्न तांहित्रिदोषजउदरपछान ऐसेभाषैग्रंथनिदान

॥ अथसन्निपातोदरचिकित्सा ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ रोहीतकअवरहरडसमलीजै गूत्रसाथयहचूरणपीजै सन्निपातोदरप्लीहप्रमेह अर्शगुल्मनाशेंरुजएह ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ सप्तलाअवरसंखनीआन इन्हसबमोंघृतकरैपकान प्रातहिनितउठखावैतास होयसन्निपातोदरनाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सुंठीत्रिफलाप्रस्थप्रमान आढकघृतअरुतैलपछान मंदअग्नियहपायपकावै मधुमिलायताकोनितखावै होयसन्निपाततोदरनाश यहउपायकीनोपरकाश ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ दंतीअवरद्रवंतीआन इन्हकेफलकोतैलप्रमान पीयसन्निपातोदरजाय यहभीकह्योउपायसुनाय ॥ इतिसन्निपातोदराचिकित्सा ॥

॥ अथप्लीहोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तप्रवाहनाडजोकहिये तांकेमध्यठिकानालहिये वामभागतिंहप्लीहीजानो दक्षिणभागतिंहयकृतपछानो विदाहिकअरुअभिष्पंदीजोय वस्तूभक्षणकरेनरकोय रक्तअवरकफइकट्ठेहोय उपजावैंजुप्लीहासोय लिप्फनामभाषामोंभनै लोकप्रसिद्धजगतयोंगनै वामभागवादक्षिणभाग होतप्लीहालहोविभाग चीरतसदाकलेजारहै नामप्लीहातांकोकहै सोऊप्लीहातीनप्रकार वातजपित्तजकफजाविचार

॥ अथवातजादिप्लीहालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वद्धकोष्टअरुपीडालहिये उदरअफारावातजकहिये पीतवर्णस्वेदपीडयुतकहिये तृषादाहज्वरपित्तजलहिये गौरवकठिनअरुचिंतामान कफजप्लीहालखोसुजान श्वेतवर्णअरुस्थूलताजास शीतमहापरिग्रहरहेतास

॥ रक्तजप्लीहालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ क्लिमअरदाहजुमोहपछान विवर्णगौरबउक्लेदसुजान भ्रमअरुमूर्छासंयुतजोय रक्तजलक्षणजानोसोय वातपित्तकफकेजोलक्षण सन्निपातमोजानविचक्षण ॥ पुनर्वातजादिउपाय ॥ चौपई वातींदरोहोयनरजोय मघांसलवणतक्रसोंसोय पविवैवातोदरामिटंजाय इहविधिभाष्योंसबहिसुनाय पित-

जउपाय॥ चौपई ॥ पित्तोदरीनमरचपीसाय समशकराप्रातउठखाय होंइपितोदररोगविनाश ग्रैसेनिश्चयग्रानोतास ॥ कफजउपाय ॥ चौपई ॥ कफोदरीजवायणजीरा त्रिकुटामेलचूरणसुनवीरा तक्रसाथयांकोंजोखाय कफोदरदुःखतनुतैंजाय ॥ सन्निपातोदरउपाय ॥ चौपई ॥ त्रिकुटासैंधाग्ररुयवक्षार यहसमचूरणकरोसुधार तक्रसाथपीवैनरजोय रोगसन्निपातोदरषोय

॥ अथयकृद्दाल्युदरनिदानचिकित्सा ॥

॥ अथानिदानं ॥ चौपई ॥ जोयकृद्दाल्युदरीहोय तांकेचिन्हलखोतुमसोय मंदअग्निमंदज्वरतास कफपित्तलक्षणप्रगटेजास होयक्षीणवलपांडुसंयुक्त तृषादाहज्वरसोंकरीउक्त वामउोरवादक्षिणउोर कलेजेकेमलकरहैंजोर गौरवअवरअफाराजान यकृद्दाल्युदराचिह्नपरिमान इतिनिदानं ॥

॥ अथचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्लीहाक्रियाजेतीकछुकही यांकीभीसोऊजानोसही दक्षिणभुजाकोरुधिरनिकास पहचिकित्साहितहैतास ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ चित्रामघांजुपिप्पलामूल यहतीनोपीसोसम. तूल घृतमेंपायपकायसुखावै चतुर्गुणअजादुग्धतिंहिपावै इहप्रकारतिसखावैजोय यकृद्दाल्युदरप्लीहाखोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मघपीपलसूक्ष्मपीसावै घृतकेसाथनित्यउठषावै चतुर्गुणदुग्धमिलायखवाय यकृद्दाल्योदरदुःखमिटाय ॥ इतियकृद्दाल्युदराचिकित्सा

॥ अथप्लीहतथायकृत्सामान्यचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ ऐरंडतैलगूत्रसोंपीजै अथवादुग्धसंगपीइलीजै नाशैसकलजुउदरविकार यहनिश्चयनिजमनमोंधार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मालकंगुणीतैलमंगावै दुग्धमिलायप्रातपीवावै उदररोगजोअष्टप्रकार नाशहोयनिश्चयमनधार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मघांजुथोहरदुग्धभिगावै सहस्रपर्यंतदुग्धसोपावै अजरामरहोवेनरसोय यहसेवैनिश्चयवुधहोय। अथवर्धमानपिप्पलीक्रमः। दुग्धमघाक्रमसाथजुषावै दशदशप्रातिदिनहिवधावै पुनक्रमदशदशलेयघटाइ दुग्धक्रमहिइसलेयघटाइ उत्तमक्रमदशहीकोजान मध्यमक्रमषटकीनवषान अधमपांचपिपलीसोंकहै दशदिनमर्यादासोंलहै जौलौंसहस्रमघकरेअहार ताहिरसायनदेहउधार बलपुरुषहिकाकलकप्रमाण दुग्धसाथसोपीयसुजान मध्यमदुग्धकाढसंगपीय क्षीणबलहिचूरणपयलीय इहक्रमसोंपिपलीजोसेवै वलअनुसारपानशुभलेवै जवपचजायफुनपथ्यसुकैरे सष्ठीभातघृतदुग्धसंचरे उदररोगसवहोतनिवार वर्धमानपिपलीजियधार ॥ चौपई ॥ स्नेहपानमर्दनपुनजान रेचनस्वेदप्लीहाकीहान वामवाहुकीनाडिविधावै रुधिरछुडायप्लीहमिटजावे रुधिरनिकलनेलागेजवै प्लीहगाढमर्दनकरतवै तांतेदुष्टरक्तनिकसाय रोगप्लीहतातैंमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ नाडिवामणिबंधउभारै अंगुष्टमूलकीनाडिनिहारै वाणतपायगुल्लतिंहदेय रोगप्लीहानाशकरेय जासकलेजाबहुवधआवे दक्षिणभुजकीनाडिविधावै॥ अथकाथः॥ग्रमलवेतसहसुहांजनकाथ पीजैसैंधवलवणहिसाथ रोगप्लीहकोहोवेनाश दुःखामिटैतनसुखपरकाश अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ कुठवरचअाद्रकमघचित्रा पाठाइंद्रयवकरोइकत्रा अजमोदासमचूरणकीजे उष्णोदकसोंकर्षहिपीजे होवेप्लीहारुजकोनाश निश्चयग्रानोमनमोंतास ॥ अथक्षार ॥ चौपई ॥ क्षीरीवृक्षनदुग्धलेद्यार समुद्रसीपक्षारपुन

डार मघांमिलायदुग्धसोंपीवै नाशप्लीहरोगकोथीवै ॥ अथपुटपाक ॥ चौपई ॥ अर्कपत्रसंगलवण-मिलाय करपुटपाकसुअग्निपकाय पीसताहिदधिमंडहिंसंग खावैहोयप्लीहरुजभंग अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ जिंहवातप्लीहाआश्रयहोय पार्श्वशूलप्रगटावैजोय तासउपायचूर्णयहठानो सुनलीजैसोप्रगटवषानो हिंगुकुष्टसैंधायवक्षार पुनत्रिकुटासबसमलेडार विजोरेरससोंचूरणखावै प्लीहाशूलसहितमिटजावै दं-तीघृतपांडुरुजमेकह्यो प्लीहरोगमोश्रेष्टसुलह्यो ॥ अथक्षार ॥ चौपई ॥ पलासदग्धकरलीजैक्षार तासंगपीसमघांतिंहडार पीवैतांहितोयकेसंग शूलप्लीहगुल्महोयभंग ॥ चूर्ण ॥ शंखनाभिजोचूर्णकीजे जंभीरीरससंगकर्षहिपीजे प्लीहकूर्मसमानमिटावै अस्रप्रकारतांकोगुणगावै ॥ अन्यच्च ॥ सरपुंषमू-लकोचूरणकीजे तक्रसाथतांहूंकोपाजै बहुचिरकालिकप्लीहाविनाशै ताकोगुणअैसेपरकाशै ॥ अन्यच्च॥ चौपई ॥ यवक्षारमघांविडलवणपिसाय करंजूजलहिपकायसुखाय रोगप्लीहाकोहोवैनाश निश्चयआनो-मनमोंतास ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जवायनचित्राअरुजवक्षार दंतीपिप्पलवरचसुडार यहसमचूर-णतप्तजलसंग पीवैहोयप्लीहरुजभंग वादधिमंडवामदसोंपीवै नाशप्लीहारुजकोथीवै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई वायविडंगजवायणचित्रा इहतीनोसमकरोइकत्रा सुंठपुनर्नवाअरुसुरदार यहदुगुणोलेचूर्णमोंडार त्रि-वीभागचारपुनधरे विधिवतसुंदरपात्रमोकरे वललषउष्ट्रीपयसोंपीवै वृद्धप्लीहनाशतवथीवै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ वायविडंगयवसत्तूचित्रा वरावरलावैकरैइकत्रा सैंधाघृतसंयुतकरतास पयसोंपीवैप्लीहानाश वाइह्लकोमध्यठीकरीपाय दग्धकरैविधिसाथवनाय पयअनुपानसंगजोखावै प्रातखायपुनपथ्यधरावै हो-वैप्लीहारोगविनाश दुःखजावैतनसुखप्रकाश ॥ अथमोदक ॥ चौपई ॥ हरडेंजीराअवरमिलावै यहती-नोंसमपीसमंगावै गुडमिलायमोदककरखाय रोगप्लीहातांतेमिटजाय ॥ अथअभयावाटिका ॥ चौपई॥ हरडेंपलजोतीनमंगावें त्रिकुटापलत्रयतासमिलावै जवायणचवकचित्राजुविडंग अमलवेतसैंधाधर-संग वरचअर्धअर्धपलपाय दालचीनीलाचीतजामिलाय कर्षकर्षलेचूरणकीजे गुडपलतीसताहि-मोदीजे वटिकाबांधयथावलखावै प्लीहाअर्शगुल्ममिटजावै पांडुकामलाअग्निमंदनाश जठररोगसब-करैविनाश ॥ अथअग्निमुखलवण ॥ चौपई ॥ चित्रादंतीत्रिवीपछान त्रिफलापुष्करकरोमिलान स-भसमसैंधालवणमिलावै पीसैथोहरदुग्धमिलावै पुनथोंहरकोदंडमंगाय छिद्रकरैसोचूर्णभराय ऊपरमृ-तिकालेपलगावै आग्निदवायतांहिदग्धावै तांहिनिकासयथावलषाय प्लीहकलेजारोगमिटाय उदररोगस-वहोवेदूर गुल्मअफाराहोवैंचूर अर्शपांडुकोहोवैनाश निश्चयआनोमनमोतास ॥ अथषट्पलघृत ॥ चौपई ॥ मघपीपलचित्रापिपलामूल क्षारसुंठचवकसैंधासमतूल यहपलपलघृतप्रस्थमिलाय दुग्धसर्व-समपायपकाय पीवैताहिप्लीहामिटजावै मंदअग्निउदावर्तमिटावै शोथपांडुश्वासअरुकास अर्धांगवात-विषमज्वरनाश पीनसरोगजुशीघ्रनसावै षट्पलघृतयहनामकहावै ॥ अथवन्हिषट्पलघृत ॥ चौपई ॥ प्रस्थकरंजुत्वचाकोकाथ प्रस्थजुआद्रकरसदेसाथ प्रस्थएकदधिमंडामिलावै प्रस्थमिलावैकाथसमावै प्रस्थ-घृतअमलप्रस्थमिलाय कांजीप्रस्थएकपुनपाय त्रिकुटाहापुषहिंगुदोइजीरे अजमोदापांचलवणसुनवीरे चवकक्षारपिपलालेमूल कर्षकर्षयहलेसमतूल हरडअवरमधुतासामिलाय मृदुलअग्निसोंताहिपकाय खा-ययथावलअग्निवधाय रोगसवीतांतेमिटजाय प्लीहउदररोगजुअफार वातोदरकृमिअर्शविडार कुष्टज-लोदरदद्रीनाशै वातजकफजशूलसुविनाशैं ॥ अथचित्रकघृत ॥ चौपई ॥ चित्राकाथतुलापरमान प्रस्थ दोयकांजीतिहिठान चारप्रस्थदधिमंडमिलावै एकप्रस्थघृततांहिसमावै तालीसपंचकोलयवक्षार पां-

बलवणदोइजीरेडार दोइरजनीमरचांतजपत्र यहसमपलपलकरोइकत्र सबीमिलायपकायसुखाय प्लीहगुल्मपांडूज्वरजाय उदरविकारसमस्तविनाशैं शूलहृदयपार्श्वनकोनाशैं ऊरधनाभितलेकोशूल उन्मादउदावर्तहोइनिर्मूल अरुचशोथअर्शनाहिरहै भस्मकरोगनाशकोंगहै बलवर्णकरैअग्निवधावै चित्रकगुणएतेसुनगावै ॥ अथब्रह्मघृत ॥ चौपई ॥ शिलाकालशाकमघनागर कालादनिमूलहिंगुसंगधर पांचोलवणअवरकंड्यारी अन्तअचयहचहियतडारी प्रस्थएकघृततांहिमिलाय चारप्रस्थगोमूत्रसमाय प्रस्थदोयपयपाइपकावै नित्ययथाबलतांकोखावै उदररोगसप्लीहानास यहगुणब्रह्मघृतकीनप्रकाश ॥ अथरोहीतकघृत ॥ चौपई ॥ रोहितकत्वचापचीसपलपाय दोयेप्रस्थतिंहिंकोलरलाय अष्टगुनाइन्हतेंजलठान करैंकाथसोपुरुषसुजान पादशेषरह्योजलजवै वस्त्रछनायप्रस्थघृततवै पलपलपांचोकोलरलावै पकाइताहियथावलखावै होवेप्लीहारुजकोनाश रोहीतकघृतकीनप्रकाश अथ महारोहीतकघृत ॥ चौपई ॥ शतपलत्वचारोहीतकआन आढकवदरीफलपहिचान द्रोणतोयमोंकाथसुकरै पादशेषरहेछानसुधरै प्रस्थएकघृततांहिमिलावै प्रस्थचारछागलपयपावै कर्षकर्षयहऔषधजान त्रिफलात्रिकुटाहिंगुपछान विडजीराअजवायणठानो कुष्टलवणवचतुंवरुआनो दाडिमतुम्माअरुसुरदारु विडंगकलौंजीचित्राडार हौरपुनर्नवापुष्करमूल अरुजवक्षारसबीसमतूल पायपकायसुपात्रानवीन धरैयथाबलखायप्रवीन मांसरसयूषदुग्धअनुपान प्लीहाशूलकरेसोहान मूत्रकृच्छ्रशूलमिटजावै पांडूशूलअजीर्णमिटावै विबंधशूलकामलानिवारै तंद्राअतीसारसबटारै अवरसोज्वरकोकरहैनाश महारोहीतकगुणलखतास अथशंखद्राव ॥ चौपई ॥ सज्जीकचअवरयवक्षार कासीससुहागाताम्रोडार सौराष्ट्रसेंधाअरुनोसादर फटकडीलेकरताहूंसोधर यहसमचूर्णइकत्रकराय कूटकुठालीमांहिद्रवाय ताकोंनित्ययथाबलखावै गुल्मपलीहअफाराजावै कंठउदरकेरोगनिवारै ग्रहणीअर्शभगंदरटारै यहश्रीशंकरवचनप्रमान खावैइन्हरोगोंकीहान ॥ अथकदलीक्षार ॥ चौपई ॥ कदलीअरुतिलनालमंगावै तासमइक्षुरसहिमिलावै तीनोसमकरलीजैक्षार तिलतैलमिलायपकायसुधार तांहिनित्यहीखावैजोय प्लीहावातकफरुजकीखोय ॥ अथचित्रकलेह ॥ चौपई ॥ शतपलाचित्रालीजैआन पिपलामूलपलशतपुनठान पलपंजाहदशमूलामिलावै पुनयहचूरणसुनोलखावै बलाविडंगीअवरकचूर पाठालीजैपुष्करमूर पांचपांचपलताहिरलाय चारद्रोणजलमाहिपकाय पादशेषरहैतवछान शतपलगुडतिंहकरोपकान पक्कभयोजानैसोजवै बहचूरणतिंहिंमिलेतवै वंशलोचनमघपलपलचार मरचत्रिजातकपलपलडार सबहीमेलएकत्रधरै कडछीसेतीमर्दनकरै सुंदरवासनमाहिधरावै पलप्रमाणमात्रानितखावै प्लीहगुल्मसबउदरविकार राजयक्ष्मसोरोगनिवार भारद्वाजयहचित्रकलेह भाष्योअहैश्रेष्टलखएह ॥ अथपिप्पलीक्षार ॥ ॥ चौपई ॥ मघांपंचपलसमयवक्षार लवणपांचपांचोपलडार वेणीअखरोटसरीहपछानो लोधराशिखाकांजीपुनआनो कंदाविशाखामाणकजान गिलोयअवरशरपुंखप्रमान तालीसपत्रअरुलेवेचित्रा सुहांजनामूलकरोइकत्रा बलावारुणासमयहठान पांचपांचपलयहसबजान पलपचीसलखलेहुपलाश सबकरदग्धभस्मलेतास आढकगूत्रपुनआढकतोय सबहीमिलायपकावैसोय घृतजुमिलाययथाबलखावै गुल्मप्लीहात्रिदोषजजावै ॥ अथअभयलवण ॥ चौपई ॥ वकाइनथोहरअर्कपलाश अपामार्गचित्रालखतास वरुणाभखडादोकंड्यारी अग्निमंथपुनर्नवाडारी सारवाकुटजकोशातकील्याय वनतुलसीलेताहिमिलाय यहसमूलपत्रशाखाआन उखलमोंधरकैंकूटान नालतिलोंकीअग्निमंझार विधिवतकी-

जैताकीछार शीतलछारप्रस्थपरिमान मध्यद्रोणजलकरैपकान पादशेषरह्योजवजाने एकप्रस्थतिस-लवणहिठाने आढकगूत्रतासमोंदीजै दृढपात्रअग्निमाहिधरीजै अर्धप्रस्थहरडतातिहिंपाय मंदअग्निसों-तासुपकाय सघनहोययहचूरणठान सोसुनहोअवकरोंवखान जीरात्रिकुटाहिंगुकचूर अवरजवायणपु-ष्करमूर अर्धअर्धपलइन्हकोजान लवणअभयतिहिंसहितहीमान नित्ययथावलताकोखावै उदरव्याध-सवहीमिटजावै प्लीहकलेजागुल्मनिवारै मंदअग्निहृदरोगविडारै रुजशरकराअश्मरीनाशै गुणयहअभ-यलवणपरकाशै प्लीहोदरकोकह्योउपाय वंगसेनयोंदियोलखाय ॥ इतिप्लीहतथायकृतसामान्यचिकि-त्सासमासा ॥

॥ अथबद्धगुदोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पिछलअन्नउपलेपीजान तिन्हकरकुपीतमलदोषपछान ज्योंकूडापरिवाहिरद्वार रोकर-पैयोंलषोविकार तैसेंमलजोगुदकोंरोकै अरुआद्रोंकोंरोकविलोकै शनैशनैविष्ठाहोइजाते अल्पअल्पहो वैहैतांते गुदाऊपरकचअन्नजुआय विष्ठाद्वारबद्धहोइजाय तांतेविष्ठाद्वाररुकावे नाभीउदरवृद्धतापावे

॥ अथबद्धगुदोदरीउपाय ॥

॥ चौपई ॥ जवायणसैंधाजीरातीन समचूर्णकरैपुरुषप्रवीन तक्रसाथपीवैपुनतास बद्धोदररुजहोवै-नाश बद्धोदराजिसनरकोंहोय करौचिकित्साऐसेसोय विटद्रावकभोजनअरुवस्तु स्नेहपानरेचनप्रशस्तु लवणतैलमर्दनअरुपान पत्तलवांधेउदरप्रमाण इन्हउपायबद्धोदरनाश आगेंअवरउपायप्रकाश ॥ अ-थक्षारगुटिका ॥ चौपई ॥ हस्तिअश्वकीलीदमंगाय तासुदग्धकरक्षारवनाय पिपलामूलमघांवचचित्रा सुंठत्रिवीपुनकरोइकत्रा पांचलवणअरुदोनोक्षार सातलात्रिफलादंतीडार स्वर्णक्षीरिविशाणकाजान कर्षकर्षइन्हकोपरमान पीसैकांजीसंगमिलाय गुटिकाबदारिसमानवंधाय कांजीसेतीखावैजोय बद्धगु-दोदरहरहैसोय अवरजलोदरहोवैनाश क्षारगुटिकोंयाकीनप्रकाश ॥ इतिबद्धगुदोदराचिकित्सा ॥

॥ अथक्षतोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शल्यभुक्तअन्नआंद्रनजोय इस्थितआयप्राप्तहैसोय अथवाजोभोजनवहुकरै वाअ-तिजृंभाकोंअनुसरै इन्हकारणजोभिद्धतनाडी तिन्हतैंजलमलश्रवतविचारी सोजलमलतलनाभीके-आय उदरवृद्धकरहैलखपाय अतिशयनाभीदलतीहोय नामक्षतोदरभाषैंसोय

॥ अथक्षतोदरीउपाय ॥

॥ चौपई ॥ मघपीपलकाचूर्णमंगवावै मधुमिलायसंगतक्रपिलावै होयक्षतोदरदुःखजुनाश सुगमउपायकियोपरकाश ॥ अथनिचयोदरीउपाय ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाअवरजुलेयवक्षार चूरण-यहसमकरोसुधार तक्रसाथपीवैपुनतास निचयोदरदुःखहोवैनाश

॥ अथजलोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ घृतकोपानअवरउपवास वमनविरेचनवहुआयास अरुव्यायामादिकसोकीजै इ-न्हकेअंतजलशीतलपीजै शीघ्रपियेजलशीतलजोय सवअंद्रैनाडिपूर्णजलहोय सोनाडिअरुआंद्रा-

सारी निजनिजकार्यअत्यर्थानिहारी तिसतेंनाडीतलैमंझार होतजलोदररोगविकार तांकोउदरसनिग्ध-लखावे नाभिवर्तुलाकारदिखावे जलकरपूर्णमशककीन्याई दिषियतहैसोथलइइभाई शोथचलो भहीप्रा-पतहोय गुडगुडशब्दउदरकरसोय

॥ अथजलोदरीउपाय ॥

॥ चौपई ॥ पूतिकरंजूबीजपीसावे मूलीबीजतांसंगमिलावे गवादनीमूलसंखनीआन यहसमचूर्णकरोसुजान कांजीकेसंगप्रातापिलावे रोगजलोदरभाग्योजावे

॥ अथक्षतोदरजलोदरअन्यप्रकारनाडीवेधचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ रुजीसबनकीआज्ञालेवे अरुनृपआज्ञालेकरसेवै इष्टदेवनिजलेयमनाय नमसकारगुरुकोंसतभाय तानंतरवेधक्रियासोकरै इहप्रकारप्रथमहिंअनुसरै कहेवेधक्रियाकेमाहि जीवनकोशसालषपांहि तातेंप्रथमजोमंगलकरै विघ्नअनेकजोयातेंटरैं नाभितलेवेष्टनकरवावे अंगुलचारतरवेधकरावे नाभीवामभागकीओर धान्यमुखसोंवेधेकरजोर अथवासूक्ष्मसूईकेसंग वेधकरैयहलहोप्रसंग मोटाउदरअंगुलपरमान वेधेचतुराताहिप्रमान तातेंअधिकवेधनाहिकरैं आंद्रांनिकसवाहिरनहिंपरें एकाहिदिनसबजलहिनिकारे काहेयांतवहुरुजधारे कासश्वासज्वरतनुप्रगटावत त्रिष्णागात्रभंगउपजावत कंपदेहउपजेअतिसार इकादिनतेंयहउपजविकार पूजाउदरकरतहीरहे याहिचिकित्सामोउरगहे तीसरवादिनपांचसपाछें जलक्रमसोंकाढेविधिआछें स्वल्पस्वल्पजलकोंनिकसाय उसहींव्रणसोंअवरनाविधाय लवणतैलव्रणकेमुखलावे व्रणमुखषोलेजलनिकसावे जलसबनिकस्योजवहीजाने उदरऊपरवंधनपरमाने सरोमचर्मभेडकालीजै ताहिउदरपरवंधनकीजे तानंतरषटमासप्रयंतु दुग्धपिवावतरहिलषतंतु पुनदूसरषटमासप्रमाण यहपथदेतरहैसज्ञान तंडुलकोद्रवस्वांकलहीजै दुग्धसंयुक्तपथ्ययहदीजै निरोगीहोयवरषप्रयंत तानंतरानिजइछावरतंत ॥ इतिवेधाक्रियाविधिः ॥ अथलोह ॥ चौपई ॥ थोहरअर्कदंतीअरुधावे चित्रामाणवकायनपावे यहसमदग्धकरच्यारवनाय प्रस्थच्यारसबकोलषपाय पलासच्यारप्रस्थसंगदीजे चतुरगुणजलमोंक्काथसुकीजे चतुर्थपादशेषलखधरै फुनिकाथजहदूसरकरे चित्रादंतीत्रिवीभिलावे द्रवंतीऔरपुनर्नवापावे रविवृद्धमूलकंचकीआन शतावरितालमूलीपुनजान गिरिकर्णीकाअमलतासकंडयारी तजपत्रभंगनीलनीडारी चारचारपलयहपरमान अष्टविशेषकरैक्काथसुजान थोहरदूधअर्कपयआन चारचारपलजानप्रमान सबहीताम्रपात्रमोंपाय षोडशपलघृततांहिमिलाय मंदअग्निधरताहिपकावे जवशीतलहोयलषपावे लोहचूर्णषोडशपलआन तामोंपायमिलायसुजान वलअनुसारतांहिनितखावे उदरविकारसकलमिटजावे ॥ इति ॥ अन्यच्च ॥ औषध ॥ चौपई ॥ पांचलवणअरुदोनोच्यार पांचऊषणमरचेंपुनडार अजमोदाअरुहिंगुमिलावे तालमूलीचित्रासंगपावे गवाक्षीत्रिवीविडंगपछान दंतीअरुपुनर्नवाठान जिमीकंदअरुपिपलामूल इन्हकाक्काथकरेसमतूल पादशेषजबहीसोरहै वस्त्रछाणकरताकोंगहै पुनजहऔषधतामोंपाय इकइकपलसोकहोंसुनाय स्वर्णमषीकंकुष्टधरीजै शिलाजीतगुग्गलुसंगदीजे पारागंधकपीसरलावे अल्पअग्निसोंताहिपकावे पुनतांहिकोशीतलकरै तांहीमधुघृतअष्टपलधरै लोहपात्रमोतांहिधराय लोहदंडसोंतांहिघसाय सप्तदिनापरयंतघ-

सावै नित्ययथाबलतांकोषावै सर्वोदररुजहोवैनाश अनेकप्रकारशोथविनाश अर्शकामलापांडुरोग यहविशेषनाशैसुनलोग इति

॥ अथसर्वोदररोगचिकित्सा ॥

॥ क्काथ ॥ चौपई ॥ हरडागिलोयसुंठसुरदारु गिलोपुनरनवासमयहडार करेकाथगुग्गुलअरुमूत्र पायपिलावैलषयहसूत्र रोगसर्वोदरहोवैनाश निश्चयआनोमनमोंतास ॥ अन्यच्च ॥ आद्रकचवकसुंठविलकरथ इन्हकाकाथवाकल्ककरथ तांकरासिद्धघृतकेरनरजोय अजादुग्धसंगखावैसोय ग्रहणीउत्थितशोथविनासे अरुचिमंदाग्निरोगजुनाशे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ लेपुनर्नवाहरडगिलोय दारुहलदपुनताहिसमोय करेकाथगुग्गुलुतिंहपाय अरुगोमूत्रमिलायपिलाय त्वचादोषसबपांडुविनाशे रोगसर्वोदरकोंसुविनाशे शूलरोगकफरोगनिवारे वंगसेनयोंप्रगटउचारे ॥ अन्यच्च ॥ निंबपुनर्नवसुंठगिलोय अरुपटोलदारुहलदसमोय हरडपायकरकाथजुकीजे प्रभातसमयउठरोगीपीजें सर्वांगशोथउदरदुखनाश शूलश्वासकासपांडुविनाश ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साउदरकीवंगसेनअनुसार आगेंयाकेपथअपथसुनहोकरोउचार

॥ अथदूष्योदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जांनरकोकोईशत्रूहोय सिंहमूछतिहिंखुलावेकोय दुष्टजानवरमलमूत्राजिनको रुधिरवीर्यतुमजानोतिनको अन्नरलायखुलावैकोय दूष्योदरतवप्रगटतहोय विषसंयुतजलकियोजुपान तातेंरक्तकुपितकरमान रक्तवातपित्तकफमिलजवहिं दूष्योदरसन्निपतिकतवहिं वर्षाऋतुमेकोपकोंप्रापित मूर्छादुःखितकरेसंतापित तृषकरमुखमेंशोषितरहै पीतवर्णकृशदाहतनुलहै ॥ चौपई ॥ सर्वोदरचिकित्साजानोजेती दूष्योदरकीमानोतेती भावप्रकाशकछूकवषाने ऐसीसमझतुमकरोसिआने

॥ अथसर्वोदरसामान्यचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ शिलाजितत्रिफलागुग्गुलूपावै थोहरदुग्धभिगोयरषावै पुनसुकायचूरणसोकरै मूत्रसाथपीवैदुःखटरै सबहीउदरविकारमिटाय बंगसेनयोंकह्योसुनाय ॥ अन्यचूर्ण ॥ चौपई ॥ कलिंगबीजअरुसणकेबीज सुहागामघांशंखनीलीज अवरहिंगुलूवीजरलावै सबसमचूरणपीसवनावै नितहीगोमूत्रसाथपिलाय उदररोगसर्वमिटजाय ॥ अन्यच्चउपाय ॥ महिषीमूत्रसप्तदिनखवे करेआपनोहितचितभावे तबलगजलकोपाननकरै प्यासलगैतौदुग्धआचरै रोगउदरसबहोवैनाश दुःखजावैतनुसुखपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ अजामूत्रनरदिवसजुसात ऐसैपीवैहोरुजघात ॥ अन्यच्च ॥ अथवाऊंठमूत्रकोपीवै सप्तदिवसमोंरुजहतथीवै प्यासलगेकरहैपयपान सर्वउदररुजनाशपछान ॥ अथचूर्ण ॥ ॥ चौपई ॥ चित्राचवकसमचूरणकीजै ऊंठमूत्रसोंनितउठपीजै असाध्यउदररोगजोहोय निश्चयजानोनाशैसोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ विशालादंतीत्रिवीमंगाय निशाशंखनीत्रिफलापाय विडंगनीलनीअवरकंवीला यहसमचूरणकरोसुसीला गऊमूत्रसोंपीवेतास सर्वउदररुजहोवेनास ॥ अन्यच्च ॥ ॥ चौपई ॥ दंतीचित्राचवकविडंग त्रिकुटायहसमपीसोसंग दुग्धसाथपीवैयहजोय उदररोगनाशसबहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचित्रादोनोंख्यार पांचोलवणनीलनीडार यहसमचूर-

णपयसोंपान गूल्मोदरकीहोवैहान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचित्राचवकविडंग दंतीलेपीसो-
तिहसंग यहसमचूरणपयसोपान होयवृद्धोदररुजकीहान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ गवाक्षीदंतीपीस-
मंगाय शंखनिअवरनीलनीपाय यहसमचूरणमूत्रहिसंग पीवैंउदररोगहोयभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥
लेसुहांजनाअरुसुरदारु मयूरशिखासहकल्कसुधार वाअसगंधचूर्णकरलीजै मूत्रसाथप्रातहिंउठपीजैं
वृद्धोदरअरुक्रमिहोइनाश सुखउपजैहोयरोगकोनाश॥ अन्यच्च ॥ वर्धमानमघपीपलसेवै उदररोगसब-
हरसुखलेवै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ तंडुलथोहरदूधभिगोय इन्हकायूषवनावेसोय खावैसप्तरात्रिमंझार
उदररोगसबजाइविकार ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ बबूलत्वचाजलमोकरकाथ पुनहिछनावैवस्त्रकेसा-
थ पुनतिसअग्निचढायपकावै घणाहोयतवपात्रधरावै तक्रसाथनितखावैतास होयजलोदररुजकोनाश
तक्रसाथजोभोजनकरै उदररोगतातैंपरिहरै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ आठमूत्रजोकरहैपान उदररो-
गसबकीहोएहान ॥ अथलेपन ॥ चौपई ॥ अर्कपलाशअबरसुरदारु असगंधसुहांजणगजकणाडार
यहसमपीसमूत्रकेसंग लेपउदरकरहोरुजभंग ॥ अथपटोलादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ पटोलपत्ररजनी-
जुविडंग त्रिफलाकर्षकर्षसमसंग कंवीलाकर्षदोयतिहजानो नीलनीकर्षतीनतिहठानो त्रिवीभागचा-
रपुनधरो विधिवतचूर्णसुंदरकरो गोमूत्रसंगजोचूरणखाय उदररोगसवहीमिटजाय वनमृगपक्षिन-
केरससंग मृदुउोदनखावैअरुचीभंग मांडपेयजोकरहैपान त्रिकुटासहितजुदुग्धप्रमान षटदिनजोरस-
सेवनकरे पुनःचूरणप्रतिदिनअनुचरे पटोलादिचूरणविधिवतखाय उदरविकारततैंभगजाय पांडु-
कामलाशोथविडार उदररोगसवहीपरिहारे ॥ अथनारायणचूर्ण ॥ चौपई ॥ जवायणलेधनियांत्रिफ-
लाय कलौंजीसौंफवरचसुमिलाय अजगंधत्रिकुटाकुटजजुचित्रा स्वर्णक्षीरीजीरासुनमित्रा पिपला-
मूलसहीदौक्षार पुष्करमूलविडंगसुडार पांचोलवणशतावरिपावै यहसमभागऔषधील्यावै तीनभा-
गदंतीधरलेय सातलाचारभागतिंहिदेय तुम्मात्रिवीदोयदोभाग यहचूरणखावैबडीविहाग रोगसम-
स्तनाशहोयऐसें श्रीनारायणतैराक्षसजैसें ॥ अथअनुपान ॥ जाकोंहोवैउदरविकार तक्रसाथपीवैसु-
निहार गुल्मरोगजांहीकोहोय रसवेरोंसंगपीवेसोय जाकोहोवैरोगअफार मदरेसोंपीवैहितधार जांको-
वातरोगजोहोय गिलोयकाथसोंपीवैसोय विटभग्नरोगजांकोलखपाय दाधिमंडसाथतांकोपीवाय अर्श-
विकारहोइजोजास दाडिमजलहिंपिलावैतास जांकोरोगअजीरणथीवैं उष्णतोयसोंसोनरपीवै भ-
गंदरपांडुकासअरुश्वास गलग्रहहृदयरोगहोइजास ग्रहणीकुष्टअग्निमंदजोय ज्वरअरुकुष्टजासको-
होय जीवमूलकृत्रिमविषतीन जाकोविषजविकारप्रवीन इतनेरोगनकोअनुपान हैघृतगावउष्णकर-
पान ॥ इति अथमहाक्षार ॥ चौपई ॥ तिलसर्षपयवत्रैयहनाल दसमूलआढकीदंतीडाल महूअपा-
मार्गजुगिलोय चित्राऐंद्रीत्रिवीसंगजोय कनेरपुनर्नवाअरुत्रिफलाय अर्ककंवीलानिंबरलाय पुनपुन-
र्नवारक्तसुजान दशदशपलयहऔषधठान यहकरदग्धभस्मसबल्यावै द्रोणमूत्रसोंताहिपकावै सा-
तवारगोमूत्रमंझार तांहिपकावैयहपरकार पुनयहचूरणतांहिमिलावै पलपलइकइकवस्तुरलावै पाठा-
वचदोयहलदपतीस त्रिवीकंवीलासुंठीपीस पांचोलवणकुठयवक्षार मघांसुहांजणात्रिफलाडार कौड-
भिलावैमुथविडंग अमलवेतदंतीधरसंग देवदारुहिंगूलखलीजै यहसमऔषधतामोंदीजै दधिचुकर-
कांजीयहतीन आढकआढकपायप्रवीन आढकआढकघृतअरुतेल पायपकावैसबयहमेल उष्णवा-
रिसोंकर्षप्रमान खावैसबरुजउदरकीहान मद्यअम्बलपयमूत्तरसंग क्षारखायएतेरुजभंग लिफअर्शगु-

ल्मअरुशूल हृदयरोगक्रमिव्रणनिर्मूल ग्रहणीपांडुयक्ष्मपरमेह भगंदरउदावर्तहोयखेह कुंडलरोगमूत्रकृछ्रनाश अपस्मारकोकरैविनाश ॥ अथनाराचघृत ॥ चौपई ॥ थोहरदुग्धदंतीत्रिफलाय चित्रावासात्रिवीमिलाय वायविडंगपुनसंगरलावै कर्षकर्षयहपीसमिलावै कुडवएकघृतपायपकाय मात्राकर्षप्रमाणधराय तप्तनीरसोंपविसोय उदरविकारनाशसबहोय ॥ अथत्रिवृतघृत ॥ चौपई ॥ अष्टगुणपायप्रस्थघृतएक पलथोहरपयलहोविवेक षटपलत्रिवीसुपायपकाय खावैउदररोगमिटजाय ॥ अथविंदुघृत ॥ चौपई ॥ अर्कदुग्धदोइपलआनीजै षट्पलथोहरदुग्धलहीजै हरडकंबीलात्रिवीसनाय अमलतासगिरिकर्णीपाय नीलनिशंखनिदंतीचित्रा यहपलपलपावोसुनमित्रा डेढप्रस्थभरजलजुमिलाय वस्तुसबीतिसमाहिरलाय प्रस्थपायघृततांहिपकावै जितनीबूंदांघृतकीखावै तितनेरेचनवेगहिसंग देवैंहोयरोगकोभंग आठप्रकारजुउदरविकार नाशहोहिलागैनाहिवार गुल्मकुष्टशोथमिटजावै भगंदरउदावर्तनरहावै इहसवरोगनाशहोइऐसे वृक्षवज्रघातसोंजैसें ॥ अथशालिपर्णीतैल ॥ चौपई ॥ शालिपर्णीसहदेवीआन पृष्टपर्णीविदारीठान वलातीनअवरवृद्धिपावै महासतावरीतांहिमिलावै दोइसारवादोपर्णील्यावै जीवकऋषभतुम्मापुनपावै जजूलीकर्षकर्षसबलेय पुनर्नवाएरणपलपलदेय दशमूलीलीजोपलवीस सबयहकूटलीजियेपीस तोयद्रोणमोंपायपकाय चौसठपलरहेवस्त्रछनाय दधिघृतकांजीगोमूत्रसमान प्रस्थप्रस्थइन्हकापरिमान प्रस्थएकपुनएरंडतेल पुनचूर्णइहकीजैमेल पलाशवीजसोपीसमिलाय थोहरमदनवृक्षत्वचपाय अमलतासचित्राअरुधावै त्रैत्रैपलइहसंगरलावै अरुपललोधरलेयवच्चार थोहरदुग्धचारपलडार पायपकाययथावलखावै रोगसमस्तउदरकोजावै

॥ अथउदररोगअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ बद्धगुदोदरहोवेजिसको मासउपरंतअसाध्यहैतिसको पसलीमाहिशूलआवैरे नेत्रनमोंसूजनलखिपरै इंद्रियकायत्वचागलजाय रुधिरमांसतनकछुनरहाय अग्निमंदहोजावेजांको सोअसाध्यजानोनरतांको पुनपसलिनमोशूलजुकरै पसलीटूटफूटलषपरै अधिकरुचीसबजातीरहै अतीसारसूजनतनवहै विनअन्नउदरअफारज्योंपेखे उदरअसाध्यचरकऋषिलेखे उत्थितउदरजुरोगनवीन कष्टसाध्यतुमजानप्रवीन होतजलोदरवालिकोंजोय कष्टसाध्यजानोतुमसोय उदररोगनिर्वलिकोजानो हैअसाध्यतुमलषोस्यानो।

॥ अथउदररोगेपथ्यापथ्यअधिकारानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उदररोगकेपथअपथतिन्हकोसबअधिकार सुनअपनेमनधारियेसोअबकरोंउचार अथपथ्य ॥ चौपई ॥ रेचनलंघनमदरापथ्य यवमुंगचावललालकुलत्थ बनमृगपाक्षिनकोजोमास उदररोगकेपथ्यलषतास एरंडतैलतक्रपुनजानो आद्रकलसुनकरेलेमानो पुनर्नवाहरडइलाचीकही अरुसुहांजणापथ्यलषसही लघुअरुदीपनवस्तुसमस्त गोअजाऊंठणीदुग्धप्रशस्त पुनतांवूलपत्रपरमान उदरडंभदेवैहितजान उदरसवस्त्रहूवेष्टनकरै पत्तलवांधेमर्दनधरै उदरमध्यहोइलिफाविकार तांकोंइहसिटवडाउचार अरुनाडीभुजवेधकरावै रुधिरवाहुमोक्षपथगावै जोवहुआमहुतेंरुजहोय रेचनकरवावैदुखखोय अरुतलेनाभिकेगुल्लसुदेवै तौव्याधीविनदुःखसुखसेवै वातहुतेंजोदुखप्रगटावै रोगीकोंघृतपानकरावै दोहा उदररोगकेपथ्यजोकीनेसकलउचार अवअपथ्यवर्णनकरोंसुनहोपुरुषउदार अथअपथ्यं चौपई

धूम्रपानअरुबहुजलपान शिरनाडीकोरुधिरछुडान दिनकोशयनछर्दलखलीजे अरुव्यायामअपथ्यलहीजे इक्षुविकारमिष्टान्नजुजेते उदरविकारअपथलषतेते तिलअरुजलजीवनकोमास दाहकउष्णअपथलषतास बहुलक्षणगुरुवस्तुपछानो हिमालयनदियनकोजलजानो फलियोंवालेअन्नजुजेते अरुगुरुअन्नअपथलषतेते ॥ दोहा ॥ उदररोगकेपथअपथभाषेसमझविचार पथ्यगहेत्यागेअपथतौनहिहोयविकार ॥ इतिउदररोगेपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः ॥ दोहा ॥ उदररोगवर्णनकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनाहिचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवखान इतिवंगसेनेउदररोगःसमाप्तः

॥ अथउदररोगेकर्मविपाकदोषकारणनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ मोहलोभभयतेंजोकोय अपनेधर्मत्यागकरसोय अरुब्रह्माविष्णुरुद्रमंझार भेदवुद्धिजोकैरगवार तांहिजलोदररुजसंचरै ऐसेतासउपायउचरै ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ श्रीशिवमूर्तिपार्वतीसंग रूपेकोवनवायअभंग कुंभएकजलऊपरधरै विधिसोतांकीपूजनकरै कुंभचतुर्दिशदिगपतचार कुवेरइंद्रयमवरुणविचार इन्हहूंदिगपालनकोंयजे सभकेंमंत्रनहोमहिंसजे दानकरैविप्रहिंकोंदेय उदररोगसबनाशकरेय ॥ दोहा ॥ दोषजलोदरवर्णयोंकारणसहउपचार हृदयरोगवर्णनकरोंसोलीजैचितधार ॥ इतिउदररोगदोषकारणउपायःसमाप्तः ॥

॥ अथउदररोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ चंदपडैजासिंघमोउदररोगहोइतास फुनदांतनपीडाकरैपेटविकाराहिजास औरसुभावतिहिनरविषेस्त्रीसोंवैरकरेइ तृषाभूषकरतृप्तनाहिशांतिनआवैतेइ तृष्णामूर्छारोगफुनआयकरेसंजोग चंद्रमापूजेअष्टतिहिंविधिविधानहररोग ॥ इतिउदररोगज्योतिषंसमाप्तम् ॥

॥ अथहृदयरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ हृदयरोगवषानहोंहोवतहृदयमंझार प्रथमहिंकारणतासकेकहोंलषोमतिसार ॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ अतिगुरुअतिअमूलोजोखावै उष्णतिक्तकषायअतिपावै अतिश्रमअतिचिंताकरजोय ताडनअध्यसनहूंतेंहोय विष्टादिककोवेगरुकावै हृदयरोगएतेप्रगटावै सोहृदरोगपांचपरकार वातजापित्तजकफजाविचार कृमित्रिदोषतेंउपजतजान पांचप्रकारयोंकैरवषान प्रथमहिंकोपदोषअनुसरै अन्नरसोंकोदुष्टसुकरै हृदयमध्यपीडाउपजावैं ॥ हृदयरोगयाहीकोगावैं ॥

॥ अथवातजहृदयरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हृदयबैंचियतअसदुखहोय सूचीन्याईवेधियतसोय जैसेमाथितमधाणीलहिये तैसेहृदयमाथितसुलषैये अरुउरफूटतहृयदलखावै होयदुडुकडेमनलषपावै एतेलक्षणवातजजान पैतिकलक्षणकरोंवषान.

॥ अथहृदयरोगेचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ चिकित्सासुनहृदरोगकीसोहैचारप्रकार भिन्नभिन्नवर्णनकरोंसुनलीजेचितधार

॥ अथवातजहृदयरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जिहवातजहृदरोगलखावै प्रथमहितांकोंवमनकरावै घृतसोंवादसमूलीकाथ औषध-वमनवालवणहिसाथ वमनकरायचिकित्साठानै योंवातजहृदरोगहिमानै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ मघांलायचीवचयवचार सैंधासौंचलसुंठीडार हिंगुअवरअजमोदाआनै इन्हसबकोसमचूरणठानै कांजीवामदचरवीसाथ पीवैवाघृतकुलत्थकेकाथ वातजहृदयरोगनसावै रोगजायरोगीसुखपावै केवलसुंठीकोकरकाथ उष्णउष्णपीवैसुनगाथ श्वासकासकोदूरनिकारै हृदयरोगमंदाग्निविडारै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हरडेसैंधापुष्करमूल सुंठीवीजपूरकोमूल पुनकचूरअमलवेतयवच्चार यहसबऔषधसमलेडार चूर्णघृतमिलायकरपीवै वातजहृदयरोगहतथीवैं ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ पलासविजोरापुष्करमूर सुंठजवायणकरंजुकचूर जीराश्यामवचासुरदार अरुपावोतामोंयवच्चार इन्हसबऔषधकोकरकाथ पीवैनित्यलवणकेसाथ वातजहृदयरोगनसावै निश्चयअपनेमनमोंल्यावैं ॥ अथघृत ॥ हरडेसुंठीपुष्करमूल लवणहिंगुयवआमलेतूल इन्हकेसंगघृतसिद्धकरावै वातजहृदयरोगभगजावै ॥ अथतैल ॥ चौपई ॥ इटसिटविल्वपंचमूलसुरदारु कुलत्थकोलरहसनयवडारु इन्हसमसबकोकरहैकाथ काथसमानतैलधरसाथ मंदअग्निसोंताहिपकावै मर्दनकरैअवरसोखावै वातजहृदयरोगनसाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय ॥ इतिवातजहृदयरोगचिकित्सा ॥

॥ अथपित्तजहृदयरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तृष्णादाहहृदयप्रगटावै पाक्योउरप्रतीतहोइआवै मूर्छास्विदहवाडनिकाशै धुंधेहृदयमुखशोषप्रकाशै हृदयग्लानिनितहोवततांको सर्वांगदाहरहैनितजाको एतेलक्षणपैतिकजान लक्षणकफजरोगप्रगटान ॥ अथपित्तजहृदरोगचिकित्सा ॥ चौपई ॥ वमनवस्तइन्हऔषधसंग देवेप्रथमवमनहैचंग श्रीपर्णीवामधुगुडजान वामुलट्ठवामिश्रीमान इन्हसबसोंएकोलषपावै वमनतासकेसाथकरावै अरुशीतललेपनतिसकरै स्निग्धसाथरेचनअनुसरै ॥ अन्यच्च ॥ मधुरवस्तुसाधितघृतजान पित्तज्वरनाशकाथप्रमान इन्हकोहितसोंसेवेजोय पित्तजहृदयरोगकोंखोय ॥ अन्यच्च ॥ द्राक्षाफालसेमिसरीखावै मधुखावैपैतिकरुजजावै अवरपित्तहरअन्नजुपान खावैपीवैहोइरुजहान ॥ अन्यच्च ॥ मिसरीकोसर्वतवनवावै गुलावतोयतिंहिमध्यरलावै मुलठकोडचूर्णतिससंग पीवैपितहृदयरुजभंग । अन्यच्च । अर्जुनतरुकीत्वचामंगावै काडदुग्धमोंनित्यपिलावै चित्तहृदयरोगहोयनाश दुखनाशेतनसुखपरकाश अन्यच्च । चौपई । अर्जुनत्वचालेछांहिसुकावै पीसैचूर्णवस्त्रछनावै साथपंचमूलीकेकाथ अथवावलाकाथकेसाथ वामुलठवामधुघृतसंग वासदुग्धपीवैरुजभंग मिसरीवागुडशर्वतसाथ चूरणखावैसुनयहगाथ हृदयरोगजीर्णज्वरनास रक्तपित्तसवदूरनिकास अथकसेरुकादिघृत । चौपई । कसेरुकसिंबलभेहमुलट्ठ श्रृंगवेरग्रंथीसुइकट्ठ अरुपुंडरीकसवीसमलेवै समघृतदुग्धचतुर्गुणदेवै मंदअग्निसोंकरैपकान मधुसोंखावैवैदविहान पित्तजहृदयरोगमिटजावै दुखनाशरोगीसुखपावै । अथश्रेयसीयादिघृत । चौपई ॥ हरडशर्कराद्राक्षलहार जीवकऋषभवलापुनडार उत्पलमेदअवरमहामेद समयहचूर्णकरोलखभेद काकोलीअरुक्षीरककोली चूर्णमोतिसदेयसुघोली महिषिदुग्धघृतमहिषिमिलाय मृदुलअग्निसोंताहिपकाय वलअनुसारघीउसोंखावै पित्तजहृदयरोगमिटजावै । अन्यच्च । लघुपंचमूलसाधितघृतजोय वा-

दुग्धइक्षुरससाधितहोय वाद्राक्षारससाधितपान हृदयरोगपित्तजहोएहान इतिपित्तजहृदयरोगचिकित्सा ॥

॥ अथकफजहृदरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ गौरवताहृदमुखजलचले जडताअग्निमंदताभले कुपितहोयकफहृदयमोंव्यास तिसकरअतिक्लेशकीप्रास मुखमीठोजुअरुचितामान कफजचिन्हयहकीनवखान

॥ अथकफजहृदयरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमहिंरुजियेंवमनकरावै मघादिकफहरऔषधखावै अथवास्वेदकरावैतास वालंघनतांकोकरेप्रकाश ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ कुंभीसुंठीवलाकचूर हरडेंरहसनपुष्करमूर यहसमचूर्णपीसरलावै गोमूत्रसोंनित्यपिलावै कफकोहृदयरोगमिटजाय वैद्यकमतयोंकह्योसुनाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ लघुलायचीपिप्पलामूल ह्वौवैवरवरचसमतूल यहसमचूर्णइकठ्ठोकरै अजामूत्रसोंसेवनधरै गुल्मकफजहृदरोगनिवारै दुखमिटेतनुसुखविस्तारै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ मुस्थरएलाचंदनआन खसत्रिकुटाचित्रात्वकूठान कौडजवानीविल्वसुरदार दालहलदनिंवपुनडार पटोलपापडाअसनपतीस त्रायंतीवर्चसौराष्ट्रीपीस किरातसुहांजनपिपलामूल केसरयहसबलेसमतूल चूरणकीजेपीसवनाय यथावलगोमूत्रसोंखाय कफजहृदयकोरोगनिवारै गुल्मअफारसन्निपातविडारै इतिकफजहृदयरोगचिकित्सा

॥ अथत्रिदोषजहृदयरोगलक्षणम् ॥

वातादिककेकहेलक्षण इकठेजामोंलखेविचक्षण सान्निपातयहलक्षणजानो याहीकोअसाध्यकरमानो त्रिदोषहृदयमोंउपज्योजान करैअपथ्यजोनरअज्ञान तिलगुडक्षीरादिककोंखावै तातेंहृदयग्रंथभक्षजावै सोऊग्रंथिजवैगलजावै तवहृदयमध्यसोक्रमिउपजावै सोक्रमितीव्रपीडउपजांहि थुकथुकीहोएअरुचिप्रबटांहि शूलअवरउक्लेदहृल्लास तमअरुशोथप्रकटहोयतास श्यामनेत्रदेहसुकजाय अवरउपद्रवकहोंसुनाय ।उपद्रव। चौपई ॥ कलेजेमोंपीडाभ्रमपित्त मुखसूकेयोंजानोमित्त इत्यादिकजुउपद्रवकहिये हृदयरोगमोप्रगटलहैये ॥ दोहा ॥ हृदयरोगऐसेंकह्योवैद्यकमतिअनुसार समझचिकित्साजोकरेतांकोकहांविकार ॥ इतित्रिदोषजहृदयरोगनिदानंसमाप्तम् ॥

॥ अथत्रिदोषजहृदयरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ त्रिदोषजहृदयरोगहोइजवै हृदमोंक्रमिउपजावततवै तासचिकित्साऐसेंकही सोअपनेमनआनोसही लंघनअरुपाचनपरिमान यातेंहोयत्रिदोषजहान क्रमिरोगकीचिकित्साकही क्रमिहृदरोगमोंजानोसही ॥ अन्यच्च ॥ केवलचूरणविडंगपिसावै गोमूत्रसोंप्रातहिंपावै मांसभातपथ्यदेतास यहउपायकीनोपरकाश हृदयत्रिदोषजहोवेशांत निजमनमोंयहलखोवृतांत ॥ अन्यच्चउपायः ॥ चौपई ॥ मांसनीरदधिसंगमिलाय वहुघृतपायवनायरिझाय तीनदिनांनितसेवतरहै तानंतररेचनसोगहै रेचनऔषधजवपीसावै लवणविडंगअवश्यरलावै कांजीसोंपुनपीवैसोय गिरेंसवीक्रमिरेचनहोय यावकमांडविडंगमिलाय पुनतांकोंयहपथ्यखुलाय त्रिदोषजहृदयरोगहोइनाश कीनाचिकित्सातासप्रकाश इतित्रिदोषजहृदयरोगचिकित्सा

॥ अथसामान्यहृदयरोगचिकित्सा ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ अमलवेतदाडिमअरुहिंग सुंठसौंचलपावेतिहसंग यहसमचूरणकरेवनाय ततनीरसोंप्रातहिंखाय हृदयरोगबसहीपरकार नाशहोयनिश्चयमनधार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिकुटा-त्रिफलाजीरकल्याय गजपिप्पलमुस्थरतासमिलाय तिंताडीकतालीसजुआनो कर्षकर्षसबसमलेठानो एककर्षदालचीनीएला लोहचूरणसोपलइकमेला सवहिसमानशर्करापाय चूरणसुंदरधरेवनाय प्रात-समययहचूरणखावै हृदयरोगसवदूरनसावै हिंगुजवायनविडयवच्चार सुंटमघांकुठहरडेडार चित्रासौं-चलपुष्करमूल यहसबचूर्णकरोसमतूल यवकेकांजीसाथपिलावै हृदयरोगसोसबमिटजावै ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंदशमूलीकरकाथ सौंचलअरुयवक्षारहिंसाथ पीवैहृदयरोगमिटजावै गुल्म-शूलश्वासकासनसावै ॥ अवलेह ॥ चौपई ॥ केवलपुष्करमूलपिसावै मधुमिलायकरनित्यचटावै हृदयरोगचईहोइहैनाश हिकाशूलश्वासहरकाश ॥ अन्यउपायः ॥ हरिणशृंगसंपुटमोंपाय दग्ध-करैधरअग्निवनाय पीसतांहिगोघृतसोंखावै हृदपृष्ठशूलततछिणमिटजावै अथअन्यउपाय ॥ चौपई ॥ गोधूमचूर्णतैलगुडपाय करैकडाहतांहिनितषाय अजादुग्धऊपरसोंपीवै हृदयरोगशांतितवथीवै । अ-न्यच्च ॥ चौपई ॥ अर्जुनतरुत्वचचूर्णकरावै तांहिचूर्णगोधूमरलावै अजादुग्धघृतसोंजुपकाय मधु-शर्करामिलायसुखाय हृदयरोगसमस्तमिटजावै दुखजावैतनुसुखप्रगटावै ॥ अथवल्लभघृत ॥ चौपई ॥ पचासहरडसौंचलपलदोय मध्यप्रस्थघृतपावैसोय मृदुलअग्निपकायसोखावै हृदयरोगश्वास-मिटजावै उदरपीडगुल्मअरुकास नाशैंसुखतनुकरैप्रकाश ॥ अथक्षीरवल्लभघृत ॥ चौपई ॥ पचास-हरडकोदरडसुकरै दोपलसौंचलतामोंधरै प्रस्थएकघृतमोंसोपावै प्रस्थचारतिहदुग्धमिलावै मंदअ-ग्निपकायसोखाय हृदयरोगअपतंत्रकजाय ॥ अथअर्जुनघृत ॥ चौपई ॥ अर्जुनवृक्षत्वचामंगवावै ता-हिकुटायपुनरसतिसपावै घृतमोपायपकायसुखावै दुःखमिटेरोगीसुखपावै हृदयरोगकोहोइहैनाश वै-द्यकमतयोंकनिप्रकाश ॥ अथवलादिघृत ॥ चौपई ॥ वलाजुनागवलायहदोय अर्जुनवृक्षत्वचालेसोय इन्हसमकाथमध्यघृतपाय मुलट्ठीचूरणपायपकाय खावैघृतहृद्रोगनसावै हृद्क्षतरक्तपित्तमिटजावै श्वासकासपुननाशकरहे निश्चयमनमोंआनोएह। अन्यच्च। अथश्वदंष्ट्राद्यंघृतं । भषडेवालामंजीठमंगाय काश्मारिकटतृणउशीरमिलाय दर्भमूलपृष्टपर्णील्यावै सर्षपशालपर्णीतिहपावै अतीवला।पुनकरमिलान पलपलसवकालेपरिमान इन्हसवकाकरलीजैकाथ क्षीरचतुर्गुणपावोसाथ प्रस्थएकघृततांमोपाय क-ल्कयाहितिसमाहिरलाय कौंचबीजऋषभअरुमेद जीवंतीअरुजीवकभेद शतावरीऋद्धिमुनक्काल्याय शर्करामुंडीभेडमिलाय मंदअग्निसोंघृतजुपकाय खावैघृतयहरोगनशाय वातपित्तहृद्रोगजुशूल मू-त्रकृच्छ्रप्रमेहानिरमूल अर्शश्वासकासक्षयनास अवररोगजुकरोंप्रकाश वलकरधनुषषेंचनोजान अती-करस्त्रीसेवनमान भारउठावनमार्गमैचलन इहसवक्षीणमासवलकरन सोवलक्षीणहरेघृतजोई वंगसे-नकहदीयोसोई ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साहृदरोगकीवंगसेनअनुसार उरग्रहरोगनिदानसुनसोंअवर-करोंउचार ॥ इतिहृद्रोगचिकित्सासमाप्त ॥

॥ अथउरग्रहरोगनिदानं ॥

॥ दोहा ॥ उरग्रहरोगनिदानकोंसुनलीजैचितलाय जैसेंभाष्योग्रंथमोंतैसेंदहुंवताय ॥ चौपई ॥ गुरु-सूकोनरअन्नजुखावै अरुदुर्गंधीमांसअचवावै इन्हतेंआमयकरतहैजोय अरुपली।हतीनोंवधैसोय तव-

कफवातदोऊमिलआन उरग्रहरोगहृदयप्रगटान उरपीडाहृदयपकड्योहोय अरुभारीलुहिजायनसोय अवरअफाराप्रगटैआय कुचिहृदयमोंशोथलखाय ष्टिवामूत्रदोऊरुकजावै तंद्राअरुचिशूलप्रगटावै ॥ सोरठा उरग्रहकह्यो।निदानकहोंचिकित्सातासकी सुनलीजैचितआनजैसेंभाषीग्रंथमों इतिउरग्रहनिदानंसमाप्तम्

॥ अथउरग्रहरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ रोगउरग्रहकीकहोंसुनोचिकित्साजोय वंगसेंनजैसेंकहीतैसेंभाषोंसोय ॥ चौपई ॥ देवैगुल्लसेकअरुस्वेद रक्तमोक्षरेचनहरखेद तीक्ष्णवस्तुकरवस्तिनिरूह अरुकरलंघनसमझसमूह याहिंचिकित्सासोंरुजनाशे होइआरोग्यदेहघुतिभासे । अन्यउपायः । चौपई । जीयापोतेतरुरसआन अरुसुहांजनारसपहिचान सूर्यावर्तरसपुनसंगलेय अवरवलारससंगमिलेय हिंगूपंचलवणतिंहपाय वागुडत्रिवीमिलायवनाय गोमूत्रतैलमदआसवसंग चूर्णखायहोयरुजभंग उरग्रहरोगनिवारणहोय निश्चयआनोमनमोंसोय अथचूर्ण । चौपई । अमलवेतचवकहिंगुयवक्षार अरुपुनचित्रातामोंडार समसमस्तलेचूरणकीजै कांजीतैलसाथसोपीजै रोगउरग्रहहोवैनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश । दोहा। रोगउरग्रहकीकहीसमझसमस्तविचार जेऊचिकित्सायहकरैमिटहैरोगविकार ॥ इतिश्रीउरग्रहरोगचिकित्सासमाप्ता

॥ अथहृदयउरग्रहरोगपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यहृदरोगकेसबहीकहोंसुनाय जैसेंभाष्योग्रंथमततैसेंरचोंवनाय । दोहा । हृदयउरग्रहरोगकेपथ्यापथ्यप्रमान जाविधग्रंथमतीलहीताविधकरोंवखान ॥ अथपथ्यं । चौपई ॥ रेनचलंघनवमनकहीजै वस्तीकर्मस्वेदलखलीजै सठीपुरातनचावलजाने मृगपक्षिमांसरसहितमाने मुर्गकुलत्थरसखंडप्रमान कदलीफलअनारपहिचान कूष्मांडजुपुरातनहोय वर्षाजलपटोललखसोय नवमूलीजुमनक्काद्राख तक्रपुरातनगुडलखराख एरंडतैललसुनकुठजान सेंधालवणहरडपुनमान सुंठीजवायणधनियांकाहिये आद्रककांजीचंदनलहियें मध्यवारुणीकस्तूरीजो पत्रतमालपथ्यजानोसो दोहा पथ्यकहेहृदयरोगकेसमझोपुरुषसुजान अवअपथ्यवर्णनकरोंशास्त्रमतीअनुमान । अथअपथ्यं । चौपई । तृषाछर्दमूत्रविष्टाऊ वीर्यश्वासश्रमअरुचिसुभाऊ अरुडिकारइत्यादिकजानो इन्हकोवेगरोकनामानो सोअपथ्यवडमानलहीजे मोक्षणरुधिरअपथ्यकहीजे विंध्याचलपर्वतकेकाछे इन्हसरिताजलअपथ्यसुभाखे मद्दूफूलफलवस्तुजुचार यहअपथ्यकीन्होनिरधार इतिअपथ्य दोहा हृद्यादिककेपथअपथसमझकीनउचार जानचिकित्साजोकरैतांकीवुद्धिउदार इतिहृदयउरग्रहरोगपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः

॥ अथहृदयरोगकर्मविपाकमाह ॥

॥ चौपई ॥ कामक्रोधलोभअनुसार परकोंदुखदेवैनरवार अरुब्राह्मणधनवृतिहरेय अरुपरनिंदाभाषैजेय तिसकोंहृदयरोगप्रगटावै ऐसेंतासउपायलखावै ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ स्वर्णमूर्तिलक्ष्मीनारायण रौप्यकमलपरधरअघनाशन पूजैपीतफूलपीतांवर पंचद्रोणतंडुलपरतिंहिधर विष्णुमंत्रकरहवनकरेय संकल्पश्रेष्टब्राह्मणकोंदेय हृदयरोगतांकोहोइनाश कर्मविपाककीनपरकाश ॥ दोहा॥ हृदयरोगवर्णनकियोकारणसहितउपाय अजीर्णरोगकेदोषकोभाषोंसुनमनलाय इतिहृदयरोगदोषकारणउपायःसमाप्तः

॥ अथहृदयरोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ छायासुतचौथापडैसूर्यपडेकुंभेमान हृदयरोगहोइतांहिनरनिश्चयजियमोंजान शनीजाप-अरुमंत्रविधिसूर्य्यबलीसोदेय ऐसेकारणहोमजपव्याधीपुरुषहरेय ॥ इतिज्योतिषं ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांहृदयरोगाऽधिकारकथनंनामसप्तविंशोऽधिकारः ॥ २७



॥ अथअजीर्णरोगनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अजीर्णरोगवखानहों अरुजोअग्निप्रकाश प्रथमनिदानसुनायकर कहौंचिकित्सातास

॥ अथअग्निकृतनिदानवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ उदरमध्यअग्नीजोरहे सोऊचारप्रकारकीअहे मंदअग्निजोएककहावे तीक्षणअग्निदूसरीगावे विषमअग्नितीसरिपहिचान समजिंहनामचतुर्थीमान तिन्हकोक्रमअैसेंलखलीजे कफतेंमंद-अग्निसुकहीजे पित्ततेंतीक्षणअग्निलखावे वातहुतेंविषमाग्निकहावे समत्रिदोषतेंसमकोंजान चारप्रकारयोंकीनवखान मंदअग्निकफरोगवधावे तीक्षणपित्तरोगअधिकावे विषमवातरोगहिंप्रगटावत समसमरोगकरैयोंगावत मंदअग्निहोवतहैजाहि भोजनस्वल्पपचैनहिताहि विषमअग्निजाकेतनुरचे अन्नपचैकवहूंनहींवचे तीक्षणअग्निजासतनुमांहि जोवहअल्पअधिकवाषाहि तिन्हकोंसवभोजनपचजावे परभस्मकरोगहिंउपजावे भस्मकरुजयहभांतकहीजे जवकफक्षीणभईजुलहीजे आश्रयवातहोयपितकोपे सोऊभस्मकरुजआरोपे जोसवहीकोंभस्मकरावे यातेंभस्मकनामकहावे भस्मकतृषाश्वासउपजावत दाहमूर्छाकोंसोप्रगटावत अन्नपचायधातोंकोंदाहे अन्नभक्षेतेंशांतिग्रहाहे भस्मकवालाजोनरहोय अन्नपचेतेंतडफतसोय पुरुषसमाग्नीहोयजोकोऊ सवप्रकारकरश्रेष्टहैसोऊ भोजनपचैअवरवलधरै यातेंश्रेष्टताहिउच्चरै मंदाग्निसोंअजीर्णहोय ववरातांकाकहुंसुनसोय सोइअजीर्णषट्परकार ग्रंथकारमतकह्योविचार इकअचरजअैसेंभाषैं रसरहेंशेषअजीर्णआषै अजीर्णतेअन्नकाचोरहे पचैनाहिअैसेंलषलहै एकअजीरणअवरप्रकार सोसुनहोयोकीनउचार निर्दोषपाककरैदिनमाहि अजीर्णपंचमताकोगाहि अठप्रहरमोंअन्नपचैकर विनाअफारपचैयोंमनधर एकअजीर्णप्राकृतकहिये जाकेतनमोसदालहिये अजीर्णतेंहोवैंवहुरोग तातैंरक्षाकरणीयोग ॥

॥ अथअग्निचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ प्रथमचिकित्साअग्निकीभाषोंसुनोसुजान पुनभाषोंजुअजीर्णकीमूलअग्निपहिचान ॥ दोहा ॥ समजोअग्निसुश्रेष्टहैभाषैंवैद्यपुरान तांरक्षाअन्नपानसोंकरहैपुरुषसुजान । दोहा । मंदअग्निकषायतिक्तकटुवमनचिकित्साठान इन्हउपायकरवैद्यजोकरैतासकीहान । दोहा ॥ मधुरसानिग्धगुरुशीतसोंतीक्षणअग्निसमोय यहप्रकारसमझतऊचतुरवैद्यहैसोय ॥ दोहा ॥ विषमअग्नियाकोलषैतासचिकित्साएह सनेहअमलजोलवणअरुऔषधतापरदेह । अथअग्निउपाय चौपई । सौंचलहिंगुपीसयहदोय अन्नमांडसोंपीवैसोय उष्णमांडकरजोजनपीवे विषमअग्नियातेंसमथीवे मंदअग्निपुनदीपतहोय जानलहोअपनेमनसोय । अन्यउपाय । चौपई । प्रसृतीतंडुलदोयमंगावे एकप्रस्रतीमुंगरलावे त्रिकुटाधनीयांसेंधाजान हिंगुतैलयहतामोठान अष्टगुणाजलतामोपाय सुंदरमांडलयेंजुवनाय याहिमांडकोंपीवैजोय वस्तीशोधसुधाकरसोय वलअरुरुधिरवधावैएह ज्वरहरतायाकोंलखलेह अरुकफपित्तवातहरजान वंगसेनयोंकीनवखान ॥ अन्यच्च ॥ हरडपीससुंठीसोंखाय अथवासेंधागुडसोभाय अग्निनिरंतरदीपनकरै याकोगुणअैसोउरधरै ॥ अन्यउपाय: ॥ चौपई ॥ सुंठीमघांजुहरडमंगाय दाडिमगुडमिलायसोखाय भिन्नभिन्नकरजानोतीन ऐसोग्रंथकारमतकीन यहसमगुटिकाजोजनखावे आमअजीर्णकवजनसावे गुदारोगपराहितकरएह अपनेमनमोजानलषेह ॥ अथआवलेह ॥ चौपई ॥ विडंगमिलावेचित्राठान सुंठगि-

लोयगुडकरोमिलान घृतमिलायचाटैनरकोय वडवातुल्यअग्नितिसहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हरड-निंवसमर्पीसरलावै तप्तनीरसोंजोजनखावै दद्रुस्फोटतासकोनाशैं अग्निवधैवहुक्षुधाप्रकाशे ॥ चूर्ण ॥ चित्रासेंधासुंठजवायन मरचपीससमकरोमिलायन तक्रअमलसोंखावैसोय सप्तदिवसअग्निवहुहोय पांडुअजीर्णअर्शमिटावै वंगसेनयोंभाषसुनावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हरडधान्याम्लसोसिद्धकराय सेंधाहिंगुपिप्पलीसमभाय तप्तनीरसोंखावैजोय भुसेंडिकारअजीर्णखोय क्षुधाकरैवहुअग्निवधाय इहप्रकारयाकोंलखपाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सुंठीचूरणसमयवक्षार घृतसोंचाटैपुरुषउदार अग्निवधैतनमोवलहोय निश्चयजानोताकोंसोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हरडमघांसुंठीयहतीन यहसमचूर्णकरोप्रवीन तप्ततोयसोंपीवैतास अग्निवधैत्रिदोषहोइनाश ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ केवलसुंठकाथसोपीवै अजीर्णनाशेतनसुखथीवै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सुंठीहरडगिलोयमिलाय करैकाथमंदाग्निमिटाय ॥ अथचूर्णं ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचित्राचवकसमतूल अरुपायताहीमोंपिपलामूल दालचीनीतजपत्तरपाय विधिसोंचूर्णलियेंवनाय यहचूर्णकरखावैजोय मंदअग्निजुमिटावैसोय ॥ अथयवागू ॥ चौपई ॥ उपवासहिंसोंमंदअग्निलषावै तवघृतपाययवागूखावै मंदअग्नितांकीमिटजाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय जोगैचताहूतेंयहजानै मंदअग्निउरमोंप्रगटानै मरचांघृतवातैलहिंसंग पीवैमंदअग्निहोइभंग मन्दाग्नीजवकरेप्रवेश चूरणआशवअर्कविशेष भिन्नगुदोपलहोइतनजास मदराआसवतैलप्रकास उदावर्तमंदाग्नीमाहि वस्तिनिरूहवैद्यजोगाहि ॥ इतिअग्निकराचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथअजीर्णनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ होतअजीरणअतिजलपान मात्राअधिकभोजनतैमान अवराविषमभोजनतैलहियै द्दष्टलगैंभोजनतैंकहिये अतिमाधुर्यहुतेंपुनजानो अतिसनिग्धभोजनतेंमानो विष्टादिकजोवेगरुकावै ताहिअजीर्णप्रगटलखावै दिनकोंसोवैरात्रिकोंजागै ताकोरोगअजीर्णलागै चिंताक्रोधशोकभयजान ईर्षादुःखशय्यातैंमान काचोअन्नजुभोजनकरै ताहिअजीर्णआयसंचरे अप्रसंनइकभोजनखावै अप्रमाणखावैदुखपावै नामअजीरणताकोकह्यो मूलअनेकरोगकोलह्यो

॥ अथसामान्यअजीर्णलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अप्रसन्नमनराहिहैजास गुरुतारहैसदातनतास जोजोवस्तुनकोंजोखावै तिंहातिंहकोडिकारवहुआवैं

॥ अथवातविदग्धलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातहुतेजुअजीरणहोय उदरअफारशूलकरसोय देहीपीडाहोवेजास मलअरुअधोवायुनहिंतास अंगअंगमेंपीडाहोय वातकृतयेंजानोसोय मोहस्तंभरहेतनतास वातविदग्धकियोपरकास

॥ अथपित्तविदग्धलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तकृतजेऊअजीरणकहिये तृषामोहमूर्छावहुलहिये धूमसहितडिकारजोआवै सखेदपित्तकृतदोषलखावै

॥ अथकफविदग्धलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफकृतहोएअजीरणजास एतेलक्षणलखियततास अन्नऔरदेख्योनहिंभावे हृदय-अशुध्दभारीलखपावे कफकृतलक्षणएतेजान अजीर्णउपद्रवकरोंवषां

॥ अथअजीर्णषट्प्रकारवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ मलअरुअधोवातहोइवंद कवजखुलेहोंइपतलछंद भोजनचाहअशुद्धडिकार गौरव-अगयहषटपरकार

॥ अथअजीर्णरसलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जीरणरसताहीकोगावे जोरसभोजनकोपचजावे ताकेलक्षणऐसेजान शास्त्रनिदान-कहेत्योंमान बलशरीरमोंमनउत्साह शुद्धडिकारजुआवेंताह होइमलमूत्रयथोचितप्रवृत्त लघुताहोइ-तनभारानिवृत्त क्षुधातृषाहोवतमनभावत जीरणरसयोंलक्षणगावत ॥ दोहा ॥ अजीरणजीरणलक्षण-कहेदेखजुग्रंथनिदान इन्हैसमझकरवैद्यजोकरैचिकित्साठान ॥ इतिअजीर्णरसनिदानलक्षणंसमाप्तम्

॥ अथअजीर्णउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ मूर्छावमनअवरवकवाद सुखतेंजचललवेमिरजाद अंगअंगपीडाभ्रमहोय मरणहोयल-खियतहैसोय सातउपद्रवकरेवषान रोगअजीरणकेयोजान हृदयअन्नरसजवलगहोय तवलगअंगभे-दियजोय जैसेविषकाअमलभनीजै तैसेरसकाअमलकहीजै थोडाभीरसकाचोजवलग खावैनाहिनभो-जनतवलग जोभीइछाभोजनहोय तोभीबुधजनखायनसोय जोकाचेरसभोजनखावे विषकीन्या-ईसोईप्रगटावे विषकीन्यांईमारेसोय शेषरहेकाचोरसजोय होतअजीर्णतेयहतीन विसूचीअलसक-विलंवकाचीन

॥ अथअजीर्णचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ चिकित्साकहोंअजीर्णकीसुनलीजैचितधार रोगनिवारैवलकरैप्रगटैक्षुधाअपार इस्त्रीसंगअ-रुमार्गचलनते असवारिठियायामकरनते इन्हकरथकितहोयनरजोय वायुतनरअतिसारकेहोय श्वास-शूलातृषायुतजान वायूपीडतहिक्कामान वलकरक्षीणकफक्षीणहैजोय मदपीडतवृद्धायुतहोय विरस-कोभक्षणरात्रिकोजागण योनरयुक्तअजीरणकारण इतनेपुरुषकहैजोलोग सुखसैंशयनकरावनयोग ॥ अथलेपनं ॥ चौपई ॥ त्रिकुटासेंधाहिंगुमिलाय सूक्ष्मपीसतप्तजलपाय लेपनउदरऊपरहिंकरै दिन-मोंसोयरहैनाहिंटरै सर्वअजीरणहोवैनाश क्षुधावधैतनवलपरकाश ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हरडमघां-सौंचलयहतीन समलेपीसेपुरुषप्रवीन कांजीवातप्तोदकसंग चूर्णखावैहोयनिसंग वलअनुसरपानसो-करै चारप्रकारअजीर्णहरै अरुचिमंदअग्नजुअफार वातगुल्मशूलकोंटार ॥ अथआवलेह ॥ चौपई ॥ जोकैऊपरभोजनकरै हृदयकंठजलनसीपरै तिसकोंयहआवलेहचटावे अनपचअरजलणमिटावे द्राक्षमनक्काहरडपिसाय भिसरीमाषोंसाथमिलाय जहानितचाटैतनसुखहोय वैद्यकमोंभाषोंहैसोय ॥ अथयवागू ॥ चौपई ॥ चित्राचवकपीपलामूल सुंठमघांलेवैसमतूल इन्हकरसाध्ययवागूपीवै वातशूलगुल्महतथीवै अग्निप्रकाशअजीरणनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश । अथभस्मप्रकार ॥ चौपई ॥

कोगडसप्तपर्णजुमंगावै दोयकरजुजंवाहापावै पाठाअमलतासपुनआन यहसबलेवैपुरुषसुजान अवर-मैनफलमूर्वावच यहसबवस्तूलेहसमच विधिसोंभस्मकरैपुनजोय गौमूत्रसोंपीवैसोय अग्निवधैजुअजी-रणनाशै महाघोरयहशूलविनाशै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हिंगुहरडसौंचलजुपतीस वचत्रिकुटायह-समलेपीस तप्तपयसोंपीवैजोय नाशअजीरणशूलजुहोय ॥ अथहिंग्वाष्टकचूर्ण ॥ चौपई ॥ प्रात-हिंभोजनकरैजुकोय सायंसमयशूलजिसहोय अरुजोसायंभोजनकरै प्रातहिंआयशूलसंचरै प्रणामशूल-यहनामकहावै यहऔषधाताकोंभुगतावै त्रिकुटाअजमोदादोइजरि सेंधाहिंगुपायसमधीर इन्हकोचू-र्णकरेजुवनाय घृतसोंताकोंलेहुरलाय प्रथमहिंएकग्रासताखावै तापाछैभोजनकोपावै जठरअग्निदीप-तअतिहोय वातप्रणामशूलकोखोय हिंग्वाष्टकयहकीनवखान जानलीजियेपुरुषसुजान॥ अथअग्निमु-खचूरण ॥ चौपई ॥ एकभागहिंगूकोआन दुगुणीवरचतासमोंठान त्रिगुणीमघपीपलींजुमिलाय चतुर्गुणसुंठीआनरलाय पंचगुणीअजवायणपावै हरडषट्गुणीताहिमिलावै सप्तगुणाचित्रातिंहठान अष्टगुणातिहकुष्टमिलान निजवलदेखचूर्णयहखावै तप्तोदकसोंवातमिटावै वादधिमंडवामदरासंग पीवैताकोहोइदुखभंग अजीर्णउदावर्तलिफनाशै अंगअंगकीपीडविनासै जिसपुरुषहिंविषखाईहोय तांकोश्रेष्टलखोपुनसोय कफहरअर्शगुल्महरजान सबरोगनपरअहैप्रमान ॥ अथद्विअग्निमुखचूर्ण ॥ चौपई ॥ चित्राहिंगुपिप्पलामूर सौंचलधनियाचवककचूर दाडिमअजमोदाअजवान मघांतिं-तडीजीराठान लघुवाडिलाइचीपुष्करमूल अमलवेतचूरणसमतूल कांजीवादाधिवातसोय इन्हसोंपी-वैचूरणसोय अरुचिअजीरणगुल्मनसाय शूलअर्शमंदाग्निमिटाय रोगवातकफलिफनिवारै एतेरोगदूरक-रडारै अथभास्करलवणं चौपई । मघपीपलधनियांलषलेहु कालजीरातामोंदेहु तालीसपत्रतजपत्राप्रमा-न सेंधाअरुविडकरोमिलान गजकेसरअरुपिप्पलामूल दोइदोइपललेसमतूल सौंचललवणपाचपलपाय मरचसुंठइकपलभाय सितजीरापुनइकपललीजें अर्धअर्धपलपलासत्वचकीजै समुद्रलवणदो-इकुडवमंगाय कुडवएकदाडिमतिहपाय दोइपलअमलवेतसुमिलावै अमृतसमयहचूरणकहावै भास्करलवणनामइहिंकाहिये भास्कररच्योलोकहितलहिये तक्रजुदधिवाकांजीसंग वामदसोंपीवैरु-जभंग अजीर्णवातकफरोगविनाशै अर्शशोथसंग्रहणीनाशै कुष्टभगंदरगुल्मनिवारै हृदयरोगलिफचई-विडारै आमरोगशूलअरुश्वास वारक्तपुनजावैकास एतेरोगनकीकरहान भास्करलवणमहासुखदान ॥ अथवडवानलचूर्ण ॥ चौपई ॥ एकभागसेंधाजोलेहु पिपलामूलभागदोइदेहु तीनभागमघपीपल-पाय चारभागतेंहचवकमिलाय पांचभागचित्रापुनजान सुंठभागषटकरोप्रमान अष्टभागअभयापु-नपाय चूर्णयहजुयथावलखाय अग्निवधावतअन्नपचावत रोगअजीर्णादिमिटजावत ॥ अथहिंग्वा-दिद्वादशकचूरण ॥ चौपई ॥ हिंगुजुसेंधामघांपछान पिपलामूलकंकोलप्रमान जवायणहरडदा-डिमलखलेहु अमलवेताचित्रातिहदेहु अवरसुंठयहसकलमंगावै क्रमकरइकइकभागवधावै यहचूरण-व्रह्माजुवखान्यो लोकनकोहितमनअनुमान्यो षावैयाकोंवलअनुसार अरुचिगुल्महरपंचप्रकार हृदयरोगजोपर्लीहअफार शूलअजीरणअर्शविडार ॥ अथवृहत्अग्निमुखचूर्ण ॥ चौपई ॥ यव-चारलेंपुनसज्जीदार चित्रापाठाकरंजूडार पंचलवणलघुलाइचीठानै हिंगुभिडंगीवरचमिलानै तजकेपत्रविडंगमिलावै दालहलदइंद्रयवपावै मुत्थरात्रिवीआमलेजान दोइजीरेगजपीपलठान वृष्यामलअमलीलखलीजे अमलवेतदाडिमतिहदीजै त्रिकुटाअजमोदाजुमिलावै

देवदारुहरडेंपुनपावे निंवप्रियंगूतालमषान अमलतासतिलकालेठान अवरसुहांजणेवीजजुपावे पलासअवरभीच्छारमिलावें पुहकरमूलकचूरपतीस वस्तुसबसमलेवेपीस लोहमैलगोमूत्तरसंग शुद्धकरेमनधारउमंग सोभीचूरणमाहिरलावे आद्रकरससोंखरलकरावे फेरविजोरेकोरसपाय पुनकांजीसेखरलकराय त्रयत्रयदिनमिरयादधरावे दलअनुसारचूर्णयहखावे दीपनअग्निकरक्षुधावधावे शूलअफारारोगनसावे अजीर्णगुल्मउदरकेरोग प्लीहादिकहोजांहिअयोग सकलव्यंजनोसोंपथदेहु पचैसबीमनमोलखलेहु गोदोहनकालमात्रमंझार भस्महोइखायोसुविचार । अथवडवानलमुखचूर्ण । चौपई। हरडसुंठमघाविल्वमिलाय चित्राकरंजूलेहुसमभाय इन्हसबहीसममिसरीपावे चूरणकेरैयथावलखावे यहवडवानलमुखकीन्याई भारीअन्नपचायदिखाई । अथज्वालामुखचूर्ण । चौपई । हिंगुजुअमलवेतयवच्छार त्रिफलात्रिकुटाचित्राडार दाडिमअवरहुंपुष्करमूल यहसमचूरणकरसमतूल कर्षकर्षइन्हकोपरिमान षट्पलगुडतिहकरोमिलान खावेअग्निवधावैएह नाशअजीरणकोलखलेह । अथवासादिद्वादशकचूरण। चौपई । वासामघांइंद्रियवठान पाठाहिंगुसुंठवचआन सौंचलहरडकौडजुपतीस अजमोदापावोसमपीस अजीर्णअफारमूत्रकृछ्रनाश श्वासकासअर्शहरतास ॥ अथसमशर्कराचूर्ण ॥ चौपई ॥ एलाएकमात्रालेमान त्वकदोयमात्रापहिचान तजपत्रजुलेवेमात्रातीन गजकेसरमात्राचारजुलीन मात्रापांचमरचांपुनजानो मात्राषट्मघपिप्पलीमानो सुंठीमात्रासप्तपहिचान क्रमसोंवृद्धिकरेजुसुजान यहसबपीसोलेहुछनाय सबकेसममिसरीपुनपाय यहचूरणजुयथावलखावे अग्निवधेवहुभूखलगावे ॥ अथमरचादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ मरचांचित्रामघांमंगाय हरडसुंठाहिंगुदाडिमपाय सौंचलयहसमचूरणकीजै खावैअग्निवधैसुखलीजै ।अथनागरादिचूर्ण। चौपई । नागरकोगडकेलवीज दोइकंड्यारीमनलखलीज चित्रामघांसारवाजान पाठाअरुयवच्छारपछान पंचलवणयहसबसमलेय नीकेंचूरणतासकरेय दधिमांडवामदरासंग कांजीवातसोदकचंग वलअनुसारानित्यप्रतिखावै अग्निवधेउरुवातमिटावै ॥ अथमहाषटपलघृत ॥ चौपई ॥ एकप्रस्थआद्रकरसलीजै गलगलरसइकप्रस्थलहीजै एकप्रस्थभरकांजीपाय एकप्रस्थदधिमंडमिलाय कर्षकर्षयहवस्तुंजान सुनहोतिन्हकोंकरोंवषान मघांमरचहिंगुलखलीजै अजमोदायवच्छारभनीजै दोनोजीरेधनियांजान चित्रागजपीपलकोठान सुंठीपांचलवणपहिचानो चवकपिप्पलामूलपछानो अरुअजवायणताहिसमाय प्रस्थजुघृतमंदाग्नितपाय खावैयाहिवातरुजहरे गुल्मअजीरणकृमिहतकरे लिफशूलज्वरहिडकीनाशे हरेप्रमेहवलतनुपरकाशै अरुप्रमीलकारोगनिवारे यहघृतयहगुणनिश्चयधारे ।अथमरचादिघृत । चौपई। मरचांसुंठीमघामंगाय अजवायणगजपीपलीमिलाय चवकवर्चचित्राअरुहिंगु यवच्छारमिलावैवायविडंगु समुद्रलवणसैंधाअरुसौंचल पिपलामूलसबअर्धअर्धपल घृतइकप्रस्थताहिजुमिलाय दशमूलीरसघृतसमपाय दुग्धसवनतेंदुगुणापावे मंदअग्निसोंताहिपकावे वलअनुसारजुखावैतास मंदअग्निसंग्रहणीनास कासश्वासदुर्वलताजावे अर्शअजीरणरोगमिटावै. कृमिकफवातरोगहतकरे रोगभगंदरकोंयहहरे ।अथधान्यकजीरकघृत।चौपई। धनियाअरुजीरासमपाय घृतसाधेखावेरुजजाय छर्दाहविशेषकरनाशें अवरहुंरोगसमस्तविनाशें ॥ अथकेवलधान्यकघृत॥ चौपई ॥ धनियांतांकोतुषजुनिवारे अष्टगुणाजलमोंसोडारे पादशेषरहैजलआय पुनघृतचूरणपायपकाय इसघृतकोंजोकरहैपान त्रिदोषजरोगहोइहैहान अजीर्णादिरोगसबजावे वंगसेनयेंभाषसुनावें ॥ अथजीरकघृत ॥ चौपई ॥ दोनों

जीरचित्राआन सुंठजवायणयहपुनठान पंचलवणपुनतामोंपावै इकपलपलपरिमाणधरावै कांजी-पलपलपरिमाणधरावै कांजीआढकएकप्रमाण प्रस्थएकघृततामोजान मंदअग्निसोंताहिपकावै भ-छैअग्निफुनिअर्शमिटावै ॥ अथअन्यधान्यघृत ॥ चौपई ॥ धनियांशुद्धचौहठपललेय द्रोणतोयमों-क्वाथकरेय पादशेषरहिप्रस्थघृतपाय मंदअग्निसोंताहिपकाय जीराअष्टपलपीसरलावै खावैअग्नि-दीप्तहोइआवै हृदयरोगकफनाशेएह आमशूलगुदशूलमिटेह वस्तशूलयोनिकोशूल आमवातपुन-होइनिर्मूल उदावर्तअर्शहोइनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथअग्निघृत ॥ चौपई ॥ चित्रामघांच-वकअरुहिंग गजपीपलअजमोदासंग पंचलवणदोनोंहीक्षार पिपलामूलताहिमोंडार अर्धअर्धपलय-हसबपावै प्रस्थपायघृततांहिमिलावै घृतसमानकांजीदधिजान आर्द्रकरसपुनघीउसमान मंदअग्नि-धरताहिपकावै वलअनुसारनितप्रतिखावै मंदअग्निपरश्रेष्टकहीजै अर्शगुल्महरतालखलीजै ग्रंथीअ-र्बुदअपचीरोग कफरुजकासहिकैअयोग शोथभगंदरग्रहणीजाय नाभितलैकेरोगमिटाय कुक्षीरोग-इत्यादिकनाशै तमकोजैसेंसूर्यविनाशै नामअग्निघृतयाकोकह्यो रोगनिवारणयांकोलह्यो ॥ इ-तिघृतविशेषाः ॥ अथचुक्रविधानं ॥ चौपई ॥ दधिकोंमंडगुडमाष्योंजान कांजीसमलेवासनठान तीनदिवसगेहूंमोंराखै वलअनुसारनित्यसोचाखै रोगअजीरणताकोनाश अन्नपचैवलकैप्रकाश

॥ अथगुडप्रकारनिरूपणम् ॥

॥ अथचित्रकगुड ॥ चौपई ॥ चित्रापलपचासभरलीजै पंचमूललघुतासमदीजै पलपचासवृद्धमू-लजुपावै क्वाथदोयशतपलजुरहावै क्वाथअष्टविशेषअनुसार प्रस्थगिलोयरसकोंतिंहडार आढकएकह-रडतिंहिपावै तुलाप्रमाणगुडतांहिमिलावै अग्निमंददेताहिपकाय दूसरादिनलगधरेवनाय शीतललषदो-कुडवप्रमान माष्योतांहिमिलायसुजान मघांमरचसुंठयवक्षार यहइकइकपलपीसोंडार दालची-नीएलातजपत्तर इकइकपलसबकरोइकत्तर वलअनुसारतांहिकोंखावै श्वासकासकृमिछर्दईमिटावै गु-ल्मअर्शकुष्टयहनाशै आत्रवृद्धअजीर्णविनाशै अरुएहनाशकरतहैपीनक इन्हरोगकोंकरहैहीनक य-हअश्विनीकुमारेकह्यो याजगमध्यरसायणलह्यो ॥ अथक्षारगुड ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंआनलेहुदशमू-र त्रिफलात्रिवीशतावरीकचूर दंतीचित्रारहसनजान आस्फोटकपाठापुनठान लेगिलोयदशदसपलपा-य सबइकत्रकरदग्धकराय भस्मतासजलद्रोणपकावै पादशेषतुलागुडपावै मंदअग्निसोंताहिपकाय पाछेतेयहचूरणपाय मरचवृश्चकालीकंकोल यवक्षारपांचपांचपलतोल त्रिकुटासज्जीहरडपिसावै चि-त्रावरचहिंगुपुनपावै अमलवेतदोइदोइपलपाय अक्षप्रमाणसुगुटिकाखाय अजीरणलिफपांडुयहनाशै शोथअर्शकफरोगयिनाशै काशअरुचिमंदाग्निविडारै कंठरोगहृदरोगनिवारै कुष्टप्रमेहगुल्मविषनाशै वंगसेनयोंगुणपरकाशै ॥ अन्यक्षारगुड ॥ चौपई ॥ यूथिकाअर्कत्रिवीदशमूल पतीसकायफललेसम-तूल दशदशपललेदग्धकरावै द्रोणतोयमोंपायपकावै पादशेषतुलागुडपाय मंदअग्निसोंताहितपाय पाछेपांचपांचपलजान चूरणपीसेकैरेमिलान त्रिकुटाहरडचवकसमआनै दुगुणचित्रायवक्षारप-छानै चूरणपायमंदाग्निपकाय शीतलकरपलपलयहखाय अमलवेतहिंगूलषजोय चवकात्रिवीपुन-जानोसोय वलअनुसारयाहिनितखावे रोगनिवारेहर्षवढावै लिफअजीरणज्वरकोंनाशै अर्शशोथअरु-पांडुविनाशै कुष्टप्रमेहरोगहतकरै क्षुधाकरैतनुमोंवलधरै अजीरणकीजुचिकित्साकही वंगसेनतेंल-षसही । दोहा । चिकित्साकहीअजीर्णकीभाषीसुगमउपाय विसूचिकादिमतग्रंथजोताकोंकहोंसुनाय

॥ दोहा ॥ विसूचीअलसकदंडालसकअवरविलंवकाजान अजीर्णकेयहअंगहैंइन्हकोंभिन्ननमान ॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यसमस्तकोएकोहीकरजान यातेंभिन्ननभाखियेआगेंकरोंवषान ॥ इतिअजीर्णचिकित्सासमाप्त ॥

॥ अथविसूचिकाअलसकदंडालसकविलंविकानिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पूर्वदिनभोजनकियायांकोपचहैनाहिं प्रातसमयहोइछर्दसोताहिविसूचिगाहि

॥ अथविसूचिअलसकविलंबिकाकारणमाह ॥

॥ चौपई ॥ अजीर्णआमविष्टारुकजास खावेअन्नपचेनहितास अलसविसूचिकायातेजानो तातेंजुविलंविकामानो केवलअजीर्णविलंविकानाहि वातपित्तकफलखतिहिमाहि

॥ अथवातपित्तकफइनकेभिन्नाभिन्नकारणनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ भ्रमअरुदाहखल्यादिकरोग वातहुंतेंयहलखेंहैलोग दाहखेदअरुज्वरअतिसार पित्तहुंतेंयहलषोविकार ॥ सोरठा ॥ जानोवैद्यनिसंग यहलच्छणकफकेकहे वमनजुवाणीभंग तनुभारीवहुथुकथुकी ॥ दोहा ॥ आगेइनकाविवरावातपित्तकफयाहि योलच्छणहैंग्रंथमेंसोभाष्योइन्हमाहि

॥ अथविसूचिकालच्छणम् ॥

॥ चौपई ॥ सूईपीडातनुहोजैसें अंगअंगपीडाहोइतैसें वातदुखदतनुसूचीन्याई यातेंजोविसूचिकागाई जोअहारप्रमाणकोकरै लोभअधिकभोजनपरिहरै तिसेविसूचीरोगनहोय यहनिश्चयमनमानोसोय नरमूर्खअन्नलोभीहोइजोई तिसेविसूचिकानिश्चयहोई यहविसूचिकामूर्छाकरै वमनविरेचदाहभ्रमधरै तृषाउवासीशूलकरावै शिरपीडातडफडिउपजावै कंपहृदयविवर्णताधारै रोगविसूचीयोंउचारै वहुतरोगसूचनतेंजानी याहीतेंविसूचिकामानी ।

॥ अथअलसकलच्छणम् ॥

॥ चौपई ॥ कुच्छोंवीचअफाराहोय आंद्रावोलतिरहितीजोय अधोवायुरोकतहीरहे उलटऊर्द्धकोंमारगगहे भ्रमतमकंपशूलकोंकरै कवजअंगपकडताधरै करअरुपादवखोडेपरै एतेलच्छणतातेंधरै जातेंतृष्णाहोयेंडकार अलसकलच्छणकोंउरधार तांतेंदंडालसकहोइआवै ऐसेलच्छणतासवतावै

। अथदंडालसकलच्छणम् ।

॥ चौपई ॥ छर्दअवरअतिसारनहोय तीव्रशूलकोंकरहैसोय सकलप्रवाहद्वारतनुजेते रोकेजावतहैंसवतेते दंडालसकरोगकहेंलोग दूरहितेंयहत्यागनयोग काहेऐसेंलखमनधरै शीघ्रनाशदेहयहकरै

॥ अथविलंविकालच्छणम् ॥

॥ चौपई ॥ भोजनदुष्टवातकफकरै ऊपरतलैमारगनहिंछरै शास्त्रज्ञातवैद्यअनुमाने याहींकोंजुविलंवकाजाने कठिनचिकित्सायांकीमानो काहेमरणयोग्यपहिचानो

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मूर्छादांतओष्टहोइस्याह नेत्रसिमिटहोइजावैतांह अतिकरवमनहोतहैयाही अल्पहिस्वरहोवैंतिसुताहीं सबहीसंधिशिथिलहोइजावै कछुउपायनाहींवनआवै ॥ अथविसूचीउपद्रव ॥ ॥ चौपई ॥ निद्रामाशअरुचियहजान मूत्रघातकंपपहिचान निश्चष्ठाइहपंचमजानो यहविसूचिकाउपद्रवमानो॥ दोहा ॥ बिसूचिकादिलक्षणकहेनीकेंदेखनिदान तासचिकित्साकोंकहोंसुनलीजैमनठान ॥ इतिविसूचिकादिकरोगनिदानलक्षणं ॥

॥ अथविसूचिकादिरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ लवणतप्तजलपायपिवावै प्रथमहिंऐसेंवमनकरावै काहेजवलगरसउरमांहि शेषरहाहोंयोंलषपांहि तवलगमर्मभेदियततास यांतेवमनकियोपरकाश ज्योंकिसहूंविषषाईहोय वमनकरायनिकालियेसोय तैसेंरसहृदशेषरहावै वमनकरायताहिंनिकसावै अरुविसूचिकाजिहिंप्रगटावै लंघनतांहिअवश्यकरावै अरुतिसषल्लीशूलजुहोय तासउपायकह्योंसूनसोय ॥ अथमर्दनम् ॥ चौपई ॥ जाइफलअरुचुक्रकोंलेय तैलमेलमर्दनकरतेय ॥ अन्यच्च ॥ अथवासेंधाकुठपिसाय चुक्रअरुतिलतैलमिलाय जोतवचुक्रप्राप्तनहोय कांजीपायमर्दियेसोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ अर्कपत्ररसप्रस्थप्रमान धत्तूरारसतांहिममान प्रस्थस्वेतथोहररसपाय रससुहांजनप्रस्थमिलाय आद्रकरसइकप्रस्थरलावै दोदोपलकुठसेंधापावै सबसमानकांजीतिंहिपाय प्रस्थएकातिलतैलमिलाय अग्निमंदसोंउष्णकरावै मर्दनरुजिहिंकैसुखपावै खल्लीशूलअरुपक्षाघात गृध्रसीरोगआमजोवात पंजअवरपंगुरुजजावै रोगविसूचीशूलनसावै इतिअर्कादितैलम् ॥ अन्यच्च ॥ वमनउपाय ॥ चौपई ॥ करंजुनिंववांसाजुगिलोय अर्जुनशिखरीसमलेसोय यहजुक्काथकरतांहिपिलावै वमनहोहिजुविसूचीजावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हस्तीदंतीमघपीसेजोय अश्वकरणीसमतासमिलोय तप्तनीरसोंपीवैतास शीघ्रविसूचीहोइहैनाश अंजनकहोंविसूचीरोग जातेंनाशेंसकलअयोग ॥ अंजन ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाहलदकरंजुफलआन खरलविजोरेरसमोंठान गुटिकाकरजोछांहिसुकावै नेत्रनमांहिसुघसकरपावै होइविसूचिकारोगविनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ त्रिकुटावसकरअंजनपावै रोगविसूचीनाशकरावै ॥ इति अथतृषाउपाय ॥ चौपई ॥ तृषाअधिकतिसरोगमंझार ताकोयहकीजैउपचार लवंगअवरफुनिजैफलजान क्काथवनायकरावैपान अथवामुस्थरक्काथपिलावै तृषाविसूचीताकीजावै ॥ अथशूललेप ॥ चौपई ॥ रोगविसूचीकेमंझार उदरशूलजिहिंहोइविकार देवदारुकुठहरडशतावरि सेंधालवणसबलेहुवरावरि अमलरलायउष्णसोकरै रोगउदरलेपअनुसरै पीडाउदरहोयतिसनास सुखउपजैमनपरमहुलास ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ तक्रयवचूर्णयवक्षारमिलावै उष्णकररुजिएजुपिवावै होयविसूचिकातवनाश सुखउपजैतनदुतीप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ केवलअजवायणउवलावै सोऊक्काथतांहिपीवावै होयविसूचीरोगविनाश दुखनाशैतनसुखप्रकाश ॥ अन्यउपाय ॥ हाथपायकोंभाफदिवावै अरुजलकुंभसऔधदल्यावै तांहिउवालभाफतनुदेयरुजविसूचिकानाशकरेय॥ अथधूपः॥ चौपई ॥ सौंचलहिंगुजुचुकरमिलाय देवेधूपविसूचीजाय ॥ अन्यच्च ॥ दालचीनीतजपत्तरआन रहसनअगुरसुहांजनाठान कुठवर्चअरुसोंफरलाय अम्लपिष्टति-

सकाजुवनाय उद्वर्त्तनतिसकरोनिसंग रोगविषूचीखल्लीभंग ॥ अन्यच्च ॥ पाछेकहीयहवस्तुरला-य तैलपक्कतिसमाहिकराय मर्दनपानकरेनरजवही रोगविषूचीटरहेतवही

॥ अथअजीर्णरसपचेकोलक्षण ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धडिकारहोइमनउत्साह विष्टामूत्रउत्सर्गसुभाह लघुतातनुअरुक्षुधाप्रकाशै पच्योअजीर्णरसयोंभाषै ॥ दोहा ॥ विसूचिकादिलक्षणकहेभाषेसुगमवनाय भस्मककोअवभाषहौंसुनलीजैचितलाय इतिविसूचिकादिचिकित्सासमाप्ता

॥ पुनः ॥ अथभस्मकरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ भस्मकरुजइहभातकहीजै जवकफक्षीणभईजुलहीजै आश्रयवातहोयपित्तकोपै वृद्धअग्निभस्मकरुजरोपै जोसवहीकोंभस्मकरावै यातैंभस्मकनामकहावै भस्मकतृषाश्वासउपजावत दाहमूर्छाकोंप्रगटावत अन्नपचायधातोंकोंदाहै अन्नभक्षेतैंशांतिग्रहाहै भस्मकवालोजोनरहोय अन्नपचैतैंतडफतसोय

॥ अथभस्मकरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जाकोंभस्मकप्रगटेआय सोगुरुभोजनकोंनितखाय अरुसनिग्धस्थिरमांडकोखावै शीतजलखायशांतिउपजावै पितहरवस्तुसुभोजनकरै माहिषदधिघृतदुग्धकोंवरै यवागूघृतमधुसंगमिलाय पीवैभस्मकशांतिकराय सघृतखावैजोक्षीरप्रवीण भस्मकतातैंहोवेक्षीण अरुपित्तहरऔषधसंग रेचनकरैहोयरुजभंग ॥ अन्यच्च ॥ मधुरमेध्यअरुकफकरवस्तु अरुगुरुभोजनहैजुप्रशस्तु ऐसाभोजनजवनरकरे दिवाशयनसुखसोंआवरे तांतैंभस्मकरोगनसाय ग्रंथकारमतदियोवताय ॥ अथरेचनविधिः ॥ चौपई ॥ श्यामात्रिवीकोंपीसैआन दुग्धमध्यसोकरैमिलान ताहिपकायजुखावैसोय होयरेचनभस्मकरुजखोय अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ वहुवीरनकीगुटीमंगावै तिन्हतेंतिन्हकीगिरिनिकसावै पीसतोयसोंखावैतास शीघ्रहोयभस्मकरुजनास ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ ओदुंवरत्वचकदलीफलआन दोऊपीसकरचूरणठान नारिदुग्धसोंखावैसोय भस्मकरोगनाशतवहोय अथवायहदोइदुग्धमिलावै तापायससोंरोगनसावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ तंडुलासितमाहिषपयपाय वाकापिलापयक्षीरवनाय घृतमिलायद्वादशदिनमान नितउठखावैभस्मकहान ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ श्वेतकमलकोमूलमंगावै पीसअजाकोदुग्धमिलावै पायसकरघृतताहिमिलाय खावैभस्मकरोगनसाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ जीवनीयकोचूरणठान महिषीघृतमिलायकरपान भस्मकरोगहोयतिसनाश वंगसेनयोंकरैप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ विदारिरसअरुमहिषीक्षीर दोइयहअष्टगुणलेमतिधीर एकगुणाघृतपायसुपीवै भस्मकरोगनाशतिसथीवै ॥ दोहा ॥ भस्मकरोगवखान्योअवरचिकित्सातास ज्योंभाषीवंगसेनमोतैंसेंकीनप्रकाश इतिभस्मकचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथअजीर्णविसूचिकादिरोगपथ्यापथ्याधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अजीर्णादिरुजकेकहोंपथ्यापथअधिकार तिन्हकोंप्रथमहिंसमझकेपुनकरहैउपचार ॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ कफीरुजीकोंवमनकरावै पैत्तिककोंमृदुरेचदिवावै वातलकोंहैस्वेदप्रमान तीनख-

भावहिंयहपथजान अरुव्यायामअनेकप्रकार दीपनलघुअन्नादिअहार तंडुललालरंगजुपुराने लाजामांडलेहुलखस्याने नवेंमुंगरसमदिरापान वाथूशाकलसुनपुनमान हरणमयूरसहेकोमास लवावटेरमासपथतास लघुमूलीलघुमत्सीजान आद्रकसुंठीपथ्यपछान मधुधात्रीफललूणकजानो वृद्धकूष्मांडपहिचानो पटोलककोडेकरेलेकहिये लघुवृंताकगलगलपुनलहिये कंड्यारीफलअवरअनार अवरसमस्तवस्तुयोचार कांजीतक्रअवरनवनीत अरुसुहांजणाजानोपीत तांवूलतप्तजलपीवेजोय कटुतीक्ष्णवस्तुजवायणसोय अरुनवीनकदलीफलजानो एत्तेवस्तुपथ्यकरमानो ॥ दोहा ॥ अजीर्णअरुमंदाग्निकेएतेपथपरिमान लंघनअजवायणविसूचिमैंसोहैपथ्यउठान ॥ इतिपथ्यम् ॥

॥ अथअपथ्यं ॥

॥ दोहा ॥ कहोंअपथ्यअजीर्णकेअवरविसूचीजान मंदाग्निआदिकनकेसोऊलखोसुजान । चौपई॥ अपथ्यअजीरणकेअवआखों विसूचीमंदअग्निकेभाषों स्नानअवरदिननिद्राजान शीतलजलकोपानपछान तृसहोयजोभोजनकरै वुटणातैलमर्दनअनुसरै रात्रिजागेविषमासनवहै वडीमत्सकीभोजनचहै कावजआदीवस्तुलषीवे जामुणघृतवहुताजलपीवे रुधिरमोक्षयहजानसुजान वडोअपथ्यअहैमनआन फलीयोंवालाअन्नजुखावे दुग्धफटयोपयसुनलषपावे अजीर्णमंदअग्निमंभ्कार एतेकहैअपथ्यविकार जाकेपार्श्वोमोहोइदाह दीपनपाचनदेवैताह पुनविसूचिकामोसुनलीजे एतीवातअवश्यकरीजे लंघनवमनखदयहतीन करवावैजोवैद्यप्रवीन भस्मकरोगजुपाछेंकह्यो ताकोपथ्यअपथयोंलह्यो जोजोतासचिकित्साकही सोऊपथ्यजानमनसही उसतेंजोविपरीतलखावे सोउअपथ्यतजैसुखपावे ॥ दोहा॥ पथ्यापथ्यअजीर्णकेमंदअग्निकेजान अरुविसूचिकाकेकहैवैद्यकग्रंथप्रमान ॥ इतिपथ्यापथ्यम् ॥ दोहा ॥ अजीर्णादिजोरोगोंकेप्रथमहिंकहेनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवखान इतिअजीर्णविसूचिकादिरोगचिकित्सासमाप्ता.

॥ अथअजीर्णदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोभोजनहितअग्निजगावे तासअग्निजोआपवुझावे ताकोंरोगअजीर्णहोय तासउपायकहोसुनसोय । अथउपाय । चौपई । स्वर्णअग्निमूर्तिवनवावे चारभुजासंयुक्तसुहावे शक्तीहस्तपटपीतउढाय ठारांपलताम्रपात्रवैठाय विधिवतपूजैभलीप्रकार अग्निर्मूर्द्धामंत्रउचार याहिमंत्रसोंहवनकरावे द्वादशविप्रसुदक्षिणदिवावे सोमूर्तब्राह्मणप्रतिदेय आपहिंरुजतैंमुक्तकरेय ॥ दोहा ॥ अजीर्णदोषवर्णनकियोकारणसहितउपाय शूलरोगवर्णनकरोसोसुनियेचितलाय इतिअजीर्णदोषकारणं समाप्तम्

॥ अथअजीर्णरोगज्योतिष ॥

जववुधअंतरदशामोमंगलआवेधाई रोगअजीर्णताहिनरनिश्चयदेहमोआई वुधउपायसोनरकरेअर्चपूजमनलाइ पुण्यप्रभाकेरूपकररोगहरैसुखभाइ ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथान्यप्रकारउदररोगकथनम् रोगपेटपीडा ॥

॥ चौपई ॥ पीडाउदरहोतहेजाको मेदावजबनामकहुताको आमाशयस्थानउदरमेंहोई तीनभेदकामांनोसोई एकनलीसंघेतकजांनो अन्नोदककामारगमांनो मुरीनामफारसकासोई दूसरमुखआमासयहोई कौडीस्थानसोईपहचांनो फारसफंममेदाकरमांनो तीसरासिगरापात्रजोहोई जाफामेदा-

नामासोई प्रथमनलीसंघतकीजांनो छातीकीअस्थीतकमांनो कुस्सतामजोअस्थीहोई फिफरेसाथमि-
लीहैसोई सोमुखजठरस्थानकाजांनो गजरूफनामअस्थीतकमांनो हिलाउनकीहर्कतजवहोई दोहरी-
होतउलटकरसोई हिंदीनामकुंपलीजांनो वामभागआमाशयमांनो आमाशयघरचारोहोई गुथली-
वतपडदेहैसोई आकर्षणघरप्रथमपछांनो जाजवःनामफारसीमांनो ग्राहकपडदादूसरहोई मासका-
नामफारसीसोई पाचकपडदातीसरजांनो हाजमानामफारसीमांनो त्यागकपडदाचौथाकहिए दाफऽ-
नामफारसीलहिए आकर्षनघरनिर्वलजांनो तौभोजनकीरुचीनमांनो कर्णनेत्रसिरपीडाहोई ऐसेरोगत्र-
हुतकरसोई ऐसालक्षणजवप्रगटावे शीघ्रयतनकरदोषहटावे दोतोलेहर्डताहिमंगवावे मघमासेचौदां-
संगपावे दसमासेचित्रासंगहोई सतमासेलूणमेलिएसोई निंवूरसमेंखर्लकरावे गोलीमासेसातवंधावे
छायावीचसुकावेकोई सेवनकरअतिहींसुखहोई ग्राहकपडदानिर्वलजांनो पचेनाहितवभोजनमांनो
कलेजेजायदोषप्रघटावे यक्ष्मरोगसरतांनदिखावे हर्फीमानित्यसेवेनरसोई खसखसदानेकेसमहोई
पाचकपडदानिर्वलजांनो आमाशयदोषशूलतवमांनो पांडूरोगनथूरजोहोई ववासीरआदीकरसोई
अजुआंइनसौंफनित्यप्रातिखावे मासेसातदोषहटजावे त्यागकपडदानिर्वलहोई नाभीतलेपडिकरसोई
वट्टउदरकेवीचदिखावे चलेरुधिरअतिखेददिखावे कीरखंडयुतखावेसोई भेडदूधवामहिषीहोई
प्रातसमेनितसेवनकरिए उदरदोषताहींछिनहरिए जेकरसरदीपीडदिखावे क्षुधाप्रवलजलथोडाभावे
खट्टेताहिडकारपछांनो आमाशयगर्महोतसुखमांनो जवारसभेदपाककाहोई अथवाफक्कीसेवेसोई
ऊपरपेटलेपकरवावे मस्तकीघृतसोताहिसुखावे तिलकातेलआनिएसोई अथवातेलकऊकाहोई
चौदांतोलेतेलमंगावे तोलेचारमस्तकीपावे काचपात्रसीसाजोहोई तेलमस्तकीपावेसोई देगएकज-
लपूरणकरिए डोलायंत्रकरसीसाधरिए सीसामुखजलवाहिरहोई चाढअगनपरसाधेकोई मस्तकीतेल-
वीचामिलजावे करेलेपहितमर्दनभावे सधामर्चअरुचित्राल्यावे पिप्पलामूलसुंठसंगपावे वज्रजुआं-
इनआनोसोई रूमीछडताहींसमहोई सतसतमासेऔषधपावे चूरणप्रातसमेनितखावे हिंदीसाजज-
त्रिकुटाआनो तमालपत्रचंदनसंगठांनो तवासीरगजकेसरपावे नीलोफरधनिआअगुरमिलावे लेसम-
भागपीसिएसोई मधुमेलचटनीहितहोई रुधिरपेटहूंमेंजंमजावे ताहियतनकरशीघ्रहटावे कवूतरकुक-
डविठमंगावे चौदांमासेपीसखुलावे रुधिरदोषतववाहिरहोई सुगमयतनकरअतिसुखसोई उदरपी-
डसरदीकीजांनो घूंमेसिरनिद्राअतिमांनो ताहिवमनकरदोषहटावे मैनफलमूलीवीजमंगावे सौंफहा-
लेआंआंनोसोई साडेत्रैमासेहोई हिंगुलूणसोसंगहिंपावे दोदोमासेतोलमिलावे ताहिपिलायवमनक-
रसोई वामर्दनकरऊपरहोई गोघृतलूणदोईमंगवावे करतलऊपरमर्दनभावे तौफुनिसेकेअग्निसोई
वमनअधिकजाहीविधहोई ऊपरपीडगरमीकीजानो डकारधूमकेसंगपछानो क्षुधातृषाअतिहींप्रघटा-
वे अजामांसपक्षीकाखावे सीतलवस्तूखावेसोई गरमीदोषदूरतवहोई रुचिकरभोजनहलकाखावे
दोषदूरअतिहींसुखपाव.

॥ रोगसोजआमशयकी ॥

॥ चौपई ॥ आमाशयवीचसोजजवजांनो वरममेदःकरनामपछांनो रुधिरपित्तकरजांनोसोई नर्म-
सुभावकेरसुखहोई अमलतासआदिहितजांनो कदीरुधिरकेवमनपछांनो ताहियतनकरशीघ्रहटावे
वासलीककारुधिरछुडावे ग्राहकशीतलवस्तूहोई करेकाथपीवेनरसोई गिलइर्मनीताहिमंगावे चंदन-

मुसककपूरामिलावे मुलठीइंद्रजउोत्र्रानोसोई पन्हीजढमुत्थरसंगहोई सततसतमासेत्र्रौषधपावे नीर-
पाकरकाथवनावे मधूमेलदसमासेसोई पीवेकाथदोषहरहोई चंवेकीजढताहिमंगावे पडोलपत्रसोसं-
गरलावे निंवबृत्तकाछिलकालीजे चंदनलालताहुसंगदीजे दसदसमासेकाथवनावे मिसरीत्र्रथवाम-
धूमिलावे मासेसातमेलकरसोई करेपांनदुखनासेंहोई मुत्थरवालाश्वेतमंगावे पितपापडचंदनलाल-
मिलावे नौनौमासेत्र्रौषधहोई करेकाथपीवेनरसोई जेकरवातजसोजाहोई वादीवस्तुनखावेकोई
जीरासुंठीताहिमंगावे दारचीनीसोसंगरलावे लेसमचूरनसेवेसोई हुकनायोग्यवमनाहितहोई

॥ रोगघटहोनात्तुधाका ॥

॥ चौपई ॥ त्र्ररुचिहोतत्र्रंन्नकीजाको किल्लतजुऽनाभाकहुताको त्र्रामासयनिर्वलसरदीहोई त्तुधा-
वंधताकारणसोई हरीडदोईतोलेमंगवावे चौदांमासेमघामिलावे दसमासेचित्रासंगपाय सातोमासेलू-
णरलाय करचूरणतंडुलजलपावे गोलीमासेसातवंधावे छायावीचसुकावेसोई प्रवलत्तुधासेवनकरहोई
संखद्रावकजोत्र्रौषधहोई रूमीछडत्र्रजुत्र्रांइनसोई सुंठीताहीसंगरलावे चौदांचौदांमासेपावे दाल-
चीनीमघत्र्रानोसोई जीराश्वेतइलाचीहोई सततसतमासेपीसामिलावे चूरणकरसेवननितभावे मासेचौ-
दांहर्डमंगावे त्र्रमलवेतमघसंगरलांवे समाकगिलोधनित्र्राजोहोई छेछेतोलेलीजोसोई रूमीछडत्र्र-
रुलूणमिलावे उतरजानिंवूतासंगपावे दारचीनीजीरासंगहोई त्रेत्रेतोलेलीजोसोई करइकत्राचूरणमन-
भावे सहत्तरतोलेमिसरीपावे चौदांमासेसेवेकोई प्रवलत्तुधाकरत्र्रातिसुखहोई पांडूफुनसिरोगहटावे
शिथिलतासकलजोडकीजावे कफकादोषत्र्रधिकतनहोई रेचकवमनसदाहितसोई चित्राहर्डसौंफमं-
गवावे छेछेतोलेतोलमिलावे तोलेतीनलूणसंगपाय जारांतोलेमघामिलाय चूरणकरसेवेनितसोई
दसमासेजलसोंहितहोई सुंठउंटकनवीजमंगावे लूणमर्चसमभागरलावे पीसछानचूरणकरलीजें निं-
वूरसत्रैभावनदीजें छायवीचसुखावेकोई त्रैमासेनितसेवेसोई संखद्रावकजोत्र्रौषदहोई जौखारसुंठचि
त्रालेसोई रूमीछडहरीडलूणसंगपाय वरावरचूरणपीसवनाय नीरसंगदसमासेखावे व्याधीसकलउदर
कीजावे हरडत्र्रामलेत्र्रानोसोई गुलावपुष्पताहिसंगहोई चौदांचौदांमासेलीजे तवासीरपंजमा-
सेदीजें पीसमेलमधुगोलीहोई दसमासेजलसोहितसोई त्र्रग्निपाचकनिर्वलहोई नुगसांनहाजमा-
कहिएसोई त्र्रामासयदोषइकठामांनो लेसदारत्र्ररुसघनपछांनो नापाकदोषताहीप्रघटावे शीघ्रय-
तनकरताहिहटावे त्र्रजमोदसुंठगजकेसरल्यावे इलाचीलौंगहालेत्र्रांपावे मर्चपिप्पलामूलमंगाय
वाविडंगाचित्रासंगपाय भडिंगीककडासिंगील्यावे जौइंद्रसमभागमिलावे चौदांचौदांमासेलीजें
त्र्रागेत्र्रौरत्र्रौषधीदीजें गिलोईत्रिफलामुत्थरल्यावे सतावरीहिंसग्रारसंगपावे सनामक्कीसर्षपसंगहोई
मषारःमेलभागसमसोई वरावरमिसरीचासवनावे पीसत्र्रौषधीवीचरलावे करमजूनफुनिगोलिहोई
वेरप्रमाणसेविएसोई जेकरसवलदोषलखपावे प्रथमदस्तकरदोषहटावे पाछेत्र्रौषधसेवनकरिए उ-
दरदोषताहीछिनहरिए जाकीत्तुधावधहोजावे नुगसानइस्तह्लानामकहावे वातापित्तकफदोषजोहोई
त्तुधावंधकाकारणसोई वात्र्रतिनीरपांनकरजांनो त्र्रथवात्र्रातिचिंताकरमांनो त्र्रामासयदोषइकठा-
होई सघनलेसलाकारणसोई त्र्रग्नीमंदहोतहैजवहिं त्तुधावंधकाकारणतवहिं उदरशुद्धहितरेचकभावे
पाछैवमनकरेसुखपावे जीराश्वेतखंडमंगवाय कत्थलूणकालासंगपाय सीसालूणमर्चसंगहोई

लेसमभागपीसिएसोई तिलकातेलताहींसंगपावे मधूमेलचटनीकरखावे मघामर्चछडरूंमील्यावे जी-राश्वेतमनक्कापावे अमलवेदताहिसंगपाय लूणसमभागमिलाय पीसमधुयुतसेवनकरिए मासेसात-दोषसबहरिए ॥ त्रिकुटापिप्पलमूलमंगावे कालालूणचित्तरापावे उटंकनवीजलूणसंगपाय ग्वारसौं फजौखारामिलाय अजमोदाहिंगूतासंगहोई भागवरावरपीसोसोई निंवूरसकीभावनदीजें मा-सेसातसेवसुखलीजे ककडसिंगीत्रिकुटाल्यावे कंडेआरीछोटीत्रिफलापावे भडिंगीपुष्करमूलमि-लाय कृष्णलूणसमभागरलाय तप्तनीरसोंनित्यप्रतिखावे मासेसातदोषहटजावे पीनसनजलाहि-डकीहोई सेवनकरदुखहरिएसोई.

॥ रोगहिडकी ॥

॥ चौपई ॥ हिडकीरोगहोतहैजाको फवाकहिककनामाकहुताको पांचभेदकरमांनोसोई तींन-दोषमिलएकोहोई वातदोषकरदूसरजांनो भोजनदोषतीसरीमांनो चौथीसोजकलेजेहोई आमा-शयखुष्कीपंचमसोई अलाजभिन्नसवहींकाजांनो औषधलिखीदेखहितमांनो

॥ रोगश्वानवत्क्षुधा ॥

॥ चौपई ॥ च्छणच्छणभोजनतृप्तनहोई क्षुधाश्वानवतमांनोसोई शीतलदोषताहुतेंजांनो जीउल-कलिवनामकरमांनो आमाशयदोषलेसलाहोई अथवाअधिकवातकरसोई ताहियतनऐसामनभावे वासलीकिकारुधिरछुडावे रुचीअधिकभोजनकीहोई पचेनाहिदुखदायकसोई जेकरअतिभोजननर-खावे वमनहोएफुनिवाहिरआवे फुनिभोजनकीइछाहोई नहिखावेहितमानोसोई

॥ रोगवहुतभोजनकरण ॥

॥ चौपई ॥ अतिभोजनकरतृप्तनहोई जीउलकलिवनामकहुसोई हिंदीर्चाणरोगपहचांनो वृषभ-क्षुधावतनिश्चयमांनो क्षुधारहतहैआठोजांम याकारणभस्माग्नीनाम सकलनाडतृप्तिनहिहोई अति-भोजनदुर्वलतनुसोई ताहियतनकरशीघ्रहटावे औषधलिखीकरेसुखपावे

॥ रोगमिटियाकागजःखाणेऊपररुचिहोनी ॥

॥ चौपई ॥ रुचिमृत्तिकाऊपरहोई जकतानामफार्सीसोई नारीगर्भवतीजोजांनो ताकीरुचिअधि-ककरमांनो निर्मलजठरताहुकाहोई कोलामिटीचाहितसोई खारीखट्टीचीजसुखावे सूक्ष्मयतनअधि-कनाहिभावे मासचारवीरजस्थितहोई भच्छगर्भकाआर्तवसोई ताकररुचीमृतिकाभावे उदरशुद्धकरदोष हटावे रेचकवमनसदाहितहोई आगेऔषधसेवेसोई त्रिफलाचित्राविकुटाल्यावे नागरमोथाचवकामि-लावे वावडिंगहैवैरमंगाय सतसतमासेऔषधपाय फुलादभस्मत्रैतोलपावे चूरणकरनितसेवनभावे एकतलीभरसेवनहोई तप्तनीरसोअतिहितसोई अथवारुधिरछोडसुखपावे शीघ्रयतनकरदोषहटावे

॥ रोगविसूचिका ॥

॥ चौपई ॥ अजीर्णरोगहिंदीमतहोई हैजःनामफारसीसोई आमासयभोजनगलेनसोई गरमीप्रव-लपटमेहोई जेकरसरदीअधिकादिखावे ताहिदस्तकरवाहिरआवे करेयतनहटजावेसोई विनायतनकै-सेंसुखहोई जीरासुकामुखमेंपावे चंदनरगडपेटपरलावे दोइकर्णमेंफूकांमारे वलकरशीघ्रयतनमनधारे

जैफलमासेतींनमंगावे मासाढूडलौंगसंगपावे लाचीमासाढूडमिलाय पीसमधूयुतचटनीखाय मासे-सातकचूरमंगावे पीसनीरमैंशीघ्रचटावे आद्रकरसनिंवूरसपावे दोईमेलतिससीघ्रपिलावे सिरकार-सनिंवूकालीजें दोइमिलायसीघ्रतिसदीजें लेजढआकराखमुखसोई दरुस्तवमनसबनासेहोई तृषादूरत-वहींहोजावे ताहियतनकरदोषहटावे

॥ रोगमलकाफिरना ॥

॥ चौपई ॥ चित्तउछलकरऊपरआवे विनावमनदुखअधिकादिखावे गिशीयांननामाकहुसोई घरघ-रशब्दतेहकःहोई हैजःरोगत्तेहकःजांनो गिशीयांनसमयतनपछांनो सिकंजंवीगर्मनीरसंगपावे पीवैव-मनहोतदुखजावे आमाशयशुद्धकरेनरसोई मैंनफलसंगवमनहितहोई

। रोगछर्दविनादस्तआउन ।

॥ चौपई ॥ विनावमनदस्तजवआवे त्तर्जीयःनामफारसीगावे आमाशयदोषहोतहैजवही भेदअजीर-णमानोतवहीं ताकरदस्तताहुकोजांनो पुरातनहोअतिसारपछांनो जेकरपेचसकाटादिखावे गर्मनीरकर-वमनकरावे गर्मनीरमेंवैठेसोई आगेऔषधकरसुखहोई तवासीरविलकत्थमंगावे सुंठीगिटकअंवकीपावे रक्तपुष्पधांईकेआंनो पुष्पअनारभागसममांनो फक्कीपसिवनावेकोई शीतलजलसोंअतिहितहोई जीरा-श्वेतखंडमंगवावे गुलकंदमस्तकीसंगरलावे पौनेदोदोमासेलीजें सीतलजलसोंसेवनकीजें चंदनमुशकक पूरमंगावे गुलावमेलकरखूबपिसावे छातीऊपरमर्दनकरिए अथवाकरेलेपदुखहरिए पुदीनाधनिआंदो-ईमंगावे निंवूरसमेखर्लकरावे दस्तदूरसेवनतेंजांनों अथवाग्राहकऔषधमांनो जैसेकुर्शकहरुवाहोई अथवाकुर्शमाजुहितसोई संजोगीऔषधटिकीमांनो दस्तदूरसेवनतेजांनो अथवाहर्डमुरब्बाखावे रेच-कऔषधहुकनाभावे

॥ अथरोगमरोडा ॥

॥ चौपई ॥ जाकोदस्तकाटकरआवे फारसनामजिहीरकहावे दुष्टदोषकरमांनोसोई अथवाअती-कवजकरहोई सूकीमलअतिहींवलपावे पीडावीचगुदाप्रघटावे अथवानाडगुदाकीहोई वलकरमु-खफटजावेसोई ताकररुधिरसंगनिकसावे दस्तहोएबाकवजदिखावे प्रथमपकायदोषसबहरिए पाछे-द्रावकऔषधकरिए हाजतवहुतवारप्रघटावे थोडीमलअतिखेददिखावे जेकरगरमीअधिकपछांनो पीली-मलअरुजलनपछांनो चिंताअधिकतृषाअतिहोई रहेकाहलीनिशादिनसोई वोडवृक्षजढछिलकाल्यावे मीठादाडिमसंगरलावे तवासीरआमलेहोई भागवरावरपीसोसोई ताहेभुंनकरसेवनकरिए तोलेतीन-दोषसवहरिए निंवूरससोंसेवनहोई मरोडारोगदूरकरसोई सरदीदोषहोतहैजवही शब्दपेटमेंमांनोतवहीं पीडानाभीनीचेहोई काचीमलमरोडसंगसोई वरेंआंहिंगूमर्चमंगावे पतीसइंद्रजौमघांमिलावे लेसमचूर-णजलकेसंग मासेसातप्रातरुजभंग सुंठीहरडय्यारसंगपावे लेसमक्काथनित्याप्रतिभावे वालासुंठपतीसमं-गावे पुष्पधातकीमनशिलपावे लोधरनागरमोथापाय भागवरावरचूरणखाय मासेसातनि-तप्रातिखावे तंडुलजलसोंदोषहटावे लोध्रइंद्रजौताहिमंगावे कंडेआरिजढगुलधांईपावे सिक्कडनार-ताहिंसंगपाय लेसमऔषधपीसवनाय माससातप्रातनितखावे तंडुलजलसोंदोषहटावे जेकरतांपम-रोडाहोई काहलीहोभयदायकसोई वातजउदरनर्मजवजांनो पेटशब्दपीडायुतमांनो गिलोयपीस-सोसनजढल्यावे कुठय्यारधंमनीसंगपावे

नागरमोथासंगरलाय साडेत्रैत्रैमासेपाय करेकाथपीवेनरसोई शीतलकरसेवनहितहोई धनिआंद-समासेमंगवावे सुंठीतोलाढूडमिलावे गिलोईमासेतीनमिलाय काथगर्मपीवेदुखजाय अजमोदामु-स्थरताहिमंगावे कचूरमेलसमभागरलावे चूरणपीसवनावेकोई तौफुनिनीरपात्रमेहोई पत्थरखूपग-र्मकरल्यावे वारंवारनीरमेपावे जाविधगर्मनीरजोहोई तासंगचूरणसेवेसोई मोचरसपुष्पधातकील्या-वे कतीरागूंदभुंनकरपावे साडेत्रैत्रैमासेलीजें दोमासेअजुआइनदीजें जैफलकिक्करपत्रमंगावे नाग-वेलइमलीसंगपावे दोदोमासेऔषधआनो चौदामासेखंडपछांनो चूरणप्रातसमेनितखावे भोजन-तित्तरमांसखुलावे मुंगीचावलअतिहितहोई वातजोतापमरोडाखोई जेकरअधिकदोषकफमांनो मुख-हूंतेंजलअधिकपछांनो । दोहा। शिथिलजोडनिद्रावहूमूत्रश्वेतरंगहोय अधिकहोयमलजाहुकोकफक्त-तलक्षणसोय । चौपई । हर्दलकालालूणमंगावे हिंगूवर्चपतीसमिलावे लेसमचूरणपीसवनाय तसनीर-सोंनितप्रतिखाय चित्रावर्चकुठमंगवावे वरावरसवकेगेरूपावे चूरणपीसवनावेकोई तसनीरसोंअति-हितहोई विल्वपतीसकीरमंगवावे इंद्रजौनागरमोथापावे सुंठीजीराश्वेतमंगाय नागफलीकरचूरमि-लाय किरायताभेलभागसमलीजें ततनीरसोंसेवनकीजे सेवनमासेसातपछांनो अथवाकाथसदाहि-तमांनो सुंठीसौंफगिलोइमंगावे धनिआंचंदनवालापावे चंदनलालपद्मसंगहोई आलूकाइक-दानासोई करमेलसमभागरलावे काथपांनकरदोषहटावे जेकरपेटकवजअतिहोई करेऔषधीदूरनसोई ताहियतनऐसामनभावे रेचकहुकनाकरसुखपावे मिठीकौडीसौंफमंगावे कलौंजीमेथीवीजरलावे-ईसवंदअजुआइनहोई होवैरचावलसंगसोई त्रिवीसनामक्केकील्यावे अंमलतासभागसमपावे दस-सेरजलकाथजोहोई सेरदोइरहजावेसोई एरणतेलताहुसंगपाय हुकनाकरकवजीहटजाय.

॥ रोगदस्तरुधिरके ॥

॥ चौपई ॥ जेकरदस्तरुधिरकेजांनो सैहजाअमयानामपछांनो माडीचीजवाकरडीहोई समयछोड-अतिभोजनसोई निद्राराातसमयनहिजांनो रुधिरदोषताकारणमांनो यतनताहिछिनऐसाकीजें निर्व-लग्राहकऔषधदीजें कुलफेकीफकीकरखावे गिल्लइरमनीताहिसुखावे किक्करगूंदनिसासताहोई रैहां-नवीजदाडिमसंगसोई ऐसीनिर्वलऔषधदीजें अथवावलवतसेवनकीजें गिटकअंवजामनकील्यावे दाडिमलोध्रपतीसमिलावे करेवृच्छकासिक्कडलीजें छुहारानीलोफरसंगदीजें विल्वगिरीचंदनसंगहोई मोचरसवालामाजुसोई गिलोयइंद्रजउदूधीपावे धनिआंजढसोसनकील्यावे अनारपुष्पवातंडुलहोई गोकीछाछसेविएसोई अथवाछाछभेडकीभावे ऐसीऔषधकरसुखपावे अफाराउदरहोततवजांनो तां-हियतनऐसाहितमांनो वावडिंगसुंठीमघल्यावे चित्रामुत्थरसंगरलावे जीराश्वेतलूणसंगहोई चिरा-यतापुष्पधातकीसोई अजमोदादिऔषधीकरिए संग्रहणीदोषतांहिछिनहरिए लौंगवर्चगजकेसर-ल्यावे अजमोदात्रिकुटासंगरलावे चित्रापिप्पलामूलजोहोई जीराश्वेतलूणसंगसोई धनिआंवालासं-गरलावे साडेत्रैत्रैमासेपावे घीआकदूवीजजोहोई मासेठाईलीजोसोई पुष्पधातकीमघांमिलावे रूं-मीछडतासंगरलावे दसदसमासेऔषधपाय इक्कीमासेखंडरलाय चूरणपीसछानकरहोई मासेसातसे-विएसोई तंडुलजलसोंसेवनकरिए उदरदोषतांहीछिनहरिए केवलदस्तरुधिरकेहोई असद्वालपूंनी-कहुसोई तीक्षणवस्तुअधिकनरखावे आंदरछिल्लरुधिरनिकसावे कदीकिसीकोऐसाजानो छिलडेलं-गरुधिरवहुमानो गुदावीचपीडाअतिहोई ताहियतनआगेसुनसोई वांसातोलेसातमंगावे चारसेरज-

लकाथचढावे आधसेरजवहींरहजाय ढाईतोलेमधूमिलाय, सेवनप्रातसमेनितकरिए रुधिरदस्तता-हीछिनहरिए पतीसइंद्रजउोलोध्रमंगावे सुंठीमासेसतसतपावे पोस्तछिलकातासंगहोई मासेठाई-लीजोसोई चूरणदोईवखतनितखावे मासेसातशीघ्रदुखजावे छिलकाअक्कसुंठमंगवावे विलकत्थपु-ष्पधाईकेपावे नागरमोथालोध्रमिलाय इंद्रजौछिलकाअंवरलाय पाठाऔरपतीसमिलावो पौनेदोदो-मासेपावो मधूमेलचटनीनितखाय रुधिरदस्तदुखदूरहटाय खजूरगिटकपीसेनरसोई दधीमेलचट-नीहितहोई अरलूछिलकानीरमिलावे पीसखूवनिततहिचटावे माईछिलकाकरःमंगावे सातसेरज-लकाथचढावे काथितजलपुनलीजोसोई सेरदोईमिसरीसंगहोई चाढअगनपरचासवनावे अगली-औषधपीसरलावे कक्कडसिंगीलाचीआंनो पतीससुंठवालासंगमांनो वहुफलीनागरमोथापाय चौदां-चौदांमासेलीजे पीसचासकेवीचहिंदीजें करइकत्ताखेनरसोई मधूमेलनितचटनीहोई जेकरगरमी-अधिकदिखावे छाछसंगताकोनितभावे देषवलावलसेवेकोई रुधिरदस्ततवनासेहोई चुलाईजढचूर-णकरखावे तंडुलजलसोंदोषहटावे हरडआंवलालीजोसोई मोचरसतवासीरसंगहोई फक्कीकरसतमा-सेखावे रुधिरदस्तदुखदूरहटावे सुंठीकीरखंडलेसोई साडेत्रैत्रैमासेहोई शीतलजलसोंसेवनकरिए चू-रणसेवदोषसवहरिए विलकत्थसुंठवालामंगवावे छडगुडीपुष्पधातकीपावे नागरमोथासंगरलाय तो-लाढूडड्डूसमल्यावे पुरातनगुडसोंसेवनभावे भेडदूधइकसेरमंगाय सेवेचूरणदोषहटाय जीराश्वेत-हरडमंगवावे अजुआंइनमेलभागसमपावे मासेढाईढाईलीजें चूरणपीसभुंनसमकीजें मासाढूडनिल-प्रतिखाय दधीसंगनिश्चयदुखजाय वांसापुष्पपत्रमंगवावे पलासपुष्पताहींसंगपावे साडेदसदसमासे-लीजे चूरणजलसोंसेवनकीजें गिलोपतीससोंसनजढल्यावे वालाकुठद्यारसंगपावे पुष्पधातकीतासंग-मांनो नागरमोथासंगपछांनो चौदांचौदामासेपावे एकसेरजलक्काथचढावे आधारहेपांनतवकरिए मरोडारुधिरदस्तसवहरिए सिक्कडनारलोध्रसंगपावे कंडेआरीजढगुलधांइमिलावे लेसमऔषधचूरण-होई तंडुलजलसोंसेवेकोई मरोडारुधिरदस्तहटजावे सकलभांतकादोषनसावे सिक्कडवेरवृत्तकेल्यावे नीरपायकरक्काथचढावे काथितजलआधाजवहोई मलमलछांनलीजिएसोई तौफुनिसठीचावलल्यावे वांधपोटलीतामेपावे चाढअगनपरसाधेकोई तंडुलअसरताहुमेंहोई उतारछांनशीतलजवजांनो द-धीमेलसेवनहितमानो माजूमटरभुंनकरल्यावे कालाकोराऔषधपावे इमलीछिलकातासंगहोई भा-गवरावरपीसोसोई अनारएकलेखालीकरिए औषधसकलताहुमेंभरिए ताकेऊपरकपडाहोई आटा-कणकलपेटेसोई गोलाअगनीभीतरधरिए लालहोएतवशीतलकरिए औषधवीचनिकालेसोई ताहि-कूटकरगोलीहोई गोलीमासेचारवंधावें दधीसंगनितसेवनभावे दधीभातपथ्यहितहोई अथवामस-रभातशुभसोई दूधभातवालकमनभावे रुधिरदस्तसिगरेहटजावे वातपित्तकफकैसाहोई काटमरो-डानासेसोई नागरमोथालोध्रमंगावे वालाश्वेतलजालूपावे पुष्पधातकीधनिआंहोई सुंठीकालाको-रासोई लेसमऔषधक्काथवनावें दोइवखतनितसेवनभावे हफीमनित्यनरसेवेकोई ताहिदस्तस्वाभा-विकहोई काटमरोडापीडाजानो ताहियतनऐसाहितमांनो तोलाषडिआमाटील्यावे तवासीरत्रैमासे-पावे मासेत्रैमिसरीसंगसोई गुलावअर्कथोडासंगहोई कुलफाभुंननीरनिकसावे शर्वतकरनिततहि-पिलावे मसरभातपथ्यतिसहोई दस्तदूरसुखभोगेसोई

॥ संग्रहणीरोग ॥

॥ चौपई ॥ संग्रहणीरोगहोतहैजाको जवरऽनामफारसीताको सघनदोषआमाशयहोई लेसदारलपटासंगसोई संग्रहणीदोषतांहिप्रघटावे अथवाअतिमैथुनकरभावे शत्रूसिरपरठाडाहोई अतिचिंताकरमानोसोई वाअतिमैथुनकरकेजानो अतीखेदअतिधूपपछानो प्रभातनीरअतिसेवेकोई वाअतिगर्मऔषधीहोई अथवाअतिखट्टानरखावे संग्रहणीदोषतांहिप्रघटावे लेसदारजलभीतरहोई आंदरसंगलपटेआसोई सोवुषारजवऊपरधावे वहुविधरोगसोईप्रघटावे ॥ दोहा ॥ सीसनेत्रदुखकर्णमेंतालूजिव्हाजान कंपवातखुश्कीतृषाश्वासवमनदुखमान अर्द्धसीसपीडाकरेदंतरोगफुनिसोय हृदयतापमलकारहेयाविधलक्षणहोय ॥ चौपई ॥ सोवुषारजवनीचेंधावे गुदावीचअतिजलनदिखावे अतीदस्तवाकवजीहोई दुर्वलतनमुखकौडासोई मैथुनतेपरहेजकरावे मैथुनकरसंग्रहणीधावे अवस्थादेशकालपहचानो समयदेखऔषधमनठानो वर्षाऋतुकीपवनजोहोई रक्षाकरेताहुतेंसोई अतीधूपऋतुग्रीषमजानो रक्षाताहूतेंहितमानो प्रथमतीनदिनपाचनखावे दोषपकायजतनमनभावे सुंठगिलोयमुत्थरजोहोई नौनौमासेलीजोसोई त्रैईतोलेनीरमिलावे त्रैतोलेकाथशेषरहजावे दिवसतीनलगपीवेकोई दोषपकेफुनिऔषधहोई तौफुनिऔरतीनदिनदीजें पंचधानकाथकरलीजें दोषसकलखिंडजावेसोई पूहल्ललनामफारसीहोई त्रिफलात्रिकुटालूणमिलावे सौंचललूणभिलावापावे औरभेदइकलूणपछानो कंदफरनामसोइसंगजानो लेसमऔषधपीवेकोई गोघृतमेलगोलिआंहोई गोलीमासेसातवंधावे सेवनकरसवदोषहटावे गोलाउदरकृमीजोहोई सेवनकरहटजावेसोई मघांमर्चचित्रासंगदावे सज्जीसुंठीझाउमिलावे पिप्पलमूलहिंगुसंगहोई जौखारअजमोदासोई लूणकंदफरलूणमिलावे लेसमऔषधपीसवनावे निंवूरसइकभावनदीजे तौफुनिरसअनारकालीजे सतसतमासेगोलीहोई छायावीचसुकावेसोई सोप्रभातनितसेवनकरिए निश्चयउदरदोषसवहरिए सुंठीलेटुकडेकरसोई रोटीवीचधरगोलाहोई आगनीचधरसुंठपकावे सुंठीछायावीचसुकावे चूरणपीसकरेनरकोई खंडवरावरमेलोसोई दसमासेनितसेवनकरिए उदरदोषताहिछिनहरिए तलेसुंठघृतगोकापाय मधूमेलनितचटनीखाय त्रैमासेनितसेवनकरिए ववासीरदुखपांडूहरिए पीडाजोडगंठिआजावे क्षुधाप्रवलदुखदूरहटावे हिंगूहरडपतीसमंगावे कंदफरकीरइंद्रजौपावे लेसमऔषधचूरणहोई मासेसातसेविएसोई शीतलजलसोंसेवनकरिए उदरदोषतांहीछिनहरिए कंडेआरीमघजौखारमंगावे कचूरइंद्रजौपाठापावे सीसालूणवरूटीहोई कृष्णलूणअरुखारीसोई लेसमऔषधचूरणकीजें मासेसातनीरसंगदीजें मुत्थरसुंठपतीसमंगावे गिलोईसतसतमासेपावे करेकाथनितपीवेकोई सकलदोषहरऔषधहोई गौडीमदिरापानकरावे त्रैप्यालेतकसोईभावे हफीमनित्यसेवेनरसोई पच्चीमासंसदाहितहोई ऊौषधदस्तमरोडेमाही सोईकरसुखउपजेतांही मैथुनकवहुंकरेनहिसोई अतिऊंचावोलेदुखहोई अतीखेदकरडानहिपावे रहेपथ्यपरदोषहटावे अजमोदादाडिमलूणमंगावे शमाकसुंठताहिसंगपावे जीराकालाश्वेतमिलाय चौदांचौदांमासेपाय किष्टातोलेवीसमंगावे सौंठतोलेमिसरीसंगपावे चूरणकरनितसेवनहोई प्रतिदिनचौदांमाससाइ दिनइक्कीजलकेसंगखावे वादिनचालीदोषहटावे अजुआइनसुंठखजूरमंगावे कंदपरदाडिमसंगरलावे चौदांचौदांमासेआनो आगेजीराश्वेतपछानो कालालूणतांहिसंगपाय त्रैत्रैतोलेदोइमिलाय उनत्तीतोलेमघा-

मिलावे मर्चअँठुंजातोलेपावे ऽठारातोलेमिसरीपाय पीसछाखचूरणकरखाय दसमासेनितसवनकरिए सकलदोषतांहिछिनहरिए मुत्थरकौडपतीसमंगावे मोचरसपुष्पधातकीपावे लेसमचटनीमधूमिलावे प्रतिदिनसेवदोषहटजावे गूंदखैरकाआनोसोई ईसवगोलताहिसंगहोई त्रैत्रैतोलेदोइमंगाय खंडडूतोलासंगपाय चूरणकरसतमासेखावे शीतलजलसोदोषहटावे माजूगूंदखैरकाल्यावे तुलसीवीजखंडसंगपावे दधीसंगसतमासेसोई सेवनकरदुखनाशेहोई माजूपुष्पधातकील्यावे कडवःसणसोसंगरलावे मासेसातनीरसंगसोई सेवेसकलदोषहरहोई रक्तजववासीरहटजावे गुर्दापसलीपीडहटावे उदरपीडतांहीछिनजाय ऊपरताजीछाछपिलाय सुंठचित्तरालूणमिलावे ऐसीछाछसेवसुखपावे रातीछाछपीवेनाकोई प्रथमपहरपीवेसुखहोई विनाछाछकछुऔरनखावे भरेपेटसंग्रहणीजावे औरहिंदमतसुनिएसोई विधीछाछकीजांविधहोई गौआंनिजघरमाहिवंधावे तिन्हकोसुक्काघासखुलावे मक्कीचरीघासजोहोई सुंगीअन्नखुलावेसोई सोईदूधकरप्रीतजमावे रिडकेमखनजुदाकरावे पीवेछाछपेटभरसोई संग्रहणीदोषदूरतवहोई संग्रहणीएकपुरुषकोहोई चारसेरदधिरिडकेसोई पीवेछाछपचोदिनमाहि संग्रहणीरोगताहुकोनाहि औरअन्नजलसोनाहिखावे रुचिहोएसंगचाउलपावे संग्रहणीकिसीदोषकीहोई निश्चयकरहटजावेसोई संग्रहणीदोषअधिककफजागे तांकेहेतऔषधीआगे चित्राहरडतज्जमंगवावे कुठपतीससुंठमघपावे मुत्थरसीसालूणजोसोई कालालूणयारसंगहोई वाविडंगसोसंगरलाय लेसमऔषधचूरणखाय प्रतिदिनचूरणसेवनकरिए कफसंग्रहणीतांछिनहरिए हरडकचूरसुनक्कापावे त्रिःकुटापिप्पलामूलंमिलावे विडलूणकृष्णअरुसासाहोई लेसमऔषधपीसोसोई निंवूरसकीभावनदेवे मासेसातप्रातनितसेवे प्रवलउष्णताहोवेजवहीं कफसंग्रहणीनाशेतवही रुचिकरभोजनतांहिसुखावे रहेपथ्यपरदोषहटावे जेकरहरडदोषकृतजानो तांहूकेवदलेमघमानो थोमकौडमुत्थरमंगवावे त्रिकुटासतसतमासेपावे चित्राचौदांमासेहोई करःनामनौतोलेसोई चूरणमासेसातखुलावे मिसरीदूधसंगसुखपावे दस्तकासतपतृषाजोहोई प्रनेहप्रमेहपाडुहरसोई चित्रापिप्पलमूलमंगावे भखडामघधनिआंसंगपावे वाविडंगसमभागरलाय चूरणपीसप्रातनितखाय छाछसंगनितसेवनकरिए ववासीरसंग्रहणीहरिए गोलाउदरकृमीजोहोई तिलीशूलदुखनासेसोई चित्राजढतुंमेकील्यावे हरडकत्थमघसंगरलावे सुंठीमुत्थरवर्चपछानो वाविडंगपतीसयारसंगजानो लेसमचूरणजलसोखावे मासेसातसंग्रहणीजावे प्रथमेपाचकऔषधखावे पाछेरेचकहरडसुखावे सुंठीइसवगोलमंगाय दसदसमासेदोनोंपाय मासेसातलौंगसंगहोई छेतोलेहरडमेलिपसोई चारसेरजलकाथचढावे आधसेरपीवेसुखपावे प्रथमेउदरशुद्धकरलीजे पाछेऔरऔषधीकीजे अथवाहरडमुरव्वाखावे उदरशुद्धकरदोषहटावे हरडरातकोसेवेकोई करेप्रातउठऔषधसोई पीवेछाछनित्यदिनमाही संग्रहणीरोगतांहुकोनाही सठीमसरवामुंगीखावे अथवाकदीछाछकीभावे अनारखटाईसेवेसोई कंडेआरीफलकीभाजीहोई क्वाथितजलआधारहजावे अथवालोहावीचवुझावे सोजलपानदोषहरहोई आगेऔषधसेवेसोई चौदांमासेचंदनल्यावे दसमासेमिसरीसंगपावे गडकायलेहकरचाटेसोई दिनचालीतकसेवनहोई दधीभातनितपथ्यखुलावे पुरातनरोगसंग्रहणीजावे ॥ रोगसोजकलेजेदी ॥ चौपई ॥ पीडाअधिककलेजेहोई आमासाजिगरकहुनामासोई पीडादाक्षणभागपछानो वातदोषवागरमीमानो वाअतिभारउठावेकोई करडाखेदकरेदुखहोई नाडपर्तकरपीडाजागे दाक्षिणतापतृषाअतिलागे दक्षिणभागपछकरवावे कलेजेऊपरजोंकलगावे अधि-

करुधिरकीइछाहोई वासलीकतेंछोडेसोई तबासीरअरुलोध्रमंगावे सुंठीदसदसमासेपावे दोतोलेमि-
स्रीसंगपाय चूरणसतमासेनितखाय दूधसंगनितसेवनकरिए कलेजेकीपीडासबहरिए त्रिफलानीरपा-
यपिसवावे कलेजेऊपरलेपचढावे जेकरगरमीअधिकनहोई तांकोरुधिरनछोडेकोई जेकरकवजीअ-
धिकादिखावे सर्वतअमलतासपिलावे कफकरसोआपीडाहोई लच्छणमुखपीलाहैसोई निद्राह्नूतेंजव-
उठआवे करपदनेत्रसोजप्रघटावे राईदूधमेलपिसवाय लेपकेरसोजाहटजाय कलेजेऊपरपछकरावे
चलेरुधिरतवऐसाभावे नीलाथोथाताहिपिसाय निंवूरससोंलेपचढाय सोनमखीनीलाथोथल्यावे मुमे-
आईचोकनुसादरपावे पछनागवूटीसंगहोई लेसमपीसलपिएसोई पछमारइहलेपचढावे मुमेआई-
त्रैमासेनितखावे अजामूत्रनितपीवेसोई निश्चयकरगुणदायकहोई जेकरपीडादूरनमांनो कलेजेऊपर-
दाघपछानो तींनदाघदेवेनरसोई सजेपीसअतिहितहोई रुधिरपीडवाकफकीजांनो ताहीछिनमेदूर-
पछांनो सोजपीडयुतगोलाहोई प्रघटहाथसोंदेखेकोई रोगअसाध्ययतननाभावे सोरोगीनिश्चयमरजावे

॥ रोगपीडतिलीदी ॥

॥ चौपई ॥ खवेभागतिलीपहचांनो सोघरवातदोषकामांनो कलेजीगेहरुधिरकाहोई पित्तपित्त-
ह्नकाघरसोई जठराफिफरादोईपछांनो कफघरलेसच्छतूवतमांनो तिलीकलेजेरुधिरजोहोई कालारंगही-
नवलसोई जववहखेंचपाकहोजावे सकलजोडवलहीनदिखावे तिलीसमांनहोतहैजवही करडीसो-
ज्जाा निएतवही खवेभागतिलीहैसोई मूंडेतलेपींडतवहोई वाछातीकापडदाजांनो लटकतश्वाससं-
वधीमांनो पीडातहांप्रघटहोजावे श्वासतंगअतिखेददिखावे आदियतनऐसामनभाय वासलीकतेरुधि-
रछुडाय रुधिरानिंकालशीघ्रसुखपावे वामूंडेतलपछकरावे वृषभमूत्रमंगवावेसोई आधसेरानितपीवे-
कोई मासेदसराईसंगखावे निश्चयपीडतिलीकीजावे कलेजेतिलीदोषजोहोई एकसमांनऔषधीसोई
जेकरसोजाफिफरेजांनो मर्दनसर्षपतैलपछांनो

॥ अथरोगजलोदर ॥

॥ चौपई ॥ जलोदररोगहोतहैजाको इस्तस्कानामफारसीताको हिंदीनामजलंधरजांनो कठोद-
रऔरपथोदरमांनो जठराग्नीपाचकनिर्वलहोई वावलहीनकलेजासोई ताकररोगजलंधरजांनो आगे-
लच्छणऔरपछांनो आमाशयपाकप्रथमजोहोई माडारुधिरकलेजेसोई नाडांवहुतवालसममांनो मा-
सारीकानामपछांनो उनद्वारारसटपकतसोई कच्चारुधिरलालनहिहोई आंदरवीचसघनजवजांनो चिम
डतरंगजरदतवमांनो पडदाआंदरऊपरहोई त्वचासंगनीचेहैसोई हजावनाममतफारसगावे सिमक-
सिमकजलतामेपावे नीरइकठातहांपछांनो मछकसमानपेटतवजांनो सोजलपडदाऊपरहोई औषध-
काटकरेनाहिकोई करडारोगजाहुतेजांनो ताकारणभयदायकमांनो कदीकिसीकोऐसाहोई गुदावीच-
जलटपकतसोई गुदाद्वारजलवाहिरआवे रोगदूरकछुखेदनपावे जेकररोगजलोदरहोई ताहियतनऐसासु-
नसोई चतुरजराहयतनमनभावे वामभागपरछिद्रकरावे नस्तरनाभीपासपछांनो निंकसेजलताहीसुख-
मांनो जारांदाघेपटपरलावे रोगदूरफुनिपालकरावे कदीकिसीकोऐसाहोई ऊपरवर्षरोगफुनिसोई नूत-
नरोगजलंधरजांनो नस्तरविनातिसदाघपछांनो जेकररोगदूरनाहोई नस्तरकरजलवाहिरसोई जर्दनीरज-

ववाहिरआवे करेपालफुनिऔषधखावे पुष्करमूलहरडमंगवावे सीसासौंचरलूणमिलावें वाविडंगजौखारपछांनों अजुआंइनमेलभागसममांनों चौदांचादांमासेलीजें डिडतोलातुंमाजढदीजे दंतीतोलाडूडमिलावे छेतोलेतृवीताहिसंगपावे हिंगूमासेतींनमिलाय चूरणपीसनिताप्रतिखाय तप्तनीरसोसेवनकरिए मासेसातजलोदरहरिए तवलीभेदऔरइकहोई वातोदरनामप्रघटहैसोई उदरखैंचतवलेसममांनो भरापवनकेसंगपछांनो जेसेंरोगजलंधरहोइ तैसेंतवलीकारणसोइ तवलीलक्षणअधिकदिखावे तिलीवीचसोजाप्रघटावे तिलीकलेजेसोजाहोई पाछेऔषधकरिएसोई नातररोगअसाध्यकहावे निश्चयकररोगीमरजावे लहसीभेदतीसराहोई नामकठोदरकहिएसोई लक्षणलेसदारकफमांनो पृष्ठपैरमुखसोजाजांनो पेटशरीरफूलेआहोई मारकहोतपुरातनसोई औषधसोजकलेजेमाही सोईकरदुखउपजेनाही कलेजेऊपरदाघलगावे शीघ्रयतनकरदोषहटावे उदरवीचजवगोलाहोई गुल्मोदरनामप्रघटहैसोई वातसंगकफरुसघनपछांनो गोलारूपउदरमेमांनो नीचेऊपरगोलाहोई फिरेउदरपीडासंगसोई भारेजोड क्षुधाहटजावे तंगश्वासपाणीमुखआवे चारभेदकागुल्ममछांनो जलंधरतींनभेदकामांनो ताकरसातभेदकाहोई आगेऔषधसुनिएसोई निंवूरसचित्राजढल्यावे चौदचौदांमासेपावे दसदसमासेत्रिकुटालीजें सज्जीजलइकमासादीजें नुसादरइक्कीमासेपाव काचपात्रमेंपीसरलावे छायावीचसुकावेकोई मासेसातसेविएसोई देखवलावलऔषधखावे रोगजलंधरगोलाजावे सिंधूलूणकृष्णमंगवावे कर:लूणसज्जीसंगपावे सुहागासंगनुसादरजांनो जमालगोटेकानिमकपछांनो चौदांचौदामासेहोई चूरणकरराखेनरसोई तौफुतिअंमलवेदफललीजे त:हिकाटकरखालीकीजें चूरणवीचताहुकेपावे राखधूपमेंखूपसुकावे तौफुनिरसनिंवूकाहोई आगेऔषधमेलोसोई त्रिफलात्रिकुटाचित्राल्यावे धनिआजीराश्वेतमिलावे अजमोदजुआंइनदाडिमआंनो पाठापुष्करमूलपछांनो हौवेरजढवोईपावे साडेत्रैत्रैमासेल्यावे करइकत्रचूरणहितहोई मासेसातसेविएसोई अमलवेदरसताजालीजें चूरणप्रातनित्यउठदीजे गोलावातजलंधरहोई निश्चयरोगदूरकरसोई त्रिवीमंगायसोइपिसवावे दूधथोहरकासंगरलावे मासेतींनगोलिआंकरिए सेवनकरासिगरादुखहरिए इक्कीमासेमर्चमंगावे दसमासेहिंगूसंगपावे ढाईतोलेमघांमिलाय त्रैतोलेसुंठीसंगपाय अजुआंइनतोलेचारमिलावे तोलपांचहरडसंगपावे छेतोलेचित्रासंगहोई तोलेसातकुठहैसोई चौदांमासेप्रतिदिनखावे तप्तनीरसोदोषहटावे अंमलतासकेसेरइकल्यावे चारसेरजलकाथचढावे एकसेरजवहींरहजाय थोहरदूधदसमासेपाय तींनभागकरराखोसोई प्रातभागइकपीवेकोई तौफुनिदस्ततींनजवआवे भागदूसराताहिपिलावे दस्ततींनआजावेजवही भागतीसरापीवैतवही जाविधनित्यपानाहितहोई प्रथमऔषधीसेवेसोई मधूमेलदसमासेखावे रोगजलंधरताहिहटावे कृमीउदरदुखगोलाहोई निश्चयकरहटजावेसोई वृक्षआमलापत्रमंगावे चित्रात्रिकुटासंगरलावे ईसवंदलूनसंगपावे पत्रमीचकेसंगरलावे वरावरभागपीसिएसोई माससातसेवसुखहोई अनूपांनगोमूत्रपिलावे उदरदोषसिगराहटजावे घडाएकमंगवावेकोई गिलहिकमतविधकरिएसोई आटामाषमृतिकाल्यावे वीचघडेविधलेपचढावे चरुंजापत्रआककेहोई घडेवीचनरराखेसोई सेरदोइथोहरमंगवावे घडेवीचटुगडेकरपावे कंडेआरीफलपंचासलेसोई पंचासवतांऊतामेहोई पांचोफलतुंमेकेल्यावे पांचमूलिआंगिनतीपावे सीसासौंचलसिंधूल्याय काचलूणकालासंगपाय जउोखारअरुसज्जील्यावे तोलाडूडडूडसमपावे चारसेरसर्षपकातेल घडेवीचसवऔषधमेल चरुंजापत्रआककेलीजें घडेवीच-

औषधपरदीजें जाविधघढ बंदमुखहोई गिलहिकमतकरराखोसोई जिमीखोदटोआइककरिए दस-रवनउपलेधरिए ऊपरघडाराखिएसोई वनउपलेफुनिऊपरहोई उपलेवीससेरज्योंपावे मध्यघडाधरआगलगावे शीतलहोएउठावेकोई भस्मऔषधीलीजोसोई त्रिफलात्रिकुटाचित्रालयाय वाविडंग-अजुआइनपाय सठीसाजजहिंदीलयावे पिप्पलामूलकचूरमिलावे हौवेरअजमोदाआनो सतसतमा-सेऔषधठानो राईआधसेरसंगपाय ईसवंदइकपाओरलाय चूरनपीसछानकरहोई मेलोभस्मऔषधी-सोई जाविधऔषधसेवनकरिए मासेसातदोषसबहरिए अनूपानगोमूत्रपिलावे गोलारोगजलंधरजावे हिडकीऔरउदरदुखकोई सकलदूरसेवनतेहोई सेवनतेंगरमीप्रघटावे ताहिछाछअनुपांनपिलावे ॥ दोहा ॥ आटालीजोकनककाथोहरदूधमिलाय गोलीमासेतीनकरप्रतिदिनएकखुलाय दस्तसंगजल-लेसलाउदरवीचजोहोय लिपटाआंदरसंगहीवाहिरकरिएसोई ॥ चौपई ॥ एरनकीजढहिंगूल्यावे का-लालूणहरडसंगपावे लेसमचूरनसेवनकरिए मासेसातदोषसबहरिए तसनीरवागोघृतल्यावे अनूपान-वाछाछपिलावे सीसालूणहरडमंगवावे सुंठइंद्रजउसंगरलावे आकपत्रजढथोहरआंनो कोमलकाष्ट-थोहरकामानो चित्रासेलभागसमलीजे भांडेवीचधरसंपुटकीजें तौफुनिवनउपलेमंगवावे ताहिवीचध-रभस्मवनावे सतमासेनितसेवनकरिए छाछसंगसिगरादुखहरिए पाठाहींगूकौडमंगावे सौंफहरीड-इंद्रजउपावे गजपिप्पलविडलूणजोहोई करःलूणसंगमेलोसोई लेसमऔषधचूरनकीजे मासेचौदा-प्रतिदिनदीजें अनूपानगोमूत्रपिलावे उदरदोषसिगराहटजावे पित्तदोषलखपावेजवहीं सेवनकरदु-खनासेतवहीं.

॥ रोगवाहिरआउनाअनपचभोजनदा ॥

॥ चौपई ॥ भोजनजांहिकरेनरकोई वमनसंगसोवाहिरहोई हिंदीभेदसंग्रहणीकहिए जलकुलअमे-आफारसलहिए ग्राहकआंदरानिर्वलहोई कुवतमासकःनामासोई लेसदारजलतहांपछानो अनपचभो-जनवाहिरमानो प्रथमऔषधीरेचकखावे उदरशुद्धकरदोषहटावे वालाविल्वशुंठीमंगवावे नागरमोथा-धनिआंपावे साढेत्रैत्रैमासेहोई करेकाथनरपीवेसोई दिवसतीनलगएसाकीजे मुंगीरसघृतकेसंगदीजे फुनिचौथेदिनऐसाभावै मासेसातत्रिवीमंगवावे अर्धभागतिसखंडरलाय तसनीरसंगचूरनखाय ताहि-दस्तआजावेजवही खिचडीभोजनकरिएतवही लौंगइलाचीमघांमंगावे नागरमोथामर्चरलावे दारची-नीसोसंगरलाय साडेत्रैत्रैमासेपाय मासेसातखंडसंगहोई प्रतिदिनचूरनसेवेकोई सतमासेनितसेवनक-रिए उदरदोषतांहिछिनहरिए सनाहपत्रताजेमंगवावे छाछपायकरसागवनावे दिवससातलगखावेसोई तौफुनिग्राहकऔषधहोई पतीसइंद्रजउताहिमंगवावे खसखसछिलकासंगरलावे लेसमचूरनसेवनकीजे गौडीमदिराऊपरदीजें वाखसखसकाछिलकाखावे वाजेफलवार्फीमखुलावे पाछेहरडमुरब्बादीजें आ-गेसोईविधिसुनलीजें पाचकऔषधग्राहकहोई हरडपायगडकावेसोई निकालइहरडफुनिधूपलगावे मिस-रीअथवामधूलिआवे चासवनायताहुमेपावे ऐसीहर्डमुरब्बाखावे जेकरदोषदूरनाहोई हुकनाकरदुखहरि-एसोई पाछेहरडमुरब्बाखावे नीरसंगचूरनमनभावे अथवाछाछपांनहितहोई जाविधउदरदोषहरसोई इतिचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाशभाषायांउदररोगाधिकारकथनंनामअष्टाविंशोऽधिकारः॥ २८ ॥

॥ अथशूलपरिणामशूलनिदानलक्षणनिरूपणम ॥

॥ दोहा ॥ शूलअवरपरिणामशूलभाषौंसकलप्रकार जैसेंप्रथमनिदानमोंकीनोतासउचार ॥ चौपई ॥ कामदेवकेनाशहिकारण शिवत्रिशूलअतिक्रोधचलावण देखत्रिशूलकामवहुडरेउो विष्णुशरीरपरवेशहिकरेउो हुंकारशब्दविष्णुतवकह्यो कामदेवपृथ्वीपरगह्यो भयत्रिशूलमूर्छाप्रगटाहि तांहिशूलप्रगव्योजनमाहि शूलप्रकारचुवैह्वदमाहि तांकरनामशूलजनगाहि आठभेदशूलकेजानो वातपित्तकफतैंपहिचानो अरुत्रिदोषतेंयहकहैचार द्वंद्वजआमजअष्टप्रकार आठशूलकोस्वामीवात पवनअहैवलयितविख्यात.

॥ अथशूलस्थानवर्णनम् ॥

॥ चौपई ॥ वातशूलकोवस्तिस्थान पित्तशूलकोनाभीमान हृत्पार्श्वकुक्षीकफशूलपछानो सर्वदेशसन्निपातजजानो.

॥ अथवातशूललक्षणम् ॥

चौपई अतिव्यायामअतिमैथुनतेंजान अतिअश्वादिचडनतेंमान अतिजागरणशीतजलपान अतिरूषेभोजनतेंमान तिक्तकषायवस्तुतेंहोय कोद्रामक्कीखावसोय विरुद्धभोजनक्षीरमत्स्यादि नवीनअन्नतेंहोयविषादि सूकामांसजुसूकाशाक होतशूलजानोसतवाक अरुअभिघातहुंतेभीहोय भोजनपरभोजनकरेजोय विष्ठामूत्रअवरअधोवात इन्हकेरोकनतेंप्रगटात अतिभाषनअतिहास्यजुकरै अतिशोकहुतेंइहलषधरै व्रतउपवासकरेजोकोय करैअजीरणतांकोहोय वृद्धवातइन्हकरजवथावै नरकोंशूलप्रगटहोइआवै

॥ अथवातशूललक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हृदयपार्श्वनाभिअस्थान त्रिकूलपृष्टमांहिहोइजान नाभितलैभीउपजतजोऊ इन्हठौरनमोहोवतसोऊ शूलकोपकेसमयजुचार शीतकालसंध्यानिरधार जीरणकालघनागममानो चारसमयजहशूलपछानो क्षणमोंकोपकरेक्षणशांत विटअरुवातवंधहोइजात विट्केवंधतेंपीडाजान खुलेजुबिष्टाशांतिप्रमान !

॥ अथशलशांतिउपायः ॥

स्निग्धउष्णभोजनजोकरै मर्दनस्वेदशूलनिरवरै.

॥ अथशूलरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा शूलचिकित्साभाषहोंवंगसेंनअनुसार वैद्युत्तमयहसमझकेपुनकरहैंउपचार ॥ दोहा ॥ वातशीघ्रगामीअहैशीघ्रचिकित्साठान सनेहपानमर्दनकरेंअवरहुस्वेदपछान ॥ चौपई ॥ लंघनवमनजुपाचनजान फलवर्तीअरुक्षारसमान चूर्णगुटिकादीजैतास वातशूलकोकरहैनास ॥ अन्यच ॥ प्रथमवैद्यजोवातनिकारे पाछैपित्तकोदूरनिवारे तांपाछेकफकाडनमान ऐसेवैद्यकरेनिजज्ञान ॥ अथलेप ॥ चौपई विलकरथएरणतिलसमआन पीसआमलसोंलेपनठान वातशूलकीहोइहैशांत निजमनमेंयहलषोवृतांत ॥ अन्यच्च ॥ लेतिलपीसउदरपरलावै वातजशूलनासहोइजावै वातिलपीसपोटलीकरै देवेसेकशूलपरिहरे ॥ अन्यच्च ॥ आनमैनफलकांजसिंग पीसनाभिलेपैरुजभंग ॥ अन्यच्च ॥

जीवंतीकोंमूलपिसावै तांमेतिलकोतैलमिलावै वक्षस्थलपरलेपैतास होवैपार्श्वशूलकोनाश ॥ अथ-क्वाथः ॥ चौपई ॥ कुलत्थकाथमोंपायसनेह पीवैंवातशूलहोइषेह ॥ अन्यच्च ॥ सेंधात्रिकुटासौंचलहिंग दाडिमलवामांसधरसंग करैकाथपीवैनरजोय नाशवातशूलकोहोय ॥ अन्यच्च ॥ वलापुनर्नवाएरं-डग्रान दोइकंडियारीगोक्षुरठान एहसमलीजैकाथकरीजै लवणहिंगुतिंहपायसुपीजैं वातशूलकोहोइहै-नाश वंगसेंनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ प्रथमहियवकोकाथवनावै पुनइहचूरणपीसरलावै हरडतुं-वरुपुष्करमूल हिंगुलवणत्रैधरसमतूल रोगीइहविधिपीवैतास होवैवातशूलकोनास अवरहुगुल्मरोग-मिटजावे दुःखमिटेतनुसुखप्रगटावे ॥ अन्यच्च ॥ सुंठअवरएरणकोमूल करैंकाथयहदोसमतूल सौंचलाहिंगुपायसोपीवै वातशूलततक्षणहतथीवै ॥ अन्यच्च ॥ इंद्रयवेंकाकाथबनावै पुनसमलेयह-चूरणपावै सौंचलअवरहिंगुसमभाय पीवैवातशूलमिटजाय ॥ अथचूरण ॥ चौपई ॥ दाडिमहिंगु-आमलेग्रान मघांजवायणहरडमिलान सेंधालवणदोयधरक्षार यहसमचूरणकरोसुधार तप्तनीरसों-पीवैतांही वृद्धशूलवातहतजांही ॥ अन्यच्च ॥ हिंगुजवायणसेंधाडार सौंचलहरडेदोनोक्षार यहसमचूर-णमदिरासंग उष्णजलाहिपीवेरुजभंग हरडेंत्रिकुटावरचपतीस सौंचलाहिंगुलेहुसमपीस यहचूरणतसो-दकसंग पीवैवातशूलहोइभंग ॥ अन्यच्च ॥ धनियांसुंठजुएरंडपाय शिग्रुमूलयुतकाथवनाय हिंगुलव-णयुतकाथजुपीवै वातशूलहततत्क्षणथीवै

॥ अथकफजशूलकारणम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसअवरजलजीवनतास दूधविकारकरैपरकाश ईक्षुमाषपोठादिविकार तंडुलमां-डातिलसूजीप्रकार अवरहुंकफकरतादिकजोय कफजशूलतिंहिहूंतेहोय

॥ अथकफशूललक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हृदयरोधपीडाअरुकास मुखजलचलैअरुचिंताभास भोजनकियेवेगवहुकरै शि-रभारीगौरवताधरै शिशिरवसंतअवरपरभात कोपकरैजानोविख्यात

॥ अथकफजशूलचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ पंचकोलाहिंगुलवणजुतीन यहसमचूरणकरोप्रवीन उष्णहिंजलसौंपी-वैसोय कफकोशूलनाशतवहोय ॥ अथक्वाथः ॥ चौपई ॥ लघुकंड्यारीअरुलहुवासा इहदोनों-केफललबतासा शिलाजीतगोक्षुरविल्वमूल यहसमवस्तूलेसमतूल दुगुणेएरंडमूलमिलावै विधि-सेतीयहकाथवनावै तामोंडारपीवैयवक्षार हृदयपार्श्वकफशूलहिंटार ॥ इतिकफशूलचिकित्सा

॥ अथपैतिकशूलकारणम् ॥

॥ चौपई ॥ क्षारसतीक्ष्णउष्णविदाही तैलरवांहितिलषलजोषांही अतिकटुअतिमद्राकुलथानी अतिअम्बलाकांजीअनुमानी क्रोधषेदरावैतापतेंजान अतिमैथुनपित्तशूलप्रगटान

॥ अथपित्तशूललक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तृषामोहदाहउपजावै परसामूर्छाभ्रमप्रगटावै मध्यदिवसअरुआधीरात ग्रीषमशरद-कोपप्रगटात शीतवस्तुकोंसेवेजोई पित्तशूलशांतितबहोई स्वादुशीतजोभोजनकरे पित्तशूलतातेंपरिहरे

॥ अथपित्तशूलचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमपटोलइक्षुरसल्याय तिंहिसोंरुजियेंबमनकराय पीछेतेरेचनकरवावै शीतलजलहीस्नानकरावै शीतलनदीतीरबैठावै चंदनादिकोलेपलगावै कांस्यपात्रशीतलजलभरै रोगीउदरजुऊपरधरै चन्द्रकिरणकोंसेवैसोय शांतीपित्तशूलकीहोय ॥ अथरसः ॥ सेहालवामांसरसपीवै पैतिकशूलशांतितबथीवै चारअवरजोघृतकोपान गुडयवशालीतंडुलमान अवरविरेचनजांगलमांस पित्तशूलकोकरहैनास ॥ आवलेह ॥ लाजामधुरलायकरचाटै पित्तशूलकीपीडाकाटै ॥ अथकाथः ॥ ॥ चौपई ॥ शतावरीभषडेबलामुलङ्ग काथकरैकरइन्हैंइकङ्ग मधुशर्करालायजुपीवै पित्तरक्तशूलहतथींवै दाहमिटेअरुज्वरभीनाशै रोगजायतनुसुखपरकाशै ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलाअमलताससमआन काथकरेविधिसोंमतिमान मधुशर्करामिलायपिलावै दाहरक्तपित्तशूलहटावै ॥ अन्यच्च ॥ दोइकंड्यारीएरणठान उशीरगोषुरूकरोंमिलान कुशाकाशइक्षुकोमूल करैकाथयहसबसमतूल मधुमिलायकरताहिपिलावै दारुणपित्तशूलभगजावै ॥ अन्यच्च ॥ कुशाकासजुउशीरमुलङ्ग यहसमऔषधकरोइकङ्ग अर्धक्षीरअर्धजलपाय पीवेयाकोंकाथवनाय पित्तशूलमिटजावैतास वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथरस ॥ चौपई ॥ धात्रीफलरसकूटमंगावै कंदविदारीरसतिंहिपावै रसअंगूरद्राक्षकोठान त्रायंतीरसकरोमिलान यहसमरसहिशर्करापावै पीवैपित्तशूलमिटजावै ॥ जिसकोछर्दशूलदाहतृषाहोवैतिसकाउपायः ॥ अथयवागू ॥ चौपई ॥ करैयवागूविधिसोंजोय मधुमिलायशीतलकरसोय पीवैयाकोंसुखप्रगटाय छर्दशूलदाहतृषाजाय ॥ अन्यच्च ॥ शतावरीरसमधुप्रातपिलाय दाहशूलपित्तमिटजाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हरडपीसकरचूरणकीजै गुडघृतमेलरुजीकोंदीजै पित्तशूलकोहोइहैनाश दुखजावैतनुसुखपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ धात्रीफलकोचूरणजोय मधुमिलायचाटैरुजषोय ॥ इतिपित्तशूलचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथत्रिदोषजशूललक्षणम् ॥

सवकोलिंगनसमयुतजोय त्रिदोषजशूलजानियेसोय विषवज्रन्याईयहशूलपछानो ग्रंथकारमतकह्योसुमानो

॥ अथत्रिदोषजचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ शंखचूर्णहिंगुत्रिकुटाय लवणजुसैंधातांहिमिलाय यहसमचूरणतप्तजलसंग पीवेशलूत्रिदोषजभंग ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सिद्धमूत्रमोकरैमनूर त्रिफलाचूरणसमकरपूर मधुघृतमेलजुचाटैसोय त्रिदोषजशूलनाशतवहोय अथअवलेह ॥ विदारीरसदाडिमरसपाय त्रिकुटालवणलेहुसमभाय मधुमिलायकरचाटैसोय त्रिदोषजशूलनाशतवहोय ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ एरंडफलअरुएरंडमूल दोइकंड्यारीमुत्थरसमतूल गाखुरपर्णीचोरअरुवासा सहदेवीइक्षुमूलसमतासा सबयहसमलेकाथवनावै यवक्षारतांहिमोंपायपिलावै त्रिदोषजशूलहोइतवनाश दुःखमिटैतनसुखपरकाश ॥ इतित्रिदोषजचिकित्सा ॥

॥ अथआममिश्रितशूललक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ आमशूलजोकफकरहोय उदरहृदयमोंइस्थितसोय वमनअफारामुखकफचलै हृदयरोधहोपीडामिलै गुडगुडशब्दहृदयमोहोय हृल्लासअवरगुरुतातनुजोय कफसमानलक्षणहोय· जास आमशूलसोकियोप्रकाश आमशूलहोइजोमिलवात नाभितलेकरहैउत्पात

॥ अथआममिश्रितशूलचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कफहरऔषधजानोजेति आमशूलमेकरहोतेति आमहरणसवऔषधखावै यावतअग्नीवृद्धिनपावै चित्राधनियांपिपलामूल एरणअरुसुंठीसमतूल करैकाथसैंधवगुडपाय हिंगुपायजोतांहिपिवाय आमशूलकोहोइहैनाश दुःखमिटैतनुसुखपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ एरंडविल्वदोनोंकंड्यारी पाषाणभेदविजौराडारी त्रिकुटालीजैपिपलामूल क्वाथकरैसबलेसमतूल एरणतैलक्षारहिंगुलवणमिलाय पीवैआमशूलमिटजाय हृदयजुलिंगगुदाकोशूल ऊरूमूंहडेशूलनिरमूल ॥

॥ अथकफवातशूललक्षणम् ॥

कफअरुवातकेलक्षणयास द्वंद्वजशूलाकियोपरकास वस्तिहृदपार्श्वकंठमोंजान कफअरुवातशूलकोमान

॥ अथवातकफद्वंद्वजशूलचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ लसुणपीसकरमघसोंखावै वातकफकृतशूलमिटावै अग्निवधैजुभूखवहुलागै उपजैसुखद्वंद्वजउठभागै ॥ अन्यच्च ॥ अर्धक्षीरअर्द्धजलपाय गुडमघपायतप्तकरषाय वातकफजकुक्षिशूलविनाशै सुखउपजैपीडाउरनाशै ॥ अन्यच्च ॥ क्षारीजलगुडपिप्पलीपावै पीवैवातकफजमिटजावै सेंधाहरडजवायणपाय सुंठवर्चलेताहिमिलाय समयहचूर्णतप्तोदकसंग खावैवातकफशूलसुभंग ॥ चौपई ।
आमशूलापित्तसंयुतजोय सर्वउदरपीडाकरैसोय सन्निपातआमहिमिलजोय उदरसर्वपीडाकरसोय

॥ अथकफपित्तशूललक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कुक्षिहृदयअरुनाभिमंझार कफअरुपित्तकोशूलविचार

॥ अथपित्तकफद्वंद्वजशूलचिकित्सा ॥

॥ अथक्वाथ ॥ चौपई ॥ पटोलजुत्रिफलापीसमंगावै क्वाथवनायमषीरामिलावै पीवैतांकोंउठपरभात शूलपित्तकफकृतमिटजात जोकफवातआममिलजावें इतनेठोरोंदुःखउपजावें नाभितलेअरुकंठमंझार हृदयपार्श्वमोंकरेसंचार कफपित्तशूलआमप्रगटावै दाहतापहृदनाभिकरावै

॥ अथवातपित्तशूललक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दाहअवरज्वरकरेजुनित्त वातपित्तकोशूलसोमित्त ॥ अथशूलउपद्रव ॥ चौपई ॥ अतिपीडातृष्णाअरुकास हिडकीगुरुतामूर्छाश्वास उदरअफाराअरुचिविनलहिये शूलउपद्रवएतेंकहियें

॥ अथपित्तवातद्वंद्वजशूलचिकित्सा ॥

॥ अथक्वाथ । चौपई । कुशाकाशभषडेजुउशीर कंड्यारीदोइठानोधीर इक्षुअवरएरंडकोमूल यहसबऔषधलेसमतूल क्वाथकरैशर्करामषीर पायपीवैसनहोममवीर पित्तवातकृतशलनसावै वंगसेनमतअैसेंगावै

॥ अथसाध्यअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ एकदोषकरसाध्यकहावै कष्टसाध्यदोइदोषजनावै तीनदोषयुतअहैअसाध्य ऐसें वर्णोशूलउपाय

॥ अथपार्श्वशूललक्षणमाह ॥

॥ चौपई ॥ कफअरुमरुतइकट्ठेजवै कुक्षिपार्श्वमोस्थितहोतवै गुडगुडशब्दजुकरेंअफार आमकोरोकरखेंसुविचार सूचीन्याईतिसपीडाहोवत मुखपसारकरश्वाससुलेवत कवींआरामनहोवेमनमे दिनरात्रिनिद्रानासेतनमे ऐसेलक्षणजिसकेजाने पार्श्वशलातिसपुरुषकोमाने

॥ अथकुक्षिशूललक्षणमाह ॥

॥ चौपई ॥ कुपितवायुमिलआमकेसाथ अग्निरोकराखेसुनगाथ कुक्षिमेप्राप्तहोयस्थिरात वातशोषस्तंभकेरेदिनरात भोजनअन्नपचेतिसनाहि ऊर्धश्वासवहुआवेताहि फुनिमुनिपीडितकरहैशूल निद्रावैठणसुखनिर्मूल ऐसेलक्षणजासमेंजानो कुक्षिशूलियहनरहिपछानो वातआमतेउत्पतियास ग्रंथकारमतकियोप्रकास

॥ अथहृदयशूललक्षणमाह ॥

चौपई कफतेपित्तजुरोकतजाय रसतेंमूर्छितवायूआय सोवायूस्थितहृदयजवहोय तातेंशूलकरेनितसोय ऊर्धश्वासहृदिरोधजनावे हृदयशूलतिसनामकहावे रसअरुवाततेंउत्पातिजाने वंगसेनमतकह्योसुमाने

॥ अथवस्तिशूललक्षणमाह ॥

॥ चौपई ॥ संरोधकरवायुकोपैजवै वास्तिनमोस्थितहोवेतवै वस्तिकुक्षिनाडिनकोरोकै शूलअत्यंतप्रगटतनुटोकै विष्टामूत्रवंधकोकारण वास्तिशूलकरनामउचारण

॥ अथमूत्रशूललक्षणमाह ॥

। चौपई । मारुतकुपितहोतहैजवै नाभिकुक्षिपार्श्वरोकहैतवै यारोकनतेंमूत्रनहिसरै मूत्रशूलवायुसंगधरै

॥ अथकोष्ठशूललक्षणमाह ॥

॥ चौपई ॥ रूक्षअन्नपानरजोकरहै मारुतकोपकोष्टताकरहै रोकतकोष्टइस्थिरतिहिहोय अग्निवंधकरकोपैसोय नाडीगणजांवंधसुकरै कोष्ठशूलनामतिंहिधरै

॥ अथविट्शूललक्षणमाह ॥

॥ चौपई ॥ दक्षिणकुक्षिवावांईओर पवनसंचारकरहैकुपिछोर सर्वअंगमोविस्तृतहोय आमग्रहणकरफिरहैसोय शीघ्रअंगसवकरैप्रवेश शब्दकरेअतितृषाविशेष भ्रममूर्छादुष्कृतप्रगटावे मूत्रसरें फुनशांतिनआवै विट्शूलसोप्रगटमहान वैद्यपरमइहकियोवखान

॥ अथसामान्यशूलचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथसहकाथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ हिंगुहरडसौंचलविडआनो सेंधातुमरूइकट्ठेठानो अरुताहींमोंपुष्करमूल चूर्णकरैसवहीसमतूल दसमूलीयवकाथहिसंग पीवैहोयशूलसबभंग शूलपार्श्वहृदकटित्र-

रूपीठ तंद्राआपतानकसुनईठ एतेवातशूलमिठन्नांहि निश्चयमांनोशंसैनांहि अन्यच्चवातशूलनिरूह अवरविरेचनजानसमूह क्षीरमधुरयुतकीजैपान पित्तशूलकोकरहैहान कटुकतिक्तकरकीजैकाथ कफजशूलहरहैतिससाथ ॥ अन्यच्चचूर्ण ॥ चौपई ॥ तुंबरूहरडहिंगुयवक्षार तीनोलवणजवायणडार सुंठविडंगजुपुष्करमूल यहसबऔषधलेसमतूल त्रिवीत्रिगुणसंगपीसमिलावै एरंडतैलसोंवटीकरावै तप्तोदकसोंपीवैतास शूलगुल्मवातकफनाश विष्ठामूत्ररोधकोशूल एतेशूलहोंहिनिरमूल ॥ अन्यच्च ॥ हरडतुंबरूहिंगुमिलाय पुष्करमूललवणत्रैपाय यहसमचूरणपीसैकीजै यवकेक्काथसाथनितपीजै शूलसमस्तगुल्मरुजजाय वैद्यकमतयोंकह्योसुनाय ॥ अन्यच्च ॥ सौंचलहिंगुसुंठसमआनो पीसोनीकैचूरणठानो सुंठकाथसंगपीवैतास शूलवातकफउदरविनाश हृदयपार्श्वपृष्टकोशूल विष्टामूत्ररोधनिरमूल अवरविसूचीरोगनसाय यातेंशूलभगेंमनल्याय ॥ अन्यच्च ॥ एरणतैलहिंगुसमआने सौंचललवणतासमोंठाने क्काथसुदशमूलीसंगपीवै अफाराशूलनाशतवथीवै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ एरंडइंद्रयवपुष्करमूल हिंगुपतीसवचकरसमतूल करैक्काथव्याधीयोपीवै आमशूलकफकोहतथीवै ॥ अन्यच्च ॥ विजोरारससुहांजणेकाथ मधुयवक्षारपीजियेसाथ पार्श्वहृदयनाभितलशूल पीवतहोइजावैनिरमूल ॥ अथघृतम् ॥ चौपई ॥ विजोरेरसमोंघीउपकावै हिंगुलवणसंयुक्तपिलावै उष्णकरेताकोजोपीवै विष्टारोधशूलहतथीवै कुक्षिहृदयपार्श्वकोशूल निश्चयजानोहोइनिरमूल ॥ अथभाफ ॥ चौपई ॥ यवपुनर्नवाएरंडआम अलसीबीजकपासहिंठान कांजीसोंसुमिलायउबालै भाफखेददेवस्त्रसुघालै वातशूलवृद्धजोहोय यातेंनाशहोइहैसोय ॥ अथयवागू ॥ चौपई ॥ मघांसुंठअरुपिपलामूल चित्राचवकलेहुसमतूल पाययवागूमध्यपकावै खावैशूलहरअग्निवधावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हिंगुतुंबरूत्रिकुटापाय जवायणचित्राहरडमिलाय तीनोलवणजुदोनोक्षार यहसमचूरणकरोसुधार प्रातःकालतप्तजलसंग शूलविष्टामूत्ररोधहोइभंग ॥ अन्यच्च ॥ बिल्वमूलएरंडअरुचित्रा सुंठहिंगुसेंधासुनमित्रा चूरणकरैसमसबहिमिलाय तप्तनीरसोंजाकोंखाय शूलव्याधितत्क्षणमिटजावै दुःखमिटेतनुसुखप्रगटावै समस्तशूलमिटजावैतास बंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ गौमूत्रसोंहरडपकावे पुनसुकायकरचूरणबनावे लोहचूरणअरुगुडसमभाय खावैसर्वशूलमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ चित्राहिंगुककुष्टयवक्षार सेंधायहसमचूर्णसुधार विजोरेकोरसपायजुखावै शूलअवरदुःखलिफनसावै ॥ अथधूपः ॥ चौपई ॥ सत्तूअरुकटुतैलमिलावै कंबलरोगीपरउढावै धूपदेयव्याधीकोंजोय शूलनाशतासकोहोय ॥ अन्यच्च ॥ इनउपायकरशूलनजाय वस्तिकर्मतिसवैद्यकराय वस्तीकर्ममोंतैलप्रमान नारायणीप्रसारणीमान इनतैलनसोंवस्तीकरे सर्वशूलतातेंपरिहरे ॥ अथहिंग्वादिवटिका ॥ चौपई ॥ हिंगुअवरसौंचलदोइक्षार पाठाअवरलवणत्रैडार यहसबसमलेचूरणकरै लसुणरसहिंविटकाकरधरै खावैहृदयशूलमिटजाय पार्श्वशूलकुक्षिशूलमिटाय ॥ अथएरंडादिघृतम् ॥ चौपई ॥ एरणमूलदोइकंड्यारी गोधुरअरुपुनर्नवाडारी अवरहिइन्हसबकोलेमूल लेयसुकायपीससमतूल पुनहिंविदारीमहासहा बलाशतावरिक्षुद्रासहा हंसपदीचित्राजुमृणाल जीवकऋषभकुशातिहधाल सहदेवीसबकोसममूल क्काथकरैशास्त्रअनुकूल पादशेषरहैताहिछनावै विजोरेकोरससमजुमिलावै तांकेसमघृतपायपकाय खाययथाबलहर्षबढाय सर्वप्रकारशूलहोयनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश यहघृतकृष्णात्रयऋषिकह्यो लोकहितारथयाकोंलह्यो ॥ अथवीजपूरादिघृतम् ॥ ॥ चौपई ॥ वीजपूररहसनअरुबला एरंडगोधुरपंचपंचपला प्रस्थएकयवजलमोपाय द्रोणएकपरिमा-

णधराय क्वाथपादशेषजबरहै कर्षकर्षयहऔषधगहै तुंबुरूहरडाहिंगुत्रिकुटाय सौंचलविडसैंधापुनपाय यवकोनीरजोसज्जीचार अमलवेतयहसबसमडार प्रस्थएकघततामोपावै प्रस्थएकदधिमंडमिलावै मंदअग्निसोंताहिपकाय देखेआपनोबलतिसखाय वातशूलत्रिदोषजशूल पार्श्वशूलहोवैनिरमूल शूल-कलेजेकोमिटजावै आंत्रशूललिफगुल्ममिटावै यहघृतयाज्ञवल्क्यमुनिभाष्यो लोकनकोहितउरधरआ-ष्यो ॥ अथशूलघृत ॥ चौपई ॥ जितोप्रमाणप्रथमघृतआनै चतुर्गुणरसजुविजोराठानै वदरीफलअरु-मूलीमूल इनकाक्वाथपायसमतूल तासमदाडिमकोरसपावै पुनयहचूरणताहिमिलावै विडंगजवायण-लवणजुचार पंचकोलतामोपुनडार अरुपावैपाठाकोमूल यहचूरणठानोसमतूल मंदअग्निसंगताहि-पकावै बलअनुसारताहिकोखावै हृदयपार्श्वशूलमिटजाय श्वासकासहिडकीनरहाय गुल्मअफारा-अवरप्रमेह अर्शवातव्याधिमिटतेह ॥ इतिसामान्यशूलचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथपरिणामशूलनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ जोनिदानशूलमोंकहिये सोऊप्रणामशूलमोंलहिये इन्हकरवातकुपितसदाई रहैस-मीपनदूरकदाई कफपित्तआश्रयहोयसोवात शूलसुकरहैदुःखउपजात भुक्तअन्नपचनेतेआद होत-प्रणामहिशूलविषाद ॥

॥ अथलक्षणम् ॥

चौपई उदरअफारापीडाहोय कंपपुरीषमूत्रवंधसोय इन्हलक्षणकरलषोसुजान शांतसनिग्धउष्णाभ-क्षमान यहवातजप्रणामहैशूल पैतिककोयेंभाषोमूल पीडादाहतृटस्वेदतनमानो सलवणअमलकटु-षांयेजानो शीतलवस्तूतेसुखहोय पित्तपरिणामजानियोंसोय कफजप्रणामशूलयोंलहिये छर्दमो-हृद्दरोधभनैये पीडाशूलअलमसीहोय दीरघकालरहैहैसोय कटुतिक्तखायहोयतिससांत कफज-प्रणामलखोइसभात मिलतचिन्हजांहूमोंलहियें प्रणामशूलत्रिदोषजकहिये

॥ अथपरिणामशूलअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ प्रणामशूलत्रिदोषजजोय क्षीणमांसबलअग्निजोहोय सोअसाध्यमनमांहिलहीजै इन्हलक्षणतेंसमझपतीजे

॥ अथपरिणामशूलचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमजुलंघनरुजियेकराय वमनविरेचनपाछेवनाय वस्तिकर्मपाछेकरलीजै इस-विधरुजकोनाशकरीजै

॥ अथवमनप्रकारः ॥

॥ चौपई ॥ रसतरुनिंबहिंवमनकरावै वाकटुतुंबीरसलपपावै वापटोलपत्रनरससाथ वाजुक-रेलेरससुनगाथ अथवासंगमोचरसजान क्वाथमैनफलसाथपछान क्वाथमैनफलदुग्धरलावै ताके-संगजुवमनकरावै अरुरेचनकरवावैतास सोऔषधकरिहोपरकाश

॥ अथरेचनविधिः ॥

चौपई दंतीत्रिवीजुएरंडतेल रेचनकरवावेयहमेल अन्यच्च श्यामत्रिवीजुदंतीआनै अम्लतासमुंठकौडजु- ठानै हरडनीलिकाचूरणकीजे एरंडतैलवातैलसोंपीजे होयविरेचनतिसकेसाथ नाशप्रणामशूलसुनगाथ

॥ अथविडंगादिमोदक ॥

॥ चौपई ॥ विडंगकूटतंडुलत्रिविलीजे त्रिकुटाचित्रादंतीकीजे चूरणकरगुडसाथमिलाय यथा- वलतासगुटीवंधवाय प्रातकालतप्तजलसंग खायप्रणामशूलहोइभंग अग्निवधैवहुभूषलगावै ऐसो- तांकोगुणदरसावै ॥ अन्यच्च ॥ सुंठअवरगुडइहसमलेय कूटकृष्णतिलसाथमिलेय दुग्धसाथत्रैरातप्र- यंत खायप्रणामशूलकोअंत ॥ अथचूर्ण एरणफुलचित्राअरुगोखुर अरुपुनर्नवापीसताहिधर सीपभि- स्मतासभोदेय यहसबसमकोचूर्णकरेय दधिमिलायतप्तोदकसंग पीवैप्रणामशूलहोइभंग ॥ अन्यच्च केवलसीपीभस्मकरावै तप्तनीरसोप्रातपिलावै प्रणामशूलभाग्योकहुंजावै ऐसोगुणतांकोदरशावै ॥अ- न्यच्च सीपीभसमपुनत्रिकुटालीजे पांचलवणसमचूरणकीजे वागुटिकाकरप्रातहिखाय भोजनसमय- तप्तजलभाय होइप्रणामशूलकोनाश दुःखनाशैसुखकरैप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ विष्णुक्रांतकोमूल- पिसावै घृतशर्कराजुताहिरलावै दुग्धसाथपीवैनरजोय नाशप्रणामशूलकोहोय ॥ अथशंवूकादि- मोदक ॥ चौपई ॥ सीपीभस्मतीनपलआन दोयपललोहचूरणतिहठान रसौंतएकपलपलजुमनूर सबसमनाशर्करापूर मधुमिलायमोदकयहकरै खायप्रणामशूलयहहरै गुल्महृदयकोशूलमिटावै शोथपार्श्वशूलनरहावै उदरशूलभ्रमअर्शविनाशै क्षामकृच्छ्रप्रमेहजुनाशै अंडवृद्धअश्मरीविडारै स्मृती- भ्रंशपीनसकोटारै अर्धशिरामंदाग्निहोएदूर एतेरोगकरैयहचूर ॥ अथकृष्णादिलेह ॥ चौपई ॥ मघांहरी डलोहकोचूरण यहसममधुघृतसोंकरपूरण नितचाटैः णामकोशूल निश्चयजानोहोइनिरमूल ॥ अथप- थ्यादिलेह ॥ पथ्यासुंठलोहकोचूरण चाटैसमघृतमधुकरपूरण होइप्रणामशूलकोनाश दुःखनाशैतनु- सुखपरकाश । त्रिफलादिलेह । चौपई ।त्रिफलालोहचूरणजुमुलट्ठ मधुघृतसोंसमकरोइकट्ठ प्रातहिउ- ठनितचाटैतास होइप्रणामशूलकोनाश अथचतुषसमलेह ॥ चौपई ॥ अभ्रकताम्रलोहअरुपारा पलप- लयहलीजैंसुनप्यारा इन्हकोंशोधमारकरलीजे द्वादशपलघृतमाहिमिलीजै अरुद्वादशपलदुग्धामिलावै मंदअग्निसंगताहिपकावै पाछेंत्रिफलाचित्राआन त्रिकुटाअवरविडंगपछान यहपलपलतिहपीसरलावै सुंदरवासनमाहिधरावै शुभदिनपूज्यसूर्यगुरुलेय मद्यघृतमधुसोंपानकरेय मासाइकप्रथमाहिंदिनखावै मासेअष्टतकताहिवधावै नलेररसवापयअनुपान इन्हसोंखावैवडीविहान पुरातनवासमतीकेचावल दु- ग्धसाथखावैजुयथाबल अथवामांसरसेकेसाथ खावैपथ्यलहोयहगाथ प्रणामशूलहृदयकोशूल पार्श्व- शूलहोवैनिरमूल आमवातकफशूलविनाशै गुल्मशूललिफशूलहिंनाशै मंदाग्निछर्दईकलेजेशूल कुष्टश्वा- सकोनाशैमूल कासविचर्चिकापथरीजाय मूत्रकृच्छ्ररुजनाहिरहाय अथभक्तवारीगुटिका चौपई ॥ त्रि- वीजुचित्रात्रिफलाआन त्रिकुटामुस्थरसमलेठान यहसमभागपीसलेधरो अर्धभागपारातिहकरो अभ्र- कवायविडंगहिमान द्विगुणभागताकोंतिहठान अर्धभागफुनगंधकपावे लोहचूर्णदोभागरलावै पीस- इकत्रकरइन्हकोसांधे त्रिफलाकाथसोगुटकेबांधे भक्तउबालजलसोंयोजान गुटिकाखावैवलअनुमान प्र- णामशूलअरुपंक्तीशूल त्रिदोषजशूलहोयनिरमूल अमलपित्तछर्दज्वरनाशै कुक्षिशूलहृदयशूलविनाशै

पार्श्वशूलनाभीतलशूल गुदाशूलकासनिरमूल श्वासकुष्टग्रहणीहोइदूर कलेजेलिफशूलहोइचूर राजयक्ष्मरोगनरहावै रोगजांहिव्याधीसुखपावै अथसमुद्रादिचूर्ण चौपई समुद्रलवणसेंधादोइचार सौंचलहिंगुअवराविडडार दंतीलोहचूर्णजुमनूर अभरकत्रिवीसमपीसोपूर दधिगोमूत्रचतुर्गुणपाय दुग्धचतुर्गुणपायपकाय मंदअग्निसंगताहिपकावै यथावलततोयसंगषावै पथ्यसमांसरसघृतसोंखाय प्रणामशूलहृदशूलमिटाय नाभिशूलजुकलेजेशूल गुल्मशूलकोनाशैमूल शूलसमस्तलिफहरैसोय ऐसीऔषधअवरनकोय॥ अथपिप्पलीघृत ॥ चौपई ॥ पिप्पलीगुडघृतयहसमलेय दुग्धचतुर्गुणतामोदेय पुनदधिमूत्रदुग्धकेसाथ पकावेघृतपुनसुनयहगाथ मंदअग्निसोंताहिपकावै षायप्रणामशूलमिटजावै ॥ अन्यच्च ॥ पिप्पलीघृत मघकोकल्कभलर्कीजैक्काथ घृतजुपकावैतांकेसाथ सोघृतमधुयुतदुग्धसंगपान प्रणामशूलकोकरहैहान ॥ अन्यच्च ॥ मघकोकल्कअरुक्काथकराय घृतअरुचीरसमतासमिलाय मंदअग्निसोंताहिपकावै खावैशूलप्रणामहिलजावै अथलोहगुटिका चौपई ॥ लोहचूर्णभागलेतीन तीनभागत्रिफलापरवीन अष्टभागगुडसंगामिलावै चतुर्गुणगुडतेंमूत्रलावै मंदअग्निसोंताहिपकाय गुटिकाबांधैसुष्टवनाय गुटिकानित्ययथावलखावै प्रणामशूलततच्छणभगजावै ॥ अथभीमवटकमंडूर ॥ चौपई मघांसुंठचित्रायवचार कंकोलीपिप्पलामूलसुडार यहसमस्तपलपलइकलीजै सबसममंडूरतांहिमेंदीजै मूत्रअष्टगुणपायपकाय चारटंककोवटकबनाय भोजनअंतप्रथमतिसखावै भोजनसर्वजुखायपचावै घृतवादुग्धमांसरसजान औषधखावैइन्हअनुपान प्रणामशूलततच्छणहोइनाश समस्तप्रकारशूलसुविनाश

॥ अथक्षीरमंडूर ॥

॥ चौपई ॥ मंडूरअष्टपलतोलमंगाय आढकइकगोमूत्रमिलाय प्रस्थदुग्धमोपायपकावै खायप्रणामशूलमिटजावै

॥ अथशतावरीमंडूर ॥

॥ चौपई ॥ अष्टपलशुद्धमंडूरमंगावै रसशतावरीअष्टपलपावै दुग्धअवरदधियहजोदोय अष्टअष्टपलपावैसोय गोघृतपावैपलजोचार पकायलेयधरपात्रसुधार प्रथमहिंअरुभोजनकेअंत बलअनुसारखायलखतंत प्रणामशूलअरुसबहीशूल निश्चयजानोहोइनिर्मूल

॥ अथमंडूरशुद्धकरणविधिः ॥

चौपई। सातवारमंडूरतपावै तपायतपायदुग्धमोंपावै सोमंडूरशुद्धभयोंजान सबऔषधमोतांकोठान

॥ अथतारामंडूर ॥

॥ चौपई ॥ विडंगचवकचित्रात्रिफलाय अरुत्रिकुटाकोतामोंपाय इनकेसममंडूरामिलावै मूत्रदुगुणतासमगुडपावै मंदअग्निसोंताहिपकाय सनिग्धपात्रमोंधैरवनाय भोजनप्रथमअंतपुनखावै वलअनुसारखायसुखपावै सर्वप्रकारशूलहोइनाश पांडुकामलाशोथविनाश मंदअग्निक्रामिअर्शानिवारै ग्रहणीगुल्मभ्रमलपित्तटारै अवरस्थूलतातांकीजाय शुष्कशाककटुअमलनखाय दाहकअवरजुवस्तुअनेक खावैनाहिसुधारविवेक यहमंडूरतारानेकह्यो लोकाहितारथयांकोलह्यो ॥ अथत्रिकुटादिमंडूर ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलाचवकाविडंगी चित्राजीरामुत्थरशृंगी कलौंजीधनियांअरुसुरदार तुंबुरुदंतीग्रंथिकडार गज-

पीपलअरुत्रिवीमिलावे एलादालचीनीपुनपावे लोहचूर्णअरुपत्रतमाल यहसबअर्धअर्धपलडाल गंध-कपाषाणभेदअरुकेसर कर्षकर्षयहऔषधतिंहधर पलपचीसशुद्धमंडूर सूक्ष्मपीसकरोसोचूर प्रस्थआ-मलेकोरसठान प्रस्थभांगुरारसपहिचान मूत्रअष्टपलपायपकावे मंदअग्निसोसिद्धकरावे याकोंनित्य-यथाबलखाय प्रणामशूलआदिकनरहाय ग्रहणीगुल्मलिफक्रमिनाशैं पांडुकामलाअर्शविनाशैं कुष्ट-शोफस्थूलताजावे अरुचिवातपित्तकफनरहावे अंधकारकोसूर्यप्रकाश तैसेंरोगहोंहियहनाश ॥ अ-थनारकेललवण ॥ चौपई ॥ नारकेलकोदुग्धकढावे तामोलवणजुपायामिलावे मंदअग्निसोंताहिपकाय खायप्रणामशूलमिटजाय ॥ अथलोहगुग्गुलु ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटामुत्थरविडंग पुष्करवरचमुल-हसिंग अरुचित्रायहसबसमआन इकइकपलइन्हकोपरिमान लोहचूर्णअष्टपललेय गुग्गुलुचूर्णअष्ट-पलदेय सबयहपीसेमधूमिलाय चाटेप्रातप्रणामनसाय पांडुहलीमकशोथविनाशें आमवातविषमज्व-रनाशें गुल्मरोगकोंहोइहैनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथआमलकखंड ॥ चौपई ॥ अर्धतुलाकूष्मां-डउबाले निपीडपायघृतभुंनधरावे अर्धतुलाभरखंडमिलाय अर्धप्रस्थआमलरसपाय प्रस्थएककूष्मांड-रसठान मंदअग्निसोंकरोपकान पाकऊपरहीआवैजवे दोदोपलयहपावैतवे मघपीपलसुंठीअरुजीरा पीसपायतामोसुनवीरा तालीसपत्रमरचांअरुमुत्थर चतुर्जातयहइकइकपलधर अर्धप्रस्थमाष्योंजुमिला-य राखैनित्ययथाबलखाय प्रणामशूलत्रिदोषजशूल अमलपित्तछर्दनिरमूल मूर्छाश्वासकासमिटजावे अवरअरुचिहृद्शूलमिटावे पृष्ठशूलरक्तपित्तनाशे बंगसेनयोंप्रगटप्रकाशे यहऔषधजुरसायणजान निश्चयमनमोयाकोंठान ॥ इतिप्रणामशूलचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथअन्नद्रवशूललक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पचैंअपचैंअन्नजोरहै पथ्यअपथ्यमांहिजोलहै भोजनविनभोजनहोइजोई नेमसहि-तनितउपजेवोई अन्नद्रवसोशूलकहायो जोनिदानमतभाषसुनायों ॥ दोहा ॥ शूलऔशूलप्रणामको-विवरणकह्योसुनाय जैसेकह्योंनिदानमोंभाषारचीवनाय.

॥ अथअन्नद्रवशूलचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तजअन्नद्रवशूललषावे वमनश्रेष्टताकोंलखपावे कफजअन्नद्रवशूलजुहोय रेचनकरवावैनरसोय आमस्थानशुद्धहोइजवे अन्नद्रवशूलशांतिहोइतवे ॥ अथअवलेह ॥ चौपई ॥ धात्रीफलकोचूरणकीजे मुलट्ठीलोहचूर्णसमदीजे मधुमिलायकरचाटैजोय अन्नद्रवशूलशांतितवहोय ॥ अन्यच्च ॥ अन्नद्रवशूलयुक्तनरजोय तवतकस्वस्थनाहितिसहोय जवतकअन्नअम्लकटुपीत छर्दयनाहिनसुनयहमीत ॥ अथसत्तूप्रकार ॥ चौपई ॥ सांडकतंडुलभूनपिसावे वाकोद्रवतं-डुलमनल्यावें वाकंगुणीकेचावलमान इन्हकेसत्तूकरैसुजान दुग्धशर्करापायसुखावे अन्नद्रवशूल-तुरतमिटजावे कोद्रवसांडककंगुनीलयाय इनकेतंडुलशुद्धकराय दुग्धसाथंजोक्षीरबनावे खावेअन्न-द्रवशूलनसावे ॥ अन्यच्च ॥ पित्तअधिकतेजांकोहोय यवलाजासत्तूकरसोय पायशर्कराखावे-तास अन्नद्रवशूलहोइतेनाश ॥ अन्यचच ॥ कफीकुलथवाचणेपिसावे खंडमेलकरसमयह-खावे अन्नद्रवशूलहोइहैनाश दुःखनाशैतनुसुखपरकाश ॥ अन्यचच ॥ लेपटोलकोकीजैक्वाथ चणेसत्तंखावैतिससाथ अन्नद्रवशूलनिवारणहोय निश्चयमनमोंजानोसोय ॥ अन्यच्च ॥ कनक-

सत्तूंकीमांडकरावै घृतगुडपायजुरोगीखावै अन्नद्रवशूलहोइहैशात निश्चयमानोयहवृत्तांत ॥ अन्यच ॥ इक्षूरसअरुशर्करापाय दुग्धद्राक्षरसतासामिलाय विधिवतपीवैतांकोजोय अन्नद्रवशूलशांतितिसहोय मूत्रकृच्छ्रअरुअश्मरीनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यउपाय ॥ कूष्मांडसमगुडजुमिलावै खायअन्नद्रवशूलमिटावै ॥ अन्यच ॥ शूरणकंदकोचूरणकीजै तांकेसमगुडतामोदीजै निजबलदेखताहुकोंखाय अन्नद्रवशूलतुरतमिटजाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हरडआमलेनिंबकेपत्तर यहसमचूरणकरोइकत्तर गुडामिलायकरयांकोंखावै अन्नद्रवशूलतासकोजावै ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाआनोअवरमंडूर समलेपीसोकरहोचूर मधुमिलायकरचाटैसोय शांतअन्नद्रवशूलसुहोय गुडहरीतकीआमलेजान पलपलइनकालेजुप्रमान मंडूरपलत्रयतासमोपाय मधुघृतलीजेतांहिमिलाय अत्तप्रमाणखावेनितजोय अन्नद्रवशूलशांतातिसहोय हरितापित्तअम्लपित्तकोनाशन प्रणामशूलजोवर्षविनाशन ॥ अन्यच्च ॥ कलापचूर्णदोइभागपिसावै मंडूरचूर्णइकभागमिलावै करेलेरससोंमर्दनकरै कर्षप्रमाणगुटकाकरधरै खायअन्नद्रवशूलनसाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय यापरश्रेष्टपुरातनघीय निश्चयजानोअपनेजीय ॥ इतिअन्नद्रवशूलचिकित्सासमाप्ता ॥ दोहा ॥ शूलऔरप्रणामशूलकीकरीचिकित्सागाम आगेयांकेपथअपथभाषोंसुनोंसुजान ॥ इतिशूलप्रणामशूलअन्नद्रवशूलचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथसमस्तशूलरोगेपथ्यापथ्याधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ शूलरोगकेपथअपथातिन्हकोसकलप्रकार सुनहोचतुरमनमेधरोविधिसोंकरोंउचार ! अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ वमनविरेचननिद्राखेद लंघनतैलमांडलषभेद तप्तदुग्धवनमृगपक्षिणमांस वर्षपुरातनशालीतास पाचनवस्तुसमस्तपछांनो पटोलसुहांजणाबाथूमानो वृं..ककरेलेद्राक्षभनीजै कपित्थतैलएरंडलषीजै समुद्रलवणविडलवणप्रमाण सौंचललवणहिंगुपुनजान लवणलौंगतप्तजलजोय जंभीरीरसगुडकुठसोय लघुअरुक्षारवस्तुहैजेती सहितजवायणपथलखतेती ॥ दोहा ॥ शूलरोगकेपथजितेसबहीकहेसुनाय वरणयोसकलअपथ्यअबसुनहोमनचितलाय ॥ दोहा ॥ कुष्टीमत्स्यशालीद्विदल चर्याकोंइस्त्रीभोग यहसेवेरुजवृद्धहोय तातेंवर्जनयोग ॥ अथापथ्यम् ॥ चौपई ॥ विरुद्धअन्नपानलषपावो दृढआसनजागरणसुनावो शीतलगुरुवस्तूकोभोजन मैथुनशोकक्रोधलहुसोजन विष्टामूत्रवेगकोरोकन अरुव्यायामअपथ्यलषोमन ॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यजुशूलकेभाषेभलीप्रकार सुनसमझोमनलायकैवैद्यसदाउरधार इतिशूलरोगपथ्यापथ्यंसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ शूलरोगवरणनकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यवषान इतिशूलप्रणामशूलादिकरोगाधिकारःसमाप्तः

॥ अथशूलरोगकर्मविपाक ॥

॥ चौपई ॥ आचार्य्यपंडितगुरुनार तिनकेहीसंगकरैसंचार सोनरभोगेअधिककलेश रोगशूलतिंहकरैप्रवेश ॥

॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ पात्रसुवर्णवाचांदीतामर तामोंरतननौधरैइकत्तर नवग्रहकाजपहोमहिकरै विधिविधानसोंयज्ञशुभधरै ताहिपात्रदेवैद्विजदान रोगशूलहोयतिहिहान ॥ दोहा ॥ शूलरोगवरणनकियोकारणसहितउपाय गुल्मरोगवरणनकरोसोसुनलेमनलाय ॥ इतिकर्मविपाकः ॥

॥ अथशूलरोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ अष्टमहोइजुचंद्रमाकर्कटमंगलवास दृष्टीहोवेचंदकीमगलकेपरतास सोनरकारणइहकरे-चंद्रपूजसनमान मंगलपूजाविधिकरेशूलरोगहोइहान ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथान्यप्रकारसोजफिफरेदी ॥

॥ चौपई ॥ सोजाफिफरेवीचपछानो जातुलरीहनामकरमानो मोरकानामतापसंगहोई कठिनश्वासतंगीकेसोई बातकरतलालमुखताही फिफरेछातीपीडानाही जातुलजंवपीडप्रघटावे सज्जीभुजातेंरुधिरछुडावे पछमारकरासिंगीलावे हुकनारेचककरसुखपावे मैदाखंडगावघृतपावे लपसीदूधहरीराखावे ॥

॥ अथरोगपीडाद्रूणीकी ॥

॥ चौपई ॥ पसलीपीडाद्रूणीकहिए जातुलजंवफारसीलहिए सोजरुधिरकफहूंकीजानो अथवासोजपित्तकीमानो पसलीकाइकपडदाहोई कलेजेसंगमिलाहैसोई तहांसोजपीडाप्रघटावे शीघ्रयतनकरदूरहटावे नागरकुठागिलोईआनो तगरमोथाचंदनठानो वालासोसनकीजढल्यावे पतीसकोंहतांसंगरलावे साडेत्रैत्रैमासेल्याय चारसेरजलकाथबनाय एकसेरजवहीरहजावे पुनकरमिसरीमेलपिलावे जेकरतापदूरनाहोई ताहियतनहुकनाकरसोई जेकरसोजावाहिरआवे पसलीऊपररंगलालदिखावे ऊपरलेपकरेसुखहोई वैठेवापकजावेसोई राईईसवंदवाल्यावे वाकिक्करजढलेपकरावे मूसलीजढचिट्टीहैसोई खजूरागिटकवामेथीहोई करेलेपवामर्दनभावे सोजदूरवायत्नमदिखावे यत्नमहोएतवऐसाकीजे मखीरयत्नमकेवीचहिंदीजें सकलदोषवाहिरउठआवे वदामखरवूजाखंडखुलावे पालकसिरकावाकलाजोई ऐसाभोजनअतिहितहोई शिरऊपरजलकवहुनपावे सोहानीकरखेददिखावे जेकरद्रूणीकफकीहोई पीडाकालकमतीसोई तीक्ष्णहुकनातांहिकरावे मुनक्कासौंफअंजीरमंगावे चौदाचौदामासेलीजे आठसेरजलतामेंदीजे एकोसेरकाथरहजावे पीवेकफजपीडहटजावे द्रूणीरुधिरदग्धकरजानो पीडाअधिकतापसंगमानो ऐसाभेदअसाध्यकहावे रुधिरछोडवादाघलगावे सकलभेदकीपीडाहरिए विनायतनकैसेंसुखकरिए ॥

॥ अथरोगकरडीसोजफिफरेदी ॥

॥ चौपई ॥ करडीसोजफिफरेहोई दवीलाशुशनामाकहुसोई दूसरनामवर्मशुशजानो करडीसोजपीडसंगमानो पीलारंगदेहकाहोई उठकरआपचलेनाहिसोई थोडातापसंगहोजावे वासलीककारुधिरछुडावे पछकरेगुरदेपरसोई ढाईपसलीऊपरहोई करेयतनदुखदूरनमानो तांहियतनऐसापहचानो आदितवारसूत्रलेकोई नीचेकमरलपेटेसोई गोडेतकदृढवंधनपावे करेयतनदुखदूरहटावे जैसेधनुषखैंचकरकोई लपटेवंधनतैसाहोई खब्बीपिंनीपछकरावे श्यामरुधिरअतिहीनिकसावे लालरुधिरनिकसावेजवहि खोलेसूत्रतांहिछिनतवहि खिचडीभोजनतांहिखुलावे सातवारइहयतनकरावे करेयतनदुखदूरनहोई करेदोषफिफरेपरसोई जढअसगंधतांहिमंगवावे तुंमेकीजढसंगरलावे पीसेरसवांसासंगपाय पीवेसोजतांहिछिनजाय सर्षपरगडनीरसंगसोई करेलेपफिफरेसुखहोई एक-

भारपुठकंडाल्यावे छायावीचसुकायजलावे घडाएकछिद्रकरनीचे भस्मसोईधरतांहूवीचे नीचे-औरघडाइकहोई ऊपरवस्त्रतांहुपरसोई तौफुनिभस्मवीचजलपावे चोग्राविधिवतनीचेग्रावे दिव-सतीनलगऐसाकरिए टपकाजलअगनीपरधरिए जलेनीरसोघनाहोजावे तौफुनिश्रौषधश्रौरमिलावे सिंधूलूणसेरइकलीजें सज्जीपाडोएकभरदीजें नुसादरग्राधसेरसंगपाय ग्राधसेरजौखारमिलाय धनि-ग्रात्रिफलाजीराल्यावे ग्रजुग्राइनमुत्थरत्रिकुटापावे वावडिंगमुत्थरसंगपाय तोलाडेडडेडमंगवाय राईग्राधसेरसंगपावे करचूरनफक्कीनितखावे तोलाढूडनित्यप्रातिसोई सेवेसोजफिफरेकीखोई तिली-जिगरकीसोजहटावे गोलापेटजलोदरजावे गोघृतग्रथवासंगरलावे सेवेसकलसोजहटजावे छोरेकाफुनिलूणमंगावे लोहपात्रमेपायपकावे काचपात्रमेराखोसोई सेवेप्रातदोषहरहोई सज्जी-त्रिकुटातांहिमंगावे जौखाराचित्रासंगपावे सरहलवीजमंगावेसोई सीसालूणताहिसंगहोई समुंदर-लूणसोईसंगपावे तोलाडेडडेडसमल्यावे करइकत्रचूरणहितहोई तोलाढूडसेविएसोई गोघृत-तोलेतीनमिलावे प्रतिदिनसेवेसोजहटावे सोजापीडाफिफरेजोहोई करेयतनहटजावेसोई ॥

॥ ग्रथरोगहृदयपीडा ॥

॥ चौपई ॥ हृदेवीचजवपीडालहिए दर्ददिलनामफारसीकहिए सनौवरीसकलहृदेमेजानो पीडातहांग्रसाध्यपछानो औरहेतुकरपीडाहोई ग्रामाशयदोषग्रौरवाकोई हृदेवीचगरमीलखपावे लच्छणतापपीडप्रघटावे ऊचास्वासउोलंवहोई करेयतनहटजावेसोई सज्जीभुजतेंरुधिरछुडावे ग्रमल-तासलैंरेचकभावे कद्दूतरखीराजोहोई इनकाजलपीवेनरसोई हिंदुग्रानेकाजलतांहिपिलावे ऐसे-शीतलनीरसुखावे धनिग्रांपुष्पगुलावमंगावे वंशलोचनतांहूसंगपावे सतसतमासेलीजोसोई कपूर-एकमासासंगहोई करइकत्रफक्कीवनवावे साडेत्रैमासेनितखावे गोकीछाछपिलावेकोई वानिंवू-रसग्रतिहितहोई मुलट्ठीतवासीरमंगवावे ग्रामलेत्रैत्रैतोलेपावे वूकामोतिग्रानोसोई साडेत्रैत्रैमासे-होई करइकत्रचूरणवनवावे साडेत्रैत्रैमासेखावे शीतलजलसोंसेवनकरिए हृदयपीडताही-छिनहरिए रोगीसवलवैद्यलखपावे गर्मनीरमेतांहिविठावे ग्रजादूधगोकामंगवावे तिरिग्रादूध-गधीकापावे करइकत्रपीवेनरकोई प्राताकालहृदेसुखहोई तपेदिक्ककायतनपछानो सोई-कराहिरदेसुखमानो सरदीतरीग्रधिकहैजांको करेवमनसुखहोवततांको जेकरखुशकीग्रधिकदिखावे मिसरीघृतवाखंडखुलावे ॥

॥ ५५ ॥ ग्रथरोगसंभ्रमहृदेका ॥

॥ चौपई ॥ तवेहृदाग्रतिखेददिखावे रहेतापमनव्याकुलभावे गरमीग्रधिकहृदेमेहोई तवे-हृदासंभ्रमलखसोई दोषकलेजेहोवतजांको हृदेपहुंचदुखहोवततांको वाग्रामाशयदोषजोहोई निकसेहुग्राडकोपकरसोई तवेहृदासंभ्रमतवजानो वामभागपरपीडामानो ग्रसाध्यरोगताहीक-रहोई करेयतनहटजावेसोई दोतोलेकाहजुग्रानमंगावे कपूरमुंगजडसंगरलावे वूकामोतीग्रा-नोसोई कच्चारेशमतासंगहोई दसदसमासेतोलमिलावे डिडतोलागिलग्रर्मनीपावे फडकडी-

भुनदसमासैपाय दसमासेधनिआहुरलाय वीजसंभालूमुत्थरआनो तवासीरसोसंगपछानो सत-
सतमासेतोलमिलाय दोमासेकर्पूररलाय पीसछानचूरनजवहोई मासेसातसेविएसोई मिस-
रीसर्वतचासवनावे ताहिसंगसेवेसुखपावे औरनेकविधऔषधहोई सेवनकरेहरेदुखसोई आमाश-
यनिर्वललखपावे तांहियतनकरदोषहटावे आमाशयशुद्धकलेजाहोई करेयतनदुखत्यागेसोई ॥इति-
श्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांशूलरोगाधिकारकथनंनामएकोनात्रिंशोऽधिकारः २९



॥ अथगुल्मरोगनिदाननिरूपणम ॥

॥ दोहा ॥ गुल्मनिदानवखानहोसुनलीजैचितधार समभ्रुचिकित्साजोकरै होयनदेहविकार ॥ चौपई ॥ दुष्टदोषवातादिकहावै मिथ्याहारविहारलषावै पांचप्रकारगुल्मउपजावत ग्रंथरूपउदरप्रगटावत शीतगुल्मकेपांचोस्थान पार्श्वहृदयनाभिथलमान नभितलेभीगोलाहोय हृदयनाभिमध्यलषसोय ग्रंथरूपवर्तुलसोकहिये चलभीहोअचलपुनलहिये वातपित्तकफतैहोइसोय सन्निपाततेंभीसोहोय पुरुषनकोयहचारप्रकार रक्तहुतेंइस्त्रियहिविचार असेंपांचप्रकारवषाने नारीपुरषकोंलषमाने ॥ अथगुल्मपूर्वरूपं ॥ चौपई ॥ वहुतडिकारवहुतविष्टाऊ तृष्णारहैअसमर्थलषाऊ आंद्राकूजअफारारहै गुडगुडशब्दउदरजिसगहै अन्नपाककीशक्तिनहोय पूर्वरूपतिसजानोसोय ।

॥ अथगुल्मसामान्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अरुचीअवरआनाहपछान विष्टामूत्रजोकष्टसोंजान तातेंजानलहोसवकोय अंतरकूजनतांकोहोय पवनगतीऊर्ध्वगतजोई इहलक्षणगुल्मीकेहोई ॥

॥ अथवातजगुल्मकारणम् ॥

॥ चौपई ॥ अधिकरौक्ष्यअन्नअरुपान समर्थविरुद्धजुचेष्टाठान विष्टादिवेगरोकनतेहोवत वहुरेचनमलक्षयतैजोवत शोकअवरजोव्रतनिराहार इन्हतेवातजगुल्मविचार अरुअभिघातहुतेंभीजान वातजगुल्मसोकीनवषान ॥

॥ अथवातजगुल्मरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ रहेकदाचितनाभिमंझार पार्श्वकदाचितकरैसंचार कवहूंनाभीतलेउठधावै अल्पकदाचितवडोलषावै वर्तुलकभीदीरघकभीहोय अल्पकभीवहुपीडतसोय गुल्ममुखसूकेदेहोडस्याहि लालरंगभीहोवैतहि शीतज्वरहोवेतिसहिमंझार कुक्षिपार्श्वमुंहढेदुखकार भोजनपचैकोपकोधरै भोजनकियेमृदुलताकरै कटुतीक्ष्णकाषायजोखावै वातजगुल्मदुखउपजावै ॥

॥ अथवातजगुल्मचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वातजगुल्मआयासलषपावै वैद्यस्वेदास्विन्नतालुकरावे अवरस्निग्धजुरेचनजाने वस्तिनिरूहअनुवासनमाने वीजपूरकारसनिकसावै विडसेंधादाडिमहिंगूपावै यहसमसुरामंडसोंपीवै वातजगुल्मनाशतवथीवै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ अर्धपलसुंठदोयपलचित्रा पलपलतिलगुडकरोइकत्रा तसदुग्धसोपीवैजोय गुल्मउदावर्त्तशूलहतहोय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हिंगुदाडिमसोंचलअरुनागर अमलवेतयहपीसोसमकर प्रातहिउठजोयाकोखाय गुल्मश्वासहृदरोगमिटाय ॥ अन्यच्च॥ चौपई ॥ सज्जीकुठकेतकीयवक्षार यहसमलीजैपीससुधार तिलनतैलसोपीवैजोय वातजगुल्मनाशतवहोय ॥ अन्यउपाय ॥ एरंडतैलसममद्यमिलाय पीवैगुल्मवातमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ वाएरंडतैलदुग्धसोंपीवै वातजगुल्मनाशतवथीवै ॥ चूर्ण ॥ चौपई ॥ शिलाजीतअवरयवक्षार यहसमचूरणकरैसुधार पंचमूलकेकाथहिसंग पीवैवातगुल्महोइभंग त्रिफलात्रिकुटाचवकविडंग चित्रा-

धनियालेसमसंग दशमूलीकोकीजैकाथ यहचूरणदीजैतिससाथ यथाक्रमगोघृततासमिलाय मंदअग्निसोंताहिपकाय यथाबलघृतकोकीजैपान वातरोगकोकरहैहान वातगुल्मकोहोइहैनाश निश्चयमनमांआनेतास ॥ अथहविष्यादिघृत चौपई हौवेराचित्रात्रिकुटाय चवककलौंजीसिंधापाय जवायणजीरापिपलामूल यहऔषधलीजैसमतूल चतुर्गुणघृतमोंपायपकावै यवक्षारसंगपीवैदुखजावै पीवैवदरीमूलरससंग वादधिदाडिमरसदुखभंग वातजगुल्मअफाराशूल योनिरोगअर्शनिरमूल पार्श्वहृदयकोशूलनसावै ग्रहणीश्वासकासमिटजावै ॥ अथचित्रादिघृत ॥ चौपई ॥ चित्रात्रिकुटासैंधालीजै चवककलौंजीदाडिमदीजै जवायणचित्रापिपलामूल हौवेरधनियांसमतूल इन्हकेसमदधिकांजीपाय वेरमूलरसताहिमिलाय चतुर्गुणघृतसबतैंजुमिलावै मंदअग्निसोंताहिपकावै खावैवातजगुल्मनसाय मंदाग्निअफारशूलदुखजाय॥ अन्यच्च ॥ हिंगुवर्चविडसुंठीजीरा वालाहरीतकीलेसुनवीरा कुंभनिकुंभतासमोंडारे चूर्णक्रमजुविवर्द्धसुधारे तप्तोदकसोंकीजैपान कोष्टजरुजकोकरहैहान गुल्मोदरकोदूरनिकारे जैसेंगजगणसिंहनिवारे ॥ अन्यच्च वातगुल्मपित्तकुपितहिजास वैद्यकरावैरेचनतास दोषहरणशुभवस्तूदेवै अथवारक्तजुमोक्षकरेवै ॥ अन्यच्च ॥ हरडजवायणमघांपछान सैंधासमयहचूरणठान तप्तनीरसोंचूरणखावै गुल्मवातकफनाशकरावै रोगशत्रुजानोवहुपूर वाणसमूहतेहोवतचूर ॥ अथहिंग्वादिघृत ॥ चौपई ॥ हिंगूसोंचललेयवक्षार दाडिमत्रिकुटाधनियांडार जीराअमलवेतजुकचूर एलाचित्रापुष्करमूर वरचअवरअजमोदालजि यहसमचूरणकठाकीजै चतुर्गुणघृतमोंपायपकावै दधिसोंनित्ययथाबलखावै वातगुल्मकोहोइहैनाश केवलशूलअफारविनाश ॥ अथपथ्यं तीतरमोरकुर्कटकोमास शालीतंडुलपथलषतास ॥ इतिवातजगुल्मचिकित्सा ॥

॥ अथपैत्तिकगुल्मकारणम् ॥

॥ चौपई ॥ कटुअमलोतीक्षणजुविदाही रुक्षूउष्णवस्तुजोखाही अर्कवन्हिसेवैकरैक्रोध अतिमदिरापीवैविनवोध दुष्टरुधिरतेंउत्पत्तिजान आमाविघातहुतेंभीमान ॥ अथपैत्तिकगुल्मरूपं ॥ चौपई ॥ ज्वरतृष्णाप्रस्वेदअरुदाह मुखतनुलालरंगहोइजाह गुल्मसपर्शनसकैहैजोय उदरमंझारशूलकरसोय भोजनपचनेकेसमकाल पीडाहोवतअतिविकराल

॥ अथपैत्तिकगुल्मचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ काकोल्यादिवासादिकजान महातिक्तादिघृतश्रेष्टपछान सोघृतपानकरावैजवहि पित्तगुल्मतिसनाशेतवहि वस्तिकर्मतिसघृतकेसाथ वैद्यकरावैसुनयहगाथ ॥ अन्यच्च ॥ मधुसंयुक्तकंवीलाखाय ताहीसेंरेचनकरवाय पैत्तिकगुल्महोयहैनाश वैद्यकमतयोकीनप्रकाश चूर्णत्रिवीत्रिफलेरससंग प्रातखायहोवेरुजभंग वामिसरीसंगचूर्णखाय पित्तगुल्मतातेंभगजाय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ द्राक्षारसजुहरडरसलीजै गुडामिलायकरतांकोपीजै पैत्तिकगुल्महोयहैनाश दुखजावैतनुसुखपरकाश ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ चंदनद्राक्षजुअवरमुलट्ठ यहसमपीसोकरोइकट्ठ तंडुलजलवादुग्धहिसंग पीवेगुल्मपित्तजहोइभंग ॥ अथत्रायमानादिकघृत ॥ चौपई ॥ त्रायमानपलचारमंगावै दशगुणजलमोंपायपकावै अर्धप्रमानरहेजलजानै तवयहचूरणतामोंठानै कौडमुत्थरालेत्रायमान जवांहाद्राक्षआमलीठान जीवंतीउत्पलकाकोलीचंदन यहसमचूरणकरदुखकंदन रसआमलेदुग्धघृततीन अष्टअष्टगुणपायप्रवीण

मंदअग्निसोंताहिपकावे वलअनुसारानित्यप्रातिखावे पैत्तिकरक्तगुल्ममिटजाय पितज्वरहृदरोगनसाय कुष्टकामलारोगनिवारे एतेगुणयहघृतनिजधारे ॥ अथद्राक्षादिघृत ॥ चौपई ॥ द्राचछुहारेत्रिवीमुलट्ठ त्रिफलाफालसेकरोइकट्ठ कंदविदारीअवरशतावरि यहसबपललेहुवरावरि आढकजलमेंपायपकावे पादशेषआमलेरसपावे तासमघृतअरुदुग्धपछान अरुघृतहीसमइक्षुरसठान चतुर्थभागघृतहरडेंचूरण तांकेमध्यकीजियेपूरण पक्योजुघृतजानेहैजवही मधुशर्करालीजियेतवही चतुर्थभागसबनकोमान घृतामिलायकरकीजैपान पित्तजगुल्मविकारानिवारै यहानिश्चयअपनेमनधारै ॥ अथपथ्यम् ॥ शालीगोवकरीपयपथ्य पटोलछुहारेद्राक्षलषतत्थ दाडिममिसरीफालसेजान यामोएतेपथ्यप्रमान ॥ इतिपित्तजगुल्मचिकित्सा

॥ अथकफजगुल्मकारणम् ॥

॥ चौपई ॥ शीतसानिग्धगुरुभोजनषावे अरुवहुभोजनचिकनाभावे अरुजोदिनमोंवहुतोसोवै कफजगुल्मइन्हकारणहोवै ॥ अथकफजगुल्मरूपम् ॥ चौपई ॥ शूलशीतदेहज्वरहोय गात्रपीडहृदरोधसोय कासअरुचिगौरवताधरै अल्पपीडगुल्मसोकरै गुल्मकठिनअरुऊंचाहोय ऐसोरूपजानहोसोय सबकारणकरसंयुतजोऊ सन्निपाततेंजानोसोऊ सवरूपनकरत्रिदोषजजान ऐसेंभाषैग्रंथनिदान द्विदोषनतेंद्वंद्वजजानै दोषवलावलभलेपछानै समझविचारचिकित्साकरै तनुआरोग्यरुजीसुखधरै.

॥ अथकफजगुल्मचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथलेप ॥ चौपई ॥ तिलएरंडवीजसर्षपजान अरुअलसीसमपीसोआन गुल्महिऊपरलेपनकरै कफजगुल्मयातेनिरवरै लोहपात्रकरसेकजुदीजै कफकोगुल्मताहितेंछीजै ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ पंचमूलसमकीजैकाथ वारुणीमदिरापीजैसाथ कफकोगुल्महोयतवनाश दुखजावैतनुसुखपरकाश ॥ अन्यच्च ॥ जवायणचूर्णतक्रमोंपाय तांकोकरहोकट्ठवनाय विडजोलवणपायकरपीवै कफकोगुल्मनाशतवथीवै ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ चित्राचवकपिप्पलामूल यवक्षारमघसुंठीसमतूल यहपलपलघृतप्रस्थमंझार भलेंपकावैधरैसुधार ताहियथावलानित्यजुषावै कफकोगुल्मनाशसुखपावै ॥ अथत्रिकुटादिघृत ॥ चौपई ॥ प्रथमहिदशमूलीकरकाथ घृतपकायमेलतिससाथ पुनत्रिकुटासैंधायवक्षार दाडिमहिंगुविडतामोंडार वलानिजदेखयाहिकोंषावै कफकोगुल्मदूरभगजावै ॥ अथभल्लातकादिघृत ॥ चौपई ॥ प्रथमहीपलदोइलेहुमिलावै पलपलपंचमूलसंगपावै विदारीगंधाइकपलआन पावैजलआढकपरिमान करैकाथशेषरहैपाद वस्त्रछाणोयहीमिरजाद कर्षकर्षयहचूरणपावै तिन्हऔषधकोंप्रगटजनावै मघांसुंठअरुवरचविडंग सेंधाहिंगुविडचित्रासंग मुलट्ठकचूरअवरजवक्षार रहसनयहऔषधसमडार प्रस्थप्रस्थघृतदुग्धमिलावै पकाययथावलयाकोंषावै कफजगुल्मपांडुलिफनाशै श्वासकासग्रहणीसुविनाशैं ॥ अथमिश्रितघृत ॥ चौपई ॥ दंतीत्रिवीत्रिफलादशमूल यहपलपललेवेसमतूल एकद्रोणजलमध्यपकावे पादशेषरहेवस्त्रछणावे समएरंडतैलदुग्धघृतपाय मंदअग्निसोंताहिपकाय खाययथावलउठपरभात कफजगुल्मलिफकरहेघात अवरहुंभीकफरोगविकार नाशहोंहिनिश्चयमनधार ॥ अथदंतीहरीतकीअवलेह ॥ चौपई ॥ पंजीपलहरडेअनवावे सारीखरलमैचूर्णकरावे पंजीय-

तासमजुमिलावै शुद्धपत्तगुडतासमपावै वहिहरीतकीभीतिहपाय अर्धकुडवतिलतैलमिलाय अर्धअर्धपलमयअरुनागर त्रिवीचारपलताहीमोंधर मंदअग्निपकायतिंहधरै अर्धकुडवमधुतामोंकरै शीतलजानमच्छीरमिलावै कर्षकर्षयहचूरणपावै एलाकेसरअरुदालचीनी पीसरलावैपुरुषप्रवीनी पलप्रमाणचाटैनितसोय हरडएकसेवेदुखखोय पाकरमुखसोंरेचकरावै गुल्मशोथअर्शमिटजावै पांडूअरुहृदरोगविनाशें ग्रहणीकामलाविषमज्वरनाशें लिफअफारानाशेएह निश्चयआनोमनमोंतेह ॥ अथपथ्यं ॥ शालीसठीतंडुलपुरान वनमृगपच्छीमासप्रमान कुलत्थतैलघृतमघांलहीजै पथ्ययाहिकेसमझपतीजे ॥ इतिकफजगुल्मचिकित्सा ॥

॥ अथरक्तजगुल्मकारणम् ॥

॥ चौपई ॥ नवपरसूतानारीजोय करैअहितभोजनकोंसोय जववहिगर्भत्यागकरदेय ताकोंरक्तवातगहिलेय अरुऋतुसमयरक्तसोहरै रक्तजगुल्मप्रगटसोकरै गुल्मसोदाहपीडयुतहोय पित्तसमानचिन्हलषसोय गर्भभयेजिसचिन्हलखाही तैसेचिन्हतिसगुल्मदिखाही ॥ अथगर्भचिन्ह ॥ चौपई ॥ मुखजलचलेउदरहोइभारी मुखअरुस्तनहिंकृष्णताधारी थुकथुकिहोइअरुचितातास गुल्मरक्तमोंभीयोंभास ॥ अथरक्तगुल्मअसाध्यलच्चणं ॥ चौपई ॥ महावायुक्रमकरजवजोय शूलसहितजुइकठीहोय नाडिनकरसोऊवद्धादिषावै कूरमइवउन्नतदरशावै दुर्वलताहृदरोधलषैये कासअरुचिताछर्दलहैये ज्वरतृष्णातंद्राजुजुकाम लहोअसाध्यतासकोनाम जवज्वरश्वासहोयअतिसार अरुहृदयनाभिकरपदमंझार इन्हठौरनमोंसोजाहोय मरणतासानिश्चयकरसोय

॥ अथरक्तजगुल्मचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ स्निग्धप्रस्वेदितदेहलखेजब स्निग्धविरेचकरावेसोतब रक्तजगुल्मजुतियकोंहोय दशमासउप्रंतचिकित्सासोय काहेगर्भहोयजोतास गुल्मचिकित्सासोंहोइनाश जोवहुधापीडालषपावै दशमासहिंमध्यचिकित्साभावै वुद्धिअनुसारविचारैवैद करैचिकित्सामिटहैखेद ॥ अथचूर्ण ॥ ॥ चौपई ॥ शतावरीकरंजुत्वचाजुभिडंगी दारहलदमघपीपलचंगी यहसमस्तसमचूरणकीजै तिलकेकाथसाथयहपीजै रक्तजगुल्महोयहैनाश पुष्पनष्टपुनकरैप्रकाश केवलजोमदिराकरपान होवैरक्तगुल्मकीहान ॥ अथअन्यउपाय ॥ लेअश्वगंधकोचूरणकीजै त्रिकुटापायतिलकाथसोंपीजै दिवसतीननारीजवपीवै रक्तजगुल्मतासहतथीवै गर्भविकारहोयतिसनास गर्भधरेमनहोयहुलास ॥ चौपई ॥ अमलतासकीफलीमंगावै तागुडलेशरकरामिलावै खावैरक्तजगुल्मनसाय यहभीचित्तमोंलषोउपाय ॥ अथपलासच्चारघृत ॥ चौपई ॥ पलासवृच्छभस्सजलच्चार तासोंतासमघृतपुनडार मंदअग्निसोंताहिपकावै खावैरक्तगुल्ममिटजावै ॥ अथकल्हारघृत ॥ चौपई ॥ कल्हारजुउत्पलपद्मनुआवै कुमदमुलष्टगणजीवनीपावै इन्हसमकोकीजेजोकाथ घृतसमपावैताकेसाथ खावैरक्तजगुल्मसुविडारै रक्तपित्तपुनरोगनिवारै दाहतृषाज्वरछर्दविनाशै एतेरोगयाहितेंनाशै गुल्मजुयाहिचिकित्सासंग जोनहिंहोवेतनुतेंभंग तोउष्णोषधताहिखुलावै रक्तगुल्मकोवेधकरावै निकसेरक्तगुल्मतवनाशै दुखमिटेतनुसुखपरकाशै जोअतिहोवेरुधिरप्रवाहि रक्तपित्तहरऔषधताहि अवरवातहरकरैउपाय इन्हतेंरक्तगुल्ममिटजाय ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटागुडभार्गीघृतलीजै तिलकेकाथसंगतिसपीजै पुष्पविकारस्त्रियाकोहरै रक्तजगुल्मताहितेंटरै

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ महापीडगुल्मजोकरै पाषाणन्यायकठिनताधरै अरुपाषाणइवऊचोहोय दारुण-शीघ्रदाहकरसोय तनुकोवलअरुअग्निनिवारै ताकोंशास्त्रअसाध्यउचारै

॥ अथत्रिदोषजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तीनदोषकेलक्षणयास गुल्मत्रिदोषकियोपरकास अवरात्रिदोषजअहैअसाध्य ऐ-सेंभाषीगुल्मउपाध्य त्रिदोषजगुल्मजासतनुजाने वैद्यचिकित्सातिसनहिमाने दैवयोगतेंकरहेजा-स देजवाबवंधूरुजीतास त्रिदोषहरणहैवस्तूजेती जामोऔषधकरहैतेती

॥ अथत्रिदोषजगुल्माचिकित्सा ॥

॥ अथहिंग्वादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ हिंगुहरडत्रिकुटाहौवेर अजमोदापाठाअजगंधाहेर अमलवेत-तिंतडीकचूर दाडिमधनियांपुष्करमूर चित्राजीरादोनोक्षार पांचोलवणचवककवचडार यहसमचूर्ण-पीसवनावै उष्णतोयसोंयाकोंखावै अथवामदिरासोंयहपीवै त्रिदोषजगुल्मनाशतंवथीवै नाभीहृद-यपार्श्वकोशूल गुदायोनिकोशूलनिर्मूल मूत्रकृछ्रअर्शलिफहान ग्रहणीपांडुअरुचिहरमान हिकाहृद-यरोधजुअफार गलग्रहश्वासकासनिरवार अथवारसजुविजोरासंग गुटिकाचूर्णवांधैरुजभंग ॥ अ-न्यच्चहिंग्वादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ हिंगुचवककवचपिपलामूर धनियांचित्राहरडकचूर तुंवरुजीरादोनो-क्षार पायतिंतडीदाडिमडार वलाभिडंगीमरचविडंग अमलवेतगजपीपलसंग पंचकोलपुष्करसुरदा-र अजवायणसमचूर्णसुधार रसजुविजोरामेलसुखावै ततनीरवामदिराभावै तक्रसाथवापायघृतसं-ग वाकुलत्थरससोंरुजभंग गुल्महृदयकटिशूलविडारै मूत्रकृछ्रअर्शकोंटारै राजयक्ष्मअरुनाशै-श्वास जायअफ्ररामिटहैकास ॥ इतित्रिदोषजगुल्मचिकित्सा ॥

॥ अथसर्वगुल्मसामान्यचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ पक्कीईंटकोसेकदिवावै स्वेददेयपुनगुल्मवंधावै वेधनाडिमध्यभुजकीजै सर्वगुल्ममोहि-तलषलीजै पिपलामूलमघसुंठीचित्रा चवकक्षारदोयपंचपलमित्रा सुहागादशपलसवसमकीजे शु-क्तिचूर्णसवअर्द्धहिदीजे पंचलवणयाहीपरमाण पलपलातिनकोलेहुसुजान पक्वदृढसुकूष्मांडहिलीजे चूर्णसोंपूरणतिहकीजे मुखरोकेदृढवस्त्रवंधाय पुनमृत्तिकापुनवस्त्रालिपटाय इसप्रकारसतवारसुकरै पुन-सुकायगजपुटमोधरै भस्मजानसीतलउद्धरिये विधिसोंपीसशुभचूरणकरिये तक्रसाथकर्षनरखाय हो-यजितेंद्रियपथ्यधराय गुल्मजलोदरशूलनिवारै अर्शविटबंधउदवर्तविडारै मंदाग्निक्रिमिप्लीहकोरोग मू-ढगर्भतिरियाकोंसोग श्वासकासपींडासबनासे कुष्मांडक्षारकरजगतप्रकासे ॥ गुटिका ॥ चौपई ॥ पाठारजनीविडत्रिकुटाय निकुंभीचित्राअरुत्रिफलाय यहसमचूर्णकरोवनाय गूत्रपायकरखरलकराय घणाहोयगुटिकाकरखावै गुल्मालिफमंदाग्निमिटावै । अथचूर्ण । चौपई हरडहिंगुविडपुष्करमूर तुंव-रूसेंधास्यामापूर सुंठअवरपावीयवक्षार पीसोसवसमलेहुसुधार घृतसोंभूंनसुचूर्णलीजे यवकेक्काथसं-गसेंपीजै इसकरगुल्मभेदचलजावै वंगसेनयोंप्रगटसुनावै । अन्यच्च । चौपई । हरडहिंगुवचसेंधाडार जवायणअमलवेतयवक्षार यहसमचूरणपीसवनाय तप्तजलसोंदिनसातजुखाय नाशेगुल्मअग्निवधआवै

दुखनाशैरोगीसुखपावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ हरडसगुडवात्रिवीसनागर वात्रिवीदंतिसैंधावचर्चधर अरु-गुगुलसमचूरणकीजै मद्यदुग्धवातासोंपीजै लाक्षारसवागूत्रहिंसंग पीवैसर्वगुल्महोइभंग ॥ अन्यच्च ॥ चित्रात्रिकुटादोनोच्चार नीलीपांचलवणसमडार पीजैचूरणघृतकेसंग सर्वगुल्मकोहोईहैभंग ॥ अथ-दधिघृत ॥ चौपई । विडसैंधादाडिमत्रिकुटाय चित्राजीराहिंगुमिलाय सौंचलसरीषवृक्षत्वचपावै औषध-सवहीपीसमिलावै अमलवेतअरुदोनोच्चार पीसविजोरेकोरसडार घीउचतुर्गुणसबतैंपावै दहीच-तुर्गुणपायपकावै वलअनुसारजुखावैतास होवेसर्वगुल्मकोनाश ॥ अथनीलनीघृत ॥ चौपई ॥ नी-लनीत्रिफलारहसनआन वलाकौडव्याधीपुनठान वाय विडंगपलपलसबआनो आढिकजलसौंकाढा-ठानो पादशेषरहिताहिछनाय प्रस्थएकतामोंघृतपाय प्रस्थएकदधिपायपकावै प्रस्थआमलेरसतिंह-पावै पुनपकायकरधरैवनाय यवागूमंडसोपलनितखाय गुल्मकुष्टशोथमिटजावै श्वेतकुष्टज्वरपांडुन-सावै लिफअफारानाशैएह निश्चयआनोमनमोंतेह

॥ अथवचादितैल ॥ चौपई ॥ वरचमैंनफलएलाकुष्ट सैंधापुष्करमूलमुलट्ठ दोइकाकोलीमेदा-दोय मुस्थरपाठाजीराहोय जीवंतीजुभिडिंगीचंदन कायफलसरलवृक्षदुखकंदन अगुरविल्वआंवअस-गंध चित्रावृद्धकरोंसवंध अमलतासमघात्रिवीविडंग यहऔषधपीसोइकसंग पंचमूलरसदुग्धसमतेल पायपकाइषायदुखठेल गुल्मसमस्तअफाराजाय अर्शअग्निमंदनरहाय ग्रहणीमूत्रकृच्छ्रहोइनाश अवरहुं-वातजरोगविनाश ॥ अथहिंग्वादिवटिका ॥ चौपई ॥ हिंगूत्रिकुटावरचकचूर अजमोदाधनियांतिहपूर अजगंधादाडिमतिंहपाय पाठातिंतडीचवकमिलाय चित्रासैंधासौंचलजान अमलवेतविडसज्जीठान हौवेरजीरायवच्चार हरडापिप्पलामूलसुडार पुनतिंहडारोपुष्करमूल लीजैऔषधसबसमतूल आद्रक-रससोंखरलकराय विधिवततताकेसंगरलाय खरलविजोरेरससोंकरे वटिकावांधपात्रमोंधरै खाययथा-वलगुल्मसमस्त नाशहोहियहलषोप्रशस्त हृदयरोगअरुचिअरुश्वास अरुमिटजावैतनुतेंकास ॥ अथकं-कायणगुटिका ॥ चौपई ॥ त्रिवीपांचलवणयवच्चार यहसमऔषधपलपलडार हिंगुडारियेकर्षजुतीन समुझलीजियेपुरुषप्रवीन दंतीचित्रासुंठपछान अमलवेतपुष्करसमठान दोदोपलयहपांचलहीजै अव-रऔषधीसोलषलीजे जवायणजीरामरचांआन धनियांगिरिकर्णिकापछान कलौंजीअजमोदायहसात अर्धअर्धपलयहाविख्यात हरडविडंगदाडिमयहतीन दोदोपलपावोपरवीन पीसविजोरेरसकेसाथ गुटि-कावांधेलषयहगाथ वलअनुसारउष्णजलसंग वाघृतदधिसोंषाइदुखभंग वामदिरासोंकीजैपान होयसम-स्तगुल्मकीहान कंकायणगुटिकायहकह्यो समस्तगुल्मभेदकसोलह्यो अर्शहृदयरोगकृमिरोग ग्रहणीरो-गहरनयहयोग गोमूत्रहिंसोंषावैजोय कफकोगुल्मनाशतवहोय दुग्धसाथपीवैजोतास होवेपित्तगुल्मको-नाश मदिरासाथजुयाकोंपीवै वातजकफजगुल्महतथींवै त्रिफलारसगोमूत्रमिलाय तासोंषायत्रिदोषज-जाय दुग्धऊंटणीसोंजोषावै रक्तगुल्मइस्त्रिनकोजावै ॥ अथसंखद्रावरस ॥ अन्यच्च ॥ तिलअश्वत्थथो-हरअर्कल्याय वृक्षामलीचित्राफुनपाय अपामार्गइनभस्मकरीजै सेरसेरसवभस्मलहीजै जलमोघो-लछानकरलेय काढलूनसमताहिकरेय चिटामहुरादोयच्चारसुहागा समुद्रलूनहरतालसमभागा समुद्र-फेनकाहीअरुशोरा हिंगुणलूणपंजशंखसुजीरा काचपात्रमोतांकोपाय अमलद्रव्यसतदिनदेचाय फुन-आढकजलतामोंपावै वरुणयंत्रसंगअर्कखिचावै निर्मलजलतिहिप्रस्थसुलेय शीशीपायकरताहिभरेय खाइरत्तीत्रैदंदनछुहाय पानपत्रपुनलेयचवाय सबधातुनकोद्रावनकरै गुल्मप्लीहसबशूलहिहरै

अजीर्णमंदाग्निरोगहरेय शंखकौडीकोंगालसुदेय वैद्योंकाजीवनइहजान शंखद्रावरसकियोवखान ॥ अथआरोग्यलवण ॥ चौपई ॥ आपामार्गवीजपलएक पलइकतालमषाणविवेक थोहरअर्कदुग्धयहदोय पलपलभरलीजेंसुनसोय अवरविजोराकोगडजान चित्रासर्षपतिलनालसमान करैदग्धसबभस्मसुलीजै पुनयहचूर्णतामोंदीजै त्रिकुटाचित्रापिपलामूल मूर्वापाठापुष्करमूल कुठकरंजूकौडपतीस विल्वचवकलेतामोंपीस भिलावेपांचलवणदोयच्चार समचूरणकरतामोडार गोबककरीभेडदुग्धघृततैल यहसमस्तसमतामोमेल मृदुलअग्नीसोंताहिपकावै शीतलकरैयथावलषावै मादिरासोंवाकांजीसंग वासहमूत्रषायरुजभंग वहुचिरकालीगुल्मविनाशै शूलवातरुजकफरुजनाशै पांडुपलीहाहोइहैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथहिंग्वादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ हिंगुजवायणविडअरुनागर जीराहरडपुष्करकुठधर भागोत्तरयहचूर्णसुकरै उष्णतोयसोंनितआचरै गुल्मअजीर्णविसूचीजावै दुखनाशरोगीसुखपावै ॥ इतिचिकित्सासमाप्ता

॥ अथगुल्मरोगेपथ्यापथ्यअधिकारानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ गुल्मरोगकेपथअपथसुनहोवैद्यसुजान वरणोंभाषासुगमकरजैसेंशास्त्रप्रमाण । अथपथ्यम् ॥ चौपई ॥ स्वेदअवरघृतपानवषान्यों रेचनतैलतिलोंकामान्यों लंघनवस्तीकर्मलहीजे मर्दनशिरभुजउदरभनीजै तैलाभ्यंगकुलथरसजान वर्त्तीकार्मखंडभच्छणमान तंडुलरक्तपुरातनकहिये गोवकरीकोदुग्धलहैये द्राचमुनक्कासुंठकहीजे अवरजुपथ्यसोऊलषलीजे निर्जलथलमृगपच्छीमास तिन्हकोरसहैपथसुखतास धात्रीफलगलगलजुअनार तक्रएरंडतैलमनधार लरसणवालमूलिकाकहिये जंगाहरडवडिहरडभनैये हिंगुविजोरात्रिकुटालह्यौ वाथूअरुसुहांजणाकह्यौ दीपनलघुसानिग्धजोवस्त उष्णावस्तुपुनलषोप्रशस्त वातअवरकफहरताजोय पथ्यगुल्मरुजलषहोसोय ॥ दोहा ॥ गुल्मरोगकेपथ्यसबभाषसुनायेतोहि अवसुनलेकुअपथ्यजोवर्णनकरहों ॥ अथअपथ्य ॥ चौपई ॥ वातजसबोंअन्नअरुपान अवरसमस्तमासकोजान वडीमूलिकायवअरुमाष शुष्कशाकमधुरफलभाष अरुकांविजगुरुवस्तुजुजेती गुल्मरुजीकोंअपथ्यलषतेती विष्टामूत्रअवरअधोवात रोकनवेगअपथविख्यात मुंडनअरुशीतलजलपान गुल्मअपथ्यकरैव्याख्यान ॥ दोहा ॥ गुल्मरोगकेपथसबहीकरेवषान वैद्यचतुरसोईजानियेपहिलेंलषैनिदान ॥ दोहा ॥ गुल्मरोगवर्णनाकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवखान ॥ इतिगुल्मरोगःसमाप्तः ॥

॥ अथगुल्मरोगदोषकारणउपायनिरूपणम् अथकारणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोछलभलकरब्राह्मणवित्त हरलेवेजेऊसुनमित्त तिसकोंगुल्मरोगप्रगटावै असैंतासउपायवतावै ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ स्वर्णमूर्त्तिगणपतिवनवावै चतुर्भुजदीर्घदांतकरवावै स्वर्णयज्ञउपवीतधराय अवरस्वर्णकोअश्ववनाय धान्यराशिपरतिन्हेंविठावै पीतवस्त्रऊपरउढावै दोनोंकोंपूजैहितलाय गणपतिमंत्रकरहवनकराय शुक्लचतुर्थीदिनमंभार सदचिणविप्रहिंदेयउदार गुल्मरोगतेंमुक्तसुलहै कर्मविपाकग्रंथयोंकहै दोहा गुल्मरोगकेदोषकोंभाष्योंभलेंवनाय उदावर्त्तकेरोगकोंभाषोंसुनाचितलाय

॥ अथगुल्मरोगज्योतिषम् ॥

॥ दोहरा ॥ जोकूरूरग्रहकेविषैमध्यपडैगोचंद ऐसाजोगजुहोइतक्तांकोगुल्मप्रबंध व्याधीभोगै-अवश्यकरश्वासकासफुनरोग औरप्लीहफुनविद्रधीचारोरोगसंजोग वलीदेहिसोक्रूरग्रहजांतेरोगानिवार विधिविधानजपहोमकरज्योतिषकंहैविचार ॥ इतिज्योतिषम् ॥ १ ॥ इति श्रीचिकित्सासंग्रहे श्री-रणवीरप्रकाश भाषायां गुल्मरोगाऽधिकारकथनंनामत्रिंशोऽधिकारः ॥ ३० ॥



॥ अथउदावर्तरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उदावर्तकेरोगकोंभाषोंसुनोनिदान ताकोसमझोचित्तमोंजांकेबहुतेस्थान ॥ चौपई ॥ रूक्षकसेलाकौडाखाय कोपकरेतबहृदयकोवाय रोगउदावर्तप्रगटजोकरे भावप्रकाशमतसोउच्चरे वातमूत्रपुरीषजुवारी रुधिरकफइनवहजोनारी सोअतिमलउदावर्ताहिकरे ऊर्द्धगतीमलवाहरसरे तातेंउदावर्ततिसगायो वैद्यग्रंथमतसोईवतायो.

॥ अथअनुक्रमणिकालक्षणम् ॥

॥ चौपई अधोवातअरुमूत्रविटसरे छिक्कावीर्यक्षुधभणकरे तृषाश्वासछर्दजुडिकार इन्हेंरोकनउदावर्तविकार निद्रारोकनतैंभीहोय उदावर्तयोंजानोंसोय.

॥ अथउदावर्तरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उदावर्तरुजकीकहोंसमझचिकित्साजोय वंगसेनशुभग्रंथमोजैसेभाषीसोय.

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ उदावर्तरोगीजोहोय ऐसेलक्षणलक्षितजोय हृदयपेटपीडापहिचान अरुचीभारीदेहपछान अधोवातमलमूतरजोय बडेकष्टकरउत्तरेसोय श्वासकासपीनसअरुदाह मोहतृषाज्वरहिडकीताह मस्तकरोगवमनमनधार हौलदलीअतिवातविकार तृषावहुतअतिहीतनुक्षीण चिकित्साताऽसनकरैप्रवीण विष्टावमनकरैहोयशूल तासचिकित्साहैनिरमूल ऐसेलक्षणजाकेपैयत सोअसाध्यउदावर्तकहैयत.

॥ अथचिकित्साप्रकार ॥

॥ चौपई ॥ उदावर्तसमस्तप्रकार वातचिकित्सातामोंसार जिसकरवातस्वमार्गीहोय उदावर्तरुजकोंसोखोय.

॥ अथअधोवायुकेउदावर्तकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ विष्टामूत्रअवरअधोवात इहरोकनतेंयहउत्पात उदरपीडअरुहोतअफार इहविधिजानोंतासविकार केवलअधोवातजुरुकावै वातजरोगताहिप्रगटावै.

॥ अथअधोवातउदावर्तकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ केवलस्नेहपानकरवावै अधोवातउदावर्तमिटावै.

॥ अथमलरोकनेकेउदावर्तकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ केवलविष्टारोकनकरै ऊर्द्धवातताकोंसंचरै गुडगुडशब्दउदरमेहोय कर्त्रिकन्यायशूलकरैसोय तातेंविष्टामुखनिकसाय उदावर्तऐसेलखपाय.

॥ अथमलरोधउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जिसेमुखसेविष्टानिकसाय उदावर्तविष्टासुकहाय वस्तीकर्मअवरपुनचार यहकरवावैतांउपचार.

॥ अथमूत्ररोकनेकेउदावर्तकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ मूत्ररोधजेऊकरवावै ऊर्ध्ववाततताकोंप्रगटावै वक्षनमाहिजुहोतअनाह मूत्रजुउतरेकष्टसंताह नाभितलेअरुलिंगस्थान तातेंशूलप्रगटयोंजान अरुशिरपीडाहोतीरहै उदावर्तलक्षणतिसकहै

॥ अथमूत्ररोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ उदावर्तमूत्रजिसहोय सौंचलमदसोंपीवैसोय वामुसक्करमदिरासोंपीवै उदावर्तमूत्रहतथीवै ॥ अन्यच्च ॥ अर्जुनकाथसंगरसकंज्यारी पीवैहोयताहिहितकारी ॥ अन्यच्च ॥ एर्वारुबीजरसआनै लवणमिलायपीवैसुखमानै ॥ अन्यच्च ॥ इक्षुरसहिंशर्करामिलाय पीवैसोरोगीसुखपाय ॥ अन्यच्च ॥ द्राक्षारसअरुदुग्धमिलावै पीवैसोव्याधीसुखपावै ॥ अन्यच्च ॥ पंचमूलसंगदुग्धतपाय पीवैरोगीदुःखमिटाय चिकित्सामूत्रकृच्छ्रअश्मरी सोभीयामोंहैंहितकरी

॥ अथछिक्कारोकनेकेउदावर्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ छिक्करोकउदावर्तलखाय शिरदुःखअरुगरदनअकडाय अंगमर्दइंद्रियनिर्बलता यहलक्षणताअहैंसकलता

॥ अथछीकरोधउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ छीकरोधतेजोलखलीजै तासचिकित्साऐसेकीजै नकछिकणीआदीनसवार छिक्करावैमिटैविकार

॥ अथवीर्यरोधजउदावर्तलक्षण ॥

॥ चौपई ॥ वीर्यरोधउदावर्तजुसोय शोथमूत्रथलगुदमोंहोय पीडामूत्ररोधहोइतास पथरीरोगउपजहैजास होवतवीर्यस्रावपुनयाको कुंडलवातरोगहोएतांको

॥ अथवीर्यरोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वीर्यरोधतेंजोप्रगटावै तांकोइस्त्रीसंगकरावै अरुवुटणाअरुतैलाभ्यंग जलावगाहनहोइरुजभंग कुकुडमासशालीमदपान मैथुनदुग्धपानरुजहान

॥ अथक्षुधारोकनेकेउदावर्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ क्षुधारोधउदावर्तकहावत निद्राअंगमर्दप्रगटावत मंददृष्टिअरुचिश्रमहोय ऐसेलक्षणजानोसोय

॥ अथक्षुधारोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ क्षुधारोधतेंउपजैजोय सनिग्धवस्तुतृप्तकरसोय भोजनउष्णअल्पजलपान यांतेंहोएरोगकीहान

॥ अथजृंभारोकनेकेउदावर्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जृंभारोधउदावर्तहैजास ग्रीवाअकडजायहैतास गलरोकसीसकोहोयविकार मुखनासाकर्णनेत्रसंचार

॥ अथजृंभारोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जृंभाउदावर्तजिंहहोय स्नेहमर्दनअरुस्वेदहिसोय स्नेहकरैपाछेउपचार रुधिरमोक्षताकोहितकार

॥ अथतृषारोधजउदावर्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तृषारोधउदावर्तकहावै कंठहृदयमुखशोषलषावै हृदपीडाश्रवणसुनेनहितास याकेलक्षणअसपरकाश

॥ अथतृषारोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ तृषारोधतेउपज्योजानै दधिकोमंडतासहितमानै यवागूशीतलकरजुपिवाय उदावर्ततृषारोधमिटाय

॥ अथश्वासरोकनेकेउदावर्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ करैश्रमादिकजोअनुसार रोधश्वासउदावर्तसंचार हृदयरोगगुल्मअरुमोह ऐसेलक्षणजानोसोह

॥ अथश्वासरोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ श्वासरोधउदावर्तलखावै ताहिवैद्यविश्रामकरावै स्वादवस्तुकफहरजुखुलाय श्वासरोधउदावर्तनसाय

॥ अथवमनरोकनेकेउदावर्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वमनरोधउदावर्तजुजोय कंडूअरुचीतडफडीहोय देहव्यंगशोथप्रगटावै कुष्टविसर्पिपांडुज्वरथावै

॥ अथवमनरोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वमनरोधतेंउपज्योजानै वस्तीकर्मस्वेदपुनठानै तोयचतुर्गुणदुग्धमिलाय पीवैउदावर्तमिटजाय

॥ अथडिकाररोकनेकेउदावर्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोडिकाररोधनउदावर्त तांकीऐसेंजानप्रवृत्त कफपूरणमुखकंठजुरहै सूईचुबतकंठमोलहै शब्दकंठमोंहोवैतास अवरविकारवातपरकाश

॥ अथडिकाररोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ डिकाररोधकरप्रगटेजोय छिक्कावैद्यकरावैसोय अरुकफनासकधूमरपान करवावैहोइरुजकीहान

॥ अथनिद्रारोकनेकेउदावर्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ निद्रारोधउदावर्तलषावै ताकेलक्षणप्रगटजनावै जृंभाअंगमर्दप्रगटात शिरनेत्रहिंजडताहोइजात

॥ अथनिद्रारोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ उष्णदुग्धमेंमिश्रीडार रोगीपीवेजोहितकार अथवामनोहरकथासुनेंजब निद्रा-रोधउदावर्तहटेतव निद्रारोधहिंजोलषपावे सुखसोंसोवैरोगमिटावै

॥ अथअश्रुपातरोकनेकेउदावर्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अश्रुपातजोदोइवषाने इकआनंदइकशोकजजाने तिनकेरोकनतेजोविकार भिन्नभिन्नतबकरोउचार मस्तकभारीनेत्रनरोग नासापीनसबहुकरजोग ॥ दोहा ॥ उदावर्तरु-जकेकहेलक्षणसहितनिदान कहेंचिकित्साइन्हनकीसुनहोनिजदेकान ॥

॥ अथअश्रुपातरोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अश्रुपातरोधतेंजास करैचिकित्साऐसेंतास मरचादिकतीक्षणअंजनभावे अश्रु-पातानिकसेंसुखपावे ॥ अन्यच्च ॥ सुखप्रकारनिद्राकरेजोय अश्रुपातजरोगहतहोय अथवामनो-हरकथासुनेजो अश्रुपातउदावर्तहरेसो

॥ अथसामान्यउदावर्तरोगचिकित्सा ॥

॥ अथयवागू ॥ चौपई ॥ हिंगुअमलवेतयवक्षार चित्रायहसमपीसोडार मध्ययवागूपायपि-लावे उदावर्तरोगभगजावे ॥ अन्यच्च ॥ करंगुलकौडकायफलपाय पीययवागूरोगमिटाय ॥ अथचूर्ण ॥ प्रियंगूदंतीथोहरआनै गिलोयसप्तलाश्वेताठानै त्रिवीशंखनीकरंजुमिलावे राजवृक्ष-हेमक्षीरसमावे वापीवेतिसक्काथवनाय वाघृततैलजुसिद्धकराय उदावर्तअवरआनाह गुल्मअवरवि-षरोगनसाह कमीलालोध्रअवरसनाय सबवस्तूयहकठकराय यहसमचूर्णघृतजुमिलाय खावैउदा-वर्तमिटजाय ॥ लेपन ॥ वल्मीकमृत्तिकासर्षपश्वेत करंजुमूलफलत्वचासमेत यहसमपीसगूत्रकेसं-ग लेपनकरैहोइरुजभंग ॥ चूर्ण ॥ हरडत्रिवीपीलूयवक्षार यहसमचूरणकरेसुधार घृतमिलायकर-याकोंखावे उदावर्तरोगमिटजावे ॥ अन्यच्च ॥ हिंगुकुठवरचयहलीजै सज्जीविडकोचूरणकीजै इकतैंदुगुणदुगुणकोंआनै मघांक्वाथपंचमूलरसठानै अथवामद्यसाथअनुपान वामूलीरसअंगपछान याप्रकारपीवैजोजास होवेउदावर्तरुजनाश ॥ अथवटी ॥ सेंधालवणहिंगुजुमषीर पीसवर्तिका-सघृतधीर गुदामध्यराखैतिसजोय उदावर्तनाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ मघामेंनफलकुठपिसावे वरचश्वेतसर्षपामिलावे यवक्षारदुग्धगुडपाय वटिकावांधमुष्टिबनाय गुदामध्यराषेतिसजोय नाशेउ-दावतसुखहोय ॥ अन्यच्च ॥ चूर्ण ॥ त्रिकुटादंतीपिपलामूल चित्रात्रिवीपायसमतूल यहसम-चूर्णगुडजुमिलाय प्रातखायउदावर्तसोजाय ॥ अथकाथ ॥ मूलीसूकीहरीजुहोय अरुपुनर्नवा-संगगिलोय अमलतासअरुपांचोमूल करैकाथसबलेसमतूल घृतहिंपायजोव्याधीपीवे उदावर्त-रोगहतथीवे ॥ दोहा ॥ उदावर्तरुजकीकहीसमझचिकित्साजोय इंहविधिकरैउपायजोनाशरोग-कोहोय ॥ इतिउदावर्तरोगचिकित्सासमाप्ता ॥ शुभम् ॥

॥ अथआनाहरोगविशेषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मलकरआधिकअफारामान ताकेलक्षणसुनोसुजान शरीरजकडबंधहोयेजास ज-डतासकलदेहमेतास मलत्यागनकोसमाविचार कटीपीठपीडामनधार मूर्छाहोइवमनमलजास श्वासाविसूचीजानोतास पीछेऔरजोलक्षणकहे सोलक्षणसबजामोलहे ॥

॥ अथआनाहरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अनाहरोगकोंकहितहोंसुनहोचतुरनिदान जैसेभाष्योंग्रंथमोंतैसेंकरोंवषान ॥ चौपई ॥ जवैआंमकोसंचयहोय वातस्वमार्गजुतजहैसोय तिसेअफारासबकोऊआखै आनाहरोगवैद्यकमत-भाषै पीनसतृषाअवरशिरदाह आमस्थानशूलहोइताह हृदयउदररोधप्रगटावै गुरुतादेहउदगा-रजनावै कटिअरुपृष्टपकडीसीलहिये विष्टामूत्ररोधजुभनैये शूलसमूर्छावमनप्रकाशे श्वासवमन-विष्टाकरभाषै ॥ दोहा ॥ अनाहनिदानवषान्योसुनलीजोचितधार कहोंचिकित्साताासकीबंगसेनअ-नुसार ॥ इतिआनाहनिदानंसमाप्तम् ॥

॥ अथआनाहरोगचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ अनाहचिकित्साकहितहोंसुनलीजैचितधार ज्योंवैद्यकबंगसेनमोंरचनाकरीउचार ॥ चौपई ॥ दीपनपाचनवस्तूजेती अरुविसूचिकाऔषधतेती आनाहरोगकीऔषधसोयी जा-नेसावधानचितहोयी उदावर्त्तसवऔषधजोय आनाहरोगमेंजानोसोय ॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ हरडाप्रियंगूत्रिवीपिसावै थोहरपयगुटिकासुबंधावै गोमूत्रसोंपीवैतास आनाहरोगकोहोवैनाश ॥ अन्यच्च ॥ त्रिवीदोइभागजोआनै चारभागमघतामोंठानै पांचभागतिंहहरडमिलाय स-मगुडसोंगुटिकाबंधाय बलनिजदेषनित्यप्रतिखावै आनाहरोगभाग्योकहुंजावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई हिंगुवरचकुठसौंचलविडंग दुगुणगुणाचूरणकरचंग उष्णतोयसोंपीवैजोय आनाहरोगनाशतवहोय ॥ अन्यच्च ॥ हिंगुजवायणविडअरुनागर जीराअरुहरडेंतामोंधर पुष्करमूलकुठपुनआन उत्त-रोत्तरभागपीसलेछाण उष्णतोयसोंपीवैतास आनाहरोगकोहोइहैनाश ॥ अन्यच्च ॥ वरचहरड-चित्रायवच्चार मघांपतीसकुठसमडार उष्णतोयसोंपीवैजोय रोगआनाहनाशतवहोय ॥ अथवर्तिका मघांमैंनफलकुठमंगावे वरेआंस्वेतसर्षपापावे समपीसेगुडदुग्धमिलाय गुदाचढावैवटीवनाय आ-नाहरोगकोहोइहैनाश बंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ हिंगुधूमग्रहविडात्रिकुटाय गूत्तरगु-डसोंवटीबनाय गुदामध्यजोराषैतास होइआनाहरोगकोनाश ॥ अन्यच्च ॥ त्रिकुटासेंधा-सर्षपस्वेत कुठधूमग्रहजानसमेत निर्गुंडीमध्यमैनफलठान घृतसोंवटीअंगुष्टसमान गुदावीचराषै-पुनतास होएआनाहरोगकोनाश ॥ दोहा ॥ चिकित्साकहीआनाहकीजाकोंकहैअफार आगेंया-केभाषहोपथ्यापथ्यअधिकार उदावर्त्तआनाहकेपथ्यापथ्यजुएक भिन्नयाहीतेंनांकहेजानोंचतुरविवे-क ॥ इतिआनाहरोगचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथउदावर्तआनाहरोगपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उदावर्तआनाहकोपथ्यापथ्यअधिकार तिन्हकोंअबविवरेसहितसुनहोंकरोंउचार ॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ स्वेदअवरघृतपानकहीजै रेचनवस्तीकर्मभनीजै वर्तीएरंड-तैलपछांनो शूलहरनसबऔषधमांनो बालमूलिकामादिराकहिये अमलतासतिलत्रिवीलहैये आद्र-कहरडविजोराजान लौंगहिंगुगोमूत्रपछांन द्राक्षमुनक्कालवणभनीजै यहसबसमलषपथ्यक-हीजैं आगेंविवरोसुनोसुजांन तिन्हकोंभेदकरोंव्याख्यांन जोयहअधोवाततेंहोय ताकेपथ्य-

सुनोअवसोय वत्तीवस्तीकर्मपछान अरुताकोघृतपानप्रमाण वातहरअन्नपानजोलहै एतेपथ्यतासकेकहें जोपुरीषरोधनतैंलहिये असताकेसुनपथ्यकहेये वस्तीकर्मस्वेदलषलीजै वर्तीमर्दनपुनमनदीजै विष्टाभिदजोहोइअन्नपान यहसबतांकेपथ्यप्रमान जोमूत्रवेगरोकनतेहोय ताकोपथ्यलषेयौंसोय वस्तीकर्मस्वेदघृतपान मर्दनपीडनकीनप्रमान जोडिकाररोधनतेंहोय हिडकीहरनवस्तुपथसोय अरुहिडकीकेपथ्यकहेजो याकेपथ्यप्रमानलहैसो जोयहरोगकासतेंहोय कासनाशविधितांकीसोय जोंलीकबंदकरैनरकोऊ तांतेंप्रगटहोयदुःखसोऊ धूमअवरपरसाघृतपान अरुनसवारपथ्यपरमान तृिषावेगरोकनप्रगटावै शीतलअन्नपानपथगावै रोधउवासीतेंजोजानै क्रियावातहरपथ्यपछानै जोनिद्रावेगरोकप्रगटावै उष्णक्षीरातिसपानकरावै क्षुधावेगरोकनतेंजोय जांकोंप्रगटरोगहोइसोय उष्णसनिग्धअल्पआहार ताहिकरावैंपथ्यविचार अश्रुपातरोकनतेहोय अश्रुपातमोंच्छणपथसोय जोयहरोगस्वप्नकरभास श्रवणकथाप्रियपथलषतास जोयहश्वासरोकनलषपैये वातहरनऔषधपथकहिये वीर्यविकाररोधजोकह्यो रोगप्रगटजोतांतेलह्यो दुग्धपानअरुमदिरापान सुंदरइस्त्रीसंगपथजान छर्दरोकनजोहोइविकार लंघनधूमसुपथ्यविचार अरुभुक्तवस्तुकोछर्दकरावै रूक्षोअन्नपानभुक्तावै अरुकरवावैरेचनतास छर्दजकेपथकीनप्रकाश ॥ दोहा ॥ उदावर्तआनाहकेकहेजुपथ्यविचार अबआगेंसुनहोंसुजनकरोंअपथ्यउचार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ वमनवेगरोकनलषलीजै कोद्रमनाडिशाकसुभनीजैं फलीयोंवालेअन्नजुकहै सभीअपथ्यतासकेलहै शालूककंदजामणपछान फलककडीघीयापुनमान अरुकरीरफलसुनलषलीजे कावजभारीअन्नलषीजे रोगअफारअपथ्यजुआषे उदावर्तकेसोऊभाषे ॥ दोहा ॥ उदावर्तआनाहकेपथ्यापथ्यउचार सुनउरधारोचतुरनरतांतेंमिटेंविकार ॥ इतिउदावर्तआनाहरोगेपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः ॥ दोहा ॥ उदावर्तआनाहकोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैंपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिउदावर्तआनाहरोगेचिकित्सापथ्यापथ्यकर्मसमाप्तम् ॥

॥ अथउदावर्तआनाहरोगकर्मविपाकः ॥

॥ चौपई ॥ देवब्रह्मकूपवावलीतलावें इनकाजोभेदनकरवावें उदावर्तउसकोहोइरोग जिहकरहोतजीवमोसोग । अथउपाय । चौपई । कृछ्रव्रतधारेउपवास गायत्रीजपकरैप्रकाश सुवर्णदानविप्रनकोदेय उदावर्तरोगहरलेय ॥ इतिउदावर्तकर्मविपाकःसमाप्तः ॥ दोहा ॥ उदावर्तआनाहकोकह्योकर्मउपचार आमवातवरणनकरोंसोसुनलेचितधार ॥

॥ अथउदावर्तआनाहरोगज्योतिषम् ॥

॥ दोहा ॥ मध्मदोइपापीग्रहोंचंदपडेगोआय शनीपडेरिपुघरविषेंमंदरूपदरसाय उदावर्तकोंरोगतिहआइवरेगोजान चंद्रमपूजाश्रेष्टहैंताहिश्रेयसीमान ॥ इतिज्योतिषंसमाप्तम् ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाशभाषायां उदावर्तआनाहरोगकथनंनामएकत्रिंशोऽधिकारः ॥ ३१ ॥

॥ अथवातव्याधिनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ वातव्याधिवरणनकरोंसुनहोपुरुषअनूप कारणतासवषानहोंअरुतांकेसबरूप ॥ चौपई ॥ अल्पजुरूखीशीतलखावै भारीअन्नखायदुखपावै असभोजनतैंवातजव्याधि उपजतहैयहमहाउपाधि अरुमनुजबहुमैथुनकरै अरुअतिजाग्रनमोश्रमधरै रुधिरमोच्नअरुलंघनधारै विषमक्रियाकरल्लालजुमारै अतिव्यायामकरैजनजोई अतिमारगचलनेतेहोई चिंताशोकधातुक्षयजांहि विष्टादिवेगजोरोकेतांहि व-हुतखेदश्रमतेंभीजान मर्मभेदताडनतेंमान ऊष्ट्रनागहयशीघ्रचलावैं अथवाइन्हहूंतेंगिरजावै इन्ह-तैवातव्याधिप्रगटात सत्यलषोंसांचीयहवात जवैछर्दरेचनकरजोय नाडिप्रवाहिकषालीहोय तिन्हमों-पवनपूरणहोइजावै विविधव्याधिसोऊप्रगटावै सबअंगनमोंवाइकअंग करेव्याधिवतितहसंग तिन्हके-पूर्वरूपक्याकहों हैअव्यक्तलक्षणयोंलहों तिन्हकेरूपविशेषविशेष कहोंसमस्तनराषोंशेष नरकीदेहसिम-टजोजावै जोडरुकैरोमांचलखावै हाडपर्वसबमोंहोभेद तांकेपाणिपृष्ठशिरखेद कुवजपंगुषंजहोइजावै अंगसुकैनिद्रानसुहावै वीरजरजजोगर्भकरावत तांकोनाशहोययोंगावत गात्रसोजचक्षुनाशेंहोय वक्ष-स्थलहिरोधकरसोय शिरकेशस्थानफूटनेलागे फटैललाटव्याधिजवजागे इंद्रियप्राणतासकोनाशै ग्रीवा-स्तंभव्याधिपरकाशै ओष्टदांतश्रोत्रनमोभेद उदरशूलसबतनुमोंखेद श्रमअरुमोहादिकजुअपार कुपित-वातअसकेरेविकार यहीवायुआरबलसबकेरी धातासकलशरीरनहेरी वायुसमस्तोंप्राणवषानी पूरणवि-श्वरूपपाहिचानी सबकीप्रभुयहवायुकहीजै यामोंनाहिनशंकाकीजै जबयहवायुकोपकोंधरै अससीरोग-प्रगटतनुकरै

॥ अथशिरोग्रहलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्ताश्रयहोइशिरकीनाड जोउतवातकरैसंचार नासाशिरोग्रहनामभनीजै नाडिवेधादि-चिकित्साकीजै ॥ अन्यमते ॥ रुधिरमध्यकुपितहोयवात शिरनाडिनमोंदुःखउपजात रौक्षकृष्णशिर-नाडीकरै शिरग्रहवातनामसोधरैं तांहिअसाध्यवातपहिचानो कह्योनिदानग्रंथमतमानो,

॥ अथशिरोग्रहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ शिरमोमारुतकोपैजवै लेपनमस्तकसीसकरतवै जोशिरभीतरवातविकार असेोतासक-रैउपचार बालाबिल्वघृतदुग्धमिलाय काढापिलावैवातमिटाय अंगसंकुचनप्रगटहोवाय लवणमाष-सोंतैलपकाय मलैताहिवातरुजजावै वंगसेनयोंप्रगटसुनावै शिरकीवातहुतेंनसवार श्रेष्टअहैजानोमति-सार पुनः दशमूलीकाथपकायसुधार औरविजोरेरसाहिनिकार तिहमोतेलढारपकवाय तेलरहेमर्दनसु-कराय तांकरशिरोग्रहदूरकरीजे यामोंकछूसंदेहनलीजे पुनः जढएरंडधत्तूरेआन सुहांजणजढइकत्र-तिहठान मिरचपीपलअरुसिंगीमहुरा औषधसमलेकाढमनोरा तेलप्रमाणतांहिमोपाय मंदअग्निकरतां-हिपकाय जवैतेलहूंरहेप्रमान मर्दनकरैशिरोग्रहहान.

॥ अथवातरोगअल्पकेशचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ गोखरूतिलफूलसमलेय समतिहमधुघृतडारेतेय अतिमहीनपीसलेपैजोकाय अधि-कवधैतिंहकेसप्रगटाय पुनः मुलट्ठअवरकमलजढआन मुनक्कादाखसमकरैपीसान दूधतेलघृतपाय-लिपाय केशअल्पहोएदीर्घसुभाय याऔषधसोंटटरीजाय ग्रंथमतांतरादियोसुनाय

॥ अथवातरोगजृंभाईलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमएकश्वासहिपीजाय फिरतिहिवसउलटाप्रगटाय आलसनिद्रासंयुक्तजुआवे जृंभाईतिहिनामकहावे

॥ अथअत्यंतजृंभाईयत्नम् ॥

॥ चौपई ॥ सुंठपीपलअरुमरचमिलाय अजमोदासैंधाकूटपिसाय गर्मपानीसोंपीयतिहभाय जृंभाईरोगताहिनरहाय ॥ पुनः ॥ कौडातेलजुमर्दनकरै यामीठाभोजनरुचवरै अथवातांबूलअ-दिजोखाय जृंभाईकोरोगमिटाय

॥ अथवातरोगहनुग्रहलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तांतेंचर्वणभाषणजोय अतीकष्टसोंकरहैसोय हनुमूलविषैजोइस्थितवाय हनूवि-षेंजोदुःखउपजाय विवृत्तवासंवृतमुखकरै हनुग्रहवातनामतिसधरै जिव्हाघर्षनतेतिहजान शुष्क-भक्षअभिघाततेमान कुपितलषैहनुमूलहिवाय तांतेहनुस्तंभहोयजाय

॥ अथहनुग्रहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ तिसेश्रेष्टमर्दनअरुस्वेद वदननिवावैलषयहभेद जोमुखमोंपीडाअधिकाय रुधिर-निकासैंश्रेष्टउपाय जोमुखमोंकफअधिकजनावै वमनकरावैतौसुखपावै अरुघृतसोंलेलसुणपकाय खा-वैवातव्याधमिटजाय ॥ चौपई ॥ जाहिपुरुषमुखमीटतहोय चिकनीवस्तुपसीनाजोय जाहीमुख-उघारतरहे शीतलवस्तुहितताकोकहे जांकीदाढमुडीनहिजाय पीपलआद्रकताहिचबाय थुकवावे-तोरोगहिंनाशै उष्णोदककुरलीकरतासै तेलमोरहसनतलकरदेय खायहनुग्रहरोगहरेय

॥ अथजिव्हास्तंभलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ चर्वणवचनकहितयहजोई परमकष्टकेसाथहिंहोई वाकइंद्रियधारनजोनाड तामों-कुपितवातसंचार जिव्हास्तंभनकरतासोय जिव्हास्तंभनामतिसहोय

॥ अथजिव्हास्तंभचीकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जेऊवातजिव्हावंधकरै जिव्हास्तंभनामसोधरै तातेंखायोपियोनजावै तिंहदशमूली-काथपिलावै पीवैसुखउपजैलहुगाथ अथवापंचमूलकोकाथ अर्दितसामान्यचिकित्साकहि जिव्हास्तंभ-मोसोलषसहि

॥ अथमूकवातलक्षणम ॥

॥ चौपई ॥ धारणाशब्दनाडिजोहोय कफसंयुतहोईरोकैसोय वधिरमूकसोकरतीजान गदगदवच-नकौसोमान मूकवाततिसनामकहीजै याप्रकारमनसमझपतीजै

॥ अथमूकवातगद्गदचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कफसंयुतजोमरुतलषावत शब्दनाडिकोंसोऊरुकावत मिनामिनमूकगद्गदहोय-वाणी ताहिसरस्वतिघृतसुखदानी

॥ अथसरस्वतीमंत्र ॥

॥ ॐन्हींऐंन्हींॐसरस्वत्यैनमः ॥ चौपई ॥ सरस्वतीकोयहवरमंत्र सहस्त्रजापकरै शुभतंत्र सिद्ध-होइकरमंत्रपडाय घृतमालकंगनीतैलजुखाय इसीमंत्रसेंसोमंत्रावै खावैप्रातसभेदुःखजावै बुद्धिप्रभा-वअधिकवरहोय चमतकारप्रगटावैसोय ॥ पुनः ॥ हलदीकुठपीपलअरुजीरा सौंठअजमोदमुलट्ठीवीरा मूर्वासैंधालूणसमल्याय ढाईटंकपीसानितखाय मखनसाथनित्यप्रतिनेम इक्कीदिनपरमानसुप्रेम सर्वरोगहरबुद्धिप्रकाशै शतश्लोकनित्यकंठमोंभासै ॥ इतिकल्पअवलेह ॥

॥ अथसरस्वतीघृत ॥

॥ चौपई ॥ वरचसुहांजनलोधरधावै सैंधापाठापलपलपावै प्रस्थएकघृततामिलाय दुगुणअजा-पयपायपकाय यहसरस्वतीघृतविधिकेसंग षायमूकताजडताभंग मिश्रितगदगदवाणीनाश स्मृति-मेधाहोइपरकाश अरुतापरजोघृतकल्यान खावैहोयवायुसोहान ॥ अथकल्याणघृत ॥ चौपई ॥ हलदीवरचकुठमघजीरा अजमोदामुलट्ठलहुवीरा सैंधासुंठसमचूरणकीजे घृतजुमिलायथाबलदीजै दिनइकीसपर्यंतचटावै जडताअवरमूकताजावै मेघदुंदुंभीइवरवहोय न्यायकोकिलास्वरलषसोय श्रुतधरमेधाबुद्धिप्रकाशै इत्यादिकगुणताकेभाशै

॥ अथवातप्रलापऔरवाचालरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपइ ॥ अपनेहेतुसेंकुपितजुवाय सोअनर्थकछुकछुबकजाय प्रलापरोगानिश्चयहैसोय खोटा-शबदवाचाललषजोय

॥ अथप्रलापवाचालयत्न ॥

॥ चौपई ॥ तगरपित्तपापडामंगाय कटुकीनागरमोथारलाय असंगधाब्राह्मीदाखअगर दशमू-लसंखाहोलीलेसमधर इनसबकोसमकाथजुकरै प्रलापवाचालरोगसबहरै

॥ अथजीभकेरसाज्ञानकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ मधुरआदिषटरसहैजोय षायेजिव्हास्वादनहोय ताकोरसाज्ञानवुद्धिकहै जिव्हारसगु-णकोनाहिलहै

॥ अथरसाज्ञानरोगयत्न ॥

चौपई ॥ सुंठमरचअरुपीपलआने सैंधाअमलवेतातिसठाने इनहिंपीसजिव्हालेपाय रसाज्ञानदोष-मिटजाय अथवाब्राह्मीपलासफलआन राईकृष्णजीरासमठान पीपलापिप्पलामूलमंगाय चित्रक-सौंठअरुमरचरलाय कौडकिरायताताामोदीजै इंद्रजवकोगडत्वचामिलीजै जिव्हावारंवारलिपाय अ-थवायाकोकाथकराय कुरलीकरैरसदोषनिवारै अमृतसारयोंवचनउचारै आद्रकरससोंकल्करलाय अज्ञानदोषजिव्हानरहाय

॥ अथशरीरकीत्वचाशून्यहोवेउस्कालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ जांहिपुरुषत्वचाशून्यलषावै शीतउष्णकोमलनहिभावै ज्ञानत्वचाकाहोवेदूर त्वचा-शून्यपुनजानोपूर

॥ अथत्वचाशून्यकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ त्वचाशून्यकोरुधिरछुडावै तौयहरोगदूरहोइजावै वासेंधाधूमग्रहलेसमतेल कायामलैतोरोगहरेल.

॥ अथअर्दितवातनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ ऊचोबोलेअतिकरैहास विषमासनसोवैकरेनिवास कठिनवस्तुभत्तणतेंमान भारखेदतेंअवरहिजान जृंभमाणहोयवारंवार इन्हतेकोपवायुलषधार उोष्टनासिकाशिरलषलेहु चिवुकललाटनेत्रसंधएहु इन्हस्थानप्रापतहोइवाय करैवक्रमुखकह्योसुनाय अथवावक्रअर्धमुखकरै टेढीग्रीवकंपशिरधरै तुतलेवचनकरावैसोय विकृतनेत्रकरतहैजोय ग्रीवाचिबुकदांतमंभ्कार पीडकरतसोवारंवार वातनामअर्दितइहजानो वातपित्तकफतैंतेंमानो तांलत्तणसंत्तेपसुनावों ज्योंवैद्यकमततैंलषपावों-

॥ अथअर्दितवातचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ अर्दितादिजोवातकीचिकित्साकरोवषान वातव्याधिकेमध्यमोंभाष्योजासनिदान ॥ चौपई ॥ अर्दितरोगस्निग्धआहार मर्दनतेलनारायणकार औरविषगर्भतैलअंगमलै गर्मवस्तुकासेवनकरै गर्मऔषधसोंपसीनाल्याय सिरमेंकायतैलमलवाय स्नेहपानमर्दनाहितकार वस्तिकर्मउपनाहनसवार अर्दितरोगइन्हकारणजाय ग्रंथप्रमाणसबकह्योबनाय

॥ अथवातजअर्दितलत्तणम् ॥

॥ चौपई ॥ कंपस्फुरनअंगजुलहैये उोष्टशोथशूललषपैये लालास्रावपीडहोयजास हनूवाकमोंग्रहहोयतास वातजअर्दितकहियेसोय इहविधिभाषसुनायोहोय

॥ अथवातजअर्दितचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अर्दितवातप्रगटहोइजास वंधनस्वेदचिकित्सानास ॥ अन्यच्च ॥ प्रथमकरैदशमूलीकाथ पीयविजोरेरसकेसाथ अर्दितवातहिंहितहैसोय निश्चयजानेमनमोंजोय ॥ अथकाथ ॥ बलापंचमूलीकोकाथ यहहितकरहैसमभ्कोगाथ ॥ अन्यंउपाय ॥ माषोंकेवटकाकरजोय खायसमाषनअर्दितषोय ॥ काथ ॥ दशमूलीकापीवैकाथ रसअरुपथ्यमांसपयसाथ वातजअर्दितहोवैनाश वंगसेनयोंकीन्हप्रकाश जातीफलोंकीमालाकीजै रोगीकेगलमाहिधरीजै वातजअर्दितहोवैनाश ग्रंथकारमतकीनप्रकाश

॥ अथपित्तजअर्दितलत्तणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तजअर्दितऐसेंजानो पीतअधरमुखतृष्णामानो उपजैमोहउष्णताहोय पित्तजलत्तणजानोसोय

॥ अथपित्तजअर्दितचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पित्तजअर्दितलषियेजास स्नेहपानहितकरहैतास अरुशीतलऔषधहितकारी तासचिकित्सायोंउच्चारी अरुतिहिहितकरपयकोपान अपनेमनमोंनिश्चयठान ॥ अन्यउपाय ॥ पंगुमूकहोइजावैकोई अरुवहुदाहतासकोंहोई ऊौषधवातपित्तहरजोय ताकोहितकरजानोसोय पित्तहरवस्तु-

लेपसिरकरै अरुनसवारतीक्षणअनुसरै तीक्षणऔषधकरैजुपान तासरोगकीहोवैहान अवरपुरातनघृतकेसाथ नसवारऔषधसुनयहगाथ

॥ अथकफजअर्दितलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शिरमन्यागंडरोधहोयआवै स्तंभअवरतनुकंपलषावै नेत्रचलनहोयजावैतास अर्दितकफजकीनपरकाश ॥ अथअर्दितअसाध्यलक्षणम् ॥ क्षमकणतेंचक्षूरहजावै वचनअव्यक्तजासलषपावै क्षीणशरीरजासकोलहिये तीनवर्षहोयगयेंभनैये ऐसोअर्दितअहैअसाध्य जानलहोयहमहाउपाध्य ॥

॥ अथकफजअर्दितचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कफतेंजोअर्दितप्रगटावै वातअवरकफहरसोखावै जोतासोंमुखसोजापरैं वमनकरैतातैदुःखटरै जोपुनताकोउपजैदाह सिरकारुधिरछुडावैताह ॥ अन्यउपाय ॥ लसणतिलोंकेतैलजुसंग ताहिषुवावैहोयरुजभंग वातव्याधिकीऔषधजेती याकीभीसबजानोतेती ॥

॥ अथमन्यास्तंभलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दिनसोबनअतिअरुबैठनसे ऊर्द्धदृष्टीअरुमुखमोडनतें तातैंवातकफकठेहोय ग्रीवास्तंभकरोनितसोय सोकंदेकोमोडनदेय मन्यास्तंभजानहिततेय ॥

॥ अथमन्यास्तंभचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जिसकरग्रीवाअकडीजाय मन्यास्तंभवातसुकहाय तिसकोंस्वेदअवरनसवार क्वाथपंचमूलीहितकार अथवातैलसुमर्दनकरै ऊपरएरंडपत्रातिहधरै मन्यास्तंभताहूतेंजाय ग्रंथनमाहिकह्योप्रगटाय ॥ पुनः ॥ कुक्कुटअंडरससेंधापाय घृतमिलायग्रीवामर्दाय रूक्षस्वेदअवरनसवार दशमूलक्वाथजानोहितकार ॥

॥ अथअंसशोषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोमुहढधोमोंइस्थितवाय अंसवंधकोसोऊसुकाय अंसशोषसोवातकहावै ऐसोताकोनामवतावै ॥

॥ अथापवाहुलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अंसनमोंजोइस्थितहोय अंसवंधजुसुकावैसोय संकुचितनाडिपुनकरैसुकावै अपवाहुकसोवातकहावै तिसकरअंगनजडताहोय कंपावतहैअंगनसोय ताकरभुजासूकतीजावैं कांमभुजाकरहोइनाहिआवैं ॥

॥ अथवाहुकअंसशोषचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ घृतकल्याणताहिहितकार पुनकल्याणतैलसुखकार अरुपुनवलामूलकोक्वाथ पीवैसैंधवलवणहिसाथ अथवानिंवस्वरसकरपान वाक्रौंचजढस्वरसपरमान ॥ अन्यच्च॥ शीतलजलनासामोदेय अथवागुग्गुलमाईजढलेय काडाकरेजुगुग्गुलुपाय नासादेयअपवाहुकजाय । अन्यच्च। माखहिजलकीलेनसवार माषादितैलमर्दनहितकार अपवाहुकरोगतासतेंजाय भावप्रकाशमतदियोवताय

॥ अथविश्वाचीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ बाहुपृष्ठलेकरपर्यंत अंगुलिनाडिरुकैकरैहत कार्यमध्यअसमर्थकरावै विश्वाचीसोनामकहावै

॥ अथविश्वाचीरोगयत्न ॥

॥ चौपई ॥ दशमूलमाषवलासमकाथ घृततैलामिलापीवैसुखसाथ तातेंविश्वाचीमिटजाय ग्रथकारमतादियोवताय ॥ अन्यच्च ॥ माषवलासेंधापुनल्याय रहसनअर्कदशमूलरलाय हिंगुशतावरीसुंठीलीजै वर्चामिलासिद्धतैलसुकीजै खावैमलेजुलेनसवार बाहुशोषअपवाहुकटार विश्वाचीअरुपक्षाघात एतेरोगवातमिटजात

॥ अथऊर्धवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफमिलवातजुताडितहोय अधतेंऊपरआवैसोय ऊपरआयडिकारवहुकरै ऊर्द्धवातनामाउच्चरै

॥ अथऊर्द्धवातयत्न ॥

॥ चौपई ॥ सौंठविधारादशदशभाग हरडछाललेपंजजुभाग असगंधहिंगभुन्नीअरुसैंधा इकइकभागसमचित्रकमेदा पीसमहीनचूरणसोकरै ढाईटंकनितपाणीसंगचरै तातेंऊर्द्धवातमिटजाय भावप्रकाशमतादियोबताय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ वांसापत्रनसहितपिसावै आद्रकरसमिलायपीवावै ऊर्द्धवायुनाशतवहोय निश्चयमनमोआनोसोय

॥ अथआध्मानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ उदरमांहिजुअफारकरावत वातनिरोधपीडउपजावत गुडगुडशब्दउदरमोंकरै सोआधमाननामनिजधरै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ उदरमध्यपूरणहोइवात आधमाननामविख्यात तिसकोलोकअफाराकहै कफसंयुक्ततेऊपुनलहै

॥ अथआध्मानयत्न ॥

॥ चौपई ॥ इसरोगीकोंलंघनकराय पाचनऔषधताहिखुवाय वास्तिकर्मभीयाहिप्रमान औरचिकित्साकरोंबषान ॥ पुनः ॥ पीपलढाईटंकपरमान त्रिवीसितादशदशअनुमान याहिचूर्णकरसाथमखीर ढाईटंकनितखायसुधीर याहीसेंजुअफारमिटाय नारायणचूरणकियोबनाय ॥ पुनः ॥ वचकुठसौंफसुरदारुमिलाय सेंधाहिंगुसमपीसवनाय कांजीपायगर्मतिहकरै लेपैपेटअफाराहरै ॥ पुनः ॥ अथनाराचरसः ॥ हरडकौडअमलतासजुपाय आमलेदंतीत्रिवीमिलाय थोहरदुग्धजुमुत्थरपावै पलपलसवकोमानधरावै आढकदोजलमोंजुपकाय अष्टमभागरहेसुछनाय निस्तुषवीजजयपालकेआन पलभरलेतिहवस्त्रवंधान डोलयंत्रतिसजलमोंकरै मंदअग्निकेऊपरधरै ऐसेंशुद्धकरेजयपाल पाछेऔषधतामोडाल अष्टभागजयपालसुपाय तीनभागसुंठीसुमिलाय मरचभागदोईतिसपावै पाराभागजुदोयमिलावै गंधकभागदोयतिसदीजें पहरएकतिसमर्दनकीजें रसनाराचनामतिसजानो रत्तीएकप्रमाणसुमानो खावेशी-

तलजलकेसाथ एतेरोगहरेसुनगाथ आधमानअरुशूलविडारै उदावर्त्तअरुगुल्मसुटारै आनाहरोग-कोकरहैनाश प्रत्याध्मानकरैसुविनाश वेगशांतहोवैजवजाने शर्करासाहितभच्चदधिमाने दध्योदनसैं-धवयुतखाय रोगजायरोगीसुखपाय

॥ अथप्रत्याध्मानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पार्श्वहृदयजोछोडेवाय आमस्थानहिंइस्थितआय कफामिलतंहिपीडाउपजावै प्रत्याध्मा-नसुनामकहावै ॥

॥ अथप्रत्याध्मानउपाय ॥

॥ चौपई ॥ लंघनपाचनादिसुखदाय वस्तिकर्मसोंइहमिटजाय ॥

॥ अथवाताष्ठीलालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नाभीतलैजोउतपतवाय चलेवास्थिरताकोंलषपाय सोवर्तुलपाषाणइवहोय अथवालोहदं-डवतसोय घणीगांठताकीहोजावै टेढीअथवाऊरधधावै विष्ठामूत्रमार्गकोंरोक नामसटीलातिंहकहिलो-क चौपई याहग्रंथिजवउदरमंझार टेढीहोयवाकरैसंचार पुरीषमूत्रथलरोधनकरै प्रत्यसटीलानामसुधरै

॥ अथाष्ठीलाप्रत्यष्ठीलाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ नाभीतलैकोपैंजिहवात अष्ठीलावातनामविख्यात विष्ठामूत्रसोवातरुकावै हिंग्वादिचू-र्णतिंहश्रेष्टकहावै तसनीरसोपीवैसोय वातजरोगनाशतवहोय वीजपूररसतासमोपाय सुंदरचूरणधरे-वनाय भुन्नीहिंगुअरुपिपलामूल धनियांजीरावचसमतूल चव्यचित्रकअरुपाठाकचूर अमलवतअरुपु-ष्करमूल कालासेधासांबरलौन हौवेरकरेताहिमिलौन सौंठमिरचअरुलेजबखार पीपलसज्जीहरडकी-छार अनारदानातिंतडीआन इनसबसमकरलेयसुजान महीनपीसआद्रकत्रैपुठ छायसुकायचूरणकर-कठ ढाईटंकगर्मपाणीसोंखाय वातष्ठीलप्रत्यष्ठीलमिटाय ॥ अन्यच्च ॥ सौंठपीपलीमरचसुजान-भूंनीहिंगुजवखारप्रमान सज्जीसैंधानौनसमपीस ढाईटंकगर्मजलदीस तूनीप्रत्यतूनीजुगहरै भावप्र-काशमतयोंउचरै ॥

॥ अथतूनीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ विष्ठामूत्रस्थानवायूजव कोष्ठशूलउपजावतहैतब गुदालिंगकोंभेदकरावै तूनीवातना-मतिसगावै मूत्रपूरीषस्थलतेंवाय उठीजुहोइतिसेलषपाय गुदालिंगकोंभेदेसोय तूनीनामतासकोहोय

॥ अथतूनीप्रत्यतूनीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ स्नेहसलवणकीजियेपान होइतूनीप्रतितूनीहान पिप्पल्यादिचूरणसोंपीवै हिंगुगुडक्षा-रमेलघृतपीवै तूनीप्रतूनीहोवेनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश

॥ अथत्रिकशूललक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कटिकेतीनोहाडमंझार पुनभुजहाडोंशूलविकार तांकोंत्रिकशूलहिगुणिकहैं ताहिउ-पायआगेसुखलहैं

॥ अथत्रिकशूलकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ तप्तरेतसोंसेककरावै वाअरनेउपलेमंगवावै सुखेनसेकदेयशुभवाक त्रिकशूलहिसेंहोवैपाक त्रयोदशांगजोगुगुलूकह्यो मांसरसअवरदुग्धसोंलह्यो त्रिककोशूलहोयतिसनाश भावप्रकाशमतकीनप्रकाश

॥ अथवस्तिवातकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ वस्तिपवनकुपितहोयजाय सूत्रप्रवाहछुटैतिसआय रोगनकोउतपन्नजुकरै वस्तिवातवुधजनउच्चरै.

॥ अथवस्तिवातचिकित्सा ॥

। चौपई । जोनाभितलैकुक्षिगुदामंझार आश्रितहोईसोकरैविकार तांकोएरंडतैलपिलावै वातजायव्याधीसुखपावै धम्मणीजढकोवल्कलआन तिससममिश्रीकरैमिलान ढाईटंकगोदूधकेसाथ पीवेदुःखजायसुनगाथ ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलेकाजोचूर्णकरावै तिहसमसारभिलायधरावै मासेचारसहतकेसंग मूत्ररोगसवमिटेहोभंग अथमूत्रनिग्रहयत्न पांचमासेयवखारमंगाय मिश्रीसहितखायदुखजाय पुनपेटेबीजवाककडीवीज दोनोपीसपाणीसेंलीज वस्तीलेपकरेनरजवहीं मूत्ररोधहरेतिसतवहीं ॥ अन्यच्च ॥ चीनियाकपूरकीबटीवनाय लिंगभगहिदेमूत्रछुटाय

॥ अथगृध्रसीवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ चूलेकटीपृष्टउरजानो जंघापादकंपरुकमानो स्तंभअवरपीडाःकरसोय गृध्रसीवातजानविधदोय देहवक्रतापुनतिहमान वैद्यशास्त्रमोकियोप्रमान गृध्रसीवातनामातिसकहिये वातहुतेंकफतैंभीलहिये तंद्राअरुगौरवयहकरै अवरअरुचताउरमोधरै मुखतेंलालांचलेंअपार मंदअग्नितिसपुरुषनिहार.

॥ अथगृध्रसीवातचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ वातगृध्रसीकोंकहोसुनोचिकित्साजोय प्रथमहिकह्योनिदानमोंतासोलषियेसोय ॥ चौपई होयगृध्रसीवातविकार तप्ततैलमर्दनहितकार ईटतपायसेकतिसदीजै बंधनतांकेऊपरकीजै अन्यउपाय चौपई ॥ प्रथमहिंताकोंवमनकरावै पुनताहुंकोघीउपिलावै विनावमनजोहैघृतपान सोगुणताहिकैरयोंजान निष्फलहवनभस्ममेंजैसें विनावमनघृतपानसुतैसें नाभीऊपरवस्तीकरे गृध्रसीवातताहितैंटरै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ दशमूलबलारहसनगिलोय सुंठीयहसमचूरणजोय एरंडतैलसोंपीवैतास गृध्रसीखंजपंगुहोइनाश ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ पंचमूलकोकाथवनावै त्रिवीपायपीवैदुःखजावै गृध्रसीगुल्मअवरदुःखशूल एतेरोगहोंहिनिरमूल ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ होएगृध्रसीजिंहअस्थान नाडीतहांकीवेधसुजान तिसनाडीतेंरुधिरकढावै अथवाउस्तरेसोंपछलावै गुंजापीसलेपतहांकरै रोगगृध्रसीइहविधिहरै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ गूत्रएरंडतैलसोंपीवै नाशगृध्रसीरुजकोथीवै अन्यउपाय ॥ । चौपई ॥घृतअरुतैलमिलायसमान आद्रकाविजोरेकोरसठान गुडचुक्रामिलाइपीवैसोय नाशगृध्र-

सीरुजकाहोय त्रिकुलपृष्ठऊरूकटिजान इन्हपरलेपकरैदुःखहान ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ एरंडवीजशुद्धकरजोय पीसपकावैपयमोंसोय षंडरलायताहिनितषावै गृध्रसीगुल्मशूलमिटजावै ॥ अथक्काथः ॥ चौपई विडंगमेषशृंगीअसगंध विल्वभषडाकरसंबंध दोइकंड्यरीएरणमूल करैकाथसबलेसमतूल पीवैवंषणवस्तीशूल चिरकीगृध्रसीहोइनिर्मूल चूर्ण मघपीपलकोचूरणकीजै एरणतेलगूत्रसोंपीजै कफअरुवातजगृध्रसीजाय वंगसेनयेंकह्योसुनाय अथक्काथः चौपई लेकृतमालसुंठीअरुवासा समयहलेयकाथकरतासा एरणतैलमिलायसुपीवै गृध्रसिसुतवातहतथीवै अन्यउपाय चौपई एरणतरुकेफलआनीजै तिन्हसौंशुद्धयवागूकीजै सोऊयवागूनितउठखाय गृध्रसिरोगनाशहोइजाय ॥ चूर्ण ॥ पीसतगरजढचूरणकीजै वलअनुसारतक्रसोंपीजै जासदेहहोइरींघडवात तासवातकोहोवैघात ॥ अन्यच्च ॥ एरणवीजसुंठसमलेय पयघृतषंडमिलावैतेय खावैकटिपीडामिटजावै अवरगृध्रसीवातनसावै अन्यउपाय चौपई इन्हउपायकरजोनहिजाय शस्त्रदाहपुनकरोउपाय जोयातेंभीदूरनहोय इहविधिकरोचिकित्सासोय स्वेदकरायसनेहकेसंग मर्दनकररुजहोवेभंग ऊपरतेंनीचेकोल्यावै क्रमक्रमकरचरणनपहुचावै पगमर्दनकरसूक्ष्मनाडी पादकनिष्ठांगुलीसुधरी पुष्ठफूलैजुकनिष्टकाजवै षुरकसहितअंगुलिहोइतवै अग्रभागअंगुलीकोवेध तापरदागदेयमिटखेद चंदनअवरमुलट्ठपीसाय लेपैअंगुलिगृध्रसीजाय ॥ अथगुग्गुलु ॥ चौपई ॥ इकपलरहसणपीसमंगावै पांचकर्षगुग्गुलुतिहिपावै घृतमिलायकरवटकाकरै षावैरोगगृध्रसीटरै ॥ अथपथ्यानामगुग्गुलु ॥ चौपई ॥ हरडवहेडेआमलेआन क्रमकरदुगुणदुगुणयहठान तीनोंलेहुप्रस्थपरिमान पलंकषाइकप्रस्थपछान एकद्रोणजलमोंसोभाषें रात्रीएकभिगोयसुराषें अर्धविशेषकाथकरलेय लोहपात्रमोताहिधरेय अर्धअर्धपलपुनयहजान तामोऔषधकरोमिलान दंतीत्रिफलामघांविडंग त्रिवीगिलोयमरचसुंठसंग प्रस्थएकगुग्गुलुतिंहपाय समयहपीसमिलावैखाय खावैशीतलजलकेंसंग वातरोगहोएतातेंभंग गृध्रसिषंजवातलिफजावै गुल्मपांडुकंडूनरहावै वातरक्तकोंतुरतविडारै वलवीरजआयूकोंधारै टूटेहोहिजासकेअंग मिलेंसमस्तहोहिइकसंग ॥ अथलसुणघृत ॥ चौपई ॥ लसुणकाथआढकपरिमाण आढकतामोंगोघृतठान चित्राचवकमघांपीसाय कर्षकर्षयहतामोंपाय सुंठहिंगुयहपलपलपावै पंचलवणअधअधपलथावै अमलवेतपलअर्धजुपाय मंदअग्निकरताहिपकाय यहमिलायकरबलअनुसार खावैगुल्मगृध्रसीटार अरुपुननाशैंपच्छाघात यहऔषधवैद्यकविख्यात ॥ अथअसगंधादितैल ॥ चौपई ॥ असगंधबलाजुसुंठदशमूल इन्कोक्काथकरैसमतूल काथसमानकीजियेमेल पादशेषमोएरणतेल वलनिजदेषजुखावैतास होवैवातव्यधसबनाश ॥ अथशिंशपायलेह ॥ टाल्हीत्वचातुलापरिमान कूटद्रोणदोइजलमोंठान अग्निचढायक्काथसोगहै अष्टमभागआइजवरहै ताहिसमानदुग्धसोपाय सनिग्धपात्रमोंधरेवनाय सुंठीचूरणताकेसंग कर्षप्रमाणखायरुजभंग दिनइक्कीसप्रातनितखावै रोगगृध्रसीवातनसावै ॥ अथगोपुरुतैल ॥ चौपई ॥ भषडेकारसआढकलीजैं आढकतैलताहिमोंदीजैं आद्रकरसपलपांचप्रमान गुडपलवीसतासमोठान आढदुग्धतासमोपाय मंदअग्निसेधरेबनाय याहिसिद्धकरबलअनुसार खावेगृध्रसीमिटेविकार पादकंपअरुशोथविनाशैं कटिअरुपृष्ठपीडसबनाशैं अवरसमस्तजुवातविकार नाशैंमनमोंनिश्चयधार वंध्यापायपुत्रसोलहै वीरजदोषपुरुषकोदहै मूत्रकृच्छ्रकोहोवेनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश दोहा अर्दितगृध्रसिवातकीकरीचिकित्सागान वातव्याधकेपथअपथसोऊयांकेमान

॥ अथखंजपंग्वोर्लक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोकटिआश्रितवातविकार खंजवातकहियेसुविचार कंडुरानामनाडिजोकहिये अस्थिसहिततिसवातलषैये तिसकरखंजपंगुहोजावै जंघपादजोसुतलषावै इकनाडीक्षेपहोयनरखंजु दोनाडीक्षेपहोयनरपंगु.

॥ अथइनदोनोंकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ रेचनाहितकारकतिहजानो औरऔषधीस्वेदनमानो गुग्गुलुभक्षणतेंभीजाय मर्दनवस्तीकर्मकराय

॥ अथकलापखंजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोचलतानरकंपनलागै खंजन्यायचलहैदुःखजागै संधीवंधशिथिलहोइजावै नामकलापखंजतिसगावै

॥ अथकलापखंजयत्न ॥

॥ चौपई ॥ विषगर्भादिकतैलमर्दनसे रोगजायसुखहोइसुमनसे

॥ अथकटिग्रहवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कटिआश्रितवायूजबहोय आमसहितजानोमनसोय कटिमोपीडाकरतसोमान कटिग्रहवातनामतिसजान

॥ अथक्रोष्टशीर्षलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रुधिरसहितजबकोपैवाय शोथपीडजानूउपजाय क्रोष्टशीर्षनामतिहवात वैंद्यकग्रंथनमोंविख्यात ॥

॥ अथक्रोष्टशीर्षयत्न ॥

॥ चौपई ॥ टाईटंकगिलोयपरमान दसोटंकत्रिफलापहिचान तिनकोकाढालेकरवाय ढाईटंकगुग्गुलाहिमिलाय एकमासतकनित्यसुपीये रोगमिटैरोगीसुखथीये ॥ अन्यच्च ॥ पावदूधएरंडकोतेल कर्षवजनतांहीकरमेल पीवेरोगीरोगमिटाय निश्चयकरकेमनदृढल्याय ॥ अन्यच्च ढाईटंकविधाराचूरण पावदूधमिलपीयसुपूरण ॥ अन्यच्च ॥ किशोरगुग्गुलुसेवनतेजाय अमृतसागरमतकह्योवनाय गुग्गुलतित्तरमांसरससंग पीवेक्रोष्टशीर्षरुजभंग ॥ अन्यच्च ॥ वातरक्तकीऔषधजेती क्रोष्टशीर्षमेजानोतेती ॥ चौपई ॥ तैलमर्दनअरुसुंठमलेय चौपडएरंडपत्रधरेय गरमकरतबांधेतिसभाय क्रोष्टशीर्षनिश्चयमिटजाय ॥ अन्यच्च ॥ क्रौंचवीजढाईटंकजुलेय दहींसाथदिनसातमलेय वाचौदसदिनमलसुखहोय भावप्रकाशमतऊदितहैसोय

॥ अथखल्लीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जंघपादऊरूकरमूल रोकैइन्हठौरनकरशूल खल्लीनामसोवातकहावै वैद्यकमतयोंप्रगटजनावै

॥ अथखल्लीवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जंघापादऊरूकरमूल अंगुलीमरोडकरैनितशूल खल्लीवातनामातिसकहिये तांकोऔषधइंहविधिलहिये सेंधालवणकुठसमलीजैं चुक्रमिलानतैलसोकीजैं तनकउष्णकरदेहमलावै खल्ली-

वातनाशहोइजावै ॥ अन्यच्च ॥ कुठअरुसैंधालोनामिलाय काढाकरअमलवेतरसपाय औरतेलसमर-सहिमिलावै मंदअग्निसोंतैलपकावै मर्दनकरइहरोगमिटाय ग्रंथसकलमोंकह्योउपाय

॥ अथकंटकवातलक्षणम् ।

॥ चौपई ॥ जोचरणोमोंकंटकन्याय चुभेपीडउपजावैवाय विषमस्थानचरणजबधरै गुल्फोंमोंपीडालषपरै वाश्रमतेंजुगुल्फमंझार पीडाकरतसुवारंवार कंटकवातनामातिसकहियै ग्रंथनिदानमध्ययोंलहियै

॥ अथवातकंटकचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कंटकवातमोंकरैउपाय रक्तछुडावैयहसुखदाय सूचीवहुतपायजुचुभावै तौयहवातव्याधमिटजावै एरंडतैलपांचटंकनितपीय मासपर्यंतनित्यसुखथीय श्वेतपुनर्नवामूलकेसंग सिद्धतैलमर्दनरुजभंग

॥ अथपाददाहलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तरुधिरामिलकुपैवातजव चलतेचरणदाहकरैतब पाददाहताहूकोनाम समझलहोहेनरअभिराम

॥ अथपाददाहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सूकैजंघपादपुनतास पाददाहप्रगटैपुनजास जानूमांहिपीडलषपावै कंटकवधेसमपीडलषावै अरुजानूपरसोंजापरै तिसस्नेहस्वेदाहितकरै पाददाहमोंमसुरपिसावै शीतलजलपगलेपकरावै अरुमाषनकोमर्दनकरै एरंडतेलपानअनुसरै ॥ अन्यच्च ॥ मखनपैरतलीमलवावै अग्नितपायतौरोगमिटावै ॥ अन्यच्च ॥ अंडेगोकेदूधमिलाय लेपकरैपगतेंदुःखजाय,

॥ अथपादहर्षलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जाकेपदरोमांचितरहै सुप्तरहैकफवातहिंलहै अथवापरसेचलतेरहै हस्तपाददोईलषलहै हर्षपादसोऊनामकहावै ऐसेवैद्यकशास्त्रसुनावै

॥ अथपादहर्षयत्न ॥

॥ चौपई ॥ कफवातहरणकीऔषधजेती पाहहर्षमोजानोतेती

॥ अथपैरोंकेहडफूटनयत्न ॥

॥ चौपई ॥ तिलसांभरलौनहलदीजुमिलाय तीनोसमधत्तूररसपाय गोकामखनसमातिहलेय पांचोवस्तुइकठकरेय गढकावैजवहींभखजावै सवसमगोमूतरातिहपावै जवैसर्वजलसोखतहोय घृतहीमातररहैसुजोय सोघृतमर्दनकरेजुपान पादहर्षरोगकीहान

॥ अथसामान्यआक्षेपकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जवेकोष्टतैंनिकसेवाय नाडीमांहिप्रगटहोइआय हस्तपादसोइअंगकंपाइ अथवासबतनुकंपकराइ तनुआक्षेपकरेवहुवार आक्षेपकतिसनामउचार

॥ अथकेवलवायुआक्षेपकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ करपदमस्तकीपडागंड स्तंभितवायुगात्रइवदंड अतिपीडासोअसाध्यकहीजे चरकग्रंथकोवाक्यधरीजे

॥ पित्तजवातआक्षेपकरोगलक्षणम् ।

॥ चौपई ॥ पित्तस्थानउदरादिकमाहि स्तंभकरैवातदंडइवताहि

। अथचोटलगनसेउत्पन्नवाततिसकेआक्षेपककालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ जोअस्थानचोटक्षतहोय तांहिउत्पतीवातजिहजोय तुल्यपीछलेसाथसुजान ग्रंथसकलजोकीनप्रमान

॥ अथइसकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ इसाविकारकोजानहितकार बलादितैलआगेसुविचार

। अथअंरातायामलक्षणम् ।

॥ चौपई ॥ गुल्फअंगुलीहृदयउदरजो वक्षस्थलगलजानुलहोसो नाडिनआश्रयहोइजुवाय फैलैतनुमोलताकीन्याय वेगकरैहनुनेत्रअडावे पार्श्वभग्नकरकफनिकसावै धनुषन्यायअंतरजुनिवावत कटिऊरूयहभग्नलषावत याहिवायुकोसुनहोनाम भाषतअहैसुअंतरायाम वातव्याधिचिकित्साजोय अंतरायाममेजानोसोय

॥ अथवाह्यायामरोगकालक्षण ।

॥ चौपई ॥ वाह्यस्नायुगतवातजुहोय वाह्यायामकेरेतिनसोय पार्श्वउरूकटिभग्नलषावत वाह्यायामलोकातिसगावत कंधपीडइनकोजुरुकाय धनुषसदृशकायाकरवाय अर्दितवातचिकित्साजोय तामोभीऔषधहितसोय

अथधनुषस्तंभलक्षणम्

॥ चौपई ॥ धनुषन्यायजोदेहनिवावै धनुषस्तंभनामतिंहिगावै

अथकुब्जवातलक्षणम्

॥ चौपई ॥ जोहृदपृष्टवायुदुःखदेवै पीडासंयुतउच्चकरेवै तांकोनामकुवजहैवाय वैद्यकग्रंथनकह्योसुनाय अंतरायामफुनवहिरायाम धनुषस्तंभअरुकुवजयहनाम याचारोमेंप्रसारणीतेल होरसामान्यचिकित्सामेल

अथकुब्जवातलक्षणविशेषचिकित्सा

॥ चौपई ॥ जिसकरहृदयपृष्ठयहदोय उन्नतपीडासंयुतहोय कुवजनामवातसोकहिये दशमूलकाथहितकरतिसलहिये स्नेहअरुमांसश्रेष्टहैजास तासचिकित्साकीनप्रकाश

अथअपतंत्रकरोगलक्षणम्

॥ चौपई ॥ रौद्यादिकवस्तूजोलहिये याहिवायुकेकोपहिंकहिये तिन्हकरक्रुद्धवातजोहोय स्थलतैंऊर्द्धचलतहैसोय हृदयदुखशिरपीडाकरै मस्तकहाडपीडवहुधरै अंगनिवावेधनुषान्याय श्वासलेतनखहुदुःखपाय नेत्रफटैवामीलतहोंहि कंठकवूतररवजिमिजोहि निरचेष्टासोपुरुषलहीजे नामवायुअपतंत्रकहीजे

॥ अथापतंत्रकचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ हरडवरचरहसणआनीजै अमलवेतसैंधासमकीजै घृतामिलायकरखावैजोय अपतंत्रकवातनाशतवहोय हरडछालवचसैंधालौन अमलवेतरालसमतौन ढाईटंकघृतरसआद्रकमेल खायअपतंत्रकरोगहरेल

॥ अथअपतानरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जांकेनेत्रआकडेरहैं कंठमांहिघुरघुररवलहै चेष्टादेहदूरहोइजावै हृदयगहेतवमोहसुपावै जबैहृदयकोत्यागेवाय तौनरसावधानतापाय जांकेतनुअसवायुलहीजै अपतानकतांहिनामकहीजैं

॥ अथदंडापतानकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफसंयुतजबहोवतवात अंगदंडइवसोअकडात यांकोदंडनामअपतान जानलहेहैवैद्यसुजान

अथअपतानरोगचिकित्सा

॥ चौपई ॥ वहेडेमुत्थरमचांपतीस विडंगीआद्रकलेसमपीस तप्ततोयअथवामदसंग पीवैश्वासकासहोइभंग अरुअपतानकवातविकार नाशहोयनिश्चयमनधार ॥ अन्यच्च ॥ दशमूलीकाथमोपीपलडाल पीयअपतानकरोगहिंटाल ॥ अन्यच्च तेलमर्दनअंगतौभीजाय ग्रंथप्रमानकह्योजुवनाय अन्यच्च सूकीवस्तुजुनासालेय तौभीरोगनिश्चयहरतेय गोघृतपानसेंभीयहजान स्नेहपानकरहततिहमान

॥ अथपक्षाघातलक्षणम् ।

॥ चौपई ॥ गहेअर्धदेहजोवाय नाडिनकोंजोदेहसुकाय हननएकभागतनुकरै सकलसंधवंधकरधैरे सोईवातअर्धांगकहावै अवरपक्षवंधनामलषावै

॥ अथपक्षाघातादिसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कुक्षिशूलनखभेदविकार वातविकारअनेकप्रकार पक्षाघातआदिजोकहै थोहडेकालकेसाध्यसोलहै

॥ अथपक्षाघातअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ आक्षेपकअरुअंतरायाम अर्दितापतानकवाह्यायाम दंडअपतानधनुषजोवात अपतंत्रकअरुपक्षाघात एतेवातअसाध्यपछानो कष्टसाध्यसुनभीनहिमानो वहुकाहलीसुअसाध्यकहावै वलीपुरुषकोसाध्यलखावै निर्वलकोंअसाध्यकहिगाए निरुपद्रवकोंसाध्यलखाए सहितउपद्रवमानअसाध्य ऐसेंभाषीवातउपाध्य

॥ अथउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ दाहमंदअग्नीसुअरुचजो यहीउपद्रवजानोतुमसो क्षीणमांसक्षीणबलजोऊ वातव्याधिहनहैनरसोऊ जांकीदेसुहस्तहोइजाय कंपअफाराजिहिउपजाय वातव्याधितांकोकरैनाश वैद्यकर्मीयौंक-

ह्योप्रकाश कह्योनिदानजिसेपरकार तैसेहमयहकीनउचार ॥ दोहा ॥ वातव्याधिवरणनकरीजेसेंलिखीनिदान ज्योंकीत्योंउरसमझकैभाषाकरीवषान

॥ अथशुद्धवातव्याधिचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्सावातकीसोहैअनेकप्रकार सोसुनलीजैचतुरनरपुनकीजेउपचार ॥ चौपई ॥ वातव्याधिजासतनुहोय इहविधिकरैचिकित्सासोय सेवनइन्हवस्तुनकोंराषे वातव्याधिकोंइहविधिभाषे मज्जावसातैलघृतपान तैलाभ्यंगस्वेदतनुमान वस्तीकर्मरेचननसवार स्निग्धलवणअमलआहार अन्नादिपुष्टिकरवस्तुजुलहिये श्रेष्टसोवातरोगमोंकहिये ॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ पटोलकायफलसमयहआन पीवैयूषवातहरमान केवलवाग्यालककोक्काथ वातहरणयहलषियेगाथ ॥ अथदुग्धपान ॥ चौपई ॥ बालपंचमूलसमल्याय पीसदुग्धमोंपायपकाय व्याधीदुग्धपानजवकरै वातव्याधिपीडापरिहरै ॥ अथलेप ॥ चौपई ॥ रहसनपंचकोलसुरदार कुलत्थमाषतिसकुठसुडार वर्चसतावरीयवकोचूरण यहसमपीसकीजियेपूरण अलसीअवरजुकांजीपाय तप्तकरेसोलेपधराय वातव्याधिकोदुःखमिटाय वंगसेनमतदियोवताय ॥ अन्यच्च ॥ दशमूलीकोक्काथवनावै चारस्नेहकतामोंपावै गंधमिलायकरमर्दनकीजै वातव्यथातनुकीतवछीजै ॥ अन्यच्च ॥ मत्समांसकोंआनसुकावै वेसवारसमसंगमिलावै तप्तनीरसोंलेपनकरै वातरोगतातेंपरिहरै ॥ वेसवारवर्णनम् ॥ मांसअस्थिविनगुडघृतपावै तांमोंमरचांमघांमिलावै वेसवारताहूंकोंकहै वातव्याधिकोंहरतालहै मरुवेकारसमर्दनकरै तौभीवातव्यथातनुटरै ॥ अन्यच्च ॥ मदिराकांजीचारस्नेह समयहलेपनकीजेएह तौभीवातव्यथामिटजाय बंगसेनयोंकहेसुनाय ॥ अन्यच्च ॥ नेजनकोस्नेहनिकलावै मर्दनकरैवातदुःखजावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ असंगधवलासुंठीदशमूल नखरहसणपीसेसमतूल तप्तनीरसोंलेपेपीवै नाशवातव्याधकोथीवै.

॥ अथपक्षाघातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पक्षाघातकादिजोवात तासचिकित्सायोंविख्यात रहसणहिंगुबलादशमूल सुंटशतावरिवचसमतूल यहामिलायकरतैलपकावै खावैअरुतनुकोंमलवावै तौवाहुवातशिरवातविनाशै पक्षाघातविश्वाचीनाशै ॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ माषकपिकच्छूएरंडआन बलामिलायकाथसमठान सेंधाहिंगुयुक्तकरपीवै पक्षाघातनाशतबथीवै ॥ अन्यच्च ॥ एरंडसुंठीबलाजवाहां माषक्काथसमकरोतहांहां सेंधासहितनासकाद्वार पीवैपक्षाघातविडार नेत्ररोगाशिररोगविनाशैं इत्यादिकगुणयाकेभासैं ॥ अन्यच्च ॥ माषबलाशुकशिंवीआनै कटतृनरहसणएरंडठानै पुनअसगंधपायकरकाथ नासाद्वारहिंगुसेंधासाथ पीवैपक्षाघातमिटावै ग्रीवस्तंभश्रुतनादमिटावै ॥ अन्यच्च ॥ चित्रामघांपिप्पलामूल रहसणसुंठीसेंधासमतूल माषक्काथसंगतैलसिद्धकीजै पक्षाघातनाशकरदीजै ॥ अथतैल ॥ चौपई ॥ एरंडजमूलीमाषपतीस लवणशतावरिरहसणपीस माषवलाकोक्काथबनावै क्काथमाहिसमतैलपकावै तैलदेहमोंमलजुखाय पक्षाघातवातमिटजाय महुएकारसगुग्गुलुबीजवोय बकरीमेंगणकटेलीरसजोय पांचपांचटंकसबीपरमान महीनपीसकायालेपान कमरबरोबरखातखोदाय आसपासतिसआकपत्तचाय पक्षाघातरोगीतिहमाहि बैठावैजबपसीनाआहि तिसीसमैपक्षाघातसबहरै वैद्यविनोदइहविधिउच्चरै

॥ अथनिद्रानाशरोगयत्न ॥

॥ चौपई ॥ भुंनीभंगसुचूर्णपिसाय अनुमानउचितसहतमिलाय चाटैनिश्चयनिद्राआवै अतीसारसंग्रहणीजावै क्षुधाअधिकप्रगटैहृदमाहि वैद्यविनोदविधकह्योवनाहि ॥ पुनः ॥ पिप्पलामूलचूरणगुडसाथ चाटैनष्टनींदप्रगटात ॥पुनः॥ कागलहरीकीजढजोआनै सिरमेबांधनिद्राबहुठानै ॥ पुनः। हाथनसोंपगयुगजुदबावै तौभीनिद्रासोप्रगटावै ॥पुनः॥ वेंगनभुंनेसहतमिलाय खावैततक्षणनींदउपजाय ॥पुनः॥ एरंडतेलअलसीकातेल दोइसमकांसपात्रमोंमेल खूवघसैंघसनेत्रनपाय तौभीजानोनिद्राआय ॥पुनः॥ बकरीदूधसोंपादथलधोवै निद्राआवैदाहफुनखोवै ॥ पुनः ॥ कस्तूरीस्त्रीदुग्धमिलाय अंजनकरअतिनिद्राआय ॥ पुनः ॥ सौंफभंगमहीनपीसकर बकरीदूधपायगर्मकर सुहातालेपजुनेत्रैंकरे तांतेंनिद्राआयसुवरे अथतंद्रालक्षणम् बातअवरकफवाततेंजान देहभारीजुअरुचितामान अथतंद्राचिकित्सा मालतीपत्रपुष्पकोंआन मरचकौडवचकरोमिलान सेंधावत्समूत्रकेसंग अंजनपावेतंद्राभंग ॥ पुनः ॥ मालकंगुणीतैलकेसंग धत्तूरमूलसोंनस्यसुचंग तंद्राकोंयहदूरनिवारें नस्यकर्मसोश्रेष्ठउचारें ॥पुनः॥ पलांडूहिंगूलसनमंगाय वर्चकौडपुनतांहिरलाय जीवंतीरससंगघसावै नेत्रैंपायतंद्रामिटजावै

॥ अथसर्वांगवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जबसर्वांगकोपकरवावे गात्रभंजकंपप्रगटावे संध्यस्थीस्फुटकरतहैसोय गात्रपीडउपजावैजोय

॥ अथसर्वांगवातयत्न ॥

चौपई जांहिसर्वंगतवातलषावै तौनाडीकोरुधिरछुडावै विषगर्भआदिजोतैलकहावै मलेरोगसर्वांगहटावै ॥ अथलसनपिंडी ॥ चौपई ॥ लहसणअर्धपलपीसकुटाय माषमाषयहऔषधपाय सैंधासौंचलत्रिकुटाजीरा हिंगुचूर्णयहजानोवीरा इकदिनकीइहमात्राकही मासप्रयंतषावैइहसही एरंडक्राथसंगचूरणखाय वातव्याधिसवहीमिटजाय एकांगवातअथवासर्वांग ऊरुस्तंभकमहोवेभंग अवरगृध्रसीकोहोइनाश लहसनपिंडीयहकीनप्रकाश ॥ अन्यच्च ॥ लसुनलीजिएपलजोतीस अंकुरकंचुकविनलेपीस मधुघृतगुडपलपांचोपांच सर्षपतैलदोइपलसांच जीराहिंगुतिंतडीचित्रा दाडिमत्रिकुटाजानोमित्रा गजपीपलमघपुष्करमूल पांचलवणअरुपिपलामूल दोइक्षारधनियांपुनलेय अर्धअर्धकर्षधरदेय पीसमिलाययथाबलषावैं वातरोगएतेमिटजावै पक्षाघातआमकोवात भग्नास्थिपृष्ठकटिवातहिघात वामनकुबजसुवातविनाशे सर्वांगअवरअर्धांगहिनाशैं अपस्मारगुल्मजोपांच वातकफजरुजनाशैंसांच लसणपिंडीपुनयहजोकही एतेरोगनिवारेसही क्राथ देवदारुसुंठीसमक्राथ पीवेवातहरेलषगाथ अथअवलेह सूक्ष्मपीसैलसणबनाय घृतामिलायचाटैअरुषाय अरुबहुघृतयुतभोजनकरै वातजव्याधिहरैदुःखटरै

॥ अथएकांगवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ एकांगवायुपरश्रृंगीलावै वातहटैरोगीसुखपावै अथवापीवेएरंडतेल वादशमूलविजोरामेल

॥ अथत्वचागतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ त्वचामध्यजवकोपैवाय स्फोटअंगकृशताउपजाय सोवैअंगरोषताकरै कृष्णावरणतनुकोअनुसरे लालरंगभीकरताजोय पर्वनमोंपीडाकरसोय

॥ अथत्वग्वातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अनिलत्वचामोंकोपैजाय अभ्यंगस्नेहतासउपाय अरुपरस्वेदउपायपछान होवैत्वचावातकीहान

॥ अथरसगतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई अन्नपाकातिसहोवतनाहि तनभाराअरज्वरप्रगटाहि किसीवस्तुमोचित्तनचाह रसगतवातलषोविधिताह ॥ अथरसगतवातचिकित्सा ॥ रसगतहोवैवातविकार मर्दनतैलतिसेसुखकार

॥ अथरुधिरवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रुधिरमध्यकोपैजबवाय तीव्रपीडसंतापलषाय कृशअरुतनुविवरणकरदेवै अन्नअरुचताव्रणप्रगटेवै भुक्तस्तंभकरतहैसोऊ एतेदुःखप्रगटावैचोऊ ॥

॥ अथरक्तवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ रक्तमाहिजोकोपैवाय शीतललेपनतासउपाय रेचनरक्तमोक्षपुनजानो यहउपायताकेमनआनो ॥

॥ अथमांसमेदगतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसमेदमोंकरैसंचार अंगगुरुताअंगपीडाविकार दंडहतैइवपीडाहोई दुःखसहितश्रमउपजैजोई ॥

॥ अथमांसमेदगतवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मांसमेदजोकोपैवात रेचनतांहिशांतकरजात अवरजुवस्तीकरैनिरूह तांतेंजायजुरोगसमूह ॥

॥ अथमज्जागतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मज्जाअस्थिगतहोवैवात तनुविकारताहूंप्रगटात सबसंधीमोकोपैजवै इहविकाराचितवतैंतवै ॥ चौपई ॥ अस्थिपर्वसंधिपीडाहोय अवरशूलनितकरहैजोय बलमांसजुनिद्राबहुजास एतेदुःखकरैपरकाश

॥ अथमज्जाअस्थिगतवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोमज्जाअस्थीमंझार कुपितवातकरहैसंचार सनेहपानअरुमर्दनजान यहउपायतांकोपरिमान ॥ अथतांकोमर्दनतैल ॥ नागवलाकेतकीमंगावै अरुअतिबलामंगायपिसावै तीनोकारसलेहुछनाय तासमतैलजुपायपकाय पुनतुषजलसोंतैलपकावै भलीभांतअंगनमलवावै वातअस्थिमज्जागतजावै वंगसेनइहविधीदिखावै ॥

॥ अथशुक्रगतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातवीर्यमोंइस्थितहोय. शीघ्रवीर्यकोंत्यागेसोय गर्भधारनसमर्थिताजोई करैविकारनाशहैसोई ॥

॥ अथशुक्रवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोवीरजमोंप्रविसेवाय वीर्यकरनवस्तूंसोषाय हर्षउपाजनऔषधजान वलकरअन्नपानहितमान ॥

॥ अथकोष्टकतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कोष्टविषैंजबइस्थितहोय विष्टामूत्ररोधकरसोय हृदयरोगगुल्मउपजावै अर्शपार्श्वशूलप्रगटावै ॥

॥ अथकोष्टगतवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अरुजुकोष्टमोंकोपैवाय रेचनसेकवंधनसुखदाय पाचनवस्तूसेवनकरै अथवादूधपानहितवरै

॥ अथआमाशयवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ काचीआमविषैंजबआवै श्वासकासतांतैंप्रगटावै पार्श्वशूलहृदनाभिदुःखावै कंठशोषमुखशोषकरावै त्रिषाडिकारविसूचिकाकरै यहदुःखवातआमकचधरै ॥

॥ अथआमाशयवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ चित्राइंद्रयवकौडपतीस पीठाहरडेंलेसमपीस सप्तरात्रिपीवैजलसंग आमस्थानवातकरभंग दीपनपाचनऔषधषाय लंघनवमनरेचनकरवाय पथ्यमुंगीपुरातनचावल आमाशयवातहरैतिहनिश्चल हरडछालवापुष्करमूल कचूरविल्वगिरगिलोयसमतूल देवदारुवचसोंठपतीस वायविडंगपीपलसमपीस काढाकरैप्रातउठपीवै आमाशयकीवातहरीवै ॥

॥ अथपक्काशयगतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पक्कआममोंइस्थितहोय शूलआंद्रकूजनकरसोय विष्टामूत्रकष्टसोंआवै अफारात्रिकुलपीडाउपजावै ॥

॥ अथपक्काशयगतवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ स्नेहविरेचनवस्तीजान सलवणभोजनहितकरमान ॥

॥ अथकुक्षिगातवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सुंठीचित्राकोगडवीज समलेचूरणजलसोपीज प्रातहिंपीइकुक्षिवायुनसावै दुःखमिटैव्याधीसुखपावै

॥ अथगर्भवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ विकाररूपजवमारुतधारै पित्तकफदूषितकरडारै गर्भस्थानप्रवेशकरसोय गर्भसुकायडारतहैजोय तिहकरवालकसूकतजाय शुश्कवालकत्रियजन्मेआय।

॥ अथउसकाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ काश्मीरीअरुसितामुलट्ठ चूरणसमपयषायइकट्ठ ताहिश्रेष्ठयहचूरणअहै शोषरोगविनवालकलहै

॥ अथगुदामेंरहेजोवातउस्काललक्षण ॥

॥ चौपई ॥ मलमूत्रजववातरुकावै उदरशूलअफाराप्रगटावै पथरीरोगसोयप्रगटाय अगनमोंअतिपीडकराय जंघांउरुत्रिकपादजुपृष्ट पीडाशोथहोयतिसरिष्ट वस्थिकर्मसेंयहरुजजाय ग्रंथप्रमाणकह्योसुवनाय

॥ अथहृदयवातलक्षणचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ हृदात्रिकुलमूंहडेअरुग्रीव प्रविसेमारुतयोंलषलीव वमनकरावैलेनसवार इहउपायतांकोंसुखकार ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ प्रियंगूमूलजुमरचगिलोय समलेंजलसोपीवैसोय हृदयवातनाशहोइजाय होइआरोग्यरोगीसुखपाय ॥ अन्यच्च ॥ असगंधवहेडेसमयहआन नीकेपीससजलकरपान तौभीहृदयवातमिटजावत समुझलीजियेंऐसेंगावत ॥ अन्यच्च ॥ देवदारुसुंठीसमलीजै तप्तोदकसोंचूरणपीजै हृदयवातपीडानरहाय रोगजायरोगीसुखपाय

॥ अथश्रोत्रादिवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ श्रोत्रादिकइंद्रीमोंकोपै बंधकरैसबइंद्रियलोपै विषयअपनेग्रहशक्तिनधरै हीनपराक्रमतालषपरै

॥ अथयत्न ॥

॥ चौपई ॥ सेकतैलादिकमर्दनकरै यहीवातकोंनिश्चैहरै वातहरणलेपजोहोय तामोहितकरजानोसोय ॥

॥ अथसिरानाडीगतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोनाडीनमोंवाताविकार कुब्जशूलकरतासुनिहार नाडिनकोंसोस्थूलकरावै खलिसंकोचसिराप्रगटावै

॥ अथस्नायूनाडीगतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ स्नायूगतजववातजुहोय ऐसेलक्षणकरैहसोय सर्वअंगवाएकहिअंग उपजेरोगकरेतिसभंग

॥ अथयत्न ॥

॥ चौपई ॥ फस्तकरैरोगयहजाय ग्रंथसमस्तमोंकह्योवनाय रक्तदूरकरविधीकरावै स्नायूगतवायूनरहावै.

॥ अथसंधिगतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ संधीगतजोहोवेवात संधिनकोसोकरैघात शूलअवरजोशोथजनावै संधीगतविधिवातजुगावै

॥ अथपंचांगवातलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ प्राणउदानसमानफुनिकहिएव्यानअपान प्राणादिकइहपांहैतिनकोंकहोंनिदान
॥ चौपई ॥ प्राणवायुपित्तसंयुतजोय छर्दिदाहउपजावैसोय कफसंयुक्तप्राणजुवाय तंद्रात्रिरसदुर्बलउप-

जाय पित्तयुक्तअपानजवहोय दाहउष्णतनुकरहैसोय रक्तमूत्रतिसनरकोआवै ऐसेंपित्तयुतलक्षणगावै कफसंयुतअपानजुहोय अधतनुशीतगुरुताकरसोय व्यानपित्तसोंमिलहैजवहीं दाहगात्रविक्षेपक्लमकरही व्यनमिलेजबककफसोजाय दंडन्यायअस्तंभकराय शूलशोथउपजावतसोय कफसंयुतव्यानजवहोय अन्नअरुपानवचनमंझार तिसकरविनसमर्थनरनार जोउदानपित्तयुतहोय मूर्छादाहश्रमकरहैसोय कफसंयुत्तउदानामिलीजै स्वेदरहितमंदअग्निभनीजै शीतकरैरोमांचकारावै एतेलक्षणतांकेगावै पित्तसंयुत्तजुहोयसमान स्वेददाहमूर्छाकरजान देहउष्णराषतहैसोय पित्तसंयुक्तसमानजुहोय कफसंयुतजुसमानकहावै विष्टामूत्रबंधकरवावै अरुरोमांचदेहमोकरै एतेलक्षणयहनिजधरै ऐसेपंचवायुकोंजानो आगेऔरकहैसोमानो

॥ अथयत्नसंधिनाडीगतवातकाउपाय॥

॥ चौपई ॥ सेकतैलमर्दनाहतकार इंद्रवारुणीजढलेधार फुनपीपलतामोपीसाय ढाइटंकगुडसाथहिखाय संधिप्राप्तवातजिहहोय सबहीवातनिवारैसोय जांहिसंधिनाडीगतवात आमसहितसोकोपदिखात तिंहिसनेहमदरनकरवावै अग्निगुल्लतादेहादिवावै अरुबंधनदृढतनुकोंकरै थोंवातजपीडापरिहरै

॥ अथकंपवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ याहीसटीलापथरीकोंरै मूत्रकृछ्रादिरोगबहुधरै शिरसर्वांगकंपावैजोय कंपवातकहियतहैसोय

॥ अथकंपवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सर्वअंगसिरादिकजेऊ जासअनलतेकोंपतेऊ वेपथुनामवातसोकहिये तिसेंस्वेदमर्दनहितलहिये बलामर्कटीअवरशतावर सितपुनर्नवाइन्हकीलजढ सेंधाइहसमानसबलेय जिंगणकातरुरसातिहिंदेय सबसमतैलमिलायपकावै मर्दनकरैवातरुजजावै

॥ अथतंद्रादिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफसेंमिलितहोयजोवाय अरुचगौरवतंद्राउपजाय रहैघूर्निताशिथिलजुदेह ऐसेलक्षणजानोतेह

॥ अथतंद्रादिचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ लेसुरमाअरुलोधरमरच लोहचूर्णगोपित्तहिंसरच षावेतांकोतंद्राजाय अरुचगौरवताताहिमिटाय ॥ अन्यच्च ॥ गंडेलसणवरचअरहिंग कौडजावंतीसमलेसंग जीवंतीरसमेलषवावै कफयुततंद्रावातामिटावै

॥ अथसुप्तवातचिकित्सा ॥

॥ अथकाथ॥ चौपई ॥ हरडसुंठअरुपुष्करमूर मघांदेवदारूजुकचूर गिलोयवडिंगवांसाजुपतीस इन्हकोकाथकरैसमपीस सुप्तवातकोहरताएह यहनिश्चैमनमोधरलेह दुग्धप्रियंगूमूलपिसाय दुग्धसंगतांकोसुपिलाय सुप्तवातकोहोइहैनाश रुधिरमोक्षऔषधहिततास

॥ अथवृषणवाताचिकित्सा ॥

॥ अथतैल ॥ चौपई ॥ प्रातःतैलआद्रकरससंग पीवैवृषणवातहोइभंग अथवामर्दनकरैवनाय रोगजायरोगीसुखपाय

॥ अथसामान्यवातरोगोत्पत्तिःचिकित्साच ॥

॥ चौपई ॥ सामान्यचिकित्सायांकीकहों मर्दनतैलजुपरसालहों जोविशेषयालक्षणलहोइ सोसमस्तअबभाषैसोइ कफसेतीमिलहैजबवाय देहस्तंभकरैदुखदाय ॥ अथवातहरणनसवार ॥ चौपई ॥ मरचसुहांजणवीजविडंग मरुबालेसमपीसोचंग सूक्ष्मकरदेवैनसवार नाशहोइतबवातविकार ॥ अथ चूर्ण ॥ चौपई ॥ अमलवेतदाडिमसुंठहिंग सौंचललवणलीजियेसंग यहसमचूरणखावैजोय रोगवातकफहरहैसोय ॥ अथगुग्गुलुवटिका ॥ चौपई ॥ त्रिफलामघयहपलपललीजै एलादालचीनीअधअधपललीजै गुग्गुलुपांचपलपीसमिलावै दशमूलक्वाथसोंखरलकरावै सातपुठतांजलकीदीजै तिंहिसुकायपुनपुनसोंलीजै वलअनुसारवटकाकरखाय मज्जासंधिगतवातनरहाय खावैगुटकामांसरससाथ हरेवातसवहीसुनगाथ अथएरंडादिगुग्गुलु चौपई सितएरंडादिमूलत्वचआन सहचरदोयमूलत्वचठान मुस्थरजवांहांवांसाजानो देवदारुकौडपुनमानो हरडैवलादोयकंड्यारी दोइपुनर्नवाचाहियेडारी पंचकोलअजमोदशतावरि असगंधगिलोयसटीहलदधरि भषडाअमलतासविडंग धनियांदालहलदधरसंग शतपुष्पाजानोदोयप्रकार वरचविधारातामोडार अजवायणअरुआनपतीस सबसमगुग्गुलुमेलोपीस वलअनुसारयाहिनितखावै सबहीवातविकारमिटावै यांकोंदीपनपाचनजान आमवातशोथकरहान अथत्रयोदशांगगुग्गुलु चौपई हरडअसगंधहौवेरगिलोय गोषररहसणसटीसमोय विधारासौंफअजवायणआन सुंठशतावरसमलेठान चूरणकरसमगुग्गुलुडारै तिसतैंअर्धघृतपायसुधारै चारटंककोगुटकाकरै खावैवातव्याधिकोंहरै कोसेजलसोंगुटकाषाय अथवामद्यसाथअचवाय साथमांसरसवापयसंग षावेगुटकारुजहोयभंग गृध्रसीकटिपीडामिटजाय वातअवरकफरोगनसाय वाहुपृष्टहनुजानूपाद संधअस्थिमारुतवराबाद कोष्टस्नायुगतवातविकार योनिदोषहृदयहकोंटार भग्नअस्थिषंजअरुपंगु इत्यादिकरैइहगुग्गुलुभंगु अथस्वयंभवगुग्गुलु चौपई त्रिकुटादोनोलेवैच्चार तीनोलवणहरडपुनडार दोईजीरेअजवायणदोय चित्राचवकवरचसमजोय सोमराजीअरुपिपलामूल यहसबलीजैइकसमतूल इन्हसबसमपुनगुग्गुलुपावै अमलवेतइकपादरलावै गुटकाबांधेंबलअनुसार खावैआमवातकोंटार संधिअस्थिमज्जाकीवाय इत्यादिकमारुतरुजजाय भग्नअंगकोंयहदृढकरै दीपनअरुपाचनलषपरै देवदेवस्वयंभूगायो स्वायंभवयोंनामकहायो अथपत्रलवण चौपई एरंडअरुआटरूषकआन मुष्कनक्तमालपहिचान चित्राअरुपूतीकपछानो इन्हकेहरेपत्रसमआनो सबसमलवणजुसिंधुमिलावै सबहीऔषधपायकुटावै पुनस्निग्धघटसोंसोडार तापरगोवरलेपसुधार अग्निमाहिधरआगादेह योंपकायकरखावैतेह वातरोगपरश्रेष्टविचार वंगसेनयोंकीनउचार ॥ अथस्नेहलवण ॥ चौपई ॥ थोहररसलेअरुवृंताक सेंधालवणसमुभयहवाक यहसमकूटकलसमोपावै मज्जावसाघृततैलसमावै गोवरलेपकीजियेजास अग्निपकायसेकियेतास वातरोगकोंजीतैएह ऐसेंअपनेमनलखलेह ॥ अथतिल्वादिघृत ॥ चौपई ॥ लोधरलीजियेपलपरिमान कर्षकर्षयहऔषधठान त्रिफलादंतीचित्रविडंग शंखिनिअरुगिलोयधरसंग दधिअरुत्रिफलेकाजोक्वाथ

चारगुणामेलोतिहिसाथ प्रस्थएकघृतपायविचार मंदअग्निसोंताहिसुधार नित्यप्रातउठयहघृतषावे वातरोगकोंसोईमिटावे ॥ अथरास्नादिघृत ॥ चौपई । रहसणचित्रामघामंगाय विल्वसुहांजणासेंधापाय भषडेलेपुनपुष्करमूल कर्षकर्षलीजेसमतूल यहचूरणसंगघृतकेपकावे खावेवातव्याधिमिटजावे । इतिरास्नादिघृत। अथअश्वगंधघृत । अश्वगंधकोकाथकरावे दुग्धचतुर्गणप्रस्थघृतपावे वातरोगकोंघृतयहहरे देहधातुपुष्टबहुकरे । अथदशमूलादिघृत । चौपई । चारचारपललेदशमूल प्रस्थप्रस्थपुनइहसमतूल वदरीफलकुलत्थयवआन द्रोणतोयमोंकाथसुठान गणजीवनीयपलएकप्रमाण ताहिकाथसंगकरोमिलान रहैपादशेषसोजवे प्रस्थएकघृतडारेतवे चारप्रस्थपयपायपकाय खावेवातजव्याधिनसाय । अथछागलादिघृत । चौपई । छागलएकपुष्टमंगवावे चरमशृंगपगदूरकरावे अरुतांकीमलदूरनिवारे द्रोणएकजलमोंसोडारे पलवत्तीसपाददशमूल अग्निजलायचढावेचूल पादशेषरहैवहजवे तलैउतारछनावैतवे प्रस्थदुग्धप्रस्थघृतपाय मंदअग्निकरतांहिधराय मुलहठशतावरिगणजीवनीआन कर्षकर्षपीसोंतिंहठात इहप्रकारपकायसुषावे वातरोगअर्दितमिटजावे कर्णशूलवधिरतानाशे मूकत्वजडतातासबिनाशे मूकहिहोयबाचालसुवाणी गदगदस्वरकीहोवतहानी गृध्रसिपंगुपंजअपतान अपतंत्रवातकीहोवेहान अथवलातैल चौपई बलाअवरएरंडसमआन काथवनावैवैद्यसुजान तासोंतैलपकायजुषावे सवहीवातब्याधिमिटजावे अथमहावलातैल चौपई बलाअग्निमंथएरंडदोइ कंड्यारीअरुअसगंधहोइ विल्वगोखुरूअवरशतावर नागवलास्योनाकतहांधर दोसहचरपाटलपुनपावे शालिपर्णिपृष्टपर्णिलषावे अरुप्रसारणीऔषधघाल केतकीवकायणतामोंडाल दशदशपलयहऔषधलेय दोयद्रोणजलमोंजुधरेय मंदअग्निसोंतांहिपकावे पादशेषजबरहैछनावे दोयप्रस्थतैलपुनताहिमिलाय कर्षकर्षयहचूरणपाय रहसणजीवनीगणमांसीकुष्ठ सेंधावरचएलाजुइकष्ठ तालीसपत्रदालचीनीठान मुस्थरमजीठतिहिकरोमिलान देवदारुअरुबालापाय कंकुष्टशरलपुनतांहिमिलाय अरुतेहपावोपिपलामूल पीसपायसबहीसवतूल दूधदोइगुणताहरलावे शतावरिरसगुणचारमिलावे सबइकत्रकरअग्निपकाय शीतलकरवासनधरवाय षावैमलैलेयनसवार सर्वरोगवातजकोटार अरुयहवातरक्तकोंनाशे आमवातयहरोगविनाशे ॥ अथअन्यमहावलातैल । चौपई । बलामूलकोकाथवनावे अरुदशमूलीकाथकरावे यवकुलत्थवदरीफलतीन इन्हकोकाथभिन्नपरवीन अठअठप्रस्थजुइन्हकोकाथ एकप्रस्थतैलदेसाथ एकप्रस्थगणमधुरमिलावे पुनइहऔषधताहिरलावे सेंधासर्जरसलेसुरदार सरलवृक्षकुठएलाडार अगरतगरलेकाष्टमजीठ छडमोड्योधरचंदनईठ तालीसपत्रसारिवापद्मान वरचशैलेयजुसौंफसुठान असगंधशतावरिइटसिटलीजे यहकर्षकर्षसमभागगहीजे इहप्रकारसोंतैलपकाय स्वर्णरजतमृतभाजनपाय वलअनुसारतांहिकोषावे सबहीवातविकारनसावे प्रसूतवातयुतइस्त्रीजोय षावैवातप्रसूतजषोय गर्भार्थिनीजुषावेएह गर्भप्राप्तहोवैपुनतेह वलकरहीनपुरुषजोषावे वलप्राप्तीथिरयौवनथावे श्वासकासहिडकीहोइनाश अंत्रवृद्धफुनगुल्मविनाश यांतेंराजाधनीकहावत तैलषायपरमसुखपावत ॥ अथसहचरादितैल ॥ चौपई ॥ सहचरितुलाजलद्रोणपकावे तैलप्रस्थपादशेषमिलावे दुग्धचतुर्गुणपावेतेल पुनचूरणयहऔषधमेल चंदनअगरमुष्ठलकचूर देवदारुसेंधातिहिंपूर मुस्थरअजमोदादोईजीरा दोइकाकोलीजानोवीरा सौंचलकुष्ठभिडंगीठान त्रिकुटारहसणभषडामान यहसबकर्षकर्षगहलीजें पुनिशर्करा अष्टपलदीजें यांकोंपीवैमर्दनकरे अरुनसवारलेयदुःखटरे ऊर्ध्वअधोवाहुकजोवात कर्णवातअरुपक्षाघात नाशहोंहिया-

गुणविख्यात यहनिश्चयआनोयहवात वातअवरकफकेजुविकार नाशहोहिसवयोंमनधार अरुशिरकं-परोगमिटजावै वंगसेंनयौंप्रगटजनावै ॥ अथमहासहचरादितैल ॥ चौपई ॥ सहचरिकाशमरीजु-शतावर पाटलबिल्ववरचतांहीधर वलामूलअसगंधपछान इन्हकोतुलातुलापरिमान चारद्रोणज-लपायपकावै चतुर्थभागरहैछानधरावै पुनशतावरीहिंगुमंगाय देवदारुरहसणपुनपाय तज्जमुलट्ठीचि-त्राठान सेंधातगरविडंगपछान एलायहसबपलपलपावै दोइप्रस्थातिहितैलमिलावै मंदअग्निसोंलेहुपक-य नित्ययथावलतांकोषाय मर्दनकरैलेयनसवार अस्सीरोगवातकेटार चालीरोगपित्तकेंनाशैं बीस-रोगकफकेंजुविनाशैं याहितैलकोपानप्रमान नाशैएतेरुजमनआन महासहचरादियहतैल षाबैमर्देवा-हुरुजठेल अथश्रीविष्णुतैल चौपई शालिपर्णिअरुपृष्टापर्णी भूमिआंवलीकट्ठिकरणी एरंडमूलजोपू-तिकमूल सहचरिमूलधम्मणीमूल अरुकंड्यारीमूलजुआन अवरबलापलपलपरिमान प्रस्थतैलमोंपीस-रलावै चतुर्गुणअजाबागोपयपावै अग्निपकायजुषावैतास वातरोगकोहोइहैनाश याहिवृद्धनरषावैजोय दीर्घआयुजुवासोऊहोय घोडेहाथीकोंजुपिलावै बहुबलहोइवातरुजजावै हृदयशूलअरुपार्श्वजुशूल प-च्छाघातदोषनिर्मूल कंकरिपथरीपांडुविनाशै रक्तवृद्धगलगंडहिनाशैं अवरकामलारोगविडारै बंध्याषा-यगर्भसोधारै षद्वरकोंजोदेवैएह गर्भधरैयामोंनसंदेह नरनारीषावैजोकोय जरामृत्युकोंप्राप्तनहोय वा-तविकारसकलहोएनाश श्रीविष्णुवदनतंभयोप्रकाश ॥ अथमहातैल ॥ चौपई। बलाअसगंधरहसणसु-रदार बरचशालपर्णीपुनडार नागवलाचंदनजुभिलावै नतलोहसेंधाअगरजुपावै पुष्करकाकोलीजुमुल-ट्ठ विदारीचित्राकरोइकट्ठ मेदागुग्गुलुजीराठान सुंठद्राक्षगुडधनियांजान यहऔषधसमलेयकुटावै सब-तैंदुगुणोंतैलमिलावै तोयचतुर्गुणतासमिलाय अमलकांजीदधिदुग्धसमाय विधिवततैलपकावैसोय षा-वैमलैवातरुजषोय अरुलेवैतांकीनसवार स्तंभवातअपतानविडार दंडवातअरुपिंडतवात वेपमानवायू, करघात कुवजषंजवातयहनाशै वृद्धयुवासुंदरहोइभासै भग्नअश्वहस्तीकोंदीजै वेगतासमपवनलही जै बंध्याषायपुत्रसमदेव दीर्घायुसबगुणयुतलेव अरुजोसकलवातकोरोग यांकरसबरुजहोंहिअयोग ॥ अथलघुनारायणीतैल ॥ चौपई ॥ शतावरीअंशुमतीजुकचूर पृष्टापरणीएरंडमूल बलाधम्मणीमू-लपछानो सहचरिमूलकरंजूआनो पुनकंड्यारीकोलमूल दशदशपललीजैंसमतूल एकद्रोणजलपायप-कावै पादशेषरहैताहिछनावै पुनयहअर्धअर्धपलआन इटसिटमरचशतावरिजान दालहलदचंदनकुठए-ला मांसीरक्तचंदनकरमेला अगराशिलाजितसेंधालून बलाशालिपर्णीकरचून असगंधमजीठजुमुस्थ-रआनो रीउदप्रियंगुतितडीठानो अवरस्थौणआनरलावै रहसनयहसबपीसमिलावै अजागोदुग्धप्रस्थ दोपावै प्रस्थशतावरिरससंगरलावै प्रस्थतैलमोंपायपकाय पाछेचूरणयहतिसपाय लवंगदालचीनीनख-मरच रसोंतजुनालिकामस्तकीसर्च मुष्ककपूरवरोजाकेसर लाजवंतिकस्तूरीतिहधर वस्तूयहातांहिपीसर-लाय बलअनुसारषायमलाय वातभग्नजोमानुषहोय हस्तीअश्ववातहतसोय तिन्हकोंजोयहतैलषुला-वै इन्हेसबकीवातरुजजावै वृद्धयुवाहोएअतिबलवान बडीआरबलासंयुतमान अश्वतरीजोगर्भहिलहैं मानुषतियकीक्यागतकहैं हृदयशूलअरुपच्छाघात पार्श्वशूलअपचीकोघात हनूग्रहगंडमालअशमरी पांडुकामलाषीडाहरी ॥ अथमध्यमनारायणतैल ॥ चौपई ॥ बिल्वअग्निमंथस्योनाक असगंधवकायन-निश्चयवाक पाटलअरुप्रसारिणीआन बलाअतिबलाभषडेठान दोइकंड्यारीइटसिटलीजै दशदशपल-परिमानधरीजै द्रोणचारजलपायपकावै पादशेषरहैछानधरावै तैलप्रस्थदोइपायपकाय पुनयहदोइदो-

इपलपाय सौंफलेयफुनकुठसुरदार मांसीवरचतगरपुनडार चंदनएलाचारोपरणी रहसणसेंधाइटसि-टवरणी अरुअसगंधपीसतिंहपाय यहऔषधपावेसमभाय शालिपर्णिअरुमाषपर्णिजो पृथकपर्णिअ-रुपृष्टपर्णिसो चारपर्णिएसेंलषपाई भिन्नभिन्नसोभाषसुनाई औरसतावरिरसतिंहिठान एकप्रस्थतांको-परिमाण दुग्धअजावागौकाआनै परिमाणचतुर्गुणतांमोठानै इहप्रकारसोतैलपकाय नित्ययथाबलतां-कोंषाय मर्दनकरैलेयनसवार नरहयहस्तीहोयबलधार पंगुअवरअधोवातनसावै शिरकीवातगलग्रहजावै ग्रीवास्तंभदांतकेरोग हनूस्तंभहोइजांहिअजोग गातिविकलताअरुअंगशोष नष्टवीर्यताज्वरहरदोष इ-द्रियचीणताहोवैनाश जिव्हादोषवृद्धिदोषविनाश वातसहितकन्यासुतजोइ सूकजाहिनाशेपवन सोइ जिसबातहुंतेहोवेनारि सकैनांहिगर्भकोधारि सोभीवातअरुवृषणनवात अंत्रवृद्धबातनरहात ॥

अथनारायणतैल चौपई विल्वअसगंधबलास्योनाक अग्निमंथनिश्चयलषवाक पाटलमूलअतिबलाजा-न दोइकंड्यारीमूलपल्लान भषडेअवरवकायणलीजै अरुपरसारिणीसमझपतीजै अरुतिंहिलघुजुकरेले-ठान प्रस्थप्रस्थइन्हकोपरिमान अष्टद्रोणजलपायपकावै पादशेषरहिजवलषपावै दोइआढकातिसतैलर-लाय दोइआढकबकरीदूधनिलाय रसशतावरीआढकदोय पुनइहऔषधतांहिसमोय रहसणचारोपरणी जान असगंधअगरगजकेसरठान सेंधाकुष्ठमांसीसुरदार दोनोहलदीचंदनडार तगरमुलहट्ठीशिलाजित-पावै तालीसपत्रसुपलाशमिलावै पुष्करमुत्थरभंगुराजीरा वरचकुठेरणचोरकवीरा अष्टवर्गपुनमानसुजा-न दोदोपलइन्हकोपरिमान कस्तूरीकेसरकर्पूर यहतीनोपलपललेपूर विधिवतसोंपकायकरधरै नित्य-यथाबलभक्षणकरै नरयहहस्तीकोंजुषुलावै सर्ववातहरबलसुवधावै पंगुवातअरुपक्षाघात आर्दितवात-शोषनरहात कंपवातवधिरताषोय वीर्यनाशवातहतहोय ग्रीवास्तंभजुगलग्रहजावै हनूस्तंभवातनरहावै वंध्याइस्त्रीयाहिजुषावै देवसमानपुत्रउपजावै दुष्टप्रजाजिसनारीहोय सुष्टप्रजाकोंप्रापतसोय भुजादि-कशाखावातनिवारै जिव्हारोगदांतरुजटारै शूलउन्मादकुवजज्वरनाशै पवनविकारजुसकलविनाशै तैलजुयांतेंउत्तमपरै तांहिनमनमोंनिश्चयधरै इसकरआवलअधिकीहोय इस्त्रीप्रियहोवतनरसोय अरुल-क्ष्मीकोंप्रापतहोय जयकामीजयप्रापतिसोय राक्षसदुष्टभूतअरुप्रेत अरुपिशाचभयनाशनहेत जोइसतै-लहिंसेवनगहै वर्षपांचसौजीवतरहै पूर्वकालदेवासुरयुद्ध होतभयोवडलोकप्रसिद्ध सुरसवअंगभग्नहोइ-गये यांकरहोतभयेअंगनये तिन्हनिमित्तनारायणस्वामी तैलरच्योयहअंतरजामी यांकरसुरहूंपुष्टताधा-री भयेदेवसबरहितविकारी तातेंपंडितवैद्यनजान नारायणतैलएनामवषान

अथमाषादितैल चौपई प्रस्थमाषआढकजलपाय पकाइपादशेषरहजाय चतुर्गुणतामोदूधसमावै प्रस्थतैलपुनपायपकावै जीवं-त्यादिकअष्टवर्गजोइ सेंधासौंफमर्कटीलषसोइ रहसणकोडजुकुष्ठमुलट्ठ कर्षकर्षइहपीसइकट्ठ यहपुन-पायपकायजुषावै मलैकरणशूलमिटजावै मंदश्रवणअरुपक्षाघात अंधरातात्रपवाहुकवात हस्तकं-पशिरकंपमिटावै जत्रूऊर्ध्ववातनरहावै यवतिलमाषयहत्रैजुप्रशस्त इन्हकोषोडशपलप्रशस्त घृतमधु-तैलतीनयहजान इन्हकोकुडवअष्टपलमान

अथमध्यममाषादितैल चौपई माषादिकाथबलाकोंकाथ वेरकाथयवकुलथनकाथ यहसबकाथकरोइकसाथ रहसणकाथदशमूलजुकाथ छागमांसरसअवरजुतैल प्रस्थप्रस्थसबकीजैमेल चतुर्गुणतामोंदूधरलाय अरुयहचूरणतामोंपाय रहसणआत्मगुप्ताजान सेंधाल-वणशतावरिठान एरंडबलाजीवनीयमुत्थर त्रिकुटाकर्षकर्षतामेंधर मंदअग्निसोंताहिपकाय षायथा-बलदेहमलाय हनूपृष्टवातयहनाशै बाहुकंपशिरकंपविनाशै बाहुशोषअपबाहुविदार कर्णशूलवधिरता-

टारै कर्णनादविश्वाचीजाय कुबजगृध्रसिअपतानमिटाय एतेवातविकारनसावै जत्रुऊर्ध्ववातमिट-जावै ॥ अथमहामाषतैल ॥ चौपई ॥ आढकअर्धमाषजोलीजै अर्धतुलादशमूलभर्नीजै छाग-लमांसतीसपलपावै तोयद्रोणमोंपायपकावै पादशेषइकरहैसोऊजब प्रस्थतैलपावैतामोंतब पुन-हींदुग्धचतुर्गुणपावै कर्षकर्षयहचूर्णमिलावै जीवनीचवककायफलजान चित्रात्रिकुटारहसणठान आत्मगुप्तासौंफमंजीठ एरंडधात्रीफलसुनईठ तीनोलवणशतावरिमानो भषडेअसगंधवरचपछानो अजवायणकचूरसमजोय पुनहीतामोपायगिलोय मंदअग्निसेंताहिपकावै षायमलैनसबारदिवावै नेत्रनकाननमोंपुनडारै कर्णशूलधिरताटारै कंपमिटैशिरग्रीवापाद अंधराताजावैइत्याद ॥ अथसा-मिकमहामाषतैल ॥ चौपई ॥ आढकमाषजोशुद्धमंगावै दशदशपलयहऔषधपावै परसारिणिअ-सगंधशतावरि कीतकीमूलअतिबलासहचरि एरंडबलाअवरदशमूल आत्मगुप्तालषसमतूल चौहट-पलकुर्कटकोमास द्रोणदोयजलमेलोतास अग्निचढायपकावैसोय पादशेषरहैछाणजोय तामोदुग्ध-द्रोणइकपाय दोयप्रस्थतेंहतैलमिलाय पल१लकरमहीनयहचूरण ताकेमध्यकीजियेपूरण जीवन्या-दिअष्टजोवर्ग चंदनकचूररहसणसंसर्ग सेंधावलाकुठसुरदार शुकाशिंबीएलापुनडार मांसीसौंफवि-डंगविदारी परसारिणिमुलट्ठीडारी शरलवृक्षवरचअसगंध दालहलदत्रिकुटासंबंध अमलवेतपुन-र्णवाआन एरंडजढसमकरोमिलान सबमिलायमंदाग्निपकावै बललषपीवैदेहमलावै अरुतांकीलेवै-नसबार अरुनेत्रनकानोंमोंडार कर्णशलशिरोरोगनिवारै हनूवातमुखरोगविडारै ग्रीवास्तंभअपवा-हुकनाशै करणअवहृदरोगविनाशै अंधराताजुबधिरतासोय वातगृध्रसीहरहैसोय कटग्रहअवरत्रिदोष-जवात आमवातयहकरहैवात विसूचीअवरपार्श्वकोशूल आंत्रवृद्धवातनिर्मूल अंडवृद्धवातमिटजावै षंजपंगुसोवातमिटावै जंघाऊरूपादपृष्टदुःख वातरक्तपीनसहरसुख जराअवरषल्लीकोवात नाश-वातकेशनकोपात एतेवातविकारमिटावै मांसवीर्यबलदेहवधावै बंध्यासायसुपुत्राहिजनै गर्भणीषायसुत-श्रेष्टसगुणै हस्तीअवरऊंठअसवारी यातेंसिथिलसंधदुःखभारी यातैंलाहिकरसांधेजोय होंहिसुथलपी-डासबषोय सबहीवातविकारनएह इंद्रवज्रसमजानोतेह अत्रीगोत्रकृष्णऋषिभाष्यो सवलोकनकों-हितकरआष्यो ॥ अथअन्यमहामाषतैल ॥ चौपई ॥ माषजुआढकअर्धमंगावै अर्धतुलादशमूलमि-लावै तिसतेंअर्धबलाकोमूल तांतेंअर्धकेतकीमूल कुरलमांसतीसपलपावै चटिकमासपलपची-सरलावै तोयद्रोणदोयपायपकावै शुद्धवस्त्रमोतांहिछणावै पादशेषरहैबहजवै प्रस्थतैलमेलेतेंहतवै दुग्धमिलावैप्रस्थजुचार याहिविधीसोंताहिनिवार जीवन्यादिअष्टजुवर्ग त्रिकुटाचवककरोसंसर्ग र-हसनएरंडपिपलामूल मंजीठकायफलपुष्करमूल आत्मगुप्ताअवरमुलठ्ठ कुठ्ठशतावरिकरोइकठ्ठ ती-नोलवणअवरअसगंध गिलोयजवायणकरसंबंध मुस्थरसुंठीवरचसौंफवर दोइकंड्यारीइटसिटतेंह-धर दोनोरजनीअवरकचूर यहसबकर्षकर्षलेपूर तैलपकावैषावैमलै पक्षाघातअंधराताटलै मंदश्र-वणअपतानकवात ग्रीवास्तंभकंपतनघात कर्णनादशिरकंपनसावै हस्तकंपअरुषंजमिटावै हनूस्तं-भपसूतीवात दंडवातभाग्योकहुंजात अंडवृद्धयहवातनसावै आंत्रवृद्धवातमिटजावै इत्यादिकस-भवातविकार नाशहोंहिजानोमतसार ॥ अथसिद्धार्थिकतैल ॥ चौपई ॥ दुधलेयआढकपरिमाण छाणकडाहेकेमधटान शतावरिकोरसप्रस्थजुदोय आद्रकरसइकप्रस्थसमोय प्रस्थएकपुनतैल-मिलावै कर्षकर्षऔषधयहपावै मांसीचंदनतजशतावरि दालहलदएलारहसणधरि अंशुमतीसेंधा-

मंजीठ तगरजवायणतंहधरईठ एरंडमूर्वामरचामिलाय असगंधसुंठकरचूर्णरलाय वालाअवरशै-लैयामिलाय पात्रपायकरअग्निचढाय सबामिलायमंदाग्निपकावै मासपर्यंतयथाबलषावै कुब्जवात-वामनजोवात पंगुभग्नवातनरहात् अवकुंचनवातजायएकांग हनूग्रहवातरक्तसर्वांग पामाकं-डूकुष्ठविडारै विचर्चिकाअरुगंडमालाटारै मुखकोपाकउदरकोरोग भगंदरव्रणरुजहोंहिअजोग सन्निपातज्वरविविधप्रकार शूलगुल्मविषभ्रमकोंटार आंत्रवृद्धअंडवृद्धनाशै शर्करापथरीपांडुवि-नाशै नेत्ररोगकामलानिवारै वंध्यातियकोदोषविडारै स्मृततीक्ष्णकरदृष्टिवनावै बलअरुवर्णआ-युवरपावै परमरसायनयाकोंजान वंगसेनयोंकीनवषान ॥ अथशतप्रसारिणीतैल ॥ चौपई ॥ शतपलइकप्रसारिणिलेय पादचतुर्थकाथकरतेय प्रस्थएकपयतांहिरलाय तैलप्रस्थलेतांहिमिलाय जीवकऋषभमेदकाकोली चंदनकुठशतावरिघोली दालहलदमंजीठरलावै रहसनकर्षकर्षयहपावै तांहिपकायमलैअरुषावै तांकोंगुणसुनग्रंथसुनावै समस्तवातरुजनाशविकार वंगसेनयोंकीनउचार ॥ अथत्रिंशतप्रसारिणीतैल ॥ चौपई ॥ प्रसारिणीअवरलेयदशमूल असगंधतुलाजुसमतूल द्रोणद्रोणजलमेंयहडारै भिन्नभिन्नत्रैकाथसुधारै पादशेषइन्हकोजबरहै वस्त्रछाणकट्ठेकरगहै ति-न्हमोंआढकतैलमिलावै आढकआढकपयदधिपावै इकआढककांजीतिहिडार दोदोपलऔषधयह-धार मंजीठमुलट्ठीपिपलामूल दोइत्चारचित्रासमतूल अवरवहेडेसेंधाजान पुनप्रसारिणीकरो-मिलान जीवन्यादिअष्टवर्गजोइ यहऔषधडारैपलपलसोइ सुंठपंचपलतामोंठान औरपलतीसमिला-वैमान सबइहपायइकट्ठेकरै पात्रसुमंदाग्नीपरिधरै ऐसेतैलपकावैषावै तनमोंमलैवातरुजजावै हनूसंधिअस्थिदुःखनाडि इन्हकीपीडाहरैविकारि स्मृतीमेधाकरबलपुरुषारथ अग्निवधैयहकह्योय-थार्थ ॥ अथलसणतैल ॥ चौपई ॥ लसणकुटायलेयरसजास तासमतैलमिलावैतास मंदअ-ग्निधरतांहिपकावै तनमोंमलैयथाबलषावै वातसमस्तविकारमिटावो विनारोगहोइकैसुखपावो ॥ अथमूलिक्यादितैल ॥ चौपई ॥ बलामूलिकारसकढवावै आढकतासप्रमाणधरावै दूधदहींअ-रुकांजीजान आढकआढकतामोंठान आढकतैलमिलायपकावै तिन्हकेमध्यऔषधीपावै रहस-णवलाअतिविषाजान सेंधासुंठसुहांजनाठान मघपीपलगजपीपलपाय चित्राभषडावरचमिलाय अवरमिलावेपलपलपावै तांहिपकाययथाबलषावै अरुतनमलैवातरुजनाशै अपतानकवातशोषजु-विनाशै कटीवातअरुस्तंभमिटावै पंगुपर्वपीडानरहावै कंपवातअरुगुल्मविडारै वंध्यापुत्रगर्भकोंधारै ॥ अथदशमूलादितैल ॥ चौपई ॥ दशमूलबलारहसणअसगंध गिलोयपुनर्नवाकरसंबंध करंजू-एरणरोहिषभिडंगी सहचरिपायशतावरिचंगी काकनासापुनवासाठान इकइकपलइन्हकोपरिमा-न यवअरअलसीमाषमंगावै वदरीफलकुलत्थसमपावै प्रसृतिप्रसृतिइन्हकोपरिमान चारद्रोणजल-मेंसबठान मंदअग्निधरतांहिपकावै द्रोणशेषरहैतांहिछनावै आढकगोपयआढकतेल अरुयहऔष-धतामोमेल जीवन्यादिअष्टकवर्ग पलपलातिहकीजैसंसर्ग इहविधितैलपकावैषावै मलैसमस्तवात-मिटजावै ॥ अथअसगंधादितैल ॥ चौपई ॥ इकशतदलअसगंधमंगावै द्रोणएकजलपाय-पकावै पादइकशेषरहैसोजवै आढकतैलमिलावैतवै आढकचारदुग्धपुनपाय पलपलऔषधचूर्णमि-लाय कमलभेहशालूकजुकंद पद्मसारवातिन्हमोवंद मेदाइटासिटअरुगजकेसर द्राक्षमंजीठकं-ध्यारीदोधर मालतीपुष्पकमलकोकेसर दालचीनीलेतांहीमोधर एलात्रिफलाचंदनमुत्थर पद्मकाष्ठ-

अरुलेतजपत्तर यहसबपलपलपायपकावै तनमेंमलैयथाबलखावै वातरक्तपित्तरक्तविनाशै सकलविकार-वातकेनाशै अरुयहतैलपुष्टताकरै ऐसेंनिश्चयमनमोंधरै ॥ अथशतावरितैल चौपई ॥ शतावरिरसपुन-दुग्धजुतेल प्रस्थप्रस्थलेतीनोमेल गोवरअग्निसंगपकावे कर्षकर्षयहऔषधपावे शतावरिअंशुमतीयह-ज्ञान पृष्टपर्णीपुनतामेंठान दोइबलाअरुएरणमूल सहचरिमूलपायसमतूल असगंधाविल्वअरुभषडा-आन पद्मकाथकरपायपकान याहिकाथमेंतैलपकावे चंदनबलाशिलाजितपावे मांसीतगरकुष्ठअरु-एला अंशुमतीतामेंकरमेला वृद्धजीवककाकोलीपाय उत्पलवरचमुलष्ठमिलाय देवदारुशतपुष्पालेय पीसमहीनकरचूरणतेय चूरणतैलहिंपायपकावै पीवैमलैनसवारादिवावै अंगपीडाशिरपीडाजाय दंडवातअपतानमिटाय नाशैवातरक्तअरुदाह शोथकामलानाशैताह गलग्रहपांडुयोनिकोशूल अव-रअफाराहोइनिर्मूल वंध्याइस्त्रीजोयहखावै पुत्रसुपुत्रजनेसुखपावै ॥ दोहा ॥ वातचिकित्सायहकही-वंगसेनअनुसार समझवैद्ययाकोंकरैमिटहैवातविकार ॥ इतिसमस्तवातविकारचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथवातरोगेपथ्यापथ्याधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ वातरोगकेपथअपथसवहीकरोंवषान करैचिकित्सासमझकरतांतेंहोयनहान ॥ अथपथ्यम् चौपई बुटणामर्दनतैलपछान स्वेदकरावैअरुघृतपान अग्निकर्मअरुबंधनजानो भूमिशयनपुन-पथ्यपछानो आतपअरुजलतप्तस्नान वसामिंझघृततैलप्रमान सट्ठीचावलकनकलहीजै रसकुलत्थति-लपथ्यकहिजै वरषएककेजीरणमाष चणेमुंगमोठपथभाष मद्यअश्वउष्टखरमांस श्याममहिषमांसपथ-तास वत्तकहंसमुरगाबीजानो वगुलामूषिकपथ्यपछानो भेडमांसगुहनकुलकहीजै सेहचिडामछीप-ललीजै वनकुंक्कटअरु तरमोर पक्वतालफलजानपटोल हिरनोलीकोतैलसुजानो अंबउष्णजलनीके-मानो लसणअरुतांबूलभनीजै महूफालसेपथ्यकहीजै पक्वदड्डनीअवरअनार सुंठद्राचभषडेउरधार जंभीरीजुवकायणजानो दुग्धअवरगोमूत्रपछानो सनिग्धउष्णभोजनकरवावै सनिग्धउष्णतनलेपल-गावै आमस्थानवातजोजावै तिसरोगीकोवमनकरावै अन्नपाकअस्थानजुवात करैप्रवेशदुःखहोइघात रेचनपथ्यतासकोकह्यो जैसेंवैद्यग्रंथमतलह्यो जोहाडोंमेंवातप्रकाशै गुग्गुलपथ्यतासकोभासे त्वचा-मांसरुधिरशिरजाय रुधिरमोच्चतिसपथ्यकहाय उदरअफारपवनसेहोजब लंघनकरवावैंव्याधीतब अ-तितीच्चणवस्तुभुगतावै वातपथ्यनसवारकहावै ॥ दोहा ॥ पथ्यनिरूपणयहकियेवातविकारमंझार सुनो चितमलायकैकरोंअपथ्यउचार ॥ अथअपथ्यम् ॥ चौपई ॥ विष्टामूत्रवेगकोधारन जागरणचिंताकीनउचा-रन केऊमटरसवांकेपछानो कंगुणीसणकेबीजवषानो इत्यादिकवातलजोअन्न सभीअपथ्यजानमन-मन्न वमनअवरश्रमभेहजुकहै वालतालफलरुंबललहै शालूककंदशीतलजलगनेउो रुधिरमोच्चमाष्यो पुनभनेउो अवरकोरेलेमैथुनभाष्यो अन्नविरुद्धअपथ्यसुआष्यो घर्षणदशनतीच्चणकटुरसजोइ अश्व-अवरगजपरचढनासोइ ॥ दोहा ॥ वातरोगकेपथअपथसवहीकहेसुनाय जैसेंभाषेशास्त्रमेंतैसेंदियेलषा-य॥ इतिवातरोगपथ्यापथ्यअधिकारःसमाप्तः ॥ दोहा ॥ वातरोगवरणनकियेप्रथमनिदानसुनाय पुनहिचिकित्साभाषके पथ्यापथ्यलषाय ॥ इतिवातरोगचिकित्सासमाप्ता ॥ शुभंभूयात् ॥

॥ अथवातरोगेअस्थयादिपीडाकर्मविपाकवर्णनम् ॥

॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ अस्थीपीडाअगनजेऊ वरणोलषोंअंगतुमतेऊ स्फोटनशिरगुरुताअरुपि-त्त शूलदेहमोहोवेनित्त उदरपीडामुखपीडाजान उरपीडाकटिपीडपछान जंघजानुपगपीडाजोय

कवीआरोग्यहोइनहिसोय कारणपापतिसकरोंवखान सुनलीजेंसोपुरुषसुजान तिलकीधेनुअजादेदान लोहचर्मजोलेयआजान शिलाउभयमुखिगौजोलेय हाथीअश्वलवणतिलजेय इत्यादिकदानजुकहेनिषिद्ध अवरजुसकलेलोकप्रसिद्ध इत्यादिकजोलेवेदान तिसरुजहोहिकरीजुवखान अरुजोब्रह्मअंशकोंहरे त्यागशरणआयेकोकरे अरुवेदशास्त्रकीनिंदाधारे इत्यादिकजोकर्मविचारे शृंगीदंतीनाखियनसंग इन्हसोंजासदेहहोभंग इनपायहूंकररोगजुहोय प्रगटलखैंजिन्हकोंसबकोय इनकोसुनोउपायसुनाऊं कालपुरुषकोदानवताऊ तांकीविधियोंकहोंसुनाय कर्मविपाकग्रंथज्योंगाय

॥ अथउपायः ॥

चौपई लोहसारमयपुरुषघडावे डेढहाथपरिमाणधरावे दोभुजातांकीवनवाय तीननेत्रातिसस्वर्णलगाय कानोस्वर्णभूषणपाहिरावे स्वर्णमुकुटाशिरपरधरवावे रूपेकेवाहुभूषणकरे लोहेकेहाथीपरधरे लोहेकोकरदंडकरीजे कालपुरुषकेहाथसुदीजे ग्रामहुंकीदाक्षिणादिशिमान इकमंडपकरवायसुजान तामंडपपरध्वजलगवावे कालपुरुषतिसमध्यविठावे माषमुंगगोधूमकुलत्थ खांखयुंगीमसुरइकट्ठ चणेसरोंतिलकट्ठेकरे कालपुरुषतिन्हऊपरधरे विधिसोंपूजैभलेवनाय स्नानगंधपुष्पादिचढाय धूपदीपनैवेद्यचढावे कुंभउपरादिगपालपूजावे सबहींदिशिमेंकलशधराय दिगपालनकीमूर्तिविठाय ब्रह्मादिककीपूजाकरे कालपुरुषन्याईलषपरे पुनाविधिसेतीहवनकरावे मनसोंश्रद्धाप्रीतलगावे सबकोंकरसंकल्पविधान विप्रहिंकोंदेवैसोदान उन्हरोगनसोंमुक्तलहेय जोप्रथमहिंकहिदीनेतय ॥ दोहा ॥ अस्थीपीडाआदिकोकारणकह्योउपाय वातजरक्तवखानहोंसोसुनलेचितलाय ॥ इतिवातरोगअस्थिपीडादोषकारणउपायःसमाप्तः ॥

॥ अथवातरोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ कर्कटराशीकेविषेसूर्य्यपडेबलवान तिसपरदृष्टीबुद्धकीयोगसंपूरणजान वातपित्तअरुकफअधिकतांहिपुरुषकोहोय तस्करक्रियासोंचित्तधरइहऔगुणतिहिजोय दिनकरकीपूजाकरोविधिविधानसंयुक्त होममंत्रकरजपकरेवातरोगहोइमुक्त इतिवातरोगज्योतिषंसमाप्तम्

॥ अथसर्वौषधिउत्पाटनमंत्र ॥

ॐनारायणायस्वाहा उत्तराभिमुखः स्थित्वाखदिरकीलेनखन्यते शतावरीऔषधीचसर्वासंसाधयस्वाहा ॐकुमारिजीवनीयेस्वाहा ॥ इतिसर्वौषधीउत्पाटनमंत्रः ॥

॥ अथवातरक्तरोगनिदानलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ वातजरक्तनिदानकोंवरणोंभलीप्रकार जैसेंग्रंथनिदानमोंप्रगटकीनउच्चार

॥ अथवातरक्तकारणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोअतिलवणअमलअतिक्षार अतिस्निग्धअतिउष्णअहार बहुदिनकोवासीअतिमास अतिजलजीवनमासगिरास अतितिलषलअतिमूलीखावे अतिकुलत्थअतिमाषजुपावे खायदहींअतिअतिजोखाहि अतिहीइक्षुशाकअतिखाहि आरनालआसवअतिखावे शाकसुहांजणसाथअघावे तक्रअवरअतिमदिरापान अरुविरुद्धभोजनतेंमान इन्हसमस्तभोजनतेंमानो अवरअ-

जीरणतैंभीमानो दिवास्वप्नअतिक्रोधजुधरै अरुअतिजागरणजोनरकरै अतिस्थूलतनुसुखियाजोय अतिकोमलतनजांकोहोय अतिहयऊष्टहस्तिपरचढै अन्नादिविदाहीभोजनकरै पगकरगमनकरेवहुजोय बातरक्तपादनमोंहोय मिथ्याहारविहारीजोऊ वातरक्तकोपअतिहोऊ एतेकारणयांकेजान प्रगटकरेयोंग्रंथनिदान इन्हकारणतेंरक्तसंपूर्ण दग्धहोयहोजावेचूर्ण तवहीवातयुक्तहोइजावे वातरक्तसोनामकहावे खहेतकुपित्तरक्तहोएजवै वायूमार्गकोंरोकततवै मार्गरोधकरकुपित्तजोवाय दुष्टरक्तमिलवृद्धिकराय

॥ अथवातरक्तपूर्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमस्वेदवहुतनुमोंआवे देहरंगलालहोइजावे करडीवस्तुस्पर्शनभावै होइस्पर्शतौपीडाथावै किसहूंकरतनुमोंक्षतजोय तातेंअधिकपीडतनुहोय संधिशिथिलआलसानिद्राऊ पीडासहितपिटिकाप्रगटाऊ जानूजंघयुक्तकटिजोय मुंहडेहस्तपादसंधिहोय इनमोंपीडाहोतीरहै अंगफुरैंतनुभारीलहै कंडूतनुविवर्णतालहिये मंडलचक्रइवव्रणजुलषैये दाहअवरतनुपिटिकाहोय अथवासुन्नरहेतनुसोय वातरक्तयहपूर्वलक्षण जानलहोहेपुरुषविचक्षण

। अथअधिकवातलक्षणम् ।

चौपई जोअसरोगअधिकहोइवात शूलशोथअंगदुखविख्यात अंगस्फुरणरौक्षताहोय वर्णकृष्णहोइजावैसोय नाडिअंगुलीसिमटीरहै अंगग्रहअतिपीडालहै शीतसाथवैरसोऊराषे निद्राहोइयोंलक्षणभाषे

॥ अथरक्ताधिक्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोअसरोगरक्तअधिकावे ताम्रवर्णतनुशोथलषावै देहत्वचाचिमचिमसीभासै अतिकंडूतनुपाकप्रकाशै कंडुसंगउकलेदजवहोय स्निग्धरूक्षकरसमनहिसोय

॥ अथवातरक्तस्वरूप ॥

चौपई ॥ शरीरमाहिरक्तजलजाय दुष्टहोयजुगपदप्रगटाय कठिनकरतइकअंगकेमाहि पैरनमेंसूजनपडजाहि हथेलीयोंमेंफुनसीज्योंपडें पाछेसवशरीरमोचढे वातरक्तइहचिन्हविचार भावप्रकाशमतकियोउचार

॥ अथवातरक्तरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

दोहा ॥ चिकित्सावातजरक्तकीवंगसेनअनुसार सोसुनियेअरुसमझियेपुनकीजैउपचार ॥ अथलेपनं ॥ चौपई ॥ रहसणजीरामधुकगिलोय सर्षपसहितवलालेदोय मधुघृतदुग्धमिलायलिपावै वातरक्ततनुतेंमिटजावै ॥ अथक्वाथः चौपई वासाअरुगिलोयसमआन अम्लतासपुनकरोमिलान विधिवतताकाकरेविधान क्वाथवनावैपुरुषसुजान एरणतैलपायसोपीवै वातरक्तनाशतवथीवै अन्यच्च त्रिवीविदारीतालमषाना वातरक्तहरक्वाथपछाना । अन्यच्च चौपई गिलोयक्वाथअरुसत्थजुगिलोय रसगिलोयजानोतुमसोय यहअभ्यासपानजोकरै चिरकोवातरक्तपरिहरै ॥ अथचूर्ण चौपई धनियांनागरअवरागिलोय यहसमचूरणखावैसोय वातरक्तकुष्टमिटजावै आमवातनाशैंसुखपावै क्वाथः गडुचीकीजैं

केवलकाथ पीवेताकोंगुग्गुलसाथ नाशैंवातरक्तकोहोय निश्चयमनमोंआनोसोय ॥ अन्यच्च चौपई ॥ हरडपांचअथवात्रयजान पीसेगुडसोंकरैमिलान गिलोयकाथसोपीवेसोय नाशेवातरक्तकोहोय अरु-जानूकीपीडाजावे वंगसेनयोंप्रगटसुनावे ॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ समलेगुग्गुलद्राक्षगिलोय पीस-विजोरारसजुसमोय अरुत्रिफलेकारसतिंहिपावे गुटिकावेरप्रमानवंधावै मधुमिलायकरखावेसोय ना-शेवातरक्तकोहोय पादस्फोटरोगमिटजाय अरुसर्वांगस्फोटमिटाय । अथमर्दनं चौपई लवणप्रियंगू-समपीसावे महिषीमाखनगूत्रामिलावे अरुगोदुग्धमिलावैजास मर्दनकरैदेहमोंतास वातरक्तरोगमिट-जावै देहस्फोटरोगनरहावे.

॥ अथगिलोयअनुपानविधिः ॥

। चौपई ॥ जोगिलोयकोंघृतसोंषावे तौविकारवातकोजावे जोतिसखावैगुडकेसंग कोष्ठवद्धकवज-होइभंग पित्तविकारामिसरीसोंनाशै मधुसोंकफविकारसुविनाशै एरंडतैलसाथजोखावे वातरक्तरोग-मिटजावे सुंठीसोंजोखायगिलोय आमवातकोंहरैहेसोय ॥ इतिगिलोयअनूपानम् ॥ अथकाथः ॥ ॥ चौपई ॥ वासागोखुरपांचोमूल अरुगिलोयजानोसमतूल काथकरैपुनएरणतैल काथवीचकीजैसो-मेल सेंधाहिंगुसंयुक्तपिवाय वातरक्तकटिपीडाजाय विष्टामूत्ररोधनरहाय आमवातकोरोगमिटाय ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ एरणवासावलागिलोय गोखुरतालमषाणसमोय यहसमकाथकरैजोपीवे वात-रक्तनाशतवथीवे अरुजानूकीपीडाजावे अंगस्फोटरोगनरहावे वर्धमानपिपलीकोंसेवे वागुडहरडसेवसु-खलेवे ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ तालमषानसमपायगिलोय करैकाथदोनोकोजोय भघचूरणकेसाथपि-लावे वातरक्तदूरहोइजावे ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ त्रिफलावरत्वमंजीठगिलोय कौडनिंवअरुहलदीजोय यहसमकाथवनायपिवावे वातरक्तनववार्षिकमिटावे कुष्टरक्तमंडलहोइनाश पामाकुष्टरहैनहितास अवरकपालककुष्टनसावे इहप्रकारग्रंथगुणगावे

॥ अथपित्तअधिकवातरक्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोवातरक्तमोंपित्तअधिकावे दाहमोहस्वेदउपजावे मूर्छामदतृष्णाहोइजोय सपर्श-किसूकासहैनसोय शोथपाकतनुतपतलषावे हवाडउष्णपित्तयुतयोंगावे

॥ अथरक्तपित्तअधिकउपाय ॥

चौपई ॥ जानेजोमध्यवातविकार रक्तअरुपित्तअधिकसंचार घृतअरुक्षीरपानकरतास चरनकरवा-वेलषजास ॥ अन्यच्च ॥ रक्ताधिकउपाय ॥ अधिकरक्तमधवातविकार तांकोयहकीजेउपचार घृतमधु-पयजुमुलट्ठउशीर इन्हसोंसेचकरावैधीर ॥ अन्यच्च ॥ शालमलीकोचूरणकरै भेडदुग्धसोंमर्दनधरै अ-धिकरक्तकोजायविकार वंगसेनयोंकीनउचार ॥ अन्यच्च ॥ सहस्रधौतघृतलेपजुकीजें अधिकरक्तविका-रसुछीजें । अन्यच्च । अधिकरक्तसोंतनहोइलाल पीडादाहप्रगटहोइनाल प्रथमहितांकोरुधिरनिकास पुनसोऊलेमर्दियेतास रक्ताधिक्यशांतिहोइजावे तांकोअवरउपायसुनावे अन्यच्च । प्रयालमुलट्ठीति-लअरुभेह वैंतकूमलीसमयहलेह पीसदुग्धघृततांहिमिलाय लेपनलालीदाहमिटाय । पित्ताधिक्यउपायः ॥ चौपई ॥ जोइसरुजमोंपित्तअधिकाय तवतांकोयहकरैउपाय द्राक्षकाश्मरीअंमलतास चंदनमुलट्ठी-

मेलोजास चीरककोलीतामोपाय यहसमलेकरक्काथवनाय मधुशर्करामिलायसुपीवै पित्तअधिकतौशांतीथीवै ॥ अन्यच्च ॥ त्रिफलाभीरूकौडगिलोय अरुपटोलतामध्यसमोय करैकाथशरकरमधुपावै पीवैपित्तअधिकताजावै.

॥ अथकफाधिक्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोकफअधिकहोययामाही जडतागुरुतातनुप्रगटाही शीतास्निग्धनिद्रातनुधरै मंदकंडूदेहीमोकरै.

॥ अथकफाधिक्यउपाय ॥

॥ चौपई ॥ जोइसमोकफअधिकलषावै तौताकोंमृदुवमनकरावै लेपनवहीउष्णकरलाय श्लेष्मअधिकतुरतमिटजाय ॥ अन्यकफकोलेपः ॥ चौपई ॥ श्वेतसर्षपाकरैमहीन तैलमूत्रमदिरायहतीन तांहिमिलायलेपजोकरै कफअधिकतातांसोंटरै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ सुहांजणअरुवारणामंगावै सूक्ष्मकांजीसंगमिलावै तनुपरलेपनकरहैसोय कफअधिकताछिनमोंषोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ केवलअसगंधलेपनकरै कफअधिकतौंहीपरिहरै ॥ अन्यच्च ॥ हिंस्रसर्षपनिंवअर्कअरुचार तिलसमलेपअधिककफटार ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥ धमाहांवरचकुष्ठशतावरि दोहलदीपीसावैसमधरि उष्णतोयसोंलेपनकीजै अधिकताकफरुजकीछीजै ॥ चूर्णम् ॥ चौपई ॥ सुंठीकौडगिलोयमुलट्ठ यहसमचूरणकरोइकट्ठ मधुगोमूत्रसंगजुपिलाय वातरक्तकफअधिकहिजाय.

॥ अथद्वंद्वजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मंदकंडुपीडातिहिंजानो द्विदोषचिन्हतिंहिनरहिपछानो.

॥ अथत्रिदोषजवातरक्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोयामोसवचिन्हलषाही वातरक्तत्रिदोषजनाही पादमूलकरमूलमंझार मूषिकविषइवशनैसंचार वातरक्तइसकोपहिंधरै तनुमोंफैलकष्टवहुकरै ॥

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पादआदिजानूपर्यंत फूटजांहिरसचलैतुरंत चयहोइवलअरुतनकामांस सहितउपद्रवदेहविनाश जोइसरुजाहिंवर्षहोइजावै सोहूअसाध्यनिदानसुनावै ॥

॥ अथउपद्रवः ॥

॥ चौपई ॥ शिरग्रहमूर्छानिद्रानाश ज्वरतृष्णामदश्वासजुकास दाहअरुचहिकाभ्रमजान अंगुलिनकंपवक्रतामान होवेस्फुटतातनुमंझार कंपउपद्रवकीनउचार मांसगलितवहुपीडाजानो मोहमर्मग्रहअर्बुदमानो क्लमविसर्पिअरुपिंगुलहोय उपद्रवएतेजानोसोय सहितउपद्रवअहैअसाध्य विनाउपद्रवहोइसोसाध्य एकदोषयुतहोवेसाध्य वहुतदोषयुतलषोअसाध्य होइनवीनसोसाध्यकहावै वहुदिनकोसुअसाध्यलषावै ॥ दोहा ॥ वातरक्तकेवर्णनकियोलषनिदानमतजोय साध्यचिकित्साजोकरेताकोंविघ्ननकोय ॥ इतिवातरक्तनिदानम् ॥

॥ अथसन्निपातयुक्तवातरक्तउपायक्काथः ॥

॥ चौपई ॥ हलदआंमलेमुथ्रसमआनै मंदअग्निसोंकाथसुठानै मधुमिलायकरपीवेसोय वातरक्तसन्निपातहिंषोय ॥

॥ अथवलाघृतवातरक्तको ॥

॥ चौपई ॥ वलाअतिवलामेदाजान आतमगुप्तारहसणठान काकोलीपुनक्षीरकाकोली द्राक्ष- शतावरिसमातिहघोली सबयहपीसैचूरणकरै चारगुणातामोंघृतधरै घृतसोंदुग्धचतुर्गुणपावै अग्निप- काययथावलषावै वातरक्तहृदरोगनिवारै पांडुदाहकामलाविडारै ॥ अथशतावरिघृत ॥ चौपई ॥ लोयशतावरिचूरणकरै समशतावरिरसमोंधरै चतुर्गुणघृतअरुदुग्धामिलावै वलअनुसारपकायसुखावै वातरक्तरुजहोइहेंनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश। अथसमशर्करगुगुलुः। त्रिफलात्रिकुटाचित्रजवानी दोजी- रकदोहलदविडंगपछानी कर्षकर्षइनकोपरिमान पीसमहीनवस्त्रकरिछान पांचोपलतिहगुगुलपावै शर्क- रापांचजुपलहिमिलावै ततघृततिससाथरलाय उठप्रभातयथावलखाय वातरक्तकोदूरनिकारे उदरकेरोगभगंदरटारे प्लीहयकृतविषमज्वरजाय चित्रककुष्टसवहीव्रणघाय चित्तविभ्रममदरोगजुनास गृध्रसीवातमंदाग्निविनास गुदजरोगअरुकोष्टजरोग इनरोगनकोकरेवियोग एतेरोगकरेनितघात जैसेंपर्वतवज्रकोपात ॥ अथगुडूचीघृत ॥ चौपई ॥ गुडूचीक्काथगुडूचीचूरण चतुर्गुणघृतअरुपयक- रपूरण मंदअग्निसोंतांहिपकाय षावैवातरक्तामिटजाय अवरहुंकुष्टरोगयहनाशै मालिनकांतिहरदुति- परकाशै ॥ अन्यच्च ॥ गुडूचीघृत ॥ चौपई ॥ लेगिलोयशतपलपरिमान द्रोणपायजलकरोपका- न रहैपादशेषसोजवै छनायप्रस्थघृतपावैतवै चूरणगिलोयअष्टपलपाय चारप्रस्थतिंहदुग्धमिलाय मंदअग्निधरतांहिपकावै व्याधीतांहियथावलषावै वातरक्तकुष्टहोयनाश पांडुकामलालिफविनाश कासश्वासज्वरकोइहहरै निश्चयअपनेमनमोंधरै। अन्यच्च। गुडूचीघृत। चौपई। गिलोयमुलट्ठद्राक्षअरु- त्रिफला वासाअमलतासपुनवला कौडभषडेमघसुरदार काश्मरीएरणवहडार दालहलदसुंठीपुनठान रहसणलीजेंतालमषान यहचूरणकरपलपलपावै प्रस्थआमलेरसजुमिलावै तीनप्रस्थजलतामोपाय प्रस्थएकघृतपायपकाय वलअनुसारतांहिकोषावै वातरक्तशिरपीडाजावै गंभीरवातउत्तानजुवात त्रि- कुलजंघकीपीडाजात पीडाजानुउरूकीनास उदरपीडपुनहोयविनाश आमवातदाहनहिंरहै मूत्रकृच्छ्र- परमेहसुदहै विषमतापयांतेंमिटजावै वलवीरजआयुपावधावै यहजुगुडूचीघृतपहिचान कुमारअ- श्विनीकीनवषान । अथमहागुडूचीघृत। चौपई। इकशतपलगिलोयजोआन एकद्रोणजलपायपकान जवैपादइकशेषरहावै एकप्रस्थघृततामोपावै दुग्धपायतिंहप्रस्थजुचार पुनपलपलयहचूरणडार का- कोलीअरुक्षीरककोली जीवकऋषवशतावरिघोली नीलोतपलअसगंधमुलट्ठ शालपर्णीजुकौडइकट्ठ ऋद्धवृद्धरहसणअरुवासा गिलोयप्रियंगूपावैतासा मेधाभषडेवालापावै चूरणकरतिससाथमिलावै दो- इकंडयारीपीसरलाय सबामिलायमृदुअग्निपकाय खावैअरुतनुमर्दनकरै वातरक्तशोथयहहरै षंजऊरू- स्तंभमिटावै रक्तपित्तअरुकृच्छ्रनसावै वातगृध्रसीकंठकवात एतेरोगजुभागैजात श्रीधन्वंतरिकीनवषा- न तिन्हकेवचनसत्यकरमान ॥ अथअमृतातैल ॥ चौपई ॥ गिलोयमुलट्ठीएरणमूल रहसणइटसिट- पांचोमूल जीवन्यादिअष्टवर्गजो चूर्णकीजेंशतपलपलसो वलापांचशतपलपहिचान एतायांकोजान-

प्रमान वेरविल्वयवमाषकुलत्थ यहआढकआढकलेहुतत्थ काश्मरीइकद्रोणअनावै शतजुद्रोणजलपाय-पकावै रहैतोयद्रोणजवचार द्रोणतैलतामोपुनडार पांचद्रोणदुग्धनहिपावै पुनयहऔषधपीसमिलावै चंदनगजकेसरअरुकेसर कुट्ठउशीरतालीसपत्रधर एलाअगरतगरजुसुलट्ठ पुनमंजिष्ठाकरोइकट्ट तीनतीनपलपायपकावै षावैमलैवातरुजजावै रक्तवातकंपसर्वांग योनिदोषकंपएकांग शस्त्रघाउकरचीराजुहोय वीर्यछीणकरछीणजुसोय उन्मादविषमज्वरअरुअपस्मार नाशैंयहनिश्चयमनधार पुंसवनअमृततैलकोनाम सुखदायकजानोअभिराम अथपिंडितैल सारिवारालमुलट्ठमिलाय मंजीठजुसिक्थ।तासरलाय तैलसिद्धतांकेसंगकीजे उठप्रभातसुदेहमर्लजै वातरक्ततातैंमिटजाय वंगसेनमतादियोवताय अथशतपुष्पातैल शतपुष्याकोकाथवनावै तैलसिद्धतासंगकरावै वामुलट्ठकाथकेसंग तैलसिद्धकीजेनिर्भंग अथवाकुट्ठकाथकेसाथ तैलसिद्धकीजेसुनगाथ तासतैलकोमर्दनकीजै वातरक्तकोरोगसुछीजै अथदशपाकवलातैल। चौपई। वलाचूर्णअरुवलाजुकाथ इन्हसमतैलकरैइकसाथ दुग्धचतुर्गुणपायपकावै इसहीविधिदशपाककरावै वलअनुसारनित्यजोषाय वातरक्तवातपित्तजाय याहीतैंपुंसवनजोहोय वीर्यवधावैजानोसोय। अथपुनर्नवागुग्गुलु। चौपई। शतपललेपुनर्नवामूल शतपलहीएरणकोमूल षोडशपलसुंठीपरिमान गुगुलपलजुअष्टतिंहठान घटप्रमाणजलपायपकावै अष्टमभागरह्योलषपावै कुडवजुएरंडतैलमिलाय चूरणत्रिवीपांचपलपाय निकुंभकाचूर्णइकपललेय गुडूचीचूर्णदोइपलदेय सुंठमघांमरचांयहतीन पलपलपावैपुरुषप्रवीन चित्रासैंधवविडंगमिलावै कर्षकर्षयहचूरणपावै स्वर्णमछीइककर्षपरिमान पलपुनर्नवाचूरणठान सबामिलायमंदाग्निपकावै चारटांकयाकोनितखावै वातरक्तगृध्रसीमिटाय वातविकारनष्टकरखाय जंघाऊरूत्रिकुलकीपीर पृष्टपीडनसेसुनवीर आमवातकोहोइहैनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश। अथअमृतागुग्गुलु। चौपई। तीनप्रस्थअमृताजुमंगावै गुगुलप्रस्थएकतिहपावै एकप्रस्थत्रिफलातिंहठान अरुपुनर्नवाप्रस्थप्रमान सबयहकूटइकठेकरै मणप्रमाणतोयमोंधरै मंदअग्निसोपक्कसुकीजे पादरहैतवहीतिसलीजै दंतीचित्रामघांगिलोय त्रिफलासुंठीतजसमोय वायविडंगपुनतामोठान अर्धअर्धपलजानप्रमान कर्षप्रमाणत्रिवीसंगदीजै मृदुलअग्निसोंसिद्धकरीजै ताहियथाबलनित्यजुषाय वातरक्तकुष्टमिटजाय गुदारोगअर्शादिविकार मंदअग्निपरमेहविडार आमवातकुष्टव्रणनाशैं भगंदरनाडीवातविनाशैं शोथसमस्तवातनरहावै ग्रंथकारमतताहिवतावै। अथसूर्यप्रभागुटिका। चौपई चित्रात्रिफलानिंवपटोल वराहमुलठीकेसरघोल अमलवेतजीवंतीपाय एलाकौंचवीजत्रिकुटाय मुस्थरपरपटकौडभिडंगी दंतीअजवायणधरचंगी नीलोत्पलजोपद्मकचूर औषधयहपलपलकरपूर पद्मकाष्टरहसणसुरदारु गिलोयजवाहाजीराडारु त्रिर्वीविडंगलताअसगंध तालीसपत्रधनियांसंवंध लवणतीनअजमोदाठान कारवीस्वर्णमछीपहिचान जायफलदाडिमदोनोंडार कंकोलवंशलोचनपुनडार उशीरआमलेपिपलामूल यहसबलेपलपलसमतूल दोइपलगुगुलपीसमिलाय पलजुअष्टकोगडतिंहपाय मिसरीप्रस्थकुडवघृतपावै लोहचूर्णपलअष्टमिलावै अर्धप्रस्थमधुसाथमिलाय स्निग्धपात्रमोंताहिधराय तलीप्रमाणगुटिकाकरषावै वातव्याधसबहीमिटजावैं ऊरूस्तंभअर्दितजुवाय गृध्रसिविद्रधिश्लीपदजाय हलीमकपांडुगुल्मअपस्मार आंत्रवृद्धखाईकोजोटार उदरशूलउन्मादविडारे अर्शभगंदरकंपनिवारे पार्श्वशूलअरुचियहनाशै उरक्षतहृदयशूलसुविनाशै अरुज्वरविषमप्रमेहनरहै रक्तपित्तअपचीकोदहै महाखाईनशूलकोनाश शोथकाम-

लाहोयविनाश वातपित्तकफअरुसंनिपात इन्हकेरोगजांहिविख्यात भोजनवहुप्रकारकोकरै भुक्तऔ-षधीपथ्यनधरै वर्षतीनशतजीवैसोय मेधाअग्निवृद्धिअतिहोय इंद्रियमोंवलवीर्यवधावै तीक्ष्णदृष्टिनेत्रप्र-गटावै वंध्यापायपुत्रउपजात होइनिरोगनरनारिजुषात ज्यौसूरजअंधेकारविनाशै त्यौंरोगअंधकारसुवि-नाशैं सूर्यतुल्ययाकेगुणजान सूर्यप्रभाइंहनामपछान ॥ अथकैशोरकगुगुल ॥ चौपई ॥ गुगुलमहिष-लोचनकीन्याय प्रस्थप्रमानआनपीसाय त्रिफलापावैप्रस्थप्रमान गुडूचीपलवत्तीसपछान एकद्रोणज-लपायपकावै अर्धरहैतवछाणधरावै लोहपात्रमोंताकोंधरै त्रिफलाचूर्णअर्धपलकरै दोदोकर्षपावै-त्रिकुटाय विडंगअर्धपलतांहिमिलाय दंतीत्रिवीकर्षजोकर्ष गुडूचीइकपलपायसहर्ष मंदअग्निधरसि-द्धकरावै मधुमेलेसुयथावलषावै स्निग्धपात्रमोंधरेवनाय गोकाघृततिससाथमिलाय अनुपांनजुताकेक-रोंवषान दुग्धयूषसुगंधजलमान वातरक्तनाशेएकांग जानुवातजावैसवांग नाशशोषकुष्टअरुकास शो-थगुल्मव्रणपांडुविनाश मंदअग्निपरमेहविडारै कवजकोष्टवंधयहटारै जरानिवारैयुवाप्रकाशैं किशोरा-वस्थाताकीभासै ॥ अथसिंहनादगुगुल ॥ चौपई ॥ त्रैपलत्रिफलाचूरणलीजैं त्रैपलगुगुलतामोंकीजैं कुडवएकएरणकोतेल लोहकडाहीमोसवमेल मंदअग्निसोंलेहुपकाय नित्ययथावलताकोंषाय वातपि-त्तकफरोगनिवारै वातषंजपंगूयहटारै कुष्टवातरक्तहोइनाश नाशेगुल्मकासअरुश्वास आमवातशूल-नहिंरहै इत्यादिकसवरोगहिंदहै मासएकपरयंतजुषावै युवाहोयनरजरामिटावै सिंहनादमृगभागेंजै-सें दर्परोगसवनाशैतैसें ॥ अथचंद्रप्रभागुटिका ॥ चौपई ॥ चित्राचवकअवरात्रिफलाय सुरदारुविडं-गअवरात्रिकुटाय मुथ्रकिरायतापिपलामूर वरेयांसोनमषीजुकचूर पांचलवणअरुदोनोक्षार वलातुंव-रुदोइहलदीडार गजपिप्पलअरुजानपतीस यहसवकर्षकर्षलेपीस दशपलशुद्धगुगुलतिहठान शि-लाजीतअष्टपलमान दोइपलपावैलोहाचूरण पलजुचारामिसरीकरपूरण कुंभनिकुंभत्रिसुगंधीगावै इकइकपलयहऔषधपावै सवामिलायकरगुटकालीजै नित्ययथावलभक्षणकीजै नाशोंअर्शजुषटपर-कार भगंदरपांडूकामलाटार वातपित्तकफरोगनथूर छर्दमंदअग्निहोइचूर गृध्रसिराजयक्ष्मपरमेह प्रदर-वीर्यक्षयपथरीषेह अष्टप्रकारवीर्यकोदोष वीसप्रकारप्रमेहैंशोष अनूपानइंहकरोंवषान तिंहकेसंगकी-जियेपांन तक्रजुअथवाछान्योंदही वारसमांसछागकोसही वारसवनपक्षिनकोमास शीतलजलवाप-यलषतास प्रथमहिंशिवशशिपूजाकरै पाछैंतेंऔषधअनुसरै जोजाकीइछासोइषावै यामोपथ्यअ-पथनरषावै जराअवस्थानाशैतास युवाआयुतनुकरैप्रकाश ॥ अथशिवगुटिका ॥ चौपई ॥ षोडशपल-जुशिलाजितजान त्रिफलारससोंपुरुषप्रधान तीनदिनालौंषरलकरीजे पुनसुकायकरताकोंलीजे पुनद-शमूलगिलोयपटोल गूत्रमुलठ्ठरसलेसमतोल इकइकरसकीपुटदेतीन खरलहिंमध्यसुकायप्रवीन पुन-इकदिनादुग्धकोंपाय षरलकरैपुनलेयसुकाय सूकोषरलकरैदिनसात पुनयहऔषधकरैमिलात काको-लिविदारिशितावरिमेद द्राक्षवृद्धऋद्धमहामेद वीराऋषभजीवंतीआनै मुंडीअंशुमतीसंगठानै दंतीरह-सणचित्रापावै चवककलिंगपाठापुनथावै ककडश्रृंगीपुष्करमूल कौडगजकणालेसमतूल अरुमुस्थ-रलेतासमिलाय पलपलसवकोमानधराय तालीसपत्रकुडवतिहपावै नागकेसरतजपत्रमिलावै पीसमि-लावैसवतिससाथ पायद्रोणजलकीजेंकाथ पादशेषजवरहेछनाय षोडशपलशिलाजीतरलाय षरलकरै-पुनऔषधएह पीसमिलावैतामोतेह ल्यावेसुंठीपलजोदोय धात्रीफलमघमरचसमोय ककडश्रृंगीएला-जान वंशलोचनदालचीनीठान विदारिपलपलपीसरलावै घृततैलमधुशर्करामिलावै टांकचारगुटका-

वंधवाय शुद्धपात्रमोलेयधराय जातिपुष्पकीधूणीदय ताहिकुंभधरवावैतय रसअनारसोंगुटिकाषावै अथवादुग्धसाथपीवावै अथवामदरासोंकरपान वाशीतलजलसोंअचवान इन्हअनुपाननसोनितषावै वर्षपर्यंतमर्यादरषावै जराअवस्थाहोवैनाश युवाअवस्थाकरैप्रकाश वातरक्तवहुवर्षनजावै राजयक्ष्मज्वरतुरतामिटावै योनिदोषअरुवीरजदोष लिफअर्शपांडुहोइशोष हृदयरोगपीनसनरहावै ग्रहणीगुल्मकासमिटजावै हिडकीश्वासअरुचजडताय उदररोगकुष्ठमिटजाय शोषनपुंसकताउन्माद अपस्मारहोवैवरवाद शिरमुखनेत्ररोगहाइनाश प्रमेहप्रदरकामलाविनाश भगंदररक्तपित्तयहनाशें अतिकृशतातनुकीसुविनाशें अतिस्थूलतातनुकीजावै प्रस्वेदरोगकोंदूरनसावै दंष्टविषगरविषनरहात यशवललक्ष्मीकांतउपजात नृपवल्लभनरहोवैसोय वादविवादहिंजयतिसहोय मेधास्मृतियहहोवैजास वलइंद्रियशरीरदृढभास वर्षप्रयंतभक्षणइंहगहै वर्षचारशतजीवतरहै सर्वरोगयहकरैविनाश परमरसायणजानोतास श्रीशिवजीगणपतिसोंआष्यो लोकाहितार्थहितसोभाष्यो ॥ दोहरा ॥ कहीचिकित्सावातरक्तकीवंगसेनअनुसार चतुरवैद्ययहसमझकेकीजैपुनउपचार ॥ इतिवातरक्तचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथवातरक्तरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ वातरक्तकेपथअपथसुनहोपुरुषसुजान जैसेंभाषेग्रंथमोतैसेंकरोंवषान ॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ वातरक्तरुजदोइपरकार तिन्हकोविवरोंकरोंउचार एकवातउत्तानकहावै दूजेकोंगभीरलषावै तूचामासआश्रयजोरहै नामउत्तानताहिकोकहै जोआंद्रोकेआश्रयहोय नामगंभीराकहियेसोय बुटनासिंघनवधनलेपान उत्तानविषेंएतेपथमान गंभीरविषैघृतपानपछानो पुनरेचनएतेपथजानो दोनोमेंजोपथ्यकहावें तिन्हसबनकोंगायसुनावै रुधिरमोक्षजलौकनजोय अथवानाडिवेधकरैसोय महिषीदुग्धतनुमर्दनजान घृतसतधौतपथ्यपरिमान भेडमाहिषवकरीकोक्षीर करैपांनसुखहोयशरीर चणकमोठमुंगसठीगेहुं सांउकयवकोटापथतेहु तोतातीतरलवावटेर कोकिलकुर्कटकोलषहेर चिडाकवूतरएतेमास जानोपथ्यकीनपरकाश वैंतकूमलीवाथूककहिये कायांकोठीशाकलहेये शाकचुलाईपटोलजुलहै अवरकरेलेपथ्यसुकहै वृद्धकूष्मांडऔरघृतभाष्यो अरुनवनीतपथ्यसुनआष्यो अमलतासधतूराजान एरणतैलद्राक्षपुनमान श्वेतसर्षपाचंदनस्वेत रक्तचंदनलषहोयहैभेत अरुकस्तूरीअगरकहावै देवदारुपुनपथ्यलषावै चीडतैलटाल्हीलषपैये तीक्ष्णवस्तूंपानकरैये दोहा वातरक्तरुजकेसभीकीन्हेपथ्यवषान अवजाकेजेतेअपथसोतुमसुनोसुजान ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ दिनकासोनाअरुसंताप अरुव्यायामअपथ्यसुथापआतपवैठनचलनाजान मैथुनमाषकुलत्थपछान केऊंअवररंवाहिसुनीजै खारिवस्तुतनुसिंचनकीजै अंडजअरुजलजीवनमास गन्नेगुडदधिमद्यप्रकाश मूलीकांजिअम्लपुनजेते उष्णगुरूकटुलवणसुतेते ॥ दोहा ॥ वातरक्तकेपथअपथसबहीकहेसुनाय त्यागअपथसेवैजुपथताकोंविघ्ननकाय ॥ इतिवातरोगपथ्यापथ्यसमाप्तम् ॥ दोहरा ॥ वातरक्तवरणनकियोप्रथमहिंकह्योनिदान मध्यचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिश्रीवातरक्तरोगचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथवातरक्तरोगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोजनयज्ञअदक्षिणकरै रत्नादिदानअदक्षिणअनुसरै संचयधनअधर्मकरैजोय आमवातरोगातिसकोहोय तासनिवारणकहौंउपाय सोसुनानिजमनमांहिवसाय॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ एकोपलस्वर्णहरणवनवावै वापलचाररजतवनवावै द्वादशपलताम्रकोकरै स्वर्णनेत्ररूपेखुरधरै शुक्लवसनऊपरउोढाय आढकतंडुलपरवैठाय बाहनवायुसोऊतिसजज्जै पवनमंत्रकरहवनहिसज्जै करसंकल्पविप्रकोंदेय आमदोषतैंमुक्तलहेय ॥ दोहा ॥ आमवातकेदोषकोकारणकह्योउपाय अतिस्थूलतनदोषकोंभाष्योसबहिंसुनाय ॥ इतिवातरक्तरोगदोषकारणउपायःसमाप्तः ॥ शुभम् ॥ ॥

इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांवातरोगाऽधिकारकथनंनामद्वात्रिंशोऽधिकारः ॥ ३२॥



इदं पुस्तकं
पं० विश्वनाथ एण्ड सन्स
इत्येतेषामाधिपत्यस्थे
'कश्मीर प्रताप स्टीम प्रेस श्रीनगर'
इत्याख्ये मुद्रणयन्त्रे
मुद्रितम्